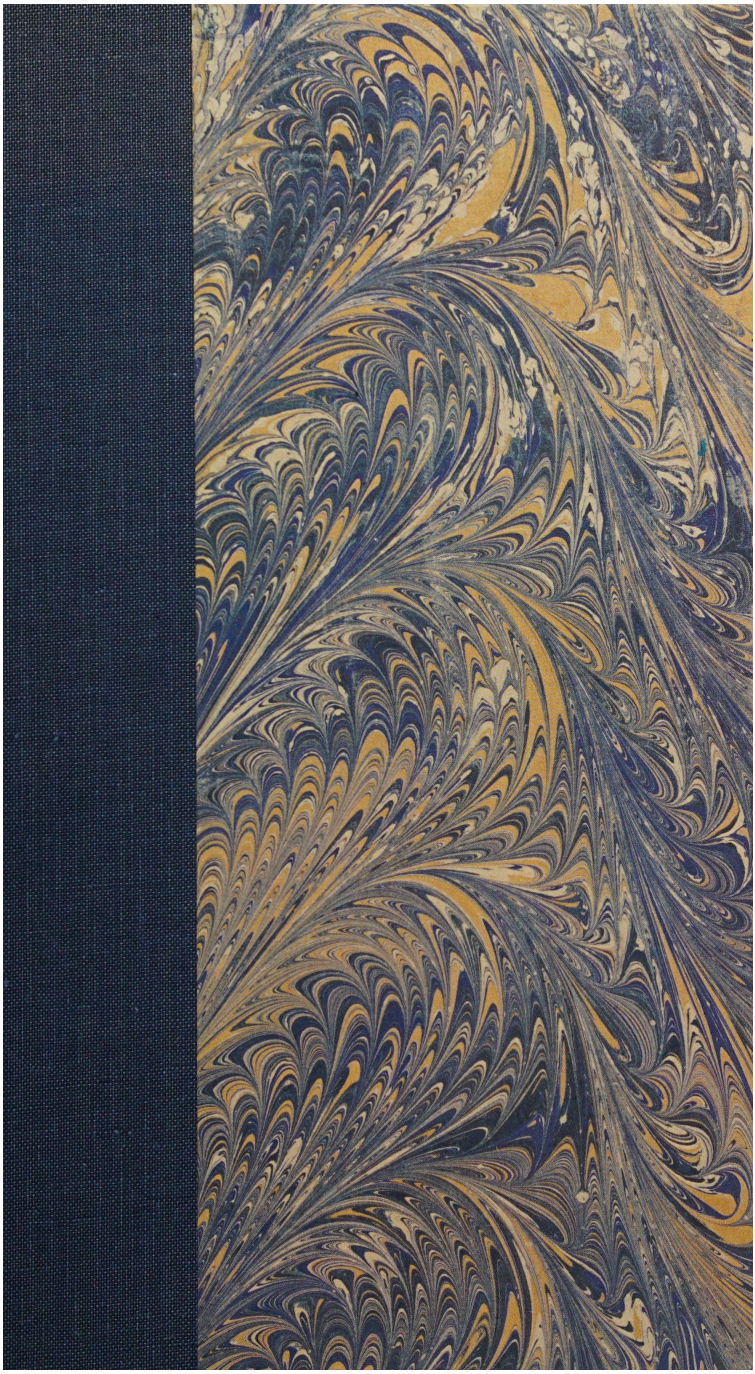
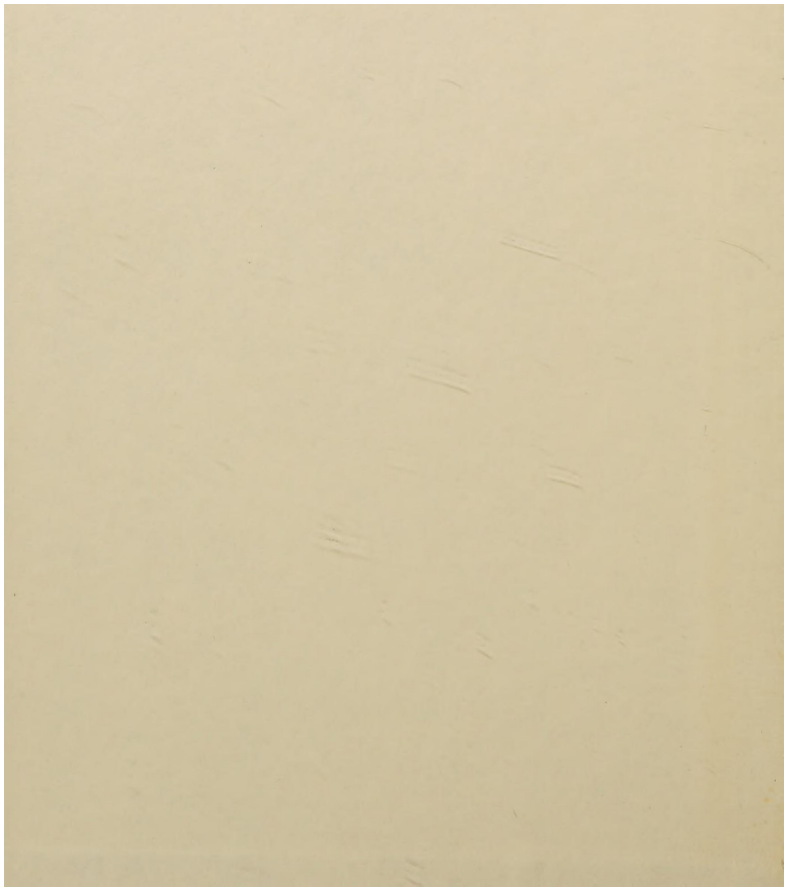
यह पुस्तक इंटरनेट आर्काइव द्वारा EPUB प्रारूप में तैयार की गई है।
पुस्तक के पृष्ठों को स्कैन करके स्वचालित रूप से EPUB प्रारूप में परिवर्तित किया गया है। यह प्रक्रिया ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन) पर आधारित है और इसमें कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। पुस्तक में पढ़ने का सही क्रम नहीं हो सकता है, और इसमें कुछ अटपटे अक्षर, शब्दहीन शब्द और संरचना का गलत अनुमान हो सकता है। स्कैन किए गए पृष्ठ से कुछ पृष्ठ संख्याएँ और शीर्षक/पादक रह सकते हैं। छवियों की पहचान करने वाली प्रक्रिया में पृष्ठ पर कुछ ऐसे निशान मिल सकते हैं जो वास्तव में पुस्तक की छवियां नहीं हैं। आपके ई-रीडर पर दिखाई देने वाली छिपी हुई पृष्ठ संख्या मुद्रित संस्करण में क्रमांकित पृष्ठों से मेल खाती है, लेकिन यह पूरी तरह से मेल नहीं खाती है; पृष्ठ संख्याएँ मुद्रित संस्करण के समान दर से बढ़ेंगी, लेकिन हो सकता है कि हमने मुद्रित पुस्तक की दिखाई देने वाली पृष्ठ संख्याओं से पहले ही क्रमांकन शुरू कर दिया हो। इंटरनेट आर्काइव स्कैनिंग प्रक्रिया और परिणामी पुस्तकों को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहा है, लेकिन इस बीच, हमें उम्मीद है कि यह पुस्तक आपके लिए उपयोगी होगी।
इंटरनेट आर्काइव की स्थापना 1996 में एक इंटरनेट लाइब्रेरी बनाने और सभी प्रकार के ज्ञान तक सार्वभौमिक पहुंच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। आर्काइव का उद्देश्य शोधकर्ताओं, इतिहासकारों, विद्वानों, दिव्यांगजनों और आम जनता को डिजिटल प्रारूप में मौजूद ऐतिहासिक संग्रहों तक स्थायी पहुंच प्रदान करना है। इंटरनेट आर्काइव में टेक्स्ट, ऑडियो, चलचित्र और सॉफ्टवेयर के साथ-साथ संग्रहित वेब पेज भी शामिल हैं, और यह दृष्टिबाधित और अन्य दिव्यांगजनों के लिए सूचना तक पहुंच हेतु विशेष सेवाएं प्रदान करता है।
hocr-to-epub (v.1.0.0) के साथ बनाया गया



इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल **44.00%** है।

<=%





काहले/ऑस्टिन फाउंडेशन से प्राप्त वित्तीय सहायता से इंटरनेट आर्काइव द्वारा 2022 में डिजिटाइज़ किया गया। https://archive.org/details/janeeyreOO0Ochar_w7h1





शार्लोट ब्रोंटे





जेन आयर



जेन कायर, शार्लोट ब्रोंटे द्वारा लिखित, बार्नेट फ्रीडमैन द्वारा लिखित। द हेरिटेज प्रेस, नॉर्वॉक, कनेक्टिकट।

The special contents of this edition
are copyrighted © 1974 by
The Heritage Press, Norwalk, Connecticut

जॉन टी. विंटरिच द्वारा लिखित यह पुस्तक कैसे अस्तित्व में आई: जॉन स्टोर्स स्मिथ को निश्चित रूप से गर्व हुआ होगा जब उनकी पुस्तक 'मिराब्यू: ए लाइफ हिस्ट्री' लंदन के प्रसिद्ध प्रकाशक स्मिथ, एल्डर एंड कंपनी के दो सुस्पष्ट खंडों में प्रकाशित हुई। तारीख थी 16 अक्टूबर, 1847। उसी दिन, उन्हीं प्रकाशकों के प्रायोजन से एक और पुस्तक प्रकाशित हुई। इसका नाम 'जेन आयर' था और शीर्षक पृष्ठ पर इसे करर बेल की रचना बताया गया था। करर बेल नाम जॉन स्टोर्स स्मिथ जितना स्त्रीलिंग न होते हुए भी निश्चित रूप से स्त्रीलिंग न लगता था। करर बेल शार्लेट ब्रोंटे थीं, इस तथ्य से निस्संदेह स्त्रीलिंग न लगने वाले श्री स्मिथ उस समय अवगत नहीं थे। मिस ब्रोंटे, विधवा रेवरेंड पैट्रिक ब्रोंटे की तीन (कुल पाँच) बेटियों में से एक थीं। पैट्रिक ब्रोंटे मोटे लेंस वाले चश्मे से हर रविवार को यॉर्कशायर के ब्रैडफोर्ड के व्यस्त कपड़ा उद्योग केंद्र से कुछ दूरी पर स्थित हॉवर्थ नामक एक छोटे से, संकरे से कस्बे के गिरजाघर में धर्मग्रंथों को बड़ी मुश्किल से देखते थे। उनका एक बेटा ब्रैनवेल भी था, जो गाँव का

एक तरह का मनमौजी व्यक्ति था। शराब की लत परिवार के बाकी सदस्यों के लिए चिंता का विषय थी और शार्लोट को इससे बेहद गुस्सा आता था। तपेदिक की लत, जो उसे अपनी बहनों एमिली और ऐनी के साथ थी, शराब की लत से कहीं अधिक उसकी 31 वर्ष की आयु में मृत्यु का कारण बनी। तीन महीने बाद, इसी बीमारी ने 30 वर्ष की एमिली को और उसके पाँच महीने बाद 29 वर्ष की ऐनी को अपनी चपेट में ले लिया। दोनों में से किसी ने भी शराब नहीं पी थी। ब्रोंटे बहनों ने बचपन से ही बहुत कुछ लिखा था—उनके जीवनकाल में छपने वाली रचनाओं से कहीं अधिक। उनके जीवनकाल में जो कुछ छपा, वह आज भी बार-बार पढ़ा जा रहा है, जॉन स्टोर्स स्मिथ के जीवन इतिहास पर आधारित 'मिराब्यू' जैसी कृति के विपरीत। करर (शार्लोट), एलिस (एमिली) और एक्टन (ऐनी) बेल (ब्रोंटे) की कविताओं का एक संक्षिप्त संस्करण पहले से ही उपलब्ध था। ब्रैनवेल का नाम क्यों नहीं है? वे कविताएँ लिखते थे। क्या शार्लोट ने इस पर आपत्ति जताई थी? लेकिन शायद ब्रैनवेल ने भी इस नाम को आगे बढ़ाने में योगदान दिया हो।

xii यह पुस्तक कैसे अस्तित्व में आई ue ————————————_ एक ऐसी दूरदर्शिता जो प्रकाशक चल टाइप के आविष्कार के बाद से ही हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। इसका अगला भाग इतिहास है। इस प्रस्तावना को समाप्त करते ही आप जेन आयर का केवल नवीनतम संस्करण पढ़ने वाले हैं। कल एक और संस्करण आएगा (मुझे लगता है, यह वर्तमान संस्करण जितना उपयुक्त नहीं होगा), और उसके अगले दिन एक और, और एक साल, दो साल, और उसके अगले दिन के बाद दस हजार साल बाद एक और संस्करण आएगा। अब हम जॉन स्टोर्स स्मिथ की ओर लौटते हैं, जिनकी पुस्तक 'मिराब्यू: ए लाइफ हिस्ट्री' फिर कभी प्रकाशित नहीं हुई। बीस साल बाद—शार्लोट की मृत्यु तेरह साल पहले, 1855 में हुई थी, जो 'लीव्स ऑफ ग्रास' और 'हियावाथा' का वर्ष था—श्री स्मिथ ने मिस ब्रोंटे की कुछ यादें 'फ्री लांस' में प्रकाशित कीं। उन्होंने अपने समय के साहित्य की स्थिति पर खेद व्यक्त किया, जिसकी तुलना उन्होंने चालीस और पचास के दशक के शानदार साहित्य से की। अपने जीवन के अंतिम दिनों में, उन्होंने स्वीकार किया, या यूँ कहें कि गर्व से कहा, साहित्य एक "विस्तृत जाल" में तब्दील हो चुका था। लेकिन बीते हुए समय में, "देश के पढ़ने वाले युवा साहित्य को उत्साह और जुनून से देखते थे। वे अपने पसंदीदा लेखकों की आने वाली रचनाओं का बेसब्री से इंतज़ार करते थे, उन्हें जल्द से जल्द

पाने के लिए अथक प्रयास करते थे, उन्हें बड़े चाव से पढ़ते थे, और अपने लेखकों की एक झलक पाने के लिए मीलों पैदल चलने को तैयार रहते थे।" खैर, जेन आयर को उस सुखद युग में प्रकाशित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। (श्री स्मिथ, जो एक अच्छे स्वभाव के व्यक्ति प्रतीत होते थे, ने कम से कम सार्वजनिक रूप से, इस बात पर कभी नाराज़गी नहीं जताई कि पढ़ने वाले युवाओं का उत्साह और जुनून मिराब्यू: ए लाइफ हिस्ट्री जितनी व्यापक नहीं थी।) श्री स्मिथ उत्तरी क्षेत्र में, हॉवर्थ से कुछ ही मील दूर रहते थे। वे एक गंभीर छोटे साहित्यिक समूह के सदस्य थे जो पूरी तरह से निजी था। वहाँ "एक वकील था जो पूरी शाम बिना बोले बैठा रहता था, लेकिन वह आपको जर्मन भाषा का ऐसा रहस्य बता देता था जो कई जर्मनों को भी उलझन में डाल देता था"; वहाँ एक निर्माता के कार्यालय में एक लेखाकार था जो वेस्ट राइडिंग के सभी पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं के बारे में जानता था; वहाँ एक सज्जन थे जो सक्रिय रूप से व्यापार में लगे हुए थे, लेकिन जिनके पास तीन आधुनिक भाषाएँ सीखने और संगीत को देखकर आलोचनात्मक रूप से पढ़ने का समय था। ऐसा लगता है कि समूह में दस से कम सदस्य थे। वे हर शनिवार शाम को मिलते थे। ऐसा प्रतीत होता है कि श्री स्मिथ 1850 की शुरुआत में समूह में शामिल हुए थे - जेन आयर और मिराब्यू: ए लाइफ हिस्ट्री के एक साथ प्रकाशन के दो साल से कुछ अधिक समय बाद। हालाँकि, श्री स्मिथ के शामिल होने का समय इससे पहले भी हो सकता था।

इस किताब की उत्पत्ति कैसे हुई? तारीखों के मामले में श्री स्मिथ की याददाश्त कुछ खास अच्छी नहीं थी—उन्हें याद आया कि जेन आयर "1848 में प्रकाशित हुई थी", जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं था, क्योंकि श्री स्मिथ को यह बात पता होनी चाहिए थी, और शायद शार्लोट ब्रोंटे को छोड़कर शायद उनसे बेहतर कोई नहीं जानता होगा। लेकिन जब वे इस समूह में शामिल हुए, तो एक अफवाह प्रचलित थी—एक अफवाह जिसे "शुरू में बेतुका माना गया", लेकिन "धीरे-धीरे विश्वसनीय लगने लगी", और बाद में "किसी भी अघोषित तथ्य की तरह लगभग निश्चित" हो गई, कि जेन आयर "एक ऐसी महिला की कलम से लिखी गई थी जो दलदली भूमि के उस पार सिर्फ नौ मील दूर रहती थी।" जैसा कि उम्मीद की जा सकती है, लंदन में यह पहेली अब उतनी बड़ी पहेली नहीं रह गई थी; यह अधिक उल्लेखनीय है कि कम पढ़े-लिखे प्रांतों ने इसका हल ढूंढ लिया था। भविष्यवक्ता को अपने देश में सम्मान प्राप्त था। पठन समूह ने श्री स्मिथ को उस महिला से मिलने के लिए चुना—यदि इस मामले पर मतदान होता। श्री

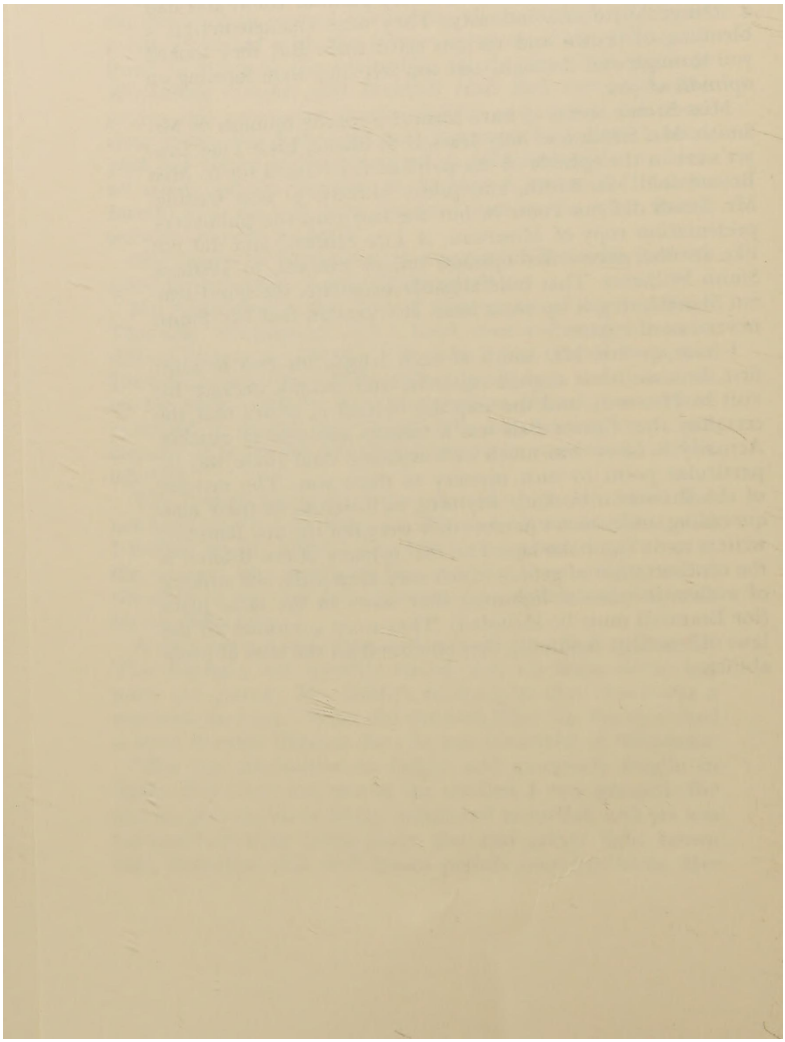
स्मिथ ने निश्चित रूप से अपने पक्ष में मतदान किया। क्योंकि यह विचार निस्संदेह शुरू से ही उनका था। "किस्मत ने मानो मुझे लेखिका से एक ही साल में और एक ही प्रकाशन गृह से जोड़ा था; इसलिए किस्मत का थोड़ा साथ देना और उनसे व्यक्तिगत संबंध बनाना उचित ही था। मैंने तय किया कि बिना किसी धृष्टता के, बल्कि पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ, जो उन्हें प्रसन्न कर सकती थी, मैं अपनी कृति की एक प्रति भेंट के रूप में भेजूं, साथ ही एक नोट भी लिखूं जिसमें मैं और मेरे मित्र अपनी अद्भुत पड़ोसी की रचनाओं के प्रति प्रशंसा व्यक्त करें।" यह काम हो गया और एक हफ्ते से भी कम समय में श्री स्मिथ को जवाब मिल गया। 6 मार्च, 1850 को सी. बेल ने बताया कि "मेरे प्रकाशकों की कृपा से" (क्यों न "हमारे प्रकाशकों"?) "मुझे पहले ही 'मिराब्यू: ए लाइफ हिस्ट्री' पढ़ने का अवसर मिल चुका है, लेकिन लेखिका से यह कृति उपहार के रूप में प्राप्त करना अतिरिक्त आनंद है।" पत्र में आगे लिखा था: "मुझे यह जानकर खुशी हुई कि मेरे लेखन ने आपको कुछ सुखद क्षण दिए हैं, और यदि मेरी कृतज्ञता इस डर से थोड़ी कम हो गई है कि आप मुझे मेरी योग्यता से अधिक श्रेय दे रहे हैं, तो शायद यह बेहतर ही है; अशुद्ध पेय शायद ही कभी लाभकारी होता है।" अगले सितंबर में—उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने इतना लंबा इंतजार क्यों किया—श्री स्मिथ दलदली भूमि पार करके हॉवर्थ गए, पहले उन्होंने यह पूछा कि क्या वे वहाँ जा सकते हैं और उन्हें अनुमति मिल गई थी। उन्होंने हॉवर्थ को "अब तक का सबसे निर्जीव और उदास दिखने वाला स्थान पाया। जीवन, व्यापार या यातायात का कोई संकेत नहीं था। यहाँ तक कि घर भी दयनीय लग रहे थे, और अगर पत्थर भी बिल्कुल निर्दयी दिख सकते थे, तो वे थे। सारी सुंदरता और प्राच्य संस्कृति से रहित।

——————————————————— ईईओ रंग में, यह एक कमल की भूमि जैसा था; एक ऐसी जगह जहाँ, चाहे सूरज कितना भी चमके—और उस दिन वह सबसे शानदार ढंग से चमक रहा था—ऐसा लगता था मानो हमेशा दोपहर ही हो। लेकिन जब तक मैं इसकी खड़ी पहाड़ी के अंत तक पहुँचा, मेरा शरीर थक चुका था, और मेरा उत्साह आत्मा की एक दमनकारी सुन्नता में तब्दील हो गया था। कोई वहाँ जीवन भर कैसे रह सकता है और उदास न हो, यह समझ से परे था। लेकिन जब मैंने नम और निराशाजनक कब्रिस्तान को पार किया—मृतकों का एक झंडों से बना समूह, जो एक शहरी कब्रिस्तान की सारी भयावह कुरूपता और जंगल के क्रूर एकांत को

मिलाता हुआ प्रतीत होता था—और पादरी के घर के सामने खड़ा हुआ, तो वुदरिंग हाइट्स और वाइल्डफेल हॉल के सभी आंतरिक रहस्य और एलिस और एक्टन बेल की बौने जैसी प्रतिभा और असमय मृत्यु मेरे लिए स्पष्ट हो गई। पादरी का घर एक छोटा पत्थर का मकान था जो कब्रिस्तान के एक कोने में स्थित था। एक खेत अलग से निर्धारित किया गया था, और चर्च के संस्थापकों ने कहा था, 'इसके तीन चौथाई हिस्से में हम मृतकों को दफनाएंगे, और शेष एक चौथाई में जीवितों को दफनाएंगे।' गाँव के सराय में ब्रैनवेल ब्रोंटी की नेपेंथे (पवित्र स्थान) की खोज की तात्कालिकता को समझना अब आसान हो जाता है। श्री स्मिथ के पास एक कुत्ता था, "मेरी सैर का प्यारा साथी।" यह कुत्ता "काली नाक और घने बालों वाले चेहरे से शुरू होता था, जो किसी यू.पी. एल्डर (यूनाइटेड प्रेस नहीं, बल्कि यूनाइटेड प्रेस्बिटेरियन) की तरह चालाक दिखता था, और उसके पैर टेढ़े थे, और फिर वह इतना लंबा हो गया कि ऐसा लगता था मानो प्रकृति ने उसे अनंत काल तक बढ़ाने का इरादा किया हो, लेकिन थककर उसने 'जारी रहेगा' लिखकर अपनी पूंछ जोड़ दी हो और उसे वहीं छोड़ दिया हो।" ब्रोंटी परिवार के पास भी एक कुत्ता था - जिसके बारे में श्री स्मिथ को जानकारी नहीं थी। “वह बहुत बूढ़ा था, लगभग बिना दाँतों का, और मेरा मानना है कि वह पूरी तरह अंधा था।” स्मिथ का कुत्ता खुशी से उछलते हुए उस बूढ़े कुत्ते के पास पहुँचा, जो उस पर झपटा और “अपने भारी वजन से ही उस जवान कुत्ते को पलट दिया और उसके बिना दाँतों वाले मसूड़ों को हल्के से नोचने लगा।” एक दरवाजा खुला, और “जेन आयर की लेखिका प्रकट हुईं।” कुत्तों की लड़ाई जल्दी ही खत्म हो गई, और कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन कोई भी मिस्टर स्मिथ के इस कथन का खंडन नहीं कर सकता कि “यह एक रोमांटिक मुलाकात थी।” वह कैसी दिखती थीं? मिस्टर स्मिथ ने मिराबो की तुलना में उनकी कहीं अधिक टिकाऊ छवि उकेरी: “वह कद में छोटी और बेहद नाजुक थीं। उनका हाथ मेरे द्वारा पकड़े गए सबसे छोटे हाथों में से एक था। वह खूबसूरत होने का दिखावा नहीं करती थीं, फिर भी सादी बिल्कुल नहीं थीं। उनके हल्के भूरे बाल थे, कुछ पतले और सीधे उनके माथे पर फैले हुए थे।

यह किताब कैसे अस्तित्व में आई XV SSS enmeseeemenmemenemmeneeeememee eee उसके चेहरे पर कोई रंग नहीं था, और उसके होंठ भी पीले थे; लेकिन उसकी मुस्कान प्यारी थी, जिसमें कोमल उदासी की झलक थी। कुल मिलाकर वह सरल, भावहीन, एक शांत छोटी

महिला थी। उसकी उम्र मैंने लगभग पैंतीस वर्ष आंकी। [वास्तव में वह तब चौंतीस वर्ष और तीन महीने की थी।] लेकिन जब आप उसकी आँखों को देखते और महसूस करते, तो जेन आयर को जन्म देने वाली आत्मा तुरंत प्रकट हो जाती। 'वे अपेक्षाकृत छोटी थीं लेकिन एक बहुत ही अनोखे रंग की थीं, और उनमें एक अजीब सी चमक और तीव्रता थी। वे गिरगिट की तरह थीं, भूरे और विभिन्न जैतून के रंगों का मिश्रण। लेकिन वे आपको पूरी तरह से परखती थीं, और आपको लगता था कि वे आपके बारे में कोई राय बना रही हैं।' ऐसा लगता है कि मिस ब्रोंटे ने मिस्टर स्मिथ के बारे में जल्दी ही अपनी राय बना ली थी। इसके लिए मिस्टर स्मिथ खुद ही जिम्मेदार थे। दर्द निवारक दवा वाले प्रसंग में टॉम सॉयर की बिल्ली की तरह, उन्होंने खुद ही मुसीबत मोल ली थी। मिस ब्रोंटे ने मिस्टर स्मिथ को साफ-साफ शब्दों में लिखना बंद करने को कहा। मिस्टर स्मिथ को पता नहीं था, लेकिन उन्होंने प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित 'मिराब्यू: ए लाइफ हिस्ट्री' की प्रस्तुति प्रति पढ़ ली थी और उन्हें वह पसंद नहीं आई थी। उन्होंने अपनी राय विस्तार से विलियम स्मिथ विलियम्स को बता दी। ब्रोंटे के उस उत्साही प्रशंसक, स्वर्गीय क्लेमेंट शॉर्टर ने वर्षों बाद उस पत्र को खोज निकाला। यह निश्चित है कि मिस्टर स्मिथ ने वह पत्र कभी नहीं देखा। मैंने मिस्टर स्मिथ के कथन को इतनी विस्तार से उद्धृत करने के दो कारण हैं: पहला, क्योंकि वे एक अच्छे पत्रकार हैं, और दूसरा, क्योंकि हॉवर्थ की उनकी यात्रा और उसके पीछे की प्रेरणा यह साबित करती है कि करर बेल के महिला होने की बात जल्दी ही फैल गई थी। वास्तव में यह कभी कोई बड़ा रहस्य नहीं था। और जो भी रहस्य था, उसका कोई खास मतलब नहीं था। ब्रोंटे बहनों का रहस्य इससे परे है। पुरुषों के नाम से भेस बदलने जैसी बचकानी हरकतें—वे ऐसा करने वाली पहली या आखिरी महिला लेखिकाएँ नहीं थीं। ब्रोंटे बहनों का असली रहस्य उनकी प्रतिभा का सम्मोहन है, जो एक ही स्थान पर चार बार वास्तविक दिव्य बिजली गिरने जैसा है (ब्रैनवेल को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए)। वे वंशानुक्रम के सभी नियमों को गलत साबित करती हैं। निश्चित रूप से वे संभाव्यता के सभी नियमों को भी गलत साबित करती हैं।



लेखक की "दूसरे संस्करण की प्रस्तावना: जेन आयर के पहले संस्करण की प्रस्तावना अनावश्यक थी, इसलिए मैंने कोई प्रस्तावना नहीं लिखी; इस दूसरे संस्करण के लिए आभार और कुछ अन्य बातों के लिए कुछ शब्द कहना आवश्यक है। मैं तीन भागों में धन्यवाद देना चाहता हूँ। जनता को, जिसने एक सरल और सरल कहानी को उदारतापूर्वक सुना। प्रेस को, जिसने अपने ईमानदार समर्थन से एक गुमनाम लेखक को अवसर प्रदान किया। मेरे प्रकाशकों को, जिन्होंने अपनी सूझबूझ, ऊर्जा, व्यावहारिक सोच और खुले दिल से एक अज्ञात और अप्रशिक्षित लेखक की मदद की। प्रेस और जनता मेरे लिए अस्पष्ट प्रतीक मात्र हैं, और मुझे उन्हें अस्पष्ट शब्दों में ही

धन्यवाद देना होगा; लेकिन मेरे प्रकाशक निश्चित हैं: और वे उदार आलोचक भी, जिन्होंने मुझे इस प्रकार प्रोत्साहित किया है जैसे केवल उदार हृदय और उच्च विचार वाले लोग ही किसी संघर्षरत अजनबी को प्रोत्साहित करना जानते हैं; उन्हें, अर्थात् मेरे प्रकाशकों और चयनित समीक्षकों को, मैं हार्दिक रूप से धन्यवाद देता हूँ। मेरे दिल में। इस प्रकार उन लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने के बाद जिन्होंने मेरी सहायता की और मुझे स्वीकार किया, मैं एक अन्य वर्ग की ओर मुड़ता हूँ; जहाँ तक मुझे पता है, यह एक छोटा वर्ग है, लेकिन इसलिए इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। मेरा तात्पर्य उन डरपोक या आलोचना करने वाले कुछ लोगों से है जो जेन आयर जैसी पुस्तकों की प्रवृत्ति पर संदेह करते हैं: जिनकी दृष्टि में जो कुछ भी असामान्य है वह गलत है; जिनके कान कट्टरता के विरुद्ध प्रत्येक विरोध में—जो अपराध का जनक है —धर्मपरायणता का अपमान पाते हैं, जो पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि है। मैं ऐसे संशयवादियों को कुछ स्पष्ट अंतर सुझाना चाहूँगा; मैं उन्हें कुछ सरल सत्यों की याद दिलाना चाहूँगा। रूढ़िवादिता नैतिकता नहीं है। आत्म-धार्मिकता धर्म नहीं है। पहले पर हमला करना दूसरे पर हमला करना नहीं है। फरीसी के चेहरे से नकाब उतारना काँटों के ताज की ओर एक अपवित्र हाथ उठाना नहीं है। ये बातें और कर्म एक दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं: वे उतने ही अलग हैं जितना कि बुराई और अच्छाई। मनुष्य अक्सर इन्हें भ्रमित कर देते हैं: इन्हें भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए: दिखावे को सत्य नहीं समझना चाहिए; संकीर्ण मानवीय सिद्धांत, जो केवल कुछ लोगों को महिमामंडित और महिमामंडित करना, मसीह के विश्व-उद्धारकारी सिद्धांत का विकल्प नहीं होना चाहिए। मैं दोहराता हूँ, इसमें अंतर है; और 17वें अध्याय को चिह्नित करना एक अच्छा कार्य है, बुरा नहीं।

xviii द्वितीय संस्करण की लेखक की प्रस्तावना: उनके बीच की विभाजक रेखा को व्यापक और स्पष्ट रूप से परिभाषित करें। संसार इन विचारों को अलग-अलग देखना पसंद नहीं कर सकता, क्योंकि वह इन्हें आपस में मिलाने का आदी रहा है; बाहरी दिखावे को ही वास्तविक मूल्य मान लेना—सफेदी से पुती दीवारों को पवित्र मंदिरों का प्रमाण मान लेना—उसे घृणा हो सकती है जो छानबीन करने और पर्दाफाश करने का साहस करता है—सोने की परत को हटाकर उसके नीचे की धातु को उजागर करता है—कब्र में प्रवेश करके अस्थि अवशेषों को प्रकट करता है: परन्तु चाहे जितनी भी घृणा करे, संसार उसका ऋणी है। अहाब मीकायाह को पसंद नहीं करता था,

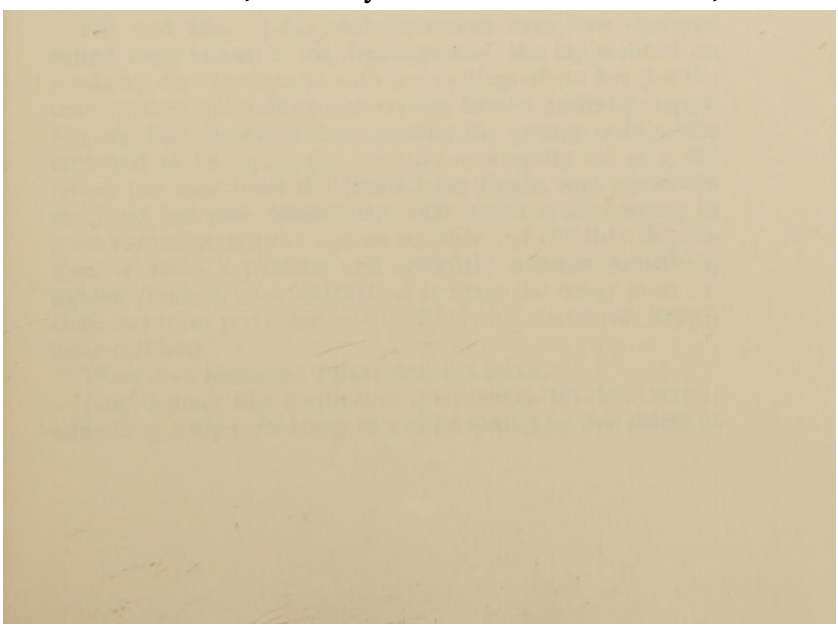
क्योंकि उसने उसके विषय में कभी अच्छी भविष्यवाणी नहीं की, बल्कि बुरी ही की; संभवतः वह केनानह के चापलूस पुत्र को अधिक पसंद करता था; फिर भी अहाब रक्तपात से बच सकता था, यदि उसने चापलूसी पर ध्यान न दिया होता और सच्ची सलाह सुनी होती। हमारे समय में एक ऐसा व्यक्ति है जिसके शब्द कोमल कानों को लुभाने के लिए नहीं गढ़े गए हैं: जो, मेरे विचार से, समाज के प्रतिष्ठित लोगों के सामने उसी प्रकार आता है जैसे इम्लाह का पुत्र यहूदा और इस्राएल के सिंहासनधारी राजाओं के सामने आया था; और जो उतनी ही गहरी सच्चाई बोलता है, उतनी ही शक्ति के साथ जितनी पैगंबर जैसी और उतनी ही जीवंत—एक ऐसा निडर और साहसी व्यक्तित्व। क्या वैनिटी फेयर के व्यंग्यकार की उच्च पदों पर प्रशंसा होती है? मैं नहीं कह सकता; लेकिन मुझे लगता है कि यदि उनमें से कुछ, जिन पर वह अपने व्यंग्य की ग्रीक अग्नि बरसाता है, और जिन पर वह अपनी निंदा की लेविन-ब्रांड चमकाता है, समय रहते उसकी चेतावनियों को मान लें—तो वे या उनकी संतानें एक घातक रामोथ-गिलियड से बच सकती हैं। मैंने इस व्यक्ति का उल्लेख क्यों किया है? मैंने उसका उल्लेख किया है, पाठक, क्योंकि मुझे लगता है कि मैं उसमें एक ऐसी बुद्धि देखता हूँ जो उसके समकालीनों ने अभी तक नहीं पहचानी है; क्योंकि मैं उन्हें उस युग का प्रथम सामाजिक पुनरुत्थानकर्ता मानता हूँ—उस कर्मठ दल का स्वामियों का स्वामी, जो विकृत व्यवस्था को सुधारकर उसे सही राह पर लाना चाहते थे; क्योंकि मुझे लगता है कि उनके लेखन पर टिप्पणी करने वाले किसी भी व्यक्ति को अभी तक उनकी तुलना के लिए उपयुक्त शब्द नहीं मिले हैं, न ही वे शब्द मिले हैं जो उनकी प्रतिभा का सही वर्णन करते हों। लोग कहते हैं कि वे फील्डिंग के समान हैं: लोग उनकी बुद्धि, हास्य और हास्य-विनोद की क्षमता की बात करते हैं। वे फील्डिंग से इस प्रकार मिलते-जुलते हैं जैसे एक चील एक गिद्ध से: फील्डिंग मृत शरीर पर झपट्टा मार सकते थे, लेकिन थैकरे ऐसा कभी नहीं करते। उनकी बुद्धि तेज है, उनका हास्य आकर्षक है, लेकिन दोनों का उनकी गंभीर प्रतिभा से वही संबंध है जो ग्रीष्म ऋतु के बादल के किनारे पर चमकती हुई हल्की सी बिजली का उसके गर्भ में छिपी हुई घातक चिंगारी से होता है। अंत में, मैंने श्री थैकरे का उल्लेख इसलिए किया है, क्योंकि यदि वे एक अजनबी की इस श्रद्धांजलि को स्वीकार करें, तो मैंने जेन आयर के इस दूसरे संस्करण को उन्हें समर्पित किया है। करर बेल। 21 दिसंबर, 1847।

तीसरे संस्करण के लिए टिप्पणी: जेन आयर के तीसरे संस्करण के माध्यम से मुझे

जनता को संबोधित करने का अवसर मिला है, ताकि मैं यह स्पष्ट कर सकूँ कि उपन्यासकार के रूप में मेरा दावा केवल इसी एक कृति पर आधारित है। अतः, यदि अन्य काल्पनिक रचनाओं का श्रेय मुझे दिया गया है, तो यह उस स्थान पर सम्मान प्रदान करना है जहाँ यह उचित नहीं है; और फलस्वरूप, जहाँ यह उचित रूप से देय है, वहाँ इसे नकारना है। यह स्पष्टीकरण पहले से हुई त्रुटियों को दूर करने और भविष्य में होने वाली त्रुटियों को रोकने में सहायक होगा। करर बेल। 13 अप्रैल, 1848।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल **27.42%** है।

जेन आयर y = i ss “ s 3 Wiephar Clr s —S : - : Rn, Wi, a8] wees iihurd Fee ahi, tee 'y =< ~# boa i ; rT Wo



डब्ल्यू. एम. थैकरे, एस्क्वायर को। यह कृति लेखक द्वारा सादर समर्पित है।

जेन आयर अध्याय 11 ‘उस दिन टहलने का कोई चांस नहीं था। हम सुबह एक घंटा झाड़ियों में टहलते रहे थे; लेकिन दोपहर के खाने के बाद (श्रीमती रीड, जब कोई मेहमान नहीं होता था, तो जल्दी खाना खा लेती थीं) ठंडी सर्दियों की हवा अपने साथ इतने घने बादल और इतनी तेज़ बारिश लेकर आई थी कि अब बाहर टहलना नामुमकिन था। मुझे इस बात की खुशी थी: मुझे लंबी सैर कभी पसंद नहीं थी, खासकर ठंडी दोपहरों में: मुझे ठंडी शाम में घर लौटना बहुत बुरा लगता था, जब मेरी

उंगलियां और पैर की उंगलियां ठंडी हो जाती थीं, और नर्स बेसी की डांट से मेरा दिल दुखी हो जाता था, और एलिज़ा, जॉन और जॉर्जियाना रीड के सामने अपनी शारीरिक हीनता का एहसास मुझे शर्मिंदा करता था। एलिज़ा, जॉन और जॉर्जियाना अब ड्राइंग रूम में अपनी माँ के चारों ओर जमा थे: वह आग के पास सोफे पर लेटी हुई थीं, और अपने प्यारे बच्चों के साथ (उस समय न तो वे झगड़ रहे थे और न ही रो रहे थे) पूरी तरह खुश दिख रही थीं। मुझे उसने समूह में शामिल होने से मना कर दिया था; यह कहते हुए, 'उसे मुझे दूर रखने की मजबूरी का अफसोस है; लेकिन जब तक उसे बेसी से कोई खबर नहीं मिलती, और वह खुद देखकर यह पता नहीं लगा लेती कि मैं पूरी लगन से अधिक मिलनसार और बच्चों जैसा स्वभाव, अधिक आकर्षक और चंचल व्यवहार—कुछ हल्का, स्पष्ट और स्वाभाविक—अपनाने की कोशिश कर रही हूँ, तब तक उसे मुझे उन विशेषाधिकारों से वंचित रखना ही होगा जो केवल संतुष्ट, खुश और छोटे बच्चों के लिए होते हैं।' 'बेसी का क्या कहना है कि मैंने क्या किया है?' जेन ने पूछा। 'जेन, मुझे नुक्ताचीनी करने वाले या सवाल पूछने वाले पसंद नहीं हैं; इसके अलावा, एक बच्चे का अपने बड़ों की बात मानना सचमुच डरावना होता है।'

2 जेन आयर ———————— ‘उस तरह से। कहीं बैठ जाओ; और जब तक तुम मधुरता से बात न कर सको, चुप रहो।’ ड्राइंग रूम से सटा एक छोटा नाश्ता कक्ष था, मैं चुपके से वहाँ चली गई। उसमें एक किताबों की अलमारी थी: मैंने जल्दी ही एक किताब उठा ली, इस बात का ध्यान रखते हुए कि उसमें चित्र हों। मैं खिड़की के पास वाली कुर्सी पर बैठ गई: अपने पैर समेटकर, मैं तुर्क की तरह पालथी मारकर बैठ गई; और लाल मोरीन का पर्दा लगभग बंद करके, मैं दोहरी एकांतता में सिमट गई। लाल रंग के पर्दे की तहों ने मेरी दाहिनी ओर का दृश्य ढक दिया; बाईं ओर कांच के साफ शीशे थे, जो मुझे नवंबर के उदास दिन से बचा रहे थे, लेकिन उससे अलग नहीं कर रहे थे। बीच-बीच में, अपनी किताब के पन्ने पलटते हुए, मैं उस सर्दी की दोपहर के दृश्य का अध्ययन करती रही। दूर, धुंध और बादलों का एक धुंधला सा आवरण दिखाई दे रहा था; पास में गीला लॉन और तूफान से झुलसी झाड़ियाँ थीं, जहाँ लगातार बारिश एक लंबे और कष्टदायक झोंके के साथ बेतहाशा बह रही थी। मैं अपनी किताब—बेविक की ब्रिटिश पक्षियों का इतिहास—पर लौट आया: आम तौर पर, मुझे उसकी छपाई में कोई खास दिलचस्पी नहीं थी; फिर भी कुछ ऐसे परिचयात्मक पृष्ठ थे जिन्हें, एक बच्चे के रूप में, मैं पूरी तरह से खाली नहीं छोड़ सकता था। वे पृष्ठ समुद्री पक्षियों

के निवास स्थानों के बारे में थे; केवल उन्हीं के द्वारा आबाद 'एकांत चट्टानों और प्रायद्वीपों' के बारे में; नॉर्वे के तट के बारे में, जो अपने दक्षिणी छोर, लिंडेनेस या नाज़ से लेकर उत्तरी केप तक द्वीपों से भरा हुआ है— 'जहाँ उत्तरी महासागर, विशाल भंवरों में, सुदूर थुले के नंगे, उदास द्वीपों के चारों ओर उबलता है; और अटलांटिक की लहरें तूफानी हेब्राइड्स में उमड़ पड़ती हैं।' लैपलैंड, साइबेरिया, स्पिट्जबर्गेन, नोवा ज़ेम्ब्ला, आइसलैंड, ग्रीनलैंड के उजाड़ तटों के सुझाव को भी मैं अनदेखा नहीं कर सका, साथ ही 'आर्कटिक क्षेत्र का विशाल विस्तार, और वे सुनसान इलाके, जहाँ पाला और बर्फ का भंडार है, जहाँ सदियों की सर्दियों के संचय से बनी बर्फ की ठोस परतें, आल्प्स की ऊँचाइयों पर जमी हुई, ध्रुव को घेरे हुए हैं और अत्यधिक ठंड की कई गुना कठोरता को केंद्रित करती हैं।' इन मृत्यु-सफेद क्षेत्रों के बारे में मैंने अपना एक विचार बनाया: धुंधला, उन सभी अधूरी समझों की तरह जो बच्चों के दिमाग में धुंधली तैरती रहती हैं, लेकिन अजीब तरह से प्रभावशाली। इन परिचयात्मक पृष्ठों के शब्द बाद के छोटे-छोटे दृश्यों से जुड़ गए, और लहरों और फुहारों के सागर में अकेले खड़े चट्टान को महत्व दिया; टूटे हुए को

जेन आयर 3 एसएस ईस ई नाव एक सुनसान तट पर फंसी हुई थी; ठंडे और भयानक चाँद की रोशनी बादलों के बीच से डूबते हुए जहाज़ के मलबे पर पड़ रही थी। मैं बता नहीं सकती कि उस एकांत कब्रिस्तान में, जहाँ शिलालेख वाला समाधि-पत्थर था; उसका द्वार, उसके दो पेड़, टूटी हुई दीवार से घिरा हुआ क्षितिज और शाम के समय का संकेत देता हुआ नया उगता हुआ अर्धचंद्र, किस भावना से ग्रस्त थे। सुस्त समुद्र में स्थिर खड़े दो जहाज़, मुझे समुद्री प्रेत लगे। चोर के थैले को पीछे दबाए हुए उस राक्षस को मैंने जल्दी से अनदेखा कर दिया: वह डर का प्रतीक था। चट्टान पर एकांत में बैठा हुआ काला सींगों वाला प्राणी भी वैसा ही था, जो फांसी के तख्ते के चारों ओर फैली दूर की भीड़ को देख रहा था। हर दृश्य एक कहानी कहता था; मेरी अविकसित समझ और अपूर्ण भावनाओं के लिए अक्सर रहस्यमय, फिर भी अत्यंत रोचक: उतनी ही रोचक जितनी कि बेसी कभी-कभी सर्दियों की शामों में सुनाती थी, जब वह अच्छे मूड में होती थी; और जब वह अपनी इस्त्री करने की मेज को बच्चों के चूल्हे के पास ले आई, तो उसने हमें उसके चारों ओर बैठने दिया, और जब वह श्रीमती रीड के लेस वाले झालरों को समेट रही थी और उनकी नाइट कैप के किनारों को मोड़ रही थी, तब उसने पुरानी परियों की कहानियों और अन्य गाथागीतों से लिए गए प्रेम

और रोमांच के अंशों से हमारा ध्यान आकर्षित किया; या (जैसा कि मुझे बाद में पता चला) पामेला और हेनरी, अर्ल ऑफ मोरलैंड की किताबों से। बेविक को अपनी गोद में लिए मैं तब खुश थी: कम से कम अपने तरीके से खुश। मुझे केवल किसी रुकावट का डर था, और वह बहुत जल्दी आ गई। नाश्ते के कमरे का दरवाजा खुला। 'बोह! मैडम मोप!' जॉन रीड की आवाज आई; फिर वह रुका: उसने देखा कि कमरा खाली है। 'वह कहाँ है!' वह आगे बोला। 'लिज़ी! जॉर्जी! (अपनी बहनों को पुकारते हुए) जोन यहाँ नहीं है: माँ को बताओ कि वह बारिश में बाहर भाग गई है - बुरी जानवर!' 'अच्छा हुआ मैंने पर्दा खींच दिया था,' मैंने सोचा; और मैं दिल से यही दुआ कर रही थी कि उसे मेरा छिपने का पता न चले: और न ही जॉन रीड खुद इसका पता लगा पाता; वह न तो दूरदर्शी था और न ही समझदार; लेकिन एलिज़ा ने दरवाज़े से अपना सिर अंदर डाला और तुरंत बोली— 'वह खिड़की वाली सीट पर है, जैक।' और मैं तुरंत बाहर आ गई, क्योंकि मुझे जैक द्वारा घसीटकर बाहर निकाले जाने के डर से कंपकंपी छूट रही थी। 'तुम्हें क्या चाहिए?' मैंने झिझकते हुए पूछा। 'कहिए, "आपको क्या चाहिए, मास्टर रीड?"' जवाब मिला। 'मैं चाहती हूँ कि आप यहाँ आएँ;' और एक कुर्सी पर बैठते हुए, उसने इशारे से मुझे पास आकर उसके सामने खड़े होने का संकेत दिया।

4 जेन आयर ———————————— जॉन रीड चौदह साल का एक स्कूली लड़का था; मुझसे चार साल बड़ा, क्योंकि मैं तो दस साल का था: अपनी उम्र के हिसाब से लंबा-चौड़ा और हट्टा-कट्टा, उसकी त्वचा मैली और अस्वस्थ थी; चौड़े चेहरे पर मोटी रेखाएं, भारी-भरकम हाथ-पैर और बड़े-बड़े अंग। वह खाने में बहुत ज्यादा खाता था, जिससे उसे पित्त की समस्या हो गई थी, उसकी आंखें धुंधली और बेजान हो गई थीं और गाल लटके हुए थे। उसे अब स्कूल में होना चाहिए था; लेकिन उसकी माँ उसे एक-दो महीने के लिए घर ले गई थी, 'उसके नाज़ुक स्वास्थ्य के कारण।' शिक्षक श्री माइल्स ने कहा कि अगर उसे घर से कम केक और मिठाइयाँ भेजी जाएँ तो वह बहुत अच्छा करेगा; लेकिन माँ का मन इस कठोर राय से पिघल गया और वह इस अधिक परिष्कृत विचार की ओर झुक गई कि जॉन का पीलापन अत्यधिक पढ़ाई और शायद घर की याद के कारण था। जॉन को अपनी माँ और बहनों से कोई स्नेह नहीं था, और मुझसे तो उसे घृणा ही थी। वह मुझे धमकाता और सज़ा देता था; हफ्ते में दो-तीन बार नहीं, दिन में एक-दो बार नहीं, बल्कि लगातार: मेरी हर नस उससे डरती थी, और उसके पास आते ही मेरी हड्डियों का हर हिस्सा सिकुड़ जाता था। कई

बार मैं उसके आतंक से दंग रह जाती थी, क्योंकि उसकी धमकियों या उसके अत्याचारों के खिलाफ मेरे पास कोई उपाय नहीं था; नौकर अपने मालिक को नाराज़ नहीं करना चाहते थे, इसलिए वे मेरा पक्ष नहीं लेना चाहते थे, और श्रीमती रीड तो इस मामले में अंधी और बहरी थीं: उन्होंने उसे कभी मुझे मारते या गाली देते नहीं देखा, हालाँकि वह कभी-कभी उनकी मौजूदगी में भी ऐसा करता था, लेकिन ज़्यादातर उनकी पीठ पीछे। जॉन की आज्ञाकारी होने के कारण, मैं उसकी कुर्सी के पास गई: उसने लगभग तीन मिनट तक अपनी जीभ मेरी ओर निकाली, जितनी दूर तक वह बिना जड़ों को नुकसान पहुँचाए निकाल सकता था: मुझे पता था कि वह जल्द ही वार करेगा, और वार से डरते हुए, मैं उस व्यक्ति के घिनौने और बदसूरत रूप के बारे में सोच रही थी जो अभी वार करने वाला था। मुझे आश्चर्य है कि क्या उसने मेरे चेहरे पर वह भाव पढ़ लिया था; क्योंकि अचानक, बिना कुछ बोले, उसने ज़ोरदार प्रहार किया। मैं लड़खड़ा गई, और संभलकर उसकी कुर्सी से एक-दो कदम पीछे हट गई। “यह तुम्हारी उस गुस्ताखी के लिए है जो तुमने थोड़ी देर पहले माँ को जवाब देते हुए की थी,” उसने कहा, “और पर्दे के पीछे छिपकर जाने के तुम्हारे तरीके के लिए, और दो मिनट पहले तुम्हारी आँखों में जो भाव थे उसके लिए, चूहे!” जॉन रीड की गालियों की आदी होने के कारण, मेरे मन में कभी जवाब देने का विचार ही नहीं आया; मेरी चिंता यही थी कि इस अपमान के बाद आने वाले प्रहार को कैसे सहन करूँ। “पर्दे के पीछे क्या कर रही थी?” उसने पूछा। “मैं पढ़ रही थी।” “किताब दिखाओ।”

जेन आयर 5 ईईई मैं खिड़की पर वापस गई और उसे वहाँ से ले आई। ‘तुम्हें हमारी किताबें लेने का कोई हक नहीं है; माँ कहती हैं, तुम आश्रित हो; तुम्हारे पास पैसे नहीं हैं; तुम्हारे पिता ने तुम्हारे लिए कुछ नहीं छोड़ा; तुम्हें भीख माँगनी चाहिए, न कि हमारे जैसे अमीरों के बच्चों के साथ यहाँ रहना चाहिए, न हमारे जैसा खाना खाना चाहिए, न माँ के खर्चे पर कपड़े पहनना चाहिए। अब, मैं तुम्हें अपनी किताबों की अलमारियों में से किताबें निकालना सिखाऊँगी: क्योंकि ये मेरी हैं; सारा घर मेरा है, या कुछ सालों में हो जाएगा। जाओ और दरवाजे के पास खड़ी हो जाओ, शीशे और खिड़कियों से दूर।’ मैंने वैसा ही किया, पहले तो मुझे पता नहीं था कि उसका इरादा क्या है; लेकिन जब मैंने उसे किताब उठाते और उसे फेंकने के लिए तैयार होते देखा, तो मैं सहज ही डर के मारे चीखते हुए एक तरफ हट गई: लेकिन देर नहीं हुई; किताब फेंकी गई, वह मुझे लगी, और मैं गिर पड़ी, मेरा सिर दरवाजे से टकराया और उसमें चोट लग गई। घाव से

खून बह रहा था, दर्द तेज था: मेरा डर चरम पर पहुँच गया था; अन्य भावनाएँ प्रबल हुईं। “दुष्ट और क्रूर लड़के!” मैंने कहा। “तुम हत्यारे जैसे हो— तुम गुलामों के मालिक जैसे हो— तुम रोमन सम्राटों जैसे हो!” मैंने गोल्डस्मिथ की रोम का इतिहास पढ़ा था और नीरो, कैलिगुला आदि के बारे में अपनी राय बना ली थी। मैंने चुपचाप तुलना भी की थी, जिसे मैंने कभी ज़ोर से कहने के बारे में नहीं सोचा था। “क्या! क्या!” वह चिल्लाया। “क्या उसने मुझसे ऐसा कहा? क्या तुमने सुना, एलिज़ा और जॉर्जियाना? क्या मैं माँ को नहीं बताऊँगा? लेकिन पहले——” वह मेरी ओर तेज़ी से दौड़ा: मैंने महसूस किया कि उसने मेरे बाल और कंधे पकड़ लिए हैं: वह हताशा में मेरे करीब आ गया था। मैंने सचमुच उसमें एक अत्याचारी, एक हत्यारा देखा। मैंने अपने सिर से खून की एक-दो बूँदें अपनी गर्दन पर टपकती महसूस कीं और कुछ तीखे दर्द का अनुभव किया: ये भावनाएँ उस समय भय पर हावी हो गईं और मैंने उसे उन्माद में देखा। मुझे ठीक से नहीं पता कि मैंने अपने हाथों से क्या किया, लेकिन उसने मुझे “चूहा! चूहा!” कहकर पुकारा और ज़ोर से चिल्लाया। ज़ोर से चिल्लाते हुए। मदद उसके पास ही थी: एलिज़ा और जॉर्जियाना श्रीमती रीड को बुलाने दौड़ी थीं, जो ऊपर चली गई थीं: अब वह वहाँ पहुँचीं, उनके पीछे बेसी और उसकी नौकरानी एबॉट भी थीं। हमें अलग किया गया: मैंने ये शब्द सुने— ‘अरे! अरे! मास्टर जॉन पर इतना गुस्सा करना कितना भयानक है!’ ‘क्या किसी ने कभी ऐसा आवेश देखा है!’ फिर श्रीमती रीड ने कहा— ‘इसे लाल कमरे में ले जाओ और वहाँ बंद कर दो।’ तुरंत ही चार हाथों ने मुझे पकड़ लिया और मुझे ऊपर ले जाया गया।

6 जेन आयर ee ———— घप्टेराट मैंने हर तरह से विरोध किया: यह मेरे लिए एक नई बात थी, और एक ऐसी परिस्थिति जिसने बेसी और मिस एबॉट की मेरे प्रति बुरी राय को और भी मजबूत कर दिया। असल में, मैं थोड़ी सी बेकाबू हो गई थी; या यूँ कहूँ कि, जैसा कि फ्रांसीसी कहते हैं, मैं अपने आप से बाहर थी: मुझे पता था कि एक पल के विद्रोह ने मुझे अजीब सजाओं का पात्र बना दिया था, और किसी भी अन्य विद्रोही गुलाम की तरह, मैंने अपनी हताशा में हर हद पार करने का फैसला कर लिया था। 'इसके हाथ पकड़ो, मिस एबॉट: यह पागल बिल्ली की तरह है।' 'शर्म की बात है! शर्म की बात है!' नौकरानी चिल्लाई। 'यह कितना घिनौना व्यवहार है, मिस आयर, एक नौजवान को मारना, आपकी उपकारिणी के बेटे को! आपके युवा स्वामी को।' 'स्वामी! वह मेरा स्वामी कैसे है? क्या मैं नौकरानी हूँ?' 'नहीं; तुम नौकरानी से

भी बदतर हो, क्योंकि तुम अपने भरण-पोषण के लिए कुछ नहीं करती हो।' 'वहाँ बैठो और अपने बुरे कर्मों पर विचार करो।' तब तक वे मुझे श्रीमती रीड द्वारा बताए गए कमरे में ले जा चुके थे और मुझे एक स्टूल पर बिठा दिया था: मेरा मन किया कि मैं उछलकर उठ जाऊँ; लेकिन उनके दोनों हाथों ने मुझे तुरंत पकड़ लिया। 'अगर तुम नहीं बैठी तो तुम्हें बाँधना पड़ेगा,' बेसी ने कहा। 'मिस एबॉट, मुझे अपने गार्टर्स दे दो; वह मेरे गार्टर्स तुरंत तोड़ देगी।' मिस एबॉट ने अपने एक मजबूत पैर से आवश्यक बंधन उतारने के लिए मुड़ीं। बंधनों की इस तैयारी और इससे जुड़े अतिरिक्त अपमान ने मेरे उत्साह को थोड़ा कम कर दिया। 'इन्हें मत उतारो,' मैं चिल्लाई; 'मैं हिलूँगी नहीं।' इसकी गारंटी के तौर पर, मैंने अपने हाथों से खुद को अपनी सीट से बाँध लिया। 'ध्यान रखना,' बेसी ने कहा; और जब उसने सुनिश्चित कर लिया कि मैं सचमुच शांत हो रही हूँ, तो उसने मुझे छोड़ना शुरू कर दिया; फिर वह और मिस एबॉट हाथ बांधे खड़ी हो गईं, मेरी ओर संदेह भरी निगाहों से देखती रहीं, मानो उन्हें मेरी मानसिक स्थिति पर यकीन ही न हो। 'उसने पहले कभी ऐसा नहीं किया,' अंत में बेसी ने अबीगैल की ओर मुड़ते हुए कहा। 'लेकिन यह तो हमेशा से उसके स्वभाव में था,' जवाब आया। 'मैंने मालकिन को बच्ची के बारे में अपनी राय कई बार बताई है, और मालकिन मुझसे सहमत थीं। वह बहुत चालाक है: मैंने उसकी उम्र की किसी लड़की को इतना धूर्त कभी नहीं देखा।' बेसी ने कोई जवाब नहीं दिया; लेकिन थोड़ी देर बाद, मुझसे बात करते हुए उसने कहा— "आपको यह पता होना चाहिए, मिस, कि आप श्रीमती रीड की ऋणी हैं: वही आपका पालन-पोषण करती हैं: अगर वह आपको छोड़ दें, तो आपको गरीबखाने जाना पड़ेगा।"

जेन आयर 4 सत्र... ईई ओई इन शब्दों पर मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं था: ये मेरे लिए नए नहीं थे: मेरे जीवन की शुरुआती यादों में भी इसी तरह के संकेत मिलते थे। मेरी निर्भरता का यह ताना मेरे कानों में एक अस्पष्ट लयबद्ध स्वर बन गया था: बहुत दर्दनाक और दिल तोड़ने वाला, लेकिन केवल आधा समझ में आने वाला। मिस एबॉट ने भी अपनी बात जारी रखते हुए कहा— 'और तुम्हें खुद को मिस रीड और मास्टर रीड के बराबर नहीं समझना चाहिए, सिर्फ इसलिए कि मिस रीड ने तुम्हें उनके साथ रहने की अनुमति दी है। उनके पास बहुत पैसा होगा, और तुम्हारे पास कुछ नहीं होगा: तुम्हारा काम विनम्र रहना और उनके लिए खुद को सुखद बनाने की कोशिश करना है।' 'हम जो तुम्हें बता रहे हैं वह तुम्हारे भले के लिए है,' बेसी ने बिना किसी

कठोर स्वर के कहा; 'तुम्हें उपयोगी और मिलनसार बनने की कोशिश करनी चाहिए, तब शायद तुम्हें यहाँ घर मिल जाए; लेकिन अगर तुम उग्र और बदतमीज़ हो जाओगी, तो मुझे यकीन है कि मालकिन तुम्हें भगा देंगी।' 'इसके अलावा,' मिस एबॉट ने कहा, 'भगवान उसे सज़ा देंगे: हो सकता है कि वह उसे उसके नखरों के बीच ही मार डालें, और फिर वह कहाँ जाएगी? आओ, बेसी, हम उसे छोड़ देते हैं: मैं किसी भी कीमत पर उसका दिल नहीं जीतना चाहती। मिस आयर, जब तुम अकेली हो तो प्रार्थना कर लेना; क्योंकि अगर तुम पश्चाताप नहीं करोगी, तो हो सकता है कि चिमनी से कोई बुरी शक्ति तुम्हें ले जाए।' वे दरवाज़ा बंद करके और ताला लगाकर चले गए। लाल कमरा एक चौकोर कमरा था, जिसमें बहुत कम ही सोया जाता था, मैं कहूँगी कि कभी नहीं, सिवाय तब जब गेट्सहेड हॉल में अचानक आगंतुकों की भीड़ के कारण उसमें मौजूद सभी जगह का उपयोग करना आवश्यक हो जाता था: फिर भी यह हवेली के सबसे बड़े और आलीशान कमरों में से एक था। महोगनी के विशाल खंभों पर टिका हुआ पलंग, गहरे लाल रंग के दमिश्क के पर्दों से ढका हुआ, केंद्र में एक तंबू की तरह खड़ा था; दो बड़ी खिड़कियाँ, जिन पर हमेशा पर्दे लगे रहते थे, इसी तरह के पर्दों की झालरों से आधी ढकी हुई थीं; कालीन लाल रंग का था; पलंग के नीचे की मेज गहरे लाल रंग के कपड़े से ढकी थी; दीवारें हल्के भूरे रंग की थीं जिनमें गुलाबी रंग की झलक थी; अलमारी, टॉयलेट टेबल और कुर्सियाँ गहरे रंग की पॉलिश की हुई पुरानी महोगनी की थीं। इन गहरे छायादार वातावरण से ऊपर उठते हुए, चमकते हुए, पलंग के गद्दे और तकिए बर्फीले मार्सिले के चादर से ढके हुए थे। पलंग के सिरहाने के पास एक बड़ा सा गद्देदार आरामकुर्सी भी थी, जो सफेद रंग की थी, और उसके सामने एक फुटस्टूल था; जो मुझे देखने में किसी फीके सिंहासन जैसा लग रहा था। यह कमरा ठंडा था, क्योंकि इसमें शायद ही कभी आग जलती थी; यह शांत था, क्योंकि यह बच्चों के कमरे और रसोई से दूर था; गंभीर था, क्योंकि यह ज्ञात था कि इसमें बहुत कम लोग आते-जाते थे। शनिवार को केवल नौकरानी ही यहाँ आती थी, दर्पणों और फर्नीचर से एक सप्ताह की जमी धूल साफ करने के लिए: और श्रीमती रीड स्वयं,

जेन आयर - कभी-कभार, वह अलमारी में एक गुप्त दराज की सामग्री की समीक्षा करने के लिए वहाँ जाती थी, जहाँ विभिन्न चर्मपत्र, उसका गहनों का डिब्बा और उसके दिवंगत पति का एक लघु चित्र रखा था; और उन अंतिम शब्दों में लाल कमरे

का रहस्य छिपा है - वह जादू जो इसकी भव्यता के बावजूद इसे इतना एकांत बनाए रखता था। श्री रीड को मरे हुए नौ साल हो गए थे: इसी कमरे में उन्होंने अंतिम सांस ली थी; यहीं उनका शव रखा गया था; इसलिए उनके ताबूत को अंतिम संस्कार करने वालों ने उठाया था; और उस दिन से, एक उदास पवित्रता की भावना ने इसे बार-बार प्रवेश करने से बचाए रखा था। मेरी सीट, जिस पर बेसी और कड़वी मिस एबॉट ने मुझे बांधे रखा था, संगमरमर की चिमनी के पास एक नीची ओटोमन थी; बिस्तर मेरे सामने था; मेरे दाहिनी ओर ऊँची, अंधेरी अलमारी थी, जिसकी धुंधली, टूटी हुई परछाइयाँ उसके पैनलों की चमक को बदल रही थीं; मेरे बाईं ओर धुंधली खिड़कियाँ थीं; उनके बीच लगा एक बड़ा सा दर्पण, बिस्तर और कमरे की खाली भव्यता को दोहरा रहा था। मुझे पूरी तरह यकीन नहीं था कि उन्होंने दरवाजा बंद किया था या नहीं; और जब मैंने हिलने की हिम्मत की, तो मैं उठकर देखने गया। अफसोस! हाँ: कोई जेल इससे ज़्यादा सुरक्षित नहीं थी। लौटकर, मुझे दर्पण के सामने से गुज़रना पड़ा; मेरी मोहित निगाहें अनजाने में ही उसके द्वारा प्रकट की गई गहराई को निहारने लगीं। उस काल्पनिक खोखलेपन में सब कुछ वास्तविकता से कहीं ज़्यादा ठंडा और अँधेरा लग रहा था: और वहाँ मुझे घूरती हुई वह अजीब सी छोटी आकृति, जिसका सफेद चेहरा और भुजाएँ अँधेरे में चमक रही थीं, और भय से भरी चमकती आँखें जहाँ सब कुछ स्थिर था, वहाँ घूम रही थीं, एक असली आत्मा का प्रभाव पैदा कर रही थीं: मैंने इसे बेसी की शाम की कहानियों में वर्णित उन छोटे प्रेतों में से एक समझा, जो आधे परी और आधे शैतान थे, जो दलदली भूमि में सुनसान, फर्न से भरी घाटियों से निकलकर देर से आने वाले यात्रियों के सामने प्रकट होते थे। मैं अपनी कुर्सी पर लौट आया। उस क्षण अंधविश्वास मेरे साथ था; लेकिन अभी उसकी पूर्ण विजय का समय नहीं आया था: मेरा खून अभी भी गर्म था; उस विद्रोही दास का भाव अब भी मुझे अपनी कड़वी शक्ति से झकझोर रहा था; मुझे अतीत की यादों के तीव्र प्रवाह को रोकना पड़ा, इससे पहले कि मैं निराशाजनक वर्तमान के आगे कांप जाऊं। जॉन रीड के सभी हिंसक अत्याचार, उसकी बहनों की घमंडी उदासीनता, उसकी माँ की घृणा, नौकरों का पक्षपात, मेरे अशांत मन में एक गंदे कुएँ में जमे काले गाढ़े पदार्थ की तरह उभर आए। मैं हमेशा क्यों पीड़ित रहती थी, हमेशा क्यों दबाई जाती थी, हमेशा क्यों आरोपित की जाती थी, हमेशा क्यों दोषी ठहराई जाती थी? मैं कभी किसी को प्रसन्न क्यों नहीं कर पाती थी? किसी का भी दिल जीतने की कोशिश करना व्यर्थ क्यों था?

एलिज़ा, जो जिद्दी और स्वार्थी थी, का सम्मान किया जाता था। जॉर्जियाना, जिसका स्वभाव बिगड़ा हुआ था, जो बहुत ही कटु द्वेष रखती थी, जिसका व्यवहार निंदक और उद्दंड था, उसे सर्वत्र लाड़-प्यार मिलता था। उसकी सुंदरता, उसके गुलाबी गाल और सुनहरे बाल, उसे देखने वाले हर किसी को आनंदित करते प्रतीत होते थे, और मानो हर गलती का प्रायश्चित कर देते थे। जॉन
जेन आयर 9 से से से आआ किसी ने उसे रोका नहीं, और न ही दंडित किया; हालाँकि वह कबूतरों की गर्दन मरोड़ देता था, छोटे मटर के चूजों को मार डालता था, भेड़ों पर कुत्तों को छोड़ देता था, ग्रीनहाउस की बेलों से फल तोड़ लेता था, और कंज़र्वेटरी में सबसे उत्तम पौधों की कलियाँ तोड़ देता था: वह अपनी माँ को भी 'बुढ़िया' कहता था; कभी-कभी उसकी सांवली त्वचा, जो उसकी अपनी त्वचा जैसी थी, के लिए उसे कोसता था; उसकी इच्छाओं की निर्मम अवहेलना करता था; अक्सर उसके रेशमी वस्त्रों को फाड़कर खराब कर देता था; और फिर भी वह 'उसका लाडला' था। मैंने कोई गलती करने की हिम्मत नहीं की: मैंने हर कर्तव्य को पूरा करने का प्रयास किया; और मुझे सुबह से दोपहर तक और दोपहर से रात तक शरारती और थकाऊ, उदास और चालाक कहा जाता था। मेरे सिर में अभी भी चोट और गिरने से दर्द हो रहा था और खून बह रहा था: किसी ने भी जॉन को मुझे जानबूझकर मारने के लिए फटकार नहीं लगाई थी; और क्योंकि मैंने आगे की अतार्किक हिंसा को रोकने के लिए उसके विरुद्ध विद्रोह किया था, मुझ पर व्यापक निंदा का बोझ था। 'अन्याय! - अन्याय!' मेरी अंतरात्मा ने, पीड़ादायक उत्तेजना से प्रेरित होकर, क्षणिक रूप से ही सही, लेकिन समय से पहले ही शक्ति प्राप्त कर ली थी: और संकल्प, जो समान रूप से उत्तेजित था, ने असहनीय उत्पीड़न से बचने के लिए कोई अजीब उपाय सुझाया - जैसे भाग जाना, या यदि वह संभव न हो, तो फिर कभी खाना-पीना छोड़ देना और स्वयं को मरने देना। उस उदास दोपहर में मेरी आत्मा कितनी व्याकुल थी! मेरा सारा मस्तिष्क उथल-पुथल में था, और मेरा सारा हृदय विद्रोह में! फिर भी, किस अंधकार में, किस घोर अज्ञानता में, मानसिक युद्ध लड़ा गया! मैं अपने भीतर के उस निरंतर प्रश्न का उत्तर नहीं दे पा रहा था - मैं इस प्रकार क्यों पीड़ित था; अब, वर्षों के अंतराल पर - मैं यह नहीं कहूंगा कि कितने वर्ष, मैं इसे स्पष्ट रूप से देखता हूं। मैं गेट्सहेड हॉल में एक कलंक था: मैं वहां किसी के समान नहीं था; श्रीमती रीड या उनके बच्चों, या उनके चुने हुए दासों के साथ मेरा कोई सामंजस्य नहीं था। अगर वे

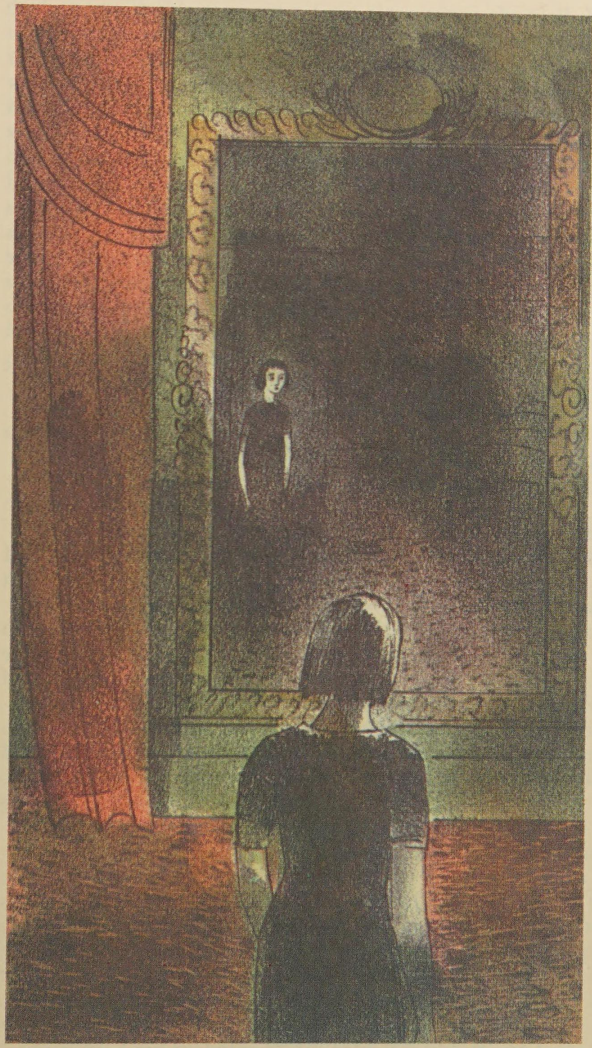
मुझसे प्यार नहीं करते थे, तो सच तो यह है कि मैं भी उनसे उतना ही कम प्यार करता था। वे उस चीज़ के प्रति स्नेह रखने के लिए बाध्य नहीं थे जो उनमें से किसी एक के साथ सहानुभूति नहीं रख सकती थी; एक भिन्न चीज़, स्वभाव, क्षमता और प्रवृत्तियों में उनसे विपरीत; एक बेकार चीज़, जो उनके हित में कुछ नहीं कर सकती थी, न ही उनके सुख में कुछ जोड़ सकती थी; एक हानिकारक चीज़, जो उनके व्यवहार के प्रति आक्रोश और उनके निर्णय के प्रति अवमानना के बीज पाले हुए थी। मैं जानता हूँ कि अगर मैं एक आशावादी, प्रतिभाशाली, लापरवाह, मेहनती, सुंदर, चंचल बच्चा होता—भले ही उतना ही आश्रित और अकेला—तो श्रीमती रीड मेरी उपस्थिति को अधिक सहजता से सहन कर लेतीं; उनके बच्चे मेरे प्रति अधिक आत्मीयता और भाईचारे की भावना रखते; नौकर मुझे नर्सरी का बलि का बकरा बनाने के लिए कम प्रवृत्त होते। लाल कमरे से दिन का उजाला छंटने लगा था; चार बज चुके थे।

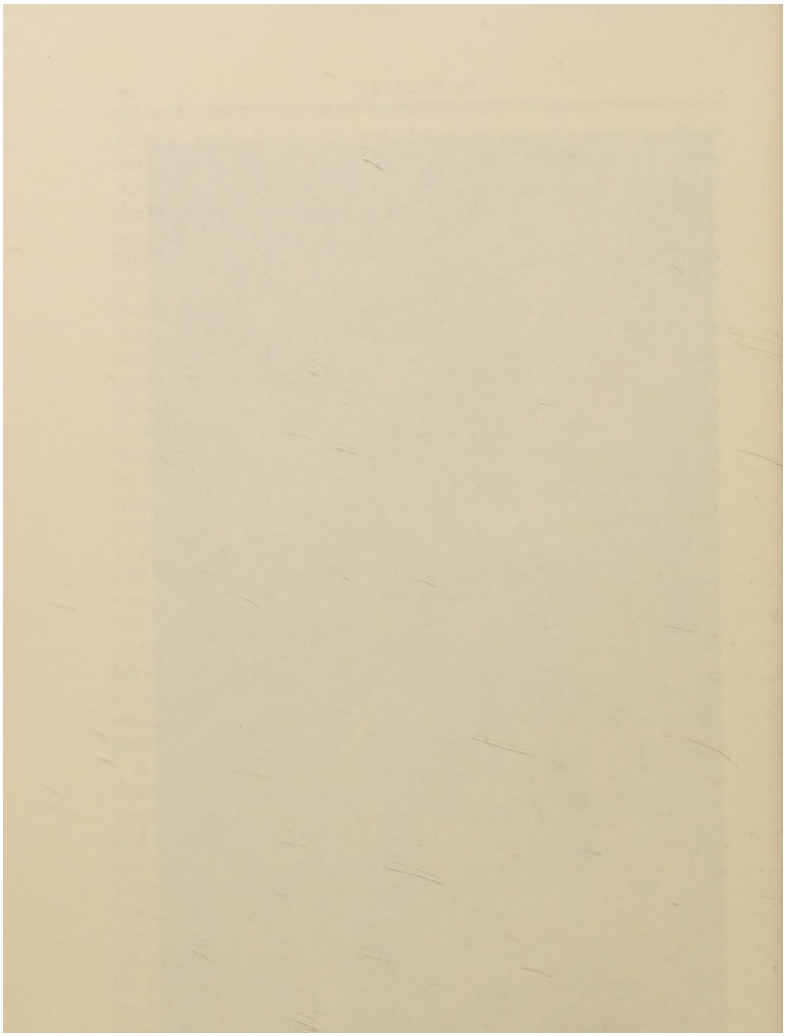
10 जेन आयर एसएसएम ए एचई एई बजे, और बादलों से घिरी दोपहर धीरे-धीरे धुंधली शाम में बदल रही थी। मैंने सीढ़ियों की खिड़की पर लगातार बारिश की आवाज़ सुनी, और हॉल के पीछे के बगीचे में हवा के गरजने की आवाज़ सुनी; मैं धीरे-धीरे पत्थर की तरह ठंडी हो गई, और फिर मेरा साहस टूट गया। मेरी आदत के अनुसार अपमान, आत्मसंदेह, और निराशा की भावना, मेरे क्षीण होते क्रोध की चिंगारी पर बुझ गई। सब कहते थे कि मैं दुष्ट हूँ, और शायद मैं थी भी; क्या मैं खुद को भूखा रखकर मरने के अलावा और कुछ सोच रही थी? यह निश्चित रूप से एक अपराध था: और क्या मैं मरने के योग्य थी? या गेट्सहेड चर्च के वेदी के नीचे का तहखाना एक आकर्षक स्थान था? मुझे बताया गया था कि श्री रीड उसी तहखाने में दफन हैं; और इस विचार से प्रेरित होकर, उनके विचार को याद करते हुए, मैं बढ़ते भय के साथ उस पर विचार करने लगी। मुझे वह याद नहीं आ रहे थे; लेकिन मैं जानती थी कि वह मेरे अपने चाचा थे—मेरी माँ के भाई—कि उन्होंने मुझे अनाथ शिशु के रूप में अपने घर में शरण दी थी; और अपने अंतिम क्षणों में उन्होंने श्रीमती रीड से वादा लिया था कि वह मुझे अपने बच्चों में से एक की तरह पालेगी और मेरा भरण-पोषण करेगी। श्रीमती रीड ने शायद सोचा होगा कि उन्होंने यह वादा निभाया था; और मुझे विश्वास है कि उन्होंने अपनी प्रकृति के अनुसार ऐसा किया भी था; लेकिन अपने पति की मृत्यु के बाद, वह अपने समुदाय से बाहर के और किसी भी रिश्ते से रहित व्यक्ति को भला कैसे पसंद

कर सकती थीं? एक ऐसे अजनबी बच्चे के लिए माता-पिता की भूमिका निभाने के कठिन वचन से बंधे रहना, जिसे वह प्यार नहीं कर सकती थीं, और अपने परिवार में एक बेमेल अजनबी को स्थायी रूप से घुसपैठ करते देखना उनके लिए बहुत कष्टदायक रहा होगा। मेरे मन में एक अनोखा विचार आया। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं था—कभी संदेह नहीं था—कि अगर श्री रीड जीवित होते तो वह मेरे साथ दयालुता से पेश आते; और अब, जब मैं सफेद पलंग और धुंधली दीवारों को निहारते हुए बैठी थी—कभी-कभी मंद चमकते दर्पण की ओर भी मंत्रमुग्ध निगाहों से देखती हुई—मुझे मृतकों के बारे में सुनी हुई बातें याद आने लगीं, जो अपनी अंतिम इच्छाओं के उल्लंघन से कब्रों में व्याकुल होकर, झूठे वचन मानने वालों को दंडित करने और उत्पीड़ितों का बदला लेने के लिए धरती पर लौट आते हैं; और मैंने सोचा कि श्री रीड की आत्मा, अपनी बहन के बच्चे के अन्याय से व्याकुल होकर, अपना निवास स्थान—चाहे गिरजाघर के तहखाने में हो या मृतकों की अज्ञात दुनिया में—छोड़कर इस कक्ष में मेरे सामने आ सकती है। मैंने अपने आँसू पोंछे और सिसकियों को दबाया, इस डर से कि कहीं तीव्र दुःख का कोई संकेत किसी अलौकिक आवाज को मुझे सांत्वना देने के लिए न जगा दे, या अंधकार से किसी प्रभामंडल वाले चेहरे को मुझ पर अजीब दया से झुका न दे। यह विचार, सैद्धांतिक रूप से सांत्वनादायक होते हुए भी, मुझे लगा कि अगर सच हो गया तो भयानक होगा: मैंने अपनी पूरी ताकत से इसे दबाने का प्रयास किया—मैंने दृढ़ रहने का प्रयास किया। मैंने अपने बालों को आंखों से झटकते हुए अपना सिर उठाया और हिम्मत से चारों ओर देखने की कोशिश की।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल **7.50%** है।

कुछ चुनो!





जेन आयर 11 सोय टी ईटर ए ईएई एक अंधेरा कमरा; इस क्षण दीवार पर एक रोशनी चमकी। क्या यह, मैंने खुद से पूछा, चांद की कोई किरण थी जो पर्दे के किसी छेद से अंदर आ रही थी? नहीं; चांदनी स्थिर थी, और यह हिल रही थी; जब मैं देख रही थी, यह छत तक ऊपर गई और मेरे सिर के ऊपर कांप उठी। अब मैं आसानी से अनुमान लगा सकती हूँ कि प्रकाश की यह लकीर, पूरी संभावना है, लॉन के पार किसी के द्वारा ले जाई जा रही लालटेन की चमक थी: लेकिन तब, हालांकि मेरा मन भय के लिए तैयार था, मेरी नसें घबराहट से कांप रही थीं, मैंने सोचा कि तेज गति से आती किरण किसी दूसरी दुनिया से आने वाले किसी दर्शन का संकेत है। मेरा दिल

जोर से धड़कने लगा, मेरा सिर गर्म हो गया; एक आवाज मेरे कानों में गूंजी, जिसे मैंने पंखों की फड़फड़ाहट समझा; कुछ मेरे पास महसूस हुआ; मैं घुटन महसूस कर रही थी, दम घुट रहा था: सहनशक्ति टूट गई; मैं दरवाजे की ओर दौड़ी और हताशा में ताला हिलाया। बाहरी गलियारे से कदमों की आहट सुनाई दी; चाबी घूमते ही बेसी और एबॉट अंदर आए। बेसी ने पूछा, 'मिस आयर, क्या आप बीमार हैं?' एबॉट ने हैरानी से कहा, 'कितनी भयानक आवाज थी! वो मेरे पूरे शरीर में गूंज गई!' “मुझे बाहर ले चलो! मुझे नर्सरी में जाने दो!” मैं चिल्लाई। “किसलिए? क्या तुम्हें चोट लगी है? क्या तुमने कुछ देखा है?” बेसी ने फिर पूछा। “ओह! मैंने एक रोशनी देखी, और मुझे लगा कि कोई भूत आएगा।” मैंने अब बेसी का हाथ पकड़ लिया था, और उसने मेरा हाथ नहीं छुड़ाया। “उसने जानबूझकर चीखा है,” एबॉट ने कुछ नाराज़गी से कहा। “और कैसी चीख! अगर उसे बहुत दर्द हो रहा होता तो माफ़ कर दिया जाता, लेकिन वह हम सबको यहाँ लाना चाहती थी: मैं उसकी शरारतों को जानता हूँ।” “यह सब क्या है?” एक और आवाज़ ने सख्ती से पूछा; और श्रीमती रीड गलियारे से आईं, उनकी टोपी हवा में लहरा रही थी, उनका गाउन तूफ़ानी ढंग से फड़फड़ा रहा था। “एबॉट और बेसी, मुझे लगता है मैंने आदेश दिया था कि जेन आयर को रेड-रूम में तब तक रखा जाए जब तक मैं खुद उसके पास न आ जाऊँ।” “मिस जेन बहुत ज़ोर से चीखी, मैडम,” बेसी ने विनती की। “उसे जाने दो,” यही एकमात्र जवाब था। “छोड़ दो।” बेसी का हाथ, बच्ची: तुम इन तरीकों से बाहर नहीं निकल पाओगी, निश्चिंत रहो। मुझे छल-कपट से घृणा है, विशेषकर बच्चों में; यह मेरा कर्तव्य है कि मैं तुम्हें दिखाऊं कि चालबाज़ी काम नहीं आएगी: अब तुम यहाँ एक घंटा और रहोगी, और केवल पूर्ण आज्ञापालन और शांत रहने की शर्त पर ही मैं तुम्हें मुक्त करूंगी।’ ‘ओ चाची! दया करो! मुझे क्षमा करो! मैं इसे सहन नहीं कर सकती—मुझे किसी और तरीके से दंडित किया जाए! अगर ऐसा नहीं हुआ तो मैं मारी जाऊंगी——’ ‘चुप रहो! यह हिंसा अत्यंत घृणित है:’ और निस्संदेह, उसने ऐसा ही महसूस किया। मैं उसकी नज़रों में एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री थी;

12 जेन आयर —— मुझे घोर क्रोध, नीच स्वभाव और खतरनाक कपट का मिश्रण समझती थी। बेसी और एबॉट के चले जाने के बाद, श्रीमती रीड, मेरी अब बेकाबू पीड़ा और सिसकियों से चिढ़कर, अचानक मुझे वापस धकेल कर अंदर बंद कर दिया, बिना किसी और बातचीत के। मैंने उन्हें झाड़ू लगाते हुए सुना; और उनके जाने के तुरंत बाद,

मुझे लगता है कि मुझे एक तरह का दौरा पड़ा: बेहोशी ने सब कुछ समाप्त कर दिया। अध्याय शीर्षक: अगली बात जो मुझे याद है, वह यह है कि मैं एक भयानक दुःस्वप्न जैसी अनुभूति के साथ जागी, और मेरे सामने मोटी काली पट्टियों से घिरी एक भयानक लाल चमक दिखाई दी। मैंने खोखली आवाज़ में कुछ आवाज़ें भी सुनीं, मानो हवा या पानी के तेज बहाव से दबी हुई हों: बेचैनी, अनिश्चितता और आतंक की सर्वव्यापी भावना ने मेरी इंद्रियों को भ्रमित कर दिया। कुछ ही देर में, मुझे एहसास हुआ कि कोई मुझे छू रहा है; मुझे उठाकर बैठने की मुद्रा में सहारा दिया गया, और पहले कभी भी मुझे इतने प्यार से नहीं उठाया गया था। मैंने अपना सिर तकिए या बांह पर टिकाया और आराम महसूस किया। पांच मिनट बाद ही भ्रम का बादल छंट गया: मुझे अच्छी तरह पता था कि मैं अपने ही बिस्तर पर हूँ, और वह लाल चमक नर्सरी की आग थी। रात हो चुकी थी: मेज पर एक मोमबत्ती जल रही थी; बेसी अपने हाथ में एक बेसिन लिए बिस्तर के पास खड़ी थी, और एक सज्जन मेरे तकिए के पास एक कुर्सी पर बैठे मेरे ऊपर झुके हुए थे। मुझे एक अवर्णनीय राहत, सुरक्षा और संरक्षा का एक सुकून भरा एहसास हुआ, जब मुझे पता चला कि कमरे में एक अजनबी है, एक ऐसा व्यक्ति जो गेट्सहेड का नहीं है, और श्रीमती रीड से संबंधित नहीं है। बेसी से मुँह मोड़कर (हालाँकि उसकी उपस्थिति मुझे एबॉट की उपस्थिति की तुलना में कहीं कम अप्रिय लगी होगी), मैंने उस सज्जन के चेहरे को गौर से देखा: मैं उन्हें जानती थी; वह मिस्टर लॉयड थे, एक दवा विक्रेता, जिन्हें श्रीमती रीड कभी-कभी नौकरों के बीमार होने पर बुलाती थीं: अपने और बच्चों के लिए उन्होंने एक चिकित्सक नियुक्त किया हुआ था। 'अच्छा, मैं कौन हूँ?' उन्होंने पूछा। मैंने उनका नाम बताया और साथ ही अपना हाथ भी बढ़ाया: उन्होंने मुस्कुराते हुए मेरा हाथ थाम लिया और कहा, 'हम जल्द ही ठीक हो जाएँगे।' फिर उन्होंने मुझे लिटाया और बेसी से कहा कि रात भर मुझे परेशान न करे। कुछ और निर्देश देने और अगले दिन फिर आने का संकेत देने के बाद वे चले गए; मेरे दुख के लिए: जब वे मेरे तकिए के पास कुर्सी पर बैठे थे, तब मुझे बहुत सुरक्षित और अपनापन महसूस हुआ; और जैसे ही उन्होंने अपने पीछे दरवाजा बंद किया, सब कुछ

जेन आयर 13 रेनी ईईई कमरा अंधेरा हो गया और मेरा दिल फिर से डूब गया: अवर्णनीय उदासी ने उसे भारी कर दिया। 'क्या आपको नींद आ रही है, मिस?' बेसी ने बड़ी नरमी से पूछा। मैं मुश्किल से ही उसे जवाब देने की हिम्मत कर पाई; क्योंकि मुझे

डर था कि अगला वाक्य कठोर हो सकता है। 'मैं कोशिश करूंगी।' 'क्या आप कुछ पीना या खाना चाहेंगी?' 'नहीं, धन्यवाद, बेसी।' 'तो मुझे लगता है कि मुझे सोने जाना चाहिए, क्योंकि बारह बज चुके हैं; लेकिन अगर आपको रात में कुछ चाहिए तो आप मुझे बुला सकती हैं।' यह कितनी अद्भुत शिष्टता थी! इसने मुझे एक सवाल पूछने की हिम्मत दी। 'बेसी, मुझे क्या हुआ है? क्या मैं बीमार हूँ?' 'मुझे लगता है कि आप लाल कमरे में रोने से बीमार पड़ गई थीं; आप जल्द ही ठीक हो जाएंगी, इसमें कोई शक नहीं।' बेसी पास ही स्थित नौकरानी के कमरे में चली गई। मैंने उसे कहते सुना— 'सारा, आओ और मेरे साथ नर्सरी में सो जाओ; आज रात उस बेचारी बच्ची के साथ अकेले रहने की मेरी हिम्मत नहीं हो रही: कहीं वो मर न जाए; उसे ऐसा दौरा पड़ना कितनी अजीब बात है: मुझे हैरानी है कि उसने कुछ देखा भी होगा या नहीं। मालकिन कुछ ज़्यादा ही सख़्त थीं।' सारा उसके साथ वापस आई; दोनों बिस्तर पर चली गईं; सोने से पहले आधे घंटे तक वे आपस में फुसफुसाती रहीं। मैंने उनकी बातचीत के कुछ अंश सुने, जिनसे मैं बड़ी मुश्किल से ही मुख्य विषय का अनुमान लगा पाई। 'कोई उसके पास से गुजरा, पूरी तरह सफेद कपड़ों में, और गायब हो गया'— 'उसके पीछे एक बड़ा काला कुत्ता'—'कमरे के दरवाजे पर तीन ज़ोरदार दस्तकें'—'उसकी कब्र के ठीक ऊपर कब्रिस्तान में एक रोशनी,' इत्यादि। अंत में दोनों सो गए: आग और मोमबत्ती बुझ गईं। मेरे लिए, उस लंबी रात के पहर भयानक जागते हुए बीते; कान, आँख और दिमाग एक समान भय से तनावग्रस्त थे: ऐसा भय जो केवल बच्चे ही महसूस कर सकते हैं। लाल कमरे की इस घटना के बाद कोई गंभीर या लंबे समय तक चलने वाली शारीरिक बीमारी नहीं हुई; इसने केवल मेरी नसों को एक ऐसा झटका दिया जिसकी गूंज मुझे आज तक महसूस होती है। हाँ, श्रीमती रीड, मैं आपके कारण कुछ भयानक मानसिक पीड़ा का ऋणी हूँ, लेकिन मुझे आपको माफ कर देना चाहिए, क्योंकि आप नहीं जानती थीं कि आपने क्या किया: मेरे दिल के तार तोड़ते हुए, आपने सोचा कि आप केवल मेरी बुरी प्रवृत्तियों को जड़ से उखाड़ रही हैं। अगले दिन, दोपहर तक, मैं उठकर तैयार हो गया और बच्चों के चूल्हे के पास शॉल ओढ़कर बैठ गया। मैं शारीरिक रूप से कमजोर और टूटा हुआ महसूस कर रहा था: लेकिन मेरी सबसे बुरी बीमारी मन की एक अकथनीय पीड़ा थी: एक ऐसी पीड़ा जो लगातार खींचती रहती थी

से एक बूँद पोंछते ही दूसरी आ जाती थी। फिर भी, मैंने सोचा, मुझे खुश होना चाहिए था, क्योंकि रीड परिवार का कोई भी सदस्य वहाँ नहीं था, वे सब अपनी माँ के साथ गाड़ी में बाहर गए हुए थे। एबॉट भी दूसरे कमरे में सिलाई कर रही थी, और बेसी इधर-उधर घूमते हुए, खिलौने समेटते और दराज ठीक करते हुए, बीच-बीच में मुझसे असाधारण दयालुता भरे शब्द बोलती रहती थी। यह स्थिति मेरे लिए शांति का स्वर्ग होनी चाहिए थी, क्योंकि मैं लगातार डांट-फटकार और कृतघ्न परिश्रम के जीवन की आदी थी; लेकिन, वास्तव में, मेरी नसें अब ऐसी स्थिति में थीं कि कोई शांति उन्हें शांत नहीं कर सकती थी, और कोई सुख उन्हें सुखद रूप से उत्तेजित नहीं कर सकता था। बेसी रसोई में गई थी और अपने साथ एक चमकीले रंग की चीनी मिट्टी की थाली में एक टार्ट लेकर आई थी। उस थाली पर बना स्वर्ग का पक्षी, जो कलियों और गुलाब की कलियों के घेरे में बैठा था, मुझे बहुत पसंद था; और मैंने उस थाली को हाथ में लेकर करीब से देखने की कई बार गुज़ारिश की थी, लेकिन अब तक मुझे यह सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था। अब वह कीमती थाली मेरे घुटनों पर रखी गई और मुझे उस पर सजी नाजुक पेस्ट्री खाने के लिए सादर आमंत्रित किया गया। व्यर्थ की कृपा! अन्य कई लंबे समय से प्रतीक्षित और चाही गई कृपाओं की तरह, यह भी बहुत देर से आई! मैं टार्ट नहीं खा सकी; और पक्षी के पंख, फूलों के रंग, अजीब तरह से फीके लग रहे थे: मैंने थाली और टार्ट दोनों को एक तरफ रख दिया। बेसी ने पूछा कि क्या मुझे कोई किताब चाहिए: किताब शब्द ने मुझे क्षण भर के लिए प्रेरित किया और मैंने उससे पुस्तकालय से गुलिवर ट्रेवल्स लाने का अनुरोध किया। इस पुस्तक को मैंने बार-बार बड़े आनंद से पढ़ा था। मैंने इसे तथ्यों का वर्णन माना और इसमें परियों की कहानियों से भी अधिक गहरी रुचि पाई: क्योंकि जहाँ तक परियों की बात है, मैंने उन्हें फॉक्सग्लोव के पत्तों और घंटियों के बीच, मशरूमों के नीचे और पुरानी दीवारों के कोनों को ढकने वाली ज़मीनी आइवी के नीचे व्यर्थ ही खोज लिया था, और अंततः इस दुखद सत्य को स्वीकार कर लिया था कि वे सभी इंग्लैंड छोड़कर किसी ऐसे जंगली देश में चले गए हैं जहाँ जंगल अधिक घने और निर्जन हैं, और जनसंख्या कम है; जबकि, मेरी मान्यता के अनुसार, लिलिपुट और ब्रॉबडिंगनाग पृथ्वी की ठोस सतह के हिस्से हैं, इसलिए मुझे कोई संदेह नहीं था कि एक दिन लंबी यात्रा करके मैं अपनी आँखों से एक राज्य के छोटे-छोटे खेत, घर और पेड़, नन्हे-मुन्ने लोग, छोटी गायें, भेड़ें और पक्षी देख सकूँ; और दूसरे राज्य के ऊँचे-ऊँचे अनाज के खेत, विशाल मास्टिफ़

कुत्ते, दैत्य बिल्लियाँ, मीनार जैसे पुरुष और स्त्रियाँ देख सकूँ। फिर भी, जब यह अनमोल ग्रंथ मेरे हाथ में आया—जब मैंने इसके पन्ने पलटे, और इसमें खोजबीन की —

जेन आयर 15 एसएस स्नेस एए ए एसएस आरई ईई एसई ईबी अद्भुत चित्र, वो आकर्षण जो मुझे अब तक हमेशा मिलता रहा है—सब कुछ भयानक और उदास था; दानव दुबले-पतले जिन्न लग रहे थे, बौने दुष्ट और डरावने शैतान, गुलीवर सबसे भयानक और खतरनाक क्षेत्रों में एक अकेला भटकने वाला। मैंने किताब बंद कर दी, जिसे अब पढ़ने की हिम्मत नहीं हो रही थी, और उसे मेज पर, बिना चखे टार्ट के बगल में रख दिया। बेसी ने अब कमरे की धूल झाड़कर उसे साफ कर लिया था, और हाथ धोने के बाद, उसने रेशम और साटन के शानदार टुकड़ों से भरी एक छोटी सी दराज खोली, और जॉर्जियाना की गुड़िया के लिए एक नई टोपी बनाने लगी। इसी बीच वह गा रही थी: उसका गीत था— 'उन दिनों में जब हम खानाबदोश थे, बहुत समय पहले।' मैंने यह गीत पहले भी कई बार सुना था, और हमेशा बड़े आनंद के साथ; क्योंकि बेसी की आवाज मीठी थी,—कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता था। लेकिन अब, हालांकि उसकी आवाज़ अभी भी मधुर थी, मुझे उसकी धुन में एक अवर्णनीय उदासी मिली। कभी-कभी, अपने काम में मग्न होकर, वह मुखड़ा बहुत धीमी, बहुत देर तक गाती; 'बहुत समय पहले' किसी अंतिम संस्कार के भजन की सबसे उदास लय की तरह लगता था। वह एक और गीत गाने लगी, इस बार एक सचमुच शोकपूर्ण गीत। 'मेरे पैर दुख रहे हैं, और मेरे अंग थके हुए हैं; रास्ता लंबा है, और पहाड़ ऊबड़-खाबड़ हैं; जल्द ही शाम ढल जाएगी, चाँदनी रात नहीं, उस अनाथ बच्चे के रास्ते पर। उन्होंने मुझे इतनी दूर और इतना अकेला क्यों भेजा, जहाँ मैदान फैले हैं और धूसर चट्टानें ढेर हैं? मनुष्य कठोर हृदय हैं, और केवल दयालु देवदूत ही उस अनाथ बच्चे के कदमों की रक्षा करते हैं। फिर भी दूर से हल्की और कोमल रात की हवा बह रही है, बादल नहीं हैं, और साफ तारे हल्की चमक बिखेर रहे हैं, ईश्वर अपनी दया से रक्षा दिखा रहा है, उस अनाथ बच्चे को सांत्वना और आशा दे रहा है।' अगर मैं टूटे हुए पुल से गिर भी जाऊं, या दलदल में भटक जाऊं, झूठी रोशनी से बहक जाऊं, तब भी मेरे पिता, वादे और आशीर्वाद के साथ, उस गरीब अनाथ बच्चे को अपनी गोद में ले लेंगे। 16 जेन आयर एनएस ईई एक विचार है जो मुझे शक्ति प्रदान करेगा, भले ही मैंने आश्रय और अपने परिवार दोनों को खो दिया हो; स्वर्ग एक घर है, और मुझे आराम

अवश्य मिलेगा; ईश्वर अनाथ बच्चे का मित्र है।' 'आइए, मिस जेन, रोना मत,' बेसी ने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा। वह आग से भी कह सकती थी, 'जलना मत!' लेकिन वह उस असहनीय पीड़ा को कैसे समझ सकती थी जिसका मैं शिकार थी? सुबह के दौरान मिस्टर लॉयड फिर आए। 'क्या, इतनी जल्दी उठ गई!' उन्होंने नर्सरी में प्रवेश करते हुए कहा। 'अच्छा, नर्स, वह कैसी है?' बेसी ने उत्तर दिया कि मैं बहुत अच्छी हूँ। 'तो उसे और अधिक खुश दिखना चाहिए। इधर आओ, मिस जेन: तुम्हारा नाम जेन है, है ना?' 'जी हाँ, जेन आयर।' 'अच्छा, तुम रो रही हो, मिस जेन आयर; क्या तुम मुझे बता सकती हो कि क्या हुआ? क्या तुम्हें कोई दर्द है?' 'नहीं, सर।' 'ओह!' बेसी ने बीच में टोकते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि वह इसलिए रो रही है क्योंकि वह मालकिन के साथ गाड़ी में बाहर नहीं जा सकी।' 'बिल्कुल नहीं! अरे, वह ऐसी छोटी-छोटी बातों पर रोने के लिए बहुत बूढ़ी हो चुकी है।' मुझे भी यही लगा; और इस झूठे आरोप से मेरा आत्मसम्मान आहत हुआ, इसलिए मैंने तुरंत जवाब दिया, 'मैंने अपनी ज़िंदगी में कभी ऐसी बात पर नहीं रोया: मुझे गाड़ी में बाहर जाना पसंद नहीं है। मैं इसलिए रोती हूँ क्योंकि मैं दुखी हूँ।' 'अरे, मिस!' बेसी ने कहा। भले वैद्य थोड़े हैरान दिखे। मैं उनके सामने खड़ी थी; उन्होंने मुझे बहुत ध्यान से देखा: उनकी आँखें छोटी और भूरी थीं; बहुत चमकदार नहीं थीं, लेकिन मुझे लगता है कि अब मैं उन्हें समझदार समझूँगी: उनका चेहरा सख्त लेकिन सौम्य दिखता था। मुझे कुछ देर देखने के बाद उन्होंने कहा— 'कल आपको क्या हुआ था?' बेसी ने फिर से अपने शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा, 'वह गिर गई थी।' 'गिर गई! अरे, ये तो बिल्कुल बच्चे जैसी हरकत है! क्या वह इस उम्र में चल भी नहीं सकती? वह आठ या नौ साल की होगी।' 'मुझे धक्का लगा था,' शर्मिंदगी भरे स्वाभिमान के एक और झटके से मेरे मुँह से निकला सीधा-सादा जवाब था; 'लेकिन इससे मैं बीमार नहीं पड़ी,' मैंने आगे कहा; इसी बीच मिस्टर लॉयड ने चुटकी भर तंबाकू खा लिया। जैसे ही वह डिब्बा अपनी जैकेट की जेब में रख रहे थे, नौकरों के खाने की तेज़ घंटी बजी; वह समझ गए कि क्या है। 'ये तुम्हारे लिए है, नर्स,' उन्होंने कहा; 'तुम नीचे जा सकती हो; तुम्हारे वापस आने तक मैं मिस जेन को डांटूँगा।'

जेन आयर 17 एसएस एसएस एसएसएसए बेसी वहीं रहना चाहती थी, लेकिन उसे जाना पड़ा, क्योंकि गेट्सहेड हॉल में भोजन के समय की पाबंदी का कड़ाई से पालन किया जाता था। बेसी के जाने के बाद मिस्टर लॉयड ने पूछा, "गिरने से तो तुम बीमार

नहीं पड़ीं; फिर क्या हुआ?" बेसी ने जवाब दिया, "मुझे अंधेरा होने तक एक ऐसे कमरे में बंद कर दिया गया था जहाँ भूत रहता है।" मैंने मिस्टर लॉयड को एक ही समय में मुस्कुराते और भौंहें चढ़ाते देखा। "भूत! क्या, तुम तो अभी बच्ची हो! भूतों से डरती हो?" "मैं मिस्टर रीड के भूत के बारे में सोच रही हूँ: उनकी मृत्यु उसी कमरे में हुई थी और उन्हें वहीं रखा गया था। बेसी या कोई भी रात में उस कमरे में नहीं जाता, अगर संभव हो तो; और मुझे बिना मोमबत्ती के अकेले बंद रखना बहुत क्रूरता थी— इतनी क्रूरता कि मुझे लगता है मैं इसे कभी नहीं भूल पाऊँगी।" "बकवास! और क्या यही बात तुम्हें इतना दुखी करती है? क्या अब तुम्हें दिन के उजाले में डर लगता है?" "नहीं: लेकिन रात जल्द ही फिर से आ जाएगी: और इसके अलावा— मैं दुखी हूँ— बहुत दुखी हूँ, कुछ और बातों के लिए।" "क्या और बातें? क्या तुम मुझे उनमें से कुछ बता सकती हो?" मैं इस प्रश्न का पूरा उत्तर देना चाहती थी! कोई उत्तर देना कितना मुश्किल था! बच्चे महसूस कर सकते हैं, लेकिन वे अपनी भावनाओं का विश्लेषण नहीं कर सकते; और यदि विश्लेषण आंशिक रूप से विचारों में हो भी जाए, तो वे उस प्रक्रिया के परिणाम को शब्दों में व्यक्त करना नहीं जानते। हालाँकि, अपने दुख को व्यक्त करके उसे कम करने के इस पहले और एकमात्र अवसर को खोने के डर से, मैंने एक अशांत विराम के बाद, एक संक्षिप्त, लेकिन जहाँ तक संभव हो, सच्चा उत्तर देने का प्रयास किया। जवाब में मैंने कहा, 'एक तो मेरे न पिता हैं, न माता, न भाई-बहन।' 'तुम्हारी एक दयालु चाची और चचेरे भाई-बहन हैं।' मैं फिर रुक गई; फिर लड़खड़ाते हुए बोली— 'लेकिन जॉन रीड ने मुझे धक्का देकर गिरा दिया, और मेरी चाची ने मुझे लाल कमरे में बंद कर दिया।' श्री लॉयड ने दूसरी बार अपनी नसवार की डिब्बी निकाली। उन्होंने पूछा, 'क्या तुम्हें नहीं लगता कि गेट्सहेड हॉल बहुत सुंदर घर है? क्या तुम इतने अच्छे घर में रहने के लिए बहुत आभारी नहीं हो?' 'यह मेरा घर नहीं है, महोदय; और मठाधीश कहते हैं कि मुझे यहाँ रहने का अधिकार एक नौकर से भी कम है।' 'छी! तुम इतनी मूर्ख तो नहीं हो कि इतने शानदार घर को छोड़ना चाहो?' 'अगर मुझे कहीं और जाना होता, तो मैं इसे खुशी-खुशी छोड़ देती; लेकिन जब तक मैं औरत नहीं हो जाती, तब तक मैं गेट्सहेड से दूर नहीं जा सकती।' 'शायद तुम जा पाओ—कौन जानता है? क्या श्रीमती रीड के अलावा तुम्हारे कोई रिश्तेदार हैं?'

और उन्होंने कहा था कि शायद मेरे कुछ गरीब, निम्न वर्ग के रिश्तेदार आयर नाम के हों, लेकिन उन्हें उनके बारे में कुछ नहीं पता था।' 'अगर आपके ऐसे रिश्तेदार होते, तो क्या आप उनके पास जाना पसंद करतीं?' मैंने सोचा। गरीबी बड़ों को भयावह लगती है; बच्चों को तो और भी ज्यादा: उन्हें मेहनती, कर्मठ, सम्मानजनक गरीबी का ज्यादा अंदाजा नहीं होता; वे इस शब्द को केवल फटे-पुराने कपड़ों, कम भोजन, बिना चूल्हे वाली भट्टियों, असभ्य व्यवहार और भ्रष्ट आदतों से जुड़ा हुआ समझते हैं: मेरे लिए गरीबी का मतलब ही पतन था। 'नहीं; मैं गरीब लोगों के साथ नहीं रहना चाहूंगी,' मेरा जवाब था। 'क्या तब भी नहीं जब वे आपके प्रति दयालु हों?' मैंने अपना सिर हिलाया: मुझे समझ नहीं आ रहा था कि गरीब लोगों के पास दयालु होने के साधन कैसे हो सकते हैं; और फिर उनकी तरह बोलना सीखना, उनके तौर-तरीके अपनाना, अशिक्षित रहना, उन गरीब महिलाओं की तरह बड़ा होना जिन्हें मैं कभी-कभी गेट्सहेड गांव की झोपड़ियों के दरवाजों पर अपने बच्चों को दूध पिलाते या उनके कपड़े धोते देखती थी: नहीं, मैं जाति की कीमत पर स्वतंत्रता खरीदने के लिए इतनी साहसी नहीं थी। 'लेकिन क्या आपके रिश्तेदार इतने गरीब हैं? क्या वे मेहनतकश लोग हैं?' 'मैं नहीं बता सकती; आंटी रीड कहती हैं कि अगर मेरे कोई रिश्तेदार हैं, तो वे भिखारी ही होंगे: मैं भीख नहीं मांगना चाहूंगी।' 'क्या आप स्कूल जाना चाहेंगी?' मैंने फिर सोचा: मुझे मुश्किल से ही पता था कि स्कूल क्या होता है: बेसी कभी-कभी इसे एक ऐसी जगह बताती थी जहाँ युवतियाँ बेड़ियों में बैठती थीं, पीठ पर तख्ते पहनती थीं, और उनसे बेहद सभ्य और अनुशासित होने की उम्मीद की जाती थी: जॉन रीड को अपना स्कूल नापसंद था, और वह अपने शिक्षक को गाली देता था; लेकिन जॉन रीड की पसंद मेरी पसंद का कोई नियम नहीं थी, और अगर बेसी के स्कूल अनुशासन के किस्से (जो उसने गेट्सहेड आने से पहले जिस परिवार में रहती थी, वहाँ की युवतियों से सुने थे) कुछ हद तक चौंकाने वाले थे, तो उन्हीं युवतियों की उपलब्धियों का उसका वर्णन मुझे उतना ही आकर्षक लगा। वह उनके द्वारा बनाई गई सुंदर प्राकृतिक और फूलों की पेंटिंग्स, उनके द्वारा गाए जाने वाले गीतों और बजाए जाने वाले वाद्य यंत्रों, उनकी कमाई और उनके द्वारा अनुवादित फ्रेंच किताबों के बारे में शेखी बघारती थी; ये सब सुनकर मेरा मन भी उनसे प्रेरणा लेने लगा। इसके अलावा, स्कूल जाना मेरे लिए एक पूर्ण परिवर्तन था: इसका अर्थ था एक लंबी यात्रा, गेट्सहेड से पूरी तरह अलग होना, एक नए जीवन में प्रवेश करना।

जेन आयर 19 — ईईई 'मैं सचमुच स्कूल जाना चाहूँगी,' मेरे विचारों का यही अंतिम शब्द था। 'वाह! कौन जाने क्या हो जाए?' श्री लॉयड उठते हुए बोले। "बच्चे को माहौल और वातावरण में बदलाव की ज़रूरत है," उन्होंने खुद से कहा; 'उसकी नसें ठीक नहीं हैं।' बेसी वापस आ गई; उसी क्षण बजरी वाली पगडंडी पर गाड़ी के आने की आवाज़ सुनाई दी। 'क्या वह तुम्हारी मालकिन हैं, नर्स?' श्री लॉयड ने पूछा। 'जाने से पहले मैं उनसे बात करना चाहूँगा।' बेसी ने उन्हें नाश्ते के कमरे में आने का न्योता दिया और बाहर जाने का रास्ता दिखाया। बाद में उनके और श्रीमती रीड के बीच हुई बातचीत में, मुझे लगता है, आगे की घटनाओं से, कि दवा विक्रेता ने मुझे स्कूल भेजने की सलाह दी; और यह सलाह निस्संदेह आसानी से मान ली गई; जैसा कि एबॉट ने कहा, एक रात जब मैं बिस्तर पर सो गई थी और उन्हें लगा कि मैं सो रही हूँ, तब दोनों बेसी के साथ नर्सरी में सिलाई कर रही थीं और इस विषय पर चर्चा कर रही थीं, 'मालकिन को, वह कहने की हिम्मत करती हैं, ऐसे थकाऊ, बदमिजाज बच्चे से छुटकारा पाकर बहुत खुशी हुई, जो हमेशा ऐसा लगता था जैसे वह सबको देख रही हो और छुपकर साजिशें रच रही हो।' मुझे लगता है कि एबॉट ने मुझे एक तरह का बचकाना गाइ फॉक्स होने का श्रेय दिया। उसी अवसर पर, मैंने पहली बार मिस एबॉट के बेसी को दिए गए संदेशों से जाना कि मेरे पिता एक गरीब पादरी थे; कि मेरी माँ ने अपने दोस्तों की इच्छा के विरुद्ध उनसे शादी की थी, जो इस रिश्ते को उनके लिए नीचा समझते थे; कि मेरे दादा रीड उनकी अवज्ञा से इतने नाराज थे कि उन्होंने उन्हें एक पैसा भी नहीं दिया। मेरे माता-पिता के विवाह के एक वर्ष बाद, मेरे पिता को टाइफस बुखार हो गया, जब वे एक बड़े औद्योगिक शहर के गरीबों के बीच जा रहे थे, जहाँ उनका पादरी पद था और जहाँ यह बीमारी उस समय प्रचलित थी। मेरी माँ को भी उनसे यह संक्रमण लग गया और दोनों की एक महीने के भीतर मृत्यु हो गई। बेसी ने यह वृत्तांत सुनकर आह भरी और कहा, 'बेचारी मिस जेन पर भी दया आती है, मठाधीश।' 'हाँ,' मठाधीश ने उत्तर दिया; 'यदि वह एक प्यारी, सुंदर बच्ची होती, तो कोई उसकी लाचारी पर तरस खा सकता था; लेकिन ऐसी छोटी सी बदसूरत बच्ची के लिए कोई परवाह नहीं कर सकता।' 'ज़्यादा नहीं, बिल्कुल,' बेसी ने सहमति जताते हुए कहा; 'कम से कम, मिस जॉर्जियाना जैसी सुंदरी उसी स्थिति में ज़्यादा दिल को छू लेती।' 'हाँ, मैं मिस जॉर्जियाना पर मोहित हूँ!' भावुक मठाधीश ने कहा।

20 जेन आयर या 'मेरी प्यारी बच्ची!—अपने लंबे घुंघराले बालों और नीली आँखों के

साथ, और उसके इतने प्यारे रंग के साथ; मानो उसे चित्रित किया गया हो!— बेसी, मैं रात के खाने में वेल्श खरगोश खाना चाहूँगी।' 'मैं भी—भुने हुए प्याज के साथ। चलो, हम नीचे चलते हैं।' वे चले गए। अध्याय 1 श्री लॉयड के साथ मेरी बातचीत से, और बेसी और एबॉट के बीच ऊपर बताई गई बातचीत से, मुझे ठीक होने की इच्छा के लिए पर्याप्त आशा मिली: एक बदलाव निकट प्रतीत हो रहा था,—मैंने चुपचाप इसकी कामना की और प्रतीक्षा की। हालाँकि, इसमें देरी हुई: दिन और सप्ताह बीत गए: मैंने अपना सामान्य स्वास्थ्य प्राप्त कर लिया था, लेकिन जिस विषय पर मैं सोच रही थी, उसका कोई नया उल्लेख नहीं किया गया। श्रीमती रीड कभी-कभी मुझे कठोर दृष्टि से देखती थीं, लेकिन शायद ही कभी मुझसे बात करती थीं: मेरी बीमारी के बाद से, उन्होंने मेरे और अपने बच्चों के बीच पहले से कहीं अधिक स्पष्ट दूरी बना ली थी; मुझे सोने के लिए एक छोटा सा कमरा दिया गया, मुझे अकेले खाना खाने के लिए मजबूर किया गया, और मेरा सारा समय नर्सरी में ही बीतने को कहा गया, जबकि मेरे चचेरे भाई-बहन लगातार ड्राइंग रूम में रहते थे। हालाँकि, उसने मुझे स्कूल भेजने के बारे में ज़रा भी इशारा नहीं किया: फिर भी मुझे सहज रूप से यह यकीन था कि वह मुझे अपने साथ एक ही छत के नीचे ज़्यादा समय तक नहीं रख पाएगी; क्योंकि उसकी नज़र, अब पहले से कहीं ज़्यादा, जब भी मुझ पर पड़ती थी, तो एक अटूट और गहरी नफ़रत ज़ाहिर करती थी। एलिज़ा और जॉर्जियाना, ज़ाहिर तौर पर आदेशों का पालन करते हुए, मुझसे जितना हो सके कम बात करती थीं: जॉन जब भी मुझे देखता, अपनी जीभ गाल में दबा लेता था, और एक बार मुझे डांटने की कोशिश भी की; लेकिन जैसे ही मैं उसी गहरे गुस्से और घोर विद्रोह की भावना से भड़क उठा, जिसने मुझे पहले भ्रष्ट किया था, मैंने तुरंत उसके खिलाफ़ मोर्चा खोल दिया, तो उसने बेहतर समझा कि वह रुक जाए, और मुझे कोसते हुए भाग गया, और कसम खाई कि मैंने उसकी नाक तोड़ दी है। मैंने सचमुच उस उभरी हुई नाक पर अपनी उंगलियों से जितना ज़ोर से हो सकता था, उतना ज़ोर से प्रहार किया था; और जब मैंने देखा कि या तो उस बात से या मेरी नज़र से वह डर गया है, तो मुझे अपने उद्देश्य को पूरा करने की बहुत इच्छा हुई; लेकिन वह पहले ही अपनी माँ के पास जा चुका था। मैंने उसे रोते हुए स्वर में यह कहानी सुनाते सुना कि कैसे 'वह दुष्ट जेन आयर' उस पर पागल बिल्ली की तरह झपटी थी: उसे कुछ सख्ती से रोका गया— 'उसके बारे में मुझसे बात मत करो, जॉन: मैंने तुमसे कहा था कि उसके पास मत जाओ; वह ध्यान देने योग्य

नहीं है; मैं नहीं चाहती कि तुम या तुम्हारी बहनें उसके साथ रहें।' तभी, रेलिंग पर झुककर, मैं अचानक चिल्लाई, और अपने शब्दों पर बिल्कुल भी विचार किए बिना—
 ———ई——ई= =—_———केके——_—__, "वे मेरे साथ रहने के लायक नहीं हैं।" श्रीमती रीड एक हष्ट-पुष्ट महिला थीं; लेकिन, इस अजीब और दुस्साहसी घोषणा को सुनकर, वह फुर्ती से सीढ़ियों से ऊपर दौड़ीं, मुझे बवंडर की तरह नर्सरी में ले गईं, और मुझे मेरे पालने के किनारे पर कुचलते हुए, मुझे ज़ोरदार आवाज़ में चुनौती दी कि मैं उस जगह से उठूं या दिन के बाकी समय में एक भी शब्द बोलूं। 'अगर अंकल रीड जीवित होते, तो वे तुमसे क्या कहते?' यह मेरी लगभग अनैच्छिक मांग थी। मैं लगभग अनैच्छिक इसलिए कह रही हूं, क्योंकि ऐसा लग रहा था मानो मेरी जीभ बिना मेरी इच्छा के शब्द बोल रही हो: मेरे भीतर से कुछ ऐसा निकल रहा था जिस पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं था। "क्या?" श्रीमती रीड ने धीमी आवाज़ में कहा: उनकी आमतौर पर शांत और गंभीर भूरी आँखें डर से भर उठीं; उन्होंने अपना हाथ मेरे हाथ से हटा लिया और मुझे ऐसे घूरने लगीं मानो उन्हें सचमुच पता ही न हो कि मैं बच्चा हूँ या शैतान। अब मेरी खैर नहीं थी। 'मेरे अंकल रीड स्वर्ग में हैं और वे सब कुछ देख सकते हैं जो तुम करते और सोचते हो; और पापा और मम्मी भी देख सकते हैं: वे जानते हैं कि तुम मुझे दिन भर कमरे में बंद रखते हो और मेरी मौत की कामना करते हो।' श्रीमती रीड ने जल्द ही अपना हौसला जुटाया: उन्होंने मुझे ज़ोर से हिलाया, मेरे दोनों कानों पर एक-एक घूंसा मारा और फिर बिना कुछ कहे चली गईं। बेसी ने एक घंटे के लंबे भाषण से इस अंतराल को भर दिया, जिसमें उन्होंने बिना किसी संदेह के साबित कर दिया कि मैं अब तक किसी भी घर में पला-बढ़ा सबसे दुष्ट और बिगड़ा हुआ बच्चा था। मुझे उनकी बात पर आधा ही यकीन हुआ; क्योंकि मेरे मन में सचमुच केवल बुरे भाव ही उमड़ रहे थे। नवंबर, दिसंबर और जनवरी का आधा महीना बीत गया। गेट्सहेड में क्रिसमस और नए साल का जश्न हमेशा की तरह धूमधाम से मनाया गया; उपहारों का आदान-प्रदान हुआ, डिनर और शाम की पार्टियाँ हुईं। मुझे हर तरह के आनंद से वंचित रखा गया था। मेरी खुशी का हिस्सा एलिजा और जॉर्जियाना के रोज़ाना के पहनावे को देखना और उन्हें पतले मलमल के फ्रॉक और लाल कमरबंद में, करीने से गुंथे बालों के साथ ड्राइंग रूम में उतरते देखना था; और उसके बाद, नीचे बजते पियानो या वीणा की आवाज़ सुनना, बटलर और नौकर के आने-जाने को सुनना, जलपान परोसे जाने पर गिलास और

चीनी मिट्टी के बर्तनों की खनक सुनना, ड्राइंग रूम का दरवाजा खुलने और बंद होने पर बातचीत की धीमी आवाज़ सुनना था। जब मैं इस काम से थक जाता, तो मैं सीढ़ियों के ऊपर बने एकांत और शांत नर्सरी में चला जाता: वहाँ, हालांकि थोड़ा उदास होता, मैं दुखी नहीं होता था। सच कहूँ तो, मुझे लोगों के बीच जाने की ज़रा भी इच्छा नहीं थी, क्योंकि लोगों के बीच मैं बहुत

22 जेन आयर - मुझे शायद ही कभी ध्यान दिया जाता था; और अगर बेसी दयालु और मिलनसार होती, तो श्रीमती रीड की डरावनी निगाहों के नीचे, महिलाओं और सज्जनों से भरे कमरे में शामें बिताने के बजाय, उसके साथ शांति से शामें बिताना मेरे लिए एक सुखद अनुभव होता। लेकिन बेसी, जैसे ही अपनी युवतियों को कपड़े पहना देती, रसोई और गृहणी के कमरे के चहल-पहल वाले क्षेत्रों में चली जाती, आमतौर पर मोमबत्ती अपने साथ ले जाती। तब मैं अपनी गुड़िया को गोद में लेकर आग धीमी होने तक बैठी रहती, बीच-बीच में यह सुनिश्चित करने के लिए चारों ओर देखती रहती कि कहीं उस अंधेरे कमरे में मुझसे भी बुरी कोई चीज तो नहीं है; और जब अंगारे मंद लाल हो जाते, तो मैं जल्दी से कपड़े उतार देती, जितना हो सके गांठों और डोरियों को खींचती, और ठंड और अंधेरे से बचने के लिए अपने पालने में शरण लेती। मैं हमेशा अपनी गुड़िया को इसी पालने में ले जाती थी; मनुष्य को किसी न किसी चीज़ से प्रेम करना ही होता है, और स्नेह के योग्य कोई और वस्तु न होने के कारण, मैंने एक फीकी, जर्जर सी मूर्ति को प्यार करने और उसकी देखभाल करने में आनंद पाया, जो किसी छोटे पुतले जैसी दिखती थी। अब मुझे यह याद करके हैरानी होती है कि मैं उस छोटी सी मूर्ति से कितनी बेतुकी ईमानदारी से प्रेम करता था, मानो उसे जीवित और भावनाओं को महसूस करने में सक्षम समझता था। जब तक वह मेरी नाइटगाउन में लिपटी न होती, मुझे नींद नहीं आती थी; और जब वह वहाँ सुरक्षित और गर्म रहती थी, तो मैं अपेक्षाकृत खुश होता था, यह सोचकर कि वह भी खुश होगी। मेहमानों के जाने का इंतज़ार करते हुए मुझे घंटे बहुत लंबे लगते थे, और मैं सीढ़ियों पर बेसी के कदमों की आहट सुनने के लिए तरसती रहती थी: कभी-कभी वह बीच में अपनी अंगुली या कैंची लेने के लिए ऊपर आती, या शायद मेरे लिए रात के खाने के तौर पर कुछ लाती—एक बन या चीज़केक—फिर वह मेरे खाने तक बिस्तर पर बैठ जाती, और जब मैं खा लेती, तो वह मेरे चारों ओर कपड़े लपेट देती, और दो बार मुझे चूमती, और कहती, "शुभ रात्रि, मिस जेन।" जब बेसी इतनी कोमल होती, तो वह मुझे दुनिया

की सबसे अच्छी, सबसे प्यारी और सबसे दयालु इंसान लगती; और मैं दिल से चाहती थी कि वह हमेशा इतनी ही खुशमिजाज और मिलनसार रहे, और कभी मुझे परेशान न करे, डांटे नहीं, या बेवजह काम न दे, जैसा कि वह अक्सर किया करती थी। मुझे लगता है कि बेसी ली एक अच्छी स्वभाविक प्रतिभा वाली लड़की रही होगी, क्योंकि वह जो भी करती थी उसमें होशियार थी, और कहानी सुनाने की उसमें अद्भुत कला थी; कम से कम, उसके बचपन के माहौल से मुझे यही लगता है। कहानियों में। अगर मुझे उसके चेहरे और व्यक्तित्व की सही याद है, तो वह सुंदर भी थी। मुझे याद है कि वह दुबली-पतली युवती थी, जिसके काले बाल, गहरी आँखें, बहुत ही आकर्षक चेहरे की बनावट और साफ-सुथरा रंग था; लेकिन उसका स्वभाव चंचल और उतावला था, और उसे सिद्धांतों या न्याय की परवाह नहीं थी: फिर भी, जैसी भी वह थी, मैं उसे गेट्सहेड हॉल में किसी और से ज़्यादा पसंद करता था।

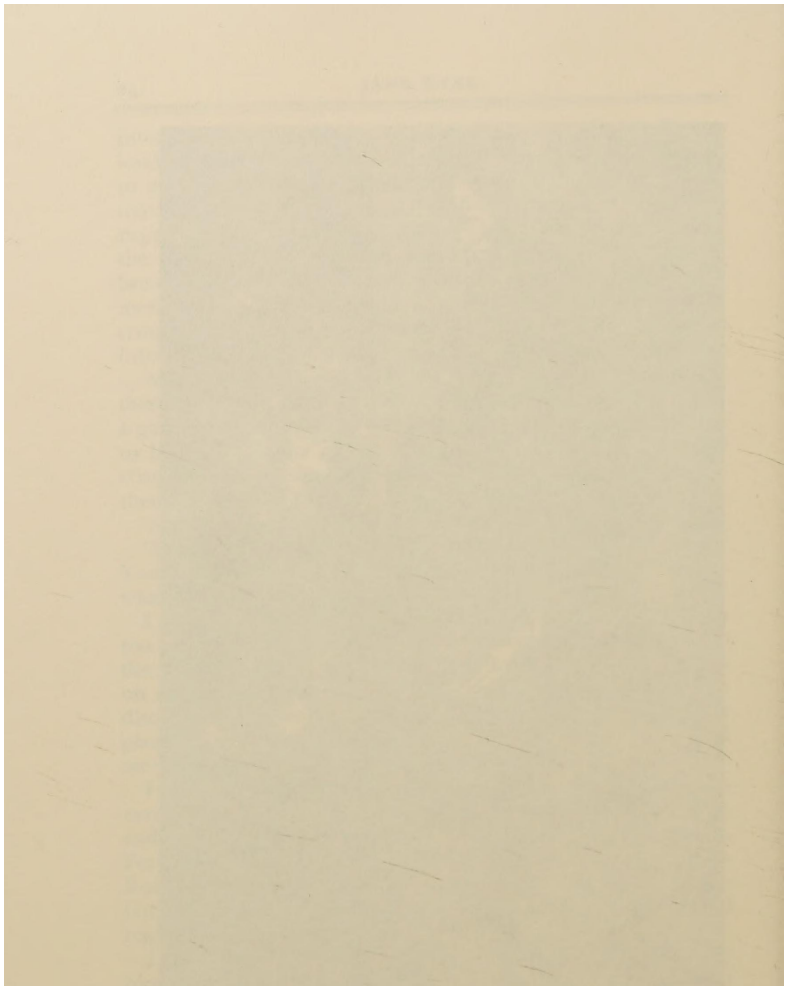
जेन आयर 23 जनवरी का महीना था, सुबह के लगभग नौ बजे थे: बेसी नाश्ता करने नीचे गई हुई थी; मेरे चचेरे भाई-बहनों को अभी तक उनकी माँ के पास नहीं बुलाया गया था; एलिज़ा अपनी टोपी और गर्म बगीचे का कोट पहनकर अपने मुर्गियों को दाना चुगने जा रही थी, जो काम उसे बहुत पसंद था: और उतना ही उसे घर की नौकरानी को अंडे बेचना और उससे मिलने वाले पैसे जमा करना भी पसंद था। उसे व्यापार में रुचि थी और बचत करने की प्रबल प्रवृत्ति थी; यह न केवल अंडे और मुर्गियाँ बेचने में, बल्कि माली से फूलों की जड़ों, बीजों और पौधों की कलमों के बारे में सौदेबाजी करने में भी दिखाई देती थी; उस कर्मचारी को श्रीमती रीड से आदेश मिला था कि वह अपनी मालकिन से उसके बगीचे की सभी उपज खरीदे जिसे वह बेचना चाहती थी: और अगर एलिज़ा इससे अच्छा मुनाफा कमा सकती तो वह अपने सिर के बाल भी बेच देती। जहाँ तक उसके पैसों की बात है, वह पहले उन्हें किसी चिथड़े या पुराने कर्ल-पेपर में लपेटकर अलग-अलग कोनों में छिपा देती थी; लेकिन घर की नौकरानी ने इनमें से कुछ खजाने खोज लिए, और एलिज़ा, अपने बहुमूल्य खजाने को खोने के डर से, उसे अपनी माँ को ऊँची ब्याज दर पर सौंपने के लिए राज़ी हो गई—पचास या साठ प्रतिशत; और वह हर तीन महीने में ब्याज वसूलती थी, और एक छोटी सी किताब में बड़ी सावधानी से हिसाब रखती थी। जॉर्जियाना एक ऊँचे स्टूल पर बैठी शीशे के सामने अपने बाल संवार रही थी, और अपनी लटों में कृत्रिम फूल और मुरझाए पंख लगा रही थी, जो उसे अटारी की एक दराज में मिले थे। मैं अपना बिस्तर

लगा रही थी, क्योंकि बेसी ने मुझे उसके लौटने से पहले बिस्तर ठीक करने का सख्त आदेश दिया था (क्योंकि बेसी अब अक्सर मुझे एक तरह की सहायक नौकरानी के रूप में काम पर लगाती थी, कमरे की सफाई करने, कुर्सियों से धूल झाड़ने आदि के लिए)। रजाई बिछाकर और अपनी नाइट ड्रेस को तह करके, मैं खिड़की के पास जाकर वहाँ बिखरी हुई कुछ चित्र-पुस्तकों और गुड़ियाघर के सामान को व्यवस्थित करने लगी; जॉर्जियाना के अचानक आदेश पर कि मैं उसके खिलौनों को अकेला छोड़ दूं (क्योंकि छोटी कुर्सियाँ और दर्पण, परियों की थालियाँ और प्याले, सब उसी की संपत्ति थे), मेरा काम रुक गया; और फिर, कुछ और करने को न होने के कारण, मैं खिड़की पर सजे पाले के फूलों पर साँस छोड़ने लगा, और इस तरह शीशे में एक जगह बना ली जिससे मैं बाहर मैदानों को देख सकूँ, जहाँ सब कुछ स्थिर और कठोर पाले के प्रभाव में पत्थर जैसा था। इस खिड़की से चौकीदार का कमरा और गाड़ी का रास्ता दिखाई दे रहा था, और जैसे ही मैंने शीशों को ढकने वाले चांदी जैसे सफेद पत्तों को इतना हटाया कि बाहर देखने के लिए जगह बन गई, मैंने देखा कि गेट खुल गए और एक गाड़ी अंदर आ गई। मैंने उसे उदासीनता से सड़क पर चढ़ते हुए देखा; गेट्सहेड में गाड़ियाँ अक्सर आती थीं, लेकिन कोई भी ऐसी आगंतुक नहीं लाती थी जिसमें मैं दिलचस्पी रखता था।

24 जेन आयर pA i ca eS a interested; वह घर के सामने रुक गई, दरवाज़े की घंटी ज़ोर से बजी, नए आने वाले को अंदर आने दिया गया। यह सब मेरे लिए कुछ भी नहीं था, मेरा खाली ध्यान जल्द ही एक नन्ही भूखी रॉबिन चिड़िया के दृश्य में लग गया, जो आकर खिड़की के पास दीवार से लगे पत्तों रहित चेरी के पेड़ की टहनियों पर चहचहाने लगी। मेरे नाश्ते की रोटी और दूध के अवशेष मेज पर रखे थे, और एक टुकड़ा ब्रेड तोड़कर, मैं खिड़की की चौखट को खींचकर टुकड़ों को खिड़की की चौखट पर गिराने ही वाली थी कि बेसी दौड़ती हुई ऊपर नर्सरी में आई। 'मिस जेन, अपना एप्रन उतारो; तुम यहाँ क्या कर रही हो? क्या तुमने आज सुबह अपने हाथ और चेहरा धोया है?' जवाब देने से पहले मैंने एक और बार खींचा, क्योंकि मैं चाहती थी कि चिड़िया को उसकी रोटी मिल जाए: चौखट खुल गई; मैंने टुकड़ों को बिखेर दिया, कुछ पत्थर की चौखट पर, कुछ चेरी के पेड़ की शाखा पर, फिर खिड़की बंद करते हुए मैंने जवाब दिया— 'नहीं, बेसी; मैंने अभी-अभी धूल झाड़ना खत्म किया है।' “शरारती, लापरवाह बच्ची! और अब क्या कर रही हो? तुम बिल्कुल लाल दिख रही हो, जैसे

कोई शरारत करके आई हो: खिड़की क्यों खोल रही थी?" मुझे जवाब देने की ज़रूरत नहीं पड़ी, क्योंकि बेसी को इतनी जल्दी थी कि वह कोई स्पष्टीकरण नहीं सुनना चाहती थी; वह मुझे खींचकर वॉशस्टैंड तक ले गई, मेरे चेहरे और हाथों को साबुन, पानी और एक मोटे तौलिए से बेरहमी से, लेकिन जल्दी से रगड़ा; मेरे बालों को एक कड़क ब्रश से संवारा, मेरा एप्रन उतार दिया, और फिर मुझे जल्दी से सीढ़ियों के ऊपर ले जाकर, सीधे नीचे जाने को कहा, क्योंकि नाश्ते के कमरे में मेरी ज़रूरत थी। मैं पूछना चाहती थी कि मुझे कौन बुला रहा है: मैं पूछना चाहती थी कि क्या श्रीमती रीड वहाँ हैं; लेकिन बेसी पहले ही जा चुकी थी, और उसने मेरे ऊपर नर्सरी का दरवाजा बंद कर दिया था। मैं धीरे-धीरे नीचे उतरी। लगभग तीन महीनों से मुझे श्रीमती रीड के सामने कभी नहीं बुलाया गया था; इतने लंबे समय तक नर्सरी में बंद रहने के कारण, नाश्ते, भोजन और ड्राइंग रूम मेरे लिए अनजान हो गए थे। मेरे लिए वे भयानक क्षेत्र थे, जिनमें प्रवेश करने से मुझे डर लगता था। मैं अब खाली हॉल में खड़ा था; मेरे सामने नाश्ते के कमरे का दरवाजा था, और मैं भयभीत और कांपते हुए रुक गया। अन्यायपूर्ण दंड के भय ने उन दिनों मुझे कितना दयनीय छोटा डरपोक बना दिया था! मुझे नर्सरी में लौटने से डर लग रहा था, और बैठक कक्ष में आगे बढ़ने से भी डर लग रहा था; दस मिनट तक मैं बेचैनी और हिचकिचाहट में खड़ा रहा; नाश्ते के कमरे की घंटी की तेज आवाज ने मुझे दृढ़ निश्चय दिलाया; मुझे अंदर जाना ही होगा। 'मुझे कौन बुला रहा होगा?' मैंने मन ही मन पूछा, जैसे ही मैंने दोनों हाथों से कड़े दरवाजे के हैंडल को घुमाया, जो एक-दो सेकंड के लिए,





जेन आयर 25 एसएस ने मेरे प्रयासों का विरोध किया। 'कमरे में चाची रीड के अलावा मुझे और क्या देखना चाहिए?—एक पुरुष या एक महिला?' हैंडल घूमा, दरवाजा खुला, और अंदर जाकर झुककर प्रणाम करते हुए मैंने ऊपर देखा—एक काला खंभा! —कम से कम पहली नज़र में तो मुझे ऐसा ही लगा, गलीचे पर सीधा खड़ा वह सीधा, संकरा, काले रंग का आकार: ऊपर बना गंभीर चेहरा किसी नक्काशीदार मुखौटे जैसा था, जिसे स्तंभ के ऊपर शीर्ष के रूप में रखा गया था। श्रीमती रीड चूल्हे के पास अपनी सामान्य सीट पर बैठी थीं; उन्होंने मुझे पास आने का इशारा किया; मैंने वैसा ही किया, और उसने मुझे उस कठोर चेहरे वाले अजनबी से यह कहते हुए मिलवाया: 'यह वही छोटी बच्ची है जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा था।' वह, क्योंकि वह एक पुरुष

था, धीरे से अपना सिर मेरी ओर घुमाया, और अपनी घनी भौंहों के नीचे चमकती हुई जिज्ञासु दिखने वाली दो आँखों से मुझे निहारने के बाद, गंभीर स्वर में बोला, 'यह कद में छोटी है: इसकी उम्र क्या है?' 'दस साल।' 'इतना?' संदेह भरा उत्तर था; और उसने कुछ मिनटों तक मुझे निहारा। फिर उसने मुझसे पूछा— 'तुम्हारा नाम क्या है, छोटी बच्ची?' 'जेन आयर, महोदय।' ये शब्द कहते ही मैंने ऊपर देखा: वह मुझे एक लंबा सज्जन लग रहा था; लेकिन तब मैं बहुत छोटी थी; उसके चेहरे की बनावट बड़ी थी, और वह और उसके शरीर की सभी रेखाएँ समान रूप से कठोर और सधी हुई थीं। 'अच्छा, जेन आयर, और क्या तुम एक अच्छी बच्ची हो?' इसका सकारात्मक उत्तर देना असंभव था: मेरी छोटी सी दुनिया की राय इसके विपरीत थी: मैं चुप रही। श्रीमती रीड ने सिर हिलाकर मेरी ओर से जवाब दिया और तुरंत कहा, 'शायद इस विषय पर जितना कम बोला जाए उतना ही अच्छा है, श्री ब्रॉकलहर्स्ट।' 'यह सुनकर बहुत दुख हुआ! मुझे और उन्हें कुछ बात करनी है;' और सीधे खड़े होकर, वे श्रीमती रीड के सामने वाली कुर्सी पर बैठ गए। 'इधर आओ,' उन्होंने कहा। मैं कालीन पर से होते हुए आगे बढ़ी; उन्होंने मुझे अपने सामने सीधा खड़ा कर दिया। उनका चेहरा कितना बड़ा था, अब जब वह लगभग मेरे चेहरे के बराबर था! कितनी बड़ी नाक! और कितना बड़ा मुँह! और कितने बड़े उभरे हुए दाँत! 'शरारती बच्चे को देखने से ज्यादा दुखद कुछ नहीं होता,' उन्होंने शुरू किया, 'खासकर एक शरारती छोटी लड़की को। क्या तुम जानती हो कि मरने के बाद दुष्ट कहाँ जाते हैं?' 'वे नरक में जाते हैं,' मेरा तुरंत और स्वाभाविक उत्तर था। 'और नरक क्या है? क्या आप मुझे बता सकते हैं?'

26 जेन आयर pai es RE En a ‘आग से भरा एक गड्ढा।’ ‘और क्या तुम उस गड्ढे में गिरकर हमेशा के लिए जलना चाहोगी?’ ‘नहीं, श्रीमान।’ ‘इससे बचने के लिए तुम्हें क्या करना होगा?’ मैंने एक पल सोचा; जब मेरा जवाब आया, तो वह आपत्तिजनक था: ‘मुझे स्वस्थ रहना होगा और मरना नहीं होगा।’ ‘तुम स्वस्थ कैसे रह सकती हो? तुमसे छोटे बच्चे तो रोज़ मरते हैं। मैंने एक-दो दिन पहले ही पाँच साल के एक छोटे बच्चे को दफनाया था—एक प्यारा बच्चा, जिसकी आत्मा अब स्वर्ग में है। डर है कि अगर तुम्हें यहाँ से बुलाया गया तो तुम्हारे बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकेगा।’ उनके संदेह को दूर करने की स्थिति में न होने के कारण, मैंने केवल अपनी नज़रें कालीन पर रखे दो बड़े पैरों पर डालीं और आह भरी, काश मैं वहाँ से काफ़ी दूर होती। ‘मुझे उम्मीद है कि यह आह दिल से है, और तुम्हें अपनी इस उत्कृष्ट उपकारिणी को

असुविधा पहुँचाने का पछतावा है।' ; 'उपकारिणी!' 'परोपकारी!' मैंने मन ही मन कहा: 'सब लोग श्रीमती रीड को मेरी परोपकारी कहते हैं; अगर ऐसा है, तो परोपकारी होना एक अप्रिय बात है।' 'क्या आप रात-सुबह प्रार्थना करते हैं?' मेरे प्रश्नकर्ता ने आगे पूछा। 'जी हाँ।' 'क्या आप बाइबल पढ़ते हैं?' 'कभी-कभी।' 'खुशी से? क्या आपको यह पसंद है?' 'मुझे प्रकाशितवाक्य, दानियेल की पुस्तक, उत्पत्ति और शमूएल, निर्गमन का थोड़ा सा भाग, राजाओं और इतिहास के कुछ भाग, अय्यूब और योना पसंद हैं।' 'और भजन संहिता? मुझे उम्मीद है कि आपको वे पसंद हैं?' 'नहीं, महोदय।' 'नहीं? ओह, चौंकाने वाली बात! मेरा एक छोटा लड़का है, जो आपसे भी छोटा है, जिसे छह भजन संहिताएँ कंठस्थ हैं: और जब आप उससे पूछते हैं कि वह क्या पसंद करेगा, खाने के लिए एक जिंजरब्रेड-नट या सीखने के लिए एक भजन संहिता का श्लोक, तो वह कहता है: "ओह! भजन संहिता का श्लोक! स्वर्गदूत भजन गाते हैं;" वह कहता है, "मैं यहाँ एक छोटा फ़रिश्ता बनना चाहता हूँ।" फिर उसे अपनी इस बचकानी भक्ति के बदले दो मेवे मिलते हैं। मैंने कहा, "भजन दिलचस्प नहीं हैं। इससे साबित होता है कि तुम्हारा हृदय दुष्ट है; और तुम्हें ईश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए कि वह इसे बदल दे: तुम्हें एक नया और पवित्र हृदय दे: तुम्हारे पत्थर के हृदय को छीनकर तुम्हें मांस का हृदय दे।" मैं अपने हृदय को बदलने की प्रक्रिया के बारे में एक प्रश्न पूछने ही वाला था।

जेन आयर 27, जब मैं कुछ सोच ही रही थी कि श्रीमती रीड ने बीच में आकर मुझे बैठने को कहा; फिर उन्होंने खुद ही बातचीत जारी रखी। 'श्रीमान ब्रॉकलहर्स्ट, मुझे लगता है कि मैंने तीन हफ्ते पहले आपको लिखे पत्र में संकेत दिया था कि इस छोटी लड़की का स्वभाव और व्यवहार वैसा नहीं है जैसा मैं चाहती हूँ: यदि आप उसे लोवुड स्कूल में दाखिला दिला दें, तो मुझे खुशी होगी यदि अधीक्षक और शिक्षकों से अनुरोध किया जाए कि वे उस पर कड़ी नज़र रखें, और सबसे बढ़कर, उसकी सबसे बड़ी कमजोरी, धोखेबाजी की प्रवृत्ति, से सावधान रहें। जेन, मैं यह बात आपके सामने इसलिए कह रही हूँ ताकि आप श्रीमान ब्रॉकलहर्स्ट को धोखा देने की कोशिश न करें।' मुझे श्रीमती रीड से डर लगना स्वाभाविक था, मुझे उनसे नफरत होना स्वाभाविक था; क्योंकि उनका स्वभाव ही मुझे बेरहमी से चोट पहुँचाना था; मैं उनकी उपस्थिति में कभी खुश नहीं रहती थी; चाहे मैं कितनी भी सावधानी से उनकी बात मानती, चाहे मैं उन्हें खुश करने की कितनी भी कोशिश करती, मेरे सारे प्रयास व्यर्थ ही जाते और मुझे

ऊपर दिए गए वाक्यों से ही जवाब मिलता। अब, एक अजनबी के सामने कही गई यह बात मेरे दिल को चीर गई; मुझे धुंधला सा एहसास हुआ कि वह मेरे जीवन के उस नए चरण से आशा को पहले ही मिटा रही थी जिसमें वह मुझे प्रवेश करने के लिए नियत कर रही थी; मैंने महसूस किया, हालांकि मैं उस भावना को व्यक्त नहीं कर सकती थी, कि वह मेरे भविष्य के मार्ग में घृणा और निर्दयता के बीज बो रही थी; मैंने खुद को मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट की निगाहों के सामने एक धूर्त, हानिकारक बच्चे में बदलते देखा, और मैं इस चोट को ठीक करने के लिए क्या कर सकती थी? 'कुछ नहीं, सचमुच,' मैंने सोचा, जैसे ही मैंने सिसकी को दबाने की कोशिश की, और जल्दी से कुछ आँसू पोंछे, जो मेरी पीड़ा के निष्फल प्रमाण थे। 'धोखा देना, वास्तव में, एक बच्चे में एक दुखद दोष है,' मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट ने कहा; 'यह झूठ के समान है, और सभी झूठे लोगों को आग और गंधक से जलने वाली झील में अपना हिस्सा मिलेगा; हालांकि, श्रीमती रीड पर नजर रखी जाएगी।' मैं मिस टेंपल और शिक्षकों से बात करूँगी।' मेरी उपकारिका ने आगे कहा, 'मैं चाहती हूँ कि उसका पालन-पोषण उसके भविष्य के अनुरूप हो; उसे उपयोगी बनाया जाए, उसे विनम्र रखा जाए: जहाँ तक छुट्टियों की बात है, आपकी अनुमति से वह हमेशा लोवुड में ही छुट्टियाँ बिताएगी।' श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने उत्तर दिया, 'आपके निर्णय बिल्कुल विवेकपूर्ण हैं, महोदया। विनम्रता एक ईसाई गुण है, और लोवुड के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है; इसलिए, मैं निर्देश देता हूँ कि उनमें इसके विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। मैंने उनमें अहंकार की सांसारिक भावना को सर्वोत्तम तरीके से कुचलने का अध्ययन किया है; और अभी कुछ दिन पहले ही मुझे अपनी सफलता का एक सुखद प्रमाण मिला। मेरी दूसरी बेटी, ऑगस्टा, अपनी माँ के साथ स्कूल देखने गई थी, और लौटने पर उसने कहा: "ओह, प्यारे पापा, लोवुड की सभी लड़कियाँ कितनी शांत और सरल दिखती हैं, उनके बाल पीछे की ओर कंघी किए हुए हैं।"

28 जेन आयर: "उनके बड़े-बड़े कान, उनके लंबे एप्रन, और उनकी फ्रॉक के बाहर बनी वो छोटी-छोटी हॉलैंड जेबें—वे लगभग गरीब लोगों के बच्चों जैसी लग रही थीं! और," उसने कहा, "उन्होंने मेरी और मेरी माँ की पोशाक को ऐसे देखा, मानो उन्होंने पहले कभी रेशमी गाउन देखा ही न हो।" 'मुझे यह स्थिति बिल्कुल पसंद है,' श्रीमती रीड ने उत्तर दिया; 'अगर मैं पूरे इंग्लैंड में खोज भी लेती, तो भी मुझे जेन आयर जैसी बच्ची के लिए इससे अधिक उपयुक्त व्यवस्था शायद ही मिलती। निरंतरता, मेरे प्रिय

श्री ब्रॉकलहर्स्ट; मैं हर बात में निरंतरता की वकालत करती हूँ।' 'निरंतरता, महोदया, ईसाई कर्तव्यों में सबसे पहला है; और लोवुड की स्थापना से जुड़ी हर व्यवस्था में इसका पालन किया गया है: सादा भोजन, साधारण पोशाक, सादगीपूर्ण आवास, मजबूत और सक्रिय आदतें; यही इस घर और इसके निवासियों का दैनिक नियम है।' 'बिल्कुल सही, महोदय। तो क्या मैं इस बात पर भरोसा कर सकती हूँ कि इस बच्ची को लोवुड में एक छात्रा के रूप में स्वीकार किया जाएगा, और वहाँ उसे उसकी स्थिति और संभावनाओं के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा?' 'महोदया, आप कर सकती हैं: उसे चुनिंदा पौधों की उस नर्सरी में रखा जाएगा, और मुझे विश्वास है कि वह अपने चयन के इस अमूल्य विशेषाधिकार के लिए कृतज्ञता व्यक्त करेगी।' 'तो मैं उसे जल्द से जल्द भेज दूँगी, श्री ब्रॉकलहर्स्ट; क्योंकि, मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ, मैं वहाँ जाने के लिए उत्सुक हूँ।' एक ऐसी ज़िम्मेदारी से मुक्ति मिली जो बहुत कष्टदायक होती जा रही थी।' 'बिल्कुल, बिल्कुल, महोदया; और अब मैं आपको सुप्रभात कहता हूँ। मैं एक-दो हफ़्ते में ब्रॉकलहर्स्ट हॉल लौट आऊँगा: मेरे अच्छे मित्र, आर्चडीकन, मुझे इससे पहले जाने की अनुमति नहीं देंगे। मैं मिस टेंपल को सूचित कर दूँगा कि उन्हें एक नई लड़की के आने की उम्मीद है, ताकि उसके स्वागत में कोई कठिनाई न हो। अलविदा।' 'अलविदा, श्रीमान ब्रॉकलहर्स्ट; श्रीमती और मिस ब्रॉकलहर्स्ट, और ऑगस्टा और थियोडोर, और मास्टर ब्रॉटन ब्रॉकलहर्स्ट को मेरा प्रणाम कहना।' 'ज़रूर कहूँगा, महोदया। छोटी बच्ची, यह रही एक किताब जिसका शीर्षक है 'बाल मार्गदर्शिका'; इसे प्रार्थना के साथ पढ़ो, विशेष रूप से वह भाग जिसमें "झूठ और छल की आदी एक शरारती बच्ची, मार्था जी— की भयानक अचानक मृत्यु का वर्णन है।"' ये कहकर श्रीमान ब्रॉकलहर्स्ट ने मेरे हाथ में एक पतली सी पुस्तिका थमा दी, और अपनी गाड़ी की घंटी बजाकर वे चले गए। श्रीमती रीड और मैं अकेले रह गए: कुछ मिनट खामोशी में बीत गए; वह सिलाई कर रही थीं, मैं उन्हें देख रहा था। श्रीमती रीड उस समय लगभग छत्तीस या सवा चार साल की होंगी; वह मजबूत कद-काठी की महिला थीं, चौड़े कंधों और मजबूत अंगों वाली, लंबी नहीं, और हष्ट-पुष्ट होने के बावजूद मोटी नहीं थीं: उनका चेहरा कुछ बड़ा था।

जेन आयर 29 et ec eh een i il aaa A I उसका निचला जबड़ा काफी विकसित और ठोस था; उसकी भौंहें नीची थीं, ठुड्डी बड़ी और उभरी हुई थी, मुंह और नाक काफी नियमित थे; उसकी हल्की भौहों के नीचे एक ऐसी आंख चमक रही थी जिसमें

दया का कोई भाव नहीं था; उसकी त्वचा गहरी और अपारदर्शी थी, बाल लगभग सुनहरे थे; उसका स्वास्थ्य एकदम स्वस्थ था—बीमारी कभी उसके पास नहीं आती थी; वह एक कुशल और चतुर प्रबंधक थी; उसका घर और किराएदार पूरी तरह से उसके नियंत्रण में थे; उसके बच्चे कभी-कभार ही उसकी बात नहीं मानते थे और उसका उपहास करते थे; वह अच्छे कपड़े पहनती थी, और उसका व्यक्तित्व और हावभाव सुंदर पोशाकों को और भी निखार देता था। उसकी कुर्सी से कुछ गज की दूरी पर एक छोटी सी चौकी पर बैठकर, मैंने उसके शरीर का अवलोकन किया; मैंने उसके चेहरे के भावों को गौर से देखा। मेरे हाथ में वह पर्चा था जिसमें झूठे की अचानक मृत्यु का वर्णन था, जिस वृत्तांत की ओर मेरा ध्यान एक उचित चेतावनी के रूप में दिलाया गया था। अभी क्या हुआ था; श्रीमती रीड ने मेरे बारे में श्री ब्रॉकलहर्स्ट से क्या कहा था; उनकी बातचीत का पूरा लहजा मेरे मन में ताजा, ताजा और चुभने वाला था; मैंने हर शब्द को उतनी ही तीव्रता से महसूस किया था जितना कि उसे स्पष्ट रूप से सुना था, और मेरे भीतर आक्रोश की आग भड़क उठी थी। श्रीमती रीड ने अपने काम से नज़रें उठाईं; उनकी नज़रें मुझ पर टिकीं, और उसी क्षण उनकी उंगलियों की फुर्तीली हरकतें रुक गईं। 'कमरे से बाहर जाओ; नर्सरी में लौट जाओ,' उनका आदेश था। मेरी नज़र या कुछ और उन्हें आपत्तिजनक लगा होगा, क्योंकि उन्होंने अत्यधिक, हालांकि दबी हुई, झुंझलाहट के साथ बात की। मैं उठी, दरवाजे तक गई; फिर वापस आई; खिड़की तक गई, कमरे के उस पार गई, फिर उनके बिल्कुल करीब पहुँच गई। मुझे बोलना ही था: मुझ पर बहुत अत्याचार हुआ था, और मुझे पलटवार करना ही था: लेकिन कैसे? अपने विरोधी पर पलटवार करने की मुझमें क्या ताकत बची थी? मैंने अपनी सारी ऊर्जा इकट्ठा की और इस सीधे-सादे वाक्य में कह दी— 'मैं धोखेबाज नहीं हूँ: अगर मैं होती, तो मैं कहती कि मैं तुमसे प्यार करती हूँ; लेकिन मैं स्पष्ट करती हूँ कि मैं तुमसे प्यार नहीं करती: जॉन रीड को छोड़कर मैं तुम्हें दुनिया में सबसे ज़्यादा नापसंद करती हूँ; और झूठे के बारे में यह किताब तुम अपनी बेटी, जॉर्जियाना को दे दो, क्योंकि झूठ तो वही बोलती है, मैं नहीं।' श्रीमती रीड के हाथ अभी भी अपने काम पर निष्क्रिय पड़े थे: उनकी बर्फीली आँखें अभी भी मेरी आँखों पर टिकी हुई थीं। 'तुम्हें और क्या कहना है?' उन्होंने पूछा, उस लहजे में जैसे कोई व्यक्ति किसी वयस्क विरोधी से बात कर रहा हो, न कि उस लहजे में जैसे आमतौर पर किसी बच्चे से बात की जाती है। उनकी उस आँख, उस आवाज़ ने मेरे भीतर की हर घृणा को जगा दिया।

सिर से पैर तक काँपते हुए, अनियंत्रित उत्तेजना से सिहरते हुए, मैंने आगे कहा—
30 जेन आयर डीन ईईई 'मुझे खुशी है कि आप मेरी रिश्तेदार नहीं हैं: मैं जीवन भर आपको कभी चाची नहीं कहूँगी। मैं बड़ी होकर आपसे मिलने कभी नहीं आऊँगी; और अगर कोई मुझसे पूछे कि मैं आपको कैसा मानती थी और आपने मेरे साथ कैसा व्यवहार किया, तो मैं कहूँगी कि आपके बारे में सोचते ही मुझे घिन आती है और आपने मेरे साथ बहुत क्रूरता से व्यवहार किया।' 'जेन आयर, तुम ऐसा कहने की हिम्मत कैसे करती हो?' 'मैं ऐसा कहने की हिम्मत कैसे करती हूँ, श्रीमती रीड? मैं ऐसा कहने की हिम्मत कैसे करती हूँ? क्योंकि यही सच है। आपको लगता है कि मुझमें कोई भावनाएँ नहीं हैं और मैं बिना किसी प्यार या दया के रह सकती हूँ; लेकिन मैं ऐसे नहीं जी सकती: और आपमें ज़रा भी दया नहीं है। मुझे याद रहेगा कि कैसे आपने मुझे वापस धकेल दिया—कठोरता और हिंसा से—लाल कमरे में धकेल दिया और मुझे वहाँ मेरी मृत्यु तक बंद रखा; हालाँकि मैं पीड़ा में थी; हालाँकि मैं घुटते हुए चिल्लाई, "दया करो! दया करो, चाची रीड!" और वह सज़ा जो तुमने मुझे भुगतने को दी, क्योंकि तुम्हारे दुष्ट बेटे ने मुझे मारा—बिना किसी बात के मुझे गिरा दिया। जो भी मुझसे सवाल पूछेगा, मैं उसे यही कहानी सुनाऊँगी। लोग तुम्हें अच्छी औरत समझते हैं, लेकिन तुम बुरी हो, कठोर हृदय वाली हो। तुम धोखेबाज़ हो!' मेरे इस जवाब के पूरा होने से पहले ही, मेरी आत्मा फैलने लगी, आनंद से भर उठी, एक अजीब सी आज़ादी और जीत के एहसास से, जो मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था। ऐसा लगा जैसे कोई अदृश्य बंधन टूट गया हो, और मैं अनचाही आज़ादी में पहुँच गई हूँ। यह भावना निराधार नहीं थी: श्रीमती रीड डरी हुई लग रही थीं; उनका काम उनके घुटनों से फिसल गया था; वह अपने हाथ ऊपर उठा रही थीं, खुद को आगे-पीछे हिला रही थीं, और यहाँ तक कि अपना चेहरा भी ऐसे बना रही थीं जैसे रोने वाली हों। 'जेन, तुम गलतफहमी में हो: तुम्हें क्या हुआ है? तुम इतनी ज़ोर से क्यों काँप रही हो? क्या तुम थोड़ा पानी पीना चाहोगी?' 'नहीं, श्रीमती रीड।' 'क्या तुम्हें कुछ और चाहिए, जेन? मैं तुम्हें यकीन दिलाती हूँ, मैं तुम्हारी दोस्त बनना चाहती हूँ।' 'तुम नहीं। तुमने बताया था' श्री ब्रॉकलहर्स्ट, मेरा चरित्र खराब था, मेरा स्वभाव कपटी था; और मैं लोवुड में सबको बता दूँगी कि आप क्या हैं और आपने क्या किया है।' 'जेन, तुम ये बातें नहीं समझतीं: बच्चों को उनकी गलतियों के लिए सुधारा जाना चाहिए।' 'धोखा देना मेरी गलती नहीं है!' मैं गुस्से से ऊँची आवाज़ में चिल्लाई। 'लेकिन तुम भावुक हो,

जेन, यह तुम्हें मानना पड़ेगा: और अब नर्सरी में वापस जाओ—देखो प्यारी—और थोड़ी देर लेट जाओ।' 'मैं तुम्हारी प्यारी नहीं हूँ; मैं लेट नहीं सकती: मुझे जल्दी स्कूल भेज दो, श्रीमती रीड, क्योंकि मुझे यहाँ रहना पसंद नहीं है।' 'मैं उसे जल्द ही स्कूल भेज दूँगी,' श्रीमती रीड ने धीरे से कहा।

जेन आयर 31 a cn aa sotto voce; और अपना काम समेटकर वह अचानक कमरे से चली गई। मैं वहाँ अकेला रह गया—युद्ध का विजेता। यह मेरी अब तक की सबसे कठिन लड़ाई थी, और मेरी पहली जीत थी: मैं कुछ देर कालीन पर खड़ा रहा, जहाँ श्री ब्रॉकलहर्स्ट खड़े थे, और मैंने अपने विजेता के एकांत का आनंद लिया। पहले तो मैं मन ही मन मुस्कुराया और बहुत प्रसन्न हुआ; लेकिन यह तीव्र आनंद उतनी ही तेज़ी से शांत हो गया जितनी तेज़ी से मेरी नब्ज़ों की धड़कन धीमी हुई। एक बच्चा अपने बड़ों से झगड़ा नहीं कर सकता, जैसा मैंने किया था; अपनी उग्र भावनाओं को अनियंत्रित रूप से नहीं व्यक्त कर सकता, जैसा मैंने किया था, बिना बाद में पछतावे की पीड़ा और प्रतिक्रिया की ठंडक का अनुभव किए। जब मैंने श्रीमती रीड पर आरोप लगाए और उन्हें धमकाया, तो मेरे मन की स्थिति को रोशन, जीवंत, चमकती, भस्म कर देने वाली जलती हुई बंजर भूमि का एक टीला सटीक रूप से दर्शाता था: वही टीला, आग बुझने के बाद काला और झुलसा हुआ, मेरी बाद की स्थिति को सटीक रूप से दर्शाता था, जब आधे घंटे के मौन और चिंतन ने मुझे मेरे आचरण की मूर्खता और मेरी घृणास्पद और घृणा उत्पन्न करने वाली स्थिति की उदासी का एहसास कराया। मैंने पहली बार प्रतिशोध का स्वाद चखा था; निगलने पर यह सुगंधित शराब की तरह गर्म और तीखा लगा: इसका धातु जैसा और संक्षारक स्वाद मुझे ऐसा एहसास कराता था मानो मुझे जहर दिया गया हो। अब मैं खुशी-खुशी जाकर श्रीमती रीड से क्षमा मांगना चाहता था; लेकिन मैं जानता था, कुछ अनुभव से और कुछ सहज ज्ञान से, कि ऐसा करने से वह मुझे दुगने तिरस्कार से ठुकरा देंगी, जिससे मेरे स्वभाव की हर उग्र भावना फिर से जागृत हो जाएगी। मैं उग्र भाषण देने की क्षमता से बेहतर किसी क्षमता का प्रयोग करना चाहता था; मैं उदासी भरी नाराजगी से कुछ कम भयावह भावना को पोषण देने के लिए तरस रही थी। मैंने एक किताब उठाई—कुछ अरबी कहानियाँ; मैं बैठ गई और पढ़ने का प्रयास किया। मुझे विषय समझ में नहीं आ रहा था; मेरे अपने विचार हमेशा मेरे और उस पृष्ठ के बीच तैरते रहते थे जिसे मैं आमतौर पर आकर्षक पाती थी। मैंने नाश्ते के कमरे का कांच का दरवाजा खोला:

झाड़ियाँ बिल्कुल शांत थीं: काली बर्फ पूरे मैदान में छाई हुई थी, सूरज या हवा का कोई असर नहीं था। मैंने अपने सिर और बाहों को अपनी फ्रॉक के किनारे से ढक लिया और बागान के एक बिल्कुल एकांत हिस्से में टहलने चली गई; लेकिन मुझे शांत पेड़ों, गिरते हुए देवदार के शंकुओं, शरद ऋतु के जमे हुए अवशेषों, हवाओं से ढेर में बहकर अब एक साथ सख्त हो चुके भूरे पत्तों में कोई आनंद नहीं मिला। मैं एक फाटक से टिक गई और एक खाली खेत में देखा जहाँ कोई भेड़ें चर नहीं रही थीं, जहाँ छोटी घास कटी-फटी और पीली पड़ गई थी। यह एक बहुत ही उदास दिन था; एक अत्यंत धुंधला आकाश, बर्फ से ढका हुआ, सब कुछ ढके हुए था; वहीं से रुक-रुक कर बर्फ के टुकड़े गिर रहे थे, जो कठोर रास्ते और बर्फीली सतह पर जम रहे थे।
जेन आयर [pe aOR a ee a lea बिना पिघले। मैं एक दयनीय बच्चे की तरह खड़ी थी, बार-बार खुद से फुसफुसा रही थी, 'मैं क्या करूँ—मैं क्या करूँ?' अचानक मुझे एक स्पष्ट आवाज सुनाई दी, 'मिस जेन! आप कहाँ हैं? दोपहर के भोजन पर आइए!' यह बेसी थी, मैं उसे अच्छी तरह जानती थी; लेकिन मैं हिली नहीं; उसके हल्के कदम रास्ते पर आते हुए सुनाई दिए। 'तुम शरारती छोटी बच्ची!' उसने कहा। “बुलाए जाने पर तुम क्यों नहीं आती?” मेरे मन में चल रहे विचारों की तुलना में बेसी की उपस्थिति खुशमिजाज लग रही थी; हालाँकि हमेशा की तरह वह थोड़ी नाराज़ थी। दरअसल, श्रीमती रीड के साथ मेरे झगड़े और जीत के बाद, मैं आया के क्षणिक गुस्से की परवाह नहीं कर रही थी; और मैं उसके युवा मन की सहजता में डूबी रहना चाहती थी। मैंने बस अपनी दोनों बाहें उसके चारों ओर लपेट लीं और कहा, “आओ, बेसी! डाँटो मत।” यह हरकत मेरी आदत से कहीं अधिक स्पष्ट और निडर थी: किसी तरह उसे अच्छा लगा। “तुम एक अजीब बच्ची हो, मिस जेन,” उसने मेरी ओर देखते हुए कहा; “एक छोटी सी आवारा, अकेली बच्ची: और मुझे लगता है कि तुम स्कूल जा रही हो?” मैंने सिर हिलाया। “और क्या तुम्हें बेचारी बेसी को छोड़कर जाने का दुख नहीं होगा?” “बेसी को मेरी क्या परवाह है?” वो हमेशा मुझे डांटती रहती है।’ “क्योंकि तुम बहुत अजीब, डरी हुई और शर्मीली हो। तुम्हें और साहसी होना चाहिए।’ “क्या! और मार खाने के लिए?’ “बकवास! लेकिन तुम पर काफी दबाव है, ये तो पक्का है। मेरी माँ ने पिछले हफ्ते मुझसे मिलने आकर कहा था कि वह नहीं चाहतीं कि उनकी अपनी कोई बच्ची तुम्हारी जगह हो। अब अंदर आओ, मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ अच्छी खबर है।’ ‘मुझे नहीं लगता कि आपके पास कोई अच्छी खबर है, बेसी।’

“बच्ची! तुम्हारा क्या मतलब है? तुम मुझे कितनी उदास निगाहों से देख रही हो! खैर, मालकिन और बाकी लड़कियाँ और मास्टर जॉन आज दोपहर चाय पीने जा रहे हैं, और तुम मेरे साथ चाय पियोगी। मैं रसोइए से तुम्हारे लिए एक छोटा सा केक बनाने को कहूँगी, और फिर तुम अपनी दराजें देखने में मेरी मदद करोगी; क्योंकि मुझे जल्द ही तुम्हारा सामान पैक करना है। मालकिन चाहती हैं कि तुम एक-दो दिन में गेट्सहेड छोड़ दो, और तुम अपने साथ ले जाने के लिए अपनी पसंद के खिलौने चुन सकती हो।’ ‘बेसी, तुम्हें वादा करना होगा कि मेरे जाने तक तुम मुझे और नहीं डाँटोगी।’ “ठीक है, मैं वादा करूँगी; लेकिन ध्यान रखना कि तुम बहुत अच्छी बच्ची हो, और मुझसे डरना मत। जब मैं कभी-कभी थोड़ी तीखी आवाज़ में बोलूँ तो चौंकना मत; यह बहुत चुभता है।’

एरा ईडब्ल्यू 838 ‘मुझे नहीं लगता कि मैं अब कभी तुमसे डरूँगी, बेसी, क्योंकि मुझे तुम्हारी आदत हो गई है, और जल्द ही मुझे डरने के लिए दूसरे लोग मिल जाएँगे।’ ‘अगर तुम उनसे डरोगी तो वे तुम्हें नापसंद करेंगे।’ ‘कैसे करती हो, बेसी?’ ‘मैं आपको नापसंद नहीं करती, मिस: मुझे लगता है कि मैं बाकी सभी से ज़्यादा आपको पसंद करती हूँ।’ ‘तुम इसे दिखाती नहीं हो।’ ‘तुम छोटी सी तेज़-तर्रार लड़की! तुम्हारे बात करने का तरीका बिल्कुल बदल गया है। तुम्हें इतना साहसी और निडर क्या बनाता है?’ ‘क्यों, मैं जल्द ही तुमसे दूर हो जाऊँगी, और इसके अलावा’——मैं श्रीमती रीड के साथ हुई बातचीत के बारे में कुछ कहने वाली थी, लेकिन फिर मैंने सोचा कि इस विषय पर चुप रहना ही बेहतर होगा। ‘तो तुम मुझे छोड़कर जाने से खुश हो?’ ‘बिल्कुल नहीं, बेसी; सचमुच, अभी मुझे बहुत अफ़सोस हो रहा है।’ “अभी! और वो भी! मेरी नन्ही सी बच्ची ने कितनी बेरुखी से कहा! मुझे यकीन है कि अगर मैं तुमसे चुंबन मांगूँ तो तुम मुझे नहीं दोगी: तुम कहोगी कि तुम नहीं देना चाहती।’ ‘मैं तुम्हें चुंबन दूंगी और तुम्हारा स्वागत है: अपना सिर झुका लो।’ बेसी झुकी; हम दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया, और मैं पूरी तरह से आश्वस्त होकर उसके पीछे घर में चली गई। वह दोपहर शांति और सद्भाव में बीती; और शाम को बेसी ने मुझे अपनी कुछ सबसे मनमोहक कहानियाँ सुनाईं, और अपने कुछ सबसे मधुर गीत गाए। मेरे लिए भी जीवन में धूप की किरणें थीं। अध्याय 4 19 जनवरी की सुबह मुश्किल से पाँच बजे ही थे कि बेसी मेरे कमरे में एक मोमबत्ती लेकर आई और मुझे पहले से ही उठकर लगभग तैयार पाया। मैं उसके आने से आधा घंटा पहले उठ गई थी, और अपना चेहरा

धोकर, डूबते हुए आधे चाँद की रोशनी में कपड़े पहन चुकी थी, जिसकी किरणें मेरे पालने के पास वाली छोटी खिड़की से अंदर आ रही थीं। मुझे निकलना था। उस दिन हम सुबह छह बजे एक कोच से गेट्सहेड पहुँचे, जो लॉज के गेट से गुज़रा। बेसी ही अकेली थी जो अभी तक उठी थी; उसने नर्सरी में आग जला दी थी, जहाँ वह अब मेरा नाश्ता बनाने लगी। यात्रा के विचारों से उत्साहित बच्चे ज़्यादा खाना नहीं खा पाते; मैं भी नहीं खा सका। बेसी ने मुझे उबले हुए दूध और रोटी के कुछ चम्मच खिलाने की बहुत कोशिश की, लेकिन जब मैंने नहीं खाया, तो उसने कुछ बिस्कुट कागज़ में लपेटकर मेरे बैग में रख दिए; फिर उसने मुझे मेरी जैकेट पहनने में मदद की।
34 जेन आयर nnn और बोनट पहने, और शॉल ओढ़कर, वह और मैं नर्सरी से बाहर निकल गए। जब हम श्रीमती रीड के बेडरूम के पास से गुज़रे, तो उसने कहा, 'क्या तुम अंदर जाकर मालकिन को अलविदा कह दोगी?' 'नहीं, बेसी: वह कल रात मेरे पालने के पास आई थी जब तुम रात के खाने के लिए नीचे गई थी, और उसने कहा कि मुझे सुबह उसे या मेरे चचेरे भाइयों को परेशान करने की ज़रूरत नहीं है; और उसने मुझसे कहा कि याद रखना कि वह हमेशा मेरी सबसे अच्छी दोस्त रही है, और उसके बारे में बात करना और उसके प्रति आभारी रहना।' 'आपने क्या कहा, मिस?' 'कुछ नहीं: मैंने अपना चेहरा चादर से ढक लिया और उससे मुँह मोड़कर दीवार की ओर देखने लगी।' 'यह गलत था, मिस जेन।' 'बिल्कुल सही था, बेसी। तुम्हारी मालकिन मेरी दोस्त नहीं रही हैं: वह मेरी दुश्मन रही हैं।' 'ओह मिस जेन! ऐसा मत कहो!' 'गेट्सहेड को अलविदा!' मैं चिल्लाई, जैसे ही हम हॉल से गुज़रे और सामने के दरवाज़े से बाहर निकले। चाँद डूब चुका था, और बहुत अँधेरा था; बेसी के हाथ में एक लालटेन थी, जिसकी रोशनी गीली सीढ़ियों और हाल ही में पिघली बर्फ से भीगी बजरी वाली सड़क पर पड़ रही थी। सर्दी की सुबह ठंडी और सर्द थी: जैसे ही मैं ड्राइववे से नीचे भागी, मेरे दाँत किटकिटाने लगे। पोर्टर के कमरे में रोशनी थी: जब हम वहाँ पहुँचे, तो हमने देखा कि पोर्टर की पत्नी अभी-अभी आग जला रही थी: मेरा ट्रंक, जिसे पिछली शाम नीचे लाया गया था, रस्सी से बंधा हुआ था। दरवाजे पर। छह बजने में बस कुछ ही मिनट बाकी थे, और जैसे ही वह घंटा बजा, दूर से आती हुई पहियों की आहट ने आने वाली गाड़ी की सूचना दी; मैं दरवाजे पर गई और अंधेरे में उसकी बत्तियों को तेजी से पास आते देखा। 'क्या वह अकेले जा रही है?' कुली की पत्नी ने पूछा। "हाँ" 'और कितनी दूर है?' 'पचास मील।' "कितनी लंबी दूरी! मुझे आश्चर्य है कि

श्रीमती रीड उसे इतनी दूर अकेले छोड़ने से डरती क्यों नहीं हैं।" गाड़ी आकर रुकी; वह अपने चार घोड़ों के साथ और यात्रियों से लदी हुई, द्वार पर खड़ी थी: गार्ड और कोचवान ने जोर से जल्दी चलने का आग्रह किया; मेरा सामान ऊपर उठाया गया; मुझे बेसी की गर्दन से अलग किया गया, जिससे मैं चूमते हुए चिपकी रही। 'उसका अच्छे से ख्याल रखना,' उसने गार्ड से कहा, जब उसने मुझे अंदर उठाया। "जी हाँ" जवाब था: दरवाजा बंद कर दिया गया, एक आवाज ने कहा 'ठीक है,' और हम चल पड़े। इस प्रकार मैं बेसी और गेट्सहेड से अलग हो गई; इस प्रकार मैं अज्ञात और, जैसा कि मैंने तब समझा, दूरस्थ और रहस्यमय क्षेत्रों की ओर बह गया।

जेन आयर 35 पृष्ठ स्से: मुझे यात्रा की बहुत कम याद है; मुझे बस इतना पता है कि वह दिन मुझे असाधारण रूप से लंबा लगा, और ऐसा लगा जैसे हमने सैकड़ों मील का सफर तय किया हो। हम कई कस्बों से गुज़रे, और एक बहुत बड़े कस्बे में गाड़ी रुकी; घोड़ों को बाहर निकाला गया, और यात्री भोजन करने के लिए उतरे। मुझे एक सराय में ले जाया गया, जहाँ पहरेदार चाहता था कि मैं कुछ खा लूँ; लेकिन, क्योंकि मुझे भूख नहीं थी, उसने मुझे एक विशाल कमरे में छोड़ दिया, जिसके दोनों सिरों पर एक-एक चिमनी थी, छत से एक झूमर लटका हुआ था, और दीवार से सटी एक छोटी लाल गैलरी थी जो संगीत वाद्ययंत्रों से भरी हुई थी। यहाँ मैं बहुत देर तक इधर-उधर घूमती रही, बहुत अजीब महसूस कर रही थी, और इस बात से बुरी तरह डरी हुई थी कि कोई आकर मेरा अपहरण न कर ले; क्योंकि मैं अपहरणकर्ताओं में विश्वास करती थी, उनके कारनामों का ज़िक्र अक्सर बेसी की कहानियों में होता था। अंत में पहरेदार लौट आया; एक बार फिर मुझे कोच में छिपा दिया गया, मेरे रक्षक ने अपनी सीट पर बैठकर अपना खोखला हॉर्न बजाया और हम एल- की पथरीली सड़क पर सरपट दौड़ पड़े। दोपहर का समय नम और कुछ धुंध भरा था: जैसे-जैसे शाम ढलने लगी, मुझे एहसास होने लगा कि हम गेट्सहेड से बहुत दूर आ गए हैं: हमने कस्बों से गुजरना बंद कर दिया; इलाका बदल गया; क्षितिज के चारों ओर विशाल धूसर पहाड़ियाँ उभरने लगीं: जैसे-जैसे गोधूलि गहराती गई, हम घने जंगल से घिरी एक घाटी में उतरे, और रात के बाद जब चारों ओर बादल छा गए, तो मुझे पेड़ों के बीच से गुजरती हुई एक तेज हवा सुनाई दी। उस आवाज से लोरी सुनकर मैं आखिरकार सो गया; मैं ज्यादा देर सोया नहीं था कि अचानक गति रुकने से मेरी नींद खुल गई; कोच का दरवाजा खुला था, और एक नौकरानी जैसी दिखने वाली महिला वहाँ खड़ी थी: मैंने लैंप की रोशनी

में उसका चेहरा और पोशाक देखी। उसने पूछा, 'क्या यहाँ जेन आयर नाम की कोई छोटी लड़की है?' मैंने 'हाँ' में जवाब दिया, और फिर मुझे बाहर निकाल लिया गया; मेरा सामान नीचे उतारा गया और गाड़ी तुरंत चल पड़ी। लंबे समय तक बैठे रहने से मेरा शरीर अकड़ गया था और गाड़ी के शोर और गति से मैं चकित था: होश में आने पर मैंने चारों ओर देखा। बारिश, हवा और अंधेरा छाया हुआ था; फिर भी, मुझे धुंधला सा अपने सामने एक दीवार और उसमें एक खुला दरवाजा दिखाई दिया; मैं अपनी नई मार्गदर्शक के साथ उस दरवाजे से अंदर गया: उसने दरवाजा बंद कर दिया और ताला लगा दिया। अब एक घर या कई घर दिखाई दे रहे थे—क्योंकि इमारत दूर तक फैली हुई थी—जिसमें कई खिड़कियाँ थीं और कुछ में बत्तियाँ जल रही थीं; हम एक चौड़े कंकड़ वाले रास्ते पर भीगते हुए ऊपर गए और एक दरवाजे से अंदर गए; फिर नौकरानी मुझे एक गलियारे से होते हुए आग वाले कमरे में ले गई, जहाँ उसने मुझे अकेला छोड़ दिया। मैं खड़ा रहा और अपनी सुन्न उंगलियों को आग की लपटों से सेका, फिर

 मैंने चारों ओर देखा; मोमबत्ती तो नहीं थी, लेकिन चूल्हे की धुंधली रोशनी में रुक-रुक कर काँच-काँटे लगे हुए थे, जिनसे काँच की दीवारें, कालीन, पर्दे और चमकता हुआ महोगनी का फर्नीचर दिखाई दे रहा था: यह एक बैठक कक्ष था, गेट्सहेड के ड्राइंग रूम जितना विशाल या शानदार तो नहीं, लेकिन आरामदायक ज़रूर था। मैं दीवार पर लगी एक तस्वीर को समझने की कोशिश कर रही थी, तभी दरवाज़ा खुला और एक व्यक्ति रोशनी लिए अंदर आया; दूसरा उसके पीछे-पीछे आया। पहली एक लंबी महिला थी, जिसके काले बाल, काली आँखें और पीला व बड़ा माथा था; उसका शरीर आंशिक रूप से शॉल से ढका हुआ था, उसका चेहरा गंभीर था और वह सीधी खड़ी थी। 'बच्ची को अकेले भेजना बहुत छोटी उम्र है,' उसने मोमबत्ती मेज पर रखते हुए कहा। उसने एक-दो मिनट तक मुझे ध्यान से देखा, फिर आगे बोली— 'उसे जल्दी सुला देना चाहिए; वह थकी हुई लग रही है: क्या तुम थकी हुई हो?' उसने मेरे कंधे पर हाथ रखते हुए पूछा। ‘छोटी बच्ची, महोदया।’ ‘और भूखी भी होगी, इसमें कोई शक नहीं: सोने से पहले उसे थोड़ा खाना खिला दीजिए, मिस मिलर। क्या यह पहली बार है जब तुम अपने माता-पिता को छोड़कर स्कूल आई हो, मेरी नन्ही बच्ची?’ मैंने उन्हें बताया कि मेरे माता-पिता नहीं हैं। उन्होंने पूछा कि उनके गुज़र जाने को कितना समय हो गया है: फिर मेरी उम्र, मेरा नाम, क्या मैं पढ़-

लिख सकती हूँ और थोड़ी-बहुत सिलाई कर सकती हूँ: फिर उन्होंने अपनी तर्जनी उंगली से मेरे गाल को हल्के से छुआ और यह कहते हुए कि 'उन्हें उम्मीद है कि मैं एक अच्छी बच्ची बनूँगी,' मुझे मिस मिलर के साथ विदा कर दिया। जिस महिला को मैं छोड़कर आई थी, वह लगभग उनतीस साल की होंगी; जो मेरे साथ गईं, वे कुछ साल छोटी लग रही थीं: पहली महिला ने मुझे अपनी आवाज़, रूप और हाव-भाव से प्रभावित किया। मिस मिलर ज़्यादा साधारण थीं; रंग लालिमा लिए, हालाँकि उनका चेहरा थका हुआ सा लग रहा था; चाल-ढाल में जल्दबाज़ी थी, मानो उनके पास हमेशा कई काम हों: वह वास्तव में वैसी ही दिख रही थीं, जैसा कि मुझे बाद में पता चला कि वह थीं, एक सहायक शिक्षिका। उसके नेतृत्व में, मैं एक विशाल और अनियमित इमारत के एक-एक कमरे और एक-एक गलियारे से गुज़रा; जब तक कि घर के उस हिस्से में छाई हुई पूर्ण और कुछ हद तक नीरस चुप्पी से बाहर निकलते हुए, हमें कई आवाज़ों की गूंज सुनाई दी, और तुरंत ही हम एक चौड़े, लंबे कमरे में प्रवेश कर गए, जिसमें बहुत सारी मेजें थीं, प्रत्येक छोर पर दो-दो मेजें थीं, जिनमें से प्रत्येक पर दो मोमबत्तियाँ जल रही थीं, और चारों ओर बेंचों पर नौ या दस से लेकर बीस वर्ष की आयु की लड़कियों का एक समूह बैठा था। धुंधली रोशनी में देखने पर, उनकी संख्या मुझे अनगिनत प्रतीत हुई, हालाँकि वास्तव में वे अस्सी से अधिक नहीं थीं; वे सभी एक ही तरह से पुराने ज़माने के भूरे रंग के फ्रॉक और लंबे हॉलैंड पिनाफोर पहने हुए थीं। यह पढ़ाई का समय था; वे

जेन आयर 37 ee कल के काम पर विचार-विमर्श कर रहे थे, और जो गुनगुनाहट सुनाई दी वह उनकी फुसफुसाहट भरी पुनरावृत्तियों का मिलाजुला परिणाम थी। मिस मिलर ने मुझे दरवाजे के पास एक बेंच पर बैठने का इशारा किया, फिर लंबे कमरे के शीर्ष पर जाकर उन्होंने चिल्लाकर कहा— 'निगरानी करने वालों, पाठ्यपुस्तकें इकट्ठा करो और उन्हें जगह पर रखो!' चार लंबी लड़कियाँ अलग-अलग मेजों से उठीं, और घूम-घूम कर किताबें इकट्ठा करके उन्हें हटा दिया। मिस मिलर ने फिर से आदेश दिया — 'निगरानी करने वालों, खाने की थालियाँ लाओ!' लंबी लड़कियाँ बाहर गईं और थोड़ी देर में लौट आईं, प्रत्येक एक थाली लिए हुए, जिस पर किसी चीज़ के हिस्से रखे हुए थे, मुझे नहीं पता क्या, और प्रत्येक थाली के बीच में पानी का एक जग और एक मग रखा हुआ था। हिस्से बाँटे गए; जिन्हें पसंद था उन्होंने पानी का एक घूंट लिया, मग सभी के लिए साझा था। जब मेरी बारी आई, तो मैंने पानी पिया, क्योंकि

मुझे प्यास लगी थी, लेकिन मैंने भोजन को हाथ नहीं लगाया, उत्तेजना और थकान के कारण मैं खाने में असमर्थ था; अब मैंने देखा कि वह एक पतली जई की रोटी थी जिसे टुकड़ों में बाँटा गया था। खाना खत्म होने के बाद, मिस मिलर ने प्रार्थना पढ़ी और कक्षाएँ दो-दो करके ऊपर चली गईं। उस समय तक मैं थकान से इतना चूर हो चुका था कि मैंने शायद ही ध्यान दिया कि शयनकक्ष कैसा था, सिवाय इसके कि स्कूल के कमरे की तरह वह भी बहुत लंबा था। आज रात मुझे मिस मिलर के साथ सोना था; उन्होंने कपड़े उतारने में मेरी मदद की: लेटते ही मैंने बिस्तरों की लंबी कतारों पर नज़र डाली, जिनमें से प्रत्येक में जल्दी ही दो लोग सो गए; दस मिनट में एकमात्र बत्ती बुझ गई, और सन्नाटे और घोर अंधेरे के बीच मैं सो गया। रात जल्दी बीत गई: मैं इतना थका हुआ था कि सपने भी नहीं देख सका; मैं केवल एक बार हवा के तेज झोंकों और मूसलाधार बारिश की आवाज़ सुनकर जागा, और मुझे एहसास हुआ कि मिस मिलर मेरे बगल में लेट गई हैं। जब मैंने फिर से अपनी आँखें खोलीं, तो एक ज़ोरदार घंटी बज रही थी; लड़कियाँ उठकर कपड़े पहन रही थीं; अभी दिन का उजाला भी नहीं हुआ था, और कमरे में एक-दो बत्तियाँ जल रही थीं। मैं भी अनिच्छा से उठी; कड़ाके की ठंड थी, और मैंने ठंड से बचने के लिए जैसे-तैसे कपड़े पहने, और जब कोई खाली बेसिन मिला तो नहाया, जो जल्दी नहीं मिला, क्योंकि कमरे के बीच में स्टैंड पर छह लड़कियों के लिए केवल एक ही बेसिन था। फिर घंटी बजी; सभी दो-दो की कतार में खड़ी हुईं और उसी क्रम में सीढ़ियों से नीचे उतरकर ठंडे और धुंधले रोशनी वाले स्कूल के कमरे में दाखिल हुईं: यहाँ मिस मिलर ने प्रार्थना पढ़ी; उसके बाद उन्होंने पुकारा— 'फॉर्म क्लासेस!' कुछ मिनटों तक बहुत शोरगुल रहा, जिसके दौरान

पास थी, और जिसके चारों ओर सबसे छोटे बच्चे बैठे थे: मुझे इस निचली कक्षा में बुलाया गया और सबसे नीचे बैठा दिया गया। अब काम शुरू हुआ: दिन की प्रार्थना दोहराई गई, फिर धर्मग्रंथ के कुछ अंश पढ़े गए, और इसके बाद बाइबिल के अध्यायों का एक लंबा पाठ हुआ, जो एक घंटे तक चला। जब तक वह अभ्यास समाप्त हुआ, तब तक दिन पूरी तरह निकल चुका था। अथक घंटी अब चौथी बार बजी: कक्षाओं को इकट्ठा किया गया और नाश्ते के लिए दूसरे कमरे में ले जाया गया: मुझे कुछ खाने की उम्मीद देखकर कितनी खुशी हुई! मैं कल बहुत कम खाने के कारण अब लगभग बीमार पड़ चुका था। भोजन कक्ष एक बड़ा, नीची छत वाला, अंधेरा कमरा था; दो लंबी मेजों पर गर्म चीज़ों से भरे बर्तनों से धुआँ निकल रहा था, लेकिन मेरी निराशा के लिए, उनकी गंध बिल्कुल भी लुभावनी नहीं थी। मैंने उन सभी लोगों में असंतोष का भाव देखा जिन्हें भोजन निगलना था; जुलूस के आगे चल रही पहली कक्षा की लंबी लड़कियों की फुसफुसाहट सुनाई दी— 'घिनौना! दलिया फिर से जल गया है!' 'चुप रहो!' एक आवाज आई; यह मिस मिलर की नहीं, बल्कि एक उच्च शिक्षिका की थी, जो कद में छोटी और सांवली थीं, सलीके से कपड़े पहने हुए थीं, लेकिन उनका चेहरा कुछ उदास सा था। वह एक मेज के शीर्ष पर बैठी थीं, जबकि एक अधिक सुडौल महिला दूसरी मेज पर बैठी थीं। मैंने उन्हें व्यर्थ ही ढूंढा जिन्हें मैंने पिछली रात पहली बार देखा था; वह दिखाई नहीं दे रही थीं: मिस मिलर उस मेज के निचले हिस्से में बैठी थीं जहाँ मैं बैठा था, और एक अजीब सी, विदेशी दिखने वाली, बुजुर्ग महिला, जो बाद में पता चला कि फ्रेंच शिक्षिका थीं, दूसरी मेज पर उसी स्थान पर बैठी थीं। एक लंबी प्रार्थना हुई और एक भजन गाया गया; फिर एक नौकर शिक्षकों के लिए चाय लाया, और भोजन शुरू हुआ। भूख से बेहाल और अब बहुत कमजोर महसूस करते हुए, मैंने अपने हिस्से का एक-दो चम्मच बिना स्वाद के बारे में सोचे ही खा लिया; लेकिन भूख का पहला दर्द कम होते ही, मुझे एहसास हुआ कि मेरे हाथ में एक छोटी सी चीज है... जेन आयर 39: भयानक गड़बड़; जला हुआ दलिया सड़े हुए आलू जितना ही बुरा होता है; अकाल भी इसे देखकर बीमार पड़ जाता है। चम्मच धीरे-धीरे चलाए जा रहे थे: मैंने हर लड़की को अपना खाना चखते और निगलने की कोशिश करते देखा; लेकिन ज़्यादातर मामलों में कोशिश जल्द ही छोड़ दी गई। नाश्ता खत्म हो गया था, और किसी ने नाश्ता नहीं किया था। जो हमें नहीं मिला था उसके लिए धन्यवाद दिया गया, और दूसरा भजन गाया गया, फिर भोजन कक्ष को खाली करके स्कूल के कमरे

में ले जाया गया। मैं सबसे आखिर में बाहर जाने वालों में से एक थी, और मेजों के पास से गुजरते हुए मैंने एक शिक्षिका को दलिया का कटोरा लेकर उसे चखते देखा; उसने बाकी शिक्षिकाओं की ओर देखा; उन सभी के चेहरों पर नाराज़गी थी, और उनमें से एक, मोटी वाली, फुसफुसाई— 'घिनौना! कितना शर्मनाक!' पाठ फिर से शुरू होने से पहले पंद्रह मिनट बीत गए, इस दौरान स्कूल का कमरा ज़ोर-शोर से शोरगुल में था; उस समय के लिए ऐसा लग रहा था जैसे ज़ोर से और खुलकर बात करने की अनुमति मिल गई हो, और उन्होंने अपने इस अधिकार का इस्तेमाल किया। पूरी बातचीत नाश्ते पर ही केंद्रित थी, जिसकी सभी ने जमकर बुराई की। बेचारे! यही उनके लिए एकमात्र सांत्वना थी। मिस मिलर अब कमरे में अकेली शिक्षिका थीं: उनके चारों ओर खड़ी कुछ लड़कियाँ गंभीर और उदास भाव से बातें कर रही थीं। मैंने कुछ लड़कियों के मुँह से श्री ब्रॉकलहर्स्ट का नाम सुना; जिस पर मिस मिलर ने असहमति जताते हुए सिर हिलाया; लेकिन उन्होंने सामूहिक क्रोध को रोकने का कोई खास प्रयास नहीं किया; निस्संदेह वह भी उसमें शामिल थीं। कक्षा में लगी घड़ी में नौ बज गए; मिस मिलर अपने समूह से उठीं और कमरे के बीच में खड़ी होकर चिल्लाईं— 'चुप रहो! अपनी-अपनी सीटों पर बैठो!' अनुशासन कायम हुआ: पाँच मिनट में अव्यवस्थित भीड़ व्यवस्थित हो गई, और अपेक्षाकृत शांति ने ज़ुबानों के शोर को शांत कर दिया। वरिष्ठ शिक्षिकाएँ अब समय पर अपने-अपने पदों पर लौट आईं: लेकिन फिर भी, ऐसा लग रहा था जैसे सभी प्रतीक्षा कर रही हों। कमरे के किनारों पर बेंचों पर अस्सी लड़कियाँ बिना हिले-डुले सीधी बैठी थीं; वे एक विचित्र समूह लग रही थीं, सभी के बाल चेहरे से कंघी किए हुए थे, एक भी लट दिखाई नहीं दे रही थी; भूरे रंग की ऊँची और गले के चारों ओर एक पतली सी टक वाली पोशाकों में, जिनके आगे हॉलैंड की छोटी-छोटी जेबें (हाइलैंडर के पर्स जैसी) बंधी थीं, जो काम के थैले का काम करती थीं: सभी ने ऊनी मोज़े और पीतल के बकल वाले देसी जूते पहने हुए थे। इस पोशाक में बीस से अधिक लड़कियां थीं, या यूं कहें कि युवतियां; यह पोशाक उन पर बिल्कुल भी जंच नहीं रही थी और सबसे सुंदर को भी अजीब बना रही थी। मैं अभी भी उन्हें देख रहा था, और बीच-बीच में शिक्षकों को भी देख रहा था—जिनमें से कोई भी मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आया; क्योंकि मोटे-ताज़े शिक्षक

और अत्यधिक काम से थकी हुई लग रही थी—तभी, जैसे ही मेरी नज़र एक-एक चेहरे पर घूमी, पूरा स्कूल एक साथ उठ खड़ा हुआ, मानो किसी एक ही स्प्रिंग से हिल गया हो। क्या बात थी? मुझे कोई आदेश सुनाई नहीं दिया था: मैं उलझन में थी। इससे पहले कि मैं होश में आती, कक्षाएं फिर से बैठ गईं: लेकिन अब जब सबकी निगाहें एक ही बिंदु पर टिकी थीं, तो मेरी निगाहें भी उसी दिशा में गईं और उस शख्स से मिलीं जिसने मुझे कल रात रिसीव किया था। वह लंबे कमरे के निचले हिस्से में, चूल्हे के पास खड़ी थीं; क्योंकि दोनों सिरों पर आग जल रही थी; उन्होंने चुपचाप और गंभीरता से लड़कियों की दो पंक्तियों का अवलोकन किया। मिस मिलर पास आकर उनसे कोई सवाल पूछती हुई प्रतीत हुईं, और उनका जवाब पाकर अपनी जगह पर वापस गईं और ज़ोर से बोलीं— 'पहली कक्षा की मॉनिटर, ग्लोब लाओ!' जब तक निर्देश का पालन किया जा रहा था, वह महिला धीरे-धीरे कमरे में ऊपर की ओर बढ़ीं। मुझे लगता है कि मेरे अंदर श्रद्धा की प्रबल भावना है, क्योंकि जिस श्रद्धा और विस्मय से मेरी आँखें उसके कदमों का अनुसरण करती थीं, वह भाव आज भी मेरे मन में बसा हुआ है। अब, दिन के उजाले में, वह लंबी, सुंदर और सुडौल दिखती थी; भूरी आँखों में सौम्य चमक थी और लंबी पलकों की सुंदर लटें उसके बड़े चेहरे की सफेदी को और भी निखार रही थीं; उसके दोनों कनपटी पर गहरे भूरे रंग के बाल उस समय के फैशन के अनुसार गोल घुंघराले गुच्छों में बंधे थे, जब न तो सीधे बैंड और न ही लंबे घुंघराले बाल चलन में थे; उसका पहनावा भी उस समय के फैशन के अनुसार बैंगनी कपड़े का था, जिस पर काले मखमल की स्पेनिश शैली की कढ़ाई थी; उसकी कमरबंद पर एक सोने की घड़ी चमक रही थी (उस समय घड़ियाँ इतनी आम नहीं थीं जितनी अब हैं)। पाठक इस चित्र को पूरा करने के लिए इसमें कुछ और जोड़ सकते हैं: सुंदर चेहरे की बनावट; पीलापन लिए हुए भी, साफ रंगत; और एक गरिमामय आभा और चाल-ढाल, और उसे कम से कम शब्दों में जितना स्पष्ट हो सकता है, मिस टेंपल के बाहरी रूप का सही अंदाजा हो जाएगा— मारिया टेंपल, जैसा कि मैंने बाद में चर्च ले जाने के लिए मुझे सौंपी गई एक प्रार्थना-पुस्तक में लिखा नाम देखा। लोवुड की अधीक्षक (क्योंकि यह महिला यही थी) एक मेज पर रखे दो ग्लोब के सामने बैठ गईं, पहली कक्षा के विद्यार्थियों को अपने चारों ओर बुलाया और भूगोल का पाठ पढ़ाना शुरू किया; निचली कक्षाओं के विद्यार्थियों को शिक्षकों ने बुलाया: इतिहास, व्याकरण आदि का पाठ एक घंटे तक चला; लेखन और अंकगणित की कक्षाएं हुईं, और मिस

टेंपल ने कुछ बड़ी लड़कियों को संगीत की शिक्षा दी। प्रत्येक पाठ की अवधि घड़ी से मापी जाती थी, जो अंत में बारह बज गई। अधीक्षक उठीं—
जेन आयर 41 ईसी पेट्रा ए ए रे ए 'मुझे विद्यार्थियों से कुछ कहना है,' उसने कहा। कक्षाओं के समापन पर पहले से ही शोरगुल मच रहा था, लेकिन उसकी आवाज़ सुनते ही वह शांत हो गया। वह आगे बोली— 'आज सुबह आपने नाश्ता किया था जिसे आप खा नहीं सके; आप भूखे होंगे:—मैंने आदेश दिया है कि सभी को रोटी और पनीर का दोपहर का भोजन परोसा जाए।' शिक्षकों ने उसे कुछ आश्चर्य से देखा। 'यह मेरी ज़िम्मेदारी पर किया जा रहा है,' उसने उन्हें स्पष्टीकरण देते हुए कहा और तुरंत कमरे से चली गई। थोड़ी देर में रोटी और पनीर लाया गया और पूरे विद्यालय में बाँटा गया, जिससे सभी को बहुत प्रसन्नता और ताजगी मिली। अब आदेश दिया गया, "बगीचे की ओर!" हर किसी ने रंगीन कैलिको की डोरियों वाली खुरदरी भूसी की टोपी और धूसर झालरदार लबादा पहना। मैंने भी वैसा ही पहनावा पहना और धारा के साथ-साथ चलते हुए खुली हवा में निकल पड़ी। बगीचा एक विशाल बाड़ा था, जो इतनी ऊंची दीवारों से घिरा था कि बाहर का कोई नजारा दिखाई ही नहीं देता था; एक तरफ ढका हुआ बरामदा था, और चौड़े रास्ते बीच के उस हिस्से को घेरे हुए थे जो दर्जनों छोटी-छोटी क्यारियों में बंटा हुआ था: ये क्यारियां विद्यार्थियों के लिए बागवानी के लिए निर्धारित थीं, और हर क्यारी का एक मालिक था। फूलों से भरी होने पर वे निस्संदेह सुंदर दिखतीं; लेकिन अब, जनवरी के अंत में, सब कुछ शीत ऋतु के प्रकोप और धूसर सड़न से ढका हुआ था। मैं खड़ी होकर अपने चारों ओर देखकर कांप उठी: बाहर व्यायाम करने के लिए यह एक प्रतिकूल दिन था; तेज बारिश तो नहीं हो रही थी, लेकिन हल्की पीली धुंध छाई हुई थी; कल की बाढ़ से सब कुछ अभी भी भीगा हुआ था। लड़कियों में से जो मजबूत थीं वे इधर-उधर दौड़ रही थीं और सक्रिय खेलों में लगी हुई थीं, लेकिन कई पीली और दुबली-पतली लड़कियां आश्रय और गर्मी के लिए एक साथ जमा हो गईं। बरामदे में; और उनके बीच, जैसे ही घना कोहरा उनके कांपते शरीरों तक पहुंचा, मुझे बार-बार एक खोखली खांसी की आवाज सुनाई दी। अभी तक मैंने किसी से बात नहीं की थी, और न ही किसी ने मेरी ओर ध्यान दिया था; मैं काफी अकेला खड़ा था: लेकिन इस अकेलेपन की भावना से मैं अभ्यस्त था; इसने मुझे ज्यादा परेशान नहीं किया। मैं बरामदे के एक खंभे से टिक गया, अपने भूरे रंग के लबादे को अपने चारों ओर कसकर लपेट लिया, और बाहर की ठंड और अंदर

की अतृप्त भूख को भूलने की कोशिश करते हुए, खुद को देखने और सोचने के काम में लगा दिया। मेरे विचार इतने अस्पष्ट और खंडित थे कि उन्हें दर्ज करने का कोई औचित्य नहीं था: मुझे अभी तक ठीक से पता भी नहीं था कि मैं कहाँ हूँ; गेट्सहेड और मेरा अतीत एक अथाह दूरी पर तैरते हुए प्रतीत हो रहे थे; वर्तमान अस्पष्ट और अजीब था, और भविष्य के बारे में मैं कोई अनुमान नहीं लगा सकता था। मैंने मठ जैसी इमारत के चारों ओर देखा।

 बगीचे से होते हुए, फिर घर की ओर—एक विशाल इमारत, जिसका आधा हिस्सा धूसर और पुराना लग रहा था, जबकि दूसरा आधा बिल्कुल नया। नए हिस्से में, जिसमें स्कूल का कमरा और छात्रावास था, जालीदार खिड़कियों से रोशनी आती थी, जिससे वह चर्च जैसा दिखता था; दरवाजे के ऊपर एक पत्थर की पट्टिका पर यह शिलालेख था— 'लोवुड संस्थान।—इस हिस्से का पुनर्निर्माण ई.स.—— में, इस काउंटी के ब्रॉकलहर्स्ट हॉल की नाओमी ब्रॉकलहर्स्ट द्वारा किया गया था।' 'तुम्हारा प्रकाश मनुष्यों के सामने ऐसा चमके कि वे तुम्हारे अच्छे कामों को देखें और स्वर्ग में रहने वाले तुम्हारे पिता की महिमा करें।'— सेंट मैथ्यू 5:16। मैंने इन शब्दों को बार-बार पढ़ा: मुझे लगा कि इनमें एक व्याख्या छिपी है, लेकिन मैं इनके अर्थ को पूरी तरह समझ नहीं पाई। मैं अभी भी 'संस्था' शब्द के अर्थ पर विचार कर रहा था और पहले शब्दों तथा धर्मग्रंथ की आयत के बीच संबंध स्थापित करने का प्रयास कर रहा था, तभी मेरे ठीक पीछे से खांसी की आवाज सुनकर मैंने अपना सिर घुमाया। मैंने पास ही एक पत्थर की बेंच पर एक लड़की को बैठे देखा; वह एक किताब पर झुकी हुई थी और उसे ध्यान से पढ़ रही थी: जहाँ मैं खड़ा था, वहाँ से मुझे किताब का शीर्षक दिखाई दे रहा था—वह रसेलास था; एक ऐसा नाम जो मुझे अजीब लगा, और इसलिए आकर्षक भी। एक पन्ना पलटते हुए उसने ऊपर देखा, और मैंने उससे सीधे पूछा— 'क्या तुम्हारी किताब दिलचस्प है?' मैंने पहले ही उससे एक दिन किताब उधार लेने का इरादा बना लिया था। एक-दो सेकंड के विराम के बाद, जिसमें उसने मुझे गौर से देखा, उसने उत्तर दिया, 'मुझे यह पसंद है।' 'यह किस बारे में है?' मैंने आगे पूछा। मुझे शायद ही पता है कि मुझे एक अजनबी से इस तरह बातचीत शुरू करने का साहस कहाँ से मिला; यह कदम मेरे स्वभाव और आदतों के विपरीत था: लेकिन मुझे लगता है कि उसके काम ने कहीं न कहीं सहानुभूति जगाई; क्योंकि मुझे भी पढ़ना पसंद था, हालाँकि एक सतही और बचकाना किस्म का। मैं

गंभीर या सारगर्भित बातों को समझ नहीं पाया। 'आप इसे देख लीजिए,' लड़की ने मुझे किताब देते हुए कहा। मैंने देखा; सरसरी तौर पर देखने पर मुझे पता चला कि किताब का शीर्षक जितना आकर्षक था, उससे कहीं कम दिलचस्प उसका विषय था: मेरी मामूली रुचि के अनुसार रसेलास नीरस लग रहा था; मुझे परियों या जिन्नों के बारे में कुछ भी नहीं दिखा; घनी छपाई वाले पन्नों पर कोई चमकीली विविधता नज़र नहीं आ रही थी। मैंने किताब उसे लौटा दी; उसने चुपचाप उसे ले लिया और बिना कुछ कहे अपने पहले वाले अध्ययनशील मन में लौटने लगी: मैंने फिर से उसे परेशान करने का साहस किया— 'क्या आप मुझे बता सकती हैं कि दरवाजे के ऊपर उस पत्थर पर क्या लिखा है? लोवुड संस्थान क्या है?' 'यह वह घर है जहाँ आप रहने आए हैं।' 'और इसे संस्थान क्यों कहते हैं? क्या यह किसी भी तरह से अन्य स्कूलों से अलग है?'

 ‘यह आंशिक रूप से एक चैरिटी-स्कूल है: आप और मैं, और हम सभी बाकी सब, चैरिटी-बच्चे हैं। मुझे लगता है कि तुम अनाथ हो: क्या तुम्हारे पिता या माता में से कोई एक मर नहीं गया है?’ ‘दोनों मेरे याद आने से पहले ही गुजर गए।’ ‘अच्छा, यहाँ की सभी लड़कियों ने अपने माता-पिता में से एक या दोनों को खो दिया है, और इसे अनाथों की शिक्षा के लिए एक संस्था कहा जाता है।’ ‘क्या हमें कोई पैसा नहीं देना पड़ता? क्या वे हमें मुफ्त में रखते हैं?’ ‘हम या हमारे दोस्त हर साल पंद्रह पाउंड देते हैं।’ ‘तो फिर वे हमें दान-संस्था के बच्चे क्यों कहते हैं?’ ‘क्योंकि पंद्रह पाउंड भोजन और शिक्षा के लिए पर्याप्त नहीं है, और कमी चंदे से पूरी की जाती है।’ ‘कौन चंदा देता है?’ ‘इस इलाके और लंदन के कई परोपकारी महिलाएँ और पुरुष।’ ‘नाओमी ब्रॉकलहर्स्ट कौन थीं?’ ‘वह महिला जिन्होंने इस घर का नया हिस्सा बनवाया था, जैसा कि उस पट्टिका में दर्ज है, और जिनका बेटा यहाँ सब कुछ देखता और निर्देशित करता है।’ ‘क्यों?’ ‘क्योंकि वह इस संस्था के कोषाध्यक्ष और प्रबंधक हैं।’ ‘तो यह घर उस लंबी महिला का नहीं है जो घड़ी पहनती है, और जिसने कहा था कि हमें रोटी और पनीर मिलेगा?’ “मिस टेंपल को? ओह, नहीं! काश ऐसा होता: उन्हें अपने हर काम के लिए मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट को जवाब देना पड़ता है। मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट हमारे लिए सारा खाना और सारे कपड़े खरीदते हैं।’ ‘क्या वे यहीं रहते हैं?’ ‘नहीं—दो मील दूर, एक बड़े हॉल में।’ ‘क्या वे अच्छे आदमी हैं?’ ‘वे एक पादरी हैं, और कहा जाता है कि वे बहुत अच्छे काम

करते हैं।' 'क्या आपने कहा कि उस लंबी महिला का नाम मिस टेंपल है?' 'और बाकी शिक्षकों के क्या नाम हैं?' 'लाल गालों वाली का नाम मिस स्मिथ है; वे काम संभालती हैं, और काटती हैं—क्योंकि हम अपने कपड़े, फ्रॉक, पेलिस और सब कुछ खुद बनाते हैं; काले बालों वाली छोटी का नाम मिस स्केचर्ड है; वे इतिहास और व्याकरण पढ़ाती हैं, और दूसरी कक्षा के बच्चों की पुनरावृत्ति सुनती हैं; और वो जो शॉल ओढ़े हुए है और जिसकी कमर पर पीले रिबन से बंधा रुमाल है, वो मैडम पियरोट हैं: वो फ्रांस के लिस्ले से आई हैं और फ्रेंच पढ़ाती हैं।' 'क्या आपको शिक्षक पसंद हैं?' 'काफी हद तक।' 'क्या आपको वो छोटी काली वाली और वो मैडम——? —पसंद हैं? मैं उनका नाम वैसे नहीं बोल पाती जैसे आप बोलते हैं।'

eeee 'मिस स्कैचर्ड जल्दबाज़ हैं—आपको ध्यान रखना चाहिए कि आप उन्हें नाराज़ न करें; मैडम पियरोट कोई बुरी इंसान नहीं हैं।' 'लेकिन मिस टेम्पल सबसे अच्छी हैं—है ना?' 'मिस टेम्पल बहुत अच्छी और बहुत होशियार हैं; वह बाकियों से श्रेष्ठ है, क्योंकि वह उनसे कहीं अधिक जानती है।' 'तुम यहाँ कब से हो?' 'दो साल से।' 'क्या तुम अनाथ हो?' 'मेरी माँ मर चुकी है।' 'क्या तुम यहाँ खुश हो?' 'तुम बहुत ज्यादा सवाल पूछते हो। मैंने तुम्हें अभी के लिए काफी जवाब दे दिए हैं: अब मैं पढ़ना चाहती हूँ।' लेकिन उसी क्षण भोजन के लिए बुलावा आया; सभी घर में वापस चले गए। भोजन कक्ष में फैली गंध नाश्ते के समय हमारी नाक में आई गंध से शायद ही अधिक स्वादिष्ट थी: भोजन दो बड़े टिन के बर्तनों में परोसा गया था, जिनसे बासी वसा की गंध वाली तेज भाप उठ रही थी। मैंने पाया कि भोजन में बेस्वाद आलू और जंग लगे मांस के अजीब टुकड़े मिले-जुले और पकाए गए थे। इस भोजन में से प्रत्येक छात्र को एक पर्याप्त थाली दी गई थी। मैंने जितना खा सकता था उतना खाया, और मन ही मन सोचा कि क्या हर दिन का भोजन ऐसा ही होगा। भोजन के बाद, हम तुरंत कक्षा में चले गए: पाठ शुरू हो गए। पढ़ाई दोबारा शुरू हुई और शाम पाँच बजे तक चलती रही। दोपहर की एकमात्र उल्लेखनीय घटना यह थी कि मैंने उस लड़की को देखा जिससे मैंने बरामदे में बात की थी, उसे मिस स्केचर्ड ने इतिहास की कक्षा से अपमानित करके निकाल दिया था और उसे बड़े से स्कूल के कमरे के बीच में खड़ा कर दिया था। मुझे यह सज़ा बेहद अपमानजनक लगी, खासकर इतनी बड़ी लड़की के

लिए—वह तेरह या उससे ऊपर की लग रही थी। मुझे उम्मीद थी कि वह बहुत दुखी और शर्मिंदा होगी; लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि वह न तो रोई और न ही शरमाई: शांत, हालांकि गंभीर, वह खड़ी रही, सबकी निगाहें उस पर टिकी थीं। 'वह इसे इतनी शांति से—इतने दृढ़ता से कैसे सहन कर रही है?' मैंने खुद से पूछा। "अगर मैं उसकी जगह होती, तो मुझे लगता है कि मैं चाहती कि धरती फट जाए और मुझे निगल ले। वह ऐसी लग रही है जैसे वह अपनी सज़ा से परे—अपनी स्थिति से परे—किसी ऐसी चीज़ के बारे में सोच रही हो जो उसके आसपास या उसके सामने नहीं है। मैंने दिवास्वप्नों के बारे में सुना है—क्या वह अभी दिवास्वप्न में है?" उसकी निगाहें ज़मीन पर टिकी हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि वह उसे देख नहीं पा रही है—उसकी नज़रें मानो अंदर की ओर मुड़ी हुई हैं, उसके दिल में उतर गई हैं: मुझे लगता है कि वह उस चीज़ को देख रही है जो उसे याद है; न कि उस चीज़ को जो वास्तव में मौजूद है। मुझे आश्चर्य होता है कि वह किस तरह की लड़की है—अच्छी है या शरारती।' शाम पाँच बजे के कुछ ही देर बाद हमने एक और भोजन किया, जिसमें शामिल था...

जेन आयर 45 एक छोटा मग कॉफ़ी और भूरी ब्रेड का आधा टुकड़ा। मैंने अपनी ब्रेड चट कर ली और कॉफ़ी बड़े चाव से पी ली; लेकिन मुझे इससे ज़्यादा मिल जाता तो और भी अच्छा होता—मुझे अभी भी भूख लगी थी। आधे घंटे का आराम, फिर पढ़ाई; फिर एक गिलास पानी और ओट्सकेक का एक टुकड़ा, प्रार्थना और बिस्तर। लोवुड में मेरा पहला दिन ऐसा ही था। अध्याय VI अगले मंगलवार की शुरुआत पहले की तरह ही हुई, सुबह जल्दी उठकर कपड़े पहनना; लेकिन आज सुबह हमें नहाने की रस्म छोड़नी पड़ी; घड़ों में पानी जम गया था। पिछली शाम मौसम बदल गया था, और तेज़ उत्तर-पूर्वी हवा, जो पूरी रात हमारे शयनकक्ष की खिड़कियों की दरारों से सीटी बजाती हुई अंदर आ रही थी, ने हमें बिस्तरों में कंपकंपा दिया था, और घड़ों का पानी बर्फ़ में जम गया था। डेढ़ घंटे की प्रार्थना और बाइबल पढ़ने के बाद, मुझे ठंड से मरने जैसा महसूस हो रहा था। आख़िरकार नाश्ते का समय आ गया, और आज सुबह दलिया जला नहीं था; गुणवत्ता तो खाने लायक थी, लेकिन मात्रा कम थी। मेरा हिस्सा कितना छोटा लग रहा था! काश यह दुगुना होता। दिन के दौरान मुझे चौथी कक्षा में दाखिला मिल गया और मुझे नियमित कार्य और काम सौंपे गए: अब तक मैं लोवुड में होने वाली गतिविधियों का केवल दर्शक था; अब मुझे उसमें एक भागीदार बनना था। शुरू में, क्योंकि मुझे रटने की आदत नहीं थी, इसलिए पाठ मुझे लंबे और कठिन लगे;

बार-बार काम बदलने से भी मैं उलझन में पड़ गया; और मुझे खुशी हुई जब दोपहर लगभग तीन बजे, मिस स्मिथ ने मेरे हाथों में दो गज लंबा मलमल का बॉर्डर, सुई, अंगुली आदि के साथ थमा दिया और मुझे कक्षा के एक शांत कोने में बैठने के लिए कहा, और उसे सिलने का निर्देश दिया। उस समय अधिकांश अन्य छात्र भी इसी तरह सिलाई कर रहे थे; लेकिन एक कक्षा अभी भी मिस स्केचर्ड की कुर्सी के चारों ओर खड़ी होकर पढ़ रही थी, और चूंकि सब शांत था, इसलिए उनके पाठ का विषय, प्रत्येक लड़की का प्रदर्शन और मिस स्केचर्ड की उनके प्रदर्शन पर टिप्पणियाँ या प्रशंसा स्पष्ट रूप से सुनाई दे रही थी। यह अंग्रेजी इतिहास था: पढ़ने वालों के बीच मैंने बरामदे में बैठी अपनी परिचित को देखा: पाठ की शुरुआत में, वह कक्षा में सबसे आगे थी, लेकिन उच्चारण की किसी गलती या विराम चिह्नों पर ध्यान न देने के कारण, उसे अचानक सबसे पीछे भेज दिया गया। उस दयनीय स्थिति में भी, मिस स्केचर्ड उसे लगातार चर्चा का विषय बनाए रखती थीं।

46 जेन आयर में, वह लगातार उससे निम्नलिखित वाक्य कह रही थी:— 'बर्न्स' (ऐसा लगता है कि यही उसका नाम था: यहाँ सभी लड़कियों को उनके उपनामों से पुकारा जाता था, जैसे अन्य जगहों पर लड़कों को), 'बर्न्स, तुम अपने जूते के किनारे पर खड़ी हो; तुरंत अपनी उंगलियाँ बाहर की ओर करो।' 'बर्न्स, तुम अपनी ठुड्डी को बहुत अप्रिय तरीके से बाहर निकाल रही हो; इसे अंदर खींचो।' 'बर्न्स, मैं जोर देती हूँ कि तुम अपना सिर ऊपर रखो; मैं तुम्हें इस मुद्रा में अपने सामने नहीं देखूँगी,' इत्यादि। एक अध्याय को दो बार पढ़ने के बाद, किताबें बंद कर दी गईं और लड़कियों की परीक्षा ली गई। पाठ में चार्ल्स प्रथम के शासनकाल का कुछ भाग शामिल था, और टन भार, पाउंड भार और जहाज के धन के बारे में कई प्रश्न थे, जिनका उत्तर उनमें से अधिकांश देने में असमर्थ प्रतीत हुईं; फिर भी, बर्न्स तक पहुँचते ही हर छोटी सी कठिनाई तुरंत हल हो जाती थी: ऐसा लगता था कि उसकी स्मृति ने पूरे पाठ का सार बनाए रखा था, और वह हर बिंदु पर उत्तर देने के लिए तैयार थी। मुझे उम्मीद थी कि मिस स्कैचर्ड उसकी एकाग्रता की प्रशंसा करेंगी; लेकिन, इसके बजाय, वह अचानक चिल्लाई— 'गंदी, अप्रिय लड़की! तुमने आज सुबह अपने नाखून नहीं धोए!' बर्न्स ने कोई जवाब नहीं दिया: मैं उसकी चुप्पी पर हैरान थी। 'क्यों,' मैंने सोचा, 'वह यह क्यों नहीं समझाती कि वह न तो अपने नाखून धो सकती थी और न ही अपना चेहरा, क्योंकि पानी जम गया था?' तभी मिस स्मिथ ने मुझे धागे का एक गुच्छा पकड़ने के

लिए कहा, जिससे मेरा ध्यान भंग हो गया: जब वह उसे लपेट रही थीं, तो वह समय-समय पर मुझसे बात करती रहीं, पूछती रहीं कि क्या मैं पहले कभी स्कूल गई हूँ, क्या मैं निशान लगा सकती हूँ, सिलाई कर सकती हूँ, बुनाई कर सकती हूँ, आदि; जब तक उन्होंने मुझे जाने की अनुमति नहीं दी, मैं मिस स्केचर्ड की गतिविधियों पर ध्यान नहीं दे सकी। जब मैं अपनी सीट पर लौटी, तो वह महिला एक आदेश दे रही थी जिसका अर्थ मुझे समझ नहीं आया; लेकिन बर्न्स तुरंत कक्षा से बाहर चली गईं, और किताबों वाले छोटे से भीतरी कमरे में जाकर, आधे मिनट में एक सिरे से बंधी टहनियों का एक बंडल हाथ में लेकर लौट आईं। इस अशुभ उपकरण को उन्होंने सम्मानपूर्वक झुककर मिस स्केचर्ड को भेंट किया; फिर उसने चुपचाप, बिना कुछ कहे, अपना एप्रन खोल दिया, और शिक्षिका ने तुरंत ही टहनियों के गुच्छे से उसकी गर्दन पर एक दर्जन प्रहार किए। बर्न्स की आँखों में एक भी आँसू नहीं आया; और, हालाँकि मैं सिलाई रोककर, इस दृश्य को देखकर व्यर्थ और शक्तिहीन क्रोध से काँप रही थी, उसके गंभीर चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला। 'कठोर लड़की!' मिस स्केचर्ड ने कहा; 'तुम्हारी गंदी आदतों को कोई नहीं सुधार सकता: छड़ी ले जाओ।'

जेन आयर 47 बर्न्स ने आज्ञा मानी: जब वह किताबों की कोठरी से निकली तो मैंने उसे ध्यान से देखा; वह अपना रूमाल जेब में रख रही थी और उसके पतले गाल पर एक आंसू की हल्की सी बूंद चमक रही थी। शाम का खेल का समय मुझे लोवुड में दिन का सबसे सुखद हिस्सा लगता था: शाम पांच बजे खाई गई रोटी और कॉफी का एक घूंट भूख तो नहीं मिटाता था, लेकिन ताजगी जरूर देता था: दिन भर का संयम टूट जाता था; स्कूल का कमरा सुबह की तुलना में अधिक गर्म लगता था—आग को थोड़ा और तेज जलने दिया जाता था, ताकि मोमबत्तियों की कमी कुछ हद तक पूरी हो सके, क्योंकि मोमबत्तियां अभी तक शुरू नहीं हुई थीं: लालिमा भरी शाम, शोरगुल और कई आवाजों का मिश्रण आजादी का सुखद एहसास देता था। जिस दिन मैंने मिस स्केचर्ड को अपने शिष्य बर्न्स को कोड़े मारते देखा था, उस शाम मैं हमेशा की तरह अकेले ही मेजों और हंसते-खेलते समूहों के बीच घूम रहा था, फिर भी मुझे अकेलापन महसूस नहीं हो रहा था। जब मैं खिड़कियों के पास से गुजरता, तो कभी-कभी पर्दा उठाकर बाहर देखता; बर्फ तेजी से गिर रही थी, नीचे के शीशों पर बर्फ की मोटी परत जम रही थी; खिड़की के पास कान लगाकर, मैं अंदर के उल्लास भरे शोर के बीच बाहर हवा की उदास कराह सुन सकता था। शायद, अगर मैंने हाल ही में एक

अच्छा घर और दयालु माता-पिता को छोड़ा होता, तो यही वह समय होता जब मुझे बिछड़ने का सबसे ज्यादा अफसोस होता; वह हवा तब मेरे दिल को उदास कर देती, यह अस्पष्ट अराजकता मेरी शांति भंग कर देती! लेकिन उस समय, मैं दोनों से एक अजीब उत्तेजना और बेचैनी से भरा हुआ था, मैं चाहता था कि हवा और भी जोर से गरजे, उदासी और भी गहरी हो जाए और शोरगुल बढ़ जाए। मेजों के ऊपर से कूदते हुए और मेजों के नीचे से रेंगते हुए, मैं एक चिमनी की ओर बढ़ा; वहाँ, ऊँचे तार के फेंडर के पास घुटनों के बल बैठी, मैंने बर्न्स को देखा; वह तल्लीन, चुपचाप, अपने आस-पास की दुनिया से अलग होकर एक किताब में खोई हुई थी, जिसे वह अंगारों की धुंधली रोशनी में पढ़ रही थी। 'क्या अभी भी रासेलास पढ़ रही हो?' मैंने उसके पीछे आकर पूछा। 'हाँ,' उसने कहा, 'और मैंने अभी-अभी इसे खत्म किया है।' और पाँच मिनट बाद उसने किताब बंद कर दी। मुझे इस बात की खुशी हुई। 'अब,' मैंने सोचा, 'शायद मैं उसे बात करने के लिए मना सकूँ।' मैं उसके पास फर्श पर बैठ गया। 'बर्न्स के अलावा तुम्हारा नाम क्या है?' 'हेलेन।' 'क्या तुम यहाँ से बहुत दूर से आई हो?' 'मैं उत्तर में एक जगह से आई हूँ, जो स्कॉटलैंड की सीमा पर है।'

 'क्या तुम कभी वापस जाओगी?' 'उम्मीद है; लेकिन भविष्य के बारे में कोई निश्चित नहीं हो सकता।' 'तुम लोवुड छोड़ना चाहती हो?' 'नहीं! मैं क्यों छोड़ूँ? मुझे शिक्षा प्राप्त करने के लिए लोवुड भेजा गया था; और जब तक मैं वह लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लेती, तब तक वहाँ से जाने का कोई फायदा नहीं होगा।' 'लेकिन वह शिक्षिका, मिस स्कैचर्ड, तुम्हारे प्रति इतनी क्रूर हैं?' 'क्रूर? बिलकुल नहीं! वह सख्त हैं: उन्हें मेरी गलतियाँ नापसंद हैं।' 'और अगर मैं तुम्हारी जगह होती तो मैं भी उन्हें नापसंद करती; मैं उनका विरोध करती। अगर वह मुझे उस छड़ी से मारतीं, तो मैं उसे उनके हाथ से छीन लेती; मैं उसे उनकी नाक के नीचे तोड़ देती।' 'शायद तुम ऐसा कुछ नहीं करतीं: लेकिन अगर तुमने ऐसा किया, तो मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट तुम्हें स्कूल से निकाल देंगे; यह तुम्हारे रिश्तेदारों के लिए बहुत दुख की बात होगी। किसी ऐसे दर्द को धैर्यपूर्वक सहना कहीं बेहतर है जिसे तुम्हारे अलावा कोई महसूस नहीं करता, बजाय इसके कि कोई जल्दबाजी में ऐसा कदम उठाया जाए जिसके बुरे परिणाम तुमसे जुड़े सभी लोगों तक पहुँचें;' और इसके अलावा, बाइबल हमें बुराई के बदले भलाई करने का आदेश देती है।' 'लेकिन फिर कोड़े खाना और लोगों से भरे कमरे के बीच में खड़ा होना शर्मनाक लगता है; और तुम इतनी बड़ी लड़की हो: मैं तुमसे बहुत छोटी हूँ, और

मैं इसे सहन नहीं कर सकती।' 'फिर भी, अगर तुम इससे बच नहीं सकती, तो इसे सहन करना तुम्हारा कर्तव्य होगा: यह कहना कमजोरी और मूर्खता है कि तुम वह सहन नहीं कर सकती जो तुम्हारे भाग्य में लिखा है।' मैंने आश्चर्य से उसकी बात सुनी: मैं सहनशीलता के इस सिद्धांत को समझ नहीं पा रही थी; और उससे भी कम मैं उसके द्वारा अपने दंड देने वाले के प्रति दिखाई गई सहनशीलता को समझ या सहानुभूति दे पा रही थी। फिर भी मुझे लगा कि हेलेन बर्न्स चीजों को एक ऐसे प्रकाश से देख रही थी जो मेरी आँखों को दिखाई नहीं देता। मुझे संदेह था कि वह सही हो सकती है और मैं गलत; लेकिन मैं इस मामले पर गहराई से विचार नहीं करना चाहती थी; फेलिक्स की तरह, मैंने इसे किसी और सुविधाजनक समय के लिए टाल दिया। "तुम कहती हो कि तुममें कमियाँ हैं, हेलेन: वे क्या हैं? मुझे तो तुम बहुत अच्छी लगती हो।" "तो मुझसे सीखो, दिखावे से मत आंकना: मैं, जैसा कि मिस स्केचर्ड ने कहा, लापरवाह हूँ; मैं शायद ही कभी चीजों को व्यवस्थित रखती हूँ, और कभी नहीं रखती; मैं बेपरवाह हूँ; मैं नियम भूल जाती हूँ; जब मुझे पाठ पढ़ना चाहिए, तब मैं पढ़ती हूँ; मेरा कोई तरीका नहीं है; और कभी-कभी मैं, तुम्हारी तरह, कहती हूँ कि मुझे व्यवस्थित व्यवस्थाओं के अधीन रहना पसंद नहीं है।" "यह सब मिस स्केचर्ड को बहुत परेशान करता है, जो स्वभाव से साफ-सुथरी, समय की पाबंद और बारीकी से काम करने वाली हैं।" "और चिड़चिड़ी और निर्दयी भी," मैंने जोड़ा; लेकिन हेलेन बर्न्स ने मेरी बात नहीं मानी: वह चुप रही। "क्या मिस टेंपल तुम्हारे साथ भी मिस स्केचर्ड जितनी ही सख्त हैं?"

जेन आयर 49 —_—>————————_—_—_—_——— मिस टेंपल का नाम सुनते ही उनके गंभीर चेहरे पर एक हल्की सी मुस्कान आ गई। 'मिस टेंपल दयालुता से परिपूर्ण हैं; उन्हें किसी के प्रति भी कठोर होना कष्टदायक लगता है, यहाँ तक कि स्कूल के सबसे बुरे छात्र के प्रति भी: वह मेरी गलतियों को देखती हैं और मुझे उनके बारे में विनम्रता से बताती हैं; और अगर मैं कुछ भी प्रशंसा के योग्य काम करता हूँ, तो वह मुझे उदारतापूर्वक पुरस्कृत करती हैं। मेरे दयनीय रूप से दोषपूर्ण स्वभाव का एक प्रबल प्रमाण यह है कि उनकी इतनी सौम्य, इतनी तर्कसंगत फटकार भी मुझमें मेरी कमियों को दूर करने में कोई प्रभाव नहीं डालती; और यहाँ तक कि उनकी प्रशंसा भी, हालाँकि मैं उसे बहुत महत्व देता हूँ, मुझे निरंतर सावधानी और दूरदर्शिता के लिए प्रेरित नहीं कर सकती।' "यह अजीब है," मैंने कहा, "सावधान

रहना इतना आसान है।" "मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपके लिए यह आसान है। मैंने आज सुबह आपकी कक्षा में आपको देखा, और पाया कि आप बहुत ध्यान से सुन रहे थे: मिस मिलर जब पाठ समझा रही थीं और आपसे प्रश्न पूछ रही थीं, तब आपके विचार कभी भटकते नहीं थे। अब, मेरे विचार लगातार भटकते रहते हैं; जब मुझे मिस स्कैचर्ड को ध्यान से सुनना चाहिए, और उनकी कही हर बात को ध्यान से समझना चाहिए, तब अक्सर मैं उनकी आवाज़ तक खो देता हूँ; मैं एक तरह के सपने में खो जाता हूँ। कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं नॉर्थम्बरलैंड में हूँ, और मेरे आस-पास जो आवाज़ें सुनाई दे रही हैं, वे हमारे घर के पास डीपडेन से बहने वाली एक छोटी सी धारा की कलकल हैं; फिर, जब मेरी उत्तर देने की बारी आती है, तो मुझे जगाया जाता है; और उस काल्पनिक धारा की आवाज़ सुनने के कारण मैंने जो पढ़ा था, उसमें से कुछ भी नहीं सुना होता, इसलिए मेरे पास कोई उत्तर तैयार नहीं होता।" "फिर भी आज दोपहर आपने कितना अच्छा उत्तर दिया।" "यह महज़ संयोग था; जिस विषय पर हम पढ़ रहे थे, उसमें मेरी रुचि थी।" आज दोपहर, डीपडेन के सपने देखने के बजाय, मैं सोच रही थी कि एक ऐसा व्यक्ति जो न्याय की चाह रखता हो, वह चार्ल्स प्रथम की तरह कभी-कभी इतना अन्यायपूर्ण और नासमझ कैसे हो सकता है; और मैंने सोचा कि यह कितना दुखद है कि अपनी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के बावजूद, वह राजसी अधिकारों से आगे नहीं देख सका। काश वह दूर तक देख पाता, और समझ पाता कि जिसे युग की भावना कहते हैं, वह किस ओर बढ़ रही है! फिर भी, मैं चार्ल्स को पसंद करती हूँ—मैं उसका सम्मान करती हूँ—मुझे उस पर दया आती है, बेचारा हत्यारा राजा! हाँ, उसके शत्रु सबसे बुरे थे: उन्होंने ऐसा खून बहाया जिसे बहाने का उन्हें कोई अधिकार नहीं था। उनकी हिम्मत कैसे हुई उसे मारने की!' हेलेन अब खुद से बात कर रही थी: वह भूल गई थी कि मैं उसकी बात ठीक से समझ नहीं पा रही थी—कि मैं उस विषय से अनभिज्ञ थी, या लगभग अनभिज्ञ थी, जिस पर वह चर्चा कर रही थी। मैंने उसे अपने स्तर पर वापस लाया। 'और जब मिस टेंपल आपको पढ़ाती हैं, तो क्या आपके विचार भटकते हैं?' 'नहीं, बिल्कुल नहीं: क्योंकि मिस टेंपल के पास आमतौर पर कुछ ऐसा कहने को होता है जो मेरे अपने विचारों से नया होता है; मुझे उसकी भाषा बेहद पसंद है, और वह जो जानकारी देती है वह अक्सर वही होती है जो मैं प्राप्त करना चाहता हूं।'

रूप से: मैं कोई प्रयास नहीं करती; मैं अपनी प्रवृत्ति के अनुसार चलती हूँ। ऐसी अच्छाई में कोई गुण नहीं है।' 'बहुत अधिक: तुम उनके प्रति अच्छी हो जो तुम्हारे प्रति अच्छे हैं। यही मेरी एकमात्र इच्छा है। यदि लोग हमेशा क्रूर और अन्याय करने वालों के प्रति दयालु और आज्ञाकारी होते, तो दुष्ट लोग अपनी मनमानी करते: वे कभी भयभीत नहीं होते, और इसलिए वे कभी नहीं बदलते, बल्कि और भी बुरे होते जाते। जब हम पर बिना किसी कारण के प्रहार किया जाता है, तो हमें बहुत जोर से पलटवार करना चाहिए; मुझे यकीन है कि हमें करना चाहिए—इतना जोर से कि प्रहार करने वाले को फिर कभी ऐसा न करने का सबक मिले।' 'मुझे आशा है कि जब तुम बड़ी हो जाओगी तो तुम्हारा विचार बदल जाएगा: अभी तो तुम एक छोटी, अनुभवहीन लड़की हो।' 'लेकिन मैं यह महसूस करती हूँ, हेलेन; मुझे उन लोगों को नापसंद करना चाहिए जो, चाहे मैं उन्हें खुश करने के लिए कुछ भी करूँ, मुझे नापसंद करना जारी रखते हैं; मुझे उन लोगों का विरोध करना चाहिए जो मुझे अन्यायपूर्वक दंडित करते हैं।' यह उतना ही स्वाभाविक है जितना कि मेरे लिए उन लोगों से प्रेम करना जो मुझे स्नेह दिखाते हैं, या जब मुझे लगता है कि मैं दंड का हकदार हूँ तो उसे स्वीकार करना।' 'यह सिद्धांत तो मूर्तिपूजक और बर्बर जनजातियाँ मानती हैं, लेकिन ईसाई और सभ्य राष्ट्र इसे अस्वीकार करते हैं।' 'कैसे? मुझे समझ नहीं आ रहा।' 'हिंसा घृणा पर विजय पाने का सबसे अच्छा तरीका नहीं है—और न ही प्रतिशोध निश्चित रूप से चोट को ठीक करता है।' "तो फिर क्या?" 'नया नियम पढ़ो, और देखो कि मसीह क्या कहते हैं, और कैसे कार्य करते हैं; उनके वचन को अपना नियम बनाओ, और उनके आचरण को अपना आदर्श।' "वे क्या कहते हैं?" "अपने शत्रुओं से प्रेम करो; जो तुम्हें शाप देते हैं, उन्हें आशीर्वाद दो; जो तुमसे नफरत करते हैं और तुम्हारे साथ बुरा बर्ताव करते हैं, उनके साथ अच्छा व्यवहार करो।' "तो मुझे मिसेज रीड से प्यार करना चाहिए, जो मैं नहीं कर सकती; मुझे उनके बेटे जॉन को आशीर्वाद देना चाहिए, जो असंभव है।" इसके बाद हेलेन बर्न्स ने मुझसे स्पष्टीकरण मांगा, और मैंने तुरंत अपने तरीके से अपने दुखों और शिकायतों की कहानी सुनाना शुरू कर दिया। उत्तेजित होने पर मैं कड़वी और उग्र हो जाती थी, और बिना किसी संकोच या नरमी के, जैसा मन करता था वैसा बोलती थी। हेलेन ने अंत तक धैर्यपूर्वक मेरी बात सुनी: मुझे उम्मीद थी कि वह कुछ कहेंगी, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं कहा। 'अच्छा,' मैंने अधीरता से पूछा, 'क्या मिसेज रीड एक कठोर हृदय वाली, बुरी महिला नहीं हैं?' 'वह तुम्हारे प्रति निर्दयी रही हैं, इसमें कोई

संदेह नहीं; क्योंकि देखो, वह तुम्हारे स्वभाव को नापसंद करती हैं, जैसे मिस स्केचर्ड मेरे स्वभाव को; लेकिन तुम्हें उनकी कही और की गई हर बात कितनी बारीकी से याद है! उनका अन्याय तुम पर कितना गहरा प्रभाव डालता है!

जेन आयर 51 एरेeeee ee ने आपके दिल पर जो निशान छोड़े हैं! कोई भी दुर्व्यवहार मेरे भावों पर इतना गहरा प्रभाव नहीं छोड़ता। क्या आप अधिक प्रसन्न नहीं होंगे यदि आप उसकी कठोरता को, साथ ही उससे उत्पन्न तीव्र भावनाओं को भी, भूलने का प्रयास करें? मुझे लगता है कि जीवन बहुत छोटा है, इसे द्वेष पालने या गलतियों को गिनने में व्यतीत नहीं करना चाहिए। हम सभी इस संसार में दोषों से बोझिल हैं, और होना ही चाहिए: लेकिन वह समय शीघ्र ही आएगा, जब मुझे विश्वास है, हम अपने नश्वर शरीरों को त्यागने के साथ-साथ उन्हें भी त्याग देंगे; जब यह नीचता और पाप हमारे शरीर के इस भारी-भरकम ढांचे के साथ ही गिर जाएंगे, और केवल आत्मा की चिंगारी ही शेष रहेगी—प्रकाश और विचार का वह अगोचर सिद्धांत, उतना ही शुद्ध जितना कि सृष्टिकर्ता से प्राणी को प्रेरित करने के लिए निकलते समय था: जहाँ से यह आया है, वहीं लौटेगा; शायद फिर से मनुष्य से उच्चतर किसी सत्ता को प्रदान किया जाए—शायद महिमा के विभिन्न स्तरों से गुजरते हुए, फीकी मानव आत्मा से देवदूत बनने के लिए! क्या सच में इसे कभी मनुष्य से राक्षस बनने दिया जाएगा? नहीं; मैं ऐसा नहीं मान सकती: मेरा एक अलग मत है: जो मुझे किसी ने कभी नहीं सिखाया, और जिसका मैं शायद ही कभी ज़िक्र करती हूँ; लेकिन जिसमें मुझे आनंद आता है, और जिससे मैं जुड़ी रहती हूँ: क्योंकि यह सभी को आशा प्रदान करता है: यह अनंतकाल को विश्राम बनाता है—एक शक्तिशाली घर, न कि भय और खाई। इसके अलावा, इस मत के साथ, मैं अपराधी और उसके अपराध के बीच स्पष्ट रूप से अंतर कर सकती हूँ; मैं पहले को पूरी ईमानदारी से क्षमा कर सकती हूँ जबकि दूसरे से घृणा करती हूँ: इस मत के साथ प्रतिशोध कभी मेरे दिल को परेशान नहीं करता, अपमान कभी मुझे बहुत गहराई से घृणा नहीं दिलाता, अन्याय कभी मुझे बहुत नीचा नहीं दिखाता: मैं शांति से रहती हूँ, अंत की ओर देखती हुई।' हेलेन का सिर, जो हमेशा झुका रहता था, इस वाक्य को समाप्त करते ही थोड़ा और नीचे झुक गया। मैंने उसकी नज़र से देखा कि वह अब मुझसे बात नहीं करना चाहती थी, बल्कि अपने विचारों से संवाद करना चाहती थी। उसे ध्यान लगाने का ज़्यादा समय नहीं मिलता था: तभी एक निगरानीकर्ता, एक बड़ी और सख्त लड़की, आकर कंबरलैंड के लहजे में

चिल्लाई— 'हेलेन बर्न्स, अगर तुम अभी जाकर अपनी दराज ठीक से नहीं लगाती और अपना काम समेटती नहीं हो, तो मैं मिस स्केचर्ड को बुलाकर इसे दिखवा दूंगी!' हेलेन ने आह भरी और उसका ध्यान भंग हो गया, और उठकर बिना कुछ कहे निगरानीकर्ता की बात मान ली। अध्याय *सातवां लोवुड में मेरा पहला सत्र एक युग जैसा लगा; और वह स्वर्णिम युग भी नहीं था; इसमें नए नियमों और अपरिचित कार्यों के अभ्यस्त होने की कठिनाइयों से जूझना पड़ा। इन मामलों में असफल होने का डर मुझे सबसे ज़्यादा सताता था।

52 जेन आयर: मेरे जीवन की शारीरिक कठिनाइयों से कहीं अधिक कष्टदायक थीं; हालाँकि ये भी मामूली नहीं थीं। जनवरी, फरवरी और मार्च के कुछ हिस्से में, गहरी बर्फ और उसके पिघलने के बाद लगभग दुर्गम सड़कों के कारण हम बगीचे की दीवारों से बाहर नहीं निकल पाते थे, सिवाय चर्च जाने के; लेकिन इन सीमाओं के भीतर भी हमें हर दिन एक घंटा खुली हवा में बिताना पड़ता था। हमारे कपड़े हमें भीषण ठंड से बचाने के लिए अपर्याप्त थे: हमारे पास जूते नहीं थे, बर्फ हमारे जूतों में घुस जाती थी और वहीं पिघल जाती थी: हमारे बिना दस्तानों वाले हाथ सुन्न हो जाते थे और उन पर शीतदंश के छाले पड़ जाते थे, जैसे हमारे पैर: मुझे अच्छी तरह याद है कि हर शाम जब मेरे पैर सूज जाते थे तो मुझे कितनी असहनीय जलन होती थी; और सुबह सूजी हुई, छिली हुई और अकड़ी हुई उंगलियों को जूतों में जबरदस्ती डालना कितना कष्टदायक होता था। फिर भोजन की कमी भी कष्टदायक थी: बढ़ते बच्चों की तीव्र भूख के कारण, हमारे पास एक कमजोर और बीमार व्यक्ति को जीवित रखने के लिए मुश्किल से ही पर्याप्त भोजन होता था। पोषण की इस कमी से एक तरह का दुर्व्यवहार उत्पन्न हुआ, जिसका असर छोटे विद्यार्थियों पर बहुत बुरा पड़ा: भूखी बड़ी लड़कियाँ जब भी मौका पातीं, वे छोटे बच्चों को फुसलाकर या धमकाकर उनका हिस्सा छीन लेतीं। कई बार मुझे चाय के समय बांटी गई भूरी रोटी का कीमती टुकड़ा दो दावेदारों के बीच बाँटना पड़ा; और अपने कॉफ़ी के मग का आधा हिस्सा एक तिहाई को देने के बाद, मैंने भूख से मजबूर होकर आँसुओं के साथ बचा हुआ हिस्सा पी लिया। उस सर्दी के मौसम में रविवार का दिन बहुत उदास होता था। हमें ब्रॉकलब्रिज चर्च तक दो मील पैदल चलना पड़ता था, जहाँ हमारे संरक्षक पूजा करवाते थे। हम ठंड से काँपते हुए निकलते थे और चर्च पहुँचते-पहुँचते और भी ठंडे हो जाते थे: सुबह की प्रार्थना के दौरान हम लगभग लकवाग्रस्त हो जाते थे। दोपहर के भोजन

के लिए वापस लौटना बहुत दूर था, और प्रार्थनाओं के बीच ठंडे मांस और रोटी का एक छोटा सा हिस्सा, हमारे सामान्य भोजन की तरह ही, परोसा जाता था। दोपहर की प्रार्थना समाप्त होने पर हम एक खुली और पहाड़ी सड़क से वापस लौटे, जहाँ उत्तर की ओर बर्फीली चोटियों से बहती हुई कड़ाके की सर्दी की हवा हमारे चेहरों की त्वचा को लगभग छील रही थी। मुझे याद है मिस टेंपल हमारी झुकी हुई कतार के साथ हल्के और तेज़ी से चल रही थीं, उनकी चेकदार चादर, जो बर्फीली हवा में फड़फड़ा रही थी, उनके शरीर से लिपटी हुई थी, और वे हमें उपदेश और उदाहरण से प्रोत्साहित कर रही थीं कि हम अपना मनोबल बनाए रखें और आगे बढ़ें, जैसा कि उन्होंने कहा, 'मजबूत सैनिकों की तरह।' बेचारे अन्य शिक्षक, आम तौर पर इतने निराश थे कि वे दूसरों का हौसला बढ़ाने की कोशिश भी नहीं कर रहे थे।

जेन आयर 53 0 संस्करण: वापस आने पर हम धधकती आग की रोशनी और गर्मी के लिए तरसते थे! लेकिन, कम से कम छोटे बच्चों को तो यह नहीं मिल पाता था: स्कूल के कमरे में हर चूल्हे के चारों ओर बड़ी-बड़ी लड़कियाँ दो पंक्तियों में बैठ जाती थीं, और उनके पीछे छोटे बच्चे समूहों में दुबके रहते थे, अपनी भूखी बाहों को अपने एप्रन में लपेटे हुए। चाय के समय थोड़ी राहत मिलती थी, रोटी के दुगने हिस्से के रूप में—आधे टुकड़े के बजाय पूरा टुकड़ा—जिसमें मक्खन की एक पतली परत भी मिली होती थी: यह वह साप्ताहिक दावत थी जिसका हम सभी रविवार से रविवार तक बेसब्री से इंतजार करते थे। मैं आमतौर पर इस भरपूर भोजन का आधा हिस्सा अपने लिए बचा लेती थी; लेकिन बाकी मुझे हमेशा बाँटना पड़ता था। रविवार की शाम चर्च कैटेकिज़्म और सेंट मैथ्यू के पाँचवें, छठे और सातवें अध्यायों को कंठस्थ करने में व्यतीत होती थी; और मिस मिलर द्वारा पढ़े जा रहे एक लंबे प्रवचन को सुनते हुए, जिनकी लगातार जम्हाई उनकी थकावट को दर्शा रही थी। इन प्रदर्शनों के बीच अक्सर कुछ छह छोटी लड़कियाँ यूटिचस की भूमिका निभाती थीं, जो नींद से बेहाल होकर तीसरी मंजिल से तो नहीं गिरती थीं, लेकिन चौथी पंक्ति से गिर जाती थीं और अधमरी हालत में उठाई जाती थीं। इसका उपाय यह था कि उन्हें कक्षा के बीच में धकेल दिया जाए और प्रवचन समाप्त होने तक वहीं खड़े रहने के लिए बाध्य किया जाए। कभी-कभी उनके पैर जवाब दे देते थे और वे सब एक साथ ढेर हो जाती थीं; तब उन्हें प्रशिक्षार्थियों की ऊँची कुर्सियों से सहारा दिया जाता था। मैंने अभी तक श्री ब्रॉकलहर्स्ट के आगमन का उल्लेख नहीं किया है; और वास्तव में वह सज्जन मेरे

आगमन के बाद पहले महीने के अधिकांश समय घर से बाहर रहे; शायद अपने मित्र आर्चडीकन के साथ अपना प्रवास बढ़ा रहे थे: उनकी अनुपस्थिति मेरे लिए राहत की बात थी। मुझे यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि उनके आने से मुझे डरने के अपने कारण थे: लेकिन अंततः वे आ ही गए। एक दोपहर (तब मुझे लोवुड में आए तीन सप्ताह हो चुके थे), जब मैं हाथ में स्लेट लिए, भाग के एक सवाल को हल करने में लगा हुआ था, तभी मेरी नज़र खिड़की की ओर उठी और अचानक एक आकृति पर पड़ी जो अभी-अभी गुज़र रही थी: मैंने लगभग सहज ही उस दुबली-पतली आकृति को पहचान लिया; और जब दो मिनट बाद, शिक्षक समेत पूरा स्कूल एक साथ उठ खड़ा हुआ, तो मुझे यह जानने के लिए ऊपर देखने की ज़रूरत नहीं पड़ी कि वे किसके आगमन का स्वागत कर रहे थे। एक लंबा कदम स्कूल के कमरे को नापता हुआ निकला, और थोड़ी देर बाद मिस टेंपल के बगल में, जो खुद उठ चुकी थीं, वही काली आकृति खड़ी थी जिसने गेट्सहेड के चूल्हे के पास से मुझे इतनी अशुभ नज़र से देखा था। अब मैंने एक नज़र डाली...

54 जेन आयर ने इस इमारत को तिरछी नज़रों से देखा। हाँ, मैं सही थी: यह मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट थे, जो एक ओवरकोट पहने हुए थे और पहले से कहीं ज़्यादा लंबे, पतले और सख्त दिख रहे थे। इस दृश्य को देखकर घबरा जाने के मेरे अपने कारण थे; मुझे मिसेज़ रीड द्वारा मेरे स्वभाव आदि के बारे में दिए गए कपटपूर्ण संकेत अच्छी तरह याद थे; मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट द्वारा मिस टेंपल और शिक्षकों को मेरे दुष्ट स्वभाव के बारे में बताने का वादा भी याद था। मुझे हमेशा से इस वादे के पूरा होने का डर सता रहा था—मैं रोज़ उस 'आने वाले आदमी' का इंतज़ार कर रही थी, जिसकी मेरे बीते जीवन और बातचीत के बारे में जानकारी मुझे हमेशा के लिए एक बुरा बच्चा साबित कर देगी: और अब वह आ गया था। वह मिस टेंपल के बगल में खड़ा था; वह उनके कान में धीरे से कुछ कह रहा था: मुझे इसमें कोई शक नहीं था कि वह मेरी बुराइयों का खुलासा कर रहा था; और मैं दर्द भरी चिंता से उनकी आँखों को देख रही थी, हर पल यह उम्मीद कर रही थी कि कहीं उनकी काली आँखें मुझे घृणा और तिरस्कार भरी नज़र से न देख लें। मैं सुन भी रही थी; और क्योंकि मैं कमरे के बिल्कुल ऊपरी हिस्से में बैठी थी, इसलिए मैंने उनकी कही हुई ज़्यादातर बातें सुन लीं: इसके भाव ने मुझे तुरंत के डर से राहत दी। 'मुझे लगता है, मिस टेंपल, जो धागा मैंने लोवटन से खरीदा था, वह ठीक रहेगा; मुझे लगा कि यह कैलिको कमीज़ों के लिए बिल्कुल सही रहेगा,

और मैंने उसी के हिसाब से सुइयाँ भी छाँट ली हैं। आप मिस स्मिथ को बता सकती हैं कि मैं रफू करने वाली सुइयों का नोट बनाना भूल गई, लेकिन उन्हें अगले हफ्ते कुछ कागज़ात मिल जाएँगे; और वह किसी भी हालत में नहीं हैं। नियम के अनुसार, प्रत्येक विद्यार्थी को एक बार में एक से अधिक मोज़े नहीं दिए जाने चाहिए: यदि उनके पास एक से अधिक मोज़े होंगे, तो वे लापरवाह हो जाएंगे और उन्हें खो देंगे। और, महोदया! काश ऊनी मोज़ों का बेहतर ध्यान रखा जाता!—जब मैं पिछली बार यहाँ आया था, तो मैं रसोई के बगीचे में गया और रस्सी पर सूख रहे कपड़ों की जाँच की; वहाँ बहुत सारे काले मोज़े थे जिनकी मरम्मत बहुत खराब हालत में थी: उनमें छेदों के आकार से मुझे यकीन हो गया था कि उनकी समय-समय पर अच्छी तरह से मरम्मत नहीं की गई थी।' वह रुका। 'आपके निर्देशों पर ध्यान दिया जाएगा, महोदय,' मिस टेंपल ने कहा। 'और, महोदया,' उसने आगे कहा, 'धोबी ने मुझे बताया कि कुछ लड़कियों के पास सप्ताह में दो साफ मोज़े होते हैं: यह बहुत ज्यादा है; नियमों के अनुसार उन्हें एक ही पहनने की अनुमति है।' 'मुझे लगता है कि मैं इस बात को समझा सकती हूँ, महोदया। एग्नेस और कैथरीन जॉनस्टोन को पिछले गुरुवार को लोवटन में कुछ दोस्तों के साथ चाय पर आमंत्रित किया गया था, और मैंने उन्हें उस अवसर के लिए साफ मोज़े पहनने की अनुमति दी थी।' श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने सिर हिलाया। 'ठीक है, एक बार तो यह ठीक हो सकता है; लेकिन कृपया इस परिस्थिति को बार-बार न होने दें। और एक और बात है जिसने मुझे आश्चर्यचकित किया; मुझे नौकरानी के साथ हिसाब-किताब करते समय पता चला,

जेन आयर बीए «=| ईईई ने लिखा है कि पिछले पखवाड़े में लड़कियों को दो बार रोटी और पनीर से बना दोपहर का भोजन परोसा गया है। यह कैसे हो सकता है? मैंने नियमों को देखा है, और मुझे उसमें दोपहर के भोजन के रूप में ऐसे किसी भोजन का उल्लेख नहीं मिला। यह नया नियम किसने शुरू किया? और किस अधिकार से? 'इस परिस्थिति के लिए मैं ही जिम्मेदार हूँ, महोदय,' मिस टेंपल ने उत्तर दिया: 'नाश्ता इतना खराब बना था कि विद्यार्थी उसे खा ही नहीं सकते थे; और मैं उन्हें दोपहर के भोजन तक उपवास रखने की हिम्मत नहीं कर सकती थी।' 'महोदया, मुझे एक क्षण का समय दीजिए। आप जानती हैं कि इन लड़कियों के पालन-पोषण में मेरी योजना उन्हें विलासिता और भोग-विलास की आदतों का आदी बनाना नहीं है, बल्कि उन्हें मजबूत, धैर्यवान और आत्म-त्यागी बनाना है। यदि भूख में कोई छोटी-मोटी

आकस्मिक कमी आ जाए, जैसे कि भोजन का खराब हो जाना, किसी व्यंजन में कम या ज्यादा मसाला डाल देना, तो उस घटना को खोए हुए आराम को किसी अधिक स्वादिष्ट चीज़ से बदलकर बेअसर नहीं किया जाना चाहिए, इस प्रकार शरीर को लाड़-प्यार करके इस संस्था के उद्देश्य को निष्प्रभावी नहीं किया जाना चाहिए; बल्कि इसे विद्यार्थियों के आध्यात्मिक उत्थान के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, उन्हें अस्थायी अभाव में धैर्य दिखाने के लिए प्रोत्साहित करके। ऐसे अवसरों पर एक संक्षिप्त भाषण देना उचित होगा, जिसमें एक विवेकशील शिक्षक आदिम ईसाइयों के कष्टों; शहीदों की यातनाओं; आदि का उल्लेख करने का अवसर लेगा। स्वयं हमारे परम प्रभु के उपदेश, जिसमें उन्होंने अपने शिष्यों को क्रूस उठाकर उनका अनुसरण करने का आह्वान किया; उनकी चेतावनी कि मनुष्य केवल रोटी से ही नहीं, बल्कि परमेश्वर के मुख से निकलने वाले प्रत्येक वचन से जीवित रहेगा; और उनके दिव्य सांत्वनाओं से, "यदि तुम मेरे कारण भूख या प्यास सहते हो, तो तुम धन्य हो।" ओह, महोदया, जब आप इन बच्चों के मुंह में जले हुए दलिया के बजाय रोटी और पनीर डालती हैं, तो आप बेशक उनके तुच्छ शरीरों को पोषण दे रही होती हैं, लेकिन आप यह जरा भी नहीं सोचतीं कि आप उनकी अमर आत्माओं को कितना भूखा रख रही हैं!' श्री ब्रॉकलहर्स्ट फिर रुके—शायद अपनी भावनाओं से अभिभूत हो गए थे। जब उन्होंने मिस टेंपल से बात करना शुरू किया था, तब उन्होंने नीचे देखा था; लेकिन अब वह सीधे अपने सामने देख रही थीं, और उनका चेहरा, जो स्वभाव से संगमरमर की तरह पीला था, उस पदार्थ की ठंडक और स्थिरता को भी धारण करता हुआ प्रतीत हो रहा था; विशेष रूप से उनका मुंह, जो इस तरह बंद था मानो उसे खोलने के लिए किसी मूर्तिकार की छेनी की आवश्यकता होती, और उनकी भौंहें धीरे-धीरे पत्थर जैसी कठोरता में बदल गईं। इसी बीच, श्री ब्रॉकलहर्स्ट, अपने हाथों को पीठ के पीछे रखकर चूल्हे पर खड़े होकर, पूरे स्कूल का भव्य अवलोकन कर रहे थे। अचानक उनकी आंख झपकी, मानो किसी ऐसी चीज से टकराई हो जिसने उनकी पुतली को चकाचौंध कर दिया हो या चौंका दिया हो; मुड़कर, उन्होंने पहले की तुलना में अधिक तीव्र उच्चारण में कहा—

 —————— 'मिस टेंपल, मिस टेंपल, वो घुंघराले बालों वाली लड़की कौन है? लाल बाल, महोदया, घुंघराले—पूरे घुंघराले?' और अपनी छड़ी बढ़ाते हुए उन्होंने उस भयानक वस्तु की ओर इशारा किया, ऐसा करते समय उनका हाथ कांप रहा था। 'ये जूलिया सेवर्न है,' मिस टेंपल ने बहुत धीमी आवाज़ में उत्तर दिया।

‘जूलिया सेवर्न, महोदया! और उसके या किसी और के बाल घुंघराले क्यों हैं? इस मठ के हर नियम और सिद्धांत की अवहेलना करते हुए, वह इतनी खुलेआम दुनिया के अनुरूप क्यों ढल रही है—यहाँ एक धार्मिक, धर्मार्थ संस्था में—कि अपने बालों को घुंघराले बालों के गुच्छे की तरह रखती है?’ ‘जूलिया के बाल प्राकृतिक रूप से घुंघराले हैं,’ मिस टेंपल ने और भी धीमी आवाज़ में उत्तर दिया। ‘प्राकृतिक रूप से! हाँ, लेकिन हमें प्रकृति के अनुरूप नहीं ढलना है; मैं चाहती हूँ कि ये लड़कियाँ ईश्वर की कृपा की संतान हों: और इतनी अधिकता क्यों? मैंने बार-बार संकेत दिया है कि मैं चाहती हूँ कि बाल सलीके से, शालीनता से, सादगी से संवारे जाएँ।’ मिस टेंपल, उस लड़की के बाल पूरी तरह से काटने होंगे; मैं कल नाई भेजूंगी: और मैं कुछ और लड़कियों को भी देख रही हूँ जिनके बाल बहुत ज़्यादा बढ़े हुए हैं—उस लंबी लड़की को कहो कि घूम जाए। पहली कक्षा के सभी बच्चों को कहो कि उठें और दीवार की ओर मुंह करके खड़े हो जाएं।’ मिस टेंपल ने अपने होठों पर रूमाल फेरा, मानो अनजाने में आई मुस्कान को छुपाने की कोशिश कर रही हों; फिर भी उन्होंने आदेश दे दिया, और जब पहली कक्षा के बच्चे समझ गए कि उनसे क्या कहा जा रहा है, तो उन्होंने आज्ञा का पालन किया। अपनी बेंच पर थोड़ा पीछे झुककर, मैं उनके हाव-भाव और चेहरे के भाव देख सकती थी जिनसे वे इस हरकत पर टिप्पणी कर रहे थे: यह दुख की बात थी कि मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट भी उन्हें नहीं देख पाए; शायद उन्हें लगता कि प्याले और थाली के बाहरी हिस्से के साथ वे जो कुछ भी करें, अंदरूनी हिस्सा उनकी सोच से कहीं ज़्यादा उनके बस से बाहर था। उन्होंने इन जीवंत पदकों के पिछले हिस्से को लगभग पाँच मिनट तक गौर से देखा, फिर फैसला सुनाया। ये शब्द विनाश की घंटी की तरह गूंजे — ‘इन सभी चोटी को काट देना चाहिए।’ मिस टेंपल ने विरोध जताया। ‘महोदया,’ उन्होंने आगे कहा, ‘मुझे एक ऐसे स्वामी की सेवा करनी है जिसका राज्य इस संसार का नहीं है: मेरा मिशन इन लड़कियों में शारीरिक वासनाओं को कुचलना है; उन्हें लज्जा और संयम का वस्त्र पहनना सिखाना है, न कि गुंथे हुए बालों और महंगे वस्त्रों का; और हमारे सामने उपस्थित प्रत्येक युवती के बालों की लटें ऐसी गुंथी हुई हैं मानो स्वयं अहंकार ने बुनी हों; मैं दोहराता हूँ, इन्हें काट देना चाहिए; समय की बर्बादी के बारे में सोचिए—’ श्री ब्रॉकलहर्स्ट की बात यहीं रुक गई: तीन अन्य महिलाएं कमरे में दाखिल हुईं। उन्हें थोड़ा पहले आना चाहिए था।

लिए जल्दी ही तरस रही थीं, क्योंकि वे मखमल, रेशम और फर के शानदार परिधानों में सजी हुई थीं। तीनों में से छोटी दो (सोलह और सत्रह वर्ष की सुंदर लड़कियां) ने उस समय फैशन में चल रही भूरे रंग की बीवर की टोपियां पहन रखी थीं, जिन पर शुतुरमुर्ग के पंख लगे हुए थे, और इस सुंदर टोपी के किनारे से उनके हल्के घुंघराले बाल लटक रहे थे; बड़ी महिला ने एक कीमती मखमली शॉल ओढ़ा हुआ था, जिस पर फर की किनारी लगी हुई थी, और उन्होंने फ्रेंच कर्ल का नकली फ्रंट बना रखा था। मिस टेंपल ने इन महिलाओं का सम्मानपूर्वक श्रीमती और मिस ब्रॉकलहर्स्ट के रूप में स्वागत किया और उन्हें कमरे के शीर्ष पर सम्मान की सीटों पर बैठाया। ऐसा लगता है कि वे अपने आदरणीय रिश्तेदार के साथ गाड़ी में आई थीं, और ऊपर के कमरे की छानबीन कर रही थीं, जबकि वह हाउसकीपर के साथ काम निपटा रहे थे, लॉन्ड्री वाली से पूछताछ कर रहे थे और अधीक्षक को व्याख्यान दे रहे थे। अब वे मिस स्मिथ पर तरह-तरह की टिप्पणियाँ और फटकार लगाने लगे, जिन पर लिनेन की देखभाल और छात्रावासों के निरीक्षण का जिम्मा था। लेकिन मेरे पास उनकी बातें सुनने का समय नहीं था; अन्य कामों में मेरा ध्यान बँटा हुआ था। अब तक, श्री ब्रॉकलहर्स्ट और मिस टेंपल की बातों को सुनते हुए, मैंने अपनी सुरक्षा के लिए भी एहतियात बरती थी; मुझे लगा था कि अगर मैं किसी की नज़र से बच जाऊँ तो मेरी सुरक्षा हो जाएगी। इसके लिए, मैं बेंच पर पीछे की ओर बैठी थी, और हिसाब-किताब में व्यस्त होने का दिखावा करते हुए, मैंने अपनी स्लेट इस तरह पकड़ी थी कि मेरा चेहरा छिपा रहे। मैं शायद किसी की नज़र से बच जाती, अगर मेरी वह धोखेबाज़ स्लेट किसी तरह मेरे हाथ से फिसल न जाती, और ज़ोरदार आवाज़ के साथ गिरकर सबकी निगाहें मुझ पर न टिक जातीं; मुझे पता था कि अब सब कुछ खत्म हो गया है, और जैसे ही मैं स्लेट के दो टुकड़े उठाने के लिए झुकी, मैंने सबसे बुरे हालात के लिए खुद को तैयार किया। और वही हुआ। श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने कहा, 'एक लापरवाह लड़की!' और तुरंत बाद—'मुझे लगता है कि यह नई छात्रा है।' और इससे पहले कि मैं सांस ले पाती, 'मुझे उसके बारे में कुछ कहना है, यह मत भूलिए।' फिर ज़ोर से: मुझे लगा जैसे बहुत ज़ोर से! 'जिस बच्ची ने अपनी स्लेट तोड़ी है, वह आगे आए!' मैं अपनी मर्ज़ी से हिल भी नहीं सकती थी; मैं स्तब्ध रह गई थी: लेकिन मेरे दोनों ओर बैठी दो बड़ी लड़कियों ने मुझे पैरों पर खड़ा किया और मुझे उस भयानक न्यायाधीश की ओर धकेल दिया, और फिर मिस टेंपल ने मुझे धीरे से उनके पैरों तक पहुँचाया, और मैंने उनकी फुसफुसाती सलाह

सुनी— 'डरो मत, जेन, मैंने देखा कि यह एक दुर्घटना थी; तुम्हें कोई सज़ा नहीं मिलेगी।' वह दयालु फुसफुसाहट मेरे दिल में खंजर की तरह चुभ गई।

= 'एक और मिनट, और वह मुझे पाखंडी समझकर तिरस्कार करेगी,' मैंने सोचा; और इस दृढ़ विश्वास से रीड, ब्रॉकलहर्स्ट और उनके साथियों के प्रति क्रोध की लहर मेरे दिलों में दौड़ उठी। मैं हेलेन बर्न्स नहीं थी। 'वह स्टूल लाओ,' श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने एक बहुत ऊँचे स्टूल की ओर इशारा करते हुए कहा, जिस पर से एक निगरानीकर्ता अभी-अभी उठा था: उसे लाया गया। 'बच्चे को उस पर बिठा दो।' और मुझे वहाँ बिठा दिया गया, किसने बिठाया यह मुझे नहीं पता: मैं विवरण नोट करने की स्थिति में नहीं थी; मुझे केवल इतना पता था कि उन्होंने मुझे श्री ब्रॉकलहर्स्ट की नाक की ऊँचाई तक उठा दिया था, कि वह मुझसे एक गज की दूरी पर थे, और नारंगी और बैंगनी रेशमी फर का एक जाल और चाँदी जैसे पंखों का एक बादल मेरे नीचे फैला हुआ था और लहरा रहा था। श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने रट लिया। 'महिलाओं,' उसने अपने परिवार की ओर मुड़ते हुए कहा, 'मिस टेंपल, शिक्षकों और बच्चों, क्या आप सब इस लड़की को देख रहे हैं?' बेशक वे देख रहे थे; क्योंकि मुझे ऐसा महसूस हो रहा था जैसे उनकी निगाहें मेरी झुलसी हुई त्वचा पर जलती हुई कांच की तरह टिकी हों। "देखो, वह अभी छोटी है; तुम देख रहे हो कि उसमें बचपन के सामान्य लक्षण हैं; ईश्वर ने कृपापूर्वक उसे वही रूप दिया है जो उसने हम सभी को दिया है; कोई भी स्पष्ट विकृति उसे एक विशिष्ट चरित्र के रूप में नहीं दर्शाती। कौन सोचेगा कि शैतान ने उसमें अपना सेवक और एजेंट पा लिया है? फिर भी, मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि यही स्थिति है।" एक विराम—जिसमें मैंने अपने तंत्रिका तंत्र को स्थिर करना शुरू किया, और महसूस किया कि सीमा पार हो चुकी है; और अब इस परीक्षा से बचा नहीं जा सकता, इसे दृढ़ता से सहन करना होगा। "मेरे प्यारे बच्चों," काले संगमरमर के पादरी ने करुणा से कहा, "यह एक दुखद, एक निराशाजनक अवसर है; क्योंकि यह मेरा कर्तव्य है कि मैं आपको चेतावनी दूं कि यह लड़की, जो ईश्वर की अपनी भेड़ों में से एक हो सकती थी, एक छोटी सी त्यागी हुई है: सच्चे झुंड की सदस्य नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से एक घुसपैठिया और अजनबी है। आपको उससे सावधान रहना होगा; आपको उसके उदाहरण से बचना होगा; यदि आवश्यक हो, तो उसकी संगति से बचें, उसे अपने खेलों से बाहर रखें, और उसे अपने जीवन से बाहर कर दें।" आपकी बातचीत। शिक्षकों,

आपको उस पर नज़र रखनी चाहिए: उसकी हरकतों पर ध्यान रखें, उसके शब्दों को ध्यान से परखें, उसके कार्यों की बारीकी से जांच करें, उसकी आत्मा को बचाने के लिए उसके शरीर को दंडित करें: यदि वास्तव में ऐसा उद्धार संभव हो, क्योंकि (यह कहते हुए मेरी ज़बान लड़खड़ा रही है) यह लड़की, यह बच्ची, एक ईसाई देश की मूल निवासी, ब्रह्मा की पूजा करने वाले और जगन्नाथ के सामने घुटने टेकने वाले कई छोटे-छोटे विधर्मियों से भी बदतर—यह लड़की—झूठी है!' अब दस मिनट का विराम आया, जिसके दौरान मैं, इस समय तक पूरी तरह से होश में आकर, सभी महिलाओं का अवलोकन किया।

जेन आयर 59 ace tieniatciceedsts eens ease icnc= gi aoeserd apeemineoonmemepartecs oeace." 2, ब्रॉकलहर्स्ट्स ने अपने रूमाल निकाले और उन्हें अपनी आँखों पर लगाया, जबकि बुजुर्ग महिला आगे-पीछे झूल रही थी, और दोनों छोटे फुसफुसाए, 'कितना भयानक!' श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने बात जारी रखी। "यह मैंने उसकी उपकारिणी से सीखा; उस धर्मनिष्ठ और दयालु महिला से जिसने उसे अनाथ अवस्था में गोद लिया, उसे अपनी बेटी की तरह पाला, और जिसकी दया, जिसकी उदारता का उस अभागी लड़की ने इतनी बुरी, इतनी भयानक कृतघ्नता से बदला कि अंत में उसकी उत्तम संरक्षिका को उसे अपने बच्चों से अलग करना पड़ा, इस डर से कि कहीं उसका बुरा उदाहरण उनकी पवित्रता को दूषित न कर दे: उसने उसे यहाँ इलाज के लिए भेजा है, ठीक वैसे ही जैसे पुराने समय के यहूदी अपने बीमारों को बेथेस्डा के अशांत तालाब में भेजते थे; और, शिक्षकों, अधीक्षक, मैं आप सभी से विनती करता हूँ कि उसके चारों ओर पानी को स्थिर न होने दें।' इस उदात्त निष्कर्ष के साथ, श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने अपने ओवरकोट का ऊपरी बटन ठीक किया, अपने परिवार से कुछ बुदबुदाया, जो उठे, मिस टेंपल को प्रणाम किया, और फिर सभी बड़े लोग शान से कमरे से बाहर चले गए। दरवाजे पर मुड़कर, मेरे न्यायाधीश ने कहा— 'उसे उस स्टूल पर आधे घंटे और खड़ा रहने दो, और दिन के शेष समय में कोई उससे बात न करे।' तब मैं वहाँ ऊँचाई पर बैठा था; मैं, जिसने कहा था कि मैं कमरे के बीच में अपने स्वाभाविक पैरों पर खड़े होने की शर्म सहन नहीं कर सकता, अब बदनामी के चबूतरे पर सबके सामने था। मेरी भावनाएँ कैसी थीं, उन्हें शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता; लेकिन जैसे ही वे सब उठीं, मेरी साँसें रुक गईं और मेरा गला सिकुड़ गया, एक लड़की आई और मेरे पास से गुजरी: गुजरते हुए, उसने अपनी

आँखें ऊपर उठाईं। उसकी आँखों में कैसी अजीब सी चमक थी! उस किरण ने मेरे अंदर कैसी असाधारण अनुभूति पैदा की! उस नई भावना ने मुझे कितना ऊपर उठा दिया! ऐसा लग रहा था मानो कोई शहीद, कोई नायक, किसी गुलाम या पीड़ित के पास से गुजरा हो और उस यात्रा में उसे शक्ति प्रदान की हो। मैंने अपने बढ़ते हुए उन्माद पर काबू पाया, अपना सिर उठाया और स्टूल पर मजबूती से खड़ी हो गई। हेलेन बर्न्स ने मिस स्मिथ से अपने काम के बारे में कुछ हल्के-फुल्के सवाल पूछे, पूछताछ की तुच्छता के लिए उन्हें डांट पड़ी, वे अपनी जगह पर लौट गईं और फिर से गुजरते हुए मेरी तरफ मुस्कुराईं। क्या मुस्कान थी! मुझे वह मुस्कान अब भी याद है, और मैं जानती हूँ कि वह उत्कृष्ट बुद्धि और सच्चे साहस का प्रतिबिंब थी; उसने उनके विशिष्ट चेहरे, उनके पतले चेहरे, उनकी धँसी हुई भूरी आँखों को किसी देवदूत के रूप से परावर्तन की तरह रोशन कर दिया था। फिर भी उस क्षण हेलेन बर्न्स के हाथ पर 'गंदगी का निशान' था; मुश्किल से एक घंटे पहले ही मैंने मिस स्केचर्ड को उन्हें अगले दिन रोटी और पानी के भोजन की सजा सुनाते हुए सुना था क्योंकि उन्होंने नकल करते समय एक अभ्यास को बिगाड़ दिया था। ऐसा ही होता है
60 जेन आयर री ई ई री ए टी ई ई ई एस मनुष्य की अपूर्ण प्रकृति! ऐसे धब्बे सबसे साफ ग्रह की डिस्क पर भी होते हैं; और मिस स्केचर्ड जैसी आंखें केवल उन सूक्ष्म दोषों को ही देख सकती हैं, और गोले की पूरी चमक को नहीं देख पातीं। अध्याय VIII आधा घंटा पूरा होने से पहले ही पांच बज गए; स्कूल की छुट्टी हो गई, और सभी चाय पीने के लिए भोजनालय में चले गए। अब मैंने नीचे जाने का साहस किया: गहरा अंधेरा था; मैं एक कोने में जाकर फर्श पर बैठ गई। जिस जादू ने मुझे अब तक सहारा दिया था, वह टूटने लगा; प्रतिक्रिया हुई, और जल्द ही, इतना गहरा दुख मुझे जकड़ लिया कि मैं अपना चेहरा जमीन पर रखकर गिर पड़ी। अब मैं रोई: हेलेन बर्न्स यहाँ नहीं थी; किसी चीज ने मुझे सहारा नहीं दिया; मैं खुद पर ही निर्भर हो गई, और मेरे आंसुओं से फर्श भीग गया। मैंने लोवुड में इतना अच्छा बनने और इतना कुछ करने का इरादा किया था: इतने सारे दोस्त बनाने, सम्मान अर्जित करने और स्नेह जीतने का। मैंने पहले ही स्पष्ट प्रगति कर ली थी; उसी सुबह मैं अपनी कक्षा में सर्वोपरि हो गई थी; मिस मिलर ने मेरी खूब प्रशंसा की थी; मिस टेंपल ने मुस्कुराकर मेरी सराहना की थी; उन्होंने मुझसे वादा किया था कि अगर मैं दो महीने तक इसी तरह प्रगति करती रही तो वे मुझे चित्रकला सिखाएंगी और फ्रेंच भी सीखने देंगी: और तब मेरे

सहपाठियों ने मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया; मेरी उम्र के सभी साथियों ने मुझे बराबरी का दर्जा दिया और किसी ने भी मुझे परेशान नहीं किया; अब, मैं यहाँ फिर से कुचली और रौंदी हुई पड़ी थी; और क्या मैं कभी फिर से उठ पाऊँगी? 'कभी नहीं,' मैंने सोचा; और मेरी दिली इच्छा थी कि मैं मर जाऊँ। टूटी हुई आवाज़ में सिसकते हुए, कोई मेरे पास आया: मैं चौंक गई—हेलेन बर्न्स फिर से मेरे पास थीं; बुझती हुई आग की रोशनी में वह उस लंबे, खाली कमरे में आती हुई दिखाई दीं; वह मेरे लिए कॉफी और रोटी लाईं। 'आओ, कुछ खा लो,' उन्होंने कहा; लेकिन मैंने दोनों को दूर रख दिया, ऐसा लग रहा था जैसे एक बूँद या एक टुकड़ा भी मेरी इस हालत में मेरा गला घोंट देगा। हेलेन ने मुझे देखा, शायद आश्चर्य से: मैं अब अपनी बेचैनी को कम नहीं कर पा रही थी, चाहे मैंने कितनी भी कोशिश की हो; मैं लगातार रोती रही। वह मेरे पास ज़मीन पर बैठ गई, अपने घुटनों को बाहों से सटा लिया और अपना सिर उन पर टिका दिया; इस मुद्रा में वह एक भारतीय की तरह चुप रही। मैंने सबसे पहले बोलना शुरू किया— ‘हेलेन, तुम उस लड़की के साथ क्यों रहती हो जिसे हर कोई झूठा मानता है?’ ‘हर कोई, जेन? अरे, तुम्हें झूठा कहने वाले तो सिर्फ़ अस्सी लोग हैं, और दुनिया में करोड़ों लोग हैं।’

जेन आयर 61 ईई nt en a ia tr lt ‘लेकिन लाखों लोगों से मेरा क्या लेना-देना? मुझे पता है, अस्सी लोग मुझे तुच्छ समझते हैं।’ ‘जेन, तुम गलत हो: शायद स्कूल में कोई भी तुम्हें तुच्छ नहीं समझता या नापसंद नहीं करता: मुझे यकीन है, बहुत से लोग तुम पर तरस खाते हैं।’ श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने जो किया उसके बाद वे मुझ पर तरस कैसे खा सकते हैं? ‘श्री ब्रॉकलहर्स्ट कोई भगवान नहीं हैं: न ही वे कोई महान और प्रशंसित व्यक्ति हैं; उन्हें यहाँ कोई पसंद नहीं करता; उन्होंने कभी खुद को पसंद करवाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। अगर उन्होंने तुम्हें विशेष प्रिय माना होता, तो तुम्हारे चारों ओर खुले या छिपे हुए दुश्मन होते; जैसा कि है, अगर हिम्मत होती तो अधिकांश लोग तुम्हें सहानुभूति देते। शिक्षक और छात्र एक-दो दिन तक तुम्हें ठंडे भाव से देख सकते हैं, लेकिन उनके दिलों में मैत्रीपूर्ण भावनाएँ छिपी होती हैं; और अगर तुम अच्छा प्रदर्शन करती रहोगी, तो ये भावनाएँ जल्द ही अपने अस्थायी दमन के कारण और भी स्पष्ट रूप से प्रकट हो जाएँगी। इसके अलावा, जेन’—वह रुकी। ‘हेलेन, क्या कहा?’ मैंने अपना हाथ उसके हाथ में रखते हुए कहा: उसने मेरी उंगलियों को धीरे से सहलाकर गर्म किया और आगे बोली— ‘अगर पूरी दुनिया तुमसे नफरत करे और तुम्हें

दुष्ट समझे, जबकि तुम्हारा अंतरात्मा तुम्हें निर्दोष माने और तुम्हें दोषमुक्त करे, तो भी तुम्हारे दोस्त होंगे।' 'नहीं; मैं जानती हूँ कि मुझे अपने बारे में अच्छा सोचना चाहिए; लेकिन यह काफी नहीं है: अगर दूसरे मुझसे प्यार नहीं करते तो मैं जीने से बेहतर मरना पसंद करूँगी— मैं अकेली और नफरत की पात्र नहीं रह सकती, हेलेन। सुनो; तुमसे, या मिस टेम्पल से, या किसी और से जिसे मैं सचमुच प्यार करती हूँ, थोड़ा सा भी स्नेह पाने के लिए, मैं अपनी बांह की हड्डी तुड़वाने, या किसी बैल से उछलने, या लात मारते घोड़े के पीछे खड़े होकर उसके खुर से अपनी छाती पर चोट खाने को भी तैयार हूँ—' 'चुप रहो, जेन! तुम इंसानों के प्यार को बहुत ज्यादा समझती हो; तुम बहुत आवेगशील और उग्र हो; जिस सर्वशक्तिमान शक्ति ने तुम्हारा शरीर रचा और उसमें जीवन डाला, उसने तुम्हें तुम्हारे नश्वर अस्तित्व या तुम्हारे जैसे नश्वर प्राणियों से परे अन्य संसाधन प्रदान किए हैं। इस पृथ्वी और मनुष्य जाति के अलावा, एक अदृश्य जगत और आत्माओं का साम्राज्य है: वह जगत हमारे चारों ओर है, क्योंकि वह सर्वत्र विद्यमान है; और वे आत्माएँ हमारी रक्षा करती हैं, क्योंकि उन्हें हमारी सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है; और यदि हम पीड़ा और अपमान में मर रहे हों, यदि तिरस्कार हमें चारों ओर से घेर ले और घृणा हमें कुचल दे, तो देवदूत हमारी पीड़ाओं को देखते हैं, हमारी निर्दोषता को पहचानते हैं (यदि हम निर्दोष हैं: जैसा कि मैं जानता हूँ कि तुम इस आरोप से निर्दोष हो जिसे श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने श्रीमती रीड से सुनकर कमज़ोर और आडंबरपूर्ण ढंग से दोहराया है; क्योंकि मैं तुम्हारी प्रखर आँखों और निर्मल चेहरे पर एक सच्ची भावना देखता हूँ), और ईश्वर

 — केवल आत्मा के शरीर से अलग होने की प्रतीक्षा है जो हमें पूर्ण पुरस्कार से सुशोभित कर देगी। तो फिर, हमें दुख से क्यों व्याकुल होना चाहिए, जबकि जीवन इतनी जल्दी समाप्त हो जाता है, और मृत्यु सुख—महिमा—का इतना निश्चित प्रवेश द्वार है?' मैं चुप थी; हेलेन ने मुझे शांत कर दिया था; लेकिन उसके द्वारा दी गई शांति में एक अवर्णनीय उदासी का मिश्रण था। जब वह बोल रही थी तो मुझे दुःख का आभास हुआ, लेकिन मैं यह नहीं बता सकी कि यह कहाँ से आया; और जब, बोलना समाप्त करने के बाद, उसने थोड़ी तेज़ साँस ली और एक छोटी सी खाँसी ली, तो मैं क्षण भर के लिए अपने दुःखों को भूलकर उसके लिए एक अस्पष्ट चिंता में डूब गई। हेलेन के कंधे पर अपना सिर रखकर, मैंने अपनी बाहों को उसकी कमर के चारों ओर लपेट लिया; उसने मुझे अपनी ओर खींच लिया, और हम मौन में

विश्राम करने लगे। हम इस तरह ज्यादा देर नहीं बैठे थे कि एक और व्यक्ति अंदर आया। कुछ घने बादल, जो तेज़ हवा से आकाश से हट गए थे, ने चाँद को नंगा कर दिया था; पास की खिड़की से आती उसकी रोशनी हम पर और पास आती हुई आकृति पर पूरी तरह पड़ रही थी, जिसे हमने तुरंत मिस टेम्पल के रूप में पहचान लिया। 'मैं तुम्हें ढूंढने ही आई हूँ, जेन आयर,' उसने कहा; 'मैं तुम्हें अपने कमरे में चाहती हूँ; और चूंकि हेलेन बर्न्स तुम्हारे साथ है, वह भी आ सकती है।' हम चल पड़े; अधीक्षक के निर्देशानुसार, हमें कुछ घुमावदार रास्तों से होकर गुजरना पड़ा और उसके कमरे तक पहुँचने से पहले एक सीढ़ी चढ़नी पड़ी; कमरे में अच्छी आग जल रही थी और वह खुशनुमा लग रहा था। मिस टेम्पल ने हेलेन बर्न्स को चूल्हे के एक तरफ एक नीची कुर्सी पर बैठने को कहा और खुद दूसरी कुर्सी पर बैठकर मुझे अपने पास बुलाया। 'क्या सब खत्म हो गया?' उसने मेरे चेहरे की ओर देखते हुए पूछा। “क्या तुमने अपना दुख रोकर भुला दिया?” “मुझे डर है कि मैं ऐसा कभी नहीं कर पाऊंगी।” “क्यों?” “क्योंकि मुझ पर गलत आरोप लगाया गया है; और आप, महोदया, और बाकी सब लोग अब मुझे दुष्ट समझेंगे।” “हम तुम्हें वही समझेंगे जो तुम साबित करोगी, मेरी बच्ची। अच्छी लड़की की तरह व्यवहार करती रहो, और तुम हमें संतुष्ट कर दोगी।” “क्या मैं ऐसा करूँ, मिस टेंपल?” “हाँ,” उन्होंने मुझे गले लगाते हुए कहा। “और अब मुझे बताओ कि वह महिला कौन है जिसे श्री ब्रॉकलहर्स्ट ने तुम्हारी उपकारिणी कहा था?” “श्रीमती रीड, मेरे चाचा की पत्नी। मेरे चाचा का निधन हो गया है, और उन्होंने मुझे उनकी देखभाल में छोड़ दिया है।” “तो क्या उन्होंने तुम्हें अपनी मर्जी से गोद नहीं लिया?” “नहीं, महोदया; उन्हें ऐसा करने का दुख था: लेकिन मेरे चाचा ने, जैसा कि मैंने अक्सर नौकरों को कहते सुना है, मरने से पहले उनसे वादा लिया था कि वह हमेशा मेरी देखभाल करेंगी।”

जेन आयर 63 —eeeEeEeEeEeEeeeeE_=_e__ee___ ‘अच्छा, जेन, तुम जानती हो, या कम से कम मैं तुम्हें बता दूँगी, कि जब किसी अपराधी पर आरोप लगता है, तो उसे हमेशा अपना बचाव करने का मौका दिया जाता है। तुम पर झूठ बोलने का आरोप लगा है; जितना हो सके, मेरे सामने अपना बचाव करो। जो कुछ भी तुम्हें सच लगता है, वही कहो; लेकिन कुछ भी मत जोड़ो और कुछ भी बढ़ा-चढ़ाकर मत बताओ।’ मैंने अपने मन में ठान लिया था कि मैं पूरी तरह संयमित—पूरी तरह सही रहूँगी; और कुछ मिनट सोचने के बाद, यह तय करने के लिए कि मुझे क्या

कहना है, मैंने उसे अपने दुख भरे बचपन की पूरी कहानी सुनाई। भावनाओं से थकी हुई, मेरी भाषा आम तौर पर उस दुख भरे विषय को व्यक्त करते समय जितनी होती है, उससे कहीं अधिक संयमित थी; और हेलेन की नाराज़गी को बढ़ावा न देने की चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए, मैंने कहानी में आम तौर पर इस्तेमाल होने वाली कड़वाहट और कटुता की मात्रा बहुत कम डाली। इस तरह संयमित और सरल होने के कारण, यह अधिक विश्वसनीय लग रही थी: जैसे-जैसे मैं बोलती गई, मुझे लगा कि मिस टेंपल मुझ पर पूरी तरह विश्वास कर रही हैं। कहानी सुनाते समय मैंने श्री लॉयड का ज़िक्र किया था कि दौरे के बाद वे मुझसे मिलने आए थे; क्योंकि मैं लाल कमरे की उस भयानक घटना को कभी नहीं भूल पाया था; जिसका वर्णन करते समय मेरी उत्तेजना कुछ हद तक बेकाबू हो गई थी; क्योंकि श्रीमती रीड द्वारा मेरी क्षमा की गुहार को ठुकराकर मुझे दूसरी बार उस अंधेरे और डरावने कमरे में बंद कर देने पर मेरे दिल में उठी पीड़ा की वह सिहरन मेरी यादों में भी कम नहीं हो रही थी। मैंने अपनी बात समाप्त की: मिस टेंपल ने कुछ मिनट चुपचाप मुझे देखा; फिर उन्होंने कहा— 'मैं श्री लॉयड के बारे में कुछ जानती हूँ; मैं उन्हें पत्र लिखूँगी; यदि उनका उत्तर आपके बयान से मेल खाता है, तो आप सार्वजनिक रूप से सभी आरोपों से बरी हो जाएँगे; जेन, अब तुम मेरे लिए पूरी तरह से ठीक हो।' उन्होंने मुझे चूमा, और मुझे अपने पास ही रखा (जहाँ मैं खड़े रहने में पूरी तरह संतुष्ट थी, क्योंकि मुझे उनके चेहरे, उनके वस्त्र, उनके एक-दो गहने, उनके सफेद माथे, उनके गुच्छेदार और चमकदार घुंघराले बालों और चमकती काली आँखों को निहारने में एक बच्चे जैसा आनंद मिल रहा था), और फिर उन्होंने हेलेन बर्न्स से बात करना शुरू किया। 'हेलेन, आज रात कैसी हो? क्या आज तुम्हें बहुत खांसी हुई है?' 'मुझे लगता है, ज्यादा नहीं, महोदया।' 'और सीने में दर्द?' 'थोड़ा बेहतर है।' मिस टेंपल उठीं, उनका हाथ पकड़ा और उनकी नब्ज़ जाँची; फिर वह अपनी सीट पर लौट आईं: जैसे ही वह बैठीं, मैंने उनकी एक हल्की सी आह सुनी। वह कुछ मिनटों तक सोच में डूबी रहीं, फिर खुद को संभालते हुए, उन्होंने खुशी से कहा—

 'पर तुम दोनों आज रात मेरी मेहमान हो; मुझे तुम्हारे साथ मेहमान जैसा बर्ताव करना चाहिए।' उसने घंटी बजाई। 'बारबरा,' उसने घंटी खोलने वाली नौकरानी से कहा, 'मैंने अभी तक चाय नहीं पी है; ट्रे लाओ और इन दोनों युवतियों के लिए कप रखो।' और जल्दी ही एक ट्रे लाई गई। आग के पास छोटी

गोल मेज पर रखे चीनी मिट्टी के कप और चमकीली चायदानी मेरी आँखों को कितनी सुंदर लग रही थीं! पेय की भाप कितनी सुगंधित थी, और टोस्ट की खुशबू! हालाँकि, मुझे निराशा हुई (क्योंकि मुझे भूख लगने लगी थी), क्योंकि मैं उसका बहुत छोटा हिस्सा ही चख पाई: मिस टेंपल ने भी यही देखा। 'बारबरा,' उसने कहा, 'क्या तुम थोड़ा और ब्रेड और मक्खन नहीं ला सकती?' तीन लोगों के लिए पर्याप्त नहीं है।' बारबरा बाहर चली गई: वह जल्दी लौट आई— 'मैडम, श्रीमती हार्डन कहती हैं कि उन्होंने हमेशा की तरह पर्याप्त मात्रा भेज दी है।' ध्यान दें, श्रीमती हार्डन गृहणी थीं: श्री ब्रॉकलहर्स्ट के दिल के बहुत करीब, व्हेल की हड्डी और लोहे के बराबर हिस्सों से बनी महिला। 'ओह, ठीक है,' मिस टेंपल ने जवाब दिया; 'मुझे लगता है कि हमें इसी से काम चलाना होगा, बारबरा।' और लड़की के जाते हुए उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'सौभाग्य से, इस बार मैं कमी पूरी कर सकती हूँ।' हेलेन और मुझे मेज के पास बुलाकर, हम दोनों के सामने एक-एक कप चाय और टोस्ट का एक स्वादिष्ट लेकिन पतला टुकड़ा रखकर, वह उठीं, एक दराज खोला, और उसमें से कागज में लिपटा एक पार्सल निकालकर, हमारी आँखों के सामने एक अच्छे आकार का सीड-केक रखा। 'मैं आप दोनों को इसमें से थोड़ा-थोड़ा अपने साथ ले जाने के लिए देना चाहती थी,' उन्होंने कहा, 'लेकिन टोस्ट बहुत कम है, इसलिए आपको इसे अभी खाना होगा,' और उन्होंने उदारता से स्लाइस काटना शुरू कर दिया। उस शाम हमने अमृत और जन्नत का आनंद लिया; और उस दावत की सबसे बड़ी खुशी हमारी मेज़बान की वह संतुष्टि भरी मुस्कान थी, जिससे हम उनके द्वारा उदारतापूर्वक परोसे गए स्वादिष्ट भोजन से अपनी भूख मिटा पा रहे थे। चाय खत्म होने और ट्रे हटाए जाने के बाद, उन्होंने हमें फिर से आग के पास बुलाया; हम उनके दोनों ओर बैठ गए, और अब उनके और हेलेन के बीच बातचीत शुरू हुई, जिसे सुनना सचमुच एक सौभाग्य था। मिस टेंपल के हाव-भाव में हमेशा एक शांति, एक गरिमा और एक शालीन भाषा होती थी, जो उन्हें कभी भी जोश, उत्तेजना या उत्सुकता में डूबने से रोकती थी: कुछ ऐसा जो उन्हें देखने वालों के आनंद को संयमित कर देता था।

जेन आयर 65 ईईईई ईई मैं उस पर ध्यान केंद्रित कर रहा था और श्रद्धा के भाव से उसकी बातें सुन रहा था; और अब भी मेरी यही भावना थी: लेकिन हेलेन बर्न्स को देखकर मैं विस्मय से भर गया। ताज़ा भोजन, शानदार आग, उसकी प्रिय शिक्षिका की उपस्थिति और दयालुता, या शायद इन सबसे बढ़कर, उसके अपने अनूठे मन में कुछ

ऐसा था जिसने उसकी आंतरिक शक्तियों को जगा दिया था। वे जागृत हुईं, वे प्रज्वलित हुईं: पहले, वे उसके गालों की चमक में दमक उठीं, जिन्हें मैंने इस समय तक केवल पीला और रक्तहीन ही देखा था; फिर वे उसकी आँखों की तरल चमक में जगमगा उठीं, जिन्होंने अचानक मिस टेम्पल की सुंदरता से भी कहीं अधिक विलक्षण सुंदरता प्राप्त कर ली थी—ऐसी सुंदरता जो न तो सुंदर रंग की थी, न लंबी पलकों की, न ही सँवारी हुई भौंहों की, बल्कि अर्थ, गति और दीप्ति की थी। फिर उसकी आत्मा उसके होठों पर आ गई, और भाषा बहने लगी, जिसका स्रोत मैं नहीं बता सकता। क्या चौदह वर्ष की लड़की का हृदय इतना विशाल, इतना सशक्त हो सकता है कि वह शुद्ध, पूर्ण, प्रचंड वाक्पटुता के उफान को धारण कर सके? उस शाम, जो मेरे लिए अविस्मरणीय थी, हेलेन के भाषण की यही विशेषता थी; ऐसा लग रहा था मानो उसकी आत्मा बहुत कम समय में उतना ही जीना चाहती हो जितना कई लोग लंबे जीवन में जीते हैं। उन्होंने उन चीजों के बारे में बात की जिनके बारे में मैंने कभी नहीं सुना था; बीते हुए राष्ट्रों और समयों के बारे में; दूर देशों के बारे में; प्रकृति के उन रहस्यों के बारे में जिन्हें खोजा गया था या जिनका अनुमान लगाया गया था: उन्होंने किताबों के बारे में बात की: उन्होंने कितनी किताबें पढ़ी थीं! उनके पास ज्ञान का कितना भंडार था! फिर वे फ्रांसीसी नामों और फ्रांसीसी लेखकों से इतनी परिचित लग रही थीं: लेकिन मेरा आश्चर्य तब चरम पर पहुँच गया जब मिस टेंपल ने हेलेन से पूछा कि क्या वह कभी अपने पिता द्वारा सिखाई गई लैटिन को याद करने के लिए थोड़ा समय निकालती हैं, और शेल्फ से एक किताब लेकर, उसे वर्जिल का एक पृष्ठ पढ़ने और उसका अर्थ समझने के लिए कहा; और हेलेन ने आज्ञा का पालन किया, हर पंक्ति के साथ मेरे मन में श्रद्धा का भाव बढ़ता गया। उसके समाप्त करने से पहले ही सोने की घंटी बज गई! कोई देरी बर्दाश्त नहीं की जा सकती थी; मिस टेंपल ने हम दोनों को गले लगाया और हमें अपने हृदय से लगाते हुए कहा— 'ईश्वर आप पर कृपा करें, मेरे बच्चों!' उन्होंने हेलेन को मुझसे थोड़ा ज़्यादा देर तक थामे रखा; उसे छोड़ते समय उन्हें ज़्यादा हिचकिचाहट हुई; उनकी नज़र हेलेन पर ही दरवाज़े तक गई; उनके लिए ही उन्होंने दूसरी बार एक गहरी आह भरी; उनके लिए ही उन्होंने अपने गाल से एक आंसू पोंछा। शयनकक्ष में पहुँचते ही हमने मिस स्केचर्ड की आवाज़ सुनी: वह दराजों की जाँच कर रही थीं; उन्होंने अभी-अभी हेलेन बर्न्स की दराज निकाली थी, और जब हम अंदर आए तो हेलेन को कड़ी फटकार मिली और कहा गया कि कल

उसके कंधे पर आधे दर्जन बेतरतीब ढंग से तह किए हुए कपड़े पिन से टांग दिए जाएँगे।

66 जेन आयर 'मेरा सामान सचमुच शर्मनाक तरीके से अस्त-व्यस्त था,' हेलेन ने धीमी आवाज़ में मुझसे कहा: 'मैंने इसे व्यवस्थित करने का इरादा किया था, लेकिन मैं भूल गई।' अगली सुबह, मिस स्केचर्ड ने गत्ते के एक टुकड़े पर बड़े अक्षरों में 'गंदी औरत' शब्द लिखा और उसे हेलेन के बड़े, सौम्य, बुद्धिमान और दयालु दिखने वाले माथे पर ताबीज की तरह बांध दिया। उसने शाम तक उसे धैर्यपूर्वक, बिना किसी नाराजगी के, एक उचित दंड मानते हुए पहने रखा। दोपहर की स्कूल की छुट्टी के बाद जैसे ही मिस स्केचर्ड चली गईं, मैं हेलेन के पास दौड़ी, उसे फाड़कर आग में फेंक दिया: वह क्रोध, जिसे वह व्यक्त करने में असमर्थ थी, पूरे दिन मेरी आत्मा में जल रहा था, और गर्म और बहते आँसू लगातार मेरे गालों को झुलसा रहे थे; क्योंकि उसके उदास समर्पण के दृश्य ने मेरे दिल में असहनीय पीड़ा पैदा कर दी थी। ऊपर वर्णित घटनाओं के लगभग एक सप्ताह बाद, श्री लॉयड को पत्र लिखने वाली मिस टेंपल को उनका उत्तर मिला: ऐसा प्रतीत हुआ कि उन्होंने जो कहा वह मेरे विवरण की पुष्टि करता है। मिस टेंपल ने पूरे विद्यालय को इकट्ठा करके घोषणा की कि जेन आयर के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की जाँच की गई है और उन्हें यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि वह सभी आरोपों से पूरी तरह बरी हो गई हैं। तब शिक्षकों ने मुझसे हाथ मिलाया और मुझे चूमा, और मेरे सहपाठियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। इस प्रकार एक भारी बोझ से मुक्त होकर, मैंने उसी क्षण से नए सिरे से काम शुरू किया, हर कठिनाई को पार करते हुए अपना मार्ग प्रशस्त करने का संकल्प लिया: मैंने कड़ी मेहनत की, और मेरी सफलता मेरे प्रयासों के अनुरूप थी; मेरी स्मृति, जो स्वभाव से दृढ़ नहीं थी, अभ्यास से सुधर गई; अभ्यास ने मेरी बुद्धि को तेज किया; कुछ ही हफ्तों में मुझे उच्च कक्षा में पदोन्नत कर दिया गया; दो महीने से भी कम समय में मुझे फ्रेंच और चित्रकला शुरू करने की अनुमति मिल गई। मैंने उसी दिन क्रिया 'एत्रे' के पहले दो काल सीखे और अपनी पहली कुटिया का रेखाचित्र बनाया (जिसकी दीवारें, संयोगवश, पीसा की झुकी हुई मीनार की दीवारों से भी अधिक ढलान वाली थीं)। उस रात, बिस्तर पर जाते समय, मैं कल्पना में गर्म भुने आलू या सफेद रोटी और ताजे दूध के बर्मेसाइड रात्रिभोज की तैयारी करना भूल गया, जिससे मैं अपनी आंतरिक इच्छाओं को शांत करता था: इसके बजाय, मैंने अंधेरे में दिखाई देने वाले आदर्श चित्रों

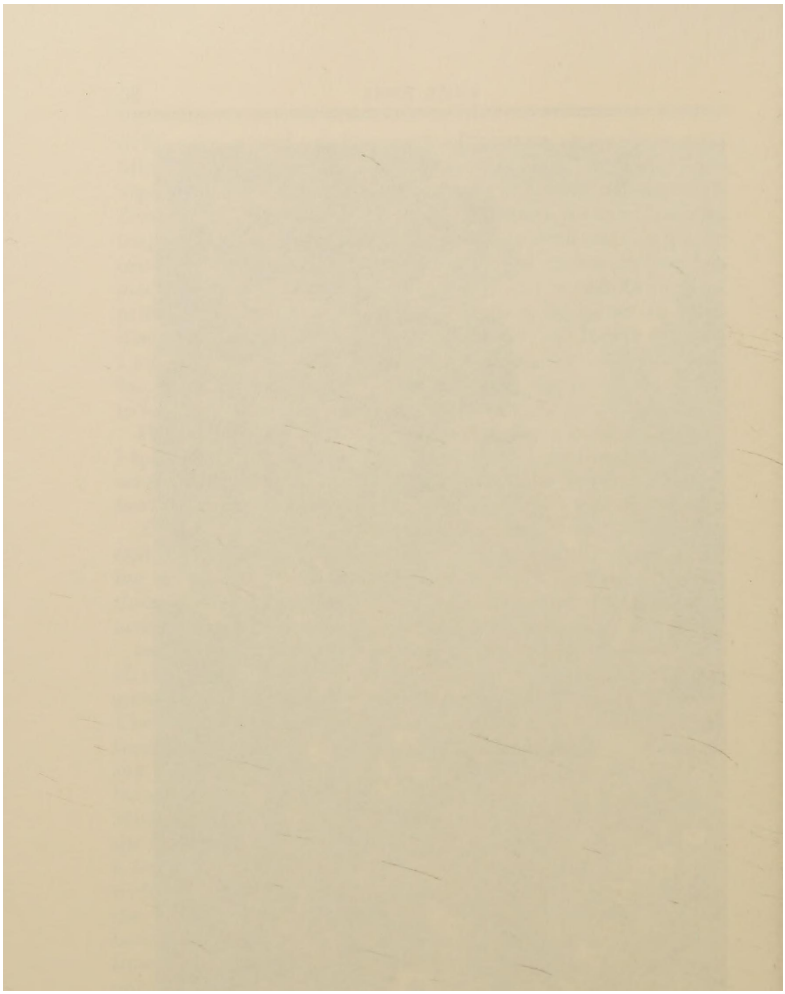
के दृश्य का आनंद लिया; ये सभी मेरे अपने हाथों की रचनाएँ थीं: पेंसिल से स्वतंत्र रूप से बनाए गए घर और पेड़, सुरम्य चट्टानें और खंडहर, मवेशियों के क्यूप जैसे समूह, बिना खिले गुलाबों पर मंडराती तितलियों के प्यारे चित्र, पके चेरी से फल खाते पक्षी, मोती जैसे अंडों से घिरे रेन पक्षियों के घोंसले, जो युवा आइवी की शाखाओं से घिरे थे। मैंने अपने मन में इस संभावना का भी परीक्षण किया कि क्या मैं कभी
जेन आयर 67 eee eee मैं उस छोटी सी फ्रांसीसी कहानी का अनुवाद करने में असमर्थ थी जो मैडम पियरोट ने मुझे उस दिन दिखाई थी; और जब तक मैं मीठी नींद में नहीं सो गई, तब तक यह समस्या मेरी संतुष्टि के अनुसार हल नहीं हुई थी। सुलेमान ने ठीक ही कहा है—'जहाँ प्रेम हो वहाँ जड़ी-बूटियों का भोजन, एक बँधे हुए बैल और उसके साथ घृणा से बेहतर है।' मैं अब लोवुड की तमाम कठिनाइयों को गेट्सहेड और उसके दैनिक विलासिता के लिए नहीं बदलना चाहती। CHA PIERALX लेकिन लोवुड की कठिनाइयाँ, या यूँ कहें कि परेशानियाँ, कम हो गईं। बसंत आ गया: वह वास्तव में आ चुका था; सर्दियों की ठंड समाप्त हो गई थी; बर्फ पिघल गई थी, ठंडी हवाएँ शांत हो गई थीं। जनवरी की तीखी हवा से छिलकर सूज गए मेरे पैर, अप्रैल की कोमल हवाओं के नीचे ठीक होने और आराम पाने लगे; रातें और सुबहें अब अपने कनाडाई तापमान से हमारी नसों में खून को जमा नहीं देती थीं; अब हम बगीचे में बिताए गए खेल के घंटों को सहन कर सकते थे: कभी-कभी धूप वाले दिन यह सुखद और आनंदमय होने लगता था, और उन भूरी क्यारियों पर हरियाली छा जाती थी, जो प्रतिदिन ताज़ा होती जाती थी, जिससे यह आभास होता था कि आशा रात में उन पर चलती थी, और हर सुबह अपने कदमों के उज्ज्वल निशान छोड़ जाती थी। पत्तों के बीच से फूल झाँकते थे; स्नोड्रॉप, क्रोकस, बैंगनी ऑरिकुला और सुनहरी आँखों वाले पैंसी। गुरुवार की दोपहर (आधे अवकाश) को हम अब टहलने जाते थे, और रास्ते के किनारे, झाड़ियों के नीचे, और भी मीठे फूल खिलते हुए पाते थे। मैंने यह भी पाया कि एक महान आनंद, एक ऐसा सुख जिसकी सीमा केवल क्षितिज तक ही सीमित थी, हमारे बगीचे की ऊँची और काँटों से घिरी दीवारों के बाहर ही था: यह आनंद हरियाली और छाया से भरपूर एक विशाल पहाड़ी घाटी को घेरे हुए भव्य शिखरों के दृश्य में निहित था; गहरे पत्थरों और चमकते भंवरों से भरी एक उज्ज्वल धारा में। जब मैंने इस दृश्य को सर्दियों के बर्फीले आकाश के नीचे, पाले से जमे हुए, बर्फ से ढके हुए देखा था, तब यह कितना अलग लग रहा था!—जब मौत जैसी ठंडी धुंध पूर्वी हवाओं

के झोंके के साथ उन बैंगनी चोटियों पर बहती थी, और नीचे लुढ़कती हुई उस नाले की जमी हुई धुंध में मिल जाती थी! वह नाला तब एक उग्र धारा थी, मैला और बेकाबू: वह जंगल को चीरती हुई निकलती थी, और हवा में एक कर्कश ध्वनि बिखेरती थी, जो अक्सर तेज बारिश या घूमती हुई ओलों से और भी गाढ़ी हो जाती थी; और उसके किनारों पर बसे जंगल में केवल कंकालों की कतारें दिखाई देती थीं। अप्रैल से मई का महीना आया: एक उज्ज्वल, शांत मई का महीना था; दिन बीतते गए।

= = नीले आकाश, शांत धूप और कोमल पश्चिमी या दक्षिणी हवाओं से इसकी अवधि भर गई थी। और अब वनस्पति पूरी तरह से परिपक्व हो गई थी; लोवुड ने अपने लच्छे खोल दिए; यह पूरी तरह से हरा-भरा और फूलों से भर गया; इसके विशाल एल्म, ऐश और ओक के कंकाल राजसी जीवन में पुनर्जीवित हो गए; इसके कोनों में जंगली पौधे बहुतायत से उग आए; अनगिनत प्रकार की काई ने इसके खोखले हिस्सों को भर दिया, और इसने अपने जंगली प्रिमरोज़ पौधों की प्रचुरता से एक विचित्र भू-धूप बना दी: मैंने छायादार स्थानों में उनके हल्के सुनहरे रंग को सबसे मधुर चमक के बिखराव की तरह चमकते देखा है। मैंने इन सबका अक्सर और पूरी तरह से आनंद लिया, स्वतंत्र रूप से, बिना किसी की निगरानी के, और लगभग अकेले: इस असाधारण स्वतंत्रता और आनंद का एक कारण था, जिसकी ओर अब मेरा ध्यान आकर्षित करना आवश्यक है। क्या मैंने किसी निवास स्थान के लिए एक सुखद जगह का वर्णन नहीं किया है, जब मैं इसे पहाड़ियों और जंगलों से घिरा हुआ और एक नदी के किनारे से ऊपर उठता हुआ बताता हूँ? निःसंदेह, काफी सुखद: लेकिन क्या यह स्वास्थ्यकर है या नहीं, यह एक अलग प्रश्न है। वह वन-घाटी, जहाँ लोवुड स्थित था, कोहरे और कोहरे से उत्पन्न महामारी का उद्गम स्थल था; जो वसंत ऋतु के साथ तेज़ी से फैलते हुए अनाथालय में घुस गया, उसके भीड़ भरे स्कूल के कमरे और छात्रावास में टाइफस फैलाया, और मई के आने से पहले ही, उस आश्रम को एक अस्पताल में बदल दिया। अर्ध-भुखमरी और अनदेखी की गई सर्दी-ज़ुकाम ने अधिकांश विद्यार्थियों को संक्रमण की चपेट में ला दिया था: अस्सी लड़कियों में से पैंतालीस एक ही समय में बीमार पड़ी थीं। कक्षाएं बंद कर दी गईं, नियमों में ढील दी गई। जो कुछ लड़कियाँ स्वस्थ रहीं, उन्हें लगभग असीमित छूट दी गई; क्योंकि चिकित्सा परिचारक ने उन्हें स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम की आवश्यकता पर

ज़ोर दिया: और यदि ऐसा न होता, तो किसी के पास उनकी निगरानी करने या उन्हें नियंत्रित करने का समय नहीं होता। मिस टेंपल का पूरा ध्यान मरीजों पर लगा हुआ था: वह बीमारों के कमरे में ही रहती थीं, रात में कुछ घंटों की नींद के अलावा कभी बाहर नहीं निकलती थीं। शिक्षक उन लड़कियों के जाने की तैयारी में लगे हुए थे जो सौभाग्य से अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ संक्रमण के केंद्र से बाहर जाने में सक्षम और इच्छुक थीं। कई लड़कियां, जो पहले से ही बीमार थीं, घर गईं और वहीं उनकी मृत्यु हो गई: कुछ की मृत्यु स्कूल में ही हो गई, और उन्हें चुपचाप और जल्दी से दफना दिया गया, क्योंकि बीमारी की प्रकृति के कारण देरी संभव नहीं थी। जब बीमारी लोवुड का निवासी बन गई थी, और मृत्यु उसका नियमित आगंतुक; जब उसकी दीवारों के भीतर उदासी और भय छाया हुआ था; जब उसके कमरे और गलियारे अस्पताल की गंध से भरे हुए थे, दवा और गोलियां मृत्यु के प्रकोप को दूर करने के व्यर्थ प्रयास कर रही थीं, तब मई का वह उज्ज्वल दिन बाहर की पहाड़ियों और सुंदर जंगल पर बिना बादलों के चमक रहा था। उसका बगीचा भी फूलों से जगमगा रहा था: हॉलीहॉक खिले हुए थे।





जेन आयर 69 एसएस पेड़ की तरह ऊंचे उग आए थे, लिली खिल चुकी थीं, ट्यूलिप और गुलाब खिले हुए थे; छोटी क्यारियों की सीमाएँ गुलाबी थ्रिफ्ट और गहरे लाल रंग के डबल डेज़ी से सजी हुई थीं; स्वीटब्रियर सुबह-शाम अपनी मसालों और सेबों की सुगंध बिखेरते थे; और ये सुगंधित खजाने लोवुड के अधिकांश निवासियों के लिए बेकार थे, सिवाय कभी-कभार ताबूत में रखने के लिए मुट्ठी भर जड़ी-बूटियाँ और फूल देने के। लेकिन मैं और बाकी जो स्वस्थ थे, उन्होंने दृश्य और मौसम की सुंदरता का पूरा आनंद लिया; उन्होंने हमें सुबह से रात तक बंजारों की तरह जंगल में घूमने दिया; हमने जो चाहा वो किया, जहाँ चाहा वहाँ गए: हमारा जीवन भी बेहतर हो गया। श्री ब्रॉकलहर्स्ट और उनका परिवार अब लोवुड के पास कभी नहीं आते थे: घरेलू मामलों

की जाँच नहीं की जाती थी; गुस्सैल गृहणी जा चुकी थी, संक्रमण के डर से भगा दी गई थी; उनकी उत्तराधिकारी, जो लोवटन डिस्पेंसरी में मैट्रन थीं, अपने नए निवास के तौर-तरीकों से अपरिचित थीं, फिर भी उन्होंने हमें अपेक्षाकृत उदारता प्रदान की। इसके अलावा, खिलाने-पिलाने वाले लोग कम थे; बीमार लोग कम खा पाते थे; हमारे नाश्ते के बर्तन पहले से ज़्यादा भरे रहते थे; जब नियमित भोजन तैयार करने का समय नहीं होता था, जो अक्सर होता था, तो वह हमें ठंडी पाई का एक बड़ा टुकड़ा या ब्रेड और पनीर का एक मोटा टुकड़ा देती थीं, जिसे हम अपने साथ जंगल में ले जाते थे, जहाँ हम अपनी पसंद की जगह चुनकर भव्य भोजन करते थे। मेरी पसंदीदा जगह एक चिकना और चौड़ा पत्थर था, जो नाले के ठीक बीच से ऊपर की ओर सफेद और सूखा पड़ा था, और वहाँ तक पहुँचने के लिए पानी में चलना पड़ता था; यह कारनामा मैंने नंगे पैर किया था। पत्थर इतना चौड़ा था कि उस पर एक और लड़की और मैं, उस समय मेरी चुनी हुई साथी - मैरी एन विल्सन - आराम से बैठ सकती थीं; एक चतुर और observant व्यक्तित्व, जिसकी संगति में मुझे आनंद आता था, आंशिक रूप से इसलिए कि वह मजाकिया और मौलिक थीं, और आंशिक रूप से इसलिए कि उनका व्यवहार मुझे सहज महसूस कराता था। मुझसे कुछ साल बड़ी, वह दुनियादारी के बारे में मुझसे कहीं ज़्यादा जानती थी और मुझे कई ऐसी बातें बता सकती थी जो मुझे सुनना अच्छा लगता था। उसके साथ मेरी जिज्ञासा शांत होती थी। मेरी गलतियों को भी वह नज़रअंदाज़ कर देती थी, कभी भी मेरी किसी बात पर रोक नहीं लगाती थी। उसे कहानी सुनाने का शौक था, मुझे विश्लेषण करने का; उसे जानकारी देना पसंद था, मुझे सवाल पूछना; इसलिए हम दोनों की खूब बनती थी, और हम एक-दूसरे के साथ बहुत मनोरंजन करते थे, भले ही हमारा कोई खास सुधार न हुआ हो। और इस बीच हेलेन बर्न्स कहाँ थी? मैंने आज़ादी के ये प्यारे दिन उसके साथ क्यों नहीं बिताए? क्या मैं उसे भूल गया था? या मैं इतना बेकार हो गया था कि उसकी सादी संगति से ऊब गया था? यकीनन, जिस मैरी एन विल्सन का मैंने ज़िक्र किया है, वह मेरी पहली परिचित से कहीं कमतर थी: वह मुझे सिर्फ़ मनोरंजक कहानियाँ सुना सकती थी और मेरी चटपटी और तीखी गपशप का जवाब दे सकती थी।

जेन आयर के अनुसार, मैंने अपनी इच्छाओं को पूरा करने का चुनाव किया; जबकि, अगर मैंने हेलेन के बारे में सच कहा है, तो वह उन लोगों को, जिन्हें उससे बातचीत

करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, कहीं अधिक उच्च कोटि की चीजों का स्वाद चखाने में सक्षम थी। सच है, पाठक; और मैं यह जानता और महसूस करता था: और यद्यपि मैं एक अपूर्ण प्राणी हूँ, जिसमें कई दोष हैं और कुछ ही गुण हैं, फिर भी मैं हेलेन बर्न्स से कभी नहीं ऊबा; और न ही मैंने उसके प्रति अपने प्रेम की भावना को कभी कम किया, जो उतनी ही मजबूत, कोमल और सम्मानजनक थी जितनी किसी भी अन्य भावना ने मेरे हृदय को प्रेरित किया हो। ऐसा क्यों न होता, जब हेलेन ने हर समय और हर परिस्थिति में मेरे लिए एक शांत और वफादार मित्रता प्रदर्शित की, जिसे कभी भी दुर्भावना ने खराब नहीं किया, न ही कभी चिड़चिड़ेपन ने परेशान किया? लेकिन हेलेन इस समय बीमार थी: कुछ हफ्तों से वह मेरी नजरों से दूर, पता नहीं ऊपर के किस कमरे में थी। मुझे बताया गया कि वह घर के अस्पताल वाले हिस्से में बुखार के मरीजों के साथ नहीं थी; क्योंकि उसकी बीमारी तपेदिक थी, टाइफस नहीं: और तपेदिक से, अपनी अज्ञानता में, मैंने कुछ हल्का समझा था, जो समय और देखभाल से निश्चित रूप से ठीक हो जाएगा। इस बात से मेरा यह विचार और भी पुख्ता हो गया कि वह एक-दो बार बहुत गर्म, धूप वाली दोपहरों में नीचे आती थी और मिस टेंपल उसे बगीचे में ले जाती थीं; लेकिन इन मौकों पर मुझे उसके पास जाकर बात करने की इजाज़त नहीं थी; मैं उसे केवल स्कूल के कमरे की खिड़की से ही देख पाता था, और वह भी ठीक से नहीं; क्योंकि वह बहुत ज़्यादा लिपटी हुई होती थी और बरामदे के नीचे थोड़ी दूरी पर बैठी रहती थी। जून की शुरुआत में एक शाम, मैं मैरी ऐन के साथ जंगल में बहुत देर तक बाहर रहा; हमेशा की तरह, हम बाकी लोगों से अलग हो गए थे और बहुत दूर भटक गए थे; इतना दूर कि हम रास्ता भटक गए और एक सुनसान झोपड़ी में जाकर रास्ता पूछना पड़ा, जहाँ एक पुरुष और महिला रहते थे, जो जंगल में उगने वाले मेवे पर पलने वाले अर्ध-जंगली सूअरों के झुंड की देखभाल करते थे। जब हम वापस लौटे, तो चाँद निकल चुका था: एक टट्टू, जिसे हम सर्जन का जानते थे, बगीचे के दरवाजे पर खड़ा था। मैरी ऐन ने कहा कि उसे लगता है कि कोई बहुत बीमार होगा, क्योंकि शाम के उस समय मिस्टर बेट्स को बुलाया गया था। वह घर के अंदर चली गई; मैं कुछ मिनटों के लिए रुका ताकि जंगल से खोदी गई कुछ जड़ों को अपने बगीचे में लगा सकूँ, जिन्हें मैं सुबह तक छोड़ने से डर रहा था कि वे मुरझा जाएँगी। यह करने के बाद, मैं थोड़ी देर और रुका रहा: ओस गिरने पर फूलों की खुशबू बहुत मीठी थी; शाम बहुत सुहावनी, शांत और गर्म थी; पश्चिम की ओर चमकता सूरज कल एक और

अच्छे दिन का वादा कर रहा था; पूर्व में चंद्रमा भव्यता से उदय हो रहा था। मैं इन चीजों को देख रहा था और उनका आनंद ले रहा था।

जेन आयर 71 00 बचपन में, जब मेरे मन में एक विचार आया, जैसा पहले कभी नहीं आया था:— 'बीमार बिस्तर पर लेटे रहना और मृत्यु के कगार पर होना कितना दुखद है! यह दुनिया कितनी सुखद है—इससे विदा होना और न जाने कहाँ जाना कितना भयानक होगा?' और फिर मेरे मन ने स्वर्ग और नरक के विषय में जो कुछ उसमें समाहित हुआ था, उसे समझने का पहला गंभीर प्रयास किया; और पहली बार वह स्तब्ध रह गया; और पहली बार पीछे, चारों ओर और आगे देखते हुए, उसने चारों ओर एक अथाह खाई देखी: उसने उस एक बिंदु को महसूस किया जहाँ वह खड़ा था —वर्तमान; बाकी सब आकारहीन बादल और खाली गहराई थी; और उस अराजकता के बीच लड़खड़ाने और डूबने के विचार से वह कांप उठा। इस नए विचार पर विचार करते हुए, मैंने सामने का दरवाजा खुलते सुना; श्री बेट्स बाहर आए, और उनके साथ एक नर्स थी। उन्हें घोड़े पर सवार होकर जाते देख, वह दरवाजा बंद करने ही वाली थी, लेकिन मैं दौड़कर उसके पास गई। "हेलेन बर्न्स कैसी हैं?" जवाब मिला, "बहुत बीमार हैं।" "क्या श्री बेट्स उन्हीं से मिलने गए थे?" जवाब मिला, "और उन्होंने उनके बारे में क्या कहा?" "उन्होंने कहा कि वो अब ज्यादा दिन नहीं जिएंगी।" कल मेरे कानों में कही गई ये बात सुनकर मुझे बस यही लगा कि उन्हें नॉर्थम्बरलैंड, उनके अपने घर ले जाया जा रहा है। मुझे शक नहीं था कि इसका मतलब उनकी मृत्यु है; लेकिन अब मैं तुरंत समझ गया! मेरे मन में यह बात साफ हो गई कि हेलेन बर्न्स इस दुनिया में अपने आखिरी दिन गिन रही हैं, और उन्हें आत्माओं के लोक में ले जाया जा रहा है, अगर ऐसा कोई लोक होता है। मुझे पहले डर का झटका लगा, फिर गहरे दुःख का एहसास हुआ, फिर उन्हें देखने की तीव्र इच्छा हुई; और मैंने पूछा कि वो किस कमरे में हैं। नर्स ने कहा, "वो मिस टेंपल के कमरे में हैं।" "क्या मैं ऊपर जाकर उनसे बात कर सकती हूँ?" "अरे नहीं, बच्ची! मुमकिन नहीं है; और अब तुम्हारे अंदर आने का समय है; अगर तुम रुकोगी तो तुम्हें बुखार लग जाएगा।" ओस गिर रही हो तो बाहर निकलो।' नर्स ने सामने का दरवाजा बंद कर दिया; मैं बगल वाले दरवाजे से अंदर गया जो स्कूल के कमरे की ओर जाता था: मैं ठीक समय पर पहुँचा; नौ बज रहे थे, और मिस मिलर विद्यार्थियों को सोने के लिए बुला रही थीं। शायद दो घंटे बाद, लगभग ग्यारह बजे, मैं — नींद न आने के कारण, और यह सोचकर कि...

72 जेन आयर - छात्रावास की पूर्ण शांति में, जहाँ मेरे सभी साथी गहरी नींद में डूबे हुए थे - मैं धीरे से उठी, अपनी नाइट ड्रेस के ऊपर फ्रॉक पहनी और बिना जूतों के कमरे से बाहर निकली, और मिस टेंपल के कमरे की तलाश में चल पड़ी। वह घर के बिल्कुल दूसरे छोर पर था; लेकिन मुझे रास्ता पता था; और बिना बादलों वाले ग्रीष्म ऋतु के चाँद की रोशनी, गलियारों की खिड़कियों से इधर-उधर से आती हुई, मुझे उसे आसानी से ढूंढने में मदद मिली। कपूर और जले हुए सिरके की गंध ने मुझे बुखार वाले कमरे के पास आते ही आगाह कर दिया: और मैं जल्दी से उसके दरवाजे से गुजरी, इस डर से कि कहीं रात भर जागती रहने वाली नर्स मुझे सुन न ले। मुझे पकड़े जाने और वापस भेजे जाने का डर था; क्योंकि मुझे हेलेन को देखना था, - मुझे मरने से पहले उसे गले लगाना था, - मुझे उसे आखिरी बार चूमना था, उससे आखिरी बार बात करनी थी। एक सीढ़ी से नीचे उतरकर, घर के निचले हिस्से को पार करके, और बिना शोर किए दो दरवाजे खोलने और बंद करने में सफल होकर, मैं सीढ़ियों की एक और उड़ान पर पहुँची; मैं इन सीढ़ियों पर चढ़ा, और ठीक मेरे सामने मिस टेंपल का कमरा था। चाबी के छेद से और दरवाजे के नीचे से रोशनी आ रही थी; चारों ओर गहरी खामोशी छाई हुई थी। पास आकर मैंने देखा कि दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था; शायद बीमारी के इस तंग कमरे में ताजी हवा आने देने के लिए। संकोच करने की इच्छा न होने के कारण, और अधीर आवेगों से भरा हुआ—आत्मा और इंद्रियां तीव्र पीड़ा से कांप रही थीं—मैंने दरवाजा वापस बंद कर दिया और अंदर देखा। मेरी नज़र हेलेन को ढूंढ रही थी, और मुझे मृत्यु का डर था। मिस टेंपल के बिस्तर के पास, और उसके सफेद पर्दों से आधा ढका हुआ, एक छोटा सा पालना रखा था। मैंने कपड़ों के नीचे एक आकृति की रूपरेखा देखी, लेकिन चेहरा पर्दों से छिपा हुआ था: बगीचे में जिस नर्स से मैंने बात की थी, वह आरामकुर्सी पर सो रही थी; मेज पर एक बुझी हुई मोमबत्ती मंद-मंद जल रही थी। मिस टेंपल दिखाई नहीं दे रही थीं: मुझे बाद में पता चला कि उन्हें बुखार के कमरे में एक प्रलापग्रस्त मरीज के पास बुलाया गया था। मैं आगे बढ़ा; फिर मैं पालने के पास रुक गई: मेरा हाथ पर्दे पर था, लेकिन मैंने उसे हटाने से पहले बोलना बेहतर समझा। मुझे अभी भी एक लाश देखने के डर से सिहरन हो रही थी। 'हेलेन!' मैंने धीरे से फुसफुसाया, 'क्या तुम जाग रही हो?' वह उठी, पर्दा हटाया, और मैंने उसका चेहरा देखा, पीला, कमजोर, लेकिन काफी शांत: वह इतनी कम बदली हुई लग रही थी कि मेरा डर तुरंत गायब हो गया। 'क्या यह तुम हो, जेन?'

उसने अपनी कोमल आवाज में पूछा। 'ओह' मैंने सोचा, 'वह मरने वाली नहीं है; वे गलत हैं: अगर वह मर रही होती तो इतनी शांत होकर बोल और देख नहीं सकती थी।' मैं उसके पालने पर चढ़ गई और उसे चूमा: उसका माथा ठंडा था, और उसका गाल भी ठंडा और पतला था, और उसका हाथ और कलाई भी; लेकिन वह हमेशा की तरह मुस्कुरा रही थी।

जेन आयर 73 eee rereremreren ae ee eee Te AD 'जेन, तुम यहाँ क्यों आई हो? ग्यारह बज चुके हैं: कुछ मिनट पहले ही मैंने सुना था।' 'मैं तुमसे मिलने आई हूँ, हेलेन: मैंने सुना था कि तुम बहुत बीमार हो, और तुमसे बात किए बिना मुझे नींद नहीं आई।' 'तो फिर तुम मुझे अलविदा कहने आई हो: शायद तुम सही समय पर आई हो।' 'क्या तुम कहीं जा रही हो, हेलेन? क्या तुम घर जा रही हो?' 'हाँ; अपने लंबे समय के घर—अपने आखिरी घर।' 'नहीं, नहीं, हेलेन!' मैं दुखी होकर रुक गई। जब मैं अपने आँसू रोकने की कोशिश कर रही थी, तभी हेलेन को खाँसी का दौरा पड़ा; हालाँकि, इससे नर्स नहीं जागी; खाँसी बंद होने के बाद, वह कुछ मिनट तक थकी हुई लेटी रही; फिर उसने फुसफुसाकर कहा— 'जेन, तुम्हारे छोटे पैर नंगे हैं; लेट जाओ और मेरे कंबल से खुद को ढक लो।' मैंने वैसा ही किया: उसने अपना हाथ मेरे ऊपर रख दिया, और मैं उससे लिपट गई। लंबे मौन के बाद, उसने फुसफुसाते हुए बोलना फिर से शुरू किया— 'मैं बहुत खुश हूँ, जेन; और जब तुम सुनो कि मैं मर गई हूँ, तो निश्चित रहना और शोक मत करना: शोक करने जैसा कुछ नहीं है। हम सबको एक दिन मरना है, और जो बीमारी मुझे ले जा रही है, वह कष्टदायी नहीं है; यह कोमल और धीरे-धीरे होने वाली है: मेरा मन शांत है। मेरे जाने का शोक मनाने वाला कोई नहीं है: मेरे केवल पिता हैं; और उनकी हाल ही में शादी हुई है, और उन्हें मेरी कमी महसूस नहीं होगी। कम उम्र में मरकर, मैं बड़े कष्टों से बच जाऊँगी। मुझमें दुनिया में अच्छी तरह से अपना रास्ता बनाने के गुण या प्रतिभाएँ नहीं थीं: मैं लगातार गलतियाँ करती रहती।' 'लेकिन तुम कहाँ जा रही हो, हेलेन? क्या तुम देख सकती हो? क्या तुम जानती हो?' 'मुझे विश्वास है; मुझे आस्था है: मैं ईश्वर के पास जा रही हूँ।' 'ईश्वर कहाँ है? ईश्वर क्या है?' 'मेरा और तुम्हारा सृष्टिकर्ता, जो अपनी रचना को कभी नष्ट नहीं करेगा।' मैं उनकी शक्ति पर पूर्णतः भरोसा करती हूँ और उनकी अच्छाई में पूरी तरह विश्वास रखती हूँ: मैं उस खास पल के आने का इंतज़ार कर रही हूँ जो मुझे उनसे मिलाएगा, उन्हें मेरे सामने प्रकट करेगा।' 'तो क्या तुम्हें यकीन है, हेलेन, कि स्वर्ग

जैसी कोई जगह है, और मरने के बाद हमारी आत्माएँ वहाँ पहुँच सकती हैं?' 'मुझे यकीन है कि एक भविष्य की अवस्था है; मैं मानती हूँ कि ईश्वर अच्छे हैं; मैं बिना किसी संदेह के अपने अमर स्वरूप को उन्हें सौंप सकती हूँ। ईश्वर मेरे पिता हैं; ईश्वर मेरे मित्र हैं: मैं उनसे प्रेम करती हूँ; मुझे विश्वास है कि वे मुझसे प्रेम करते हैं।' 'और क्या मैं मरने के बाद तुम्हें फिर से देख पाऊँगी, हेलेन?' 'तुम उसी सुख के क्षेत्र में जाओगी: उसी सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापी पिता द्वारा तुम्हारा स्वागत किया जाएगा, प्रिय जेन।' मैंने फिर से सवाल किया, लेकिन इस बार केवल मन में। 'वह क्षेत्र कहाँ है? क्या वह मौजूद है?' और मैंने अपनी बाहों को और कसकर पकड़ लिया।

जेन आयर ——————हेलेन के आसपास; वह मुझे पहले से कहीं अधिक प्यारी लग रही थी; मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं उसे जाने नहीं दे सकती; मैं अपना चेहरा उसकी गर्दन पर छुपाकर लेटी थी। तभी उसने मधुर स्वर में कहा— 'मैं कितनी आराम से हूँ! खाँसी के उस आखिरी दौरे ने मुझे थोड़ा थका दिया है; मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं सो सकती हूँ: लेकिन मुझे छोड़कर मत जाओ, जेन; मुझे तुम्हारा पास रहना अच्छा लगता है।' 'मैं तुम्हारे साथ रहूँगी, प्यारी हेलेन: कोई मुझे तुमसे दूर नहीं ले जा सकता।' 'क्या तुम्हें गर्मी लग रही है, प्रिय?' 'हाँ।' 'शुभ रात्रि, जेन।' 'शुभ रात्रि, हेलेन।' उसने मुझे चूमा, और मैंने उसे, और हम दोनों जल्दी ही सो गए। जब मैं उठी तो दिन हो चुका था: एक असामान्य हलचल ने मुझे जगाया; मैंने ऊपर देखा; मैं किसी की बाहों में थी; नर्स ने मुझे पकड़ रखा था; वह मुझे गलियारे से वापस छात्रावास ले जा रही थी। मुझे बिस्तर छोड़ने के लिए डांट नहीं पड़ी; लोगों के पास सोचने के लिए कुछ और था; तब कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। मेरे कई सवाल थे; लेकिन एक-दो दिन बाद मुझे पता चला कि मिस टेंपल भोर में अपने कमरे में लौटीं तो उन्होंने मुझे छोटी सी पालना में लेटा हुआ पाया; मेरा चेहरा हेलेन बर्न्स के कंधे पर था, मेरी बाहें उनकी गर्दन के चारों ओर लिपटी हुई थीं। मैं सो रहा था, और हेलेन—मर चुकी थीं। उनकी कब्र ब्रॉकलब्रिज चर्चयार्ड में है: उनकी मृत्यु के पंद्रह साल बाद तक वह केवल घास के टीले से ढकी रही; लेकिन अब एक धूसर संगमरमर की पट्टिका उस स्थान को चिह्नित करती है, जिस पर उनका नाम और 'रिसर्गम' शब्द अंकित है। अध्याय हिरनेरो मैंने अपने तुच्छ अस्तित्व की घटनाओं को विस्तार से दर्ज किया है: अपने जीवन के पहले दस वर्षों को मैंने लगभग उतने ही अध्याय दिए हैं। लेकिन यह एक नियमित आत्मकथा नहीं है: मैं केवल वहीं स्मृति का आह्वान करने के लिए बाध्य

हूं जहां मुझे पता है कि उनकी प्रतिक्रियाएं कुछ हद तक रुचिकर होंगी; इसलिए अब मैं लगभग आठ वर्षों का समय मौन में बिताता हूं: संबंध बनाए रखने के लिए केवल कुछ पंक्तियाँ ही आवश्यक हैं। जब टाइफस बुखार ने लोवुड में अपनी तबाही का मिशन पूरा कर लिया, तो वह धीरे-धीरे वहां से गायब हो गया; लेकिन तब तक नहीं जब तक कि इस बीमारी की गंभीरता और इसके शिकार लोगों की संख्या ने स्कूल की ओर जनता का ध्यान आकर्षित किया था। इस बीमारी के स्रोत की जांच की गई और धीरे-धीरे कई तथ्य सामने आए जिनसे जनता में भारी आक्रोश फैल गया। स्कूल स्थल की अस्वास्थ्यकर प्रकृति; बीमारी की मात्रा और गुणवत्ता

जेन आयर "5 _————————————_—___ बच्चों का भोजन; उसे तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला खारा, दुर्गंधयुक्त पानी; विद्यार्थियों के दयनीय वस्त्र और आवास—ये सभी बातें सामने आईं, और इस खोज का परिणाम श्री ब्रॉकलहर्स्ट के लिए बेहद निराशाजनक, लेकिन संस्था के लिए लाभकारी साबित हुआ। काउंटी के कई धनी और परोपकारी व्यक्तियों ने बेहतर स्थान पर अधिक सुविधाजनक भवन के निर्माण के लिए बड़ी धनराशि दान की; नए नियम बनाए गए; आहार और वस्त्रों में सुधार किए गए; विद्यालय के कोष का प्रबंधन एक समिति को सौंपा गया। श्री ब्रॉकलहर्स्ट, जिन्हें उनकी संपत्ति और पारिवारिक संबंधों के कारण नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था, कोषाध्यक्ष के पद पर बने रहे; लेकिन उनके कर्तव्यों के निर्वहन में उन्हें अधिक उदार और सहानुभूतिपूर्ण मानसिकता वाले सज्जनों का सहयोग मिला: उनके निरीक्षक के पद पर भी वे लोग शामिल थे जो तर्क को सख्ती, आराम को मितव्ययिता, करुणा को ईमानदारी के साथ जोड़ना जानते थे। इस प्रकार सुधरकर, विद्यालय समय के साथ वास्तव में एक उपयोगी और महान संस्था बन गया। इसके पुनर्निर्माण के बाद, मैं आठ वर्षों तक इसकी दीवारों के भीतर ही रही: छह वर्ष छात्रा के रूप में और दो वर्ष शिक्षिका के रूप में; और दोनों ही भूमिकाओं में मैं इसके महत्व और उपयोगिता की गवाही देती हूँ। इन आठ वर्षों के दौरान मेरा जीवन एक जैसा रहा, लेकिन दुखी नहीं, क्योंकि यह निष्क्रिय नहीं था। मुझे उत्कृष्ट शिक्षा के साधन उपलब्ध थे; कुछ विषयों के प्रति लगाव और सभी में उत्कृष्टता प्राप्त करने की इच्छा, साथ ही अपने शिक्षकों को, विशेषकर जिन्हें मैं प्रिय मानती थी, प्रसन्न करने की अपार खुशी ने मुझे प्रेरित किया: मैंने मुझे दिए गए सभी लाभों का पूरा उपयोग किया। समय के साथ मैं प्रथम कक्षा की प्रथम छात्रा बनी; फिर मुझे शिक्षिका का पद सौंपा गया; जिसे

मैंने दो वर्षों तक उत्साहपूर्वक निभाया: लेकिन उस अवधि के अंत में मैंने अपना मार्ग बदल लिया। मिस टेंपल, सभी परिवर्तनों के बावजूद, तब तक सेमिनरी की अधीक्षक बनी रहीं: उनके मार्गदर्शन से ही मुझे अपनी अधिकांश शिक्षा प्राप्त हुई; उनकी मित्रता और संगति मेरे लिए निरंतर सहारा रही; उन्होंने मेरे लिए माँ, अनुशासिका और बाद में साथी की भूमिका निभाई। इसी दौरान उनका विवाह हुआ और वे अपने साथ चली गईं। मेरे पति (एक पादरी, एक उत्कृष्ट व्यक्ति, लगभग ऐसी पत्नी के योग्य) एक दूर के काउंटी में चले गए, और परिणामस्वरूप वह मुझसे बिछड़ गईं। जिस दिन से वह गईं, मैं पहले जैसा नहीं रहा: उनके साथ हर स्थिर भावना, हर वो जुड़ाव चला गया जिसने लोवुड को किसी हद तक मेरा घर बना दिया था। मैंने उनसे उनके स्वभाव का कुछ अंश और उनकी आदतों का बहुत कुछ आत्मसात किया था: अधिक सामंजस्यपूर्ण विचार: जो भावनाएँ अधिक सुव्यवस्थित लगती थीं।

76 जेन आयर सीसी से सीए सी मेरे मन में घर कर गया था। मैंने कर्तव्य और व्यवस्था के प्रति निष्ठा दिखाई थी; मैं शांत थी; मुझे लगता था कि मैं संतुष्ट हूँ: दूसरों की नज़रों में, और अक्सर खुद मेरी नज़रों में भी, मैं एक अनुशासित और संयमित व्यक्ति प्रतीत होती थी। लेकिन नियति, रेवरेंड मिस्टर नैस्मिथ के रूप में, मेरे और मिस टेंपल के बीच आ गई: मैंने उन्हें शादी समारोह के तुरंत बाद, यात्रा की पोशाक में एक पोस्ट-चेज़ में बैठते देखा; मैंने चेज़ को पहाड़ी पर चढ़ते और उसके शिखर के पार गायब होते देखा; और फिर अपने कमरे में लौट आई, और वहाँ उस अवसर के सम्मान में दी गई आधी छुट्टी का अधिकांश समय एकांत में बिताया। मैं ज़्यादातर समय कमरे में घूमती रही। मैंने कल्पना की कि मैं केवल अपने नुकसान पर पछता रही हूँ, और सोच रही हूँ कि इसकी भरपाई कैसे की जाए; लेकिन जब मेरे विचार समाप्त हुए, और मैंने ऊपर देखा और पाया कि दोपहर बीत चुकी है, और शाम काफी आगे बढ़ चुकी है, तो मुझे एक और बात का एहसास हुआ, अर्थात्, इस बीच मैं एक परिवर्तनकारी प्रक्रिया से गुज़री थी; मेरे मन ने मिस टेंपल से जो कुछ भी लिया था, उसे त्याग दिया था—या यूँ कहें कि वह अपने साथ वह शांत वातावरण ले गई थीं जिसमें मैं उनके आस-पास रहकर साँस ले रहा था—और अब मैं अपने स्वाभाविक परिवेश में रह गया था, और पुरानी भावनाओं का उभार महसूस करने लगा था। ऐसा नहीं लग रहा था मानो कोई सहारा छीन लिया गया हो, बल्कि मानो कोई प्रेरणा ही चली गई हो: शांत रहने की शक्ति नहीं हारी थी, बल्कि शांति का कारण ही अब नहीं रहा था। कुछ वर्षों

से मेरी दुनिया लोवुड में ही सिमटी हुई थी: मेरा अनुभव उसके नियमों और व्यवस्थाओं का था; अब मुझे याद आया कि वास्तविक दुनिया विशाल है, और आशाओं और भय, संवेदनाओं और उत्तेजनाओं का एक विविध क्षेत्र उन लोगों का इंतजार कर रहा है जो इसके विस्तार में जाने का साहस रखते हैं, इसके खतरों के बीच जीवन का वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। मैं अपनी खिड़की के पास गया, उसे खोला और बाहर देखा। इमारत के दो हिस्से थे; बगीचा था; लोवुड की सीमाएँ थीं; पहाड़ी क्षितिज था। मेरी नज़र बाकी सभी वस्तुओं को छोड़कर सबसे दूर स्थित उन नीली चोटियों पर टिक गई; मैं उन्हीं को पार करने के लिए तरसी थी; चट्टान और बंजर भूमि की उनकी सीमा के भीतर सब कुछ जेलखाना, निर्वासन की सीमाएँ प्रतीत होती थीं। मैंने एक पहाड़ के आधार के चारों ओर घूमती हुई सफेद सड़क का पीछा किया, जो दो पहाड़ों के बीच एक घाटी में गायब हो जाती थी; मैं उस पर और आगे जाने के लिए कितनी तरस रही थी! मुझे वह समय याद आया जब मैंने उसी सड़क पर एक कोच में यात्रा की थी; मुझे गोधूलि बेला में उस पहाड़ी से उतरना याद आया; ऐसा लग रहा था जैसे लोवुड में पहली बार आने के बाद से एक युग बीत गया हो, और तब से मैंने इसे कभी नहीं छोड़ा था। मेरी सारी छुट्टियाँ स्कूल में ही बीती थीं: श्रीमती रीड ने मुझे कभी गेट्सहेड नहीं बुलाया; न तो उन्होंने और न ही किसी और ने।

जेन आयर 44 ए साइ पीज़ से हाय सीटी ए एई मेरे परिवार का कोई भी सदस्य मुझसे मिलने कभी नहीं आया था। बाहरी दुनिया से मेरा कोई पत्र या संदेश द्वारा संपर्क नहीं था: स्कूल के नियम, स्कूल के कर्तव्य, स्कूल की आदतें और धारणाएँ, और आवाज़ें, और चेहरे, और मुहावरे, और वेशभूषा, और पसंद-नापसंद—यही मेरा जीवन का ज्ञान था। और अब मुझे लगा कि यह पर्याप्त नहीं है; मैं आठ साल की दिनचर्या से एक ही दोपहर में ऊब गई थी। मुझे स्वतंत्रता की चाह थी; स्वतंत्रता के लिए मैं व्याकुल थी; स्वतंत्रता के लिए मैंने प्रार्थना की; ऐसा लगा जैसे वह उस समय धीमी गति से बह रही हवा में बिखर गई हो। मैंने उसे त्याग दिया और एक विनम्र प्रार्थना की; परिवर्तन, प्रेरणा के लिए: वह याचिका भी मानो धुंधली सी हवा में गायब हो गई: “तो फिर,” मैं लगभग हताश होकर चिल्लाई, “मुझे कम से कम एक नई गुलामी ही दे दो!” तभी रात के खाने का समय बताने वाली घंटी ने मुझे नीचे बुलाया। सोने के समय तक मैं अपने विचारों की अधूरी श्रृंखला को फिर से शुरू नहीं कर पाई: यहाँ तक कि मेरे साथ उसी कमरे में बैठी एक शिक्षिका ने मुझे उस विषय से दूर रखा

जिस पर मैं फिर से लौटना चाहती थी, अपनी लंबी-चौड़ी बातों से। काश नींद उसे चुप करा देती। ऐसा लग रहा था मानो अगर मैं उस विचार पर वापस लौट जाऊं जो खिड़की पर खड़े होकर मेरे मन में आया था, तो कोई न कोई रचनात्मक सुझाव मुझे राहत देगा। मिस ग्राइस ने आखिरकार खर्राटे लिए; वह एक भारी-भरकम वेल्श महिला थीं, और अब तक उनकी नाक से निकलने वाली खर्राटों की आवाज़ को मैंने हमेशा एक परेशानी के अलावा और कुछ नहीं समझा था; आज रात मैंने उनकी पहली गहरी आवाज़ का संतोष के साथ स्वागत किया; मुझे रुकावट से राहत मिली; मेरा आधा मिटा हुआ विचार तुरंत फिर से जीवित हो गया। 'एक नई गुलामी!' 'इसमें कुछ तो बात है,' मैंने मन ही मन कहा (समझिए, मैंने ज़ोर से नहीं बोला)। 'मुझे पता है कि बात है, क्योंकि यह सुनने में मीठा नहीं लगता; यह आज़ादी, उत्साह, आनंद जैसे शब्दों जैसा नहीं है: सुनने में तो बहुत अच्छा लगता है; लेकिन मेरे लिए बस शब्द ही हैं; और इतने खोखले और क्षणभंगुर हैं कि इन्हें सुनना समय की बर्बादी है। लेकिन गुलामी! यह तो हकीकत है। कोई भी सेवा कर सकता है: मैंने यहाँ आठ साल सेवा की है; अब मैं बस कहीं और सेवा करना चाहता हूँ। क्या मैं अपनी इच्छा से इतना कुछ हासिल नहीं कर सकता? क्या यह मुमकिन नहीं है? हाँ—हाँ—लक्ष्य इतना मुश्किल नहीं है; काश मेरा दिमाग इतना तेज़ होता कि मैं उसे पाने के तरीके खोज पाता।' मैंने अपने दिमाग को जगाने के लिए बिस्तर पर उठकर बैठ गया: रात ठंडी थी; मैंने अपने कंधों को शॉल से ढक लिया, और फिर पूरी ताकत से सोचने लगा। 'मैं क्या चाहता हूँ? एक नई जगह, एक नए घर में, नए चेहरों के बीच, नई परिस्थितियों में: मैं यही चाहता हूँ।' क्योंकि यह 1 है

"8 जेन आयर — बेहतर की चाह रखना व्यर्थ है। लोग नया घर कैसे पाते हैं? मुझे लगता है वे दोस्तों से पूछते हैं: मेरे तो कोई दोस्त नहीं हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जिनके कोई दोस्त नहीं हैं, जिन्हें खुद ही अपना घर ढूंढना पड़ता है और खुद ही अपना सहारा बनना पड़ता है; और उनका सहारा क्या है?' मैं कुछ कह नहीं सकी: मुझे कोई जवाब नहीं मिला; फिर मैंने अपने दिमाग को जल्दी से कोई जवाब ढूंढने का आदेश दिया। यह काम करता रहा और तेज़ी से काम करता रहा: मैंने अपने सिर और कनपटी में धड़कन महसूस की; लेकिन लगभग एक घंटे तक यह अव्यवस्थित रूप से काम करता रहा; और इसके प्रयासों का कोई परिणाम नहीं निकला। व्यर्थ परिश्रम से थकी हुई, मैं उठी और कमरे में एक चक्कर लगाया; पर्दा हटाया, एक-दो तारे देखे, ठंड से कांप

उठी, और फिर बिस्तर पर लेट गई। मेरी अनुपस्थिति में, किसी दयालु परी ने ज़रूर मेरे तकिए पर ज़रूरी सुझाव रख दिया होगा; क्योंकि जैसे ही मैं लेटी, यह चुपचाप और स्वाभाविक रूप से मेरे दिमाग में आया: —"जिन्हें नौकरी चाहिए वे विज्ञापन दें; आपको ——शायर हेराल्ड में विज्ञापन देना होगा,' 'कैसे? मुझे विज्ञापन के बारे में कुछ नहीं पता।' अब तुरंत और सहजता से जवाब आने लगे:— 'आपको विज्ञापन और उसके भुगतान के लिए धनराशि हेराल्ड के संपादक को संबोधित एक लिफाफे में डालनी होगी; आपको इसे जल्द से जल्द लोवटन के डाकघर में डाल देना होगा; जवाब जे. ई. को संबोधित होने चाहिए, जो वहाँ डाकघर में हैं; आप अपना पत्र भेजने के लगभग एक सप्ताह बाद जाकर पता कर सकते हैं कि कोई जवाब आया है या नहीं, और उसके अनुसार कार्रवाई कर सकते हैं।' मैंने इस योजना को दो-तीन बार दोहराया; तब यह मेरे दिमाग में बैठ गई; यह मेरे लिए एक स्पष्ट और व्यावहारिक रूप में थी: मुझे संतुष्टि मिली और मैं सो गई। सुबह होते ही मैं उठ गई: स्कूल की घंटी बजने से पहले ही मैंने अपना विज्ञापन लिख लिया, लिफाफे में डाल दिया और भेज दिया; यह इस प्रकार था:— 'एक युवती जो पढ़ाने की आदी है' (क्या मैं दो साल से शिक्षिका नहीं थी?) 'एक निजी परिवार में नौकरी की इच्छुक है जहाँ बच्चे चौदह वर्ष से कम आयु के हों' (मैंने सोचा कि चूंकि मैं मुश्किल से अठारह वर्ष की थी, इसलिए अपनी उम्र के करीब के विद्यार्थियों को पढ़ाना मेरे लिए उचित नहीं होगा)। 'वह अच्छी अंग्रेजी शिक्षा की सामान्य शाखाओं के साथ-साथ फ्रेंच, ड्राइंग और संगीत पढ़ाने के लिए योग्य हैं' (उन दिनों, पाठक, योग्यताओं की यह अब संकीर्ण सूची काफी व्यापक मानी जाती थी)। 'पता, जे. ई., डाकघर, लॉटन, ——शायर।' यह दस्तावेज़ पूरे दिन मेरी दराज में बंद रहा: चाय के बाद, मैंने नए अधीक्षक से लॉटन जाने की अनुमति मांगी, ताकि मैं अपने और अपने एक-दो साथी शिक्षकों के लिए कुछ छोटे काम कर सकूं; अनुमति तुरंत मिल गई।

जेन आयर "9 सी ईस ए आई ईएई एनएल ग्रांटेड; मैं चली गई। यह दो मील की पैदल दूरी थी, और शाम गीली थी, लेकिन दिन अभी भी लंबे थे; मैंने एक-दो दुकानों का दौरा किया, डाकघर में पत्र डाला, और भारी बारिश में भीगे हुए कपड़ों के साथ, लेकिन राहत भरे दिल से वापस आ गई। अगला सप्ताह लंबा लगा: हालाँकि, सभी सांसारिक चीजों की तरह, यह भी अंत में समाप्त हो गया, और एक बार फिर, एक सुहावने शरद ऋतु के दिन के अंत में, मैंने खुद को लोवटन जाने वाली सड़क पर पैदल

पाया। वैसे, यह एक सुरम्य रास्ता था; नाले के किनारे और घाटी के सबसे सुंदर घुमावों से होकर गुजरता हुआ: लेकिन उस दिन मैंने घास के मैदान और पानी के आकर्षण से ज़्यादा उन पत्रों के बारे में सोचा, जो उस छोटे से कस्बे में मेरा इंतज़ार कर रहे हों या न कर रहे हों, जहाँ मुझे जाना था। इस अवसर पर मेरा ज़ाहिरी काम जूतों के लिए नाप लेना था; इसलिए मैंने पहले वह काम निपटाया, और जब वह हो गया, तो मैं साफ और शांत छोटी सी गली पार कर गई। मोची की दुकान से डाकघर तक: इसे एक बूढ़ी औरत चलाती थी, जो नाक पर सींग के चश्मे और हाथों में काले दस्ताने पहनती थी। 'क्या जे.ई. के लिए कोई पत्र है?' मैंने पूछा। उसने चश्मे के ऊपर से मुझे देखा, फिर एक दराज खोली और काफी देर तक उसमें रखी चीजों को टटोलती रही, इतनी देर तक कि मेरी उम्मीदें डगमगाने लगीं। आखिरकार, लगभग पाँच मिनट तक एक दस्तावेज़ को अपने चश्मे के सामने रखने के बाद, उसने उसे काउंटर के पार पेश किया, और साथ ही एक और जिज्ञासु और संदेह भरी नज़र डाली - यह जे.ई. के लिए था। 'क्या सिर्फ एक ही है?' मैंने पूछा। 'और नहीं हैं,' उसने कहा; और मैंने उसे अपनी जेब में रख लिया और घर की ओर मुड़ गया: मैं उसे तब खोल नहीं सकता था; नियमों के अनुसार मुझे आठ बजे तक वापस आना था, और साढ़े सात बज चुके थे। मेरे पहुँचने पर कई कर्तव्य मेरा इंतजार कर रहे थे: मुझे लड़कियों के अध्ययन के समय उनके साथ बैठना था; फिर मेरी बारी थी प्रार्थना पढ़ने की; उन्हें सुलाने की: उसके बाद मैंने रात का खाना खाया। अन्य शिक्षकों के साथ। जब हम आखिरकार रात को सोने चले गए, तब भी हमेशा की तरह मिस ग्राइस मेरी साथी थीं: हमारे मोमबत्तीदान में मोमबत्ती का एक छोटा सा सिरा बचा था, और मुझे डर था कि कहीं वह बात करते-करते उसे भी खत्म न कर दें; सौभाग्य से, उन्होंने जो भारी भोजन किया था, उसका उन पर नींद लाने वाला प्रभाव पड़ा: मेरे कपड़े उतारने से पहले ही वह खर्राटे लेने लगी थीं। मोमबत्ती का एक इंच हिस्सा बचा था: अब मैंने अपना पत्र निकाला; मुहर पर F अक्षर का पहला अक्षर था; मैंने उसे तोड़ा; अंदर का संदेश संक्षिप्त था। 'यदि जे. ई., जिन्होंने पिछले ——शायर हेराल्ड में विज्ञापन दिया था'

80 जेन आयर एसे गुरुवार, उल्लिखित योग्यताएं रखती हैं, और यदि वह चरित्र और योग्यता के संबंध में संतोषजनक संदर्भ दे सकती हैं, तो उन्हें एक ऐसी नौकरी की पेशकश की जा सकती है जहाँ केवल एक ही छात्रा है, एक छोटी लड़की, जिसकी उम्र दस वर्ष से कम है; और जहाँ वेतन तीस पाउंड प्रति वर्ष है। जे. ई. से अनुरोध है कि वे

संदर्भ, नाम, पता और सभी विवरण निम्नलिखित पते पर भेजें:— 'श्रीमती फेयरफैक्स, थॉर्नफील्ड, मिलकोट के पास, ——शायर।' मैंने दस्तावेज़ को ध्यान से देखा: लिखावट पुराने ज़माने की और कुछ हद तक अनिश्चित थी, जैसे किसी बुजुर्ग महिला की हो। यह बात संतोषजनक थी: मुझे मन ही मन डर सता रहा था कि इस तरह अपने लिए और अपने मार्गदर्शन में काम करने से मैं किसी मुसीबत में पड़ सकती हूँ; और सबसे बढ़कर, मैं चाहती थी कि मेरे प्रयासों का परिणाम सम्मानजनक, उचित और नियमों के अनुरूप हो। अब मुझे लगा कि मेरे हाथ में जो काम है उसमें एक बुजुर्ग महिला का होना कोई बुरी बात नहीं है। श्रीमती फेयरफैक्स! मैंने उन्हें काले गाउन और विधवा की टोपी में देखा; शायद ठंडी, पर असभ्य नहीं: एक सम्मानित बुजुर्ग अंग्रेज महिला। 'थॉर्नफील्ड!' निस्संदेह, यही उनके घर का नाम था: एक साफ-सुथरा और व्यवस्थित स्थान, मुझे यकीन था; हालाँकि मैं परिसर का सही नक्शा बनाने में असफल रहा। मिलकोट, ——शायर; मैंने इंग्लैंड के नक्शे को याद किया; हाँ, मैंने इसे देखा था; शायर और शहर दोनों। ——शायर उस दूरदराज के काउंटी से सत्तर मील लंदन के करीब था जहाँ मैं अब रहता था: यह मेरे लिए एक अच्छी बात थी। मैं ऐसी जगह जाना चाहता था जहाँ जीवन और चहल-पहल हो: मिलकोट, A—— नदी के किनारे बसा एक बड़ा औद्योगिक शहर था; निस्संदेह एक व्यस्त जगह: और भी अच्छा; कम से कम यह एक पूर्ण बदलाव होगा। ऐसा नहीं था कि मुझे लंबी चिमनियों और धुएं के बादलों का विचार बहुत भाता था—'लेकिन,' मैंने तर्क दिया, "थॉर्नफील्ड शायद शहर से काफी दूर होगा।' यहीं मोमबत्ती का सॉकेट गिर गया और बाती बुझ गई। अगले दिन नए कदम उठाने थे; मेरी योजनाएँ अब मेरे तक ही सीमित नहीं रह सकती थीं; मुझे उन्हें सफल बनाने के लिए साझा करना ही होगा। दोपहर के मनोरंजन के दौरान अधीक्षक से मिलने का समय मिलने पर, मैंने उन्हें बताया कि मुझे एक नई नौकरी मिलने की संभावना है जहाँ वेतन मेरे वर्तमान वेतन से दोगुना होगा (क्योंकि लोवुड में मुझे केवल 15 पाउंड प्रति वर्ष मिलते थे); और उनसे अनुरोध किया कि वे मेरी ओर से श्री ब्रॉकलहर्स्ट या समिति के कुछ सदस्यों को इस बारे में बताएँ और पता करें कि क्या वे मुझे उन्हें संदर्भ के रूप में उल्लेख करने की अनुमति देंगे। उन्होंने सहर्ष मध्यस्थता करने के लिए सहमति दी। अगले दिन उन्होंने यह मामला श्री ब्रॉकलहर्स्ट के सामने रखा, जिन्होंने कहा कि श्रीमती रीड को पत्र लिखना होगा।

अभिभावक थीं। तदनुसार उस महिला को एक पत्र भेजा गया, जिसका उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, 'मैं जो चाहूँ कर सकती हूँ: उन्होंने मेरे मामलों में हस्तक्षेप करना बहुत पहले ही छोड़ दिया था।' यह पत्र समिति में प्रसारित हुआ, और अंततः, मुझे जो अत्यंत थकाऊ विलंब लगा, उसके बाद मुझे अपनी स्थिति सुधारने के लिए औपचारिक अवकाश दिया गया; और यह आश्वासन भी दिया गया कि चूंकि मैंने लोवुड में शिक्षक और विद्यार्थी दोनों के रूप में हमेशा अच्छा व्यवहार किया है, इसलिए उस संस्थान के निरीक्षकों द्वारा हस्ताक्षरित चरित्र और क्षमता का एक प्रमाण पत्र मुझे तुरंत प्रदान किया जाएगा। यह प्रमाण पत्र मुझे लगभग एक महीने में प्राप्त हुआ, मैंने इसकी एक प्रति श्रीमती फेयरफैक्स को भेजी, और उस महिला का उत्तर प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने कहा कि वह संतुष्ट हैं, और उसी दिन से दो सप्ताह बाद मुझे उनके घर में गवर्नेंस का पदभार ग्रहण करने की अवधि निर्धारित की। अब मैं तैयारियों में जुट गई: दो सप्ताह तेजी से बीत गए। मेरे पास बहुत बड़ा वॉर्डरोब नहीं था, हालाँकि मेरी ज़रूरतों के लिए पर्याप्त था; और आखिरी दिन मेरे ट्रंक को पैक करने के लिए काफी था, वही ट्रंक जो मैं आठ साल पहले गेट्सहेड से अपने साथ लाया था। बॉक्स में रस्सी बांधी गई थी, कार्ड लगा दिया गया था। आधे घंटे में डिलीवरी वाला इसे लेने आने वाला था ताकि इसे लोवटन ले जा सके, जहाँ मुझे अगली सुबह जल्दी पहुँचकर कोच से मिलना था। मैंने अपने काले कपड़े के यात्रा वस्त्रों को ब्रश किया, अपनी टोपी, दस्ताने और मफ तैयार किए; अपनी सभी दराजों में यह सुनिश्चित किया कि कोई भी चीज़ छूट न जाए; और अब कुछ और करने को न होने पर, मैं बैठ गया और आराम करने की कोशिश की। मैं नहीं कर सका; हालाँकि मैं पूरे दिन पैदल चला था, अब एक पल भी आराम नहीं कर सकता था; मैं बहुत उत्तेजित था। मेरे जीवन का एक चरण आज रात समाप्त हो रहा था, एक नया कल शुरू हो रहा था: इस बीच सोना असंभव था; मुझे इस बदलाव को होते हुए बेचैनी से देखना था। 'मैडम,' लॉबी में मुझसे मिलने आए एक नौकर ने कहा, जहाँ मैं एक व्याकुल आत्मा की तरह भटक रही थी, 'नीचे कोई आपसे मिलना चाहता है।' 'ज़रूर कोई संदेशवाहक होगा,' मैंने सोचा और बिना कुछ पूछे नीचे दौड़ पड़ी। मैं रसोई में जाने के लिए पीछे वाले कमरे या शिक्षकों के बैठक कक्ष के पास से गुज़र रही थी, जिसका दरवाज़ा आधा खुला था, तभी कोई बाहर भागा आया— 'यह वही है, मुझे पूरा यकीन है!—मैं उसे कहीं भी पहचान सकती थी!' उस व्यक्ति ने चिल्लाकर कहा, जिसने मुझे रोककर मेरा हाथ

पकड़ लिया। मैंने देखा: मैंने एक महिला को देखा, जो एक सलीके से सजी नौकरानी की तरह कपड़े पहने थी, गंभीर, फिर भी जवान; बेहद खूबसूरत, काले बाल और आँखें, और जीवंत रंगत।

 ——————————— 'अच्छा, कौन है?' उसने एक ऐसी आवाज़ और मुस्कान के साथ पूछा जिसे मैं आधा पहचानती थी; 'मुझे लगता है, आप मुझे पूरी तरह से भूली नहीं हैं, मिस ऐन?' ; अगले ही पल मैं उसे गले लगाकर और चूमकर मंत्रमुग्ध हो गई: 'बेसी! बेसी! बेसी!' बस यही मैंने कहा; जिस पर वह आधी हँसी, आधी रोई, और हम दोनों बैठक में चले गए। आग के पास तीन साल का एक छोटा बच्चा प्लेड फ्रॉक और ट्राउजर पहने खड़ा था। 'यह मेरा छोटा बेटा है,' बेसी ने तुरंत कहा। 'तो क्या आप शादीशुदा हैं, बेसी?' 'हाँ; लगभग पाँच साल पहले कोचवान रॉबर्ट लीवन से; और बॉबी के अलावा मेरी एक छोटी बेटी भी है, जिसका नाम मैंने जेन रखा है।' 'और आप गेट्सहेड में नहीं रहतीं?' 'मैं लॉज में रहती हूँ: पुराना पोर्टर चला गया है।' 'अच्छा, और वे सब कैसे हैं?' बेसी, मुझे उनके बारे में सब कुछ बताओ: लेकिन पहले बैठ जाओ; और बॉबी, आओ और मेरी गोद में बैठो, क्या तुम बैठोगे?' लेकिन बॉबी अपनी माँ के पास खिसकना पसंद करता था। 'मिस जेन, तुम इतनी लंबी या इतनी मोटी नहीं हुई हो,' श्रीमती लीवन ने आगे कहा। 'मुझे लगता है कि स्कूल में तुम्हारी अच्छी देखभाल नहीं हुई है: मिस रीड तुमसे एक सिर और कंधे तक लंबी हैं; और मिस जॉर्जियाना चौड़ाई में तुम दोनों के बराबर होंगी।' 'मुझे लगता है कि जॉर्जियाना सुंदर है, बेसी?' 'हाँ, बिल्कुल। वह पिछली सर्दियों में अपनी माँ के साथ लंदन गई थी, और वहाँ हर कोई उसकी प्रशंसा करता था, और एक युवा लॉर्ड को उससे प्यार हो गया: लेकिन उसके रिश्तेदार इस रिश्ते के खिलाफ थे; और— तुम्हें क्या लगता है?— उसने और मिस जॉर्जियाना ने भागने की योजना बनाई; लेकिन वे पकड़े गए और रोक दिए गए। मिस रीड ने ही उन्हें पकड़ा था: मुझे लगता है कि वह ईर्ष्यालु थी; और अब वह और उसकी बहन एक-दूसरे से झगड़ती रहती हैं; वे हमेशा झगड़ते रहते हैं।' 'अच्छा, और जॉन रीड का क्या हाल है?' 'ओह, उसकी हालत उतनी अच्छी नहीं है जितनी उसकी माँ चाहती थी। वह कॉलेज गया, और उसका—मुझे लगता है उसे 'चोरी' कहते हैं: और फिर उसके चाचा चाहते थे कि वह बैरिस्टर बने और कानून की पढ़ाई करे: लेकिन वह इतना बिगड़ैल नौजवान है, मुझे लगता है कि वे उसे कभी कुछ नहीं बना पाएंगे।' 'वह कैसा दिखता है?' 'वह बहुत लंबा है: कुछ लोग उसे

सुंदर नौजवान कहते हैं; लेकिन उसके होंठ बहुत मोटे हैं।' 'और श्रीमती रीड?' 'मालकिन हष्ट-पुष्ट और चेहरे से ठीक-ठाक दिखती हैं, लेकिन मुझे लगता है
जेन आयर 83 aa a sc re ae वह मन से पूरी तरह शांत नहीं है: श्री जॉन का व्यवहार उसे पसंद नहीं है—वह बहुत पैसा खर्च करते हैं।' 'क्या उसने तुम्हें यहाँ भेजा है, बेसी?' 'नहीं, बिल्कुल नहीं: लेकिन मैं तुम्हें बहुत समय से देखना चाहती थी, और जब मैंने सुना कि तुम्हारा पत्र आया है, और तुम देश के दूसरे हिस्से में जा रही हो, तो मैंने सोचा कि मैं निकल पड़ूँ, और तुम्हारे मुझसे पूरी तरह दूर होने से पहले तुम्हें देख लूँ।' 'मुझे डर है कि तुम मुझसे निराश हो, बेसी।' मैंने यह हँसते हुए कहा: मैंने देखा कि बेसी की नज़र, हालाँकि उसमें सम्मान झलक रहा था, लेकिन किसी भी तरह से प्रशंसा नहीं थी। 'नहीं, मिस जेन, बिल्कुल नहीं: तुम काफी सभ्य हो; तुम एक सभ्य महिला जैसी दिखती हो, और यही मेरी तुमसे हमेशा से अपेक्षा थी: तुम बचपन में इतनी सुंदर नहीं थीं।' बेसी के सीधे-सादे जवाब पर मैं मुस्कुराई: मुझे लगा कि यह सही था, लेकिन मैं मानती हूँ कि मैं इसके अर्थ को लेकर पूरी तरह उदासीन नहीं थी: अठारह साल की उम्र में ज़्यादातर लोग दूसरों को खुश करना चाहते हैं, और यह विश्वास कि उनका बाहरी रूप उनकी इस इच्छा को पूरा नहीं कर सकता, उन्हें केवल संतुष्टि ही देता है। 'मुझे लगता है कि तुम होशियार हो,' बेसी ने सांत्वना देते हुए कहा। 'तुम क्या कर सकती हो? क्या तुम पियानो बजा सकती हो?' 'एक छोटा पियानो? कमरे में एक था; बेसी गई और उसे खोला, फिर मुझे बैठने और उसे एक धुन सुनाने के लिए कहा: मैंने एक-दो वाल्ट्ज़ बजाए, और वह मंत्रमुग्ध हो गई। 'मिस रीड्स भी इतना अच्छा नहीं बजा सकतीं!' उसने खुशी से कहा। 'मैंने हमेशा कहा था कि तुम पढ़ाई में उनसे आगे निकल जाओगी: और क्या तुम चित्र बना सकती हो?' 'यह चिमनी के ऊपर लगी मेरी ही एक पेंटिंग है।' यह जलरंगों में बना एक प्राकृतिक दृश्य था, जो मैंने अधीक्षक को मेरी ओर से समिति के साथ मध्यस्थता करने के लिए धन्यवाद के रूप में भेंट किया था, और जिसे उन्होंने फ्रेम करवाकर शीशे से सजाया था। 'वाह, यह तो बहुत सुंदर है, मिस जेन! यह उतना ही बढ़िया चित्र है जितना मिस रीड के किसी भी चित्रकार का हो सकता है, उन युवतियों की तो बात ही छोड़ो, जो इसके आसपास भी नहीं आ सकतीं: और क्या तुमने फ्रेंच सीखी है?' 'हाँ, बेसी, मैं इसे पढ़ और बोल दोनों सकती हूँ।' 'और क्या तुम मलमल और कैनवास पर काम कर सकती हो?' 'ओह, तुम तो वाकई एक सभ्य महिला हो, मिस जेन! मुझे पता था कि

तुम ऐसी ही हो जाओगी: तुम्हारे रिश्तेदार तुम्हें नोटिस करें या न करें, तुम आगे बढ़ोगी। मुझे तुमसे कुछ पूछना था। क्या तुमने कभी अपने पिता के रिश्तेदारों, आयर्स से कुछ सुना है?'

84 जेन आयर ——— 'कभी नहीं, मेरी ज़िंदगी में भी नहीं।' 'खैर, तुम्हें पता है, मालकिन हमेशा कहती थीं कि वे गरीब और बेहद नीच हैं: और वे गरीब हो भी सकते हैं; लेकिन मेरा मानना है कि वे रीड्स जितने ही संभ्रांत हैं; क्योंकि एक दिन, लगभग सात साल पहले, मिस्टर आयर गेट्सहेड आए और तुमसे मिलना चाहते थे; मालकिन ने कहा कि तुम पचास मील दूर स्कूल में हो; वे बहुत निराश लग रहे थे, क्योंकि वे रुक नहीं सकते थे: वे एक विदेशी यात्रा पर जा रहे थे, और जहाज एक-दो दिन में लंदन से रवाना होने वाला था। वे काफी सज्जन लग रहे थे, और मेरा मानना है कि वे तुम्हारे पिता के भाई थे।' 'वे किस विदेशी देश जा रहे थे, बेसी?' 'हजारों मील दूर एक द्वीप, जहाँ शराब बनती है— मुझे बटलर ने बताया था—' 'मदीरा?' मैंने पूछा। 'हाँ, वही—बिल्कुल वही शब्द।' 'तो वे चले गए?' 'हाँ; वे घर में कुछ मिनट भी नहीं रुके: मालकिन उनसे बहुत नाराज़ थीं;' बाद में उसने उसे "धूर्त व्यापारी" कहा। मेरे रॉबर्ट का मानना है कि वह शराब व्यापारी था।' 'बहुत संभव है,' मैंने जवाब दिया; 'या शायद किसी शराब व्यापारी का क्लर्क या एजेंट।' बेसी और मैंने पुराने दिनों की बातें एक घंटे और कीं, और फिर उसे मुझे छोड़कर जाना पड़ा: अगली सुबह लोवटन में मैंने उसे कुछ मिनटों के लिए फिर देखा, जब मैं कोच का इंतजार कर रहा था। हम अंततः ब्रॉकलहर्स्ट आर्म्स के दरवाजे पर अलग हुए, हम दोनों अपने-अपने रास्ते चले गए; वह लोवुड फेल की चोटी की ओर चल पड़ी ताकि उस वाहन से मिल सके जो उसे गेट्सहेड वापस ले जाने वाला था, मैं उस वाहन में सवार हो गया जो मुझे मिलकोट के अज्ञात परिवेश में नए कर्तव्यों और एक नए जीवन की ओर ले जाने वाला था। अध्याय 11 एक उपन्यास का एक नया अध्याय एक नाटक के एक नए दृश्य जैसा होता है; और जब मैं इस बार पर्दा उठाता हूँ, पाठक, तो आपको कल्पना करनी चाहिए कि आप मिलकोट के जॉर्ज इन में एक कमरा देख रहे हैं, जिसकी दीवारों पर सराय के कमरों की तरह बड़े-बड़े डिज़ाइन वाले वॉलपेपर लगे हैं; ऐसा कालीन, ऐसा फर्नीचर, मेंटलपीस पर ऐसे आभूषण, ऐसी तस्वीरें, जिनमें जॉर्ज तृतीय का चित्र, वेल्स के राजकुमार का चित्र और वोल्फ की मृत्यु का चित्रण शामिल है। यह सब आपको छत से लटकते तेल के दीपक की रोशनी में और उस शानदार आग की रोशनी में दिखाई दे

रहा है, जिसके पास मैं अपने लबादे और टोपी में बैठा हूँ; मेरा मफ
जेन आयर 85 ईई ईई मेज पर छाता पड़ा है, और मैं अक्टूबर के दिन की 16 घंटों की ठंड और उमस से भरी धूप में रहने के कारण आई सुन्नता और कंपकंपी को दूर करने की कोशिश कर रही हूँ: मैं सुबह चार बजे लोवटन से निकली थी, और मिलकोट शहर की घड़ी में अब आठ बज रहे हैं। पाठक, हालाँकि मैं आराम से बैठी हुई दिख रही हूँ, लेकिन मेरा मन शांत नहीं है। मैंने सोचा था कि जब कोच यहाँ रुकेगा तो कोई मुझसे मिलने आएगा; मैंने लकड़ी की सीढ़ियों से उतरते हुए चारों ओर बेचैनी से देखा, जो 'बूट्स' ने मेरी सुविधा के लिए रखी थीं, यह उम्मीद करते हुए कि मेरा नाम पुकारा जाएगा, और मुझे थॉर्नफील्ड ले जाने के लिए कोई गाड़ी इंतज़ार कर रही होगी। ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया; और जब मैंने एक वेटर से पूछा कि क्या कोई मिस आयर के बारे में पूछताछ करने आया था, तो मुझे नकारात्मक उत्तर मिला: इसलिए मेरे पास एक निजी कमरे में ले जाने का अनुरोध करने के अलावा कोई चारा नहीं था: और मैं यहाँ इंतज़ार कर रही हूँ, जबकि तरह-तरह के संदेह और भय मेरे विचारों को परेशान कर रहे हैं। अनुभवहीन युवाओं के लिए यह एक बहुत ही अजीब अनुभूति होती है जब वे खुद को दुनिया में बिल्कुल अकेला पाते हैं, हर रिश्ते से कटे हुए, इस अनिश्चितता के साथ कि जिस बंदरगाह की ओर वे जा रहे हैं वहाँ पहुँच पाएंगे या नहीं, और कई बाधाओं के कारण उस जगह पर वापस नहीं लौट पा रहे जहाँ से वे जा चुके हैं। रोमांच का आकर्षण उस अनुभूति को मधुर बना देता है, गर्व की चमक उसे गर्म कर देती है; लेकिन फिर भय की धड़कन उसे व्याकुल कर देती है; और मुझमें भय तब हावी हो गया जब आधा घंटा बीत गया और मैं अभी भी अकेला था। मैंने घंटी बजाने का सोचा। 'क्या इस इलाके में थॉर्नफील्ड नाम की कोई जगह है?' मैंने घंटी बजाने आए वेटर से पूछा। 'थॉर्नफील्ड? मुझे नहीं पता, महोदया; मैं बार में पता कर लेता हूँ।' वह गायब हो गया, लेकिन तुरंत फिर प्रकट हुआ— 'क्या आपका नाम आयर है, मिस?' 'हाँ।' 'यहाँ एक व्यक्ति आपका इंतज़ार कर रहा है।' मैं उछलकर खड़ी हुई, अपना मफ और छाता लिया, और सराय के गलियारे में जल्दी से चली गई: एक आदमी खुले दरवाजे के पास खड़ा था, और लैंप की रोशनी वाली सड़क पर मुझे धुंधला सा एक घोड़े वाला वाहन दिखाई दिया। 'मुझे लगता है कि यह आपका सामान होगा?' उस आदमी ने मुझे देखकर कुछ अचानक से कहा, गलियारे में रखे मेरे ट्रंक की ओर इशारा करते हुए। 'हाँ।' उसने उसे वाहन पर लाद दिया, जो एक तरह की कार थी, और फिर

मैं अंदर बैठ गई; इससे पहले कि वह मुझे अंदर बंद करता, मैंने उससे पूछा कि थॉर्नफील्ड कितनी दूर है। 'लगभग छह मील।' 'वहाँ पहुँचने में हमें कितना समय लगेगा?' 'डेढ़ घंटा।' उसने कार का दरवाजा बंद किया, बाहर अपनी सीट पर चढ़ गया, और हम चल पड़े। हमारी यात्रा धीमी थी, और मुझे पर्याप्त समय मिला।

86 जेन आयर ईएस ईई = > चिंतन का समय; मैं अपनी यात्रा के अंत के इतने करीब पहुँचकर संतुष्ट थी; और जैसे ही मैं आरामदायक, यद्यपि भव्य नहीं, वाहन में पीछे की ओर झुकी, मैंने आराम से बहुत कुछ सोचा। 'मुझे लगता है,' मैंने सोचा, 'नौकर और गाड़ी की सादगी को देखते हुए, श्रीमती फेयरफैक्स बहुत नखरे वाली महिला नहीं हैं: और यह अच्छा ही है; मैं केवल एक बार ही अच्छे लोगों के बीच रही हूँ, और उनके साथ मेरा अनुभव बहुत दुखद रहा। मुझे आश्चर्य है कि क्या वह इस छोटी बच्ची के अलावा अकेली रहती हैं; यदि ऐसा है, और यदि वह थोड़ी भी मिलनसार हैं, तो मैं निश्चित रूप से उनके साथ घुल-मिल जाऊँगी; मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूँगी; यह दुख की बात है कि सर्वश्रेष्ठ प्रयास हमेशा सफल नहीं होते। लोवुड में, वास्तव में, मैंने यह संकल्प लिया, उस पर कायम रही, और उन्हें प्रसन्न करने में सफल रही; लेकिन श्रीमती रीड के साथ, मुझे याद है कि मेरे सर्वश्रेष्ठ प्रयासों को हमेशा तिरस्कार के साथ ठुकरा दिया गया था। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि श्रीमती फेयरफैक्स दूसरी श्रीमती रीड न बनें; लेकिन यदि वह बन जाती हैं, तो मैं उनके साथ रहने के लिए बाध्य नहीं हूँ!' सबसे बुरा जो भी हो, मैं दोबारा विज्ञापन दे सकता हूँ। अब तक हम अपने रास्ते पर कितना आगे बढ़ चुके हैं, मुझे आश्चर्य है?' मैंने खिड़की नीचे की और बाहर देखा; मिलकोट हमारे पीछे था; उसकी रोशनी की संख्या देखकर लग रहा था कि वह काफी विशाल जगह है, लोवटन से कहीं ज्यादा बड़ी। अब, जहाँ तक मेरी नज़र जा रही थी, हम एक तरह के खुले मैदान में थे; लेकिन पूरे इलाके में घर बिखरे हुए थे; मुझे लगा कि हम लोवुड से अलग क्षेत्र में हैं, अधिक आबादी वाला, कम रमणीय; अधिक हलचल भरा, कम रोमांटिक। सड़कें उबड़-खाबड़ थीं, रात धुंधली थी; मेरे कंडक्टर ने अपने घोड़े को पूरे रास्ते पैदल चलने दिया, और डेढ़ घंटे का सफर, मुझे यकीन है, दो घंटे तक बढ़ गया; अंत में वह अपनी सीट पर मुड़ा और बोला—'अब आप थॉर्नफील्ड से ज्यादा दूर नहीं हैं।' मैंने फिर बाहर देखा: हम एक चर्च के पास से गुजर रहे थे; मैंने आसमान के सामने उसका नीचा चौड़ा टावर देखा, और उसकी घंटी सवा बज रही थी; मैंने एक पहाड़ी पर रोशनी की एक संकीर्ण आकाशगंगा

भी देखी, जो एक गाँव या बस्ती को दर्शा रही थी। लगभग दस मिनट बाद, ड्राइवर नीचे उतरा और दो गेट खोले: हम अंदर गए और गेट हमारे पीछे बंद हो गए। अब हम धीरे-धीरे एक रास्ते पर चढ़े और एक घर के लंबे अग्रभाग पर पहुँचे: एक पर्दे वाली धनुषाकार खिड़की से मोमबत्ती की रोशनी चमक रही थी; बाकी सभी खिड़कियाँ अंधेरी थीं। कार सामने के दरवाजे पर रुकी; एक नौकरानी ने दरवाजा खोला; मैं उतरी और अंदर चली गई। "क्या आप इधर चलेंगी, महोदया?" लड़की ने कहा; और मैं उसके पीछे-पीछे एक चौकोर हॉल से गुजरी जिसके चारों ओर ऊँचे दरवाजे थे: उसने मुझे एक कमरे में ले गई जिसकी आग और मोमबत्ती की दोहरी रोशनी ने पहले तो मेरी आँखों को चकाचौंध कर दिया, क्योंकि यह उस अंधेरे के बिल्कुल विपरीत थी जिसमें मेरी आँखें दो घंटे से अभ्यस्त थीं;

पीयर हालाँकि, मैं देख सकती थी, मेरे सामने एक आरामदायक और सुखद तस्वीर उभर आई। एक छोटा सा आरामदायक कमरा; एक खुशनुमा आग के पास एक गोल मेज; एक ऊँची पीठ वाली और पुराने ज़माने की आरामकुर्सी, जिस पर विधवा की टोपी, काले रेशमी गाउन और बर्फीले मलमल के एप्रन में एक बेहद साफ-सुथरी छोटी बुजुर्ग महिला बैठी थी; बिल्कुल वैसी ही जैसी मैंने श्रीमती फेयरफैक्स की कल्पना की थी, बस थोड़ी कम भव्य और सौम्य दिख रही थीं। वह बुनाई में व्यस्त थीं; एक बड़ी बिल्ली उनके पैरों के पास शालीनता से बैठी थी; संक्षेप में, घरेलू आराम के आदर्श को पूरा करने के लिए किसी चीज की कमी नहीं थी। एक नई गवर्नेस के लिए इससे अधिक आश्वस्त करने वाला परिचय शायद ही सोचा जा सकता था; न तो कोई भव्यता थी जो अभिभूत कर दे, न ही कोई राजसीपन जो शर्मिंदा कर दे; और फिर, जैसे ही मैं अंदर आई, बुजुर्ग महिला उठीं और तुरंत और विनम्रता से मुझसे मिलने के लिए आगे आईं। 'आप कैसी हैं, मेरी प्यारी? मुझे डर है कि आपकी सवारी थका देने वाली रही होगी; जॉन बहुत धीरे गाड़ी चलाता है; तुम्हें ठंड लग रही होगी, आग के पास आ जाओ।' "श्रीमती फेयरफैक्स, शायद?" मैंने कहा। "जी हाँ, तुम सही कह रही हो: बैठ जाओ।" वह मुझे अपनी कुर्सी पर ले गईं और फिर मेरा शॉल उतारने और मेरी टोपी की डोरियाँ खोलने लगीं; मैंने उनसे विनती की कि वह इतनी मेहनत न करें। "अरे, कोई बात नहीं; मुझे लगता है तुम्हारे हाथ भी ठंड से सुन्न हो गए होंगे। लीह, थोड़ा गरमा गरम नेगस बना लो और एक-दो सैंडविच काट लो: ये रही स्टोररूम की चाबियाँ।" और उन्होंने अपनी जेब से चाबियों का एक गुच्छा निकाला और नौकरानी

को दे दिया। “अब, आग के पास आ जाओ,” उन्होंने आगे कहा। “तुम अपना सामान साथ लाई हो ना, मेरी प्यारी?” “जी मैडम।” “मैं इसे तुम्हारे कमरे में रखवा देती हूँ,” उन्होंने कहा और जल्दी से बाहर चली गईं। “ये मेरे साथ एक मेहमान की तरह व्यवहार कर रही हैं,” मैंने सोचा। “मुझे ऐसे स्वागत की उम्मीद नहीं थी।” मुझे तो बस ठंडेपन और रूखेपन की ही उम्मीद थी: मैंने गवर्नेंस के व्यवहार के बारे में जो सुना था, यह वैसा बिल्कुल नहीं था; लेकिन मुझे इतनी जल्दी खुश नहीं होना चाहिए।’ वह लौटी; अपने हाथों से उसने मेज से बुनाई का सामान और एक-दो किताबें हटाईं, ताकि लीह द्वारा लाई गई ट्रे के लिए जगह बन सके, और फिर उसने मुझे जलपान परोसा। मुझे थोड़ा अजीब लगा क्योंकि मुझे पहले कभी इतना ध्यान नहीं मिला था, और वह भी मेरी मालकिन और वरिष्ठ अधिकारी द्वारा; लेकिन चूंकि उसे खुद ऐसा नहीं लग रहा था कि वह कुछ अनुचित कर रही है, इसलिए मैंने उसकी शिष्टाचार को चुपचाप स्वीकार करना ही बेहतर समझा। ‘क्या मुझे आज रात मिस फेयरफैक्स से मिलने का सौभाग्य मिलेगा?’

 मैंने पूछा, जब मैंने उनके द्वारा दी गई चीज़ का सेवन कर लिया। ‘तुमने क्या कहा, मेरी प्यारी? मैं थोड़ी बहरी हूँ,’ उस भली महिला ने अपना कान मेरे मुँह के पास लाते हुए उत्तर दिया। मैंने प्रश्न को और स्पष्ट रूप से दोहराया। ‘मिस फेयरफैक्स? ओह, आपका मतलब मिस वारेन्स से है! वारेन्स आपकी भावी छात्रा का नाम है।’ ‘सचमुच! तो वह आपकी बेटी नहीं है?’ ‘नहीं,—मेरा कोई परिवार नहीं है।’ मुझे अपनी पहली पूछताछ को आगे बढ़ाते हुए यह पूछना चाहिए था कि मिस वारेन्स का उनसे क्या संबंध है; लेकिन मुझे याद आया कि बहुत सारे प्रश्न पूछना शिष्टाचार के विरुद्ध था: इसके अलावा, मुझे यकीन था कि मैं समय पर सुन लूँगी। ‘मुझे बहुत खुशी है,’ वह मेरे सामने बैठते हुए और बिल्ली को अपनी गोद में लेते हुए बोलीं; ‘मुझे बहुत खुशी है कि तुम आई हो; अब यहाँ एक साथी के साथ रहना बहुत सुखद होगा। ‘हाँ, यह किसी भी समय सुखद होता है; थॉर्नफील्ड एक शानदार पुराना हॉल है, शायद हाल के वर्षों में इसकी थोड़ी उपेक्षा हुई है, लेकिन फिर भी यह एक सम्मानजनक जगह है; फिर भी आप जानते हैं कि सर्दियों में सबसे अच्छे कमरों में भी अकेले रहना नीरस लगता है। मैं अकेलेपन की बात इसलिए कह रही हूँ क्योंकि लिया एक अच्छी लड़की है, और जॉन और उसकी पत्नी बहुत ही सभ्य लोग हैं; लेकिन आप जानते हैं कि वे केवल नौकर हैं, और उनसे बराबरी के स्तर पर बात

नहीं की जा सकती: अधिकार खोने के डर से उनसे उचित दूरी बनाए रखनी पड़ती है। मुझे यकीन है कि पिछली सर्दी (अगर आपको याद हो तो वह बहुत भीषण थी, और जब बर्फ नहीं गिरी तो बारिश और तेज हवा चली), नवंबर से फरवरी तक कसाई और डाकिया के अलावा कोई भी घर नहीं आया; और मैं रात-रात भर अकेले बैठे-बैठे सचमुच बहुत उदास हो गई थी; कभी-कभी लिया मुझे पढ़कर सुनाती थी; लेकिन मुझे नहीं लगता कि बेचारी को यह काम पसंद आया होगा: उसे यह बंधनकारी लगा। वसंत और गर्मियों में बेहतर महसूस होता था: धूप और लंबे दिन बहुत फर्क लाते हैं; और फिर, इस पतझड़ की शुरुआत में ही, नन्ही एडेल वारेन्स और उसकी नर्स आई: एक बच्चा पूरे घर को जीवंत कर देता है; और अब आप यहाँ हैं तो मैं बहुत खुश हो जाऊँगी।' उनकी बातें सुनकर मेरा दिल सचमुच उनके प्रति स्नेह से भर गया; और मैंने अपनी कुर्सी उनके थोड़ा और पास खींच ली, और दिली इच्छा व्यक्त की कि उन्हें मेरी संगति उतनी ही सुखद लगे जितनी उन्होंने उम्मीद की थी। — 'लेकिन मैं आज रात आपको देर तक नहीं जगाऊँगी,' उन्होंने कहा; 'अभी बारह बजने वाले हैं, और आप दिन भर यात्रा करते रहे हैं: आप थके हुए होंगे। अगर आपके पैर अच्छे से गर्म हो गए हैं, तो मैं आपको आपका कमरा दिखा दूँगी। मैंने आपके लिए मेरे कमरे के बगल वाला कमरा तैयार करवा दिया है; यह एक छोटा सा कमरा है, लेकिन मुझे लगा कि आपको सामने वाले बड़े कमरों से यह ज़्यादा पसंद आएगा।

जेन आयर 89 एसएस एसएस ईई ... जब श्रीमती फेयरफैक्स ने मुझे शुभ रात्रि कहा और मैंने अपना दरवाजा बंद कर लिया, आराम से चारों ओर देखा और उस विशाल हॉल, उस अंधेरी और चौड़ी सीढ़ी और उस लंबी, ठंडी गैलरी के भयानक प्रभाव को अपने छोटे से कमरे के जीवंत रूप से कुछ हद तक मिटा दिया, तब मुझे याद आया कि शारीरिक थकान और मानसिक चिंता से भरे दिन के बाद, मैं आखिरकार सुरक्षित स्थान पर पहुँच गया हूँ। कृतज्ञता से मेरा हृदय भर गया और मैं पलंग के पास घुटने टेककर बैठ गया और जहाँ धन्यवाद देना बनता था, वहाँ धन्यवाद दिया; उठने से पहले, मैंने अपने आगे के मार्ग में सहायता और उस दया को अर्जित करने की शक्ति की प्रार्थना करना नहीं भूला, जो मुझे बिना कमाए ही इतनी सहजता से दी गई थी। उस रात मेरे पलंग में कोई कांटे नहीं थे; मेरे एकांत कमरे में कोई भय नहीं था। थका हुआ और संतुष्ट, मैं जल्दी और गहरी नींद सो गया: जब मैं जागा तो दिन का उजाला हो चुका था। नीले रंग के रंगीन चिंट्ज़ के खिड़की के पर्दों के बीच से सूरज की रोशनी

अंदर आती हुई, काँच की दीवारों और कालीन वाले फर्श को दिखाती हुई वह छोटी सी जगह मुझे बहुत ही चमकदार लग रही थी। लोवुड की नंगी तख्तियों और दागदार प्लास्टर से बिल्कुल अलग, इस दृश्य को देखकर मेरा मन प्रसन्न हो गया। बाहरी चीज़ों का युवाओं पर बहुत प्रभाव पड़ता है: मुझे लगा कि मेरे लिए जीवन का एक बेहतर दौर शुरू हो रहा है—एक ऐसा दौर जिसमें खुशियाँ और आनंद तो होंगे ही, साथ ही काँटे और मेहनत भी। दृश्य में बदलाव और आशा के नए द्वार खुलने से मेरी इंद्रियाँ जागृत हो उठीं और मानो पूरी तरह से सक्रिय हो गईं। मैं ठीक-ठीक यह नहीं बता सकती कि वे क्या उम्मीद कर रही थीं, लेकिन यह कुछ सुखद था: शायद उस दिन या उस महीने नहीं, बल्कि भविष्य में किसी अनिश्चित समय पर। मैं उठी; मैंने ध्यान से कपड़े पहने: मुझे सादा रहना पड़ रहा था—क्योंकि मेरे पास कोई भी ऐसा कपड़ा नहीं था जो अत्यंत सादगी से न बना हो—फिर भी स्वभाव से मैं साफ-सुथरी रहने की शौकीन थी।

जेन आयर की कहानी: मेरी आदत नहीं थी कि मैं अपने रूप-रंग की परवाह न करूं या दूसरों पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति लापरवाह रहूं; इसके विपरीत, मैं हमेशा यथासंभव सुंदर दिखना चाहती थी और अपनी कम सुंदरता के बावजूद जितना संभव हो उतना आकर्षक दिखना चाहती थी। कभी-कभी मुझे अफसोस होता था कि मैं और सुंदर नहीं थी; कभी-कभी मैं चाहती थी कि मेरे गाल गुलाबी हों, नाक सीधी हो और होंठ चेरी जैसे छोटे हों; मैं लंबी, गरिमामय और सुगठित शरीर की चाह रखती थी; मुझे दुर्भाग्य लगता था कि मैं इतनी छोटी, इतनी पीली और मेरे चेहरे की बनावट इतनी अनियमित और स्पष्ट थी। और ये आकांक्षाएं और अफसोस मेरे मन में क्यों थे? यह कहना कठिन होगा: मैं उस समय स्पष्ट रूप से स्वयं से यह नहीं कह सकती थी; फिर भी मेरे पास एक कारण था, और वह भी तार्किक, स्वाभाविक कारण। हालांकि, जब मैंने अपने बालों को अच्छी तरह से कंघी कर लिया, और अपनी काली फ्रॉक पहन ली—जो कि भले ही क्वेकर शैली की थी, लेकिन कम से कम ठीक से फिट बैठती थी—और अपने साफ सफेद टकर को ठीक कर लिया, तो मुझे लगा कि मैं श्रीमती फेयरफैक्स के सामने पेश होने के लिए काफी सम्मानजनक दिखूंगी, और मेरी नई छात्रा कम से कम मुझसे घृणा से मुंह नहीं मोड़ेगी। अपने कमरे की खिड़की खोलकर और यह देखकर कि मैंने सब कुछ साफ-सुथरा रखा है, मैं बाहर निकली। लंबी और घनी झाड़ियों वाली गैलरी को पार करते हुए, मैं ओक की फिसलन भरी सीढ़ियों से नीचे उतरी; फिर मैं

हॉल में पहुंची: मैं वहां एक मिनट के लिए रुकी; मैंने दीवारों पर लगी कुछ तस्वीरों को देखा (मुझे याद है, एक तस्वीर में कवच पहने एक गंभीर आदमी था, और दूसरी में पाउडर लगे बालों और मोतियों के हार वाली एक महिला), छत से लटकते एक कांसे के दीपक को देखा, और एक बड़ी घड़ी को देखा जिसका ओक का केस अजीब तरह से तराशा हुआ था, और समय और रगड़ से काला पड़ गया था। सब कुछ मुझे बहुत भव्य और प्रभावशाली लगा; लेकिन मैं भव्यता की इतनी आदी नहीं थी। हॉल का दरवाज़ा, जो आधा काँच का था, खुला था; मैंने दहलीज पार की। यह एक सुहावनी शरद ऋतु की सुबह थी; भोर का सूरज शांत भाव से भूरे पेड़ों और हरे-भरे खेतों पर चमक रहा था; लॉन पर आगे बढ़ते हुए, मैंने ऊपर देखा और हवेली के सामने का नज़ारा लिया। यह तीन मंज़िला थी, आकार में विशाल नहीं, फिर भी काफी बड़ी: एक सज्जन का घर, न कि किसी रईस का निवास: ऊपर की ओर बने कंगूरे इसे एक सुंदर दृश्य प्रदान करते थे। इसका धूसर सामने का हिस्सा कौवों के घोंसले की पृष्ठभूमि से अलग दिखाई दे रहा था, जिसके कांव-कांव करते निवासी अब उड़ रहे थे: वे लॉन और मैदानों के ऊपर से उड़कर एक विशाल घास के मैदान में उतरे, जो एक धँसी हुई बाड़ से अलग था, और जहाँ बलूत के पेड़ों की तरह मजबूत, गांठदार और चौड़े विशाल पुराने कांटेदार पेड़ों की एक कतार ने हवेली के नामकरण की व्युत्पत्ति को तुरंत स्पष्ट कर दिया। दूर पहाड़ियाँ थीं: लोवुड के आसपास की पहाड़ियों जितनी ऊँची नहीं, न ही उतनी ऊबड़-खाबड़, और न ही जीवित दुनिया से अलग करने वाली बाधाओं जैसी; लेकिन फिर भी पहाड़ियाँ काफी शांत और सुनसान हैं, और ऐसा लगता है जैसे...

जेन आयर (पृष्ठ 2) थॉर्नफील्ड में एक ऐसा एकांत था जिसकी मुझे मिलकोट के हलचल भरे इलाके के इतने पास होने की उम्मीद नहीं थी। एक छोटा सा गाँव, जिसकी छतें पेड़ों से घिरी हुई थीं, इन्हीं पहाड़ियों में से एक की ढलान पर फैला हुआ था; जिले का चर्च थॉर्नफील्ड के पास ही स्थित था: उसका पुराना टावर घर और द्वारों के बीच एक छोटी पहाड़ी पर नज़र रखता था। मैं अभी भी शांत दृश्य और सुखद ताज़ी हवा का आनंद ले रही थी, कौवों की कांव-कांव को प्रसन्नता से सुन रही थी, हॉल के चौड़े, पुराने अग्रभाग का अवलोकन कर रही थी, और सोच रही थी कि श्रीमती फेयरफैक्स जैसी अकेली छोटी महिला के लिए यह कितना शानदार स्थान है, तभी वह महिला दरवाजे पर प्रकट हुई। “क्या! इतनी जल्दी उठ गए?” उसने कहा। “लगता है तुम जल्दी उठने वाले हो।” मैं उसके पास गया, और उसने मुझे प्यार से चूमा और

हाथ मिलाया। “तुम्हें थॉर्नफील्ड कैसा लगा?” उसने पूछा। मैंने उसे बताया कि मुझे यह बहुत पसंद आया। “हाँ,” उसने कहा, “यह एक सुंदर जगह है; लेकिन मुझे डर है कि अगर मिस्टर रोचेस्टर यहाँ स्थायी रूप से रहने का फैसला नहीं करते हैं, या कम से कम यहाँ अक्सर आते-जाते नहीं हैं, तो यह अव्यवस्थित हो जाएगा; बड़े घर और सुंदर मैदान मालिक की उपस्थिति को अनिवार्य बनाते हैं।” “मिस्टर रोचेस्टर!” मैंने हैरानी से कहा। “वह कौन हैं?” “थॉर्नफील्ड के मालिक,” उसने धीरे से जवाब दिया। “क्या तुम्हें नहीं पता था कि उनका नाम रोचेस्टर है?” बेशक मुझे नहीं पता था—मैंने उनके बारे में पहले कभी नहीं सुना था; लेकिन उस बूढ़ी महिला को ऐसा लग रहा था जैसे वह उनके अस्तित्व को सर्वविदित तथ्य मानती हो, जिससे हर कोई सहज रूप से परिचित होता है। “मुझे लगा,” मैंने आगे कहा, “थॉर्नफील्ड आपका है।” “मेरा? भगवान भला करे, बच्चे; क्या विचार है! मेरे लिए! मैं तो बस गृहस्वामी—प्रबंधक हूँ। सच कहूँ तो, मैं माँ की तरफ से रोचेस्टर परिवार से दूर का रिश्तेदार हूँ, या कम से कम मेरे पति तो थे ही; वे एक पादरी थे, हे गाँव के पादरी—पहाड़ी पर बसा वह छोटा सा गाँव—और द्वार के पास वाला वह चर्च उनका ही था। वर्तमान श्री रोचेस्टर की माँ फेयरफैक्स थीं, मेरे पति की चचेरी बहन: लेकिन मैं इस रिश्ते का कभी भी फायदा नहीं उठाती—वास्तव में, यह मेरे लिए कुछ भी नहीं है; मैं खुद को एक साधारण गृहस्वामी ही मानती हूँ: मेरे मालिक हमेशा विनम्र हैं, और मैं इससे अधिक कुछ उम्मीद नहीं करती।’ ‘और वह छोटी बच्ची—मेरी छात्रा!’ ‘वह श्री रोचेस्टर की देखरेख में है; उन्होंने मुझे उसके लिए एक गवर्नेस ढूंढने का काम सौंपा था। मेरा मानना है कि उनका इरादा उसे ——शायर में पालने का था। वह यहाँ आ रही है, अपनी “बोन” के साथ, जैसा कि वह अपनी नर्स को बुलाती है।’ तब पहेली सुलझ गई: यह

92 जेन आयर केल ए ने एट ए 2 मिलनसार और दयालु छोटी विधवा कोई बड़ी महिला नहीं थी; बल्कि मेरी ही तरह एक आश्रित थी। मुझे इस बात से उसके प्रति कोई अरुचि नहीं हुई; इसके विपरीत, मैं पहले से कहीं अधिक प्रसन्न थी। उसके और मेरे बीच समानता वास्तविक थी; यह केवल उसकी ओर से दिखाई गई दया का परिणाम नहीं थी: यह और भी बेहतर था—मेरी स्थिति और भी अधिक स्वतंत्र हो गई थी। जब मैं इस खोज पर विचार कर रही थी, तभी एक छोटी लड़की, अपनी परिचारिका के साथ, लॉन में दौड़ती हुई आई। मैंने अपनी छात्रा की ओर देखा, जिसने पहले तो मुझे देखा ही नहीं: वह बिल्कुल बच्ची थी, शायद सात या आठ साल की,

दुबली-पतली, पीले, छोटे नैन-नक्श वाले चेहरे वाली, और कमर तक घुंघराले बालों की लटें थीं। 'सुप्रभात, मिस एडेल,' श्रीमती फेयरफैक्स ने कहा। 'आइए और उस महिला से बात कीजिए जो आपको पढ़ाएगी और एक दिन आपको एक बुद्धिमान महिला बनाएगी।' वह पास आई। 'C'est 14 ma gouvernante!' उसने मेरी ओर इशारा करते हुए और अपनी नर्स से कहा; जिसने जवाब दिया— 'Mais oui, certainement.' 'क्या वे विदेशी हैं?' मैंने फ्रांसीसी भाषा सुनकर आश्चर्यचकित होकर पूछा। "नर्स विदेशी है, और एडेल महाद्वीप में पैदा हुई थी; और, मेरा मानना है कि वह छह महीने पहले तक वहीं रही। जब वह पहली बार यहाँ आई थी तो उसे अंग्रेज़ी बिल्कुल नहीं आती थी; अब वह थोड़ी-बहुत अंग्रेज़ी बोल लेती है: मैं उसे समझ नहीं पाती, वह अंग्रेज़ी को फ्रेंच के साथ इस तरह मिलाती है; लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि आप उसका मतलब अच्छी तरह समझ जाएँगी।" सौभाग्य से मुझे एक फ्रांसीसी महिला से फ्रेंच सीखने का लाभ मिला था; और चूंकि मैं हमेशा मैडम पियरोट से जितना हो सके उतनी बार बात करने की कोशिश करती थी, और इसके अलावा, पिछले सात वर्षों के दौरान, मैंने प्रतिदिन फ्रेंच का एक हिस्सा कंठस्थ कर लिया था—अपने उच्चारण पर ध्यान देकर, और अपनी शिक्षिका के उच्चारण की यथासंभव नकल करके—मैंने भाषा में एक निश्चित स्तर की तत्परता और शुद्धता प्राप्त कर ली थी, और मैडमोजेल एडेल के साथ मुझे ज्यादा परेशानी होने की संभावना नहीं थी। जब उन्होंने सुना कि मैं उनकी गवर्नेंस हूँ, तो वह आईं और मुझसे हाथ मिलाया; और जब मैं उन्हें नाश्ते के लिए ले जा रही थी, तो मैंने उनसे उनकी अपनी भाषा में कुछ वाक्य कहे: उन्होंने संक्षेप में उत्तर दिया। पहले तो, लेकिन जब हम मेज पर बैठ गए और उसने अपनी बड़ी भूरी आँखों से लगभग दस मिनट तक मुझे निहारा, तो वह अचानक धाराप्रवाह बोलने लगी। 'आह!' वह फ्रेंच में चिल्लाई, 'आप मेरी भाषा उतनी ही अच्छी तरह बोलते हैं जितनी अच्छी तरह मिस्टर रोचेस्टर बोलते हैं: मैं आपसे वैसे ही बात कर सकती हूँ जैसे उनसे, और सोफी भी। वह खुश होगी: यहाँ कोई भी उसे नहीं समझता।'

जेन आयर 93 मैडम फेयरफैक्स पूरी तरह से अंग्रेज़ हैं। सोफी मेरी नर्स है; वह मेरे साथ एक बड़े जहाज में समुद्र पार करके आई थी, जिसमें एक चिमनी थी जिससे धुआँ निकलता था—कितना धुआँ निकलता था!—और मैं बीमार थी, सोफी भी बीमार थी, और मिस्टर रोचेस्टर भी बीमार थे। मिस्टर रोचेस्टर सैलून नामक एक सुंदर

कमरे में सोफे पर लेट गए, और सोफी और मैं एक दूसरी जगह पर छोटे-छोटे बिस्तरों पर सोए। मैं तो अपने बिस्तर से लगभग गिर ही गई थी; वह एक शेल्फ जैसा था। और मैडमोजेल—आपका नाम क्या है?' "आयर—जेन आयर।" 'आयर? छी! मैं इसे बोल नहीं सकती। खैर, हमारा जहाज सुबह, पूरी तरह से उजाला होने से पहले, एक बड़े शहर में रुका—एक विशाल शहर, जिसमें बहुत ही अंधेरे घर थे और चारों ओर धुआँ छाया हुआ था; बिल्कुल भी उस सुंदर साफ शहर जैसा नहीं था जहाँ से मैं आई थी; और मिस्टर रोचेस्टर मुझे अपनी बाहों में उठाकर एक तख्ते पर से किनारे पर ले गए, और सोफी बाद में आई, और हम सब एक कोच में बैठ गए, जो हमें एक खूबसूरत बड़े घर में ले गया, जो इससे भी बड़ा और बेहतर था, जिसे होटल कहते थे। हम वहाँ लगभग एक सप्ताह तक रहे: मैं और सोफी हर दिन पेड़ों से भरे एक बड़े हरे-भरे स्थान पर टहलने जाते थे, जिसे पार्क कहते थे; और वहाँ मेरे अलावा कई बच्चे थे, और एक तालाब था जिसमें सुंदर पक्षी थे, जिन्हें मैं रोटी के टुकड़े खिलाती थी।' 'क्या आप उसे समझ सकती हैं जब वह इतनी तेजी से बोलती है?' श्रीमती फेयरफैक्स ने पूछा। मैं उसे बहुत अच्छी तरह समझती थी, क्योंकि मैं मैडम पियरोट की धाराप्रवाह भाषा की आदी थी। 'काश,' उस भली महिला ने आगे कहा, 'तुम उससे उसके माता-पिता के बारे में एक-दो सवाल पूछोगे: मुझे आश्चर्य है कि क्या उसे वे याद हैं?' 'एडेले,' मैंने पूछा, 'जब तुम उस सुंदर, साफ-सुथरे कस्बे में रहती थी, जिसके बारे में तुमने बात की थी, तब तुम किसके साथ रहती थी?' 'मैं बहुत पहले माँ के साथ रहती थी; लेकिन वह अब इस दुनिया में नहीं हैं। माँ मुझे नाचना, गाना और कविताएँ सुनाना सिखाती थीं। बहुत से सज्जन और महिलाएं माँ से मिलने आते थे, और मैं उनके सामने नाचती थी, या उनकी गोद में बैठकर उनके लिए गाती थी: मुझे यह अच्छा लगता था। क्या मैं अब तुम्हें अपना गाना सुनाऊँ?' उसने अपना नाश्ता खत्म कर लिया था, इसलिए मैंने उसे अपनी प्रतिभा का एक नमूना दिखाने की अनुमति दी। अपनी कुर्सी से उतरकर, वह आई और मेरी गोद में बैठ गई; फिर, अपने छोटे हाथों को विनम्रता से अपने सामने जोड़कर, अपने बालों को पीछे झटकते हुए और अपनी आँखें छत की ओर उठाते हुए, उसने किसी ओपेरा का एक गीत गाना शुरू किया। यह एक परित्यक्त महिला का गीत था, जो अपने प्रेमी की बेवफाई पर विलाप करने के बाद, अपने स्वाभिमान से मदद मांगती है; अपनी परिचारिका से उसे सजाने का अनुरोध करती है। सबसे चमकीले गहने और सबसे कीमती वस्त्र पहनकर, वह उस रात एक

बॉल में उस झूठे व्यक्ति से मिलने का संकल्प लेती है, और अपने व्यवहार की प्रसन्नता से उसे यह साबित करने का निश्चय करती है कि उसके परित्याग का उस पर कितना कम प्रभाव पड़ा है।

94 जेन आयर kde ar OS Sg एक नन्ही गायिका के लिए यह विषय कुछ अजीब लग रहा था; लेकिन मुझे लगता है कि प्रदर्शनी का उद्देश्य बचपन की तुतलाहट के साथ प्रेम और ईर्ष्या के सुरों को सुनना था; और यह उद्देश्य बहुत ही भद्दा था: कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगा। एडेल ने कैनज़ोनेट को सुरीले ढंग से और अपनी उम्र के भोलेपन के साथ गाया। यह हो जाने पर, वह मेरी गोद से कूद गई और बोली, 'अब, मैडमोजेल, मैं आपको कुछ कविता सुनाती हूँ।' एक मुद्रा में आकर, उसने 'ला लीग डेस रैट्स: फेबल डे ला फॉन्टेन' शुरू की। फिर उसने विराम चिह्नों और उच्चारण पर ध्यान देते हुए, आवाज में लचीलापन और हाव-भाव की उपयुक्तता के साथ उस छोटे से अंश का पाठ किया, जो उसकी उम्र में वाकई बहुत असामान्य था, और जिससे साबित होता था कि उसे अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया गया था। 'क्या यह तुम्हारी माँ ने तुम्हें सिखाया था?' मैंने पूछा। 'हाँ, और वो इसे इस तरह कहती थीं: "Qu'avez vous donc? lui dit un de ces rats; parlez!" वो मुझे हाथ उठाने के लिए कहती थीं—ताकि मुझे याद रहे कि सवाल के समय मुझे अपनी आवाज़ ऊँची करनी है। अब क्या मैं आपके लिए नाचूँ?' 'नहीं, इतना काफी है: लेकिन जैसा कि आप कहती हैं, आपकी माँ के पवित्र कुंवारी के पास जाने के बाद, आप किसके साथ रहीं?' 'मैडम फ्रेडरिक और उनके पति के साथ: उन्होंने मेरी देखभाल की, लेकिन उनका मुझसे कोई रिश्ता नहीं है। मुझे लगता है कि वो गरीब थीं, क्योंकि उनका घर माँ जैसा आलीशान नहीं था। मैं वहाँ ज़्यादा दिन नहीं रही। मिस्टर रोचेस्टर ने मुझसे पूछा कि क्या मैं उनके साथ इंग्लैंड जाकर रहना चाहूँगी, और मैंने हाँ कह दी; मैं मैडम फ्रेडरिक से पहले मिस्टर रोचेस्टर को जानती थी, और वे हमेशा मेरे प्रति दयालु थे और मुझे सुंदर कपड़े और खिलौने देते थे: लेकिन आप देख सकते हैं कि उन्होंने अपना वादा नहीं निभाया, क्योंकि वे मुझे इंग्लैंड लाए थे, और अब वे खुद वापस चले गए हैं, और मैं उन्हें कभी नहीं देख पाती। नाश्ते के बाद, एडेल और मैं पुस्तकालय में चले गए, जिस कमरे को, ऐसा लगता है, मिस्टर रोचेस्टर ने स्कूल के कमरे के रूप में इस्तेमाल करने का निर्देश दिया था। अधिकांश पुस्तकें कांच के दरवाजों के पीछे बंद थीं; लेकिन एक किताबों की अलमारी खुली थी जिसमें प्राथमिक शिक्षा के लिए आवश्यक सभी

सामग्री, और कई हल्के साहित्य, कविता, जीवनी, यात्रा वृत्तांत, कुछ प्रेम उपन्यास आदि थे। मुझे लगता है कि उन्होंने सोचा होगा कि ये सभी पुस्तकें गवर्नेंस के निजी अध्ययन के लिए पर्याप्त होंगी; और वास्तव में, ये मुझे फिलहाल पूरी तरह संतुष्ट कर रही थीं; लोवुड में मुझे जो थोड़ी-बहुत सामग्री मिल पाती थी, उसकी तुलना में ये मनोरंजन और जानकारी का भरपूर भंडार प्रतीत होती थीं। इस कमरे में भी एक नया और बेहतरीन ध्वनि वाला कैबिनेट पियानो था; साथ ही पेंटिंग के लिए एक ईज़ल और दो ग्लोब भी थे। मैंने अपनी छात्रा को काफी आज्ञाकारी पाया, हालांकि वह काम में मन नहीं लगाती थी: उसे किसी भी नियमित कार्य में व्यस्त रहने की आदत नहीं थी।
जेन आयर 95 श्री ईईई दयालु। मुझे लगा कि शुरू में उसे बहुत ज्यादा रोकना उचित नहीं होगा; इसलिए, जब मैंने उससे काफी देर तक बात कर ली और उसे थोड़ा बहुत सिखा दिया, और जब सुबह से दोपहर हो गई, तो मैंने उसे उसकी नर्स के पास लौटने दिया। फिर मैंने सोचा कि मैं दोपहर के भोजन तक उसके लिए कुछ छोटे-छोटे रेखाचित्र बनाने में व्यस्त रहूँगी। जब मैं अपना पोर्टफोलियो और पेंसिल लेने ऊपर जा रही थी, तो श्रीमती फेयरफैक्स ने मुझे पुकारा: 'मुझे लगता है कि अब आपके सुबह के स्कूल के घंटे खत्म हो गए हैं,' उन्होंने कहा। वह एक कमरे में थीं जिसके तह वाले दरवाजे खुले थे: जब उन्होंने मुझे बुलाया तो मैं अंदर चली गई। यह एक बड़ा, आलीशान कमरा था, जिसमें बैंगनी कुर्सियाँ और पर्दे, एक टर्की कालीन, अखरोट की लकड़ी की दीवारें, रंगीन कांच से सजी एक विशाल खिड़की और एक ऊँची, भव्य रूप से गढ़ी हुई छत थी। श्रीमती फेयरफैक्स एक साइडबोर्ड पर रखे कुछ सुंदर बैंगनी स्पार के फूलदानों की धूल झाड़ रही थीं। 'कितना सुंदर कमरा है!' मैंने चारों ओर देखते हुए कहा; क्योंकि मैंने इससे पहले कभी इतना भव्य कमरा नहीं देखा था। 'हाँ; यह भोजन कक्ष है। मैंने अभी खिड़की खोली है, ताकि थोड़ी हवा और धूप अंदर आ सके; क्योंकि जिन कमरों में कम ही लोग रहते हैं, उनमें सब कुछ बहुत नम हो जाता है; वह ड्राइंग रूम किसी तहखाने जैसा लगता है।' उसने खिड़की के सामने एक चौड़े मेहराब की ओर इशारा किया, जिस पर उसी तरह टायेरियन रंग का पर्दा लगा था, जो अब ऊपर उठा हुआ था। दो चौड़ी सीढ़ियाँ चढ़कर और उसमें से झाँककर, मुझे लगा जैसे मैंने किसी परीलोक की झलक देख ली हो, मेरी अनुभवहीन आँखों को वह दृश्य इतना चमकदार लगा। लेकिन यह केवल एक बहुत ही सुंदर ड्राइंग रूम था, और उसके अंदर एक शयनकक्ष था, दोनों में सफेद कालीन बिछे थे, जिन पर मानो फूलों की चमकदार

मालाएँ सजी हों; दोनों की छतें सफेद अंगूर और लताओं की बर्फीली नक्काशी से सजी थीं, जिनके नीचे गहरे लाल रंग के सोफे और ओटोमन एक समृद्ध विरोधाभास में चमक रहे थे; जबकि हल्के रंग के पैरियन मेंटलपीस पर लगे आभूषण चमकीले बोहेमियन कांच के थे, माणिक लाल रंग के; और खिड़कियों के बीच बड़े-बड़े दर्पण बर्फ और आग के सामान्य मिश्रण को दोहरा रहे थे। 'श्रीमती फेयरफैक्स, आप इन कमरों को किस तरह व्यवस्थित रखती हैं!' मैंने कहा। 'न धूल, न कैनवास के पर्दे: सिवाय इसके कि हवा ठंडी लगती है, कोई भी सोचेगा कि इनमें रोज़ाना लोग रहते हैं।' 'क्यों, मिस आयर, हालांकि श्री रोचेस्टर का यहाँ आना दुर्लभ है, लेकिन वे हमेशा अचानक और अप्रत्याशित होते हैं; और जैसा कि मैंने देखा कि उन्हें सब कुछ लिपटा हुआ और उनके आने पर व्यवस्था की भागदौड़ देखकर बुरा लगता है, इसलिए मैंने कमरों को तैयार रखना ही बेहतर समझा।' 'क्या श्री रोचेस्टर एक सख्त, नज़ाकत पसंद आदमी हैं?' 'खास तौर पर नहीं; लेकिन उनमें एक सज्जन व्यक्ति की पसंद है और

 उनकी आदतें पक्की हैं, और वे चाहते हैं कि सब कुछ उन्हीं के अनुरूप हो।' 'क्या आप उन्हें पसंद करती हैं? क्या उन्हें आम तौर पर पसंद किया जाता है?' 'हाँ, बिल्कुल; इस परिवार का यहाँ हमेशा से सम्मान रहा है। इस मोहल्ले की लगभग सारी ज़मीन, जहाँ तक आप देख सकती हैं, बहुत पहले से रोचेस्टर परिवार की रही है।' 'अच्छा, लेकिन उनकी ज़मीन की बात छोड़ दें, तो क्या आप उन्हें पसंद करती हैं? क्या उन्हें उनके व्यक्तित्व के कारण पसंद किया जाता है?' 'मेरे पास उन्हें पसंद न करने का कोई कारण नहीं है; और मेरा मानना है कि उनके किरायेदार उन्हें एक न्यायप्रिय और उदार जमींदार मानते हैं: लेकिन वे उनके बीच ज़्यादा नहीं रहे हैं।' 'लेकिन क्या उनमें कोई खास आदतें नहीं हैं? संक्षेप में, उनका चरित्र कैसा है?' 'ओह! मुझे लगता है कि उनका चरित्र बेदाग है। शायद वे थोड़े सनकी हैं: उन्होंने बहुत यात्रा की है, और दुनिया का बहुत कुछ देखा है, मुझे ऐसा लगता है।' मैं कह सकती हूँ कि वह चतुर हैं, लेकिन मेरी उनसे ज़्यादा बातचीत नहीं हुई।' 'उनमें क्या विचित्रता है?' 'मुझे नहीं पता—वर्णन करना आसान नहीं है—कुछ खास नहीं, लेकिन जब वह आपसे बात करते हैं तो आपको यह महसूस होता है; आप हमेशा निश्चित नहीं हो सकते कि वह मज़ाक कर रहे हैं या गंभीर हैं, खुश हैं या उदास; संक्षेप में, आप उन्हें पूरी तरह से नहीं समझ पाते—कम से कम मैं तो नहीं समझ पाती: लेकिन इससे कोई

फर्क नहीं पड़ता, वह बहुत अच्छे मालिक हैं।' श्रीमती फेयरफैक्स से मुझे उनके और मेरे मालिक के बारे में बस इतना ही पता चला। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें किसी व्यक्ति या वस्तु के चरित्र का चित्रण करने या उसके मुख्य बिंदुओं को देखने और उनका वर्णन करने का कोई ज्ञान नहीं होता: यह महिला स्पष्ट रूप से इसी श्रेणी में आती थीं; मेरे प्रश्नों ने उन्हें उलझन में डाल दिया, लेकिन उनसे कोई जवाब नहीं मिला। उनकी नज़र में श्री रोचेस्टर, श्री रोचेस्टर ही थे; एक सज्जन, एक ज़मींदार—बस इतना ही: उन्होंने आगे कोई पूछताछ या खोजबीन नहीं की, और स्पष्ट रूप से मेरी उनकी पहचान के बारे में और अधिक स्पष्ट जानकारी प्राप्त करने की इच्छा पर आश्चर्य व्यक्त किया। जब हम भोजन कक्ष से निकले तो उसने मुझे घर का बाकी हिस्सा दिखाने का प्रस्ताव रखा; और मैं उसके पीछे-पीछे ऊपर-नीचे गया, हर चीज़ की प्रशंसा करता हुआ; क्योंकि सब कुछ सुव्यवस्थित और सुंदर था। 'मुझे सामने के बड़े कमरे विशेष रूप से भव्य लगे: और तीसरी मंजिल के कुछ कमरे, हालांकि अंधेरे और छोटे थे, अपनी प्राचीनता के कारण दिलचस्प थे। निचले कमरों में रखा गया फर्नीचर समय-समय पर फैशन बदलने के साथ यहाँ लाया गया था: और उनकी संकरी खिड़कियों से आने वाली अपूर्ण रोशनी में सौ साल पुराने पलंग दिखाई दे रहे थे; ओक या अखरोट की लकड़ी के संदूक, ताड़ की शाखाओं और देवदूतों की विचित्र नक्काशी के साथ आकर्षक लग रहे थे।'

जेन आयर 97 सोए ईईई ईएस मुझे सिर की तरह, हिब्रू सन्दूक के प्रतीकों की तरह; आदरणीय कुर्सियों की कतारें, ऊँची पीठ वाली और संकरी; और भी पुराने स्टूल, जिनके गद्दीदार शीर्षों पर अभी भी आधी मिट चुकी कढ़ाई के निशान दिखाई दे रहे थे, उन उंगलियों द्वारा बुने गए जो दो पीढ़ियों से ताबूत की धूल बन चुकी थीं। इन सभी अवशेषों ने थॉर्नफील्ड हॉल की तीसरी मंजिल को अतीत के घर का रूप दिया: स्मृति का एक मंदिर। मुझे दिन के समय इन एकांत स्थानों की खामोशी, उदासी और विचित्रता पसंद थी; लेकिन मैं उन चौड़े और भारी बिस्तरों में से किसी एक पर रात के आराम की बिल्कुल भी इच्छा नहीं रखती थी: उनमें से कुछ ओक के दरवाजों से बंद थे; अन्य, बुने हुए पुराने अंग्रेजी पर्दों से ढके हुए थे जिन पर मोटी नक्काशी की गई थी, जिसमें अजीब फूलों, अजीब पक्षियों और सबसे अजीब इंसानों की आकृतियाँ बनी थीं—जो वास्तव में चाँदनी की फीकी चमक में अजीब ही दिखतीं। मैंने पूछा, 'क्या नौकर इन कमरों में सोते हैं?' उन्होंने कहा, 'नहीं; वे पीछे की ओर बने छोटे

कमरों में रहते हैं; यहाँ कोई नहीं सोता: ऐसा लगता है मानो थॉर्नफील्ड हॉल में कोई भूत होता, तो यही उसका ठिकाना होता।' 'तो मुझे भी यही लगता है: फिर आपके यहाँ कोई भूत नहीं है?' श्रीमती फेयरफैक्स ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैंने तो कभी किसी भूत के बारे में नहीं सुना।' 'न ही कोई परंपरा? कोई किंवदंती या भूत-प्रेत की कहानियाँ?' 'मुझे नहीं लगता। फिर भी कहा जाता है कि रोचेस्टर अपने समय में शांत स्वभाव के बजाय हिंसक थे: शायद यही कारण है कि वे अब अपनी कब्रों में शांति से सो रहे हैं।' 'हाँ—जीवन के उतार-चढ़ाव भरे दौर के बाद वे चैन से सो रहे हैं,' मैंने बुदबुदाते हुए कहा। 'अब आप कहाँ जा रही हैं, श्रीमती फेयरफैक्स?' क्योंकि वह जाने लगीं। 'ऊपर की ओर; क्या आप वहाँ से नज़ारा देखना चाहेंगी?' मैं उनके पीछे-पीछे एक बहुत ही संकरी सीढ़ी से अटारी तक गया, और फिर एक सीढ़ी से होते हुए और एक गुप्त दरवाजे से हॉल की छत पर पहुँचा। अब मैं कौवों के झुंड के बराबर ऊंचाई पर था और उनके घोंसलों को देख सकता था। प्राचीर पर झुककर और दूर नीचे देखते हुए, मैंने नक्शे की तरह फैले मैदान का जायजा लिया: चमकीला और मखमली लॉन हवेली के भूरे आधार को कसकर घेरे हुए था; मैदान, एक पार्क जितना चौड़ा, अपने प्राचीन पेड़ों से भरा हुआ; जंगल, मटमैला और सूखा, एक पगडंडी से विभाजित, जो स्पष्ट रूप से झाड़ियों से ढकी हुई थी, पेड़ों की पत्तियों से भी ज्यादा हरी काई से ढकी हुई थी; द्वार पर स्थित गिरजाघर, सड़क, शांत पहाड़ियाँ, सभी शरद ऋतु के दिन के सूरज में विश्राम कर रहे थे; क्षितिज एक शुभ आकाश से घिरा हुआ था, नीला, मोती जैसे सफेद रंग से सजा हुआ। दृश्य में कोई भी विशेषता असाधारण नहीं थी, लेकिन सब कुछ मनमोहक था। जब मैं इससे मुड़ा और जाल वाले दरवाजे से वापस गुजरा, तो मैं देख सकता था

98 जेन आयर सीढ़ी से नीचे उतरते समय मुझे मुश्किल से ही रास्ता दिखाई दे रहा था; अटारी उस नीले आकाश के मेहराब की तुलना में बिल्कुल काली लग रही थी, जिसकी ओर मैं ऊपर देख रही थी, और उस धूप से जगमगाते हुए दृश्य की तुलना में, जिसमें उपवन, चारागाह और हरी पहाड़ियाँ थीं, जिसका केंद्र हॉल था, और जिस पर मैं आनंद से निहार रही थी। श्रीमती फेयरफैक्स एक क्षण के लिए ट्रैपडोर बंद करने के लिए रुकीं; मैंने टटोलते हुए अटारी से बाहर निकलने का रास्ता खोज लिया और संकरी सीढ़ी से नीचे उतरने लगी। मैं उस लंबे गलियारे में कुछ देर रुकी, जो तीसरी मंजिल के आगे और पीछे के कमरों को अलग करता था: संकरा, नीचा और धुंधला,

जिसके दूर छोर पर केवल एक छोटी सी खिड़की थी, और अपने बंद छोटे काले दरवाजों की दो पंक्तियों के साथ, किसी ब्लूबीयर्ड के महल के गलियारे जैसा लग रहा था। जैसे ही मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ी, उस शांत जगह में जिस आखिरी आवाज़ की मुझे उम्मीद थी, वह एक हंसी थी, जो मेरे कानों में पड़ी। यह एक अजीब हंसी थी; स्पष्ट, औपचारिक, आनंदहीन। मैं रुक गया: आवाज़ एक पल के लिए थम गई; फिर से शुरू हुई, और तेज़ हो गई: क्योंकि पहले, स्पष्ट होने के बावजूद, यह बहुत धीमी थी। यह एक शोरगुल भरी गूंज में बदल गई, जिसकी गूंज हर सुनसान कमरे में सुनाई दी; हालाँकि यह केवल एक कमरे से ही शुरू हुई थी, और मैं उस दरवाजे की ओर इशारा कर सकता था जहाँ से आवाज़ आ रही थी। "श्रीमती फेयरफैक्स!" मैंने पुकारा: क्योंकि अब मुझे उनकी बड़ी सीढ़ियों से नीचे उतरती हुई आवाज़ सुनाई दे रही थी। "क्या आपने वह ज़ोरदार हंसी सुनी? कौन है?" "शायद नौकरानियों में से कोई होगी," उन्होंने उत्तर दिया: "शायद ग्रेस पूल।" "क्या आपने सुनी?" मैंने फिर पूछा। "हाँ, साफ़-साफ़: मैं अक्सर उसे सुनती हूँ: वह इन्हीं कमरों में से एक में सिलाई करती है। कभी-कभी लिआ उसके साथ होती है; वे अक्सर साथ में शोर मचाती हैं।" हंसी उसी धीमी, शब्दांश वाली आवाज़ में दोहराई गई, और एक अजीब बड़बड़ाहट में समाप्त हुई। "ग्रेस!" श्रीमती फेयरफैक्स ने कहा। मुझे वास्तव में किसी ग्रेस के जवाब देने की उम्मीद नहीं थी; वह हंसी इतनी दुखद और अलौकिक थी जितनी मैंने पहले कभी नहीं सुनी थी; और अगर दोपहर का समय न होता और उस अजीब सी हंसी में भूतियापन का कोई संकेत न होता; अगर न तो दृश्य और न ही मौसम भय के अनुकूल होता, तो मैं अंधविश्वासवश डर जाता। हालांकि, इस घटना ने मुझे यह दिखा दिया कि आश्चर्य की भावना रखना भी मेरी मूर्खता थी। मेरे सबसे पास वाला दरवाजा खुला और एक नौकरानी बाहर आई—तीस से चालीस वर्ष की एक महिला; गठीली, सुगठित काया वाली, लाल बालों वाली और सख्त, भावहीन चेहरे वाली: इससे कम रोमांटिक या कम भूतिया आकृति की कल्पना करना मुश्किल था।

 "बहुत शोर है, ग्रेस," श्रीमती फेयरफैक्स ने कहा। "रास्ते याद रखो!" ग्रेस ने चुपचाप झुककर प्रणाम किया और अंदर चली गई। विधवा ने आगे कहा, "यह वह लड़की है जिसे हमें सिलाई का काम करना है और लीह को उसके घरेलू काम में मदद करनी है; कुछ मामलों में वह पूरी तरह से ठीक नहीं है, लेकिन वह ठीक-ठाक काम करती है। वैसे, आज सुबह आपकी नई छात्रा के साथ आपका कैसा अनुभव

रहा?" इस तरह एडेल पर केंद्रित बातचीत तब तक जारी रही जब तक हम नीचे के उजाले और खुशनुमा क्षेत्र में नहीं पहुँच गए। एडेल दौड़कर हॉल में हमसे मिलने आई और बोली— ""मैडम्स, आप तैयार हैं!" और आगे कहा, "मुझे बहुत भूख लगी है!" हमने श्रीमती फेयरफैक्स के कमरे में खाना तैयार पाया। अध्याय XII थॉर्नफील्ड हॉल से मेरे पहले शांत परिचय ने जिस सुगम करियर का वादा किया था, वह उस जगह और उसके निवासियों से लंबे समय तक परिचित होने पर झूठा साबित नहीं हुआ। श्रीमती फेयरफैक्स जैसी दिखती थीं, वैसी ही निकलीं - शांत स्वभाव वाली, दयालु महिला, अच्छी शिक्षा प्राप्त और औसत बुद्धि वाली। मेरी छात्रा एक चंचल बच्ची थी, जिसे बहुत लाड़-प्यार मिला था, इसलिए वह कभी-कभी जिद्दी हो जाती थी; लेकिन चूंकि वह पूरी तरह से मेरी देखरेख में थी, और किसी भी तरफ से कोई अनुचित हस्तक्षेप उसके सुधार की मेरी योजनाओं में बाधा नहीं बना, इसलिए उसने जल्द ही अपनी छोटी-मोटी शरारतें भुला दीं और आज्ञाकारी और सीखने की इच्छुक बन गई। उसमें कोई विशेष प्रतिभा नहीं थी, चरित्र की कोई विशिष्ट विशेषता नहीं थी, भावनाओं या रुचियों का कोई ऐसा विशेष विकास नहीं था जो उसे बचपन के सामान्य स्तर से एक इंच भी ऊपर उठाता; लेकिन उसमें कोई ऐसी कमी या अवगुण भी नहीं था जो उसे इससे नीचे गिराता। उसने अच्छी प्रगति की, मेरे प्रति उसका स्नेह जीवंत था, हालांकि शायद बहुत गहरा नहीं; और अपनी सरलता, हंसमुख बातों और मुझे खुश करने के प्रयासों से उसने मुझे भी बदले में इतना लगाव दिया कि हम दोनों एक-दूसरे की संगति में संतुष्ट रहे। यह बात उन लोगों को ठंडी भाषा लग सकती है जो बच्चों के देवदूत स्वभाव और उनकी शिक्षा का दायित्व मानने वालों के कर्तव्य के बारे में गंभीर मत रखते हैं: लेकिन मैं माता-पिता के अहंकार को बढ़ावा देने, पाखंड दोहराने या ढोंग को सहारा देने के लिए नहीं लिख रहा हूँ; मैं बस सच कह रहा हूँ। मुझे एडेल के कल्याण और प्रगति के लिए सच्ची चिंता थी, और उसके छोटे से रूप से मुझे एक शांत स्नेह था: ठीक वैसे ही जैसे मुझे श्रीमती फेयरफैक्स की दयालुता के लिए कृतज्ञता थी, और उनके प्रति आनंद था।

जेन आयर ———— मेरे प्रति उनके शांत आदर और उनके संयमित स्वभाव के अनुरूप ही समाज में उनका व्यवहार था। जो चाहे मुझे दोष दे सकता है, जब मैं आगे यह जोड़ती हूँ कि कभी-कभी, जब मैं अकेले बगीचे में टहलने जाती थी; जब मैं फाटकों तक जाती और सड़क पर बाहर देखती; या जब एडेल अपनी नर्स के साथ

खेल रही होती और श्रीमती फेयरफैक्स भंडारगृह में जेली बना रही होतीं, तो मैं तीन सीढ़ियाँ चढ़कर अटारी का दरवाज़ा खोलती और सीढ़ियाँ पहुँचकर दूर एकांत खेतों और पहाड़ियों तथा धुंधले क्षितिज को देखती—तब मुझे ऐसी दृष्टि की लालसा होती जो उस सीमा को पार कर सके; जो उस व्यस्त दुनिया, उन कस्बों, जीवन से भरपूर क्षेत्रों तक पहुँच सके जिनके बारे में मैंने सुना तो था लेकिन कभी देखा नहीं था—तब मुझे अपने पास मौजूद अनुभव से कहीं अधिक व्यावहारिक अनुभव की इच्छा होती थी; अपने जैसे लोगों से अधिक मेलजोल की, विभिन्न चरित्रों से अधिक परिचय की, जो यहाँ मेरी पहुँच से बाहर था। मैंने श्रीमती फेयरफैक्स और एडेल दोनों में जो अच्छाई थी, उसकी सराहना की; लेकिन मैं अच्छाई के अन्य और अधिक जीवंत रूपों में विश्वास करती थी, और जिस अच्छाई में मेरा विश्वास था, उसे मैं देखना चाहती थी। मुझे कौन दोष देगा? निस्संदेह कई लोग; और मुझे असंतुष्ट कहा जाएगा। मैं कुछ नहीं कर सकती थी: बेचैनी मेरे स्वभाव में थी; यह कभी-कभी मुझे पीड़ा देती थी। तब मेरा एकमात्र सहारा तीसरी मंजिल के गलियारे में आगे-पीछे टहलना था, उस स्थान की शांति और एकांत में सुरक्षित महसूस करना, और अपने मन को उन सभी उज्ज्वल दृश्यों पर टिकने देना जो उसके सामने उभरते थे—और निश्चित रूप से, वे अनेक और चमकते थे; अपने हृदय को उस उल्लासपूर्ण हलचल से भर देना, जो उसे कष्ट में तो भर देती थी, लेकिन जीवन से भर देती थी; और सबसे बढ़कर, अपने अंतर्मन को एक ऐसी कहानी सुनने देना जो कभी समाप्त नहीं होती थी—एक ऐसी कहानी जिसे मेरी कल्पना ने रचा था, और लगातार सुनाया जाता था; घटनाओं, जीवन, जोश, भावनाओं से भरपूर, जो मैं चाहती थी और जो मेरे वास्तविक जीवन में नहीं थी। यह कहना व्यर्थ है कि मनुष्य को शांति से संतुष्ट हो जाना चाहिए: उन्हें सक्रियता चाहिए; और यदि उन्हें सक्रियता नहीं मिलती, तो वे उसे स्वयं उत्पन्न कर लेते हैं। लाखों लोग मुझसे भी बदतर नियति के शिकार हैं, और लाखों लोग अपनी नियति के विरुद्ध मौन विद्रोह कर रहे हैं। कोई नहीं जानता कि पृथ्वी पर रहने वाले लोगों के जनसमूह में राजनीतिक विद्रोहों के अलावा कितने विद्रोह सुलग रहे हैं। आम तौर पर महिलाओं को बहुत शांत माना जाता है: लेकिन महिलाएं भी पुरुषों की तरह ही महसूस करती हैं; उन्हें भी अपने मस्तिष्क के विकास और प्रयासों के लिए एक क्षेत्र की उतनी ही आवश्यकता होती है जितनी उनके भाइयों को; वे भी अत्यधिक कठोर बंधन और पूर्ण गतिरोध से उतनी ही पीड़ित होती हैं जितनी पुरुष होते हैं; और अपने से अधिक विशेषाधिकार प्राप्त

साथियों के लिए यह कहना संकीर्ण मानसिकता है कि उन्हें सीमित कर देना चाहिए। जेन आयर 101 में, वे खुद को पुडिंग बनाने और मोज़े बुनने से लेकर पियानो बजाने और बैग पर कढ़ाई करने तक में मग्न कर लेती थीं। अगर वे अपनी जाति के लिए तय की गई प्रथा से ज़्यादा कुछ करने या सीखने की कोशिश करती हैं, तो उनकी निंदा करना या उन पर हंसना नासमझी है। जब मैं अकेली होती थी, तो अक्सर ग्रेस पूल की हंसी सुनती थी: वही गूंज, वही धीमी, हल्की हा! हा! जो पहली बार सुनकर मुझे रोमांचित कर देती थी: मैं उसकी अजीबोगरीब बड़बड़ाहट भी सुनती थी; जो उसकी हंसी से भी ज़्यादा अजीब थी। कुछ दिन ऐसे होते थे जब वह बिल्कुल चुप रहती थी; लेकिन कुछ दिन ऐसे भी होते थे जब मैं उसकी आवाज़ों का कारण नहीं समझ पाती थी। कभी-कभी मैं उसे देखती थी: वह अपने कमरे से हाथ में बेसिन, प्लेट या ट्रे लेकर बाहर आती, रसोई में जाती और थोड़ी देर में लौट आती, आमतौर पर (ओह, रोमांटिक पाठक, मुझे सच बताने के लिए क्षमा करें!) पोर्टर का एक बर्तन लिए हुए। उसकी शक्ल-सूरत हमेशा उसकी बातों की विचित्रता से पैदा होने वाली जिज्ञासा को कम कर देती थी: कठोर चेहरे और गंभीर स्वभाव वाली, उसमें ऐसी कोई बात नहीं थी जिस पर ध्यान दिया जा सके। मैंने उससे बातचीत शुरू करने की कई कोशिशें कीं, लेकिन वह कम बोलने वाली लगती थी: एक शब्द का जवाब अक्सर मेरी हर कोशिश को नाकाम कर देता था। घर के बाकी सदस्य, जैसे जॉन और उसकी पत्नी, नौकरानी लीह और फ्रांसीसी नर्स सोफी, भले लोग थे; लेकिन उनमें कोई खास बात नहीं थी; मैं सोफी से फ्रेंच में बात करता था, और कभी-कभी उससे उसके देश के बारे में सवाल पूछता था; लेकिन वह वर्णनात्मक या कथात्मक नहीं थी, और आमतौर पर ऐसे नीरस और उलझे हुए जवाब देती थी जो जिज्ञासा को बढ़ावा देने के बजाय उसे कम कर देते थे। अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर बीत गए। जनवरी में एक दोपहर, श्रीमती फेयरफैक्स ने एडेल के लिए छुट्टी मांगी, क्योंकि उसे सर्दी हो गई थी; और, चूंकि एडेल ने इस अनुरोध का पूरे उत्साह से समर्थन किया, जिससे मुझे अपने बचपन में कभी-कभार मिलने वाली छुट्टियों का महत्व याद आ गया, इसलिए मैंने उसकी बात मान ली, यह सोचकर कि मैंने इस मामले में लचीलापन दिखाकर अच्छा किया। वह एक सुहावना, शांत दिन था, हालांकि बहुत ठंड थी; मैं पूरी सुबह पुस्तकालय में बैठे-बैठे थक गई थी: श्रीमती फेयरफैक्स ने अभी-अभी एक पत्र लिखा था जो डाक से भेजा जाना बाकी था, इसलिए मैंने अपनी टोपी और लबादा पहना और उसे हे तक ले जाने की पेशकश

की; दो मील की दूरी सर्दियों की दोपहर में एक सुखद सैर होगी। एडेल को श्रीमती फेयरफैक्स के बैठक कक्ष में चूल्हे के पास अपनी छोटी कुर्सी पर आराम से बैठे देखकर, मैंने उसे उसकी सबसे अच्छी मोम की गुड़िया (जिसे मैं आमतौर पर दराज में चांदी के कागज में लपेटकर रखती थी) खेलने के लिए दी, और मनोरंजन के लिए एक कहानी की किताब भी दी; और उसके पत्र का उत्तर "रेवेन्ज़ बिएन्टोट, मा बोन अमी, मा चेरे मैडम जेनेट" एक चुंबन के साथ देकर मैं चल पड़ी।

102 जेन आयर एनएन जमीन सख्त थी, हवा थमी थी, मेरा रास्ता सुनसान था; मैं तेज चलती रही जब तक कि मुझे गर्मी महसूस नहीं हुई, और फिर मैं धीरे-धीरे चलने लगी ताकि उस समय और उस जगह में छिपे सुखों का आनंद ले सकूं और उनका विश्लेषण कर सकूं। तीन बज रहे थे; जब मैं घंटाघर के नीचे से गुजरी तो चर्च की घंटी बजी: उस समय का आकर्षण उसकी बढ़ती धुंध में, ढलते और फीके सूरज में था। मैं थॉर्नफील्ड से एक मील दूर एक ऐसी गली में थी जो गर्मियों में जंगली गुलाबों के लिए, शरद ऋतु में मेवों और ब्लैकबेरी के लिए प्रसिद्ध थी, और अब भी उसमें कुछ मूंगे जैसे फल और बेर मौजूद थे, लेकिन सर्दियों में उसका सबसे बड़ा आनंद उसकी पूर्ण शांति और पत्तों से रहित सन्नाटे में था। अगर हवा का एक झोंका भी चलता, तो यहाँ उसकी कोई आवाज नहीं होती; क्योंकि यहाँ न तो कोई होली का पेड़ था, न ही कोई सदाबहार पेड़ जो सरसराता, और बिना पत्तों वाली हॉथोर्न और हेज़ल की झाड़ियाँ उतनी ही शांत थीं जितनी कि सफेद, घिसे हुए पत्थर जो रास्ते के बीचोंबीच बने थे। चारों ओर दूर-दूर तक केवल खेत ही खेत थे, जहाँ अब कोई मवेशी नहीं चरते थे; और झाड़ियों में कभी-कभार हिलने वाले छोटे भूरे पक्षी ऐसे लग रहे थे मानो वे एक-एक लाल पत्ते हों जो गिरना भूल गए हों। यह रास्ता हे तक पूरी तरह से ऊपर की ओर जाता था; बीच में पहुँचकर मैं एक सीढ़ी पर बैठ गया जो वहाँ से एक खेत में जाती थी। अपने लबादे को अपने चारों ओर लपेटकर और अपने हाथों को मफ में छिपाकर, मुझे ठंड नहीं लगी, हालाँकि बहुत ठंड थी; जैसा कि उस रास्ते पर जमी बर्फ की चादर से पता चलता था, जहाँ कुछ दिन पहले बर्फ पिघलने के बाद एक छोटी सी धारा बह रही थी, जो अब जम गई थी। अपनी जगह से मैं थॉर्नफील्ड को देख सकता था: नीचे घाटी में धूसर और बुर्जदार हॉल मुख्य आकर्षण था; इसके जंगल और घने पक्षी-पक्षी पश्चिम की ओर फैले हुए थे। मैं तब तक रुका रहा जब तक सूरज पेड़ों के बीच डूब नहीं गया और उनके पीछे लालिमा लिए हुए साफ रंग में गायब नहीं हो गया।

फिर मैं पूर्व की ओर मुड़ा। मेरे ऊपर पहाड़ी की चोटी पर उगता हुआ चाँद था; बादल की तरह पीली, लेकिन क्षण भर के लिए चमकती हुई, उसने हे की ओर देखा, जो पेड़ों में आधा छिपा हुआ था और अपनी कुछ चिमनियों से नीला धुआँ उड़ा रहा था: वह अभी भी एक मील दूर था, लेकिन पूर्ण सन्नाटे में मैं उसकी हल्की फुसफुसाहट साफ सुन सकता था। मेरे कान भी धाराओं के प्रवाह को महसूस कर रहे थे; किन घाटियों और गहराइयों में, मैं बता नहीं सकता था: लेकिन हे के पार कई पहाड़ियाँ थीं, और निस्संदेह कई छोटी नदियाँ उनके रास्तों से बह रही थीं। उस शाम की शांति ने पास की धाराओं की कलकल और सबसे दूर की धाराओं की सरसराहट को समान रूप से प्रकट किया। इन कोमल लहरों और फुसफुसाहटों पर एक कर्कश शोर फूट पड़ा, जो एक साथ इतना दूर और इतना स्पष्ट था: एक स्पष्ट पदचाप, पदचाप, एक धातुई खड़खड़ाहट, जिसने कोमल लहरों के भटकने को मिटा दिया; जैसे, एक चित्र में, एक चट्टान का ठोस द्रव्यमान, या एक खुरदरे तने।

जेन आयर 103 ct a a nr rr ih" अग्रभूमि में गहरे और मजबूत रंग में बना विशाल ओक का पेड़, नीली पहाड़ी, धूप से जगमगाते क्षितिज और आपस में घुलते बादलों की हवाई दूरी को मिटा देता है, जहाँ रंग आपस में मिल जाते हैं। पुल पर शोर था: एक घोड़ा आ रहा था; गली के घुमावों ने उसे अभी तक छिपा रखा था, लेकिन वह पास आ रहा था। मैं अभी-अभी सीढ़ी से निकल ही रही थी; फिर भी, क्योंकि रास्ता संकरा था, मैं उसे जाने देने के लिए वहीं बैठी रही। उन दिनों मैं जवान थी, और मेरे मन में हर तरह की उज्ज्वल और अंधेरी कल्पनाएँ भरी रहती थीं: बच्चों की कहानियों की यादें अन्य बेकार की चीजों के बीच थीं; और जब वे फिर से आतीं, तो परिपक्व होती जवानी उनमें बचपन से परे एक जोश और जीवंतता जोड़ देती थी। जैसे ही यह घोड़ा पास आया, और जैसे ही मैंने गोधूलि में उसके प्रकट होने का इंतजार किया, मुझे बेसी की कुछ कहानियाँ याद आईं, जिनमें उत्तरी इंग्लैंड की एक आत्मा का वर्णन था जिसे 'गिट्रैश' कहा जाता था, जो घोड़े, खच्चर या बड़े कुत्ते के रूप में प्रकट होती थी, सुनसान रास्तों पर भटकता रहता था, और कभी-कभी देर से आने वाले यात्रियों से टकरा जाता था, जैसे यह घोड़ा अब मेरी ओर आ रहा था। वह बहुत पास था, लेकिन अभी दिखाई नहीं दे रहा था; तभी, पैरों की आहट के साथ-साथ, मुझे झाड़ी के नीचे से सरसराहट की आवाज़ सुनाई दी, और हेज़ल के तनों के पास से एक बड़ा कुत्ता सरक कर निकला, जिसका काला और सफेद रंग उसे पेड़ों के बीच अलग ही पहचान

दे रहा था। यह बिल्कुल बेसी के गिट्रैश का ही रूप था—एक शेर जैसा प्राणी, लंबे बालों और विशाल सिर वाला: हालाँकि, वह मेरे पास से चुपचाप गुजर गया; मेरी उम्मीद के विपरीत, वह अपनी अजीब सी आँखों से मेरे चेहरे की ओर देखने के लिए नहीं रुका। घोड़ा पीछे-पीछे आया—एक लंबा घोड़ा, और उसकी पीठ पर एक सवार। उस आदमी, उस इंसान ने तुरंत ही भ्रम तोड़ दिया। गिट्रैश पर कभी कोई सवार नहीं होता था: वह हमेशा अकेला रहता था; और मेरे विचार से, भले ही भूत-प्रेत जानवरों के बेजान शवों में निवास करते हों, वे आम इंसान के रूप में शरण लेने की इच्छा नहीं कर सकते। यह कोई गिट्रैश नहीं था,—केवल एक एक यात्री मिलकोट जाने के लिए शॉर्टकट ले रहा था। वह आगे निकल गया और मैं आगे बढ़ गया; कुछ कदम चलने के बाद, मैं मुड़ा: एक फिसलने की आवाज़ और 'अब क्या करूँ?' की चीख और एक ज़ोरदार गिरने की आवाज़ ने मेरा ध्यान खींचा। आदमी और घोड़ा दोनों गिर पड़े थे; वे उस बर्फ की चादर पर फिसल गए थे जिसने पुल को चिकना कर दिया था। कुत्ता उछलता हुआ वापस आया और अपने मालिक को संकट में देखकर, और घोड़े की कराह सुनकर, तब तक भौंकता रहा जब तक कि शाम की पहाड़ियों में उसकी आवाज़ गूंजने लगी, जो उसके आकार के अनुपात में गहरी थी। उसने गिरे हुए समूह के चारों ओर सूंघा, और फिर वह मेरी ओर दौड़ा; वह बस इतना ही कर सकता था, - मदद के लिए कोई और रास्ता नहीं था। मैंने उसकी बात मानी और यात्री के पास गया, जो तब तक अपने घोड़े से खुद को छुड़ाने की कोशिश कर रहा था। उसके प्रयास इतने ज़ोरदार थे कि मुझे लगा कि उसे ज़्यादा चोट नहीं लगी होगी; लेकिन मैंने उससे सवाल पूछा -

104 जेन आयर III KXVXx 'क्या आप घायल हैं, महोदय?' मुझे लगता है कि वह गाली दे रहा था, लेकिन मैं निश्चित नहीं हूँ; हालाँकि, वह कुछ ऐसा उच्चारण कर रहा था जिससे वह मुझे सीधे जवाब नहीं दे पा रहा था। 'क्या मैं कुछ कर सकता हूँ?' मैंने फिर पूछा। 'आपको बस एक तरफ खड़े रहना होगा,' उसने उठते हुए उत्तर दिया, पहले घुटनों के बल, फिर पैरों के बल। मैंने वैसा ही किया; जिसके बाद एक ज़ोरदार, धड़धड़ाती, खड़खड़ाती आवाज़ शुरू हुई, साथ ही भौंकने और चिल्लाने की आवाज़ भी आ रही थी, जिससे मैं कुछ गज दूर हट गया; लेकिन मैं तब तक पूरी तरह से नहीं हटा जब तक मैंने घटना को नहीं देख लिया। अंततः यह सौभाग्यपूर्ण रहा; घोड़ा फिर से स्थिर हो गया, और 'डाउन, पायलट!' कहकर कुत्ते को चुप करा दिया गया। अब यात्री

झुककर अपने पैर और टांग को टटोलने लगा, मानो यह जाँच रहा हो कि वे ठीक हैं या नहीं; जाहिर तौर पर उनमें कुछ खराबी थी, क्योंकि वह उस सीढ़ी पर रुक गया जहाँ से मैं अभी उठा था, और बैठ गया। मैं मददगार बनने के मूड में था, या कम से कम सेवाभाव दिखाने के मूड में, मुझे लगता है, क्योंकि अब मैं फिर से उसके पास गया। 'अगर आपको चोट लगी है, और आपको मदद चाहिए, महोदय, तो मैं कर सकता हूँ।' थॉर्नफील्ड हॉल या हे से किसी को बुला लाओ। 'धन्यवाद: मैं करूँगा: मेरी कोई हड्डी नहीं टूटी है, बस मोच आई है;' और वह फिर खड़ा हुआ और अपना पैर चलाकर देखा, लेकिन परिणाम स्वरूप उसके मुँह से अनायास ही 'उफ़!' निकल गया। दिन का उजाला अभी भी बाकी था, और चाँद चमक रहा था: मैं उसे साफ़ देख सकता था। उसका शरीर एक घुड़सवारी के लबादे में लिपटा हुआ था, जिसमें फर का कॉलर और स्टील के बकल लगे थे; उसके विवरण स्पष्ट नहीं थे, लेकिन मैंने उसकी मध्यम ऊँचाई और चौड़ी छाती के सामान्य बिंदुओं का अंदाज़ा लगाया। उसका चेहरा गहरा था, गंभीर भाव और भारी भौंहें थीं; उसकी आँखें और सिकुड़ी हुई भौहें इस समय क्रोधित और निराश लग रही थीं; वह जवानी पार कर चुका था, लेकिन अधेड़ उम्र तक नहीं पहुँचा था; शायद वह पैंतीस साल का होगा। मुझे उससे कोई डर नहीं था, और थोड़ी सी शर्म भी नहीं थी। अगर वह एक सुंदर, वीर दिखने वाला युवक होता, तो मैं उसकी इच्छा के विरुद्ध उससे इस तरह सवाल करने और बिना पूछे अपनी सेवाएँ देने की हिम्मत नहीं करता। मैंने शायद ही कभी कोई सुंदर युवक देखा था; कभी नहीं मेरी ज़िंदगी ने मुझे एक बात बताई। मेरे मन में सुंदरता, शालीनता, वीरता और आकर्षण के लिए सैद्धांतिक श्रद्धा और सम्मान था; लेकिन अगर मैं उन गुणों को पुरुष रूप में साकार देख पाती, तो मैं सहज ही जान जाती कि उनमें मेरे प्रति कोई सहानुभूति नहीं है और न ही हो सकती है, और मैं उनसे वैसे ही दूर भाग जाती जैसे कोई आग, बिजली या किसी भी चमकदार लेकिन प्रतिकूल चीज़ से दूर भागता है। अगर इस अजनबी ने भी मुझसे बात करने पर मुस्कुराकर और अच्छे स्वभाव से बात की होती; अगर उसने मेरी मदद की पेशकश को खुशी-खुशी और धन्यवाद के साथ ठुकरा दिया होता, तो मैं अपने रास्ते चली जाती।

जेन आयर 105 ईएस रास्ते में मुझे पूछताछ फिर से शुरू करने की कोई इच्छा नहीं हुई: लेकिन यात्री की भौंहें चढ़ाने और उसके रूखेपन ने मुझे सहज कर दिया: जब उसने मुझे जाने का इशारा किया तो मैं अपनी जगह पर ही रहा और बोला— 'मैं

आपको इतनी देर रात, इस सुनसान गली में, तब तक नहीं छोड़ सकता, महोदय, जब तक मैं यह न देख लूँ कि आप अपने घोड़े पर सवार होने के लिए तैयार हैं।' जब मैंने यह कहा तो उसने मेरी ओर देखा; इससे पहले उसने शायद ही कभी मेरी ओर देखा था। 'मुझे लगता है कि आपको खुद घर पर होना चाहिए,' उसने कहा, 'अगर आपका इस इलाके में घर है: आप कहाँ से आए हैं?' 'ठीक नीचे से; और मुझे चांदनी रात में बाहर रहने से ज़रा भी डर नहीं लगता: अगर आप चाहें तो मैं खुशी-खुशी आपके लिए हे तक दौड़कर आ जाऊंगी: दरअसल, मैं वहाँ एक पत्र पोस्ट करने जा रही हूँ।' "आप ठीक नीचे रहती हैं—क्या आपका मतलब उस बुर्ज वाले घर से है?" थॉर्नफील्ड हॉल की ओर इशारा करते हुए, जिस पर चाँद की हल्की चमक पड़ रही थी, जिससे वह जंगल से अलग और धुंधला दिखाई दे रहा था, जो पश्चिमी आकाश के विपरीत, अब एक छाया के ढेर जैसा लग रहा था। "यह किसका घर है?" "श्री रोचेस्टर का।" 'क्या आप श्री रोचेस्टर को जानती हैं?' 'नहीं, मैंने उन्हें कभी नहीं देखा।' 'तो वह यहाँ नहीं रहते?' 'नहीं।' 'क्या आप मुझे बता सकती हैं कि वह कहाँ हैं?' 'मैं नहीं बता सकती।' 'आप हॉल में नौकरानी तो नहीं हैं, बिल्कुल नहीं। आप——' वह रुक गए, उन्होंने मेरी पोशाक पर नज़र डाली, जो हमेशा की तरह बिल्कुल साधारण थी: एक काला मेरिनो चोला, एक काली बीवर टोपी; उनमें से कोई भी नौकरानी के लायक नहीं थी। वह यह तय करने में असमंजस में था कि मैं कौन हूँ; मैंने उसकी मदद की। 'मैं गवर्नेस हूँ।' 'अरे, गवर्नेस!' उसने दोहराया; 'हे भगवान, अगर मैं भूला न हो तो! गवर्नेस!' और फिर से मेरे कपड़ों की जाँच की गई। दो मिनट में वह सीढ़ी से उठा: जब उसने हिलने की कोशिश की तो उसके चेहरे पर दर्द झलक रहा था। 'मैं तुम्हें मदद लाने के लिए नहीं कह सकता,' उसने कहा; 'लेकिन अगर तुम इतनी कृपा करो तो तुम मेरी थोड़ी मदद कर सकती हो।' 'जी महोदय।' : 'क्या आपके पास कोई छाता नहीं है जिसे मैं छड़ी की तरह इस्तेमाल कर सकूँ?' 'नहीं।'

 'मेरे घोड़े की लगाम पकड़ने की कोशिश करो और उसे मेरे पास ले आओ: क्या तुम्हें डर नहीं लगता?' अकेले में घोड़े को छूने से मुझे डर लगता, लेकिन जब मुझे ऐसा करने को कहा गया, तो मैं आज्ञा मानने को तैयार हो गई। मैंने अपना मफ सीढ़ी पर रख दिया और उस ऊंचे घोड़े के पास गई; मैंने लगाम पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह बहुत फुर्तीला था और मुझे अपने सिर के पास नहीं आने दे रहा था; मैंने बार-बार कोशिश की, लेकिन व्यर्थ: इस

बीच, मुझे उसके पैरों की धमक से बहुत डर लग रहा था। यात्री कुछ देर इंतजार करता रहा और देखता रहा, और अंत में वह हँसा। 'मैं समझ गया,' उसने कहा, 'पहाड़ कभी मुहम्मद के पास नहीं लाया जाएगा, इसलिए तुम बस इतना कर सकती हो कि मुहम्मद को पहाड़ पर जाने में मदद करो; मुझे तुमसे यहाँ आने की विनती करनी होगी।' मैं आ गई। 'माफ़ कीजिए,' उसने आगे कहा, 'ज़रूरत मुझे मजबूर करती है कि मैं आपसे कुछ काम करवाऊँ।' उसने अपना भारी हाथ मेरे कंधे पर रखा और कुछ दबाव के साथ मुझ पर झुकते हुए लंगड़ाते हुए अपने घोड़े की ओर बढ़ा। लगाम पकड़ते ही उसने उसे तुरंत काबू में कर लिया और काठी पर कूद पड़ा; ज़ोर लगाते हुए उसका चेहरा दर्द से कराह रहा था, क्योंकि इससे उसकी मोच में दर्द हो रहा था। 'अब,' उसने अपने होंठ को कसकर चबाना बंद करते हुए कहा, 'मुझे मेरा चाबुक दे दो; वह झाड़ी के नीचे पड़ा है।' मैंने उसे ढूँढा और पाया। 'धन्यवाद; अब हे को चिट्ठी जल्दी पहुँचाओ और जितनी जल्दी हो सके वापस आ जाओ।' एड़ी के एक हल्के से स्पर्श से उसका घोड़ा पहले उछला और पिछले पैरों पर खड़ा हुआ, फिर भाग गया; कुत्ता अपनी लगाम में दौड़ पड़ा; तीनों गायब हो गए, 'जैसे जंगल में झाड़ियाँ, जिन्हें तेज़ हवा उड़ा ले जाती है।' मैंने अपना मफ उठाया और आगे बढ़ गया। घटना घटी और मेरे लिए मिट गई: यह कोई महत्वहीन घटना थी, कोई रोमांच नहीं, किसी भी मायने में कोई दिलचस्पी नहीं। फिर भी इसने एकरस जीवन के एक घंटे में बदलाव ला दिया। मेरी मदद की ज़रूरत थी और माँगी गई थी; मैंने मदद की: मुझे कुछ करके खुशी हुई; हालाँकि यह काम तुच्छ और क्षणिक था, फिर भी यह एक सक्रिय कार्य था, और मैं निष्क्रिय जीवन से ऊब चुका था। नया चेहरा भी स्मृति की गैलरी में एक नई तस्वीर की तरह था; और यह वहाँ टंगी सभी तस्वीरों से अलग था: पहला, क्योंकि यह मर्दाना था; और दूसरा, क्योंकि यह गहरा, मजबूत और गंभीर था। जब मैं हे में दाखिल हुआ और डाकघर में चिट्ठी डाली, तब भी वह चेहरा मेरे सामने था; ढलान से नीचे तेज़ी से चलते हुए मैंने उसे पूरे रास्ते देखा।

जेन आयर 107 ईएस सी एर होम। जब मैं सीढ़ी पर पहुँची, तो एक मिनट के लिए रुक गई, चारों ओर देखा और ध्यान से सुना, इस विचार से कि शायद फिर से किसी घोड़े के खुरों की आवाज़ पुल पर गूँज उठे, और शायद कोई लबादा ओढ़े सवार और गिट्रैश जैसे न्यूफ़ाउंडलैंड कुत्ते फिर से दिखाई दें: मुझे अपने सामने केवल बाड़ और एक कटा हुआ विलो पेड़ दिखाई दिया, जो चाँदनी से मिलने के लिए सीधा ऊपर उठ

रहा था; मुझे केवल एक मील दूर थॉर्नफ़ील्ड के चारों ओर पेड़ों के बीच रुक-रुक कर बहती हवा की हल्की सी सरसराहट सुनाई दी; और जब मैंने उस सरसराहट की दिशा में नीचे देखा, तो मेरी नज़र हॉल के सामने से गुज़रते हुए एक खिड़की में जलती हुई रोशनी पर पड़ी: इसने मुझे याद दिलाया कि मुझे देर हो रही है, और मैं जल्दी से आगे बढ़ गई। मुझे थॉर्नफ़ील्ड में फिर से प्रवेश करना अच्छा नहीं लगा। इसकी दहलीज पार करना ठहराव में लौटना था; शांत हॉल को पार करना, अंधेरी सीढ़ियों पर चढ़ना, अपने अकेले छोटे से कमरे में जाना, और फिर शांत श्रीमती फेयरफैक्स से मिलना, और उनके साथ, और केवल उनके साथ ही, लंबी सर्दियों की शाम बिताना, मेरे टहलने से जागृत हुई हल्की उत्तेजना को पूरी तरह से शांत कर देता था—एकसमान और बहुत ही स्थिर अस्तित्व की अदृश्य बेड़ियों को फिर से अपनी इंद्रियों पर से हटा देता था; एक ऐसा अस्तित्व जिसकी सुरक्षा और आराम के विशेषाधिकारों की सराहना करने में मैं असमर्थ होता जा रहा था। उस समय अनिश्चित संघर्षपूर्ण जीवन के तूफानों में फँस जाना और कठोर और कड़वे अनुभवों से उस शांति की लालसा करना सीख लेना कितना अच्छा होता, जिसके बीच मैं अब दुखी था! हाँ, उतना ही अच्छा जितना किसी ऐसे व्यक्ति को लंबी सैर करना अच्छा होता है जो 'बहुत आरामदायक कुर्सी' पर बैठे-बैठे थक गया हो: और मेरे हालात में हिलने-डुलने की इच्छा उतनी ही स्वाभाविक थी जितनी उसके हालात में होती। मैं द्वार पर रुका; मैं लॉन पर रुका; मैं फुटपाथ पर आगे-पीछे चहलकदमी करता रहा; कांच के दरवाजे के शटर बंद थे; मैं अंदर नहीं देख पा रहा था; और मेरी आँखें और आत्मा दोनों उस उदास घर से—जो मुझे किरणहीन कोठरियों से भरा हुआ धूसर खोखला सा लग रहा था—उस आकाश की ओर खिंची चली जा रही थीं जो मेरे सामने फैला हुआ था—एक नीला सागर जो बादलों के दाग से मुक्त था; चंद्रमा गंभीर चाल से उस पर चढ़ रहा था; ऐसा लग रहा था मानो वह पहाड़ियों की चोटियों को पीछे छोड़ते हुए ऊपर की ओर देख रहा हो, जहाँ से वह आया था, और नीचे की ओर दूर होता जा रहा था, और अनंत गहराई और असीम दूरी में आधी रात के अंधेरे की ओर बढ़ रहा था; और उन कांपते तारों के लिए जो उसके मार्ग का अनुसरण कर रहे थे; उन्हें देखकर मेरा दिल कांप उठा, मेरी रगों में झनझनाहट दौड़ गई। छोटी-छोटी चीजें हमें धरती पर वापस ले आती हैं; हॉल में घड़ी बजी; इतना ही काफी था; मैंने चंद्रमा और तारों से मुंह मोड़ा, एक तरफ का दरवाजा खोला और अंदर चला गया। हॉल न तो अंधेरा था और न ही रोशन, केवल ऊपर लटके

हुए कांसे के दीपक से; एक गर्म चमक ने उसे और नीचे दोनों को भर दिया था।
108 जेन आयर इया ना ईन ईपी टीई ओक की सीढ़ियों के कदम। यह लालिमा विशाल भोजन कक्ष से आ रही थी, जिसका दो पल्लों वाला दरवाजा खुला था, और अंगीठी में जलती हुई आग संगमरमर के चूल्हे और पीतल के चूल्हे पर पड़ रही थी, जिससे बैंगनी पर्दे और पॉलिश किया हुआ फर्नीचर बेहद सुखद रोशनी में दिखाई दे रहा था। इसने मेंटलपीस के पास एक समूह को भी दिखाया: मैंने मुश्किल से ही इसे देखा था, और मुश्किल से ही आवाजों के एक हंसमुख मिश्रण को महसूस कर पाई थी, जिसमें मुझे एडेल की आवाज सुनाई दी, तभी दरवाजा बंद हो गया। मैं श्रीमती फेयरफैक्स के कमरे की ओर भागी; वहाँ भी आग जल रही थी, लेकिन न तो मोमबत्ती थी, और न ही श्रीमती फेयरफैक्स। इसके बजाय, बिल्कुल अकेली, कालीन पर सीधी बैठी, और गंभीरता से आग की लपटों को निहारती हुई, मैंने एक बड़े काले और सफेद लंबे बालों वाले कुत्ते को देखा, जो गली के गिट्रैश जैसा था। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं आगे बढ़ा और बोला—'पायलट,' और वह प्राणी उठकर मेरे पास आया और मुझे सूंघा। मैंने उसे सहलाया, और उसने अपनी बड़ी पूंछ हिलाई; लेकिन वह एक अजीब प्राणी लग रहा था, और मैं यह नहीं बता सका कि वह कहाँ से आया था। मैंने घंटी बजाई, क्योंकि मुझे एक मोमबत्ती चाहिए थी; और मैं इस आगंतुक के बारे में भी जानना चाहता था। लिआ अंदर आई। "यह कौन सा कुत्ता है?" "यह मालिक के साथ आया है।" "किसके साथ?" "मालिक के साथ—श्री रोचेस्टर—वह अभी-अभी आए हैं।" "सचमुच! और क्या श्रीमती फेयरफैक्स उनके साथ हैं?" "हाँ, और मिस एडेल भी; वे भोजन कक्ष में हैं, और जॉन एक सर्जन को बुलाने गया है; क्योंकि मालिक का एक्सीडेंट हो गया है; उनका घोड़ा गिर गया और उनके टखने में मोच आ गई है।" "क्या घोड़ा हे लेन में गिरा?" "हाँ, ढलान से नीचे आते समय; वह बर्फ पर फिसल गया।" "आह! मेरे लिए एक मोमबत्ती लाओगी, लिआ?" लिआ मोमबत्ती ले आई; वह अंदर आईं, उनके पीछे श्रीमती फेयरफैक्स भी आईं, जिन्होंने वही खबर दोहराई; और बताया कि सर्जन श्री कार्टर आ गए हैं और अब श्री रोचेस्टर के साथ हैं: फिर वह चाय के बारे में आदेश देने के लिए जल्दी से बाहर चली गईं, और मैं अपना सामान उतारने के लिए ऊपर चला गया। अध्याय XIII ऐसा लगता है कि सर्जन के आदेश पर श्री रोचेस्टर उस रात जल्दी सो गए; और अगली सुबह भी वह जल्दी नहीं उठे। जब वह नीचे आए, तो काम निपटाने के लिए आए थे: उनके एजेंट और उनके कुछ किराएदार

आ चुके थे और उनसे बात करने के लिए इंतजार कर रहे थे। एडेल और मुझे अब पुस्तकालय खाली करना था: यह
जेन आयर 109 _————————————————.....____ दैनिक उपयोग के लिए कमरे को आगंतुकों के स्वागत कक्ष के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। ऊपर के एक कमरे में आग जलाई गई, और मैं वहाँ हमारी किताबें ले गई, और उसे भविष्य के स्कूल कक्ष के लिए व्यवस्थित किया। सुबह के दौरान मैंने देखा कि थॉर्नफील्ड हॉल बदल गया था: अब वह चर्च की तरह शांत नहीं था, बल्कि हर एक-दो घंटे में दरवाजे पर दस्तक या घंटी की आवाज से गूंज उठता था: कदमों की आहट भी अक्सर हॉल में सुनाई देती थी, और नीचे अलग-अलग सुरों में नई आवाजें आती थीं; बाहरी दुनिया से एक धारा बह रही थी; इसका एक स्वामी था: जहाँ तक मेरा सवाल है, मुझे यह पहले से बेहतर लगा। उस दिन एडेल को पढ़ाना आसान नहीं था; वह मन लगाकर नहीं पढ़ रही थी: वह बार-बार दरवाजे की ओर दौड़ती और रेलिंग के ऊपर से मिस्टर रोचेस्टर की एक झलक पाने की कोशिश करती रहती थी; फिर उसने नीचे जाने के बहाने बनाए, जैसा कि मुझे शक था, पुस्तकालय जाने के लिए, जहाँ मुझे पता था कि उसकी ज़रूरत नहीं है; फिर, जब मुझे थोड़ा गुस्सा आया और मैंने उसे चुप बैठा दिया, तो वह अपने 'दोस्त, महाशय एडवर्ड फेयरफैक्स डी रोचेस्टर' के बारे में लगातार बात करती रही, जैसा कि उसने उसे नाम दिया था (मैंने पहले उसका उपनाम नहीं सुना था), और अनुमान लगाती रही कि वह उसके लिए क्या उपहार लाया होगा: क्योंकि ऐसा लगता है कि उसने पिछली रात संकेत दिया था कि जब मिलकोट से उसका सामान आएगा, तो उसमें एक छोटा सा डिब्बा मिलेगा जिसके अंदर उसकी दिलचस्पी होगी। 'और इसका मतलब यह होना चाहिए,' उसने कहा, 'कि उसमें मेरे लिए, और शायद आपके लिए भी, मैडम, एक उपहार होगा।' महोदय ने आपके बारे में बात की: उन्होंने मुझसे मेरी गवर्नर का नाम पूछा, और अगर वह एक छोटी, काफी पतली और थोड़ी पीली महिला नहीं थीं। मैंने कहा, 'हाँ: क्योंकि यह सच है, है ना, महोदया?' मैं और मेरी छात्रा ने श्रीमती फेयरफैक्स के बैठक कक्ष में हमेशा की तरह भोजन किया; दोपहर तूफानी और बर्फीली थी, और हमने इसे कक्षा में बिताया। अंधेरा होते ही मैंने एडेल को किताबें और काम समेटने और नीचे जाने की अनुमति दी; क्योंकि नीचे की अपेक्षाकृत शांति और दरवाजे की घंटी बजने के बंद होने से, मैंने अनुमान लगाया कि श्री रोचेस्टर अब स्वतंत्र थे। अकेले रह जाने पर, मैं खिड़की तक

गई; लेकिन वहाँ से कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था: गोधूलि बेला और बर्फ के टुकड़ों ने मिलकर हवा को घना कर दिया था, और लॉन पर लगी झाड़ियों को भी छिपा दिया था। मैंने पर्दा गिरा दिया और वापस आग के पास चला गया। साफ अंगारों में मैं एक दृश्य की कल्पना कर रहा था, जो राइन नदी पर स्थित हाइडेलबर्ग महल की उस तस्वीर से मिलता-जुलता था जिसे मैंने पहले देखा था। तभी श्रीमती फेयरफैक्स अंदर आईं, और उनके प्रवेश से मेरे द्वारा बनाए जा रहे जीवंत दृश्य में हलचल मच गई, साथ ही कुछ भारी और अप्रिय विचार भी मेरे एकांत को घेरने लगे।

110 जेन आयर 'श्रीमान रोचेस्टर को खुशी होगी अगर आप और आपकी छात्रा आज शाम ड्राइंग रूम में उनके साथ चाय पिएं,' उन्होंने कहा: 'वे दिन भर इतने व्यस्त रहे हैं कि आपसे पहले मिलने का समय नहीं निकाल पाए।' 'उनका चाय का समय क्या है?' मैंने पूछा। 'ओह, छह बजे: वे गाँव में जल्दी उठते हैं। आप अभी अपनी फ्रॉक बदल लें; मैं आपके साथ चलती हूँ और उसे बाँध देती हूँ। ये रही मोमबत्ती।' 'क्या फ्रॉक बदलना ज़रूरी है?' 'हाँ, आपको बदलना ही चाहिए: जब श्रीमान रोचेस्टर यहाँ होते हैं तो मैं हमेशा शाम के लिए तैयार होती हूँ।' यह अतिरिक्त रस्म कुछ ज़्यादा ही भव्य लग रही थी; फिर भी, मैं अपने कमरे में गई और श्रीमती फेयरफैक्स की मदद से, अपनी काली कपड़े की पोशाक को काली रेशम की पोशाक से बदल दिया; मेरे पास यही सबसे अच्छी और एकमात्र अतिरिक्त पोशाक थी, सिवाय एक हल्के भूरे रंग की पोशाक के, जिसे मैं अपने लोवुड के श्रृंगार संबंधी विचारों के अनुसार, केवल विशेष अवसरों पर पहनने के लिए बहुत बढ़िया समझती थी। 'तुम्हें एक ब्रोच चाहिए,' श्रीमती फेयरफैक्स ने कहा। मेरे पास एक छोटा सा मोती का आभूषण था जो मिस टेंपल ने मुझे विदाई की निशानी के रूप में दिया था: मैंने उसे पहन लिया, और फिर हम नीचे चले गए। अजनबियों से अपरिचित होने के कारण, श्री रोचेस्टर की उपस्थिति में इस तरह औपचारिक रूप से उपस्थित होना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल था। मैंने श्रीमती फेयरफैक्स को भोजन कक्ष में आगे जाने दिया, और उस कमरे को पार करते समय मैं उनकी छाया में रही; और मेहराब को पार करते हुए, जिसका पर्दा अब गिरा हुआ था, हम आगे के सुंदर कमरे में प्रवेश कर गए। मेज पर दो मोमबत्तियाँ जल रही थीं, और दो मेंटलपीस पर; एक शानदार आग की रोशनी और गर्मी में पायलट लेटा हुआ था—एडेले उसके पास घुटनों के बल बैठी थी। एक सोफे पर आधा लेटे हुए श्री रोचेस्टर दिखाई दिए, उनका पैर तकिये पर टिका हुआ था; वह एडेले और कुत्ते को देख रहे थे:

आग की रोशनी उनके चेहरे पर पूरी तरह पड़ रही थी। मैं अपने यात्री को उसकी चौड़ी और काली भौहों से पहचान गई; उसका चौकोर माथा, जो उसके काले बालों की क्षैतिज लहराहट से और भी चौकोर लग रहा था। मैंने उनकी तीखी नाक पहचान ली, जो सुंदरता से कहीं अधिक उनके चरित्र को दर्शाती थी; उनके भरे हुए नथुने, जो मेरे विचार से क्रोध का संकेत थे; उनका गंभीर मुँह, ठोड़ी और जबड़ा—हाँ, तीनों ही बेहद गंभीर थे, और इसमें कोई संदेह नहीं था। अब लबादा उतर जाने पर उनका शरीर, उनकी शारीरिक बनावट के साथ पूरी तरह मेल खाता हुआ प्रतीत हुआ: मेरा मानना है कि वे एथलेटिक अर्थों में एक अच्छी कद-काठी के थे—चौड़ी छाती और पतली कमर वाले, हालाँकि न तो लंबे थे और न ही आकर्षक। श्री रोचेस्टर को श्रीमती फेयरफैक्स और मेरे आने का एहसास अवश्य हुआ होगा; लेकिन ऐसा प्रतीत हुआ कि वे हमें देखने के मूड में नहीं थे, क्योंकि हमारे पास आने पर भी उन्होंने अपना सिर नहीं उठाया।

जेन आयर 111 एसएस eememmeneeeeenneeee ee EEE ‘श्रीमान, ये हैं मिस आयर,’ श्रीमती फेयरफैक्स ने अपने शांत लहजे में कहा। उन्होंने झुककर अभिवादन किया, फिर भी उनकी निगाहें कुत्ते और बच्चे के समूह से हटी नहीं थीं। ‘मिस आयर को बैठने दीजिए,’ उन्होंने कहा: और उनके बनावटी और कड़े अभिवादन में, अधीर लेकिन औपचारिक स्वर में, कुछ ऐसा था जो मानो यह व्यक्त कर रहा हो, ‘मिस आयर यहाँ हों या न हों, इससे मुझे क्या फर्क पड़ता है? इस समय मेरा उनसे बात करने का मन नहीं है।’ मैं बिल्कुल निश्चिंत होकर बैठ गई। औपचारिक शिष्टाचार का स्वागत शायद मुझे उलझन में डाल देता: मैं न तो शालीनता और शिष्टाचार से उसका जवाब दे सकती थी; लेकिन कठोर स्वभाव ने मुझे बाध्य नहीं किया; इसके विपरीत, व्यवहार की विचित्रता के बावजूद एक शालीन शांति ने मुझे लाभ पहुँचाया। इसके अलावा, इस प्रक्रिया की विलक्षणता रोचक थी: मुझे यह देखने में दिलचस्पी थी कि वह आगे कैसे बढ़ेंगे। वह मूर्ति की तरह स्थिर बैठे रहे, यानी न बोले, न हिले-डुले। श्रीमती फेयरफैक्स को लगा कि किसी को तो विनम्र होना ही चाहिए, इसलिए उन्होंने बोलना शुरू किया। हमेशा की तरह विनम्रता से—और हमेशा की तरह कुछ घिसी-पिटी बातों के साथ—उन्होंने दिन भर के काम के दबाव पर उन्हें सांत्वना दी; उस दर्दनाक मोच से उन्हें जो तकलीफ हुई होगी, उस पर भी उन्होंने सहानुभूति जताई; फिर उन्होंने काम करते रहने के लिए उनके धैर्य और लगन की प्रशंसा की। उन्हें बस

इतना ही जवाब मिला, 'महोदया, मुझे चाय चाहिए।' वह जल्दी से घंटी बजाने गईं; और जब थाली आई, तो उन्होंने बड़ी तेज़ी से प्याले, चम्मच आदि सजाना शुरू कर दिया। मैं और एडेल मेज पर गए; लेकिन मालिक अपने पलंग से नहीं उठे। श्रीमती फेयरफैक्स ने मुझसे कहा, 'क्या तुम श्री रोचेस्टर का प्याला मुझे दे दोगी? एडेल कहीं गिरा न दे।' मैंने वैसा ही किया जैसा उन्होंने कहा था। जैसे ही उन्होंने मेरे हाथ से प्याला लिया, एडेल ने सोचा कि यह मेरे पक्ष में कुछ मांगने का सही समय है, और चिल्लाकर बोली— 'क्या महोदय, आपके छोटे से संदूक में मैडमोजेल आयर के लिए कोई उपहार है?' 'उपहारों की बात कौन करता है?' उन्होंने रूखेपन से कहा। 'क्या आप उपहार की उम्मीद कर रही थीं, मिस आयर? क्या आपको उपहार पसंद हैं?' और उन्होंने मेरी ओर ऐसी निगाहों से देखा जो मैंने देखीं कि काली, क्रोधित और भेदक थीं। 'मुझे ज्यादा पता नहीं, महोदय; मुझे इनका ज्यादा अनुभव नहीं है: इन्हें आम तौर पर सुखद माना जाता है।' 'आम तौर पर माना जाता है? लेकिन आप क्या सोचती हैं?' 'मुझे समय लेना होगा, महोदय, इससे पहले कि मैं आपको ऐसा उत्तर दे सकूँ जो आपको स्वीकार्य हो: एक उपहार के कई पहलू होते हैं।

112 जेन आयर: 'इसका सामना कई पहलुओं से होता है, है ना? और किसी भी बात पर राय देने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करना चाहिए।' 'मिस आयर, आप एडेल जितनी भोली नहीं हैं: वह मुझे देखते ही ज़ोर-शोर से उपहार मांगती है: आप बात को घुमा-फिराकर कहती हैं।' 'क्योंकि मुझे अपनी योग्यताओं पर एडेल से कम भरोसा है: वह पुराने परिचय और रीति-रिवाज का हवाला दे सकती है; क्योंकि वह कहती है कि आप हमेशा उसे खिलौने देती रही हैं; लेकिन अगर मुझे अपनी बात साबित करनी हो तो मैं उलझन में पड़ जाऊंगी, क्योंकि मैं अजनबी हूं और मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है जिससे मुझे कोई सम्मान मिले।' 'अरे, इतनी विनम्रता मत दिखाओ! मैंने एडेल को परखा है और पाया है कि आपने उसके साथ बहुत मेहनत की है: वह बुद्धिमान नहीं है, उसमें कोई प्रतिभा नहीं है; लेकिन थोड़े ही समय में उसमें काफी सुधार हो गया है।' 'महोदय, आपने मुझे मेरा "उपहार" दे दिया है; मैं आपका आभारी हूँ: यह वह पुरस्कार है जिसकी शिक्षक सबसे अधिक इच्छा रखते हैं—अपने विद्यार्थियों की प्रगति की प्रशंसा।' 'हम्फ!' श्री रोचेस्टर ने कहा और चुपचाप अपनी चाय पी ली। 'आग के पास आओ,' मास्टर ने कहा, जब ट्रे हटा दी गई और श्रीमती फेयरफैक्स अपनी बुनाई के साथ एक कोने में बैठ गईं; जबकि एडेल मेरा हाथ पकड़कर मुझे कमरे में घुमा रही

थी, मुझे कंसोल और शिफॉनियर पर रखी सुंदर किताबें और सजावट दिखा रही थी। हमने कर्तव्यवश आज्ञा का पालन किया; एडेल मेरी गोद में बैठना चाहती थी, लेकिन उसे पायलट के साथ खेलने का आदेश दिया गया। "तुम तीन महीने से मेरे घर में रह रही हो?" हाँ, बैठो; 'और तुम कहाँ से आई हो?' 'लोवुड स्कूल से, ——शायर में।' 'आह! एक परोपकारी संस्था। तुम वहाँ कितने समय तक रहीं?' 'आठ साल।' 'आठ साल!' आपमें जीवन के प्रति दृढ़ संकल्प होना चाहिए। मुझे लगा कि ऐसे स्थान पर आधा समय बिताने से किसी का भी स्वास्थ्य बिगड़ जाएगा! इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि आपका चेहरा किसी दूसरी दुनिया का लगता है। मुझे आश्चर्य हुआ कि आपको ऐसा चेहरा कहाँ से मिला। कल रात जब आप हे लेन में मेरे पास आईं, तो मुझे अचानक परियों की कहानियों की याद आ गई, और मेरा मन हुआ कि मैं आपसे पूछ लूँ कि क्या आपने मेरे घोड़े पर जादू कर दिया है: मुझे अभी पक्का नहीं पता। आपके माता-पिता कौन हैं?' 'मेरे कोई माता-पिता नहीं हैं।' 'और शायद कभी थे भी नहीं: क्या आपको वे याद हैं?' 'नहीं।'

जेन आयर 113 एसएसएस एसएस sieeeeneereeee ee Ey 'मुझे नहीं लगता। तो तुम उस सीढ़ी पर बैठकर अपने लोगों का इंतज़ार कर रही थीं?' 'किसका, महोदय?' 'हरे रंग की वर्दी वाले आदमियों का: उनके लिए वह चांदनी रात बिल्कुल उपयुक्त थी। क्या मैंने तुम्हारी किसी बात को तोड़ दिया, कि तुमने उस पुल पर वह बर्फ़ बिछा दी?' मैंने अपना सिर हिलाया। "हरे रंग की वर्दी वाले सभी आदमी सौ साल पहले इंग्लैंड छोड़कर चले गए थे," मैंने उतनी ही गंभीरता से कहा जितनी गंभीरता से उसने कहा था। "और हे लेन में भी, या उसके आस-पास के खेतों में भी, तुम्हें उनका कोई निशान नहीं मिलेगा। मुझे नहीं लगता कि गर्मी, फसल, या सर्दियों का चाँद, कभी भी उनके उत्सवों पर चमकेगा।" श्रीमती फेयरफैक्स ने अपनी बुनाई छोड़ दी थी, और भौंहें उठाकर, मानो सोच रही थीं कि यह किस तरह की बात है। 'अच्छा,' श्री रोचेस्टर ने बात जारी रखते हुए कहा, 'अगर आप अपने माता-पिता को त्याग देती हैं, तो आपके कुछ रिश्तेदार तो होंगे ही: चाचा-चाची?' 'नहीं; मैंने तो कभी किसी को नहीं देखा।' 'और आपका घर?' 'मेरा कोई घर नहीं है।' 'आपके भाई-बहन कहाँ रहते हैं?' 'मेरा कोई भाई-बहन नहीं है।' 'आपको यहाँ आने की सलाह किसने दी?' 'मैंने विज्ञापन दिया था, और श्रीमती फेयरफैक्स ने मेरे विज्ञापन का जवाब दिया।' 'जी हाँ,' उस महिला ने कहा, जो अब हमारी बात समझ चुकी थी, 'और मैं ईश्वर की कृपा से

इस चुनाव के लिए प्रतिदिन आभारी हूँ। मिस आयर मेरे लिए एक अमूल्य साथी रही हैं, और अदील की एक दयालु और ध्यानपूर्वक शिक्षिका रही हैं।' 'उनका चरित्र बताने की ज़हमत न उठाएँ,' श्री रोचेस्टर ने जवाब दिया: 'प्रशंसाओं से मुझ पर कोई असर नहीं पड़ेगा; मैं खुद फैसला करूँगा। उन्होंने मेरे घोड़े को गिराकर शुरुआत की।' 'महोदय?' श्रीमती फेयरफैक्स ने कहा। 'मुझे इस मोच के लिए उन्हें धन्यवाद देना होगा।' विधवा हैरान दिखीं। 'मिस...' आयर, क्या आप कभी किसी कस्बे में रहे हैं?' 'नहीं, महोदय।' 'क्या आपने कभी समाज में समय बिताया है?' 'लोवुड के विद्यार्थियों और शिक्षकों के अलावा और अब थॉर्नफील्ड के निवासियों के अलावा और कुछ नहीं।' 'क्या आपने बहुत पढ़ा है?' 'केवल वही किताबें जो मेरे हाथ लगीं; और वे न तो बहुत थीं और न ही बहुत विद्वतापूर्ण।' 'आपने एक नन का जीवन जिया है: इसमें कोई संदेह नहीं कि आप धार्मिक रीति-रिवाजों में अच्छी तरह प्रशिक्षित हैं;—ब्रॉकलहर्स्ट, जो मुझे पता चला है कि लोवुड का निर्देशन करते हैं, एक पादरी हैं, है ना?'

 'जी, महोदय।' 'और तुम लड़कियाँ शायद उनकी पूजा करती थीं, जैसे धार्मिक महिलाओं से भरा कोई मठ अपने गुरु की पूजा करता है।' 'अरे नहीं।' 'तुम तो बड़ी बेपरवाह हो! नहीं! क्या! एक नौसिखिया अपने पुजारी की पूजा न करे! यह तो ईशनिंदा जैसा लगता है।' 'मुझे मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट बिल्कुल पसंद नहीं थे; और मैं अकेली नहीं थी जो ऐसा सोचती थी। वह एक कठोर व्यक्ति हैं; एक साथ आडंबरी और दखलंदाजी करने वाले; उन्होंने हमारे बाल काट दिए; और मितव्ययिता के नाम पर हमें खराब सुई और धागा खरीद कर दिया, जिससे हम मुश्किल से सिलाई कर पाती थीं।' 'यह तो सरासर मितव्ययिता थी,' श्रीमती फेयरफैक्स ने टिप्पणी की, जो अब फिर से संवाद का सार समझ गई थीं। 'और क्या यही उनके अपराधों की शुरुआत थी?' श्री रोचेस्टर ने पूछा। 'समिति की नियुक्ति से पहले, जब वे प्रावधान विभाग के एकमात्र अधीक्षक थे, तब उन्होंने हमें भूखा रखा था; और वह हमें हफ्ते में एक बार लंबे-लंबे व्याख्यानों से और शाम को अपनी लिखी किताबों से अचानक होने वाली मौतों और न्याय के बारे में पढ़कर बोर कर देते थे, जिससे हमें सोने से डर लगता था।' 'जब तुम लोवुड गए थे तब तुम्हारी उम्र कितनी थी?' 'लगभग दस।' 'और तुम वहाँ आठ साल रहे: तो अब तुम्हारी उम्र अठारह है?' मैंने सहमति जताई। 'देखो, गणित उपयोगी है; इसकी मदद के बिना, मैं तुम्हारी उम्र का अनुमान मुश्किल से ही लगा पाता। तुम्हारी तरह चेहरे और हाव-भाव में

इतना अंतर होने पर उम्र का सही अनुमान लगाना मुश्किल होता है। और अब तुमने लोवुड में क्या सीखा? क्या तुम खेल सकते हो?' 'थोड़ा-बहुत।' "बेशक: यही तो आम जवाब है। पुस्तकालय में जाओ—मेरा मतलब है, अगर तुम चाहो तो—(मेरे आदेश वाले लहजे के लिए क्षमा करें; मुझे "यह करो" कहने की आदत है और काम हो जाता है: मैं एक नए छात्र के लिए अपनी आदतें नहीं बदल सकता।)—तो फिर पुस्तकालय में जाओ; अपने साथ एक मोमबत्ती ले जाओ; दरवाजा खुला छोड़ दो; 'पियानो पर बैठो और एक धुन बजाओ।' मैंने उनके निर्देश का पालन करते हुए प्रस्थान किया। 'बस करो!' कुछ ही मिनटों में उन्होंने पुकारा। 'मुझे लगता है कि तुम थोड़ा-बहुत बजाती हो; बाकी अंग्रेज़ स्कूली छात्राओं की तरह; शायद कुछ से बेहतर, लेकिन अच्छी नहीं।' मैंने पियानो बंद किया और वापस आ गई। श्री रोचेस्टर ने आगे कहा— 'आज सुबह एडेल ने मुझे कुछ रेखाचित्र दिखाए, जो उसने कहा कि तुम्हारे हैं। मुझे नहीं पता कि वे पूरी तरह से तुम्हारे ही हैं; शायद किसी शिक्षक ने तुम्हारी मदद की हो?'

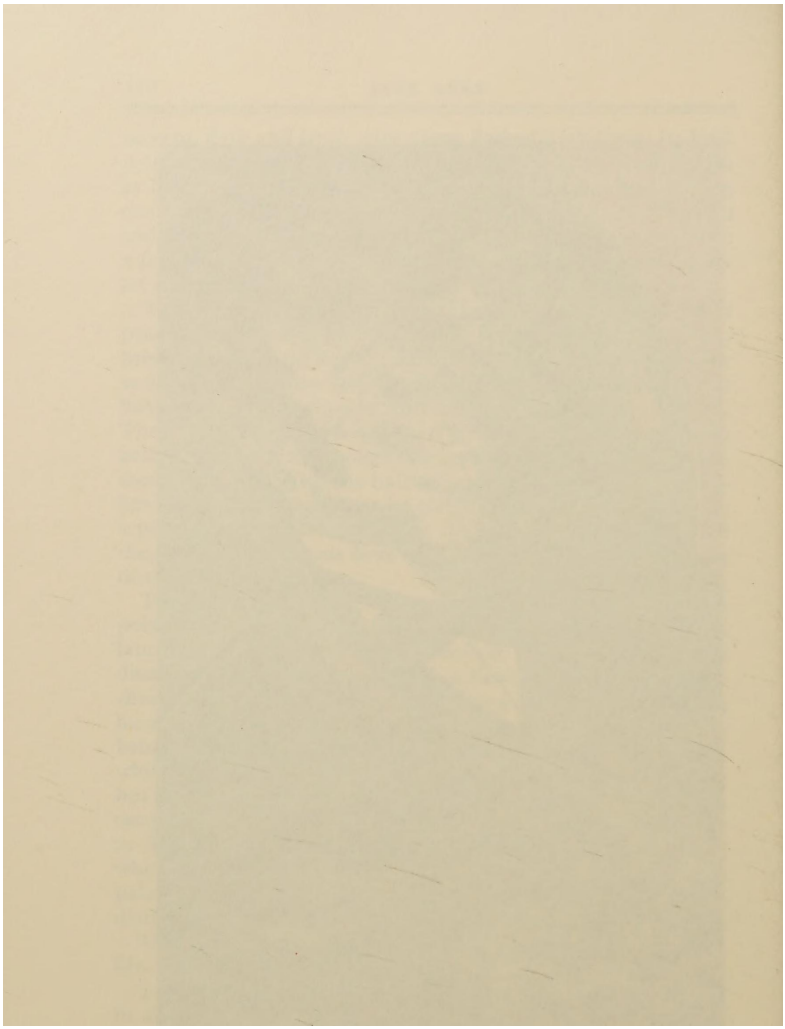
जेन आयर 115 सेनन 118 'नहीं, बिलकुल नहीं!' मैंने बीच में कहा। 'आह! इससे तो स्वाभिमान को ठेस पहुंची। अच्छा, अगर आप इसकी सामग्री के मौलिक होने की गारंटी दे सकते हैं, तो मुझे अपना पोर्टफोलियो लाकर दीजिए; लेकिन जब तक आपको पूरा यकीन न हो, तब तक अपनी बात मत कहिए: मैं पैचवर्क पहचान सकता हूँ।' "तो मैं कुछ नहीं कहूँगा, आप खुद ही देख लीजिए, महोदय।" मैं पुस्तकालय से पोर्टफोलियो ले आया। 'मेज के पास आइए,' उन्होंने कहा; और मैं उसे उनके सोफे तक ले गया। एडेल और श्रीमती फेयरफैक्स तस्वीरें देखने के लिए पास आ गईं। 'भीड़ मत लगाइए,' श्री रोचेस्टर ने कहा: 'जैसे ही मैं इन्हें पूरा कर लूँ, मुझसे ले लीजिए; लेकिन अपना चेहरा मेरे चेहरे से सटाकर मत रखिए।' उन्होंने जानबूझकर हर रेखाचित्र और चित्र का बारीकी से निरीक्षण किया। तीन उन्होंने एक तरफ रख दिए; बाकी को जब उन्होंने देख लिया, तो उन्होंने अपने पास से हटा दिया। "श्रीमती फेयरफैक्स, इन्हें दूसरी मेज पर ले जाइए,' उन्होंने कहा, 'और एडेल के साथ इन्हें देखिए; आप' (मेरी ओर देखते हुए) 'अपनी जगह पर बैठ जाइए, और मेरे सवालों के जवाब दीजिए। मुझे लगता है कि ये चित्र एक ही व्यक्ति ने बनाए हैं: क्या वह हाथ आपका था?' 'हाँ।' 'और आपको इन्हें बनाने का समय कब मिला?' इन्हें बनाने में काफी समय और सोच-विचार लगा है।' 'मैंने इन्हें लोवुड में बिताई अपनी पिछली दो

छुट्टियों में बनाया था, जब मेरे पास कोई और काम नहीं था।' 'आपको ये प्रतियां कहां से मिलीं?' 'मेरे दिमाग से बाहर।' 'वह सिर जो मैं अब तुम्हारे कंधों पर देख रहा हूँ?' EX CS.ApIr.. 'क्या इसके अंदर इसी तरह का और फर्नीचर है?' 'मुझे लगता है कि हो सकता है: मुझे उम्मीद है—बेहतर।' उसने चित्रों को अपने सामने फैलाया और बारी-बारी से उनका निरीक्षण किया। जब वह इस काम में व्यस्त है, तो मैं आपको, पाठक, बता दूँ कि वे क्या हैं: और पहले, मुझे यह स्पष्ट करना होगा कि वे कोई अद्भुत चीज़ नहीं हैं। दरअसल, विषय मेरे मन में स्पष्ट रूप से उभर आए थे। जब मैंने उन्हें आध्यात्मिक दृष्टि से देखा, उन्हें मूर्त रूप देने का प्रयास करने से पहले, वे आकर्षक थे; लेकिन मेरा हाथ मेरी कल्पना का साथ नहीं दे रहा था, और हर मामले में उसने उस चीज़ का एक धुंधला चित्र ही बनाया था जिसकी मैंने कल्पना की थी। ये चित्र जलरंगों में थे। पहले चित्र में गहरे और काले बादल एक उफनते समुद्र के ऊपर मंडरा रहे थे: सारी दूरी धुंधली थी; अग्रभूमि भी धुंधली थी; या यूँ कहें कि निकटतम लहरें, क्योंकि वहाँ कोई भूमि नहीं थी। प्रकाश की एक किरण ने आधे डूबे हुए मस्तूल को उभारा, जिस पर एक कोर बैठा था।

 —————— एक विशाल, गहरा और बड़ा पक्षी, जिसके पंख झाग से सने हुए थे; उसकी चोंच में रत्नों से जड़ा एक सोने का कंगन था, जिसे मैंने अपने पैलेट की यथासंभव चमकदार रंगों से और पेंसिल की यथासंभव स्पष्ट चमक से चित्रित किया था। पक्षी और मस्तूल के नीचे, एक डूबा हुआ शव हरे पानी में झलक रहा था; एक सुंदर भुजा ही एकमात्र स्पष्ट अंग थी, जहाँ से कंगन धुल गया था या फट गया था। दूसरे चित्र में अग्रभूमि में केवल एक पहाड़ी की धुंधली चोटी थी, जिस पर घास और कुछ पत्तियाँ हवा के झोंके से झुकी हुई थीं। उसके आगे और ऊपर गोधूलि बेला की तरह गहरा नीला आकाश फैला हुआ था: आकाश में एक स्त्री की आकृति उभर रही थी, जिसे मैंने यथासंभव धुंधले और कोमल रंगों में चित्रित किया था। धुंधले माथे पर एक तारा था; नीचे की आकृतियाँ भाप के आवरण से छनकर दिखाई दे रही थीं; आँखें गहरी और जंगली चमक रही थीं; बाल धुंधले से लहरा रहे थे, मानो आंधी या बिजली के झटके से फटा हुआ कोई किरणहीन बादल हो। गर्दन पर चांदनी जैसी हल्की सी परछाई थी; वही धुंधली चमक पतले बादलों की कतार को छू रही थी, जिनसे निकलकर शाम के तारे का यह नजारा उभर रहा था और झुक रहा था। तीसरे दृश्य में एक हिमखंड का शिखर ध्रुवीय सर्दियों के आकाश को भेदता हुआ दिखाई दे

रहा था: उत्तरी रोशनी का एक समूह क्षितिज पर घनी कतारों में अपनी धुंधली किरणें फैला रहा था। इन्हें दूर धकेलते हुए, अग्रभूमि में एक सिर उभरा—एक विशाल सिर, हिमखंड की ओर झुका हुआ और उस पर टिका हुआ। माथे के नीचे जुड़े हुए दो पतले हाथ, जो माथे को सहारा दे रहे थे, चेहरे के निचले हिस्से के सामने एक काले रंग का पर्दा खींच रहे थे; केवल एक भावहीन, हड्डी की तरह सफेद माथा और एक खोखली और स्थिर आंख, जिसमें निराशा की चमक के अलावा कोई अर्थ नहीं था, दिखाई दे रही थी। मंदिरों के ऊपर, काले वस्त्रों की मालानुमा तहों के बीच, बादल की तरह अस्पष्ट स्वरूप में, सफेद लौ का एक घेरा चमक रहा था, जो और भी भड़कीले रंगों की चमक से जगमगा रहा था। यह हल्का अर्धचंद्र 'शाही मुकुट की छवि' था; इसके ऊपर जो मुकुट था, वह 'ऐसा आकार था जिसका कोई आकार नहीं था।' श्री रोचेस्टर ने तुरंत पूछा, "क्या आप इन चित्रों को बनाते समय खुश थे?" "मैं तल्लीन था, महोदय: हाँ, और मैं खुश था। संक्षेप में, इन्हें बनाना मेरे जीवन के सबसे तीव्र सुखों में से एक था।" "यह कोई बड़ी बात नहीं है। आपके अपने अनुसार, आपके सुख कम ही रहे हैं; लेकिन मुझे यकीन है कि इन विचित्र रंगों को मिलाते और व्यवस्थित करते समय आप एक तरह के कलाकार के स्वप्नलोक में थे। क्या आप हर दिन इन्हें लंबे समय तक देखते रहते थे?" "मेरे पास करने के लिए और कुछ नहीं था, क्योंकि छुट्टियाँ थीं, और मैं सुबह से दोपहर तक और दोपहर से शाम तक इन्हें देखता रहता था।"





जेन आयर 114 ESS SE SI RASS SR PS SA NE TS RENESAS ESS RS Se rT रात: ग्रीष्म ऋतु के दिनों की लंबी अवधि ने मुझे काम करने के लिए प्रेरित किया।' 'और क्या आप अपने अथक परिश्रम के परिणाम से संतुष्ट थीं?' 'बिल्कुल नहीं। मैं अपने विचार और अपने काम के बीच के विरोधाभास से व्याकुल थी: हर मामले में मैंने कुछ ऐसा सोचा था जिसे साकार करने में मैं पूरी तरह असमर्थ थी।' 'पूरी तरह नहीं: आपने अपने विचार की छाया को तो पकड़ लिया है; लेकिन शायद इससे ज्यादा कुछ नहीं। आपके पास इसे पूर्ण रूप देने के लिए कलाकार का पर्याप्त कौशल और विज्ञान नहीं था: फिर भी, एक स्कूली छात्रा के लिए ये चित्र अनोखे हैं।

जहाँ तक विचारों की बात है, वे रहस्यमय हैं। शाम के तारे में ये आँखें आपने सपने में देखी होंगी। आप उन्हें इतना स्पष्ट कैसे बना सकती थीं, फिर भी बिल्कुल भी चमकदार नहीं? क्योंकि ऊपर का ग्रह उनकी किरणों को दबा देता है। और उनकी गंभीर गहराई में क्या अर्थ है? और आपको हवा को चित्रित करना किसने सिखाया?' आसमान में और इस पहाड़ी की चोटी पर तेज़ आंधी चल रही है। आपने लैटमोस कहाँ देखा? क्योंकि वह लैटमोस ही है। लो! चित्र हटा दो!' मैंने मुश्किल से पोर्टफोलियो की डोरियाँ बाँधी ही थीं कि घड़ी देखकर उन्होंने अचानक कहा— 'नौ बज गए हैं: मिस आयर, आप एडेल को इतनी देर तक क्यों जगाए रख रही हैं? उसे बिस्तर पर ले जाओ!' एडेल ने कमरे से निकलने से पहले उन्हें चूमने की कोशिश की: उन्होंने उस स्पर्श को सहन किया, लेकिन ऐसा नहीं लगा कि उन्हें उसमें उतना आनंद आया हो जितना पायलट को आता, न ही उतना। 'अब आप सभी को शुभ रात्रि,' उन्होंने दरवाजे की ओर हाथ हिलाते हुए कहा, यह जताते हुए कि वे हमारी संगति से ऊब गए हैं और हमें विदा करना चाहते हैं। श्रीमती फेयरफैक्स ने अपनी बुनाई समेट ली: मैंने अपना पोर्टफोलियो उठाया: हमने उन्हें झुककर प्रणाम किया, बदले में हमें एक ठंडा सा प्रणाम मिला, और इस तरह हम चले गए। 'आपने कहा था कि मिस्टर रोचेस्टर कोई बहुत अजीब नहीं हैं, मिसेज़ फेयरफैक्स,' मैंने एडेल को सुलाने के बाद उनके कमरे में वापस आकर कहा। 'तो क्या वो अजीब हैं?' 'मुझे तो ऐसा ही लगता है: वो बहुत ही परिवर्तनशील और अचानक व्यवहार करने वाले हैं।' 'सही है: बेशक किसी अजनबी को वो ऐसे लग सकते हैं, लेकिन मैं उनके व्यवहार की इतनी आदी हो चुकी हूँ कि मुझे कभी इस बात का एहसास ही नहीं होता; और अगर उनके स्वभाव में कुछ खास बातें हैं भी, तो उन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।' 'क्यों?' 'कुछ तो इसलिए कि ये उनका स्वभाव है—और हम अपने स्वभाव को बदल नहीं सकते; और कुछ इसलिए कि उनके मन में कुछ दुखद विचार होते हैं, जो उन्हें परेशान करते हैं और उनके मनोबल को गिरा देते हैं।' 'किस बारे में?' 'एक तो पारिवारिक परेशानियाँ।'

कम नहीं हुआ?' 'नहीं—शायद नहीं। मुझे लगता है कि उनके बीच कुछ गलतफहमियाँ थीं। श्री रोलैंड रोचेस्टर, श्री एडवर्ड के प्रति पूरी तरह से न्यायसंगत नहीं थे; और शायद उन्होंने उनके पिता को उनके खिलाफ भड़काया था। वह बुजुर्ग व्यक्ति धन के शौकीन थे और पारिवारिक संपत्ति को एकजुट रखने के लिए उत्सुक थे। वे संपत्ति को बाँटकर कम करना पसंद नहीं करते थे, फिर भी वे चाहते थे कि श्री एडवर्ड के पास भी धन हो, ताकि परिवार की प्रतिष्ठा बनी रहे; और उनके बालिग होने के कुछ ही समय बाद, कुछ ऐसे कदम उठाए गए जो पूरी तरह से उचित नहीं थे और जिनसे काफी गड़बड़ी हुई।' बूढ़े श्री रोचेस्टर और श्री रोलैंड ने मिलकर श्री एडवर्ड को एक ऐसी स्थिति में डाल दिया जिसे वे अपनी दौलत बढ़ाने के लिए एक कष्टदायक स्थिति मानते थे: उस स्थिति का सटीक स्वरूप क्या था, यह मैं कभी स्पष्ट रूप से नहीं जान पाया, लेकिन उनका मन उस कष्ट को सहन नहीं कर सका। वे क्षमाशील नहीं हैं: उन्होंने अपने परिवार से नाता तोड़ लिया, और अब कई वर्षों से उनका जीवन अस्थिर रहा है। मुझे नहीं लगता कि वे अपने भाई की बिना वसीयत छोड़े मृत्यु के बाद से थॉर्नफील्ड में एक साथ दो सप्ताह भी रहे हैं, जिसके बाद उन्हें सारी संपत्ति मिल गई; और वास्तव में, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वे उस पुरानी जगह से दूर रहते हैं।' 'वे उससे दूर क्यों रहते हैं?' 'शायद उन्हें वह जगह उदास लगती है।' उत्तर टालमटोल भरा था। मुझे कुछ स्पष्ट जानकारी चाहिए थी; लेकिन श्रीमती फेयरफैक्स या तो श्री रोचेस्टर की परेशानियों के मूल और स्वरूप के बारे में मुझे और अधिक स्पष्ट जानकारी नहीं दे सकीं, या देना नहीं चाहती थीं। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए भी एक रहस्य है, और जो कुछ भी वे जानती हैं वह मुख्य रूप से अनुमान पर आधारित है। यह स्पष्ट था कि वह चाहती थी कि मैं इस विषय को छोड़ दूं, और मैंने वैसा ही किया। अध्याय 14 अगले कई दिनों तक मैंने श्री रोचेस्टर को बहुत कम देखा। सुबह के समय वे अपने कामों में व्यस्त रहते थे, और दोपहर में मिलकोट या आसपास के इलाकों से सज्जन आते थे, और कभी-कभी उनके साथ भोजन करने के लिए रुक जाते थे। जब
जेन आयर 119 ओट ईईई सैट एने एन ओएस पालेस आई आईएडी, जब उसकी मोच ठीक हो गई और वह घुड़सवारी करने लगा, तो वह काफी बाहर घूमने जाता था; शायद इन मुलाकातों का जवाब देने के लिए, क्योंकि वह आमतौर पर देर रात तक वापस नहीं आता था। इस दौरान, एडेल को भी शायद ही कभी उसके पास बुलाया जाता था, और उससे मेरी जान-पहचान हॉल, सीढ़ियों या गैलरी में कभी-कभार होने

वाली मुलाकातों तक ही सीमित थी, जब वह कभी-कभी मुझे घमंडी और ठंडेपन से देखता हुआ गुजरता था, बस एक दूर के इशारे या ठंडी नज़र से मेरी उपस्थिति को स्वीकार करता था, और कभी-कभी सज्जनतापूर्ण विनम्रता के साथ झुकता और मुस्कुराता था। उसके बदलते मिजाज से मुझे कोई आपत्ति नहीं थी, क्योंकि मैंने देखा कि मेरे लिए उसमें कोई भूमिका नहीं थी; यह उतार-चढ़ाव उन कारणों पर निर्भर करता था जिनका मुझसे कोई लेना-देना नहीं था। एक दिन उसके यहाँ रात के खाने पर मेहमान आए थे, और उसने मेरा पोर्टफोलियो मंगवाया था; निस्संदेह, इसके अंदर की सामग्री दिखाने के लिए: श्रीमती फेयरफैक्स ने मुझे बताया कि सज्जन लोग मिलकोट में एक सार्वजनिक सभा में भाग लेने के लिए जल्दी चले गए थे; लेकिन रात गीली और खराब होने के कारण श्री रोचेस्टर उनके साथ नहीं गए। उनके जाने के तुरंत बाद उन्होंने घंटी बजाई: एक संदेश आया कि मुझे और एडेल को नीचे जाना है। मैंने एडेल के बालों में कंघी की और उसे संवारा, और यह सुनिश्चित करने के बाद कि मैं स्वयं अपने सामान्य क्वेकर पहनावे में हूँ, जिसमें कुछ भी बदलने की आवश्यकता नहीं थी—सब कुछ बहुत साफ-सुथरा और सादा था, गुंथी हुई लटों सहित, जिसमें अव्यवस्था की गुंजाइश नहीं थी—हम नीचे गए, एडेल सोच रही थी कि क्या छोटा बक्सा आखिरकार आ गया है; क्योंकि किसी गलती के कारण, इसके आने में अब तक देरी हो रही थी। वह खुश हुई: जब हम भोजन कक्ष में दाखिल हुए तो मेज पर एक छोटा सा डिब्बा रखा था। ऐसा लगा जैसे वह उसे सहज रूप से जानती हो। 'मेरा बक्सा! मेरा बक्सा!' चिल्लाते हुए वह उसकी ओर दौड़ी। हाँ, आख़िरकार तुम्हारा "बोइट" मिल ही गया: इसे एक कोने में ले जाओ, पेरिस की असली बेटी, और इसे चीर-फाड़ कर मज़े करो,' आग के पास रखी एक विशाल आरामकुर्सी की गहराई से आती हुई मिस्टर रोचेस्टर की गहरी और कुछ व्यंग्यात्मक आवाज़ सुनाई दी। 'और ध्यान रखना,' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे इस प्रक्रिया के बारे में कोई जानकारी मत देना, न ही आंतों की हालत के बारे में: अपना काम चुपचाप करना: tiens-toi tranquille, enfant; comprends-tu?' एडेल को शायद ही इस चेतावनी की ज़रूरत थी; वह पहले ही अपने खजाने के साथ एक सोफे पर जा चुकी थी, और ढक्कन को बांधने वाली रस्सी को खोलने में व्यस्त थी। इस रुकावट को हटाकर, और टिशू पेपर के कुछ चांदी जैसे लिफाफे उठाकर, उसने बस इतना कहा— 'ओह सिएल! क्यू सेस्ट ब्यू!' और फिर आनंदमय चिंतन में डूब गई। 'क्या मिस आयर वहाँ हैं?' अब

मालिक ने आधा उठते हुए पूछा।

120 जेन आयर अपनी सीट से उठकर दरवाजे की ओर देखने लगे, जिसके पास मैं अभी भी खड़ी थी। 'आह! अच्छा, आगे आइए; यहाँ बैठिए।' उन्होंने अपनी कुर्सी के पास एक कुर्सी खींची। 'मुझे बच्चों की बकबक पसंद नहीं है,' उन्होंने आगे कहा; 'क्योंकि, एक बूढ़े कुंवारे होने के नाते, मुझे उनकी तुतलाहट से कोई सुखद यादें नहीं जुड़ी हैं। एक शरारती बच्चे के साथ पूरी शाम अकेले बिताना मेरे लिए असहनीय होगा। उस कुर्सी को और दूर मत खींचिए, मिस आयर; ठीक वहीं बैठिए जहाँ मैंने इसे रखा है—कृपा हो तो। इन शिष्टाचारों को धिक्कार है! मैं इन्हें अक्सर भूल जाती हूँ। न ही मुझे भोली-भाली बूढ़ी महिलाओं से कोई खास लगाव है। वैसे, मुझे अपनी पत्नी का ध्यान रखना होगा; उनकी उपेक्षा करना ठीक नहीं होगा; वह फेयरफैक्स हैं, या उनसे विवाहित हैं; और कहते हैं ना कि खून पानी से गाढ़ा होता है।' उन्होंने घंटी बजाई और श्रीमती फेयरफैक्स को निमंत्रण भेजा, जो जल्द ही बुनाई की टोकरी हाथ में लिए आ गईं। शुभ संध्या महोदया; मैंने आपको एक नेक काम से बुलाया है। मैंने एडेल को अपने उपहारों के बारे में मुझसे बात करने से मना किया है, और वह उपहारों से इतनी तृप्त है कि उसका पेट भरा हुआ है; कृपया उसकी लेखापरीक्षा और वार्ताकार बनकर उसकी सेवा करें; यह आपके द्वारा किए गए सबसे परोपकारी कार्यों में से एक होगा।' एडेल ने श्रीमती फेयरफैक्स को देखते ही उन्हें अपने सोफे पर बुलाया और जल्दी से अपनी गोद में अपने 'बर्तन' की चीनी मिट्टी, हाथीदांत और मोम से बनी वस्तुओं से भर दी; इस बीच, वह अपनी टूटी-फूटी अंग्रेजी में, जिस पर वह महारत रखती थी, स्पष्टीकरण और उत्साह उड़ेल रही थी। श्री रोचेस्टर ने आगे कहा, 'अब मैंने एक अच्छे मेज़बान की भूमिका निभा दी है, अपने मेहमानों को एक-दूसरे का मनोरंजन करने का मौका दिया है, मुझे अपने आनंद के लिए स्वतंत्र होना चाहिए। मिस आयर, अपनी कुर्सी को थोड़ा और आगे खींच लें: आप अभी भी बहुत पीछे हैं;' मैं इस आरामदायक कुर्सी पर अपनी जगह से हिले बिना आपको नहीं देख सकता, और मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहता।' मैंने वैसा ही किया जैसा मुझे कहा गया था, हालाँकि मैं थोड़ी छाया में रहना ज़्यादा पसंद करता; लेकिन मिस्टर रोचेस्टर के आदेश देने का तरीका इतना सीधा था कि उनकी बात तुरंत मानना स्वाभाविक ही लगा। जैसा कि मैंने कहा, हम भोजन कक्ष में थे: रात के खाने के लिए जलाई गई रोशनी से कमरा उत्सवपूर्ण प्रकाश से भर गया था; बड़ी आग पूरी तरह से लाल और साफ थी; बैंगनी पर्दे ऊँची

खिड़की और उससे भी ऊँचे मेहराब के सामने भव्य और विशाल रूप से लटके हुए थे; एडेल की धीमी बातचीत (वह ज़ोर से बोलने की हिम्मत नहीं करती थी) और हर विराम में खिड़कियों पर सर्दियों की बारिश की बूँदों की आवाज़ के अलावा सब कुछ शांत था। मिस्टर रोचेस्टर, अपनी दमिश्क से ढकी कुर्सी पर बैठे हुए, देख रहे थे
जेन आयर 121 ईई से एट ईई ईए, वह पहले जैसा दिखता था उससे अलग था; उतना कठोर नहीं—उदासी भी कम। उसके होठों पर मुस्कान थी और उसकी आँखें चमक रही थीं, चाहे शराब के कारण हो या नहीं, मैं निश्चित नहीं कह सकती; लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत संभव था। संक्षेप में, वह अपने दोपहर के भोजन के बाद के मूड में था; सुबह के ठंडे और कठोर स्वभाव की तुलना में अधिक खुला और मिलनसार, और साथ ही अधिक आत्म-भोगी भी; फिर भी वह कीमती रूप से गंभीर दिख रहा था, अपने विशाल सिर को कुर्सी की उभरी हुई पीठ पर टिकाए हुए, और आग की रोशनी को अपने ग्रेनाइट से तराशे हुए चेहरे और अपनी बड़ी, काली आँखों में ग्रहण कर रहा था; क्योंकि उसकी बड़ी, काली आँखें थीं, और बहुत सुंदर भी—कभी-कभी उनकी गहराई में एक निश्चित परिवर्तन होता था, जो यदि कोमलता नहीं थी, तो कम से कम आपको उस भावना की याद दिलाता था। वह दो मिनट से आग को देख रहा था, और मैं भी उतनी ही देर से उसे देख रही थी, तभी अचानक मुड़कर उसने देखा कि मेरी निगाहें उसके चेहरे पर टिकी हुई हैं। “आप मुझे देख रही हैं, मिस आयर,” उसने कहा: “क्या आपको मैं सुंदर लगता हूँ?” अगर मैंने थोड़ा सोचा होता, तो मैं इस सवाल का जवाब कुछ सामान्य, अस्पष्ट और विनम्र तरीके से देती; लेकिन मुझे पता चलने से पहले ही जवाब मेरे मुँह से निकल गया—“नहीं, महोदय।” “अरे! सच में! आपमें कुछ अनोखा है,” उसने कहा: “आप एक छोटी नानी जैसी लगती हैं; विचित्र, शांत, गंभीर और सरल, जैसे आप अपने हाथों को सामने रखकर बैठी हों, और आपकी आँखें आमतौर पर कालीन पर टिकी हों (सिवाय इसके कि जब वे मेरी ओर तीखी निगाहों से देखती हैं; जैसे अभी; और जब कोई आपसे कोई सवाल पूछता है, या कोई टिप्पणी करता है जिसका आपको जवाब देना पड़ता है, तो आप एक तीखा जवाब देती हैं, जो अगर सीधा नहीं तो कम से कम रूखा तो होता ही है। आपका इससे क्या मतलब है?” ‘महोदय, मैं बहुत सीधा बोल गया; क्षमा चाहता हूँ। मुझे यह कहना चाहिए था कि दिखावे के बारे में पूछे गए प्रश्न का तुरंत उत्तर देना आसान नहीं होता; कि सबकी पसंद अलग-अलग होती है; और सुंदरता का कोई खास

महत्व नहीं होता, या कुछ इसी तरह का।' 'आपको ऐसा कुछ नहीं कहना चाहिए था। सुंदरता का कोई खास महत्व नहीं, सच में! और इसलिए, पिछली अपमानजनक बात को नरम करने, मुझे शांत करने और मनाने के बहाने, आप मेरे कान के नीचे चाकू घोंप रहे हैं! बताइए: आपको मुझमें क्या कमी दिखती है? मुझे लगता है कि मेरे सारे अंग और चेहरे बाकी पुरुषों की तरह ही हैं?' 'श्रीमान रोचेस्टर, मुझे अपने पहले उत्तर से मुकरने दीजिए: मेरा कोई तीखा जवाब देने का इरादा नहीं था: यह महज़ एक गलती थी।' 'बिल्कुल सही: मुझे भी ऐसा ही लगता है: और आपको इसके लिए जवाबदेह होना पड़ेगा। मेरी आलोचना कीजिए: क्या मेरा माथा आपको पसंद नहीं आया?'

122 जेन आयर i उसने अपने माथे पर क्षैतिज रूप से फैले काले बालों की लहरों को ऊपर उठाया और बौद्धिक अंगों का एक ठोस समूह दिखाया, लेकिन जहाँ परोपकार का सौम्य संकेत उभरना चाहिए था, वहाँ अचानक कमी दिखाई दी। 'अब, महोदया, क्या मैं मूर्ख हूँ?' 'बिल्कुल नहीं, महोदय। अगर मैं बदले में आपसे पूछूँ कि क्या आप परोपकारी हैं, तो शायद आप मुझे असभ्य समझेंगे?' 'फिर वही बात! एक और चुभने वाली बात, जब उसने मेरे सिर पर थपथपाने का नाटक किया: और वह इसलिए कि मैंने कहा कि मुझे बच्चों और बूढ़ी महिलाओं की संगति पसंद नहीं है (यह बात कितनी सरासर गलत है!)। नहीं, युवती, मैं कोई सामान्य परोपकारी नहीं हूँ; लेकिन मेरे अंदर अंतरात्मा है'; और उसने उन उभारों की ओर इशारा किया जो उस क्षमता को दर्शाते हैं, और जो सौभाग्य से उसके लिए पर्याप्त रूप से स्पष्ट थे; वास्तव में, उसके सिर के ऊपरी हिस्से को एक उल्लेखनीय चौड़ाई प्रदान करते हुए: 'और, इसके अलावा, मेरे दिल में एक तरह की असभ्य कोमलता थी।' जब मैं तुम्हारी उम्र का था, तब मैं काफी भावुक इंसान था; अनाथों, अनाथों और बदकिस्मतों के प्रति सहानुभूति रखता था; लेकिन किस्मत ने मुझे तब से खूब लात मारी है: उसने मुझे अपनी उंगलियों से मसल भी दिया है, और अब मैं खुद को रबर की गेंद की तरह सख्त और मजबूत समझता हूँ; हालाँकि, एक-दो दरारों से अभी भी पारगम्य हूँ, और गेंद के बीच में एक संवेदनशील बिंदु है। हाँ: क्या इससे मेरे लिए कोई उम्मीद बचती है?' 'किस बात की उम्मीद, महोदय?' 'क्या रबर से वापस मांस में बदलने की?' 'ज़रूर उसने कुछ ज़्यादा ही शराब पी ली है,' मैंने सोचा; और मुझे उसके इस अजीब सवाल का क्या जवाब देना है, यह समझ नहीं आ रहा था: मैं कैसे बता सकता था कि वह फिर से बदल सकता है या

नहीं? “आप बहुत उलझन में लग रही थीं, मिस आयर; और हालांकि आप मुझसे ज्यादा सुंदर नहीं हैं, फिर भी उलझन भरा भाव आप पर जंचता है; इसके अलावा, यह सुविधाजनक भी है, क्योंकि इससे आपकी वो जिज्ञासु निगाहें मेरे चेहरे से हटकर कालीन के ऊनी फूलों में उलझी रहती हैं; तो उलझन में रहिए। युवती, आज रात मेरा मन मिलनसार और बातूनी रहने का है।” यह कहते हुए वह अपनी कुर्सी से उठे और संगमरमर के मेंटलपीस पर हाथ टिकाकर खड़े हो गए: इस मुद्रा में उनका शरीर और चेहरा दोनों स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे; उनकी छाती की असामान्य चौड़ाई, जो उनके अंगों की लंबाई के अनुपात में लगभग नहीं थी। मुझे यकीन है कि ज्यादातर लोग उन्हें बदसूरत समझते; फिर भी उनके हाव-भाव में इतना सहज गर्व था; उनके व्यवहार में इतनी सहजता थी; अपनी बाहरी दिखावट के प्रति पूर्ण उदासीनता का भाव था; और अपने ऊपर इतना घमंड भरा भरोसा था।

जेन आयर 123 नेना: अन्य गुणों, चाहे वे स्वाभाविक हों या आकस्मिक, की शक्ति, जो केवल व्यक्तिगत आकर्षण की कमी को पूरा कर देती है, कि उसे देखकर, व्यक्ति अनिवार्य रूप से उदासीनता में डूब जाता है, और यहाँ तक कि एक अंधे, अपूर्ण अर्थ में भी, विश्वास में भरोसा कर लेता है। 'आज रात मैं मिलनसार और बातूनी होने के लिए तैयार हूँ,' उसने दोहराया, 'और इसीलिए मैंने तुम्हें बुलवाया है: आग और झूमर मेरे लिए पर्याप्त साथी नहीं थे; न ही पायलट होता, क्योंकि इनमें से कोई भी बात नहीं कर सकता। एडेल थोड़ी बेहतर है, लेकिन फिर भी बहुत पीछे है; श्रीमती फेयरफैक्स भी वैसी ही हैं; मुझे विश्वास है कि यदि तुम चाहो तो तुम मेरे लिए उपयुक्त हो सकती हो: जिस पहली शाम मैंने तुम्हें यहाँ बुलाया था, तुमने मुझे उलझन में डाल दिया था। तब से मैं तुम्हें लगभग भूल ही गया हूँ: अन्य विचारों ने तुम्हारे विचारों को मेरे दिमाग से निकाल दिया है; लेकिन आज रात मैं आराम से रहने के लिए दृढ़ संकल्पित हूँ; जो परेशान करता है उसे त्यागने और जो प्रसन्न करता है उसे याद करने के लिए।' अब मुझे आपसे और जानने की इच्छा है—आपके बारे में और अधिक जानने की—इसलिए बोलिए।’ बोलने के बजाय, मैं मुस्कुराई; और वह मुस्कान न तो बहुत संतुष्ट थी और न ही विनम्र। ‘बोलिए,’ उन्होंने आग्रह किया। “किस बारे में, महोदय?” “जो आपको पसंद हो। विषय और उसे प्रस्तुत करने का तरीका दोनों मैं आप पर छोड़ता हूँ।” तदनुसार मैं बैठी रही और कुछ नहीं बोली: ‘अगर वह मुझसे केवल बोलने और दिखावा करने के लिए बोलने की उम्मीद करते हैं, तो उन्हें पता चलेगा कि उन्होंने

गलत व्यक्ति से बात की है,' मैंने सोचा। 'आप चुप हैं, मिस आयर।' मैं अब भी चुप थी। उन्होंने अपना सिर थोड़ा मेरी ओर झुकाया, और एक ही जल्दबाजी भरी नज़र से मेरी आँखों में झाँकते हुए प्रतीत हुए। 'जिद्दी?' उन्होंने कहा, 'और नाराज़ भी। आह! यह तो स्वाभाविक है। मैंने अपना अनुरोध एक बेतुके, लगभग उद्दंड रूप में रखा है। मिस आयर, क्षमा करें।' सच तो यह है कि मैं आपको किसी से कमतर नहीं समझना चाहता: (खुद को सुधारते हुए), 'मैं केवल उतनी ही श्रेष्ठता का दावा करता हूँ जो उम्र में बीस साल के अंतर और अनुभव में एक सदी की उन्नति से उत्पन्न होती है। यह जायज़ है, जैसा कि एडेल कहती थीं; और इसी श्रेष्ठता के कारण, और केवल इसी कारण, मैं आपसे थोड़ी देर मुझसे बात करने और मेरे विचारों को बदलने की कृपा करने का अनुरोध करता हूँ, जो एक ही बात पर अटके रहने से जंग खा रहे हैं।' उन्होंने स्पष्टीकरण देने की कृपा की, लगभग माफी माँगी, और मैं उनकी विनम्रता से अनभिज्ञ नहीं था, और ऐसा दिखना भी नहीं चाहता था। 'अगर मैं कर सकता हूँ, तो मैं आपका मनोरंजन करने को तैयार हूँ, महोदय—पूरी तरह से तैयार; लेकिन मैं कोई विषय शुरू नहीं कर सकता, क्योंकि मुझे कैसे पता चलेगा कि आपको किसमें रुचि होगी? मुझसे प्रश्न पूछिए, और मैं उनका उत्तर देने की पूरी कोशिश करूँगा।'

124 जेन आयर कहती हैं, 'तो, सबसे पहले, क्या आप मुझसे सहमत हैं कि मुझे थोड़ा दबंग, कठोर, शायद कभी-कभी सख्त होने का अधिकार है, उन कारणों से जो मैंने बताए हैं, अर्थात्, मैं आपके पिता की उम्र का हूँ, और मैंने कई देशों के कई लोगों के साथ विविध अनुभवों से गुज़रा हूँ, और आधी दुनिया घूम चुका हूँ, जबकि आप एक ही घर में एक ही परिवार के साथ शांति से रहे हैं?' 'जैसा आप चाहें, महोदय।' 'यह कोई जवाब नहीं है; या बल्कि यह बहुत ही चिड़चिड़ाने वाला, क्योंकि बहुत ही टालमटोल वाला जवाब है। स्पष्ट उत्तर दें।' 'मुझे नहीं लगता, महोदय, आपको मुझ पर हुक्म चलाने का अधिकार है, केवल इसलिए कि आप मुझसे बड़े हैं, या इसलिए कि आपने मुझसे ज़्यादा दुनिया देखी है; आपकी श्रेष्ठता का दावा इस बात पर निर्भर करता है कि आपने अपने समय और अनुभव का कैसे उपयोग किया है।' 'हम्म! तुरंत बोल दिया।' लेकिन मैं इसकी अनुमति नहीं दूंगा, क्योंकि यह मेरे मामले में कभी भी उचित नहीं होगा, क्योंकि मैंने दोनों लाभों का उदासीन, बल्कि कहें तो बुरा उपयोग किया है। श्रेष्ठता की बात छोड़ दें, तो भी आपको समय-समय पर मेरे आदेशों को स्वीकार करना होगा, आदेश के लहजे से नाराज़ या आहत हुए बिना। क्या आप

करेंगे?' मैं मुस्कुराया: मैंने मन ही मन सोचा कि श्री रोचेस्टर अजीब हैं—ऐसा लगता है कि वे भूल जाते हैं कि वे मुझे उनके आदेश स्वीकार करने के लिए प्रति वर्ष 30 पाउंड का भुगतान करते हैं। 'मुस्कान तो ठीक है,' उन्होंने तुरंत मेरे भाव को समझते हुए कहा; 'लेकिन बोलो भी।' 'मैं सोच रहा था, महोदय, कि बहुत कम मालिक यह जानने की जहमत उठाते हैं कि उनके वेतनभोगी अधीनस्थ उनके आदेशों से नाराज़ या आहत हुए हैं या नहीं।' 'वेतनभोगी अधीनस्थ! क्या! आप मेरे वेतनभोगी अधीनस्थ हैं? ओह हाँ, मैं वेतन भूल गया था! तो फिर, उस वेतन के आधार पर, क्या आप मुझे थोड़ा डांटने देंगे?' 'नहीं, महोदय, उस आधार पर नहीं; लेकिन, इस आधार पर कि आप इसे भूल गए थे, और इस बात की परवाह करते हैं कि आश्रित अपनी निर्भरता में सहज है या नहीं, मैं पूरी तरह सहमत हूँ।' 'और क्या आप कई पारंपरिक रूपों और वाक्यांशों को छोड़ने के लिए सहमत होंगे, यह सोचे बिना कि यह चूक उद्दंडता के कारण है?' 'मुझे यकीन है, महोदय, मैं अनौपचारिकता को कभी भी उद्दंडता नहीं समझूंगा: एक मुझे पसंद है, दूसरा ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे कोई स्वतंत्र व्यक्ति वेतन के लिए भी स्वीकार करेगा।' 'बकवास! अधिकांश स्वतंत्र व्यक्ति वेतन के लिए कुछ भी स्वीकार कर लेंगे; इसलिए, चुप रहो, और उन सामान्य बातों पर चर्चा मत करो जिनके बारे में तुम पूरी तरह से अनभिज्ञ हो। हालाँकि, मैं आपके उत्तर के लिए मन ही मन आपसे हाथ मिलाता हूँ, भले ही वह गलत हो।'

जेन आयर 125, सैस ने रे सिया एल एलआर रे एनेड रेसी; और यह जितना कहने के तरीके के लिए था, उतना ही भाषण के सार के लिए भी; तरीका स्पष्ट और सच्चा था; ऐसा तरीका अक्सर देखने को नहीं मिलता: नहीं, इसके विपरीत, बनावटीपन, या शीतलता, या मूर्खतापूर्ण, अशिष्ट मानसिकता से किसी के अर्थ की गलतफहमी, स्पष्टवादिता के सामान्य परिणाम होते हैं। तीन हजार अनुभवहीन स्कूली छात्राओं में से तीन भी मुझे वैसा जवाब नहीं देतीं जैसा आपने अभी दिया है। लेकिन मेरा इरादा आपकी चापलूसी करने का नहीं है: यदि आप अधिकांश से अलग हैं, तो यह आपकी कोई खूबी नहीं है: यह प्रकृति का काम है। और फिर, आखिरकार, मैं अपने निष्कर्षों में जल्दबाजी कर रहा हूँ: क्योंकि जहाँ तक मुझे पता है, आप बाकियों से बेहतर नहीं हो सकती हैं; आपके कुछ अच्छे गुणों को संतुलित करने के लिए आपमें असहनीय दोष हो सकते हैं।' 'और ऐसा हो भी सकता है,' मैंने सोचा। जैसे ही यह विचार मेरे मन में आया, मेरी नज़रें उससे मिलीं: मानो उसने मेरी नज़र को पढ़ लिया हो, और जवाब

दिया जैसे कि इसका अर्थ शब्दों में भी व्यक्त किया गया हो और कल्पना में भी—"हाँ, हाँ, तुम सही हो," उसने कहा; "मुझमें भी बहुत सारी कमियाँ हैं: मैं जानता हूँ, और मैं उन्हें छुपाना नहीं चाहता, मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ। भगवान जाने मुझे दूसरों के प्रति इतना कठोर होने की ज़रूरत नहीं है; मेरा एक अतीत है, कर्मों की एक श्रृंखला है, मेरे हृदय में जीवन के कई रंग हैं जिन पर विचार करना है, जो मेरे पड़ोसियों के उपहास और निंदा को मुझ पर ही ला सकते हैं। मैं इक्कीस वर्ष की आयु में एक गलत रास्ते पर चल पड़ा, या यूँ कहूँ (क्योंकि अन्य गलतियों की तरह, मैं आधा दोष दुर्भाग्य और प्रतिकूल परिस्थितियों पर डालना पसंद करता हूँ), और तब से सही रास्ते पर नहीं लौट पाया हूँ: लेकिन मैं बहुत अलग हो सकता था; मैं तुम्हारे जितना अच्छा—अधिक बुद्धिमान—लगभग उतना ही बेदाग हो सकता था। मैं तुम्हारी मन की शांति, तुम्हारी स्वच्छ अंतरात्मा, तुम्हारी बेदाग स्मृति से ईर्ष्या करता हूँ। छोटी बच्ची, तुम्हारी स्मृति बेदाग और अशुद्ध है। यह एक अनमोल खजाना होना चाहिए—शुद्ध ताजगी का एक अटूट स्रोत: है ना?' 'जब आप अठारह वर्ष के थे, तब आपकी याददाश्त कैसी थी, महोदय?' 'ठीक थी; निर्मल, स्वस्थ: किसी गंदगी के बहाव ने इसे बदबूदार पोखर में नहीं बदला था। अठारह वर्ष की उम्र में मैं आपके बराबर था—बिल्कुल आपके बराबर। प्रकृति ने मुझे कुल मिलाकर एक अच्छा आदमी बनाया था, मिस आयर; बेहतर किस्म का, और आप देख रही हैं कि मैं वैसा नहीं हूँ। आप कहेंगी कि आपको यह नहीं दिखता; कम से कम मैं खुद को यह कहकर दिलासा देता हूँ कि मैं आपकी आँखों में यही पढ़ता हूँ (वैसे, सावधान रहें, आप अपनी उस आँख से क्या व्यक्त करती हैं; मैं उसकी भाषा को समझने में माहिर हूँ)। तो मेरी बात मानिए,—मैं कोई दुष्ट नहीं हूँ: आपको ऐसा नहीं सोचना चाहिए—मुझे ऐसी कोई बुरी छवि नहीं देनी चाहिए; लेकिन, मुझे पूरा विश्वास है, मेरी स्वाभाविक प्रवृत्ति से ज़्यादा परिस्थितियों के कारण, मैं एक साधारण पापी हूँ, उन सभी तुच्छ व्यभिचारों में लिप्त हूँ जिनसे अमीर और निकम्मे लोग खुद को बचाने की कोशिश करते हैं। जीवन को अपनाओ। क्या आपको आश्चर्य होता है कि मैं

कि आप उनकी नासमझी पर दुर्भावना से नहीं, बल्कि एक सहज सहानुभूति से सुनते हैं; यह सहानुभूति इसलिए भी अधिक सुकून देने वाली और उत्साहवर्धक है क्योंकि यह बहुत ही सहज ढंग से प्रकट होती है।' 'आपको कैसे पता? आप यह सब कैसे अनुमान लगा सकते हैं, महोदय?' 'मुझे यह अच्छी तरह पता है; इसलिए मैं लगभग उतनी ही सहजता से लिखता हूँ जैसे कि मैं अपनी डायरी में अपने विचार लिख रहा हूँ। आप कहेंगे, मुझे परिस्थितियों से ऊपर होना चाहिए था; हाँ, मुझे होना चाहिए था—हाँ, मुझे होना चाहिए था; लेकिन आप देखिए, मैं नहीं था। जब भाग्य ने मेरे साथ अन्याय किया, तो मुझमें शांत रहने की बुद्धि नहीं थी: मैं हताश हो गया; फिर मैं पतित हो गया।' अब, जब कोई दुष्ट मूर्ख अपनी तुच्छ अश्लीलता से मुझे घृणा उत्पन्न करता है, तो मैं यह सोचकर खुद को बेहतर नहीं समझ सकती: मुझे यह स्वीकार करना ही होगा कि हम दोनों एक ही स्तर पर हैं। काश मैं दृढ़ रहती—ईश्वर जानता है कि मैं ऐसा ही चाहती हूँ! जब आप गलती करने के लिए प्रलोभित हों, तो पश्चाताप से डरें, मिस आयर; पश्चाताप जीवन का विष है।' 'कहा जाता है कि पश्चाताप इसका इलाज है, महोदय।' 'यह इसका इलाज नहीं है। सुधार इसका इलाज हो सकता है; और मैं सुधार कर सकती हूँ—मुझमें अभी भी इसके लिए शक्ति है—अगर—लेकिन इसके बारे में सोचने का क्या फायदा, जब मैं बाधित, बोझिल और शापित हूँ?' इसके अलावा, चूंकि मुझे सुख से पूरी तरह वंचित कर दिया गया है, इसलिए मुझे जीवन से आनंद प्राप्त करने का अधिकार है: और मैं इसे प्राप्त करूंगा, चाहे इसकी कितनी भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े।' "तो आप और भी पतित हो जाएंगे, महोदय।' 'संभवतः: फिर भी मैं ऐसा क्यों करूं, जब मुझे मीठा, ताजा आनंद मिल सकता है? और मुझे यह उतना ही मीठा और ताजा मिल सकता है जितना कि जंगली शहद जो मधुमक्खी मैदान में इकट्ठा करती है।' 'यह चुभेगा—इसका स्वाद कड़वा होगा, महोदय।' 'आपको कैसे पता?—आपने कभी इसका अनुभव नहीं किया। आप कितने गंभीर—कितने शांत दिख रहे हैं: और आप इस विषय में उतने ही अनभिज्ञ हैं जितना कि यह छोटा सा चित्र' (मेंटलपीस से एक उठाते हुए)। "आपको मुझे उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है, आप नौसिखिए, जिसने जीवन की दहलीज पार नहीं की है, और इसके रहस्यों से बिल्कुल अनभिज्ञ है।" — 'मैं आपको आपके ही शब्दों की याद दिला रहा हूँ, महोदय: आपने कहा था कि गलती से पछतावा होता है, और आपने पछतावे को जीवन का ज़हर बताया था।' 'और अब गलती की बात कौन करता है? मुझे नहीं

लगता कि मेरे दिमाग में जो विचार कौंधा वह कोई गलती थी। मेरा मानना है कि वह एक प्रेरणा थी न कि प्रलोभन: वह बहुत ही सौम्य, बहुत ही
जेन आयर 1247 VV सुकून देने वाला—मैं जानती हूँ। ये फिर आ रहा है! मैं आपको यकीन दिलाती हूँ कि ये शैतान नहीं है; या अगर है भी, तो इसने प्रकाश के देवदूत का वेश धारण कर लिया है। मुझे लगता है कि मुझे ऐसे सुंदर अतिथि को स्वीकार करना ही होगा जब ये मेरे दिल में प्रवेश मांगता है।' 'इस पर भरोसा मत करो, महोदय; ये सच्चा देवदूत नहीं है।' 'एक बार फिर, आपको कैसे पता? आप किस अंतर्ज्ञान से पाताल के गिरे हुए देवदूत और शाश्वत सिंहासन के दूत—मार्गदर्शक और बहकाने वाले —के बीच अंतर करने का दावा करते हैं?' 'मैंने आपके चेहरे से अंदाजा लगाया, महोदय, जो तब परेशान था जब आपने कहा कि ये विचार आप पर फिर से आ गया है। मुझे यकीन है कि अगर आप इसे सुनेंगे तो ये आपको और अधिक कष्ट देगा।' 'बिल्कुल नहीं—ये दुनिया का सबसे मधुर संदेश है: बाकी, आप मेरे अंतरात्मा के रखवाले नहीं हैं, इसलिए खुद को परेशान न करें।' 'अंदर आओ, प्यारे यात्री!' उन्होंने यह ऐसे कहा मानो वे किसी अदृश्य दृष्टि से बात कर रहे हों, जो केवल उन्हीं की आँखों को दिखाई देती थी; फिर, अपनी आधी फैली हुई बाहों को अपनी छाती पर मोड़कर, उन्होंने उस अदृश्य प्राणी को अपने आलिंगन में समा लिया। 'अब,' उन्होंने फिर मुझसे कहा, 'मैंने इस तीर्थयात्री का स्वागत किया है—एक छद्म देवता, जैसा कि मैं वास्तव में मानता हूँ। इससे मुझे पहले ही लाभ हुआ है: मेरा हृदय एक प्रकार का कब्रिस्तान था; अब यह एक पवित्र स्थान बन जाएगा।' 'सच कहूँ तो, महोदय, मैं आपको बिल्कुल नहीं समझ पा रहा हूँ: मैं बातचीत जारी नहीं रख पा रहा हूँ, क्योंकि यह मेरी समझ से परे है। केवल एक बात, मैं जानता हूँ: आपने कहा कि आप उतने अच्छे नहीं हैं जितना आप होना चाहते हैं, और आपको अपनी अपूर्णता का खेद है;— एक बात जो मैं समझ सकता हूँ: आपने संकेत दिया कि कलंकित स्मृति एक शाश्वत अभिशाप है। मुझे लगता है कि यदि आप कड़ी मेहनत करें, तो समय के साथ आप वह बन सकते हैं जिसे आप स्वयं स्वीकार करेंगे; और यदि आप आज से अपने विचारों और कार्यों को सुधारने का दृढ़ संकल्प लें, तो कुछ ही वर्षों में आपके पास स्मृतियों का एक नया और बेदाग भंडार होगा, जिसे आप प्रसन्नतापूर्वक याद कर सकते हैं।' 'बिल्कुल सही सोचा; सही कहा, मिस आयर; और इस समय, मैं पूरी ऊर्जा से नरक का मार्ग प्रशस्त कर रहा हूँ।' 'महोदय?' 'मैं अच्छे इरादे रख रहा हूँ, जो मुझे

पत्थर की तरह टिकाऊ लगते हैं। निश्चित रूप से, मेरे साथी और मेरे कार्य पहले जैसे नहीं होंगे।' 'और बेहतर?' 'बेहतर—इतना बेहतर जितना शुद्ध अयस्क मैल से बेहतर होता है। आपको मुझ पर संदेह है; मुझे खुद पर संदेह नहीं है: मैं जानता हूँ कि मेरा क्या

 ——————————————————_ मेरा उद्देश्य है, मेरे इरादे क्या हैं; और इस समय मैं एक ऐसा नियम पारित करती हूँ, जो मेदियों और फारसियों के नियम की तरह अपरिवर्तनीय है, कि दोनों सही हैं।' , 'वे सही नहीं हो सकते, महोदय, यदि उन्हें वैध बनाने के लिए एक नए कानून की आवश्यकता है।' 'वे सही हैं, मिस आयर, हालाँकि उन्हें निश्चित रूप से एक नए कानून की आवश्यकता है: अनसुने संयोजन या परिस्थितियाँ अनसुने नियमों की मांग करती हैं।' 'यह एक खतरनाक सिद्धांत लगता है, महोदय; क्योंकि कोई भी तुरंत देख सकता है कि इसका दुरुपयोग होने की संभावना है।' 'सांबोधक ऋषि!' तो ऐसा ही है: लेकिन मैं अपने कुलदेवताओं की कसम खाता हूँ कि इसका दुरुपयोग नहीं करूँगा।' 'तुम मनुष्य हो और गलतियाँ कर सकते हो।' 'मैं हूँ: तुम भी हो—तो फिर क्या?' 'मनुष्य और गलतियाँ करने वाले को वह शक्ति नहीं सौंपनी चाहिए जो केवल दिव्य और परिपूर्ण को ही सुरक्षित रूप से सौंपी जा सकती है।' "कौन सी शक्ति?" 'किसी भी अजीब, अनधिकृत कार्य के बारे में यह कहने की शक्ति, —"इसे सही होने दो।" ""यह सही हो"—ठीक यही शब्द: आपने इन्हें कहा है।" "तो फिर यह सही हो," मैंने उठते हुए कहा, क्योंकि मुझे यह बातचीत जारी रखना व्यर्थ लग रहा था जो मेरे लिए पूरी तरह अंधकारमय थी; और इसके अलावा, मुझे यह भी एहसास था कि मेरे वार्ताकार का चरित्र मेरी समझ से परे था; कम से कम, अभी तो नहीं; और मुझे अनिश्चितता, असुरक्षा की अस्पष्ट भावना महसूस हो रही थी, जो अज्ञानता के विश्वास के साथ आती है। "आप कहाँ जा रहे हैं?" "एडेल को सुलाने: उसके सोने का समय हो गया है।" "आप मुझसे डरते हैं, क्योंकि मैं एक सांप की तरह बोलता हूँ।" "आपकी भाषा रहस्यमय है, महोदय: लेकिन यद्यपि मैं उलझन में हूँ, मैं निश्चित रूप से डरा हुआ नहीं हूँ।" "आप डरते हैं—आपका आत्म-प्रेम एक गलती से डरता है।" "उस अर्थ में मैं आशंकित महसूस करता हूँ—मैं बकवास नहीं करना चाहता।" अगर आप हंसती भी हैं, तो इतने गंभीर और शांत तरीके से कि मैं उसे समझदारी समझ लूँगी। क्या आप कभी नहीं हंसतीं, मिस आयर? जवाब देने की ज़रूरत नहीं—मैंने आपको बहुत कम

हंसते देखा है; लेकिन आप बहुत खुलकर हंस सकती हैं: यकीन मानिए, आप स्वभाव से कठोर नहीं हैं, ठीक वैसे ही जैसे मैं स्वभाव से दुष्ट नहीं हूँ। लोवुड का बंधन अभी भी आप पर कुछ हद तक हावी है; आपके चेहरे के भावों को नियंत्रित करता है, आपकी आवाज़ को दबाता है और आपके अंगों को सीमित करता है; और आप किसी पुरुष और भाई—या पिता, या स्वामी, या जो भी हो—की उपस्थिति में बहुत खुलकर मुस्कुराने, बहुत खुलकर बोलने से डरती हैं।

जेन आयर 129 —_—_—_—_—_—_—— या बहुत जल्दी आगे बढ़ो: लेकिन, समय के साथ, मुझे लगता है कि तुम मेरे साथ स्वाभाविक होना सीख जाओगे, क्योंकि मेरे लिए तुम्हारे साथ पारंपरिक होना असंभव है; और तब तुम्हारी निगाहें और हरकतें अब की तुलना में कहीं अधिक जीवंत और विविध होंगी। मैं बीच-बीच में एक पिंजरे की तंग सलाखों के बीच से एक विचित्र प्रकार के पक्षी की झलक देखता हूँ: एक जीवंत, बेचैन, दृढ़ निश्चयी कैदी वहाँ है; अगर वह मुक्त होता, तो बादलों की ऊँचाई तक उड़ जाता। “क्या तुम अब भी जाने पर तुले हो?” “नौ बज चुके हैं, महोदय।” “कोई बात नहीं, ज़रा रुकिए: एडेल अभी सोने के लिए तैयार नहीं है। मिस आयर, मेरी स्थिति, आग की ओर पीठ और कमरे की ओर चेहरा, अवलोकन के लिए अनुकूल है। आपसे बात करते हुए, मैंने बीच-बीच में एडेल को भी देखा है (मेरे पास उसे एक दिलचस्प अध्ययन मानने के अपने कारण हैं, - ऐसे कारण जो मैं शायद, बल्कि ज़रूर, आपको किसी दिन बताऊँगा)। उसने लगभग दस मिनट पहले अपने बक्से से एक छोटी गुलाबी रेशमी फ्रॉक निकाली; जैसे ही उसने उसे खोला, उसके चेहरे पर खुशी की चमक आ गई; नज़ाकत उसके खून में है, उसके दिमाग में घुलमिल गई है, और उसकी हड्डियों के मज्जा में समा गई है। “मुझे इसे आज़माना ही होगा!” वह चिल्लाई, “और अभी भी!” और वह कमरे से बाहर भाग गई। वह अब सोफी के साथ है, कपड़े बदलने की प्रक्रिया से गुजर रही है: कुछ ही मिनटों में वह वापस आएगी; और मैं जानती हूँ कि मैं क्या देखूँगी, - सेलीन वारेन्स का एक छोटा रूप, जैसा कि वह मंच पर दिखाई देती थी। लेकिन कोई बात नहीं। हालांकि, मेरी सबसे कोमल भावनाओं को एक झटका लगने वाला है: यही मेरा पूर्वाभास है; अभी रुको, देखो कि क्या यह सच होगा।' कुछ ही देर में, अदेले के छोटे कदमों की आहट हॉल में सुनाई दी। वह अंदर आई, जैसा कि उसके अभिभावक ने भविष्यवाणी की थी, वह पूरी तरह बदल चुकी थी। गुलाबी रंग के साटन की एक छोटी, बहुत छोटी, और

जितनी हो सके उतनी घेरदार स्कर्ट वाली पोशाक ने उसकी पहले पहनी हुई भूरी फ्रॉक की जगह ले ली थी; उसके माथे पर गुलाब की कलियों का एक मुकुट था; उसके पैरों में रेशमी मोजे और छोटे सफेद साटन सैंडल थे। 'क्या मेरी पोशाक ठीक है?' वह आगे उछलते हुए चिल्लाई; 'और मेरे जूते? और मेरे निचले हिस्से? मुझे लगता है।' "मैं नाचने जा रही हूँ!" और अपनी पोशाक फैलाते हुए, वह कमरे में इधर-उधर दौड़ने लगी; जब वह मिस्टर रोचेस्टर के पास पहुँची, तो उनके सामने हल्के से पैर की उंगलियों पर घूमी, फिर उनके पैरों पर एक घुटने के बल बैठ गई और बोली—"महाशय, मैं आपकी कृपा का तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूँ"; फिर उठकर उसने कहा, "क्या माँ ने भी ऐसा ही किया था, है ना, महाशय?" "बिल्कुल सही!" उत्तर था; और, "बिल्कुल वैसे ही," उसने मेरे ब्रिटिश पैंट की जेब से मेरा अंग्रेज़ी सोना निकाल लिया। मैं भी भोली थी, मिस आयर—हाँ, बिल्कुल भोली: इससे ज़्यादा भोली नहीं।

130 जेन आयर ————————————ई—ई बसंत की ताजगी अब तुम्हें मुझसे कहीं अधिक तरोताज़ा कर रही है। हालाँकि, मेरा बसंत तो बीत चुका है, पर वह नन्हा सा फ्रांसीसी फूल मेरे हाथों में छोड़ गया है, जिससे कभी-कभी मेरा मन करता है कि छुटकारा पा लूँ। अब मैं उस जड़ को महत्व नहीं देती जहाँ से वह उगा था; क्योंकि मुझे पता चला कि वह एक ऐसी किस्म का फूल था जिसे केवल सोने की धूल से ही सींचा जा सकता था, इसलिए मुझे उस फूल से आधी ही मोहब्बत है, खासकर जब वह अभी की तरह इतना कृत्रिम दिखता है। मैं उसे संभाल कर रखती हूँ और पालती हूँ, रोमन कैथोलिक सिद्धांत के अनुसार, अनेक पापों, चाहे वे बड़े हों या छोटे, का प्रायश्चित एक अच्छे कर्म से हो जाता है। मैं यह सब किसी दिन समझाऊँगी। शुभ रात्रि।' अध्याय जीकेवाई एम. रोकुएस्टर ने आगे चलकर इसे समझाया। एक दोपहर, संयोग से उनकी मुलाकात मैदान में मुझसे और एडेल से हुई: और जब वह पायलट और अपने शटलकॉक से खेल रही थी, तो उन्होंने मुझसे कहा कि मैं उसके सामने एक लंबी बीच की पगडंडी पर ऊपर-नीचे चलूँ। फिर उसने कहा कि वह एक फ्रांसीसी ओपेरा डांसर, सेलीन वारेन्स की बेटी थी, जिसके प्रति उसके मन में कभी एक गहरा प्रेम था। सेलीन ने भी उससे कहीं अधिक तीव्र प्रेम का दावा किया था। वह खुद को उसका आदर्श मानता था, चाहे वह कितना भी बदसूरत क्यों न हो: उसका मानना था, जैसा कि उसने कहा, कि सेलीन को अपोलो बेल्वीडेरे की शान के बजाय उसका

'एथलीट जैसा पतला शरीर' ज़्यादा पसंद था। और, मिस आयर, मैं फ्रांसीसी अप्सरा की अपने ब्रिटिश बौने के प्रति इस पसंद से इतना प्रसन्न हुआ कि मैंने उसे एक होटल में ठहराया; उसे नौकरों का पूरा जखीरा, एक गाड़ी, कश्मीरी ऊन, हीरे, गहने आदि दिए। संक्षेप में, मैंने किसी भी अन्य मूर्ख की तरह, प्रचलित तरीके से खुद को बर्बाद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। ऐसा लगता है कि मुझमें शर्म और विनाश का एक नया रास्ता बनाने की मौलिकता नहीं थी, बल्कि मैंने मूर्खतापूर्ण सटीकता के साथ पुराने रास्ते पर चलना जारी रखा, ताकि घिसे-पिटे केंद्र से एक इंच भी न भटकूँ। मुझे भी वही नियति मिली जो बाकी सभी बीमार लोगों को मिलती है—जैसा कि होना ही था। एक शाम जब मैं सेलीन के घर गई, तब उसे मेरी उम्मीद नहीं थी। मैंने उसे वहाँ पाया; पर रात गर्म थी और मैं पेरिस में घूमते-घूमते थक गई थी, इसलिए मैं उसके कमरे में बैठ गई; उसकी उपस्थिति से अभी-अभी पवित्र हुई हवा में सांस लेना मुझे अच्छा लगा। नहीं—मैं अतिशयोक्ति कर रही हूँ; मैंने कभी नहीं सोचा था कि उसमें कोई पवित्रता का गुण था: बल्कि वह एक तरह की हल्की खुशबू छोड़ गई थी; कस्तूरी और अंबर की सुगंध, पवित्रता की गंध नहीं। मैं अभी कंज़र्वेटरी के फूलों और छिड़के गए एसेंस की महक से घुटन महसूस करने ही लगी थी कि तभी मुझे...

 ——————————— मैंने खिड़की खोलकर बालकनी में कदम रखने का सोचा। वहाँ चाँदनी और गैस की रोशनी थी, और सब कुछ एकदम शांत और निर्मल था। बालकनी में एक-दो कुर्सियाँ थीं; मैं बैठ गई और एक सिगार निकाला,—'मैं अभी एक सिगार लूँगी, अगर आप मुझे माफ़ करें।' यहाँ एक विराम आया, जो सिगार निकालने और जलाने की आवाज़ से भर गया; उसे होठों से लगाकर और ठंडी, सूरजविहीन हवा में हवाना की अगरबत्ती की सुगंध छोड़ते हुए, वह आगे बोला— 'उन दिनों मुझे भी बोनबोन पसंद थे, मिस आयर, और मैं क्रोक्वेंट — (इस असभ्यता को नज़रअंदाज़ करें)—क्रोक्वेंट चॉकलेट कन्फिट्स खाता था, और बारी-बारी से सिगरेट पीता था, साथ ही उन गाड़ियों को देखता था जो फैशनेबल सड़कों से होते हुए पास के ओपेरा हाउस की ओर जा रही थीं, तभी एक सुंदर जोड़ी अंग्रेजी घोड़ों द्वारा खींची गई एक शानदार बंद गाड़ी में, और चमकदार शहर की रात में स्पष्ट रूप से दिखाई दी, मैंने उस "वोइचुर" को पहचान लिया जो मैंने सेलीन को दी थी। वह लौट रही थी: ज़ाहिर है मेरा दिल बेसब्री से उस लोहे की रेलिंग पर धड़क रहा था जिस पर मैं टिका हुआ था। गाड़ी, जैसा कि मैंने उम्मीद की थी, होटल के दरवाजे

पर रुक गई; मेरी प्रेमिका (जो कि प्रेम में डूबी महिला के लिए बिल्कुल सही शब्द है) ने मुझे मोहित कर लिया: हालांकि वह एक लबादे में लिपटी हुई थी - जो कि जून की इतनी गर्म शाम में एक अनावश्यक बोझ था - फिर भी मैंने उसे तुरंत उसके छोटे से पैर से पहचान लिया, जो उसकी पोशाक के निचले हिस्से से झांकता हुआ दिखाई दिया, जब वह गाड़ी की सीढ़ी से उछलती हुई उतरी। बालकनी पर झुककर, मैं "मोन एंज" फुसफुसाने ही वाली थी—बेशक, उस स्वर में जो केवल प्रेम के कान को ही सुनाई दे—तभी एक आकृति उसके पीछे गाड़ी से कूदी; वह भी लबादा ओढ़े हुए थी; लेकिन वह एक ऊँची एड़ी थी जो फुटपाथ पर गूंजी थी, और वह एक टोपी वाला सिर था जो अब होटल के मेहराबदार पोर्टे कोचरे के नीचे से गुजरा। 'आपने कभी ईर्ष्या महसूस नहीं की, है ना, मिस आयर? बिल्कुल नहीं: मुझे आपसे पूछने की ज़रूरत नहीं है; क्योंकि आपने कभी प्रेम महसूस नहीं किया। आपको अभी दोनों भावनाओं का अनुभव करना बाकी है: आपकी आत्मा सो रही है; वह आघात अभी बाकी है जो इसे जगाएगा। आप सोचती हैं कि सारा अस्तित्व उसी शांत प्रवाह में बह जाता है जिसमें आपकी जवानी अब तक बहती रही है। बंद आँखों और दबे कानों से बहते हुए, आप न तो बाढ़ के तल में दूर तक फैली चट्टानों को देख पाती हैं, न ही उनके आधार पर लहरों के उबलने की आवाज़ सुन पाती हैं। लेकिन मैं आपसे कहती हूँ—और आप मेरे शब्दों को ध्यान से सुनें—आप एक दिन... नदी के उस पथरीले दर्रे में, जहाँ जीवन की पूरी धारा भंवर और कोलाहल, झाग और शोर में बिखर जाएगी: या तो आप चट्टान की चोटियों पर चूर-चूर हो जाएँगे, या किसी शक्तिशाली लहर द्वारा ऊपर उठाकर एक शांत धारा में ले जाए जाएँगे - जैसा कि मैं अभी हूँ।

इतनी कसकर पकड़ रखा हो कि वह आगे नहीं बढ़ पा रहा था। हम रास्ते पर चढ़ रहे थे जब वह इस तरह रुका; हॉल हमारे सामने था। अपनी नज़र उसकी प्राचीरों पर उठाते हुए, उसने उन पर ऐसी चमक डाली जैसी मैंने पहले कभी नहीं देखी थी और न ही उसके बाद कभी देखी। दर्द, शर्म, क्रोध, अधीरता, घृणा, तिरस्कार, मानो क्षण भर के लिए उसकी काली भौंहों के नीचे फैली बड़ी पुतली में एक कांपता हुआ संघर्ष समेटे हुए थे। सर्वोपरि होने वाला संघर्ष भयंकर था; लेकिन एक और भावना उठी और विजयी हुई: कुछ कठोर और निंदक: स्वेच्छाचारी और दृढ़: इसने उसके जुनून को शांत कर दिया और उसके चेहरे को पत्थर जैसा बना दिया: वह आगे बोला— 'जिस क्षण मैं चुप था, मिस आयर, मैं अपने भाग्य के साथ एक योजना बना रहा था। वह वहाँ, उस बीच के पेड़ के पास खड़ी थी—एक चुड़ैल जैसी, उन चुड़ैलों में से एक जो मैकबेथ को फॉरेस के मैदान में दिखाई दी थीं। "तुम्हें थॉर्नफील्ड पसंद है?" उसने अपनी उंगली उठाते हुए कहा; और फिर उसने हवा में एक स्मृति चिन्ह लिखा, जो घर के सामने, खिड़कियों की ऊपरी और निचली पंक्ति के बीच, भयंकर चित्रलिपि में लिखा गया था, "पसंद करो अगर कर सकते हो! पसंद करो अगर हिम्मत है!" *"मुझे पसंद आएगा," मैंने कहा; "मुझे पसंद आने की हिम्मत है;" और' (उसने उदास स्वर में कहा) 'मैं अपना वचन निभाऊंगा; मैं सुख और अच्छाई के रास्ते में आने वाली बाधाओं को तोड़ूंगा—हाँ, अच्छाई। मैं जैसा रहा हूँ, जैसा हूँ, उससे बेहतर इंसान बनना चाहता हूँ; जैसे अय्यूब के लेविथान ने भाला, तीर और कवच तोड़ दिए थे, जिन्हें दूसरे लोहे और पीतल के समान मानते हैं, मैं उन्हें भूसा और सड़ी हुई लकड़ी के समान समझूंगा।' तभी एडेल अपने शटलकॉक के साथ उसके आगे दौड़ पड़ी। 'दूर!' वह कठोर स्वर में चिल्लाया; 'दूर रहो, बच्ची; या सोफी के पास जाओ!' फिर चुपचाप चलते हुए, मैंने उसे उस बिंदु पर वापस लाने का साहस किया जहाँ से वह अचानक मुड़ गया था— 'क्या आप बालकनी से चले गए थे, महोदय,' मैंने पूछा, 'जब मैडम वारेन्स अंदर आईं?' मुझे इस अनुचित समय पर पूछे गए प्रश्न के लिए लगभग फटकार की उम्मीद थी, लेकिन इसके विपरीत, अपने गुस्से वाले तन्मयता से बाहर निकलते हुए, उसने अपनी आँखें मेरी ओर घुमाईं, और परछाई मानो

 एन ए आआआ ने उसके माथे से पसीना पोंछा। 'ओह, मैं सेलीन को भूल ही गया था! खैर, बात को आगे बढ़ाते हैं। जब मैंने अपने प्रेमी को एक घुड़सवार के साथ आते देखा, तो मुझे जैसे कोई फुफकार सुनाई दी, और ईर्ष्या का हरा सांप,

चांदनी रात में बालकनी से लहराते कुंडलियों पर उठता हुआ, मेरी बनियान के अंदर घुस गया, और दो मिनट में मेरे दिल की गहराई तक पहुँच गया। अजीब!' वह अचानक फिर से बात शुरू करते हुए बोला। 'अजीब बात है कि मैंने तुम्हें इन सब बातों का राजदार चुना, युवती; और भी अजीब बात है कि तुम मुझे चुपचाप सुन रही हो, मानो मेरे जैसे आदमी के लिए अपनी ओपेरा-प्रेमिकाओं की कहानियाँ तुम्हारे जैसी भोली-भाली, अनुभवहीन लड़की को सुनाना दुनिया की सबसे आम बात हो! लेकिन आखिरी विलक्षणता पहली विलक्षणता को समझाती है, जैसा कि मैंने पहले भी कहा था: तुम, अपनी गंभीरता, विचारशीलता और सावधानी के साथ, रहस्यों को सुनने के लिए ही बनी हो।' इसके अलावा, मैं जानता हूँ कि मैंने अपने साथ किस तरह के दिमाग को जोड़ा है: मैं जानता हूँ कि यह ऐसा दिमाग नहीं है जिस पर कोई बुरा असर पड़े: यह एक अनोखा दिमाग है: यह अद्वितीय है। सौभाग्य से मेरा इसे नुकसान पहुँचाने का कोई इरादा नहीं है: लेकिन, अगर मैं ऐसा करता भी, तो इसे मुझसे कोई नुकसान नहीं होगा। हम दोनों जितनी ज़्यादा बातचीत करेंगे, उतना ही अच्छा होगा; क्योंकि मैं तुम्हें नुकसान तो नहीं पहुँचा सकता, लेकिन तुम मुझे तरोताज़ा कर सकते हो।' इस विषयांतर के बाद वह आगे बढ़ा— 'मैं बालकनी में ही रहा। "वे उसके शयनकक्ष में ज़रूर आएँगे," मैंने सोचा: "चलो मैं घात लगाकर बैठ जाता हूँ।" इसलिए मैंने खुली खिड़की से हाथ अंदर डालकर पर्दा खींच दिया, बस एक छोटा सा छेद खुला छोड़ दिया जिससे मैं देख सकूँ; फिर मैंने खिड़की बंद कर दी, बस एक छोटी सी दरार छोड़ी जिससे प्रेमियों की फुसफुसाहट भरी बातें सुनाई दे सकें: फिर मैं चुपके से अपनी कुर्सी पर वापस चला गया; और जैसे ही मैं बैठा, वे दोनों अंदर आ गए। मेरी नज़र तुरंत उस छेद पर पड़ी। सेलीन की नौकरानी अंदर आई, एक दीपक जलाया, उसे मेज पर रखा और चली गई। इस प्रकार वह जोड़ा मेरे सामने स्पष्ट रूप से प्रकट हुआ: दोनों ने अपने लबादे उतार दिए, और वहाँ "वरेन्स" था, जो रेशम और गहनों में चमक रहा था—ज़ाहिर है, मेरे उपहार—और वहाँ उसका साथी एक अधिकारी की वर्दी में था; और मैं उसे एक युवा अय्याश विस्काउंट के रूप में जानता था—एक मूर्ख और दुष्ट युवक जिससे मैं कभी-कभार समाज में मिला था, और जिसे मैंने कभी नफरत करने के बारे में नहीं सोचा था क्योंकि मैं उससे पूरी तरह घृणा करता था। उसे पहचानते ही, ईर्ष्या के साँप का दाँत तुरंत टूट गया; क्योंकि उसी क्षण सेलीन के लिए मेरा प्यार बुझ गया। जो स्त्री मुझे ऐसे प्रतिद्वंद्वी के लिए धोखा दे सकती थी, वह मेरे लिए लड़ने

लायक नहीं थी; वह केवल तिरस्कार की पात्र थी; हालाँकि, मुझसे कम, जो उसका शिकार हुआ था। उन्होंने बात करना शुरू किया; उनकी बातचीत ने मुझे पूरी तरह से राहत दी: तुच्छ, लालची, निर्दयी और बेतुकी, यह सुनने वाले को क्रोधित करने के बजाय थकाने के लिए थी। मेरा एक कार्ड पड़ा था।

134 जेन आयर से ——————————eEICOO मेज पर; यह देखकर मेरा नाम चर्चा में आ गया। उनमें से किसी के पास भी मुझे ठीक से परेशान करने की ऊर्जा या बुद्धि नहीं थी, लेकिन उन्होंने अपने छोटे से तरीके से जितना हो सके मुझे अपमानित किया: विशेष रूप से सेलीन, जिसने मेरी व्यक्तिगत कमियों—जिन्हें वह विकृतियाँ कहती थी—पर भी बड़े ही शानदार ढंग से टिप्पणी की। अब यह उसकी आदत थी कि वह जिसे वह मेरी "सुंदरता" कहती थी, उसकी अत्यधिक प्रशंसा करती थी: जिसमें वह आपसे बिल्कुल अलग थी, जिसने मुझे दूसरी मुलाकात में सीधे-सीधे कह दिया था कि आप मुझे सुंदर नहीं मानते। उस समय यह विरोधाभास मुझे चौंका गया और——' एडेल फिर से दौड़ती हुई आई। 'महाशय, जॉन अभी-अभी यह कहने आया था कि आपके एजेंट ने फोन किया था और आपसे मिलना चाहता है।' 'आह! उस स्थिति में मुझे संक्षेप में बताना होगा। खिड़की खोलकर, मैं उन पर टूट पड़ा; सेलीन को अपने संरक्षण से मुक्त किया; उसे होटल खाली करने का नोटिस दिया; मैंने उसे तत्काल खर्चों के लिए एक पर्स दिया; चीख-पुकार, हिस्टीरिया, प्रार्थना, विरोध, कंपकंपी की परवाह नहीं की; बोइस डी बोलोग्ने में विस्काउंट से मुलाकात का समय तय किया। अगली सुबह मुझे उससे मिलने का सौभाग्य मिला; मैंने उसकी कमजोर, मुरझाई हुई बांह में एक गोली मारी, जो मुर्गी के पंख की तरह कमजोर थी, और फिर सोचा कि मेरा काम पूरे दल से निपट गया है। लेकिन दुर्भाग्य से, छह महीने पहले, वारेन्स ने मुझे यह एडेल नाम की लड़की दी थी, जिसके बारे में उसने दावा किया था कि वह मेरी बेटी है; और शायद वह हो भी सकती है, हालाँकि मुझे उसके चेहरे पर इस तरह के गंभीर पितृत्व का कोई सबूत नहीं दिखता: पायलट उससे ज़्यादा मेरे जैसा दिखता है। माँ से संबंध तोड़ने के कुछ साल बाद, उसने अपने बच्चे को छोड़ दिया और एक संगीतकार या गायक के साथ इटली भाग गई। मैंने एडेल के मेरे द्वारा भरण-पोषण किए जाने के किसी भी स्वाभाविक दावे को स्वीकार नहीं किया, और न ही अब करता हूँ, क्योंकि मैं उसका पिता नहीं हूँ; लेकिन यह सुनकर कि वह बिल्कुल बेसहारा है, मैंने उस बेचारी को पेरिस की गंदगी और कीचड़ से निकालकर यहाँ एक

अंग्रेजी ग्रामीण बगीचे की उपजाऊ मिट्टी में लाकर उसे अच्छी तरह से बढ़ने दिया। श्रीमती फेयरफैक्स ने आपको उसे प्रशिक्षित करने के लिए नियुक्त किया था; लेकिन अब जब आप जानते हैं कि वह एक फ्रांसीसी ओपेरा गायिका की नाजायज संतान है, तो शायद आप अपने पद और अपनी आश्रिता के बारे में अलग तरह से सोचेंगे: आप किसी दिन मेरे पास यह सूचना लेकर आएंगे कि आपको कोई और जगह मिल गई है —कि आप मुझसे एक नई गवर्नेंस ढूंढने की विनती करेंगे, आदि—हैं?' 'नहीं: अदील न तो अपनी माँ की गलतियों के लिए जिम्मेदार है और न ही आपकी: मुझे उससे लगाव है; और अब जब मैं जानती हूँ कि वह एक तरह से अनाथ है—अपनी माँ द्वारा त्यागी गई और आपके द्वारा, महोदय—तो मैं पहले से भी अधिक उससे जुड़ी रहूँगी। भला मैं एक धनी परिवार की बिगड़ी हुई लाडली को कैसे पसंद कर सकती हूँ, जो...
जेन आयर 135: एक अकेली छोटी अनाथ बच्ची, जो अपनी गवर्नेंस को एक उपद्रव समझती है, उसे एक दोस्त की तरह क्यों देखती है? _ 'ओह, यह तो आपका नजरिया है! खैर, मुझे अब अंदर जाना होगा; और आपको भी: अंधेरा हो रहा है।' लेकिन मैं एडेल और पायलट के साथ कुछ मिनट और बाहर रुकी रही—उसके साथ दौड़ लगाई, और बैटलडोर और शटलकॉक का खेल खेला। जब हम अंदर गए, और मैंने उसका बोनट और कोट उतार दिया, तो मैंने उसे अपनी गोद में बिठा लिया; उसे एक घंटे तक वहीं बिठाए रखा, उसे मनचाही बातें करने दीं: यहाँ तक कि उन छोटी-मोटी आज़ादियों और तुच्छ बातों पर भी नहीं डांटा जिनमें वह ध्यान दिए जाने पर भटक जाती थी, और जो उसके चरित्र की सतहीपन को दर्शाती थीं, जो शायद उसकी माँ से विरासत में मिली थी, जो एक अंग्रेज मानसिकता के अनुकूल नहीं थी। फिर भी उसमें खूबियाँ थीं; और मैं उसमें मौजूद हर अच्छाई की पूरी तरह सराहना करने को तैयार थी। मैंने उसके चेहरे और हाव-भाव में मिस्टर रोचेस्टर की कोई समानता खोजने की कोशिश की, लेकिन मुझे कुछ नहीं मिला: कोई भी लक्षण, कोई भी भाव-भंगिमा रिश्ते का संकेत नहीं दे रही थी। यह अफ़सोस की बात थी: अगर यह साबित हो जाता कि वह उनसे मिलती-जुलती है, तो वह उसके बारे में और अधिक सोचते। रात को अपने कमरे में लौटने के बाद ही मैंने मिस्टर रोचेस्टर द्वारा सुनाई गई कहानी पर गंभीरता से विचार किया। जैसा कि उन्होंने कहा था, कहानी के सार में शायद कुछ भी असाधारण नहीं था: एक धनी अंग्रेज का एक फ्रांसीसी नर्तकी के प्रति प्रेम और उसका उसके साथ विश्वासघात, समाज में आम बातें थीं; लेकिन उस भावनात्मक आवेश में कुछ निश्चित

रूप से अजीब था जो अचानक उसे तब आ गया जब वह अपनी वर्तमान संतुष्टि और पुराने हॉल और उसके आसपास के वातावरण में अपने नव-पुनर्जीवित आनंद को व्यक्त कर रहा था। मैंने इस घटना पर आश्चर्यपूर्वक विचार किया; लेकिन धीरे-धीरे इसे छोड़ते हुए, क्योंकि मुझे यह फिलहाल समझ से परे लग रही थी, मैंने अपने स्वामी के व्यवहार पर विचार करना शुरू कर दिया। उन्होंने मुझ पर जो भरोसा जताया था, वह मेरी समझदारी की तारीफ जैसा लग रहा था: मैंने इसे इसी रूप में स्वीकार किया। कुछ हफ्तों से उनका व्यवहार मेरे प्रति पहले से कहीं अधिक एकसमान हो गया था। मैं कभी उनके रास्ते में नहीं आती थी; वे कभी भी घमंड नहीं दिखाते थे: जब वे अचानक मुझसे मिलते थे, तो मुलाकात सुखद लगती थी; वे हमेशा मुझसे कुछ कहते थे और कभी-कभी मुस्कुराते भी थे: जब औपचारिक निमंत्रण पर वे मुझे अपने यहाँ बुलाते थे, तो उनका इतना गर्मजोशी से स्वागत होता था कि मुझे लगता था कि मुझमें सचमुच उन्हें खुश करने की क्षमता है, और ये शाम की मुलाकातें उनके आनंद के साथ-साथ मेरे लाभ के लिए भी होती थीं। मैं वास्तव में अपेक्षाकृत कम बोलती थी, लेकिन मैं उनकी बातें सुनती थी।

136 जेन आयर: आह, बड़े चाव से। उनका स्वभाव मिलनसार था; उन्हें दुनिया से अनभिज्ञ मन को इसके दृश्यों और तौर-तरीकों की झलकियाँ दिखाना अच्छा लगता था (मेरा मतलब भ्रष्ट दृश्यों और दुष्ट तौर-तरीकों से नहीं है, बल्कि उन दृश्यों से है जो अपने विशाल स्वरूप और नवीनता के कारण दिलचस्प होते थे); और मुझे उनके द्वारा दिए गए नए विचारों को ग्रहण करने, उनके द्वारा चित्रित नए चित्रों की कल्पना करने और उनके द्वारा प्रकट किए गए नए क्षेत्रों में उनके साथ विचार-विमर्श करने में बहुत आनंद आता था, कभी भी किसी अप्रिय संकेत से भयभीत या परेशान नहीं होती थी। उनके सहज व्यवहार ने मुझे कष्टदायी बंधन से मुक्त कर दिया: उनकी मैत्रीपूर्ण स्पष्टता, जो उतनी ही सही और सौहार्दपूर्ण थी, ने मुझे उनकी ओर आकर्षित किया। कभी-कभी मुझे ऐसा लगता था जैसे वे मेरे स्वामी नहीं बल्कि मेरे रिश्तेदार हों: फिर भी वे कभी-कभी दबंग भी होते थे; लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था; मैं समझती थी कि यह उनका स्वभाव था। जीवन में इस नए आकर्षण के जुड़ने से मैं इतना प्रसन्न और संतुष्ट हो गया कि मैंने अपने सगे-संबंधियों के लिए तरसना छोड़ दिया: मेरा पतला सा भाग्य मानो विस्तृत हो गया; जीवन के खालीपन भर गए; मेरा शारीरिक स्वास्थ्य सुधर गया; मैं तंदुरुस्त और बलवान हो गया। और क्या अब श्री

रोचेस्टर मेरी नज़रों में बदसूरत हो गए थे? नहीं, पाठक: कृतज्ञता और कई सुखद और सौम्य यादों ने उनके चेहरे को वह वस्तु बना दिया जिसे मैं देखना सबसे अधिक पसंद करता था; कमरे में उनकी उपस्थिति सबसे तेज आग से भी अधिक उत्साहवर्धक थी। फिर भी मैं उनकी कमियों को नहीं भूला था; वास्तव में, मैं भूल ही नहीं सकता था, क्योंकि वे उन्हें अक्सर मेरे सामने लाते थे। वे अभिमानी, व्यंग्यात्मक और हर तरह के हीन व्यक्ति के प्रति कठोर थे: मेरे अंतर्मन में मैं जानता था कि मेरे प्रति उनकी अपार दयालुता कई अन्य लोगों के प्रति उनके अन्यायपूर्ण कठोरता से संतुलित थी। वे मूडी भी थे; समझ से परे; एक से अधिक बार, जब मैंने उन्हें पढ़कर सुनाने के लिए बुलाया, तो मैंने उन्हें अपनी लाइब्रेरी में अकेले, सिर झुकाए, अपनी मुड़ी हुई बाहों पर बैठे हुए पाया; और जब उसने ऊपर देखा, तो उसके चेहरे पर एक उदास, लगभग द्वेषपूर्ण, भाव छा गया। लेकिन मुझे विश्वास था कि उसका मूडीपन, उसकी कठोरता और नैतिकता की उसकी पिछली कमियाँ (मैं पिछली इसलिए कह रही हूँ क्योंकि अब वह उनमें सुधर चुका था) भाग्य के किसी क्रूर प्रहार का परिणाम थीं। मेरा मानना था कि वह स्वभाव से ही बेहतर प्रवृत्तियों, उच्च सिद्धांतों और शुद्ध रुचियों वाला व्यक्ति था, जैसा कि परिस्थितियों ने विकसित किया था, शिक्षा ने सिखाया था या भाग्य ने प्रोत्साहित किया था। मुझे लगता था कि उसमें उत्कृष्ट गुण थे; हालाँकि फिलहाल वे कुछ हद तक बिगड़े और उलझे हुए थे। मैं इस बात से इनकार नहीं कर सकती कि मुझे उसके दुख से दुख हुआ, चाहे वह कुछ भी हो, और मैं उसे कम करने के लिए बहुत कुछ दे सकती थी। हालाँकि अब मैंने अपनी मोमबत्ती बुझा दी थी और बिस्तर पर लेट गई थी, फिर भी मुझे नींद नहीं आ रही थी क्योंकि मैं उसके उस चेहरे के भाव के बारे में सोच रही थी जब वह गली में रुका था और उसने बताया था कि कैसे उसका भाग्य बदल गया था।

जेन आयर 137 कोए सो ए एल ईए उसके सामने खड़ा हुआ, और उसे थॉर्नफील्ड में खुश रहने की हिम्मत दी। “क्यों नहीं?” मैंने खुद से पूछा। “ऐसी क्या बात है जो उसे घर से दूर कर रही है? क्या वह जल्द ही इसे फिर से छोड़ देगा? श्रीमती फेयरफैक्स ने कहा था कि वह यहाँ एक बार में दो सप्ताह से ज़्यादा नहीं रुकता; और अब वह आठ सप्ताह से रह रहा है। अगर वह चला गया, तो बदलाव दुखद होगा। मान लो कि वह बसंत, ग्रीष्म और शरद ऋतु में अनुपस्थित रहे: धूप और सुहावने दिन कितने आनंदहीन लगेंगे!” मुझे ठीक से याद नहीं कि इस सोच के बाद मैं सोई थी या नहीं; खैर, एक

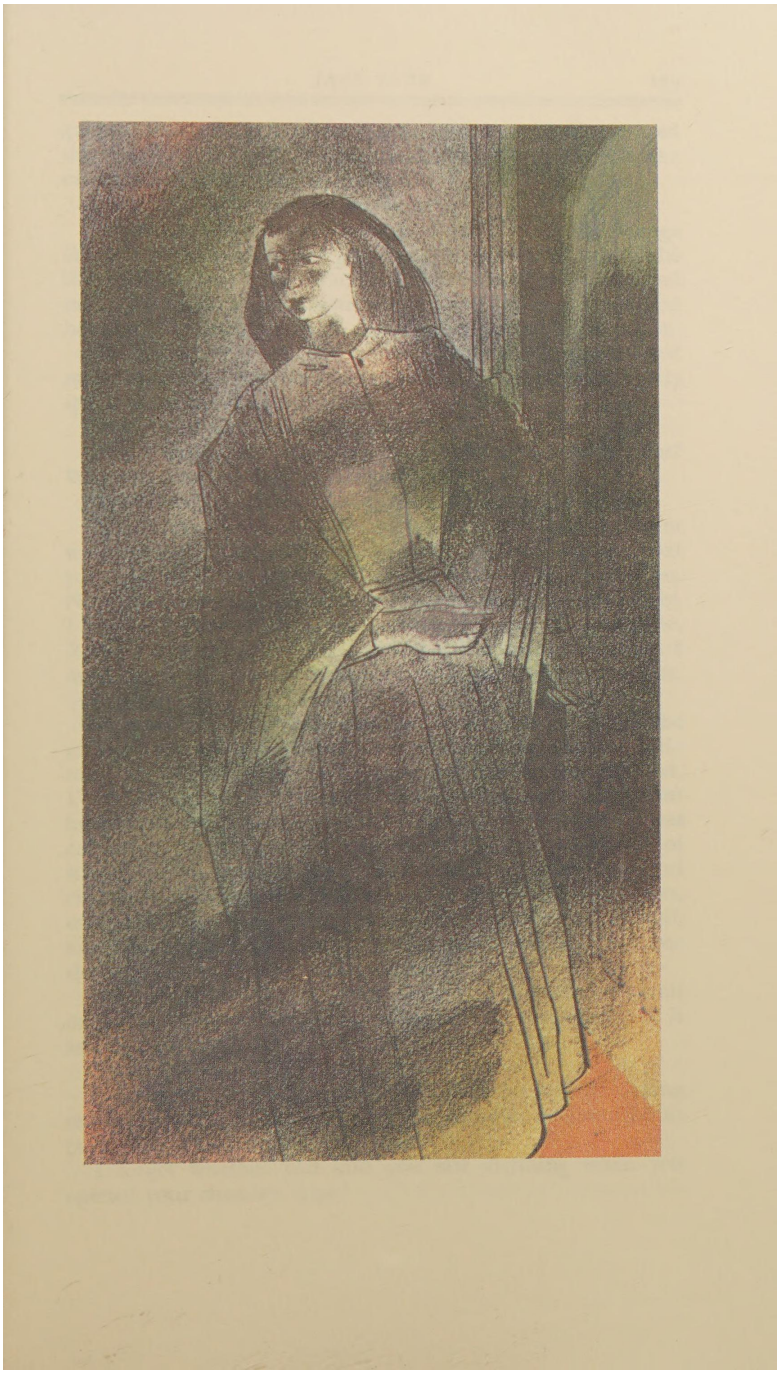
अस्पष्ट, अजीब और उदास सी बड़बड़ाहट सुनकर मैं एकदम से जाग गई, जो मुझे लगा कि मेरे ठीक ऊपर से आ रही थी। काश मैंने अपनी मोमबत्ती जलाए रखी होती: रात बहुत अंधेरी थी; मेरा मन उदास था। मैं उठी और बिस्तर पर बैठ गई, सुनने लगी। आवाज़ धीमी हो गई। मैंने फिर से सोने की कोशिश की; लेकिन मेरा दिल बेचैनी से धड़क रहा था: मेरी आंतरिक शांति भंग हो गई थी। हॉल में दूर लगी घड़ी में दो बजे। ठीक उसी समय ऐसा लगा जैसे मेरे कमरे के दरवाजे को छुआ गया हो; मानो बाहर अंधेरी गैलरी में रास्ता टटोलते हुए उंगलियों ने दरवाज़े के पैनल को छुआ हो। मैंने कहा, “वहाँ कौन है?” कोई जवाब नहीं आया। मैं डर से काँप उठा। अचानक मुझे याद आया कि शायद वह पायलट हो, जो रसोई का दरवाज़ा खुला रह जाने पर अक्सर श्री रोचेस्टर के कमरे की दहलीज तक पहुँच जाता था: मैंने उसे खुद सुबह-सुबह वहाँ लेटे हुए देखा था। इस विचार से मुझे कुछ राहत मिली: मैं लेट गया। खामोशी मन को शांत करती है; और जैसे ही पूरे घर में फिर से सन्नाटा छा गया, मुझे नींद आने लगी। लेकिन उस रात मेरी किस्मत में सोना नहीं लिखा था। एक सपना मेरे कानों तक पहुँचा ही था कि वह एक भयानक घटना से डरकर भाग गया। यह एक शैतानी हँसी थी—धीमी, दबी हुई और गहरी—ऐसा लग रहा था जैसे मेरे कमरे के दरवाजे के ठीक छेद से निकली हो। मेरे बिस्तर का सिरहाना दरवाजे के पास था, और पहले तो मुझे लगा कि वो हंसने वाला भूत मेरे बिस्तर के पास खड़ा है—या यूं कहें कि मेरे तकिये के पास दुबका है: लेकिन मैं उठा, चारों ओर देखा, और कुछ भी दिखाई नहीं दिया; और जब मैं देखता ही रहा, तो वो अजीब सी आवाज़ फिर से सुनाई दी: और मैं समझ गया कि वो खिड़कियों के पीछे से आ रही है। मेरी पहली इच्छा थी कि उठकर कुंडी लगा दूं; फिर, दोबारा चिल्लाऊं, 'वहां कौन है?' कुछ गड़गड़ाहट और कराहट हुई। थोड़ी देर में, कदमों की आहट गैलरी से ऊपर तीसरी मंजिल की सीढ़ियों की ओर सुनाई दी: उस सीढ़ी में हाल ही में एक दरवाजा बंद किया गया था; मैंने उसे खुलते और बंद होते सुना, और सब शांत हो गया। 'क्या वो ग्रेस पूल थी? और क्या उस पर किसी शैतान का साया है?' मैंने सोचा। अब अकेले रहना नामुमकिन था: मुझे जाना ही होगा।

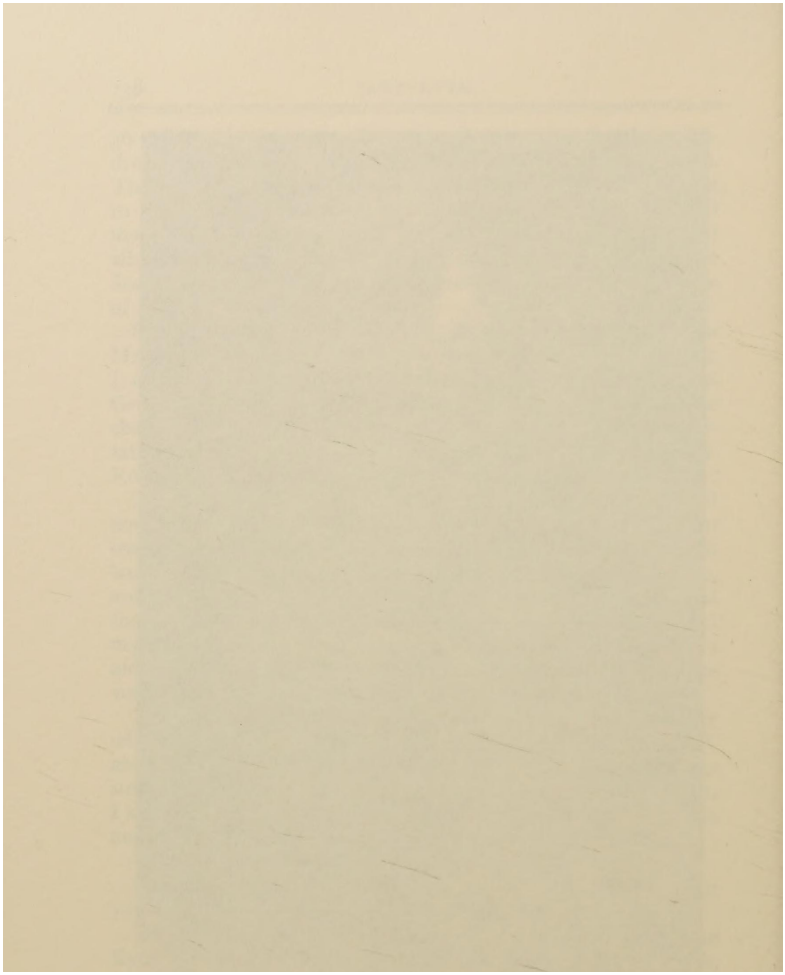
138 जेन आयर ——— श्रीमती फेयरफैक्स के पास जाओ। मैंने जल्दी से अपनी फ्रॉक और शॉल ओढ़ी; मैंने कुंडी खोली और कांपते हाथों से दरवाजा खोला। बाहर और गैलरी में चटाई पर एक मोमबत्ती जल रही थी। मैं इस बात से हैरान थी: लेकिन उससे भी ज्यादा मैं यह देखकर दंग रह गई कि हवा एकदम धुंधली थी, मानो धुएं से

भरी हो; और, इन नीले गुच्छों के स्रोत का पता लगाने के लिए दाएं और बाएं देखते हुए, मुझे जलने की तेज गंध महसूस हुई। कुछ चरमराया: एक दरवाजा थोड़ा खुला था; और वह दरवाजा मिस्टर रोचेस्टर का था, और वहां से धुआं बादल की तरह बाहर निकला। मैंने श्रीमती फेयरफैक्स के बारे में सोचना बंद कर दिया; मैंने ग्रेस पूल या उस हंसी के बारे में सोचना बंद कर दिया: पल भर में, मैं कमरे के अंदर थी। बिस्तर के चारों ओर आग की लपटें उठ रही थीं: पर्दे आग की चपेट में थे। आग और भाप के बीच, मिस्टर रोचेस्टर गहरी नींद में बेसुध पड़े थे। 'जागो!' 'जागो!' मैं चिल्लाई। मैंने उसे हिलाया, लेकिन वह केवल बड़बड़ाया और करवट बदली: धुएँ ने उसे बेहोश कर दिया था। एक पल भी बर्बाद नहीं किया जा सकता था: चादरें भी आग पकड़ रही थीं, मैं उसके बेसिन और जग की ओर दौड़ी; सौभाग्य से, एक चौड़ा और दूसरा गहरा था, और दोनों पानी से भरे हुए थे। मैंने उन्हें ऊपर उठाया, बिस्तर और उस पर लेटे हुए व्यक्ति को पानी से भिगो दिया, अपने कमरे में वापस भागी, अपना पानी का जग लाई, फिर से पलंग को पानी से भिगोया, और ईश्वर की कृपा से, आग बुझाने में सफल रही जो उसे खा रही थी। बुझे हुए तत्व की फुफकार, मेरे हाथ से फेंके गए जग के टूटने की आवाज, और सबसे बढ़कर, मेरे द्वारा उदारतापूर्वक डाले गए शॉवर-बाथ की छप-छप की आवाज ने आखिरकार मिस्टर रोचेस्टर को जगा दिया। हालाँकि अब अँधेरा हो चुका था, मैं जानती थी कि वह जाग गया है; क्योंकि मैंने उसे पानी के कुंड में लेटे हुए पाकर अजीबोगरीब गालियाँ बकते हुए सुना था। 'क्या बाढ़ आई है?' वह चिल्लाया। 'नहीं, महोदय,' मैंने उत्तर दिया; 'लेकिन आग लगी है: उठो, उठो; तुम्हारी आग बुझ गई है; मैं तुम्हारे लिए मोमबत्ती लाती हूँ।' 'ईसाई जगत के सभी परियों के नाम पर, क्या यह जेन आयर है?' उसने पूछा। 'मेरे साथ क्या किया है, डायन, जादूगरनी? तुम्हारे अलावा कमरे में कौन है? क्या तुमने मुझे डुबाने की साजिश रची है?' 'मैं आपके लिए मोमबत्ती लाती हूँ, महोदय; और, भगवान के नाम पर, उठो। किसी ने कुछ साजिश रची है: आपको जल्द से जल्द पता चल जाना चाहिए कि कौन और क्या है।' "लो! मैं अब उठ गई हूँ; लेकिन जोखिम पर तुम अभी भी एक मोमबत्ती लाओ: दो मिनट रुको जब तक मैं कुछ सूखे कपड़े पहन लूँ, अगर कोई सूखे कपड़े हों तो—हाँ, यह रहा मेरा ड्रेसिंग गाउन। अब भागो!' मैं भागी; मैं मोमबत्ती ले आई जो अभी भी कमरे में थी।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल **24.83%** है।

cra omer peg ie sar) es





जेन आयर 139 से ई गैलरी। उसने मेरे हाथ से वह चीज़ ले ली, उसे ऊपर उठाया और बिस्तर का जायज़ा लिया, जो पूरी तरह काला और झुलसा हुआ था, चादरें भीगी हुई थीं, और चारों ओर का कालीन पानी में भीगा हुआ था। 'यह क्या है? और यह किसने किया?' उसने पूछा। मैंने उसे संक्षेप में बताया कि क्या हुआ था: गैलरी में मैंने जो अजीब हंसी सुनी थी; तीसरी मंजिल पर जाने वाली सीढ़ी; धुआं—आग की गंध जिसने मुझे उसके कमरे तक पहुँचाया था; मैंने वहाँ क्या हालत पाई थी, और कैसे मैंने उस पर जितना पानी मेरे हाथ लगा, उतना डाल दिया था। उसने बहुत गंभीरता से सुना; जैसे-जैसे मैं बोलती गई, उसके चेहरे पर आश्चर्य से ज़्यादा चिंता के भाव थे; मेरे

बोलने के बाद भी वह तुरंत नहीं बोला। 'क्या मैं श्रीमती फेयरफैक्स को बुलाऊं?' मैंने पूछा। 'श्रीमती फेयरफैक्स? नहीं; तुम उन्हें क्यों बुलाओगी? वह क्या कर सकती हैं?' उसे बिना किसी बाधा के सोने दो।' "तो मैं लेआ को ले आता हूँ और जॉन और उसकी पत्नी को जगा देता हूँ।" 'बिल्कुल नहीं: बस शांत रहो। तुमने शॉल ओढ़ी हुई है। अगर तुम्हें पर्याप्त गर्मी नहीं लग रही है, तो तुम मेरी चादर ले लो; उसे अपने चारों ओर लपेट लो और आरामकुर्सी पर बैठ जाओ: लो, मैं इसे तुम्हें पहना देता हूँ। अब अपने पैर स्टूल पर रख लो, ताकि वे गीले न हों। मैं कुछ मिनटों के लिए जा रहा हूँ। मैं मोमबत्ती ले आता हूँ। जब तक मैं वापस न आऊँ, वहीं रहना; एकदम शांत रहना। मुझे दूसरी मंजिल पर जाना है। हिलना मत, याद रखना, और किसी को मत बुलाना।' वह चला गया: मैंने रोशनी को गायब होते देखा। वह बहुत धीरे से गैलरी से ऊपर गया, सीढ़ियों का दरवाजा जितना हो सके कम आवाज़ के साथ खोला, उसे अपने पीछे बंद कर दिया, और आखिरी किरण गायब हो गई। मैं घोर अंधेरे में रह गया। मैंने किसी आवाज़ के लिए कान लगाए, लेकिन कुछ नहीं सुना। बहुत लंबा समय बीत गया। मैं थक गया: चादर ओढ़ने के बावजूद ठंड थी; और फिर मुझे वहां रुकने का कोई फायदा नहीं लगा, क्योंकि मुझे घर को जगाना नहीं था। मैं श्री रोचेस्टर के आदेशों का उल्लंघन करके उनकी नाराज़गी मोल लेने ही वाला था, तभी गैलरी की दीवार पर एक बार फिर हल्की रोशनी चमकी और मैंने उनके नंगे पैरों की आहट चटाई पर सुनी। 'उम्मीद है कि यह वही हैं,' मैंने सोचा, 'और कोई बुरी बात नहीं।' वह वापस अंदर आए, पीले और बेहद उदास। 'मैंने सब पता लगा लिया है,' उन्होंने अपनी मोमबत्ती वॉशस्टैंड पर रखते हुए कहा; 'जैसा मैंने सोचा था वैसा ही है।' 'कैसे, महोदय?' उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि हाथ बांधे ज़मीन की ओर देखते हुए खड़े रहे। कुछ मिनटों बाद उन्होंने कुछ अजीब लहजे में पूछा— 'मुझे याद नहीं आ रहा कि आपने अपने कमरे का दरवाजा खोलते समय कुछ देखा था या नहीं।'

140 जेन आयर टीटी 'नहीं, महोदय, केवल मोमबत्ती स्टैंड ज़मीन पर पड़ा था।' 'लेकिन आपने एक अजीब सी हंसी सुनी? मुझे लगता है कि आपने वह हंसी पहले भी सुनी होगी, या कुछ इसी तरह की?' 'जी महोदय: यहाँ एक महिला सिलाई करती है, जिसका नाम ग्रेस पूल है,—वह इसी तरह हंसती है। वह एक विलक्षण व्यक्ति है।' 'बिल्कुल सही। ग्रेस पूल—आपने सही अनुमान लगाया। वह, जैसा कि आप कहते हैं, विलक्षण है—बहुत ज़्यादा। खैर, मैं इस विषय पर विचार करूँगा। इस बीच, मुझे खुशी

है कि आज रात की घटना के सटीक विवरण से आप ही मेरे अलावा एकमात्र व्यक्ति हैं। आप कोई बकवास करने वाले मूर्ख नहीं हैं: इसके बारे में कुछ मत कहो। मैं इस स्थिति का कारण पता लगाऊँगा' (बिस्तर की ओर इशारा करते हुए): 'और अब अपने कमरे में लौट जाओ। मैं बाकी रात पुस्तकालय में सोफे पर आराम से बिताऊँगा। लगभग चार बज रहे हैं—दो घंटे में नौकर उठ जाएँगे।' 'शुभ रात्रि, महोदय,' मैंने जाते हुए कहा। वह हैरान लग रहा था—बहुत अजीब तरह से, क्योंकि उसने अभी-अभी मुझे जाने के लिए कहा था। 'क्या!' वह चौंक उठा, 'क्या तुम मुझे अभी से छोड़कर जा रही हो, और इस तरह?' 'आपने कहा था कि मैं जा सकती हूँ, महोदय।' 'लेकिन बिना विदा लिए नहीं; बिना एक-दो शब्द कहे और सद्भावना व्यक्त किए नहीं; संक्षेप में, उस संक्षिप्त, रूखे अंदाज़ में नहीं। अरे, आपने मेरी जान बचाई है!—मुझे एक भयानक और दर्दनाक मौत से बचाया है! और आप मेरे पास से ऐसे गुज़र रही हैं जैसे हम एक-दूसरे के लिए अजनबी हों! कम से कम हाथ तो मिला लीजिए।' उसने अपना हाथ बढ़ाया; मैंने उसे अपना हाथ दिया: उसने पहले उसे एक हाथ में, फिर दोनों हाथों में लिया। "आपने मेरी जान बचाई है: मुझे आपका इतना बड़ा ऋणी होने में खुशी है। मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता। इस तरह के ऋण के लिए ऋणी के रूप में मेरे लिए कुछ भी सहनीय नहीं होता: लेकिन आप: यह अलग बात है;—मुझे आपके उपकार बोझ नहीं लगते, जेन।' वह रुका; उसने मेरी ओर देखा: उसके होठों पर शब्द लगभग कांप रहे थे, लेकिन उसकी आवाज़ दबी हुई थी। 'शुभ रात्रि महोदय। इस मामले में कोई ऋण, लाभ, बोझ या दायित्व नहीं है।' 'मुझे पता था,' उसने आगे कहा, 'तुम किसी न किसी तरह, किसी न किसी समय मेरा भला करोगे; मैंने तुम्हें पहली बार देखते ही तुम्हारी आँखों में देख लिया था: तुम्हारी अभिव्यक्ति और मुस्कान ने'—(फिर वह रुका)—'मेरे दिल की गहराई में इतनी खुशी नहीं भर दी थी' (वह जल्दी से आगे बढ़ा) 'अचानक। लोग स्वाभाविक सहानुभूति की बात करते हैं; मैंने अच्छे जिन्नों के बारे में सुना है: सबसे अजीब कहानियों में भी सच्चाई के अंश होते हैं। मेरे प्रिय रक्षक, शुभ रात्रि!' उसकी आवाज़ में एक अजीब सी ऊर्जा थी, उसकी निगाहों में एक अजीब सी आग थी।

जेन आयर 141 eee 'मुझे खुशी है कि मैं जाग रही थी,' मैंने कहा: और फिर मैं जाने लगी। 'क्या! तुम जाओगी?' 'मुझे ठंड लग रही है, श्रीमान।' 'ठंड? हाँ, और तालाब में खड़ी हूँ! तो जाओ, जेन; जाओ!' लेकिन उसने मेरा हाथ पकड़े रखा था, और मैं उसे

छुड़ा नहीं पा रही थी। मैंने एक उपाय सोचा। 'मुझे लगता है श्रीमती फेयरफैक्स हिल रही हैं, महोदय,' मैंने कहा। 'ठीक है, मुझे अकेला छोड़ दीजिए': उन्होंने अपनी उंगलियां ढीली कर दीं, और मैं गायब हो गया। मैं अपने पलंग पर वापस आ गया, लेकिन नींद का नामोनिशान नहीं था। सुबह होने तक मैं एक उफनते लेकिन अशांत समुद्र में छटपटाता रहा, जहाँ मुसीबतों की लहरें खुशियों की लहरों के नीचे उमड़ रही थीं। कभी-कभी मुझे लगता था कि मैं इसके उग्र जल के पार एक किनारा देख रहा हूँ, जो ब्यूला की पहाड़ियों जैसा सुंदर है; और कभी-कभी आशा से जागृत एक ताज़ा हवा मेरी आत्मा को विजयी रूप से सीमा की ओर ले जाती थी: लेकिन मैं कल्पना में भी वहाँ नहीं पहुँच सका—एक विपरीत हवा ज़मीन से बहती थी, और मुझे लगातार पीछे धकेलती थी। होश उन्माद का विरोध करता था: विवेक जुनून को चेतावनी देता था। इतना बुखार था कि आराम नहीं कर पा रहा था, इसलिए दिन निकलते ही मैं उठ गया। इस नींदहीन रात के बाद आने वाले दिन मैं श्री रोचेस्टर को देखने की इच्छा और भय दोनों रखता था: मैं उनकी आवाज़ फिर से सुनना चाहता था, फिर भी उनकी आँखों में देखने से डरता था। सुबह के शुरुआती हिस्से में, मैंने क्षण भर के लिए उनकी प्रतीक्षा की। वह आ रहे थे; उनकी स्कूल के कमरे में आने की आदत तो नहीं थी, लेकिन कभी-कभी कुछ मिनटों के लिए ज़रूर आ जाते थे, और मुझे लगा कि उस दिन तो वे ज़रूर आएंगे। लेकिन सुबह हमेशा की तरह ही गुज़री: एडेल की पढ़ाई में कोई खलल नहीं पड़ा; नाश्ते के तुरंत बाद ही, मुझे मिस्टर रोचेस्टर के कमरे के आसपास कुछ हलचल सुनाई दी, मिसेज़ फेयरफैक्स की आवाज़, और लीह की, और रसोइए की—यानी जॉन की पत्नी की—और यहाँ तक कि जॉन की कर्कश आवाज़ भी। कुछ लोग चिल्ला रहे थे, 'कितनी अच्छी बात है कि मास्टर अपने बिस्तर में जल नहीं गए!', 'रात में मोमबत्ती जलाकर रखना हमेशा खतरनाक होता है।', 'कितना सौभाग्य की बात है कि उन्होंने पानी के जग के बारे में सोचा!', 'मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने किसी को जगाया नहीं!', 'उम्मीद है कि लाइब्रेरी के सोफे पर सोने से उन्हें सर्दी नहीं लगेगी,' आदि। बहुत सारी बातों के बाद सफाई और चीज़ों को ठीक करने की आवाज़ आई; और जब मैं नीचे खाना खाने जाते समय उस कमरे के पास से गुज़री, मैंने खुले दरवाजे से देखा कि सब कुछ

 को फिर से पूरी तरह व्यवस्थित कर दिया गया था; केवल पलंग से पर्दे हटा दिए गए थे। लिआ

खिड़की के पास खड़ी हो गई और धुएँ से धुंधले हो चुके शीशों को रगड़ने लगी। मैं उससे बात करने ही वाली थी, क्योंकि मैं जानना चाहती थी कि इस मामले में क्या हुआ है: लेकिन आगे बढ़ने पर मैंने कमरे में एक और व्यक्ति को देखा—एक महिला पलंग के पास कुर्सी पर बैठी नए पर्दों में छल्ले सिल रही थी। वह महिला कोई और नहीं बल्कि ग्रेस पूल थी। वह हमेशा की तरह अपने भूरे रंग के गाउन, चेकदार एप्रन, सफेद रूमाल और टोपी में गंभीर और कम बोलने वाली बैठी थी। वह अपने काम में मग्न थी, मानो उसके सारे विचार उसी में डूबे हुए थे: उसके कठोर माथे और साधारण चेहरे पर न तो वह पीलापन था और न ही हताशा, जो किसी ऐसे व्यक्ति के चेहरे पर दिखाई देती है जिसने हत्या का प्रयास किया हो, और जिसका शिकार पिछली रात उसके ठिकाने तक उसका पीछा कर आया हो, और (जैसा कि मुझे लगा), उस पर उस अपराध का आरोप लगाया हो जिसे वह अंजाम देना चाहती थी। मैं चकित और स्तब्ध रह गया। उसने ऊपर देखा, जबकि मैं अब भी उसे घूर रहा था: न कोई चौंकना, न रंग का बढ़ना या फीका पड़ना, न ही कोई भावना, अपराधबोध या पकड़े जाने का डर ज़ाहिर कर पाया। उसने अपने सामान्य शांत और संक्षिप्त अंदाज़ में कहा, 'सुप्रभात, मिस'; और एक और छल्ला और टेप लेकर सिलाई करने लगी। 'मैं उसकी परीक्षा लूँगा,' मैंने सोचा: 'ऐसी पूर्ण रहस्यमयता समझ से परे है।' 'सुप्रभात, ग्रेस,' मैंने कहा। 'यहाँ कुछ हुआ है क्या? मुझे लगा कि मैंने कुछ देर पहले नौकरों को आपस में बात करते सुना था।' 'केवल मालिक पिछली रात अपने बिस्तर पर पढ़ रहे थे; वह जलती हुई मोमबत्ती के साथ सो गया, और पर्दों में आग लग गई; लेकिन, सौभाग्य से, वह बिस्तर या लकड़ी के काम में आग लगने से पहले ही जाग गया, और उसने जग में रखे पानी से आग बुझा दी।' 'अजीब बात है!' मैंने धीमी आवाज़ में कहा: फिर, उसे घूरते हुए—'क्या मिस्टर रोचेस्टर ने किसी को नहीं जगाया? क्या किसी ने उनकी हरकत नहीं सुनी?' उसने फिर से अपनी आँखें मेरी ओर उठाईं, और इस बार उसकी आँखों में कुछ चेतना झलक रही थी। वह मुझे सावधानी से परखती हुई लग रही थी; फिर उसने उत्तर दिया— "नौकर इतनी दूर सोते हैं, आप जानती हैं, मिस, कि उन्हें शायद ही कुछ सुनाई दे। मिसेज़ फेयरफैक्स का कमरा और आपका कमरा मालिक के कमरे के सबसे पास हैं; लेकिन मिसेज़ फेयरफैक्स ने कहा कि उन्होंने कुछ नहीं सुना: जब लोग बूढ़े हो जाते हैं, तो वे अक्सर गहरी नींद सोते हैं।' वह रुकी, और फिर एक तरह की बनावटी उदासीनता के साथ बोली, लेकिन फिर भी

जेन आयर 143 एक समुद्र आरएस अदा ए ए ए क्री एसीडी एक विशिष्ट और अर्थपूर्ण स्वर में—'लेकिन आप तो जवान हैं, मिस; और मुझे लगता है कि आपकी नींद हल्की है: शायद आपने कोई आवाज़ सुनी हो?' 'हाँ,' मैंने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा, ताकि शीशे पॉलिश कर रही लिया मुझे सुन न सके, 'और पहले तो मुझे लगा कि यह पायलट है: लेकिन पायलट हँस नहीं सकता; और मुझे यकीन है कि मैंने एक हँसी सुनी, और वह भी अजीब सी।' उसने धागे से भरी एक नई सुई ली, उसे ध्यान से मोम लगाया, स्थिर हाथ से सुई में धागा डाला, और फिर पूर्ण शांति से देखा — 'मुझे लगता है कि मालिक का हँसना असंभव है, मिस, जब वह इतने खतरे में थे: आप सपना देख रही होंगी।' 'मैं सपना नहीं देख रही थी,' मैंने कुछ गुस्से से कहा, क्योंकि उसकी निर्भीक शीतलता ने मुझे उत्तेजित कर दिया था। उसने फिर मेरी ओर देखा; और उसी जाँच-पड़ताल और सचेत निगाह से। 'क्या आपने मालिक को बताया है कि आपने हँसी सुनी?' उसने पूछा। 'आज सुबह मुझे उनसे बात करने का मौका नहीं मिला।' 'क्या आपने अपना दरवाजा खोलकर गैलरी में झाँकने के बारे में नहीं सोचा?' उसने आगे पूछा। ऐसा लग रहा था मानो वह मुझसे पूछताछ कर रही हो, और अनजाने में मुझसे जानकारी निकलवाने की कोशिश कर रही हो। मुझे लगा कि अगर उसे पता चल गया कि मुझे उसके अपराध के बारे में पता है या मुझे शक है, तो वह मुझ पर अपनी कुछ बुरी चालें चलेगी; मैंने सोचा कि सतर्क रहना ही बेहतर होगा। 'इसके विपरीत,' मैंने कहा, 'मैंने अपना दरवाजा बंद कर लिया था।' 'तो क्या आपको हर रात सोने से पहले दरवाजा बंद करने की आदत नहीं है?' 'शैतान! वह मेरी आदतें जानना चाहती है, ताकि वह उसी के अनुसार अपनी योजना बना सके!' एक बार फिर क्रोध ने विवेक पर हावी होकर मुझे तीखे स्वर में उत्तर दिया, 'अब तक तो मैंने अक्सर कुंडी लगाना छोड़ दिया है: मुझे यह ज़रूरी नहीं लगा।' मुझे थॉर्नफील्ड हॉल में किसी खतरे या परेशानी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी: लेकिन भविष्य में' (और मैंने शब्दों पर विशेष जोर दिया) 'मैं लेटने से पहले सब कुछ सुरक्षित कर लूंगी।' 'ऐसा करना बुद्धिमानी होगी,' उसने जवाब दिया: 'यह इलाका मेरी जानकारी में किसी भी अन्य इलाके जितना शांत है, और जब से यह घर बना है, मैंने कभी भी हॉल में चोरों के आने की घटना नहीं सुनी है; हालांकि, जैसा कि सर्वविदित है, प्लेट-कक्ष में सैकड़ों पाउंड मूल्य के बर्तन रखे हैं। और आप देखिए, इतने बड़े घर के लिए, यहाँ बहुत कम नौकर हैं, क्योंकि मालिक यहाँ कभी ज्यादा नहीं रहे हैं; और जब वे आते हैं, तो

अविवाहित होने के कारण, उन्हें ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ता।
144 जेन आयर ee a ing on: लेकिन मैं हमेशा सुरक्षित पक्ष में रहना ही बेहतर समझती हूँ; दरवाजा जल्दी बंद हो जाता है, और किसी भी संभावित मुसीबत से बचने के लिए कुंडी लगी होना उतना ही अच्छा है। बहुत से लोग, मिस, सब कुछ ईश्वर की कृपा पर छोड़ देते हैं; लेकिन मैं कहती हूँ कि ईश्वर साधनों के बिना काम नहीं चलाएगा, हालाँकि जब उनका विवेकपूर्ण उपयोग किया जाता है तो वह अक्सर उन्हें आशीर्वाद देता है। और यहाँ उसने अपना भाषण समाप्त किया: उसके लिए एक लंबा भाषण, और एक क्वेक्रेस की शालीनता के साथ कहा गया। मैं अभी भी उसकी चमत्कारिक आत्म-संयम और सबसे रहस्यमय पाखंड को देखकर पूरी तरह से अवाक खड़ी थी, तभी रसोइया अंदर आई। 'श्रीमती पूल,' उसने ग्रेस को संबोधित करते हुए कहा, 'नौकरों का खाना जल्द ही तैयार हो जाएगा: क्या आप नीचे आएँगी?' 'नहीं; बस मेरी एक पाइंट पोर्टर और थोड़ी सी पुडिंग ट्रे में रख दीजिए, मैं इसे ऊपर ले जाता हूँ।' 'आप कुछ मांस लेंगे?' 'बस एक टुकड़ा, और थोड़ा सा पनीर, बस इतना ही।' 'और साबूदाना?' 'अभी इसकी चिंता मत कीजिए: मैं चाय के समय से पहले नीचे आ जाऊँगा: मैं खुद बना लूँगा।' रसोइया मेरी ओर मुड़ा और कहा कि श्रीमती फेयरफैक्स मेरा इंतज़ार कर रही हैं: इसलिए मैं चला गया। रात के खाने के दौरान मैंने श्रीमती फेयरफैक्स द्वारा पर्दे में लगी आग का ब्योरा मुश्किल से ही सुना, क्योंकि मैं ग्रेस पूल के रहस्यमय चरित्र को लेकर अपने दिमाग को उलझाने में इतना मशगूल था, और उससे भी ज़्यादा थॉर्नफील्ड में उसकी स्थिति की समस्या पर विचार कर रहा था और यह सवाल कर रहा था कि उसे उस सुबह हिरासत में क्यों नहीं लिया गया, या कम से कम उसके मालिक की सेवा से बर्खास्त क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कल रात लगभग उसके अपराध के बारे में अपना विश्वास घोषित कर दिया था: किस रहस्यमय कारण ने उन्हें उस पर आरोप लगाने से रोक रखा था? उन्होंने मुझे भी गुप्त रखने का आदेश क्यों दिया था? यह अजीब था: एक साहसी, प्रतिशोधी और अभिमानी सज्जन किसी तरह अपनी सबसे तुच्छ आश्रिता के वश में प्रतीत हो रहे थे; इतना अधिक कि जब उसने उनके जीवन के विरुद्ध हाथ उठाया, तब भी उन्होंने खुलेआम उस पर जानलेवा हमले का आरोप लगाने की हिम्मत नहीं की, और न ही उसे दंडित करने की। यदि ग्रेस युवा और सुंदर होती, तो मुझे यह सोचने का प्रलोभन होता कि विवेक या भय से अधिक कोमल भावनाएँ उसके पक्ष में श्री रोचेस्टर को प्रभावित कर रही थीं;

लेकिन, कठोर चेहरे और गंभीर स्वभाव के कारण, यह विचार स्वीकार्य नहीं था। 'फिर भी,' मैंने सोचा, 'वह भी कभी युवा थी; उसकी जवानी उसके स्वामी के समकालीन रही होगी: श्रीमती फेयरफैक्स ने मुझे एक बार बताया था कि वह यहाँ कई वर्षों से रह रही है। मुझे नहीं लगता कि वह कभी सुंदर रही होगी; लेकिन, जहाँ तक मुझे पता है, उसमें मौलिकता हो सकती है।

जेन आयर 145 ईई और व्यक्तिगत लाभों की कमी की भरपाई के लिए चरित्र की दृढ़ता। मिस्टर रोचेस्टर दृढ़ निश्चयी और सनकी व्यक्ति हैं: ग्रेस कम से कम सनकी तो है ही। क्या होगा यदि किसी पूर्व सनक (उनके जैसे अचानक और जिद्दी स्वभाव के लिए एक बहुत ही संभव सनक) ने उन्हें उसके वश में कर लिया हो, और अब वह उनके कार्यों पर एक गुप्त प्रभाव डालती हो, जो उनकी अपनी अविवेक का परिणाम है, जिसे वह दूर नहीं कर सकते, और जिसकी अवहेलना करने का साहस नहीं कर सकते?' लेकिन, अनुमान के इस बिंदु पर पहुँचते ही, श्रीमती पूल का चौकोर, सपाट शरीर और बदसूरत, रूखा, यहाँ तक कि खुरदुरा चेहरा मेरे मन में इतनी स्पष्ट रूप से उभर आया कि मैंने सोचा, 'नहीं; असंभव! मेरी धारणा सही नहीं हो सकती। फिर भी,' हमारे दिलों में हमसे बात करने वाली गुप्त आवाज ने सुझाव दिया, 'तुम भी सुंदर नहीं हो, और शायद मिस्टर रोचेस्टर तुम्हें पसंद करते हैं: कम से कम, तुमने अक्सर ऐसा महसूस किया है जैसे वह करते हैं; और पिछली रात—उनके शब्दों को याद करो; उनकी नज़र को याद करो; उनकी आवाज़ को याद करो!' मुझे सब कुछ अच्छी तरह याद था; भाषा, नज़र और लहजा उस पल जीवंत रूप से नए हो उठे प्रतीत हुए। मैं अब कक्षा में थी; एडेल चित्र बना रही थी; मैं उसके ऊपर झुकी और उसकी पेंसिल को निर्देशित किया। वह चौंककर ऊपर देखने लगी। 'Qu'avez-vous, madmoiselle?' उसने कहा। 'Vos doigts tremblent comme la feuille, et vos joues sont rouges: mais, rouges comme des cerises]' 'मैं झुकने से गर्म हो गई हूँ, एडेल!' वह रेखाचित्र बनाती रही; मैं सोचती रही। मैंने ग्रेस पूल के बारे में अपने मन में पनप रहे घृणित विचार को तुरंत दूर करने की कोशिश की; यह मुझे घृणास्पद लग रहा था। मैंने अपनी तुलना उससे की, और पाया कि हम अलग थे। बेसी लीवन ने कहा था कि मैं एक सभ्य महिला हूँ; और उसने सच कहा था—मैं एक सभ्य महिला थी। और अब मैं बेसी के समय से कहीं अधिक अच्छी दिख रही थी; मुझमें अधिक रंग और अधिक ऊर्जा थी, अधिक जीवन और

अधिक जीवंतता थी, क्योंकि मेरी आशाएँ उज्ज्वल थीं और आनंद अधिक तीव्र थे। खिड़की की ओर देखते हुए मैंने कहा, 'शाम होने वाली है। आज मैंने घर में मिस्टर रोचेस्टर की आवाज़ या कदमों की आहट नहीं सुनी; लेकिन रात से पहले मैं उन्हें ज़रूर देख लूँगी: मुझे सुबह की मुलाकात से डर लग रहा था; अब मैं चाहती हूँ कि ऐसा हो, क्योंकि मेरी उम्मीद इतनी देर से टूट गई है कि अब मैं बेचैन हो गई हूँ।' जब शाम ढल गई और एडेल मुझे छोड़कर सोफी के साथ नर्सरी में खेलने चली गई, तो मुझे उनकी बहुत तीव्र इच्छा हुई। मैं नीचे घंटी बजने का इंतज़ार करती रही; मैं लिया के संदेश लेकर ऊपर आने का इंतज़ार करती रही; मुझे कभी-कभी ऐसा लगता था कि मैंने मिस्टर रोचेस्टर के कदमों की आहट सुनी है, और मैं दरवाजे की ओर मुड़ जाती, यह उम्मीद करते हुए कि वह खुलेंगे और अंदर आएंगे। दरवाजा बंद ही रहा; अंधेरा छा गया।

146 जेन आयर वह खिड़की से ही अंदर आया था। अभी देर नहीं हुई थी; वह अक्सर मुझे सात-आठ बजे बुलवाता था, और अभी तो बस छह ही बजे थे। आज रात तो मुझे पूरी तरह निराश नहीं होना चाहिए था, क्योंकि मुझे उससे बहुत कुछ कहना था! मैं फिर से ग्रेस पूल का विषय उठाना चाहती थी और सुनना चाहती थी कि वह क्या जवाब देगा; मैं उससे साफ-साफ पूछना चाहती थी कि क्या वह सच में मानता है कि पिछली रात की घिनौनी कोशिश उसी ने की थी; और अगर हाँ, तो उसने उसकी बुराई को क्यों छुपाए रखा। मेरी जिज्ञासा से उसे चिढ़ होती थी या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था; मैं उसे बारी-बारी से परेशान करने और शांत करने का आनंद जानती थी; यही वह आनंद था जिसमें मुझे सबसे ज्यादा मजा आता था, और एक पक्की अंतरात्मा हमेशा मुझे हद से आगे बढ़ने से रोकती थी; उकसावे की सीमा से आगे मैं कभी नहीं जाती थी; बिल्कुल किनारे पर अपनी कुशलता आजमाना मुझे अच्छा लगता था। सम्मान के हर छोटे से छोटे रूप को, अपने पद की हर मर्यादा को बनाए रखते हुए, मैं बिना किसी डर या झिझक के उससे बहस कर सकती थी; यह हम दोनों के लिए ठीक था। अंततः सीढ़ियों पर एक चरमराहट सुनाई दी। लिआ प्रकट हुई; लेकिन वह केवल यह बताने आई थी कि श्रीमती फेयरफैक्स के कमरे में चाय तैयार है। मैं वहाँ गया, कम से कम नीचे जाने की खुशी तो थी; क्योंकि मुझे लगा कि इससे मैं श्री रोचेस्टर के और करीब पहुँच जाऊँगा। जैसे ही मैं उनके पास पहुँचा, उस महिला ने कहा, 'आपको चाय चाहिए होगी; आपने रात के खाने में बहुत कम खाया। मुझे खेद

है,' उन्होंने आगे कहा, 'आज आपकी तबीयत ठीक नहीं है: आप लाल और बुखार से पीड़ित लग रहे हैं।' 'अरे, मैं तो बिल्कुल ठीक हूँ!' मुझे इससे बेहतर कभी महसूस नहीं हुआ।' "तो फिर तुम्हें अच्छी भूख दिखाकर इसे साबित करना होगा; क्या तुम चायदानी भर दोगी जब तक मैं ये सुई बुनती हूँ?' अपना काम पूरा करके, वह पर्दा गिराने के लिए उठी, जिसे उसने अब तक ऊपर रखा था, शायद दिन के उजाले का पूरा फायदा उठाने के लिए, हालाँकि अब शाम पूरी तरह से अंधेरे में डूब रही थी। 'आज रात मौसम सुहाना है,' उसने खिड़की से बाहर देखते हुए कहा, 'हालाँकि तारों की रोशनी नहीं है; श्री रोचेस्टर के लिए कुल मिलाकर आज का दिन यात्रा के लिए अनुकूल रहा है।' 'यात्रा!—क्या श्री रोचेस्टर कहीं गए हैं? मुझे नहीं पता था कि वे बाहर गए हैं।' 'ओह, वे नाश्ता करते ही निकल गए! वे मिलकोट के दूसरी तरफ दस मील दूर श्री एश्टन के घर, लीज़ गए हैं। मुझे लगता है कि वहाँ काफी लोग इकट्ठा हैं; लॉर्ड इंग्राम, सर जॉर्ज लिन, कर्नल डेंट और अन्य।' 'क्या तुम्हें उम्मीद है कि वे आज रात वापस आ जाएँगे?' 'नहीं—और न ही कल; मुझे लगता है वह संभवतः एक सप्ताह या उससे अधिक समय तक रुकेंगे: जब ये उत्तम, फैशनेबल लोग एक साथ मिलते हैं, तो वे इतनी शालीनता और उल्लास से घिरे होते हैं,

 उनके पास मनोरंजन और आनंद की सभी चीजें इतनी अच्छी तरह से उपलब्ध हैं कि उन्हें अलग होने की कोई जल्दी नहीं है। ऐसे अवसरों पर विशेष रूप से सज्जनों की अक्सर मांग रहती है; और श्री रोचेस्टर इतने प्रतिभाशाली और समाज में इतने जीवंत हैं कि मुझे लगता है कि वे सभी के चहेते हैं: महिलाएं उन्हें बहुत पसंद करती हैं; हालाँकि आपको नहीं लगता कि उनकी शक्ल-सूरत उन्हें उनकी नज़रों में खास पसंद आने लायक बनाती है: लेकिन मुझे लगता है कि उनकी योग्यताएँ और क्षमताएँ, शायद उनका धन और खानदानी खानदान, उनकी शक्ल-सूरत की किसी भी छोटी-मोटी कमी को पूरा कर देते हैं।' 'क्या लीज़ में कोई महिलाएँ हैं?' "श्रीमती एश्टन और उनकी तीन बेटियाँ हैं—सचमुच बहुत ही सुंदर युवतियाँ; और माननीय ब्लैंच और मैरी इंग्राम हैं, मुझे लगता है कि वे बेहद खूबसूरत महिलाएँ हैं: दरअसल मैंने ब्लैंच को छह-सात साल पहले देखा था, जब वह अठारह साल की थीं। वह यहाँ श्री रोचेस्टर द्वारा आयोजित क्रिसमस बॉल और पार्टी में आई थीं। आपको उस दिन भोजन कक्ष देखना चाहिए था—कितनी भव्यता से सजाया गया था, कितनी जगमगाहट थी! मुझे लगता है कि वहाँ पचास महिलाएँ और

पुरुष मौजूद थे—सभी काउंटी के प्रतिष्ठित परिवारों से; और मिस इंग्राम उस शाम की सबसे खूबसूरत महिला मानी जा रही थीं।' 'आपने उन्हें देखा, आप कहती हैं, श्रीमती फेयरफैक्स: वह कैसी थीं?' 'हाँ, मैंने उन्हें देखा था। भोजन कक्ष के दरवाजे खुले हुए थे; और, क्योंकि क्रिसमस का समय था, नौकरों को हॉल में इकट्ठा होने की अनुमति दी गई थी, ताकि वे कुछ सुन सकें। महिलाएं गा रही थीं और बजा रही थीं। श्री रोचेस्टर ने मुझे अंदर बुलाया, और मैं एक शांत कोने में बैठ गया और उन्हें देखने लगा। मैंने इससे पहले इतना शानदार दृश्य कभी नहीं देखा था: महिलाएं शानदार ढंग से सजी हुई थीं; उनमें से अधिकांश—कम से कम युवा महिलाएं—सुंदर दिख रही थीं; लेकिन मिस इंग्राम निश्चित रूप से रानी थीं।' 'और वह कैसी थीं?' 'लंबी, सुडौल छाती, ढलानदार कंधे; लंबी, आकर्षक गर्दन: सांवला रंग, गहरा और साफ; सुंदर चेहरे की बनावट; आंखें कुछ-कुछ श्री रोचेस्टर जैसी: बड़ी और काली, और उनके गहनों की तरह चमकदार। और फिर उनके बाल कितने सुंदर थे; काले और इतने सलीके से संवारे हुए: पीछे घनी चोटियों का मुकुट, और आगे सबसे लंबे, सबसे चमकदार घुंघराले बाल जो मैंने कभी देखे थे। उन्होंने शुद्ध सफेद वस्त्र पहने थे; एक अंबर रंग का स्कार्फ उनके कंधे से होते हुए छाती तक जाता था, बगल में बंधा हुआ था, और लंबे, झालरदार सिरे उनके घुटने से नीचे लटक रहे थे। उन्होंने अपने बालों में एक अंबर रंग का फूल भी लगाया हुआ था: यह उनके बालों के साथ बहुत अच्छा मेल खा रहा था। उसके घुंघराले बालों का काला गुच्छा।' 'वह बहुत प्रशंसित थीं, है ना?' 'हाँ, बिल्कुल: और न केवल उनकी सुंदरता के लिए, बल्कि उनकी उपलब्धियों के लिए भी। वह उन महिलाओं में से एक थीं जो गाती थीं:

 एक सज्जन ने पियानो पर उनका साथ दिया। उन्होंने और मिस्टर रोचेस्टर ने एक युगल गीत गाया।' 'मिस्टर रोचेस्टर? मुझे पता नहीं था कि वह गा भी सकते हैं।' 'ओह! उनकी आवाज़ बहुत सुरीली है, और संगीत की उनकी समझ भी बहुत अच्छी है।' 'और मिस इंग्राम: उनकी आवाज़ कैसी थी?' 'बहुत ही मधुर और प्रभावशाली: उन्होंने बहुत ही मधुरता से गाया; उन्हें सुनना एक सुखद अनुभव था; और बाद में उन्होंने पियानो भी बजाया। मैं संगीत का पारखी नहीं हूँ, लेकिन मिस्टर रोचेस्टर हैं; और मैंने उन्हें कहते सुना है कि उनका प्रदर्शन असाधारण रूप से अच्छा था।' 'और यह सुंदर और प्रतिभाशाली महिला, अभी तक अविवाहित हैं।' 'ऐसा लगता है कि नहीं: मुझे लगता है कि न तो उनके पास और न ही उनकी

बहन के पास बहुत अधिक संपत्ति है। ओल्ड लॉर्ड इंग्राम की अधिकांश जागीरें वसीयत में थीं, और लगभग सब कुछ सबसे बड़े बेटे को मिला।' 'लेकिन मुझे आश्चर्य है कि किसी धनी रईस या सज्जन ने उन पर मोहित नहीं किया: उदाहरण के लिए, मिस्टर रोचेस्टर। वह अमीर हैं, है ना?' 'ओह! हाँ।' लेकिन आप देखिए, उम्र में काफी अंतर है: श्री रोचेस्टर लगभग चालीस वर्ष के हैं; वह केवल पच्चीस वर्ष की हैं।' 'इसमें क्या है? आजकल तो ऐसे असमान विवाह होते ही जा रहे हैं।' 'सही है: फिर भी मुझे नहीं लगता कि श्री रोचेस्टर ऐसा कुछ सोचेंगे। लेकिन आप कुछ खा नहीं रही हैं: चाय पीने के बाद से आपने ठीक से कुछ खाया भी नहीं है।' 'नहीं: मुझे इतनी प्यास लगी है कि मैं खा नहीं सकती। क्या आप मुझे एक और कप चाय देंगी?' मैं एक बार फिर मिस्टर रोचेस्टर और खूबसूरत ब्लैंच के मिलन की संभावना पर चर्चा करने ही वाला था; लेकिन एडेल आ गई और बातचीत का रुख बदल गया। जब मैं फिर अकेला हुआ, तो मैंने मिली हुई जानकारी की समीक्षा की; अपने दिल में झाँका, उसके विचारों और भावनाओं का विश्लेषण किया, और कल्पना के असीम और पथहीन रेगिस्तान में भटक रहे विचारों को कठोर नियंत्रण से वापस सामान्य ज्ञान की सुरक्षित शरण में लाने का प्रयास किया। अपनी ही अदालत में, स्मृति ने पिछली रात से मेरे मन में पल रही आशाओं, इच्छाओं और भावनाओं का प्रमाण दिया—लगभग दो सप्ताह से मैं जिस मानसिक स्थिति में था; तर्क ने आगे आकर अपने शांत तरीके से एक सीधी-सादी, स्पष्ट कहानी सुनाई, जिससे पता चला कि मैंने वास्तविकता को कैसे नकार दिया और आदर्श को किस प्रकार बेतहाशा अपना लिया;—मैंने यह फैसला सुनाया: — कि जेन आयर से बड़ा मूर्ख कभी पैदा नहीं हुआ; कि उससे बड़ा सनकी मूर्ख कभी नहीं हुआ।

जेन आयर 149 yyy aeEaeEeEe rr मीठे झूठों में उलझी रही, और जहर को अमृत समझकर पीती रही। 'तुम,' मैंने कहा, 'मिस्टर रोचेस्टर की चहेती? तुम्हें उन्हें प्रसन्न करने की शक्ति प्राप्त है? क्या तुम उनके लिए किसी भी तरह से महत्वपूर्ण हो? जाओ! तुम्हारी मूर्खता मुझे घृणा दिलाती है। और तुमने एक परिवार वाले सज्जन और दुनियादार व्यक्ति द्वारा एक आश्रित और अनुभवहीन महिला को दिखाए गए कभी-कभार के विशेषण संकेतों से आनंद लिया है। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? बेचारी मूर्ख भोली!—क्या स्वार्थ भी तुम्हें समझदार नहीं बना सका? क्या तुमने आज सुबह पिछली रात के संक्षिप्त दृश्य को अपने मन में दोहराया?— अपना चेहरा छुपा लो और

शर्म करो! क्या उन्होंने तुम्हारी आँखों की प्रशंसा में कुछ कहा? अंधी कुतिया! अपनी धुंधली पलकें खोलो और अपनी ही शापित मूर्खता को देखो! किसी भी स्त्री के लिए यह अच्छा नहीं है कि वह अपने से श्रेष्ठ व्यक्ति से चापलूसी करवाए, जिसका उससे शादी करने का कोई इरादा नहीं हो सकता; और सभी स्त्रियों के लिए यह पागलपन है कि वे अपने भीतर एक गुप्त प्रेम को पनपने दें, जो यदि अनचाहा और अज्ञात रहे, तो उस जीवन को ही नष्ट कर देगा जो उसे पोषित करता है; और यदि इसका पता चल जाए और इसका जवाब दिया जाए, तो यह उन्हें एक ऐसे दलदल में धकेल देगा जहाँ से निकलना असंभव है। 'तो सुनो, जेन आयर, तुम्हारा फैसला: कल, अपने सामने शीशा रखो, और चाक से अपना चित्र बनाओ, पूरी ईमानदारी से, बिना किसी कमी को छुपाए; कोई कठोर रेखा मत छोड़ो, कोई अप्रिय अनियमितता मत मिटाओ; इसके नीचे लिखो, "एक गवर्नेस का चित्र, अलग-थलग, गरीब और साधारण।" 'इसके बाद, हाथीदांत का एक चिकना टुकड़ा लो—तुम्हारे ड्राइंग बॉक्स में एक तैयार है: अपनी पैलेट लो, अपने सबसे ताज़े, सबसे उत्तम, सबसे स्पष्ट रंगों को मिलाओ; अपने सबसे कोमल ऊंट के बालों वाली पेंसिल चुनो; अपनी कल्पना के अनुसार सबसे सुंदर चेहरा सावधानीपूर्वक बनाओ; श्रीमती फेयरफैक्स द्वारा ब्लैंच इंग्राम के दिए गए वर्णन के अनुसार, इसे अपने सबसे कोमल रंगों और सबसे मधुर आभाओं में रंगो; काले घुंघराले बालों और पूर्वी आँखों को याद करो;—क्या! तुम फिर से मिस्टर रोचेस्टर को आदर्श मान रही हो! शांत रहो! रोना-धोना नहीं!—भावुकता नहीं!—अफसोस नहीं! मैं केवल विवेक और दृढ़ संकल्प को सहन करूँगी। भव्य और सुगठित चेहरे की बनावट, यूनानी गर्दन और छाती को याद करो; गोल और चमकदार भुजा और कोमल हाथ दिखाई देने दो; हीरे की अंगूठी और सोने का कंगन न छोड़ो; पोशाक, हवाई लेस और चमकदार साटन, सुंदर दुपट्टा और सुनहरे गुलाब को ईमानदारी से चित्रित करो; इसे 'ब्लांच, एक प्रतिष्ठित महिला' कहो। भविष्य में जब भी तुम्हें लगे कि मिस्टर रोचेस्टर तुम्हारे बारे में अच्छा सोचते हैं, तो इन दोनों तस्वीरों को निकालो और उनकी तुलना करो: कहो, "मिस्टर रोचेस्टर शायद उस कुलीन महिला का प्यार जीत सकते हैं, अगर वे इसके लिए प्रयास करना चाहें; क्या यह संभव है कि वे इस गरीब और तुच्छ आम आदमी के बारे में गंभीरता से सोचेंगे?"

अपना चित्र बना लिया; और दो सप्ताह से भी कम समय में मैंने काल्पनिक ब्लैंच इंग्राम का हाथीदांत का लघुचित्र पूरा कर लिया। चेहरा काफ़ी सुंदर लग रहा था, और चाक से बने असली चेहरे से तुलना करने पर, अंतर इतना स्पष्ट था जितना आत्म-नियंत्रण चाह सकता था। मुझे इस कार्य से लाभ हुआ: इसने मेरे दिमाग और हाथों को व्यस्त रखा, और उन नई भावनाओं को बल और स्थिरता प्रदान की जिन्हें मैं अपने हृदय पर अमिट रूप से अंकित करना चाहती थी। जल्द ही, मुझे उस स्वस्थ अनुशासन के लिए खुद को बधाई देने का कारण मिला जिसके तहत मैंने अपनी भावनाओं को वश में कर लिया था। इसके कारण, मैं बाद की घटनाओं का सामना एक शालीन शांति के साथ कर सकी, जिसे अगर मैं अप्रस्तुत पाती, तो शायद मैं बाहरी रूप से भी बनाए रखने में असमर्थ होती। अध्याय सत्रह: एक सप्ताह बीत गया, और श्री रोचेस्टर के बारे में कोई खबर नहीं आई: दस दिन बीत गए, और वे अभी तक नहीं आए थे। श्रीमती फेयरफैक्स ने कहा कि अगर वे सीधे लीज़ से लंदन चले जाएं, और फिर वहां से महाद्वीप चले जाएं, और अगले एक साल तक थॉर्नफील्ड में फिर कभी दिखाई न दें, तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा; वे अक्सर इसी तरह अचानक और अप्रत्याशित रूप से चले जाते थे। यह सुनकर मुझे एक अजीब सी ठंडक और दिल में घबराहट महसूस होने लगी। मैं सचमुच निराशा की एक भयानक अनुभूति को महसूस कर रही थी; लेकिन अपने विवेक को संभालकर और अपने सिद्धांतों को याद करके, मैंने तुरंत अपनी भावनाओं को नियंत्रित किया; और यह आश्चर्यजनक था कि मैं उस अस्थायी भूल से कैसे उबर गई—मैंने श्री रोचेस्टर की गतिविधियों को एक ऐसा मामला समझने की गलती को कैसे दूर किया जिसमें मुझे कोई गहरी दिलचस्पी लेने की जरूरत थी। ऐसा नहीं है कि मैंने हीनता की भावना से खुद को नीचा दिखाया हो: इसके विपरीत, मैंने बस इतना कहा— 'थॉर्नफील्ड के स्वामी से तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है, सिवाय इसके कि तुम उनके शिष्य को पढ़ाने के लिए उनसे मिलने वाला वेतन लो, और उनके द्वारा दिए जाने वाले सम्मानजनक और दयालु व्यवहार के लिए आभारी रहो, जो कि अगर तुम अपना कर्तव्य निभाती हो, तो तुम्हें उनसे पाने का अधिकार है। यकीन मानो, यही एकमात्र संबंध है जिसे वह तुम्हारे और अपने बीच गंभीरता से स्वीकार करते हैं; इसलिए उन्हें अपनी भावनाओं, उल्लास, पीड़ा आदि का केंद्र मत बनाओ। वह

 ——————————— अपने वर्ग के अनुसार: अपनी जाति का पालन करो, और इतना आत्मसम्मान रखो कि जहाँ ऐसे उपहार की

आवश्यकता न हो और जिसे तिरस्कृत किया जाए, वहाँ पूरे दिल, आत्मा और शक्ति से प्रेम न लुटाओ।' मैं शांतिपूर्वक अपने दिन के काम में लगी रही; लेकिन बार-बार मेरे दिमाग में थॉर्नफील्ड छोड़ने के कारणों के अस्पष्ट विचार आते रहे; और मैं अनजाने में विज्ञापन तैयार करती रही और नई नौकरियों के बारे में अटकलें लगाती रही: मैंने इन विचारों को रोकना आवश्यक नहीं समझा; अगर हो सके तो वे अंकुरित होकर फल देंगे। श्री रोचेस्टर दो सप्ताह से अधिक समय से अनुपस्थित थे, जब डाक से श्रीमती फेयरफैक्स को एक पत्र मिला। पता देखते हुए उन्होंने कहा, 'यह मालिक की ओर से है।' 'अब शायद हमें पता चल जाएगा कि हमें उसके लौटने की उम्मीद करनी चाहिए या नहीं।' और जब वह सील तोड़कर दस्तावेज़ पढ़ने लगी, मैं अपनी कॉफ़ी पीता रहा (हम नाश्ता कर रहे थे): कॉफ़ी गर्म थी, और इसी वजह से मेरे चेहरे पर अचानक एक तेज़ गर्मी सी उभर आई। मेरा हाथ क्यों काँप रहा था, और मैंने अनजाने में अपनी कप की आधी कॉफ़ी तश्तरी में क्यों गिरा दी, इस पर मैंने ध्यान नहीं दिया। "खैर, कभी-कभी मुझे लगता है कि हम बहुत शांत हैं; लेकिन अब हमारे पास काफी व्यस्त होने का मौका है: कम से कम कुछ समय के लिए तो ज़रूर," श्रीमती फेयरफैक्स ने अपने चश्मे के सामने नोट पकड़े हुए कहा। इससे पहले कि मैं उनसे स्पष्टीकरण मांग पाती, मैंने एडेल के एप्रन का धागा बांध दिया, जो ढीला हो गया था: उसे एक और बन देने और उसके मग में दूध भरने के बाद, मैंने बेपरवाही से कहा— 'मुझे लगता है कि श्री रोचेस्टर जल्दी नहीं लौटेंगे?' 'जी हाँ, वह लौट रहे हैं—तीन दिन में, उन्होंने कहा है: यानी अगले गुरुवार को; और वह अकेले भी नहीं आ रहे हैं। मुझे नहीं पता कि लीज़ के कितने अच्छे लोग उनके साथ आ रहे हैं: उन्होंने सभी बेहतरीन कमरों को तैयार करने के निर्देश भेजे हैं; और पुस्तकालय और ड्राइंग रूम की सफाई करवाई जानी है; और मुझे मिलकोट के जॉर्ज इन से और जहाँ कहीं से भी हो सके, रसोई के लिए और नौकर लाने हैं; और महिलाएं अपनी नौकरानियाँ और सज्जन अपने नौकर लाएंगे: तो हमारे यहाँ पूरी भीड़ होगी।' श्रीमती फेयरफैक्स ने नाश्ता जल्दी से निगला और काम शुरू करने के लिए दौड़ पड़ीं। जैसा कि उन्होंने पहले ही बताया था, वे तीन दिन काफी व्यस्त रहे। मैंने सोचा था कि थॉर्नफील्ड के सभी कमरे बेहद साफ-सुथरे और सुव्यवस्थित होंगे; लेकिन लगता है मैं गलत थी। तीन महिलाओं को मदद के लिए बुलाया गया; और इतनी रगड़ाई, इतनी झाड़ू-पोछा, पेंट की इतनी धुलाई और कालीनों की इतनी सफाई, चित्रों को इतनी बार उतारना और लगाना, दर्पणों और पॉलिश को

= शयनकक्षों में इस तरह आग जलाना, चूल्हे पर चादरें और पंखों वाले बिस्तर सुखाना, मैंने न तो पहले कभी देखा था और न ही बाद में। एडेल इस सब के बीच बिल्कुल बेकाबू हो गई थी: मेहमानों के आने की तैयारी और उनके आगमन की संभावना ने उसे मानो परमानंद में डाल दिया था। वह सोफी से अपने सभी 'टॉयलेट' (जैसा कि वह फ्रॉक को कहती थी) की जाँच करवाती; पुराने फ्रॉक को चमकाने और नए फ्रॉक को सुखाने और व्यवस्थित करने के लिए कहती। वह खुद सामने के कमरों में उछल-कूद करती, पलंगों पर चढ़ती-उतरती और चिमनियों में धधकती विशाल आग के सामने गद्दों और तकियों के ढेर पर लेटती रहती। स्कूल के कामों से उसे मुक्त कर दिया गया था: श्रीमती फेयरफैक्स ने मुझे जबरदस्ती अपने काम पर लगा लिया था, और मैं सारा दिन स्टोररूम में उनकी और रसोइए की मदद (या बाधा) करती रहती थी; कस्टर्ड, चीज़केक और फ्रेंच पेस्ट्री बनाना, शिकार को सजाना और मिठाई के व्यंजनों को अलंकृत करना सीख रही थी। पार्टी के गुरुवार दोपहर छह बजे डिनर के समय पहुंचने की उम्मीद थी। इस बीच मेरे पास कल्पनाओं में खोने का समय नहीं था; और मेरा मानना है कि मैं अदील को छोड़कर बाकी सभी की तरह सक्रिय और खुशमिजाज थी। फिर भी, कभी-कभी मेरी खुशी पर एक धब्बा लग जाता था; और मैं अनजाने में ही संदेह, अपशकुन और अंधकारमय अटकलों के घेरे में आ जाती थी। यह तब हुआ जब मैंने संयोग से तीसरी मंजिल की सीढ़ी का दरवाजा (जो हाल ही में हमेशा बंद रहता था) धीरे-धीरे खुलते देखा, और ग्रेस पूल को एक साफ-सुथरी टोपी, सफेद एप्रन और रूमाल पहने हुए अंदर आते देखा; जब मैंने उसे गैलरी में धीरे-धीरे चलते देखा, उसकी धीमी चाल चप्पलों में दबी हुई थी; जब मैंने उसे हलचल भरे, अस्त-व्यस्त कमरों में झांकते देखा—शायद सफाईकर्मी से चूल्हे को चमकाने, संगमरमर की शेल्फ साफ करने या वॉलपेपर लगी दीवारों से दाग हटाने के सही तरीके के बारे में बस एक शब्द कहती, और फिर आगे बढ़ जाती। इस तरह वह दिन में एक बार रसोई में जाती, अपना खाना खाती, चूल्हे पर बैठकर धीरे से पाइप पीती, और अपने साथ पोर्टर का बर्तन लेकर वापस आ जाती, अपने अकेले, उदास ऊपरी कमरे में सुकून के लिए। चौबीसों घंटे में से केवल एक घंटा ही वह नीचे अपने साथी नौकरों के साथ बिताती थी; बाकी सारा समय वह दूसरी मंजिल के किसी कम छत वाले,

ओक की लकड़ी के कमरे में बिताती थी: वहाँ वह बैठकर सिलाई करती—और शायद मन ही मन उदास होकर हंसती—जैसे कोई कैदी अपनी कालकोठरी में अकेला हो। सबसे अजीब बात यह थी कि मेरे अलावा घर में किसी ने भी उसकी आदतों पर ध्यान नहीं दिया, न ही किसी ने उन पर आश्चर्य जताया: किसी ने भी उसकी स्थिति या नौकरी के बारे में चर्चा नहीं की; किसी ने भी उसके अकेलेपन या एकांत पर तरस नहीं खाया। एक बार, मैंने गलती से लिआ और एक सफाईकर्मी के बीच हुई बातचीत का कुछ अंश सुन लिया था, जिसमें

 लिआ कुछ कह रही थी जो मुझे समझ नहीं आया, और सफाईकर्मी ने टिप्पणी की— 'मुझे लगता है कि उसे अच्छी तनख्वाह मिलती है?' 'हाँ,' लिआ ने कहा; 'काश मुझे भी इतनी अच्छी तनख्वाह मिलती; ऐसा नहीं है कि मेरी तनख्वाह कम है,—थॉर्नफील्ड में कोई कंजूसी नहीं है; लेकिन वह श्रीमती पूल को मिलने वाली राशि का पाँचवाँ हिस्सा भी नहीं है। और वह बचत कर रही है: वह हर तीन महीने में मिलकोट के बैंक जाती है। मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर उसने इतना पैसा बचा लिया हो कि अगर वह जाना चाहे तो आत्मनिर्भर रह सके; लेकिन मुझे लगता है कि उसे इस जगह की आदत हो गई है; और फिर वह अभी चालीस साल की भी नहीं हुई है, और मजबूत और किसी भी काम के लिए सक्षम है। उसके लिए अभी कारोबार छोड़ना जल्दबाजी होगी।' 'मुझे यकीन है कि वह अच्छी कामगार है,' सफाईकर्मी ने कहा। 'अहा!—वह जानती है कि उसे क्या करना है,—उससे बेहतर कोई नहीं,' लिआ ने सार्थक रूप से जवाब दिया; 'और हर कोई उसकी जगह नहीं ले सकता—उसे मिलने वाले सारे पैसों के लिए भी नहीं।' 'बिल्कुल नहीं!' जवाब आया। 'मुझे आश्चर्य है कि क्या मालकिन—' सफाईकर्मी बोलती ही रही; तभी लिया मुड़ी और मुझे देखा, और उसने तुरंत अपनी साथी को कोहनी मारी। 'क्या उसे नहीं पता?' मैंने उस औरत को फुसफुसाते सुना। लिया ने अपना सिर हिलाया, और बातचीत वहीं रुक गई। मुझे बस इतना समझ आया कि थॉर्नफील्ड में कोई रहस्य था; और उस रहस्य में शामिल होने से मुझे जानबूझकर अलग रखा गया था। गुरुवार आ गया: सारा काम पिछली शाम को ही पूरा हो चुका था; कालीन बिछा दिए गए थे, पलंगों पर झालरें लगा दी गई थीं, चमकदार सफेद चादरें बिछा दी गई थीं, सजने-संवरने की मेजें सजा दी गई थीं, फर्नीचर चमकाया गया था, गुलदस्तों में फूल सजा दिए गए थे: कमरे और बैठक दोनों ही हाथों से जितने ताज़े

और चमकदार बनाए जा सकते थे, उतने ही लग रहे थे। हॉल भी साफ कर दिया गया था; और बड़ी नक्काशीदार घड़ी, साथ ही सीढ़ियों के पायदान और रेलिंग, कांच की तरह चमका दिए गए थे; भोजन कक्ष में, साइडबोर्ड प्लेटों से जगमगा रहा था; ड्राइंग रूम और बेडरूम में चारों ओर विदेशी फूलों के गुलदस्ते खिले हुए थे। दोपहर हो गई: श्रीमती फेयरफैक्स ने अपना सबसे अच्छा काला साटन गाउन, दस्ताने और सोने की घड़ी पहन ली; क्योंकि मेहमानों का स्वागत करना, महिलाओं को उनके कमरों तक ले जाना आदि उनका कर्तव्य था। एडेल भी तैयार हो रही थी: हालाँकि मुझे लगता था कि उस दिन कम से कम उसे पार्टी में शामिल होने का बहुत कम मौका मिलेगा। फिर भी, उसे खुश करने के लिए, मैंने सोफी को उसे अपनी एक छोटी, पूरी मलमल की फ्रॉक पहनाने की अनुमति दी। मुझे खुद कोई बदलाव करने की ज़रूरत नहीं थी; मुझे अपने स्कूल के पवित्र स्थान को छोड़ने की ज़रूरत नहीं थी; क्योंकि वह अब मेरे लिए एक पवित्र स्थान बन गया था, 'मुसीबत के समय में एक बहुत ही सुखद शरण'।

154 जेन आयर - यह एक सुहावना, शांत वसंत का दिन था—उन दिनों में से एक जो मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में, गर्मी के आगमन की सूचना देते हुए धरती पर चमकते हैं। अब यह दिन समाप्त होने वाला था; लेकिन शाम अभी भी गर्म थी, और मैं स्कूल के कमरे में खिड़की खोलकर काम कर रही थी। 'देर हो रही है,' श्रीमती फेयरफैक्स ने खड़खड़ाहट करते हुए कहा। 'मुझे खुशी है कि मैंने श्री रोचेस्टर द्वारा बताए गए समय के एक घंटे बाद खाना ऑर्डर किया; क्योंकि अब छह बज चुके हैं। मैंने जॉन को गेट पर भेजा है यह देखने के लिए कि सड़क पर कुछ है या नहीं: वहाँ से मिलकोट की दिशा में दूर तक देखा जा सकता है।' वह खिड़की के पास गईं। 'वह रहा!' उन्होंने कहा। 'अच्छा, जॉन,' (बाहर झुकते हुए), 'कोई खबर?' 'वे आ रहे हैं, महोदया,' उत्तर था। 'वे दस मिनट में यहाँ होंगे।' एडेल खिड़की की ओर दौड़ी। मैं उनके पीछे-पीछे एक तरफ खड़ा रहा, ताकि पर्दे की आड़ में मैं देख सकूँ और कोई मुझे देख न सके। जॉन द्वारा दिए गए दस मिनट बहुत लंबे लग रहे थे, लेकिन आखिरकार पहियों की आवाज़ सुनाई दी; चार घुड़सवार तेज़ी से ड्राइववे पर सरपट दौड़े, और उनके पीछे दो खुली गाड़ियाँ आईं। लहराते घूंघट और फहराते पंख गाड़ियों में सजे थे; दो घुड़सवार युवा, आकर्षक दिखने वाले सज्जन थे; तीसरे थे मिस्टर रोचेस्टर, अपने काले घोड़े मेसरूर पर, पायलट उनके आगे उछल रहा था; उनके बगल में एक महिला सवार थी, और वे दोनों दल के पहले सदस्य थे। उनका बैंगनी घुड़सवारी वस्त्र लगभग

ज़मीन को छू रहा था, उनका घूंघट हवा में लहरा रहा था; उसकी पारदर्शी तहों में घुलमिलकर, और उनमें से चमकते हुए, उनके काले घुंघराले बाल दिखाई दे रहे थे। 'मिस इंग्राम!' श्रीमती फेयरफैक्स ने कहा, और वह जल्दी से नीचे अपने स्थान पर चली गईं। ड्राइववे के घुमाव का अनुसरण करते हुए, घुड़सवार दल तेज़ी से घर के कोने पर मुड़ गया, और मैं उन्हें देख नहीं पाया। एडेल ने नीचे जाने की विनती की; लेकिन मैंने उसे अपनी गोद में बिठाया और समझाया कि उसे किसी भी हालत में, न अभी और न ही कभी, महिलाओं की नज़र में आने की हिम्मत नहीं करनी चाहिए, जब तक कि उसे विशेष रूप से बुलाया न जाए: कि मिस्टर रोचेस्टर बहुत नाराज़ होंगे, इत्यादि। यह सुनकर उसकी आँखों से कुछ स्वाभाविक आँसू बह निकले; लेकिन जैसे ही मैंने गंभीर चेहरा बनाना शुरू किया, उसने आखिरकार उन्हें पोंछने की सहमति दे दी। अब हॉल में एक आनंदमय हलचल सुनाई दे रही थी: सज्जनों के गहरे स्वर और महिलाओं के मधुर लहजे सामंजस्यपूर्ण ढंग से एक साथ घुलमिल गए, और सबसे ऊपर, हालांकि ज़ोर से नहीं, थॉर्नफील्ड हॉल के स्वामी की सुरीली आवाज़ थी, जो अपने सुंदर और वीर अतिथियों का हॉल की छत के नीचे स्वागत कर रहे थे। फिर हल्के कदमों से ऊपर की ओर चढ़ाई हुई।

जेन आयर 155 सीढ़ियाँ; और गैलरी में एक आहट सुनाई दी, और हल्की-फुल्की खुशमिजाज हंसी, और दरवाजे खुलते और बंद होते हुए, और कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। 'एल्स चेंजेंट डे टॉयलेट्स,' एडेल ने कहा; जो ध्यान से सुन रही थी और हर हरकत पर नज़र रख रही थी; और उसने आह भरी। 'चेज़ मम्मा,' उसने कहा, 'क्वांड इल वाई अवैट डू मोंडे, जे ले सुइवैस पार्टआउट, औ सैलून एट ए ल्यूर्स चैम्बर्स; अक्सर मैं महिलाओं को कमरे में कपड़े बदलते और सजते हुए देखता था, और यह बहुत मज़ेदार होता था: जैसे कि हम सीखते हैं।' 'क्या तुम्हें भूख नहीं लग रही, एडेल?' 'लेकिन हाँ, मैडम: चलो पाँच या छह घंटे हो गए हैं हमने कुछ नहीं खाया है।' 'अच्छा, जब तक महिलाएं अपने कमरों में हैं, मैं नीचे जाकर तुम्हारे लिए कुछ खाने को ले आता हूँ।' और सावधानी से अपने कमरे से बाहर निकलकर, मैं एक पिछली सीढ़ी की तलाश में गया जो सीधे रसोई में जाती थी। उस पूरे क्षेत्र में आग और हलचल मची हुई थी; सूप और मछली पकने के अंतिम चरण में थे, और रसोइया अपने बर्तनों के ऊपर इस तरह झुकी हुई थी जैसे उसका मन और शरीर जल उठेगा। नौकरों के हॉल में दो कोचवान और तीन सज्जन आग के चारों ओर खड़े या बैठे थे; मुझे

लगता है कि नौकरानियाँ अपनी मालकिनों के साथ ऊपर थीं; मिलकोट से लाए गए नए नौकर इधर-उधर भाग-दौड़ कर रहे थे। इस अफरा-तफरी के बीच से रास्ता बनाते हुए मैं आखिरकार भंडारगृह तक पहुंचा; वहां से मैंने एक ठंडा चिकन, एक ब्रेड का रोल, कुछ टार्ट्स, एक-दो प्लेट और एक चाकू-कांटा उठाया: इस सामान के साथ मैं जल्दी से वहां से निकल गया। मैं गैलरी में वापस आ गया था और जैसे ही मैं पीछे का दरवाजा बंद कर रहा था, तभी एक तेज गूंज ने मुझे आगाह किया कि महिलाएं अपने कमरों से बाहर आने वाली हैं। मैं उनके कुछ दरवाजों से गुजरे बिना और अपने खाने-पीने के सामान के साथ पकड़े जाने के जोखिम के बिना स्कूल के कमरे तक नहीं जा सकता था; इसलिए मैं इस छोर पर रुक गया, जो बिना खिड़की के होने के कारण अंधेरा था: अब तो बिल्कुल अंधेरा था, क्योंकि सूरज डूब चुका था और शाम ढल रही थी। थोड़ी देर बाद कमरों से एक-एक करके सुंदर महिलाएं बाहर आईं: हर कोई खुशी-खुशी और बेफिक्र होकर बाहर आई, उनके कपड़े शाम के धुंधलके में चमक रहे थे। एक पल के लिए वे गैलरी के दूसरे छोर पर एक साथ खड़ी रहीं, मधुर और सौम्य उत्साह से बातें करती रहीं; फिर वे सीढ़ियों से ऐसे उतर गईं जैसे कोई चमकदार धुंध पहाड़ी से नीचे लुढ़कती है। उनकी सामूहिक उपस्थिति ने मुझ पर उच्च वर्ग की शालीनता का ऐसा प्रभाव छोड़ा था जैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा था। मैंने एडेल को स्कूल के कमरे के दरवाजे से झाँकते हुए देखा, जिसे उसने थोड़ा खुला रखा हुआ था। 'कितनी सुंदर महिलाएं हैं!' उसने अंग्रेजी में कहा।

156 जेन आयर ईई ईई 'ओह, काश मैं उनके पास जा पाती! क्या आपको लगता है कि मिस्टर रोचेस्टर हमें खाने के बाद थोड़ी देर में बुला लेंगे?' 'नहीं, बिलकुल नहीं; मिस्टर रोचेस्टर को कुछ और काम है। आज रात महिलाओं की चिंता मत करो; शायद तुम उन्हें कल देखोगी: ये रहा तुम्हारा खाना।' वह सचमुच भूखी थी, इसलिए चिकन और टार्ट्स ने कुछ देर के लिए उसका ध्यान भटका दिया। अच्छा हुआ कि मैंने ये खाना जुटा लिया, वरना हम तीनों, मैं, वो और सोफी, जिन्हें मैंने हमारे खाने का एक हिस्सा दिया था, को शायद खाना ही न मिलता: नीचे सब लोग इतने व्यस्त थे कि हमारे बारे में सोचने का किसी को समय ही नहीं था। मिठाई नौ बजे के बाद ही आई, और दस बजे तक नौकर ट्रे और कॉफी के कप लेकर इधर-उधर भाग रहे थे। मैंने एडेल को सामान्य से बहुत देर तक जागने दिया; क्योंकि उसने कहा कि जब तक नीचे दरवाजे खुलते-बंद होते रहेंगे और लोग इधर-उधर भागते रहेंगे, तब तक उसे नींद नहीं

आएगी। इसके अलावा, उसने कहा, जब वह कपड़े उतार रही थी, तो शायद मिस्टर रोचेस्टर का कोई संदेश आ जाए; 'और फिर कितना अफ़सोस!' मैंने उसे तब तक कहानियां सुनाईं जब तक वह सुनती रही; और फिर कुछ अलग करने के लिए मैं उसे गैलरी में ले गया। हॉल का लैंप जल रहा था, और उसे रेलिंग के ऊपर से नौकरों को आते-जाते देखना अच्छा लग रहा था। जब शाम काफी ढल गई, तो ड्राइंग रूम से संगीत की आवाज़ आई, जहाँ पियानो रखा हुआ था; एडेल और मैं सुनने के लिए सीढ़ियों के सबसे ऊपरी पायदान पर बैठ गए। थोड़ी देर में एक आवाज़ पियानो की मधुर धुनों के साथ घुलमिल गई; एक महिला गा रही थी, और उसके सुर बहुत ही मधुर थे। एकल गायन समाप्त होने के बाद, एक युगल गीत शुरू हुआ, और फिर एक उल्लास: आनंदमय बातचीत की हल्की फुसफुसाहट अंतरालों में गूंज रही थी। मैंने देर तक सुना: अचानक मुझे एहसास हुआ कि मेरा कान पूरी तरह से मिली-जुली आवाज़ों का विश्लेषण करने और उच्चारणों के भ्रम के बीच मिस्टर रोचेस्टर के उच्चारण को पहचानने की कोशिश में लगा हुआ था; और जब इसने उन्हें पकड़ लिया, जो इसने जल्द ही कर लिया, तो इसे दूरी के कारण अस्पष्ट हो चुके स्वरों को शब्दों में ढालने का एक और काम मिला। घड़ी में ग्यारह बज गए। मैंने एडेल की ओर देखा, जिसका सिर मेरे कंधे पर टिका हुआ था; उसकी आँखें भारी हो रही थीं, इसलिए मैंने उसे अपनी बाहों में उठाया और बिस्तर पर ले गया। लगभग एक बजने से पहले सज्जन और महिलाएं अपने कमरों में नहीं गए। अगला दिन भी पिछले दिन की तरह ही सुहावना था: उस दिन सभी लोग आस-पास के किसी स्थान की सैर पर निकले। वे सुबह तड़के ही निकल पड़े, कुछ घोड़े पर, बाकी गाड़ियों में; मैंने उनके जाने और लौटने दोनों को देखा। मिस इंग्राम, पहले की तरह, अकेली महिला घुड़सवार थीं;
जेन आयर 157 एसएस ओओओओ और, पहले की तरह, मिस्टर रोचेस्टर उनके बगल में सरपट दौड़ रहे थे; दोनों बाकियों से थोड़ा अलग चल रहे थे। मैंने यह बात मिसेज फेयरफैक्स को बताई, जो मेरे साथ खिड़की पर खड़ी थीं— 'आपने कहा था कि उनके शादी करने की संभावना नहीं है,' मैंने कहा, 'लेकिन आप देख रही हैं कि मिस्टर रोचेस्टर स्पष्ट रूप से उन्हें बाकी सभी महिलाओं से ज़्यादा पसंद करते हैं।' 'हाँ, मुझे यकीन है: इसमें कोई शक नहीं कि वह उनकी प्रशंसा करते हैं।' 'और वह भी उनकी,' मैंने आगे कहा; 'देखिए वह कैसे अपना सिर उनकी ओर झुकाए हुए हैं जैसे कि वह कोई गोपनीय बातचीत कर रही हों; काश मैं उनका चेहरा देख पाती; मैंने अभी

तक उन्हें देखा तक नहीं है।' "आप उन्हें आज शाम देखेंगी,' मिसेज फेयरफैक्स ने उत्तर दिया। 'मैंने संयोग से मिस्टर रोचेस्टर से कहा कि एडेल बाकी महिलाओं से मिलना चाहती हैं, और उन्होंने कहा: "ओह! उन्हें खाने के बाद ड्राइंग रूम में आने दीजिए; और मिस आयर से उनके साथ आने का अनुरोध कीजिए।" 'हाँ; उन्होंने कहा कि यह महज़ शिष्टाचारवश है: 'मुझे जाने की ज़रूरत नहीं है, मुझे यकीन है,' मैंने उत्तर दिया। 'अच्छा, मैंने उनसे कहा कि चूंकि आपको लोगों के बीच रहने की आदत नहीं है, मुझे नहीं लगता कि आपको इतने सारे अजनबियों के सामने आना पसंद आएगा; और उन्होंने अपने तेज़ अंदाज़ में जवाब दिया— "बकवास! अगर वह आपत्ति करती है, तो उसे बता देना कि यह मेरी विशेष इच्छा है; और अगर वह विरोध करती है, तो कह देना कि अगर वह ज़िद करती है तो मैं आकर उसे ले आऊंगा।"' 'मैं उन्हें यह परेशानी नहीं दूंगी,' मैंने उत्तर दिया। 'अगर कोई और विकल्प न हो तो मैं जाऊंगी; लेकिन मुझे यह पसंद नहीं है। क्या आप वहां रहेंगी, श्रीमती फेयरफैक्स?' 'नहीं;' मैंने मना कर दिया, और उन्होंने मेरी बात मान ली। मैं आपको बताता हूं कि औपचारिक प्रवेश की शर्मिंदगी से कैसे बचा जाए, जो इस काम का सबसे अप्रिय हिस्सा है। आपको ड्राइंग रूम में तब जाना होगा जब वह खाली हो, महिलाओं के खाने की मेज छोड़ने से पहले; अपनी पसंद के किसी भी शांत कोने में बैठ जाएं; जब तक आप चाहें, सज्जनों के आने के बाद आपको ज़्यादा देर रुकने की ज़रूरत नहीं है: बस श्री रोचेस्टर को अपनी मौजूदगी का एहसास करा दें और फिर चुपके से निकल जाएँ—कोई आपको नोटिस नहीं करेगा।' 'क्या ये लोग ज़्यादा देर रुकेंगे, आपको क्या लगता है?' 'शायद दो या तीन हफ़्ते, इससे ज़्यादा तो बिल्कुल नहीं। ईस्टर की छुट्टियों के बाद, सर जॉर्ज लिन, जो हाल ही में मिलकोट से सांसद चुने गए हैं, को शहर जाकर अपना पदभार ग्रहण करना होगा; मुझे लगता है कि श्री रोचेस्टर भी उनके साथ जाएँगे: मुझे आश्चर्य है कि वे थॉर्नफ़ील्ड में पहले ही इतने लंबे समय तक रुक चुके हैं।' मुझे कुछ घबराहट होने लगी जब मुझे अपने साथ चित्र बनाने जाने का समय नज़दीक आता दिखा।

158 जेन आयर ईए रा एसएस कमरा। एडेल दिन भर आनंदित रही, क्योंकि उसे शाम को महिलाओं के सामने पेश किया जाना था; और सोफी द्वारा उसे तैयार करने का काम शुरू करने के बाद ही वह शांत हुई। फिर इस प्रक्रिया के महत्व ने उसे तुरंत स्थिर कर दिया, और जब तक उसने अपने घुंघराले बालों को अच्छी तरह से संवार कर लटकते हुए गुच्छों में व्यवस्थित कर लिया, अपनी गुलाबी साटन की फ्रॉक पहन ली,

अपनी लंबी कमरबंद बांध ली और अपने लेस के दस्ताने ठीक कर लिए, तब तक वह किसी न्यायाधीश की तरह गंभीर लग रही थी। उसे अपने पहनावे को अस्त-व्यस्त न करने की चेतावनी देने की कोई आवश्यकता नहीं थी: जब वह तैयार हो गई, तो वह शालीनता से अपनी छोटी कुर्सी पर बैठ गई, पहले साटन की स्कर्ट को ऊपर उठा लिया ताकि उसमें सिलवटें न पड़ें, और मुझे आश्वासन दिया कि जब तक मैं तैयार नहीं हो जाती, वह वहाँ से नहीं हिलेगी। मैं जल्दी ही तैयार हो गई: मेरी सबसे अच्छी पोशाक (चांदी-धूसर रंग की, जो मिस टेंपल की शादी के लिए खरीदी गई थी, और तब से कभी नहीं पहनी गई) जल्दी से पहन ली गई; मेरे बाल जल्दी से संवारे गए; मेरा इकलौता आभूषण, मोतियों का ब्रोच, जल्द ही गायब हो गया। हम नीचे उतरे। सौभाग्य से ड्राइंग रूम में जाने का एक और रास्ता था, उस कमरे से अलग जहाँ वे सब रात के खाने पर बैठे थे। हमने कमरा खाली पाया; संगमरमर के चूल्हे पर एक बड़ी आग धीमी आंच पर जल रही थी, और मेजों पर सजे खूबसूरत फूलों के बीच मोमबत्तियाँ एकांत में चमक रही थीं। मेहराब के सामने लाल पर्दा लटका हुआ था: हालाँकि यह पर्दा बगल के कमरे में बैठे लोगों से बहुत कम दूरी बनाए हुए था, वे इतनी धीमी आवाज़ में बात कर रहे थे कि उनकी बातचीत का कुछ भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा था, बस एक हल्की फुसफुसाहट सुनाई दे रही थी। एडेल, जो अभी भी किसी गंभीर भाव से प्रभावित लग रही थी, बिना कुछ कहे उस छोटी कुर्सी पर बैठ गई जो मैंने उसे दिखाई थी। मैं खिड़की के पास वाली सीट पर बैठ गई और पास की एक मेज से एक किताब लेकर पढ़ने की कोशिश करने लगी। एडेल अपनी कुर्सी मेरे पैरों के पास ले आई; थोड़ी देर में उसका हाथ मेरे घुटने से छू गया। 'क्या बात है, एडेल?' 'Est-ce que je ne puis pas prendre une seule de ces fleurs magnifiques, madmoiselle? Seulement pour completer ma toilette.' "तुम अपने 'टॉयलेट' को बहुत ज्यादा महत्व देती हो, एडेल: लेकिन तुम एक फूल ले सकती हो।" और उसने गुलदस्ते से एक गुलाब निकाला और उसे अपनी कमरबंद में लगा लिया। उसने असीम संतुष्टि की आह भरी, मानो उसकी खुशी का प्याला अब भर गया हो। मैंने अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया ताकि मैं अपनी अनचाही मुस्कान को छिपा सकूँ: उस छोटी पेरिसियन लड़की की पहनावे के प्रति गंभीर और सहज भक्ति में कुछ हास्यास्पद होने के साथ-साथ कुछ पीड़ादायक भी था।) अब उठने की एक हल्की सी आवाज सुनाई दी; पर्दा था

———— मेहराब से पीछे हटकर, भोजन कक्ष दिखाई दिया, जिसकी जगमगाहट एक लंबी मेज पर सजे भव्य मिठाई सेट के चांदी और कांच पर प्रकाश बिखेर रही थी; द्वार पर महिलाओं का एक समूह खड़ा था; वे अंदर आईं और उनके पीछे पर्दा गिर गया। वे केवल आठ थीं; फिर भी, जैसे ही वे अंदर आईं, ऐसा लगा मानो उनकी संख्या कहीं अधिक हो। उनमें से कुछ बहुत लंबी थीं; कई सफेद वस्त्र पहने हुए थीं; और सभी का पहनावा इतना भव्य था कि ऐसा लग रहा था मानो कोहरा चंद्रमा को बड़ा कर देता है। मैं उठी और उन्हें प्रणाम किया: एक-दो ने बदले में सिर झुकाया, बाकी केवल मुझे घूरती रहीं। वे कमरे में इधर-उधर फैल गईं, उनकी फुर्तीली और चंचल चाल मुझे सफेद पंखों वाले पक्षियों के झुंड की याद दिला रही थी। उनमें से कुछ सोफे और ओटोमन पर अर्ध-लेटी हुई मुद्रा में थीं; कुछ मेजों पर झुककर फूलों और किताबों को निहार रही थीं; बाकी आग के चारों ओर समूह बनाकर बैठी थीं; सभी धीमी लेकिन स्पष्ट आवाज़ में बातें कर रही थीं, जो उनकी आदत सी लग रही थी। मुझे बाद में उनके नाम पता चले, इसलिए अब उनका ज़िक्र करना उचित होगा। सबसे पहले, श्रीमती एश्टन और उनकी दो बेटियाँ थीं। वह स्पष्ट रूप से एक सुंदर महिला रही होंगी और अब भी अच्छी तरह से सजी-धजी थीं। उनकी बेटियों में सबसे बड़ी, एमी, अपेक्षाकृत छोटी थीं: भोली, मासूम चेहरे और व्यवहार वाली, और आकर्षक कद-काठी की; उनकी सफेद मलमल की पोशाक और नीली कमरबंद उन पर खूब जंच रही थी। दूसरी, लुईसा, कद में लंबी और अधिक सुंदर थीं; उनका चेहरा बेहद खूबसूरत था, जिसे फ्रांसीसी शब्द 'मिनोइस शिफॉने' कहा जाता है: दोनों बहनें लिली की तरह सुंदर थीं। लेडी लिन लगभग चालीस वर्ष की एक लंबी और मजबूत महिला थीं, सीधी खड़ी, बेहद अभिमानी दिखने वाली, चमकते रेशमी वस्त्र में सजी हुई थीं: उनके काले बाल नीले पंख की छाया में और रत्नों के एक छल्ले के भीतर चमक रहे थे। श्रीमती कर्नल डेंट कम दिखावटी थीं; लेकिन, मुझे लगा, अधिक शालीन थीं। उनका दुबला-पतला शरीर, पीला, सौम्य चेहरा और सुनहरे बाल थे। उनकी काली रेशमी पोशाक, विदेशी लेस का दुपट्टा और मोतियों के आभूषण मुझे उस प्रतिष्ठित महिला की इंद्रधनुषी चमक से कहीं अधिक भाए। लेकिन तीन सबसे विशिष्ट महिलाएं—शायद आंशिक रूप से इसलिए कि वे समूह में सबसे लंबी थीं—विधवा लेडी इंग्राम और उनकी बेटियाँ, ब्लैंच और मैरी थीं। वे तीनों ही महिलाओं में सबसे ऊंचे कद की थीं।

विधवा की उम्र चालीस और पचास के बीच हो सकती थी: उनका शरीर अभी भी सुडौल था; उनके बाल (कम से कम मोमबत्ती की रोशनी में) अभी भी काले थे; उनके दांत भी अभी भी स्पष्ट थे।

 —————— वह बेहद खूबसूरत थीं। अधिकांश लोग उन्हें अपने समय की एक शानदार महिला कहते: और शारीरिक रूप से देखा जाए तो वे निस्संदेह थीं भी; लेकिन उनके हावभाव और चेहरे पर असहनीय अहंकार झलकता था। उनके चेहरे की बनावट रोमन शैली की थी और उनकी ठुड्डी खंभे जैसी गर्दन में समा जाती थी: ये विशेषताएं मुझे न केवल फूली हुई और काली दिखाई देती थीं, बल्कि अहंकार से भरी हुई भी लगती थीं; और ठुड्डी भी उसी सिद्धांत पर टिकी हुई थी, लगभग अलौकिक रूप से सीधी। उनकी आंखें भी तेज और कठोर थीं: मुझे श्रीमती रीड की याद दिलाती थीं; वे बोलते समय अपने शब्दों को मन में घुमाती थीं; उनकी आवाज गहरी थी, उसके उतार-चढ़ाव बहुत आडंबरपूर्ण, बहुत हठधर्मी—संक्षेप में, बहुत असहनीय थे। गहरे लाल मखमल का चोला और किसी सोने के काम वाले भारतीय कपड़े की शॉल की पगड़ी ने उन्हें (शायद वे खुद ऐसा सोचती थीं) एक सच्ची शाही गरिमा प्रदान की थी। ब्लैंच और मैरी कद में बराबर थीं—चिप्पर के पेड़ों की तरह सीधी और लंबी। मैरी अपनी लंबाई के हिसाब से दुबली-पतली थी, लेकिन ब्लैंच का शरीर देवी की तरह सुडौल था। ज़ाहिर है, मैं उसे विशेष रुचि से देख रहा था। पहला, मैं यह देखना चाहता था कि क्या उसका रूप श्रीमती फेयरफैक्स के वर्णन से मेल खाता है; दूसरा, क्या वह मेरे द्वारा बनाए गए उसके काल्पनिक लघु चित्र से मिलती-जुलती है; और तीसरा—यह तो बाद में पता चलेगा!—क्या वह वैसी है जैसी मुझे लगता है कि श्री रोचेस्टर को पसंद आएगी। जहाँ तक शारीरिक बनावट की बात है, वह मेरे चित्र और श्रीमती फेयरफैक्स के वर्णन दोनों से हूबहू मेल खाती थी। सुडौल छाती, ढलानदार कंधे, आकर्षक गर्दन, गहरी आँखें और काले घुंघराले बाल सब कुछ मौजूद थे;—लेकिन उसका चेहरा? उसका चेहरा उसकी माँ जैसा था; एक युवा, झुर्रियों रहित चेहरा: वही नीची भौंहें, वही ऊँची विशेषताएं, वही गर्व। हालाँकि, यह इतना गंभीर गर्व नहीं था! वह लगातार हँसती रहती थी; उनकी हंसी व्यंग्यात्मक थी, और उनके होंठों का हमेशा की तरह अकड़ा हुआ और अभिमानी भाव भी वैसा ही था। प्रतिभा को आत्म-जागरूक कहा जाता है। मैं यह तो नहीं कह सकती कि मिस इंग्राम प्रतिभाशाली थीं या नहीं, लेकिन वे आत्म-जागरूक थीं—वास्तव में असाधारण रूप से

आत्म-जागरूक। उन्होंने सौम्य श्रीमती डेंट के साथ वनस्पति विज्ञान पर चर्चा शुरू की। ऐसा प्रतीत हुआ कि श्रीमती डेंट ने इस विज्ञान का अध्ययन नहीं किया था: हालांकि, जैसा कि उन्होंने कहा, उन्हें फूल पसंद थे, 'विशेषकर जंगली फूल'; मिस इंग्राम ने किया था, और उन्होंने बड़े ही सलीके से इसकी शब्दावली का वर्णन किया। मुझे तुरंत समझ आ गया कि वह (बोलचाल की भाषा में जिसे कहा जाता है) श्रीमती डेंट का पीछा कर रही थीं; यानी उनकी अज्ञानता का फायदा उठा रही थीं: उनका यह प्रयास चतुर हो सकता था, लेकिन निश्चित रूप से सौम्य नहीं था। उन्होंने अभिनय किया: उनका प्रदर्शन शानदार था; उन्होंने गाया, उनकी आवाज़ सुरीली थी; उन्होंने अपनी माँ से अलग से फ्रेंच में बात की; और वह इसे अच्छी तरह से, धाराप्रवाह और अच्छे उच्चारण के साथ बोलती थीं।

जेन आयर 161 एसएस मैरी का चेहरा ब्लैंच की तुलना में अधिक सौम्य और खुला था; उसके चेहरे की बनावट भी कोमल थी, और उसकी त्वचा कुछ हद तक गोरी थी (मिस इंग्राम एक स्पेनिश महिला की तरह सांवली थीं) - लेकिन मैरी में जीवन की कमी थी: उसके चेहरे पर भावहीनता थी, उसकी आँखों में चमक नहीं थी; उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं था, और एक बार अपनी जगह पर बैठ जाने के बाद, वह अपनी जगह पर मूर्ति की तरह स्थिर रही। दोनों बहनें बेदाग सफेद वस्त्र पहने हुए थीं। और क्या अब मुझे लगता था कि मिस इंग्राम मिस्टर रोचेस्टर के लिए उपयुक्त विकल्प होंगी? मैं बता नहीं सकती थी - मुझे स्त्री सौंदर्य के प्रति उनकी पसंद का पता नहीं था। यदि उन्हें राजसी सौंदर्य पसंद था, तो वह राजसी सौंदर्य का साक्षात उदाहरण थीं: फिर वह निपुण और चंचल थीं। मुझे लगा कि अधिकांश सज्जन उनकी प्रशंसा करेंगे; और कि वह उनकी प्रशंसा करते थे, मुझे पहले ही इसका प्रमाण मिल चुका था: संदेह की अंतिम छाया को दूर करने के लिए, बस उन्हें एक साथ देखना बाकी था। पाठक, आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि एडेल इस पूरे समय मेरे पैरों के पास स्टूल पर बिना हिले-डुले बैठी रही है: नहीं; जब महिलाएं अंदर आईं, तो वह उठीं, उनसे मिलने के लिए आगे बढ़ीं, गरिमापूर्ण प्रणाम किया और गंभीरता से कहा— 'शुभ दिन, देवियों।' मिस इंग्राम ने उपहास भरे लहजे में उसकी ओर देखते हुए कहा, "ओह, कितनी नन्ही कठपुतली!" लेडी लिन ने टिप्पणी की, "मुझे लगता है, यह मिस्टर रोचेस्टर की देखरेख में पली बच्ची है—वही छोटी फ्रांसीसी लड़की जिसके बारे में वह बात कर रहे थे।" श्रीमती डेंट ने प्यार से उसका हाथ पकड़ा और उसे चूमा। एमी और

लुईसा एश्टन एक साथ चिल्लाईं— "कितनी प्यारी बच्ची है!" फिर उन्होंने उसे सोफे पर बुलाया, जहाँ वह अब उनके बीच बैठी थी, बारी-बारी से फ्रेंच और टूटी-फूटी अंग्रेजी में बातें कर रही थी; न केवल युवतियों का ध्यान आकर्षित कर रही थी, बल्कि श्रीमती एश्टन और लेडी लिन का भी, और जी भर कर लाड़-प्यार पा रही थी। आखिरकार कॉफी लाई गई, और सज्जनों को बुलाया गया। मैं छाया में बैठी हूँ— अगर इस चकाचौंध से भरे कमरे में कहीं छाया है भी तो; खिड़की का पर्दा मुझे आधा छुपा रहा है। फिर मेहराब खुलती है; वे आते हैं। सज्जनों का सामूहिक रूप, महिलाओं की तरह, बहुत प्रभावशाली है: वे सभी वेशभूषा में हैं। काले रंग के कपड़े पहने हुए; उनमें से अधिकतर लंबे हैं, कुछ युवा हैं। हेनरी और फ्रेडरिक लिन सचमुच बहुत ही जोशीले और प्रतिभाशाली हैं; और कर्नल डेंट एक कुशल सैनिक हैं। जिले के मजिस्ट्रेट श्री एश्टन एक सज्जन व्यक्ति हैं: उनके बाल बिल्कुल सफेद हैं, उनकी भौहें और मूंछें अभी भी काली हैं, जिससे वे किसी 'अध्यात्म के दिग्गज' की तरह दिखते हैं। लॉर्ड इंग्राम, अपनी बहनों की तरह, बहुत लंबे हैं; उनकी तरह ही, वे भी कुशल हैं।

162 जेन आयर एचएन ————ई———ईई कुछ; लेकिन वह मैरी की उदासीनता और उदासी से मेल खाता है: ऐसा लगता है कि उसके अंगों की लंबाई खून की जीवंतता या मस्तिष्क की शक्ति से कहीं अधिक है। और मिस्टर रोचेस्टर कहाँ हैं? वह सबसे आखिर में आते हैं: मैं मेहराब की ओर नहीं देख रही हूँ, फिर भी मैं उन्हें प्रवेश करते हुए देखती हूँ। मैं अपना ध्यान उन बुनाई की सुइयों पर, उस पर्स के जालों पर केंद्रित करने की कोशिश करती हूँ जिसे मैं बना रही हूँ—मैं केवल अपने हाथों में मौजूद काम के बारे में सोचना चाहती हूँ, केवल अपनी गोद में पड़े चाँदी के मोतियों और रेशमी धागों को देखना चाहती हूँ; जबकि, मैं उनकी आकृति को स्पष्ट रूप से देखती हूँ, और मुझे वह क्षण याद आ जाता है जब मैंने उन्हें आखिरी बार देखा था; ठीक उसके बाद जब मैंने उन्हें, जिसे वे एक आवश्यक सेवा मानते थे, प्रदान की थी, और उन्होंने मेरा हाथ पकड़कर, मेरे चेहरे की ओर देखते हुए, मुझे उन आँखों से देखा था जो एक भरे हुए और उमड़ते हुए दिल को प्रकट करती थीं; जिनकी भावनाओं में मेरा भी हिस्सा था। उस क्षण मैं उनके कितने करीब पहुँच गई थी! उसके बाद ऐसा क्या हुआ था, जिसने उनकी और मेरी सापेक्ष स्थिति को बदल दिया? लेकिन अब, हम कितने दूर, कितने अजनबी हो गए थे! इतने अजनबी कि मुझे उम्मीद ही नहीं थी कि वह आकर मुझसे बात करेगा। मुझे आश्चर्य नहीं हुआ जब उसने मेरी ओर देखे बिना

कमरे के दूसरे कोने में जाकर बैठ गया और कुछ महिलाओं से बातचीत करने लगा। जैसे ही मैंने देखा कि उसका ध्यान उन पर केंद्रित हो गया है और मैं बिना किसी की नज़र में आए उसे देख सकती हूँ, मेरी आँखें अनायास ही उसके चेहरे की ओर खिंच गईं; मैं अपनी पलकों को रोक नहीं पाई: वे उठतीं और पुतलियाँ उस पर टिक जातीं। मैंने देखा और देखने में मुझे एक तीव्र आनंद मिला—एक अनमोल फिर भी मार्मिक आनंद; शुद्ध सोना, जिसमें पीड़ा की एक तीखी नोक थी: ऐसा आनंद जैसा प्यास से मरते हुए व्यक्ति को महसूस होता है, जो जानता है कि जिस कुएँ तक वह रेंगकर गया है वह ज़हर से भरा है, फिर भी झुककर पवित्र जल पीता है। यह बात बिल्कुल सच है कि "सुंदरता देखने वाले की नज़र में होती है।" मेरे स्वामी का रंगहीन, जैतून जैसा चेहरा, चौकोर, भारी माथा, चौड़ी और काली भौहें, गहरी आँखें, मजबूत चेहरे की बनावट, दृढ़, गंभीर होंठ—ऊर्जा, दृढ़ निश्चय, इच्छाशक्ति से भरपूर—नियम के अनुसार सुंदर नहीं थे; लेकिन मेरे लिए वे सुंदरता से कहीं अधिक थे; उनमें एक ऐसी रुचि, एक ऐसा प्रभाव था जिसने मुझे पूरी तरह से अपने वश में कर लिया—जिसने मेरी भावनाओं को मेरे अपने वश से छीनकर अपने बंधन में बांध लिया। मेरा उनसे प्रेम करने का इरादा नहीं था; पाठक जानते हैं कि मैंने अपनी आत्मा से प्रेम के उन बीजों को मिटाने के लिए बहुत मेहनत की थी; और अब, उन्हें पहली बार फिर से देखते ही, वे अनायास ही हरे-भरे और मजबूत होकर लौट आए! उन्होंने बिना मेरी ओर देखे ही मुझे उनसे प्रेम करने पर मजबूर कर दिया। मैंने उनकी तुलना उनके मेहमानों से की। लिन परिवार की शान, लॉर्ड इंग्राम की सुस्त सुंदरता—यहाँ तक कि

जेन आयर 163 Snes eee SaNanananananana3SS eo e = eEeeeEeEeEe—_——-—__——-———— कर्नल डेंट की सैन्य विशिष्टता, उनके सहज सार और वास्तविक शक्ति से भरे रूप के विपरीत? मुझे उनकी शक्ल-सूरत, उनके भावों से कोई सहानुभूति नहीं थी: फिर भी मैं कल्पना कर सकती थी कि अधिकांश दर्शक उन्हें आकर्षक, सुंदर, प्रभावशाली कहेंगे; जबकि वे श्री रोचेस्टर को कठोर चेहरे वाला और उदास दिखने वाला कहेंगे। मैंने उन्हें मुस्कुराते, हंसते देखा—यह कुछ भी नहीं था; मोमबत्तियों की रोशनी में उनकी मुस्कान जितनी ही आत्मा थी; घंटी की झंकार में उनकी हंसी जितना ही महत्व था। मैंने श्री रोचेस्टर को मुस्कुराते देखा:—उनके कठोर चेहरे नरम पड़ गए; उनकी आंखें चमकदार और कोमल दोनों हो गईं, उनकी किरण खोजपूर्ण और मधुर दोनों थी। उस समय वह

लुईसा और एमी एश्टन से बात कर रहे थे। मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्होंने उस दृष्टि को शांत भाव से ग्रहण किया जो मुझे इतनी भेदक प्रतीत हुई: मुझे उम्मीद थी कि उनकी आँखें उतर जाएँगी, उनके चेहरे का रंग उड़ जाएगा; फिर भी मुझे खुशी हुई जब मैंने देखा कि वे ज़रा भी विचलित नहीं हुए। 'वह उनके लिए वैसा नहीं है जैसा मेरे लिए है,' मैंने सोचा: 'वह उनके जैसा नहीं है। मुझे विश्वास है कि वह मेरे जैसा है; —मुझे यकीन है कि वह है—मैं उससे आत्मीयता महसूस करती हूँ—मैं उसके चेहरे और हाव-भाव की भाषा समझती हूँ: यद्यपि पद और धन हमें अलग करते हैं, मेरे मस्तिष्क और हृदय में, मेरे रक्त और नसों में कुछ ऐसा है जो मुझे मानसिक रूप से उससे जोड़ता है। क्या मैंने कुछ दिन पहले कहा था कि मेरा उससे कोई लेना-देना नहीं है सिवाय उसके हाथों से अपना वेतन लेने के? क्या मैंने खुद को उसे वेतनदाता के अलावा किसी और रूप में सोचने से रोका था? प्रकृति के विरुद्ध घोर निंदा! मेरी हर अच्छी, सच्ची, सशक्त भावना अनायास ही उसके चारों ओर एकत्रित हो जाती है। मैं जानती हूँ कि मुझे अपनी भावनाओं को छिपाना होगा: मुझे आशा को कुचलना होगा; मुझे याद रखना होगा कि वह मेरी परवाह नहीं कर सकता।' जब मैं कहती हूँ कि मैं उनके जैसी हूँ, तो मेरा मतलब यह नहीं है कि मुझमें उनके जैसा प्रभाव डालने की शक्ति और उनके जैसा आकर्षण है; मेरा मतलब केवल इतना है कि मेरी कुछ रुचियाँ और भावनाएँ उनसे मिलती-जुलती हैं। इसलिए, मुझे बार-बार यही दोहराना होगा कि हम हमेशा के लिए अलग हो गए हैं: और फिर भी, जब तक मैं साँस ले रही हूँ और सोच रही हूँ, मुझे उनसे प्रेम करना होगा।' कॉफ़ी परोसी जाती है। सज्जनों के आने के बाद से महिलाएँ चहचहाने लगी हैं; बातचीत तेज़ और आनंदमय हो जाती है। कर्नल डेंट और मिस्टर एश्टन राजनीति पर बहस करते हैं; उनकी पत्नियाँ सुनती हैं। दो स्वाभिमानी विधवाएँ, लेडी लिन और लेडी इंग्राम, आपस में बातें करती हैं। सर जॉर्ज—जिनका वर्णन करना मैं भूल गई थी—एक बहुत बड़े और बहुत ही तरोताज़ा दिखने वाले देहाती सज्जन, उनके सोफे के सामने कॉफ़ी का कप हाथ में लिए खड़े हैं और कभी-कभी कुछ बोलते हैं। मिस्टर फ्रेडरिक लिन मैरी इंग्राम के बगल में बैठ गए हैं और उन्हें एक शानदार पुस्तक की नक्काशी दिखा रहे हैं: वह देखती हैं, बीच-बीच में मुस्कुराती हैं, लेकिन जाहिर तौर पर कुछ नहीं कहतीं। लंबे और शांत स्वभाव वाले लॉर्ड इंग्राम छोटी कुर्सी की पीठ पर बाहें मोड़कर झुके हुए हैं।

और चिड़िया की तरह चहचहाती हैं: वह उन्हें मिस्टर रोचेस्टर से ज़्यादा पसंद करती हैं। हेनरी लिन ने लुइसा के पैरों के पास रखे एक ओटोमन पर कब्ज़ा कर लिया है: एडेल उनके साथ उस पर बैठी है: वह उससे फ्रेंच में बात करने की कोशिश कर रहा है, और लुइसा उसकी गलतियों पर हंस रही है। ब्लैंच इंग्राम किसके साथ जोड़ी बनाएगी? वह मेज पर अकेली खड़ी है, एक एल्बम पर झुकी हुई है। ऐसा लगता है जैसे वह किसी के बुलाए जाने का इंतज़ार कर रही हो; लेकिन वह ज़्यादा देर इंतज़ार नहीं करेगी: वह खुद ही अपना साथी चुन लेती है। मिस्टर रोचेस्टर, एश्टन परिवार छोड़कर, चूल्हे के पास उतने ही अकेले खड़े हैं जितनी वह मेज के पास खड़ी है: वह उनका सामना करती है, और मेंटलपीस के दूसरी तरफ अपनी जगह ले लेती है। 'मिस्टर रोचेस्टर, मुझे लगा था कि आपको बच्चे पसंद नहीं हैं?' 'मुझे भी नहीं।' 'तो फिर, आपको उस नन्ही गुड़िया जैसी बच्ची की देखभाल करने की प्रेरणा कहाँ से मिली?' (एडेल की ओर इशारा करते हुए)। “तुम उसे कहाँ से लाए?” “मैं उसे नहीं लाया; उसे मेरे पास छोड़ दिया गया था।” “तुम्हें उसे स्कूल भेजना चाहिए था।” “मैं खर्च नहीं उठा सकता था: स्कूल बहुत महंगे हैं।” “अरे, मुझे लगता है तुमने उसके लिए एक गवर्नेस रखी होगी: मैंने अभी उसके साथ एक व्यक्ति को देखा था—क्या वह चली गई? अरे नहीं! वह अभी भी खिड़की के पर्दे के पीछे है। तुम उसे वेतन देते हो, बिल्कुल; मुझे लगता है कि यह काफी महंगा होगा,—बल्कि उससे भी ज्यादा; क्योंकि तुम्हें उन दोनों का भी खर्चा उठाना है।” मुझे डर था—या यूँ कहूँ, उम्मीद थी?—कि मेरी ओर इशारा करने पर मिस्टर रोचेस्टर मेरी तरफ देखेंगे; और मैं अनजाने में और भी ज्यादा छाया में सिमट गया: लेकिन उन्होंने अपनी नज़रें नहीं घुमाईं। “मैंने इस विषय पर विचार नहीं किया है,” उन्होंने उदासीनता से कहा, सीधे अपने सामने देखते हुए। “नहीं, तुम लोग कभी भी मितव्ययिता और सामान्य ज्ञान पर विचार नहीं करते। तुम्हें गवर्नेस के बारे में माँ की बात सुननी चाहिए: मैरी और मैंने अपने समय में, मुझे लगता है, कम से कम एक दर्जन गवर्नेस रखी होंगी; उनमें से आधे घृणित और बाकी हास्यास्पद थे, और सभी दुष्ट आत्माओं के समान थे—है ना, माँ?’ ‘क्या आपने कुछ कहा, मेरी प्यारी?’ विधवा की विशेष संपत्ति के रूप में दावा की गई उस युवती ने स्पष्टीकरण के साथ अपना प्रश्न दोहराया। “मेरी प्रियतम, गवर्नेस का ज़िक्र मत करो; यह शब्द मुझे बेचैन कर देता है। मैंने उनकी अक्षमता और मनमानी के कारण कष्ट झेला है। मैं ईश्वर का धन्यवाद करती हूँ कि अब मेरा उनसे छुटकारा मिल गया है!” श्रीमती डेंट यहाँ उस

धर्मपरायण महिला की ओर झुकीं और उसके कान में कुछ फुसफुसाया; मुझे लगता है, जो उत्तर मिला उससे, यह एक याद दिलाना था कि शापित जाति की कोई महिला वहाँ मौजूद थी। “अरे नहीं!” उनकी महिला ने कहा, “मुझे आशा है कि इससे उसे लाभ होगा!” फिर, धीमी आवाज़ में, लेकिन फिर भी इतनी तेज़ कि मैं सुन सकूँ,

——————————— ‘मैंने उसे देखा; मैं चेहरे की बनावट का पारखी हूँ, और उसके चेहरे में मुझे उसके वर्ग की सारी कमियाँ नज़र आती हैं।’ “वे क्या हैं, महोदया?” श्री रोचेस्टर ने ज़ोर से पूछा। ‘मैं आपको चुपके से बताऊँगी,’ उसने अपने सिर पर तीन बार पगड़ी हिलाते हुए गंभीर भाव से जवाब दिया। ‘लेकिन मेरी जिज्ञासा अब शांत नहीं होगी; उसे अब भोजन चाहिए।’ “ब्लैंच से पूछिए; वह मुझसे ज़्यादा आपके करीब है।’ ‘ओह, उसे मेरे पास मत भेजिए, माँ! मुझे तो बस इस पूरे कबीले के बारे में एक ही बात कहनी है; वे सब झंझट हैं। ऐसा नहीं है कि मुझे उनसे कभी ज़्यादा परेशानी हुई हो; मैंने तो पासा पलटने का पूरा ध्यान रखा। थियोडोर और मैं अपनी मिस विल्सन, मिसेज़ ग्रे और मैडम जौबर्ट पर क्या-क्या चालें चलते थे!’ मैरी हमेशा इतनी नींद में रहती थी कि किसी भी साजिश में जोश से हिस्सा नहीं ले पाती थी। सबसे ज्यादा मजा मैडम जौबर्ट के साथ आता था: मिस विल्सन एक बेचारी बीमार, आंसू बहाने वाली और उदास महिला थीं, संक्षेप में कहें तो, उन्हें हराने की कोई जरूरत नहीं थी; और श्रीमती ग्रे रूखी और बेपरवाह थीं; उन पर किसी भी चोट का कोई असर नहीं होता था। लेकिन बेचारी मैडम जौबर्ट! मुझे आज भी उनकी उग्र भावनाएं याद हैं, जब हमने उन्हें हद से ज्यादा परेशान कर दिया था— हमारी चाय गिरा दी थी, हमारी रोटी और मक्खन चूर-चूर कर दिया था, हमारी किताबें छत तक उछाल दी थीं, और हमने स्केल और डेस्क, फेंडर और आग के औजारों से खेल खेला था। थियोडोर, क्या तुम्हें वे खुशनुमा दिन याद हैं?’ *हाँ, बिल्कुल याद हैं,’ लॉर्ड इंग्राम ने धीरे से कहा; और बेचारी बुढ़िया चिल्लाती थी, “अरे तुम बदमाश बच्चों!”—और फिर हम उसे समझाते थे कि हम जैसे होशियार बच्चों को सिखाने की हिम्मत कैसे हुई, जबकि वह खुद इतनी अनपढ़ थी।’ “हमने ऐसा किया; और, टेडो, तुम्हें पता है, मैंने तुम्हारे ट्यूटर, फीके चेहरे वाले मिस्टर वाइनिंग—जिन्हें हम पादरी कहते थे—पर मुकदमा चलाने (या सताने) में तुम्हारी मदद की थी। उन्होंने और मिस विल्सन ने एक-दूसरे के प्यार में पड़ने की हद पार कर दी थी—कम से कम टेडो और मैंने तो यही सोचा था; हमें कई

बार उनकी कोमल निगाहें और आहें सुनाई देती थीं जिन्हें हम "प्यारा जुनून" समझते थे, और मैं वादा करता हूँ कि जनता को जल्द ही हमारी इस खोज का पता चल गया; हमने इसका इस्तेमाल अपने बोझ को घर से निकालने के लिए एक तरह से हथियार के रूप में किया। प्यारी माँ, जैसे ही उन्हें इस बात का जरा सा भी पता चला, उन्हें समझ आ गया कि यह अनैतिक प्रवृत्ति का है। है ना, मेरी प्यारी माँ?' "ज़रूर, मेरे प्यारे।" और मैं बिल्कुल सही थी: इस पर भरोसा रखें: किसी भी सुव्यवस्थित गृह में शिक्षिकाओं और शिक्षकों के बीच संबंधों को एक पल के लिए भी बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए, इसके हज़ार कारण हैं; पहला कारण—' 'ओह, कृपालु माँ! हमें इन सब बातों की सूची से मुक्त करें! अलविदा,

166 जेन आयर - हम सब उन्हें जानते हैं: बचपन की मासूमियत के लिए बुरे उदाहरण का खतरा; ध्यान भटकना और परिणामस्वरूप आसक्त व्यक्ति द्वारा कर्तव्य की उपेक्षा - आपसी गठबंधन और भरोसा; उससे उत्पन्न आत्मविश्वास - साथ में उद्दंडता - विद्रोह और आम तौर पर होने वाला विस्फोट। क्या मैं सही कह रही हूँ, बैरोनेस इंग्राम, इंग्राम पार्क की?' 'मेरी प्यारी, तुम अभी भी सही हो, हमेशा की तरह।' 'तो फिर और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं: विषय बदलें।' एमी एश्टन, इस बात को अनसुना करते हुए, अपनी कोमल, बचकानी आवाज़ में बोली: 'लुईसा और मैं भी अपनी गवर्नेंस से सवाल-जवाब किया करते थे; लेकिन वह इतनी अच्छी इंसान थी कि सब कुछ सह लेती थी: कोई भी बात उसे परेशान नहीं करती थी। वह हमसे कभी नाराज़ नहीं होती थी; है ना, लुईसा?' 'नहीं, कभी नहीं: हम जो चाहें कर सकते थे; उसकी डेस्क और वर्कबॉक्स को तहस-नहस कर सकते थे, और उसके दराजों को उलट-पुलट कर सकते थे; और वह इतनी दयालु थीं कि हम जो भी मांगते, वह हमें दे देती थीं।' 'मुझे लगता है, अब,' मिस इंग्राम ने व्यंग्य से होंठ सिकोड़ते हुए कहा, 'हमारे पास सभी मौजूदा गवर्नेंस के संस्मरणों का एक सार होगा: ऐसी स्थिति से बचने के लिए, मैं फिर से एक नए विषय को पेश करने का प्रस्ताव रखती हूं। श्री रोचेस्टर, क्या आप मेरे प्रस्ताव का समर्थन करते हैं?' 'महोदया, मैं इस बिंदु पर आपका समर्थन करता हूं, जैसे हर दूसरे बिंदु पर।' "तो इसे आगे बढ़ाने का दायित्व मुझ पर है। सिग्नोर एडुआर्डो, क्या आप आज रात गाने के लिए तैयार हैं?' 'डोना बियांका, अगर आप आदेश दें, तो मैं तैयार रहूंगा।' "तो, सिग्नोर, मैं आपको अपना सर्वोच्च आदेश देती हूं कि आप अपने फेफड़ों और अन्य स्वर अंगों को तैयार कर लें, क्योंकि मेरी शाही सेवा में इनकी आवश्यकता

होगी।' 'इतनी दिव्य मैरी का रिज़ियो कौन नहीं बनना चाहेगा?' 'रिज़ियो को धिक्कार है!' वह अपने घुंघराले बालों को लहराते हुए पियानो की ओर बढ़ी और चिल्लाई। 'मेरी राय में वायलिन वादक डेविड एक नीरस किस्म का आदमी रहा होगा; मुझे काला बोथवेल ज़्यादा पसंद है: मेरे विचार में एक आदमी में शैतान का अंश होना ही चाहिए; और इतिहास जेम्स हेपबर्न के बारे में जो चाहे कहे, लेकिन मुझे लगता है कि वह बिल्कुल वैसा ही जंगली, क्रूर, डाकू नायक था जिसे मैं अपना हाथ भेंट करने के लिए तैयार हो जाती।' 'सज्जनों, सुनिए! अब आप में से कौन बोथवेल से सबसे ज़्यादा मिलता-जुलता है?' श्री रोचेस्टर चिल्लाए। 'मुझे लगता है कि प्राथमिकता आप में है,' कर्नल डेंट ने उत्तर दिया। 'सच कहूँ तो, मैं आपका बहुत आभारी हूँ,' उत्तर आया। मिस इंग्राम, जो अब गर्व से पियानो पर बैठ गई थीं, अपने बर्फीले वस्त्रों को शाही अंदाज़ में फैलाकर, एक शानदार प्रस्तावना शुरू की; और साथ ही बातें भी करती रहीं।

जेन आयर 167 आज रात जेन आयर अपने अहंकार में डूबी हुई लग रही थी; उसके शब्द और हावभाव दोनों ही श्रोताओं की प्रशंसा ही नहीं, बल्कि आश्चर्य भी जगाने के लिए थे: वह स्पष्ट रूप से उन्हें बेहद साहसी और निडर दिखाना चाहती थी। 'ओह, मैं आजकल के नौजवानों से तंग आ चुकी हूँ!' उसने वाद्य यंत्र बजाते हुए कहा। 'बेचारे, नपुंसक, पापा के घर के फाटक से एक कदम भी बाहर निकलने के लायक नहीं: और न ही मम्मी की अनुमति और देखरेख के बिना इतनी दूर जाने के! ऐसे प्राणी जो अपने सुंदर चेहरों, अपने गोरे हाथों और अपने छोटे पैरों की चिंता में इतने डूबे रहते हैं; मानो सुंदरता से किसी पुरुष का कोई लेना-देना हो! मानो सुंदरता स्त्री का विशेष अधिकार न हो—उसका वैध हिस्सा और विरासत! मैं मानती हूँ कि बदसूरत स्त्री सृष्टि के सुंदर चेहरे पर धब्बा है; लेकिन सज्जनों को केवल शक्ति और वीरता प्राप्त करने के लिए ही तत्पर रहना चाहिए: उनका आदर्श वाक्य होना चाहिए: - शिकार करो, गोली चलाओ और लड़ो: बाकी सब कुछ महत्वहीन है। अगर मैं पुरुष होती, तो मेरा यही तरीका होता।' "जब भी मेरी शादी होगी," उसने कुछ देर रुकने के बाद कहा, "मैंने ठान लिया है कि मेरा पति मेरा प्रतिद्वंदी नहीं, बल्कि मेरा साथी होगा। मैं सिंहासन के पास किसी प्रतिद्वंदी को बर्दाश्त नहीं करूंगी; मैं पूरी निष्ठा की मांग करूंगी: उसकी भक्ति मेरे और उसके आईने में दिखने वाली छवि के बीच नहीं बंटेगी। श्री रोचेस्टर, अब गाइए, और मैं आपके लिए बजाऊंगी।" "मैं पूरी तरह आज्ञाकारी हूं," जवाब आया। "तो ये एक समुद्री डाकू का गीत है। जान लो कि मैं समुद्री डाकुओं पर मोहित

हूं; और इसलिए, इसे पूरे जोश के साथ गाओ।" "मिस इंग्राम के मुख से निकले आदेश दूध और पानी के मग में भी जोश भर देंगे।" "तो सावधान रहो: अगर तुम मुझे खुश नहीं करोगे, तो मैं तुम्हें दिखाऊंगी कि ऐसे काम कैसे किए जाते हैं, और तुम्हें शर्मिंदा कर दूंगी।" "यह तो अक्षमता को इनाम देने जैसा है: मैं अब असफल होने की कोशिश करूंगी।" "ध्यान रखना! अगर तुम जानबूझकर गलती करोगे, तो मैं उचित दंड तय करेंगे।' 'मिस इंग्राम को दयालु होना चाहिए, क्योंकि उनके पास असहनीय दंड देने की शक्ति है।' 'हा! समझाओ!' महिला ने आदेश दिया। 'क्षमा कीजिए महोदया: स्पष्टीकरण की कोई आवश्यकता नहीं है; आपकी अपनी समझ ही आपको यह बता देगी कि आपकी एक भौंह ही मृत्युदंड के लिए पर्याप्त होगी।' 'गाओ!' उसने कहा, और फिर से पियानो को छूकर, उसने जोशीले अंदाज में संगत शुरू कर दी। 'अब मेरे जाने का समय है,' मैंने सोचा: लेकिन तभी हवा में गूंजने वाली आवाज़ों ने मुझे रोक दिया। श्रीमती फेयरफैक्स ने श्रीमान के बारे में कहा था।

168 जेन आयर - एस रोचेस्टर की आवाज़ बहुत सुरीली थी: सचमुच—एक मधुर, शक्तिशाली बेस, जिसमें वे अपनी भावना, अपनी शक्ति उड़ेल देते थे: कानों से दिल तक पहुँचने का रास्ता ढूंढते हुए, और वहाँ अजीब तरह से संवेदना जगाते हुए। मैंने आखिरी गहरी और पूरी कंपन के समाप्त होने तक प्रतीक्षा की—जब तक बातचीत का प्रवाह, एक पल के लिए रुककर, फिर से शुरू नहीं हो गया; तब मैंने अपने सुरक्षित कोने को छोड़ा और बगल के दरवाजे से बाहर निकल गई, जो सौभाग्य से पास ही था। वहाँ से एक संकरा रास्ता हॉल में जाता था: उसे पार करते समय, मैंने देखा कि मेरी चप्पल ढीली है; मैं उसे बाँधने के लिए रुकी, और सीढ़ियों के नीचे चटाई पर घुटने टेक दिए। मैंने भोजन कक्ष का दरवाजा खुलने की आवाज़ सुनी; एक सज्जन बाहर आए; जल्दी से उठकर, मैं उनके सामने खड़ी हो गई: वे श्री रोचेस्टर थे। 'आप कैसी हैं?' उन्होंने पूछा। 'मैं बिल्कुल ठीक हूँ, महोदय।' 'तुम कमरे में आकर मुझसे बात क्यों नहीं की?' मैंने सोचा कि मैं यह सवाल पूछने वाले को ही पलट कर जवाब दे दूँ, पर मैंने ऐसा करने की हिम्मत नहीं की। मैंने जवाब दिया— 'मैं आपको परेशान नहीं करना चाहता था, क्योंकि आप किसी काम में व्यस्त लग रहे थे, महोदय।' 'मेरी अनुपस्थिति में तुम क्या कर रहे थे?' 'कुछ खास नहीं; हमेशा की तरह एडेल को पढ़ा रहा था।' 'और पहले से काफी पीला पड़ गया हूँ—जैसा कि मैंने पहली नज़र में ही देख लिया। क्या बात है?' 'कुछ नहीं, महोदय।' 'क्या उस रात तुम्हें सर्दी लग गई थी

जब तुमने मुझे लगभग डुबो दिया था?' 'बिल्कुल नहीं।' 'ड्राइंग रूम में वापस जाओ: तुम बहुत जल्दी जा रहे हो।' 'मैं थका हुआ हूँ, महोदय।' उन्होंने एक मिनट तक मेरी ओर देखा। 'और थोड़ा उदास भी,' उन्होंने कहा। "क्या बात है? बताइए।" "कुछ नहीं —कुछ नहीं, महोदय। मैं उदास नहीं हूँ।" "लेकिन मैं यकीनन कह रहा हूँ कि आप उदास हैं: इतने उदास कि कुछ और शब्द आपकी आँखों में आँसू ला देंगे—वास्तव में, अभी आपकी आँखों में आँसू हैं, चमक रहे हैं और तैर रहे हैं; और एक बूंद चाबुक से फिसलकर झंडे पर गिर गई है। अगर मेरे पास समय होता, और मुझे किसी घमंडी नौकर के आने का डर न होता, तो मैं समझ जाता कि इसका क्या मतलब है। खैर, आज रात के लिए मैं आपको जाने की अनुमति देता हूँ; लेकिन समझ लीजिए कि जब तक मेरे मेहमान यहाँ हैं, मैं आपसे हर शाम ड्राइंग रूम में आने की उम्मीद करता हूँ; यही मेरी इच्छा है; इसे नज़रअंदाज़ मत कीजिएगा। अब जाइए, और सोफी को एडेल के लिए भेज दीजिए। शुभ रात्रि, मेरे—" वह रुक गया, अपने होंठ काटे, और अचानक मुझे छोड़कर चला गया।

जेन आयर 169 अध्याय 18वीं थॉर्नफील्ड हॉल में ये दिन आनंदमय और व्यस्त भी थे: पहले तीन महीने जो मैंने इसकी छत के नीचे शांति, नीरसता और एकांत में बिताए थे, उनसे ये कितने अलग थे! ऐसा लगता था मानो सारी उदासी घर से दूर हो गई हो, सारी निराशाजनक यादें भुला दी गई हों: हर जगह जीवन था, दिन भर चहल-पहल रहती थी। अब आप गैलरी में, जो कभी इतनी शांत रहती थी, और सामने के कमरों में, जो कभी इतने खाली रहते थे, बिना किसी सजी-धजी नौकरानी या सजे-धजे नौकर से मिले प्रवेश नहीं कर सकते थे। रसोई, बटलर की पेंट्री, नौकरों का हॉल, प्रवेश हॉल, सब जगह उतनी ही जीवंत थी; और बैठक कक्ष केवल तभी खाली और शांत होते थे जब सुहावने वसंत के मौसम का नीला आकाश और धूप उन्हें बाहर मैदान में बुलाती थी। यहाँ तक कि जब मौसम बदल जाता था और कुछ दिनों तक लगातार बारिश होती थी, तब भी आनंद पर कोई असर नहीं पड़ता था: बाहरी मौज-मस्ती रुकने के कारण घर के अंदर के मनोरंजन और भी अधिक जीवंत और विविध हो जाते थे। मुझे आश्चर्य हुआ कि मनोरंजन में बदलाव का प्रस्ताव रखे जाने पर वे पहली शाम क्या करेंगे: उन्होंने 'चरडेस खेलने' की बात की, लेकिन अपनी अज्ञानता के कारण मैं उस शब्द को नहीं समझ पाया। नौकरों को बुलाया गया, भोजन कक्ष की मेजें हटा दी गईं, बत्तियाँ इधर-उधर कर दी गईं, और कुर्सियों को मेहराब के सामने अर्धवृत्त में लगा

दिया गया। जब श्री रोचेस्टर और अन्य सज्जन इन बदलावों का निर्देश दे रहे थे, तब महिलाएँ अपनी नौकरानियों को बुलाने के लिए सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे दौड़ रही थीं। श्रीमती फेयरफैक्स को शॉल, पोशाक, और किसी भी प्रकार के पर्दों के रूप में घर में मौजूद सामान के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाया गया; और तीसरी मंजिल की कुछ अलमारियों की तलाशी ली गई, और उनके अंदर रखी हुई चीजें, जैसे कि ब्रोकेड और घेरेदार पेटीकोट, साटन के थैले, काले कपड़े, लेस के लबादे आदि, नौकरानियों द्वारा बांहों में भरकर नीचे लाई गईं; फिर उनमें से चयन किया गया, और चुनी गई चीजों को ड्राइंग रूम के भीतर बने बेडरूम में ले जाया गया। इसी बीच, श्री रोचेस्टर ने फिर से अपने आस-पास की महिलाओं को बुलाया और उनमें से कुछ को अपने दल में शामिल करने के लिए चुन रहे थे। उन्होंने कहा, 'मिस इंग्राम मेरी हैं, बिल्कुल।' इसके बाद उन्होंने मिस एश्टन और श्रीमती डेंट के नाम लिए। उन्होंने मेरी ओर देखा: मैं संयोगवश उनके पास ही थी, क्योंकि मैं श्रीमती डेंट के कंगन का ढीला हुआ कुंडा ठीक कर रही थी। उन्होंने पूछा, 'क्या तुम खेलोगी?' मैंने सिर हिला दिया। उन्होंने ज़ोर नहीं दिया, जबकि मुझे डर था कि वे ऐसा ही करेंगे; उन्होंने मुझे चुपचाप अपनी सामान्य सीट पर वापस जाने दिया।

 वह और उनके सहायक अब पर्दे के पीछे चले गए: दूसरा दल, जिसका नेतृत्व कर्नल डेंट कर रहे थे, कुर्सियों की कतार पर बैठ गया। सज्जनों में से एक, श्री एश्टन, मुझे देखकर, ऐसा लग रहा था कि वे मुझे भी उनके साथ शामिल होने के लिए कहना चाहते हैं; लेकिन लेडी इंग्राम ने तुरंत इस विचार को अस्वीकार कर दिया। 'नहीं,' मैंने उन्हें कहते सुना: 'वह इस तरह के किसी भी खेल के लिए बहुत मूर्ख दिखती है।' थोड़ी देर में एक घंटी बजी, और पर्दा उठ गया। मेहराब के भीतर, सर जॉर्ज लिन की भारी-भरकम आकृति दिखाई दी, जिन्हें श्री रोचेस्टर ने भी चुना था, एक सफेद चादर में लिपटे हुए: उनके सामने, एक मेज पर, एक बड़ी किताब खुली पड़ी थी; और उनके बगल में एमी एश्टन खड़ी थीं, जो श्री रोचेस्टर के लबादे में लिपटी हुई थीं और उनके हाथ में एक किताब थी। किसी अदृश्य व्यक्ति ने खुशी से घंटी बजाई; फिर एडेल (जो अपने अभिभावक के दल में शामिल होने पर अड़ी हुई थी) उछलती हुई आगे बढ़ी और अपनी बांह पर रखी फूलों की टोकरी के फूल चारों ओर बिखेर दिए। तभी मिस इंग्राम का भव्य रूप प्रकट हुआ, जो सफेद वस्त्रों में लिपटी हुई थीं, उनके सिर पर एक लंबा घूंघट था और माथे पर गुलाबों का मुकुट था;

उनके साथ मिस्टर रोचेस्टर चल रहे थे और दोनों मेज के पास पहुंचे। वे घुटनों के बल बैठ गए; जबकि श्रीमती डेंट और लुईसा एश्टन, जो सफेद वस्त्रों में सजी थीं, उनके पीछे अपनी-अपनी जगह पर खड़ी हो गईं। इसके बाद मूक अभिनय के साथ एक समारोह हुआ, जिसमें विवाह का मूक अभिनय स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। समारोह के समाप्त होने पर, कर्नल डेंट और उनके दल ने दो मिनट तक फुसफुसाते हुए परामर्श किया, फिर कर्नल ने पुकारा— 'दुल्हन!' मिस्टर रोचेस्टर ने झुककर अभिवादन किया और पर्दा गिर गया। काफी देर बाद पर्दा फिर उठा। दूसरी बार पर्दा उठने पर पिछली बार की तुलना में कहीं अधिक भव्य दृश्य प्रदर्शित हुआ। जैसा कि मैंने पहले भी बताया है, ड्राइंग रूम डाइनिंग रूम से दो सीढ़ियाँ ऊपर था, और ऊपरी सीढ़ी के शीर्ष पर, कमरे के अंदर एक या दो गज पीछे, एक बड़ा संगमरमर का बेसिन रखा हुआ था, जिसे मैंने कंज़र्वेटरी की शोभा के रूप में पहचाना—जहाँ यह आमतौर पर विदेशी पौधों से घिरा हुआ और सुनहरी मछलियों से भरा रहता था—और जहाँ से इसे इसके आकार और वजन के कारण बड़ी मुश्किल से लाया गया होगा। इस बेसिन के बगल में कालीन पर, शॉल ओढ़े और सिर पर पगड़ी बांधे श्री रोचेस्टर बैठे हुए दिखाई दिए। उनकी गहरी आँखें, सांवली त्वचा और पयनिम जैसी विशेषताएं उनके पहनावे से बिल्कुल मेल खाती थीं: वे किसी पूर्वी अमीर, किसी दूत या धनुष की डोरी के शिकार की तरह लग रहे थे। कुछ देर बाद मिस इंग्राम दिखाई दीं। वे भी पूर्वी शैली में सजी हुई थीं: कमर पर कमरबंद की तरह बंधा हुआ गहरा लाल रंग का स्कार्फ; कनपटी पर बंधा हुआ कढ़ाईदार रूमाल; उनकी सुंदरता...

जेन आयर 171 —ईओओईईईई___ पूरी तरह से गढ़ी हुई भुजाएँ नंगी थीं, उनमें से एक ऊपर उठी हुई थी मानो उसने अपने सिर पर रखे घड़े को सहारा दिया हो। उसकी शारीरिक बनावट और चेहरे की बनावट, उसका रंग और उसका समग्र आभास, पितृसत्तात्मक युग की किसी इस्राएली राजकुमारी की याद दिलाते थे; और निस्संदेह वह इसी चरित्र को प्रस्तुत करना चाहती थी। वह कुंड के पास गई और घड़ा भरने के लिए झुकी; उसने फिर उसे अपने सिर पर उठाया। कुएँ के किनारे खड़ा व्यक्ति अब उससे बात करने लगा; जैसे कोई अनुरोध कर रहा हो:— 'उसने जल्दी की, अपना घड़ा हाथ पर रखा और उसे पानी पिलाया।' फिर उसने अपने वस्त्र के भीतर से एक संदूक निकाला, उसे खोला और उसमें शानदार कंगन और झुमके दिखाए; उसने आश्चर्य और प्रशंसा का भाव दिखाया; घुटने टेककर उसने खजाना उसके चरणों में रख

दिया; उसकी निगाहों और हाव-भाव से अविश्वास और प्रसन्नता व्यक्त हुई; अजनबी ने उसके हाथों में कंगन और कानों में बालियाँ पहना दीं। ये एलीज़र और रेबेका थे: केवल ऊँटों की कमी थी। भविष्यवाणी करने वाले दल ने फिर से आपस में विचार-विमर्श किया: जाहिरा तौर पर वे उस दृश्य को दर्शाने वाले शब्द या अक्षर पर सहमत नहीं हो पा रहे थे। उनके प्रवक्ता कर्नल डेंट ने 'पूरे दृश्य का विवरण' मांगा; जिसके बाद पर्दा फिर से गिर गया। तीसरी बार उठने पर ड्राइंग रूम का केवल एक हिस्सा ही दिखाई दिया; बाकी हिस्सा एक स्क्रीन से ढका हुआ था, जिस पर किसी प्रकार का गहरा और मोटा कपड़ा लगा हुआ था। संगमरमर का बेसिन हटा दिया गया था; उसकी जगह एक लकड़ी की मेज और एक रसोई की कुर्सी रखी थी: ये वस्तुएँ एक सींग के लालटेन से आ रही बहुत धुंधली रोशनी में दिखाई दे रही थीं, मोमबत्तियाँ पूरी तरह बुझ चुकी थीं। इस घिनौने दृश्य के बीच, एक आदमी मुट्ठी बांधे घुटनों पर रखे और आँखें ज़मीन पर गड़ाए बैठा था। मैं श्री रोचेस्टर को जानता था; हालांकि, मैला चेहरा, अस्त-व्यस्त पोशाक (उसका कोट एक हाथ से ढीला लटका हुआ था, मानो किसी हाथापाई में उसकी पीठ से लगभग फट गया हो), हताश और गुस्से से भरा चेहरा, और खुरदुरे, उलझे हुए बाल, उसे भेस बदलने में कामयाब हो सकते थे। जैसे ही वह हिला, एक जंजीर खनक उठी; उसकी कलाईयों में बेड़ियाँ बंधी थीं। 'ब्राइडवेल!' कर्नल डेंट चिल्लाए, और नाटक का भेद खुल गया। कलाकारों को अपनी सामान्य पोशाक पहनने के लिए पर्याप्त समय बीत जाने के बाद, वे भोजन कक्ष में वापस आ गए। श्री रोचेस्टर, मिस इंग्राम को अंदर लाए; वह उनके अभिनय की प्रशंसा कर रही थीं। 'क्या आप जानते हैं,' उन्होंने कहा, 'कि तीनों किरदारों में से मुझे आपका आखिरी किरदार सबसे अच्छा लगा? काश आप कुछ साल और जीवित रहते।'

 “पहले, तुम कितने बहादुर और बहादुर डाकू बनते!” उसने अपना चेहरा उसकी ओर घुमाते हुए पूछा, “क्या मेरे चेहरे से सारी कालिख धुल गई है?” “अफ़सोस! हाँ: और भी अफ़सोस! उस बदमाश के रूज से ज़्यादा तुम्हारे रंग पर कुछ भी शोभा नहीं देता।” “तो तुम सड़क के नायक बनना चाहते हो?” “एक अंग्रेज़ सड़क का नायक एक इतालवी डाकू के बाद दूसरे नंबर पर आता; और उसे तो केवल एक लेवेंटाइन समुद्री डाकू ही मात दे सकता था।” “खैर, मैं जो भी हूँ, याद रखना तुम मेरी पत्नी हो; हमारी शादी एक घंटे पहले इन सभी गवाहों की मौजूदगी में हुई थी।” वह खिलखिलाकर हँसी और उसका चेहरा लाल हो गया।

“अब, डेंट,” मिस्टर रोचेस्टर ने आगे कहा, “तुम्हारी बारी है।” और जैसे ही दूसरा दल चला गया, वह और उसका दल खाली सीटों पर बैठ गए। मिस इंग्राम अपने नेता के दाहिने हाथ पर बैठ गईं; बाकी भविष्यवक्ता उनके और उनके दोनों ओर की कुर्सियों पर बैठ गए। अब मैं अभिनेताओं को नहीं देख रहा था; अब मैं उत्सुकता से पर्दा उठने का इंतज़ार नहीं कर रहा था; मेरा ध्यान दर्शकों पर केंद्रित था; मेरी आँखें, जो पहले मेहराब पर टिकी थीं, अब अनजाने में कुर्सियों के अर्धवृत्त की ओर खिंची चली जा रही थीं। कर्नल डेंट और उनके साथियों ने क्या नाटक खेला, उन्होंने कौन से शब्द चुने, उन्होंने खुद को कैसे पेश किया, यह मुझे अब याद नहीं है; लेकिन मुझे अभी भी हर दृश्य के बाद होने वाली बातचीत याद है: मैं मिस्टर रोचेस्टर को मिस इंग्राम की ओर मुड़ते हुए और मिस इंग्राम को उनकी ओर मुड़ते हुए देखता हूँ; मैं उन्हें अपना सिर उनकी ओर झुकाते हुए देखता हूँ, यहाँ तक कि उनके काले घुंघराले बाल लगभग उनके कंधे को छूते हैं और उनके गालों को लहराते हैं; मैं उनकी आपस में फुसफुसाहट सुनता हूँ; मुझे उनकी एक-दूसरे को देखती निगाहें याद आती हैं; और इस दृश्य से उत्पन्न भावना का कुछ अंश भी इस क्षण स्मृति में लौट आता है। मैंने आपको बताया है, पाठक, कि मैं मिस्टर रोचेस्टर से प्यार करने लगी थी: अब मैं उनसे प्यार करना बंद नहीं कर सकती थी, सिर्फ इसलिए कि मैंने पाया कि उन्होंने मुझे नज़रअंदाज़ करना शुरू कर दिया था—क्योंकि मैं घंटों उनके साथ बिता सकती थी, और वे एक बार भी मेरी तरफ नहीं देखते थे—क्योंकि मैंने देखा कि उनका सारा ध्यान एक बड़ी महिला पर केंद्रित था, जो गुजरते समय अपने वस्त्र के किनारे से मुझे छूने से भी कतराती थी; जो, अगर कभी गलती से भी उसकी गहरी और दबंग नज़र मुझ पर पड़ती, तो वह उसे तुरंत हटा लेती, मानो मैं कोई तुच्छ वस्तु हूँ जिस पर ध्यान देने की ज़रूरत हो। मैं उनसे प्यार करना बंद नहीं कर सकती थी, क्योंकि मुझे पूरा यकीन था कि वे जल्द ही इसी महिला से शादी करेंगे—क्योंकि मैं रोज़ाना उनमें उनके इरादों को लेकर एक गर्व और आत्मविश्वास देखती थी—क्योंकि मैं हर घंटे उनमें प्रेम-प्रसंग का एक ऐसा तरीका देखती थी, जो अगर लापरवाह था और चाहकर भी प्यार जताने के बजाय प्यार जताने को प्राथमिकता देता था, तो भी

सोचेंगे कि ईर्ष्या पैदा करने के लिए भी बहुत कुछ था: अगर मेरी स्थिति में कोई महिला मिस इंग्राम जैसी महिला से ईर्ष्या करने का साहस कर सकती है। लेकिन मैं ईर्ष्यालु नहीं थी: या बहुत कम ही;—मेरे द्वारा सहे गए दर्द की प्रकृति को उस शब्द से समझाया नहीं जा सकता था। मिस इंग्राम ईर्ष्या के लायक नहीं थीं: वह इतनी निम्न थीं कि ईर्ष्या की भावना को जगा नहीं सकती थीं। इस विरोधाभास के लिए क्षमा करें; मैं जो कह रही हूँ वही कह रही हूँ। वह बहुत दिखावटी थीं, लेकिन वह सच्ची नहीं थीं: उनका व्यक्तित्व सुंदर था, कई प्रतिभाशाली उपलब्धियाँ थीं; लेकिन उनका दिमाग कमजोर था, उनका दिल स्वभाव से बंजर था: उस मिट्टी पर कुछ भी स्वाभाविक रूप से नहीं खिलता था; कोई भी सहज प्राकृतिक फल उसकी ताजगी से प्रसन्न नहीं होता था। वह अच्छी नहीं थीं; वह मौलिक नहीं थी: वह किताबों से घिसे-पिटे वाक्य दोहराती रहती थी; उसका अपना कोई मत नहीं था, न ही कभी कोई राय थी। वह भावनाओं का उच्च स्वर तो रखती थी, लेकिन उसमें सहानुभूति और दया की भावनाएँ नहीं थीं; कोमलता और सच्चाई उसके स्वभाव में नहीं थी। अक्सर वह इसे ज़ाहिर कर देती थी, छोटी एडेल के प्रति अपनी द्वेषपूर्ण घृणा को अनुचित रूप से प्रकट करके: अगर एडेल उसके पास आती तो उसे किसी अपमानजनक शब्द से दूर धकेल देती; कभी-कभी उसे कमरे से बाहर जाने का आदेश देती, और हमेशा उसके साथ ठंडेपन और कटुता से पेश आती। मेरी आँखों के अलावा और भी आँखें उसके चरित्र के इन भावों को देख रही थीं—करीब से, उत्सुकता से, चतुराई से। जी हाँ; भावी दूल्हा, मिस्टर रोचेस्टर स्वयं, अपनी होने वाली पत्नी पर निरंतर निगरानी रखते थे; और उनकी इसी बुद्धिमत्ता —उनकी इसी सतर्कता—अपनी प्रियतमा की कमियों के प्रति उनकी इस पूर्ण, स्पष्ट जागरूकता—उनके प्रति उनकी भावनाओं में इस स्पष्ट आवेश की कमी से ही मेरा यह निरंतर पीड़ादायक दर्द उत्पन्न हुआ। मैंने देखा कि वह उससे शादी करने जा रहा था, पारिवारिक कारणों से, शायद राजनीतिक कारणों से, क्योंकि उसका रुतबा और संबंध उसके अनुकूल थे; मुझे लगा कि उसने उसे अपना प्यार नहीं दिया था, और उसकी योग्यताएँ उससे वह अनमोल प्रेम पाने के लिए उपयुक्त नहीं थीं। यही वह बिंदु था—यहीं पर दुख की नस को छुआ और छेड़ा गया—यहीं पर बेचैनी पनपी और बढ़ी: वह उसे मोहित नहीं कर सकी। अगर वह एक ही बार में जीत हासिल कर लेती, और वह हार मानकर अपना दिल उसके चरणों में रख देता, तो मैं अपना चेहरा ढक लेती, दीवार की ओर मुँह कर लेती, और (लाक्षणिक रूप से) उनके लिए मर जाती। अगर

मिस इंग्राम एक अच्छी और नेक महिला होती, जो बल, उत्साह, दयालुता और समझदारी से परिपूर्ण होती, तो मैं

 तब, मेरा हृदय छलनी होकर खा लिया गया, मुझे उसकी प्रशंसा करनी चाहिए थी—उसकी उत्कृष्टता को स्वीकार करना चाहिए था, और अपने शेष दिनों के लिए शांत रहना चाहिए था: और उसकी श्रेष्ठता जितनी अधिक पूर्ण होती, मेरी प्रशंसा उतनी ही गहरी होती— मेरी शांति उतनी ही सच्ची होती। लेकिन वास्तविकता यह थी कि मिस इंग्राम के मिस्टर रोचेस्टर को मोहित करने के प्रयासों को देखना, उनकी बार-बार की विफलता को देखना—वह स्वयं इस बात से अनभिज्ञ थी कि वे विफल हो रहे हैं; व्यर्थ में यह कल्पना करना कि उसका प्रत्येक तीर निशाने पर लगा है, और सफलता पर अत्यधिक गर्व करना, जबकि उसका अहंकार और आत्मसंतुष्टि उसे और दूर भगा रही थी जिसे वह आकर्षित करना चाहती थी—इसे देखना, एक ही समय में निरंतर उत्तेजना और निर्दय संयम के अधीन होना था। क्योंकि, जब वह असफल हुई, तो मैंने देखा कि वह कैसे सफल हो सकती थी। श्री रोचेस्टर की छाती से बार-बार टकराकर उनके पैरों पर गिरते तीर, अगर किसी कुशल हाथ से चलाए जाते, तो शायद उनके अभिमानी हृदय में हलचल मचा देते— उनकी कठोर आँखों में प्रेम और उनके व्यंग्यपूर्ण चेहरे पर कोमलता ला देते; या इससे भी बेहतर, बिना हथियारों के ही मौन विजय प्राप्त कर ली जाती। 'जब उसे उनके इतने करीब आने का सौभाग्य प्राप्त है, तो वह उन पर अधिक प्रभाव क्यों नहीं डाल पाती?' मैंने स्वयं से पूछा। “यकीनन वह उसे सचमुच पसंद नहीं करती, या उससे सच्चा स्नेह नहीं रखती! अगर वह करती, तो उसे इतनी बनावटी मुस्कानें बिखेरने, लगातार निगाहें झपकाने, इतने दिखावटी हाव-भाव और इतने सारे नखरे दिखाने की ज़रूरत नहीं पड़ती। मुझे लगता है कि वह बस चुपचाप उसके पास बैठकर, कम बोलकर और कम देखकर ही उसके दिल के करीब पहुँच सकती है। मैंने उसके चेहरे पर उस भाव से बिल्कुल अलग भाव देखा है जो अब उसके इतने जोश से बात करने पर कठोर हो जाता है; लेकिन तब वह भाव स्वाभाविक था: वह दिखावटी कलाओं या सोची-समझी चालों से नहीं आया था; बस उसे स्वीकार करना था—बिना किसी दिखावे के उसके सवालों का जवाब देना था, ज़रूरत पड़ने पर बिना मुँह बनाए उससे बात करनी थी—और वह भाव बढ़ता गया, और अधिक दयालु और सौम्य होता गया, और एक पोषण देने वाली धूप की किरण

की तरह मन को सुकून देता गया। शादी के बाद वह उसे कैसे खुश कर पाएगी? मुझे नहीं लगता कि वह कर पाएगी; फिर भी यह संभव है; और उसकी पत्नी, मेरा पक्का विश्वास है, सबसे खुश महिला होगी। सूरज चमकता रहता है।' मैंने अभी तक श्री रोचेस्टर की स्वार्थ और संबंध के लिए शादी करने की योजना की निंदा नहीं की है। जब मुझे पहली बार पता चला कि उनका ऐसा इरादा है तो मुझे आश्चर्य हुआ: मैंने सोचा था कि वह पत्नी के चुनाव में इतने सामान्य कारणों से प्रभावित होने वाले व्यक्ति नहीं होंगे; लेकिन जैसे-जैसे मैंने दोनों पक्षों की स्थिति, शिक्षा आदि पर विचार किया, मेरा यह विश्वास कम होता गया।

जेन आयर 175: मुझे लगा कि बचपन से ही उनमें समाहित विचारों और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करने के लिए उन्हें या मिस इंग्राम को दोषी ठहराना और उनकी आलोचना करना उचित था। उनके वर्ग के सभी लोग इन सिद्धांतों को मानते थे: इसलिए, मुझे लगता था कि उनके पास इन्हें मानने के कुछ ऐसे कारण होंगे जिन्हें मैं समझ नहीं सकती थी। मुझे ऐसा लगा कि यदि मैं उनके जैसा सज्जन होता, तो मैं केवल ऐसी पत्नी को ही अपनाता जिससे मैं प्रेम कर सकूँ; लेकिन इस योजना से पति की खुशी को मिलने वाले स्पष्ट लाभों ने मुझे आश्वस्त कर दिया कि इसके सामान्य रूप से अपनाने के विरुद्ध कुछ तर्क अवश्य होंगे जिनसे मैं पूरी तरह अनभिज्ञ थी: अन्यथा मुझे पूरा विश्वास था कि सारा संसार मेरी इच्छा के अनुसार ही कार्य करेगा। लेकिन अन्य मामलों में भी, मैं अपने स्वामी के प्रति बहुत उदार होती जा रही थी: मैं उनकी उन सभी कमियों को भूल रही थी, जिन पर मैंने कभी कड़ी नज़र रखी थी। पहले मेरा प्रयास उनके चरित्र के सभी पहलुओं का अध्ययन करना था: अच्छाई के साथ-साथ बुराई को भी समझना; और दोनों का उचित मूल्यांकन करके एक निष्पक्ष निर्णय लेना। अब मुझे कुछ भी बुरा नहीं दिख रहा था। वो व्यंग्य जिसने मुझे पहले विकर्षित किया था, वो कठोरता जिसने मुझे चौंका दिया था, अब किसी उत्तम व्यंजन में तीखे मसालों की तरह थे: उनकी उपस्थिति तीखी थी, लेकिन उनकी अनुपस्थिति तुलनात्मक रूप से फीकी लगती। और उस अस्पष्ट भाव की बात करें—क्या वह भयावह था या दुखद, कोई षडयंत्रकारी या निराशाजनक अभिव्यक्ति?—जो एक सतर्क प्रेक्षक की आँखों में कभी-कभार प्रकट होता था, और फिर उसके आंशिक रूप से प्रकट हुए विचित्र गहरे भाव को समझने से पहले ही बंद हो जाता था; वह भाव जो मुझे भयभीत और सहमने कर देता था, मानो मैं ज्वालामुखी जैसी दिखने वाली

पहाड़ियों के बीच भटक रहा हूँ और अचानक ज़मीन काँप उठी हो और उसमें दरार दिखाई दी हो: वह भाव, मैं अब भी, समय-समय पर, देखता था; धड़कते दिल से, लेकिन भयभीत नसों से नहीं। उससे बचने की इच्छा के बजाय, मैं केवल उसे जानने का साहस करना चाहता था; और मुझे मिस इंग्राम खुश लग रही थीं, क्योंकि एक दिन वह अपने खाली समय में उस अथाह गहराई में झाँक सकती थीं, उसके रहस्यों का पता लगा सकती थीं और उनके स्वरूप का विश्लेषण कर सकती थीं। इस बीच, जब मैं सिर्फ अपने मालिक और उनकी होने वाली दुल्हन के बारे में सोच रही थी—सिर्फ उन्हें देख रही थी, सिर्फ उनकी बातें सुन रही थी और सिर्फ उनकी महत्वपूर्ण गतिविधियों पर ध्यान दे रही थी—बाकी लोग अपने-अपने शौक और सुख-सुविधाओं में मग्न थे। लेडीज़ लिन और इंग्राम गंभीर चर्चाओं में मशगूल थीं, जहाँ वे एक-दूसरे को अपनी दो पगड़ियाँ हिलाकर अभिवादन करती थीं और अपने चारों हाथ आश्चर्य, रहस्य या भय के भावों में उठाती थीं, जैसे कि दो बड़ी कठपुतलियाँ हों। सौम्य स्वभाव वाली श्रीमती डेंट, मिलनसार श्रीमती एश्टन से बातें कर रही थीं; और दोनों कभी-कभी एक-दूसरे को शिष्टाचार भरे शब्द या मुस्कान देती थीं।

176 जेन आयर सेमी ईएस एसआर ए ऑन मी। सर जॉर्ज लिन, कर्नल डेंट और मिस्टर एश्टन राजनीति, काउंटी मामलों या न्याय संबंधी मामलों पर चर्चा कर रहे थे। लॉर्ड इंग्राम एमी एश्टन के साथ इश्कबाजी कर रहे थे; लुईसा मिस्टर लिन में से एक के साथ खेलती-गाती और गाती थीं; और मैरी इंग्राम दूसरे के जोशीले भाषणों को सुस्ती से सुन रही थीं। कभी-कभी सभी, मानो एकमत से, अपने मनोरंजन को रोककर मुख्य पात्रों को देखने और सुनने लगते थे: क्योंकि आखिरकार, मिस्टर रोचेस्टर और उनसे घनिष्ठ रूप से जुड़े होने के कारण मिस इंग्राम ही पार्टी की जान थे। यदि वे एक घंटे के लिए कमरे से बाहर चले जाते, तो उनके मेहमानों के मन में एक उदासी छा जाती; और उनके वापस आने से बातचीत में नई जान आ जाती। उनकी जीवंतता की कमी एक दिन विशेष रूप से महसूस की गई जब उन्हें काम के सिलसिले में मिलकोट बुलाया गया था और उनके देर से लौटने की संभावना नहीं थी। दोपहर का समय बारिश से भरा था: हे के आगे एक मैदान में हाल ही में बने जिप्सी शिविर को देखने के लिए दल द्वारा प्रस्तावित सैर को टाल दिया गया। कुछ सज्जन अस्तबल में गए हुए थे: युवा सज्जन और युवा महिलाएं बिलियर्ड रूम में बिलियर्ड्स खेल रहे थे। विधवा इंग्राम और लिन ताश के एक शांत खेल में सुकून ढूंढ रही थीं। श्रीमती डेंट और

श्रीमती एश्टन द्वारा बातचीत में शामिल करने के प्रयासों को घमंडी चुप्पी से ठुकराने के बाद, ब्लैंच इंग्राम ने पहले पियानो पर कुछ भावुक धुनें गुनगुनाईं, और फिर पुस्तकालय से एक उपन्यास लाकर, सोफे पर घमंडी उदासीनता के साथ लेट गईं, और कल्पना के जादू से अनुपस्थिति के उबाऊ घंटों को गुजारने की तैयारी करने लगीं। कमरा और घर शांत थे: केवल कभी-कभार ऊपर से बिलियर्ड्स खेलने वालों की हंसी सुनाई देती थी। शाम ढलने ही वाली थी और घड़ी ने खाने के लिए तैयार होने का समय बता दिया था, तभी ड्राइंग रूम की खिड़की के पास मेरे बगल में बैठी छोटी एडेल अचानक चिल्लाई— 'वाह, मिस्टर रोचेस्टर, कौन लौट आया!' मैं मुड़ी और मिस इंग्राम अपने सोफे से झट से आगे बढ़ीं: बाकी लोग भी अपने-अपने काम छोड़कर देखने लगे; क्योंकि उसी समय पहियों की चरमराहट और घोड़ों के खुरों की छप-छप की आवाज़ गीली बजरी पर सुनाई दी। एक घोड़ागाड़ी आ रही थी। 'वह इस तरह घर क्यों आया है?' मिस इंग्राम ने कहा। 'वह मेसरूर (काला घोड़ा) पर सवार होकर गया था, है ना? और पायलट उसके साथ था:—उसने जानवरों को क्या कर दिया है?'

जेन आयर io hy eS जैसे ही उसने यह कहा, वह अपने लंबे कद और भारी वस्त्रों के साथ खिड़की के इतने करीब आ गई कि मुझे अपनी रीढ़ की हड्डी में लगभग दर्द होने तक पीछे झुकना पड़ा: अपनी जल्दबाजी में उसने पहले तो मेरी तरफ ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब उसने देखा, तो उसने अपने होंठ सिकोड़े और दूसरी खिड़की की ओर बढ़ गई। गाड़ी रुकी; ड्राइवर ने घंटी बजाई, और यात्रा के वस्त्र पहने एक सज्जन उतरे; लेकिन वह मिस्टर रोचेस्टर नहीं थे; वह एक लंबा, फैशनेबल दिखने वाला आदमी था, एक अजनबी। 'कितना उत्तेजक!' मिस इंग्राम चिल्लाईं: 'तुम थकाऊ बंदर!' (एडेल को संबोधित करते हुए), 'तुम्हें खिड़की पर झूठी सूचना देने के लिए किसने बिठाया?' और उन्होंने मुझे गुस्से से देखा, मानो गलती मेरी हो। हॉल में कुछ बातचीत सुनाई दी, और जल्द ही नया व्यक्ति अंदर आया। उसने लेडी इंग्राम को प्रणाम किया, क्योंकि वह उन्हें उपस्थित सबसे वरिष्ठ महिला मान रहा था। "लगता है मैं गलत समय पर आया हूँ, महोदया," उन्होंने कहा, "जब मेरे मित्र श्री रोचेस्टर घर से बाहर हैं; लेकिन मैं एक लंबी यात्रा से आया हूँ, और मुझे लगता है कि मैं पुराने और घनिष्ठ परिचय का लाभ उठाकर उनके लौटने तक यहीं ठहर सकता हूँ।" उनका व्यवहार विनम्र था; बोलने का उनका लहजा मुझे कुछ असामान्य लगा—पूरी तरह से विदेशी

तो नहीं, लेकिन फिर भी पूरी तरह से अंग्रेज़ भी नहीं: उनकी उम्र श्री रोचेस्टर के लगभग बराबर—तीस से चालीस के बीच रही होगी; उनका रंग काफी पीला था: वैसे तो पहली नज़र में वे देखने में अच्छे लग रहे थे। लेकिन गौर से देखने पर उनके चेहरे में कुछ ऐसा दिखा जो अप्रिय था, या यूँ कहें कि मन को भाता नहीं था। उनके चेहरे की बनावट नियमित थी, लेकिन कुछ हद तक शिथिल थी: उनकी आँखें बड़ी और तराशी हुई थीं, लेकिन उनमें झलकती हुई जीवंतता एक नीरस, खालीपन भरी जीवंतता थी—कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगा। ड्रेसिंग-बेल की आवाज़ से सभी लोग चले गए। खाना खाने के बाद ही मैंने उन्हें दोबारा देखा: तब वे काफी सहज लग रहे थे। लेकिन मुझे उसका चेहरा पहले से भी कम पसंद आया: वह मुझे एक ही समय में बेचैन और निर्जीव सा लगा। उसकी आँखें इधर-उधर भटकती रहीं, और उनके भटकने का कोई अर्थ नहीं था: इससे उसका रूप अजीब सा हो गया, जैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा था। एक सुंदर और दिखने में आकर्षक व्यक्ति होने के बावजूद, वह मुझे बेहद अरुचिकर लगा: उस चिकनी त्वचा वाले, अंडाकार चेहरे में कोई शक्ति नहीं थी; उस बाज जैसी नाक और छोटे चेरी जैसे होंठों में कोई दृढ़ता नहीं थी; उसके नीचे झुके, समतल माथे पर कोई विचार नहीं था; उसकी खाली, भूरी आँखों में कोई आदेश नहीं था। जब मैं अपने पसंदीदा कोने में बैठा था, और मेंटलपीस पर लगे जिरांडोल की रोशनी उस पर पूरी तरह पड़ रही थी, तब मैंने उसे देखा—

178 जेन आयर ic van i aL gl Fa Oa ee क्योंकि वह आग के पास खींची हुई एक कुर्सी पर बैठा था, और जैसे ठंड लग रही हो, वह और भी पास सरकता जा रहा था—मैंने उसकी तुलना मिस्टर रोचेस्टर से की। मुझे लगता है (आदरपूर्वक कहा जाए तो) एक चिकने हंस और एक भयंकर बाज़ के बीच, एक शांत भेड़ और उसके रक्षक, खुरदुरे बालों वाले तेज़ नज़र वाले कुत्ते के बीच इससे बड़ा अंतर नहीं हो सकता। उसने मिस्टर रोचेस्टर के बारे में एक पुराने दोस्त के रूप में बात की थी। उनकी दोस्ती एक विचित्र दोस्ती रही होगी: वास्तव में, यह पुरानी कहावत का एक सटीक उदाहरण है कि 'चरमपंथी मिलते हैं।' दो-तीन सज्जन उसके पास बैठे थे, और मैं कभी-कभी कमरे के उस पार उनकी बातचीत के कुछ अंश सुन पाता था। पहले तो मुझे जो सुनाई दिया, वह ठीक से समझ नहीं आया; क्योंकि मेरे पास बैठी लुईसा एश्टन और मैरी इंग्राम की बातचीत ने बीच-बीच में मुझ तक पहुँचने वाले अधूरे वाक्यों को उलझा दिया था। ये दोनों अजनबी के बारे में चर्चा कर रही थीं; दोनों ने उन्हें ‘एक खूबसूरत आदमी’ कहा।

लुइसा ने कहा कि वह 'प्यार का प्रतीक' थे और वह उनसे 'बहुत प्यार करती थीं'; और मैरी ने उनके "सुंदर छोटे मुंह और प्यारी नाक" का उदाहरण देते हुए उन्हें आकर्षक व्यक्तित्व का आदर्श बताया। "और उनका माथा कितना सौम्य है!" लुईसा चिल्लाई, "—"कितना चिकना—उन झुर्रियों का कोई निशान नहीं जो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं; और उनकी आंखें और मुस्कान कितनी शांत हैं!" फिर, मुझे बड़ी राहत मिली जब श्री हेनरी लिन ने उन्हें कमरे के दूसरी तरफ बुलाया, ताकि हे कॉमन की स्थगित यात्रा के बारे में कुछ तय किया जा सके। अब मैं आग के पास बैठे समूह पर ध्यान केंद्रित कर सकी, और मुझे तुरंत पता चला कि नए आने वाले का नाम श्री मेसन था; फिर मुझे पता चला कि वह अभी-अभी इंग्लैंड आए थे, और किसी गर्म देश से आए थे: यही कारण था, शायद, कि उनका चेहरा इतना पीला था, और वह चूल्हे के इतने पास बैठते थे, और घर में ओवरकोट पहनते थे। जल्द ही जमैका, किंग्स्टन, स्पैनिश टाउन शब्दों से पता चला कि वह वेस्ट इंडीज में रहते थे; और मुझे यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि उन्होंने श्री रोचेस्टर को सबसे पहले वहीं देखा और उनसे परिचित हुए थे। उन्होंने अपने मित्र की उस क्षेत्र की भीषण गर्मी, तूफानों और बरसात के मौसम के प्रति नापसंदगी के बारे में बताया। मुझे पता था कि श्री रोचेस्टर एक घुमंतू व्यक्ति थे: श्रीमती फेयरफैक्स ने ऐसा कहा था; लेकिन मुझे लगता था कि यूरोप महाद्वीप ही उनकी यात्राओं की सीमा थी; अब तक मैंने दूर-दराज के तटों की यात्राओं के बारे में कोई संकेत नहीं सुना था। मैं इन बातों पर विचार कर रहा था, तभी एक घटना, और वह भी कुछ हद तक अप्रत्याशित, ने मेरे विचारों को भंग कर दिया। श्री मेसन, किसी के दरवाजा खोलने पर कांपते हुए, आग में और कोयला डालने के लिए कहने लगे, जिसकी लौ बुझ चुकी थी, हालांकि राख का ढेर अभी भी गर्म और लाल चमक रहा था।

जेन आयर 179 एसएसएस eemesenemeeeemreeee eee कोयला लाने वाला नौकर बाहर जाते समय मिस्टर एश्टन की कुर्सी के पास रुका और धीमी आवाज़ में उनसे कुछ कहा, जिसमें से मैंने केवल ये शब्द सुने, 'बुढ़िया,' - 'काफी परेशान करने वाली।' मजिस्ट्रेट ने जवाब दिया, "उसे कहो कि अगर वह खुद नहीं हटी तो उसे हथकड़ी में डाल दिया जाएगा।" कर्नल डेंट ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "नहीं - रुको! एश्टन, उसे मत भेजो; हम इस मामले का फायदा उठा सकते हैं; बेहतर होगा कि महिलाओं से सलाह लें।" और ज़ोर से बोलते हुए उन्होंने आगे कहा - "महिलाओं,

आपने जिप्सी शिविर में जाने के लिए हे कॉमन जाने की बात की थी; सैम यहाँ कहता है कि एक बूढ़ी मदर बंचे इस समय नौकरों के हॉल में है और 'कुलीन' के सामने लाए जाने पर ज़ोर दे रही है, ताकि वह उनका भविष्य बता सके। क्या आप उससे मिलना चाहेंगी?" लेडी इंग्राम चिल्लाईं, "ज़रूर, कर्नल, आप ऐसी नीच हरकत को बढ़ावा नहीं देंगे।" 'धोखेबाज़? उसे तुरंत निकाल दो!' 'लेकिन मैं उसे जाने के लिए मना नहीं पा रहा हूँ, महाराज,' नौकर ने कहा; 'न ही कोई नौकर मना पा रहा है: श्रीमती फेयरफैक्स अभी उसके साथ हैं, उससे जाने की विनती कर रही हैं; लेकिन वह चिमनी के कोने में एक कुर्सी पर बैठ गई है, और कहती है कि जब तक उसे अंदर आने की अनुमति नहीं मिल जाती, तब तक वह वहाँ से नहीं उठेगी।' "वह क्या चाहती है?" श्रीमती एश्टन ने पूछा। "कुलीन वर्ग को उनका भविष्य बताने के लिए," वह कहती है, महोदया; और वह कसम खाती है कि वह ऐसा करेगी ही।' "वह कैसी है?" मिस एश्टन ने एक ही सांस में पूछा। "बेहद बदसूरत बूढ़ी औरत, महोदया; लगभग काली।" "अरे वाह, वह तो सचमुच जादूगरनी है!" फ्रेडरिक लिन चिल्लाया। "उसे बुला लेते हैं, बिल्कुल।" "बिल्कुल," उसके भाई ने जवाब दिया; "मज़े का ऐसा मौका गँवाना बहुत दुख की बात होगी।" "मेरे प्यारे बच्चों, तुम क्या सोच रहे हो?" श्रीमती लिन ने कहा। "मैं इस तरह की किसी भी असंगत कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं कर सकती," डॉवेजर इंग्राम ने कहा। "जी हां, मां, लेकिन आप कर सकती हैं—और करेंगी," ब्लैंच की घमंडी आवाज़ आई, जैसे ही वह पियानो की कुर्सी पर घूमी; जहां वह अब तक चुपचाप बैठी थी, मानो संगीत की कई शीटों को देख रही हो। "मुझे अपना भविष्य जानने की उत्सुकता है: इसलिए, सैम, आदेश दो।" 'मेरी प्यारी ब्लैंच! याद करो——' 'हाँ—मुझे सब याद है जो तुम बता सकती हो; और मुझे अपनी इच्छा पूरी करनी है—जल्दी करो, सैम!'

180 जेन आयर ईटी 'हाँ—हाँ—हाँ!' सभी किशोर, महिलाएँ और पुरुष, चिल्लाए। 'उसे आने दो—यह बहुत मज़ेदार होगा!' नौकर अभी भी रुका हुआ था। 'वह बहुत ही कठोर दिखती है,' उसने कहा। 'जाओ!' मिस इंग्राम ने कहा, और वह आदमी चला गया। तुरंत ही पूरे समूह में उत्साह छा गया: हंसी-मज़ाक और चुटकुलों की गहमागहमी चल रही थी जब सैम लौटा। 'वह अभी नहीं आएगी,' उसने कहा। 'वह कहती है कि "आम लोगों" (उसके अपने शब्द) के सामने आना उसका कर्तव्य नहीं है। मुझे उसे अकेले एक कमरे में ले जाना होगा, और फिर जो लोग उससे सलाह लेना

चाहते हैं उन्हें एक-एक करके उसके पास जाना होगा।' 'देखो अब, मेरी रानी ब्लैंच,' लेडी इंग्राम ने कहना शुरू किया, 'वह अतिक्रमण कर रही है।' मेरी प्यारी बच्ची, ध्यान रहे—और—' 'बेशक, उसे पुस्तकालय में ले चलो,' उस 'प्यारी बच्ची' ने बीच में टोकते हुए कहा, 'आम लोगों के सामने उसकी बात सुनना मेरा काम नहीं है: मैं उसे पूरी तरह से अपने पास रखना चाहता हूँ। क्या पुस्तकालय में आग लगी है?' 'जी महोदया—लेकिन वह बहुत ही भद्दी लग रही है।' 'बकवास बंद करो, मूर्ख! और मेरी बात मानो।' सैम फिर से गायब हो गया; और रहस्य, उत्साह, उम्मीद एक बार फिर पूरे जोश में आ गई। 'वह अब तैयार है,' नौकर ने फिर से प्रकट होते हुए कहा। 'वह जानना चाहती है कि उसका पहला आगंतुक कौन होगा।' 'मुझे लगता है कि महिलाओं के जाने से पहले मुझे उससे मिल लेना चाहिए,' कर्नल डेंट ने कहा। 'उसे बताओ, सैम, कि एक सज्जन आ रहे हैं।' सैम गया और वापस आया। 'वह कहती है, महोदय, कि वह किसी सज्जन को नहीं चाहती; उन्हें उसके पास आने की ज़हमत उठाने की ज़रूरत नहीं है; और,' उसने बड़ी मुश्किल से अपनी हंसी रोकते हुए कहा, 'यहाँ कोई महिला भी नहीं है, सिवाय युवा और अविवाहित महिलाओं के।' 'वाह, उसका स्वाद तो कमाल का है!' हेनरी लिन ने कहा। मिस इंग्राम गंभीर मुद्रा में उठीं: 'मैं पहले जाती हूँ,' उन्होंने ऐसे स्वर में कहा जैसे कोई हताश सेनापति अपने सैनिकों के अग्रिम मोर्चे पर आगे बढ़ रहा हो। 'ओह, मेरी सबसे प्यारी! ओह, मेरी सबसे प्रिय! रुको—सोचो!' उनकी माँ ने पुकारा; लेकिन वह गरिमापूर्ण मौन में उनके पास से गुज़र गईं, कर्नल डेंट द्वारा खुले रखे गए दरवाजे से अंदर गईं, और हमने उन्हें पुस्तकालय में प्रवेश करते सुना। कुछ देर सन्नाटा छा गया। लेडी इंग्राम ने सोचा कि हाथ मलना उचित होगा: और उन्होंने ऐसा ही किया। मिस मैरी ने कहा कि उन्हें लगता है कि वह कभी भी ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकतीं। एमी और लुईसा एश्टन दबी आवाज़ में हँसीं, और थोड़ी डरी हुई लग रही थीं।

जेन आयर 181 पोन ई एन्स ए आरएन आई आरआर मिनट बहुत धीरे-धीरे बीत रहे थे: पुस्तकालय का दरवाजा दोबारा खुलने से पहले पंद्रह मिनट गिने गए। मिस इंग्राम मेहराब से होकर हमारे पास लौटीं। क्या वह हँसेंगी? क्या वह इसे मजाक समझेंगी? सभी की निगाहें उत्सुकता भरी नज़रों से उन पर पड़ीं, और उन्होंने सभी निगाहों को तिरस्कार और शीतलता भरी निगाहों से देखा; वह न तो घबराई हुई लग रही थीं और न ही खुश: वह अकड़कर अपनी सीट पर गईं और चुपचाप बैठ गईं। 'तो, ब्लैंच?' लॉर्ड

इंग्राम ने कहा। 'उन्होंने क्या कहा, बहन?' मैरी ने पूछा। 'आपने क्या सोचा? आपको कैसा लग रहा है? क्या वह सचमुच ज्योतिषी हैं?' मिस एश्टन ने पूछा। 'अब, अब, भले लोग,' मिस इंग्राम ने जवाब दिया, 'मुझ पर दबाव मत डालो।' सचमुच, आपकी जिज्ञासा और अंधविश्वास की भावनाएँ आसानी से उत्तेजित हो जाती हैं: आप सभी—मेरी प्यारी माँ सहित—इस मामले को जो महत्व दे रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि आप पूरी तरह से मानते हैं कि हमारे घर में सचमुच एक चुड़ैल है, जो उस बूढ़े सज्जन के साथ घनिष्ठ रूप से मिलीभगत कर रही है। मैंने एक खानाबदोश आवारा को देखा है; उसने पुराने ढंग से हस्तरेखा शास्त्र का अभ्यास किया और मुझे वही बताया जो ऐसे लोग आमतौर पर बताते हैं। मेरी इच्छा पूरी हो गई है; और अब मुझे लगता है कि श्री एश्टन को कल सुबह उस चुड़ैल को हथकड़ी में डाल देना चाहिए, जैसा कि उन्होंने धमकी दी थी।' मिस इंग्राम ने एक किताब उठाई, अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गईं, और आगे बातचीत करने से इनकार कर दिया। मैंने उन्हें लगभग आधे घंटे तक देखा: उस पूरे समय में उन्होंने एक भी पन्ना नहीं पलटा, और उनका चेहरा पल-पल और अधिक उदास, असंतुष्ट और निराशा से भरा होता चला गया। ज़ाहिर तौर पर उसने अपने फ़ायदे की कोई बात नहीं सुनी थी: और उसकी लंबे समय तक छाई उदासी और चुप्पी से मुझे ऐसा लगा कि अपनी कथित उदासीनता के बावजूद, वह खुद भी उसे बताई गई हर बात को ज़रूरत से ज़्यादा अहमियत दे रही थी। इसी बीच, मैरी इंग्राम, एमी और लुईसा एश्टन ने कहा कि वे अकेले जाने की हिम्मत नहीं कर सकतीं; फिर भी वे सभी जाना चाहती थीं। राजदूत सैम के ज़रिए बातचीत शुरू हुई; और काफ़ी देर इधर-उधर घूमने के बाद, मुझे लगता है कि सैम की पिंडलियाँ कसरत से दुखने लगी होंगी, आख़िरकार बड़ी मुश्किल से सख्त सिबिल से तीनों को एक साथ उससे मिलने की इजाज़त मिल गई। उनकी मुलाक़ात मिस इंग्राम की मुलाक़ात जितनी शांत नहीं थी: हमें पुस्तकालय से ज़ोर-ज़ोर से हँसने और चीखने की आवाज़ें सुनाई दीं; और लगभग बीस मिनट बाद वे दरवाज़ा खोलकर हॉल में दौड़ती हुई आईं, मानो वे बुरी तरह डर गई हों। 'मुझे यकीन है कि वह कुछ गड़बड़ है!' वे सब एक साथ चिल्लाए। 'उसने हमें ऐसी बातें बताईं! वह हमारे बारे में सब जानती है!' और

 वे उन विभिन्न कुर्सियों पर हांफते हुए बैठ गए जिन्हें सज्जनों ने जल्दी से उनके लिए लाया था। आगे स्पष्टीकरण के लिए दबाव डालने पर, उन्होंने बताया कि उसने उन्हें उन बातों और कार्यों के बारे में बताया था जो उन्होंने

बचपन में कहे और किए थे; उनके घर के कमरों में रखी किताबों और आभूषणों का वर्णन किया: वे स्मृति चिन्ह जो विभिन्न रिश्तेदारों ने उन्हें भेंट किए थे। उन्होंने पुष्टि की कि उसने उनके मन की बात भी जान ली थी, और प्रत्येक के कान में उस व्यक्ति का नाम फुसफुसाया था जिसे वे दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद करते थे, और उन्हें बताया था कि वे सबसे ज्यादा क्या चाहते हैं। यहाँ सज्जनों ने इन दोनों अंतिम बिंदुओं पर और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए गंभीर निवेदन किया; लेकिन उनकी इस विनती के बदले उन्हें केवल शर्मिंदगी, सिसकियाँ, कंपकंपी और हल्की हंसी ही मिली। इस बीच, महिलाओं ने सिरका पेश किया और पंखे चलाए; और बार-बार अपनी चिंता व्यक्त की कि उनकी चेतावनी पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया; बड़े सज्जन हँसे, और छोटे सज्जन उत्तेजित सुंदरियों को अपनी सेवाएँ देने लगे। उस शोरगुल के बीच, और जब मेरी आँखें और कान पूरी तरह से मेरे सामने के दृश्य में मग्न थे, तभी मुझे अपनी कोहनी के पास किसी के टाँगने की आहट सुनाई दी: मैं मुड़ी, और सैम को देखा। 'अगर आप चाहें, मैडम, जिप्सी कह रही है कि कमरे में एक और अविवाहित युवती है जो अभी तक उसके पास नहीं गई है, और वह कसम खा रही है कि जब तक वह सब कुछ नहीं देख लेगी, तब तक नहीं जाएगी। मुझे लगा कि यह आप ही होंगी: इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं है। मैं उसे क्या बताऊँ?' 'ओह, मैं ज़रूर जाऊँगी,' मैंने उत्तर दिया: और अपनी अत्यधिक उत्तेजित जिज्ञासा को शांत करने के इस अप्रत्याशित अवसर से मैं खुश थी। मैं किसी की नज़र में आए बिना कमरे से बाहर निकल गई—क्योंकि सभी लोग काँपते हुए तीनों के चारों ओर एक झुंड में जमा हो गए थे जो अभी-अभी लौटे थे—और मैंने चुपचाप अपने पीछे दरवाजा बंद कर दिया। 'अगर आप चाहें, मैडम,' सैम ने कहा, 'मैं हॉल में आपका इंतज़ार करूँगा; और अगर वो तुम्हें डरा दे, तो बस बुला लेना, मैं आ जाऊँगी।' 'नहीं, सैम, रसोई में वापस जाओ: मुझे ज़रा भी डर नहीं है।' मुझे भी डर नहीं था; लेकिन मैं काफ़ी उत्सुक और उत्साहित थी। अध्याय XIX जब मैं पुस्तकालय में दाखिल हुई, तो वह काफ़ी शांत लग रहा था, और सिबिल—अगर वो सिबिल थी—चिमनी के कोने पर एक आरामकुर्सी में बड़े आराम से बैठी थी। उसने एक लाल लबादा और एक काली टोपी पहन रखी थी: या यूँ कहें, एक चौड़ी किनारी वाली जिप्सी टोपी, जो बंधी हुई थी।

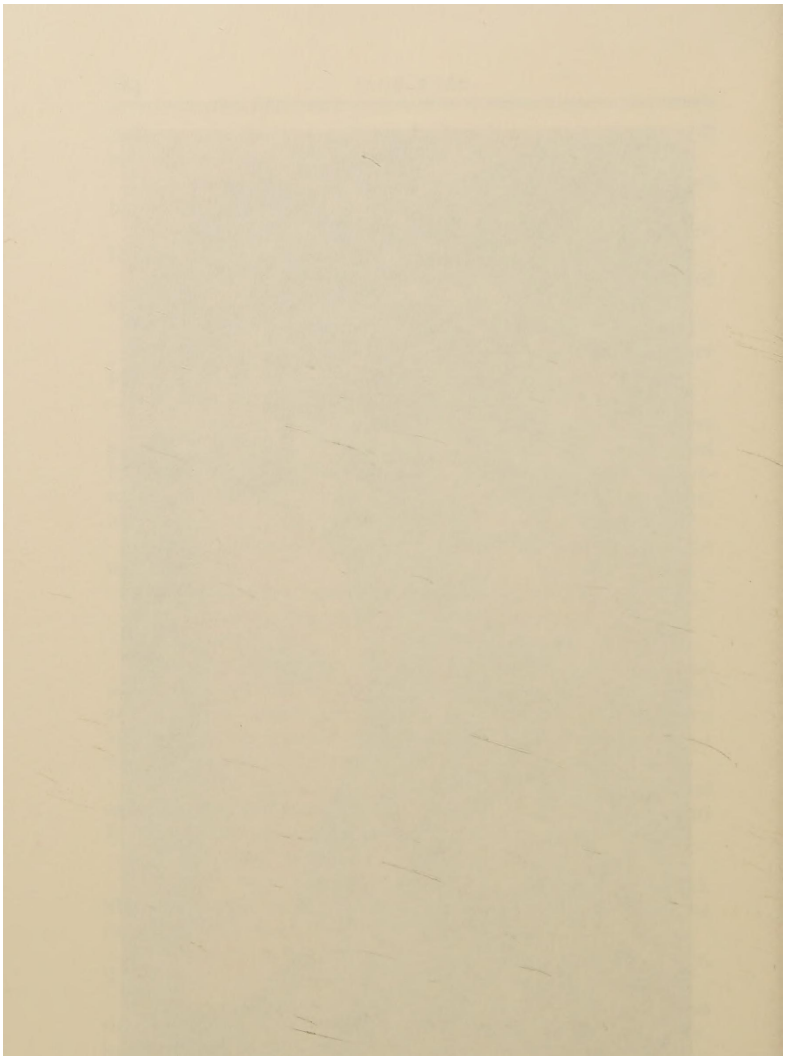
 एसए एम ई ए अपनी ठुड्डी के नीचे एक धारीदार रूमाल रखे हुए थी। मेज पर एक बुझी हुई मोमबत्ती रखी थी; वह आग के ऊपर झुकी हुई थी और जलती

हुई लौ की रोशनी में किसी छोटी काली किताब, जैसे कोई प्रार्थना-पुस्तक हो, पढ़ रही थी: वह पढ़ते समय अपने आप से कुछ बुदबुदा रही थी, जैसा कि ज्यादातर बूढ़ी औरतें करती हैं; मेरे आने पर भी उसने पढ़ना बंद नहीं किया: ऐसा लग रहा था कि वह एक पैराग्राफ पूरा करना चाहती थी। मैं कालीन पर खड़ा हो गया और अपने हाथों को गर्म किया, जो ड्राइंग रूम की आग से दूर बैठने के कारण थोड़े ठंडे हो गए थे। अब मैं अपने जीवन में पहले से कहीं अधिक शांत महसूस कर रहा था: जिप्सी के रूप में वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं था जो मेरी शांति भंग कर सके। उसने अपनी किताब बंद की और धीरे से ऊपर देखा; उसकी टोपी का किनारा उसके चेहरे को आंशिक रूप से ढक रहा था, फिर भी जैसे ही उसने अपना चेहरा उठाया, मैं देख सका कि वह एक अजीब चेहरा था। उसका चेहरा भूरा और काला था: उसकी ठुड्डी के नीचे से गुज़रती हुई सफ़ेद पट्टी के नीचे से परियों की लटें निकली हुई थीं, जो उसके गालों, या यूँ कहें कि जबड़ों तक आ रही थीं: उसकी आँखें सीधे और बेबाक निगाहों से मेरी ओर देख रही थीं। 'अच्छा, तो तुम अपना भविष्य जानना चाहते हो?' उसने अपनी आवाज़ में उतनी ही दृढ़ता और कठोर भाव से कहा, जितनी उसकी निगाहें थीं। 'मुझे इसकी परवाह नहीं है, माँ; आप अपनी मर्ज़ी से जान सकती हैं: लेकिन मुझे आपको चेतावनी देनी चाहिए, मुझे विश्वास नहीं है।' 'ऐसा कहना तुम्हारी गुस्ताखी है: मुझे तुमसे यही उम्मीद थी; दहलीज पार करते ही तुम्हारे कदमों में मुझे यह सुनाई दिया।' 'सच में? तुम्हारी सुनने की शक्ति बहुत तेज़ है।' 'हाँ; और मेरी नज़रें और दिमाग भी तेज़ हैं।' 'तुम्हें अपने काम में इन सबकी ज़रूरत पड़ती है।' 'हाँ; खासकर जब मुझे तुम्हारे जैसे ग्राहकों से निपटना होता है।' तुम क्यों नहीं कांप रही हो?' 'मुझे ठंड नहीं लग रही।' 'तुम पीली क्यों नहीं पड़ रही?' 'मैं बीमार नहीं हूँ।' 'तुम मेरी कला से सलाह क्यों नहीं लेती?' 'मैं मूर्ख नहीं हूँ।' बूढ़ी औरत ने अपने सिर पर बंधी टोपी और पट्टी के नीचे दबी हुई हंसी को दबा लिया; फिर उसने एक छोटी काली पाइप निकाली और उसे जलाकर पीने लगी। कुछ देर इस सुकून देने वाली चीज़ का आनंद लेने के बाद, उसने अपना झुका हुआ शरीर उठाया, अपने होठों से पाइप हटाई और आग को टकटकी लगाए देखते हुए बड़े ही सजगता से कहा— 'तुम्हें ठंड लग रही है; तुम बीमार हो; और तुम मूर्ख हो।' 'इसे साबित करो,' मैंने जवाब दिया। 'मैं कुछ शब्दों में साबित कर दूँगी। तुम्हें ठंड लग रही है, क्योंकि तुम अकेली हो: कोई भी संपर्क तुम्हारे अंदर की आग को नहीं बुझा सकता। तुम बीमार हो; क्योंकि सबसे अच्छी भावना, मनुष्य को दी गई सबसे

ऊँची और सबसे मधुर भावना, तुमसे दूर रहती है। तुम मूर्ख हो, क्योंकि,
184 जेन आयर i OE a ia as Nh A 'तुम चाहे जितना भी कष्ट सह लो, तुम उसे अपने पास आने का न्योता नहीं दोगी, न ही उससे मिलने के लिए एक कदम भी बढ़ाओगी जहाँ वह तुम्हारा इंतज़ार कर रही है।' उसने फिर से अपना छोटा काला पाइप होठों से लगाया और जोश से धूम्रपान करने लगी। 'तुम यह सब लगभग किसी से भी कह सकती हो जिसे तुम जानती हो कि वह एक बड़े घर में एकाकी आश्रित के रूप में रहता है।' 'मैं यह लगभग किसी से भी कह सकती हूँ: लेकिन क्या यह लगभग हर किसी के लिए सच होगा?' 'मेरी परिस्थितियों में।' 'हाँ; बिल्कुल, तुम्हारी परिस्थितियों में: लेकिन मुझे तुम्हारे जैसी स्थिति वाला कोई दूसरा ढूंढ कर दिखाओ।' 'तुम्हें हज़ारों मिल जाएँगे।' 'मुझे शायद ही कोई मिले। अगर तुम जानती हो, तो तुम एक विशेष स्थिति में हो: खुशी के बहुत करीब; हाँ, उसकी पहुँच में। सारी सामग्री तैयार है; बस उन्हें मिलाने के लिए एक हलचल की ज़रूरत है। संयोग ने उन्हें थोड़ा अलग रखा है; एक बार उनके पास आ जाओ और आनंद मिल जाएगा।' 'मुझे पहेलियाँ समझ नहीं आतीं।' मैं जीवन भर पहेली नहीं सुलझा पाया।' 'अगर आप चाहते हैं कि मैं और स्पष्ट रूप से समझाऊं, तो मुझे अपनी हथेली दिखाइए।' 'और मुझे इसे चांदी से क्रॉस करना होगा, है ना?' "ज़रूर।" मैंने उसे एक शिलिंग दिया: उसने उसे अपनी जेब से निकाले एक पुराने मोज़े के निचले हिस्से में रखा, और उसे बांधकर वापस रख दिया, और मुझे अपना हाथ आगे बढ़ाने को कहा। मैंने किया। वह अपना चेहरा हथेली के पास ले गई, और बिना छुए उसे गौर से देखने लगी। 'यह बहुत बारीक है,' उसने कहा। 'मैं ऐसी हथेली को समझ नहीं पा रही; लगभग बिना रेखाओं वाली: वैसे भी, हथेली में क्या होता है? भाग्य वहां नहीं लिखा होता।' 'मैं आपकी बात मानता हूं,' मैंने कहा। 'नहीं,' उसने आगे कहा, 'यह चेहरे में होता है: माथे पर, आंखों के आसपास, आंखों में, मुंह की रेखाओं में। घुटने टेकें, और अपना सिर ऊपर उठाएं।' ; 'आह! अब आप वास्तविकता को समझने लगी हैं,' मैंने उसकी बात मानते हुए कहा। 'मैं आप पर थोड़ा भरोसा करना शुरू करूंगा।' अभी।' मैं उसके आधे गज की दूरी पर घुटनों के बल बैठ गया। उसने आग को हिलाया, जिससे सुलगते हुए कोयले से प्रकाश की एक लहर फूट पड़ी: लेकिन जैसे ही वह बैठी, उस चकाचौंध ने उसके चेहरे को और भी गहरे अंधेरे में डाल दिया: मेरा चेहरा रोशन हो गया। 'मुझे आश्चर्य है कि तुम आज रात किन भावनाओं के साथ मेरे पास आए हो,' उसने मुझे कुछ देर तक

देखने के बाद कहा। 'मुझे आश्चर्य है कि तुम्हारे दिल में क्या विचार चल रहे हैं, जब तुम उस कमरे में उन सुंदर लोगों के बीच घंटों बैठे रहते हो जो तुम्हारे सामने से गुजर रहे हैं।





जेन आयर 185, एसएसएस एर्नेरेeeee ईईई ईईई जादुई लालटेन में आकृतियाँ: आपके और उनके बीच उतना ही कम सहानुभूतिपूर्ण संवाद होता है मानो वे वास्तव में मानव रूपों की मात्र परछाइयाँ हों, न कि वास्तविक पदार्थ।' 'मैं अक्सर थका हुआ महसूस करता हूँ, कभी-कभी नींद आती है, लेकिन शायद ही कभी उदास होता हूँ।' "तो क्या आपके पास कोई गुप्त आशा है जो आपको भविष्य की फुसफुसाहटों से उत्साहित और प्रसन्न करती है?" 'नहीं। मेरी सबसे बड़ी आशा यही है कि मैं अपनी कमाई में से इतना पैसा बचा सकूँ कि एक दिन अपने किराए के एक छोटे से घर में

एक स्कूल खोल सकूँ।' 'आत्मा के लिए एक तुच्छ पोषण: और उस खिड़की वाली सीट पर बैठे रहना (आप देख रहे हैं कि मैं आपकी आदतें जानता हूँ)——' 'आपने उन्हें नौकरों से सीखा है।' 'आह! आप खुद को तेज समझते हैं। खैर, शायद मैं हूँ: सच कहूँ तो, मेरी उनमें से एक, श्रीमती पूल से जान-पहचान है—' नाम सुनते ही मैं चौंककर खड़ा हो गया। "आपकी—क्या आपकी?" मैंने सोचा मैंने कहा, 'तो फिर इस धंधे में भी कुछ न कुछ गड़बड़ है!' 'घबराइए मत,' उस अजनबी ने आगे कहा; 'श्रीमती पूल भरोसेमंद हैं: शांत और गंभीर; कोई भी उन पर भरोसा कर सकता है। लेकिन, जैसा कि मैं कह रहा था: उस खिड़की वाली सीट पर बैठे हुए, क्या आप अपने भविष्य के स्कूल के अलावा किसी और चीज़ के बारे में नहीं सोच रहे हैं? क्या आपको अपने सामने सोफे और कुर्सियों पर बैठे लोगों में कोई दिलचस्पी नहीं है? क्या कोई ऐसा चेहरा नहीं है जिसे आप निहारते हैं? कोई ऐसी आकृति नहीं है जिसकी हरकतों को आप कम से कम जिज्ञासा से देखते हों?' 'मुझे सभी चेहरों और सभी आकृतियों को देखना अच्छा लगता है।' 'लेकिन क्या आप कभी किसी एक को बाकियों से अलग नहीं करते—या शायद दो को?' 'मैं अक्सर ऐसा करता हूँ; जब किसी जोड़े के हाव-भाव या नज़रें कोई कहानी कहती हुई लगती हैं: उन्हें देखना मुझे अच्छा लगता है।' 'आपको कौन सी कहानी सुनना सबसे अच्छा लगता है?' 'ओह, मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं है! वे आम तौर पर एक ही विषय पर आधारित होती हैं—प्रेम प्रसंग; और एक ही दुखद अंत का वादा करती हैं—शादी।' 'और क्या आपको यह नीरस विषय पसंद है?' 'सच कहूँ तो, मुझे इसकी परवाह नहीं है: मेरे लिए इसका कोई महत्व नहीं है।' 'आपके लिए कोई महत्व नहीं? जब एक युवती, जो जवान, स्वस्थ और ऊर्जावान हो, अपनी सुंदरता से मनमोहक हो और रुतबे व धन-दौलत से संपन्न हो, किसी सज्जन के सामने बैठकर मुस्कुराती है, तो आप—' 'मैं क्या?' 'आप जानती हैं—और शायद उनके बारे में अच्छा सोचती भी हों।' 'मैं यहाँ मौजूद सज्जनों को नहीं जानती। मैंने उनसे मुश्किल से ही कभी बातचीत की है।'

186 जेन आयर: 'मैंने उनमें से एक के साथ एक शब्दांश बदला; और उनके बारे में अच्छा सोचने के लिए, मैं कुछ को सम्माननीय, गंभीर और अधेड़ उम्र का मानती हूँ, और दूसरों को युवा, जोशीला, सुंदर और जीवंत: लेकिन निश्चित रूप से वे सभी अपनी इच्छा अनुसार किसी की भी मुस्कान पाने के लिए स्वतंत्र हैं, और मुझे इस बात पर कोई विशेष ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।' 'आप यहाँ के सज्जनों को नहीं

जानतीं? आपने उनमें से किसी के साथ एक शब्द भी नहीं बोला? क्या आप घर के मालिक के बारे में ऐसा कहेंगी!' 'वह घर पर नहीं हैं।' 'एक गहरी टिप्पणी! एक बहुत ही चतुराई भरा तर्क! वह आज सुबह मिलकोट गए थे, और आज रात या कल वापस आ जाएँगे: क्या इस वजह से वह आपकी जान-पहचान की सूची से बाहर हो जाते हैं —मानो उनका अस्तित्व ही मिट जाता है?' 'नहीं; लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि श्री रोचेस्टर का आपके द्वारा उठाए गए विषय से क्या लेना-देना है।' 'मैं सज्जनों की आँखों में मुस्कुराती महिलाओं की बात कर रही थी; और हाल ही में श्री रोचेस्टर की आँखों में इतनी मुस्कानें बिखरी हैं कि वे दो भरे हुए प्यालों की तरह छलक रही हैं: क्या आपने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया?' 'श्री रोचेस्टर को अपने मेहमानों की संगति का आनंद लेने का अधिकार है।' 'उनके अधिकार पर कोई संदेह नहीं: लेकिन क्या आपने कभी गौर नहीं किया कि यहाँ विवाह के बारे में सुनाई जाने वाली सभी कहानियों में से, श्री रोचेस्टर को सबसे जीवंत और सबसे निरंतर कहानी मिली है?' 'एक श्रोता की उत्सुकता एक कथावाचक की जीभ को तेज कर देती है।' मैंने यह बात जिप्सी से अधिक स्वयं से कही, जिसकी अजीबोगरीब बातें, आवाज, व्यवहार ने मुझे इस समय तक एक प्रकार के सपने में लपेट लिया था। उसके होठों से एक के बाद एक अप्रत्याशित वाक्य निकलते रहे, जब तक कि मैं रहस्य के जाल में नहीं उलझ गया; और सोचने लगा कि कौन सी अदृश्य आत्मा हफ्तों से मेरे दिल के पास बैठकर उसकी धड़कनों को देख रही थी और हर धड़कन का हिसाब रख रही थी। 'एक श्रोता की उत्सुकता!' उसने दोहराया: 'हाँ; श्री रोचेस्टर घंटों बैठे रहे, उनका कान उन आकर्षक होठों की ओर झुका रहा जो संवाद करने में आनंदित थे; और श्री रोचेस्टर सुनने के लिए इतने उत्सुक थे और उन्हें दिए गए इस मनोरंजन के लिए इतने आभारी प्रतीत हो रहे थे; क्या आपने यह देखा है?" 'आभारी! मुझे उनके चेहरे पर कृतज्ञता दिखाई नहीं दी।' 'पहचान ली! तो आपने विश्लेषण किया है। और आपने कृतज्ञता के अलावा और क्या देखा?' मैंने कुछ नहीं कहा। "आपने प्रेम देखा है: है ना?—और आगे देखें तो, आपने उन्हें विवाहित देखा है, और उनकी दुल्हन को खुश देखा है?'

जेन आयर 18700 'हम्म! बिलकुल नहीं। तुम्हारी जादूगरनी की कला कभी-कभी थोड़ी गड़बड़ कर देती है।' "तो तुमने आखिर क्या देखा है?" "छोड़ो: मैं यहाँ पूछताछ करने आई हूँ, कबूल करने नहीं। क्या पता चला है कि मिस्टर रोचेस्टर की शादी होने वाली है?" 'हाँ; और खूबसूरत मिस इंग्राम से।' 'जल्द ही?' 'देखने से तो यही लगता है

कि यही होगा: और, इसमें कोई शक नहीं (हालाँकि, तुम जिस दुस्साहस से इस पर सवाल उठा रही हो, वह काफ़ी शर्मनाक है), वे एक बेहद खुशहाल जोड़ी बनेंगे। उन्हें ऐसी खूबसूरत, नेक, बुद्धिमान और गुणी महिला से ज़रूर प्यार होगा; और शायद वह भी उनसे प्यार करती हैं, या अगर उनके व्यक्तित्व से नहीं, तो कम से कम उनके धन-दौलत से। मुझे पता है कि वह रोचेस्टर की संपत्ति को बेहद उपयुक्त मानती हैं; हालाँकि (भगवान मुझे माफ़ करें!) मैंने उन्हें लगभग एक घंटे पहले इस बारे में कुछ ऐसा कहा था जिससे उनका चेहरा एकदम गंभीर हो गया: उनके होंठ आधे इंच नीचे झुक गए। मैं उनके धूर्त प्रेमी को सावधान रहने की सलाह दूँगी: अगर कोई दूसरा, ज़्यादा या ज़्यादा धन-दौलत लेकर आता है, तो—वह गया काम से—' 'लेकिन, माँ, मैं मिस्टर रोचेस्टर का भविष्य जानने नहीं आई थी: मैं अपना भविष्य जानने आई थी; और आपने मुझे इसके बारे में कुछ नहीं बताया।' "तुम्हारा भविष्य अभी भी अनिश्चित है: जब मैंने तुम्हारा चेहरा देखा, तो एक लक्षण विरोधाभासी लगा..." एक और। किस्मत ने तुम्हें कुछ सुख दिया है: यह मैं जानती हूँ। आज शाम यहाँ आने से पहले ही मुझे यह पता था। उसने इसे तुम्हारे लिए सावधानी से एक तरफ रख दिया है। मैंने उसे ऐसा करते देखा है। यह तुम पर निर्भर करता है कि तुम अपना हाथ बढ़ाओ और इसे उठा लो: लेकिन क्या तुम ऐसा करोगे, यही वह समस्या है जिसका मैं अध्ययन कर रही हूँ। कालीन पर फिर से घुटने टेक दो।' 'मुझे ज्यादा देर मत रोको; आग मुझे झुलसा रही है।' मैं घुटने टेक दी। वह मेरी ओर नहीं झुकी, बल्कि अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर देखती रही। वह बुदबुदाने लगी,— 'आँख में लौ टिमटिमा रही है; आँख ओस की तरह चमक रही है; यह कोमल और भावनाओं से भरी हुई दिखती है; यह मेरी बातों पर मुस्कुराती है; यह संवेदनशील है; इसके स्पष्ट क्षेत्र में एक के बाद एक छाप पड़ती है; जहाँ यह मुस्कुराना बंद कर देती है, वहाँ यह उदास हो जाती है; पलक पर एक अचेतन सुस्ती छा जाती है: यह अकेलेपन से उत्पन्न उदासी को दर्शाती है। यह मुझसे मुँह मोड़ लेती है; यह और अधिक जाँच-पड़ताल सहन नहीं करेगी; ऐसा लगता है मानो यह उपहास भरी नज़र से मेरी पहले से की गई खोजों की सच्चाई को नकार रहा हो, संवेदनशीलता और निराशा दोनों के आरोपों को अस्वीकार कर रहा हो: इसका अभिमान और संकोच केवल मेरे मत की पुष्टि करते हैं। आँख अनुकूल है। जहाँ तक मुँह की बात है, यह कभी-कभी हँसी में आनंदित होता है; यह मस्तिष्क में आने वाली हर बात को व्यक्त करने के लिए तत्पर रहता है; हालाँकि मैं कह सकता हूँ

188 जेन आयर एसएस हृदय के अनुभवों पर मौन रहना उचित है। गतिशील और लचीला होने के कारण, इसे कभी भी एकांत के शाश्वत मौन में सिमटने के लिए नहीं बनाया गया था; यह एक ऐसा मुख है जिसे बहुत बोलना चाहिए, अक्सर मुस्कुराना चाहिए और अपने वार्ताकार के प्रति मानवीय स्नेह रखना चाहिए। यह विशेषता भी शुभ है। 'मुझे सौभाग्यशाली परिणाम का एकमात्र शत्रु माथे में ही दिखाई देता है; और वह माथा कहता है, - "यदि आत्मसम्मान और परिस्थितियाँ मुझे ऐसा करने के लिए बाध्य करें, तो मैं अकेले रह सकता हूँ। मुझे आनंद खरीदने के लिए अपनी आत्मा बेचने की आवश्यकता नहीं है। मेरे भीतर एक जन्मजात खजाना है, जो मुझे जीवित रख सकता है यदि सभी बाहरी सुख रोक दिए जाएँ, या केवल ऐसी कीमत पर दिए जाएँ जिसे मैं वहन नहीं कर सकता।" माथे ने ऐलान किया, "'तर्क दृढ़ता से लगाम थामे बैठा है, और वह भावनाओं को बेकाबू होकर मुझे जंगली खाईयों में धकेलने नहीं देगा। वासनाएँ चाहे कितनी भी उग्र हों, जैसे कि वे सच्चे विधर्मी हों; और इच्छाएँ हर तरह की व्यर्थ कल्पनाएँ कर सकती हैं: लेकिन हर तर्क में अंतिम निर्णय और हर फैसले में निर्णायक शक्ति उसी की होगी। तेज हवा, भूकंप और आग चाहे गुजर जाएँ: लेकिन मैं उस शांत आवाज के मार्गदर्शन का पालन करूँगा जो अंतरात्मा की आवाज की व्याख्या करती है।' 'शाबाश, माथे; तुम्हारी घोषणा का सम्मान किया जाएगा। मैंने अपनी योजनाएँ बना ली हैं—मैं उन्हें सही योजनाएँ मानता हूँ—और उनमें मैंने अंतरात्मा की मांगों और तर्क की सलाहों का ध्यान रखा है। मैं जानता हूँ कि जवानी कितनी जल्दी मुरझा जाएगी और फूल नष्ट हो जाएँगे, अगर आनंद के प्याले में शर्म की एक बूंद भी या पश्चाताप का एक अंश भी मिल जाए; और मुझे त्याग, दुःख, विघटन नहीं चाहिए—ये मेरी पसंद नहीं हैं।' मैं पोषण करना चाहती हूँ, विनाश नहीं—कृतज्ञता अर्जित करना चाहती हूँ, रक्त के आँसू नहीं—नहीं, नमकीन आँसू भी नहीं: मेरी फसल मुस्कानों में, स्नेह में, मधुरता में होनी चाहिए—बस इतना ही काफी है। मुझे लगता है मैं एक प्रकार के अद्भुत उन्माद में हूँ। मैं इस क्षण को अनंत काल तक खींचना चाहती हूँ; लेकिन हिम्मत नहीं कर पा रही। अब तक मैंने स्वयं को पूरी तरह से नियंत्रित किया है। मैंने वही किया है जो मैंने मन ही मन कसम खाई थी; लेकिन आगे बढ़ना मेरी क्षमता से परे हो सकता है। उठो, मिस आयर: मुझे अकेला छोड़ दो; "नाटक समाप्त हो गया है।" मैं कहाँ थी? क्या मैं जाग रही थी या सो रही थी? क्या मैं सपना देख रही थी? क्या मैं अभी भी सपना देख रही थी? बूढ़ी औरत की आवाज़

बदल गई थी: उसका लहजा, उसका हावभाव, सब कुछ मुझे ऐसा लग रहा था जैसे शीशे में मेरा अपना चेहरा—जैसे मेरी अपनी ज़बान की बोली। मैं उठी, लेकिन गई नहीं। मैंने देखा; मैंने आग को हिलाया, और फिर देखा: लेकिन उसने अपनी टोपी और पट्टी को अपने चेहरे के चारों ओर और कसकर लपेट लिया, और फिर से मुझे जाने का इशारा किया। लौ की रोशनी ने उसके फैले हुए हाथ को रोशन कर दिया: अब सतर्क होकर और कुछ नया खोजने की उम्मीद में, मैंने तुरंत उस हाथ पर ध्यान दिया। वह अब पहले जैसा हाथ नहीं था।

जेन आयर 189 ईई मेरे अपने अंग से बड़ा एक अंग; यह एक गोल, लचीला अंग था, जिसकी उंगलियां चिकनी और समरूप थीं; छोटी उंगली पर एक चौड़ी अंगूठी चमक रही थी, और आगे झुककर मैंने उसे देखा, और मुझे एक ऐसा रत्न दिखाई दिया जिसे मैंने पहले सौ बार देखा था। मैंने फिर से चेहरे की ओर देखा; जो अब मुझसे दूर नहीं था— इसके विपरीत, टोपी उतरी हुई थी, पट्टी हटी हुई थी, सिर आगे बढ़ा हुआ था। “अच्छा, जेन, क्या तुम मुझे जानती हो?” जानी-पहचानी आवाज़ ने पूछा। “बस लाल चोगा उतार दो, महोदय, और फिर——” “लेकिन डोरी में गांठ लग गई है—मेरी मदद करो।” “इसे खोल दो, महोदय।” “ठीक है, फिर—“उतारो, उधार!” और मिस्टर रोचेस्टर अपने भेष से बाहर आ गए। “अब, महोदय, यह कितना अजीब विचार है!” “लेकिन इसे अच्छे से निभाया है, है ना? क्या आपको ऐसा नहीं लगता?” “महिलाओं के साथ तो आपने अच्छा व्यवहार किया होगा।” “लेकिन आपके साथ नहीं?” “आपने मेरे साथ जिप्सी जैसा व्यवहार नहीं किया।” “मैंने कौन सा व्यवहार किया? अपना खुद का?” “नहीं; कोई अजीब सा। संक्षेप में, मुझे लगता है कि आप मुझे बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे—या अंदर; आप बकवास कर रहे थे ताकि मैं बकवास करूँ। यह बिल्कुल भी उचित नहीं है, महोदय।” “क्या तुम मुझे माफ़ करती हो, जेन?” “जब तक मैं इस बारे में पूरी तरह सोच नहीं लेती, तब तक मैं नहीं बता सकती।” अगर बाद में मुझे लगे कि मैंने कोई बड़ी गलती नहीं की है, तो मैं आपको माफ करने की कोशिश करूंगी; लेकिन यह सही नहीं था।’ ‘ओह, आप बिल्कुल सही थीं—बहुत सावधान, बहुत समझदार।’ मैंने सोचा और पाया कि कुल मिलाकर मैं सही थी। यह एक राहत की बात थी; लेकिन वास्तव में, मैं साक्षात्कार की शुरुआत से ही सतर्क थी। मुझे कुछ ढोंग का शक था। मैं जानती थी कि जिप्सी और ज्योतिषी इस दिखने में बूढ़ी औरत की तरह व्यवहार नहीं करते; इसके अलावा मैंने उसकी बनावटी

आवाज और अपने चेहरे को छिपाने की उसकी बेचैनी पर भी ध्यान दिया था। लेकिन मेरा दिमाग ग्रेस पूल पर ही अटका हुआ था—वह जीती-जागती पहेली, रहस्यों की पराकाष्ठा, जैसा कि मैं उसे समझती थी। मैंने मिस्टर रोचेस्टर के बारे में कभी नहीं सोचा था। 'अच्छा,' उन्होंने कहा, 'आप किस बारे में सोच रही हैं? आपकी वह गंभीर मुस्कान क्या दर्शाती है?' 'आश्चर्य और आत्म-प्रशंसा, महोदय। मुझे लगता है कि अब मैं जा सकती हूँ?' 'नहीं; एक पल रुकिए; और मुझे बताओ कि उस ड्राइंग रूम में लोग क्या कर रहे हैं?' 'शायद जिप्सी के बारे में चर्चा कर रहे हैं।' 'बैठ जाओ!—मुझे सुनने दो कि उन्होंने मेरे बारे में क्या कहा।'

190 जेन आयर 'मुझे ज्यादा देर नहीं रुकना चाहिए, महोदय; लगभग ग्यारह बज चुके होंगे। ओह, क्या आपको पता है, श्रीमान रोचेस्टर, कि आज सुबह आपके जाने के बाद से यहाँ एक अजनबी आया है?' 'एक अजनबी!—नहीं; कौन हो सकता है? मुझे किसी की उम्मीद नहीं थी; क्या वह चला गया?' 'नहीं; उसने कहा कि वह आपको लंबे समय से जानता है, और जब तक आप वापस नहीं आते, तब तक वह यहाँ ठहर सकता है।' 'बिल्कुल नहीं! क्या उसने अपना नाम बताया?' 'उसका नाम मेसन है, महोदय; और वह वेस्ट इंडीज से आया है; मुझे लगता है कि जमैका के स्पैनिश टाउन से।' श्रीमान रोचेस्टर मेरे पास खड़े थे; उन्होंने मेरा हाथ पकड़ लिया था, मानो मुझे कुर्सी पर ले जा रहे हों। जैसे ही मैंने बात की, उन्होंने मेरी कलाई को कसकर पकड़ लिया; उनके होठों पर मुस्कान जम गई: मानो उनकी सांस रुक गई हो। 'मेसन!—वेस्ट इंडीज!' उन्होंने उस लहजे में कहा जैसे कोई मशीन अपने एक-एक शब्द बोल रही हो; 'मेसन!—वेस्ट इंडीज!' उन्होंने दोहराया; और वह शब्दों को तीन बार दोहराता रहा, बोलते-बोलते उसका चेहरा राख से भी ज़्यादा सफ़ेद होता जा रहा था: मानो उसे पता ही न हो कि वह क्या कर रहा है। 'क्या आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं, महोदय?' मैंने पूछा। 'जेन, मुझे चोट लगी है; मुझे चोट लगी है, जेन!' वह लड़खड़ा गया। 'ओह, मुझ पर सहारा लीजिए, महोदय।' 'जेन, आपने मुझे पहले भी अपना कंधा दिया था; अब भी दीजिए।' 'जी महोदय, जी हाँ; और मेरा हाथ भी।' वह बैठ गया और मुझे भी अपने बगल में बैठा लिया। मेरा हाथ अपने दोनों हाथों में पकड़कर, वह उसे रगड़ने लगा; साथ ही साथ मुझे अत्यंत परेशान और उदास नज़रों से देखता रहा। "मेरी प्यारी सहेली!" उसने कहा, "काश मैं तुम्हारे साथ किसी शांत द्वीप पर होता; और सारी परेशानियाँ, खतरे और भयानक यादें मुझसे दूर हो जातीं।" "क्या मैं आपकी मदद कर सकती हूँ,

महोदय? मैं आपकी सेवा में अपनी जान भी दे दूँगी।" "जेन, अगर मदद की ज़रूरत पड़ी, तो मैं तुमसे ही माँगूँगा; मैं तुमसे वादा करता हूँ।" "धन्यवाद, महोदय। मुझे बताइए कि मुझे क्या करना है, मैं कम से कम कोशिश तो करूँगी।" "जेन, अभी मेरे लिए भोजन कक्ष से एक गिलास शराब ले आओ: वे वहाँ रात का खाना खा रहे होंगे; और मुझे यह भी बताएँ कि क्या मेसन उनके साथ है, और वह क्या कर रहा है।" मैं गई। मैंने सभी लोगों को भोजन कक्ष में रात का खाना खाते हुए पाया, जैसा कि श्री रोचेस्टर ने कहा था; वे मेज पर नहीं बैठे थे, खाना साइडबोर्ड पर लगा हुआ था; हर किसी ने अपनी पसंद का खाना ले लिया था, और वे इधर-उधर समूहों में खड़े थे।
जेन आयर 191 —eeeeEOeeEeeEeEOeeeeEeEeEeeOOeeee उनके हाथों में थालियाँ और गिलास थे। हर कोई बेहद खुश लग रहा था; हँसी-मज़ाक और बातचीत का माहौल था। श्री मेसन आग के पास खड़े कर्नल और श्रीमती डेंट से बातें कर रहे थे और उन सभी की तरह खुश दिख रहे थे। मैंने एक वाइन का गिलास भरा (मैंने देखा कि मिस इंग्राम मुझे ऐसा करते हुए घूर रही थीं: मुझे लगता है कि उन्हें लगा कि मैं कुछ ज़्यादा ही कर रही हूँ), और मैं पुस्तकालय में लौट आई। श्री रोचेस्टर का पीलापन गायब हो गया था, और वे एक बार फिर दृढ़ और गंभीर दिख रहे थे। उन्होंने मेरे हाथ से गिलास ले लिया। 'हे सेवाभावी!' उन्होंने कहा। उन्होंने गिलास पी लिया और मुझे वापस दे दिया। 'ये लोग क्या कर रहे हैं, जेन?' 'हंस रहे हैं और बातें कर रहे हैं, सर।' 'ये लोग गंभीर और रहस्यमय तो नहीं लग रहे, जैसे इन्होंने कुछ अजीब सुना हो?' 'बिल्कुल नहीं: ये लोग हंसी-मजाक और उल्लास से भरे हुए हैं।' 'और मेसन?' 'वो भी हंस रहा था।' 'अगर ये सभी लोग एक साथ आकर मुझ पर थूकें, तो तुम क्या करोगी, जेन?' 'अगर हो सके तो, सर, मैं इन्हें कमरे से बाहर निकाल दूंगी।' वो हल्के से मुस्कुराई। 'लेकिन अगर मैं उनके पास जाऊं, और वे मुझे केवल ठंडी निगाहों से देखें, आपस में व्यंग्य भरी फुसफुसाहट करें, और फिर एक-एक करके चले जाएं, तो क्या होगा? क्या तुम उनके साथ जाओगी?' 'मुझे नहीं लगता, सर: मुझे आपके साथ रहने में ज़्यादा आनंद आएगा।' 'मुझे दिलासा देने के लिए?' 'जी सर, आपको जितना हो सके दिलासा देने के लिए।' 'और अगर वे मेरे साथ रहने के लिए तुम पर प्रतिबंध लगा दें?' 'शायद मुझे उनके प्रतिबंध के बारे में कुछ पता न हो; और अगर मैंने ऐसा किया भी, तो मुझे इसकी कोई परवाह नहीं होगी।' 'तो, क्या आप मेरे लिए निंदा करने की हिम्मत कर सकते हैं?' 'मैं किसी भी मित्र के लिए ऐसा करने की हिम्मत

कर सकता हूँ जो मेरी निष्ठा का पात्र हो; जैसा कि आप, मुझे यकीन है, हैं।' 'अब कमरे में वापस जाओ; चुपचाप मेसन के पास जाओ, और उसके कान में फुसफुसाओ कि मिस्टर रोचेस्टर आए हैं और उनसे मिलना चाहते हैं: उन्हें अंदर ले आओ और फिर मुझे अकेला छोड़ दो।' 'जी महोदय।' मैंने उनका आदेश मान लिया। जैसे ही मैं सीधे उनके बीच से गुजरा, सभी लोग मुझे घूरने लगे। मैंने मिस्टर मेसन को ढूंढा, संदेश दिया, और उनसे पहले कमरे से बाहर निकल गया: मैंने उन्हें पुस्तकालय में ले जाकर ऊपर की ओर चला गया।

192 जेन आयर a देर रात, जब मैं कुछ देर बिस्तर पर थी, मैंने आगंतुकों को अपने कमरों की ओर जाते सुना: मैंने श्री रोचेस्टर की आवाज़ पहचानी और उन्हें कहते सुना, "इधर आओ, मेसन; यह तुम्हारा कमरा है।" वे प्रसन्नता से बोल रहे थे: उनकी प्रसन्नता भरी आवाज़ ने मेरे दिल को सुकून दिया। मैं जल्दी ही सो गई। अध्याय XX मैं अपना पर्दा खींचना भूल गई थी, जो मैं आमतौर पर करती थी, और खिड़की का पर्दा भी नीचे करना भूल गई थी। नतीजा यह हुआ कि जब पूर्णिमा का चमकीला चाँद (क्योंकि रात सुहावनी थी) मेरी खिड़की के सामने आकाश में उस जगह पर आया और बिना ढके शीशों से मुझे देखा, तो उसकी शानदार निगाहों ने मुझे जगा दिया। आधी रात को जागकर, मैंने अपनी आँखें खोलीं और उसकी चाँदी जैसी सफेद और क्रिस्टल जैसी साफ रोशनी देखी। यह सुंदर थी, लेकिन बहुत गंभीर भी: मैं आधी उठी और पर्दा खींचने के लिए अपना हाथ बढ़ाया। हे भगवान! कैसी चीख! रात—उसकी खामोशी—उसका आराम, एक जंगली, थॉर्नफील्ड हॉल के एक छोर से दूसरे छोर तक गूंजती हुई एक तीखी, कर्कश आवाज। मेरी नब्ज़ रुक गई: मेरा दिल ठहर गया; मेरा फैला हुआ हाथ सुन्न पड़ गया। चीख शांत हो गई, और फिर नहीं उठी। वास्तव में, जिस भी प्राणी ने वह भयानक चीख निकाली थी, वह उसे जल्दी दोहरा नहीं सकता था: एंडीज़ पर्वतमाला का सबसे चौड़े पंखों वाला कोंडोर भी अपने घोंसले को घेरे हुए बादल से लगातार दो बार ऐसी चीख नहीं निकाल सकता था। ऐसी आवाज निकालने वाले प्राणी को दोबारा कोशिश करने से पहले आराम करना पड़ा होगा। वह तीसरी मंजिल से निकला; क्योंकि वह ऊपर से गुजरा। और ऊपर—हाँ, मेरे कमरे की छत के ठीक ऊपर वाले कमरे में—अब मुझे एक संघर्ष सुनाई दिया: शोर से लग रहा था कि यह एक जानलेवा संघर्ष था; और एक अधदबी आवाज चिल्लाई— 'मदद! मदद! मदद!' तीन बार तेजी से। "क्या कोई नहीं आएगा?" वह रोया; और फिर, जब

लड़खड़ाना और पैर पटकना बेतहाशा जारी था, मैंने तख्तों और प्लास्टर के बीच से सुना:— * 'रोचेस्टर! रोचेस्टर!' भगवान के लिए, आओ!' एक कमरे का दरवाजा खुला: कोई दौड़ा या झपटते हुए गैलरी से अंदर आया। ऊपर फर्श पर एक और कदम पड़ा और कुछ गिरा; और सन्नाटा छा गया। मैंने कुछ कपड़े पहन लिए थे, हालांकि डर से मेरे सारे अंग कांप रहे थे; मैं अपने कमरे से बाहर निकला। सभी सो रहे थे।
जेन आयर 193 एसएन एनएस एनईईईईएसई ईईई ई उत्तेजित: हर कमरे में चीखें और भयभीत फुसफुसाहटें गूंज रही थीं; एक के बाद एक दरवाजे खुलते जा रहे थे; कोई बाहर देखता तो कोई बाहर देखता; गैलरी भर गई थी। सज्जन और महिलाएं, सभी अपने बिस्तरों से उठ खड़े हुए थे; और 'अरे! क्या हुआ?'—'किसे चोट लगी है?'—'क्या हुआ है?'—'रोशनी लाओ!'—'क्या आग लगी है?'—'क्या लुटेरे हैं?'—'हम कहाँ भागें?' ये सवाल सभी ने घबराकर पूछे। चाँदनी न होती तो वे घोर अंधेरे में होते। वे इधर-उधर भाग रहे थे; वे एक साथ जमा हो गए थे: कुछ सिसक रहे थे, कुछ लड़खड़ा रहे थे: घबराहट असहनीय थी। “रोचेस्टर कहाँ है?” कर्नल डेंट चिल्लाए। “वह अपने बिस्तर पर नहीं मिल रहा।” जवाब में “यहाँ! यहाँ!” की आवाज़ आई। “शांत हो जाओ, सब लोग: मैं आ रहा हूँ।” और गैलरी के अंत में दरवाज़ा खुला, और श्री रोचेस्टर एक मोमबत्ती लेकर आगे बढ़े: वह अभी-अभी ऊपरी मंज़िल से नीचे उतरे थे। एक महिला सीधे उनके पास दौड़ी; उसने उनका हाथ पकड़ लिया: वह मिस इंग्राम थीं। “क्या भयानक घटना घटी है?” उन्होंने कहा। “बोलो!” हमें तुरंत सबसे बुरी खबर बताओ!' “लेकिन मुझे नीचे मत गिराओ या मेरा गला मत घोंटो,” उसने जवाब दिया: क्योंकि मिस एश्टन अब उससे लिपट गई थीं; और विशाल सफेद लबादों में लिपटी दोनों विधवाएँ पूरी रफ्तार से चल रहे जहाजों की तरह उस पर टूट पड़ रही थीं। “सब ठीक है!—सब ठीक है!” वह चिल्लाया। “यह तो बस ‘मच एडो अबाउट नथिंग’ का पूर्वाभ्यास है। देवियों, दूर रहें, वरना मैं खतरनाक हो जाऊँगा।” और वह खतरनाक लग रहा था: उसकी काली आँखों से चिंगारियाँ निकल रही थीं। खुद को बड़ी मुश्किल से शांत करते हुए उसने आगे कहा— “एक नौकरानी को बुरा सपना आया है; बस इतना ही। वह एक उत्तेजित, घबराई हुई महिला है: उसने अपने सपने को एक प्रेत या कुछ इसी तरह का समझ लिया होगा; और डर के मारे उसे दौरा पड़ गया है। अब, मुझे आप सभी को आपके कमरों में वापस भेजना होगा; क्योंकि जब तक घर व्यवस्थित नहीं हो जाता, उसकी देखभाल नहीं की जा सकती। सज्जनों,

कृपया महिलाओं के लिए एक उदाहरण बनें। मिस इंग्राम, मुझे यकीन है कि आप असफल नहीं होंगी।" व्यर्थ के भय पर श्रेष्ठता प्रदर्शित करते हुए। एमी और लुइसा, कबूतरों के जोड़े की तरह अपने घोंसलों में लौट जाओ, जैसे तुम हो। (विधवाओं से) 'यदि तुम इस ठंडी गैलरी में और देर तक रुकीं, तो तुम्हें निश्चित रूप से ठंड लग जाएगी।' और इस प्रकार, बारी-बारी से फुसलाकर और आदेश देकर, उसने उन सभी को एक बार फिर उनके अलग-अलग कमरों में बंद करवा दिया। मैंने अपने कमरे में वापस जाने का आदेश मिलने का इंतजार नहीं किया, बल्कि चुपचाप निकल गया, जैसे चुपचाप मैंने उसे छोड़ा था।

194 जेन आयर ईईईई लेकिन सोने का मन नहीं हुआ: इसके विपरीत, मैंने उठकर सावधानी से कपड़े पहने। चीख के बाद जो आवाज़ें और शब्द मैंने सुने थे, वे शायद केवल मैंने ही सुने थे; क्योंकि वे मेरे ऊपर वाले कमरे से आ रहे थे: लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त किया कि यह किसी नौकर का सपना नहीं था जिसने पूरे घर में दहशत फैला दी थी; और श्री रोचेस्टर ने जो स्पष्टीकरण दिया था, वह केवल अपने मेहमानों को शांत करने के लिए गढ़ा गया एक मनगढ़ंत किस्सा था। इसलिए, मैंने आपात स्थिति के लिए तैयार रहने के लिए कपड़े पहने। कपड़े पहनने के बाद, मैं काफी देर तक खिड़की के पास बैठी रही, शांत मैदानों और चांदी जैसे खेतों को देखती रही और न जाने किस बात का इंतज़ार करती रही। मुझे लगा कि उस अजीब चीख, संघर्ष और पुकार के बाद कुछ न कुछ घटना ज़रूर घटेगी। नहीं: सन्नाटा छा गया: हर बड़बड़ाहट और हलचल धीरे-धीरे बंद हो गई, और लगभग एक घंटे में थॉर्नफील्ड हॉल फिर से रेगिस्तान की तरह शांत हो गया। ऐसा लगा जैसे नींद और रात ने अपना राज फिर से कायम कर लिया हो। इसी बीच चाँद ढलने लगा: वह डूबने ही वाला था। ठंड और अंधेरे में बैठना मुझे अच्छा नहीं लग रहा था, इसलिए मैंने सोचा कि मैं अपने बिस्तर पर लेट जाऊँ, जैसे कपड़े पहने हुए ही। मैं खिड़की से हटकर कालीन पर धीरे से चलने लगी; जैसे ही मैं जूते उतारने के लिए झुकी, किसी ने सावधानी से दरवाज़े पर हल्की सी दस्तक दी। 'क्या मुझे बुलाया गया है?' मैंने पूछा। 'क्या तुम उठ गई हो?' वही आवाज़ आई जिसकी मुझे उम्मीद थी, यानी मेरे मालिक की। 'हाँ'। 'और कपड़े पहने हुए हो?' 'हाँ।' 'तो चुपचाप बाहर आओ।' मैंने उनकी बात मानी। श्री रोचेस्टर गैलरी में टॉर्च लिए खड़े थे। 'मैं तुम्हें बुला रहा हूँ,' उन्होंने कहा: 'इधर आओ: आराम से आना, और कोई आवाज़ मत करना।' मेरी चप्पलें पतली थीं: मैं चटाई वाले फर्श पर बिल्ली

की तरह धीरे से चल सकता था। वे गैलरी से होते हुए सीढ़ियों से ऊपर गए और उस मनहूस तीसरी मंज़िल के अंधेरे, निचले गलियारे में रुक गए: मैं उनके पीछे-पीछे गया और उनके बगल में खड़ा हो गया। 'क्या तुम्हारे कमरे में स्पंज है?' उन्होंने फुसफुसाते हुए पूछा। "जी हाँ।' 'क्या तुम्हारे पास कोई नमक है—वाष्पशील नमक?' वेस ने कहा, 'जाओ और दोनों ले आओ।' मैं लौटा, वॉशस्टैंड पर स्पंज ढूंढा, अपनी दराज में नमक ढूंढा, और एक बार फिर वापस चला गया। वे अभी भी इंतज़ार कर रहे थे; उनके हाथ में एक चाबी थी: एक छोटे, काले दरवाजे के पास पहुँचकर उन्होंने उसे ताले में डाला; वे रुके, और फिर मुझसे बात की।

जेन आयर 195, po bee ae ore acrid ine ll aad 'क्या तुम खून देखकर बीमार नहीं पड़ती?' 'मुझे नहीं लगता: अभी तक मेरी ऐसी हालत नहीं हुई है।' जवाब देते समय मुझे एक सिहरन सी महसूस हुई; लेकिन न तो ठंड लगी, न ही कमजोरी। 'बस मुझे अपना हाथ दो,' उसने कहा: 'बेहोशी का दौरा पड़ने का जोखिम उठाना ठीक नहीं होगा।' मैंने अपनी उंगलियाँ उसके हाथ में डाल दीं। 'गर्म और स्थिर,' उसने कहा: उसने चाबी घुमाई और दरवाजा खोल दिया। मैंने एक कमरा देखा जो मुझे पहले भी याद था, उस दिन जब श्रीमती फेयरफैक्स ने मुझे घर दिखाया था: उस पर टेपेस्ट्री लगी हुई थी; लेकिन अब टेपेस्ट्री का एक हिस्सा मुड़ा हुआ था, और एक दरवाजा दिखाई दे रहा था, जो तब छिपा हुआ था। यह दरवाजा खुला था; अंदर के कमरे से रोशनी आ रही थी: मुझे वहाँ से एक गुर्राने, झपटने जैसी आवाज सुनाई दी, लगभग किसी कुत्ते के झगड़ने जैसी। मिस्टर रोचेस्टर ने अपनी मोमबत्ती नीचे रखते हुए मुझसे कहा, 'एक मिनट रुको,' और वे अंदर के कमरे की ओर चले गए। उनके प्रवेश करते ही ज़ोरदार हंसी की आवाज़ गूंजी; पहले तो शोरगुल था, फिर ग्रेस पूल की अपनी ही हंसी में बदल गया, 'हा! हा!'। फिर वह भी वहां आ गईं। उन्होंने बिना कुछ बोले ही कुछ इंतज़ाम किया, हालांकि मैंने किसी की धीमी आवाज़ सुनी जो उन्हें संबोधित कर रही थी: वे बाहर आए और अपने पीछे दरवाज़ा बंद कर लिया। 'यहाँ, जेन!' उन्होंने कहा; और मैं एक बड़े से पलंग के दूसरी तरफ चली गई, जिसके पर्दों ने कमरे के एक बड़े हिस्से को छिपा रखा था। पलंग के सिरहाने के पास एक आरामकुर्सी थी: उस पर एक आदमी बैठा था, कोट को छोड़कर बाकी सब कपड़े पहने हुए; वह स्थिर था; उसका सिर पीछे की ओर झुका हुआ था; उसकी आँखें बंद थीं। मिस्टर रोचेस्टर ने मोमबत्ती उसके ऊपर रखी; मैंने उसके पीले और बेजान से दिखने वाले चेहरे में

अजनबी, मेसन को पहचान लिया: मैंने यह भी देखा कि उसके शरीर के एक तरफ और एक बांह पर लगा कपड़ा लगभग खून से लथपथ था। 'मोमबत्ती थामे रहो,' श्री रोचेस्टर ने कहा, और मैंने उसे थाम लिया: वे वॉशस्टैंड से पानी का एक बेसिन लाए: 'इसे थामे रहो,' उन्होंने कहा। मैंने उनकी बात मानी। उन्होंने स्पंज लिया, उसे पानी में डुबोया, और लाश जैसे चेहरे को गीला किया; उन्होंने मेरी सूंघने वाली बोतल मांगी, और उसे नाक में लगाया। श्री मेसन ने थोड़ी देर में अपनी आँखें खोलीं; वे कराह उठे। श्री रोचेस्टर ने घायल व्यक्ति की कमीज़ खोली, जिसकी बांह और कंधे पर पट्टी बंधी थी: उन्होंने तेज़ी से बहते खून को स्पंज से पोंछा। 'क्या कोई तत्काल खतरा है?' श्री मेसन ने धीरे से पूछा। 'छी! नहीं—बस एक मामूली खरोंच है। इतना घबराओ मत, दोस्त: हिम्मत रखो! मैं अभी तुम्हारे लिए एक सर्जन बुलाता हूँ: मुझे उम्मीद है कि सुबह तक तुम्हें ले जाया जा सकेगा। जेन,' उन्होंने आगे कहा। 'महोदय?' 'मुझे आपको इस कमरे में इस सज्जन के साथ छोड़ना होगा,'

196 जेन आयर ee ee ESS एक घंटे के लिए, या शायद दो घंटे के लिए: जब खून वापस आएगा तो तुम मेरी तरह उसे पोंछोगे: अगर उसे कमजोरी महसूस हो, तो तुम उस स्टैंड पर रखा पानी का गिलास उसके होठों पर रखोगे, और अपनी नमक की दवा उसकी नाक पर लगाओगे। तुम किसी भी बहाने से उससे बात नहीं करोगे—और—रिचर्ड, अगर तुमने उससे बात की तो तुम्हारी जान को खतरा होगा: अपने होंठ खोलो—खुद को हिलाओ—और इसके परिणामों के लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूँगा।' बेचारा आदमी फिर कराह उठा; वह ऐसा लग रहा था जैसे हिलने की हिम्मत ही न कर पा रहा हो; मौत का डर या किसी और चीज का डर उसे लगभग लकवाग्रस्त कर चुका था। मिस्टर रोचेस्टर ने अब खून से सना हुआ स्पंज मेरे हाथ में थमा दिया, और मैंने उसका इस्तेमाल वैसे ही किया जैसे उन्होंने किया था। उन्होंने मुझे एक पल के लिए देखा, फिर कहते हुए, 'याद रखना!— कोई बातचीत नहीं,' वे कमरे से चले गए। मुझे एक अजीब सी अनुभूति हुई जब चाबी ताले में घिसी, और उनके जाते कदमों की आवाज सुनाई देना बंद हो गई। मैं तीसरी मंजिल पर, इसकी रहस्यमयी कोठरियों में से एक में जकड़ा हुआ था; चारों ओर अंधेरा छाया हुआ था; मेरी आँखों और हाथों के नीचे एक पीला और खून से सना हुआ दृश्य था; एक हत्यारिन मुझसे बस एक दरवाजे की दूरी पर थी: हाँ—यह भयावह था—बाकी मैं सह सकता था; लेकिन ग्रेस पूल के अचानक मुझ पर टूट पड़ने के ख्याल से ही मैं कांप उठा। फिर भी मुझे अपनी जगह

पर डटे रहना था। मुझे इस भयानक चेहरे को देखना था—ये नीले, स्थिर होंठ जो खुलने से मना थे—ये आँखें जो कभी बंद होतीं, कभी खुलतीं, कभी कमरे में इधर-उधर भटकतीं, कभी मुझ पर टिक जातीं, और हमेशा भय की उदासी से भरी रहतीं। मुझे बार-बार खून और पानी के पात्र में हाथ डुबोना था, और टपकते हुए खून को पोंछना था। मुझे अपनी ड्यूटी पर न बुझी मोमबत्ती की रोशनी को मंद होते देखना था; मेरे चारों ओर बुनी हुई प्राचीन टेपेस्ट्री पर परछाइयाँ गहरी होती जा रही थीं, विशाल पुराने पलंग के पर्दों के नीचे काँपती जा रही थीं, और सामने रखे एक बड़े कैबिनेट के दरवाजों पर अजीब तरह से काँप रही थीं—जिसके सामने के बारह पैनलों में विभाजित भाग पर, भयावह डिज़ाइन में, बारह प्रेरितों के सिर बने हुए थे, प्रत्येक को एक फ्रेम में अलग-अलग पैनल में रखा गया था; जबकि उनके ऊपर शीर्ष पर एक काला क्रूस और मरते हुए मसीह की छवि थी। जैसे-जैसे बदलता हुआ अंधकार और टिमटिमाती हुई चमक यहाँ मंडराती या वहाँ चमकती, कभी दाढ़ी वाले चिकित्सक, लूका, अपना माथा झुकाते दिखाई देते; कभी संत जॉन के लंबे बाल लहराते; और कभी पैनल से उभरता हुआ यहूदा का शैतानी चेहरा, मानो जीवन धारण कर रहा हो और अपने अधीनस्थ के रूप में सर्वोपरि गद्दार—स्वयं शैतान—के रहस्योद्घाटन की धमकी दे रहा हो। इन सबके बीच, मुझे देखने के साथ-साथ सुनना भी था: उस गुफा में छिपे जंगली जानवर या राक्षस की हलचल को सुनना था। लेकिन श्री रोचेस्टर की यात्रा के बाद से ऐसा लग रहा था मानो सब कुछ सम्मोहित हो गया हो:

जेन आयर 197 एसएस उस रात मैंने तीन लंबे अंतरालों पर केवल तीन आवाज़ें सुनीं — एक कदम की चरमराहट, कुत्ते के गुर्राने की क्षणिक पुनरावृत्ति, और एक गहरी मानवीय कराह। तब मेरे अपने विचार मुझे परेशान करने लगे। यह कौन सा अपराध था, जो इस एकांत हवेली में साक्षात निवास कर रहा था, और जिसे न तो मालिक निकाल पा रहा था और न ही वश में कर पा रहा था?—वह कौन सा रहस्य था, जो रात के सबसे सन्नाटे में कभी आग तो कभी खून बहाकर भड़क उठता था? वह कौन सा प्राणी था, जो एक साधारण स्त्री के चेहरे और रूप में नकाबपोश होकर, कभी उपहास करने वाले राक्षस की, तो कभी मांसाहारी शिकारी पक्षी की आवाज़ निकालता था? और यह आदमी जिस पर मैं झुकी—यह साधारण, शांत अजनबी—वह इस भयावह जाल में कैसे फंस गया था? और उस पर क्रोध क्यों टूट पड़ा था? उसे इस समय घर के इस हिस्से में आने के लिए किसने मजबूर किया, जबकि उसे

बिस्तर पर सो रहा होना चाहिए था? मैंने मिस्टर रोचेस्टर को उसे नीचे का कमरा देते हुए सुना था—वह यहाँ क्यों आया था? और अब, अपने साथ हुई हिंसा या विश्वासघात के बावजूद वह इतना शांत क्यों था? श्री रोचेस्टर द्वारा लागू किए गए गुप्त व्यवहार को उसने इतनी शांति से क्यों स्वीकार कर लिया? श्री रोचेस्टर ने यह गुप्त व्यवहार क्यों लागू किया? उसके अतिथि का अपमान हुआ था, पहले भी उसके जीवन के विरुद्ध एक घिनौनी साजिश रची गई थी; और दोनों ही प्रयासों को उसने गुप्त रूप से दबा दिया और भुला दिया! अंत में, मैंने देखा कि श्री मेसन, श्री रोचेस्टर के प्रति विनम्र थे; कि बाद वाले की उग्र इच्छाशक्ति ने पहले वाले की निष्क्रियता पर पूर्ण प्रभुत्व जमा लिया था: उनके बीच हुई कुछ ही बातचीत ने मुझे इसका आश्वासन दिया। यह स्पष्ट था कि उनके पूर्व संबंधों में, एक की निष्क्रिय प्रवृत्ति दूसरे की सक्रिय ऊर्जा से हमेशा प्रभावित होती थी: तो फिर श्री मेसन के आगमन की खबर सुनकर श्री रोचेस्टर इतने भयभीत क्यों हो गए? कुछ घंटे पहले, इस निर्मम व्यक्ति का नाम मात्र ही, जिसे अब वह एक बच्चे की तरह अपने वश में कर लेता था, उस पर ऐसे क्यों बरस पड़ा था जैसे किसी बलूत के पेड़ पर बिजली गिरती है? ओह! मैं उसका चेहरा और उसका पीलापन नहीं भूल सकती थी जब उसने फुसफुसाते हुए कहा: 'जेन, मुझे चोट लगी है—मुझे चोट लगी है, जेन।' मैं यह भी नहीं भूल सकती थी कि जिस बांह को उसने मेरे कंधे पर रखा था, वह कैसे कांप रही थी: और यह कोई मामूली बात नहीं थी जो फेयरफैक्स रोचेस्टर के दृढ़ निश्चयी मन को इतना झुका सकती थी और उसके बलवान शरीर को कंपा सकती थी। 'वह कब आएगा? वह कब आएगा?' मैं मन ही मन रोई, जैसे-जैसे रात लंबी होती गई—जैसे-जैसे मेरा खून बहता मरीज कमजोर होता गया, कराहता गया, बीमार होता गया: और न तो सुबह हुई और न ही मदद आई। मैंने बार-बार मेसन के सफेद होठों पर पानी लगाया; बार-बार उसे स्फूर्तिदायक नमक दिया: मेरे प्रयास

 ——————————— प्रयास बेअसर लग रहे थे: शारीरिक या मानसिक पीड़ा, या खून की कमी, या तीनों के मिले-जुले प्रभाव से उनकी शक्ति तेज़ी से कम हो रही थी। वे इतनी कराह रहे थे और इतने कमज़ोर, बेबस और खोए हुए लग रहे थे कि मुझे लगा जैसे वे मर रहे हों; और मैं उनसे बात भी नहीं कर सकती थी। मोमबत्ती, अंत में बुझ गई; जैसे ही वह बुझी, मैंने खिड़की के पर्दों के किनारों पर धूसर रोशनी की लकीरें देखीं: भोर होने वाली थी। थोड़ी देर बाद मैंने दूर आंगन में बने अपने

छोटे से घर से पायलट के भौंकने की आवाज़ सुनी: आशा फिर से जाग उठी। और यह आशा व्यर्थ नहीं थी: पाँच मिनट बाद ही चाबी की चरमराहट और ताले के खुलने की आवाज़ ने मुझे चेतावनी दी कि मेरी ड्यूटी खत्म हो गई है। यह दो घंटे से ज़्यादा नहीं चली होगी: कई सप्ताह इससे भी छोटे लगे हैं। श्री रोचेस्टर अंदर आए, और उनके साथ वह सर्जन भी थे जिन्हें वे बुलाने गए थे। 'अब, कार्टर, सतर्क रहो,' उन्होंने इस आखिरी मरीज़ से कहा: 'घाव पर पट्टी बांधने, उसे नीचे लाने और बाकी सब काम के लिए मैं तुम्हें सिर्फ आधा घंटा देता हूँ।' 'लेकिन क्या वह हिल-डुल सकता है, महोदय?' 'बिल्कुल; यह कोई गंभीर बात नहीं है; वह घबराया हुआ है, उसका हौसला बनाए रखना ज़रूरी है। चलो, काम शुरू करो।' श्री रोचेस्टर ने मोटा पर्दा हटाया, हॉलैंड ब्लाइंड ऊपर किया, और जितनी हो सके उतनी रोशनी अंदर आने दी; और मैं यह देखकर हैरान और खुश हुआ कि सुबह कितनी आगे बढ़ चुकी थी: पूरब में गुलाबी किरणें चमकने लगी थीं। फिर वह मेसन के पास गए, जिसका सर्जन पहले से ही इलाज कर रहा था। 'अब, मेरे दोस्त, तुम कैसे हो?' उन्होंने पूछा। 'मुझे डर है कि वह खत्म हो चुकी है,' धीमी आवाज़ में जवाब आया। 'बिल्कुल नहीं! हिम्मत रखो! आज से दो हफ्ते बाद तुम्हें ज़रा भी नुकसान नहीं होगा: बस थोड़ा सा खून बहा है; बस।' कार्टर, उसे यकीन दिलाओ कि कोई खतरा नहीं है।' 'मैं ईमानदारी से ऐसा कर सकता हूँ,' कार्टर ने कहा, जिसने अब पट्टियाँ खोल दी थीं; 'काश मैं यहाँ जल्दी आ पाता: उसका इतना खून नहीं बहता—लेकिन ये क्या? कंधे का मांस कटा हुआ भी है और फटा हुआ भी। ये घाव चाकू से नहीं हुआ है: यहाँ दांत लगे हैं!' 'उसने मुझे काट लिया,' उसने धीरे से कहा। 'जब रोचेस्टर ने उससे चाकू छीना, तो उसने मुझे शेरनी की तरह डरा दिया।' 'तुम्हें हार नहीं माननी चाहिए थी: तुम्हें तुरंत उससे भिड़ जाना चाहिए था,' मिस्टर रोचेस्टर ने कहा। 'लेकिन ऐसी परिस्थितियों में कोई क्या कर सकता था?' मेसन ने जवाब दिया। 'ओह, यह भयानक था!' उसने कांपते हुए कहा। 'और मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी: वह पहले तो इतनी शांत लग रही थी।' 'मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी,' उसके दोस्त ने जवाब दिया; 'मैंने कहा था—जब तुम उसके पास जाओ तो सावधान रहना। इसके अलावा, तुम इंतजार कर सकते थे।'

कल तक इंतज़ार करो, और मुझे अपने साथ रखो: आज रात अकेले साक्षात्कार करने का प्रयास करना सरासर मूर्खता थी।' 'मुझे लगा कि मैं कुछ अच्छा कर सकता था।' 'तुम्हें लगा! तुम्हें लगा! हाँ, तुम्हारी बात सुनकर मुझे बेचैनी हो रही है:

लेकिन फिर भी, मेरी सलाह न मानने के कारण तुमने बहुत कष्ट सहा है, और आगे भी सहना पड़ेगा; इसलिए मैं और कुछ नहीं कहूँगा। कार्टर—जल्दी करो!—जल्दी करो! सूरज जल्द ही निकलेगा, और मुझे उसे यहाँ से ले जाना होगा।' 'बिल्कुल, महोदय; कंधे पर अभी-अभी पट्टी बंधी है।' मुझे बांह पर लगे इस दूसरे घाव को देखना होगा: मुझे लगता है उसने यहाँ भी अपने दांत गड़ाए हैं।' "उसने खून चूसा: उसने कहा कि वह मेरा दिल भी निचोड़ लेगी," मेसन ने कहा। मैंने मिस्टर रोचेस्टर को कांपते हुए देखा: घृणा, भय और नफरत के एक विशिष्ट भाव ने उनके चेहरे को लगभग विकृत कर दिया, लेकिन उन्होंने केवल इतना कहा— "चलो, चुप रहो, रिचर्ड, और उसकी बकवास पर ध्यान मत दो: इसे दोहराओ मत।" "काश मैं इसे भूल पाता," जवाब था। "जब तुम देश से बाहर जाओगे तो भूल जाओगे: जब तुम स्पैनिश टाउन वापस आओगे, तो तुम उसे मृत और दफन मान सकते हो—या यूँ कहो कि तुम्हें उसके बारे में बिल्कुल भी सोचने की ज़रूरत नहीं है।" "इस रात को भूलना असंभव है!" "यह असंभव नहीं है: हिम्मत रखो, यार। तुम्हें लगा था कि तुम दो घंटे पहले मर चुके थे, और अब तुम पूरी तरह से जीवित हो और बात कर रहे हो। देखो!—कार्टर ने तुम्हारा काम तमाम कर दिया है या लगभग कर दिया है; मैं तुम्हें पल भर में ठीक कर दूंगा।" जेन' (वापस आने के बाद पहली बार मेरी तरफ मुड़ते हुए उन्होंने कहा), 'यह चाबी लो: मेरे बेडरूम में जाओ, और सीधे मेरे ड्रेसिंग रूम में जाओ: अलमारी का ऊपरी दराज खोलो और एक साफ कमीज और रुमाल निकालो: उन्हें यहाँ लाओ; और फुर्ती से काम लेना।' मैं गई; उन्होंने जिस दराज का ज़िक्र किया था, वहाँ गई, सामान मिला और उन्हें लेकर वापस आ गई। 'अब,' उन्होंने कहा, 'जब तक मैं उनके श्रृंगार का आदेश देता हूँ, तब तक बिस्तर के दूसरी तरफ जाओ; लेकिन कमरे से बाहर मत जाना: तुम्हें फिर बुलाया जा सकता है।' मैंने निर्देशानुसार काम किया। 'जब तुम नीचे गई थीं, तो क्या नीचे कोई हलचल थी, जेन?' श्री रोचेस्टर ने थोड़ी देर बाद पूछा। 'नहीं, महोदय; सब कुछ एकदम शांत था।' 'हम तुम्हें चतुराई से वहाँ से निकाल लेंगे, डिक: और यह तुम्हारे और उस बेचारे के लिए बेहतर होगा। मैंने लंबे समय से ठंड से बचने की कोशिश की है, और मैं नहीं चाहती कि आखिरकार ऐसा हो। लो, कार्टर, उसे कपड़े पहनाने में मदद करो।'

200 जेन आयर ने ए आरएस ईएस एसटी वेस्टकोट। तुमने अपना फर वाला लबादा कहाँ छोड़ दिया? इसके बिना तुम एक मील भी नहीं चल सकतीं; मुझे पता है, इस

भयानक ठंड में। तुम्हारे कमरे में?—जेन, मिस्टर मेसन के कमरे में जाओ—जो मेरे बगल में है—और वहाँ से एक लबादा ले आओ।' मैं फिर दौड़ी और वापस आई, फर से जड़ा और किनारीदार एक विशाल लबादा लेकर। 'अब, मेरे पास तुम्हारे लिए एक और काम है,' मेरे अथक स्वामी ने कहा; 'तुम्हें फिर से मेरे कमरे में जाना होगा। कितनी कृपा है कि तुमने मखमल के जूते पहने हैं, जेन!—इस समय कोई अनाड़ी संदेशवाहक काम नहीं आएगा। तुम्हें मेरी श्रृंगार की मेज का बीच वाला दराज खोलना होगा और वहाँ से एक छोटी शीशी और एक छोटा गिलास निकालना होगा—जल्दी!' मैं दौड़कर गई और वांछित बर्तन ले आई। 'बहुत अच्छा! अब, डॉक्टर, मैं अपनी जिम्मेदारी पर स्वयं एक खुराक लेने की अनुमति लेती हूँ।' ये पेय मुझे रोम में एक इतालवी धोखेबाज़ से मिला था—कार्टर, ऐसा आदमी जिसे तुम लात मार देते। इसे यूँ ही बेहिसाब इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, लेकिन कभी-कभी अच्छा लगता है: जैसे अभी। जेन, थोड़ा पानी दो।' उसने छोटा गिलास आगे बढ़ाया, और मैंने वॉशस्टैंड पर रखी पानी की बोतल से उसे आधा भर लिया। "बस इतना ही काफी है; अब शीशी के किनारे को गीला करो।" मैंने वैसा ही किया; उन्होंने गहरे लाल रंग के तरल की बारह बूँदें नापीं और मेसन को दीं। "पी लो, रिचर्ड: इससे तुम्हें एक घंटे के लिए वह हिम्मत मिल जाएगी जिसकी तुम्हें कमी है।" "लेकिन क्या इससे मुझे दर्द होगा? क्या यह जलन पैदा करने वाला है?" "पी लो! पी लो! पी लो!" श्री मेसन ने बात मान ली, क्योंकि विरोध करना स्पष्ट रूप से व्यर्थ था। अब उन्होंने कपड़े पहन लिए थे: वे अभी भी पीले दिख रहे थे, लेकिन अब वे खून से लथपथ और गंदे नहीं थे। श्री रोचेस्टर ने तरल निगलने के बाद उन्हें तीन मिनट तक बैठने दिया; फिर उन्होंने उनका हाथ पकड़ा — "अब मुझे यकीन है कि तुम अपने पैरों पर खड़े हो सकते हो," उन्होंने कहा— "कोशिश करो।" रोगी उठ खड़ा हुआ। "कार्टर, इसे दूसरे कंधे के नीचे ले लो। हिम्मत रखो, रिचर्ड; बाहर निकलो—बस! "मुझे अच्छा लग रहा है," श्री मेसन ने कहा। "मुझे यकीन है कि तुम्हें अच्छा लग रहा है। अब, जेन, हमारे आगे पीछे की सीढ़ियों पर जाओ; बगल के गलियारे का दरवाजा खोलो और ड्राइवर को बताओ।" आंगन में—या ठीक बाहर, क्योंकि मैंने उसे कहा था कि वह अपने खड़खड़ाते पहियों को फुटपाथ पर न चलाए—तुम्हें पोस्ट-चेज़ (गाड़ी) दिखाई देगी; तैयार रहो; हम आ रहे हैं: और, जेन, अगर कोई आस-पास हो, तो सीढ़ियों के नीचे आकर अपने कपड़े बांध लो।' तब तक साढ़े पाँच बज चुके थे, और सूरज ढल रहा था।

202 जेन आयर _———— (जिस हरे-भरे बाड़े में हम दाखिल हुए थे, उसकी ओर लौटते हुए) 'सब कुछ असली, प्यारा और सच्चा है।' वह बॉक्सवुड के पेड़ों से घिरे एक रास्ते पर आगे बढ़ा, एक तरफ सेब, नाशपाती और चेरी के पेड़ थे, और दूसरी तरफ तरह-तरह के पुराने जमाने के फूलों, स्टॉक्स, स्वीटविलियम्स, प्रिमरोज़, पैंसी से भरी क्यारियां थीं, जो सदर्नवुड, स्वीटब्रियर और कई सुगंधित जड़ी-बूटियों के साथ मिली हुई थीं। अप्रैल की बारिश और धूप की बौछारों के बाद एक प्यारी सी बसंत की सुबह ने उन्हें इतना ताज़ा बना दिया था: सूरज अभी-अभी पूर्वी दिशा से छनकर आ रहा था, और उसकी रोशनी ओस से भीगे हुए बाग के पेड़ों को रोशन कर रही थी और उनके नीचे बने शांत रास्तों पर चमक रही थी। 'जेन, क्या तुम एक फूल लोगी?' उसने झाड़ी पर खिले पहले आधे खिले गुलाब को उठाया और मुझे दिया। 'धन्यवाद, महोदय।' 'जेन, क्या तुम्हें यह सूर्योदय पसंद आया?' वह आकाश, जिसमें ऊँचे और हल्के बादल हैं जो दिन के गर्म होने के साथ-साथ ज़रूर छंट जाएँगे—यह शांत और सुखद वातावरण?' 'हाँ, बिल्कुल।' 'तुम्हारी रात अजीब गुज़री, जेन।' "हाँ; (बैठते हुए)' 'और इसने तुम्हें पीला कर दिया है—क्या तुम्हें डर लग रहा था जब मैंने तुम्हें मेसन के साथ अकेला छोड़ा था?' 'मुझे डर था कि कोई अंदर के कमरे से बाहर आ जाएगा।' 'लेकिन मैंने दरवाज़ा बंद कर दिया था—चाबी मेरी जेब में थी: अगर मैं अपने पालतू मेमने को भेड़िये की मांद के इतने पास बिना पहरे के छोड़ देता तो मैं एक लापरवाह चरवाहा होता: तुम सुरक्षित थी।' 'क्या ग्रेस पूल अभी भी यहाँ रहती है, श्रीमान?' 'ओह हाँ! उसके बारे में चिंता मत करो—उस बात को अपने विचारों से निकाल दो।' 'फिर भी मुझे लगता है कि जब तक वह यहाँ है, तुम्हारी जान सुरक्षित नहीं है।' 'चिंता मत करो—मैं अपना ख्याल रखूँगा।' 'क्या पिछली रात तुम्हें जिस खतरे का डर था, वह अब टल गया है, श्रीमान?' 'जब तक मेसन बाहर नहीं आ जाता, मैं इसकी पुष्टि नहीं कर सकता।' इंग्लैंड का भी नहीं: और तब भी नहीं। मेरे लिए, जेन, जीना एक ऐसे गड्ढे की सतह पर खड़े होने जैसा है जो किसी भी दिन फटकर आग उगल सकता है।' 'लेकिन श्री मेसन आसानी से बहकावे में आ जाते हैं। महोदय, आपका प्रभाव उन पर स्पष्ट रूप से बहुत गहरा है: वे कभी भी आपको चुनौती नहीं देंगे या जानबूझकर आपको नुकसान नहीं पहुँचाएँगे।' 'अरे नहीं! मेसन मुझे चुनौती नहीं देंगे; और न ही, यह जानते हुए भी, वे मुझे नुकसान पहुँचाएँगे—लेकिन, अनजाने में,

वे एक पल में, एक लापरवाह शब्द से, मुझे, यदि जीवन से नहीं, तो हमेशा के लिए सुख से वंचित कर सकते हैं।'

जेन आयर 203 एसएसएस एसएनएसई "उसे सावधान रहने को कहिए, महोदय: उसे बताइए कि आपको किस बात का डर है, और उसे दिखाइए कि खतरे को कैसे टाला जा सकता है।" वह व्यंग्य से हँसा, जल्दी से मेरा हाथ पकड़ा, और उतनी ही जल्दी उसे अपने से दूर फेंक दिया। "अगर मैं ऐसा कर पाता, मूर्ख, तो खतरा कहाँ होता? पल भर में मिट जाता। जब से मैं मेसन को जानता हूँ, मुझे बस उससे कहना होता है, "ऐसा करो," और काम हो जाता है। लेकिन इस मामले में मैं उसे आदेश नहीं दे सकता: मैं यह नहीं कह सकता, "मुझे नुकसान पहुँचाने से सावधान रहो, रिचर्ड"; क्योंकि यह अनिवार्य है कि मैं उसे इस बात से अनजान रखूँ कि मुझे नुकसान पहुँचाना संभव है। अब तुम उलझन में दिख रहे हो; और मैं तुम्हें और उलझन में डालूँगा। तुम मेरे छोटे दोस्त हो, है ना?" "मैं आपकी सेवा करना पसंद करता हूँ, महोदय, और हर सही बात में आपका पालन करना पसंद करता हूँ।" "बिल्कुल: मैं देखता हूँ कि तुम ऐसा करते हो। जब तुम मेरी मदद करते हो और मुझे खुश करते हो—काम करते हो —तो मैं तुम्हारी चाल और हावभाव, तुम्हारी आँखों और चेहरे में सच्ची संतुष्टि देखता हूँ।" मेरे लिए, और मेरे साथ, जैसा कि आप अपनी आदत के अनुसार कहते हैं, "जो कुछ भी सही है": क्योंकि अगर मैं आपको वह करने के लिए कहूँ जो आपको गलत लगता है, तो न तो फुर्ती से दौड़ना होगा, न ही हाथों में तेज़ी होगी, न ही आँखों में चमक होगी और न ही चेहरे पर उत्साह होगा। तब मेरा मित्र शांत और पीला पड़कर मेरी ओर मुड़ेगा और कहेगा, "नहीं, महोदय; यह असंभव है: मैं ऐसा नहीं कर सकती, क्योंकि यह गलत है"; और एक स्थिर तारे की तरह अपरिवर्तनीय हो जाएगी। खैर, आप भी मुझ पर अधिकार रखते हैं, और मुझे नुकसान पहुंचा सकते हैं: फिर भी मैं आपको अपनी कमजोरी नहीं दिखा सकती, कहीं ऐसा न हो कि आप, वफादार और मित्रवत होने के नाते, मुझे तुरंत ही भेद दें।' 'अगर आपको मिस्टर मेसन से उतना ही डर है जितना मुझसे, महोदय, तो आप बिल्कुल सुरक्षित हैं।' 'ईश्वर करे ऐसा ही हो! यहाँ, जेन, एक मंडप है; बैठ जाओ।' मंडप दीवार में एक मेहराब था, जो आइवी से ढका हुआ था; उसमें एक देहाती सीट थी। मिस्टर रोचेस्टर बैठ गए, हालाँकि मेरे लिए जगह छोड़ दी: लेकिन मैं उनके सामने खड़ी रही। 'बैठो,' उन्होंने कहा; 'बेंच दो लोगों के लिए काफी लंबी है। मेरे बगल में बैठने में आपको कोई झिझक नहीं है, है ना? क्या

यह गलत है, जेन?' मैंने इसे स्वीकार कर लिया: मुझे लगा कि मना करना नासमझी होगी। 'अब, मेरी छोटी दोस्त, जब तक सूरज ओस पीता है—जब तक इस पुराना बगीचा जाग उठा है और फैल रहा है, पक्षी अपने बच्चों के लिए काँटेदार झाड़ियों से नाश्ता ला रहे हैं, और सुबह की मधुमक्खियाँ अपना पहला काम कर रही हैं—मैं आपके सामने एक बात रखूँगा, जिसे आपको स्वयं स्वीकार करने का प्रयास करना होगा: लेकिन पहले, मेरी ओर देखिए, और मुझे बताइए कि आप निश्चिंत हैं, और आपको यह डर नहीं है कि मैं आपको रोककर गलती कर रहा हूँ, या आप यहाँ रुककर गलती कर रहे हैं।' 'नहीं, महोदय; मैं संतुष्ट हूँ।'

 ईई 'तो फिर, जेन, अपनी कल्पना का सहारा लो:—मान लो कि तुम अब एक संस्कारी और अनुशासित लड़की नहीं हो, बल्कि बचपन से ही बिगड़ा हुआ एक जंगली लड़का हो; कल्पना करो कि तुम किसी दूर देश में हो; सोचो कि तुम वहाँ एक बड़ी गलती कर बैठते हो, चाहे वह किसी भी तरह की हो या किसी भी मकसद से की गई हो, लेकिन जिसके परिणाम जीवन भर तुम्हारा पीछा करेंगे और तुम्हारे पूरे जीवन को कलंकित कर देंगे। ध्यान रहे, मैं अपराध नहीं कह रहा हूँ; मैं खून बहाने या किसी अन्य दोषी कृत्य की बात नहीं कर रहा हूँ, जिससे अपराधी कानून के अधीन हो जाए: मेरा शब्द है गलती। समय के साथ तुम्हारे किए के परिणाम तुम्हारे लिए पूरी तरह असहनीय हो जाते हैं; तुम राहत पाने के लिए उपाय करते हो: असामान्य उपाय, लेकिन न तो गैरकानूनी और न ही दोषी। फिर भी तुम दुखी हो; क्योंकि जीवन की सीमा पर ही आशा ने तुम्हारा साथ छोड़ दिया है: दोपहर में तुम्हारा सूरज ग्रहण में अंधकारमय हो जाता है, जो तुम्हें लगता है कि सूर्यास्त तक नहीं हटेगा। कड़वी और नीच यादें ही आपकी यादों का एकमात्र भोजन बन गई हैं: आप इधर-उधर भटकते हैं, निर्वासन में आराम की तलाश करते हैं: सुख में आनंद ढूंढते हैं—मेरा मतलब है निर्मम, कामुक सुख में—जो बुद्धि को कुंद कर देता है और भावनाओं को नष्ट कर देता है। हृदय से थके और आत्मा से मुरझाए हुए, आप वर्षों के स्वैच्छिक निर्वासन के बाद घर लौटते हैं: आप एक नए व्यक्ति से मिलते हैं—कैसे या कहाँ, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता: आप इस अजनबी में उन अच्छे और उज्ज्वल गुणों का भंडार पाते हैं जिनकी आपने बीस वर्षों से तलाश की है, और जो आपको पहले कभी नहीं मिले; और वे सभी ताज़े, स्वस्थ, बेदाग और दाग रहित हैं। ऐसा साथ जीवन देता है, पुनर्जीवित करता है: आप बेहतर दिनों को लौटते हुए महसूस करते हैं—उच्च

इच्छाएँ, शुद्ध भावनाएँ; आप अपने जीवन को फिर से शुरू करना चाहते हैं, और अपने शेष दिनों को एक अमर प्राणी के योग्य तरीके से बिताना चाहते हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, क्या आप रीति-रिवाज की बाधा को पार करने में उचित हैं—एक मात्र पारंपरिक अड़चन जिसे न तो आपका विवेक पवित्र मानता है और न ही आपका विवेक स्वीकार करता है? वह उत्तर के लिए रुका: और मैं क्या कहता? काश कोई अच्छी आत्मा मुझे एक विवेकपूर्ण और संतोषजनक उत्तर सुझा पाती! व्यर्थ की आकांक्षा! पश्चिम की हवा मेरे चारों ओर लताओं में फुसफुसा रही थी; लेकिन कोई कोमल एरियल उसकी साँसों को बोलने का माध्यम नहीं बना रहा था: पक्षी पेड़ों की चोटियों पर गा रहे थे; लेकिन उनका गीत, चाहे कितना भी मधुर क्यों न हो, अस्पष्ट था। श्री रोचेस्टर ने फिर अपना प्रश्न पूछा: 'क्या भटकता और पापी, लेकिन अब विश्राम चाहने वाला और पश्चाताप करने वाला मनुष्य, इस सज्जन, दयालु, सौम्य अजनबी को हमेशा के लिए अपने साथ जोड़ने के लिए दुनिया की राय को चुनौती देने का साहस कर सकता है, जिससे उसे मन की शांति और जीवन का पुनर्जन्म प्राप्त हो सके?' _ 'महोदय,' मैंने उत्तर दिया, 'एक भटकने वाले का विश्राम या एक पापी का सुधार कभी भी किसी साथी प्राणी पर निर्भर नहीं होना चाहिए। मनुष्य और
जेन आयर 205 एसएस एसएसएस नीनेसीनेसीईईईई महिलाएं मरती हैं; दार्शनिक ज्ञान में लड़खड़ाते हैं, और ईसाई अच्छाई में: यदि आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसने दुख झेला है और गलती की है, तो उसे सुधार की शक्ति और उपचार के लिए सांत्वना पाने के लिए अपने समकक्षों से ऊपर देखना चाहिए।' 'लेकिन साधन—साधन! ईश्वर, जो कार्य करता है, साधन को निर्धारित करता है। मैं स्वयं—मैं आपको बिना किसी दृष्टांत के बताता हूँ—एक सांसारिक, व्यभिचारी, बेचैन व्यक्ति रहा हूँ; और मेरा मानना है कि मुझे अपने उपचार का साधन मिल गया है——' वह रुका: पक्षी चहचहाते रहे, पत्तियाँ हल्की सरसरा रही थीं। मुझे लगभग आश्चर्य हुआ कि उन्होंने रुके हुए रहस्योद्घाटन को सुनने के लिए अपने गीतों और फुसफुसाहट को क्यों नहीं रोका; लेकिन उन्हें कई मिनट इंतजार करना पड़ता—मौन इतना लंबा खिंच गया था। अंत में मैंने देर से बोलने वाले की ओर देखा: वह उत्सुकता से मेरी ओर देख रहा था। 'मेरे प्यारे दोस्त,' उसने एकदम बदले हुए स्वर में कहा—उसका चेहरा भी बदल गया, उसकी सारी कोमलता और गंभीरता गायब हो गई, और वह कठोर और व्यंग्यात्मक हो गया—'तुमने मिस इंग्राम के प्रति मेरे कोमल लगाव को देखा ही होगा:

क्या तुम्हें नहीं लगता कि अगर मैं उससे शादी कर लूँ तो वह मुझे पूरी तरह से बदल देगी?' वह तुरंत उठा, गलियारे के दूसरे छोर तक चला गया, और जब वापस आया तो एक धुन गुनगुना रहा था। 'जेन, जेन,' उसने मेरे सामने रुकते हुए कहा, 'तुम रात भर जागते-जागते बिल्कुल पीली पड़ गई हो: क्या तुम मुझे अपनी नींद में खलल डालने के लिए कोस नहीं रही हो?' 'मुझे कोसूँ? नहीं, श्रीमान।' 'शब्द की पुष्टि में हाथ मिलाओ। कितनी ठंडी उंगलियाँ! कल रात जब मैंने रहस्यमयी कमरे के दरवाजे पर उन्हें छुआ था तो वे गर्म थीं। जेन, तुम मेरे साथ फिर कब जागोगी?' 'जब भी मैं काम आ सकूँ, श्रीमान।' 'उदाहरण के लिए, मेरी शादी से एक रात पहले! मुझे यकीन है कि मैं सो नहीं पाऊँगा। क्या तुम वादा करोगी कि मेरे साथ जागकर मेरा साथ दोगी?' मैं अपनी प्यारी के बारे में तुमसे बात कर सकता हूँ: क्योंकि अब तुम उसे देख चुकी हो और जानती हो।' पी. वेसेरे 'वह एक अनोखी है, है ना, जेन?' 'जी हाँ।' 'एकदम तगड़ी—एकदम तगड़ी, जेन: बड़ी, सांवली और भरी-पूरी; उसके बाल बिल्कुल वैसे ही हैं जैसे कार्थेज की महिलाओं के रहे होंगे। अरे वाह! अस्तबल में डेंट और लिन हैं! झाड़ियों के रास्ते, उस छोटे से दरवाज़े से अंदर जाओ।' जैसे ही मैं एक तरफ गया, वह दूसरी तरफ चला गया, और मैंने उसे आँगन में खुशी से कहते सुना— 'मेसन ने आज सुबह तुम सबको पहले ही छोड़ दिया; वह सूर्योदय से पहले ही चला गया था: मैं उसे विदा करने के लिए चार बजे उठा था।'

206 जेन आयर टीएस अध्याय इसलिए पूर्वाभास विचित्र चीजें हैं! और सहानुभूति भी; और संकेत भी; और ये तीनों मिलकर एक ऐसा रहस्य बनाते हैं जिसकी कुंजी मानवता को अभी तक नहीं मिली है। मैंने अपने जीवन में कभी पूर्वाभासों पर नहीं हँसा, क्योंकि मुझे स्वयं भी विचित्र पूर्वाभास हुए हैं। मेरा मानना है कि सहानुभूति मौजूद है (उदाहरण के लिए, दूर-दराज के, लंबे समय से अनुपस्थित, पूरी तरह से अलग-थलग पड़े रिश्तेदारों के बीच, जो अपने अलगाव के बावजूद, उस स्रोत की एकता का दावा करते हैं जिससे प्रत्येक अपनी उत्पत्ति का पता लगाता है) जिसकी कार्यप्रणाली नश्वर समझ से परे है। और संकेत, जहाँ तक हम जानते हैं, प्रकृति की मनुष्य के प्रति सहानुभूति मात्र हो सकते हैं। जब मैं एक छोटी बच्ची थी, केवल छह साल की, एक रात मैंने बेसी लीवन को मार्था एबॉट से यह कहते हुए सुना कि वह एक छोटे बच्चे के बारे में सपना देख रही थी; और बच्चों के सपने देखना स्वयं या अपने परिवार के लिए परेशानी का एक निश्चित संकेत है। यह कहावत शायद मेरी

याददाश्त से मिट जाती, अगर इसके तुरंत बाद एक ऐसी घटना न घटी होती जिसने इसे हमेशा के लिए मेरे दिमाग में बिठा दिया। अगले दिन बेसी को उसकी छोटी बहन के पास घर बुलाया गया, जो मृत्युशय्या पर थी। हाल ही में मुझे यह कहावत और यह घटना अक्सर याद आ रही थी; क्योंकि पिछले एक हफ्ते में शायद ही कोई रात ऐसी गुज़री हो जब मुझे किसी शिशु का सपना न आया हो, जिसे मैं कभी अपनी बाहों में सुलाती, कभी अपनी गोद में झुलाती, कभी लॉन में फूलों से खेलते देखती, या फिर बहते पानी में हाथ डुबोते देखती। कभी वह रात रोता हुआ बच्चा होता, तो कभी हंसता हुआ: कभी वह मेरे पास आकर सोता, कभी मुझसे दूर भागता; लेकिन चाहे उसका रूप-रंग कैसा भी हो, लगातार सात रातों तक वह मुझे सोते ही मिल जाता था। मुझे एक ही विचार का बार-बार आना—एक ही छवि का यह अजीब दोहराव—पसंद नहीं था, और जैसे-जैसे सोने का समय नज़दीक आता और सपने का समय बढ़ता जाता, मैं घबरा जाती। उस चांदनी रात में जब मैंने रोने की आवाज़ सुनी, तो मैं उस शिशु-प्रेत के साथ रहने के कारण ही जागा था; और अगले दिन दोपहर को मुझे नीचे बुलाया गया, क्योंकि किसी ने मुझे श्रीमती फेयरफैक्स के कमरे में बुलाया था। वहाँ पहुँचने पर मैंने एक आदमी को मेरा इंतज़ार करते हुए पाया, जो किसी सज्जन के नौकर जैसा दिखता था: उसने गहरे शोक के वस्त्र पहने हुए थे, और उसके हाथ में पकड़ी टोपी के चारों ओर क्रेप का पट्टा लगा हुआ था।

जेन आयर 207 एसएस ‘मुझे लगता है कि आपको मैं शायद ही याद हूँ, मिस,’ मेरे अंदर आते ही वह उठते हुए बोला; ‘मेरा नाम लीवन है: जब आप गेट्सहेड में थीं, तब मैं श्रीमती रीड के साथ कोचवान का काम करता था, आठ-नौ साल पहले, और मैं अभी भी वहीं रहता हूँ।’ ‘ओह, रॉबर्ट! आप कैसे हैं? मुझे आप बहुत अच्छे से याद हैं: आप मुझे कभी-कभी मिस जॉर्जियाना के भूरे टट्टू पर सवारी कराया करते थे। और बेसी कैसी है?’ “जी हां, महोदया: मेरी पत्नी बहुत स्वस्थ हैं, धन्यवाद; उन्होंने लगभग दो महीने पहले मुझे एक और बच्चा दिया—अब हमारे तीन बच्चे हैं—और मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।” “और घर पर परिवार कैसा है, रॉबर्ट?” “मुझे खेद है कि मैं आपको उनके बारे में कोई अच्छी खबर नहीं दे सकता, महोदया: वे इस समय बहुत बीमार हैं—बहुत बड़ी मुसीबत में हैं।” “मुझे उम्मीद है कि कोई मरा नहीं है,” मैंने उनकी काली पोशाक की ओर देखते हुए कहा। उन्होंने भी अपनी टोपी के चारों ओर लगे काले कपड़े की ओर देखा और उत्तर दिया— “श्री जॉन का कल लंदन स्थित

उनके कार्यालय में निधन हो गया।" "श्री जॉन?" "जी हां।" 'और उसकी माँ इसे कैसे सहन करती है?' "देखिए, मिस आयर, यह कोई आम दुर्घटना नहीं है: उसका जीवन बहुत ही बेकाबू रहा है: पिछले तीन वर्षों में वह अजीबोगरीब आदतों में लिप्त रहा, और उसकी मृत्यु भयावह थी।" 'मैंने बेसी से सुना था कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है।" 'ठीक है! इससे बुरा तो हो ही नहीं सकता था: उसने सबसे बुरे लोगों और सबसे बुरी औरतों के बीच रहकर अपनी सेहत और संपत्ति बर्बाद कर दी। वह कर्ज में डूब गया और जेल भी गया: उसकी माँ ने दो बार उसकी मदद की, लेकिन जैसे ही वह रिहा हुआ, वह अपने पुराने साथियों और आदतों में लौट गया। उसका दिमाग कमजोर था: जिन बदमाशों के बीच वह रहता था, उन्होंने उसे इतना बेवकूफ बनाया जितना मैंने कभी नहीं सुना था। वह लगभग तीन हफ्ते पहले गेट्सहेड आया था और चाहता था कि मालकिन उसे सब कुछ दे दे। मालकिन ने मना कर दिया: उसकी फिजूलखर्ची के कारण उसकी आमदनी बहुत कम हो गई थी; इसलिए वह वापस चला गया, और अगली खबर यह थी कि उसकी मौत हो गई है। उसकी मौत कैसे हुई, भगवान ही जाने!—वे कहते हैं कि उसने आत्महत्या कर ली।" मैं चुप रही: यह खबर बहुत भयानक थी। रॉबर्ट लीवन ने आगे कहा— 'मालकिन की तबीयत भी कुछ समय से खराब थी: उनका वजन काफी बढ़ गया था, लेकिन उनमें ताकत नहीं बची थी; और पैसों की कमी और गरीबी के डर ने उन्हें पूरी तरह से तोड़ दिया था। श्री जॉन की मृत्यु की सूचना और जिस तरह से यह हुई, वह बहुत अचानक मिली: इससे उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। वह तीन दिन तक बोल नहीं पाईं; लेकिन पिछले मंगलवार को उनकी हालत कुछ बेहतर लग रही थी।'

 ———— वह कुछ कहना चाहती हुई प्रतीत हुई और मेरी पत्नी को इशारे करती रही तथा कुछ बुदबुदाती रही। हालाँकि, कल सुबह ही बेसी समझ पाई कि वह आपका नाम ले रही है; और अंत में उसने ये शब्द सुने, "जेन को लाओ —जेन आयर को बुलाओ: मैं उससे बात करना चाहती हूँ।" बेसी को यकीन नहीं है कि वह होश में है या नहीं, या उसके शब्दों का कोई मतलब है या नहीं; लेकिन उसने मिस रीड और मिस जॉर्जियाना को बताया और उन्हें आपको बुलवाने की सलाह दी। युवतियों ने पहले तो टालमटोल किया; लेकिन उनकी माँ इतनी बेचैन हो गईं और बार-बार "जेन, जेन" कहती रहीं कि अंत में वे मान गईं। मैं कल गेट्सहेड से निकला था: और अगर आप तैयार हो जाएं, मिस, तो मैं आपको कल सुबह जल्दी अपने साथ

वापस ले जाना चाहूंगा।' 'जी रॉबर्ट, मैं तैयार हो जाऊंगी: मुझे लगता है कि मुझे जाना चाहिए।' 'मुझे भी ऐसा ही लगता है, मिस। बेसी ने कहा था कि उन्हें यकीन है कि आप मना नहीं करेंगी: लेकिन मुझे लगता है कि आपको जाने से पहले अनुमति लेनी होगी?' "जी; और मैं अभी ले लूंगी'; और उन्हें नौकरों के हॉल में भेजकर, और उन्हें जॉन की पत्नी और जॉन के भरोसे छोड़कर, मैं मिस्टर रोचेस्टर की तलाश में निकल पड़ा। वह नीचे के किसी भी कमरे में नहीं थे; वह आंगन में, अस्तबल में या मैदान में भी नहीं थे। मैंने मिसेज फेयरफैक्स से पूछा कि क्या उन्होंने उन्हें देखा है;—हाँ: उनका मानना था कि वह मिस इंग्राम के साथ बिलियर्ड्स खेल रहे थे। मैं बिलियर्ड रूम की ओर भागा: वहाँ गेंदों की खनक और आवाजों की गूंज सुनाई दे रही थी; मिस्टर रोचेस्टर, मिस इंग्राम, दोनों मिस। एश्टन और उनके प्रशंसक सभी खेल में व्यस्त थे। इतने दिलचस्प माहौल में खलल डालना हिम्मत का काम था; लेकिन मेरा काम ऐसा था जिसे मैं टाल नहीं सकता था, इसलिए मैं मास्टर के पास गया जहाँ वे मिस इंग्राम के बगल में खड़े थे। जैसे ही मैं पास पहुँचा, वह मुड़ीं और मुझे घमंडी निगाहों से देखा: उनकी आँखें मानो पूछ रही थीं, 'इस रेंगने वाले जीव को अब क्या चाहिए?' और जब मैंने धीमी आवाज़ में कहा, 'मिस्टर रोचेस्टर,' तो उन्होंने ऐसा इशारा किया मानो मुझे वहाँ से भगाना चाहती हों। मुझे उस समय उनका रूप याद है—वह बहुत ही सुंदर और आकर्षक थीं: उन्होंने आसमानी नीले रंग का क्रैप गाउन पहना हुआ था; उनके बालों में एक हल्का नीला स्कार्फ लिपटा हुआ था। वह खेल में पूरी तरह से मग्न थीं, और उनके घमंडी चेहरे पर झलकती उनकी चिढ़ और अभिमान का भाव भी कम नहीं हुआ था। 'क्या वह व्यक्ति आपको बुलाना चाहता है?' उन्होंने मिस्टर रोचेस्टर से पूछा; और मिस्टर रोचेस्टर यह देखने के लिए मुड़े कि वह 'व्यक्ति' कौन है। उन्होंने एक अजीब सा मुँह बनाया—उनका एक अजीब और अस्पष्ट सा मुँह। प्रदर्शन के दौरान—उसने अपना क्यू फेंक दिया और मेरे पीछे कमरे से बाहर आ गया।

जेन आयर 209 nl sec nk ac eoieidnascatacdacneoen™ 'अच्छा, जेन?' उसने कहा, जैसे ही उसने अपनी पीठ स्कूल के कमरे के दरवाजे से टिकाई, जिसे उसने बंद कर दिया था। 'अगर आप चाहें, महोदय, मुझे एक या दो सप्ताह की छुट्टी चाहिए।' "क्या करना है?—कहाँ जाना है?" "एक बीमार महिला को देखने जाना है जिसने मुझे बुलवाया है।" "कौन सी बीमार महिला?—वह कहाँ रहती है?" "गेट्सहेड में, ——शायर में।" "——शायर? वह तो सौ मील दूर है! वह कौन हो सकती है जो

लोगों को इतनी दूर अपने पास बुलाती है?" "उनका नाम रीड है, महोदय—श्रीमती रीड।" "गेट्सहेड के रीड? गेट्सहेड में एक रीड थे, एक मजिस्ट्रेट।" "वह उनकी विधवा हैं, महोदय।" "और आपका उनसे क्या लेना-देना है? आप उन्हें कैसे जानते हैं?" "श्रीमान..." रीड मेरे चाचा थे—मेरी माँ के भाई।' "वह तो बिलकुल ही बदमाश थे! तुमने मुझे यह बात पहले कभी नहीं बताई: तुम हमेशा कहते थे कि तुम्हारे कोई रिश्तेदार नहीं हैं।' "कोई भी ऐसा नहीं जो मुझे अपना माने, महोदय। श्री रीड मर चुके हैं, और उनकी पत्नी ने मुझे त्याग दिया है।' "क्यों?" 'क्योंकि मैं गरीब और बोझ थी, और वह मुझे नापसंद करती थी।' 'लेकिन रीड ने बच्चे छोड़े?—तुम्हारे चचेरे भाई-बहन तो होंगे ही? सर जॉर्ज लिन कल गेट्सहेड के एक रीड के बारे में बात कर रहे थे, जो उनके अनुसार शहर के सबसे बड़े बदमाशों में से एक था; और इंग्राम उसी जगह की एक जॉर्जियाना रीड का जिक्र कर रहे थे, जिसकी सुंदरता की लंदन में एक-दो सीजन पहले बहुत प्रशंसा हुई थी।' 'जॉन रीड भी मर चुका है, महोदय: उसने खुद को और अपने परिवार को आधा बर्बाद कर दिया, और माना जाता है कि उसने आत्महत्या कर ली। इस खबर से उसकी माँ को इतना गहरा सदमा लगा कि उसे मिर्गी का दौरा पड़ गया।' 'और तुम उसकी क्या मदद कर सकती हो? बकवास, जेन! मैं कभी भी सौ मील दौड़कर उस बूढ़ी औरत से मिलने के बारे में नहीं सोचूंगा, जो शायद तुम्हारे पहुँचने से पहले ही मर चुकी हो: इसके अलावा, तुम कहती हो कि उसने तुम्हें छोड़ दिया था।' 'जी महोदय, लेकिन यह बहुत पहले की बात है; और तब उसकी परिस्थितियाँ बहुत अलग थीं: अब मैं उसकी इच्छाओं की अवहेलना नहीं कर सकती।' 'तुम कितने दिन रुकोगी?' 'जितने कम समय के लिए हो सके' 'संभव है, महोदय।' 'मुझसे वादा कीजिए कि आप केवल एक सप्ताह रुकेंगे—' 'बेहतर होगा कि मैं अपना वचन न तोड़ूँ: मुझे इसे तोड़ना पड़ सकता है।' 'हर हाल में आपको वापस आना होगा: आप बहकावे में नहीं आएंगे।'

 —————— क्या तुम किसी भी बहाने से उसके साथ स्थायी रूप से रहने के लिए आओगी?' 'अरे नहीं! अगर सब ठीक रहा तो मैं ज़रूर लौट आऊँगी।' 'और तुम्हारे साथ कौन जा रहा है? तुम सौ मील अकेले तो नहीं सफ़र करोगी?' 'जी नहीं, महोदय, उसने अपना कोचवान भेजा है।' 'क्या वह भरोसेमंद है?' 'जी हाँ, महोदय, वह दस साल से हमारे परिवार में रह रहा है।' श्री रोचेस्टर सोचने लगे। 'तुम कब जाना चाहती हो?' 'कल सुबह जल्दी, महोदय।' 'अच्छा, तुम्हारे पास

कुछ पैसे तो होने ही चाहिए; तुम बिना पैसे के सफ़र नहीं कर सकती, और मुझे लगता है तुम्हारे पास ज़्यादा पैसे नहीं हैं: मैंने तुम्हें अभी तक कोई वेतन नहीं दिया है। जेन, तुम्हारे पास कुल कितने पैसे हैं?' उन्होंने मुस्कुराते हुए पूछा। मैंने अपना पर्स निकाला; वह बहुत छोटा था। 'पाँच शिलिंग, महोदय...' उन्होंने पर्स लिया, उसमें से पैसे अपनी हथेली में डाले और उस पर ऐसे हँसे जैसे उसकी कमी उन्हें मज़ेदार लग रही हो। जल्द ही उसने अपनी जेब निकाली: 'ये लो,' उसने मुझे एक नोट देते हुए कहा; उसमें पचास पाउंड थे, और उसे मुझे केवल पंद्रह पाउंड देने थे। मैंने उससे कहा कि मेरे पास खुले पैसे नहीं हैं। 'मुझे खुले पैसे नहीं चाहिए; तुम जानते हो। अपनी तनख्वाह ले लो।' मैंने अपने हक से ज़्यादा लेने से इनकार कर दिया। पहले तो वह नाराज़ हुआ; फिर, मानो कुछ याद करते हुए, उसने कहा— 'ठीक है, ठीक है! अभी तुम्हें सब कुछ न देना ही बेहतर है: अगर तुम्हारे पास पचास पाउंड होते, तो शायद तुम तीन महीने तक दूर रहते। दस पाउंड हैं; क्या यह काफी नहीं है?' 'जी हाँ, महोदय, लेकिन अब आपको मुझे पाँच पाउंड देने होंगे।' "तो फिर वापस आकर ले जाना; मैं चालीस पाउंड का आपका मुआवज़ा देने के लिए तैयार हूँ।' 'श्रीमान रोचेस्टर, जब मुझे मौका मिल रहा है, तो मैं आपसे एक और काम की बात कर लेता हूँ।' 'काम की बात? मैं इसे सुनने के लिए उत्सुक हूँ।' "आपने मुझे लगभग बता ही दिया है, महोदय, कि आपकी जल्द ही शादी होने वाली है?' "जी हाँ; तो फिर क्या?' 'ऐसे में, महोदय, एडेल को स्कूल जाना चाहिए: मुझे यकीन है कि आप इसकी आवश्यकता को समझेंगे।' "उसे मेरी दुल्हन के रास्ते से हटाने के लिए, जो अन्यथा उस पर बहुत अधिक दबाव डाल सकती है? सुझाव में समझदारी है; इसमें कोई संदेह नहीं है। जैसा कि आप कहते हैं, एडेल को स्कूल जाना चाहिए; और आपको, ज़ाहिर है, सीधे शैतान के पास जाना चाहिए?' 'मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा, महोदय; लेकिन मुझे कहीं और नौकरी तलाशनी होगी।' 'ज़रूर!' उसने कर्कश स्वर और चेहरे के विकृत भावों के साथ कहा, जो एक साथ अविश्वसनीय और हास्यास्पद थे। उसने कुछ मिनटों तक मेरी ओर देखा।

जेन आयर 211 0 SE a Ene 'और मुझे लगता है कि आप बूढ़ी मैडम रीड या उनकी बेटियों से कोई जगह ढूंढने का अनुरोध करेंगी?' 'नहीं, महोदय; मेरे अपने रिश्तेदारों से ऐसे संबंध नहीं हैं कि मैं उनसे मदद मांग सकूं—लेकिन मैं विज्ञापन जरूर दूंगी।' 'तुम मिस्र के पिरामिडों पर चढ़ जाओ!' वह गुर्राया। 'अपने जोखिम पर विज्ञापन दो! काश मैंने तुम्हें दस पाउंड के बजाय एक सॉवरेन ही दे दिया होता। मुझे नौ पाउंड

वापस दे दो, जेन; मुझे इसकी जरूरत है।' 'मुझे भी, महोदय,' मैंने अपने हाथ और पर्स पीछे करते हुए जवाब दिया। 'मैं किसी भी हालत में पैसे नहीं दे सकती थी।' 'छोटी कंजूस!' उसने कहा, 'मेरी पैसे की गुजारिश ठुकरा रही हो! मुझे पांच पाउंड दे दो, जेन।' 'पांच शिलिंग नहीं, महोदय; न ही पाँच पेंस।' "मुझे बस पैसे देखने दीजिए।" 'नहीं, महोदय; आप पर भरोसा नहीं किया जा सकता।" 'जेन!' 'महोदय?' 'मुझसे एक वादा कीजिए।" 'मैं आपसे कुछ भी वादा कर सकती हूँ, महोदय, जो मुझे लगता है कि मैं पूरा कर सकती हूँ।' 'विज्ञापन न करने का और इस नौकरी की तलाश मुझ पर छोड़ने का। मैं समय रहते आपके लिए एक नौकरी ढूंढ दूँगा।' 'मुझे ऐसा करने में खुशी होगी, महोदय, यदि आप भी बदले में वादा करें कि आपकी दुल्हन के घर में प्रवेश करने से पहले मैं और एडेल दोनों सुरक्षित घर से बाहर निकल जाएँगे।' 'बहुत खूब! बहुत खूब! मैं इस पर अपना वचन देता हूँ। तो आप कल जा रही हैं?' "जी हाँ, महोदय; सुबह जल्दी।" 'क्या आप खाने के बाद ड्राइंग रूम में आएँगी?' 'नहीं, महोदय, मुझे यात्रा की तैयारी करनी है।' 'तो क्या हम दोनों को कुछ समय के लिए अलविदा कहना होगा?' 'मुझे लगता है ऐसा ही है, महोदय।' 'और लोग विदाई की वह रस्म कैसे निभाते हैं, जेन? मुझे सिखाओ;' मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं हूँ।' 'वे कहते हैं, विदाई, या कोई भी दूसरा रूप जो उन्हें पसंद हो।' "तो कहिए।" 'विदाई, श्रीमान रोचेस्टर, अभी के लिए।' 'मुझे क्या कहना चाहिए?' 'वही, अगर आप चाहें, महोदय।' 'विदाई, मिस आयर, अभी के लिए; क्या बस इतना ही?' 'हाँ।' 'यह मुझे कंजूसी भरा, नीरस और अमित्रतापूर्ण लगता है। मुझे कुछ और चाहिए: इस रस्म में थोड़ा सा बदलाव। अगर कोई

जेन आयर ———————— = उदाहरण के लिए, हाथ मिलाना; लेकिन नहीं —इससे भी मुझे संतुष्टि नहीं मिलेगी। तो तुम बस इतना ही कहोगे, 'अलविदा, जेन?' 'बस इतना ही काफी है, श्रीमान: एक हार्दिक शब्द में भी उतनी ही सद्भावना व्यक्त की जा सकती है जितनी कई शब्दों में।' 'संभवतः; लेकिन यह भावहीन और ठंडा है —"अलविदा।"' 'वह कब तक उस दरवाजे से पीठ टिकाए खड़ा रहेगा?' मैंने खुद से पूछा; 'मुझे अपना सामान पैक करना शुरू करना है।' खाने की घंटी बजी, और अचानक वह बिना एक शब्द भी बोले भाग गया: मैंने उसे दिन भर फिर नहीं देखा, और सुबह उसके उठने से पहले ही मैं निकल गई थी। मैं 1 मई की दोपहर लगभग पाँच बजे गेट्सहेड स्थित लॉज पहुँची: हॉल में जाने से पहले मैं वहाँ अंदर गई। वह

बहुत साफ-सुथरा था: सजावटी खिड़कियों पर छोटे सफेद पर्दे लगे थे; फर्श बेदाग था; अंगीठी और चूल्हे के औजार चमकीले थे, और आग साफ जल रही थी। बेसी चूल्हे पर बैठी अपने सबसे छोटे बच्चे को दूध पिला रही थी, और रॉबर्ट और उसकी बहन एक कोने में चुपचाप खेल रहे थे। मेरे अंदर आते ही श्रीमती लीवन ने कहा, 'अरे वाह! मुझे पता था तुम आओगे!' मैंने उसे चूमने के बाद कहा, 'जी बेसी, और मुझे उम्मीद है कि मैं देर से नहीं आई हूँ।' श्रीमती रीड कैसी हैं?—उम्मीद है, अभी भी जीवित हैं।' "हाँ, वह जीवित हैं; और पहले से ज़्यादा समझदार और शांत हैं। डॉक्टर का कहना है कि उन्हें एक-दो हफ़्ते और लग सकते हैं; लेकिन उन्हें नहीं लगता कि वह पूरी तरह ठीक हो पाएंगी।' 'क्या उन्होंने हाल ही में मेरा ज़िक्र किया?' 'वह आज सुबह ही आपके बारे में बात कर रही थीं और चाहती थीं कि आप आएँ: लेकिन वह अब सो रही हैं, या दस मिनट पहले सो रही थीं, जब मैं घर पर थी। वह आम तौर पर दोपहर भर सुस्ती में रहती हैं और लगभग छह या सात बजे उठती हैं। क्या आप यहाँ एक घंटे आराम करेंगी, मिस, और फिर मैं आपके साथ ऊपर जाऊँगी।' रॉबर्ट यहाँ दाखिल हुए, और बेसी ने अपने सोए हुए बच्चे को पालने में लिटाया और उसका स्वागत करने चली गईं: बाद में उन्होंने मुझसे अपनी टोपी उतारने और चाय पीने पर ज़ोर दिया; क्योंकि उन्होंने कहा कि मैं पीली और थकी हुई लग रही थी। मुझे उनकी मेहमाननवाज़ी स्वीकार करने में खुशी हुई; और मैंने अपने यात्रा के कपड़े उतारने के लिए उतनी ही सहजता से सहमति दी, जितनी सहजता से मैं बचपन में उन्हें मुझे कपड़े उतारने देती थी। जैसे ही मैंने देखा, पुराने दिन तेज़ी से मेरे सामने आ गए। वह इधर-उधर भाग-दौड़ कर रही थी —अपनी सबसे अच्छी चाय की थाली सजा रही थी, ब्रेड और मक्खन काट रही थी, चाय के साथ केक टोस्ट कर रही थी, और बीच-बीच में छोटे रॉबर्ट या जेन को हल्के से थपथपा रही थी या धक्का दे रही थी, ठीक वैसे ही जैसे वह पहले मुझे दिया करती थी। बेसी ने अपना तेज गुस्सा, फुर्ती और खूबसूरती बरकरार रखी थी। चाय तैयार थी, मैं मेज की ओर बढ़ने ही वाला था; लेकिन वह रुक गई।

जेन आयर 213 एस eeeereeee राय ने मुझे अपने पुराने सख्त लहजे में चुपचाप बैठने को कहा। उसने कहा, मुझे चूल्हे के पास ही खाना परोसा जाना चाहिए; और उसने मेरे सामने एक छोटी गोल चौकी पर मेरा प्याला और टोस्ट की थाली रख दी, ठीक वैसे ही जैसे वह पहले मुझे चुपके से चुराई हुई कोई स्वादिष्ट चीज़ बच्चों की कुर्सी पर परोसती थी: और मैं मुस्कुराई और बीते दिनों की तरह उसकी बात मान ली।

वह जानना चाहती थी कि क्या मैं थॉर्नफील्ड हॉल में खुश हूँ, और मालकिन किस तरह की इंसान हैं; और जब मैंने उसे बताया कि वहाँ केवल एक मालिक है, तो क्या वह एक अच्छे सज्जन हैं, और क्या मैं उन्हें पसंद करती हूँ। मैंने उसे बताया कि वह कुछ बदसूरत आदमी हैं, लेकिन काफी सज्जन हैं; और वह मेरे साथ अच्छा व्यवहार करते हैं, और मैं संतुष्ट हूँ। फिर मैंने उसे उस खुशमिजाज मंडली के बारे में बताना शुरू किया जो हाल ही में घर में ठहरी थी; और बेसी ने इन विवरणों को दिलचस्पी से सुना: वे ठीक उसी तरह के थे जो उसे पसंद थे। ऐसी बातचीत में एक घंटा जल्दी ही बीत गया: बेसी ने मुझे मेरी टोपी वगैरह लौटा दी, और उसके साथ मैं लॉज से निकलकर हॉल में चला गया। लगभग नौ साल पहले, मैं उसी के साथ उस रास्ते पर चला था जिस पर मैं अब चल रहा था। जनवरी की एक अंधेरी, धुंध भरी, ठंडी सुबह, मैं एक शत्रुतापूर्ण छत को हताश और कड़वे दिल से छोड़कर—एक अपराधी और लगभग तिरस्कृत महसूस करते हुए—लोवुड के ठंडे आश्रय की तलाश में निकला था: वह सीमा जो इतनी दूर और अनजानी थी। वही शत्रुतापूर्ण छत अब फिर मेरे सामने खड़ी थी: मेरी संभावनाएं अभी भी अनिश्चित थीं; और मेरा दिल अभी भी दुखी था। मैं अब भी धरती पर एक भटकते हुए व्यक्ति जैसा महसूस कर रहा था; लेकिन मुझे खुद पर और अपनी क्षमताओं पर अधिक दृढ़ विश्वास था, और उत्पीड़न का भय कम हो गया था। मेरे साथ हुए अन्याय का गहरा घाव भी अब पूरी तरह भर चुका था; और आक्रोश की आग बुझ चुकी थी। 'आप पहले नाश्ते के कमरे में जाइए,' बेसी ने हॉल से मेरे आगे जाते हुए कहा; 'वहाँ युवतियाँ होंगी।' अगले ही पल मैं उस कमरे में था। वहाँ हर फर्नीचर ठीक वैसा ही दिख रहा था जैसा उस सुबह था जब मेरी पहली मुलाकात मिस्टर ब्रॉकलहर्स्ट से हुई थी: जिस कालीन पर वे खड़े थे, वह अभी भी चूल्हे पर था। किताबों की अलमारियों पर नज़र डालते हुए, मुझे लगा कि मैं बेविक की 'ब्रिटिश बर्ड्स' की दो प्रतियाँ तीसरी शेल्फ पर अपनी पुरानी जगह पर देख सकता हूँ, और ठीक ऊपर 'गुलिवर ट्रेवल्स' और 'अरेबियन नाइट्स' रखी हुई थीं। निर्जीव वस्तुएँ नहीं बदली थीं; लेकिन सजीव वस्तुएँ इतनी बदल गई थीं कि उन्हें पहचानना मुश्किल था। दो युवतियाँ मेरे सामने आईं; एक बहुत लंबी, लगभग मिस इंग्राम जितनी लंबी—बहुत पतली भी, पीले चेहरे और गंभीर भाव वाली। उसकी नज़र में कुछ तपस्वीपन था।

 जो एक सीधी स्कर्ट वाली, काली, कपड़े की पोशाक, कड़क लिनेन कॉलर, कनपटी से दूर कंघी किए हुए बाल, और आबनूस के मोतियों की

माला और एक क्रूस के नन जैसे आभूषण की अत्यधिक सादगी से और भी बढ़ गई थी। मुझे पूरा यकीन था कि यह एलिज़ा थी, हालाँकि उस लंबे और रंगहीन चेहरे में मुझे उसके पहले के रूप से बहुत कम समानता दिखाई दी। दूसरी निश्चित रूप से जॉर्जियाना थी: लेकिन वह जॉर्जियाना नहीं जिसे मैं याद करती थी—ग्यारह साल की दुबली-पतली और परी जैसी लड़की। यह एक पूरी तरह से विकसित, बहुत गोल-मटोल युवती थी, मोम की तरह गोरी, सुंदर और नियमित नैन-नक्श वाली, उदास नीली आँखों वाली और घुंघराले पीले बालों वाली। उसकी पोशाक का रंग भी काला था; लेकिन उसका फैशन उसकी बहन के फैशन से इतना अलग था—इतना अधिक प्रवाहमय और आकर्षक—कि वह उतनी ही स्टाइलिश लग रही थी जितनी दूसरी की पोशाक रूढ़िवादी लग रही थी। दोनों बहनों में माँ का एक-एक गुण था—और केवल एक ही; दुबली-पतली और पीली-सी दिखने वाली बड़ी बेटी की आंखें अपने माता-पिता की तरह ही केर्नगोर्म जैसी थीं: खिलखिलाती और आकर्षक छोटी बेटी के जबड़े और ठोड़ी की बनावट—शायद थोड़ी नरम हो गई थी, लेकिन फिर भी उसके चेहरे पर एक अवर्णनीय कठोरता झलक रही थी, जो अन्यथा इतना कामुक और सुडौल था। जैसे ही मैं आगे बढ़ी, दोनों महिलाएं मेरा स्वागत करने के लिए खड़ी हुईं और दोनों ने मुझे 'मिस आयर' कहकर संबोधित किया। एलिज़ा का अभिवादन संक्षिप्त और रूखे स्वर में था, बिना मुस्कान के; और फिर वह वापस बैठ गई, अपनी निगाहें आग पर टिका दीं और मानो मुझे भूल ही गई हो। जॉर्जियाना ने अपने 'आप कैसी हैं?' के साथ-साथ मेरी यात्रा, मौसम आदि के बारे में कई सामान्य बातें भी पूछीं, जो उसने कुछ धीमी और उबाऊ आवाज़ में कही थीं: और साथ ही कई तिरछी निगाहें भी डालीं जो मुझे सिर से पैर तक परख रही थीं—कभी मेरी सादी मेरिनो फरीसी की सिलवटों पर, तो कभी मेरी कॉटेज बोनट की सादी किनारी पर। युवतियों में बिना कुछ कहे ही यह जताने का एक अनोखा तरीका होता है कि वे आपको 'मज़ाक' समझती हैं। उनकी नज़र में एक खास तरह का घमंड, व्यवहार में शीतलता और लहजे में बेपरवाही, बिना किसी स्पष्ट अभद्रता या असभ्यता के, उनके विचारों को पूरी तरह व्यक्त कर देती है। हालांकि, चाहे छुपकर हो या खुलकर, अब उनका तिरस्कार मुझ पर उतना असर नहीं कर पाता था जितना पहले करता था: जब मैं अपनी चचेरी बहनों के बीच बैठा था, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि एक की पूरी तरह से अनदेखी और दूसरी के अर्ध-व्यंग्यपूर्ण व्यवहार में मैं कितना सहज महसूस कर रहा था—एलिज़ा ने मुझे न तो शर्मिंदा किया

और न ही जॉर्जियाना ने मुझे परेशान किया। असल बात यह थी कि मेरे पास सोचने के लिए और भी बहुत कुछ था; पिछले कुछ महीनों में मेरे भीतर ऐसी भावनाएँ उमड़ी थीं जो किसी भी अन्य भावना से कहीं अधिक प्रबल थीं—ऐसे दर्द और सुख जो पहले कभी नहीं हुए थे।

जेन आयर 215 री ईईई शक्ति थोपने या प्रदान करने की—उनके व्यवहार से मुझे अच्छे या बुरे की कोई चिंता नहीं थी। 'श्रीमती रीड कैसी हैं?' मैंने जल्द ही पूछा, जॉर्जियाना की ओर शांत भाव से देखते हुए, जो सीधे संबोधन पर नाराज़ हो गई, मानो यह एक अप्रत्याशित स्वतंत्रता हो। 'श्रीमती रीड? आह, माँ, आपका मतलब है; वह बहुत बीमार हैं: मुझे संदेह है कि आप आज रात उनसे मिल पाएंगी।' 'यदि,' मैंने कहा, 'आप बस ऊपर जाकर उन्हें बता दें कि मैं आ गई हूँ, तो मैं आपकी बहुत आभारी रहूँगी।' जॉर्जियाना लगभग चौंक गई, और उसने अपनी नीली आँखें चौड़ी कर लीं। 'मुझे पता है कि वह मुझसे मिलने की विशेष इच्छा रखती थीं,' मैंने आगे कहा, 'और मैं उनकी इच्छा को पूरा करने में बिल्कुल भी देरी नहीं करूँगी।' 'माँ को शाम को परेशान होना पसंद नहीं है,' एलिज़ा ने टिप्पणी की। मैं जल्दी से उठी, चुपचाप बिना बुलाए अपनी टोपी और दस्ताने उतारे, और कहा कि मैं बस बेसी के पास जा रही हूँ —जो शायद रसोई में थी—और उससे पूछूँगी कि क्या श्रीमती रीड आज रात मुझसे मिलने के लिए तैयार हैं या नहीं। मैं गई, और बेसी को ढूंढकर उसे अपना काम सौंपने के बाद, मैंने आगे की तैयारी शुरू कर दी। अब तक मेरी आदत रही थी कि मैं घमंड से दूर रहती थी: आज जिस तरह का स्वागत हुआ था, एक साल पहले तो मैं अगले ही दिन गेट्सहेड छोड़ने का फैसला कर लेती; अब मुझे अचानक समझ आ गया कि यह एक मूर्खतापूर्ण योजना होगी। मैं अपनी चाची से मिलने के लिए सौ मील का सफर तय करके आई थी, और मुझे उनके ठीक होने तक—या उनकी मृत्यु तक—उनके साथ रहना होगा: उनकी बेटियों के घमंड या मूर्खता की बात हो, तो मुझे उसे एक तरफ रख देना चाहिए, खुद को उससे अलग कर लेना चाहिए। इसलिए मैंने हाउसकीपर से बात की; मैंने उससे एक कमरा दिखाने को कहा, बताया कि मैं शायद एक-दो हफ़्ते के लिए यहाँ रहूँगा, अपना सामान अपने कमरे में भिजवाया और खुद भी उसके पीछे-पीछे वहाँ गया: सीढ़ियों पर मेरी मुलाकात बेसी से हुई। उसने कहा, 'मालकिन जाग गई हैं; मैंने उन्हें बता दिया है कि आप यहाँ हैं: आइए देखते हैं कि क्या वह आपको पहचान पाएंगी।' मुझे उस जाने-माने कमरे तक ले जाने की ज़रूरत नहीं

थी, जहाँ मुझे पहले अक्सर डांट-फटकार के लिए बुलाया जाता था। मैं बेसी से पहले ही जल्दी से चला गया; मैंने धीरे से दरवाज़ा खोला: मेज़ पर एक हल्की रोशनी थी, क्योंकि अब अंधेरा हो रहा था। वहाँ पुराने ज़माने की तरह एम्बर रंग के पर्दों वाला बड़ा चारपाई वाला पलंग था; वहाँ श्रृंगार की मेज़, आरामकुर्सी और वह पायदान था, जिसके सामने मुझे सौ बार घुटने टेककर उन अपराधों के लिए माफ़ी माँगने की सज़ा मिली थी जो मैंने किए ही नहीं थे। मैंने पास के एक कोने में झाँका, मुझे आधी उम्मीद थी कि शायद मुझे वहाँ छिपी हुई किसी खूंखार छड़ी की पतली सी आकृति दिखाई दे, जो शैतान की तरह उछलकर मेरी कांपती हथेली पर वार करने के लिए तैयार रहती थी।

216 जेन आयर nln a ae sce Pt या सिकुड़ती गर्दन। मैं बिस्तर के पास गई; मैंने पर्दे खोले और ऊँचे-ऊँचे तकियों पर झुक गई। मुझे श्रीमती रीड का चेहरा अच्छी तरह याद था, और मैं उत्सुकता से उस परिचित छवि को ढूँढ़ रही थी। यह सुखद बात है कि समय प्रतिशोध की लालसा को शांत कर देता है और क्रोध और घृणा की भावनाओं को दबा देता है। मैं इस स्त्री को कड़वाहट और घृणा में छोड़कर गई थी, और अब मैं उसके पास केवल उसकी पीड़ाओं के प्रति एक प्रकार की दया और सभी चोटों को भूलने और क्षमा करने की प्रबल इच्छा के साथ लौटी थी—मेल-मिलाप करने और मित्रता में हाथ मिलाने की। वह जाना-पहचाना चेहरा वहाँ था: कठोर, हमेशा की तरह निर्दयी—वही विशेष आँख जिसे कुछ भी पिघला नहीं सकता था, और कुछ उठी हुई, अभिमानी, निरंकुश भौंहें। कितनी बार इसने मुझ पर धमकी और घृणा बरसाई थी! और अब जब मैं इसकी कठोर रेखा को देख रही थी, तो बचपन के भय और दुखों की यादें कैसे ताज़ा हो उठीं! फिर भी मैं झुका और उसे चूमा: उसने मेरी तरफ देखा। उसने कहा, 'क्या यह जेन आयर है?' “जी हां, आंटी रीड। कैसी हैं आप, प्यारी आंटी?” मैंने एक बार कसम खाई थी कि मैं उन्हें फिर कभी आंटी नहीं कहूँगी: मुझे लगा कि अब उस कसम को भूलकर तोड़ना कोई पाप नहीं है। मेरी उंगलियां चादर के बाहर फैले उनके हाथ पर टिक गई थीं: अगर उन्होंने मेरे हाथ को प्यार से दबाया होता, तो उस पल मुझे सच्चा सुख मिलता। लेकिन कठोर स्वभाव इतनी जल्दी नरम नहीं पड़ते, न ही स्वाभाविक घृणा इतनी आसानी से दूर होती है। श्रीमती रीड ने अपना हाथ हटा लिया और मुझसे मुंह फेरते हुए कहा कि रात गर्म है। उन्होंने फिर से मुझे इतनी ठंडी निगाहों से देखा कि मुझे तुरंत समझ आ गया कि मेरे बारे में उनकी राय—मेरे प्रति

उनकी भावना—अपरिवर्तित और अटल है। उनकी पत्थर जैसी आंखों से—कोमलता के लिए अपारदर्शी, आंसुओं से अविचलित—मैं समझ गई कि वह अंत तक मुझे बुरा ही मानने पर तुली हुई हैं; क्योंकि मुझे अच्छा मानना उन्हें कोई आनंद नहीं देगा: केवल अपमान का एहसास कराएगा। मुझे दर्द हुआ, फिर क्रोध आया; और फिर उन्हें वश में करने—उनकी स्वामिनी बनने का दृढ़ संकल्प हुआ। उसके स्वभाव और इच्छाशक्ति दोनों के बावजूद। मेरी आँखों में आँसू आ गए थे, ठीक वैसे ही जैसे बचपन में आते थे: मैंने उन्हें वापस वहीं रोक दिया। मैं एक कुर्सी लेकर पलंग के पास आई: मैं बैठ गई और तकिये पर झुक गई। 'आपने मुझे बुलाया था,' मैंने कहा, 'और मैं यहाँ हूँ; और मेरा इरादा तब तक यहाँ रहने का है जब तक मैं देख न लूँ कि आप कैसी हैं।' 'अरे हाँ! क्या आपने मेरी बेटियों को देखा है?' 'हाँ।' 'अच्छा, आप उन्हें बता देना कि मैं चाहती हूँ कि आप तब तक यहाँ रहें जब तक मैं आपसे कुछ बातें न कर लूँ जो मेरे मन में हैं: आज रात।

जेन आयर 217 ईई ईई बहुत देर हो चुकी है, और मुझे उन्हें याद करने में कठिनाई हो रही है। लेकिन कुछ ऐसा था जो मैं कहना चाहती थी—देखने दो—' उसकी भटकती नज़र और बदले हुए उच्चारण ने बता दिया कि कभी जीवंत रहने वाले उसके शरीर में क्या उथल-पुथल मच गई थी। बेचैनी से करवट बदलते हुए, उसने अपने चारों ओर चादरें लपेट लीं; रजाई के एक कोने पर टिकी मेरी कोहनी ने उसे नीचे दबा दिया: वह तुरंत चिढ़ गई। 'सीधे बैठो!' उसने कहा; 'कपड़े कसकर पकड़कर मुझे परेशान मत करो। क्या तुम जेन आयर हो?' 'मैं जेन आयर हूँ।' 'उस बच्ची के साथ मुझे जितनी परेशानी हुई है, कोई सोच भी नहीं सकता। मेरे हाथों में छोड़ा गया वह कितना बड़ा बोझ है—और वह मुझे हर दिन, हर घंटे, अपने समझ से परे स्वभाव, अचानक गुस्से के दौरे और लगातार, अप्राकृतिक रूप से मेरी हरकतों पर नज़र रखने से कितना परेशान करती है! मैं कसम खाती हूँ कि उसने एक बार मुझसे पागलों जैसी या किसी शैतान की तरह बात की थी—कोई बच्चा कभी भी उस तरह से नहीं बोला या देखा जैसा उसने किया; मुझे उसे घर से दूर ले जाकर खुशी हुई। लोवुड में उन्होंने उसके साथ क्या किया? वहाँ बुखार फैल गया और कई छात्र मर गए। हालाँकि, वह नहीं मरी: लेकिन मैंने कहा कि वह मर गई—काश वह मर गई होती!' 'अजीब इच्छा है, श्रीमती रीड; आप उससे इतनी नफरत क्यों करती हैं?' 'मुझे उसकी माँ से हमेशा से ही नफरत थी; क्योंकि वह मेरे पति की इकलौती बहन थी और उनकी लाडली थी:

जब उसने निम्न वर्ग में शादी की तो उन्होंने परिवार द्वारा उसे बेदखल करने का विरोध किया; और जब उसकी मृत्यु की खबर आई, तो वह पागलों की तरह रोए। वह बच्चे को बुलवा लेते थे; हालाँकि मैं उनसे विनती करती थी कि उसे किसी और को सौंप दें और उसके पालन-पोषण का खर्च उठाएँ। पहली बार जब मैंने उसे देखा तो मुझे उससे नफरत हो गई—एक बीमार, रोने वाली, तड़पती हुई बच्ची! वह रात भर अपने पालने में रोती रहती थी—दूसरे बच्चों की तरह जोर-जोर से नहीं चिल्लाती थी, बल्कि सिसकती और कराहती थी। रीड को उस पर दया आती थी; और वह उसकी देखभाल ऐसे करता था जैसे वह उसका अपना बच्चा हो: वास्तव में, उस उम्र में वह अपने बच्चे की जितनी देखभाल करता था, उससे कहीं ज़्यादा। वह मेरे बच्चों को उस छोटे भिखारी से दोस्ती कराने की कोशिश करता था: लेकिन मेरे बच्चे उसे बर्दाश्त नहीं कर पाते थे, और जब वे अपनी नापसंदगी दिखाते थे तो वह उन पर गुस्सा हो जाता था। अपनी अंतिम बीमारी में, वह उसे लगातार अपने बिस्तर के पास लाता था; और मरने से ठीक एक घंटा पहले, उसने मुझसे उस प्राणी की देखभाल करने की कसम खिलवाई। मैं तो किसी गरीब घर के बच्चे की देखभाल करने को भी तैयार थी: लेकिन वह कमज़ोर था, स्वभाव से कमज़ोर। जॉन अपने पिता से बिल्कुल भी मिलता-जुलता नहीं है, और मुझे इस बात की खुशी है: जॉन मेरे और मेरे भाइयों जैसा है—वह बिलकुल गिब्सन जैसा है। काश, वह मुझे पैसे के लिए चिट्ठियाँ लिखकर परेशान करना बंद कर दे! मेरे पास उसे देने के लिए और पैसे नहीं हैं: हम गरीब होते जा रहे हैं। मुझे आधे नौकरों को निकालना होगा और घर का कुछ हिस्सा बंद करना होगा।

218 जेन आयर ईईएस = घर; या उसे किराए पर दे दो। मैं ऐसा कभी नहीं कर सकती—फिर भी हम कैसे गुजारा करेंगे? मेरी आमदनी का दो-तिहाई हिस्सा गिरवी रखे घरों के ब्याज चुकाने में चला जाता है। जॉन बुरी तरह जुआ खेलता है और हमेशा हारता है—बेचारा! वह धोखेबाजों से घिरा हुआ है: जॉन डूबा हुआ और पतित है—उसका चेहरा डरावना है—जब मैं उसे देखती हूँ तो मुझे उस पर शर्म आती है।' वह बहुत उत्तेजित हो रही थी। 'मुझे लगता है कि मुझे अब उसे छोड़ देना चाहिए,' मैंने बिस्तर के दूसरी तरफ खड़ी बेसी से कहा। 'शायद आपको छोड़ देना चाहिए, मिस: लेकिन वह अक्सर रात के समय इस तरह बातें करती है—सुबह वह शांत रहती है।' मैं उठ गई। 'रुको!' श्रीमती रीड चिल्लाईं, 'एक और बात है जो मैं कहना चाहती थी। वह मुझे धमकी देता है—वह लगातार मुझे अपनी या मेरी मौत की धमकी देता है: और

कभी-कभी मैं सपने में उसे गले में गहरे घाव के साथ या सूजे हुए और काले पड़े चेहरे के साथ देखती हूँ।' मैं एक अजीब स्थिति में आ गई हूँ: मैं बहुत परेशान हूँ। क्या करूँ? पैसे कहाँ से लाऊँ?' बेसी ने अब उन्हें नींद की दवा लेने के लिए मनाने की कोशिश की: बड़ी मुश्किल से वह सफल हुई। कुछ देर बाद, श्रीमती रीड थोड़ी शांत हुईं और ऊंघने लगीं। फिर मैं उन्हें छोड़कर चली गई। दस दिन से ज़्यादा समय बीत गया, फिर मेरी उनसे कोई बातचीत हुई। वह या तो बेहोश रहती थीं या सुस्त; और डॉक्टर ने उन्हें हर उस चीज़ से मना किया था जिससे उन्हें तकलीफ हो सकती थी। इस बीच, मैंने जॉर्जियाना और एलिज़ा के साथ जितना हो सका उतना समय बिताया। वे शुरू में बहुत ठंडी थीं। एलिज़ा आधा दिन सिलाई, पढ़ने या लिखने में बिताती और मुझसे या अपनी बहन से मुश्किल से एक शब्द भी बोलती। जॉर्जियाना घंटों तक अपनी चिड़िया से बकवास करती रहती और मेरी तरफ ध्यान भी नहीं देती। लेकिन मैंने ठान लिया था कि मैं खाली नहीं बैठूँगी: मैं अपने ड्राइंग का सामान साथ लाई थी, और उसी से मेरा काम चल गया। पेंसिलों का एक डिब्बा और कुछ कागज़ लेकर, मैं खिड़की के पास, उनसे अलग बैठ जाता था और कल्पना के निरंतर बदलते बहुरंगी दृश्य में क्षण भर के लिए उभरने वाले किसी भी दृश्य को चित्रित करने में मग्न हो जाता था: दो चट्टानों के बीच समुद्र की एक झलक; उगता हुआ चाँद और उसके ऊपर से गुजरता हुआ एक जहाज; सरकंडों और जल-झंडियों का एक समूह और उनमें से कमल के फूलों से सजे एक जलपरी का सिर; नागफनी के फूलों की माला के नीचे, चिड़िया के घोंसले में बैठी एक परी। एक सुबह मैं एक चेहरा बनाने में मग्न हो गया: वह किस तरह का चेहरा होगा, मुझे इसकी परवाह नहीं थी और न ही मैं जानता था। मैंने एक नरम काली पेंसिल ली,

जेन आयर 219 ईई ने इसे एक व्यापक बिंदु दिया और काम में जुट गई। जल्द ही मैंने कागज पर एक चौड़ा और उभरा हुआ माथा और चेहरे की निचली चौकोर रूपरेखा बना ली: उस आकृति ने मुझे आनंद दिया; मेरी उंगलियां सक्रिय रूप से उसमें चेहरे की विशेषताओं को भरने लगीं। उस भौंह के नीचे स्पष्ट क्षैतिज भौहें बनानी थीं; फिर स्वाभाविक रूप से, एक सुस्पष्ट नाक, सीधी हड्डी और भरे हुए नथुनों के साथ; फिर एक लचीला दिखने वाला मुंह, जो बिल्कुल भी संकरा नहीं था; फिर एक दृढ़ ठोड़ी, जिसके बीचोंबीच एक स्पष्ट दरार थी: बेशक, कुछ काली मूंछें और कनपटी पर गुच्छेदार और माथे के ऊपर लहराते हुए काले बाल भी बनाने थे। अब बारी थी आंखों

की: मैंने उन्हें अंत में बनाया था, क्योंकि उन पर सबसे सावधानीपूर्वक काम करने की आवश्यकता थी। मैंने उन्हें बड़ा बनाया; मैंने उन्हें अच्छी तरह से आकार दिया: पलकों को मैंने लंबा और गहरा बनाया; पुतलियां चमकदार और बड़ी थीं। 'अच्छा! लेकिन अभी पूरी तरह से नहीं,' मैंने प्रभाव का जायजा लेते हुए सोचा: 'उनमें और अधिक बल और जीवंतता की कमी है'; और मैंने परछाइयों को और गहरा कर दिया, ताकि रोशनी और भी चमके—एक-दो सही स्पर्श ने सफलता दिला दी। वहाँ, मेरी नज़र एक दोस्त के चेहरे पर थी; और उन युवतियों का मुझसे मुँह मोड़ लेना क्या दर्शाता था? मैंने उसे देखा; मैं उस जीवंत छवि को देखकर मुस्कुराया: मैं तल्लीन और संतुष्ट था। 'क्या यह किसी ऐसे व्यक्ति का चित्र है जिसे आप जानते हैं?' एलिज़ा ने पूछा, जो चुपके से मेरे पास आ गई थी। मैंने जवाब दिया कि यह महज़ एक काल्पनिक चेहरा है, और उसे जल्दी से दूसरे पन्नों के नीचे रख दिया। बेशक, मैंने झूठ बोला: यह वास्तव में मिस्टर रोचेस्टर का बहुत सटीक चित्रण था। लेकिन इससे उसे या मेरे अलावा किसी और को क्या लेना-देना था? जॉर्जियाना भी देखने के लिए आगे बढ़ी। उसे दूसरे चित्र बहुत पसंद आए, लेकिन उसने इसे 'बदसूरत आदमी' कहा। वे दोनों मेरी कला पर आश्चर्यचकित लग रही थीं। मैंने उनके चित्र बनाने की पेशकश की; और बारी-बारी से दोनों ने पेंसिल से रूपरेखा बनवाई। फिर जॉर्जियाना ने अपना एल्बम निकाला। मैंने एक जलरंग चित्र बनाने का वादा किया: इससे वह तुरंत खुश हो गई। उसने बगीचे में टहलने का प्रस्ताव रखा। दो घंटे बीतने से पहले ही हम गहरी गोपनीय बातचीत में मशगूल हो गए: उसने मुझे दो साल पहले लंदन में बिताई अपनी शानदार सर्दियों का वर्णन सुनाया—वहाँ उसे मिली प्रशंसा—उस पर हुए ध्यान का; और मुझे उसके उस प्रतिष्ठित प्रेम प्रसंग के बारे में भी संकेत मिले जो उसने रचा था। दोपहर और शाम के दौरान ये संकेत और भी विस्तृत होते गए: कई कोमल बातचीतें हुईं, और भावुक दृश्यों का वर्णन किया गया; और संक्षेप में, उस दिन उसने मेरे मनोरंजन के लिए आधुनिक जीवन पर आधारित एक उपन्यास की तरह कहानी सुना दी। बातचीत हर दिन जारी रही: हमेशा एक ही विषय पर केंद्रित रहती थी—वह खुद, उसके प्रेम और उसके दुख।
 यह अजीब बात थी कि उसने कभी अपनी माँ की बीमारी, अपने भाई की मृत्यु या परिवार के वर्तमान निराशाजनक भविष्य की ओर ध्यान नहीं दिया। उसका मन पूरी तरह से बीते हुए उल्लास की यादों और आने वाले सुख-सुविधाओं की आकांक्षाओं में डूबा हुआ प्रतीत होता था। वह प्रतिदिन अपनी माँ के बीमार कमरे में

लगभग पाँच मिनट ही बिताती थी, इससे अधिक नहीं। एलिज़ा अभी भी कम बोलती थी: जाहिर है उसके पास बात करने का समय नहीं था। मैंने उससे अधिक व्यस्त व्यक्ति कभी नहीं देखा था; फिर भी यह कहना मुश्किल था कि वह क्या करती थी: या यूँ कहें कि उसकी लगन का कोई परिणाम पता लगाना मुश्किल था। उसे सुबह जल्दी उठाने के लिए अलार्म लगा हुआ था। मुझे नहीं पता कि वह नाश्ते से पहले क्या करती थी, लेकिन उस भोजन के बाद वह अपने समय को नियमित भागों में बाँट लेती थी, और प्रत्येक घंटे के लिए एक निर्धारित कार्य होता था। वह दिन में तीन बार एक छोटी सी किताब पढ़ती थी, जिसे जाँचने पर मुझे पता चला कि वह एक प्रार्थना पुस्तक थी। मैंने एक बार उनसे पूछा कि उस किताब में ऐसी क्या खास बात है, तो उन्होंने कहा, 'नियम पुस्तिका'। उन्होंने तीन घंटे एक चौकोर गहरे लाल कपड़े की किनारी को सुनहरे धागे से सिलने में लगाए, जो लगभग कालीन के आकार का था। जब मैंने उनसे इस कपड़े के उपयोग के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि यह गेट्सहेड के पास हाल ही में बने एक नए चर्च की वेदी का आवरण था। दो घंटे उन्होंने अपनी डायरी लिखने में, दो घंटे रसोई के बगीचे में अकेले काम करने में और एक घंटा अपने हिसाब-किताब निपटाने में लगाए। ऐसा लगता था जैसे उन्हें किसी की संगति या बातचीत की ज़रूरत नहीं थी। मेरा मानना है कि वह अपने तरीके से खुश थीं: यह दिनचर्या उनके लिए पर्याप्त थी; और कोई भी घटना जो उनकी नियमित दिनचर्या को बिगाड़ दे, उन्हें सबसे ज़्यादा परेशान करती थी। एक शाम, जब वह सामान्य से ज़्यादा बातूनी थीं, तो उन्होंने मुझे बताया कि जॉन का व्यवहार और परिवार के बर्बाद होने का खतरा उनके लिए बहुत दुख का कारण था: लेकिन अब, उन्होंने कहा, उन्होंने अपना मन बना लिया है और अपना संकल्प पक्का कर लिया है। उन्होंने अपनी संपत्ति सुरक्षित करने का पूरा ध्यान रखा था; और जब उनकी माँ का निधन हुआ—और उन्होंने शांतिपूर्वक कहा कि उनकी माँ का ठीक होना या लंबे समय तक जीवित रहना बिल्कुल असंभव था—तो उन्होंने एक लंबे समय से संजोए हुए सपने को पूरा किया: एक ऐसी सेवानिवृत्ति की तलाश करना जहाँ समय की पाबंदियाँ हमेशा के लिए सुरक्षित रहें, अशांति से दूर रहें, और अपने और एक तुच्छ दुनिया के बीच सुरक्षित दीवारें खड़ी कर लें। मैंने पूछा कि क्या जॉर्जियाना उनके साथ जाएगी। 'बिल्कुल नहीं। जॉर्जियाना और उनमें कुछ भी समान नहीं था: कभी नहीं रहा। वह किसी भी कीमत पर उनकी संगति का बोझ नहीं उठाना चाहती थीं। जॉर्जियाना को अपना रास्ता खुद

चुनना चाहिए; और वह, एलिज़ा, अपना रास्ता खुद चुनेंगी।' जॉर्जियाना, जब मुझसे अपने दिल की बात नहीं कह रही होती थीं, तो अपना समय बिताती थीं।

जेन आयर 221 ईईई अपना अधिकांश समय सोफे पर लेटे-लेटे, घर की नीरसता के बारे में सोचते हुए और बार-बार यह कामना करते हुए बिताती थी कि उसकी चाची गिब्सन उसे शहर आने का निमंत्रण भेज दें। उसने कहा, 'कितना अच्छा होता अगर वह एक-दो महीने के लिए कहीं चली जाती, जब तक सब कुछ खत्म न हो जाए।' मैंने उससे यह नहीं पूछा कि 'सब कुछ खत्म होने' से उसका क्या मतलब था, लेकिन मुझे लगता है कि वह अपनी माँ के संभावित निधन और अंतिम संस्कार की उदास रस्मों का जिक्र कर रही थी। एलिज़ा आमतौर पर अपनी बहन की सुस्ती और शिकायतों पर उतना ध्यान नहीं देती थी मानो उसके सामने कोई बड़बड़ाती, आलसी न हो। लेकिन एक दिन, जब वह अपना हिसाब-किताब समेटकर कढ़ाई खोल रही थी, तो अचानक उसने उससे कहा— 'जॉर्जियाना, तुमसे भी ज्यादा घमंडी और मूर्ख प्राणी को इस धरती पर बोझ बनने की इजाजत कभी नहीं मिलनी चाहिए थी। तुम्हें जन्म लेने का कोई अधिकार नहीं था, क्योंकि तुम जीवन का कोई उपयोग नहीं करती हो।' एक समझदार प्राणी की तरह स्वयं के लिए, स्वयं में और स्वयं के साथ जीने के बजाय, तुम अपनी दुर्बलता को किसी दूसरे की शक्ति पर टिकाना चाहते हो: यदि कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिलता जो तुम्हारे जैसे मोटे, कमजोर, फूले हुए, बेकार व्यक्ति का बोझ उठाने को तैयार हो, तो तुम रोते हो कि तुम्हारे साथ दुर्व्यवहार हुआ है, तुम्हें उपेक्षित किया गया है, तुम दुखी हो। फिर, तुम्हारे लिए जीवन निरंतर परिवर्तन और रोमांच से भरा होना चाहिए, अन्यथा संसार एक कालकोठरी है: तुम्हारी प्रशंसा होनी चाहिए, तुम्हें रिझाया जाना चाहिए, तुम्हारी चापलूसी होनी चाहिए—तुम्हें संगीत, नृत्य और समाज मिलना चाहिए—वरना तुम मुरझा जाओगे, तुम मर जाओगे। क्या तुममें ऐसी कोई व्यवस्था बनाने की समझ नहीं है जो तुम्हें सभी प्रयासों और सभी इच्छाओं से मुक्त कर दे, केवल तुम्हारी अपनी इच्छा से? एक दिन लो; उसे भागों में बाँटो; प्रत्येक भाग को उसका कार्य सौंपो: एक घंटे, दस मिनट, पाँच मिनट के किसी भी खाली समय को मत छोड़ो—सभी को शामिल करो; प्रत्येक कार्य को बारी-बारी से विधिपूर्वक, कठोर नियमितता के साथ करो। दिन कब शुरू हुआ, यह पता भी नहीं चलेगा और कब खत्म हो जाएगा; और खालीपन का एक पल भी बिताने के लिए आपको किसी का एहसान नहीं मानना पड़ेगा: आपको किसी की संगति, बातचीत,

सहानुभूति या सहनशीलता की ज़रूरत नहीं पड़ी; संक्षेप में, आपने एक स्वतंत्र प्राणी की तरह जीवन जिया है। मेरी यह सलाह मानो: यह मेरी पहली और आखिरी सलाह है; फिर चाहे कुछ भी हो जाए, तुम्हें मेरी या किसी और की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। अगर तुम इसे नज़रअंदाज़ करोगे—पहले की तरह ही लालच करते, शिकायत करते और आलस करते रहोगे—तो अपनी मूर्खता के परिणाम भुगतोगे, चाहे वे कितने भी बुरे और असहनीय क्यों न हों। मैं तुम्हें यह स्पष्ट रूप से बता रहा हूँ; और सुनो: क्योंकि हालाँकि मैं अब जो कहने जा रहा हूँ उसे दोहराऊंगा नहीं, लेकिन मैं उस पर अमल जरूर करूंगा। मेरी माँ की मृत्यु के बाद, मैं तुमसे अपना नाता तोड़ लूंगा: जिस दिन उनका ताबूत गेट्सहेड चर्च के तहखाने में ले जाया जाएगा, उस दिन से तुम और मैं ऐसे अलग हो जाएंगे जैसे हम कभी एक-दूसरे को जानते ही न हों।

222 जेन आयर _———————— दूसरी। आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि महज़ एक ही माता-पिता से जन्म लेने के कारण मैं आपको अपने सबसे कमज़ोर दावे से भी मुझे बांधने दूँगी: मैं आपको यह बता सकती हूँ—अगर पूरी मानव जाति, हमें छोड़कर, नष्ट हो जाए, और हम दोनों पृथ्वी पर अकेले रह जाएँ, तो मैं आपको पुरानी दुनिया में छोड़कर नई दुनिया में चली जाऊँगी।' उसने अपने होंठ बंद कर लिए। 'तुम्हें यह तीखा भाषण देने की परेशानी से बचना चाहिए था,' जॉर्जियाना ने उत्तर दिया। 'हर कोई जानता है कि तुम अस्तित्व में सबसे स्वार्थी, निर्दयी प्राणी हो: और मैं तुम्हारे मेरे प्रति द्वेषपूर्ण घृणा को जानती हूँ: लॉर्ड एडविन वेयर के बारे में तुमने जो चाल चली थी, उसमें मुझे इसका एक नमूना पहले भी मिल चुका है: तुम मुझे अपने से ऊपर उठते हुए, उपाधि धारण करते हुए, उन मंडलों में शामिल होते हुए बर्दाश्त नहीं कर सकीं जहाँ तुम अपना चेहरा दिखाने की हिम्मत भी नहीं करतीं, और इसलिए तुमने जासूस और मुखबिर बनकर मेरे भविष्य को हमेशा के लिए बर्बाद कर दिया।' जॉर्जियाना ने अपना रूमाल निकाला और उसके बाद एक घंटे तक अपनी नाक पोंछती रही; एलिज़ा एकदम शांत, भावहीन और अत्यंत लगन से बैठी थी। यह सच है कि कुछ लोग उदार भावनाओं को महत्व नहीं देते, लेकिन यहाँ दो स्वभावों का चित्रण हो रहा था - एक असहनीय रूप से कटु, दूसरा भावनाओं के अभाव में बेहद बेस्वाद। विवेक के बिना भावनाएँ तो मानो एक बेस्वाद पेय हैं; परन्तु भावना से रहित विवेक मनुष्य के लिए इतना कड़वा और कर्कश निवाला है कि उसे पचाना मुश्किल है। वह एक गीली और हवादार दोपहर थी: जॉर्जियाना एक उपन्यास पढ़ते-पढ़ते सोफे पर सो गई थी; एलिज़ा

नए चर्च में संत दिवस की प्रार्थना सभा में गई थी - क्योंकि धर्म के मामलों में वह एक कट्टर नियमनिष्ठ थी: कोई भी मौसम उसके धार्मिक कर्तव्यों के समयबद्ध निर्वहन में बाधक नहीं हो सकता था; मौसम कैसा भी हो, वह हर रविवार को तीन बार और सप्ताह के दिनों में भी प्रार्थना के समय चर्च जाती थी। मैंने ऊपर जाकर उस मरणासन्न महिला को देखने का मन बनाया, जो वहाँ लगभग उपेक्षित पड़ी थी: नौकर भी उस पर कभी-कभार ही ध्यान देते थे: किराए पर रखी गई नर्स की भी ठीक से देखभाल नहीं होती थी, इसलिए वह जब भी मौका मिलता, कमरे से निकल जाती थी। बेसी वफादार थी; लेकिन उसे अपने परिवार की देखभाल करनी थी, और वह केवल कभी-कभार ही हॉल में आ पाती थी। मैंने उम्मीद के मुताबिक बीमार के कमरे को खाली पाया: कोई नर्स नहीं थी; मरीज़ शांत लेटी थी, और सुस्त लग रही थी; उसका पीला पड़ा चेहरा तकियों में धंसा हुआ था: अंगीठी में आग बुझ रही थी। मैंने ईंधन बदला, बिस्तर की चादरें ठीक कीं, कुछ देर उस महिला को निहारा जो अब मुझे नहीं देख सकती थी, और फिर मैं खिड़की की ओर चला गया।

जेन आयर 223 एसएसएस सेनेन ई बारिश की बूँदें खिड़कियों पर ज़ोर से पड़ रही थीं, हवा तूफ़ानी बह रही थी: 'वहाँ कोई लेटा है,' मैंने सोचा, 'जो जल्द ही सांसारिक तत्वों के युद्ध से मुक्त हो जाएगा। वह आत्मा—जो अब अपने भौतिक शरीर को छोड़ने के लिए संघर्ष कर रही है—अंततः मुक्त होने पर कहाँ विचरण करेगी?' इस महान रहस्य पर विचार करते हुए, मैंने हेलेन बर्न्स के बारे में सोचा, उनके अंतिम शब्दों —उनके विश्वास—उनके निराकार आत्माओं की समानता के सिद्धांत को याद किया। मैं अब भी उनके सुस्पष्ट स्वरों को ध्यान से सुन रही थी—अब भी उनके पीले और आध्यात्मिक रूप, उनके मुरझाए चेहरे और उदात्त दृष्टि की कल्पना कर रही थी, जब वह अपने शांत मृत्युशय्या पर लेटी थीं, और अपने दिव्य पिता की गोद में वापस जाने की अपनी तड़प फुसफुसा रही थीं—तभी पीछे पलंग से एक कमजोर आवाज सुनाई दी: 'यह कौन है?' मैं जानती थी कि श्रीमती रीड कई दिनों से नहीं बोली थीं: क्या वह होश में आ रही थीं? मैं उनके पास गई। 'मैं हूं, आंटी रीड।' "कौन—मैं?" उसने जवाब दिया। 'आप कौन हैं?' उसने हैरानी और थोड़ी घबराहट के साथ मेरी तरफ देखा, लेकिन फिर भी वह बहुत घबराई हुई नहीं थी। "आप मेरे लिए बिल्कुल अजनबी हैं— बेसी कहां है?" 'वह लॉज में है, आंटी।' 'आंटी,' उसने दोहराया। "मुझे आंटी कौन कहता है? आप गिब्सन परिवार की सदस्य तो नहीं हैं; फिर भी मैं आपको पहचानती

हूँ—आपका चेहरा, आपकी आँखें और माथा मुझे बहुत जाना-पहचाना लगता है: आप तो—अरे, आप तो जेन आयर जैसी हैं!" मैंने कुछ नहीं कहा: मुझे डर था कि अपनी पहचान बताकर कहीं उन्हें झटका न लग जाए। "लेकिन," उन्होंने कहा, "मुझे लगता है यह एक भ्रम है: मेरे विचार मुझे धोखा दे रहे हैं। मैं जेन आयर को देखना चाहती थी, और मुझे उनकी शक्ल ऐसी लग रही है जो है ही नहीं: वैसे भी, आठ साल में तो वह बहुत बदल गई होंगी।" मैंने उन्हें धीरे से यकीन दिलाया कि मैं वही हूँ जो वह सोच रही थीं और चाहती थीं: और यह देखकर कि वह मेरी बात समझ गई हैं, और उनकी समझ पूरी तरह से शांत हो गई है, मैंने बताया कि बेसी ने अपने पति को मुझे थॉर्नफील्ड से लाने के लिए भेजा था। "मैं बहुत बीमार हूँ, मुझे पता है," उन्होंने थोड़ी देर बाद कहा। "कुछ मिनट पहले मैं करवट बदलने की कोशिश कर रही थी, और पाया कि मैं अपना कोई अंग हिला नहीं सकती। अच्छा है कि मरने से पहले मैं अपने मन को शांत कर लूँ: जो बात हम स्वस्थ रहते हुए मामूली समझते हैं, वही इस समय हमें बोझिल कर देती है।" 'क्या नर्स यहाँ है? या कमरे में तुम्हारे सिवा कोई नहीं है?' मैंने उसे यकीन दिलाया कि हम अकेले हैं। 'खैर, मैंने तुम्हारे साथ दो बार गलत किया है जिसका मुझे अब पछतावा है। एक तो मैंने अपने पति से किया वादा तोड़ा कि मैं तुम्हें अपने बच्चे की तरह पालूंगी; दूसरा—' वह रुक गई।

 'आखिरकार, शायद यह कोई बड़ी बात नहीं है,' उसने मन ही मन बुदबुदाया: 'और फिर शायद मैं ठीक हो जाऊँ; और उसके सामने खुद को इतना नीचा दिखाना कष्टदायक है।' उसने अपनी स्थिति बदलने की कोशिश की, लेकिन असफल रही: उसका चेहरा बदल गया; उसे कुछ आंतरिक अनुभूति हुई—शायद अंतिम पीड़ा का पूर्वाभास। 'खैर, मुझे इसे खत्म करना ही होगा। अनंत काल मेरे सामने है: मुझे उसे बता देना चाहिए।—मेरे ड्रेसिंग-केस में जाओ, उसे खोलो, और उसमें से एक पत्र निकालो जो तुम्हें वहाँ दिखेगा।' मैंने उसके निर्देशों का पालन किया। 'पत्र पढ़ो,' उसने कहा। यह छोटा था, और इस प्रकार लिखा गया था:— 'मापाएम, —क्या आप कृपा करके मुझे मेरी भतीजी, जेन आयर का पता भेजेंगे, और मुझे बताएँगे कि वह कैसी है? मेरा इरादा जल्द ही पत्र लिखने और उसे मदीरा में मुझसे मिलने के लिए आमंत्रित करने का है। ईश्वर की कृपा से मैंने अच्छी आय प्राप्त करने के अपने प्रयासों को सफल बनाया है; और चूंकि मैं अविवाहित और निःसंतान हूँ, इसलिए मैं अपने जीवनकाल में उसे गोद लेना चाहता हूँ, और अपनी मृत्यु के बाद जो

कुछ भी मेरे पास बचे, वह उसे देना चाहता हूँ।—मैं, महोदया, इत्यादि, इत्यादि, 'जॉन आयर, मदीरा।' यह तीन साल पहले की बात है। 'मुझे इसके बारे में पहले कभी क्यों नहीं पता चला?' मैंने पूछा। 'क्योंकि मैं तुम्हें इतनी दृढ़ता से और पूरी तरह से नापसंद करता था कि तुम्हें समृद्धि दिलाने में कभी मदद नहीं कर सका। मैं तुम्हारे मेरे प्रति व्यवहार को नहीं भूल सकता, जेन—वह क्रोध जिसके साथ तुमने एक बार मुझ पर बरसाया था; वह लहजा जिसमें तुमने कहा था कि तुम दुनिया में सबसे ज़्यादा मुझसे घृणा करती हो; वह बचकाना नज़र और आवाज़ जिससे तुमने कहा था कि मेरे बारे में सोचने मात्र से ही तुम्हें घिन आती है, और दावा किया था कि मैंने तुम्हारे साथ बहुत क्रूरता की है। मैं अपनी भावनाओं को नहीं भूल सकता जब तुम इस तरह भड़क उठीं और अपने मन का ज़हर उगल दिया: मुझे ऐसा डर लगा जैसे किसी जानवर को जिसे मैंने मारा या धक्का दिया हो, उसने इंसानी आँखों से मेरी ओर देखा हो और मर्द की आवाज़ में मुझे शाप दिया हो।—मुझे थोड़ा पानी लाओ!' ओह, जल्दी करो!' 'प्रिय श्रीमती रीड,' मैंने उन्हें मनचाहा पेय देते हुए कहा, 'अब इन सब बातों के बारे में मत सोचो, इसे अपने मन से निकाल दो। मेरे भावुक शब्दों के लिए मुझे क्षमा करें: मैं तब बच्ची थी; उस दिन को आठ-नौ साल बीत चुके हैं।' उन्होंने मेरी किसी बात पर ध्यान नहीं दिया; लेकिन जब उन्होंने पानी का स्वाद चखा और सांस ली, तो वे आगे बोलीं—'मैं आपको बताती हूँ कि मैं इसे भूल नहीं सकी; और मैंने अपना बदला लिया: आपके चाचा द्वारा आपको गोद लिया जाना और आराम और सुख-सुविधाओं में रखा जाना, मैं सहन नहीं कर सकी। मैंने उन्हें पत्र लिखा;

जेन आयर 225, ईईई ईईई मैंने कहा कि मुझे उनकी निराशा के लिए खेद है, लेकिन जेन आयर मर चुकी थी: लोवुड में टाइफस बुखार से उसकी मृत्यु हो गई थी। अब आप जो चाहें करें: लिखें और मेरे कथन का खंडन करें—जब चाहें मेरे झूठ का पर्दाफाश करें। मुझे लगता है, तुम मेरी पीड़ा बनने के लिए ही पैदा हुई हो: मेरे आखिरी पल उस कर्म की याद से व्याकुल हैं, जिसे तुम्हारे बिना मैं कभी करने की हिम्मत ही न करती।' 'अगर आप इस बारे में सोचना बंद कर दें, चाची, और मुझे दया और क्षमा से देखें—' "तुम्हारा स्वभाव बहुत बुरा है," उसने कहा, 'और आज तक मैं इसे समझ नहीं पाती: नौ साल तक तुम हर तरह के व्यवहार में धैर्यवान और शांत कैसे रह सकती थी, और दसवें साल में तुम आग और हिंसा कैसे भड़क उठी, यह मैं कभी समझ नहीं पाती।' 'मेरा स्वभाव उतना बुरा नहीं है जितना तुम सोचती हो: मैं भावुक हूँ, लेकिन

प्रतिशोधी नहीं। कई बार, जब मैं छोटी बच्ची थी, तो अगर तुम मुझे इजाज़त देतीं तो मैं तुम्हें प्यार करने में खुशी महसूस करती; और अब मैं तुमसे सुलह करने के लिए बहुत उत्सुक हूँ: मुझे चूम लो, चाची।' मैंने अपना गाल उसके होठों के पास किया: उसने उसे छुआ तक नहीं। उसने कहा कि मैं बिस्तर पर झुककर उसे परेशान कर रही हूँ, और फिर से पानी माँगा। जैसे ही मैंने उसे लिटाया—क्योंकि मैंने उसे उठाया और जब वह पानी पी रही थी, मैंने उसे अपनी बांह पर सहारा दिया—मैंने उसके बर्फीले और चिपचिपे हाथ को अपने हाथ से ढक लिया: उसकी कमजोर उंगलियां मेरे स्पर्श से सिकुड़ गईं—उसकी बेजान आंखें मेरी निगाहों से बचती रहीं। 'तो फिर, चाहे मुझे प्यार करो या नफरत करो, जैसा तुम चाहो,' मैंने अंत में कहा, 'तुम्हें मेरी पूरी और निःस्वार्थ क्षमा प्राप्त है: अब ईश्वर से क्षमा मांगो और शांति पाओ।' बेचारी, पीड़ित महिला! अब उसके लिए अपनी आदत बन चुकी मानसिकता को बदलने का प्रयास करना बहुत देर हो चुकी थी: जीते जी, उसने हमेशा मुझसे नफरत की थी—मरते हुए भी, वह मुझसे नफरत करती रहेगी। अब नर्स अंदर आई, और बेसी भी उसके पीछे आई। मैं आधे घंटे और रुका रहा, कुछ सौहार्दपूर्ण संकेत देखने की उम्मीद में: लेकिन उसने कुछ नहीं दिया। वह तेजी से बेहोशी की ओर बढ़ रही थी; और न ही उसका दिमाग फिर से ठीक हुआ: उसी रात बारह बजे उसकी मृत्यु हो गई। मैं उसकी आंखें बंद करने के लिए मौजूद नहीं था, न ही उसकी कोई बेटी। वे अगली सुबह हमें यह बताने आए कि सब कुछ खत्म हो गया है। तब तक उसे लिटा दिया गया था। एलिजा और मैं उसे देखने गए: जॉर्जियाना, जो वह फूट-फूटकर रोने लगी, कहने लगी कि उसकी जाने की हिम्मत नहीं है। सारा रीड का कभी मजबूत और फुर्तीला शरीर, कठोर और स्थिर पड़ा था: उसकी पत्थर जैसी आंखें ठंडी पलकों से ढकी थीं; उसके माथे और मजबूत चेहरे पर अब भी उसकी निर्दयी आत्मा की छाप थी। वह शव मेरे लिए एक अजीब और गंभीर वस्तु था। मैंने उसे उदासी और पीड़ा से देखा: न कुछ कोमल, न कुछ मीठा, न कुछ दया, न कोई आशा, न ही

 इसने केवल उदासी ही जगाई; उसके दुखों के लिए एक कर्कश पीड़ा— मेरे नुकसान के लिए नहीं—और मृत्यु के ऐसे भयावह रूप पर एक उदास, आँसूहीन निराशा। एलिज़ा ने अपने माता-पिता को शांति से देखा। कुछ मिनटों की चुप्पी के बाद उसने कहा— 'अपने स्वास्थ्य के साथ, उन्हें अच्छी वृद्धावस्था तक जीना चाहिए था: उनका जीवन कष्टों के कारण छोटा हो गया।' और

फिर एक क्षण के लिए उसके मुँह में एक झनझनाहट हुई: जैसे ही यह समाप्त हुई, वह मुड़ी और कमरे से बाहर चली गई, और मैं भी। हम दोनों में से किसी ने भी एक आँसू नहीं बहाया था। अध्याय व्यवहारिक बिंदु श्री रोकेस्टर ने मुझे केवल एक सप्ताह की छुट्टी दी थी: फिर भी गेट्सहेड छोड़ने से पहले एक महीना बीत गया। मैं अंतिम संस्कार के तुरंत बाद जाना चाहता था, लेकिन जॉर्जियाना ने मुझसे तब तक रुकने की विनती की जब तक वह लंदन नहीं जा सकी, जहाँ उसे अब अंततः उसके चाचा, श्री गिब्सन ने आमंत्रित किया था, जो अपनी बहन के अंतिम संस्कार का निर्देशन करने और पारिवारिक मामलों को निपटाने के लिए आए थे। जॉर्जियाना ने कहा कि उसे एलिज़ा के साथ अकेले रहने से डर लगता है; एलिज़ा से उसे न तो अपनी उदासी में सहानुभूति मिली, न अपने डर में सहारा, न ही अपनी तैयारियों में मदद; इसलिए मैंने उसकी कमजोर मानसिकता वाली चीख-पुकार और स्वार्थी विलाप को जितना हो सके सहन किया, और उसके लिए कपड़े सिलने और पैक करने में अपनी पूरी कोशिश की। यह सच है कि जब मैं काम कर रही थी, वह आलस करती थी; और मैंने मन ही मन सोचा, 'अगर हम दोनों हमेशा साथ रहने के लिए नियत होते, चचेरी बहन, तो हम अलग तरह से शुरुआत करते। मैं चुपचाप सहनशील बनकर नहीं बैठ जाती; मैं तुम्हें तुम्हारा काम सौंप देती, और तुम्हें उसे पूरा करने के लिए मजबूर करती, वरना वह अधूरा रह जाता: मैं इस बात पर भी जोर देती कि तुम अपनी उन धीमी, आधी-अधूरी शिकायतों को अपने मन में ही दबाकर रखो। हमारा रिश्ता बहुत क्षणिक है, और एक विशेष रूप से दुखद समय में आया है, इसलिए मैं इस रिश्ते को इतना धैर्यवान और आज्ञाकारी बनाने के लिए तैयार हूँ।' अंत में मैंने जॉर्जियाना को विदा किया; लेकिन अब एलिज़ा की बारी थी कि वह मुझसे एक और हफ़्ता रुकने का अनुरोध करे। उसने कहा कि उसकी योजनाओं में उसका सारा समय और ध्यान चाहिए; वह किसी अनजान जगह के लिए रवाना होने वाली थी; और वह सारा दिन अपने कमरे में दरवाज़ा बंद करके, संदूक भरती, दराज खाली करती, कागज़ जलाती और किसी से कोई बात नहीं करती रही। वह चाहती थी कि मैं घर की देखभाल करूँ, आने वालों से मिलूँ और शोक संदेशों का जवाब दूँ। एक सुबह उसने मुझे बताया कि मैं आज़ाद हूँ। 'और,' उसने आगे कहा,

 ‘मैं आपकी बहुमूल्य सेवाओं और विवेकपूर्ण आचरण के लिए आभारी हूँ! आप जैसे व्यक्ति के साथ रहने और जॉर्जियाना के साथ रहने में कुछ

अंतर है: आप जीवन में अपनी भूमिका निभाती हैं और किसी पर बोझ नहीं डालतीं। कल,' उसने आगे कहा, 'मैं महाद्वीप के लिए रवाना हो रही हूँ। मैं लिस्ले के पास एक धार्मिक स्थान में निवास करूँगी—आप इसे ननरी कह सकते हैं; वहाँ मैं शांत और निश्चिंत रहूँगी। मैं कुछ समय के लिए रोमन कैथोलिक सिद्धांतों की परीक्षा और उनकी प्रणाली के कामकाज के सावधानीपूर्वक अध्ययन में स्वयं को समर्पित करूँगी: यदि मुझे यह, जैसा कि मुझे आधा संदेह है, सभी चीजों को शालीनता और व्यवस्थित रूप से करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है, तो मैं रोम के सिद्धांतों को अपना लूँगी और संभवतः नन बन जाऊँगी।' मैंने न तो इस संकल्प पर आश्चर्य व्यक्त किया और न ही उसे इससे रोकने का प्रयास किया। "यह पेशा तुम पर बिलकुल फिट बैठेगा," मैंने सोचा: "काश यह तुम्हारे लिए कितना अच्छा साबित हो!" जब हम बिछड़े, तो उसने कहा: "अलविदा, चचेरी बहन जेन आयर; मैं तुम्हें शुभकामनाएं देती हूं: तुममें कुछ तो समझ है।" तब मैंने जवाब दिया: "तुममें समझ की कमी नहीं है, चचेरी बहन एलिज़ा; लेकिन मुझे लगता है कि एक साल में तुम्हारी समझ किसी फ्रांसीसी मठ में जिंदा ही दफ़न हो जाएगी। खैर, यह मेरा काम नहीं है, और अगर तुम्हें ठीक लगे तो मुझे ज्यादा परवाह नहीं है।" "तुम सही कह रही हो," उसने कहा; और इन शब्दों के साथ हम दोनों अपने-अपने रास्ते चले गए। चूंकि मुझे फिर कभी उसका या उसकी बहन का जिक्र करने का मौका नहीं मिलेगा, इसलिए मैं यहां यह बता दूं कि जॉर्जियाना ने एक अमीर, पुराने जमाने के फैशनेबल आदमी से अच्छी शादी की, और एलिज़ा ने वास्तव में संन्यास ले लिया, और आज वह उस मठ की सुप्रीशियन है जहां उसने अपना दीक्षा काल बिताया था, और जिसे उसने अपनी सारी संपत्ति दान कर दी थी। लोग लंबे या छोटे समय के बाद घर लौटने पर कैसा महसूस करते हैं, यह मैं नहीं जानती थी: मैंने कभी इसका अनुभव नहीं किया था। एक अजीब सी अनुभूति। मुझे पता था कि बचपन में लंबी सैर के बाद गेट्सहेड लौटने पर ठंड या उदास दिखने के लिए डांट पड़ती थी; और बाद में, चर्च से लोवुड लौटने पर भरपेट भोजन और अच्छी आग की लालसा होती थी, लेकिन दोनों में से कुछ भी न मिलने पर कैसा लगता था। इनमें से कोई भी वापसी सुखद या वांछनीय नहीं थी: कोई चुंबक मुझे किसी निश्चित बिंदु की ओर नहीं खींचता था, बल्कि पास आने पर आकर्षण की शक्ति बढ़ती जाती थी। थॉर्नफील्ड की वापसी अभी बाकी थी। मेरी यात्रा थकाऊ लग रही थी—बहुत थकाऊ: एक दिन में पचास मील, एक रात सराय में बिताई; अगले दिन पचास मील। पहले

बारह घंटों के दौरान मैंने श्रीमती रीड के अंतिम क्षणों के बारे में सोचा; मैंने उनका विकृत और बदरंग चेहरा देखा, और
228 जेन आयर ने उसकी अजीब तरह से बदली हुई आवाज़ सुनी। मैं अंतिम संस्कार के दिन, ताबूत, शव वाहन, किराएदारों और नौकरों के काले जुलूस—रिश्तेदारों की संख्या बहुत कम थी—खुली हुई तिजोरी, शांत गिरजाघर, गंभीर प्रार्थना सभा के बारे में सोच रही थी। फिर मुझे एलिज़ा और जॉर्जियाना की याद आई; मैंने एक को बॉलरूम की शोभा बढ़ाते देखा, दूसरी को एक कॉन्वेंट की कोठरी में; और मैं उनके व्यक्तित्व और चरित्र की अलग-अलग विशेषताओं पर विचार और विश्लेषण करने लगी। शाम को उस बड़े शहर में पहुँचने पर ये विचार बिखर गए; रात ने उन्हें बिल्कुल नया मोड़ दे दिया: अपने यात्री बिस्तर पर लेटकर, मैंने पुरानी यादों को छोड़कर भविष्य की उम्मीदों में खो गई। मैं थॉर्नफील्ड वापस जा रही थी: लेकिन मुझे वहाँ कितने दिन रुकना था? ज़्यादा दिन नहीं; मुझे इस बात का पूरा यकीन था। मेरी अनुपस्थिति के दौरान मुझे श्रीमती फेयरफैक्स से खबर मिली थी: हॉल में पार्टी खत्म हो गई थी; मिस्टर रोचेस्टर तीन हफ्ते पहले लंदन के लिए रवाना हो गए थे, लेकिन उनके दो हफ्ते में लौटने की उम्मीद थी। श्रीमती फेयरफैक्स ने अनुमान लगाया कि वह अपनी शादी की तैयारियों के लिए गए थे, क्योंकि उन्होंने एक नई गाड़ी खरीदने की बात कही थी: उन्होंने कहा कि मिस इंग्राम से उनकी शादी का विचार अभी भी उन्हें अजीब लग रहा था; लेकिन सभी की बातों और खुद उन्होंने जो देखा था, उससे उन्हें अब इस बात पर कोई संदेह नहीं था कि यह घटना जल्द ही घटित होगी। “अगर आपको इस पर शक है तो आप बहुत अविश्वासी होंगे,” मैंने मन ही मन सोचा। “मुझे कोई शक नहीं है।” फिर सवाल उठा, “मैं कहाँ जाऊँ?” पूरी रात मैंने मिस इंग्राम का सपना देखा: सुबह के एक जीवंत सपने में मैंने उन्हें थॉर्नफील्ड के द्वार मेरे लिए बंद करते और मुझे दूसरी सड़क की ओर इशारा करते देखा; और मिस्टर रोचेस्टर हाथ बाँधे देख रहे थे—ऐसा लग रहा था जैसे वे व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ उन पर और मुझ पर दोनों पर मुस्कुरा रहे हों। मैंने श्रीमती फेयरफैक्स को अपने लौटने की सही तारीख नहीं बताई थी; क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि मिलकोट में कोई कार या घोड़ागाड़ी मुझे लेने आए। मैंने अकेले ही चुपचाप पैदल जाने का फैसला किया; और बहुत चुपचाप, अपना बक्सा अस्तबल के रखवाले की देखरेख में छोड़कर, मैं जून की एक शाम लगभग छह बजे जॉर्ज इन से निकल गई और थॉर्नफील्ड जाने वाली पुरानी

सड़क पर चल पड़ी: एक ऐसी सड़क जो मुख्य रूप से खेतों से होकर गुजरती थी, और अब उस पर बहुत कम लोग चलते थे। वह कोई चमकदार या शानदार गर्मी की शाम नहीं थी, हालाँकि सुहावनी और नरम थी: घास काटने वाले पूरे रास्ते काम कर रहे थे। सड़क; और आकाश, हालांकि बादलों से पूरी तरह मुक्त नहीं था, फिर भी भविष्य के लिए शुभ संकेत दे रहा था: जहाँ भी नीला रंग दिखाई दे रहा था, वह हल्का और स्थिर था, और बादलों की परतें ऊँची और पतली थीं। पश्चिम दिशा भी गर्म थी: कोई भी जलती हुई चमक उसे ठंडा नहीं कर रही थी—ऐसा लग रहा था मानो कोई आग जल रही हो, संगमरमरी धुएँ के आवरण के पीछे कोई वेदी जल रही हो, और छिद्रों से सुनहरी लालिमा चमक रही हो।

जेन आयर 229 ee ___—_—_—_—_— जैसे-जैसे सड़क छोटी होती गई, मुझे खुशी महसूस हुई: इतनी खुशी कि मैं एक पल रुककर खुद से पूछने लगी कि इस खुशी का क्या मतलब है: और अपने मन को याद दिलाने लगी कि मैं अपने घर नहीं जा रही थी, न ही किसी स्थायी विश्राम स्थल पर, न ही ऐसी जगह जहाँ मेरे प्रिय मित्र मेरा इंतज़ार कर रहे हों। मैंने कहा, 'श्रीमती फेयरफैक्स तुम्हारा शांत भाव से स्वागत करेंगी, यह तो पक्का है; और छोटी एडेल तुम्हें देखकर ताली बजाएगी और उछल पड़ेगी: लेकिन तुम अच्छी तरह जानती हो कि तुम उनके बारे में नहीं, बल्कि किसी और के बारे में सोच रही हो, और वह तुम्हारे बारे में नहीं सोच रहा है।' लेकिन जवानी से ज्यादा जिद्दी और क्या हो सकता है? अनुभवहीनता से ज्यादा अंधा और क्या हो सकता है? इन सबने कहा कि मिस्टर रोचेस्टर को फिर से देखने का सौभाग्य ही काफी सुखद है, चाहे वह मुझे देखें या न देखें; और उन्होंने आगे कहा—'जल्दी करो! जल्दी करो!' जब तक हो सके उसके साथ रहो: बस कुछ और दिन या हफ्ते, ज़्यादा से ज़्यादा, और फिर तुम उससे हमेशा के लिए अलग हो जाओगी!' और फिर मैंने अपने अंदर पनप रही एक नई पीड़ा को दबाया—एक विकृत भावना जिसे मैं स्वीकार नहीं कर पा रही थी—और आगे बढ़ गई। थॉर्नफील्ड के मैदानों में भी घास काटी जा रही है: या यूँ कहें कि मज़दूर अभी-अभी अपना काम खत्म करके अपने कंधों पर रेक लिए घर लौट रहे हैं, ठीक उसी समय जब मैं वहाँ पहुँची। मुझे बस एक-दो खेत पार करने हैं, और फिर मैं सड़क पार करके दरवाज़े पर पहुँच जाऊँगी। झाड़ियाँ गुलाबों से कितनी भरी हुई हैं! लेकिन मेरे पास कोई गुलाब तोड़ने का समय नहीं है; मुझे घर पहुँचना है। मैं एक ऊँची झाड़ी के पास से गुज़री, जिसकी पत्तीदार और फूलों वाली

शाखाएँ रास्ते पर फैली हुई थीं; मुझे पत्थर की सीढ़ियों वाला संकरा बाड़ दिखाई दिया; और मैंने देखा— श्री रोचेस्टर वहाँ बैठे हैं, उनके हाथ में एक किताब और एक पेंसिल है; वे लिख रहे हैं। खैर, वे भूत तो नहीं हैं; फिर भी मेरी हर नस तनाव में है: एक पल के लिए मैं अपने वश में नहीं हूँ। इसका क्या मतलब है? मैंने कभी नहीं सोचा था कि उसे देखकर मैं इस तरह कांपूँगी, या उसकी मौजूदगी में मेरी आवाज़ या चलने-फिरने की शक्ति चली जाएगी। मैं जैसे ही हिल-डुल पाऊँगी, वापस चली जाऊँगी: मुझे खुद को पूरी तरह से मूर्ख बनाने की ज़रूरत नहीं है। मुझे घर जाने का दूसरा रास्ता पता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुझे बीस रास्ते पता हों; क्योंकि उसने मुझे देख लिया है। 'हिलो!' वह चिल्लाता है; और वह अपनी किताब और पेंसिल रख देता है। 'लो! चलो, अगर तुम चाहो।' मुझे लगता है कि मैं चलती हूँ; हालाँकि किस तरह, यह मुझे नहीं पता; क्योंकि मैं अपने हाव-भाव को मुश्किल से ही समझ पा रही हूँ, और बस शांत दिखने की कोशिश कर रही हूँ; और सबसे बढ़कर, अपने चेहरे की मांसपेशियों को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही हूँ—जो मुझे लगता है कि मेरी इच्छा के विरुद्ध विद्रोह कर रही हैं, और वह सब कुछ व्यक्त करने के लिए संघर्ष कर रही हैं जिसे मैंने छिपाने का निश्चय किया था। लेकिन मेरे पास एक पर्दा है—वह नीचे है: मैं अभी भी शालीनता से व्यवहार करने का सहारा ले सकती हूँ।

230 जेन आयर: 'और ये जेन आयर हैं? क्या आप मिलकोट से पैदल आ रही हैं? हाँ —ये तो आपकी एक चाल है: गाड़ी मंगवाकर आम इंसान की तरह गलियों में खड़खड़ाहट करते हुए आना, बल्कि गोधूलि बेला में चुपके से अपने घर के पास आना, मानो कोई सपना या परछाई हों। पिछले महीने आपने क्या किया?' 'मैं अपनी चाची के साथ थी, महोदय, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं।' 'एकदम जेन आयर जैसा जवाब! भगवान मेरी रक्षा करें। ये दूसरी दुनिया से आई हैं—मृत लोगों के लोक से; और मुझे ये बात तब बताती हैं जब मैं यहाँ अकेले में गोधूलि बेला में मिलती हूँ! अगर हिम्मत होती, तो मैं तुम्हें छूकर देखता कि तुम असल में हो या परछाईं, हे परी!—लेकिन मैं दलदल में नीले रंग की चमकती रोशनी को पकड़ना ज़्यादा पसंद करूँगा। भगोड़ा! भगोड़ा!' उसने एक पल रुककर कहा। 'पूरे एक महीने तक मुझसे दूर रहे, और मुझे पूरी तरह से भूल गए, कसम से!' मुझे पता था कि अपने मालिक से दोबारा मिलने में खुशी होगी, भले ही इस डर से मेरा दिल टूट गया था कि वह इतनी जल्दी मेरे मालिक नहीं रहेंगे, और इस ज्ञान से कि मैं उनके लिए कुछ भी नहीं थी: लेकिन मिस्टर

रोचेस्टर में (कम से कम मुझे तो यही लगता था) खुशी बांटने की इतनी अपार शक्ति थी कि मेरे जैसे अजनबी पक्षियों को बिखेरे गए उनके टुकड़ों का स्वाद चखना ही मेरे लिए एक दावत जैसा था। उनके आखिरी शब्द सुकून देने वाले थे: ऐसा लग रहा था जैसे वे यह जता रहे हों कि मैं उन्हें भूल जाऊं या न भूलूं, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। और उन्होंने थॉर्नफील्ड को मेरा घर कहा था—काश, वह मेरा घर होता! वह सीढ़ी से नीचे नहीं उतरे, और मुझे उनसे आगे जाने की इजाज़त मांगने का मन ही नहीं हुआ। मैंने थोड़ी देर बाद पूछा कि क्या वह लंदन नहीं गए थे। "हाँ; मुझे लगता है कि आपको यह बात किसी और से पता चल गई होगी।" "श्रीमती फेयरफैक्स ने मुझे एक पत्र में बताया था।" "और क्या उन्होंने आपको बताया कि मैं क्या करने गई थी?" 'ओह, जी हाँ, महोदय! सबको आपके काम के बारे में पता था।' 'जेन, तुम्हें गाड़ी देखनी चाहिए और मुझे बताना चाहिए कि क्या तुम्हें नहीं लगता कि यह श्रीमती रोचेस्टर पर बिल्कुल जँचेगी; और क्या वह उन बैंगनी कुशनों पर पीछे झुककर रानी बोआडिसीया जैसी नहीं लगेंगी। काश, जेन, मैं बाहरी रूप से उनसे थोड़ा बेहतर मेल खा पाता। अब बताओ, हे परी, क्या तुम मुझे कोई जादू, या औषधि, या कुछ ऐसा ही दे सकती हो जिससे मैं सुंदर पुरुष बन जाऊँ?' 'यह जादू की शक्ति से परे है, महोदय'; और, मन ही मन, मैंने कहा, "एक प्रेम भरी नज़र ही काफी है: ऐसे में आप काफी सुंदर हैं; या यूँ कहें कि आपकी सख्ती में सुंदरता से परे एक शक्ति है।' श्री रोचेस्टर कभी-कभी मेरे अनकहे विचारों को ऐसी समझ से पढ़ लेते थे जो मेरे लिए समझ से परे थी: वर्तमान में

जेन आयर 231 ईएई स्टांस: उसने मेरी अचानक की प्रतिक्रिया पर कोई ध्यान नहीं दिया; लेकिन उसने अपनी खास मुस्कान से मेरी ओर देखा, जो वह कभी-कभार ही देता था। उसे लगता था कि यह मुस्कान आम परिस्थितियों के लिए काफी नहीं है: यह भावनाओं की सच्ची धूप थी—अब वह इसे मुझ पर बिखेर रहा था। 'जाओ, जेनेट,' उसने मुझे सीढ़ी पार करने के लिए जगह देते हुए कहा: 'घर जाओ, और अपने थके हुए छोटे भटकते पैरों को एक दोस्त के घर की दहलीज पर आराम दो।' अब मुझे बस चुपचाप उसकी बात माननी थी: आगे बातचीत करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। मैं बिना कुछ कहे सीढ़ी पार कर गई, और शांति से उसे छोड़कर जाने का इरादा किया। एक आवेग ने मुझे जकड़ लिया—एक शक्ति ने मुझे घुमा दिया। मैंने कहा—या यूँ कहूँ कि मेरे भीतर किसी चीज़ ने मेरे लिए कहा, और मेरी इच्छा के विरुद्ध भी— "धन्यवाद,

श्री रोचेस्टर, आपकी अपार दयालुता के लिए। आपके पास वापस आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है: और आप जहाँ भी हों, वही मेरा घर है—मेरा एकमात्र घर।" मैं इतनी तेज़ी से चलने लगी कि अगर वह कोशिश भी करते तो शायद ही मुझे पकड़ पाते। छोटी एडेल मुझे देखकर खुशी से पागल हो गई। श्रीमती फेयरफैक्स ने हमेशा की तरह सादगी से मेरा स्वागत किया। लिआ मुस्कुराई, और सोफी ने भी प्रसन्नता से मुझे 'शुभ संध्या' कहा। यह बहुत सुखद था; अपने साथी मनुष्यों द्वारा प्यार किए जाने और यह महसूस करने से बढ़कर कोई खुशी नहीं है कि आपकी उपस्थिति उनके आराम में इज़ाफा करती है। उस शाम मैंने भविष्य के प्रति दृढ़ता से अपनी आँखें बंद कर लीं: मैंने उस आवाज़ को अनसुना कर दिया जो मुझे निकट बिछड़ने और आने वाले दुख की चेतावनी दे रही थी। जब चाय खत्म हुई और श्रीमती फेयरफैक्स ने अपनी बुनाई का काम समेट लिया, और मैं उनके पास एक नीची कुर्सी पर बैठ गई, और एडेल, कालीन पर घुटनों के बल बैठकर, मेरे करीब आ गई, तो ऐसा लगा जैसे हम दोनों के बीच आपसी स्नेह का भाव छा गया हो। सुनहरी शांति के घेरे में, मैंने मन ही मन प्रार्थना की कि हम जल्द ही या दूर अलग न हों; लेकिन जब हम बैठे-बैठे मिस्टर रोचेस्टर बिना बताए अंदर आए और हमें देखकर, मानो इतने सौहार्दपूर्ण समूह को देखकर आनंदित हो रहे हों—जब उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि अब वह बूढ़ी औरत ठीक है क्योंकि उसे अपनी गोद ली हुई बेटी वापस मिल गई है, और आगे कहा कि उन्होंने देखा कि एडेल अपनी छोटी अंग्रेज़ माँ के साथ मस्ती करने के लिए तैयार है —तो मुझे थोड़ी उम्मीद हुई कि वह अपनी शादी के बाद भी हमें कहीं न कहीं अपनी सुरक्षा में रखेंगे, और अपनी उपस्थिति की धूप से पूरी तरह से वंचित नहीं करेंगे। थॉर्नफील्ड हॉल लौटने के बाद दो सप्ताह तक संदिग्ध शांति छाई रही। मालिक की शादी के बारे में कुछ नहीं कहा गया, और मैंने ऐसी किसी घटना की कोई तैयारी होते नहीं देखी। लगभग हर

 जेन आयर एक दिन मैंने श्रीमती फेयरफैक्स से पूछा कि क्या उन्हें अभी तक कोई फैसला पता चला है: उनका जवाब हमेशा नकारात्मक होता था। एक बार उन्होंने कहा कि उन्होंने वास्तव में श्री रोचेस्टर से पूछा था कि वह अपनी दुल्हन को घर कब लाएंगे; लेकिन उन्होंने केवल एक मजाक और अपनी एक अजीब सी नज़र से जवाब दिया, और वह समझ नहीं पाईं कि उनका क्या भाव है। एक बात ने मुझे विशेष रूप से आश्चर्यचकित किया, और वह यह थी कि कोई आना-जाना नहीं था, इंग्राम पार्क की

कोई यात्रा नहीं थी: बेशक वह बीस मील दूर था, दूसरे काउंटी की सीमा पर; लेकिन एक सच्चे प्रेमी के लिए वह दूरी क्या मायने रखती थी? श्री रोचेस्टर जैसे कुशल और अथक घुड़सवार के लिए, यह केवल एक सुबह की सवारी होती। मैंने ऐसी उम्मीदें पालना शुरू कर दिया जिनकी कल्पना करने का मुझे कोई अधिकार नहीं था: कि रिश्ता टूट गया है; कि अफवाह गलत थी; कि दोनों पक्षों में से किसी एक या दोनों ने अपना मन बदल लिया है। मैं अपने मालिक के चेहरे को देखती रहती थी कि वह उदास है या क्रोधित; लेकिन मुझे वह समय याद नहीं आ रहा था जब आसमान इतना साफ और निर्मल रहा हो। अगर, उन पलों में जो मैंने और मेरे शिष्य ने उनके साथ बिताए, मैं उदास हो जाता और अपरिहार्य निराशा में डूब जाता, तो वे और भी प्रसन्न हो जाते। उन्होंने मुझे पहले कभी इतनी बार अपने पास नहीं बुलाया था; वहाँ रहते हुए वे मेरे प्रति इतने दयालु कभी नहीं रहे थे—और, अफसोस! मैंने उन्हें पहले कभी इतना प्यार नहीं किया था। इंग्लैंड पर ग्रीष्म ऋतु की धूप खिली हुई थी: आसमान इतना शुद्ध और सूर्य इतने तेजस्वी थे कि उस समय लगातार दिखाई देने वाले सूर्य, हमारी लहरों से घिरी भूमि को शायद ही कभी अकेले ही सुशोभित करते थे। ऐसा लग रहा था मानो इतालवी दिनों का एक समूह दक्षिण से आया हो, जैसे शानदार यात्री पक्षियों का झुंड, और एल्बियन की चट्टानों पर विश्राम करने के लिए उतरा हो। सारी घास काट ली गई थी; थॉर्नफील्ड के आसपास के खेत हरे-भरे और कटे हुए थे; सड़कें सफेद और सूखी हुई थीं; पेड़ अपने चरम पर थे; घनी पत्तियों वाली और गहरे रंग की झाड़ियाँ और जंगल, बीच में साफ किए गए घास के मैदानों के धूप वाले रंग के साथ अच्छा विरोधाभास पैदा कर रहे थे। ग्रीष्म संक्रांति की पूर्व संध्या पर, एडेल, हे लेन में आधे दिन जंगली स्ट्रॉबेरी इकट्ठा करते-करते थक गई थी और सूरज डूबने के साथ ही सो गई। मैंने उसे सोते हुए देखा और जब मैं वहाँ से निकली, तो बगीचे की ओर चल पड़ी। अब चौबीसों घंटे का सबसे सुहावना समय था: दिन की तेज़ धूप ढल चुकी थी और ओस ठंडी होकर कांपते मैदान और झुलसी हुई चोटी पर गिर रही थी। जहाँ सूरज बादलों के वैभव से रहित, सादगी से अस्त हुआ था, वहाँ एक शांत वातावरण छाया हुआ था।

जेन आयर 233 2 ओए एरे जीटी ए पी पीएल, एक पहाड़ी की चोटी पर, लाल रत्न और भट्टी की लौ की रोशनी से जगमगाता हुआ, और आधे आकाश पर ऊँचा और चौड़ा, कोमल और उससे भी अधिक कोमल फैला हुआ। पूरब का अपना ही आकर्षण

था, गहरे नीले रंग का, और उसका अपना ही एक रत्न, एक उगता हुआ और अकेला तारा: जल्द ही वह चंद्रमा का दावा करेगा; लेकिन वह अभी क्षितिज के नीचे था। मैं कुछ देर फुटपाथ पर चली; लेकिन एक हल्की, जानी-पहचानी खुशबू—सिगार की—किसी खिड़की से आई; मैंने पुस्तकालय की खिड़की को एक हाथ की चौड़ाई तक खुला देखा; मुझे पता था कि वहाँ से मुझे देखा जा रहा होगा; इसलिए मैं अलग बगीचे में चली गई। मैदान में कोई भी कोना इतना सुरक्षित और स्वर्ग जैसा नहीं था; यह पेड़ों से भरा था, फूलों से खिला हुआ था: एक बहुत ऊँची दीवार ने इसे एक तरफ से आंगन से अलग कर दिया था; दूसरी तरफ, बीच के पेड़ों की एक कतार ने इसे लॉन से अलग कर दिया था। नीचे एक धँसी हुई बाड़ थी; सुनसान खेतों से इसका एकमात्र अलगाव: लॉरेल के पेड़ों से घिरा एक घुमावदार रास्ता, जो एक विशाल हॉर्स-चेस्टनट के पेड़ पर समाप्त होता है, जिसके आधार पर एक सीट बनी है, बाड़ तक जाता है। यहाँ कोई बिना देखे घूम सकता था। जब ऐसी ओस गिर रही थी, ऐसा सन्नाटा छाया हुआ था, ऐसी धुंध छा रही थी, मुझे ऐसा लगा जैसे मैं हमेशा के लिए इस छाया में रह सकता हूँ; लेकिन बाड़े के ऊपरी हिस्से में फूलों और फलों की क्यारियों से गुजरते हुए, अब उगते चाँद की रोशनी से आकर्षित होकर, जो इस खुले हिस्से पर पड़ रही थी, मेरा कदम रुक गया—न आवाज़ से, न दृष्टि से, बल्कि एक बार फिर एक चेतावनी भरी सुगंध से। स्वीट-ब्रियर और सदर्नवुड, चमेली, गुलाबी और गुलाब लंबे समय से अपनी शाम की धूप की भेंट चढ़ा रहे हैं: यह नई सुगंध न तो झाड़ी की है और न ही फूल की; यह—मैं इसे अच्छी तरह जानता हूँ—यह मिस्टर रोचेस्टर की सिगार है। मैं चारों ओर देखता हूँ और सुनता हूँ। मुझे पकते फलों से लदे पेड़ दिखाई देते हैं। मुझे आधा मील दूर एक जंगल में बुलबुल की चहचहाहट सुनाई देती है; कोई हिलती-डुलती आकृति दिखाई नहीं दे रही, न ही किसी के आने की आहट सुनाई दे रही; लेकिन वह सुगंध बढ़ती जा रही है: मुझे भागना होगा। मैं झाड़ियों की ओर जाने वाले संकरे रास्ते की ओर बढ़ती हूँ, और देखती हूँ कि मिस्टर रोचेस्टर अंदर आ रहे हैं। मैं आइवी की आड़ में एक तरफ हट जाती हूँ; वह ज़्यादा देर नहीं रुकेंगे: वह जल्द ही वहीं लौट जाएँगे जहाँ से आए थे, और अगर मैं चुपचाप बैठी रही तो वह मुझे कभी नहीं देख पाएँगे। लेकिन नहीं—शाम का समय उन्हें भी उतना ही सुहावना लगता है जितना मुझे, और यह प्राचीन उद्यान भी उतना ही आकर्षक है; और वह टहलते रहते हैं, कभी आंवले के पेड़ की शाखाओं को उठाकर उन पर लदे बेर जैसे बड़े फलों को

देखते हैं; कभी दीवार से एक पका हुआ चेरी तोड़ते हैं; कभी फूलों के गुच्छे की ओर झुकते हैं, या तो उनकी सुगंध को सूंघने के लिए या उनकी पंखुड़ियों पर ओस की बूंदों को निहारने के लिए। एक बड़ा पतंगा मेरे पास से भिनभिनाता हुआ जाता है; वह मिस्टर रोचेस्टर के पैरों के पास एक पौधे पर बैठ जाता है: वह उसे देखते हैं, और उसे देखने के लिए झुकते हैं। 'अब, उनकी पीठ मेरी तरफ है,' मैंने सोचा, 'और वह...'
234 जेन आयर, ई ईआईएस एएम एनसीआईएस भी व्यस्त है; शायद, अगर मैं धीरे से चलूँ, तो मैं बिना किसी का ध्यान खींचे निकल जाऊँगी।' मैं घास के किनारे पर पैर रख रही थी ताकि कंकड़-पत्थर की चरमराहट मेरी मौजूदगी का पता न चलने दे: वह मेरे जाने की जगह से एक-दो गज की दूरी पर क्यारियों के बीच खड़ा था; पतंगा जाहिर तौर पर उसका ध्यान खींच रहा था। 'मैं बहुत अच्छे से निकल जाऊँगी,' मैंने सोचा। जैसे ही मैं उसकी परछाईं से गुजरी, जो बगीचे पर चाँद की लंबी परछाईं से फैली हुई थी, जो अभी पूरी तरह से उगा नहीं था, उसने बिना मुड़े धीरे से कहा—'जेन, आओ और इस जीव को देखो।' मैंने कोई आवाज नहीं की थी: उसकी आँखें पीछे नहीं थीं—क्या उसकी परछाईं महसूस कर सकती थी? मैं पहले तो चौंक गई, और फिर उसके पास गई। 'इसके पंख देखो,' उसने कहा, 'यह मुझे किसी वेस्ट इंडीज के कीड़े की याद दिलाता है; इंग्लैंड में इतना बड़ा और रंगीन रात में उड़ने वाला कीड़ा अक्सर देखने को नहीं मिलता; देखो! यह उड़ गया।' पतंगा दूर चला गया। मैं भी शरमाते हुए पीछे हट रही थी; लेकिन मिस्टर रोचेस्टर मेरे पीछे आए, और जब हम खिड़की के पास पहुँचे, तो उन्होंने कहा— "वापस लौट जाओ: इतनी सुहावनी रात में घर में बैठे रहना शर्म की बात है; और भला कोई भी ऐसे समय में सोना नहीं चाहेगा जब सूर्यास्त और चंद्रोदय हो रहे हों।" यह मेरी एक कमजोरी है कि हालाँकि कभी-कभी मेरी ज़बान जवाब देने में तो फुर्तीली होती है, लेकिन कई बार बहाना बनाने में बुरी तरह नाकाम हो जाती है; और यह चूक हमेशा किसी संकट के समय होती है, जब मुझे किसी दर्दनाक शर्मिंदगी से निकलने के लिए एक आसान शब्द या तर्कसंगत बहाने की विशेष रूप से आवश्यकता होती है। मुझे इस समय मिस्टर रोचेस्टर के साथ अकेले छायादार बगीचे में चलना अच्छा नहीं लग रहा था; लेकिन मुझे उन्हें छोड़ने का कोई बहाना नहीं सूझा। मैं धीमे कदमों से उनके पीछे चली, और मेरे दिमाग में बचने का कोई रास्ता खोजने की होड़ लगी हुई थी; लेकिन वे खुद इतने शांत और गंभीर दिख रहे थे कि मुझे अपनी किसी भी उलझन पर शर्म आ गई: बुराई—अगर कोई

बुराई मौजूद थी या होने वाली थी—तो वह केवल मुझमें ही निहित प्रतीत हुई; उनका मन अचेतन और शांत था। 'जेन,' उन्होंने लॉरेल की पगडंडी पर चलते हुए, बातचीत फिर से शुरू हुई और हम धीरे-धीरे धँसी हुई बाड़ और हॉर्स-चेस्टनट के पेड़ की ओर बढ़ने लगे। "गर्मियों में थॉर्नफील्ड कितनी सुखद जगह है, है ना?" "जी हाँ।" "आप तो इस घर से कुछ हद तक जुड़ गए होंगे,—आप, जिनकी नज़र प्राकृतिक सुंदरता पर रहती है और जिनमें लगाव की भावना भी प्रबल है?" "हाँ, मैं इससे जुड़ गया हूँ।" "और हालाँकि मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा कैसे है, मैं आपको समझता हूँ।"

जेन आयर 235 'क्या तुम्हें उस नासमझ छोटी बच्ची एडेल के लिए भी कुछ हद तक सम्मान है; और यहाँ तक कि सीधी-सादी महिला फेयरफैक्स के लिए भी?' 'जी हाँ, महोदय; अलग-अलग तरीकों से, मुझे दोनों से स्नेह है।' 'और क्या तुम्हें उनसे बिछड़ने का दुख होगा?' ओह जी, 'अफसोस!' उन्होंने कहा, और आह भरी और रुक गए। 'इस जीवन में घटनाओं का यही तरीका है,' उन्होंने थोड़ी देर बाद कहा: 'जैसे ही तुम किसी सुखद विश्राम स्थल पर आराम से बैठती हो, एक आवाज तुम्हें उठने और आगे बढ़ने के लिए पुकारती है, क्योंकि आराम का समय समाप्त हो गया है।' 'क्या मुझे आगे बढ़ना ही होगा, महोदय?' मैंने पूछा। 'क्या मुझे थॉर्नफील्ड छोड़ना ही होगा?' 'मुझे लगता है तुम्हें जाना ही होगा, जेन। मुझे खेद है, जेनेट, लेकिन मुझे सच में लगता है तुम्हें जाना ही होगा।' यह एक झटका था: लेकिन मैंने इसे खुद पर हावी नहीं होने दिया। 'जी महोदय, जब मार्च करने का आदेश आएगा, मैं तैयार रहूंगा।' 'आदेश आ गया है—मुझे आज रात ही देना होगा।' 'तो आप शादी करने जा रहे हैं, महोदय?' 'बिल्कुल—बिल्कुल: आपकी हमेशा की तरह तीक्ष्ण बुद्धि से आपने एकदम सही बात पकड़ी है।' 'जल्द ही, महोदय?' 'बहुत जल्द, मेरी—यानी, मिस आयर: और आपको याद होगा, जेन, जब मैंने, या अफवाह ने, पहली बार आपको स्पष्ट रूप से बताया था कि मेरा इरादा अपने पुराने कुंवारेपन को पवित्र फंदे में डालने का है, विवाह के पवित्र बंधन में बंधने का—संक्षेप में, मिस इंग्राम को अपनी बाहों में लेने का (वह बहुत सुंदर हैं: लेकिन यह बात मायने नहीं रखती—मेरी खूबसूरत ब्लैंच जैसी इतनी बेहतरीन चीज की कभी कमी नहीं हो सकती): खैर, जैसा कि मैं कह रहा था—मेरी बात सुनो, जेन! तुम कहीं और पतंगों को देखने तो नहीं जा रही हो? वह तो बस एक लेडीक्लॉक थी, बच्ची।' "घर वापस उड़ जाना।" मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि सबसे पहले आपने ही मुझसे कहा था, उस विवेक के साथ जिसका मैं आपमें सम्मान करता हूँ—

उस दूरदर्शिता, समझदारी और विनम्रता के साथ जो आपकी ज़िम्मेदार और आश्रित स्थिति के लिए उपयुक्त है—कि अगर मैं मिस इंग्राम से शादी कर लूँ, तो आप और छोटी एडेल दोनों को तुरंत निकल जाना चाहिए। मैं इस सुझाव में मेरी प्रियतमा के चरित्र पर निहित कलंक को नज़रअंदाज़ करता हूँ; वास्तव में, जब आप दूर होंगी, जेनेट, मैं इसे भूलने की कोशिश करूँगा: मैं केवल इसकी बुद्धिमत्ता पर ध्यान दूँगा; जो इतनी बुद्धिमत्तापूर्ण है कि मैंने इसे अपने आचरण का नियम बना लिया है। एडेल को स्कूल जाना चाहिए; और आपको, मिस आयर, एक नई नौकरी ढूंढनी चाहिए।' 'जी महोदय, मैं तुरंत विज्ञापन दूँगा: और इस बीच, मुझे लगता है—' मैं कहने ही वाला था, मुझे लगता है कि मैं यहाँ तब तक रह सकता हूँ, जब तक मुझे रहने के लिए कोई और जगह न मिल जाए': लेकिन मैं रुक गया,

236 जेन आयर: लंबी सजा का जोखिम उठाना उचित नहीं होगा, क्योंकि मेरी आवाज पूरी तरह से नियंत्रण में नहीं थी: 'लगभग एक महीने में मैं दूल्हा बनने की उम्मीद करता हूं,' श्री रोचेस्टर ने आगे कहा; 'और इस बीच, मैं आपके लिए रोजगार और आश्रय की तलाश करूंगा।' 'धन्यवाद, महोदय; मुझे खेद है कि मैं...' 'अरे, माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है! मेरा मानना है कि जब कोई आश्रित अपना कर्तव्य उतनी ही अच्छी तरह से निभाता है जितना आपने निभाया है, तो उसे अपने नियोक्ता से किसी भी छोटी-मोटी सहायता का हक बनता है जो वह उसे आसानी से दे सकता है; वास्तव में, मैंने अपनी होने वाली सास के माध्यम से एक ऐसी जगह के बारे में सुना है जो मुझे लगता है कि उपयुक्त होगी: यह आयरलैंड के कॉनॉट में बिटरनट लॉज की श्रीमती डायोनिसियस ओ'गैल की पांच बेटियों की शिक्षा का जिम्मा लेना है। मुझे लगता है तुम्हें आयरलैंड पसंद आएगा: कहते हैं वहाँ के लोग बहुत ही मिलनसार हैं।' 'यह बहुत दूर है, श्रीमान।' 'कोई बात नहीं—तुम्हारी जैसी समझदार लड़की को यात्रा या दूरी से कोई आपत्ति नहीं होगी।' 'यात्रा से नहीं, बल्कि दूरी से: और फिर समुद्र एक बाधा है—' 'किससे, जेन?' 'इंग्लैंड से और थॉर्नफील्ड से: और—' "तो?" 'आपसे, श्रीमान।' मैंने यह लगभग अनजाने में ही कह दिया, और अपनी इच्छाशक्ति के बिना ही मेरे आँसू बह निकले। हालाँकि, मैं इस तरह नहीं रोई कि कोई सुन ले; मैंने सिसकने से खुद को रोका। श्रीमती ओ'गैल और बिटरनट लॉज का ख्याल मेरे दिल को जमा देने वाला था; और उससे भी ज़्यादा ठंड उस खारे पानी और झाग के ख्याल से लगी, जो मानो मेरे और उस गुरु के बीच आने वाला था, जिसके साथ मैं अब चल रही

थी, और उससे भी ज़्यादा ठंड विशाल समुद्र की याद से लगी—धन, जाति, रीति-रिवाज मेरे और उस चीज़ के बीच आ गए जिससे मैं स्वाभाविक रूप से और अनिवार्य रूप से प्यार करती थी। 'यह बहुत लंबा रास्ता है,' मैंने फिर कहा। 'हाँ, बिल्कुल; और जब तुम आयरलैंड के कॉनॉट स्थित बिटरनट लॉज पहुँचोगी, तो मैं तुम्हें फिर कभी नहीं देख पाऊँगा, जेन: यह लगभग तय है। मैं कभी आयरलैंड नहीं जाता, क्योंकि मुझे वह देश ज़्यादा पसंद नहीं है। हम अच्छे दोस्त रहे हैं, जेन; है ना?' 'जी, महाराज,' 'और जब दोस्त बिछड़ने वाले होते हैं, तो वे बचे हुए थोड़े समय को एक-दूसरे के करीब बिताना पसंद करते हैं। आइए! हम यात्रा और बिछड़ने के बारे में आधे घंटे तक शांति से बातें करेंगे, जब तक तारे अपने आकाश में नहीं उतर जाते।

जेन आयर 237 ईईईई स्वर्ग में चमकता जीवन: यहाँ शाहबलूत का पेड़ है: यहाँ उसकी पुरानी जड़ों के पास बेंच है। आओ, हम आज रात वहाँ शांति से बैठेंगे, भले ही हम फिर कभी वहाँ साथ बैठने के लिए नसीब न हों।' उन्होंने मुझे और खुद को बैठाया। 'आयरलैंड का रास्ता बहुत लंबा है, जेनेट, और मुझे अपनी छोटी दोस्त को इतनी थका देने वाली यात्रा पर भेजने का दुख है: लेकिन अगर मैं इससे बेहतर नहीं कर सकता, तो क्या किया जा सकता है? क्या तुम मुझसे कुछ मिलती-जुलती हो, जेन?' इस समय तक मैं किसी भी तरह का जवाब देने का जोखिम नहीं उठा सकती थी: मेरा दिल थम गया था। 'क्योंकि,' उन्होंने कहा, 'कभी-कभी मुझे तुम्हारे बारे में एक अजीब सी भावना होती है—खासकर जब तुम मेरे पास होती हो, जैसे अभी: ऐसा लगता है जैसे मेरी बाईं पसलियों के नीचे कहीं एक धागा है, जो तुम्हारे छोटे से शरीर के उसी हिस्से में स्थित एक समान धागे से कसकर और अटूट रूप से बंधा हुआ है।' और अगर वह उबड़-खाबड़ जलधारा और लगभग दो सौ मील की भूमि हमारे बीच आ जाए, तो मुझे डर है कि संवाद का वह बंधन टूट जाएगा; और तब मुझे एक घबराहट भरी आशंका होती है कि मैं अंदर ही अंदर खून बहने लगूंगा। आप तो मुझे भूल ही जाएँगे।' "ऐसा मैं कभी नहीं भूलूँगी, महोदय: आप जानते हैं—' आगे बोलना असंभव था। 'जेन, क्या तुम्हें जंगल में बुलबुल की आवाज़ सुनाई दे रही है? सुनो!' सुनते-सुनते मैं फूट-फूट कर रोने लगी; क्योंकि मैं अपने दर्द को और दबा नहीं सकती थी; मुझे हार माननी पड़ी, और मैं तीव्र पीड़ा से सिर से पैर तक काँप उठी। जब मैंने कुछ कहा, तो बस यही तीव्र इच्छा व्यक्त की कि काश मैं कभी पैदा ही न हुई होती, या कभी थॉर्नफील्ड न आई होती। 'क्योंकि तुम्हें इसे छोड़ने का दुख है?' मेरे भीतर

दुख और प्रेम से उमड़ी भावनाओं की तीव्रता हावी हो रही थी, और पूरी तरह से अपना अधिकार जताने के लिए संघर्ष कर रही थी, और प्रभुत्व जमाने, विजय पाने, जीने, उठने और अंततः राज करने का अधिकार जता रही थी: हाँ,—और बोलने का भी। 'मुझे थॉर्नफील्ड छोड़ने का दुख है: मैं थॉर्नफील्ड से प्यार करती हूँ:—मैं इससे प्यार करती हूँ, क्योंकि मैंने इसमें एक पूर्ण और आनंदमय जीवन जिया है—कम से कम कुछ समय के लिए। मुझ पर अत्याचार नहीं हुआ है। मैं मैं भयभीत नहीं हुआ हूँ। मैं हीन विचारों के साथ दफन नहीं हुआ हूँ, और उज्ज्वल, ऊर्जावान और उच्चतर चीज़ों के साथ संवाद के हर पल से वंचित नहीं हुआ हूँ। मैंने अपने आदर और आनंद के स्रोत, यानी एक मौलिक, सशक्त और विस्तृत मन से आमने-सामने बात की है। मैं आपको जानता हूँ, श्री रोचेस्टर; और यह सोचकर मुझे भय और पीड़ा होती है कि मुझे आपसे हमेशा के लिए अलग होना पड़ेगा। मुझे प्रस्थान की आवश्यकता दिखाई देती है; और यह मृत्यु की आवश्यकता को देखने जैसा है।

238 जेन आयर OO eee 'तुम्हें इसकी आवश्यकता कहाँ दिखती है?' उसने अचानक पूछा। 'कहाँ? महोदय, आपने ही इसे मेरे सामने रखा है।' 'किस रूप में?' 'मिस इंग्राम के रूप में; एक कुलीन और सुंदर महिला, —आपकी दुल्हन।' 'मेरी दुल्हन! कैसी दुल्हन? मेरी कोई दुल्हन नहीं है!' 'लेकिन तुम्हारी होगी।' 'हाँ; —मैं हूँगी! —मैं हूँगी!' उसने अपने दाँत भींच लिए। 'तो मुझे जाना ही होगा: —तुमने खुद ही कहा है।' 'नहीं: तुम्हें रुकना ही होगा! मैं कसम खाता हूँ —और मैं अपनी कसम निभाऊँगा।' 'मैं तुमसे कहता हूँ कि मुझे जाना ही होगा,' मैंने आवेश में आकर जवाब दिया। 'क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हारे लिए कुछ भी न बनकर रह सकती हूँ? क्या तुम्हें लगता है कि मैं एक मशीन हूँ —एक भावहीन मशीन? और अपने होठों से रोटी का टुकड़ा छीने जाने और अपने प्याले से जीवन का एक बूँद गिराए जाने को सहन कर सकती हूँ? क्या तुम्हें लगता है कि क्योंकि मैं गरीब, गुमनाम, साधारण और छोटी हूँ, इसलिए मैं आत्माहीन और हृदयहीन हूँ?' आप गलत सोच रहे हैं!—मेरे पास भी उतनी ही आत्मा है जितनी आपके पास,—और उतना ही दिल भी! और अगर ईश्वर ने मुझे थोड़ी सुंदरता और बहुत धन दिया होता, तो आपके लिए मुझे छोड़ना उतना ही मुश्किल होता जितना अब मेरे लिए आपको छोड़ना है। मैं अब आपसे रीति-रिवाजों, परंपराओं या नश्वर शरीर के माध्यम से बात नहीं कर रही हूँ;—यह मेरी आत्मा है जो आपकी आत्मा को संबोधित कर रही है; मानो हम दोनों कब्र से गुजर चुके हों, और

हम ईश्वर के चरणों में बराबर खड़े हों,—जैसे हम हैं!' 'जैसे हम हैं!' श्री रोचेस्टर ने दोहराया—'हाँ,' उन्होंने मुझे अपनी बाहों में भरते हुए, मुझे अपने सीने से लगाते हुए, अपने होंठ मेरे होंठों पर दबाते हुए कहा: 'हाँ, जेनेल' 'जी हाँ, श्रीमान,' मैंने जवाब दिया: 'और फिर भी नहीं; क्योंकि आप विवाहित हैं—या लगभग विवाहित हैं, और एक ऐसी महिला से विवाहित हैं जो आपसे नीची है—जिसके प्रति आपके मन में कोई सहानुभूति नहीं है—जिससे मुझे नहीं लगता कि आप वास्तव में प्यार करते हैं; क्योंकि मैंने आपको उसका उपहास करते हुए देखा और सुना है। मैं ऐसे मिलन को अस्वीकार करती हूँ: इसलिए मैं तुमसे बेहतर हूँ—मुझे जाने दो!' 'कहाँ, जेन? आयरलैंड?' 'हाँ—आयरलैंड। मैंने अपने मन की बात कह दी है, और अब मैं कहीं भी जा सकती हूँ।' 'जेन, शांत रहो; ऐसे छटपटाओ मत, जैसे कोई जंगली, बेचैन पक्षी अपनी हताशा में अपने ही पंख नोच रहा हो।' 'मैं कोई पक्षी नहीं हूँ; और कोई जाल मुझे फँसा नहीं सकता; मैं एक स्वतंत्र इंसान हूँ, जिसकी अपनी स्वतंत्र इच्छा है, और अब मैं तुम्हें छोड़कर जाने के लिए ऐसा कर रही हूँ।' एक और प्रयास ने मुझे आज़ाद कर दिया, और मैं उसके सामने सीधी खड़ी हो गई।

जेन आयर 239 सोट पेंस टाई नाए ई ए अल ए ए 'और तुम्हारी इच्छा ही तुम्हारा भाग्य तय करेगी,' उसने कहा: 'मैं तुम्हें अपना हाथ, अपना दिल और अपनी सारी संपत्ति का एक हिस्सा अर्पित करता हूँ।' 'तुम एक नाटक कर रही हो, जिस पर मैं बस हँसता हूँ।' 'मैं तुमसे विनती करता हूँ कि तुम जीवन भर मेरे साथ रहो—मेरी दूसरी आत्मा बनो, और मेरी सबसे अच्छी सांसारिक साथी बनो।' 'उस भाग्य के लिए तुमने पहले ही अपना चुनाव कर लिया है, और तुम्हें उसका पालन करना होगा।' 'जेन, कुछ पल शांत रहो: तुम बहुत उत्तेजित हो: मैं भी शांत हो जाऊँगा।' लॉरेल के रास्ते से हवा का एक झोंका आया और शाहबलूत की शाखाओं से होकर गुजरा: वह दूर चला गया —दूर—एक अनिश्चित दूरी तक—वह शांत हो गया। उस समय बुलबुल का गीत ही एकमात्र आवाज थी: उसे सुनकर मैं फिर रो पड़ी। श्री रोचेस्टर चुपचाप बैठे रहे, मुझे कोमलता और गंभीरता से देखते रहे। कुछ समय बीतने के बाद उन्होंने बात की; अंत में उसने कहा— 'मेरे पास आओ, जेन, और चलो हम एक-दूसरे को समझाएँ और जानें।' 'मैं अब कभी तुम्हारे पास नहीं आऊँगी: मैं अब तुमसे विदा हो चुकी हूँ, और लौट नहीं सकती।' 'लेकिन, जेन, मैं तुम्हें अपनी पत्नी के रूप में बुला रहा हूँ: मैं केवल तुमसे ही विवाह करना चाहता हूँ।' मैं चुप रही: मुझे लगा कि वह मेरा मज़ाक उड़ा रहा

है। 'आओ, जेन—इधर आओ।' 'तुम्हारी दुल्हन हमारे बीच खड़ी है।' वह उठा, और एक कदम में मेरे पास पहुँच गया। 'मेरी दुल्हन यहाँ है,' उसने मुझे फिर से अपनी ओर खींचते हुए कहा, 'क्योंकि मेरा हमशक्ल यहाँ है। जेन, क्या तुम मुझसे विवाह करोगी?' फिर भी मैंने कोई उत्तर नहीं दिया, और फिर भी मैं उसकी पकड़ से खुद को छुड़ाने की कोशिश करती रही: क्योंकि मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा था। 'क्या तुम्हें मुझ पर शक है, जेन?' 'बिल्कुल।' 'तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं है?' 'ज़रा भी नहीं।' 'क्या मैं तुम्हारी नज़रों में झूठा हूँ?' उसने जोश से पूछा। 'छोटी संशयवादी, तुम्हें यकीन हो जाएगा। मिस इंग्राम के लिए मेरे मन में क्या प्रेम है?' कुछ नहीं: और यह तो तुम जानते ही हो। उसे मुझसे क्या प्यार है? कुछ नहीं: जैसा कि मैंने साबित करने की पूरी कोशिश की है: मैंने उसके पास यह अफवाह फैलाई कि मेरी संपत्ति उतनी नहीं है जितनी बताई जा रही थी, और उसके बाद मैं परिणाम देखने के लिए उसके सामने पेश हुआ; परिणाम यह था कि वह और उसकी माँ दोनों ही मुझसे ठंडी प्रतिक्रिया दे रही थीं। मैं मिस इंग्राम से शादी नहीं कर सकता था। तुम—तुम अजीब हो, तुम
240 जेन आयर: 'अरे, तुम तो लगभग अलौकिक हो! मैं तुमसे अपने खून की तरह प्यार करती हूँ। तुम—गरीब, गुमनाम, छोटे और सादे से हो—मैं तुमसे विनती करती हूँ कि मुझे पति के रूप में स्वीकार करो।' 'क्या, मैं!' मैं चौंक उठी, उसकी गंभीरता—और खासकर उसकी असभ्यता—को देखकर मुझे उसकी ईमानदारी पर विश्वास होने लगा: 'मैं जिसका दुनिया में तुम्हारे सिवा कोई दोस्त नहीं—अगर तुम मेरे दोस्त हो: तो एक पैसा भी नहीं, सिवाय उसके जो तुमने मुझे दिया है?' 'जेन, मुझे तुम्हें अपना बनाना है—पूरी तरह से अपना। क्या तुम मेरी बनोगी? जल्दी हाँ कहो।' 'मिस्टर रोचेस्टर, मुझे आपका चेहरा देखने दीजिए: चाँदनी की ओर मुड़िए।' 'क्यों?' 'क्योंकि मैं आपके चेहरे के भाव पढ़ना चाहती हूँ—मुड़िए!' 'देखो! तुम्हें यह एक मुड़े हुए, खरोंचे हुए पन्ने से ज़्यादा पढ़ने लायक नहीं मिलेगा।' आगे पढ़ो: बस जल्दी करो, क्योंकि मैं कष्ट सह रहा हूँ।' उसका चेहरा बहुत उत्तेजित और लाल था, चेहरे पर तीव्र भाव थे और आँखों में अजीब सी चमक थी। 'ओह, जेन, तुम मुझे तड़पा रही हो!' वह बोला। 'अपनी उस खोजपूर्ण, फिर भी वफादार और उदार नज़र से, तुम मुझे तड़पा रही हो!' 'मैं ऐसा कैसे कर सकती हूँ? अगर तुम सच्चे हो, और तुम्हारा प्रस्ताव वास्तविक है, तो तुम्हारे प्रति मेरी भावनाएँ केवल कृतज्ञता और भक्ति ही होनी चाहिए—वे मुझे तड़पा नहीं सकतीं।' 'कृतज्ञता!' वह चिल्लाया; और उन्माद में बोला—'जेन, मुझे जल्दी

स्वीकार करो। कहो, एडवर्ड—मुझे मेरा नाम बताओ—एडवर्ड—मैं तुमसे शादी करूँगा।' 'क्या तुम सच कह रहे हो? क्या तुम सचमुच मुझसे प्यार करते हो? क्या तुम सच में चाहते हो कि मैं तुम्हारी पत्नी बनूँ?' 'हाँ; और अगर आपको संतुष्ट करने के लिए शपथ आवश्यक है, तो मैं शपथ लेता हूँ।' "तो, महोदय, मैं आपसे विवाह करूँगा।' 'एडवर्ड—मेरी प्यारी पत्नी!' 'प्रिय एडवर्ड!' 'मेरे पास आओ—अभी पूरी तरह से मेरे पास आओ,' उसने कहा; और अपने सबसे गहरे स्वर में, मेरे कान में फुसफुसाते हुए, जब उसका गाल मेरे गाल से लगा हुआ था, 'मेरी खुशी का कारण बनो—मैं तुम्हारी खुशी का कारण बनूँगा।' 'भगवान मुझे क्षमा करें!' उसने थोड़ी देर बाद कहा; 'और मनुष्य मुझसे दखल न दें: वह मेरी है, और मैं उसे अपने पास रखूँगा।' "कोई दखल देने वाला नहीं है, महोदय। मेरा कोई रिश्तेदार नहीं है जो हस्तक्षेप करे।' 'नहीं—यही तो सबसे अच्छी बात है,' उसने कहा। और अगर मैं उससे कम प्यार करती तो मैं उसके लहजे और उल्लास भरी नज़र को क्रूर समझती; लेकिन, उसके पास बैठी, बिछड़ने के बुरे सपने से जागकर—मिलन के स्वर्ग में बुलाई गई—मैंने केवल उस आनंद के बारे में सोचा जो मुझे इतनी प्रचुर मात्रा में पीने को मिला था।

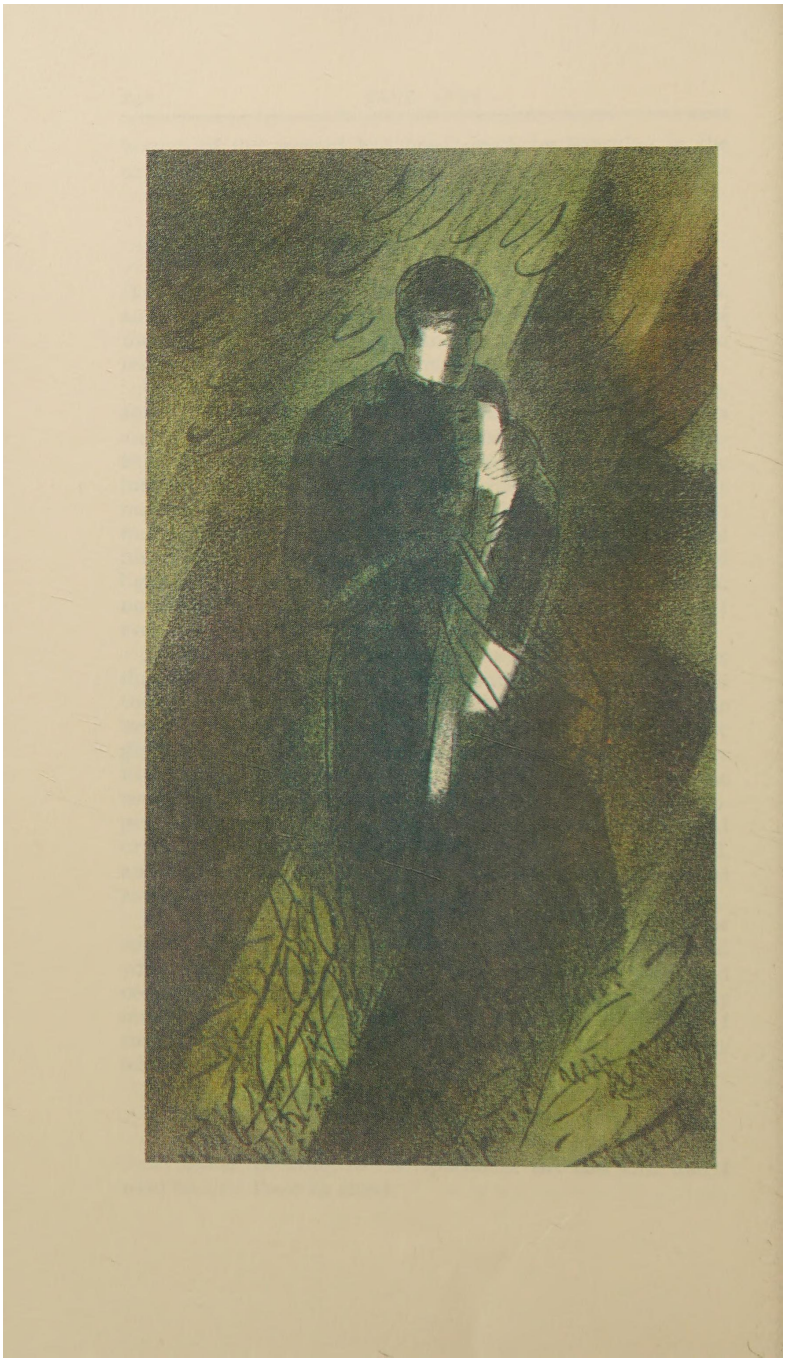
बार-बार

जेन आयर 241 ——— उसने फिर कहा, 'क्या तुम खुश हो, जेन?' और मैंने बार-बार उत्तर दिया, 'हाँ।' इसके बाद वह बुदबुदाया, 'यह प्रायश्चित करेगा—यह प्रायश्चित करेगा। क्या मैंने उसे बेसहारा, उदास और असहाय नहीं पाया? क्या मैं उसकी रक्षा, स्नेह और सांत्वना नहीं दूंगा? क्या मेरे हृदय में प्रेम और मेरे संकल्पों में दृढ़ता नहीं है? यह ईश्वर के न्याय के समक्ष प्रायश्चित करेगा। मैं जानता हूँ कि मेरा सृष्टिकर्ता मेरे कार्यों को स्वीकृति देता है। संसार के न्याय से मैं अपना हाथ धो लेता हूँ। मनुष्य की राय की मैं अवहेलना करता हूँ।' लेकिन उस रात क्या हुआ था? चाँद अभी अस्त नहीं हुआ था, और हम सब छाया में थे: मैं अपने स्वामी का चेहरा मुश्किल से देख पा रही थी, इतनी पास होने के बावजूद। और शाहबलूत के पेड़ को क्या हुआ था? वह मरोड़ रहा था और कराह रहा था; जबकि लॉरेल की डालियों पर हवा गरज रही थी, और हम पर से बह रही थी। 'हमें अंदर जाना चाहिए,' श्री रोचेस्टर ने कहा: 'मौसम बदल रहा है। जेन, मैं तुम्हारे साथ सुबह तक बैठ सकता था।' 'और हाँ,' मैंने सोचा, 'मैं भी आपके साथ बैठ सकती थी।' शायद मुझे ऐसा कहना चाहिए था, लेकिन जिस बादल की ओर मैं देख रही थी, उसमें से एक तेज़, चमकीली चिंगारी निकली, और एक

चटकने, एक ज़ोरदार आवाज़ और एक तेज़ गड़गड़ाहट हुई; और मैं बस अपनी चकाचौंध भरी आँखों को श्री रोचेस्टर के कंधे पर छुपाने के बारे में सोच रही थी। बारिश तेज़ी से बरस रही थी। उन्होंने मुझे जल्दी से रास्ते से होते हुए, मैदान से गुज़रकर घर में ले गए; लेकिन दहलीज पार करने से पहले ही हम पूरी तरह भीग चुके थे। वह हॉल में मेरा शॉल उतार रहे थे और मेरे खुले बालों से पानी झाड़ रहे थे, तभी श्रीमती फेयरफैक्स अपने कमरे से बाहर आईं। मैंने उन्हें पहले नहीं देखा, न ही श्री रोचेस्टर ने। लैंप जल रहा था। घड़ी में बारह बज रहे थे। 'जल्दी से अपने गीले कपड़े उतार दो,' उन्होंने कहा; 'और जाने से पहले, शुभ रात्रि—शुभ रात्रि, मेरी जान!' उन्होंने मुझे बार-बार चूमा। जब मैंने उनकी बाहों से निकलकर ऊपर देखा, तो वहाँ विधवा खड़ी थी, पीली, गंभीर और हैरान। मैंने बस उन्हें देखकर मुस्कुराया और ऊपर की ओर दौड़ पड़ी। 'स्पष्टीकरण किसी और समय के लिए ठीक रहेगा,' मैंने सोचा। फिर भी, जब मैं अपने कमरे में पहुँची, तो मुझे इस विचार से दुख हुआ कि उन्होंने जो देखा था, उसे उन्होंने क्षण भर के लिए भी गलत समझा होगा। लेकिन खुशी ने जल्द ही हर भावना को मिटा दिया; और चाहे हवा कितनी भी तेज़ चल रही हो, गरज कितनी भी गहरी और करीब हो, बिजली कितनी भी तेज़ और बार-बार चमक रही हो, दो घंटे के तूफान के दौरान बारिश कितनी भी तेज़ हो रही हो, मुझे ज़रा भी डर नहीं लगा और न ही कोई भय। इस दौरान मिस्टर रोचेस्टर तीन बार मेरे दरवाजे पर आए, यह पूछने के लिए कि क्या मैं सुरक्षित और शांत हूँ: और यह मेरे लिए सुकून था, यह किसी भी चीज़ के लिए ताकत थी। सुबह बिस्तर से उठने से पहले, छोटी एडेल दौड़कर आई और मुझे बताया कि

 आधा हिस्सा टूटकर अलग हो गया था। जैसे ही मैं उठी और कपड़े पहने, मैंने जो कुछ हुआ था उसके बारे में सोचा और सोचा कि क्या यह एक सपना था। जब तक मैं मिस्टर रोचेस्टर को दोबारा नहीं देख लेती और उनके प्यार और वादे के शब्दों को दोहराते नहीं सुन लेती, तब तक मैं वास्तविकता के बारे में निश्चित नहीं हो सकती थी। अपने बालों को संवारते हुए, मैंने शीशे में अपना चेहरा देखा और महसूस किया कि अब यह साधारण नहीं रहा: इसके रूप में आशा और इसके रंग में जीवन था; और मेरी आँखें मानो फलदायी होने के स्रोत को देख चुकी थीं और उसकी चमकदार लहरों से किरणें उधार ले चुकी थीं। मैं अक्सर अपने स्वामी की ओर देखने से कतराती थी,

क्योंकि मुझे डर था कि मेरी नज़र देखकर वे प्रसन्न नहीं होंगे; लेकिन मुझे यकीन था कि अब मैं अपना चेहरा उनकी ओर उठा सकती हूँ और अपने भावों से उनके स्नेह को ठंडा नहीं कर सकती। मैंने अपनी दराज से एक सादी लेकिन साफ और हल्की गर्मियों की पोशाक निकाली और पहन ली: ऐसा लगा जैसे कोई पोशाक मुझ पर इतनी अच्छी कभी नहीं लगी, क्योंकि मैंने कभी भी इतने आनंदित मन से कोई पोशाक नहीं पहनी थी। जब मैं दौड़कर हॉल में गई, तो मुझे यह देखकर आश्चर्य नहीं हुआ कि रात के तूफान के बाद जून की एक चमकदार सुबह हो गई थी; और खुले कांच के दरवाजे से ताज़ी और सुगंधित हवा का झोंका महसूस हुआ। प्रकृति भी प्रसन्न होगी जब मैं इतनी खुश थी। एक भिखारी औरत और उसका छोटा लड़का—दोनों पीले, फटेहाल—रास्ते से आ रहे थे, और मैं दौड़कर नीचे गई और उन्हें अपने पर्स में मौजूद सारे पैसे दे दिए —लगभग तीन या चार शिलिंग: चाहे अच्छा हो या बुरा, उन्हें मेरी खुशी में शामिल होना ही था। कौवे कांव-कांव कर रहे थे, और अन्य पक्षी गा रहे थे; लेकिन मेरे आनंदित हृदय से अधिक प्रसन्न और मधुर कुछ भी नहीं था। श्रीमती फेयरफैक्स ने उदास चेहरे के साथ खिड़की से बाहर देखते हुए मुझे चौंका दिया और गंभीरता से कहा —'मिस आयर, क्या आप नाश्ते पर आएंगी?' भोजन के दौरान वह शांत और संयमित रहीं, लेकिन मैं उस समय उनके भ्रम को दूर नहीं कर सकी। मुझे अपने शिक्षक के स्पष्टीकरण का इंतजार करना था; और उन्हें भी। मैंने जितना खा सकती थी उतना खाया और फिर जल्दी से ऊपर चली गई। मैंने एडेल को स्कूल के कमरे से निकलते हुए देखा। "तुम कहाँ जा रही हो? पाठ का समय हो गया है।" "श्री रोचेस्टर ने मुझे नर्सरी भेज दिया है।" "वह कहाँ हैं?" "वहाँ," उसने उस कमरे की ओर इशारा किया जिसे वह छोड़कर आई थी; और मैं अंदर गई, और वह वहीं खड़े थे।



जेन आयर 243 सेपे अराटे थीमे से ल्ह एड 'आओ और मुझे सुप्रभात कहो,' उसने

कहा। मैं खुशी-खुशी आगे बढ़ी; और अब मुझे केवल एक ठंडा शब्द या हाथ मिलाना ही नहीं मिला, बल्कि एक आलिंगन और एक चुंबन मिला। यह स्वाभाविक लगा: उसके द्वारा इतना प्यार किया जाना, इतना दुलार किया जाना सुखद लगा। 'जेन, तुम खिलखिलाती, मुस्कुराती और सुंदर लग रही हो,' उसने कहा: 'आज सुबह सचमुच बहुत सुंदर लग रही हो। क्या यह मेरी पीली, नन्ही परी है? क्या यह मेरी सरसों के दाने जैसी है? यह नन्ही धूप जैसी दिखने वाली लड़की जिसके गालों पर डिंपल हैं और होंठ गुलाबी हैं; रेशम जैसे चिकने भूरे बाल और चमकीली भूरी आँखें?' (पाठक, मेरी आँखें हरी थीं; लेकिन कृपया इस गलती के लिए मुझे क्षमा करें: मुझे लगता है कि उसके लिए वे नई रंगी हुई थीं।) 'यह जेन आयर है, महोदय।' 'जल्द ही जेन रोचेस्टर बनने वाली हो,' उसने आगे कहा: 'चार हफ्तों में, जेनेट; एक दिन भी ज्यादा नहीं।' क्या तुमने वो आवाज़ सुनी?' मैंने सुनी, और मैं उसे पूरी तरह समझ नहीं पाई: मुझे चक्कर आने लगे। उस घोषणा ने मेरे अंदर जो भावनाएँ जगाईं, वो खुशी से कहीं ज़्यादा तीव्र थीं—कुछ ऐसा जिसने मुझे झकझोर दिया और स्तब्ध कर दिया: मुझे लगता है, वो लगभग डर था। 'तुम शरमा गई थीं, और अब तुम्हारा चेहरा सफ़ेद हो गया है, जेन: ऐसा क्यों?' 'क्योंकि आपने मुझे एक नया नाम दिया है—जेन रोचेस्टर; और ये बहुत अजीब लगता है।' 'जी हाँ, श्रीमती रोचेस्टर,' उन्होंने कहा; 'युवा श्रीमती रोचेस्टर—फेयरफैक्स रोचेस्टर की दुल्हन।' 'ऐसा कभी नहीं हो सकता, महोदय; ये संभव नहीं लगता। मनुष्य इस दुनिया में कभी भी पूर्ण सुख का आनंद नहीं उठा पाते। मैं अपनी प्रजाति के बाकी लोगों से अलग भाग्य के लिए पैदा नहीं हुई थी: मेरे साथ ऐसा होना एक परीकथा है—एक दिवास्वप्न।' 'जिसे मैं साकार कर सकता हूँ और करूँगा। मैं आज से शुरू करूँगा।' आज सुबह मैंने लंदन स्थित अपने बैंकर को पत्र लिखकर उनसे कुछ गहने भेजने को कहा है जो उनके पास रखे हैं—थॉर्नफील्ड की महिलाओं के खानदानी गहने। एक-दो दिन में मैं उन्हें आपको सौंपने की आशा करता हूँ: क्योंकि मैं आपको हर वो सम्मान और ध्यान दूँगा जो मैं किसी रईस की बेटी को देता, अगर मेरी उससे शादी होने वाली होती।' 'अरे महोदय! गहनों की बात छोड़िए! मुझे उनके बारे में सुनना अच्छा नहीं लगता। जेन आयर के लिए गहने अजीब और अस्वाभाविक लगते हैं: मैं उन्हें नहीं चाहती।' 'मैं स्वयं आपके गले में हीरे की चेन और माथे पर मुकुट पहनाऊँगा—जो आप पर जँचेगा: क्योंकि प्रकृति ने कम से कम इस माथे पर अपनी कुलीनता की छाप तो लगा ही दी है, जेन; और मैं ही आपकी सुंदर कलाइयों में कंगन

पहनाऊँगा और आपकी परी जैसी उंगलियों को अंगूठियों से सजाऊँगा।' 'नहीं, नहीं महोदय! अन्य विषयों पर सोचिए और अन्य बातें कीजिए, और अलग लहजे में। मुझसे ऐसे बात मत कीजिए जैसे मैं कोई सुंदर स्त्री हूँ; मैं आपकी साधारण, क्वेकरी गवर्नेस हूँ।'

244 जेन आयर पीई ईई 'तुम मेरी नज़रों में एक सुंदरता हो, और मेरे दिल की ख्वाहिश के मुताबिक एक सुंदरता,—नाजुक और हवा में उड़ने वाली।' 'तुम्हें तुच्छ और महत्वहीन कहना है। तुम सपना देख रहे हो, महोदय,— या तुम ताना मार रहे हो। भगवान के लिए, व्यंग्य मत करो!' 'मैं दुनिया को भी तुम्हें सुंदर मानवाऊंगा,' वह आगे बोला, जबकि मैं सचमुच उसके लहजे से असहज हो गई, क्योंकि मुझे लगा कि वह या तो खुद को धोखा दे रहा है या मुझे धोखा देने की कोशिश कर रहा है। 'मैं अपनी जेन को साटन और लेस से सजाऊंगा, और उसके बालों में गुलाब होंगे; और मैं अपने सबसे प्यारे सिर को एक अनमोल घूंघट से ढक दूंगा।' 'और फिर तुम मुझे पहचान नहीं पाओगे, महोदय; और मैं तुम्हारी जेन आयर नहीं रहूंगी, बल्कि एक जोकर की जैकेट में एक बंदरिया—उधार के पंख पहने एक चिड़िया।' श्रीमान रोचेस्टर, मैं आपको रंगमंच के परिधानों में सजे-धजे देखना ज़्यादा पसंद करूँगी, बजाय इसके कि मैं किसी दरबारी महिला के वस्त्रों में सजी रहूँ; और मैं आपको सुंदर नहीं कहती, महोदय, हालाँकि मैं आपसे बेहद प्यार करती हूँ: इतना ज़्यादा कि आपकी चापलूसी करना मेरे लिए मुमकिन नहीं। मेरी चापलूसी मत कीजिए।' हालाँकि, उन्होंने मेरी आपत्ति पर ध्यान दिए बिना अपनी बात जारी रखी। "आज ही मैं आपको गाड़ी में बिठाकर मिलकोट ले जाऊँगा, और आपको अपने लिए कुछ कपड़े चुनने होंगे। मैंने आपको बताया था कि हमारी शादी चार हफ़्तों में होगी। शादी चुपचाप, नीचे उस गिरजाघर में होगी; और फिर मैं आपको तुरंत शहर ले जाऊँगा। वहाँ कुछ समय रुकने के बाद, मैं अपने खजाने को सूरज के नज़दीकी क्षेत्रों में ले जाऊँगा: फ़्रांसीसी अंगूर के बागों और इतालवी मैदानों में; और वह पुरानी कहानियों और आधुनिक इतिहास में जो कुछ भी प्रसिद्ध है, वह सब देखेगी: वह शहरों के जीवन का स्वाद भी चखेगी; और वह दूसरों से तुलना करके खुद को महत्व देना सीखेगी।' 'क्या मैं यात्रा करूँ?—और आपके साथ, महोदय?'" "तुम पेरिस, रोम और नेपल्स में ठहरोगे: फ्लोरेंस, वेनिस और वियना में: जिस भी भूमि पर मैं घूमा हूँ, उस पर तुम फिर से कदम रखोगे: जहाँ भी मैंने अपने खुर पटके, वहाँ तुम्हारे अप्सरा के पैर भी पड़ेंगे। दस साल पहले, मैं आधे पागल होकर

यूरोप में भटकता रहा; घृणा, नफरत और क्रोध मेरे साथी थे: अब मैं ठीक होकर और पवित्र होकर, एक देवदूत को अपने सांत्वनादाता के रूप में लेकर वहाँ लौटूँगा।" यह सुनकर मैं उस पर हँस पड़ा। "मैं देवदूत नहीं हूँ," मैंने दृढ़ता से कहा; "और मैं मरने तक देवदूत नहीं बनूँगा: मैं स्वयं रहूँगा। श्री रोचेस्टर, आपको मुझसे किसी भी दिव्य चीज़ की अपेक्षा या माँग नहीं करनी चाहिए—क्योंकि आपको वह नहीं मिलेगी, ठीक वैसे ही जैसे मुझे आपसे वह नहीं मिलेगी: जिसकी मुझे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं है।" "तुम मुझसे क्या उम्मीद करते हो?" "शायद कुछ समय के लिए तुम वैसे ही रहोगे जैसे अभी हो—बहुत थोड़े समय के लिए; और फिर तुम ठंडे पड़ जाओगे; और फिर तुम मनमौजी हो जाओगे; और फिर तुम कठोर हो जाओगे, और मैं..." पास होना
जेन आयर 245 वीर्य - आपको प्रसन्न करने के लिए बहुत प्रयास किए गए हैं: लेकिन जब आप मुझसे अच्छी तरह परिचित हो जाएँगी, तो शायद आप मुझे फिर से पसंद करने लगेंगी, - पसंद करना, मैं कहती हूँ, प्यार नहीं। मुझे लगता है कि आपका प्यार छह महीने या उससे कम समय में फिर से जाग उठेगा। मैंने पुरुषों द्वारा लिखी गई पुस्तकों में देखा है कि पति के प्रेम की अधिकतम सीमा यही होती है। फिर भी, एक मित्र और साथी के रूप में, मैं आशा करती हूँ कि मैं अपने प्रिय स्वामी के लिए कभी भी पूरी तरह से अप्रिय न बनूँ। 'अप्रिय! और फिर से पसंद करने लगूँगी!' मुझे लगता है कि मैं तुम्हें फिर से पसंद करने लगूँगा, और बार-बार: और मैं तुमसे यह स्वीकार करवा लूँगा कि मैं तुम्हें न केवल पसंद करता हूँ, बल्कि सच्चे, जोशीले और अटूट प्रेम से प्यार करता हूँ।' "लेकिन क्या आप मनमौजी नहीं हैं, महोदय?" "जो स्त्रियाँ मुझे केवल अपने चेहरे से आकर्षित करती हैं, उनके लिए मैं साक्षात शैतान बन जाता हूँ जब मुझे पता चलता है कि उनमें न तो आत्मा है और न ही हृदय—जब वे मेरे सामने सपाटता, तुच्छता और शायद मूर्खता, अशिष्टता और चिड़चिड़ेपन का दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं: परन्तु स्पष्ट दृष्टि और वाक्पटु वाणी के लिए, अग्नि से बनी आत्मा के लिए, और उस चरित्र के लिए जो झुकता तो है पर टूटता नहीं—एक साथ लचीला और स्थिर, आज्ञाकारी और सुसंगत—मैं सदा कोमल और सच्चा रहता हूँ।' 'क्या आपने कभी ऐसे चरित्र का अनुभव किया है, महोदय? क्या आपने कभी ऐसे किसी से प्रेम किया है?' 'मैं अब उससे प्रेम करता हूँ।' 'लेकिन मेरे सामने: क्या मैं वास्तव में किसी भी तरह से आपके कठिन मापदंड पर खरा उतरता हूँ?' 'मैंने कभी आपके जैसा कोई नहीं देखा।' जेन, तुम मुझे प्रसन्न करती हो, और मुझ पर हावी हो जाती हो—तुम

समर्पण करती हुई प्रतीत होती हो, और तुम्हारी कोमलता का भाव मुझे भाता है; और जब मैं रेशमी धागे को अपनी उंगली पर लपेट रहा होता हूँ, तो यह मेरे हाथ से मेरे दिल तक एक सिहरन पैदा कर देता है। मैं मोहित हो गया हूँ—मुग्ध हो गया हूँ; और यह मोहित होना शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता; और यह विजय किसी भी जीत से कहीं अधिक जादुई है। जेन, तुम क्यों मुस्कुरा रही हो? चेहरे के उस रहस्यमय, उस विचित्र भाव का क्या अर्थ है?' 'मैं सोच रही थी, महोदय (आप इस विचार को माफ करेंगे; यह अनैच्छिक था), मैं हरक्यूलिस और सैमसन और उनकी प्रेमिकाओं के बारे में सोच रही थी—' 'तुम सोच रही थी, छोटी परी—' 'चुप रहो, महोदय! तुम अभी बहुत समझदारी से बात नहीं कर रहे हो; ठीक वैसे ही जैसे उन सज्जनों ने समझदारी से काम नहीं किया था। हालांकि, अगर उनकी शादी हो गई होती, तो वे निस्संदेह पति के रूप में अपनी कठोरता से प्रेमी के रूप में अपनी कोमलता की भरपाई कर लेते; और मुझे डर है कि तुम भी ऐसा ही करोगी।' मुझे आश्चर्य है कि एक साल बाद आप मुझे क्या जवाब देंगी, अगर मैं आपसे कोई ऐसी कृपा मांगूं जिसे पूरा करना आपके लिए सुविधाजनक या सुखद न हो।' 'अभी मुझसे कुछ मांगो, जेनेट—बस छोटी सी बात: मैं आपसे विनती करना चाहता हूँ—'

246 जेन आयर ee 'जी हाँ, महोदय; मेरी याचिका पूरी तरह तैयार है।' 'बोलिए! लेकिन अगर आप ऊपर देखकर उस चेहरे के साथ मुस्कुराए, तो मैं बिना सोचे-समझे ही किसी बात पर सहमति जता दूँगा, और इससे मैं मूर्ख बन जाऊँगा।' 'बिल्कुल नहीं, महोदय; मैं बस इतना ही माँग रहा हूँ: गहने मत मंगवाइए, और मुझे गुलाबों का ताज मत पहनाइए: आप चाहें तो उस सादे रूमाल पर सोने की फीती की पट्टी लगा सकते हैं।' 'मैं तो मानो शुद्ध सोने पर भी पॉलिश कर सकता हूँ। मुझे पता है: तो आपकी विनती मान ली गई है—फिलहाल के लिए। मैं अपने बैंकर को भेजा गया आदेश वापस भेज दूँगा। लेकिन आपने अभी तक कुछ नहीं माँगा है; आपने एक उपहार वापस लेने का अनुरोध किया है: फिर से कोशिश कीजिए।' 'ठीक है, तो महोदय, कृपया मेरी जिज्ञासा शांत कीजिए, जो एक बात को लेकर बहुत बढ़ गई है।' वह परेशान दिखे। 'क्या? क्या?' उन्होंने जल्दी से कहा। 'जिज्ञासा एक खतरनाक विनती है: अच्छा हुआ कि मैंने हर विनती पूरी करने की कसम नहीं खाई है—' 'लेकिन इसमें कोई खतरा नहीं है, श्रीमान।' 'कह दो, जेन: लेकिन मेरी इच्छा है कि किसी रहस्य की मात्र पूछताछ के बजाय, यह मेरी आधी संपत्ति की माँग हो।' 'अब, राजा अहासुएरस!

मुझे आपकी आधी संपत्ति से क्या चाहिए? क्या आप सोचते हैं कि मैं कोई यहूदी सूदखोर हूँ, जो ज़मीन में अच्छा निवेश चाह रही हूँ? मैं तो आपका पूरा विश्वास पाना चाहूँगी। अगर आप मुझे अपने दिल में जगह देते हैं, तो क्या आप मुझे अपने विश्वास से वंचित करेंगे?' 'जेन, आप मेरे पूरे विश्वास की हकदार हैं; लेकिन भगवान के लिए, एक बेकार बोझ की इच्छा मत करो! ज़हर की लालसा मत करो—मुझे एक निर्दयी ईव मत बनाओ!' 'क्यों नहीं, श्रीमान? आप अभी-अभी मुझे बता रहे थे कि आपको हारना कितना पसंद है, और आपको अति-प्रलोभन कितना सुखद लगता है।' क्या आपको नहीं लगता कि मुझे इस स्वीकारोक्ति का फायदा उठाना चाहिए, और अपनी शक्ति का एक छोटा सा परीक्षण करने के लिए, ज़रूरत पड़ने पर रोना-धोना और रूठना भी शुरू कर देना चाहिए?' 'मैं तुम्हें ऐसा कोई भी प्रयोग करने की चुनौती देता हूँ। ज़रा सी भी घुसपैठ करो, ज़बरदस्ती करो, और खेल खत्म।' 'क्या सच में, महोदय? आप तो जल्दी ही मान जाते हैं। अब आप कितने सख्त दिखते हैं! आपकी भौहें मेरी उंगली जितनी मोटी हो गई हैं, और आपका माथा किसी बहुत ही आश्चर्यजनक कविता में वर्णित "नीले रंग के बादलों से घिरे गरजते बादल" जैसा दिखता है। यही आपका वैवाहिक रूप होगा, महोदय, मुझे लगता है?' 'अगर यही आपका वैवाहिक रूप होगा, तो मैं, एक ईसाई होने के नाते, किसी तुच्छ परी या सैलामैंडर के साथ संबंध रखने का विचार तुरंत छोड़ दूंगा। लेकिन तुम्हें क्या पूछना था, बताओ?'

जेन आयर 2447 "देखो, अब तुम शिष्टता से भी बदतर हो गए हो; और मुझे चापलूसी से कहीं अधिक अशिष्टता पसंद है। मैं देवदूत होने से बेहतर एक वस्तु बनना पसंद करूँगी। मुझे यही पूछना है,—तुमने मुझे यह विश्वास दिलाने के लिए इतनी मेहनत क्यों की कि तुम मिस इंग्राम से शादी करना चाहते हो?' 'बस इतना ही? शुक्र है इससे बुरा कुछ नहीं हुआ!' और अब उसने अपनी काली भौंहें खोलीं; नीचे देखा, मेरी ओर मुस्कुराया, और मेरे बालों को सहलाया, मानो किसी खतरे को टलते देखकर प्रसन्न हुआ हो। 'मुझे लगता है मैं स्वीकार कर सकता हूँ,' उसने आगे कहा, 'भले ही मैं तुम्हें थोड़ा नाराज़ कर दूँ, जेन—और मैंने देखा है कि जब तुम नाराज़ होती हो तो तुम कितनी उग्र हो सकती हो। पिछली रात ठंडी चाँदनी में तुम दमक रही थी, जब तुमने भाग्य के विरुद्ध विद्रोह किया, और मेरे बराबर अपना दर्जा मांगा। जेनेट, वैसे, तुमने ही मुझे प्रस्ताव दिया था।' 'बेशक मैंने ही दिया था। लेकिन अगर आप चाहें तो

मुद्दे पर आइए, महोदय—मिस इंग्राम?' 'अच्छा, मैंने मिस इंग्राम से प्रेम का झूठा नाटक किया, क्योंकि मैं आपको भी उतना ही दीवाना बनाना चाहता था जितना मैं आपसे था; और मुझे पता था कि ईर्ष्या ही इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मेरा सबसे अच्छा साथी साबित होगी।' 'बहुत खूब! अब तो तुम छोटे हो गए—मेरी छोटी उंगली के सिरे से भी छोटे। इस तरह का व्यवहार करना बेहद शर्मनाक और कलंकपूर्ण था। क्या आपने मिस इंग्राम की भावनाओं का ज़रा भी लिहाज़ नहीं किया, श्रीमान?' 'उनकी भावनाएँ एक ही चीज़ में सिमटी हैं—अभिमान; और उसे कम करने की ज़रूरत है। क्या आप ईर्ष्यालु थीं, जेन?' 'कोई बात नहीं, श्रीमान रोचेस्टर: यह जानना आपके लिए ज़रा भी दिलचस्प नहीं है। मुझे एक बार फिर सच-सच जवाब दीजिए। क्या आपको लगता है कि मिस इंग्राम आपके इस बेईमानी भरे नखरे से दुखी नहीं होंगी?' क्या उसे अकेलापन और परित्याग महसूस नहीं होगा?' 'असंभव!—जब मैंने आपको बताया कि कैसे उसने, इसके विपरीत, मुझे छोड़ दिया: मेरी दिवालियापन की खबर ने पल भर में उसकी लौ को ठंडा कर दिया, या यूँ कहें कि बुझा दिया।' 'आपका दिमाग़ अजीब और चालाक है, मिस्टर रोचेस्टर। मुझे डर है कि कुछ मामलों में आपके सिद्धांत थोड़े अटपटे हैं।' 'मेरे सिद्धांतों को कभी सिखाया नहीं गया, जेन: ध्यान न मिलने के कारण वे थोड़े बिगड़ गए होंगे।' 'एक बार फिर, गंभीरता से; क्या मैं उस महान लाभ का आनंद ले सकती हूँ जो मुझे दिया गया है, बिना इस डर के कि कोई और उस कड़वे दर्द को सह रहा है जो मैंने कुछ समय पहले महसूस किया था?' 'हाँ, मेरी प्यारी बच्ची: दुनिया में कोई और ऐसा नहीं है जो मुझसे उतना ही शुद्ध प्रेम करता हो जितना तुम करती हो—क्योंकि मैं अपनी आत्मा को वह सुखद अभिषेक देता हूँ, जेन, तुम्हारे स्नेह में विश्वास।' मैंने अपने होंठ उस हाथ की ओर मोड़े जो मेरे कंधे पर था।

 मैं उससे बहुत प्यार करती थी—इतना कि मैं खुद को यह कहने की हिम्मत नहीं कर सकती थी—इतना कि शब्दों में उसे व्यक्त करने की शक्ति नहीं थी। 'कुछ और पूछो,' उसने तुरंत कहा; 'मुझे विनती सुनना और मान जाना अच्छा लगता है।' मैं फिर से अपनी विनती के साथ तैयार थी। 'श्रीमान, श्रीमती फेयरफैक्स को अपने इरादे बता दीजिए: उन्होंने मुझे कल रात हॉल में आपके साथ देखा था, और वह हैरान रह गईं। उनसे दोबारा मिलने से पहले उन्हें कुछ स्पष्टीकरण दे दीजिए। इतनी अच्छी महिला द्वारा गलत समझे जाने से मुझे बहुत दुख होता है।'

‘अपने कमरे में जाओ और अपनी टोपी पहन लो,’ उसने जवाब दिया। ‘मेरा मतलब है कि तुम आज सुबह मेरे साथ मिलकोट चलो; और जब तुम गाड़ी में बैठने की तैयारी करोगी, तो मैं उस बुढ़िया को समझा दूंगा। क्या उसने सोचा, जेनेट, कि तुमने प्यार के लिए पूरी दुनिया दे दी थी, और उसे खोया हुआ समझ रही थी?’ ‘मुझे लगता है कि उसने सोचा कि मैं अपनी और आपकी हैसियत भूल गई थी, श्रीमान।’ ‘हैसियत!’ पद! —आपका स्थान मेरे हृदय में है, और जो भी आपका अपमान करने की हिम्मत करेगा, चाहे अभी हो या भविष्य में, उसकी गर्दन पर होगा।—जाओ।’ मैं जल्दी से तैयार हो गई; और जब मैंने मिस्टर रोचेस्टर को मिसेज फेयरफैक्स के बैठक कक्ष से निकलते सुना, तो मैं तुरंत वहाँ पहुँच गई। बुज़ुर्ग महिला सुबह का पाठ—दिन का पाठ —पढ़ रही थीं; उनकी बाइबिल उनके सामने खुली पड़ी थी, और उनका चश्मा उस पर टिका था। मिस्टर रोचेस्टर की घोषणा से उनका काम रुक गया था, और अब वे मानो भूल गई थीं: सामने की खाली दीवार पर टिकी उनकी आँखें, अप्रत्याशित समाचार से जागृत एक शांत मन के आश्चर्य को व्यक्त कर रही थीं। मुझे देखकर, वे सतर्क हुईं: उन्होंने मुस्कुराने का प्रयास किया, और बधाई के कुछ शब्द कहे; लेकिन मुस्कान गायब हो गई, और वाक्य अधूरा रह गया। उन्होंने अपना चश्मा ठीक किया, बाइबिल बंद की, और अपनी कुर्सी मेज से पीछे खींच ली। ‘मैं बहुत आश्चर्यचकित हूँ,’ उन्होंने कहना शुरू किया, ‘मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं आपसे क्या कहूँ, मिस आयर।’ मैं सपना तो नहीं देख रही थी, है ना? कभी-कभी जब मैं अकेली बैठी होती हूँ तो आधी नींद में डूब जाती हूँ और ऐसी बातें सोचने लगती हूँ जो कभी हुई ही नहीं। कई बार जब मैं ऊंघ रही होती हूँ, तो मुझे ऐसा लगता है कि मेरे प्यारे पति, जिनका पंद्रह साल पहले निधन हो गया, अंदर आकर मेरे बगल में बैठ गए हैं; और मैंने उन्हें मुझे मेरे नाम, ऐलिस, से पुकारते हुए भी सुना है, जैसे वे पहले पुकारते थे। अब, क्या आप मुझे बता सकती हैं कि क्या यह सच है कि मिस्टर रोचेस्टर ने आपसे शादी का प्रस्ताव रखा है? मुझ पर हँसो मत। लेकिन मुझे सच में लगा कि वे पाँच मिनट पहले यहाँ आए थे और कहा था कि एक महीने में तुम उनकी पत्नी बन जाओगी।’ ‘उन्होंने मुझसे भी यही कहा है,’ मैंने जवाब दिया। ‘सच में! क्या आप उन पर विश्वास करती हैं? क्या आपने उन्हें स्वीकार कर लिया है?’ हाँ

जेन आयर 249 एसएसएस। उसने मुझे हैरानी से देखा। ‘मैंने कभी सोचा भी नहीं था। वह एक घमंडी आदमी है: सभी रोचेस्टर घमंडी थे: और उसके पिता को, कम से

कम, पैसा पसंद था। उसे भी हमेशा सावधान कहा जाता रहा है। वह तुमसे शादी करना चाहता है...' 'उसने मुझे ऐसा बताया है।' उसने मुझे पूरी तरह से देखा: उसकी आँखों में मैंने पढ़ा कि उन्हें कोई ऐसा उपाय नहीं मिला जो इस पहेली को सुलझा सके। 'मुझे समझ नहीं आ रहा!' वह बोली; 'लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि यह सच है क्योंकि तुम ऐसा कह रही हो। इसका क्या नतीजा होगा, मैं नहीं बता सकती: मुझे सच में नहीं पता। ऐसे मामलों में समान पद और धन अक्सर उचित होता है; और तुम्हारी उम्र में बीस साल का अंतर है। वह लगभग तुम्हारा पिता हो सकता है।' 'नहीं, बिल्कुल नहीं, श्रीमती फेयरफैक्स!' मैं चिढ़कर बोली; 'वह मेरे पिता जैसा बिल्कुल नहीं है! जो भी हमें साथ देखता, एक पल के लिए भी ऐसा नहीं सोचता।' श्री रोचेस्टर दिखने में और असल में उतने ही जवान हैं जितने कि कुछ पुरुष पच्चीस साल के होते हैं।' 'क्या वह सचमुच प्यार के लिए तुमसे शादी करने जा रहे हैं?' उसने पूछा। उसकी इस बेरुखी और शंका से मुझे इतना दुख हुआ कि मेरी आँखों में आँसू आ गए। 'मुझे आपको दुखी करने का खेद है,' विधवा ने आगे कहा; 'लेकिन आप बहुत जवान हैं और पुरुषों से आपका परिचय बहुत कम है, इसलिए मैं आपको आगाह करना चाहती थी।' एक पुरानी कहावत है कि हर चमकने वाली चीज सोना नहीं होती; और इस मामले में मुझे डर है कि कुछ ऐसा निकलेगा जो न तो आपकी और न ही मेरी उम्मीदों से अलग होगा। 'क्यों? क्या मैं कोई राक्षस हूँ?' मैंने कहा: 'क्या यह असंभव है कि मिस्टर रोचेस्टर को मुझसे सच्चा स्नेह हो?' 'नहीं: तुम बिल्कुल ठीक हो; और हाल ही में तुम्हारी सेहत में काफी सुधार हुआ है; और मुझे पूरा यकीन है कि मिस्टर रोचेस्टर तुम्हें पसंद करते हैं। मैंने हमेशा देखा है कि तुम उनकी लाडली रही हो। कई बार तुम्हारी खातिर, मुझे उनकी इस विशेष पसंद से थोड़ी बेचैनी हुई है, और मैंने तुम्हें सावधान करने की कोशिश की है: लेकिन मैं किसी भी गलत बात की संभावना का सुझाव भी नहीं देना चाहती थी। मुझे पता था कि ऐसा विचार तुम्हें चौंका देगा, शायद तुम्हें बुरा भी लगेगा; और तुम इतनी समझदार, इतनी विनम्र और संवेदनशील हो, मुझे उम्मीद थी कि तुम खुद को संभाल लोगी। कल रात मैं तुम्हें बता नहीं सकती कि मुझे कितना कष्ट हुआ जब मैंने पूरे घर में तुम्हें ढूंढा, और तुम कहीं नहीं मिलीं, न ही मालिक; और फिर, बारह बजे, मैंने तुम्हें उनके साथ आते देखा।' 'खैर, अब उस बात को छोड़ो,' मैंने अधीरता से बीच में ही कहा; 'इतना ही काफी है कि सब ठीक था।' : 'मुझे उम्मीद है कि अंत में सब ठीक हो जाएगा,' उसने कहा; 'लेकिन यकीन मानो, तुम जितनी

सावधान रहोगी उतनी ही अच्छी होगी। मिस्टर रोचेस्टर को दूर रखने की कोशिश करो।
 एक दूरी: खुद पर और उस पर भी अविश्वास करो। उसके ओहदे के सज्जन अपनी गवर्नेंस से शादी करने के आदी नहीं होते।' मैं सचमुच चिढ़ रही थी: तभी एडेल दौड़कर आई। 'मुझे जाने दो,—मुझे भी मिलकोट जाने दो!' वह चिल्लाई। 'मिस्टर रोचेस्टर नहीं मानेंगे: हालाँकि नई गाड़ी में बहुत जगह है। उनसे मुझे जाने देने की विनती करो, मैडम।' 'मैं ज़रूर करूँगी, एडेल'; और मैं अपनी उदास गवर्नेंस से छुटकारा पाकर खुश होकर उसके साथ जल्दी से चली गई। गाड़ी तैयार थी: वे उसे सामने ला रहे थे, और मेरे मालिक फुटपाथ पर चहलकदमी कर रहे थे, पायलट उनके पीछे-पीछे चल रहा था। 'एडेल हमारे साथ आ सकती है, है ना, महोदय?' 'मैंने उसे मना कर दिया। मुझे कोई बच्चा नहीं चाहिए!—मुझे सिर्फ तुम चाहिए।' 'कृपया उसे जाने दीजिए, श्रीमान रोचेस्टर: यह बेहतर होगा।' 'नहीं: वह बोझ बनेगी।' वह अपनी नज़र और आवाज़ दोनों से काफी सख्त थे। श्रीमती फेयरफैक्स की चेतावनियों की ठंडक और उनके संदेह की नमी मुझ पर छा गई: मेरी आशाओं पर कुछ अस्थिरता और अनिश्चितता छा गई थी। मैंने उन पर अपना अधिकार लगभग खो दिया था। मैं बिना और विरोध किए उनकी बात मानने ही वाली थी; लेकिन जैसे ही उन्होंने मुझे गाड़ी में बिठाया, उन्होंने मेरे चेहरे की ओर देखा। 'क्या बात है?' उन्होंने पूछा; 'सारी धूप चली गई है। क्या तुम सच में बच्चे को भेजना चाहती हो? अगर वह पीछे रह जाए तो क्या तुम्हें बुरा लगेगा?' 'मैं तो यही चाहूंगी कि वह जाए, महोदय।' "तो जल्दी से अपनी टोपी उतारो और बिजली की तरह वापस आओ!" उन्होंने अदील से कहा। वह जितनी जल्दी हो सके उनकी बात मानकर चली गई। 'आखिरकार, एक सुबह की थोड़ी सी रुकावट से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा,' उसने कहा, 'जब मैं जल्द ही तुम्हें—तुम्हारे विचारों, बातचीत और साथ को—जीवन भर के लिए अपना बनाने वाला हूँ।' एडेल को जब अंदर लाया गया, तो उसने मेरी मदद के लिए आभार व्यक्त करते हुए मुझे चूमना शुरू कर दिया: उसे तुरंत उसके दूसरी तरफ एक कोने में बिठा दिया गया। फिर उसने मेरी तरफ झाँका; इतना सख्त पड़ोसी बहुत ज्यादा पाबंदी वाला था; उसके वर्तमान चिड़चिड़े मूड में, एडेल उससे कुछ भी कहने या कोई जानकारी पूछने की हिम्मत नहीं कर पाई। 'उसे मेरे पास आने दीजिए,' मैंने विनती की: 'शायद वह आपको परेशान करेगी, महोदय: इस तरफ काफी जगह है।' उसने उसे ऐसे सौंप दिया जैसे वह कोई पालतू कुत्ता हो। 'मैं उसे स्कूल भेजूँगा,' उसने कहा, लेकिन अब

वह मुस्कुरा रहा था। एडेल ने उसे सुना और पूछा कि क्या उसे स्कूल 'बिना मैडम' के जाना है?

जेन आयर 251 'हाँ,' उसने उत्तर दिया, 'बिल्कुल मैडमोजेल के बिना; क्योंकि मुझे मैडमोजेल को चाँद पर ले जाना है, और वहाँ मैं ज्वालामुखी की चोटियों के बीच की सफेद घाटियों में से एक में एक गुफा ढूँढूँगा, और मैडमोजेल वहाँ मेरे साथ, और केवल मेरे साथ ही रहेगी।' 'उसके पास खाने के लिए कुछ नहीं होगा: तुम उसे भूखा मारोगे,' एडेल ने कहा। 'मैं उसके लिए सुबह-शाम मन्ना इकट्ठा करूँगी: चाँद के मैदान और पहाड़ियाँ मन्ना से सफेद हो चुकी हैं, एडेल।' 'उसे खुद को गर्म करने की ज़रूरत होगी: वह आग का क्या करेगी?' 'आग चाँद के पहाड़ों से निकलती है: जब उसे ठंड लगेगी, तो मैं उसे एक चोटी पर ले जाऊँगा, और उसे एक गड्ढे के किनारे पर लिटा दूँगा।' 'ओह, वहाँ उसकी हालत खराब होगी—बेहद आरामदायक! और उसके कपड़े फट जाएँगे: उसे नए कैसे मिलेंगे?' श्री रोचेस्टर ने उलझन का दिखावा किया। 'अरे!' उसने कहा। "तुम क्या करोगी, एडेल? कोई उपाय सोचो। तुम्हें क्या लगता है, सफेद या गुलाबी बादल गाउन का काम कैसे कर सकते हैं? और इंद्रधनुष से एक सुंदर स्कार्फ भी काटा जा सकता है।" कुछ देर सोचने के बाद एडेल ने निष्कर्ष निकाला, "वह जैसी है वैसी ही बेहतर है। इसके अलावा, वह चांद पर सिर्फ तुम्हारे साथ रहते-रहते ऊब जाएगी। अगर मैं मैडमोजेल होती, तो मैं तुम्हारे साथ जाने के लिए कभी राजी नहीं होती।" "उसने राजी कर लिया है: उसने वचन दे दिया है।" "लेकिन तुम उसे वहां नहीं ले जा सकते; चांद तक कोई सड़क नहीं है: वहां सब हवा है; और न तो तुम और न ही वह उड़ सकती है।" "एडेल, उस खेत को देखो।" अब हम थॉर्नफील्ड के गेट के बाहर थे, और मिलकोट की चिकनी सड़क पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे, जहां आंधी-तूफान से धूल अच्छी तरह से बैठ गई थी, और जहां दोनों ओर की नीची झाड़ियाँ और ऊंचे-ऊंचे पेड़ बारिश से ताज़गी भरे हरे-भरे चमक रहे थे। 'एडेले, उस खेत में, लगभग दो सप्ताह पहले की एक शाम मैं टहल रहा था—जिस दिन तुमने बाग के मैदानों में घास काटने में मेरी मदद की थी, उसी शाम मैं वहाँ था; और घास इकट्ठा करते-करते थक गया था, इसलिए आराम करने के लिए एक सीढ़ी पर बैठ गया; और वहाँ मैंने एक छोटी सी किताब और एक पेंसिल निकाली, और बहुत पहले मुझ पर आई एक विपत्ति और आने वाले सुखद दिनों के लिए अपनी एक कामना के बारे में लिखना शुरू किया: मैं बहुत तेज़ी से लिख रहा था, हालाँकि दिन का उजाला पत्तों से

गायब हो रहा था, तभी कुछ रास्ते पर आया और मुझसे दो गज की दूरी पर रुक गया। मैंने उसे देखा। वह एक छोटी सी चीज़ थी जिसके सिर पर रेशमी घूंघट था। मैंने उसे अपने पास आने का इशारा किया; वह जल्द ही मेरे घुटने के पास खड़ी हो गई। मैंने उससे कभी बात नहीं की, और न ही उसने मुझसे शब्दों में कुछ कहा; लेकिन मैंने उसकी आँखों को पढ़ा, और उसने मेरी आँखों को; और हमारी मौन बातचीत कुछ इस प्रकार हुई—

252 जेन आयर ee 'यह एक परी थी, और एल्फ-लैंड से आई थी, उसने कहा; और उसका काम मुझे खुश करना था: मुझे उसके साथ आम दुनिया से निकलकर किसी एकांत जगह पर जाना होगा—जैसे कि चाँद— और उसने अपना सिर हेहिल के ऊपर उठते हुए अपने सींग की ओर हिलाया: उसने मुझे अलबास्टर गुफा और चांदी की घाटी के बारे में बताया जहाँ हम रह सकते थे। मैंने कहा कि मैं जाना चाहूँगी; लेकिन उसे याद दिलाया, जैसा कि तुमने मुझे याद दिलाया था, कि मेरे पास उड़ने के लिए पंख नहीं हैं। '"ओह," परी ने जवाब दिया, "इसका कोई मतलब नहीं! यह एक ताबीज है जो सभी कठिनाइयों को दूर कर देगा"; और उसने एक सुंदर सोने की अंगूठी आगे बढ़ाई। "इसे," उसने कहा, "मेरे बाएं हाथ की चौथी उंगली में पहन लो, और मैं तुम्हारी हूँ, और तुम मेरे हो; और हम पृथ्वी को छोड़कर वहाँ अपना स्वर्ग बना लेंगे।" उसने फिर से चाँद की ओर सिर हिलाया। एडेल, वो अंगूठी मेरी पैंट की जेब में है, सोने के सिक्के के भेष में: लेकिन मैं जल्द ही उसे फिर से अंगूठी में बदलने वाला हूँ।' 'लेकिन मैडमोजेल का इससे क्या लेना-देना? मुझे परी से कोई मतलब नहीं है: आपने कहा था कि आप मैडमोजेल को चाँद पर ले जाएँगे?' 'मैडमोजेल एक परी है,' उसने रहस्यमय ढंग से फुसफुसाते हुए कहा। इस पर मैंने उससे कहा कि वह उसकी बातों पर ध्यान न दे; और उसने अपनी ओर से सच्चे फ्रांसीसी संदेह का परिचय दिया: श्री रोचेस्टर को 'एक सच्चा झूठा' कहा, और उन्हें आश्वस्त किया कि वह उनकी 'परी कथाओं' को बिल्कुल भी महत्व नहीं देती, और 'बाकी, कोई परी नहीं थी, और फिर भी वह थी': उसे यकीन था कि वे कभी उसके सामने प्रकट नहीं होंगी, न ही उसे कभी अंगूठी देंगी, और न ही उसके साथ चाँद पर रहने का प्रस्ताव देंगी। मिलकोट में बिताया गया एक घंटा मेरे लिए कुछ हद तक कष्टदायक था। श्री रोचेस्टर ने मुझे एक रेशम के गोदाम में जाने के लिए बाध्य किया: वहाँ मुझे आधा दर्जन पोशाकें चुनने का आदेश दिया गया। मुझे यह काम बिल्कुल पसंद नहीं था, मैंने इसे टालने की अनुमति

मांगी: नहीं—इसे अभी करना होगा। ज़ोरदार फुसफुसाहट में की गई विनतियों के बल पर, मैंने आधा दर्जन पोशाकों को दो तक सीमित कर दिया: हालाँकि, उन्होंने कसम खाई कि वे इन्हें स्वयं चुनेंगे। मैंने चिंता के साथ उनकी नज़र रंग-बिरंगे कपड़ों पर घूमते हुए देखी: उनकी नज़र सबसे चमकदार नीलम रंग के रेशम और एक शानदार गुलाबी साटन पर टिक गई। मैंने फुसफुसाहट में उनसे कहा कि वे चाहें तो मुझे एक सोने का गाउन और एक चांदी की टोपी एक साथ खरीद सकते हैं: मैं उनकी पसंद की पोशाक पहनने की हिम्मत तो कभी नहीं करूंगी। बड़ी मुश्किल से, क्योंकि वे पत्थर की तरह जिद्दी थे, मैंने उन्हें सादे काले साटन और मोती जैसे भूरे रेशम के बदले में पोशाक बदलने के लिए राजी किया। 'अभी के लिए यह ठीक रहेगा,' उन्होंने कहा; लेकिन वह फिर भी मुझे फूलों की क्यारी की तरह चमकता हुआ देखना चाहता था। मुझे उसे रेशम के गोदाम से और फिर जौहरी की दुकान से बाहर निकालने में खुशी हुई: जितना अधिक वह मुझे खरीदता, उतना ही मेरा चेहरा झुंझलाहट और अपमान की भावना से लाल होता जाता।

जेन आयर 253 —— ———————— हम गाड़ी में वापस चढ़े, और मैं बुखार और थकावट से बेहाल होकर पीछे बैठ गई। मुझे याद आया कि घटनाओं की भागदौड़ में, चाहे वो अंधेरी हों या उजाली, मैं पूरी तरह से भूल गई थी—मेरे चाचा जॉन आयर का श्रीमती रीड को लिखा पत्र: मुझे गोद लेने और मुझे अपना उत्तराधिकारी बनाने का उनका इरादा। मैंने सोचा, 'अगर मुझे थोड़ी सी भी आज़ादी मिल जाए तो सच में राहत मिलेगी; मैं मिस्टर रोचेस्टर द्वारा गुड़िया की तरह सजे-धजे रहना या रोज़ाना मेरे चारों ओर गिरती सुनहरी बारिश के बीच दूसरी डेने की तरह बैठना कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती।' घर पहुँचते ही मैं मदीरा को पत्र लिखूँगी और अपने चाचा जॉन को बताऊँगी कि मेरी शादी होने वाली है और किससे होगी: अगर मुझे एक दिन मिस्टर रोचेस्टर को धनवान बनाने की उम्मीद होती, तो मैं अभी उनके साथ रहना ज़्यादा पसंद करती।' और इस विचार से कुछ राहत पाकर (जिसे मैं उस दिन पूरा नहीं कर पाई), मैंने एक बार फिर अपने मालिक और प्रेमी की आँखों में देखने का साहस किया, जो बड़ी ज़िद से मेरी ओर देख रहे थे, हालाँकि मैंने अपना चेहरा और नज़रें दोनों फेर लीं। वह मुस्कुराए; और मुझे लगा कि उनकी मुस्कान वैसी ही थी जैसे कोई सुल्तान किसी आनंदमय और प्रेम भरे क्षण में अपने सोने-जवाहरात से समृद्ध दास पर बिखेरता है: मैंने उनके हाथ को, जो हमेशा मेरा हाथ ढूँढ़ रहा था, ज़ोर से पकड़ा और उसे जुनून से

लाल होकर वापस उनकी ओर धकेल दिया। “आपको उस तरह से देखने की ज़रूरत नहीं है,” मैंने कहा; “अगर आप ऐसा करेंगे, तो मैं अध्याय के अंत तक अपनी पुरानी लोवुड फ्रॉक के अलावा कुछ नहीं पहनूँगी। मैं इस बैंगनी गिंघम में शादी करूँगी: आप अपने लिए मोती-धूसर रेशम से एक ड्रेसिंग गाउन और काले साटन से अनगिनत वेस्टकोट बना सकते हैं।” वह हँसा; उसने अपने हाथ मले। “ओह, उसे देखना और सुनना कितना अच्छा है!” उसने कहा। “क्या वह अनोखी है? क्या वह आकर्षक है? मैं इस छोटी सी अंग्रेज़ लड़की को ग्रैंड टर्क के पूरे हरम, हिरणी जैसी आँखों, हूरों जैसी आकृति और सब कुछ के बदले भी नहीं बदलूँगा!” पूर्वी संकेत ने मुझे फिर से चुभ गया। “यह हरम के स्थान पर एक इंच भी नहीं टिकेगा,” मैंने कहा; “इसलिए मुझे उसके बराबर मत समझिए। अगर आपको उस तरह की किसी चीज़ में रुचि है, तो महोदय, बिना देरी किए इस्तांबुल के बाज़ारों में जाइए और बड़े पैमाने पर गुलामों की खरीद पर कुछ पैसा खर्च कीजिए।” ‘आप उस अतिरिक्त धन को यहाँ ठीक से खर्च करने में असमर्थ प्रतीत होते हैं।’ ‘और जब मैं इतने टन मांस और इतनी काली आँखों के लिए सौदेबाजी कर रहा हूँ, तब तुम क्या करोगी, जेनेट?’ ‘मैं एक मिशनरी के रूप में बाहर जाने की तैयारी करूँगी, ताकि गुलामों को स्वतंत्रता का उपदेश दे सकूँ—जिनमें आपके हरम की महिलाएँ भी शामिल हैं। मैं वहाँ प्रवेश पाऊँगी, और विद्रोह भड़काऊँगी; और आप, तीन पूंछ वाले बदमाश, महोदय, पल भर में हमारे हाथों में जकड़े हुए पाएँगे: और मैं तब तक आपके बंधन नहीं काटूँगी जब तक आप उस चार्टर पर हस्ताक्षर नहीं कर देते, जो उस निरंकुश शासक द्वारा अब तक दिया गया सबसे उदार चार्टर है।’

254 जेन आयर ईए 'मैं आपकी दया पर निर्भर रहना चाहता/चाहती हूँ, जेन।' 'श्रीमान रोचेस्टर, अगर आप इस तरह की आँखों से दया की भीख माँगेंगे तो मैं आप पर दया नहीं करूँगी। जब तक आप इस तरह देखते रहेंगे, मुझे पूरा यकीन है कि आप दबाव में जो भी चार्टर जारी करेंगे, रिहा होने पर आपका पहला काम उसकी शर्तों का उल्लंघन करना होगा।' 'क्यों, जेन, आप क्या चाहती हैं? मुझे डर है कि आप मुझे वेदी पर संपन्न विवाह समारोह के अलावा एक निजी विवाह समारोह से गुजरने के लिए मजबूर करेंगी। मुझे लगता है कि आप कुछ विशेष शर्तें रखेंगी - वे क्या होंगी?' 'मुझे बस मन की शांति चाहिए, महोदय; बोझ से दबा हुआ नहीं। क्या आपको याद है आपने सेलीन वारेन्स के बारे में क्या कहा था? - उन हीरों, उन कश्मीरी ऊन के बारे में जो आपने

उसे दिए थे? मैं आपकी अंग्रेज़ सेलीन वारेन्स नहीं बनूँगी। मैं एडेल की गवर्नेंस के रूप में काम करती रहूँगी; इससे मुझे अपने भोजन और आवास के साथ-साथ तीस पाउंड प्रति वर्ष भी मिलेंगे।' मैं उस पैसे से अपने कपड़े खुद खरीद लूँगा, और तुम मुझे कुछ नहीं दोगे सिवाय——' "अच्छा, लेकिन क्या?" 'तुम्हारा सम्मान; और अगर मैं तुम्हें बदले में अपना सम्मान दूँ, तो यह कर्ज चुकता हो जाएगा।" 'खैर, बेबाक और जन्मजात अभिमान के मामले में तुम्हारा कोई मुकाबला नहीं है,' उसने कहा। अब हम थॉर्नफील्ड के पास पहुँच रहे थे। "क्या आप आज मेरे साथ भोजन करना चाहेंगे?" जैसे ही हम द्वार से अंदर दाखिल हुए, उसने पूछा। 'नहीं, धन्यवाद, महोदय।' 'और क्यों, "नहीं, धन्यवाद?" अगर कोई पूछे तो।' 'मैंने कभी आपके साथ भोजन नहीं किया है, महोदय: और मुझे अब कोई कारण नहीं दिखता कि क्यों करूँ: जब तक—' "जब तक क्या? तुम्हें अधूरी बातें करने में मजा आता है।" 'जब तक मैं मजबूर न हो जाऊँ।' 'क्या तुम्हें लगता है कि मैं किसी राक्षस या भूत की तरह खाता हूँ, कि तुम मेरे भोजन में साथ बैठने से डरते हो?' 'मैंने इस विषय पर कोई धारणा नहीं बनाई है, महोदय; लेकिन मैं अगले महीने तक हमेशा की तरह काम करना चाहती हूँ।' 'तुम अपनी गवर्नेंस की गुलामी तुरंत छोड़ दोगी।' 'जी हाँ, क्षमा करें महोदय, मैं नहीं छोड़ूँगी। मैं हमेशा की तरह काम करती रहूँगी। मैं दिन भर आपके रास्ते से दूर रहूँगी, जैसा कि मैं हमेशा करती आई हूँ: आप मुझे शाम को बुला सकते हैं, जब आपका मन करे मुझसे मिलने का, और मैं तब आऊँगी; लेकिन किसी और समय नहीं।' 'मुझे एक सिगरेट चाहिए, जेन, या थोड़ी सी नसवार, ताकि इस सब के बीच मुझे तसल्ली मिल सके, "पोर मी डोनर उन कॉन्टेनेंस," जैसा कि एडेल कहती थी; और दुर्भाग्य से मेरे पास न तो सिगार का डिब्बा है और न ही नसवार की डिब्बी। लेकिन सुनो—फुसफुसाओ। अब तुम्हारी बारी है, छोटी बच्ची।'

जेन आयर 255 cr a Sn TE अत्याचारी, लेकिन यह जल्द ही मेरा होगा; और एक बार जब मैं तुम्हें पूरी तरह से पकड़ लूँगा, अपने पास रख लूँगा, तो मैं तुम्हें—लाक्षणिक रूप से—इस तरह एक जंजीर से बाँध दूँगा' (अपनी चौकी को छूते हुए)। 'हाँ, प्यारी छोटी सी, मैं तुम्हें अपने सीने में रखूँगा, कहीं ऐसा न हो कि मैं अपने गहने को गँवा दूँ।' उन्होंने यह तब कहा जब उन्होंने मुझे गाड़ी से उतरने में मदद की, और बाद में जब उन्होंने एडेल को उठाया, तो मैं घर में दाखिल हुई और ऊपर चली गई। उन्होंने मुझे शाम को अपने पास बुलाया। मैंने उनके लिए एक काम तैयार कर रखा

था; क्योंकि मैं पूरा समय आमने-सामने की बातचीत में नहीं बिताना चाहती थी। मुझे उनकी सुरीली आवाज़ याद थी; मैं जानती थी कि उन्हें गाना पसंद था—अच्छे गायक आमतौर पर ऐसा करते हैं। मैं खुद कोई गायिका नहीं थी, और उनके विवेकपूर्ण निर्णय के अनुसार, कोई संगीतकार भी नहीं थी; लेकिन जब प्रस्तुति अच्छी होती थी तो मुझे सुनना अच्छा लगता था। शाम ढलते ही, रोमांस के उस पल में, जैसे ही नीले और तारों से जगमगाते झंडे को जाली पर लहराने लगा, मैं उठी, पियानो खोला और उनसे विनती की कि वे मुझे एक गीत सुना दें। उन्होंने कहा कि मैं एक नखरीली चुड़ैल हूँ और वे किसी और समय गाना पसंद करेंगे; लेकिन मैंने कहा कि अभी से बेहतर कोई समय नहीं है। उन्होंने पूछा, 'क्या मुझे उनकी आवाज़ पसंद आई?' 'बहुत पसंद आई।' मुझे उनकी उस कोमल और भावुकतापूर्ण भावना को बढ़ावा देना पसंद नहीं था; लेकिन एक बार, और सुविधा के लिए, मैं उसे शांत और प्रोत्साहित करना चाहती थी। 'तो, जेन, तुम्हें संगत बजानी होगी।' 'ठीक है, महोदय, मैं कोशिश करूँगी।' मैंने कोशिश की, लेकिन तुरंत ही मुझे स्टूल से नीचे उतार दिया गया और 'एक छोटी सी अनाड़ी' कहा गया। मुझे बिना किसी औपचारिकता के एक तरफ धकेल दिया गया—जो बिल्कुल वही था जो मैं चाहती थी—उन्होंने मेरी जगह ले ली और खुद ही संगत बजाने लगे: क्योंकि वे जितना अच्छा गा सकते थे उतना ही अच्छा बजा भी सकते थे। मैं खिड़की के कोने में चला गया। और जब मैं वहाँ बैठकर शांत पेड़ों और धुंधली घास को देख रहा था, तभी मधुर स्वरों में एक मधुर धुन सुनाई दी:— 'वह सच्चा प्यार जो किसी हृदय ने अपने प्रज्वलित हृदय में महसूस किया, हर रग में तीव्र गति से जीवन की लहर दौड़ा लाया। उसका आना मेरी हर दिन की आशा थी, उसका बिछड़ना मेरा दर्द था; जिस संयोग ने उसके कदमों में देरी की, वह हर रग में बर्फ की तरह जम गया।'

256 जेन आयर ईई मैंने सपना देखा था कि यह एक अनाम आनंद होगा, जैसा मैं प्यार करती थी, जैसा मैं होना चाहती थी; और इस लक्ष्य की ओर मैं अंधाधुंध उत्सुकता से बढ़ती रही। लेकिन हमारे जीवन के बीच का फासला अनंत और पथहीन था, और समुद्र की हरी लहरों की तरह खतरनाक। और जंगल या वन में लुटेरों के रास्ते की तरह डरावना; क्योंकि शक्ति और न्याय, और दुख और क्रोध, हमारी आत्माओं के बीच खड़े थे। मैंने खतरों का सामना किया; मैंने बाधाओं को ठुकराया; मैंने अपशकुनों को चुनौती दी? जो भी धमकी देता, परेशान करता, चेतावनी देता, मैं

उससे बेतहाशा आगे बढ़ती रही। मेरा इंद्रधनुष प्रकाश की गति से आगे बढ़ता रहा; मैं सपने में उड़ती रही; क्योंकि वर्षा और चमक की संतान मेरे सामने शानदार ढंग से प्रकट हुई। दुख के धुंधले बादलों पर भी वह कोमल, गंभीर आनंद चमकता है; और अब मुझे परवाह नहीं है कि कितनी घनी और भयानक आपदाएँ निकट आ रही हैं। इस प्यारे पल में मुझे किसी बात की परवाह नहीं, चाहे मैं जिस पर भी टूट पड़ा हूँ, वह सब मुझ पर सवार होकर, बलपूर्वक और तेज़ी से, भयंकर प्रतिशोध की घोषणा करते हुए आ जाए; चाहे अभिमानी घृणा मुझे गिरा दे, न्याय मेरे पास आने से रोक दे, और क्रूर शक्ति, भयंकर भौंहों से अनंत शत्रुता की शपथ ले। मेरी प्रेमिका ने अपना नन्हा हाथ अटूट विश्वास के साथ मेरे हाथ में रखा है, और प्रतिज्ञा की है कि विवाह का पवित्र बंधन हमारे स्वभाव को आपस में जोड़ देगा।

जेन आयर 257 मेरे प्यार ने एक पवित्र चुंबन के साथ कसम खाई है, मेरे साथ जीने-मरने की; मुझे आखिरकार मेरा अनाम सुख मिल गया है: जैसा मैं प्यार करती हूँ, वैसा ही मुझे प्यार मिलता है!' वह उठा और मेरी ओर आया, और मैंने उसका चेहरा पूरी तरह से चमकता हुआ देखा, उसकी बाज जैसी तेज आँखें चमक रही थीं, और उसके हर चेहरे पर कोमलता और जुनून झलक रहा था। मैं पल भर के लिए सहम गई—फिर संभली। कोमल दृश्य, साहसी प्रदर्शन, मैं नहीं चाहती थी; और मैं दोनों के खतरे में थी: बचाव का हथियार तैयार करना होगा—मैंने अपनी जुबान तेज की: जैसे ही वह मेरे पास पहुँचा, मैंने तीखे स्वर में पूछा, 'अब वह किससे शादी करने जा रहा है?' 'यह उसकी प्यारी जेन द्वारा पूछा गया एक अजीब सवाल था।' 'सचमुच! मैंने इसे बहुत स्वाभाविक और आवश्यक समझा: उसने अपनी भावी पत्नी के अपने साथ मरने की बात कही थी। ऐसे अमानवीय विचार से उसका क्या मतलब था?' जे का उसके साथ मरने का कोई इरादा नहीं था—शायद वह इस बात पर भरोसा कर सकता था।' "ओह, उसकी बस यही इच्छा थी, यही प्रार्थना थी कि मैं उसके साथ रहूँ! मृत्यु मुझ जैसी के लिए नहीं थी।' "बिल्कुल थी: जब मेरा समय आएगा तो मुझे भी मरने का उतना ही अधिकार है जितना उसे: लेकिन मैं उस समय का इंतज़ार करूँगी, और सती प्रथा में जल्दबाज़ी में नहीं मरूँगी।' "क्या मैं उसके स्वार्थी विचार के लिए उसे माफ़ कर दूँगी, और एक सुलह भरे चुंबन से अपनी क्षमा साबित करूँगी?' "नहीं: मैं माफ़ी माँगना ज़्यादा पसंद करूँगी।' यहाँ मैंने खुद को एक 'कठोर छोटी सी औरत' के रूप में संबोधित होते सुना; और यह भी जोड़ा गया, 'कोई और औरत अपनी प्रशंसा में गाए

गए ऐसे छंदों को सुनकर पिघल जाती।' मैंने उसे आश्वस्त किया कि मैं स्वभाव से कठोर हूँ—बहुत सख्त, और वह मुझे अक्सर ऐसा ही पाएगा; और इसके अलावा, मैं अगले चार सप्ताह बीतने से पहले उसे अपने चरित्र के कई कठोर पहलू दिखाने के लिए दृढ़ संकल्पित था: उसे पूरी तरह से पता होना चाहिए कि उसने किस तरह का सौदा किया है, जबकि इसे रद्द करने का अभी भी समय है। 'क्या मैं चुप रहूँ और तर्कसंगत बातें करूँ?' 'अगर वह चाहे तो मैं चुप रहूँगा, और जहाँ तक तर्कसंगत बातों की बात है, मुझे लगता है कि मैं अभी वही कर रहा हूँ।' वह चिढ़ गया, बड़बड़ाया और चिढ़ गया। 'बहुत अच्छा,' मैंने सोचा; 'तुम जितना चाहो उतना गुस्सा और बेचैन हो सकते हो: लेकिन मुझे यकीन है कि तुम्हारे साथ आगे बढ़ने की यही सबसे अच्छी योजना है। मैं तुम्हें जितना कह सकता हूँ उससे कहीं अधिक पसंद करता हूँ; लेकिन मैं भावुकता के भंवर में नहीं डूबूँगा: और इस तीखे जवाब से मैं तुम्हें खाई के किनारे से भी दूर रखूँगा; और इसके अलावा, इसकी तीखी सहायता से उस दूरी को बनाए रखूँगा।

 आपके और मेरे बीच, जो हमारे वास्तविक पारस्परिक लाभ के लिए सबसे अधिक अनुकूल है।' धीरे-धीरे मैंने उसे काफी चिढ़ाया; फिर, जब वह नाराज़ होकर कमरे के दूसरे छोर पर चला गया, तो मैं उठी और अपने स्वाभाविक और अभ्यस्त सम्मानजनक तरीके से 'शुभ रात्रि महोदय' कहते हुए बगल के दरवाजे से निकल गई और चली गई। इस प्रकार अपनाई गई प्रणाली को मैंने परीक्षण की पूरी अवधि के दौरान जारी रखा; और इसमें मुझे भरपूर सफलता मिली। वह निश्चित रूप से कुछ हद तक नाराज़ और चिड़चिड़ा रहा; लेकिन कुल मिलाकर मैं देख सकती थी कि उसका बहुत अच्छा मनोरंजन किया जा रहा था, और भेड़ जैसी आज्ञाकारिता और कबूतर जैसी संवेदनशीलता, हालांकि उसके निरंकुशता को और बढ़ावा देती, लेकिन उसके विवेक को प्रसन्न करती, उसकी सामान्य बुद्धि को संतुष्ट करती और यहां तक कि उसकी पसंद के भी अनुकूल नहीं होती। अन्य लोगों की उपस्थिति में मैं पहले की तरह ही विनम्र और शांत थी; अन्य किसी भी प्रकार का व्यवहार अनुचित था: केवल शाम की बैठकों में ही मैं उसे इस प्रकार परेशान और विचलित कर पाती थी। वह ठीक सात बजते ही मुझे बुलवा लेता था; हालाँकि अब जब मैं उसके सामने आती थी, तो उसके होठों पर 'प्यार' और 'डार्लिंग' जैसे मीठे शब्द नहीं होते थे: मेरे लिए सबसे अच्छे शब्द थे 'उत्तेजित करने वाली कठपुतली', 'शरारती

परी', 'शैतान', 'बदला हुआ बच्चा', आदि। स्नेह के बदले भी अब मुझे मुँह बनाना पड़ता था; हाथ दबाने पर बांह पर चुटकी; गाल पर चुंबन पर कान खींचना। यह सब ठीक था: फिलहाल मैं इन कठोर व्यवहारों को किसी भी कोमल व्यवहार से कहीं अधिक पसंद करती थी। मैंने देखा कि श्रीमती फेयरफैक्स मुझे पसंद करती थीं: मेरे बारे में उनकी चिंता गायब हो गई थी; इसलिए मुझे यकीन था कि मैंने अच्छा किया। इस बीच, श्री रोचेस्टर ने कहा कि मैं उन्हें पूरी तरह से थका रही हूँ, और मेरे वर्तमान व्यवहार के लिए जल्द ही भयानक बदला लेने की धमकी दी। उसकी धमकियों पर मैं दबी आवाज़ में हँसी। मैंने मन ही मन सोचा, 'मैं तुम्हें अब तो काबू में रख सकती हूँ; और मुझे पूरा यकीन है कि मैं आगे भी ऐसा कर पाऊँगी: अगर एक उपाय कारगर न हो तो दूसरा उपाय ढूँढना ही पड़ेगा।' फिर भी मेरा काम आसान नहीं था; अक्सर मैं उसे चिढ़ाने के बजाय खुश करना ज़्यादा पसंद करती थी। मेरा होने वाला पति मेरे लिए मेरी पूरी दुनिया बन रहा था; और दुनिया से भी बढ़कर: लगभग मेरे लिए स्वर्ग की उम्मीद। वह मेरे और धर्म के हर विचार के बीच ऐसे खड़ा था जैसे ग्रहण मनुष्य और विशाल सूर्य के बीच आ जाता है। उन दिनों मैं ईश्वर को उनकी रचना के रूप में नहीं देख पाती थी: जिसे मैंने अपना आदर्श बना लिया था।

जेन आयर 259 ईई अध्याय XXV प्रेम-प्रसंग का महीना बीत चुका था: उसके अंतिम घंटे गिने-चुने रह गए थे। आने वाले दिन को टालना संभव नहीं था—शादी का दिन; और उसके आगमन की सभी तैयारियाँ पूरी हो चुकी थीं। कम से कम मुझे तो कुछ और करना नहीं था: मेरे बक्से पैक किए हुए, ताले लगे हुए, रस्सियों से बंधे हुए, मेरे छोटे से कमरे की दीवार के साथ कतार में रखे थे; कल, इस समय, वे लंदन के अपने रास्ते पर काफी आगे निकल चुके होंगे: और मैं भी (डी.वी.),—या यूँ कहें, मैं नहीं, बल्कि जेन रोचेस्टर, एक ऐसी शख्सियत जिसे मैं अभी तक नहीं जानती थी। केवल पते के कार्ड ही लगाने बाकी थे: वे दराज में चार छोटे-छोटे चौकोर टुकड़ों में पड़े थे। श्री रोचेस्टर ने स्वयं प्रत्येक पर पता लिखा था, 'श्रीमती रोचेस्टर, —— होटल, लंदन': मैं खुद को उन्हें चिपकाने या किसी और से चिपकाने के लिए मना नहीं पा रही थी। श्रीमती रोचेस्टर! उसका कोई अस्तित्व नहीं था: उसका जन्म कल सुबह आठ बजे के कुछ समय बाद ही होगा; और मैं यह सुनिश्चित होने तक प्रतीक्षा करूँगी कि वह जीवित ही इस दुनिया में आ गई है, इससे पहले कि मैं उसे अपनी सारी संपत्ति सौंप दूँ। इतना ही काफी था कि उस कोठरी में, मेरी ड्रेसिंग टेबल के सामने, उसके कहे

जाने वाले वस्त्रों ने पहले ही मेरे काले कपड़े के लोवुड फ्रॉक और भूसे की टोपी को हटा दिया था: क्योंकि वह शादी का सूट, मोती के रंग का गाउन, और हथियाए गए सूट से लटका हुआ धुंधला घूंघट मेरा नहीं था। मैंने कोठरी बंद कर दी ताकि उसमें रखे अजीब, प्रेत जैसे वस्त्रों को छिपा सकूँ; जो आज शाम नौ बजे मेरे कमरे की छाया में एक बेहद भूतिया सी चमक बिखेर रहे थे। 'मैं तुम्हें अकेला छोड़ रही हूँ, सफेद सपने,' मैंने कहा। 'मुझे बुखार है: मुझे हवा चलने की आवाज सुनाई दे रही है: मैं बाहर जाकर उसे महसूस करूँगी।' केवल तैयारियों की जल्दबाजी ही मुझे बुखार नहीं दे रही थी; कल से शुरू होने वाले महान परिवर्तन—नए जीवन—की प्रत्याशा ही नहीं, इन दोनों परिस्थितियों का भी निस्संदेह उस बेचैन, उत्तेजित मनोदशा को उत्पन्न करने में योगदान था, जिसने मुझे इस देर रात अंधेरे में बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया। लेकिन एक तीसरा कारण मेरे मन पर इन सबसे कहीं अधिक प्रभाव डाल रहा था। मेरे मन में एक अजीब और चिंताजनक विचार था। कुछ ऐसा घटित हुआ था जिसे मैं समझ नहीं पा रहा था; मेरे सिवा किसी को भी उस घटना के बारे में पता नहीं था और न ही किसी ने उसे देखा था: यह पिछली रात घटित हुआ था। उस रात श्री रोचेस्टर घर से बाहर थे; और अभी तक लौटे भी नहीं थे: उन्हें तीस मील दूर स्थित अपने दो-तीन खेतों की छोटी सी जागीर में काम के लिए जाना पड़ा था—ऐसा काम जिसे निपटाने के लिए उन्हें स्वयं उपस्थित होना आवश्यक था।

 अब मैं उनके लौटने की प्रतीक्षा कर रही थी; अपने मन का बोझ हल्का करने और उनसे उस पहेली का हल जानने के लिए उत्सुक थी जिसने मुझे परेशान कर रखा था। पाठक, उनके आने तक ठहरिए: और जब मैं अपना रहस्य उन्हें बताऊँगी, तो आप भी इस विश्वास में भागीदार होंगे। मैं बगीचे की ओर गई, हवा के कारण आश्रय लेने के लिए मजबूर हुई, जो दिन भर दक्षिण से तेज़ और ज़ोरदार चलती रही, लेकिन बारिश की एक बूँद भी नहीं लाई। रात होने पर हवा शांत होने के बजाय और तेज़ और गर्जना करती हुई प्रतीत हुई: पेड़ एक ही दिशा में स्थिर रूप से हिल रहे थे, कभी भी इधर-उधर नहीं मुड़ते थे, और मुश्किल से एक घंटे में एक बार अपनी शाखाएँ हिलाते थे; उनकी शाखाओं के सिरों को उत्तर की ओर झुकाने का तनाव इतना निरंतर था—बादल एक ध्रुव से दूसरे ध्रुव तक तेज़ी से, झुंड दर झुंड, बहते रहे: उस जुलाई के दिन नीले आकाश की एक झलक भी दिखाई नहीं दी थी। हवा के साथ दौड़ते हुए मुझे एक

अजीब सा आनंद आ रहा था, मानो मैं अपने मन की परेशानियों को अंतरिक्ष में गरजते हुए असीम वायुधारा में समाहित कर रहा था। लॉरेल की पगडंडी से नीचे उतरते हुए, मेरे सामने शाहबलूत के पेड़ का टूटा हुआ हिस्सा था; वह काला और फटा हुआ खड़ा था: बीच से फटा हुआ उसका तना भयानक रूप से खुला हुआ था। फटे हुए हिस्से एक-दूसरे से अलग नहीं हुए थे, क्योंकि मजबूत आधार और दृढ़ जड़ें उन्हें नीचे से अलग नहीं होने दे रही थीं; हालांकि जीवन शक्ति नष्ट हो चुकी थी—रस अब बह नहीं सकता था: दोनों ओर की उनकी बड़ी शाखाएँ सूख चुकी थीं, और अगली सर्दियों के तूफ़ान निश्चित रूप से उनमें से एक या दोनों को गिरा देंगे: फिर भी, अभी तक उन्हें एक पेड़ कहा जा सकता है—एक खंडहर, लेकिन एक संपूर्ण खंडहर। 'तुमने एक-दूसरे को थामे रखकर सही किया,' मैंने कहा: मानो वे भयानक टुकड़े जीवित प्राणी हों, और मुझे सुन सकते हों। ‘मुझे लगता है, तुम चाहे कितने भी झुलसे-पुराने और झुलसे हुए दिखो, फिर भी तुममें जीवन की थोड़ी सी झलक बाकी होगी, जो तुम्हारी सच्ची और ईमानदार जड़ों से जुड़ी हुई है: अब तुम पर कभी हरे पत्ते नहीं होंगे—अब कभी पक्षियों को तुम्हारी डालियों पर घोंसले बनाते और मधुर गीत गाते नहीं देख पाओगे; सुख और प्रेम का समय तुम्हारे साथ समाप्त हो गया है: लेकिन तुम वीरान नहीं हो: तुममें से हर एक का एक साथी है जो उसके क्षय में उसके साथ सहानुभूति रखता है।’ जैसे ही मैंने ऊपर उनकी ओर देखा, आकाश के उस हिस्से में क्षण भर के लिए चंद्रमा दिखाई दिया जिसने उनकी दरार को भर दिया; उसका गोला रक्त-लाल था और आधा बादलों से ढका हुआ था; ऐसा लगा जैसे उसने मुझ पर एक व्याकुल, उदास निगाह डाली हो, और तुरंत ही बादलों के गहरे बहाव में फिर से छिप गई। थॉर्नफील्ड के चारों ओर हवा एक पल के लिए थम गई; लेकिन दूर जंगल और पानी के ऊपर से एक जंगली, उदास विलाप सुनाई दिया: इसे सुनना दुखद था, और मैं फिर से भाग गया। इधर-उधर मैं बाग में भटकता रहा, इकट्ठा करता रहा

 एनएन: पेड़ की जड़ों के चारों ओर घास सेबों से लदी हुई थी; फिर मैंने पके और कच्चे सेबों को अलग करना शुरू किया; मैं उन्हें घर के अंदर ले गई और भंडारगृह में रख दिया। फिर मैं पुस्तकालय में यह देखने गई कि आग जल रही है या नहीं, क्योंकि गर्मी का मौसम होने के बावजूद, मैं जानती थी कि ऐसी उदास शाम में श्री रोचेस्टर जब अंदर आएंगे तो उन्हें एक खुशनुमा चूल्हा देखना अच्छा लगेगा: हाँ, आग कुछ देर पहले ही जल चुकी थी और अच्छी तरह जल रही थी। मैंने उनकी

आरामकुर्सी चिमनी के कोने के पास रखी: मैंने मेज को उसके पास खिसकाया: मैंने पर्दा गिरा दिया और मोमबत्तियाँ जलाने के लिए तैयार रखीं। पहले से कहीं अधिक बेचैन होकर, इन व्यवस्थाओं को पूरा करने के बाद मैं एक जगह बैठ नहीं पा रही थी, यहाँ तक कि घर में भी नहीं रह पा रही थी: कमरे में एक छोटी घड़ी और हॉल में पुरानी घड़ी ने एक साथ दस बजाए। “कितनी देर हो गई है!” मैंने कहा। “मैं दौड़कर द्वार तक जाती हूँ: बीच-बीच में चाँदनी दिख रही है; सड़क पर दूर तक साफ़ दिखाई दे रहा है। शायद वह अब आ रहा हो, और उससे मिलने से कुछ मिनटों का इंतज़ार बच जाएगा।” द्वारों को घेरे हुए बड़े-बड़े पेड़ों में तेज़ हवा गर्जना कर रही थी; लेकिन जहाँ तक मेरी नज़र जा रही थी, दाईं और बाईं ओर, सड़क बिल्कुल शांत और सुनसान थी: चाँद की रोशनी में बीच-बीच में बादलों की परछाइयाँ दिख रही थीं, इसके अलावा सड़क एक लंबी, धुंधली रेखा थी, जिस पर एक भी हिलता हुआ धब्बा नहीं था। देखते ही मेरी आँखों में एक नादानी सा आँसू आ गया—निराशा और अधीरता का आँसू; शर्मिंदा होकर मैंने उसे पोंछ लिया। मैं वहीं रुकी रही; चाँद पूरी तरह अपने कक्ष में सिमट गया, और घने बादलों का पर्दा खींच लिया: रात गहरी हो गई; तेज़ हवा के साथ बारिश होने लगी। “काश वह आ जाए! काश वह आ जाए!” मैं डर के मारे काँपते हुए बोली। मुझे उसके आने की उम्मीद पहले से थी। चाय; अब अंधेरा हो चुका था: उसे क्या रोक सकता था? क्या कोई दुर्घटना हुई थी? पिछली रात की घटना फिर से मेरे दिमाग में कौंध गई। मैंने इसे विपत्ति की चेतावनी समझा। मुझे डर था कि मेरी आशाएँ इतनी उज्ज्वल थीं कि वे पूरी नहीं हो सकती थीं; और मैंने हाल ही में इतना सुख भोगा था कि मुझे लगा कि मेरा भाग्य अपने चरम पर पहुँच चुका है, और अब पतन की ओर जा रहा है। 'ठीक है, मैं घर नहीं लौट सकती,' मैंने सोचा; 'मैं चूल्हे के पास नहीं बैठ सकती, जबकि वह खराब मौसम में बाहर है: अपने शरीर को थकाना बेहतर है बजाय दिल पर बोझ डालने के; मैं आगे जाकर उससे मिलूँगी।' मैं चल पड़ी; मैं तेज़ चली, लेकिन ज़्यादा दूर नहीं: एक चौथाई मील चलने से पहले ही, मुझे घोड़ों के खुरों की आहट सुनाई दी; एक घुड़सवार पूरी रफ्तार से आ रहा था; एक कुत्ता उसके साथ दौड़ रहा था। बुरी आशंका दूर हो गई! वह वही था: वह यहाँ था, मेसरूर पर सवार।

262 जेन आयर गिरती है मी आई दास डू टिंट ये 8 पायलट का पीछा करते हुए। उसने मुझे देखा; क्योंकि चाँद ने आकाश में एक नीला मैदान खोल दिया था, और उसमें पानी की तरह चमक रहा था: उसने अपनी टोपी उतारी और उसे अपने सिर के

चारों ओर घुमाया। मैं अब उससे मिलने दौड़ी। 'देखो!' उसने हाथ बढ़ाते हुए और काठी से झुकते हुए कहा: 'तुम मेरे बिना नहीं रह सकती, यह स्पष्ट है। मेरे जूते के अंगूठे पर पैर रखो; मुझे दोनों हाथ दो: चढ़ो!' मैंने आज्ञा मानी: खुशी ने मुझे फुर्तीला बना दिया: मैं उसके सामने उछल पड़ी। स्वागत में मुझे एक हार्दिक चुंबन मिला, और कुछ घमंडी विजय, जिसे मैंने जितना हो सके निगल लिया। उसने अपने उल्लास में खुद को रोकते हुए पूछा, 'लेकिन क्या कोई बात है, जेनेट, कि तुम मुझसे इस समय मिलने आई हो? क्या कुछ गड़बड़ है?' 'नहीं, लेकिन मुझे लगा कि तुम कभी नहीं आओगे। मैं घर में तुम्हारा इंतज़ार नहीं कर सकती थी, खासकर इस बारिश और हवा में।' 'बारिश और हवा, सच में!' हाँ, तुम जलपरी की तरह पसीने से भीगी हुई हो; मेरा लबादा अपने चारों ओर लपेट लो: लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हें बुखार है, जेन: तुम्हारा गाल और हाथ दोनों जल रहे हैं। मैं फिर से पूछता हूँ, क्या कोई बात है?' 'अभी कुछ नहीं; मैं न तो डरी हुई हूँ और न ही दुखी।' "तो तुम दोनों ही रही हो?" 'हाँ, बल्कि मैं आपको इसके बारे में अभी सब कुछ बताऊँगी, महोदय; और मुझे यकीन है कि आप मेरी इस कोशिश पर हँसेंगे।" 'कल बीतने पर मैं तुम पर दिल खोलकर हँसूँगा; तब तक मैं हिम्मत नहीं कर सकता: मेरा इनाम पक्का नहीं है। ये तुम हो, जो पिछले महीने मछली की तरह फिसलन भरी और काँटेदार झाड़ी की तरह चुभती रही हो? मैं जहाँ भी उंगली रखता, मुझे चुभन होती; और अब ऐसा लगता है जैसे मैंने एक भटके हुए मेमने को अपनी बाहों में उठा लिया हो। तुम अपने चरवाहे को खोजने के लिए झुंड से बाहर भटक गई थी, है ना, जेन?' 'मुझे तुम्हारी ज़रूरत थी: लेकिन शेखी मत बघारो। हम थॉर्नफील्ड में हैं: अब मुझे उतरने दो।' उसने मुझे फुटपाथ पर उतार दिया। जैसे ही जॉन ने अपना घोड़ा लिया और मेरे पीछे हॉल में आया, उसने मुझे जल्दी करने और कुछ सूखा पहनने के लिए कहा, और फिर पुस्तकालय में उसके पास लौटने के लिए कहा; और जैसे ही मैं सीढ़ियों की ओर बढ़ी, उसने मुझे रोककर कुछ पैसे माँगने की कोशिश की। उसने वादा किया था कि मुझे देर नहीं लगेगी: और मुझे देर नहीं लगी; पाँच मिनट में ही मैं उससे मिल गई। मैंने उसे रात का खाना खाते हुए पाया। "बैठ जाओ और मेरा साथ दो, जेन: भगवान करे, थॉर्नफील्ड हॉल में यह तुम्हारा आखिरी भोजन हो, बस एक दिन पहले।" मैं उसके पास बैठ गई, लेकिन उससे कहा कि मैं खाना नहीं खा सकती। "क्या इसलिए कि तुम्हें एक यात्रा पर जाना है?"

 "जेन, क्या तुमने मुझे देखा है? क्या लंदन जाने के ख्यालों ने तुम्हारी

भूख मिटा दी है?" "आज रात मुझे अपने भविष्य के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं दिख रहा है, महोदय; और मुझे यह भी नहीं पता कि मेरे दिमाग में क्या चल रहा है। जीवन में सब कुछ अवास्तविक सा लगता है।" "सिवाय मेरे: मैं काफी ठोस हूँ—मुझे छू कर देखो।" "आप, महोदय, सबसे अधिक प्रेत जैसे हैं: आप तो बस एक सपना हैं।" उन्होंने हंसते हुए अपना हाथ आगे बढ़ाया। "क्या यह एक सपना है?" उन्होंने मेरा हाथ मेरी आँखों के पास रखते हुए कहा। उनका हाथ गोल, मांसल और बलवान था, साथ ही उनकी भुजा भी लंबी और मजबूत थी। "हाँ; हालाँकि मैं इसे छू रही हूँ, यह एक सपना ही है," मैंने अपना हाथ अपने चेहरे से नीचे रखते हुए कहा। "महोदय, क्या आपने रात का खाना खा लिया?" "हाँ, जेन।" मैंने घंटी बजाई और ट्रे हटाने का आदेश दिया। जब हम फिर से अकेले हुए, तो मैंने आग को हिलाया, और फिर अपने स्वामी के घुटनों के पास बैठ गई। "आधी रात होने वाली है," मैंने कहा। "हाँ, लेकिन याद रखना, जेन, तुमने मेरी शादी से एक रात पहले मेरे साथ जागने का वादा किया था।" "मैंने किया था; और मैं अपना वादा निभाऊँगी, कम से कम एक-दो घंटे के लिए: मुझे सोने की बिल्कुल इच्छा नहीं है।" "क्या तुम्हारी सारी व्यवस्थाएँ पूरी हो गई हैं?" "और मेरी तरफ से भी," उसने जवाब दिया, "मैंने सब कुछ तय कर लिया है; और हम कल चर्च से लौटने के आधे घंटे के भीतर थॉर्नफील्ड से निकल जाएँगे।" "बहुत बढ़िया, श्रीमान।" "तुमने उस शब्द को कितनी अद्भुत मुस्कान के साथ कहा—"बहुत बढ़िया," जेन! तुम्हारे दोनों गालों पर कितना चमकीला रंग है! और तुम्हारी आँखें कितनी अजीब तरह से चमक रही हैं! क्या तुम ठीक हो?" "मुझे लगता है मैं ठीक हूँ।" "लगता है! क्या बात है? मुझे बताओ तुम कैसा महसूस कर रही हो।" "मैं नहीं बता सकती, श्रीमान: कोई भी शब्द आपको यह नहीं बता सकता कि मैं कैसा महसूस कर रही हूँ। काश यह पल कभी खत्म न हो: कौन जानता है कि अगला दिन किस भाग्य के साथ आएगा?" "यह हाइपोकॉन्ड्रिया है, जेन। तुम बहुत ज़्यादा उत्साहित हो गई हो, या बहुत ज़्यादा थक गई हो।" "क्या?" आप, महोदय, शांत और प्रसन्न महसूस कर रहे हैं?' 'शांत?—नहीं: बल्कि प्रसन्न—दिल की गहराई तक।' मैंने उनकी ओर देखा और उनके चेहरे पर आनंद के भाव देखे: उनका चेहरा भावपूर्ण और लालिमा से भरा हुआ था। 'मुझे अपना विश्वास दीजिए, जेन,' उन्होंने कहा: 'अपने मन को हल्का कीजिए।'

आपको किस बात का डर है?—कि मैं एक अच्छा पति साबित नहीं हो पाऊँगा?' 'यह विचार मेरे मन में बिल्कुल भी नहीं है।' 'क्या आप उस नए क्षेत्र से आशंकित हैं जिसमें आप प्रवेश करने वाले हैं?—उस नए जीवन से जिसमें आप प्रवेश कर रहे हैं?' 'नहीं।' 'तुम मुझे उलझन में डाल रही हो, जेन: तुम्हारी उदास दुस्साहस भरी नज़र और लहजा मुझे परेशान और पीड़ा पहुँचाता है। मुझे स्पष्टीकरण चाहिए।' 'तो, महोदय, सुनिए। आप कल रात घर से बाहर थे?' 'हाँ, मैं था: मुझे पता है; और आपने कुछ देर पहले मेरी अनुपस्थिति में हुई किसी घटना का संकेत दिया था:—शायद कुछ खास नहीं; लेकिन संक्षेप में, इसने आपको परेशान किया है। मुझे बताइए। शायद श्रीमती फेयरफैक्स ने कुछ कहा हो?' या आपने नौकरों की बातें सुन लीं?—क्या आपके आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है?' 'नहीं, महोदय।' बारह बज चुके थे—मैंने घड़ी की मधुर ध्वनि और कर्कश, कंपन करती हुई टिक-टिक बंद होने तक प्रतीक्षा की, और फिर मैंने बोलना शुरू किया। 'कल सारा दिन मैं बहुत व्यस्त थी, और अपनी निरंतर भागदौड़ में बहुत खुश थी; क्योंकि जैसा आप सोचते हैं, मैं नई दुनिया आदि के बारे में किसी भी डर से परेशान नहीं हूँ: मुझे आपके साथ रहने की आशा रखना एक गौरवशाली बात लगती है, क्योंकि मैं आपसे प्यार करती हूँ। नहीं, महोदय, अभी मुझे दुलारें नहीं—मुझे बिना किसी बाधा के बोलने दीजिए। कल मैंने ईश्वर पर पूरा भरोसा किया, और माना कि घटनाएँ आपके और मेरे भले के लिए हो रही थीं: अगर आपको याद हो तो वह एक सुहाना दिन था—हवा और आकाश की शांति ने आपकी यात्रा में आपकी सुरक्षा या आराम के बारे में किसी भी आशंका को दूर कर दिया। चाय के बाद मैं थोड़ी देर फुटपाथ पर टहलती रही, आपके बारे में सोचती रही; और मैंने कल्पना में आपको इतना करीब पाया कि मुझे आपकी वास्तविक उपस्थिति का एहसास ही नहीं हुआ। मैंने अपने सामने आने वाले जीवन के बारे में सोचा—आपका जीवन, महोदय —एक ऐसा अस्तित्व जो मेरे अपने जीवन से कहीं अधिक विस्तृत और रोमांचक था: ठीक वैसे ही जैसे उस समुद्र की गहराई, जिसमें यह नाला बहता है, उसके अपने संकरे मार्ग की उथली सतह से कहीं अधिक होती है। मुझे आश्चर्य हुआ कि नैतिकतावादी इस दुनिया को एक उजाड़ वीरान जगह क्यों कहते हैं: मेरे लिए तो यह एक गुलाब की तरह खिल उठी थी। सूर्यास्त के ठीक समय, हवा ठंडी हो गई और आकाश में बादल छा गए: मैं अंदर गई, सोफी ने मुझे ऊपर बुलाया ताकि मैं अपनी शादी की पोशाक देख सकूँ, जो वे अभी-अभी लाए थे; और उसके नीचे डिब्बे में मुझे आपका उपहार

मिला—वह घूंघट जिसे आपने अपनी शाही फिजूलखर्ची में लंदन से मंगवाया था: शायद इसलिए कि मैं गहने नहीं पहनना चाहती थी, इसलिए मुझे कुछ कीमती चीज़ स्वीकार करने के लिए मजबूर करने का आपका इरादा था। मैंने उसे खोलते हुए मुस्कुराया और सोचने लगी कि मैं तुम्हारे कुलीन शौक और अपनी साधारण दुल्हन को कुलीन महिला के गुणों में छुपाने के तुम्हारे प्रयासों को लेकर तुम्हें कैसे चिढ़ाऊँगी। मैंने सोचा कि मैं कैसे

जेन आयर 265, मैं तुम्हारे लिए बिना कढ़ाई वाला वह चौकोर सुनहरे बालों का टुकड़ा लेकर आऊंगी जो मैंने अपने निम्न कुल के सिर को ढकने के लिए खुद तैयार किया था, और पूछूंगी कि क्या यह उस औरत के लिए काफी नहीं है जो अपने पति को न तो दौलत, न खूबसूरती, न ही संबंध दे सकती है। मैंने साफ देखा कि तुम कैसी दिखोगी; और मैंने तुम्हारे उग्र गणतंत्रवादी उत्तर सुने, और तुम्हारे इस घमंडी इनकार को भी कि तुम्हें अपनी संपत्ति बढ़ाने या अपनी प्रतिष्ठा को ऊंचा उठाने के लिए किसी धनवान या राजसी महिला से शादी करने की कोई आवश्यकता नहीं है।' "तुम मुझे कितनी अच्छी तरह समझती हो, डायन!" श्री रोचेस्टर ने बीच में कहा: "लेकिन घूंघट में कढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या मिला? क्या तुम्हें जहर मिला, या खंजर, जो तुम अब इतनी उदास दिख रही हो?" "नहीं, नहीं, महोदय; कपड़े की कोमलता और समृद्धि के अलावा, मुझे फेयरफैक्स रोचेस्टर के घमंड के अलावा कुछ नहीं मिला; और इससे मुझे डर नहीं लगा, क्योंकि मैं उस शैतान को देखने की आदी हूँ। लेकिन, महोदय, जैसे-जैसे अंधेरा हुआ, हवा तेज हो गई: कल शाम को यह अब की तरह तेज और तूफानी नहीं चली, बल्कि एक उदास, कराहती हुई आवाज के साथ चली, जो कहीं अधिक डरावनी थी। काश तुम घर पर होते। मैं इस कमरे में आई, और खाली कुर्सी और बिना आग वाली भट्टी को देखकर मैं कांप उठी। बिस्तर पर जाने के कुछ समय बाद तक मैं सो नहीं सकी।" नींद के दौरान, बेचैनी और उत्तेजना ने मुझे व्याकुल कर दिया। तेज़ हवाएँ मेरे कानों में एक उदास, धीमी आवाज़ को दबाती हुई प्रतीत हुईं; घर के अंदर या बाहर, यह पहले तो मैं समझ नहीं पाया, लेकिन हर ठहराव पर यह आवाज़ अनिश्चित और दुख भरी होती गई; अंत में मुझे समझ आया कि यह दूर से किसी कुत्ते के भौंकने की आवाज़ होगी। जब यह आवाज़ बंद हुई तो मुझे राहत मिली। सोते समय, सपनों में भी मुझे एक अंधेरी और तूफानी रात का ख्याल आता रहा। आपके साथ रहने की इच्छा भी बनी रही, और हमारे बीच किसी बाधा के होने का एक

अजीब, खेदजनक एहसास भी होता रहा। अपनी पहली नींद के दौरान, मैं एक अनजान सड़क के घुमावों का पीछा कर रहा था; चारों ओर घोर अंधकार छाया हुआ था; बारिश मुझ पर बरस रही थी; मेरे ऊपर एक छोटे बच्चे का बोझ था: एक बहुत छोटा प्राणी, चलने के लिए बहुत छोटा और कमज़ोर, जो मेरी ठंडी बाहों में कांप रहा था और मेरे कान में कराह रहा था। मैंने सोचा, श्रीमान, कि आप मुझसे बहुत आगे सड़क पर हैं; और मैंने आपको पकड़ने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी, और आपका नाम लेने के लिए बार-बार प्रयास किया। और मैं आपसे रुकने की विनती करती हूँ—पर मेरे हाथ-पैर बंधे हुए थे, और मेरी आवाज़ अभी भी अस्पष्ट ही रह गई; जबकि मुझे महसूस हुआ कि आप हर पल मुझसे और दूर होती जा रही हैं।' 'और ये सपने अब तुम्हारे मन पर बोझ बन रहे हैं, जेन, जब मैं तुम्हारे करीब हूँ? नन्ही घबराई हुई बच्ची! काल्पनिक दुख को भूल जाओ, और केवल वास्तविक खुशी के बारे में सोचो! तुम कहती हो कि तुम मुझसे प्यार करती हो, जेनेट: हाँ—मैं यह नहीं भूलूँगा; और तुम इसे नकार नहीं सकती। वे शब्द तुम्हारे होठों पर अस्पष्ट नहीं रह गए। मैंने सुना।

—_—_—_

‘मुझे लगा था, जेन, तुमने मुझे सब कुछ बता दिया है। मुझे लगा था कि मैंने सपने में तुम्हारी उदासी का कारण ढूंढ लिया है।’ मैंने अपना सिर हिलाया। ‘क्या! और भी कुछ है? लेकिन मैं इसे कुछ महत्वपूर्ण नहीं मानूंगी। मैं तुम्हें पहले ही अविश्वास के बारे में चेतावनी दे रही हूं। आगे बोलो।’ उसके हावभाव की बेचैनी, उसके व्यवहार में कुछ हद तक आशंकित अधीरता ने मुझे चौंका दिया: लेकिन मैं बोलती रही। ‘मैंने एक और सपना देखा, महोदय: कि थॉर्नफील्ड हॉल एक उजाड़ खंडहर था, चमगादड़ों और उल्लुओं का ठिकाना। मुझे लगा कि भव्य अग्रभाग का कुछ भी नहीं बचा था सिवाय एक खोल जैसी दीवार के, जो बहुत ऊंची और बहुत नाजुक दिख रही थी।’ चांदनी रात में, मैं घास से ढके बाड़े में भटक रही थी: कहीं मैं संगमरमर के चूल्हे से टकराई, तो कहीं छत के टूटे हुए टुकड़े से। शॉल ओढ़े, मैं उस अनजान नन्हे बच्चे को अभी भी अपने साथ लिए घूम रही थी: मैं उसे कहीं भी नहीं रख सकती थी, चाहे मेरी बाहें कितनी भी थक गई हों—चाहे उसका वजन मेरी गति में कितनी भी बाधा डाल रहा हो, मुझे उसे अपने साथ रखना ही था। सड़क पर दूर से मुझे घोड़े के सरपट दौड़ने की आवाज सुनाई दी; मुझे यकीन था कि वह तुम ही हो; और तुम कई वर्षों के लिए और एक दूर देश के लिए विदा हो रही हो। मैं तुम्हें ऊपर से एक झलक पाने की बेताबी में, बेतहाशा और खतरनाक जल्दबाजी में पतली दीवार पर चढ़ गई: मेरे पैरों तले से पत्थर खिसक गए, जिन लताओं को मैंने पकड़ा था वे टूट गईं, बच्चा डर से मेरी गर्दन से लिपट गया और लगभग मेरा गला घोंट दिया; आखिरकार मैं शिखर पर पहुँच गई। मैंने तुम्हें एक सफेद लकीर पर एक छोटे से बिंदु की तरह देखा, जो हर पल छोटा होता जा रहा था। हवा इतनी तेज चली कि मैं खड़ी नहीं रह सकी। मैं संकरे किनारे पर बैठ गई; मैंने अपनी गोद में बैठे डरे हुए शिशु को चुप कराया: तुमने सड़क का एक मोड़ लिया: मैं आगे झुकी और उसे लेने लगी

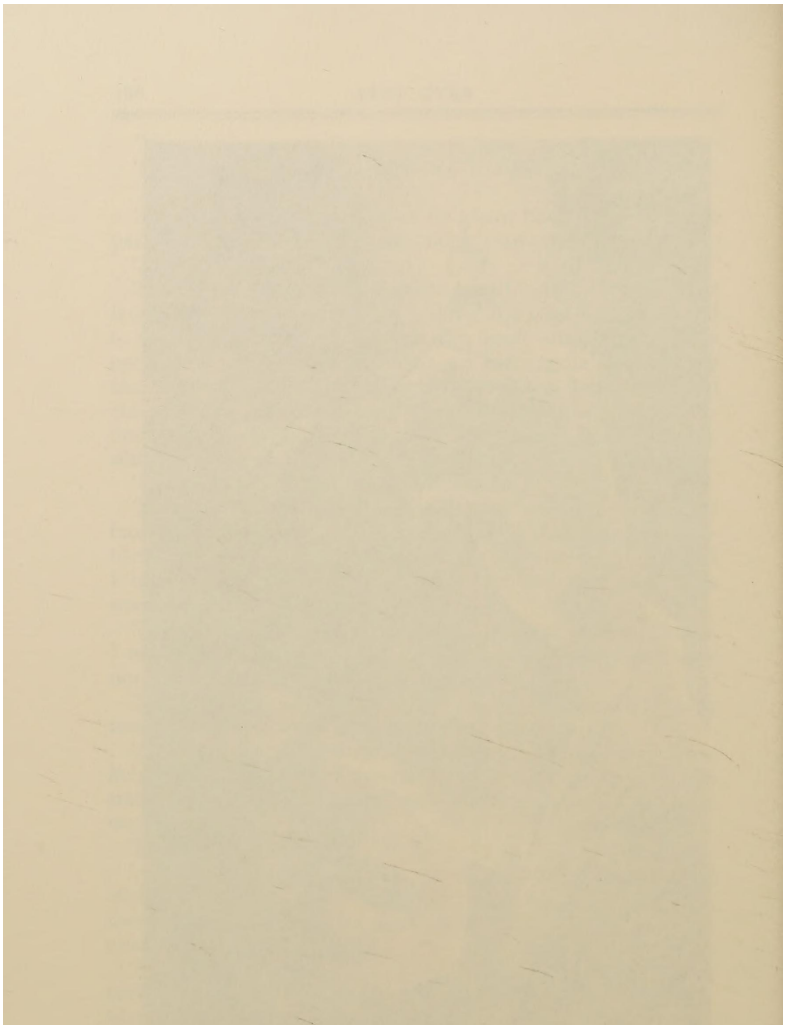
जेन आयर 267 एसएस सी एट सी आईई आरएम ए डी एक आखिरी नज़र; दीवार ढह गई; मैं कांप उठी; बच्चा मेरी गोद से लुढ़क गया, मेरा संतुलन बिगड़ गया, मैं गिर पड़ी और जाग उठी।’ ‘अब, जेन, बस इतना ही।’ ‘प्रस्तावना पूरी हो गई, महोदय; कहानी अभी बाकी है। जागने पर, एक चमक ने मेरी आँखों को चकाचौंध कर दिया; मैंने सोचा—ओह, दिन का उजाला हो गया! लेकिन मैं गलत थी; यह केवल मोमबत्ती की रोशनी थी। मुझे लगा, सोफी अंदर आ गई है। ड्रेसिंग टेबल में एक बत्ती जल रही थी, और अलमारी का दरवाजा, जहाँ मैंने सोने से पहले अपनी शादी की पोशाक और

घूंघट टांगा था, खुला था; मुझे वहाँ सरसराहट सुनाई दी। मैंने पूछा, “सोफी, तुम क्या कर रही हो?” किसी ने जवाब नहीं दिया; लेकिन अलमारी से एक आकृति निकली; उसने बत्ती ली, उसे ऊपर उठाया, और सूटकेस से लटके कपड़ों का जायजा लिया। “सोफी! सोफी!” मैंने फिर से पुकारा: और फिर भी सन्नाटा छाया रहा। मैं बिस्तर से उठ बैठी, आगे झुकी: पहले आश्चर्य, फिर घबराहट, मुझ पर छा गई; और फिर मेरे शरीर में खून जम गया। श्री रोचेस्टर, यह सोफी नहीं थी, यह लीह नहीं थी, यह श्रीमती फेयरफैक्स नहीं थीं: यह नहीं थी—नहीं, मुझे पूरा यकीन था, और अब भी है —यह वह अजनबी महिला, ग्रेस पूल भी नहीं थी।’ ‘यह उनमें से ही कोई एक रही होगी,’ मेरे स्वामी ने बीच में ही कहा। ‘नहीं, महोदय, मैं आपको पूरी गंभीरता से इसके विपरीत आश्वस्त करती हूँ। मेरे सामने खड़ी आकृति को मैंने थॉर्नफील्ड हॉल परिसर में पहले कभी नहीं देखा था; उसकी लंबाई, उसका आकार मेरे लिए बिल्कुल नया था।’ ‘इसका वर्णन करो, जेन।’ ‘महसूस हुआ, महोदय, एक महिला, लंबी और मोटी, जिसके घने और काले बाल उसकी पीठ पर लंबे लटके हुए थे। मुझे नहीं पता कि उसने क्या पहना था: वह सफेद और सीधा था; लेकिन गाउन, चादर या कफ़न, मैं नहीं बता सकती।’ ‘क्या तुमने उसका चेहरा देखा?’ ‘शुरू में नहीं।’ लेकिन तभी उसने मेरा घूंघट उठाया; उसे ऊपर उठाया, देर तक निहारा, फिर उसे अपने सिर पर डाल लिया और दर्पण की ओर मुड़ गई। उसी क्षण मैंने उस काले आयताकार दर्पण में चेहरे और चेहरे की विशेषताओं का प्रतिबिंब स्पष्ट रूप से देखा।’ ‘और वे कैसी थीं?’ ‘मेरे लिए भयानक और डरावनी—ओह, महोदय, मैंने ऐसा चेहरा पहले कभी नहीं देखा! यह एक बदरंग चेहरा था—यह एक क्रूर चेहरा था। काश मैं लाल आँखों की गोलाई और चेहरे की भयानक काली सूजन को भूल पाती!’ ‘भूत आमतौर पर पीले होते हैं, जेन।’ ‘यह, महोदय, बैंगनी था: होंठ सूजे हुए और काले थे; माथे पर झुर्रियाँ थीं: खून से लाल आँखों के ऊपर काली भौहें चौड़ी उठी हुई थीं। क्या मैं आपको बताऊँ कि इसने मुझे किसकी याद दिलाई?’

268 जेन आयर एसएसएस 'आप बता सकती हैं।' 'उस भयानक जर्मन प्रेत—पिशाच के बारे में।' 'आह!—उसने क्या किया?' 'महोदय, उसने मेरे दुबले-पतले सिर से मेरा घूंघट हटाया, उसे दो हिस्सों में फाड़ दिया, और दोनों को ज़मीन पर फेंककर उन पर पैर रखा।' 'उसके बाद?' 'उसने खिड़की का पर्दा हटाया और बाहर देखा; शायद उसने भोर होते हुए देखा, क्योंकि मोमबत्ती लेकर वह दरवाजे की ओर लौट गई। मेरे बिस्तर

के ठीक पास आकर वह आकृति रुक गई: उसकी जलती हुई आँखें मुझ पर गूँज उठीं —उसने अपनी मोमबत्ती मेरे चेहरे के पास लाकर मेरी आँखों के सामने बुझा दी। मुझे एहसास हुआ कि उसका भयानक चेहरा मेरे चेहरे पर आग की तरह चमक रहा था, और मैं बेहोश हो गई: अपने जीवन में दूसरी बार—केवल दूसरी बार—मैं भय से बेसुध हो गई।' 'जब आपको होश आया तो आपके साथ कौन था?' 'कोई नहीं, महोदय, बस दिन का उजाला। मैं उठी, अपने सिर और चेहरे को पानी से धोया, खूब पानी पिया; मुझे लगा कि कमजोर होने के बावजूद मैं बीमार नहीं थी, और मैंने ठान लिया था कि यह दृश्य मैं केवल तुम्हें ही बताऊंगी। अब महोदय, मुझे बताइए कि वह स्त्री कौन और क्या थी?' 'अति उत्तेजित मस्तिष्क की उपज; यह निश्चित है। मुझे तुम्हारा ध्यान रखना होगा, मेरी अनमोल: तुम्हारे जैसे तंत्रिका तंत्र कठोर व्यवहार के लिए नहीं बने हैं।' 'महोदय, यकीन मानिए, मेरी तंत्रिका तंत्र में कोई खराबी नहीं थी; वह घटना वास्तविक थी: वह वास्तव में घटी थी।' 'और आपके पिछले सपने, क्या वे भी वास्तविक थे? क्या थॉर्नफील्ड हॉल खंडहर हो गया है? क्या मैं आपसे अपूरणीय बाधाओं से अलग हो गई हूँ? क्या मैं तुम्हें बिना आँसू बहाए—बिना चुंबन के—बिना एक शब्द कहे छोड़ रही हूँ?' 'अभी नहीं।' 'क्या मैं ऐसा करने वाली हूँ? अरे, वह दिन तो शुरू हो चुका है जो हमें अटूट रूप से बांध देगा; और एक बार जब हम एक हो जाएंगे, तो इन मानसिक भयों की पुनरावृत्ति नहीं होगी: मैं इसकी गारंटी देती हूँ।' 'मानसिक भय, महोदय! काश मैं उन्हें केवल ऐसा ही मान पाती: मैं अब पहले से कहीं अधिक ऐसा चाहती हूँ;' क्योंकि आप भी मुझे उस भयानक आगंतुक के रहस्य को नहीं समझा सकते।' 'और चूंकि मैं ऐसा नहीं कर सकता, जेन, तो यह अवास्तविक ही रहा होगा।' 'लेकिन, महोदय, जब मैंने आज सुबह उठते ही खुद से ऐसा कहा, और जब मैंने कमरे में चारों ओर देखा ताकि दिन के उजाले में प्रत्येक परिचित वस्तु के प्रसन्न रूप को देखकर हिम्मत और सांत्वना प्राप्त कर सकूं, तो वहीं—कालीन पर—मैंने वह देखा जिसने मेरी परिकल्पना को पूरी तरह से झूठा साबित कर दिया—घूंघट, जो ऊपर से नीचे तक दो हिस्सों में फटा हुआ था!'





जेन आयर 269 एसएसएस ईन्स नीरे ईटी मैंने महसूस किया कि मिस्टर रोचेस्टर चौंक गए और कांप गए; उन्होंने जल्दी से अपनी बाहें मेरे चारों ओर लपेट लीं। “भगवान का शुक्र है!” वह बोला, “कि अगर कल रात तुम्हारे पास कोई बुरी चीज़ आई भी, तो सिर्फ़ घूंघट को ही नुकसान पहुँचा। सोचो, क्या हो सकता था!” उसने गहरी साँस ली और मुझे इतना कसकर गले लगा लिया कि मैं मुश्किल से साँस ले पा रही थी। कुछ मिनटों की चुप्पी के बाद, वह खुशमिजाज़ होकर बोला— “अब, जेनेट, मैं तुम्हें सब कुछ समझाता हूँ। यह आधा सपना, आधा हकीकत था। मुझे पूरा यकीन है कि एक औरत तुम्हारे कमरे में आई थी: और वह औरत—ज़रूर—ग्रेस पूल रही

होगी। तुम खुद उसे एक अजीब प्राणी कहती हो: जितना तुम जानती हो, उसके हिसाब से तुम्हें ऐसा कहने का कारण है—उसने मेरे साथ क्या किया? मेसन के साथ क्या किया? नींद और जागने के बीच की अवस्था में, तुमने उसके आने और उसकी हरकतों को देखा; लेकिन बुखार से व्याकुल, लगभग बेहोशी की हालत में, तुमने उसे एक भूतिया रूप दे दिया जो उसके असली रूप से अलग था: लंबे बिखरे बाल, फूला हुआ काला चेहरा, बढ़ा हुआ कद, ये सब कल्पना की उपज थे; बुरे सपने के परिणाम: द्वेषपूर्ण ढंग से फाड़ना... घूंघट असली था: और वह बिल्कुल उसके जैसी थी। मुझे पता है कि आप पूछेंगे कि मैं ऐसी औरत को अपने घर में क्यों रखता हूँ: जब हमारी शादी को एक साल और एक दिन हो जाएगा, तब मैं आपको बताऊँगा; लेकिन अभी नहीं। क्या आप संतुष्ट हैं, जेन? क्या आप इस रहस्य के मेरे समाधान को स्वीकार करती हैं?' मैंने सोचा, और सच में मुझे यही एकमात्र संभव समाधान लगा: मैं संतुष्ट नहीं थी, लेकिन उन्हें खुश करने के लिए मैंने ऐसा दिखाने की कोशिश की—मुझे निश्चित रूप से राहत महसूस हुई; इसलिए मैंने उन्हें संतुष्ट मुस्कान के साथ जवाब दिया। और अब, चूंकि एक बज चुका था, मैं उनके पास से जाने की तैयारी कर रही थी। 'क्या सोफी नर्सरी में एडेल के साथ नहीं सोती?' उन्होंने पूछा, जब मैंने अपनी मोमबत्ती जलाई। 'जी हाँ।' 'और एडेल के छोटे से बिस्तर में आपके लिए काफी जगह है। आज रात आपको उसके साथ सोना होगा, जेन: इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आपने जो घटना बताई है उससे आप घबरा गई हैं, और मैं नहीं चाहता कि आप अकेले सोएँ: मुझसे वादा कीजिए कि आप नर्सरी में जाएँगी।' 'मुझे ऐसा करने में बहुत खुशी होगी, सर।' 'और दरवाजा अच्छी तरह से बंद कर दीजिए।' अंदर ही अंदर। जब तुम ऊपर जाओ तो सोफी को जगा देना, यह बहाना बनाकर कि वह तुम्हें कल सुबह समय पर जगा दे; क्योंकि तुम्हें तैयार होकर नाश्ता आठ बजे से पहले खत्म कर लेना है। और अब, उदास विचारों को भूल जाओ: अपनी सारी चिंताएं दूर भगा दो, जेनेट। क्या तुम्हें हवा की धीमी फुसफुसाहट सुनाई नहीं दे रही? और खिड़कियों पर बारिश की बूँदें भी नहीं पड़ रही हैं: देखो यहाँ (उसने पर्दा उठाया)—यह कितनी प्यारी रात है! 2470 जेन आयर ईईई ईल यह सच था। आधा आकाश शुद्ध और निर्मल था: बादल, जो अब पश्चिम की ओर मुड़ी हवा के साथ आगे बढ़ रहे थे, चांदी की तरह चमकते लंबे स्तंभों में पूर्व की ओर विलीन हो रहे थे। चंद्रमा शांति से चमक रहा था। श्री रोचेस्टर ने मेरी आँखों में जिज्ञासा भरी निगाहों से देखते हुए कहा, 'मेरी जेनेट कैसी है?' 'महोदय,

रात शांत है; और मैं भी।' 'और आज रात तुम विरह और दुःख के सपने नहीं देखोगी; बल्कि सुखी प्रेम और आनंदमय मिलन के सपने देखोगी।' यह भविष्यवाणी आधी ही पूरी हुई: मैंने दुःख का सपना तो नहीं देखा, लेकिन खुशी का भी उतना ही कम; क्योंकि मैं बिल्कुल भी नहीं सोई। नन्ही एडेल को अपनी बाहों में लिए, मैं बचपन की नींद को देखती रही—इतनी शांत, इतनी भावहीन, इतनी मासूम—और आने वाले दिन की प्रतीक्षा करती रही: मेरा सारा जीवन मेरे शरीर में जागृत और हलचल से भरा था: और जैसे ही सूरज उगा, मैं भी उठ गई। मुझे याद है जब मैं एडेल को छोड़कर जा रही थी तो वह मुझसे लिपट गई थी: मुझे याद है जब मैंने उसके नन्हे हाथों को अपनी गर्दन से छुड़ाया तो मैंने उसे चूमा था; और मैं उस पर अजीब सी भावना से रोई, और उसे इसलिए छोड़ दिया क्योंकि मुझे डर था कि मेरी सिसकियाँ उसकी शांत नींद को भंग कर देंगी। वह मेरे बीते जीवन का प्रतीक लग रही थी; और अब मुझे उसी से मिलने के लिए तैयार होना था, जो मेरे अज्ञात भविष्य के दिन का भयानक, लेकिन पूजनीय प्रतीक थी। सोफी सात बजे मुझे कपड़े पहनाने आई: उसे अपना काम पूरा करने में बहुत समय लग गया; इतना समय कि मिस्टर रोचेस्टर, शायद मेरी देरी से अधीर हो गए थे, उन्होंने मुझसे पूछने के लिए संदेश भेजा कि मैं क्यों नहीं आई। वह मेरे घूंघट (आखिरकार सुनहरे रंग का सादा चौकोर) को ब्रोच से मेरे बालों में लगा ही रही थी; मैं जितनी जल्दी हो सके उसके हाथों से निकल गई। 'रुको!' वह फ्रेंच में चिल्लाई। ‘आईने में खुद को देखो: तुमने एक बार भी खुद को नहीं देखा।’ तो मैं दरवाजे पर मुड़ी: मैंने एक लबादा और घूंघट ओढ़े हुए व्यक्ति को देखा, जो मेरे सामान्य रूप से इतना अलग था कि मानो किसी अजनबी की छवि हो। ‘जेन!’ एक आवाज ने पुकारा, और मैं जल्दी से नीचे गई। सीढ़ियों के नीचे मुझे मिस्टर रोचेस्टर ने स्वागत किया। ‘देर करने वाली!’ उन्होंने कहा, ‘मेरा दिमाग अधीरता से जल रहा है, और तुम इतनी देर कर रही हो!’ वे मुझे भोजन कक्ष में ले गए, मुझे चारों ओर से ध्यान से देखा, मुझे ‘कमल की तरह सुंदर, और न केवल अपने जीवन का गौरव, बल्कि अपनी आँखों का तारा’ बताया, और फिर यह कहते हुए कि वे मुझे नाश्ता करने के लिए केवल दस मिनट देंगे, उन्होंने घंटी बजा दी।

जेन आयर 271 घंटी बजी। उनके हाल ही में नियुक्त नौकरों में से एक, एक फुटमैन ने घंटी का जवाब दिया। 'क्या जॉन गाड़ी तैयार कर रहा है?' "जी हाँ, महोदय।" 'क्या सामान नीचे लाया गया है?' "वे इसे नीचे ला रहे हैं, महोदय।" 'आप चर्च जाइए: देखिए

कि क्या श्री वुड (पादरी) और क्लर्क वहाँ हैं: वापस आकर मुझे बताइए।' जैसा कि पाठक जानते हैं, चर्च द्वार के ठीक बाहर था; फुटमैन जल्द ही लौट आया। 'श्री वुड वेस्टरी में हैं, महोदय, अपना सरप्लस पहन रहे हैं।' 'और गाड़ी?' "घोड़ों को जोता जा रहा है।" 'हमें चर्च जाने के लिए इसकी आवश्यकता नहीं होगी; लेकिन हमारे लौटते ही यह तैयार होनी चाहिए: सभी बक्से और सामान व्यवस्थित और बंधे हुए हों, और कोचमैन अपनी सीट पर बैठा हो।' "जी हाँ, महोदय।" 'जेन, क्या आप तैयार हैं?' मैं उठा। वहाँ न तो दूल्हे के दोस्त थे, न दुल्हन की सहेलियाँ, न ही कोई रिश्तेदार इंतज़ार कर रहे थे या व्यवस्था कर रहे थे: केवल श्री रोचेस्टर और मैं ही थे। जब हम वहाँ से गुज़रे तो श्रीमती फेयरफैक्स हॉल में खड़ी थीं। मैं उनसे बात करना चाहती थी, लेकिन मेरा हाथ लोहे की पकड़ में था: मुझे इतनी तेज़ी से आगे बढ़ाया जा रहा था कि मैं मुश्किल से ही उनका साथ दे पा रही थी; और श्री रोचेस्टर के चेहरे को देखकर ऐसा लग रहा था मानो एक पल की भी देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुझे आश्चर्य होता है कि क्या कोई और दूल्हा कभी उनके जैसा दिखता होगा—इतना दृढ़ निश्चयी, इतना दृढ़ संकल्पित: या कौन, ऐसे स्थिर माथे के नीचे, कभी ऐसी प्रज्वलित और चमकती आँखें दिखा सकता है। मुझे नहीं पता कि दिन अच्छा था या बुरा; रास्ते से नीचे उतरते हुए, मैंने न तो आकाश को देखा और न ही धरती को: मेरा दिल मेरी आँखों के साथ था; और दोनों श्री रोचेस्टर के शरीर में समा गए प्रतीत हो रहे थे। मैं उस अदृश्य चीज़ को देखना चाहती थी जिस पर, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते गए, उन्होंने एक तीखी नज़र डाली और फिर उसे थम सा दिया। मैं उन विचारों को महसूस करना चाहती थी जिनकी शक्ति का वह सामना कर रहा था और प्रतिरोध कर रहा था। कब्रिस्तान के द्वार पर वह रुका: उसने देखा कि मेरी साँस फूल रही थी। 'क्या मैं अपने प्रेम में क्रूर हूँ?' उसने कहा। 'एक पल रुको: मुझ पर सहारा लो, जेन।' और अब मुझे ईश्वर के उस पुराने, धूसर घर की छवि याद आ रही है जो मेरे सामने शांति से खड़ा था, एक कौआ मीनार के चारों ओर चक्कर लगा रहा था, और उसके पार एक लालिमा लिए सुबह का आकाश था। मुझे हरे-भरे कब्र के टीले भी कुछ-कुछ याद हैं; और मैं उन दो अजनबियों को भी नहीं भूली हूँ जो नीची जगहों के बीच भटक रहे थे।

272 जेन आयर की पहाड़ियों पर, मैं काई लगे कुछ कब्र के पत्थरों पर खुदे हुए स्मृति चिन्हों को पढ़ रहा था। मैंने उन्हें देखा, क्योंकि जैसे ही उन्होंने हमें देखा, वे चर्च के पीछे की ओर चले गए; और मुझे पूरा यकीन था कि वे बगल वाले गलियारे के दरवाजे

से अंदर जाकर समारोह देखने वाले थे। श्री रोचेस्टर ने उन्हें नहीं देखा; वे मेरी ओर ध्यान से देख रहे थे, जिससे शायद कुछ पल के लिए खून गायब हो गया था: क्योंकि मुझे अपना माथा पसीने से भीगा हुआ और गाल और होंठ ठंडे लग रहे थे। जब मैं संभला, जो मैं जल्दी ही हो गया, तो वे मुझे धीरे से रास्ते से होते हुए बरामदे तक ले गए। हम शांत और सादे मंदिर में प्रवेश कर गए; पुजारी अपने सफेद चोगे में साधारण वेदी पर प्रतीक्षा कर रहे थे, उनके बगल में क्लर्क था। सब कुछ शांत था: केवल दो परछाइयाँ एक दूर कोने में हिल रही थीं। मेरा अनुमान सही निकला: अजनबी हमसे पहले अंदर घुस आए थे, और अब वे रोचेस्टर के मकबरे के पास खड़े थे, उनकी पीठ हमारी ओर थी, वे रेलिंग के बीच से उस पुराने संगमरमर के मकबरे को देख रहे थे, जहाँ एक घुटनों के बल बैठा देवदूत डैमर डी रोचेस्टर के अवशेषों की रक्षा कर रहा था, जो गृहयुद्ध के समय मार्स्टन मूर में मारे गए थे, और उनकी पत्नी एलिजाबेथ के भी। हमने प्रार्थना के लिए रेलिंग के पास अपनी जगह ले ली। मेरे पीछे किसी के सतर्क कदम की आहट सुनकर, मैंने पीछे मुड़कर देखा: अजनबियों में से एक—स्पष्ट रूप से एक सज्जन—वेदी की ओर बढ़ रहा था। 'पूजा शुरू हुई। विवाह के उद्देश्य की व्याख्या हो चुकी थी; और फिर पादरी एक कदम और आगे बढ़े, और श्री रोचेस्टर की ओर थोड़ा झुककर आगे बढ़े। 'मैं तुम दोनों से यह अपेक्षा करता हूँ और तुम्हें यह आदेश देता हूँ (क्योंकि न्याय के उस भयानक दिन तुम्हें इसका उत्तर देना होगा, जब सभी हृदयों के रहस्य उजागर होंगे), कि यदि तुममें से किसी को भी कोई ऐसी बाधा ज्ञात हो जिसके कारण तुम कानूनी रूप से विवाह बंधन में नहीं बंध सकते, तो उसे अभी स्वीकार करो; क्योंकि यह अच्छी तरह जान लो कि जितने भी लोग परमेश्वर के वचन के विरुद्ध विवाह बंधन में बंधे हैं, वे परमेश्वर द्वारा नहीं बांधे गए हैं, और न ही उनका विवाह वैध है।' वह कुछ देर रुका, जैसा कि रिवाज है। उस वाक्य के बाद का विराम कभी उत्तर से टूटता है क्या? शायद सौ वर्षों में एक बार भी नहीं। और पादरी, जिसने अपनी किताब से नज़रें नहीं हटाई थीं और पल भर के लिए अपनी सांस रोकी थी, आगे बढ़ रहा था: उसका हाथ पहले ही मिस्टर रोचेस्टर की ओर बढ़ा हुआ था, उसके होंठ खुल कर पूछने ही वाले थे, 'क्या आप इस स्त्री को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करेंगे?' तभी एक स्पष्ट और नज़दीकी आवाज़ आई - 'यह विवाह नहीं हो सकता: मैं एक बाधा की घोषणा करता हूँ।' पादरी ने बोलने वाले की ओर देखा और चुपचाप खड़ा रहा; क्लर्क ने भी ऐसा ही किया; मिस्टर रोचेस्टर थोड़ा सा हिले, मानो

कोई
जेन आयर में 273 जीएस तीव्रता का भूकंप उनके पैरों के नीचे से गुजरा: उन्होंने मजबूती से पैर जमाए और अपना सिर या आंखें घुमाए बिना कहा, 'आगे बढ़ो।' उनके इस शब्द को बोलते ही गहरी लेकिन धीमी आवाज में सन्नाटा छा गया। तभी श्री वुड ने कहा— 'जो कुछ कहा गया है, उसकी जाँच-पड़ताल और सत्य-असत्यता के प्रमाण के बिना मैं आगे नहीं बढ़ सकता।' हमारे पीछे से एक आवाज़ आई, 'समारोह पूरी तरह से रोक दिया गया है। मैं अपने आरोप को साबित करने की स्थिति में हूँ: इस विवाह में एक ऐसी बाधा है जिसे पार नहीं किया जा सकता।' श्री रोचेस्टर ने सुना, पर ध्यान नहीं दिया: वे हठी और स्थिर खड़े रहे, मेरे हाथ को थामे रखने के अलावा उन्होंने कोई हरकत नहीं की। उनकी पकड़ कितनी गर्म और मजबूत थी! और इस समय उनका पीला, दृढ़, विशाल चेहरा किसी पत्थर की तरह लग रहा था! उनकी आँखें कैसे चमक रही थीं, अभी भी चौकस, और फिर भी अंदर से उग्र! श्री वुड असमंजस में लग रहे थे। उन्होंने पूछा, 'बाधा क्या है? शायद इसे दूर किया जा सकता है—समझाया जा सकता है?' उत्तर मिला, 'बिल्कुल नहीं। मैंने इसे दुर्गम कहा है, और मैं सोच-समझकर बोल रहा हूँ।' वक्ता आगे आया और रेलिंग पर झुक गया। उसने प्रत्येक शब्द को स्पष्ट, शांत, स्थिर रूप से, लेकिन ज़ोर से नहीं बोलते हुए अपनी बात जारी रखी— 'बस इतना ही है कि पहले एक शादी हो चुकी है। श्री रोचेस्टर की पत्नी अभी जीवित हैं।' उन धीमी आवाज़ में बोले गए शब्दों से मेरी नसें ऐसे कांप उठीं जैसे गर्जना से पहले कभी नहीं कांपी थीं—मेरे खून ने उनकी सूक्ष्म हिंसा को ऐसे महसूस किया जैसे ठंड या आग को कभी नहीं; लेकिन मैं शांत थी, और बेहोश होने का कोई खतरा नहीं था। मैंने श्री रोचेस्टर को देखा: मैंने उन्हें भी मुझे देखने पर मजबूर किया। उनका पूरा चेहरा रंगहीन पत्थर जैसा था: उनकी आंखें चिंगारी और पत्थर दोनों जैसी थीं। उन्होंने किसी बात से इनकार नहीं किया: ऐसा लग रहा था जैसे वे हर चीज को चुनौती देंगे। बिना बोले, बिना मुस्कुराए, बिना मुझमें एक इंसान को पहचाने, उन्होंने बस अपनी बांह से मेरी कमर को जकड़ लिया और मुझे अपने से चिपका लिया। 'तुम कौन हो?' उन्होंने उस अजनबी से पूछा। 'मेरा नाम ब्रिग्स है, मैं लंदन की —— स्ट्रीट का एक वकील हूँ।' 'और आप मुझ पर एक पत्नी थोपना चाहते हैं?' 'अगर आपको याद नहीं है, तो मैं आपको आपकी महिला के अस्तित्व की याद दिला दूँ, महोदय, जिसे कानून मान्यता देता है।' 'कृपया मुझे उनके बारे में जानकारी दें—उनका नाम, उनके माता-

पिता, उनका पता।' 'ज़रूर।' श्री ब्रिग्स ने शांत भाव से अपनी जेब से एक कागज़ निकाला और एक औपचारिक, नाक से निकलने वाली आवाज़ में पढ़ा:— 'मैं पुष्टि करता हूँ और साबित कर सकता हूँ कि 10 अक्टूबर को (पंद्रह साल पहले की तारीख), एडवर्ड फेयरफैक्स रोचेस्टर,
274 जेन आयर ———— थॉर्नफील्ड हॉल, काउंटी —— और फर्नेडियन मैनर, शायर, इंग्लैंड की निवासी, का विवाह मेरी बहन बर्था एंटोनेटा मेसन से हुआ, जो व्यापारी जोनास मेसन और उनकी पत्नी एंटोनेटा, जो एक क्रियोल थीं, की पुत्री थीं। विवाह समारोह जमैका के स्पैनिश टाउन स्थित चर्च में संपन्न हुआ। विवाह का रिकॉर्ड उस चर्च के रजिस्टर में मिलेगा—उसकी एक प्रति मेरे पास है। हस्ताक्षर, रिचर्ड मेसन। 'अगर यह दस्तावेज़ असली है, तो इससे यह साबित हो सकता है कि मेरी शादी हुई थी, लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि उसमें मेरी पत्नी के रूप में वर्णित महिला अभी भी जीवित है।' 'वह तीन महीने पहले तक जीवित थी,' वकील ने जवाब दिया। 'आपको कैसे पता?' 'मेरे पास इस बात का गवाह है, जिसकी गवाही को आप भी शायद ही नकार पाएंगे।' 'उसे पेश करो—वरना नरक में जाओ।' 'मैं उसे पहले पेश करता हूँ—वह यहीं मौजूद है। श्री मेसन, कृपया आगे आइए।' नाम सुनते ही श्री रोचेस्टर ने अपने दांत भींच लिए; उन्हें एक तरह का ज़ोरदार झटका भी लगा; उनके पास होने के कारण, मैंने उनके शरीर में क्रोध या निराशा की ऐंठन महसूस की। दूसरा अजनबी, जो अब तक पृष्ठभूमि में था, अब पास आया; एक पीला चेहरा वकील के कंधे के ऊपर से झाँका—हाँ, यह स्वयं मेसन था। श्री रोचेस्टर मुड़े और उन्हें घूरने लगे। जैसा कि मैंने अक्सर कहा है, उनकी आँख काली पड़ गई थी: अब उसमें एक भूरी, बल्कि कहें तो, अपने अंधकार में एक खूनी रोशनी; और उसका चेहरा लाल हो उठा—जैतून जैसे गाल और निर्मल माथे पर मानो दिल में उठती आग की तरह चमक आ गई: और वह हिला, उसने अपना मजबूत हाथ उठाया—वह मेसन पर प्रहार कर सकता था, उसे गिरजाघर के फर्श पर पटक सकता था, निर्मम प्रहार से उसकी सांसें रोक सकता था—लेकिन मेसन पीछे हट गया, और धीमी आवाज में बोला, 'हे भगवान!' श्री रोचेस्टर पर तिरस्कार की ठंडी लकीर छा गई—उसका गुस्सा मानो किसी बीमारी से मुरझा गया हो: उसने केवल पूछा—'तुम्हें क्या कहना है?' मेसन के सफेद होठों से एक अस्पष्ट उत्तर निकला। "अगर तुम स्पष्ट रूप से जवाब नहीं दे सकते, तो शैतान इसमें शामिल है।" मैं फिर पूछता हूँ, आपको क्या कहना है?'

‘महोदय—महोदय,’ पादरी ने बीच में ही टोकते हुए कहा, ‘यह मत भूलिए कि आप एक पवित्र स्थान पर हैं।’ फिर मेसन से बात करते हुए उन्होंने विनम्रता से पूछा, ‘क्या आपको पता है, महोदय, कि इस सज्जन की पत्नी अभी जीवित हैं या नहीं?’ ‘हिम्मत रखिए,’ वकील ने आग्रह किया—‘बोलिए।’ ‘वह अब थॉर्नफील्ड हॉल में रह रही हैं,’ मेसन ने अधिक स्पष्ट स्वर में कहा। ‘मैंने उन्हें पिछले अप्रैल में वहाँ देखा था। मैं उनका भाई हूँ।’ ‘थॉर्नफील्ड हॉल में!’ पादरी चौंक उठे। ‘असंभव!’

जेन आयर 275 पृष्ठ। 'मैं इस मोहल्ले का पुराना निवासी हूँ, महोदय, और मैंने थॉर्नफील्ड हॉल में श्रीमती रोचेस्टर के बारे में कभी नहीं सुना।' मैंने श्री रोचेस्टर के होठों पर एक कठोर मुस्कान देखी, और वे बुदबुदाए— 'नहीं, भगवान की कसम! मैंने इस बात का पूरा ध्यान रखा था कि किसी को इसके बारे में—या उस नाम से उसके बारे में—पता न चले।' वे दस मिनट तक सोचते रहे—उन्होंने अपने मन में विचार-विमर्श किया: उन्होंने अपना संकल्प लिया, और घोषणा की— 'बस! सब एक साथ निकल जाएँगे, जैसे बंदूक की नली से गोली निकलती है। वुड, अपनी किताब बंद करो और अपना चोगा उतारो; जॉन ग्रीन (क्लर्क से), चर्च छोड़ दो: आज कोई शादी नहीं होगी।' उस आदमी ने आज्ञा का पालन किया। श्री रोचेस्टर ने दृढ़ता और लापरवाही से बोलना जारी रखा: 'द्विविवाह एक बुरा शब्द है!—हालांकि, मेरा इरादा द्विविवाही बनने का था; लेकिन भाग्य ने मुझे मात दे दी है, या ईश्वर ने मुझे रोक दिया है,—शायद आखिरी वाला। इस समय मैं एक शैतान से कुछ बेहतर नहीं हूँ; और, जैसा कि मेरे पादरी मुझे बताया करते थे, निःसंदेह ईश्वर के सबसे कठोर दंड के पात्र हैं, यहाँ तक कि उस कभी न बुझने वाली आग और अमर कीड़े के भी। सज्जनों, मेरी योजना विफल हो गई है:—इस वकील और उसके मुवक्किल की बात सच है: मेरी शादी हो चुकी है, और जिस स्त्री से मेरी शादी हुई थी, वह जीवित है! आप कहते हैं कि आपने वुड, उस घर में श्रीमती रोचेस्टर के बारे में कभी नहीं सुना; लेकिन मुझे यकीन है कि आपने वहाँ निगरानी में रखी गई उस रहस्यमय पागल महिला के बारे में गपशप सुनने के लिए कई बार कान लगाए होंगे। कुछ ने आपको फुसफुसाकर बताया है कि वह मेरी नाजायज सौतेली बहन है: कुछ ने, मेरी त्यागी हुई प्रेमिका। मैं अब आपको सूचित करता हूँ कि वह मेरी पत्नी है, जिससे मैंने पंद्रह साल पहले शादी की थी,—बर्था मेसन नाम की; इस दृढ़ निश्चयी व्यक्ति की बहन, जो अब अपने कांपते अंगों और सफेद गालों के साथ आपको दिखा रहा है कि पुरुष कितना मजबूत दिल रख सकते

हैं। हिम्मत रखो, डिक!—मुझसे मत डरो!—मैं लगभग किसी स्त्री को मारने में उतना ही संकोच नहीं करूँगा जितना तुम्हें। बर्था मेसन पागल है; और वह एक पागल परिवार से आई थी; तीन पीढ़ियों से मूर्ख और पागल लोग! उसकी माँ, जो क्रियोल थी, पागल और शराबी दोनों थी!—जैसा कि मुझे बेटी से शादी करने के बाद पता चला: क्योंकि वे पहले पारिवारिक रहस्यों पर चुप रहते थे। बर्था, एक आज्ञाकारी बच्चे की तरह, दोनों मामलों में अपनी माँ की नकल करती थी। मुझे एक आकर्षक साथी मिली—पवित्र, बुद्धिमान, विनम्र, आप कल्पना कर सकते हैं कि मैं एक खुश इंसान था। मैंने कई समृद्ध दृश्य देखे! ओह! मेरा अनुभव स्वर्गिक रहा है, काश आप इसे जान पाते! लेकिन मुझे आपको और कुछ बताने की ज़रूरत नहीं है। ब्रिग्स, वुड, मेसन, मैं आप सभी को घर आने और श्रीमती पूल के मरीज़ और मेरी पत्नी से मिलने के लिए आमंत्रित करता हूँ! आप देखेंगे कि किस तरह के इंसान से मुझे धोखे से शादी करनी पड़ी, और यह तय करेंगे कि क्या मुझे समझौता तोड़ने और कम से कम किसी मानवीय व्यक्ति के साथ सहानुभूति रखने का अधिकार था या नहीं।

276 जेन आयर ईईई मैन. 'यह लड़की,' उसने मेरी ओर देखते हुए कहा, 'वुड, इस घिनौने रहस्य के बारे में तुमसे ज़्यादा कुछ नहीं जानती थी: उसे लगा कि सब कुछ जायज़ और कानूनी है, और उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उसे एक धोखेबाज़, पहले से ही एक बुरे, पागल और दरिंदे साथी के साथ झूठे बंधन में फँसा लिया जाएगा! तुम सब आओ—मेरे पीछे आओ!' मुझे कसकर पकड़े हुए वह चर्च से निकल गया: तीनों सज्जन उसके पीछे आए। हॉल के सामने वाले दरवाजे पर हमें गाड़ी मिली। 'इसे कोच-हाउस वापस ले जाओ, जॉन,' मिस्टर रोचेस्टर ने शांत स्वर में कहा: 'आज इसकी ज़रूरत नहीं होगी।' हमारे प्रवेश करते ही, श्रीमती फेयरफैक्स, एडेल, सोफी, लीह हमसे मिलने और अभिवादन करने के लिए आगे बढ़ीं। 'हर कोई दाईं ओर मुड़ो!' मालिक चिल्लाया; 'अपनी बधाइयाँ ले जाओ! इन्हें कौन चाहता है? मैं नहीं!—ये पंद्रह साल बहुत देर से आई हैं!' वह आगे बढ़ा और सीढ़ियाँ चढ़ गया, अभी भी मेरा हाथ पकड़े हुए, और अभी भी सज्जनों को अपने पीछे आने का इशारा कर रहा था, जो उन्होंने किया। हम पहली सीढ़ी चढ़े, गैलरी पार की और तीसरी मंजिल पर पहुँचे: मिस्टर रोचेस्टर की मास्टर चाबी से खुला नीचा, काला दरवाजा हमें टेपेस्ट्री से सजे कमरे में ले गया, जहाँ एक बड़ा पलंग और चित्रों से भरी अलमारी थी। हमारे गाइड ने कहा, 'मेसन, तुम इस जगह को जानते हो; उसने तुम्हें यहीं काटा और चाकू

मारा था।' उसने दीवार से पर्दे हटाए और दूसरा दरवाजा खोला। बिना खिड़की वाले कमरे में, एक ऊँची और मजबूत बाड़ से घिरी आग जल रही थी, और छत से एक चेन से लटका हुआ एक लैंप था। ग्रेस पूल आग के ऊपर झुकी हुई थी, जाहिर तौर पर एक बर्तन में कुछ पका रही थी। कमरे के दूसरे छोर पर, गहरे अंधेरे में, एक आकृति आगे-पीछे दौड़ रही थी। वह क्या था, जानवर या इंसान, पहली नज़र में बताना मुश्किल था: वह चारों पैरों पर रेंगता हुआ प्रतीत हो रहा था; वह किसी अजीब जंगली जानवर की तरह झपट रहा था और गुर्रा रहा था: लेकिन वह कपड़ों से ढका हुआ था, और घने काले, भूरे बाल, जो किसी जानवर की गर्दन के बालों की तरह बिखरे हुए थे, उसे छिपा रहे थे। उसका सिर और चेहरा। "सुप्रभात, श्रीमती पूलेल," श्री रोचेस्टर ने कहा। "आप कैसी हैं? और आज आपका काम कैसा चल रहा है?" "हम ठीक हैं, महोदय, धन्यवाद," ग्रेस ने उबलते हुए भोजन को सावधानीपूर्वक चूल्हे पर रखते हुए उत्तर दिया: "थोड़ा चिड़चिड़ा है, लेकिन उग्र नहीं।" एक ज़ोरदार चीख ने उसकी अच्छी रिपोर्ट को झूठा साबित कर दिया: कपड़े पहने लकड़बग्घा उठ खड़ा हुआ और अपने पिछले पैरों पर सीधा खड़ा हो गया। "अरे! महोदय, वह आपको देख रही है!" ग्रेस चिल्लाई: "आप यहाँ न रुकें तो बेहतर होगा।"

जेन आयर 244 एसएसएस 'ग्रेस, बस कुछ पल: आपको मुझे कुछ पल देने होंगे।' "तो सावधान रहें, महोदय!—भगवान के लिए, सावधान रहें!" उस पागल औरत ने दहाड़ लगाई: उसने अपने बिखरे बालों को चेहरे से हटाया और अपने आगंतुकों को घूरकर देखा। मैंने उस बैंगनी चेहरे को अच्छी तरह पहचान लिया—उन फूले हुए नैन-नक्शों को। श्रीमती पूल आगे बढ़ीं। 'रास्ते से हट जाओ,' श्री रोचेस्टर ने उसे एक तरफ धकेलते हुए कहा: 'मुझे लगता है कि अब उसके पास चाकू नहीं है, और मैं सतर्क हूँ!' "कोई नहीं जानता कि उसके पास क्या है, महोदय: वह बहुत चालाक है: उसकी चालाकी को समझना किसी इंसान के बस की बात नहीं है।" "हमें उसे यहीं छोड़ देना चाहिए," मेसन ने फुसफुसाया। 'भाड़ में जाओ!' उसके बहनोई की सलाह थी। 'सावधान!' ग्रेस चिल्लाई। तीनों सज्जन एक साथ पीछे हट गए। श्री रोचेस्टर ने मुझे अपने पीछे फेंक दिया: उस पागल औरत ने उछलकर उसका गला बुरी तरह पकड़ लिया और मुझे गिरा दिया। उसके दांत उसके गाल पर गड़े हुए थे: वे संघर्ष कर रहे थे। वह एक बड़ी महिला थी, कद में लगभग अपने पति के बराबर और साथ ही साथ मोटी भी: उसने संघर्ष में पौरुषपूर्ण बल दिखाया—कई बार उसने लगभग उसे गला घोंट ही

दिया था, जबकि वह फुर्तीला था। वह उसे एक जोरदार प्रहार से काबू कर सकता था: लेकिन उसने प्रहार नहीं किया: वह केवल कुश्ती करना चाहता था। अंत में उसने उसकी बाहों पर काबू पा लिया; ग्रेस पूल ने उसे एक रस्सी दी, और उसने उसकी बाहों को पीछे की ओर जकड़ लिया: पास में मौजूद रस्सी से उसने उसे एक कुर्सी से बांध दिया। यह क्रिया भयंकर चीखों और तीव्र झटकों के बीच हुई। फिर मिस्टर रोचेस्टर दर्शकों की ओर मुड़े: उन्होंने उन्हें एक कड़वी और उदास मुस्कान के साथ देखा। "यह मेरी पत्नी है," उन्होंने कहा। "यही एकमात्र वैवाहिक आलिंगन है जिसे मैं कभी जान पाऊंगा—यही वे स्नेह हैं जो मेरे खाली समय को सुकून देंगे!" और यही तो मैं चाहता था' (मेरे कंधे पर हाथ रखते हुए): 'यह युवती, जो नरक के द्वार पर इतनी गंभीर और शांत खड़ी है, एक राक्षस की करतूतों को संयम से देख रही है। उस भयंकर रगुट के बाद मुझे बस एक बदलाव के लिए उसकी ज़रूरत थी। वुड और ब्रिग्स, अंतर देखिए! इन निर्मल आँखों की तुलना वहाँ की लाल आँसुओं से कीजिए—इस चेहरे की तुलना उस मुखौटे से—इस रूप की तुलना उस भारी-भरकम शरीर से; फिर मेरा न्याय कीजिए, हे धर्म के पुजारी और विधि के ज्ञाता, और याद रखिए कि जिस न्याय से आप न्याय करेंगे, उसी से आपका भी न्याय किया जाएगा! अब आप यहाँ से जाइए। मुझे अपना पुरस्कार छुपाना होगा।' हम सब चले गए। श्री रोचेस्टर ग्रेस पूल को कुछ और निर्देश देने के लिए थोड़ी देर हमारे पीछे रुके। सीढ़ियों से उतरते हुए वकील ने मुझसे कहा, 'आप, महोदया,' उन्होंने कहा, 'सभी आरोपों से मुक्त हैं: आपके चाचा यह सुनकर प्रसन्न होंगे—यदि वास्तव में, वे तब तक जीवित रहे हों—जब श्री मेसन मदीरा लौटेंगे।'

278 जेन आयर आरएस आरआर आई एसई आई एसएल ईएस ईईई 'मेरे चाचा! उनका क्या हाल है? क्या आप उन्हें जानती हैं?' 'श्रीमान मेसन उन्हें जानते हैं। श्रीमान आयर कई वर्षों से उनके घर के फुंचाल पत्र-व्यवहारकर्ता रहे हैं। जब आपके चाचा को आपका पत्र मिला जिसमें आपने श्रीमान रोचेस्टर के साथ आपके संभावित विवाह की सूचना दी थी, तो जमैका लौटते समय मदीरा में स्वास्थ्य लाभ के लिए ठहरे श्रीमान मेसन संयोगवश उनके साथ थे। श्रीमान आयर ने इस खबर का जिक्र किया; क्योंकि वे जानते थे कि मेरी मुवक्किल रोचेस्टर नाम के एक सज्जन से परिचित थीं। श्रीमान मेसन, जैसा कि आप अनुमान लगा सकती हैं, आश्चर्यचकित और दुखी होकर, स्थिति का खुलासा किया। मुझे यह कहते हुए खेद है कि आपके चाचा इस समय बीमार

बिस्तर पर हैं; और उनकी बीमारी की प्रकृति - गिरावट - और जिस अवस्था तक यह पहुँच चुकी है, उसे देखते हुए, यह संभावना नहीं है कि वे कभी उठ पाएंगे।' वह स्वयं इंग्लैंड जाकर आपको उस जाल से नहीं निकाल सके जिसमें आप फंस गए थे, लेकिन उन्होंने श्री मेसन से निवेदन किया कि वे इस झूठे विवाह को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाएं। उन्होंने सहायता के लिए उन्हें मेरे पास भेजा। मैंने पूरी तत्परता दिखाई और शुक्र है कि मुझे देर नहीं हुई: जैसा कि आपको भी निश्चित रूप से होगी। यदि मुझे यह पक्का यकीन न होता कि मदीरा पहुँचने से पहले आपके चाचा की मृत्यु हो जाएगी, तो मैं आपको श्री मेसन के साथ वापस जाने की सलाह देता; लेकिन अभी, मुझे लगता है कि आपको श्री आयर से या उनके बारे में कोई और जानकारी मिलने तक इंग्लैंड में ही रहना चाहिए। क्या हमें और कहीं रुकना है?' उन्होंने श्री मेसन से पूछा। 'नहीं, नहीं—चलिए चलते हैं,' चिंतित उत्तर आया; और श्री रोचेस्टर से विदा लिए बिना ही वे हॉल के दरवाजे से बाहर निकल गए। पादरी अपने अभिमानी भक्त से कुछ देर तक, या तो नसीहत देने या फटकार लगाने के लिए रुके; यह कर्तव्य पूरा करके वे भी चले गए। जब मैं अपने कमरे के आधे खुले दरवाजे पर खड़ी थी, जिसमें मैं अब खुद को समेट चुकी थी, तब मैंने उसे जाते हुए सुना। घर खाली हो गया, मैंने खुद को अंदर बंद कर लिया, कुंडी लगा दी ताकि कोई अंदर न आ सके, और आगे बढ़ी—रोने के लिए नहीं, शोक मनाने के लिए नहीं, मैं अभी इसके लिए बहुत शांत थी, बल्कि—यांत्रिक रूप से शादी का जोड़ा उतारा, और उसकी जगह वह सूती गाउन पहन लिया जिसे मैंने कल पहना था, मानो आखिरी बार। फिर मैं बैठ गई: मैं कमजोर और थकी हुई महसूस कर रही थी। मैंने अपनी बाहें एक मेज पर टिका दीं, और अपना सिर उन पर रख दिया। और अब मैंने सोचा: अब तक मैंने केवल सुना था, देखा था, चली थी —जहां मुझे ले जाया गया या घसीटा गया, वहां ऊपर-नीचे गई थी—घटनाओं को एक के बाद एक होते देखा था, खुलासे होते हुए देखे थे: लेकिन अब, मैंने सोचा। 'सुबह काफी शांत थी—पागल के साथ उस संक्षिप्त दृश्य को छोड़कर: चर्च में जो कुछ हुआ वह शोरगुल वाला नहीं था; कोई आवेश का विस्फोट नहीं हुआ था, कोई

 - कोई ज़ोरदार कहा-सुनी नहीं हुई, कोई विवाद नहीं, कोई अवज्ञा या चुनौती नहीं, कोई आँसू नहीं, कोई सिसकियाँ नहीं: कुछ शब्द बोले गए थे, विवाह पर शांत भाव से आपत्ति जताई गई थी; श्री रोचेस्टर ने कुछ कड़े, संक्षिप्त प्रश्न पूछे थे; उत्तर दिए गए थे, स्पष्टीकरण दिए गए थे, सबूत पेश किए गए थे; मेरे स्वामी ने

सच्चाई को खुले तौर पर स्वीकार किया था; फिर जीवित प्रमाण देखा गया था; घुसपैठिए चले गए थे, और सब कुछ समाप्त हो गया था। मैं हमेशा की तरह अपने कमरे में थी - बस मैं, बिना किसी स्पष्ट बदलाव के: मुझे किसी चीज़ ने चोट नहीं पहुँचाई थी, न ही मुझे खरोंचा था, न ही मुझे अपंग किया था। और फिर भी कल वाली जेन आयर कहाँ थी? - उसका जीवन कहाँ था? - उसकी संभावनाएं कहाँ थीं? जेन आयर, जो एक उत्साही, आशावान महिला थी - लगभग दुल्हन, फिर से एक ठंडी, अकेली लड़की बन गई थी: उसका जीवन फीका था; उसकी संभावनाएं निराशाजनक थीं। ग्रीष्म ऋतु के मध्य में क्रिसमस की ठंड आ गई थी; जून में दिसंबर का सफेद तूफान आ गया था; पके सेब बर्फ से जम गए थे, बर्फ के ढेरों ने खिलते गुलाबों को कुचल दिया था; घास के मैदानों और मक्के के खेतों पर बर्फ की चादर बिछी थी: जो गलियाँ कल रात फूलों से खिली थीं, आज बर्फ से ढकी थीं; और जो जंगल बारह घंटे पहले उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के बीच के उपवनों की तरह हरे-भरे और सुगंधित थे, अब उजाड़, जंगली और बर्फीले नॉर्वे के चीड़ के जंगलों की तरह सफेद फैले हुए थे। मेरी सारी आशाएँ मर चुकी थीं—एक ऐसी व्यथा से त्रस्त, जैसी एक ही रात में मिस्र देश के सभी प्रथमजात बच्चों पर आ पड़ती है। मैंने अपनी उन प्यारी इच्छाओं को देखा, जो कल तक खिली-खिली और दमकती हुई थीं; वे अब ठंडी, निर्जीव लाशों की तरह पड़ी थीं, जिनका पुनर्जन्म कभी नहीं हो सकता था। मैंने अपने प्रेम को देखा: वह भावना जो मेरे स्वामी की थी—जिसे उन्होंने बनाया था; वह मेरे हृदय में एक ठंडे पालने में पीड़ित बच्चे की तरह काँप रही थी; बीमारी और पीड़ा ने उसे जकड़ लिया था; वह श्री रोचेस्टर की बाहों में नहीं जा सकती थी—वह उनके सीने से गर्माहट नहीं पा सकती थी। ओह, अब मैं कभी उसकी ओर मुड़ नहीं सकती थी; क्योंकि विश्वास चकनाचूर हो गया था—विश्वास नष्ट हो गया था! मिस्टर रोचेस्टर मेरे लिए वैसे नहीं रहे जैसे पहले थे; क्योंकि वे वैसे नहीं थे जैसा मैंने उन्हें समझा था। मैं उन पर दोष नहीं लगाऊंगी; मैं यह नहीं कहूंगी कि उन्होंने मुझे धोखा दिया; लेकिन उनके मन से निर्मल सत्य का गुण गायब हो गया था, और मुझे उनकी उपस्थिति से दूर जाना होगा: यह मैं अच्छी तरह समझ गई थी। कब—कैसे—कहाँ, मैं अभी तक नहीं समझ पा रही थी; लेकिन मुझे पूरा यकीन था कि वे मुझे थॉर्नफील्ड से जल्दी भेज देंगे। ऐसा लगता था कि उनके मन में मेरे लिए सच्चा स्नेह नहीं था; यह केवल क्षणिक जुनून था: जो अब रुक गया था; वे मुझे और नहीं चाहेंगे। अब तो मुझे उनके रास्ते में

आने से भी डर लगेगा: मेरा दिखना उनके लिए घृणास्पद होगा। ओह, मेरी आँखें कितनी अंधी थीं! मेरा आचरण कितना कमजोर था! मेरी आँखें ढकी और बंद थीं: मेरे चारों ओर बवंडर जैसा अंधेरा तैरता हुआ प्रतीत हो रहा था, और प्रतिबिंब काले और धुंधले रूप में आ रहे थे।

280 जेन आयर जी एक प्रवाह में विलीन हो गई। आत्म-त्यागी, विश्राम और सहजता से, ऐसा लगा जैसे मैं किसी विशाल नदी के सूखे तल पर लेट गई हूँ; मैंने दूर पहाड़ों में बाढ़ की आहट सुनी और उस प्रचंड धारा को आते हुए महसूस किया: उठने की मुझमें कोई इच्छा नहीं थी, भागने की मुझमें कोई शक्ति नहीं थी। मैं बेहोश पड़ी थी, मरने की लालसा कर रही थी। केवल एक विचार ही मेरे भीतर जीवन की तरह धड़क रहा था—ईश्वर का स्मरण: इसने एक अनकही प्रार्थना को जन्म दिया: ये शब्द मेरे प्रकाशहीन मन में इधर-उधर भटक रहे थे, मानो कुछ फुसफुसाया जाना चाहिए, लेकिन उन्हें व्यक्त करने की कोई ऊर्जा नहीं थी— 'मुझसे दूर मत रहो, क्योंकि संकट निकट है: कोई सहायता करने वाला नहीं है।' यह निकट था: और क्योंकि मैंने इसे टालने के लिए स्वर्ग से कोई प्रार्थना नहीं की थी—क्योंकि मैंने न तो हाथ जोड़े थे, न घुटने टेके थे, न होंठ हिलाए थे—यह आ गया: पूरी ताकत से प्रचंड धारा मुझ पर बह गई। मेरे जीवन की सारी चेतना विरह, मेरा खोया हुआ प्यार, मेरी बुझी हुई आशा, मेरा मृत्यु-ग्रस्त विश्वास, एक उदास समूह के रूप में मेरे ऊपर पूरी तरह से मंडरा रही थी। उस कड़वे पल का वर्णन नहीं किया जा सकता: सच में, 'पानी मेरी आत्मा में समा गया; मैं गहरे कीचड़ में डूब गई: मुझे कोई सहारा नहीं मिला: मैं गहरे पानी में आ गई; बाढ़ ने मुझे बहा दिया।' अध्याय 27 दोपहर के समय मैंने अपना सिर उठाया, और चारों ओर देखकर पश्चिम के सूरज को दीवार पर ढलते सूरज की सुनहरी रोशनी बिखेरते हुए देखकर मैंने पूछा, "मुझे क्या करना चाहिए?" लेकिन मेरे मन ने जो उत्तर दिया—'थॉर्नफील्ड को तुरंत छोड़ दो'—वह इतना तीव्र, इतना भयानक था कि मैंने अपने कान बंद कर लिए। मैंने कहा कि मैं अब ऐसे शब्द सहन नहीं कर सकती। "कि मैं एडवर्ड रोचेस्टर की दुल्हन नहीं हूँ, यह मेरे दुख का सबसे छोटा हिस्सा है," मैंने कहा: "कि मैं सबसे शानदार सपनों से जाग उठी हूँ, और उन्हें सब व्यर्थ और निरर्थक पाया है, यह एक ऐसा भय है जिसे मैं सहन कर सकती हूँ और उस पर काबू पा सकती हूँ; लेकिन मुझे उसे निश्चित रूप से, तुरंत, पूरी तरह से छोड़ना होगा, यह असहनीय है। मैं ऐसा नहीं कर सकती।' लेकिन तभी, मेरे भीतर से एक आवाज़ आई

कि मैं ऐसा कर सकती हूँ और भविष्यवाणी की कि मुझे ऐसा करना ही होगा। मैं अपने संकल्प से जूझ रही थी: मैं कमज़ोर होना चाहती थी ताकि मैं आगे आने वाले भयानक कष्टों से बच सकूँ; और अंतरात्मा, अत्याचारी बनकर, वासना का गला थामकर, उसे ताना मारते हुए कहा कि उसने अभी तक दलदल में अपना कोमल पैर ही रखा है, और कसम खाई कि वह अपने लोहे के हाथ से उसे पीड़ा की अथाह गहराई में धकेल देगा। 'तो मुझे उससे अलग कर दिया जाए!' मैं चिल्लाई। 'कोई और मेरी मदद करे।'

जेन आयर 281 ईईई 'नहीं; तुम स्वयं को अलग कर लोगी, कोई तुम्हारी सहायता नहीं करेगा: तुम स्वयं अपनी दाहिनी आँख निकालोगी; स्वयं अपना दाहिना हाथ काटोगी: तुम्हारा हृदय ही शिकार होगा, और तुम ही उसे भेदने वाली पुजारी बनोगी।' मैं अचानक उठ खड़ी हुई, उस निर्दयी न्यायाधीश के सन्नाटे से भयभीत, उस भयानक आवाज से भरे सन्नाटे से। सीधा खड़े होते ही मेरा सिर चकरा गया। मैंने महसूस किया कि मैं उत्तेजना और कमजोरी से बीमार पड़ रही थी; उस दिन न तो मैंने कुछ खाया था और न ही कुछ पिया था, क्योंकि मैंने नाश्ता नहीं किया था। और, एक अजीब सी पीड़ा के साथ, मैंने सोचा कि इतने लंबे समय से यहाँ बंद रहने के बावजूद, किसी ने भी मेरा हालचाल पूछने या मुझे नीचे आने के लिए आमंत्रित करने के लिए कोई संदेश नहीं भेजा: न ही छोटी एडेल ने दरवाजा खटखटाया; न ही श्रीमती फेयरफैक्स ने मुझे ढूँढा। 'दोस्त हमेशा उन्हें भूल जाते हैं जिन्हें भाग्य छोड़ देता है,' मैंने बुदबुदाते हुए कुंडी खोली और बाहर निकल गई। मैं एक बाधा से टकराकर लड़खड़ा गया: मेरा सिर चकरा रहा था, मेरी दृष्टि धुंधली थी और मेरे हाथ-पैर कांप रहे थे। मैं जल्दी संभल नहीं पाया। मैं गिर पड़ा, लेकिन ज़मीन पर नहीं; एक फैली हुई बांह ने मुझे थाम लिया। मैंने ऊपर देखा—मुझे मिस्टर रोचेस्टर ने सहारा दिया हुआ था, जो मेरे कमरे के सामने वाली दहलीज पर एक कुर्सी पर बैठे थे। "आखिरकार तुम बाहर आ ही गई," उसने कहा। "अच्छा, मैं तुम्हारा लंबे समय से इंतज़ार कर रहा था, सुन रहा था: फिर भी मुझे एक भी हलचल या सिसकी सुनाई नहीं दी: पाँच मिनट और उस मौत जैसी खामोशी में, मैं चोर की तरह ताला तोड़ देता। तो तुम मुझसे दूर भाग रही हो?—तुम खुद को बंद करके अकेले शोक मना रही हो! काश तुम आती और मुझे गुस्से से फटकारती। तुम भावुक हो: मुझे किसी तरह के दृश्य की उम्मीद थी। मैं आँसुओं की गर्म बारिश के लिए तैयार था; बस मैं चाहता था कि वे मेरे सीने पर बहें: अब एक

बेजान ज़मीन ने उन्हें ग्रहण कर लिया है, या तुम्हारे भीगे हुए रूमाल ने। लेकिन मैं गलत हूँ: तुम बिल्कुल नहीं रोई! मुझे एक सफेद गाल और एक धुंधली आँख दिखाई दे रही है, लेकिन आँसुओं का कोई निशान नहीं। तो क्या मैं मान लूँ, तुम्हारा दिल खून रो रहा है? 'अच्छा, जेन! निंदा का एक शब्द भी नहीं? कुछ भी कड़वा नहीं—कुछ भी मार्मिक नहीं? कुछ भी ऐसा नहीं जो किसी भावना को ठेस पहुँचाए या किसी जुनून को भड़काए? तुम चुपचाप वहीं बैठी हो जहाँ मैंने तुम्हें बिठाया है, और मुझे एक थकी हुई, निष्क्रिय नज़र से देख रही हो। देखो। 'जेन, मेरा इरादा तुम्हें इस तरह चोट पहुँचाने का बिल्कुल नहीं था। अगर वह आदमी, जिसके पास एक छोटी सी मेमना थी, जो उसे बेटी की तरह प्यारी थी, जो उसी के साथ रोटी खाती थी, उसी के साथ पानी पीती थी और उसी की गोद में सोती थी, किसी गलती से उसे कसाईखाने में मार देता, तो उसे अपनी इस खूनी गलती पर उतना पछतावा नहीं होता जितना मुझे अब हो रहा है। क्या तुम मुझे कभी माफ़ करोगी?' पाठक, मैंने उसे उसी क्षण और उसी जगह माफ़ कर दिया। उसकी आँखों में इतना गहरा पछतावा था, उसकी आँखों में इतनी सच्ची दया थी।

282 जेन आयर - उनके लहजे में एक अलग ही जोश था, उनके व्यवहार में एक मर्दाना ऊर्जा थी; और इसके अलावा, उनकी पूरी नज़र और हावभाव में एक अटूट प्रेम झलक रहा था—मैंने उन्हें सब कुछ माफ कर दिया: लेकिन शब्दों में नहीं, बाहरी तौर पर नहीं; केवल अपने दिल की गहराई में। 'तुम जानती हो कि मैं एक बदमाश हूँ, जेन?' कुछ ही देर में उन्होंने उदास होकर पूछा—शायद मेरी लगातार चुप्पी और विनम्रता पर आश्चर्यचकित होते हुए, जो इच्छाशक्ति से ज़्यादा कमज़ोरी का नतीजा थी। 'जी हाँ।' 'तो मुझे इतनी स्पष्ट और तीखी बातें बताओ—मुझे मत छोड़ो।' 'नहीं छोड़ सकती: मैं थकी हुई और बीमार हूँ। मुझे पानी चाहिए।' उन्होंने एक गहरी आह भरी, और मुझे अपनी बाहों में उठाकर नीचे ले गए। पहले तो मुझे पता नहीं चला कि वे मुझे किस कमरे में ले गए हैं; मेरी धुंधली नज़र में सब कुछ अस्पष्ट था: थोड़ी देर बाद मुझे आग की ताज़गी भरी गर्माहट महसूस हुई; क्योंकि गर्मी का मौसम होने के बावजूद, मैं अपने कमरे में बर्फीली ठंड से काँप रही थी। उन्होंने मेरे होठों पर शराब लगाई; मैंने उसे चखा और तरोताज़ा हो गई; फिर मैंने वह कुछ खाया जो उसने मुझे दिया, और जल्द ही मैं पहले जैसी हो गई। मैं पुस्तकालय में थी—उसकी कुर्सी पर बैठी थी—वह बिल्कुल पास था। 'अगर मैं अब बिना किसी तीव्र पीड़ा के इस दुनिया

से चली जाऊं, तो यह मेरे लिए अच्छा होगा,' मैंने सोचा; 'तब मुझे मिस्टर रोचेस्टर से अलग होने के लिए अपने दिल के तार तोड़ने का प्रयास नहीं करना पड़ेगा। लगता है मुझे उसे छोड़ना ही होगा। मैं उसे छोड़ना नहीं चाहती—मैं उसे छोड़ नहीं सकती।' 'अब कैसी हो, जेन?' 'बहुत बेहतर, श्रीमान;' मैं जल्द ही ठीक हो जाऊँगा।' "जेन, वाइन का स्वाद फिर से चखो।" मैंने उनकी बात मानी; फिर उन्होंने गिलास मेज पर रखा, मेरे सामने खड़े हुए और मुझे ध्यान से देखा। अचानक, किसी भावुकता से भरी एक अस्पष्ट सी आवाज़ के साथ, वे मुड़ गए; वे कमरे में तेज़ी से चले गए और वापस आए; वे मेरी ओर झुके मानो मुझे चूमना चाहते हों; लेकिन मुझे याद आया कि अब स्पर्श करना मना था। मैंने अपना चेहरा दूसरी तरफ़ कर लिया और उनका चेहरा एक तरफ़ कर दिया। "क्या!—यह कैसे?" वे जल्दी से चिल्लाए। "ओह, मुझे पता है! तुम बर्था मेसन के पति को नहीं चूमोगे? तुम्हें लगता है कि मेरी बाहें भरी हुई हैं और मेरे आलिंगन पर मेरा अधिकार है?" "खैर, मेरे लिए न तो कोई जगह है और न ही कोई अधिकार, महोदय।" "क्यों, जेन? मैं तुम्हें ज़्यादा बात करने की परेशानी से बचाऊँगा; मैं तुम्हारे लिए जवाब दूँगा—क्योंकि मेरी पहले से ही एक पत्नी है, तुम जवाब दोगी। —क्या मैं सही अनुमान लगा रहा हूँ?" "अगर तुम ऐसा सोचते हो, तो मेरे बारे में तुम्हारी राय अजीब होगी; आपको मुझे एक षड्यंत्रकारी व्यभिचारी समझना चाहिए—एक नीच और अय्याश जो निस्वार्थ प्रेम का दिखावा कर रहा है ताकि...

जेन आयर 283 एसएसएस sresenereeeeseeee मैं तुम्हें जानबूझकर बिछाए गए जाल में फंसाकर, तुम्हारा सम्मान और आत्मसम्मान छीन लूंगी। इस पर तुम्हारा क्या कहना है? मुझे लगता है तुम कुछ नहीं कह सकतीं: पहली बात तो यह है कि तुम अभी भी कमजोर हो, और सांस लेने के लिए भी काफी कुछ करना बाकी है; दूसरी बात यह है कि तुम अभी तक मुझ पर आरोप लगाने और मुझे बुरा-भला कहने की आदी नहीं हो पाई हो, और इसके अलावा, आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है, और अगर तुम ज्यादा बोलीं तो वे बह निकलेंगे; और तुम्हें बहस करने, डांटने, हंगामा करने की कोई इच्छा नहीं है: तुम सोच रही हो कि क्या करना है—तुम्हें लगता है कि बात करना बेकार है। मैं तुम्हें जानती हूं— मैं सतर्क हूं।' 'महोदय, मैं आपके खिलाफ कुछ नहीं करना चाहती,' मैंने कहा; और मेरी कांपती आवाज ने मुझे अपना वाक्य छोटा करने की चेतावनी दी। 'तुम्हारे अर्थ में नहीं, बल्कि मेरे अर्थ में तुम मुझे बर्बाद करने की साजिश रच रही हो।' आपने मानो कह ही दिया है कि मैं शादीशुदा हूँ—एक शादीशुदा

आदमी होने के नाते आप मुझसे दूर रहेंगी, मेरे रास्ते से हट जाएँगी: अभी-अभी आपने मुझे चूमने से इनकार कर दिया है। आप मेरे लिए पूरी तरह से अजनबी बनना चाहती हैं: इस छत के नीचे केवल एडेल की देखभाल करने वाली बनकर रहना चाहती हैं; अगर कभी मैं तुमसे कोई दोस्ताना बात कहूँ, अगर कभी कोई दोस्ताना भावना तुम्हें फिर से मेरी तरफ आकर्षित करे, तो तुम कहोगी, “उस आदमी ने तो मुझे लगभग अपनी रखैल बना ही लिया था: मुझे उसके लिए बर्फ और पत्थर की तरह रहना होगा”; और तुम उसी के अनुसार बर्फ और पत्थर बन जाओगी। मैंने अपने स्वर को साफ और स्थिर करते हुए उत्तर दिया: “मेरे बारे में सब कुछ बदल गया है, महोदय; मुझे भी बदलना होगा—इसमें कोई संदेह नहीं है; और भावनाओं के उतार-चढ़ाव और यादों और धारणाओं के साथ लगातार संघर्ष से बचने का केवल एक ही तरीका है—एडेल के लिए एक नई गवर्नेंस होनी चाहिए, महोदय।” “ओह, एडेल स्कूल जाएगी—मैंने यह पहले ही तय कर लिया है; और न ही मैं तुम्हें थॉर्नफील्ड हॉल की भयानक धारणाओं और यादों से परेशान करना चाहता हूँ—यह शापित जगह—अचान का यह तम्बू—यह अभिमानी तहखाना, जो खुले आकाश के प्रकाश में जीवित मृत्यु की भयावहता प्रस्तुत करता है—यह संकरा पत्थर का नरक, जिसमें एक असली राक्षस है, जो हमारी कल्पना से भी बदतर है। जेन, तुम यहाँ नहीं रहोगी, न ही मैं ऐसा नहीं करूँगा। थॉर्नफील्ड हॉल में तुम्हें लाना मेरी गलती थी, क्योंकि मुझे पता था कि वह जगह भूतिया है। मैंने उन्हें निर्देश दिया था कि तुमसे, मेरे मिलने से पहले ही, उस जगह के श्राप के बारे में सारी जानकारी छुपा दें; सिर्फ इसलिए कि मुझे डर था कि अगर एडेल को पता चल जाए कि वह किसके साथ रह रही है, तो उसे कभी कोई गवर्नेंस नहीं मिलेगी, और मेरी योजनाएँ मुझे उस पागल को कहीं और ले जाने की इजाज़त नहीं देती थीं—हालाँकि मेरे पास फर्नेडियन मैनर नाम का एक पुराना घर है, जो इससे भी ज़्यादा एकांत और छिपा हुआ है, जहाँ मैं उसे सुरक्षित रूप से रख सकता था, अगर जंगल के बीचोंबीच स्थित उस जगह की अस्वस्थता के बारे में मेरी अंतरात्मा ने मुझे ऐसा करने से न रोका होता।

———

eE=I=&="===&=&=Keaea@ape_™===>== व्यवस्था। शायद उन नम दीवारों से मुझे जल्द ही उसके आरोप से छुटकारा मिल जाता: लेकिन हर खलनायक की अपनी बुराई होती है; और मेरी प्रवृत्ति अप्रत्यक्ष हत्या की नहीं है, यहाँ

तक कि उस चीज़ की भी जिससे मुझे सबसे ज़्यादा नफ़रत है। हालाँकि, उस पागल औरत के पड़ोस को तुमसे छिपाना, किसी बच्चे को लबादे से ढककर उपास के पेड़ के पास लिटाने जैसा था: उस शैतान का इलाका ज़हरीला है, और हमेशा से रहा है। लेकिन मैं थॉर्नफील्ड हॉल को बंद कर दूँगा: मैं सामने का दरवाज़ा बंद कर दूँगा और नीचे की खिड़कियों पर तख्ते लगा दूँगा: मैं श्रीमती पूल को यहाँ मेरी पत्नी के साथ रहने के लिए सालाना दो सौ दूँगा, जैसा कि तुम उस भयानक डायन को कहते हो: ग्रेस पैसे के लिए बहुत कुछ करेगी, और उसका बेटा, ग्रिम्सबी रिट्रीट का रखवाला, उसका साथ देगा और मेरी पत्नी के दौरे पड़ने पर उसकी मदद के लिए मौजूद रहेगा। रात में लोगों को उनके बिस्तर पर जलाना, उन्हें चाकू मारना, उनकी हड्डियों से मांस नोच लेना, इत्यादि - ये सब आम बात है। 'महोदय,' मैंने उन्हें बीच में ही रोकते हुए कहा, 'आप उस अभागी महिला के प्रति निर्दयी हैं: आप उसके बारे में नफरत से, प्रतिशोधी घृणा से बात करते हैं। यह क्रूरता है - वह पागल होने से बच नहीं सकती।' 'जेन, मेरी प्यारी (मैं तुम्हें इसी नाम से पुकारूंगा, क्योंकि तुम हो ही), तुम्हें पता नहीं तुम क्या कह रही हो; तुम मुझे फिर से गलत समझ रही हो: मैं उससे इसलिए नफरत नहीं करता क्योंकि वह पागल है। अगर तुम पागल होतीं, तो क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुमसे नफरत करता?' 'हाँ, बिल्कुल करता हूँ, महोदय।' 'तो तुम गलत हो, और तुम मेरे बारे में कुछ नहीं जानतीं, और न ही उस तरह के प्यार के बारे में जो मैं कर सकता हूँ। तुम्हारे शरीर का हर कण मुझे उतना ही प्यारा है जितना मेरा अपना: दर्द और बीमारी में भी यह प्यारा रहेगा।' तुम्हारा मन मेरा खजाना है, और अगर यह टूट भी जाए, तो भी मेरा खजाना ही रहेगा: अगर तुम गुस्से में पागल हो जाओ, तो मेरी बाहें तुम्हें जकड़ लेंगी, न कि कोई तंग जैकेट—गुस्से में भी तुम्हारा आलिंगन मेरे लिए मोहक होगा: अगर तुम मुझ पर उस औरत की तरह बेतहाशा टूट पड़ो, तो मैं तुम्हें गले लगा लूँगा, कम से कम उतना ही प्यार से जितना कि बंधनकारी। मैं तुमसे घृणा से दूर नहीं हटूँगा जैसा कि मैं उससे हटा था: तुम्हारे शांत पलों में तुम्हारे पास मेरे सिवा कोई देखने वाला या देखभाल करने वाला नहीं होगा; और मैं अथक कोमलता से तुम्हारे ऊपर मंडराता रहूँगा, भले ही तुम बदले में मुझे मुस्कुराकर जवाब न दो; और तुम्हारी आँखों में देखते-देखते कभी नहीं थकूँगा, भले ही उनमें अब मेरे लिए कोई पहचान की किरण न हो।—लेकिन मैं इन विचारों की श्रृंखला में क्यों उलझ रहा हूँ? मैं तुम्हें थॉर्नफील्ड से ले जाने की बात कर रहा था। सब कुछ, जैसा कि तुम जानती हो, शीघ्र प्रस्थान के लिए तैयार

है: कल तुम चली जाओगी। मैं तुमसे बस इतना ही अनुरोध करता हूँ कि तुम इस छत के नीचे एक और रात सह लो, जेन; और फिर, इसके दुखों और भय को अलविदा। जेन आयर 285 एलएसएस हमेशा के लिए! मेरे पास जाने के लिए एक जगह है, जो घृणित यादों, अवांछित दखलअंदाजी—यहाँ तक कि झूठ और बदनामी से भी एक सुरक्षित पनाहगाह होगी।' 'और एडेल को अपने साथ ले जाइए, महोदय,' मैंने बीच में ही कहा; 'वह आपकी साथी होगी।' 'क्या मतलब है, जेन? मैंने तुमसे कहा था कि मैं एडेल को स्कूल भेजूँगा; और मुझे साथी के रूप में एक बच्ची की क्या ज़रूरत है, और वह भी मेरी अपनी बच्ची नहीं,—एक फ्रांसीसी नर्तकी की नाजायज संतान? तुम उसके बारे में मुझसे क्यों ज़िद कर रही हो! मैं कहता हूँ, तुम एडेल को मेरे साथी के रूप में क्यों सौंप रही हो?' 'आपने एकांत की बात की थी, महोदय; और एकांत और अकेलापन नीरस होते हैं: आपके लिए बहुत नीरस।' 'अकेलापन! अकेलापन!' उन्होंने चिड़चिड़ाते हुए दोहराया। 'मुझे लगता है कि मुझे स्पष्टीकरण देना होगा। मुझे नहीं पता कि आपके चेहरे पर कौन सा रहस्यमय भाव बन रहा है। आपको मेरे अकेलेपन में शामिल होना है।' क्या तुम समझ रहे हो?' मैंने सिर हिलाया: वह जिस तरह से उत्तेजित हो रहा था, उस मौन असहमति के संकेत को व्यक्त करने के लिए भी साहस की आवश्यकता थी। वह कमरे में तेज़ी से चल रहा था, और अचानक रुक गया, मानो एक ही जगह जम गया हो। उसने मुझे देर तक घूरकर देखा: मैंने अपनी नज़रें उससे हटाकर आग पर टिका दीं, और शांत, संयमित दिखने की कोशिश की। 'अब जेन के चरित्र में जो अड़चन है,' उसने अंत में कहा, उसकी आवाज़ उसके हाव-भाव से कहीं अधिक शांत थी, जितनी मैंने उससे उम्मीद की थी। "रेशम की रील अब तक तो सुचारू रूप से चल रही थी; लेकिन मुझे हमेशा से पता था कि कोई न कोई उलझन और पहेली जरूर आएगी: और वो आ गई। अब झुंझलाहट, झुंझलाहट और अंतहीन मुसीबत का समय है! हे भगवान! मैं सैमसन की थोड़ी सी ताकत लगाकर इस उलझन को सूत की तरह तोड़ देना चाहता हूँ!" वह फिर चलने लगा, लेकिन थोड़ी देर बाद फिर रुक गया, और इस बार मेरे ठीक सामने। "जेन! क्या तुम मेरी बात मानोगी?" (वह झुका और अपने होंठ मेरे कान के पास लाया); "क्योंकि अगर तुम नहीं मानोगी, तो मैं हिंसा का सहारा लूँगा।" उसकी आवाज कर्कश थी; उसका चेहरा ऐसा था मानो वह किसी असहनीय बंधन को तोड़कर बेलगाम हो जाएगा। मैंने देखा कि एक और पल में, और उन्माद के एक और झटके से, मैं उसके साथ कुछ नहीं कर पाऊँगी।

वर्तमान क्षण—समय का बीतता हुआ पल—ही मेरे पास उसे नियंत्रित और संयमित करने का एकमात्र साधन था: घृणा, पलायन या भय का एक भी क्षण मेरी और उसकी मृत्यु का कारण बन जाता। लेकिन मैं डरी नहीं थी: बिलकुल नहीं। मैंने एक आंतरिक शक्ति का अनुभव किया; प्रभाव का एक अहसास, जिसने मुझे सहारा दिया। 'संकट खतरनाक था; लेकिन इसमें आकर्षण भी था: शायद वैसा ही जैसा एक भारतीय तब महसूस करता है जब वह

286 जेन आयर _— वह अपनी डोंगी में तेज़ धारा पर फिसल गया। मैंने उसका मुट्ठी बंद हाथ पकड़ा, उसकी मुड़ी हुई उंगलियों को ढीला किया और उसे दिलासा देते हुए कहा— बैठ जाओ; मैं तुमसे जितनी देर चाहो बात करूंगी, और तुम्हारी हर बात सुनूंगी, चाहे वह तर्कसंगत हो या अतार्किक।' वह बैठ गया: लेकिन उसे सीधे बोलने की अनुमति नहीं मिली। मैं कुछ समय से आँसुओं से जूझ रही थी: मैंने उन्हें रोकने की बहुत कोशिश की थी, क्योंकि मैं जानती थी कि वह मुझे रोते हुए नहीं देखना चाहेगा। लेकिन अब, मैंने सोचा कि उन्हें जितना चाहे और जितनी देर चाहे बहने देना ही बेहतर है। अगर आँसुओं की बाढ़ उसे परेशान करती है, तो और भी अच्छा। इसलिए मैं फूट-फूटकर रोने लगी। थोड़ी देर बाद मैंने उसे मुझे शांत रहने के लिए विनती करते हुए सुना। मैंने कहा कि जब तक वह इतने आवेश में है, मैं शांत नहीं रह सकती। 'लेकिन मैं नाराज़ नहीं हूँ, जेन: मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ; और तुमने अपने छोटे से पीले चेहरे पर ऐसा दृढ़, स्थिर भाव बना लिया था, जिसे मैं सहन नहीं कर सका। चुप रहो, और अपनी आँखें पोंछ लो।' उनकी नरम आवाज़ से पता चला कि वे शांत हो गए हैं; इसलिए मैं भी शांत हो गई। अब उन्होंने अपना सिर मेरे कंधे पर रखने की कोशिश की, लेकिन मैंने उन्हें ऐसा करने नहीं दिया। फिर उन्होंने मुझे अपनी ओर खींचने की कोशिश की: नहीं। 'जेन! जेन!' उन्होंने इतनी गहरी उदासी भरी आवाज़ में कहा कि मेरी हर नस काँप उठी; 'तो तुम मुझसे प्यार नहीं करती? क्या तुम्हें सिर्फ़ मेरी हैसियत और पत्नी होने का रुतबा ही मायने रखता था? अब जब तुम मुझे अपना पति बनने के लायक नहीं समझती, तो मेरे स्पर्श से ऐसे दूर भागती हो जैसे मैं कोई मेंढक या बंदर हूँ।' इन शब्दों ने मुझे बहुत दुख पहुँचाया: फिर भी मैं क्या कर सकती थी या क्या कह सकती थी? शायद मुझे कुछ भी नहीं करना चाहिए था या कुछ नहीं कहना चाहिए था; लेकिन उनके दिलों को ठेस पहुँचाने के पछतावे से मैं इतनी व्याकुल थी कि मैं अपने घाव पर मरहम लगाने की इच्छा को रोक नहीं पाई। 'मैं तुमसे प्यार करती हूँ,' मैंने

कहा, 'पहले से कहीं ज़्यादा: लेकिन मुझे यह भावना दिखानी या ज़ाहिर नहीं करनी चाहिए: और यह आखिरी बार है जब मुझे इसे ज़ाहिर करना है।' "आखिरी बार, जेन! क्या! तुम्हें लगता है कि तुम मेरे साथ रह सकती हो, मुझे रोज़ देख सकती हो, और फिर भी, अगर तुम मुझसे प्यार करती हो, तो हमेशा ठंडी और दूर रहोगी?" "नहीं, श्रीमान; मुझे पूरा यकीन है कि मैं ऐसा नहीं कर सकती; और इसलिए मुझे लगता है कि एक ही रास्ता है: लेकिन अगर मैंने इसका ज़िक्र किया तो आप बहुत गुस्सा होंगे।" "अरे, ज़िक्र ही क्यों! अगर मैं गुस्सा हो जाऊं, तो तुम्हें रोने की कला आती है।" "मिस्टर रोचेस्टर, मुझे जाना होगा।" "इतनी देर के लिए, जेन? कुछ मिनटों के लिए, जब तक तुम अपने बाल संवार लो—जो थोड़े बिखरे हुए हैं; और अपना चेहरा धो लो —जो बुखार से लाल लग रहा है?" "मुझे एडेल और थॉर्नफील्ड को छोड़ना होगा। मुझे आपसे विदा लेनी होगी।"

जेन आयर 287 ————————_—_—_——— 'अपने पूरे जीवन के लिए: मुझे अजनबी चेहरों और अजनबी दृश्यों के बीच एक नया जीवन शुरू करना होगा।' 'बेशक: मैंने तुमसे कहा था कि तुम्हें ऐसा करना चाहिए। मैं मुझसे बिछड़ने के पागलपन को नज़रअंदाज़ करता हूँ। तुम्हारा मतलब है कि तुम्हें मेरा हिस्सा बनना होगा। नए जीवन की बात करें तो, यह ठीक है: तुम अब भी मेरी पत्नी रहोगी: मैं शादीशुदा नहीं हूँ। तुम श्रीमती रोचेस्टर रहोगी—वास्तव में भी और नाम के लिए भी। जब तक हम दोनों जीवित रहेंगे, मैं केवल तुम्हारे साथ रहूँगा। तुम दक्षिण फ्रांस में मेरे एक घर में जाओगी: भूमध्य सागर के तट पर एक सफ़ेद रंग का विला। वहाँ तुम एक सुखी, सुरक्षित और अत्यंत निर्दोष जीवन व्यतीत करोगी। कभी मत डरना कि मैं तुम्हें बहकाने की कोशिश कर रहा हूँ—तुम्हें अपनी रखैल बनाने की। तुमने अपना सिर क्यों हिलाया? जेन, तुम्हें समझदारी से काम लेना होगा, वरना सच में मैं फिर से पागल हो जाऊँगा।' उसकी आवाज़ और हाथ काँप रहे थे: उसके बड़े नथुने फैल गए; उनकी आंखें धधक रही थीं: फिर भी मैंने बोलने का साहस किया। 'महोदय, आपकी पत्नी जीवित हैं: यह बात आपने आज सुबह स्वयं स्वीकार की है। यदि मैं आपकी इच्छा के अनुसार आपके साथ रहती, तो मैं आपकी रखैल होती: इसके विपरीत कहना कुतर्क है —झूठ है।' 'जेन, मैं शांत स्वभाव का पुरुष नहीं हूँ—यह भूल जाओ: मैं सहनशील नहीं हूँ; मैं शांत और उदासीन नहीं हूँ। मुझ पर और स्वयं पर दया करो, मेरी नब्ज़ पर उंगली रखो, उसकी धड़कन महसूस करो, और—सावधान!' उन्होंने अपनी कलाई नंगी

की और मुझे दिखाई: उनके गाल और होंठ खून से लाल हो रहे थे, वे पीले पड़ रहे थे; मैं बुरी तरह व्याकुल थी। उन्हें इस प्रकार गहराई से उत्तेजित करना, उस प्रतिरोध से जिसे वे इतना नापसंद करते थे, क्रूरता थी: हार मानना तो नामुमकिन था। मैंने वही किया जो मनुष्य सहज रूप से तब करते हैं जब वे घोर संकट में होते हैं—मनुष्य से परे किसी शक्ति से सहायता मांगी: 'भगवान मेरी मदद करें!' शब्द अनायास ही मेरे होठों से निकल गए। 'मैं कितना मूर्ख हूँ!' श्री रोचेस्टर अचानक चिल्लाए। 'मैं उसे बार-बार यही कहता रहता हूँ कि मेरी शादी नहीं हुई है, और उसे इसका कारण नहीं बताता। मैं भूल जाता हूँ कि उसे उस औरत के स्वभाव के बारे में कुछ नहीं पता, न ही उसके साथ मेरे इस घिनौने रिश्ते की वजहों के बारे में। ओह, मुझे पूरा यकीन है कि जेन मुझसे सहमत होगी, जब उसे सब कुछ पता चल जाएगा! जेनेट, ज़रा अपना हाथ मेरे हाथ में रख दो— ताकि मुझे तुम्हारे पास होने का एहसास हो—और मैं तुम्हें कुछ ही शब्दों में सारी सच्चाई बता दूँगा। क्या तुम मेरी बात सुन सकती हो?' 'जी हाँ, महोदय; घंटों तक सुन सकती हूँ।' 'मैं बस कुछ मिनट ही तो पूछ रहा हूँ। जेन, क्या तुमने कभी सुना या जाना है कि मैं अपने घर का सबसे बड़ा बेटा नहीं था: कि मेरा एक भाई था जो मुझसे बड़ा था?'

288 जेन आयर — 'मुझे याद है श्रीमती फेयरफैक्स ने एक बार मुझसे ऐसा कहा था।' 'और क्या तुमने कभी सुना है कि मेरे पिता एक लालची, लोभी आदमी थे?' 'मैंने कुछ ऐसा ही सुना है।' 'खैर, जेन, ऐसा होने के कारण, उन्होंने संपत्ति को एकजुट रखने का फैसला किया था; वे अपनी संपत्ति को बांटने और मुझे एक उचित हिस्सा देने का विचार सहन नहीं कर सकते थे: उन्होंने तय किया कि सब कुछ मेरे भाई, रोलैंड को मिलेगा। फिर भी, वे यह भी बर्दाश्त नहीं कर सकते थे कि उनका बेटा गरीब रहे। मेरी शादी एक अमीर व्यक्ति से होनी चाहिए। उन्होंने मेरे लिए जल्दी ही एक साथी की तलाश की। श्री मेसन, एक वेस्ट इंडीज के बागान मालिक और व्यापारी, उनके पुराने परिचित थे। उन्हें यकीन था कि उनकी संपत्ति वास्तविक और विशाल है: उन्होंने पूछताछ की। उन्हें पता चला कि श्री मेसन के एक बेटा और एक बेटी थी; और उन्होंने उनसे जाना कि वे बेटी को तीस हजार पाउंड की संपत्ति दे सकते हैं और देंगे: यह काफी था। जब मैंने कॉलेज छोड़ा, तो मुझे जमैका भेज दिया गया, ताकि मैं एक ऐसी दुल्हन से शादी कर सकूँ जो पहले से ही मेरे लिए तय थी।' मेरे पिता ने उसके धन के बारे में कुछ नहीं कहा; लेकिन उन्होंने मुझे बताया कि मिस मेसन अपनी

सुंदरता के लिए स्पैनिश टाउन में मशहूर थीं: और यह झूठ नहीं था। मैंने उन्हें ब्लैंच इंग्राम जैसी सुंदर महिला पाया: लंबी, सांवली और राजसी। उनका परिवार मुझे अपने परिवार से जोड़ना चाहता था क्योंकि मैं अच्छे खानदान का था; और वह भी यही चाहती थीं। वे उन्हें पार्टियों में शानदार ढंग से सजे-धजे मुझे दिखाते थे। मैंने उन्हें शायद ही कभी अकेले देखा हो, और उनसे बहुत कम निजी बातचीत हुई हो। वह मेरी चापलूसी करती थीं, और मुझे खुश करने के लिए अपने आकर्षण और गुणों का खुलकर प्रदर्शन करती थीं। उनके सभी पुरुष उनकी प्रशंसा करते और मुझसे ईर्ष्या करते प्रतीत होते थे। मैं चकाचौंध हो गया, उत्तेजित हो गया: मेरी इंद्रियां उत्तेजित हो गईं; और अज्ञानी, अनुभवहीन और नासमझ होने के कारण, मुझे लगा कि मैं उनसे प्यार करता हूँ। ऐसी कोई मूर्खता नहीं है जो समाज की मूर्खतापूर्ण प्रतिद्वंद्विता, कामुकता, जल्दबाजी, जवानी के अंधेपन से इतनी प्रेरित न हो कि कोई व्यक्ति उसे करने के लिए मजबूर न हो जाए। उनके रिश्तेदारों ने मुझे प्रोत्साहित किया; प्रतिद्वंद्वियों ने मुझे उकसाया; उसने मुझे मोहित कर लिया: शादी हो गई, मुझे पता भी नहीं चला कि मैं कहाँ हूँ। ओह, उस कृत्य के बारे में सोचकर मुझे अपने लिए कोई सम्मान नहीं रह जाता! - मेरे भीतर घृणा की पीड़ा मुझे जकड़ लेती है। मैंने कभी उससे प्यार नहीं किया, कभी उसका सम्मान नहीं किया, मैं उसे जानता तक नहीं था। मुझे उसके स्वभाव में किसी भी सद्गुण के अस्तित्व का यकीन नहीं था: मैंने उसके मन या व्यवहार में न तो विनम्रता, न दयालुता, न स्पष्टवादिता, न ही परिष्कार देखा - और, मैंने उससे शादी कर ली: - मैं कितना बड़ा मूर्ख, नीच, मूर्ख था! शायद मैंने इससे कम पाप किया होता - लेकिन मुझे याद रखना चाहिए कि मैं किससे बात कर रहा हूँ। 'मैंने अपनी दुल्हन की माँ को कभी नहीं देखा था: मुझे लगा था कि वह मर चुकी है। हनीमून खत्म होने पर, मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ; वह केवल पागल थी, और उसे पागलखाने में बंद कर दिया गया था।

जेन आयर 289 बू ईएई से एह जीईएस सेंट एक छोटा भाई भी है—एकदम बेवकूफ। बड़ा भाई, जिसे आप देख चुके हैं (और जिससे मैं नफरत नहीं कर सकती, जबकि मैं उसके सभी रिश्तेदारों से घृणा करती हूँ, क्योंकि उसके कमजोर दिमाग में थोड़ी सी भी स्नेह की भावना बची है, जो उसकी अभागी बहन में उसकी निरंतर रुचि और मेरे प्रति उसके कुत्ते जैसे लगाव से ज़ाहिर होती है), शायद एक दिन उसी हालत में होगा। मेरे पिता और मेरे भाई रोलैंड को यह सब पता था; लेकिन वे सिर्फ तीस हज़ार पाउंड

के बारे में सोचते थे और मेरे खिलाफ साजिश में शामिल हो गए। “ये घिनौनी खोजें थीं; लेकिन अगर छिपाने की धोखेबाजी न होती, तो मैं इन्हें अपनी पत्नी के सामने निंदा का विषय न बनाता, तब भी जब मैंने पाया कि उसका स्वभाव मुझसे बिल्कुल अलग है, उसकी पसंद मुझे नापसंद है, उसका दिमाग साधारण, नीच, संकीर्ण और किसी भी उच्चतर या व्यापक चीज़ की ओर बढ़ने में पूरी तरह असमर्थ है—जब मैंने पाया कि मैं उसके साथ एक भी शाम या दिन का एक भी घंटा आराम से नहीं बिता सकता; कि हमारे बीच मधुर बातचीत नहीं हो सकती, क्योंकि मैं जो भी विषय शुरू करता, वह तुरंत उसे अशिष्ट और तुच्छ, विकृत और मूर्खतापूर्ण मोड़ दे देती—जब मैंने महसूस किया कि मेरा घर कभी शांत या स्थिर नहीं रहेगा, क्योंकि कोई भी नौकर उसके हिंसक और अनुचित स्वभाव के लगातार प्रकोप या उसके बेतुके, विरोधाभासी और कठोर आदेशों की झुंझलाहट को सहन नहीं कर सकता—तब भी मैंने खुद को रोका: मैंने फटकार से परहेज किया, मैंने विरोध को कम किया; मैंने अपने पश्चाताप और घृणा को गुप्त रूप से दबाने की कोशिश की; मैंने अपने अंदर की भावनाओं को दबा दिया।” मुझे उससे गहरी घृणा महसूस हुई। 'जेन, मैं तुम्हें घिनौनी बातों से परेशान नहीं करूँगा: कुछ कड़े शब्दों से ही मैं अपनी बात कह पाऊँगा। मैं उस ऊपर वाली औरत के साथ चार साल रहा, और उससे पहले ही उसने मेरी परीक्षा ले ली थी: उसका चरित्र भयानक तेज़ी से परिपक्व और विकसित हुआ; उसकी बुराइयाँ तेज़ी से और घिनौनी रूप से पनप उठीं: वे इतनी प्रबल थीं कि केवल क्रूरता ही उन्हें रोक सकती थी, और मैं क्रूरता का प्रयोग नहीं करना चाहता था। उसकी बुद्धि कितनी बौनी थी, और उसकी प्रवृत्तियाँ कितनी विशाल थीं! उन प्रवृत्तियों ने मुझ पर कितने भयानक अभिशाप डाले! बर्था मेसन, एक कुख्यात माँ की असली बेटी, ने मुझे उन सभी भयानक और अपमानजनक पीड़ाओं से गुज़ारा जो एक ऐसे पुरुष को झेलनी पड़ती हैं जो एक साथ अनियंत्रित और अपवित्र पत्नी से बंधा हो। 'इस बीच मेरा भाई मर गया, और चार साल के अंत में मेरे पिता भी चल बसे। मैं अब काफी अमीर था—फिर भी भयानक रूप से गरीब था: एक ऐसा स्वभाव जो मैंने अब तक देखा था, सबसे घिनौना, अशुद्ध, पतित, मेरे साथ जुड़ा हुआ था, और जिसे कानून और समाज द्वारा मेरे स्वभाव का हिस्सा कहा जाता था। मुझे। और मैं किसी भी कानूनी कार्यवाही से इससे छुटकारा नहीं पा सका: क्योंकि डॉक्टरों ने अब पता लगा लिया है

पागलपन के बीज बो दिए थे। जेन, तुम्हें मेरी कहानी पसंद नहीं आ रही; तुम लगभग बीमार लग रही हो—क्या मैं बाकी बातें किसी और दिन के लिए टाल दूं?' 'नहीं, महोदय, इसे अभी समाप्त कीजिए; मुझे आप पर दया आती है—मुझे सचमुच आप पर दया आती है।' 'जेन, कुछ लोगों से दया एक हानिकारक और अपमानजनक प्रकार की श्रद्धांजलि होती है, जिसे देने वाले के मुंह पर वापस फेंक देना उचित है; लेकिन यह उस प्रकार की दया है जो कठोर, स्वार्थी हृदयों में स्वाभाविक रूप से पाई जाती है; यह दुखों को सुनकर एक मिश्रित, अहंकारी पीड़ा है, जो उन लोगों के प्रति अज्ञानतापूर्ण तिरस्कार से भरी है जिन्होंने उन्हें सहा है। लेकिन यह तुम्हारी दया नहीं है, जेन; यह वह भावना नहीं है जिससे तुम्हारा पूरा चेहरा इस समय भरा हुआ है—जिससे तुम्हारी आंखें लगभग छलक रही हैं—जिससे तुम्हारा दिल धड़क रहा है—जिससे तुम्हारा हाथ मेरे हाथ में कांप रहा है। मेरी प्रियतमा, तुम्हारी दया प्रेम की पीड़ादायी जननी है: इसकी व्यथा दिव्य जुनून की जन्मदर्द है। मैं इसे स्वीकार करता हूँ, जेन; बेटी को स्वतंत्र रूप से आने दो—मेरी बाहें उसका स्वागत करने के लिए तत्पर हैं।' 'अब, महोदय, आगे बताइए; जब आपको पता चला कि वह पागल है, तो आपने क्या किया?' 'जेन, मैं निराशा के कगार पर पहुँच गया था; आत्मसम्मान का एक अंश ही मेरे और खाई के बीच एकमात्र बाधा था। दुनिया की नज़रों में, मैं निस्संदेह कलंकित था; लेकिन मैंने अपनी नज़रों में पवित्र रहने का संकल्प लिया—और अंत तक मैंने उसके अपराधों के दाग को नकार दिया, और खुद को उसकी मानसिक कमियों से अलग कर लिया। फिर भी, समाज मेरे नाम और व्यक्तित्व को उससे जोड़ता था; मैं उसे रोज़ देखता और सुनता था: उसकी साँसों की कुछ गंध (छी!) मेरी साँसों में घुली रहती थी; और इसके अलावा, मुझे याद था कि मैं कभी उसका पति था—वह याद तब भी और अब भी मेरे लिए असहनीय रूप से घृणित है; इसके अलावा, मैं जानता था कि जब तक वह जीवित रहेगी, मुझे कभी कोई दूसरी और बेहतर पत्नी नहीं मिल सकती; और, यद्यपि वह मुझसे पाँच साल बड़ी थी (उसके परिवार और उसके पिता ने उसकी उम्र के बारे में भी मुझसे झूठ बोला था), फिर भी उसके मेरे जितनी ही लंबी उम्र जीने की संभावना थी, क्योंकि वह शारीरिक रूप से जितनी स्वस्थ थी, मानसिक रूप से उतनी ही दुर्बल थी। इस प्रकार, छब्बीस वर्ष की आयु में, मैं निराश था। > 'एक रात मैं उसकी चीखों से जाग गया—(चूँकि डॉक्टरों ने उसे पागल घोषित कर दिया था, इसलिए उसे कमरे में बंद कर दिया गया था)—वह

वेस्ट इंडीज की एक तूफानी रात थी; वैसी ही जैसी अक्सर वहाँ के तूफानों से पहले आती है। बिस्तर पर नींद न आने के कारण, मैं उठा और खिड़की खोली। हवा गंधक की भाप जैसी थी—मुझे कहीं भी ताजगी नहीं मिली। मच्छर भिनभिनाते हुए अंदर आए और भिनभिनाने लगे।

जेन आयर 291 कमरे में चारों ओर उदास निगाहें घुमा रही थी; समुद्र, जिसकी आवाज़ मुझे वहाँ से सुनाई दे रही थी, भूकंप की तरह धीमी गड़गड़ाहट कर रहा था—उसके ऊपर काले बादल छा रहे थे; चाँद लहरों में डूब रहा था, चौड़ा और लाल, जैसे कोई गर्म तोप का गोला—उसने तूफ़ान के उथल-पुथल से काँपती दुनिया पर अपनी आखिरी खूनी नज़र डाली। मैं उस वातावरण और दृश्य से शारीरिक रूप से प्रभावित था, और मेरे कान उस पागल औरत की चीखों से भर गए थे; जिसमें उसने क्षण भर के लिए मेरा नाम ऐसे राक्षसी घृणा के स्वर में, ऐसी भाषा में लिया!—किसी भी वेश्या ने उससे ज़्यादा गंदी शब्दावली का इस्तेमाल नहीं किया होगा: हालाँकि दो कमरे दूर था, मैंने हर शब्द सुना—वेस्ट इंडिया हाउस के पतले विभाजन उसकी भेड़िया जैसी चीखों में मामूली बाधा थे। अंत में मैंने कहा, 'यह जीवन नरक है: यह हवा है—ये अथाह गड्ढे की आवाज़ें हैं! अगर हो सके तो मुझे इससे मुक्ति पाने का पूरा अधिकार है। इस नश्वर अवस्था के कष्ट मुझे उस भारी शरीर के साथ छोड़ देंगे जो अब मेरी आत्मा पर बोझ है। मुझे कट्टरपंथी की जलती हुई अनंतता का कोई भय नहीं है: भविष्य में इस वर्तमान अवस्था से बदतर कोई अवस्था नहीं है—मुझे इससे मुक्त होने दो, और ईश्वर के पास घर जाने दो!' मैंने यह तब कहा जब मैं घुटनों के बल बैठा था और एक संदूक खोल रहा था जिसमें दो भरी हुई पिस्तौलें थीं: मेरा इरादा खुद को गोली मारने का था। मैंने यह इरादा केवल एक क्षण के लिए ही किया; क्योंकि पागल न होने के कारण, घोर निराशा का वह संकट, जिसने आत्म-विनाश की इच्छा और योजना को जन्म दिया था, एक पल में ही बीत गया। यूरोप से एक ताज़ी हवा समुद्र के ऊपर से बहकर खुली खिड़की से अंदर आई: तूफान टूटा, बह निकला, गरजा, चमका और हवा शुद्ध हो गई। तब मैंने एक संकल्प लिया और उसे पक्का कर लिया। जब मैं अपने गीले बगीचे के टपकते संतरे के पेड़ों के नीचे, और भीगे हुए अनार और अनानास के बीच चल रही थी, और जब उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की चमकीली सुबह मेरे चारों ओर फैल रही थी—मैंने इस प्रकार सोचा, जेन—और अब सुनो; क्योंकि उस घड़ी में सच्ची बुद्धिमत्ता ने ही मुझे सांत्वना दी और मुझे सही मार्ग दिखाया। "यूरोप से

आने वाली मीठी हवा अभी भी ताज़ा पत्तियों में सरसरा रही थी, और अटलांटिक महासागर अपनी गौरवशाली स्वतंत्रता में गरज रहा था; मेरा हृदय, जो लंबे समय से सूखा और झुलसा हुआ था, उस स्वर से भर उठा, और जीवनदायी रक्त से भर गया —मेरा अस्तित्व नवीनीकरण के लिए तरस रहा था—मेरी आत्मा शुद्ध जल के लिए प्यासी थी। मैंने आशा को पुनर्जीवित होते देखा—और पुनर्जन्म को संभव महसूस किया। अपने बगीचे के निचले भाग में एक फूलों से सजे मेहराब से मैंने समुद्र को देखा—आकाश से भी नीला: पुरानी दुनिया परे थी; स्पष्ट संभावनाएं इस प्रकार खुलीं: — "जाओ," आशा ने कहा, "और यूरोप में फिर से जियो: वहाँ यह नहीं है"

 —————————————— आप जानते हैं कि आपका नाम कितना कलंकित है, और आप पर कितना घिनौना बोझ है। आप उस पागल को अपने साथ इंग्लैंड ले जा सकते हैं; थॉर्नफील्ड में उसकी उचित देखभाल और सावधानी के साथ उसे कैद कर सकते हैं: फिर आप स्वयं जिस भी जगह जाना चाहें, जा सकते हैं और जो भी नया रिश्ता चाहें बना सकते हैं। वह स्त्री, जिसने आपके धैर्य का इतना दुरुपयोग किया है, आपके नाम को इतना कलंकित किया है, आपके सम्मान को इतना ठेस पहुँचाई है, आपकी जवानी को इतना बर्बाद किया है, वह न तो आपकी पत्नी है और न ही आप उसके पति हैं। सुनिश्चित करें कि उसकी स्थिति के अनुसार उसकी देखभाल की जाए, और आपने वह सब कर दिया है जो ईश्वर और मानवता आपसे चाहती है। उसकी पहचान, आपके साथ उसका संबंध, विस्मृति में दफन हो जाए: आप उन्हें किसी भी जीवित प्राणी को बताने के लिए बाध्य नहीं हैं। उसे सुरक्षा और आराम दें: उसकी बदनामी को गुप्त रखें, और उसे छोड़ दें। मैंने ठीक इसी सुझाव पर अमल किया। मेरे पिता और भाई ने मेरी शादी के बारे में अपने किसी भी परिचित को नहीं बताया था; क्योंकि, मैंने उन्हें इस रिश्ते के बारे में सूचित करने के लिए जो पहला पत्र लिखा था—जिसके परिणामों से मुझे पहले ही अत्यधिक घृणा होने लगी थी, और परिवार के स्वभाव और संरचना को देखते हुए, मुझे अपने लिए एक भयावह भविष्य दिखाई दे रहा था—उसमें मैंने इसे गुप्त रखने का पुरजोर निर्देश दिया था: और बहुत जल्द मेरे पिता द्वारा मेरे लिए चुनी गई पत्नी का कुख्यात आचरण ऐसा था कि उन्हें उसे अपनी बहू के रूप में स्वीकार करने में शर्म आने लगी। इस रिश्ते को सार्वजनिक करने की इच्छा तो दूर, वे इसे मुझसे भी ज्यादा छुपाने के लिए उत्सुक हो गए। "फिर, मैं उसे इंग्लैंड ले गया; उस राक्षस जैसी औरत के साथ जहाज में मेरी

यात्रा भयावह रही। मुझे बहुत खुशी हुई जब आखिरकार मैं उसे थॉर्नफील्ड ले गया, और उसे उस तीसरी मंजिल के कमरे में सुरक्षित पाया, जिसके गुप्त भीतरी कमरे को उसने अब दस वर्षों से एक जंगली जानवर का अड्डा—एक भूतिया कोठरी—बना रखा है। मुझे उसके लिए एक परिचारिका ढूंढने में कुछ परेशानी हुई, क्योंकि एक ऐसी परिचारिका का चयन करना आवश्यक था जिसकी वफादारी पर भरोसा किया जा सके; उसकी बेतुकी बातों से मेरा राज़ खुल ही जाता: इसके अलावा, उसके कुछ दिनों —कभी-कभी हफ़्तों—के ऐसे अंतराल होते थे जब वह होश में रहती थी और उन दिनों में वह मुझे गालियाँ देती रहती थी। आखिरकार मैंने ग्रिम्सबी रिट्रीट से ग्रेस पूल को काम पर रखा। वह और सर्जन कार्टर (जिन्होंने उस रात मेसन के घावों पर पट्टी बाँधी थी जब उसे चाकू मारा गया था और वह परेशान था), केवल दो ही ऐसे लोग हैं जिन पर मैंने कभी अपना विश्वास जताया है। श्रीमती फेयरफैक्स को शायद कुछ शक हुआ होगा, लेकिन उन्हें तथ्यों के बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं मिल सकती थी। ग्रेस कुल मिलाकर एक अच्छी देखभाल करने वाली साबित हुई है; हालाँकि, आंशिक रूप से उसकी अपनी एक कमी के कारण, जिसका कोई इलाज नहीं है और जो उसके परेशान करने वाले पेशे का हिस्सा है, उसकी सतर्कता कई बार कमज़ोर और नाकाम साबित हुई है। वह पागल चालाक और दुष्ट दोनों है; उसने कभी भी किसी को धोखा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

जेन आयर 293 एसएसएस श्री ई ना ———————— अपने अभिभावक की अस्थायी चूक का फायदा उठाते हुए; एक बार अपने भाई को चाकू मारने के लिए चाकू छिपाने के लिए, और दो बार अपनी कोठरी की चाबी हासिल करने और रात के समय वहां से निकलने के लिए। इनमें से पहली बार उसने मुझे मेरे बिस्तर पर जलाने का प्रयास किया; दूसरी बार उसने तुम्हारे पास वह भयानक दौरा किया। मैं ईश्वर का धन्यवाद करती हूँ, जिसने तुम्हारी रक्षा की, कि उसने अपना क्रोध तुम्हारे विवाह वस्त्रों पर निकाला, जिससे शायद उसे अपने विवाह के दिनों की धुंधली यादें ताजा हो गईं: लेकिन जो हो सकता था, उस पर विचार करना मैं सहन नहीं कर सकती। जब मैं उस चीज़ के बारे में सोचती हूँ जो आज सुबह मेरे गले पर झपटी, मेरे कबूतर के घोंसले पर अपना काला और लाल चेहरा मंडराता हुआ, तो मेरा खून जम जाता है——' 'और क्या, महोदय,' मैंने पूछा, जब वह रुका, 'जब आपने उसे यहाँ बसा दिया तो आपने क्या किया? आप कहाँ गए थे?' 'मैंने क्या किया, जेन?' मैंने स्वयं को एक मायावी

परदे में बदल लिया। मैं कहाँ चला गया? मैं मार्च की आत्मा की तरह ही बेतहाशा भटकता रहा। मैंने महाद्वीप की खोज की और उसके सभी देशों में टेढ़े-मेढ़े रास्तों से यात्रा की। मेरी प्रबल इच्छा एक अच्छी और बुद्धिमान स्त्री को खोजना और पाना थी, जिससे मैं प्रेम कर सकूँ: थॉर्नफील्ड में छोड़े गए मेरे क्रोध के विपरीत—' 'लेकिन आप विवाह नहीं कर सके, महोदय।' 'मैंने निश्चय किया था और मुझे विश्वास था कि मैं कर सकता हूँ और मुझे करना चाहिए। मेरा मूल इरादा धोखा देना नहीं था, जैसा कि मैंने आपको धोखा दिया है। मेरा इरादा अपनी कहानी स्पष्ट रूप से बताना और अपने प्रस्ताव खुले तौर पर रखना था: और मुझे यह इतना तर्कसंगत लगा कि मुझे प्रेम करने और प्रेम पाने के लिए स्वतंत्र माना जाना चाहिए, मुझे कभी संदेह नहीं हुआ कि कोई स्त्री मेरी स्थिति को समझने और मुझे स्वीकार करने के लिए तैयार और सक्षम हो सकती है, उस अभिशाप के बावजूद जिससे मैं बोझिल था।' 'तो, महोदय?' 'जब तुम जिज्ञासु होती हो, जेन, तो तुम हमेशा मुझे मुस्कुराने पर मजबूर कर देती हो। तुम उत्सुक पक्षी की तरह अपनी आँखें खोलती हो, और बीच-बीच में बेचैन हरकतें करती हो, मानो तुम्हारे लिए बोलकर जवाब देना काफी न हो, और तुम किसी के दिल की बात जानना चाहती हो। लेकिन आगे बढ़ने से पहले, मुझे बताओ कि तुम्हारे "अच्छा, महोदय?" कहने का क्या मतलब है? यह एक छोटा सा वाक्य है जो तुम अक्सर बोलती हो; और जिसने कई बार मुझे अंतहीन बातचीत में उलझाए रखा है: मुझे ठीक से नहीं पता क्यों,' 'मेरा मतलब है,—आगे क्या हुआ? तुमने कैसे आगे कदम बढ़ाया? उस घटना का क्या नतीजा निकला?' 'बिल्कुल! और अब तुम क्या जानना चाहते हो?' 'क्या तुम्हें कोई पसंद आया: क्या तुमने उसे शादी के लिए प्रपोज़ किया; और उसने क्या कहा।' 'मैं तुम्हें बता सकता हूँ कि क्या मुझे कोई पसंद आया, और क्या 204 जेन आयर स्ट्रीट पर मैंने उससे शादी का प्रस्ताव रखा: लेकिन उसने क्या कहा, यह अभी तक भाग्य की किताब में दर्ज नहीं हुआ है। दस लंबे वर्षों तक मैं भटकता रहा, कभी एक राजधानी में, कभी दूसरी में: कभी सेंट पीटर्सबर्ग में; अक्सर पेरिस में; कभी-कभी रोम, नेपल्स और फ्लोरेंस में। खूब धन और एक पुराने नाम के सहारे, मैं अपनी पसंद के लोगों से मिल सकता था: कोई भी समूह मेरे लिए बंद नहीं था। मैंने अंग्रेज़ महिलाओं, फ्रांसीसी काउंटेस, इतालवी सिग्नोरा और जर्मन ग्रैफिन के बीच अपनी आदर्श स्त्री की तलाश की। मुझे वह नहीं मिली। कभी-कभी, एक पल के लिए, मुझे लगा कि मैंने एक झलक देखी, एक आवाज़ सुनी, एक आकृति देखी,

जिसने मेरे सपने के साकार होने की घोषणा की: लेकिन मैं तुरंत ही अपनी सच्चाई जान गया। आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि मैं मन या व्यक्तित्व की पूर्णता चाहता था। मैं केवल वही चाहता था जो मुझे भाता था—क्रेओल के विपरीत: और मेरी यह चाहत व्यर्थ ही रही। उन सब में से मुझे एक भी ऐसी नहीं मिली, जिसे मैं, चाहे कितनी भी आज़ादी होती, - जबकि मुझे असंगत संबंधों के जोखिमों, भयावहताओं और घृणाओं के बारे में चेतावनी दी गई थी - शादी के लिए पूछता। निराशा ने मुझे लापरवाह बना दिया। मैंने अय्याशी का सहारा लिया - कभी भी व्यभिचार नहीं: जिससे मुझे घृणा थी, और आज भी है। यही मेरी भारतीय प्रेमिका मेसलिना का गुण था: उससे और उसके प्रति गहरी घृणा ने मुझे सुख में भी बहुत संयमित रखा। कोई भी आनंद जो उग्रता की सीमा पर होता, मुझे उसके और उसकी बुराइयों के करीब ले जाता प्रतीत होता था, और मैं उससे दूर रहता था। फिर भी मैं अकेला नहीं रह सकता था; इसलिए मैंने रखैलें रखने का प्रयास किया। पहली जिसे मैंने चुना वह थी सेलीन वारेन्स - एक और ऐसा कदम जिसे याद करके इंसान खुद को कोसता है। आप पहले से ही जानते हैं कि वह कैसी थी, और उसके साथ मेरा संबंध कैसे समाप्त हुआ। उसकी दो उत्तराधिकारी थीं: एक इतालवी, जियासिंटा, और एक जर्मन, क्लारा; दोनों को असाधारण रूप से सुंदर माना जाता था। कुछ हफ़्तों में उनकी सुंदरता मेरे लिए क्या मायने रखती थी? जियासिंटा सिद्धांतहीन और हिंसक थी: मैं तीन महीने में ही उससे ऊब गया। क्लारा ईमानदार और शांत थी; लेकिन भारी, नासमझ और भावनाओं से अप्रभावित: मुझे ज़रा भी पसंद नहीं आई। मुझे खुशी हुई कि मैंने उसे एक अच्छा व्यवसाय शुरू करने के लिए पर्याप्त रकम दे दी, और इस तरह उससे सम्मानजनक तरीके से छुटकारा पा लिया। लेकिन, जेन, मैं तुम्हारे चेहरे से देख सकता हूँ कि तुम अभी मेरे बारे में अच्छी राय नहीं बना रही हो। तुम मुझे एक भावनाहीन, सिद्धांतहीन अय्याश समझती हो: है ना?' 'सच में, श्रीमान, मुझे आप उतने पसंद नहीं हैं जितने कभी-कभी हुआ करते थे। क्या आपको इस तरह रहना ज़रा भी गलत नहीं लगा, पहले एक रखैल के साथ और फिर दूसरी के साथ? आप इसे एक सामान्य बात की तरह बताते हैं।' 'मेरे साथ तो ऐसा ही था; और मुझे यह पसंद नहीं आया। यह जीने का एक घटिया तरीका था: मैं कभी भी उस पर वापस नहीं जाना चाहूँगा। रखैल रखना गुलाम खरीदने के बाद दूसरी सबसे बुरी बात है: दोनों

 हम स्वभाव से और पद के कारण हमेशा हीन होते हैं: और हीन लोगों

के साथ घनिष्ठ संबंध रखना अपमानजनक होता है। अब मुझे सेलीन, जियासिंटा और क्लारा के साथ बिताए समय की याद से घृणा होती है।' मैंने इन शब्दों की सच्चाई को महसूस किया; और इनसे मैंने यह निश्चित निष्कर्ष निकाला कि यदि मैं स्वयं को और मुझे दी गई सभी शिक्षाओं को इस हद तक भुला दूं कि किसी भी बहाने से, किसी भी औचित्य से, किसी भी प्रलोभन से, इन बेचारी लड़कियों की उत्तराधिकारी बन जाऊं, तो एक दिन वह मुझे उसी भावना से देखेगा जो अब उसके मन में उनकी स्मृति का अपमान कर रही है। मैंने इस विश्वास को ज़ुबान पर नहीं लाया: इसे महसूस करना ही काफी था। मैंने इसे अपने दिल में बिठा लिया, ताकि यह परीक्षा के समय में मेरी सहायता के लिए वहीं रहे। 'अब, जेन, तुम "अच्छा, महोदय?" क्यों नहीं कहती? मैंने अभी अपनी बात पूरी नहीं की है। आप गंभीर दिख रहे हैं। मुझे लगता है कि आप अब भी मुझे नापसंद करते हैं। लेकिन चलिए मुद्दे पर आते हैं।' पिछले जनवरी में, सभी रखैलियों से मुक्त होकर—एक कठोर, कड़वी मानसिकता में, एक व्यर्थ, आवारा, एकाकी जीवन के परिणाम स्वरूप—निराशा से ग्रस्त, सभी पुरुषों और विशेष रूप से सभी महिलाओं के प्रति द्वेषपूर्ण भाव से भरा हुआ (क्योंकि मैंने एक बुद्धिमान, वफादार, प्रेम करने वाली महिला की धारणा को मात्र एक सपना मानना शुरू कर दिया था), व्यापार के कारण मैं इंग्लैंड लौट आया। 'एक बर्फीली सर्दियों की दोपहर में, मैं थॉर्नफील्ड हॉल के पास से गुजरा। घृणित स्थान! मुझे वहाँ किसी शांति—किसी सुख की उम्मीद नहीं थी। हे लेन में एक सीढ़ी पर मैंने एक शांत छोटी सी आकृति को अकेले बैठे देखा। मैं उसके पास से उतनी ही लापरवाही से गुजरा जितनी लापरवाही से मैंने उसके सामने वाले कटे हुए विलो पेड़ को: मुझे इस बात का कोई पूर्वाभास नहीं था कि वह मेरे लिए क्या होगा; कोई आंतरिक चेतावनी नहीं थी कि मेरे जीवन की निर्णायक—अच्छे या बुरे के लिए मेरी प्रतिभा—वहाँ विनम्र वेश में प्रतीक्षा कर रही है। मुझे यह तब भी नहीं पता था, जब मेसरूर की दुर्घटना के अवसर पर, वह मेरे पास आई और गंभीरता से मेरी मदद की पेशकश की। बचकाना और दुबला-पतला प्राणी! ऐसा लगा मानो कोई चिड़िया मेरे पैर पर आकर बैठ गई हो और मुझे अपने नन्हे पंख पर बिठाकर ले जाना चाहती हो। मैं चिड़चिड़ी थी; पर वह नहीं गई: वह अजीब दृढ़ता से मेरे पास खड़ी रही, और एक तरह के अधिकार के साथ देखती और बोलती रही। मुझे मदद की ज़रूरत थी, और उसी हाथ से: और मुझे मदद मिली। जब मैंने एक बार उसके कमज़ोर कंधे को दबाया, तो कुछ नया—एक नई ऊर्जा और समझ—मेरे शरीर

में समा गई। यह अच्छा हुआ कि मुझे पता चल गया था कि यह परी मेरे पास वापस आएगी—कि यह मेरे नीचे वाले घर की है—वरना मैं इसे अपने हाथ के नीचे से जाते हुए महसूस नहीं कर पाती, और इसे धुंधली झाड़ी के पीछे गायब होते हुए बिना किसी अफ़सोस के नहीं देख पाती। मैंने उस रात तुम्हें घर आते सुना, जेन, हालाँकि शायद तुम्हें पता नहीं था कि मैं तुम्हारे बारे में सोच रही थी या तुम्हारा इंतज़ार कर रही थी। अगले दिन मैंने तुम्हें—खुद को—देखा।

296 जेन आयर: आधे घंटे के लिए, जब आप गैलरी में एडेल के साथ खेल रही थीं, तब आप अदृश्य थीं। मुझे याद है, वह बर्फीला दिन था और आप घर से बाहर नहीं जा सकती थीं। मैं अपने कमरे में थी; दरवाजा थोड़ा खुला था: मैं सुन भी सकती थी और देख भी सकती थी। एडेल ने कुछ देर के लिए आपका ध्यान अपनी ओर खींच लिया; फिर भी मुझे लगा कि आपके विचार कहीं और थे: लेकिन आप उसके साथ बहुत धैर्यवान थीं, मेरी प्यारी जेन; आपने उससे बातें कीं और उसे काफी देर तक मनोरंजन कराया। जब आखिरकार वह आपसे विदा हुई, तो आप तुरंत गहरी तन्मयता में डूब गईं: आप धीरे-धीरे गैलरी में टहलने लगीं। बीच-बीच में, खिड़की से गुजरते हुए, आप बाहर गिरती हुई भारी बर्फ पर नजर डालतीं; आप सिसकती हवा को सुनतीं, और फिर धीरे-धीरे टहलती हुई सपने देखने लगतीं। मुझे लगता है कि उन दिनों के सपने अंधकारमय नहीं थे: कभी-कभी तुम्हारी आँखों में एक सुखद चमक होती थी, तुम्हारे चेहरे पर एक कोमल उत्तेजना होती थी, जो किसी कड़वी, चिड़चिड़ी या चिंताग्रस्त सोच को नहीं दर्शाती थी: बल्कि तुम्हारी नज़र में यौवन के मीठे विचार झलकते थे, जब उसकी आत्मा आशा की उड़ान पर सवार होकर एक आदर्श स्वर्ग की ओर बढ़ती है। हॉल में नौकर से बात करती श्रीमती फेयरफैक्स की आवाज़ ने तुम्हें जगाया: और जेनेट, तुमने कितनी अजीब तरह से खुद को देखकर मुस्कुराया! तुम्हारी मुस्कान में बहुत अर्थ था: यह बहुत ही चतुराई भरी थी, और ऐसा लगता था जैसे तुम अपने ही विचारों को हल्के में ले रही हो। मानो कह रही हो—"मेरे सुंदर सपने तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन मुझे यह नहीं भूलना चाहिए कि वे पूरी तरह से अवास्तविक हैं। मेरे दिमाग में गुलाबी आसमान और फूलों से भरा हरा स्वर्ग है; लेकिन बाहर, मैं पूरी तरह से जानती हूँ, मेरे पैरों के नीचे एक कठिन रास्ता है जिस पर मुझे चलना है, और मेरे चारों ओर काले तूफान मेरा सामना करने के लिए इकट्ठा हो रहे हैं।" आप दौड़कर नीचे गईं और श्रीमती फेयरफैक्स से कोई काम मांगा: साप्ताहिक गृह लेखा-जोखा करना, या कुछ

इसी तरह का, मुझे लगता है। मैं आपके मेरी नज़रों से ओझल हो जाने से नाराज़ थी। मैं बेसब्री से शाम का इंतज़ार कर रही थी, जब मैं आपको अपने पास बुला सकूँ। मुझे शक था कि आपका चरित्र मेरे लिए असामान्य—बिल्कुल नया—है: मैं इसे और गहराई से जानना और बेहतर ढंग से समझना चाहती थी। आप कमरे में एक शर्मीले और स्वतंत्र भाव के साथ दाखिल हुईं: आपने अजीबोगरीब कपड़े पहने थे—ठीक वैसे ही जैसे आप अब पहनती हैं। मैंने आपसे बात की: जल्द ही मैंने पाया कि आप विरोधाभासों से भरी हुई थीं। आपका पहनावा और व्यवहार नियमों से बंधा हुआ था; आपका भाव अक्सर संकोची था, और कुल मिलाकर एक ऐसे व्यक्ति का था जो स्वभाव से तो सभ्य है, लेकिन समाज से बिल्कुल अपरिचित है, और किसी गलती या भूल से खुद को नुकसानदेह बनाने से बहुत डरती है; फिर भी जब आपसे बात की जाती, तो आप अपने वार्ताकार के चेहरे पर एक तीक्ष्ण, साहसी और चमकती हुई नज़र उठातीं: आपकी हर नज़र में पैठ और शक्ति थी; जब आपसे बात की जाती, आपने जटिल प्रश्नों के भी तैयार और सटीक उत्तर ढूंढ लिए। बहुत जल्द ही आप मुझसे अभ्यस्त हो गए: मुझे आप पर विश्वास है।

जेन आयर 297 एसएसएस मीमेईनेनेसीईईईईने ईईई मुझे तुम्हारे और तुम्हारे कठोर और चिड़चिड़े स्वामी के बीच सहानुभूति का आभास हुआ, जेन; क्योंकि यह देखकर आश्चर्य हुआ कि कितनी जल्दी एक सुखद सहजता ने तुम्हारे व्यवहार को शांत कर दिया: चाहे मैं कितना भी गुस्सा करती, तुमने मेरी उदासी पर कोई आश्चर्य, भय, झुंझलाहट या नाराजगी नहीं दिखाई; तुम मुझे देखती रहीं, और कभी-कभी एक सरल लेकिन बुद्धिमानी भरी मुस्कान के साथ मेरी ओर मुस्कुराती रहीं जिसका वर्णन मैं नहीं कर सकती। मैं जो कुछ देख रही थी उससे संतुष्ट और प्रेरित थी: मुझे जो कुछ देखा वह पसंद आया, और मैं और देखना चाहती थी। फिर भी, लंबे समय तक मैंने तुमसे दूरी बनाए रखी, और तुम्हारी संगति बहुत कम चाही। मैं एक बौद्धिक शौकीन थी, और इस नए और दिलचस्प परिचय की संतुष्टि को लंबे समय तक बनाए रखना चाहती थी: इसके अलावा, मैं कुछ समय के लिए एक डरावने भय से ग्रस्त थी कि अगर मैंने फूल को स्वतंत्र रूप से छुआ तो उसकी सुंदरता फीकी पड़ जाएगी - ताजगी का मीठा आकर्षण उससे दूर हो जाएगा। तब मुझे यह नहीं पता था कि यह कोई क्षणिक फूल नहीं था, बल्कि एक अविनाशी रत्न में तराशा हुआ उसी फूल का दीप्तिमान प्रतिरूप था। इसके अलावा, मैं यह देखना चाहता था कि अगर मैं तुमसे दूर रहूँ तो क्या तुम

मुझे ढूँढोगी—लेकिन तुमने ऐसा नहीं किया; तुम कक्षा में अपनी मेज और स्टैंड की तरह स्थिर बैठी रहती थी; अगर संयोग से मैं तुमसे मिल भी जाता, तो तुम सम्मान के अनुरूप, बिना किसी पहचान के, तुरंत आगे बढ़ जाती थी। उन दिनों, जेन, तुम्हारा हमेशा का भाव विचारशील होता था; निराश नहीं, क्योंकि तुम बीमार नहीं थी; लेकिन उत्साहित भी नहीं, क्योंकि तुम्हारे पास बहुत कम आशा थी और कोई वास्तविक आनंद नहीं था। मैं सोचता था कि तुम मेरे बारे में क्या सोचती हो, या क्या तुम कभी मेरे बारे में सोचती भी हो, और मैंने इसका पता लगाने का निश्चय किया। मैंने फिर से तुम पर ध्यान देना शुरू किया। जब तुम बात करती थी, तो तुम्हारी निगाहों में कुछ खुशी और तुम्हारे व्यवहार में सौम्यता होती थी: मैंने देखा कि तुम्हारा हृदय सामाजिक था; यह शांत कक्षा—यह तुम्हारे जीवन की नीरसता—थी जिसने तुम्हें उदास कर दिया था। मैंने खुद को तुम्हारे प्रति दयालु होने का आनंद लेने दिया; दयालुता ने जल्द ही भावनाओं को जगा दिया: आपका चेहरा भावहीन हो गया, आपकी आवाज़ कोमल हो गई; मुझे अच्छा लगता था जब आप कृतज्ञता और प्रसन्नता भरे लहजे में मेरा नाम लेती थीं। जेन, मुझे उस समय आपसे अचानक मुलाकात का आनंद मिलता था: आपके व्यवहार में एक अजीब सी झिझक होती थी: आप थोड़ी परेशानी से मेरी ओर देखती थीं—एक संदेह सा मंडराता हुआ भाव: आप नहीं जानती थीं कि मेरी सनक क्या होगी, क्या मैं मालिक बनकर सख्त बनूंगा, या दोस्त बनकर दयालु बनूंगा। अब मैं आपसे इतना प्यार करता था कि अक्सर पहली बार की उस सनक को दोहराना मुश्किल हो जाता था; और जब मैं स्नेहपूर्वक अपना हाथ बढ़ाता था, तो आपके युवा, भावुक चेहरे पर ऐसी रौनक, प्रकाश और आनंद छा जाता था कि मुझे अक्सर आपको उसी क्षण अपने दिल से लगाने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोकना पड़ता था। 'उन दिनों की और बात मत कीजिए, महोदय,' मैंने बीच में ही टोकते हुए अपनी आँखों से कुछ आँसू पोंछ लिए; उनकी भाषा

 —————— मेरे लिए यह एक यातना थी; क्योंकि मैं जानती थी कि मुझे क्या करना है—और जल्द ही करना है—और ये सभी यादें, और उसकी भावनाओं के ये खुलासे, मेरे काम को और भी कठिन बना रहे थे। 'नहीं, जेन,' उसने उत्तर दिया: 'अतीत पर ध्यान देने की क्या आवश्यकता है, जब वर्तमान इतना निश्चित है—भविष्य इतना उज्ज्वल है?' मैं उसके इस मोहभंग भरे कथन को सुनकर कांप उठी। 'अब तुम समझ गई हो कि मामला क्या है—है ना?' उसने आगे कहा। 'जवानी

और जवानी का आधा हिस्सा असहनीय दुख और आधा हिस्सा नीरस एकांत में बिताने के बाद, मुझे पहली बार वह मिला है जिससे मैं सचमुच प्यार कर सकता हूँ—मुझे तुम मिली हो। तुम मेरी हमसफ़र हो—मेरा बेहतर स्वरूप—मेरी अच्छी परी। मैं तुमसे एक मजबूत लगाव से बंधा हुआ हूँ। मैं तुम्हें अच्छा, प्रतिभाशाली, प्यारा मानता हूँ: मेरे दिल में एक तीव्र, एक गंभीर जुनून पैदा हुआ है; यह तुम्हारी ओर झुकता है, तुम्हें मेरे जीवन के केंद्र और स्रोत की ओर खींचता है, मेरे अस्तित्व को तुम्हारे चारों ओर लपेट लेता है, और शुद्ध, शक्तिशाली लौ में प्रज्वलित होकर, तुम्हें और मुझे एक कर देता है। 'मैंने यही महसूस किया और जाना था, इसीलिए मैंने तुमसे विवाह करने का निश्चय किया। यह कहना कि मेरी पहले से ही एक पत्नी थी, एक खोखला मज़ाक है: तुम अब जानती हो कि मेरी पत्नी तो एक भयानक राक्षस थी। तुम्हें धोखा देने का प्रयास करना मेरी गलती थी; लेकिन मुझे तुम्हारे स्वभाव में निहित हठ का भय था। मुझे बचपन से ही मन में बैठी पूर्वाग्रहों का भय था: मैं विश्वास करने से पहले तुम्हें सुरक्षित रखना चाहता था। यह कायरता थी: मुझे पहले तुम्हारी महानता और उदारता का सहारा लेना चाहिए था, जैसा कि मैं अब करता हूँ—तुम्हें अपने पीड़ामय जीवन के बारे में स्पष्ट रूप से बताना चाहिए था—तुम्हें एक उच्च और अधिक योग्य अस्तित्व के लिए अपनी भूख और प्यास का वर्णन करना चाहिए था—तुम्हें अपना संकल्प नहीं (यह शब्द कमज़ोर है), बल्कि निष्ठापूर्वक और अच्छे से प्रेम करने की अपनी अदम्य इच्छा दिखानी चाहिए थी, जहाँ मुझे बदले में निष्ठापूर्वक और अच्छे से प्रेम मिले। फिर मुझे तुमसे अपनी निष्ठा की प्रतिज्ञा स्वीकार करने और मुझे अपनी निष्ठा देने के लिए कहना चाहिए था।' जेन—मुझे अभी दो।' एक सन्नाटा। 'तुम चुप क्यों हो, जेन?' मैं एक कठिन परीक्षा से गुज़र रही थी: एक लोहे की आग जैसे हाथ ने मेरे भीतरी अंगों को जकड़ रखा था। भयानक क्षण: संघर्ष, अंधकार, जलन से भरा हुआ! आज तक कोई भी इंसान मुझसे ज़्यादा प्यार पाने की इच्छा नहीं कर सकता था; और जिसने मुझे इस तरह प्यार किया, मैं उसकी पूजा करती थी: और मुझे प्यार और मूर्तिपूजा दोनों को त्यागना होगा। एक उदास शब्द ने मेरे असहनीय कर्तव्य को समेट लिया—'चली जाओ!' 'जेन, तुम समझती हो मैं तुमसे क्या चाहता हूँ? बस यह वादा—"मैं तुम्हारी हो जाऊँगी, मिस्टर रोचेस्टर।"' "मिस्टर रोचेस्टर, मैं तुम्हारी नहीं होऊँगी।" एक और लंबा सन्नाटा। 'जेनेल' उसने फिर से कहा, एक ऐसी कोमलता के साथ जिसने मुझे तोड़ दिया।

दयनीय जिंदगी पर एक नजर डाल लेना। तुम्हारे साथ सारी खुशियाँ छिन जाएँगी। फिर क्या बचेगा? पत्नी के नाम पर मेरे पास बस ऊपर बैठा वह पागल है: जैसे तुम मुझे उस कब्रिस्तान में पड़ी किसी लाश के पास भेज रही हो। मैं क्या करूँ, जेन? मुझे साथी और उम्मीद कहाँ मिलेगी?' 'मेरी तरह करो: ईश्वर और खुद पर भरोसा रखो। स्वर्ग में विश्वास रखो।' वहाँ फिर मिलने की आशा है।' "तो तुम नहीं मानोगे?" नहीं; "तो तुम मुझे दुखी जीवन जीने और अभिशापित मरने की निंदा कर रहे हो?" उसकी आवाज़ तेज़ हो गई। "मैं तुम्हें निष्पाप जीवन जीने की सलाह देता हूँ, और मैं चाहता हूँ कि तुम्हारी मृत्यु शांति से हो।" "तो तुम मुझसे प्रेम और मासूमियत छीन रहे हो? तुम मुझे वासना के चक्कर में धकेल रहे हो—व्यवसाय के चक्कर में?" "श्रीमान रोचेस्टर, मैं तुम्हें यह नियति नहीं देता, जैसे मैं इसे अपने लिए नहीं चाहता। हम संघर्ष करने और सहन करने के लिए पैदा हुए हैं—तुम भी और मैं भी: ऐसा करो। तुम मुझे भूल जाओगे, इससे पहले कि मैं तुम्हें भूल जाऊँ।" "तुम ऐसी भाषा से मुझे झूठा साबित कर रहे हो: तुम मेरे सम्मान को कलंकित कर रहे हो। मैंने कहा था कि मैं नहीं बदल सकता: तुम मेरे सामने कह रहे हो कि मैं जल्द ही बदल जाऊँगा। और तुम्हारे आचरण से तुम्हारे निर्णय में कितना विकृति, तुम्हारे विचारों में कितनी कुटिलता सिद्ध होती है! क्या किसी साथी मनुष्य को निराशा में धकेलना बेहतर है, बजाय इसके कि केवल एक मानवीय कानून का उल्लंघन किया जाए, जिससे किसी को कोई नुकसान न हो? क्योंकि तुम्हारे न तो कोई रिश्तेदार हैं और न ही कोई परिचित जिन्हें तुम क्या मेरे साथ रहने से किसी को ठेस पहुंचाने का डर ज़रूरी है?' यह सच था: और जब उसने मेरी अंतरात्मा की आवाज़ सुनी और

 तर्क ने मेरे विरुद्ध गद्दार खड़ा कर दिया, और मुझ पर उसका विरोध करने का अपराध का आरोप लगाया। वे लगभग उतनी ही ज़ोर से बोले जितनी भावनाएँ: और वे बेतहाशा चिल्लाईं। 'ओह, मान लो!' उसने कहा। "उसकी पीड़ा के बारे में सोचो; उसके खतरे के बारे में सोचो—अकेले रह जाने पर उसकी हालत देखो; उसके उतावले स्वभाव को याद करो; निराशा के बाद आने वाली लापरवाही पर विचार करो—उसे दिलासा दो; उसे बचाओ; उससे प्यार करो; उसे बताओ कि तुम उससे प्यार करते हो और उसके हो जाओगे। दुनिया में तुम्हारी परवाह कौन करता है? या तुम्हारे कर्मों से किसे नुकसान होगा?" फिर भी अटल उत्तर था —"मैं अपनी परवाह करता हूँ। जितना अधिक अकेला, जितना अधिक मित्रहीन,

जितना अधिक सहाराहीन मैं हूँ, उतना ही अधिक मैं अपना सम्मान करूँगा। मैं ईश्वर द्वारा दिए गए, मनुष्य द्वारा स्वीकृत नियमों का पालन करूँगा। मैं उन सिद्धांतों पर कायम रहूँगा जो मुझे तब मिले थे जब मैं स्वस्थ था, पागल नहीं—जैसा कि मैं अब हूँ। नियम और सिद्धांत उन समयों के लिए नहीं हैं जब कोई प्रलोभन न हो: वे ऐसे क्षणों के लिए हैं, जब शरीर और आत्मा उनकी कठोरता के विरुद्ध विद्रोह करते हैं; वे कठोर हैं; वे अटूट रहेंगे। यदि मैं अपनी व्यक्तिगत सुविधा के लिए उन्हें तोड़ सकता हूँ, तो उनका क्या मूल्य होगा? उनका मूल्य है—ऐसा मैंने हमेशा माना है; और यदि मैं अब इस पर विश्वास नहीं कर सकता, तो इसका कारण यह है कि मैं मैं पागल हो गई हूँ—बिल्कुल पागल: मेरी रगों में आग सी दौड़ रही है, और मेरा दिल इतनी तेज़ी से धड़क रहा है कि मैं उसकी धड़कनें गिन भी नहीं सकती। पहले से बनी राय, पहले से तय किए गए फैसले, बस यही एक सहारा है मेरे पास इस समय: मैं यहीं अपना पैर जमाती हूँ।' मैंने ऐसा ही किया। मिस्टर रोचेस्टर ने मेरे चेहरे के भाव पढ़कर समझ लिया कि मैंने ऐसा कर दिया है। उनका क्रोध चरम पर था: चाहे कुछ भी हो जाए, उन्हें एक पल के लिए इसके आगे झुकना ही पड़ा; वे मेरे पास आए और मेरी बांह पकड़कर मेरी कमर थाम ली। ऐसा लग रहा था मानो वे मुझे अपनी जलती हुई निगाहों से निगल रहे हों: शारीरिक रूप से, उस क्षण, मैं भट्टी की ठंडी हवा और गर्मी में पड़े सूखे तिनकों की तरह शक्तिहीन महसूस कर रही थी: मानसिक रूप से, मेरे पास अभी भी मेरी आत्मा थी, और उसके साथ ही अंतिम सुरक्षा का विश्वास भी। सौभाग्य से, आत्मा का एक व्याख्याकार होता है—अक्सर एक अचेतन, लेकिन फिर भी एक सच्चा व्याख्याकार—आँखों में। मेरी आँखें उनकी ओर उठीं; और जब मैंने उनके क्रूर चेहरे को देखा तो अनजाने में एक आह भरी; उनकी पकड़ दर्दनाक थी, और मेरी अत्यधिक थकी हुई ताकत लगभग थका हुआ। 'कभी नहीं,' उसने दांत पीसते हुए कहा, 'कभी भी कोई चीज़ एक साथ इतनी कमज़ोर और इतनी अदम्य नहीं थी। मेरे हाथ में तो वह महज़ एक सरकंडा है!' (और उसने मुझे अपनी पकड़ की ताकत से हिला दिया।) 'मैं उसे अपनी उंगली और अंगूठे से मोड़ सकता हूँ: और अगर मैं उसे मोड़ दूँ, उखाड़ दूँ, कुचल दूँ तो क्या फायदा? उस आँख को देखो: उस दृढ़, जंगली, आज़ाद चीज़ को देखो जो उससे झाँक रही है, मुझे चुनौती दे रही है, साहस से भी बढ़कर—एक कठोर विजय के साथ। मैं उसके पिंजरे के साथ कुछ भी करूँ, मैं उस तक नहीं पहुँच सकता—उस जंगलीपन तक,

जेन आयर 301 “श्री, हे सुंदर प्राणी! अगर मैं इस छोटी सी कैद को चीर दूं, तो मेरा क्रोध कैदी को मुक्त कर देगा। मैं इस घर का विजेता बन सकता हूँ; लेकिन इससे पहले कि मैं खुद को इसके मिट्टी के निवास का स्वामी कह सकूँ, कैदी स्वर्ग में भाग जाएगा। और हे आत्मा, इच्छाशक्ति, ऊर्जा, सद्गुण और पवित्रता से परिपूर्ण, मुझे तुम चाहिए: केवल तुम्हारा नश्वर शरीर नहीं। तुम स्वयं कोमल उड़ान भरकर मेरे हृदय से लिपट सकती हो, यदि तुम चाहो: तुम्हारी इच्छा के विरुद्ध पकड़ी गई, तुम एक सार की तरह पकड़ से बच निकलोगी—तुम मेरी सुगंध लेने से पहले ही गायब हो जाओगी। ओह! आओ, जेन, आओ!” यह कहते हुए, उसने मुझे अपनी पकड़ से छोड़ दिया और केवल मेरी ओर देखा। उस दृष्टि का विरोध करना उस उन्मादी तनाव से कहीं अधिक कठिन था: हालाँकि, अब तो केवल एक मूर्ख ही हार मान लेता। मैंने उसकी क्रोध का सामना किया था और उसे विफल कर दिया था; मुझे उसके दुख से बचना होगा: मैं दरवाजे की ओर चली गई। “तुम जा रही हो, जेन?” “हाँ, जा रही हूँ।” “तुम मुझे छोड़कर जा रही हो?” “हाँ।” “तुम नहीं आओगी? तुम मेरी सांत्वना, मेरी मुक्तिदाता नहीं बनोगी? मेरा गहरा प्यार, मेरा तीव्र दुख, मेरी बेताब प्रार्थना, तुम्हारे लिए कुछ भी मायने नहीं रखती?” उसकी आवाज़ में कितना अवर्णनीय दुख था! दृढ़ता से यह दोहराना कितना कठिन था, ‘मैं जा रहा हूँ।’ ‘जेन!’ ‘श्रीमान रोचेस्टर!’ ‘तो जाइए, मैं सहमत हूँ; लेकिन याद रखिए, आप मुझे यहाँ पीड़ा में छोड़ रहे हैं। अपने कमरे में जाइए; मैंने जो कुछ कहा है उस पर विचार कीजिए, और जेन, मेरी पीड़ाओं पर एक नज़र डालिए—मेरे बारे में सोचिए।’ वह मुँह फेरकर सोफे पर औंधे मुँह गिर पड़े। ‘ओह, जेन! मेरी आशा—मेरा प्यार—मेरा जीवन!’ पीड़ा से उनके होंठों से फूट पड़ा। फिर एक गहरी, ज़ोरदार सिसकी आई। मैं पहले ही दरवाजे तक पहुँच चुकी थी; लेकिन, पाठक, मैं वापस चली गई—उतनी ही दृढ़ता से वापस चली गई जितनी दृढ़ता से मैं पीछे हटी थी। मैं उनके पास घुटनों के बल बैठ गई; मैंने उनका चेहरा तकिये से हटाकर अपनी ओर किया; मैंने उनके गाल चूमे; मैंने अपने हाथ से उनके बालों को सहलाया। ‘ईश्वर आपको आशीर्वाद दें, मेरे प्यारे स्वामी!’ मैंने कहा। ‘ईश्वर आपको हानि और बुराई से बचाए—आपको मार्गदर्शन दें, आपको सांत्वना दें—मेरे प्रति आपकी पिछली दयालुता के लिए आपको अच्छा प्रतिफल दें।’ ‘छोटी जेन का प्यार मेरा सबसे अच्छा होता’ ‘पुरस्कार,’ उसने उत्तर दिया; ‘इसके बिना मेरा दिल टूट गया है। लेकिन जेन मुझे अपना प्यार देगी: हाँ—महानता से, उदारता से।’

 —————————— उसके चेहरे पर खून दौड़ गया; उसकी आँखों से आग सी चमक उठी; वह सीधा खड़ा हो गया; उसने अपनी बाहें फैला दीं; लेकिन मैं उसके आलिंगन से बच निकली और तुरंत कमरे से बाहर निकल गई। 'अलविदा!' मेरे दिल की पुकार थी जब मैं उसे छोड़कर जा रही थी। निराशा ने उसमें जोड़ा, 'हमेशा के लिए अलविदा!' उस रात मुझे सोने का मन ही नहीं हुआ; लेकिन बिस्तर पर लेटते ही मुझे नींद आ गई। मैं विचारों में खो गई और बचपन के दृश्यों में डूब गई: मैंने सपना देखा कि मैं गेट्सहेड के लाल कमरे में लेटी हूँ; रात अँधेरी थी, और मेरा मन अजीब भय से भरा हुआ था। वह प्रकाश जिसने बहुत पहले मुझे बेहोश कर दिया था, इस सपने में याद आया, मानो दीवार पर धीरे-धीरे चढ़ रहा हो, और धुंधली छत के बीच में काँपते हुए रुक गया हो। मैंने देखने के लिए अपना सिर उठाया: छत बादलों में बदल गई, ऊँचे और धुंधले; उसकी चमक ऐसी थी मानो चंद्रमा किसी धुंध को चीरने से पहले उसे चमका रहा हो। मैं उसे आते हुए देखता रहा— एक अजीब सी उत्सुकता के साथ; मानो उसके शरीर पर किसी विनाश का संदेश लिखा हो। वह ऐसे प्रकट हुई जैसे पहले कभी कोई चंद्रमा बादलों से नहीं निकला था: पहले एक हाथ ने उसके काले आवरण को भेदकर उसे हटाया; फिर, चंद्रमा नहीं, बल्कि एक श्वेत मानव आकृति नीले आकाश में चमकी, जिसका तेजस्वी माथा पृथ्वी की ओर झुका हुआ था। वह मुझे निहारती रही, निहारती रही। इसने मेरी आत्मा को झकझोर दिया: स्वर असीम रूप से दूर था, फिर भी इतना करीब था कि मेरे दिल में फुसफुसाया— "मेरी बेटी, प्रलोभन से दूर रहो।" "माँ, मैं रहूँगी।" मैंने उस सम्मोहन जैसे सपने से जागने के बाद यही उत्तर दिया। अभी रात ही थी, लेकिन जुलाई की रातें छोटी होती हैं: आधी रात के तुरंत बाद भोर हो जाती है। मैंने सोचा, "मुझे जो काम पूरा करना है, उसे शुरू करने में अभी देर नहीं हुई है।" मैं उठी: मैं तैयार थी; क्योंकि मैंने अपने जूतों के अलावा कुछ भी नहीं उतारा था। मुझे पता था कि मेरी दराज में कुछ लिनेन, एक लॉकेट और एक अंगूठी कहाँ मिलेगी। इन वस्तुओं को खोजते हुए, मुझे मोतियों का हार मिला जिसे श्री रोचेस्टर ने कुछ दिन पहले मुझे जबरदस्ती स्वीकार करवाया था। मैंने उसे वहीं छोड़ दिया; वह मेरा नहीं था: वह उस स्वप्निल दुल्हन का था जो हवा में विलीन हो गई थी। बाकी वस्तुओं को मैंने एक पार्सल में रखा; मेरा पर्स, जिसमें बीस शिलिंग थे (मेरे पास बस इतना ही था), मैंने अपनी जेब में रख लिया: मैंने अपनी भूसे की टोपी बाँधी, शॉल को पिन से लगाया, पार्सल और अपनी चप्पलें लीं, जिन्हें मैं मैंने

येफ नहीं पहना था, और चुपके से अपने कमरे से निकल गई। 'अलविदा, प्यारी श्रीमती फेयरफैक्स!' मैंने फुसफुसाते हुए कहा, जैसे ही मैं उनके दरवाजे के पास से गुजरी। 'अलविदा, मेरी प्यारी एडेल!' मैंने नर्सरी की ओर देखते हुए कहा। अंदर जाने का ख्याल भी मन में नहीं आ रहा था।

जेन आयर 303 सत्र... उसे गले लगाने के लिए। मुझे अपने कान को धोखा देना पड़ा: क्योंकि मुझे पता नहीं था कि वह अब सुन रहा होगा। मैं श्री रोचेस्टर के कमरे से बिना रुके निकल जाती; लेकिन उस दहलीज पर मेरा दिल पल भर के लिए धड़कना बंद हो गया, और मेरा पैर भी रुक गया। वहाँ नींद नहीं थी: कमरा बेचैनी से एक दीवार से दूसरी दीवार तक घूम रहा था; और बार-बार आहें भर रहा था, जबकि मैं सुन रही थी। इस कमरे में मेरे लिए एक स्वर्ग था—एक क्षणिक स्वर्ग—अगर मैं चाहूँ तो: मुझे बस अंदर जाना था और कहना था— 'श्री रोचेस्टर, मैं आपसे प्यार करूँगी और जीवन भर, मृत्यु तक आपके साथ रहूँगी,' और आनंद का झरना मेरे होठों से फूट पड़ेगा। मैंने इसके बारे में सोचा। वह दयालु स्वामी, जो अब सो नहीं पा रहा था, बेसब्री से सुबह का इंतजार कर रहा था। वह सुबह मुझे बुलवाएगा; मैं जा चुकी होऊँगी। वह मुझे ढूँढ़ेगा: व्यर्थ। वह खुद को त्यागा हुआ महसूस करेगा; उसका प्यार ठुकरा दिया गया: वह दुखी होगा; शायद निराश हो जाएगा। मैंने इसके बारे में भी सोचा। मेरा हाथ ताले की ओर बढ़ा: मैंने उसे वापस खींच लिया और आगे बढ़ गया। उदास मन से मैं सीढ़ियों से नीचे उतरा: मुझे पता था कि मुझे क्या करना है, और मैंने उसे यंत्रवत ही किया। मैंने रसोई के बगल वाले दरवाजे की चाबी ढूंढी; मैंने तेल की एक शीशी और एक पंख भी ढूंढा; मैंने चाबी और ताले पर तेल लगाया। मैंने थोड़ा पानी लिया, थोड़ी रोटी ली: क्योंकि शायद मुझे दूर तक चलना पड़े; और मेरी ताकत, जो हाल ही में बुरी तरह कमजोर हो गई थी, टूटनी नहीं चाहिए। यह सब मैंने बिना एक भी आवाज किए किया। मैंने दरवाजा खोला, बाहर निकला, और उसे धीरे से बंद कर दिया। आंगन में धुंधली सुबह की रोशनी टिमटिमा रही थी। बड़े द्वार बंद और ताले लगे हुए थे; लेकिन उनमें से एक में एक छोटा सा दरवाज़ा केवल कुंडी से बंद था। मैं उससे होकर निकला: मैंने उसे भी बंद कर दिया; और अब मैं थॉर्नफील्ड से बाहर था। खेतों के उस पार, एक मील दूर, एक सड़क थी जो मिलकोट की विपरीत दिशा में जाती थी; एक ऐसी सड़क जिस पर मैं कभी नहीं चला था, लेकिन अक्सर उसे देखता था, और सोचता था कि वह कहाँ जाती है: उसी ओर मैंने अपने कदम बढ़ाए। अब किसी भी

तरह के चिंतन की अनुमति नहीं थी: एक नज़र भी पीछे नहीं डालनी थी; आगे भी नहीं। न तो अतीत के बारे में सोचना था, न ही भविष्य के बारे में। पहला पन्ना इतना मधुर और इतना दुखद था कि उसकी एक पंक्ति भी पढ़ने से मेरा साहस टूट जाता और मेरी सारी ऊर्जा समाप्त हो जाती। आखिरी पन्ना एक भयानक खालीपन था: कुछ-कुछ उस दुनिया जैसा जब प्रलय थम गई थी। मैं सूर्योदय के बाद तक खेतों, झाड़ियों और गलियों के किनारे-किनारे चलता रहा। मुझे लगता है कि वह एक सुहावनी गर्मी की सुबह थी: मुझे पता है कि मेरे जूते, जो मैंने घर से निकलते समय पहने थे, ओस से जल्दी ही भीग गए थे। लेकिन मैंने न तो उगते सूरज की ओर देखा, न मुस्कुराते आकाश की ओर, न ही जागृत प्रकृति की ओर। जो किसी सुंदर दृश्य से गुजरने के लिए बाहर निकलता है

304 जेन आयर (डी) फांसी के तख्ते की ओर जाते हुए, अपने रास्ते में खिलते फूलों के बारे में नहीं सोचता, बल्कि उस तख्ते और कुल्हाड़ी की धार के बारे में सोचता है; हड्डी और नस के विच्छेदन के बारे में; अंत में खुलती कब्र के बारे में: और मैंने उदास पलायन और बेघर भटकने के बारे में सोचा—और ओह! पीड़ा से मैंने उस चीज़ के बारे में सोचा जिसे मैंने पीछे छोड़ दिया था। मैं खुद को रोक नहीं सकी। मैंने अब उसके बारे में सोचा—उसके कमरे में—सूर्योदय देखते हुए; आशा करते हुए कि मैं जल्द ही आकर कहूँगी कि मैं उसके साथ रहूँगी और उसकी हो जाऊँगी। मैं उसकी होने के लिए तड़प रही थी; मैं लौटने के लिए व्याकुल थी: अभी बहुत देर नहीं हुई थी; मैं अभी भी उसे शोक की कड़वी पीड़ा से बचा सकती थी। मुझे यकीन था कि अभी तक मेरा पलायन अज्ञात था। मैं वापस जा सकती थी और उसकी सांत्वना देने वाली—उसका गौरव; शायद विनाश से, उसके दुख से मुक्ति दिलाने वाली बन सकती थी। ओह, उसके आत्म-त्याग का वह भय—मेरे त्याग से कहीं अधिक बुरा—मुझे कितना परेशान कर रहा था! यह मेरे सीने में चुभते तीर की तरह था; जब मैंने इसे निकालने की कोशिश की तो इसने मुझे चीर डाला; जब यादों ने इसे और गहरा धकेल दिया तो इसने मुझे व्याकुल कर दिया। झाड़ियों और छोटे पेड़ों के बीच पक्षी गाने लगे: पक्षी अपने साथियों के प्रति वफादार थे; पक्षी प्रेम के प्रतीक थे। मैं क्या था? अपने हृदय के दर्द और सिद्धांतों के लिए किए गए उन्मत्त प्रयास के बीच, मैं स्वयं से घृणा करता था। मुझे आत्म-संतुष्टि से कोई सांत्वना नहीं मिली: आत्म-सम्मान से भी नहीं। मैंने अपने स्वामी को चोट पहुँचाई थी—घायल किया था—छोड़ दिया था। मैं अपनी ही नज़रों में

घृणित था। फिर भी मैं मुड़ नहीं सका, न ही एक कदम पीछे हट सका। ईश्वर ने ही मुझे आगे बढ़ाया होगा। जहाँ तक मेरी अपनी इच्छा या अंतरात्मा की बात है, तीव्र दुःख ने एक को कुचल दिया था और दूसरे को दबा दिया था। मैं अपने एकांत मार्ग पर चलते हुए बेतहाशा रो रहा था: मैं पागलों की तरह तेज़, तेज़ भाग रहा था। एक कमजोरी, जो भीतर से शुरू होकर अंगों तक फैल गई, ने मुझे जकड़ लिया और मैं गिर पड़ा: मैं कुछ मिनटों तक ज़मीन पर पड़ा रहा, अपना चेहरा गीली घास पर दबाए हुए। मुझे डर था—या शायद उम्मीद थी—कि यहीं मेरी मृत्यु हो जाएगी: लेकिन मैं जल्दी ही उठ खड़ा हुआ; हाथों और घुटनों के बल रेंगता हुआ आगे बढ़ा, और फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो गया—सड़क तक पहुँचने के लिए पहले की तरह ही उत्सुक और दृढ़ निश्चयी। जब मैं वहाँ पहुँचा, तो मुझे झाड़ी के नीचे आराम करने के लिए बैठना पड़ा; और जब मैं बैठा था, तो मैंने पहियों की आवाज़ सुनी और एक कोच को आते देखा। मैं खड़ा हुआ और अपना हाथ उठाया; वह रुक गया। मैंने पूछा कि वह कहाँ जा रहा है: ड्राइवर ने एक दूर जगह का नाम बताया, और मुझे यकीन था कि श्री रोचेस्टर का वहाँ कोई संबंध नहीं था। मैंने पूछा कि वह मुझे वहाँ कितने में ले जाएगा; उसने कहा तीस शिलिंग; मैंने जवाब दिया कि मेरे पास केवल बीस हैं; ठीक है, वह कोशिश करेगा कि काम चल जाए। उसने मुझे अंदर बैठने की अनुमति भी दी, क्योंकि गाड़ी खाली थी: मैं अंदर गया, अंदर बंद हो गया, और वह अपने रास्ते पर चल पड़ा। प्रिय पाठक, ईश्वर करे कि आप कभी भी वह महसूस न करें जो मैंने उस समय किया था! ईश्वर करे कि आपकी आँखें कभी भी ऐसे तूफानी, झुलसा देने वाले, हृदयविदारक आँसू न बहाएँ जैसे मेरी आँखों से बहे थे। ईश्वर करे कि तुम कभी भी स्वर्ग से ऐसी निराशापूर्ण और पीड़ादायक प्रार्थना न करो जैसी उस घड़ी में की थी जब मैंने तुम्हें छोड़ दिया था।

जेन आयर 305 नरम होंठ; क्योंकि मेरी तरह तुम कभी भी उस चीज़ के लिए बुराई का साधन बनने से न डरो जिसे तुम पूरी तरह से प्यार करते हो। अध्याय 11:20 दो दिन बीत चुके हैं। यह गर्मी की शाम है; कोचवान ने मुझे व्हिटक्रॉस नामक स्थान पर उतार दिया है; मैंने जो पैसे दिए थे, उसके लिए वह मुझे इससे आगे नहीं ले जा सकता था, और मेरे पास दुनिया का एक भी शिलिंग नहीं था। इस समय तक कोच एक मील दूर जा चुका है; मैं अकेली हूँ। इस क्षण मुझे पता चलता है कि मैं कोच की जेब से अपना पार्सल निकालना भूल गई थी, जहाँ मैंने उसे सुरक्षा के लिए रखा था; वह वहीं

रह गया है, वहीं रहना होगा; और अब, मैं पूरी तरह से बेसहारा हूँ। व्हिटक्रॉस न तो कोई कस्बा है, न ही कोई छोटा गाँव; यह केवल एक पत्थर का खंभा है जो चार सड़कों के संगम पर स्थापित है: शायद दूर से और अंधेरे में अधिक स्पष्ट दिखने के लिए सफेदी की गई है। इसके शिखर से चार भुजाएँ निकलती हैं: शिलालेख के अनुसार, जिस निकटतम कस्बे की ओर ये इंगित करती हैं, वह दस मील दूर है; सबसे दूर वाला बीस मील से अधिक दूर है। इन कस्बों के जाने-माने नामों से मुझे पता चलता है कि मैं किस ज़िले में उतरा हूँ; एक उत्तर-मध्यभूमि का इलाका, जहाँ दलदली ज़मीन है और पहाड़ियाँ फैली हुई हैं: यही मुझे दिखाई देता है। मेरे पीछे और दोनों ओर विशाल दलदल फैले हुए हैं; मेरे पैरों के नीचे उस गहरी घाटी के पार दूर तक पहाड़ों की लहरें फैली हुई हैं। यहाँ की आबादी कम ही होगी, और मुझे इन सड़कों पर कोई यात्री नहीं दिख रहा: ये सड़कें पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण की ओर फैली हुई हैं—सफेद, चौड़ी, सुनसान; ये सभी दलदली ज़मीन में कटी हुई हैं, और हीथर इनके किनारे तक घनी और जंगली रूप से उगी हुई है। फिर भी कोई राहगीर यहाँ से गुज़र सकता है; और मैं नहीं चाहता कि इस समय कोई मुझे देखे: अजनबी सोचेंगे कि मैं क्या कर रहा हूँ, यहाँ साइन-पोस्ट पर रुका हुआ, स्पष्ट रूप से बिना किसी उद्देश्य के और खोया हुआ। मुझसे सवाल पूछे जा सकते हैं: मैं कोई जवाब नहीं दे सकता सिवाय इसके कि जो अविश्वसनीय लगे और संदेह पैदा करे। इस समय मुझे मानव समाज से कोई बंधन नहीं है—कोई आकर्षण या आशा मुझे वहाँ नहीं बुला रही जहाँ मेरे साथी प्राणी हैं—मुझे देखने वाला कोई भी मेरे लिए अच्छा नहीं सोचेगा या मेरी कामना नहीं करेगा। मेरा कोई रिश्तेदार नहीं है सिवाय सार्वभौमिक माँ, प्रकृति के: मैं उसकी गोद में शरण लूँगा और शांति माँगूँगा। मैं सीधे बंजर भूमि में घुस गया; मैंने एक खोखले स्थान को पकड़ लिया जो मुझे भूरी बंजर भूमि में गहरी लकीरें बनाता हुआ दिखाई दिया; मैं घुटनों तक गहरे पानी में घने घने जंगल में चला गया; मैं उसके घुमावों के साथ मुड़ा, और एक छिपे हुए कोने में काई से ढकी ग्रेनाइट की चट्टान पाकर, मैं उसके नीचे बैठ गया। मेरे चारों ओर बंजर भूमि के ऊँचे किनारे थे; चट्टान ने मेरे सिर की रक्षा की: उसके ऊपर आकाश था। कुछ समय बीतने के बाद ही मुझे यहाँ भी शांति का अनुभव हुआ: मुझे

 —————— जंगली मवेशियों के आस-पास होने या किसी शिकारी या अवैध शिकारी द्वारा मुझे खोज निकाले जाने का अस्पष्ट भय। यदि हवा का

एक झोंका रेगिस्तान में बहता, तो मैं ऊपर देखती, यह सोचकर कि कहीं कोई बैल तो नहीं आ गया; यदि कोई चिड़िया सीटी बजाती, तो मैं उसे कोई आदमी समझ बैठती। हालाँकि, अपने डर को निराधार पाकर और शाम ढलते ही छा जाने वाली गहरी शांति से शांत होकर, मैंने आत्मविश्वास प्राप्त किया। अभी तक मैंने सोचा नहीं था; मैं केवल सुनती, देखती और डरती रही थी; अब मुझे सोचने-समझने की शक्ति वापस मिल गई थी। मैं क्या करूँ? कहाँ जाऊँ? ओह, असहनीय प्रश्न, जब मैं कुछ नहीं कर सकती और कहीं नहीं जा सकती!—जब मानव बस्ती तक पहुँचने से पहले मेरे थके हुए, काँपते अंगों को अभी लंबा रास्ता तय करना था—जब मुझे रहने की जगह पाने से पहले ठंडी दया की भीख माँगनी थी: अनिच्छुक सहानुभूति की याचना करनी थी, लगभग निश्चित रूप से अस्वीकृति का सामना करना था, इससे पहले कि मेरी कहानी सुनी जाए, या मेरी कोई ज़रूरत पूरी की जाए! मैंने बंजर ज़मीन को छुआ: वह सूखी थी, फिर भी गर्मी से भरी हुई थी। मैंने आकाश की ओर देखा; वह निर्मल था: खाई की चोटी के ठीक ऊपर एक सुंदर तारा टिमटिमा रहा था। दिन ढल रहा था, लेकिन सुखद कोमलता के साथ; हवा का कोई झोंका नहीं था। प्रकृति मुझे दयालु और भली लगी; मुझे लगा कि वह मुझसे प्यार करती है, भले ही मैं समाज से बहिष्कृत था; और मैं, जो मनुष्य से केवल अविश्वास, अस्वीकृति और अपमान की ही उम्मीद कर सकता था, उससे पुत्रवत स्नेह से लिपटा रहा। कम से कम आज रात, मैं उसका मेहमान बनूँगा, जैसे उसका बच्चा: मेरी माँ मुझे बिना पैसे और बिना किसी कीमत के अपने घर में रखेगी। मेरे पास अभी भी रोटी का एक टुकड़ा बचा था: दोपहर में जिस कस्बे से हम गुज़रे थे, वहाँ से मैंने एक सिक्के से जो रोटी खरीदी थी, उसका बचा हुआ हिस्सा—मेरा आखिरी सिक्का। मैंने बंजर ज़मीन में जगह-जगह पके हुए बेर चमकते देखे, जैसे काले मोती: मैंने मुट्ठी भर बेर तोड़े और उन्हें रोटी के साथ खा लिया। मेरी भूख, जो पहले बहुत तेज़ थी, इस साधु के भोजन से, अगर पूरी तरह से शांत नहीं हुई, तो कम से कम शांत हो गई। शाम की प्रार्थना समाप्त होने पर मैंने प्रार्थना की और फिर अपना पलंग चुना। चट्टान के किनारे घास का मैदान बहुत गहरा था: जब मैं लेटा तो मेरे पैर उसमें धंस गए; दोनों ओर ऊँचाई तक फैली घास ने रात की हवा के लिए केवल एक संकीर्ण जगह छोड़ी थी। मैंने अपनी शॉल को दोहरा मोड़कर अपने ऊपर ओढ़ लिया; काई से ढका एक छोटा सा गड्ढा मेरा तकिया बन गया। इस तरह लेटने पर, कम से कम रात की शुरुआत में, मुझे ठंड नहीं लग रही थी। मेरा आराम काफी सुखद हो

सकता था, लेकिन एक दुखी हृदय ने उसे तोड़ दिया। वह अपने गहरे घावों, अपने भीतर के रक्तस्राव, अपने टूटे हुए दिलों का विलाप कर रहा था। वह श्री रोचेस्टर और उनके भाग्य के लिए कांप रहा था; वह उनके लिए कड़वी दया से विलाप कर रहा था; वह निरंतर लालसा से उन्हें पुकार रहा था; और, टूटे हुए पंखों वाले पक्षी की तरह, वह अब भी व्यर्थ ही उन्हें खोजने के प्रयास में अपने टूटे हुए पंखों को फड़फड़ा रहा था।
जेन आयर 307 एसएस renenneeeeneeeeseeseee eee ee विचारों की इस पीड़ा से थककर मैं घुटनों के बल उठी। रात हो चुकी थी, और उसके ग्रह उदय हो चुके थे: एक सुरक्षित, शांत रात: भय की संगति के लिए बहुत शांत। हम जानते हैं कि ईश्वर सर्वव्यापी है; लेकिन निश्चित रूप से हम उनकी उपस्थिति को सबसे अधिक तब महसूस करते हैं जब उनके कार्य हमारे सामने सबसे भव्य पैमाने पर फैले होते हैं; और यह निर्मल रात्रि आकाश में है, जहाँ उनके ग्रह अपने मौन पथ पर विचरण करते हैं, कि हम उनकी अनंतता, उनकी सर्वशक्तिमत्ता, उनकी सर्वव्यापकता को सबसे स्पष्ट रूप से पढ़ पाते हैं। मैं श्री रोचेस्टर के लिए प्रार्थना करने के लिए घुटनों के बल उठी थी। ऊपर देखते हुए, मैंने आँसुओं से धुंधली आँखों से विशाल आकाशगंगा को देखा। यह याद करते हुए कि यह क्या था—वे अनगिनत प्रणालियाँ जो अंतरिक्ष में प्रकाश की एक कोमल लकीर की तरह फैली हुई थीं—मैंने ईश्वर की शक्ति और सामर्थ्य को महसूस किया। मुझे उनकी बनाई हुई चीज़ों को बचाने की उनकी क्षमता पर पूरा विश्वास था: मुझे विश्वास हो गया कि न तो पृथ्वी नष्ट होगी, न ही इसमें बसी कोई आत्मा। मैंने अपनी प्रार्थना को कृतज्ञता में बदल दिया: जीवन का स्रोत आत्माओं का उद्धारकर्ता भी था। श्री रोचेस्टर सुरक्षित थे: वे ईश्वर के थे, और ईश्वर ही उनकी रक्षा करेंगे। मैं फिर से पहाड़ी की गोद में लेट गई; और जल्द ही नींद में अपने दुख को भूल गई। लेकिन अगले दिन, अभाव मुझ पर पीला और निर्धन होकर आ पड़ा। छोटे पक्षियों के अपने घोंसलों से चले जाने के बहुत बाद; मधुमक्खियों के दिन के सुनहरे उजाले में ओस सूखने से पहले झाड़ियों का शहद इकट्ठा करने के बहुत बाद—जब सुबह की लंबी परछाइयाँ छंट गईं, और सूरज धरती और आकाश को भर दिया—मैं उठी, और मैंने अपने चारों ओर देखा। कितना शांत, गर्म, उत्तम दिन! यह फैला हुआ मैदान कितना सुनहरा रेगिस्तान है! हर जगह धूप। काश मैं इसमें और इस पर रह पाती। मैंने एक छिपकली को चट्टान पर दौड़ते देखा; मैंने एक मधुमक्खी को मीठे बेरों के बीच व्यस्त देखा। उस क्षण मैं मधुमक्खी या छिपकली बनना चाहती थी, ताकि मुझे

यहाँ उचित पोषण, स्थायी आश्रय मिल सके। लेकिन मैं एक इंसान था, और मेरी भी इंसानी ज़रूरतें थीं: मुझे वहाँ नहीं रुकना चाहिए था जहाँ उन्हें पूरा करने के लिए कुछ भी न हो। मैं उठा; मैंने उस बिस्तर को पीछे मुड़कर देखा जिसे मैं छोड़कर आया था। भविष्य से निराश होकर, मेरी बस यही इच्छा थी कि उस रात मेरे रचयिता ने सोते समय मेरी आत्मा को मुझसे ले जाने का निर्णय लिया हो; और यह थका हुआ शरीर, मृत्यु द्वारा भाग्य के साथ आगे के संघर्ष से मुक्त होकर, अब शांति से गल जाए और इस वीरान भूमि की मिट्टी में मिल जाए। हालाँकि, जीवन अभी भी मेरे अधिकार में था, अपनी सभी आवश्यकताओं, कष्टों और जिम्मेदारियों के साथ। बोझ उठाना ही था; ज़रूरतों को पूरा करना था; कष्ट सहना था; जिम्मेदारी निभानी थी। मैं चल पड़ा। व्हिटक्रॉस को फिर से पाकर, मैं उस सड़क पर चल पड़ा जो सूरज से दूर जा रही थी, जो अब तेज़ और ऊँचा था। किसी और परिस्थिति से मेरी पसंद तय नहीं हो सकती थी। मैं बहुत देर तक चलता रहा, और जब मैं

 मैंने सोचा कि मैंने लगभग काफी कुछ कर लिया है, और शायद मैं उस थकान के आगे झुक जाऊं जो मुझे लगभग वश में कर चुकी थी—शायद मैं इस मजबूरी वाली क्रिया को छोड़ दूं, और पास में पड़े एक पत्थर पर बैठ जाऊं, और उस उदासीनता के आगे निःसंकोच हो जाऊं जिसने मेरे हृदय और शरीर को जकड़ रखा था —तभी मुझे एक घंटी की आवाज सुनाई दी—एक गिरजाघर की घंटी। मैं आवाज की दिशा में मुड़ी, और वहाँ, उन रमणीय पहाड़ियों के बीच, जिनके बदलते स्वरूपों पर मैंने एक घंटे पहले ध्यान देना बंद कर दिया था, मुझे एक छोटा सा गाँव और एक मीनार दिखाई दी। मेरे दाहिनी ओर की पूरी घाटी चरागाहों, अनाज के खेतों और जंगलों से भरी हुई थी; और एक चमकती हुई धारा हरे रंग की विभिन्न छटाओं, पकते हुए अनाज, घने जंगलों और साफ और धूप वाले मैदानों के बीच से टेढ़ी-मेढ़ी बह रही थी। पहियों की गड़गड़ाहट से मुझे सामने सड़क की याद आई, और मैंने एक भारी माल से लदी गाड़ी को पहाड़ी पर चढ़ते हुए देखा, और थोड़ी दूर पर दो गायें और उनका चरवाहा थे। मानव जीवन और मानव श्रम निकट थे। मुझे संघर्ष जारी रखना होगा: जीने के लिए संघर्ष करना होगा और बाकियों की तरह मेहनत करनी होगी। दोपहर करीब दो बजे मैं गाँव में दाखिल हुआ। गाँव की इकलौती गली के आखिर में एक छोटी सी दुकान थी, जिसकी खिड़की में कुछ रोटियाँ रखी थीं। मुझे एक रोटी खाने की तीव्र इच्छा हुई। उस रोटी से शायद मुझे थोड़ी ऊर्जा मिल जाती: उसके बिना आगे बढ़ना

मुश्किल होता। जैसे ही मैं अपने साथियों के बीच पहुँचा, मुझे फिर से शक्ति और स्फूर्ति पाने की इच्छा हुई। मुझे लगा कि किसी गाँव के रास्ते पर भूख से बेहोश हो जाना अपमानजनक होगा। क्या मेरे पास ऐसा कुछ भी नहीं था जो मैं इन रोटियों के बदले दे सकूँ? मैंने सोचा। मेरे गले में एक छोटा सा रेशमी रुमाल बंधा था; मेरे पास दस्ताने थे। मैं शायद ही समझ पा रहा था कि घोर गरीबी में पुरुष और महिलाएं कैसे गुजारा करते होंगे। मुझे नहीं पता था कि इनमें से कोई भी चीज स्वीकार की जाएगी या नहीं: शायद नहीं; लेकिन मुझे कोशिश करनी ही होगी। मैं दुकान में दाखिल हुआ: वहाँ एक महिला थी। एक सभ्य पोशाक पहने व्यक्ति को देखकर, जैसा कि उसने सोचा, वह विनम्रता से आगे आई। वह मेरी सेवा कैसे कर सकती थी? मुझे शर्म आ रही थी: मेरी ज़बान से वो विनती नहीं निकल रही थी जो मैंने सोच रखी थी। मैं उसे आधे घिसे हुए दस्ताने, सिकुड़ा हुआ रूमाल देने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी: वैसे भी, मुझे लग रहा था कि ये बेतुका होगा। मैंने बस थोड़ी देर बैठने की इजाज़त मांगी, क्योंकि मैं थकी हुई थी। ग्राहक की उम्मीद में निराश होकर, उसने मेरी बात मान ली। उसने एक कुर्सी की ओर इशारा किया; मैं उस पर बैठ गई। मुझे रोने का बहुत मन कर रहा था; लेकिन ये जानते हुए कि ऐसा करना ठीक नहीं होगा, मैंने खुद को रोक लिया। थोड़ी देर बाद मैंने उससे पूछा, 'क्या गाँव में कोई दर्जी या साधारण काम करने वाली महिला है?' 'हाँ; दो-तीन। जितनी ज़रूरत है, उतनी हैं।'

जेन आयर 309 एसईएस मैंने सोचा। अब मैं बिल्कुल मजबूर हो गई थी। मैं मजबूरी के सामने खड़ी थी। मेरे पास कोई सहारा नहीं था, कोई दोस्त नहीं था, एक पैसा भी नहीं था। मुझे कुछ करना ही होगा। क्या? मुझे कहीं आवेदन करना होगा। कहाँ? 'क्या उन्हें आस-पड़ोस में कोई ऐसी जगह पता है जहाँ नौकरानी की ज़रूरत हो?' 'नहीं; वह नहीं बता सकतीं।' 'यहाँ का मुख्य व्यवसाय क्या है? ज़्यादातर लोग क्या करते हैं?' 'कुछ खेतिहर मजदूर हैं; काफी लोग श्री ओलिवर की सुई बनाने की फैक्ट्री और फाउंड्री में काम करते हैं।' 'क्या श्री ओलिवर महिलाओं को काम पर रखते हैं?' 'नहीं; यह पुरुषों का काम है।' 'और महिलाएं क्या करती हैं?' 'मुझे नहीं पता,' जवाब था। 'कुछ एक काम करती हैं, कुछ दूसरा। गरीब लोगों को जैसे-तैसे गुज़ारा करना पड़ता है।' वह मेरे सवालों से थक चुकी थीं: और सच में, मुझे उनसे बार-बार पूछने का क्या हक था? एक-दो पड़ोसी अंदर आए; मेरी कुर्सी की ज़रूरत साफ़ दिख रही थी। मैंने विदा ली। मैं गली में आगे बढ़ा, दाहिनी और बाईं ओर के सभी घरों को देखता हुआ;

लेकिन मुझे किसी भी घर में प्रवेश करने का कोई कारण या प्रेरणा नहीं मिली। मैं एक घंटे या उससे अधिक समय तक गाँव में इधर-उधर घूमता रहा, कभी थोड़ी दूर जाकर वापस लौट आता। बहुत थका हुआ और भूख से व्याकुल होकर, मैं एक गली में मुड़ा और झाड़ी के नीचे बैठ गया। कुछ ही मिनटों में, मैं फिर से खड़ा हो गया और कुछ खोजने लगा—कोई सहारा, या कम से कम कोई सूचना देने वाला। गली के अंत में एक सुंदर छोटा सा घर था, जिसके सामने एक बगीचा था, जो बेहद साफ-सुथरा और खिले हुए फूलों से भरा हुआ था। मैं वहीं रुक गया। मुझे उस सफेद दरवाजे के पास जाने या चमकते हुए नॉकर को छूने की क्या ज़रूरत थी? उस घर के निवासियों को मेरी सेवा करने में क्या रुचि हो सकती थी? फिर भी मैं पास गया और दरवाजा खटखटाया। एक सौम्य दिखने वाली, साफ-सुथरे कपड़े पहनी युवती ने दरवाजा खोला। एक निराश हृदय और कमजोर शरीर से जैसी आवाज की उम्मीद की जा सकती है, वैसी ही धीमी और लड़खड़ाती आवाज में मैंने पूछा, क्या यहाँ नौकर की आवश्यकता है? 'नहीं,' उसने कहा; 'हम नौकर नहीं रखते।' 'क्या आप मुझे बता सकती हैं कि मुझे किसी भी तरह का काम कहाँ मिल सकता है?' मैंने आगे कहा। 'मैं अजनबी हूँ, इस जगह से मेरा कोई परिचित नहीं है। मुझे कुछ काम चाहिए: चाहे कुछ भी हो।' लेकिन मेरे लिए सोचना या मेरे लिए जगह ढूंढना उसका काम नहीं था: इसके अलावा, उसकी नजरों में मेरा चरित्र, मेरी स्थिति और मेरी कहानी कितनी संदिग्ध रही होगी। उसने अपना सिर हिलाया, वह

 ——————————— 'मुझे कोई जानकारी न दे पाने का उसे अफसोस था,' और सफेद दरवाजा बड़े ही कोमल और शालीनता से बंद हो गया: लेकिन इसने मुझे बाहर कर दिया। अगर उसने इसे थोड़ी देर और खुला रखा होता, तो मुझे लगता है कि मैं रोटी का एक टुकड़ा मांग लेती; क्योंकि मैं अब बहुत कमजोर हो चुकी थी। मैं उस गंदे गाँव में वापस नहीं जा सकती थी, जहाँ मदद की कोई उम्मीद भी नहीं थी। मैं पास ही दिख रहे एक जंगल की ओर जाना चाहती थी, जो अपनी घनी छाया में आश्रय देने का वादा करता प्रतीत होता था; लेकिन मैं इतनी बीमार, इतनी कमजोर, और प्रकृति की भूख से इतनी व्याकुल थी कि मेरी सहज प्रवृत्ति मुझे उन घरों के आसपास भटकने पर मजबूर कर रही थी जहाँ भोजन मिलने की संभावना थी। एकांत, एकांत नहीं होता—आराम, आराम नहीं होता—जब तक भूख रूपी गिद्ध मेरे बगल में अपनी चोंच और पंजे गड़ाए रहती। मैं घरों के पास पहुँची; मैं उन्हें छोड़कर

चला गया, फिर वापस आया, और फिर भटकने लगा: हमेशा इस बात से विचलित होता रहा कि मुझे कुछ भी मांगने का कोई अधिकार नहीं है—अपने अकेलेपन में किसी से मदद की उम्मीद करने का कोई हक नहीं है। इसी बीच, दोपहर ढलती चली गई, और मैं इस तरह एक खोए हुए और भूखे कुत्ते की तरह भटकता रहा। एक खेत पार करते हुए, मैंने अपने सामने गिरजाघर का शिखर देखा: मैं उसकी ओर तेजी से बढ़ा। गिरजाघर के पास, और एक बगीचे के बीच में, एक छोटा सा, लेकिन अच्छी तरह से बना हुआ घर खड़ा था, जो मुझे निस्संदेह पादरी का निवास था। मुझे याद आया कि अजनबी जो किसी ऐसी जगह पर आते हैं जहाँ उनके कोई दोस्त नहीं होते, और जिन्हें काम की तलाश होती है, वे कभी-कभी परिचय और सहायता के लिए पादरी से संपर्क करते हैं। पादरी का कर्तव्य है कि वे उन लोगों की मदद करें—कम से कम सलाह देकर—जो स्वयं अपनी मदद करना चाहते हैं। मुझे यहाँ सलाह लेने का कुछ अधिकार सा लगा। फिर मैंने अपना साहस जुटाया, और अपनी बची-खुची ताकत इकट्ठा की, और आगे बढ़ा। मैं घर पहुँचा, और रसोई के दरवाजे पर दस्तक दी। एक बूढ़ी औरत ने दरवाजा खोला: मैंने पूछा, क्या यह पादरी का निवास है? नीस ने पूछा, “क्या पादरी अंदर थे?” “नहीं।” “क्या वे जल्द ही आ जाएँगे?” “नहीं, वे घर से बाहर गए थे।” “कहीं दूर?” “ज़्यादा दूर नहीं—लगभग तीन मील। उनके पिता की अचानक मृत्यु के कारण उन्हें जाना पड़ा था: वे अभी मार्श एंड में हैं, और संभवतः वहाँ दो सप्ताह और रुकेंगे।” “क्या घर में कोई महिला थी?” “नहीं, उनके अलावा कोई नहीं था, और वह गृहणी थीं।” और उनसे, पाठक, मैं उस राहत की भीख नहीं माँग सकता था जिसके अभाव में मैं डूब रहा था; मैं अभी भीख नहीं माँग सकता था; और फिर मैं रेंगता हुआ चला गया। एक बार फिर मैंने अपना रूमाल उतारा—एक बार फिर मैंने सोचा

जेन आयर 311 तो छोटी सी दुकान में रोटी के टुकड़ों के बारे में सुनकर मुझे लगा, काश एक टुकड़ा ही मिल जाए! काश एक निवाला ही भूख की पीड़ा को कम कर दे! सहज ही मैंने अपना चेहरा फिर से गाँव की ओर मोड़ा; मुझे दुकान फिर से मिल गई, और मैं अंदर गई; और यद्यपि वहाँ उस महिला के अलावा और भी लोग थे, मैंने हिम्मत करके पूछा—‘क्या वह मुझे इस रूमाल के बदले एक रोटी का रोल देंगी?’ उसने मुझे स्पष्ट संदेह से देखा: ‘नहीं, वह इस तरह का सामान कभी नहीं बेचती।’ लगभग हताश होकर, मैंने आधी रोटी माँगी; उसने फिर से मना कर दिया। “उसे कैसे पता चलेगा कि

मुझे रूमाल कहाँ से मिला?" उसने कहा। "क्या वह मेरे दस्ताने ले लेंगी?" 'नहीं! वह उनका क्या करेगी?' पाठक, इन विवरणों पर विचार करना सुखद नहीं है। कुछ लोग कहते हैं कि बीते हुए दर्दनाक अनुभवों को याद करने में आनंद होता है; लेकिन आज के दिन उन दिनों को याद करना मेरे लिए बहुत मुश्किल है जिनका मैं जिक्र कर रहा हूँ: शारीरिक पीड़ा के साथ-साथ नैतिक पतन की यादें इतनी दर्दनाक हैं कि उन्हें याद करना कभी भी अच्छा नहीं लगता। मैंने उन लोगों में से किसी को भी दोष नहीं दिया जिन्होंने मुझे ठुकरा दिया। मुझे लगा कि यही होना था और इसमें कुछ किया नहीं जा सकता था: एक साधारण भिखारी अक्सर संदेह का पात्र होता है; और एक सलीके से कपड़े पहने भिखारी तो निश्चित रूप से संदेह का पात्र होता है। बेशक, भीख मांगना एक तरह का रोजगार था; लेकिन मुझे रोजगार देना किसका काम था? निश्चित रूप से उन लोगों का नहीं जिन्होंने मुझे पहली बार देखा था और जो मेरे चरित्र के बारे में कुछ नहीं जानते थे। और उस महिला की बात करें जिसने मेरी रोटी के बदले मेरा रूमाल लेने से इनकार कर दिया, तो वह सही थी, अगर उसे वह प्रस्ताव संदिग्ध लगा या लेन-देन लाभहीन लगा। अब मैं संक्षेप में बताता हूँ। मैं इस विषय से ऊब गया हूँ। अंधेरा होने से कुछ देर पहले मैं एक फार्महाउस के पास से गुजरा, जिसके खुले दरवाजे पर किसान बैठा रोटी और पनीर का अपना रात का खाना खा रहा था। मैं रुकी और बोली — 'क्या आप मुझे रोटी का एक टुकड़ा देंगे? क्योंकि मुझे बहुत भूख लगी है।' उन्होंने आश्चर्य भरी नज़र से मेरी ओर देखा; लेकिन बिना कुछ कहे, उन्होंने अपनी रोटी में से एक मोटा टुकड़ा काटकर मुझे दे दिया। मुझे लगता है कि उन्होंने मुझे भिखारी नहीं, बल्कि एक सनकी किस्म की महिला समझा होगा, जिसे उनकी भूरी रोटी पसंद आ गई थी। जैसे ही मैं उनके घर से ओझल हुई, मैं बैठ गई और उसे खा लिया। मुझे कहीं छत के नीचे रहने की जगह नहीं मिल रही थी, इसलिए मैंने उसी जंगल में रहने की जगह ढूंढी जिसका मैंने पहले ज़िक्र किया था। लेकिन मेरी रात बहुत खराब गुज़री, मेरी नींद टूटी: ज़मीन गीली थी, हवा ठंडी थी: इसके अलावा, कई बार घुसपैठिए मेरे पास से गुज़रे, और मुझे बार-बार अपना ठिकाना बदलना पड़ा: मुझे ज़रा भी सुरक्षा या शांति का एहसास नहीं हुआ। सुबह होते-होते बारिश शुरू हो गई;

अगला पूरा दिन बारिश से भीगा रहा। पाठक, मुझसे उस दिन का विस्तृत विवरण न

मांगें; पहले की तरह, मैंने काम की तलाश की; पहले की तरह, मुझे ठुकरा दिया गया; पहले की तरह, मैं भूखी रही; लेकिन एक बार मेरे होठों पर खाना लगा। एक झोपड़ी के दरवाजे पर मैंने एक छोटी लड़की को ठंडे दलिया का ढेर सूअर के नांद में डालते देखा। 'क्या तुम मुझे यह दोगी?' मैंने पूछा। उसने मुझे घूर कर देखा। 'माँ!' वह चिल्लाई, 'एक औरत मुझसे यह दलिया मांग रही है।' 'ठीक है, बच्ची,' भीतर से एक आवाज़ आई, 'अगर वह भिखारी है तो उसे दे दो। सूअर को इसकी ज़रूरत नहीं है।' लड़की ने जमे हुए दलिया को मेरे हाथों में उड़ेल दिया और मैंने उसे बड़ी लालच से खा लिया। जैसे-जैसे नम शाम गहरी होती गई, मैं एक सुनसान पगडंडी पर रुक गया, जिस पर मैं एक घंटे से अधिक समय से चल रहा था। मैंने मन ही मन कहा, 'मेरी शक्ति बिल्कुल जवाब दे रही है। मुझे लगता है कि मैं अब और आगे नहीं जा सकता। क्या आज रात मैं फिर से अकेला पड़ जाऊँगा? जब तक बारिश इतनी तेज़ हो रही है, क्या मुझे अपना सिर ठंडी, भीगी हुई ज़मीन पर रखना होगा? मुझे डर है कि मैं इसके अलावा कुछ नहीं कर सकता: क्योंकि मुझे कौन अपनाएगा? लेकिन यह बहुत भयानक होगा, भूख, कमजोरी, ठंड और इस निराशा के साथ—आशा का यह पूर्ण पतन। हालाँकि, पूरी संभावना है कि मैं सुबह होने से पहले ही मर जाऊँगा। और मैं मृत्यु की संभावना को क्यों स्वीकार नहीं कर पा रहा हूँ? मैं एक बेकार जीवन को बनाए रखने के लिए क्यों संघर्ष कर रहा हूँ? क्योंकि मैं जानता हूँ, या मानता हूँ, कि मिस्टर रोचेस्टर जीवित हैं: और फिर, अभाव और ठंड से मरना एक ऐसा भाग्य है जिसे प्रकृति चुपचाप स्वीकार नहीं कर सकती। हे ईश्वर! मुझे थोड़ी देर और सहारा दो! मेरी मदद करो! —सीधे मेल!' मेरी धुंधली नज़रें धुंधले और निर्मल परिदृश्य पर घूम गईं। मैंने देखा कि मैं गाँव से बहुत दूर भटक गया था: वह बिल्कुल नज़र से ओझल हो गया था। उसके चारों ओर की सारी खेती गायब हो चुकी थी। मैं चौराहों और पगडंडियों से होते हुए एक बार फिर बंजर भूमि के पास पहुँच गया था; और अब, मेरे और उस धुंधली पहाड़ी के बीच केवल कुछ खेत थे, जो लगभग उतने ही जंगली और अनुत्पादक थे जितनी वह बंजर भूमि जिससे उन्हें बड़ी मुश्किल से पुनः प्राप्त किया गया था। 'खैर, मैं किसी गली या व्यस्त सड़क पर मरने की बजाय वहीं मरना पसंद करूँगा,' मैंने सोचा। 'और यह कहीं बेहतर है कि कौवे और रेवेन—अगर इन इलाकों में कोई रेवेन हैं—मेरी हड्डियों से मेरा मांस नोच लें, बजाय इसके कि मुझे किसी वर्कहाउस के ताबूत में कैद किया जाए और किसी गरीब की कब्र में सड़ना पड़े।' फिर

मैं पहाड़ी की ओर मुड़ा। मैं वहाँ पहुँच गया। अब बस एक ऐसी खोखली जगह ढूँढनी थी जहाँ मैं लेट सकूँ, और कम से कम सुरक्षित न होते हुए भी, खुद को छिपा सकूँ। लेकिन बंजर भूमि की सारी सतह समतल लग रही थी। इसमें रंग के अलावा कोई भिन्नता नहीं थी: हरा, जहाँ दलदलों पर सरकंडे और काई उग आए थे; काला, जहाँ सूखी मिट्टी में छेद थे

 —_————————_—_—_—_ i—_—_—_—_—_—_—_—_—_—_— केवल बंजर भूमि। अंधेरा बढ़ता जा रहा था, फिर भी मैं इन बदलावों को देख पा रही थी, हालांकि ये केवल प्रकाश और छाया के क्रमिक परिवर्तन मात्र थे; क्योंकि दिन के उजाले के साथ रंग फीके पड़ गए थे। मेरी नज़र अब भी उबड़-खाबड़ टीलों और दलदली भूमि के किनारे पर घूम रही थी, जो सबसे जंगली दृश्यों के बीच गायब हो रही थी, तभी एक धुंधले बिंदु पर, दलदलों और पहाड़ियों के बीच दूर, एक प्रकाश प्रकट हुआ। “यह तो एक भयंकर आग है,” मेरा पहला विचार था; और मुझे उम्मीद थी कि यह जल्द ही गायब हो जाएगी। लेकिन यह लगातार जलती रही, न कम हुई और न बढ़ी। “तो क्या यह अभी-अभी जलाई गई कोई बड़ी आग है?” मैंने सोचा। मैंने देखा कि क्या यह फैलेगी: लेकिन नहीं; न कम हुई, न बढ़ी। “हो सकता है यह किसी घर में जलती मोमबत्ती हो,” मैंने अनुमान लगाया; “लेकिन अगर ऐसा है, तो मैं कभी उस तक नहीं पहुँच सकता। यह बहुत दूर है: और अगर यह मेरे एक गज के भीतर भी होती, तो क्या फायदा? मैं बस दरवाजे पर दस्तक देता और वह मेरे चेहरे पर बंद हो जाता।” और मैं जहाँ खड़ा था वहीं बैठ गया, और अपना चेहरा ज़मीन पर छिपा लिया। मैं कुछ देर तक चुपचाप लेटा रहा: रात की हवा पहाड़ी और मेरे ऊपर से गुज़री, और दूर कहीं धीमी होकर सिसकने लगी; बारिश तेज़ हो रही थी, जिससे मैं फिर से भीग गया। काश मैं उस ठंडी ठंड—मौत की उस मित्रवत सुन्नता—के प्रति अकड़ जाता, तो बारिश मुझ पर बरसती रहती; मुझे इसका एहसास भी नहीं होता; लेकिन मेरी अभी भी जीवित देह उस ठंडक भरे प्रभाव से कांप उठी। मैं थोड़ी देर में उठा। प्रकाश अभी भी वहीं था, बारिश में मंद लेकिन लगातार चमक रहा था। मैंने फिर से चलने की कोशिश की: मैं अपने थके हुए अंगों को धीरे-धीरे उसकी ओर घसीटता हुआ ले गया। वह मुझे पहाड़ी के ऊपर तिरछे रास्ते से, एक चौड़े दलदल से होते हुए ले गया, जो सर्दियों में भी पार करना असंभव होता, और अब, गर्मियों के चरम पर भी, छलक रहा था और हिल रहा था। यहाँ मैं दो बार गिरा; लेकिन उतनी ही

बार उठा और अपनी शक्ति को फिर से इकट्ठा किया। यह प्रकाश मेरी एकमात्र आशा थी: मुझे इसे पाना ही था। दलदल पार करने के बाद, मैंने बंजर भूमि पर सफेद रंग का एक निशान देखा। मैं उसके पास पहुँचा; यह एक सड़क या पगडंडी थी: यह सीधे प्रकाश की ओर जा रही थी, जो अब पेड़ों के एक झुंड के बीच एक छोटी सी पहाड़ी से चमक रही थी—अंधेरे में उनके आकार और पत्तियों की बनावट से जो मैं पहचान सका, उससे स्पष्ट था कि वे देवदार के पेड़ थे। जैसे ही मैं पास पहुँचा, मेरा तारा गायब हो गया: मेरे और उसके बीच कोई बाधा आ गई थी। मैंने अपने सामने के अंधेरे पिंड को महसूस करने के लिए अपना हाथ बढ़ाया: मैंने खुरदुरे पत्थरों को पहचाना। एक नीची दीवार के ऊपर, बाड़ जैसी कोई चीज़ थी, और अंदर, एक ऊँची और कांटेदार झाड़ी थी। मैं टटोलता हुआ आगे बढ़ा। फिर से मेरे सामने एक सफ़ेद वस्तु चमकी: यह एक द्वार था—एक छोटा सा दरवाज़ा; जैसे ही मैंने इसे छुआ, यह अपने कब्ज़ों पर हिल गया। दोनों ओर काले रंग की झाड़ियाँ थीं—हॉली या यू। द्वार से अंदर जाकर और झाड़ियों को पार करते हुए, एक घर की आकृति दिखाई दी, काली, नीची और काफ़ी लंबी; लेकिन

 ————————= =K[&VO=—€_€_€—£__“*_*“"_> कहीं भी हल्की रोशनी नहीं चमक रही थी। चारों ओर अंधेरा छाया हुआ था। क्या कमरे में रहने वाले लोग आराम करने चले गए थे? मुझे डर था कि ऐसा ही होगा। दरवाज़ा ढूंढते हुए, मैं मुड़ी: तभी एक बहुत छोटी जालीदार खिड़की के समचतुर्भुजाकार शीशों से फिर से एक दोस्ताना चमक निकली, जो ज़मीन से एक फुट की दूरी पर थी, और आइवी या किसी अन्य रेंगने वाले पौधे के बढ़ने से और भी छोटी हो गई थी, जिसके पत्ते घर की दीवार के उस हिस्से पर घने गुच्छों में फैले हुए थे जहाँ वह खिड़की लगी थी। खिड़की इतनी संकरी और ढकी हुई थी कि पर्दे या शटर की ज़रूरत ही नहीं थी; और जब मैं झुकी और उस पर लटके पत्तों के गुच्छे को हटाया, तो मैं अंदर सब कुछ देख सकी। मैं एक कमरा साफ़-साफ़ देख सकती थी जिसका फर्श रेत से चिकना किया हुआ था, एकदम साफ; अखरोट की लकड़ी की एक अलमारी, जिस पर पीतल की प्लेटें पंक्तियों में सजी थीं, जो एक चमकती हुई मोमबत्ती की लालिमा और दीप्ति को प्रतिबिंबित कर रही थीं। पीट की आग। मुझे एक घड़ी, एक सफेद लकड़ी की मेज और कुछ कुर्सियाँ दिखाई दीं। मोमबत्ती, जिसकी रोशनी मेरे लिए मार्गदर्शक थी, मेज पर जल रही थी; और उसकी रोशनी में एक बुजुर्ग महिला,

कुछ हद तक खुरदरी दिखने वाली, लेकिन अपने आस-पास के सभी लोगों की तरह बेहद साफ-सुथरी, एक मोजा बुन रही थी। मैंने इन वस्तुओं पर सरसरी नजर डाली—उनमें कुछ भी असाधारण नहीं था। चूल्हे के पास कुछ और दिलचस्प चीजें दिखाई दीं, जो गुलाबी शांति और गर्माहट के बीच स्थिर बैठी थीं। दो युवा, सुंदर महिलाएं—हर तरह से शालीन—बैठी थीं, एक नीची झूला कुर्सी पर, दूसरी एक छोटे स्टूल पर; दोनों ने गहरे रंग के शोक वस्त्र पहने थे, जो उनके गोरे गले और चेहरों को और भी खूबसूरत बना रहे थे: एक बड़ा बूढ़ा पॉइंटर कुत्ता अपना भारी सिर एक लड़की के घुटने पर टिकाए बैठा था—दूसरी की गोद में एक काली बिल्ली थी। ऐसे लोगों के लिए यह साधारण रसोई एक अजीब जगह थी! वे कौन थीं? वे मेज पर बैठी बुजुर्ग महिला की बेटियाँ तो नहीं हो सकती थीं; क्योंकि वह देखने में... वे सब देहाती थे, और उनमें शालीनता और सुसंस्कृतता झलक रही थी। मैंने उनके जैसे चेहरे कहीं नहीं देखे थे: फिर भी, जब मैं उन्हें निहार रहा था, तो मुझे उनके हर चेहरे की बनावट से अपनापन महसूस हो रहा था। मैं उन्हें सुंदर नहीं कह सकता—वे इस शब्द के लिए बहुत ही पीले और गंभीर थे: जब वे दोनों एक-एक किताब पर झुके हुए थे, तो वे लगभग गंभीरता से विचारमग्न दिख रहे थे। उनके बीच एक स्टैंड पर एक दूसरी मोमबत्ती और दो बड़ी किताबें रखी थीं, जिनका वे बार-बार हवाला दे रहे थे, मानो अपने हाथों में पकड़ी छोटी किताबों से उनकी तुलना कर रहे हों, जैसे लोग अनुवाद के काम में मदद के लिए शब्दकोश देख रहे हों। यह दृश्य इतना शांत था मानो सभी आकृतियाँ परछाईं हों और आग से जगमगाता कमरा एक तस्वीर हो: इतना सन्नाटा था कि मैं अंगीठी से राख गिरने की आवाज़, कोने में रखी घड़ी की टिक-टिक सुन सकता था; और मुझे तो ऐसा भी लगा जैसे मैं उस महिला की बुनाई की सुइयों की खट-खट की आवाज़ सुन सकता हूँ। इसलिए, तभी एक आवाज़ सुनाई दी।

जेन आयर 315 एसएसएस आखिरकार उस विचित्र सन्नाटे को तोड़ते हुए, मुझे सुनाई देने लायक आवाज़ आई। "सुनो, डायना," तल्लीन छात्रों में से एक ने कहा; "फ्रांज और बूढ़ा डैनियल रात में साथ हैं, और फ्रांज़ एक सपने के बारे में बता रहा है जिससे वह डर के मारे जाग गया है—सुनो!" और धीमी आवाज़ में उसने कुछ पढ़ा, जिसका एक भी शब्द मुझे समझ नहीं आया; क्योंकि वह एक अनजान भाषा में थी—न तो फ्रेंच और न ही लैटिन। यह ग्रीक थी या जर्मन, मैं नहीं बता सकती। “यह तो बहुत प्रभावशाली है,” उसने समाप्त करने के बाद कहा: “मुझे यह बहुत पसंद

आया।" दूसरी लड़की, जिसने अपनी बहन की बात सुनने के लिए अपना सिर उठाया था, आग की ओर देखते हुए, पढ़ी गई पंक्ति को दोहराई। कुछ समय बाद, मुझे भाषा और पुस्तक का ज्ञान हो गया; इसलिए, मैं यहाँ उस पंक्ति को उद्धृत कर रही हूँ: हालाँकि, जब मैंने इसे पहली बार सुना था, तो यह मेरे लिए केवल एक बेमानी सी बात थी— जिसका कोई अर्थ नहीं था:— ""Da trat hervor Einer, anzusehen wie die Sternen Nacht." "वाह! वाह!" वह अपनी गहरी और काली आँखों में चमक के साथ बोली। "यहाँ आपके सामने एक मंद और शक्तिशाली महादूत को उपयुक्त रूप से स्थापित किया गया है! यह पंक्ति सौ पन्नों के झूठे ग्रंथों के बराबर है। "Ich wage die Gedanken in der Schale meines Zornes und die Werke mit dem Gewichte meines Grimms." मुझे यह पसंद है!' दोनों फिर चुप हो गए। 'क्या कोई ऐसा देश है जहाँ इस तरह बात होती है?' बुढ़िया ने बुनाई से नज़रें उठाकर पूछा। 'हाँ, हन्ना—इंग्लैंड से कहीं बड़ा देश, जहाँ और किसी तरह बात नहीं होती।' 'अच्छा, मुझे तो पक्का नहीं पता कि वे एक-दूसरे को कैसे समझते हैं: और अगर तुम दोनों में से कोई वहाँ जाए, तो मुझे लगता है कि तुम बता पाओगी कि वे क्या कहते हैं?' 'हम शायद उनकी कुछ बातें समझ पाएँगे, लेकिन पूरी नहीं—क्योंकि हम उतने होशियार नहीं हैं जितना तुम सोचती हो, हन्ना। हम जर्मन नहीं बोलते, और बिना शब्दकोश के हम उसे पढ़ भी नहीं सकते।' 'और इससे तुम्हें क्या फायदा?' 'हम इसे कभी सिखाने का इरादा रखते हैं—या कम से कम बुनियादी बातें, जैसा कि वे कहते हैं; और फिर हमें अभी से ज़्यादा पैसे मिलेंगे।' 'बिल्कुल सही: लेकिन पढ़ाई छोड़ दो; आज रात के लिए काफी हो गया।' 'मुझे लगता है कि हो गया है: कम से कम मैं तो थक गई हूँ। मैरी, क्या तुम थकी हो?' 'बेहद मुश्किल: आखिरकार, बिना किसी गुरु के, केवल शब्दकोश के सहारे किसी भाषा पर मेहनत करना कठिन काम है।' 'हाँ, खासकर इस जटिल लेकिन शानदार जर्मन भाषा पर। मुझे आश्चर्य है कि सेंट जॉन कब घर लौटेंगे।' 'निश्चित रूप से अब ज्यादा देर नहीं लगेगी: अभी तो बस दस बजे हैं (एक की ओर देखते हुए)

316 जेन आयर 7 (उसने अपनी कमरबंद से एक छोटी सोने की घड़ी निकाली)। हन्ना, तेज़ बारिश हो रही है: क्या तुम कृपा करके बैठक में आग को देखोगी?' वह महिला उठी: उसने एक दरवाज़ा खोला, जिसके पार मुझे धुंधला सा एक रास्ता दिखाई दिया: थोड़ी देर बाद मैंने उसे अंदर के कमरे में आग को हिलाते हुए सुना; वह

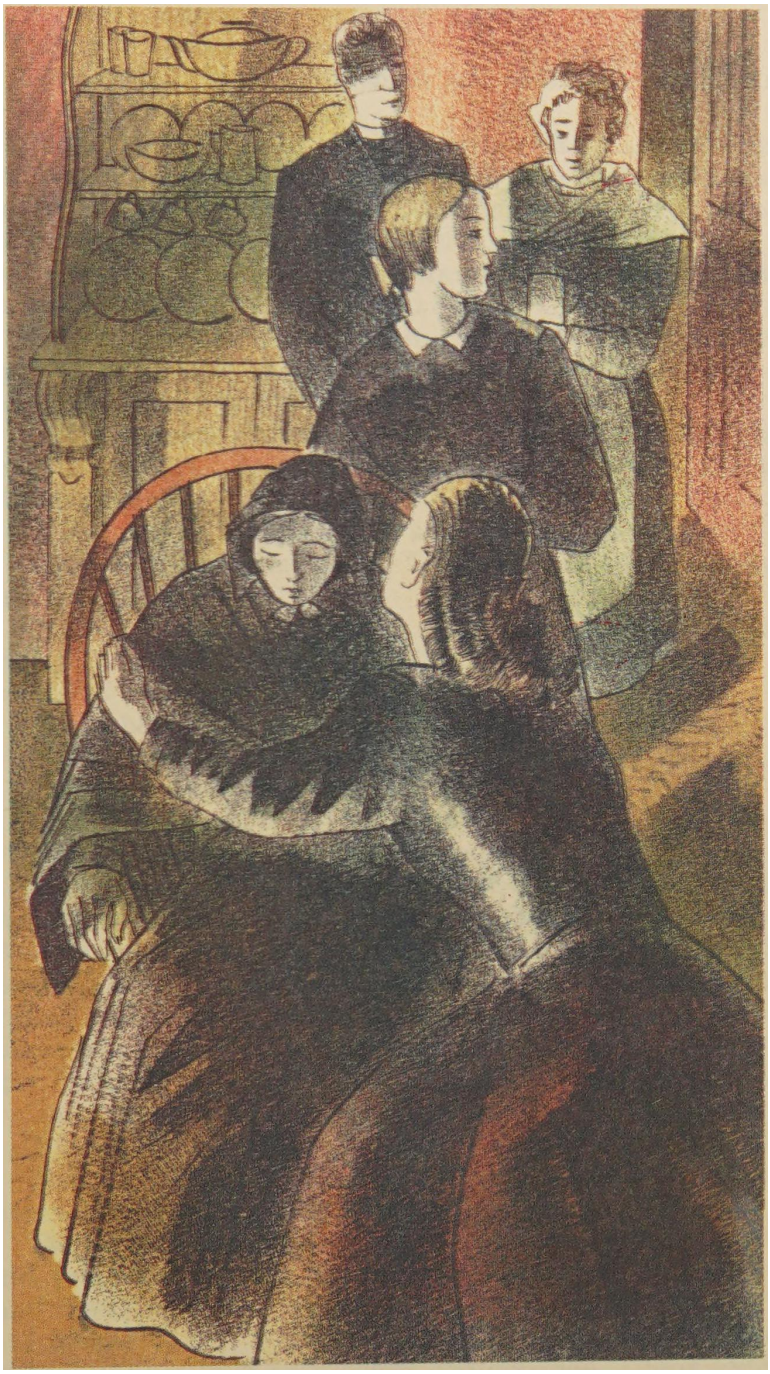
थोड़ी देर में वापस आ गई। 'आह, बच्चों!' उसने कहा, 'मुझे अब उस कमरे में जाने में बहुत परेशानी हो रही है: कोने में खाली कुर्सी के साथ वह बहुत अकेला लग रहा है।' उसने अपने एप्रन से अपनी आँखें पोंछीं: पहले गंभीर दिख रही दोनों लड़कियाँ अब उदास लग रही थीं। 'लेकिन वह एक बेहतर जगह पर है,' हन्ना ने आगे कहा: 'हम उसे फिर से यहाँ नहीं चाहेंगे। और फिर, किसी को भी इतनी शांतिपूर्ण मृत्यु की आवश्यकता नहीं है और न ही उसे मिली।' 'तुम कहती हो कि उसने कभी हमारा ज़िक्र नहीं किया?' एक महिला ने पूछा। 'उसके पास समय नहीं था, बच्ची: वह एक मिनट में चला गया, तुम्हारा पिता।' वह पिछले दिन की तरह थोड़ा बीमार था, लेकिन कुछ खास नहीं; और जब मिस्टर सेंट जॉन ने पूछा कि क्या वह तुम दोनों में से किसी को बुलवाना चाहेंगे, तो वह उन पर हँस पड़ा। अगले दिन फिर से उसके सिर में थोड़ा भारीपन महसूस होने लगा—यानी पखवाड़े भर से—और वह सो गया और फिर कभी नहीं उठा: जब तुम्हारा भाई कमरे में गया और उसे पाया तो वह लगभग बेहोश पड़ा था। आह, बच्चों! यह तो पुराने खानदान का आखिरी बचा हुआ हिस्सा है—क्योंकि तुम और मिस्टर सेंट जॉन उन लोगों से बिल्कुल अलग हैं जो अब नहीं रहे; क्योंकि तुम्हारी माँ तुम्हारे जैसी ही थी और लगभग उतनी ही पढ़ी-लिखी थी। वह तुम्हारी हूबहू छवि थी, मैरी: डायना तुम्हारे पिता जैसी दिखती है। मुझे वे दोनों इतने मिलते-जुलते लगे कि मैं यह नहीं बता सकती थी कि उस बूढ़ी नौकरानी (क्योंकि अब मैं उसे नौकरानी ही मानती थी) को उनमें क्या अंतर नज़र आया। दोनों गोरे रंग के और दुबले-पतले थे; दोनों के चेहरे गरिमा और बुद्धिमत्ता से परिपूर्ण थे। बेशक, एक के बाल दूसरी से थोड़े गहरे रंग के थे, और उनके बालों को संवारने का तरीका भी अलग था; मैरी के हल्के भूरे बाल बीच से अलग करके करीने से गुंथे हुए थे: डायना के गहरे भूरे बाल घने घुंघराले होकर उसकी गर्दन को ढके हुए थे। घड़ी में दस बज गए। "मुझे यकीन है कि आप लोग रात का खाना खाना चाहेंगे," हन्ना ने कहा; "और जब मिस्टर सेंट जॉन आएंगे तो वे भी खाना चाहेंगे।" और वह खाना बनाने लगी। दोनों महिलाएं उठीं; ऐसा लग रहा था कि वे बैठक में जाने वाली हैं। इस क्षण तक, मैं उन्हें देखने में इतना मग्न था, उनकी उपस्थिति और बातचीत ने मुझमें इतनी गहरी रुचि जगा दी थी कि मैं अपनी दयनीय स्थिति को लगभग भूल ही गया था: अब मुझे याद आ गया। तुलना से यह पहले से कहीं अधिक निराशाजनक, पहले से कहीं अधिक हताश करने वाला लग रहा था। और यह कितना असंभव प्रतीत हो रहा था

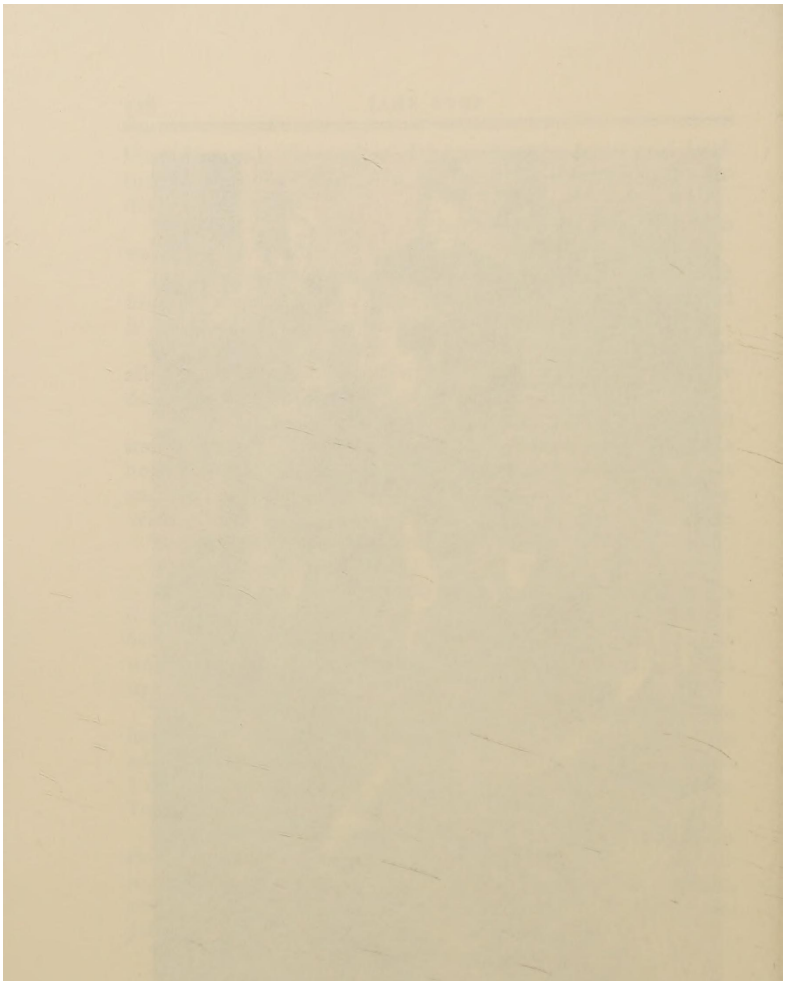
जेन आयर 317 — इस घर के निवासियों को मेरे लिए चिंता जताने के लिए प्रेरित करो; उन्हें मेरी ज़रूरतों और दुखों की सच्चाई पर विश्वास दिलाओ — उन्हें मेरी भटकन के लिए विश्राम देने के लिए मनाओ! जैसे ही मैं दरवाजे से बाहर निकली और हिचकिचाते हुए उसे खटखटाया, मुझे लगा कि मेरा यह आखिरी विचार मात्र था। हन्ना ने दरवाजा खोला। "तुम्हें क्या चाहिए?" उसने आश्चर्य भरी आवाज़ में पूछा, और अपने हाथ में पकड़ी मोमबत्ती की रोशनी में मुझे देखा। "क्या मैं आपकी मालकिनों से बात कर सकती हूँ?" मैंने कहा। "बेहतर होगा कि तुम मुझे बता दो कि तुम्हें उनसे क्या कहना है।" तुम कहाँ से आई हो?' 'मैं अजनबी हूँ।' 'इस समय यहाँ तुम्हारा क्या काम है?' 'मुझे किसी भी बाहरी कमरे में या कहीं भी एक रात के लिए आश्रय चाहिए, और खाने के लिए रोटी का एक टुकड़ा।' अविश्वास, वही भावना जिससे मैं डरता था, हन्ना के चेहरे पर दिखाई दिया। 'मैं तुम्हें रोटी का एक टुकड़ा दे दूँगी,' उसने थोड़ी देर रुककर कहा; 'लेकिन हम किसी आवारा को अपने यहाँ नहीं रख सकते। इसकी संभावना नहीं है।' 'मुझे तुम्हारी मालकिनों से बात करने दो।' 'नहीं, मैं नहीं। वे तुम्हारे लिए क्या कर सकती हैं? तुम्हें अभी इधर-उधर नहीं भटकना चाहिए; यह बहुत बुरा लग रहा है।' 'लेकिन अगर तुम मुझे भगा दोगी तो मैं कहाँ जाऊँगी? मैं क्या करूँगी?' 'ओह, मैं तुम्हें यकीन दिलाती हूँ कि तुम जानती हो कि कहाँ जाना है और क्या करना है। बस ध्यान रखना कि तुम कोई गलत काम न करो, बस। ये लो एक पैसा; अब सीज़ 'एक पैसा मुझे खिला नहीं सकता, और मुझमें आगे जाने की ताकत नहीं है। दरवाजा बंद मत करो:—ओह, मत करो, क्योंकि हे भगवान!' 'मुझे करना ही होगा; बारिश बहुत तेज़ हो रही है—' 'युवतियों को बताओ। मुझे उन्हें देखने दो—' 'बिल्कुल नहीं। तुम ठीक नहीं हो, वरना इतना शोर नहीं मचाते। यहाँ से चले जाओ।' 'लेकिन अगर मुझे भगा दिया गया तो मुझे मरना पड़ेगा।' 'नहीं, तुम नहीं। मुझे डर है कि तुम्हारे कुछ बुरे इरादे हैं, जो तुम्हें रात के इस समय लोगों के घरों के चक्कर लगाने पर मजबूर करते हैं। अगर तुम्हारे कोई साथी—चोर या ऐसे ही लोग—आस-पास कहीं भी हों, तो उन्हें बता देना कि हम घर में अकेले नहीं हैं; हमारे साथ एक सज्जन, कुत्ते और बंदूकें हैं।' यहाँ उस ईमानदार लेकिन कठोर नौकर ने दरवाज़ा बंद कर दिया और अंदर से कुंडी लगा दी। यही चरम था। असहनीय पीड़ा की एक लहर—सच्ची निराशा की एक तड़प—ने मेरे दिल को चीर दिया और हिला दिया। मैं सचमुच थक चुका था; एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकता था। मैं गीली सीढ़ी पर बैठ गया: मैं कराह उठा—

मैंने अपने हाथ मल दिए—मैं रो पड़ा। घोर पीड़ा। ओह, मृत्यु का यह भयानक दृश्य! ओह, यह अंतिम घड़ी, कितनी भयावहता से निकट आ रही है! हाय, यह अकेलापन —मेरे से यह निर्वासन

 दयालु! आशा का सहारा ही नहीं, बल्कि धैर्य का आधार भी चला गया था—कम से कम एक पल के लिए; लेकिन मैंने जल्द ही उसे फिर से पाने का प्रयास किया। 'मैं मर ही सकती हूँ,' मैंने कहा, 'और मैं ईश्वर में विश्वास करती हूँ। मुझे चुपचाप उनकी इच्छा की प्रतीक्षा करने दो।' ये शब्द मैंने न केवल सोचे, बल्कि कहे भी; और अपने सारे दुख को अपने हृदय में समेटकर, मैंने उसे वहीं रहने के लिए विवश करने का प्रयास किया—मूक और स्थिर। 'सभी मनुष्यों को मरना है,' एक आवाज ने कहा जो बिल्कुल पास थी; “पर सभी को वैसी धीमी और असमय मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता, जैसी तुम्हारी होगी अगर तुम यहाँ अभाव से मर जाओ।” “कौन बोल रहा है?” मैंने अचानक आई उस आवाज़ से भयभीत होकर पूछा, और अब मुझे किसी भी घटना से मदद की कोई उम्मीद नहीं दिख रही थी। एक आकृति पास थी—कैसी आकृति, घोर अंधेरी रात और मेरी कमजोर दृष्टि के कारण मैं उसे पहचान नहीं पा रहा था। ज़ोर से खटखटाते हुए, नए आने वाले ने दरवाज़े की ओर इशारा किया। “क्या आप हैं, श्री सेंट जॉन?” हन्ना ने पुकारा। “हाँ—हाँ; जल्दी खोलिए।” “अरे वाह, कितनी भीगी और ठंडी होगी, ऐसी तूफानी रात है! अंदर आइए—आपकी बहनें आपके बारे में बहुत चिंतित हैं, और मुझे लगता है कि आसपास कुछ बुरे लोग हैं। वहाँ एक भिखारी औरत पड़ी है—मैं कसम खाता हूँ कि वह अभी तक गई नहीं है!—वहाँ। उठो! शर्म करो! हटो, मैं कहता हूँ!” “चुप रहो, हन्ना! मुझे उस औरत से कुछ कहना है।” आपने उसे बाहर रखने का अपना कर्तव्य पूरा कर दिया है, अब मुझे उसे अंदर आने देने का अपना कर्तव्य निभाने दीजिए। मैं पास ही था और मैंने आप दोनों की बातें सुनीं। मुझे लगता है यह एक अजीब मामला है—मुझे कम से कम इसकी जांच करनी चाहिए। युवती, उठो और मेरे आगे घर में चलो।’ मैंने बड़ी मुश्किल से उसकी बात मानी। थोड़ी देर में मैं उस साफ-सुथरी, चमकदार रसोई में—ठीक चूल्हे पर—कांपती हुई, घबराती हुई खड़ी थी; मुझे एक बेहद भयानक, जंगली और झुलसी हुई शक्ल दिखाई दे रही थी। दोनों महिलाएं, उनका भाई, मिस्टर सेंट जॉन, बूढ़ा नौकर, सभी मुझे घूर रहे थे। ‘सेंट जॉन, कौन है?’ मैंने एक को पूछते सुना। ‘मैं नहीं बता सकता: मैंने उसे दरवाजे पर पाया,’ जवाब

मिला। 'वह तो बिल्कुल पीली दिख रही है,' हन्ना ने कहा। 'मिट्टी जैसी सफेद—या मौत जैसी,' जवाब मिला। 'वह गिर जाएगी: उसे बैठने दो।' और सचमुच मेरा सिर चकरा गया: मैं गिर पड़ी, लेकिन एक कुर्सी ने मुझे संभाल लिया। मैं अभी भी होश में थी, हालांकि इस समय मैं बोल नहीं पा रही थी। शायद थोड़ा पानी उसे ठीक कर दे। हन्ना, थोड़ा पानी ले आओ। लेकिन वह बिल्कुल कमजोर हो गई है। कितनी दुबली-पतली और कितनी बेजान!





जेन आयर 319 एसएसई ईईई ‘महज एक प्रेत!’ ‘क्या वह बीमार है, या केवल भूखी है?’ ‘मुझे लगता है, भूखी है। हन्ना, क्या यह दूध है? मुझे दो, और एक रोटी का टुकड़ा भी।’ डायना (मैं उसे उसके लंबे घुंघराले बालों से पहचानती थी जो मेरे और आग के बीच लटक रहे थे जब वह मेरे ऊपर झुकी) ने रोटी तोड़ी, उसे दूध में डुबोया और मेरे होठों से लगाया। उसका चेहरा मेरे चेहरे के पास था: मैंने उसके चेहरे पर दया देखी, और उसकी तेज़ साँसों में मुझे सहानुभूति महसूस हुई। उनके सरल शब्दों में भी वही मरहम जैसी भावना झलक रही थी: 'खाने की कोशिश करो।' "हाँ—कोशिश करो," मैरी ने धीरे से दोहराया; और मैरी के हाथ ने मेरी भीगी हुई टोपी हटाई और मेरा सिर उठाया। मैंने जो कुछ मुझे दिया गया, उसका स्वाद चखा: पहले तो धीरे से, फिर

जल्दी ही उत्सुकता से। 'पहले ज़्यादा मत दो—इसे रोको,' भाई ने कहा; 'इसका पेट भर गया है।' और उन्होंने दूध का प्याला और रोटी की थाली हटा ली। 'थोड़ा और, सेंट जॉन—इसकी आँखों में लालच देखो।' 'अभी और नहीं, बहन। कोशिश करो कि क्या वह अब बोल सकती है—उसका नाम पूछो।' मुझे लगा कि मैं बोल सकती हूँ, और मैंने उत्तर दिया—'मेरा नाम जेन इलियट है।' हमेशा की तरह पकड़े जाने से बचने के लिए, मैंने पहले ही एक नकली नाम रखने का फैसला कर लिया था। 'और तुम कहाँ रहती हो? तुम्हारे दोस्त कहाँ हैं?' मैं चुप रही। 'क्या हम तुम्हारे किसी परिचित को बुला सकते हैं?' मैंने अपना सिर हिलाया। 'तुम अपने बारे में क्या बता सकती हो?' किसी तरह, अब जब मैं एक बार इस घर की दहलीज पार कर चुकी थी, और एक बार यहाँ लाई जा चुकी थी, तो मुझे लगा कि मैं... अपने मालिकों से आमने-सामने मिलकर, मैंने खुद को अब बहिष्कृत, आवारा और दुनिया से ठुकराया हुआ महसूस नहीं किया। मैंने भिखारी का रूप त्यागने का साहस किया—अपने स्वाभाविक व्यवहार और चरित्र को फिर से अपनाने का। मैं एक बार फिर खुद को जानने लगा; और जब श्री सेंट जॉन ने हिसाब मांगा—जो मैं इस समय देने के लिए बहुत कमजोर था—तो मैंने थोड़ी देर रुककर कहा— 'महोदय, मैं आज रात आपको कोई विवरण नहीं दे सकता।' 'लेकिन फिर,' उन्होंने कहा, 'आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं?' 'कुछ नहीं,' मैंने उत्तर दिया। मेरी शक्ति केवल संक्षिप्त उत्तरों के लिए ही पर्याप्त थी। डायना ने बात समझ ली—'क्या आपका मतलब है,' उसने पूछा, 'कि हमने अब आपको वह सहायता दे दी है जिसकी आपको आवश्यकता है? और अब हम आपको मैदान और बरसात की रात में जाने दे सकते हैं?' मैंने उसकी ओर देखा। मुझे लगा, उसका चेहरा अद्भुत था, शक्ति और अच्छाई दोनों से परिपूर्ण। मुझे अचानक हिम्मत आ गई। उसकी करुणा भरी निगाहों का जवाब मुस्कान से देते हुए, मैं

 —————— उसने कहा—‘मैं आप पर भरोसा करूँगी। अगर मैं एक बेसहारा और आवारा कुत्ता होती, तो मुझे पता है कि आप आज रात मुझे अपने चूल्हे से नहीं भगातीं: वैसे भी, मुझे सचमुच कोई डर नहीं है। मेरे साथ और मेरे लिए जैसा चाहें वैसा करें; लेकिन मुझे ज्यादा बोलने से माफ़ करें—मेरी साँस फूल रही है —बोलते समय मुझे ऐंठन होती है।’ तीनों ने मेरी ओर देखा, और तीनों चुप रहीं। ‘हन्ना,’ श्री सेंट जॉन ने अंत में कहा, ‘इसे अभी यहीं बैठने दो, और इससे कोई सवाल मत पूछो; दस मिनट बाद, इसे बचा हुआ दूध और रोटी दे देना। मैरी और डायना, चलो

बैठक में चलते हैं और इस मामले पर बात करते हैं।' वे चली गईं। बहुत जल्द एक महिला लौटी—मैं बता नहीं सकती कि कौन। जैसे ही मैं आरामदायक आग के पास बैठी थी, मुझ पर एक तरह का सुखद नशा छा रहा था। उसने दबी आवाज़ में हन्ना को कुछ निर्देश दिए। थोड़ी देर में, नौकर की मदद से, मैं एक सीढ़ी पर चढ़ने में कामयाब हो गई; मेरे भीगे हुए कपड़े उतार दिए गए; जल्द ही मुझे एक गर्म, सूखा बिस्तर मिल गया। मैंने ईश्वर का धन्यवाद किया—असहनीय थकावट के बीच कृतज्ञता और आनंद की अनुभूति हुई—और सो गया। अध्याय 29 इसके बाद के लगभग तीन दिन और रातों की यादें मेरे मन में धुंधली हैं। मुझे उस दौरान महसूस हुई कुछ संवेदनाएँ याद हैं; लेकिन कुछ ही विचार बने और कोई क्रिया नहीं की। मुझे पता था कि मैं एक छोटे से कमरे में और एक संकरे बिस्तर पर था। ऐसा लग रहा था जैसे मैं उस बिस्तर से जुड़ गया हूँ; मैं उस पर पत्थर की तरह स्थिर लेटा था; और मुझे उससे अलग करना लगभग मुझे मार डालने जैसा होता। मैंने समय के बीतने पर ध्यान नहीं दिया—सुबह से दोपहर और दोपहर से शाम के बदलाव पर। मैंने देखा कि कोई कब कमरे में आता या जाता था: मैं यह भी बता सकता था कि वे कौन थे; जब बोलने वाला मेरे पास खड़ा होता था तो मैं समझ सकता था कि क्या कहा जा रहा है; लेकिन मैं जवाब नहीं दे सकता था; अपने होंठ खोलना या अपने अंगों को हिलाना दोनों ही असंभव था। नौकरानी हन्नाह मेरी सबसे ज़्यादा आने वाली मेहमान थी। उसके आने से मैं विचलित हो जाता था। मुझे ऐसा लग रहा था कि वह मुझे अपने से दूर करना चाहती है: कि वह मुझे या मेरी परिस्थितियों को नहीं समझती; कि वह मेरे प्रति पूर्वाग्रह रखती है। डायना और मैरी दिन में एक या दो बार कमरे में आती थीं। वे मेरे बिस्तर के पास फुसफुसाकर कुछ इस तरह कहती थीं— 'अच्छा हुआ कि हमने उसे अंदर ले लिया।' "हाँ; अगर उसे रात भर बाहर छोड़ दिया जाता तो सुबह दरवाजे पर उसकी लाश ज़रूर मिलती। मुझे आश्चर्य है कि उसने क्या-क्या सहा होगा?'

जेन आयर 321 'अजीब कठिनाइयाँ, मैं कल्पना करती हूँ—बेचारी, दुबली-पतली, पीली-सी भटकती हुई?' 'मुझे लगता है कि वह अशिक्षित नहीं है, उसके बोलने के तरीके से तो यही लगता है; उसका उच्चारण बिल्कुल शुद्ध था; और जो कपड़े उसने उतारे, वे छींटों से भीगे और गीले थे, फिर भी कम घिसे हुए और अच्छे थे।' 'उसका चेहरा अनोखा है; मांसहीन और मुरझाया हुआ होने के बावजूद, मुझे वह पसंद है; और जब वह स्वस्थ और उत्साहित होती है, तो मुझे लगता है कि उसका चेहरा देखने में

अच्छा लगेगा।' उनके संवादों में मैंने एक बार भी उनके द्वारा मुझे दी गई मेहमाननवाज़ी पर खेद का एक शब्द भी नहीं सुना, न ही मुझ पर संदेह का, न ही मेरे प्रति घृणा का। मुझे तसल्ली मिली। श्री सेंट जॉन केवल एक बार आए: उन्होंने मुझे देखा और कहा कि मेरी सुस्ती अत्यधिक और लंबे समय तक थकान की प्रतिक्रिया का परिणाम है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर को बुलाने की कोई आवश्यकता नहीं है: उन्हें पूरा विश्वास था कि प्रकृति अपने आप ही सब कुछ संभाल लेगी। उन्होंने कहा कि हर नस किसी न किसी तरह से अत्यधिक तनावग्रस्त हो गई है, और पूरे शरीर को कुछ समय के लिए सुस्ती में रहना होगा। कोई बीमारी नहीं थी। उन्होंने कल्पना की कि एक बार ठीक होने की प्रक्रिया शुरू हो जाए तो मेरी रिकवरी काफी तेजी से होगी। ये विचार उन्होंने कुछ शब्दों में, शांत और धीमी आवाज में व्यक्त किए; और कुछ देर रुकने के बाद, एक ऐसे व्यक्ति के लहजे में, जो व्यापक टिप्पणी करने का आदी नहीं था, कहा, 'कुछ असामान्य शारीरिक बनावट है; निश्चित रूप से, यह अशिष्टता या पतन का संकेत नहीं है।' 'बिल्कुल नहीं,' डायना ने उत्तर दिया। "सच कहूँ तो, सेंट जॉन, मेरा दिल उस बेचारी बच्ची के लिए तरसता है। काश हम उसे स्थायी रूप से लाभ पहुँचा सकें।" 'ऐसा होना मुश्किल है,' जवाब आया। "आप पाएँगी कि वह एक ऐसी युवती है जिसका अपने दोस्तों से कुछ गलतफहमी हो गई है, और शायद उसने नासमझी से उन्हें छोड़ दिया है। अगर वह जिद्दी नहीं है, तो शायद हम उसे उनके पास वापस लाने में सफल हो सकते हैं: लेकिन मुझे उसके चेहरे पर दृढ़ता की रेखाएँ दिखाई देती हैं जो मुझे उसकी आज्ञाकारिता पर संदेह पैदा करती हैं।" वह कुछ मिनटों तक मुझे देखते रहे; फिर उसने कहा, 'वह समझदार तो दिखती है, पर बिल्कुल भी सुंदर नहीं।' 'वह बहुत बीमार है, सेंट जॉन।' 'बीमार हो या ठीक, वह हमेशा सादी ही रहेगी। उसके चेहरे में सुंदरता का आकर्षण और सामंजस्य बिलकुल नहीं है।' तीसरे दिन मेरी हालत बेहतर हो गई; चौथे दिन मैं बोल सकता था, हिल-डुल सकता था, बिस्तर से उठ सकता था और करवट बदल सकता था। हन्ना मेरे लिए दलिया और सूखा टोस्ट लाई थी, लगभग दोपहर के भोजन के समय। मैंने बड़े चाव से खाया: खाना स्वादिष्ट था—उस बुखार वाले स्वाद से रहित था जिसने अब तक मेरे द्वारा निगले गए हर भोजन को दूषित कर दिया था।

 जब वह मुझे छोड़कर गई, तो मैंने अपेक्षाकृत मजबूत और तरोताजा महसूस किया: कुछ ही देर में आराम की तृप्ति और काम करने की इच्छा ने मुझे जगा

दिया। मैं उठना चाहती थी; लेकिन मैं क्या पहन सकती थी? केवल मेरे गीले और कीचड़ से सने कपड़े; जिनमें मैं जमीन पर सोई थी और दलदल में गिर गई थी। मुझे अपने उपकार करने वालों के सामने इस तरह कपड़े पहने जाने में शर्म आ रही थी। मुझे इस अपमान से बचा लिया गया। पलंग के पास एक कुर्सी पर मेरी सारी चीजें साफ और सूखी रखी थीं। मेरी काली रेशमी फ्रॉक दीवार पर टंगी थी। उस पर से दलदल के निशान मिट गए थे; गीलेपन से पड़ी सिलवटें चिकनी हो गई थीं: वह बिल्कुल शालीन थी। मेरे जूते और मोजे भी साफ करके पहनने लायक बना दिए गए थे। कमरे में नहाने का सामान था, और बाल संवारने के लिए कंघी और ब्रश भी थे। थका देने वाली प्रक्रिया के बाद, और हर पांच मिनट में आराम करते हुए, मैं कपड़े पहनने में सफल हुई। मेरे कपड़े मुझ पर ढीले थे; मैं बहुत दुबली-पतली हो गई थी, लेकिन मैंने शॉल ओढ़कर अपनी कमियों को छुपा लिया और फिर से साफ-सुथरी और सभ्य दिखने लगी—शरीर पर गंदगी का कोई निशान नहीं था, उस अव्यवस्था का कोई नामोनिशान नहीं था जिससे मुझे इतनी नफरत थी और जो मुझे इतना नीचा दिखाती थी—मैं रेलिंग का सहारा लेकर पत्थर की सीढ़ियों से रेंगती हुई एक संकरे, निचले रास्ते से नीचे उतरी और जल्दी ही रसोई में पहुँच गई। रसोई ताज़ी रोटी की खुशबू और जलती हुई आग की गर्माहट से भरी हुई थी। हन्ना खाना पका रही थी। यह सर्वविदित है कि पूर्वाग्रहों को उस हृदय से मिटाना सबसे कठिन होता है जिसकी मिट्टी शिक्षा से कभी उपजाऊ या उपजाऊ नहीं हुई हो: वे वहाँ पत्थरों के बीच खरपतवार की तरह मजबूती से उगते हैं। हन्ना शुरू में वाकई ठंडी और कठोर थी; बाद में वह थोड़ी नरम पड़ने लगी थी; और जब उसने मुझे साफ-सुथरे और अच्छे कपड़े पहने हुए देखा, तो वह मुस्कुरा भी गई। “अरे, तुम उठ गए!” उसने कहा। “तो अब तुम ठीक हो। अगर चाहो तो चूल्हे पर रखी मेरी कुर्सी पर बैठ जाओ।” उसने झूला कुर्सी की ओर इशारा किया: मैं बैठ गया। वह जल्दी-जल्दी काम करती रही और बीच-बीच में तिरछी नज़रों से मुझे देखती रही। ओवन से कुछ रोटियाँ निकालते हुए, मेरी ओर मुड़कर उसने सीधे-सीधे पूछा— “यहाँ आने से पहले क्या तुम कभी भीख माँगते थे?” मैं एक पल के लिए नाराज़ हुआ; लेकिन यह याद करके कि गुस्सा करना नामुमकिन था, और मैं सचमुच उसके सामने एक भिखारी जैसा ही लग रहा था, मैंने शांत भाव से, लेकिन फिर भी दृढ़ता से जवाब दिया— “मुझे भिखारी समझना तुम्हारी गलती है। मैं भिखारी नहीं हूँ; न ही तुम और न ही तुम्हारी युवतियाँ।” थोड़ी देर रुककर उसने कहा, “मुझे

समझ नहीं आ रहा: लगता है तुम्हारे पास न घर है, न ही पैसा?”
जेन आयर 323 —
324 जेन आयर ee ———————— ‘मैं यहाँ तीस साल से रह रही हूँ। मैंने उन तीनों की देखभाल की है।’ ‘इससे साबित होता है कि तुम एक ईमानदार और वफादार नौकरानी रही होगी। मैं तुम्हारे बारे में इतना तो कह ही सकती हूँ, हालाँकि तुमने मुझे भिखारी कहकर बदतमीज़ी की है।’ उसने फिर मुझे हैरानी भरी निगाहों से देखा। ‘मुझे लगता है,’ उसने कहा, ‘तुम्हारे बारे में मेरी सोच पूरी तरह गलत थी: लेकिन आजकल इतने सारे धोखेबाज़ घूम रहे हैं, तुम्हें मुझे माफ़ कर देना चाहिए।’ ‘और फिर भी,’ मैंने कुछ सख्ती से कहा, ‘तुम मुझे उस रात दरवाजे से बाहर निकालना चाहती थी, जिस रात तुम्हें एक कुत्ते को भी बाहर नहीं निकालना चाहिए था।’ ‘खैर, यह मुश्किल था: लेकिन कोई क्या कर सकता है? मैंने अपने से ज़्यादा बच्चों के बारे में सोचा: बेचारे! मेरे सिवा उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। मैं जल्दी ही गुस्सा हो जाऊँगी।’ मैं कुछ मिनटों तक गंभीर चुप्पी साधे रही। ‘तुम्हें मेरे बारे में ज़्यादा बुरा नहीं सोचना चाहिए,’ उसने फिर कहा। ‘लेकिन मैं तुम्हारे बारे में बुरा सोचता हूँ,’ मैंने कहा; ‘और मैं तुम्हें बताता हूँ क्यों—इसलिए नहीं कि तुमने मुझे आश्रय देने से इनकार कर दिया, या मुझे धोखेबाज समझा, बल्कि इसलिए कि तुमने अभी-अभी मेरे पास न तो पैसा है और न ही घर, इसे एक तरह का अपमान बना दिया। कुछ सबसे अच्छे लोग भी मेरी तरह ही दरिद्र रहे हैं; और अगर तुम ईसाई हो, तो तुम्हें गरीबी को अपराध नहीं समझना चाहिए।’ ‘अब मुझे ऐसा नहीं समझना चाहिए,’ उसने कहा; ‘श्री सेंट जॉन भी मुझसे यही कहते हैं; और मुझे लगता है कि मैं गलत थी—लेकिन अब तुम्हारे बारे में मेरी राय पहले से बिल्कुल अलग है।’ तुम एक सीधे-सादे, छोटे से गड्ढे जैसी दिखती हो।’ “बस ठीक है—मैं तुम्हें अभी माफ़ कर देती हूँ। हाथ मिलाओ।” उसने अपना आटे से सना और खुरदुरा हाथ मेरे हाथ में रखा; उसके खुरदुरे चेहरे पर एक और हार्दिक मुस्कान खिल उठी, और उसी क्षण से हम दोस्त बन गए। हन्ना को बात करना बहुत पसंद था। जब मैं फल तोड़ रही थी और वह पाई के लिए पेस्ट बना रही थी, तब उसने मुझे अपने दिवंगत मालिक और मालकिन, और ‘बच्चों’ के बारे में कई बातें बताईं, जैसा कि वह उन युवाओं को बुलाती थी। उसने कहा कि बूढ़े मिस्टर रिवर्स एक साधारण आदमी थे, लेकिन एक सज्जन व्यक्ति थे, और उनका परिवार बहुत पुराना था। मार्श एंड तब से रिवर्स परिवार का था जब से वह एक घर था: और उसने पुष्टि

की, ‘यह लगभग दो सौ साल पुराना था—देखने में तो यह एक छोटी, साधारण जगह लगती थी, मॉर्टन वेले में मिस्टर ओलिवर के भव्य हॉल से इसकी कोई तुलना नहीं थी। लेकिन उसे बिल ओलिवर के पिता एक कुशल सुई-कारीगर के रूप में याद थे; और रिवर्स परिवार एक संभ्रांत परिवार था।’ हेनरी परिवार के पुराने दिनों की बात है, जैसा कि मॉर्टन चर्च की वेस्ट्री में रजिस्टर देखकर कोई भी समझ सकता है। फिर भी, उसने माना, 'पुराने मास्टर ऐसे थे जैसे...'

जेन आयर 325 एसएसएनएस eneeeeneeee eee अन्य लोग—सामान्य से कुछ खास अलग नहीं: शिकार, खेती और इसी तरह के कामों के दीवाने।’ मालकिन अलग थीं। वह एक बड़ी पाठक थीं और खूब पढ़ती थीं; और ‘बच्चियां’ उन्हीं की तरह थीं। इस इलाके में उनके जैसी कोई नहीं थी, न कभी रही थी; तीनों को ही लगभग बोलने के समय से ही पढ़ना पसंद था; और वे हमेशा से ही अपनी अलग पहचान रखती थीं। श्री सेंट जॉन, बड़े होकर कॉलेज जाएंगे और पादरी बनेंगे; और लड़कियां, स्कूल छोड़ते ही, गवर्नेंस के रूप में नौकरी ढूंढेंगी: क्योंकि उन्होंने बताया था कि उनके पिता ने कुछ साल पहले एक भरोसेमंद व्यक्ति के दिवालिया होने से बहुत सारा पैसा खो दिया था; और अब चूंकि वह उन्हें संपत्ति देने के लिए पर्याप्त अमीर नहीं थे, इसलिए उन्हें खुद ही अपना गुजारा करना होगा। वे लंबे समय से घर पर बहुत कम समय बिता रहे थे, और अपने पिता की मृत्यु के कारण अब कुछ हफ्तों के लिए ही यहाँ आए थे; लेकिन उन्हें मार्श एंड और मॉर्टन, और आसपास के सभी मैदान और पहाड़ियाँ बहुत पसंद थीं। वे लंदन और कई अन्य बड़े शहरों में रह चुके थे; लेकिन वे हमेशा कहते थे कि घर जैसा कोई स्थान नहीं है; और वे एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छे से रहते थे—कभी झगड़ा नहीं करते थे और न ही आपस में लड़ते थे। उसे नहीं पता था कि ऐसा एकजुट परिवार कहाँ मिल सकता है। आंवला तोड़ने का अपना काम खत्म करके, मैंने पूछा कि दोनों महिलाएं और उनका भाई अब कहाँ हैं। 'वे मॉर्टन टहलने गए हैं; लेकिन वे आधे घंटे में चाय के लिए वापस आ जाएँगे।' वे हन्ना द्वारा दिए गए समय के भीतर लौट आए: वे रसोई के दरवाजे से अंदर आए। श्री सेंट जॉन ने मुझे देखकर केवल झुककर अभिवादन किया और आगे बढ़ गए; दोनों महिलाएं रुक गईं: मैरी ने कुछ शब्दों में, विनम्रतापूर्वक और शांति से यह व्यक्त किया कि मुझे इतना स्वस्थ देखकर उन्हें कितनी खुशी हुई कि मैं नीचे आ सका; डायना ने मेरा हाथ पकड़ा: उसने मेरी ओर सिर हिलाया। ‘तुम्हें मेरे इजाज़त का इंतज़ार करना चाहिए था,’ उसने कहा। ‘तुम

अब भी बहुत पीली और दुबली-पतली लग रही हो! बेचारी बच्ची! बेचारी लड़की!' डायना की आवाज़ मुझे कबूतर की गुटरगू जैसी मधुर लगी। उसकी आँखें ऐसी थीं जिनसे नज़रें मिलाना मुझे बहुत अच्छा लगता था। उसका पूरा चेहरा मुझे आकर्षण से भरा हुआ लगता था। मैरी का चेहरा भी उतना ही बुद्धिमान था—उसके नैन-नक्श भी उतने ही सुंदर थे; लेकिन उसका भाव थोड़ा संयमित था, और उसका व्यवहार, हालांकि सौम्य था, फिर भी थोड़ा दूरी वाला था। डायना एक खास अधिकार के साथ देखती और बोलती थी: उसमें दृढ़ इच्छाशक्ति थी, यह स्पष्ट था। मेरा स्वभाव था कि मैं उसके जैसी दृढ़ शक्ति के आगे झुकने में आनंद महसूस करूँ, और जहाँ तक मेरी अंतरात्मा और आत्मसम्मान अनुमति दें, एक सक्रिय इच्छाशक्ति के आगे झुक जाऊँ। 'और तुम्हारा यहाँ क्या काम है?' उसने आगे पूछा। 'यह नहीं है।'

326 जेन आयर: 'अपनी जगह पर बैठो। मैरी और मैं कभी-कभी रसोई में बैठते हैं, क्योंकि घर पर हम आज़ाद रहना पसंद करते हैं, यहाँ तक कि मनमानी भी—लेकिन तुम मेहमान हो, और तुम्हें बैठक में जाना होगा।' 'मैं यहाँ ठीक हूँ।' 'बिल्कुल नहीं, हन्ना इधर-उधर भागती रहती है और तुम पर आटा छिड़कती रहती है।' 'इसके अलावा, आग तुम्हारे लिए बहुत तेज़ है,' मैरी ने बीच में कहा। 'हाँ, बिल्कुल,' उसकी बहन ने कहा। 'चलो, तुम्हें आज्ञाकारी होना चाहिए।' और मेरा हाथ पकड़े हुए ही उसने मुझे उठाया और अंदर के कमरे में ले गई। 'यहाँ बैठो,' उसने मुझे सोफे पर बिठाते हुए कहा, 'जब तक हम अपने कपड़े उतारकर चाय तैयार करते हैं; यह एक और विशेषाधिकार है जिसका हम अपने छोटे से ग्रामीण घर में इस्तेमाल करते हैं—जब हमारा मन करता है, या जब हन्ना बेकिंग, ब्रूइंग, वॉशिंग या इस्त्री कर रही होती है, तो हम अपना खाना खुद बनाते हैं।' उसने दरवाजा बंद कर दिया, मुझे मिस्टर सेंट जॉन के साथ अकेला छोड़ दिया, जो सामने बैठे थे, उनके हाथ में एक किताब या अखबार था। मैंने पहले बैठक कक्ष का निरीक्षण किया, और फिर उसमें बैठे व्यक्ति का। बैठक कक्ष अपेक्षाकृत छोटा कमरा था, बहुत ही सादे ढंग से सजा हुआ, फिर भी साफ-सुथरा होने के कारण आरामदायक था। पुरानी शैली की कुर्सियाँ बहुत चमकदार थीं, और अखरोट की लकड़ी की मेज किसी दर्पण की तरह थी। पुराने जमाने के पुरुषों और महिलाओं के कुछ अजीबोगरीब, प्राचीन चित्र रंगीन दीवारों को सजा रहे थे; कांच के दरवाजों वाली अलमारी में कुछ किताबें और चीनी मिट्टी के बर्तनों का एक प्राचीन सेट रखा था। कमरे में कोई भी अनावश्यक सजावट नहीं थी—आधुनिक फर्नीचर का एक

भी टुकड़ा नहीं था, सिवाय दो वर्कबॉक्स और गुलाब की लकड़ी की एक महिला की मेज के, जो एक साइड टेबल पर रखी थी: कालीन और पर्दों सहित सब कुछ एक साथ पुराना और अच्छी तरह से सहेजा हुआ लग रहा था। श्री सेंट जॉन—दीवारों पर लगी धूल भरी तस्वीरों में से एक की तरह स्थिर बैठे थे, अपनी आँखें उस पृष्ठ पर टिकाए हुए थे जिसे वे पढ़ रहे थे, और उनके होंठ मौन थे—उनका निरीक्षण करना काफी आसान था। अगर वे मनुष्य के स्थान पर मूर्ति होते, तो भी उनका निरीक्षण करना इतना आसान नहीं होता। वह जवान था—शायद अट्ठाईस से तीस वर्ष का—लंबा, पतला; उसका चेहरा आँखों को मोह लेता था; वह एक यूनानी चेहरे जैसा था, रूपरेखा में बेहद शुद्ध: एकदम सीधी, पारंपरिक नाक; एकदम एथेंसवासी मुँह और ठोड़ी। वास्तव में, बहुत कम ही कोई अंग्रेज़ चेहरा प्राचीन मॉडलों के इतना करीब आता है जितना उसका। मेरे चेहरे की बनावट की अनियमितता को देखकर वह शायद थोड़ा चौंक जाए, क्योंकि उसकी अपनी बनावट इतनी सामंजस्यपूर्ण है। उसकी आँखें बड़ी और नीली थीं, भूरी पलकों के साथ; उसका ऊँचा माथा, हाथीदांत की तरह रंगहीन, सुनहरे बालों की बेतरतीब लटों से आंशिक रूप से ढका हुआ था। यह एक सौम्य चित्रण है, है ना, पाठक? फिर भी, जिसका यह वर्णन करता है, वह शायद ही किसी को सौम्य व्यक्ति का आभास कराता है।

जेन आयर 327 एसएसएस scesmmemenememeeee mE एक विनम्र, संवेदनशील या शांत स्वभाव का व्यक्ति। अब वह शांत बैठा था, लेकिन उसकी नाक, मुंह और भौंहों में कुछ ऐसा था जो मेरी समझ से उसके भीतर बेचैनी, कठोरता या उत्सुकता के भावों को दर्शाता था। जब तक उसकी बहनें वापस नहीं आईं, उसने मुझसे एक शब्द भी नहीं बोला और न ही मेरी ओर देखा। डायना चाय बनाते हुए अंदर-बाहर आती-जाती रही और मेरे लिए ओवन के ऊपर पका हुआ एक छोटा सा केक लाई। उसने कहा, 'इसे अभी खा लो: तुम्हें भूख लगी होगी। हन्ना कहती है कि तुमने नाश्ते के बाद से दलिया के अलावा कुछ नहीं खाया है।' मैंने मना नहीं किया, क्योंकि मेरी भूख जाग उठी थी और बहुत तेज थी। श्री रिवर्स ने अपनी किताब बंद की, मेज के पास आए और बैठते ही अपनी नीली, चित्रमय आँखों से मुझे घूरने लगे। अब उसकी निगाहों में एक अनौपचारिक स्पष्टता, एक खोजपूर्ण, दृढ़ निश्चयपूर्ण स्थिरता थी, जो यह बताती थी कि अब तक उसकी निगाहें अजनबी से संकोच के कारण नहीं बल्कि इरादे के कारण हटी हुई थीं। “तुम्हें बहुत भूख लगी है,” उसने

कहा। “जी हाँ, श्रीमान।” यह मेरी आदत है—यह हमेशा से मेरी सहज प्रवृत्ति रही है —संक्षिप्त बात का संक्षिप्त में और सीधी बात का स्पष्ट में जवाब देना। “अच्छा हुआ कि हल्के बुखार के कारण तुम्हें पिछले तीन दिनों से परहेज करना पड़ा: शुरू में भूख के आगे झुकना खतरनाक हो सकता था। अब तुम खा सकते हो, लेकिन फिर भी अधिक मत खाना।” “मुझे उम्मीद है कि मुझे आपके खर्चे पर ज्यादा देर तक नहीं खाना पड़ेगा, श्रीमान,” मेरा बहुत ही बेढंगा और अपरिष्कृत जवाब था। “नहीं,” उसने शांत भाव से कहा: “जब तुम हमें अपने दोस्तों के निवास का पता बता दोगे, तो हम उन्हें पत्र लिख सकते हैं, और तुम्हें घर वापस भेजा जा सकता है।” “मैं आपको स्पष्ट रूप से बता दूं, यह मेरे बस में नहीं है; क्योंकि मैं पूरी तरह से बेघर हूँ और मेरे दोस्त भी नहीं हैं।” तीनों ने मेरी ओर देखा, लेकिन अविश्वास से नहीं; मुझे लगा कि उनकी निगाहों में कोई संदेह नहीं था: जिज्ञासा अधिक थी। मैं विशेष रूप से युवतियों की बात कर रहा हूँ। सेंट जॉन की आँखें, हालांकि एक शाब्दिक अर्थ में, लाक्षणिक अर्थ में उन्हें समझना कठिन था। ऐसा लगता था कि वे उनका उपयोग दूसरों के विचारों को जानने के साधन के रूप में करते थे, न कि अपने स्वयं के विचारों को प्रकट करने के लिए। उनकी उत्सुकता और संकोच का यह संयोजन प्रोत्साहन देने के बजाय शर्मिंदा करने के लिए कहीं अधिक उपयुक्त था। उन्होंने पूछा, 'क्या आपका मतलब यह है कि आप हर तरह के संबंधों से पूरी तरह अलग-थलग हैं?' 'हाँ, मेरा यही मतलब है। किसी भी जीवित प्राणी से मेरा कोई संबंध नहीं है: इंग्लैंड में किसी भी घर में प्रवेश पाने का मेरा कोई अधिकार नहीं है।' 'आपकी उम्र में यह एक बहुत ही विचित्र स्थिति है!'

328 जेन आयर i MN RN a sl atin ame यहाँ मैंने देखा कि उसकी नज़र मेरे हाथों पर टिकी थी, जो मेरे सामने मेज पर मुड़े हुए थे। मैं सोच रही थी कि वह वहाँ क्या ढूँढ रहा है: उसके शब्दों ने जल्द ही उसकी खोज स्पष्ट कर दी। ‘तुम्हारी कभी शादी नहीं हुई? तुम कुंवारी हो?’ डायना हँसी। ‘अरे, वह सत्रह या अठारह साल से ज़्यादा की नहीं हो सकती, सेंट जॉन,’ उसने कहा। ‘मैं लगभग उन्नीस साल की हूँ: लेकिन मेरी शादी नहीं हुई है। नहीं।’ मेरे चेहरे पर एक जलन सी छा गई; क्योंकि शादी के ज़िक्र ने कड़वी और परेशान करने वाली यादें ताज़ा कर दीं। सभी ने मेरी शर्मिंदगी और भावनाओं को देखा। डायना और मैरी ने अपनी नज़रें मेरे लाल चेहरे से हटाकर दूसरी तरफ़ कर लीं, जिससे मुझे राहत मिली; लेकिन वह ठंडा और कठोर भाई तब तक घूरता रहा, जब तक कि उसके द्वारा पैदा की गई परेशानी ने आँसू और रंग दोनों

निकाल दिए। ‘तुम आखिरी बार कहाँ रहती थी?’ उसने अब पूछा। ‘तुम बहुत जिज्ञासु हो, सेंट जॉन,’ मैरी ने धीमी आवाज़ में कहा; लेकिन वह मेज पर झुक गया और एक और दृढ़ और तीखी नज़र से जवाब मांगा। मैंने संक्षिप्त उत्तर दिया, "जिस जगह और जिस व्यक्ति के साथ मैं रहा, उसका नाम मेरा रहस्य है।" डायना ने टिप्पणी की, "जिसे, अगर आप चाहें, तो मेरे विचार से, सेंट जॉन और हर दूसरे प्रश्नकर्ता से गुप्त रखने का आपको अधिकार है।" उन्होंने कहा, "लेकिन अगर मैं आपके बारे में या आपके इतिहास के बारे में कुछ नहीं जानता, तो मैं आपकी मदद नहीं कर सकता। और आपको मदद की ज़रूरत है, है ना?" मैंने कहा, "मुझे इसकी ज़रूरत है, और मैं इसे इतनी दूर तक चाहता हूँ, महोदय, कि कोई सच्चा परोपकारी मुझे ऐसा काम दिला दे जो मैं कर सकूँ, और जिसके पारिश्रमिक से मेरा गुजारा हो सके, कम से कम जीवन की बुनियादी ज़रूरतों को तो पूरा हो सके।" उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता कि मैं सच्चा परोपकारी हूँ या नहीं; फिर भी मैं इस नेक उद्देश्य में अपनी पूरी शक्ति से आपकी सहायता करने को तैयार हूँ। तो पहले, मुझे बताइए कि आप क्या करते आए हैं, और आप क्या कर सकते हैं।" अब तक मैं अपनी चाय पी चुका था। उस पेय से मुझे बहुत ताजगी मिली; उतनी ही जितनी किसी विशालकाय व्यक्ति को शराब से मिलती है: इसने मेरी तनावग्रस्त नसों को नई ऊर्जा दी और मुझे इस मर्मस्पर्शी युवा न्यायाधीश से दृढ़ता से बात करने में सक्षम बनाया। 'श्रीमान रिवर्स,' मैंने उनकी ओर मुड़कर और उनकी ओर देखते हुए कहा, जैसे वे भी खुले और बिना किसी संकोच के मेरी ओर देख रहे थे, 'आपने और आपकी बहनों ने मुझ पर बहुत बड़ा उपकार किया है—एक महान व्यक्ति अपने साथी मनुष्य पर कर सकता है; आपने अपने उदार आतिथ्य से मुझे मृत्यु से बचाया है। इस उपकार के कारण आप मेरी असीम कृतज्ञता के पात्र हैं, और कुछ हद तक, मेरे ऊपर भी आपका अधिकार है।

जेन आयर 329 ———e=-yEEE_EeeEeGQGuGGVQeGee मेरा विश्वास बनाए रखें। मैं आपको उस घुमक्कड़ के इतिहास के बारे में उतना ही बताऊंगी जितना मैं अपनी मानसिक शांति—अपनी नैतिक और शारीरिक सुरक्षा, और दूसरों की सुरक्षा —को खतरे में डाले बिना बता सकती हूँ। ‘मैं एक अनाथ हूँ, एक पादरी की बेटी। मेरे माता-पिता मुझे जानने से पहले ही गुजर गए। मेरा पालन-पोषण आश्रित के रूप में हुआ; एक धर्मार्थ संस्था में शिक्षा प्राप्त की। मैं आपको उस संस्था का नाम भी बताऊंगी, जहाँ मैंने छह साल एक छात्रा के रूप में और दो साल एक शिक्षिका के रूप

में बिताए—लोवुड अनाथालय, ——शायर: आपने इसके बारे में सुना होगा, श्री रिवर्स?—रेवरेंड रॉबर्ट ब्रॉकलहर्स्ट कोषाध्यक्ष हैं।' 'मैंने श्री ब्रॉकलहर्स्ट के बारे में सुना है, और मैंने स्कूल देखा है।' 'मैं लगभग एक साल पहले लोवुड छोड़कर एक निजी गवर्नेंस बन गई। मुझे एक अच्छी नौकरी मिल गई, और मैं खुश थी।' मुझे यहाँ आने से चार दिन पहले यह जगह छोड़नी पड़ी थी। मेरे जाने का कारण मैं बता नहीं सकता और न ही बताना चाहिए: यह व्यर्थ, खतरनाक और अविश्वसनीय लगेगा। मुझ पर कोई दोष नहीं है: मैं आप तीनों की तरह ही निर्दोष हूँ। मैं दुखी हूँ, और कुछ समय के लिए दुखी रहना ही पड़ेगा; क्योंकि जिस विपत्ति ने मुझे उस घर से विदा किया जिसे मैंने स्वर्ग बना लिया था, वह एक विचित्र और भयानक घटना थी। मैंने अपने प्रस्थान की योजना बनाते समय केवल दो बातों का ध्यान रखा - गति और गोपनीयता: इन्हें सुनिश्चित करने के लिए, मुझे अपने पास मौजूद सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ा, सिवाय एक छोटे से पार्सल के; जिसे मैं अपनी जल्दबाजी और मानसिक परेशानी में, उस कोच से निकालना भूल गया जो मुझे व्हिटक्रॉस लेकर आया था। इस प्रकार, मैं इस इलाके में बिल्कुल निर्धन होकर आया। मैंने दो रातें खुले में बिताईं, और लगभग दो दिन बिना किसी दहलीज को पार किए भटकता रहा: लेकिन उस दौरान मैंने केवल दो बार ही भोजन का स्वाद चखा; और जब भूख, थकावट और निराशा से लगभग अंतिम साँसें ले रही थी, तब आपने, श्री रिवर्स, मुझे अपने दरवाजे पर भूख से मरने से बचाया और मुझे अपनी छत के नीचे शरण दी। मैं जानती हूँ कि आपकी सभी बहनों ने मेरे लिए क्या-क्या किया है—क्योंकि मैं अपनी इस सुस्ती के दौरान बेहोश नहीं रही—और मैं उनकी सहज, सच्ची और सौम्य करुणा की उतनी ही ऋणी हूँ जितनी आपकी धार्मिक दानशीलता की।' 'सेंट जॉन, अब इसे और बोलने मत दो,' डायना ने मेरे रुकने पर कहा; 'यह अभी उत्तेजना के लिए तैयार नहीं है। सोफे पर आओ और बैठ जाओ, मिस इलियट।' उपनाम सुनकर मैं अनजाने में थोड़ा चौंक गई: मैं अपना नया नाम भूल गई थी। श्री रिवर्स, जिनसे कुछ भी नहीं बचता था, ने इसे तुरंत देख लिया; 'आपने कहा था कि आपका नाम जेन इलियट है?' उन्होंने पूछा।

330 जेन आयर ओस, ई ई ई 'मैंने ऐसा कहा था; और यही वह नाम है जिससे मुझे फिलहाल पुकारा जाना उचित लगता है, लेकिन यह मेरा असली नाम नहीं है, और जब मैं इसे सुनती हूँ, तो यह मुझे अजीब लगता है।' 'आप अपना असली नाम नहीं बताएँगी?' 'नहीं: मुझे सबसे ज़्यादा भेद खुलने का डर है; और जो भी खुलासा मुझे

भेद खोलने की ओर ले जाए, मैं उससे बचती हूँ।' 'आप बिल्कुल सही कह रही हैं, मुझे यकीन है,' डायना ने कहा। 'अब ऐसा ही करो, भाई, उसे थोड़ी देर शांति से रहने दो।' लेकिन जब सेंट जॉन ने कुछ क्षण विचार किया, तो उन्होंने हमेशा की तरह शांत और उतनी ही सूझबूझ से अपनी बात फिर से शुरू की। 'आप हमारी मेहमाननवाज़ी पर लंबे समय तक निर्भर नहीं रहना चाहतीं—मुझे लगता है कि आप मेरी बहनों की करुणा और सबसे बढ़कर, मेरी दानशीलता से जल्द से जल्द छुटकारा पाना चाहती हैं (मैं इस अंतर को अच्छी तरह समझती हूँ, और मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है—यह उचित है): आप हमसे स्वतंत्र होना चाहती हैं?' 'हाँ: मैं पहले ही ऐसा कह चुकी हूँ।' मुझे काम करना या काम ढूंढना सिखाओ: बस यही मेरी अब आपसे विनती है; फिर मुझे जाने दो, चाहे कितनी ही छोटी सी झोपड़ी में ही क्यों न हो; लेकिन तब तक मुझे यहीं रहने दो: मुझे बेघर और कंगाली के भयानक हालातों का फिर से सामना करने से डर लगता है।' 'हाँ, तुम्हें यहीं रहना होगा,' डायना ने अपना सफेद हाथ मेरे सिर पर रखते हुए कहा। 'हाँ, तुम्हें यहीं रहना होगा,' मैरी ने अपने स्वाभाविक भावहीन और ईमानदार लहजे में दोहराया। 'देखो, मेरी बहनों को तुम्हें अपने पास रखने में उतना ही आनंद आता है,' मिस्टर सेंट जॉन ने कहा, 'जितना उन्हें किसी ठंडी हवा से खिड़की से अंदर आए आधे जमे हुए पक्षी को रखने और उसकी देखभाल करने में आता। मुझे तुम्हें आत्मनिर्भर बनाने की ओर अधिक झुकाव महसूस होता है, और मैं ऐसा करने का प्रयास करूंगा; लेकिन ध्यान रखना, मेरा दायरा सीमित है। मैं तो बस एक गरीब ग्रामीण पल्ली का पादरी हूँ: मेरी सहायता अत्यंत साधारण प्रकार की ही होनी चाहिए।' और अगर तुम छोटी-छोटी बातों को तुच्छ समझती हो, तो मुझसे मिलने वाली मदद से कहीं अधिक कारगर मदद ढूंढो।' डायना ने मेरी ओर से जवाब दिया, 'वह पहले ही कह चुकी है कि वह ईमानदारी से कुछ भी करने को तैयार है; और तुम जानते हो, सेंट जॉन, उसके पास मदद करने वालों का कोई विकल्प नहीं है: उसे तुम्हारे जैसे रूखे लोगों को ही सहना पड़ता है।' मैंने जवाब दिया, 'मैं दर्जी बन जाऊंगी; मैं साधारण काम करने वाली बन जाऊंगी; मैं नौकरानी, दाई बन जाऊंगी, अगर इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।' श्री सेंट जॉन ने बड़े शांत भाव से कहा, 'ठीक है। अगर तुम्हारा यही इरादा है, तो मैं वादा करता हूं कि अपने समय और तरीके से तुम्हारी मदद करूंगा।' अब उन्होंने उस किताब को फिर से पढ़ना शुरू कर दिया जिसमें वे चाय से पहले व्यस्त थे। मैं जल्दी ही वहां से चली गई, क्योंकि मैं अपनी वर्तमान शक्ति के

अनुसार जितना बोल सकती थी और जितनी देर तक बैठी रह सकती थी, उतना बोल चुकी थी।

जेन आयर 331 अध्याय XXX मूर हाउस के निवासियों के बारे में जितना अधिक मैं जानती गई, उतना ही वे मुझे पसंद आने लगे। कुछ ही दिनों में मेरा स्वास्थ्य इतना सुधर गया था कि मैं सारा दिन बैठ सकती थी और कभी-कभी बाहर टहल भी सकती थी। मैं डायना और मैरी के सभी कामों में उनका साथ दे सकती थी; उनसे जितनी चाहें उतनी बातें कर सकती थी और जब और जहाँ वे मुझे अनुमति देतीं, उनकी मदद कर सकती थी। इस मेलजोल में एक स्फूर्तिदायक आनंद था, एक ऐसा आनंद जिसका स्वाद मैंने पहली बार चखा था - रुचियों, भावनाओं और सिद्धांतों की पूर्ण समानता से उत्पन्न आनंद। मुझे वही पढ़ना अच्छा लगता था जो उन्हें पढ़ना अच्छा लगता था: जो उन्हें पसंद था, उससे मुझे आनंद मिलता था; जिसे वे स्वीकार करते थे, मैं उसका आदर करती थी। उन्हें अपना एकांत घर बहुत पसंद था। मुझे भी, उस धूसर, छोटे, प्राचीन ढांचे में, जिसकी नीची छत, जालीदार खिड़कियाँ, जर्जर दीवारें और पुराने देवदार के पेड़ों की कतार थी - जो सभी पहाड़ी हवाओं के दबाव में तिरछे उग आए थे; उनका बगीचा, यू और होली के घने पेड़ों से भरा हुआ—और जहाँ केवल सबसे कठोर प्रजाति के फूल ही खिलते थे—एक ऐसा आकर्षण पा गया जो शक्तिशाली और स्थायी दोनों था। वे अपने घर के पीछे और आसपास के बैंगनी दलदली मैदानों से जुड़े रहे—उस खोखली घाटी से, जिसमें उनके द्वार से निकलने वाला कंकड़दार पगडंडी नीचे उतरती थी, और जो पहले फर्न के टीलों के बीच से होकर गुजरती थी, और फिर कुछ सबसे जंगली छोटे चरागाहों के बीच से, जो कभी बंजर भूमि की सीमा बनाते थे, या भूरे रंग की दलदली भेड़ों के झुंड को उनके छोटे काई लगे चेहरे वाले मेमनों के साथ भोजन प्रदान करते थे:—वे इस दृश्य से, मैं कहता हूँ, पूर्ण उत्साह और लगाव के साथ जुड़े रहे। मैं उस भावना को समझ सकता था, और उसकी शक्ति और सच्चाई दोनों को साझा कर सकता था। मैंने उस स्थान के आकर्षण को देखा। मैंने इसके एकांत की पवित्रता को महसूस किया: मेरी आँखें उभारों और फैलाव की रूपरेखा पर टिकी रहीं—काई, हीथ-बेल, फूलों से सजी घास, चमकीली फर्न और कोमल ग्रेनाइट की चट्टानों द्वारा पहाड़ियों और घाटियों को दिए गए जंगली रंगों पर। ये विवरण मेरे लिए वही थे जो उनके लिए थे—आनंद के इतने सारे शुद्ध और मधुर स्रोत। तेज़ हवा और हल्की हवा; उबड़-खाबड़ और शांत दिन; सूर्योदय

और सूर्यास्त के घंटे; चांदनी और बादलों से घिरी रात, इन क्षेत्रों में मेरे लिए वही आकर्षण पैदा करते थे जो उनके लिए था—मेरी इंद्रियों को उसी जादू से जकड़ लेते थे जिसने उन्हें मोहित किया था। घर के अंदर हम दोनों की राय एक जैसी थी। वे दोनों मुझसे अधिक ज्ञानवान और पढ़े-लिखे थे; लेकिन उत्सुकता से मैंने ज्ञान के उस मार्ग का अनुसरण किया जिस पर वे मुझसे पहले चल चुके थे, मैंने उनके द्वारा उधार दी गई पुस्तकों को पढ़ा: फिर मुझे पूर्ण संतुष्टि मिली।

332 जेन आयर एलएल ————————_—_—X—«~~=> मैंने शाम को उनके साथ उस विषय पर चर्चा करने का फैसला किया जो मैंने दिन भर पढ़ा था। विचार आपस में मेल खा रहे थे; राय आपस में मिल रही थी: संक्षेप में, हम पूरी तरह सहमत थे। अगर हमारे तीनों में कोई श्रेष्ठ और नेता था, तो वह डायना थी। शारीरिक रूप से वह मुझसे कहीं बेहतर थी: वह सुंदर थी; वह ऊर्जावान थी। उसके उत्साह में जीवन की प्रचुरता और प्रवाह की निश्चितता थी, जिसने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया, जबकि मेरी समझ से परे था। शाम शुरू होने पर मैं कुछ देर बात कर सकी, लेकिन जैसे ही उत्साह और धाराप्रवाह का पहला दौर खत्म हुआ, मैं डायना के चरणों में एक स्टूल पर बैठने, अपना सिर उसकी गोद में रखने और बारी-बारी से उसे और मैरी को सुनने के लिए मजबूर हो गई, जबकि वे उस विषय पर विस्तार से चर्चा कर रही थीं जिस पर मैंने बस थोड़ा सा ही बात की थी। डायना ने मुझे जर्मन सिखाने की पेशकश की। मुझे उससे सीखना अच्छा लगा: मैंने देखा कि शिक्षिका की भूमिका उसे भाती और रास आती थी; और छात्र की भूमिका भी मुझे उतनी ही भाती और रास आती थी। हमारे स्वभाव आपस में मेल खाते थे: परिणामस्वरूप, हमारा गहरा स्नेह उत्पन्न हुआ। उन्हें पता चला कि मैं चित्रकारी कर सकती हूँ: उनकी पेंसिलें और रंगपेटी तुरंत मेरी सेवा में तत्पर हो गईं। इस एक क्षेत्र में मेरी कुशलता उनसे कहीं अधिक थी, जिसने उन्हें आश्चर्यचकित और मोहित कर दिया। मैरी घंटों बैठकर मुझे चित्रकारी करती रहती, फिर वह मुझसे सीखती; और इस तरह वह एक आज्ञाकारी, बुद्धिमान और मेहनती छात्रा बन गई। इस प्रकार, एक-दूसरे का मनोरंजन करते हुए, दिन घंटों की तरह और सप्ताह दिनों की तरह बीतते गए। जहाँ तक श्री सेंट जॉन की बात है, उनके साथ वह घनिष्ठता नहीं थी जो मेरे और उनकी बहनों के बीच इतनी स्वाभाविक और तीव्र गति से विकसित हुई थी। हमारे बीच अभी भी मौजूद दूरी का एक कारण यह था कि वे अपेक्षाकृत कम ही घर पर रहते थे: उनका अधिकांश समय अपने क्षेत्र की बिखरी हुई आबादी में बीमार

और गरीब लोगों से मिलने में व्यतीत होता प्रतीत होता था। मौसम कभी भी उनके इन देहाती भ्रमणों में बाधक नहीं लगता था: बारिश हो या धूप, सुबह की पढ़ाई पूरी होने पर वे अपनी टोपी उतारते और अपने पिता के पुराने कुत्ते कार्लो के साथ प्रेम या कर्तव्य के अपने मिशन पर निकल पड़ते—मुझे ठीक से पता नहीं कि वे इसे किस दृष्टि से देखते थे। कभी-कभी, जब दिन बहुत प्रतिकूल होता, तो उनकी बहनें शिकायत करतीं। तब वे एक अजीब सी मुस्कान के साथ कहते, जो प्रसन्नता से अधिक गंभीर होती—3 'और अगर मैं हवा के झोंके या हल्की बारिश से इन आसान कामों से विचलित हो जाऊं, तो भविष्य के लिए ऐसी सुस्ती कैसी तैयारी होगी जो मैंने अपने लिए तय की है?' इस प्रश्न पर डायना और मैरी का सामान्य उत्तर एक आह और कुछ मिनटों का शोकपूर्ण चिंतन होता था। लेकिन उनकी बार-बार अनुपस्थिति के अलावा, उनसे मित्रता में एक और बाधा थी: वे आरक्षित, एक मृदुभाषी प्रतीत होते थे,
जेन आयर 333 एसएसएस eeneeeereeereeneeseeee और यहाँ तक कि उनका स्वभाव भी चिंतनशील था। अपने धार्मिक कार्यों में उत्साही, जीवन और आदतों में निष्कलंक, फिर भी ऐसा प्रतीत नहीं होता था कि उन्हें वह मानसिक शांति, वह आंतरिक संतोष प्राप्त था, जो प्रत्येक सच्चे ईसाई और व्यावहारिक परोपकारी का पुरस्कार होना चाहिए। अक्सर, शाम को, जब वे खिड़की पर बैठते थे, उनके सामने उनकी मेज और कागज होते थे, तो वे पढ़ना या लिखना बंद कर देते थे, अपनी ठुड्डी को हाथ पर टिका लेते थे, और पता नहीं किस विचार में डूब जाते थे; लेकिन यह कि वह विचार अशांत और उत्तेजित था, उनकी आँखों की बार-बार चमक और परिवर्तनशील फैलाव से देखा जा सकता था। इसके अलावा, मुझे लगता है कि प्रकृति उनके लिए आनंद का वह खजाना नहीं थी जो उनकी बहनों के लिए थी। उन्होंने एक बार, और केवल एक बार मेरे सामने, पहाड़ियों के ऊबड़-खाबड़ आकर्षण की एक मजबूत भावना और उस काली छत और सफेद दीवारों के लिए एक जन्मजात स्नेह व्यक्त किया जिसे वे अपना घर कहते थे; लेकिन जिस लहजे और शब्दों में उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की, उसमें आनंद से अधिक उदासी थी; और ऐसा कभी नहीं लगा कि वे शांत खामोशी के लिए मैदानों में घूमते हों—न ही वे वहाँ मिलने वाले हजारों शांतिपूर्ण सुखों की खोज करते हों या उन पर विचार करते हों। वे कम बोलने वाले थे, इसलिए मुझे उनके मन को समझने का मौका मिलने में काफी समय लग गया। मुझे पहली बार उनके मन की गहराई का अंदाजा तब हुआ जब मैंने उन्हें मॉर्टन

में उनके अपने चर्च में उपदेश देते हुए सुना। काश मैं उस उपदेश का वर्णन कर पाता: लेकिन यह मेरे बस की बात नहीं है। मैं उस उपदेश के मुझ पर पड़े प्रभाव को भी ठीक से व्यक्त नहीं कर सकता। यह शांत शुरू हुआ—और वास्तव में, बोलने के तरीके और आवाज के स्तर की बात करें तो, यह अंत तक शांत रहा: एक गंभीर, फिर भी संयमित उत्साह जल्द ही स्पष्ट उच्चारण में झलकने लगा, और इसने उनकी जोशीली भाषा को प्रेरित किया। यह जोश बढ़ता गया—संकुचित, सघन, नियंत्रित। उपदेशक की शक्ति से हृदय रोमांचित हो गया, मन चकित रह गया: दोनों में से कोई भी नरम नहीं पड़ा। पूरे उपदेश में एक अजीब सी कड़वाहट थी; सांत्वनापूर्ण कोमलता का अभाव था; कैल्विनवादी सिद्धांतों—चुनाव, पूर्वनियति, निंदा—के कठोर संदर्भ बार-बार आते थे; और इन बिंदुओं का प्रत्येक उल्लेख विनाश के लिए सुनाए गए फैसले जैसा प्रतीत होता था। जब उनका भाषण समाप्त हुआ, तो बेहतर, शांत या उनके प्रवचन से अधिक ज्ञान प्राप्त करने के बजाय, मुझे एक अवर्णनीय उदासी का अनुभव हुआ; क्योंकि मुझे ऐसा लगा—मुझे नहीं पता कि दूसरों को भी ऐसा ही लगा या नहीं —कि जिस वाक्पटुता को मैं सुन रहा था, वह निराशा की मैली तलछट से निकली थी —जहाँ अतृप्त लालसाओं और बेचैन आकांक्षाओं के कष्टदायक आवेग उमड़ रहे थे। मुझे यकीन था कि सेंट जॉन रिवर्स—चाहे वे कितने भी पवित्र जीवन जीने वाले, कर्तव्यनिष्ठ और उत्साही क्यों न हों—ने अभी तक ईश्वर की उस शांति को नहीं पाया था जो सब कुछ पार कर जाती है।

334 जेन आयर खड़ी थी; मुझे लगा कि उसे वह नहीं मिला था, ठीक वैसे ही जैसे मुझे अपने टूटे हुए आदर्श और खोए हुए स्वर्ग के लिए छिपे और पीड़ादायक अफसोस नहीं मिले थे—वे अफसोस जिनका मैंने हाल ही में जिक्र करने से परहेज किया है, लेकिन जिन्होंने मुझे जकड़ रखा था और मुझ पर बेरहमी से अत्याचार किया था। इस बीच एक महीना बीत चुका था। डायना और मैरी जल्द ही मूर हाउस छोड़कर एक बिल्कुल अलग जीवन और परिवेश में लौटने वाली थीं, जो उनका इंतजार कर रहा था, एक बड़े, फैशनेबल, दक्षिण-इंग्लैंड शहर में गवर्नेंस के रूप में, जहाँ दोनों ऐसे परिवारों में थीं जिनके धनी और अभिमानी सदस्य उन्हें केवल विनम्र आश्रित मानते थे, और जो न तो उनकी जन्मजात खूबियों को जानते थे और न ही उन्हें खोजते थे, और केवल उनकी अर्जित उपलब्धियों की सराहना करते थे जैसे वे अपने रसोइए के कौशल या अपनी नौकरानी के स्वाद की सराहना करते थे। श्री सेंट जॉन ने अभी तक मुझे उस

नौकरी के बारे में कुछ नहीं बताया था जिसका उन्होंने मेरे लिए वादा किया था; फिर भी यह जरूरी हो गया था कि मुझे किसी न किसी तरह का पेशा मिले। एक सुबह, बैठक में कुछ मिनटों के लिए उनके साथ अकेले रहने पर, मैंने खिड़की के उस कोने की ओर जाने का साहस किया—जिसे उन्होंने मेज, कुर्सी और डेस्क से एक तरह के अध्ययन कक्ष के रूप में इस्तेमाल किया था—और मैं बोलने ही वाली थी, हालाँकि मुझे ठीक से पता नहीं था कि किस शब्द से अपनी बात कहूँ—क्योंकि उनके जैसे स्वभाव वाले लोगों के बीच चुप्पी की बर्फ तोड़ना हमेशा मुश्किल होता है—तभी उन्होंने पहले ही बातचीत शुरू करके मेरी परेशानी बचा ली। मेरे पास आते ही उन्होंने ऊपर देखते हुए कहा, 'तुम्हें मुझसे कुछ पूछना है?' मैंने कहा, 'हाँ; मैं जानना चाहती हूँ कि क्या आपने किसी ऐसी सेवा के बारे में सुना है जो मैं कर सकूँ?' उन्होंने कहा, 'मैंने तीन हफ्ते पहले तुम्हारे लिए कुछ सोचा या तैयार किया था; लेकिन क्योंकि तुम यहाँ उपयोगी और खुश लग रही थी—क्योंकि मेरी बहनें तुमसे जुड़ गई थीं, और तुम्हारी संगति उन्हें असाधारण आनंद देती थी—इसलिए मैंने सोचा कि जब तक मार्श एंड से उनका प्रस्थान न हो जाए और तुम्हारी उपस्थिति आवश्यक न हो जाए, तब तक तुम्हारे आराम में दखल देना उचित नहीं होगा।' मैंने कहा, 'और वे अब से तीन दिन में जा रही हैं?' "हाँ; और जब वे चले जाएँगे, तो मैं मॉर्टन स्थित पादरी के घर लौट जाऊँगा: हन्ना मेरे साथ आएगी; और यह पुराना घर बंद कर दिया जाएगा।" मैंने कुछ क्षण प्रतीक्षा की, यह उम्मीद करते हुए कि वह पहले उठाए गए विषय को आगे बढ़ाएँगे: लेकिन ऐसा लगा जैसे वह किसी और विचार में लीन हो गए हों: उनकी नज़रें मुझसे और मेरे काम से विमुख थीं। मुझे उन्हें उस विषय पर वापस लाना पड़ा जो मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। "श्री रिवर्स, आपका क्या काम है? मैं
जेन आयर 335 a a a आशा है कि इस देरी से इसे हासिल करने में कठिनाई नहीं बढ़ी होगी।' 'नहीं, ऐसा नहीं है; क्योंकि यह एक ऐसा काम है जिसे देना केवल मेरे ऊपर निर्भर करता है और स्वीकार करना आपके ऊपर।' वह फिर रुका: आगे बोलने में अनिच्छा प्रतीत हुई। मैं अधीर हो गई: एक-दो बेचैन हरकतें और उसके चेहरे पर टिकी एक उत्सुक और सटीक नज़र ने उसे मेरी भावना उतनी ही प्रभावी ढंग से बता दी जितनी कि शब्दों से, और कम परेशानी के साथ। "आपको सुनने की जल्दी नहीं है," उसने कहा: "मैं आपको स्पष्ट रूप से बता दूं, मेरे पास सुझाव देने के लिए कुछ भी योग्य या लाभदायक नहीं है। समझाने से पहले, कृपया मेरी स्पष्ट चेतावनी को याद

कर लें, कि यदि मैं आपकी सहायता करता हूँ, तो यह एक अंधे व्यक्ति द्वारा लंगड़े की सहायता करने के समान होगा। मैं गरीब हूँ; क्योंकि मुझे लगता है कि जब मैं अपने पिता के ऋण चुका दूंगा, तो मेरे पास जो पैतृक संपत्ति बचेगी, वह यह जर्जर फार्महाउस, पीछे झुलसे हुए देवदार के पेड़ों की कतार और सामने यू-पेड़ों और होली-झाड़ियों वाली बंजर भूमि का टुकड़ा होगा। मैं गुमनाम हूँ: रिवर्स एक पुराना नाम है; लेकिन वंश के तीन इकलौते वंशजों में से, दो अजनबियों के बीच आश्रित के रूप में रोटी कमाते हैं, और तीसरा खुद को अपने देश से पराया मानता है—न केवल जीवन भर, बल्कि मृत्यु में भी। हाँ, और वह खुद को इस भाग्य से सम्मानित मानता है, और मानने के लिए बाध्य है, और केवल उस दिन की आकांक्षा रखता है जब सांसारिक बंधनों से बिछड़ने का बोझ उसके कंधों पर डाल दिया जाएगा, और जब उस चर्च-सैनिक का मुखिया, जिसके सबसे विनम्र सदस्यों में से वह एक है, यह आदेश देगा, "उठो, मेल का अनुसरण करो!" संत जॉन ने अपने उपदेश देते हुए ये शब्द शांत, गंभीर स्वर में कहे; उनके गाल लाल नहीं थे और उनकी निगाहें चमक रही थीं। उन्होंने आगे कहा— 'चूंकि मैं स्वयं गरीब और गुमनाम हूं, इसलिए मैं आपको केवल गरीबी और गुमनामी की सेवा ही दे सकता हूं। आप इसे अपमानजनक भी समझ सकते हैं—क्योंकि अब मैं देखता हूं कि आपकी आदतें वैसी रही हैं जिन्हें दुनिया परिष्कृत कहती है: आपकी रुचियां आदर्श की ओर झुकी हुई हैं, और आपका समाज कम से कम शिक्षित लोगों के बीच रहा है; लेकिन मेरा मानना है कि कोई भी सेवा अपमानजनक नहीं है जो हमारी जाति का उत्थान कर सके। मेरा मानना है कि ईसाई मजदूर को जिस भूमि पर खेती का कार्य सौंपा जाता है, वह जितनी बंजर और अनुपयोगी होती है —उसके परिश्रम का प्रतिफल जितना कम होता है—उतना ही सम्मान अधिक होता है। ऐसी परिस्थितियों में, यही उसका भाग्य है कि वह अग्रणी बने; और सुसमाचार के पहले अग्रणी प्रेरित थे—उनके कप्तान यीशु, मुक्तिदाता थे। स्वयं।' 'तो?' मैंने कहा, जब वह फिर रुका—'आगे बढ़ो।' आगे बढ़ने से पहले उसने मेरी ओर देखा: वास्तव में, वह ऐसा लग रहा था

उसने कहा, 'और इसे कुछ समय के लिए संभालेंगी: हालांकि स्थायी रूप से नहीं: ठीक वैसे ही जैसे मैं अंग्रेजी ग्रामीण क्षेत्र के पद को स्थायी रूप से नहीं संभाल सकता; क्योंकि आपके स्वभाव में भी उतनी ही हानिकारक अशुद्धि है जितनी मेरी, हालांकि यह अलग प्रकार की है।' 'कृपया समझाएं,' मैंने आग्रह किया, जब वह एक बार फिर रुका। 'मैं समझाऊंगा; और आप सुनेंगी कि यह प्रस्ताव कितना तुच्छ है, कितना मामूली है, कितना तंग करने वाला है। अब जब मेरे पिता की मृत्यु हो गई है और मैं अपना मालिक स्वयं हूं, तो मैं मॉर्टन में ज्यादा समय तक नहीं रुकूंगा। मैं शायद बारह महीनों के भीतर यह स्थान छोड़ दूंगा; लेकिन जब तक मैं यहां रहूंगा, मैं इसके सुधार के लिए अपना पूरा प्रयास करूंगा।' जब मैं दो साल पहले मॉर्टन आया था, तब यहाँ कोई स्कूल नहीं था: गरीब बच्चों के लिए प्रगति की कोई उम्मीद नहीं थी। मैंने लड़कों के लिए एक स्कूल खोला: अब मैं लड़कियों के लिए दूसरा स्कूल खोलने जा रहा हूँ। मैंने इसके लिए एक इमारत किराए पर ली है, जिसके साथ दो कमरों का एक छोटा सा घर भी जुड़ा हुआ है, जो शिक्षिका के रहने के लिए है। उनका वेतन तीस पाउंड प्रति वर्ष होगा: उनका घर पहले से ही बहुत ही साधारण, लेकिन पर्याप्त रूप से सुसज्जित है, एक महिला, मिस ओलिवर की कृपा से; जो मेरे इलाके के इकलौते अमीर आदमी - मिस्टर ओलिवर, जो घाटी में एक सुई-कारखाने और लोहे की भट्टी के मालिक हैं, की इकलौती बेटी हैं। वही महिला वर्कहाउस की एक अनाथ बच्ची की शिक्षा और कपड़ों का खर्च उठाती है, इस शर्त पर कि वह शिक्षिका को उनके घर और स्कूल से जुड़े उन छोटे-मोटे कामों में मदद करेगी, जिन्हें पढ़ाने के काम के कारण वह स्वयं नहीं कर पाएगी। क्या आप यह शिक्षिका बनेंगी?' उन्होंने यह सवाल कुछ जल्दबाजी में पूछा; उन्हें लगभग यही उम्मीद थी कि मैं इस प्रस्ताव को गुस्से में, या कम से कम तिरस्कारपूर्वक अस्वीकार कर दूंगी: मेरे सारे विचार और भावनाएँ न जानते हुए, हालांकि कुछ का अनुमान लगाते हुए, वे यह नहीं बता सकते थे कि यह प्रस्ताव मुझे किस दृष्टि से दिखाई देगा। सच तो यह था कि यह मामूली था—लेकिन यह सुरक्षित था, और मुझे एक सुरक्षित आश्रय चाहिए था: यह थकाऊ था—लेकिन फिर, एक अमीर घर में गवर्नेंस के काम की तुलना में, यह स्वतंत्र था; और अजनबियों के अधीन गुलामी का डर मेरे मन में लोहे की तरह बैठ गया था: यह नीच नहीं था—अयोग्य नहीं था—मानसिक रूप से अपमानजनक नहीं था। मैंने अपना निर्णय ले लिया। 'श्री रिवर्स, मैं इस प्रस्ताव के लिए आपका धन्यवाद करती हूँ, और मैं इसे पूरे

दिल से स्वीकार करती हूँ।' 'लेकिन क्या आप मुझे समझ रही हैं?' उन्होंने कहा। 'यह एक गाँव का स्कूल है: आपकी छात्राएँ केवल गरीब लड़कियाँ होंगी—झोपड़ी में रहने वाले लोगों की बच्चियाँ—

जेन आयर 337 "सबसे अच्छी, किसानों की बेटियाँ। बुनाई, सिलाई, पढ़ना, लिखना, गणित, यही सब तुम्हें सिखाना होगा। तुम अपनी उपलब्धियों का क्या करोगी? अपने दिमाग के सबसे बड़े हिस्से—भावनाओं—रुचियों—का क्या?" "इन्हें तब तक बचा कर रखो जब तक इनकी ज़रूरत न पड़े। ये काम आएंगी।" "तो तुम्हें पता है कि तुम क्या करने जा रही हो?" "हाँ।" अब वह मुस्कुराया: और यह कोई कड़वी या उदास मुस्कान नहीं थी, बल्कि एक बेहद प्रसन्न और गहरी संतुष्टि भरी मुस्कान थी। "और तुम अपना काम कब शुरू करोगी?" "मैं कल अपने घर जाऊंगी, और अगर आप चाहें तो अगले हफ्ते स्कूल खोल दूंगी।" "बहुत अच्छा: ऐसा ही हो।" वह उठा और कमरे से होते हुए चला गया। रुककर उसने फिर मेरी तरफ देखा। उसने अपना सिर हिलाया। "मिस्टर रिवर्स, आपको क्या आपत्ति है?" मैंने पूछा। "तुम मॉर्टन में ज़्यादा दिन नहीं रुकोगी: नहीं, नहीं!" "क्यों?" ऐसा कहने का आपका क्या कारण है?' 'मैंने आपकी आँखों में देख लिया; ये उस तरह की आँखें नहीं हैं जो जीवन में स्थिरता का वादा करती हैं।' 'मैं महत्वाकांक्षी नहीं हूँ।' 'महत्वाकांक्षी' शब्द सुनकर वह चौंक गया। उसने दोहराया, 'नहीं। आपको महत्वाकांक्षा का ख्याल कैसे आया? कौन महत्वाकांक्षी होता है? मुझे पता है कि मैं हूँ: लेकिन आपको यह कैसे पता चला?' 'मैं अपने बारे में बात कर रहा था।' 'अच्छा, अगर आप महत्वाकांक्षी नहीं हैं, तो आप——' वह रुका। "क्या?" 'मैं कहने वाला था, भावुक: लेकिन शायद आप शब्द को गलत समझ लेते और नाराज़ हो जाते। मेरा मतलब है, मानवीय भावनाओं और सहानुभूति का आप पर बहुत गहरा प्रभाव है। मुझे यकीन है कि आप अपना खाली समय अकेलेपन में बिताकर और अपने काम के घंटों को बिना किसी प्रेरणा के नीरस काम में लगाकर लंबे समय तक संतुष्ट नहीं रह सकते: ठीक वैसे ही जैसे मैं संतुष्ट नहीं रह सकता,' उसने ज़ोर देकर कहा, 'यहाँ दलदल में दबे हुए, पहाड़ों से घिरे हुए रहना—मेरी प्रकृति, जो ईश्वर ने मुझे दी है, उसका उल्लंघन करती है; मेरी दिव्य प्रदत्त शक्तियाँ पंगु हो गई हैं—निष्क्रिय हो गई हैं। अब आप सुन रहे हैं कि मैं स्वयं का ही खंडन कर रहा हूँ। मैं, जिसने साधारण जीवन में संतोष का उपदेश दिया और ईश्वर की सेवा में लकड़ी काटने वालों और पानी भरने वालों के कार्य को भी उचित ठहराया—मैं, उनका नियुक्त

सेवक, अपनी बेचैनी में लगभग पागलों की तरह व्यवहार कर रहा हूँ। खैर, प्रवृत्तियों और सिद्धांतों में किसी न किसी तरह सामंजस्य स्थापित करना ही होगा।' वह कमरे से चले गए। इस संक्षिप्त समय में मैंने और भी बहुत कुछ सीखा।

338 जेन आयर: पिछले पूरे महीने की तुलना में वह अब और भी ज़्यादा उदास और चुप हो गया था। जैसे-जैसे अपने भाई और घर को छोड़ने का दिन नज़दीक आता गया, डायना और मैरी रिवर्स और भी ज़्यादा दुखी और चुप होती गईं। दोनों ने सामान्य दिखने की कोशिश की; लेकिन जिस दुख से उन्हें जूझना पड़ रहा था, उसे पूरी तरह से जीता या छिपाया नहीं जा सकता था। डायना ने संकेत दिया कि यह अब तक की उनकी सभी विदाई से अलग होगी। सेंट जॉन के लिए, यह शायद वर्षों की विदाई होगी: यह जीवन भर की विदाई भी हो सकती है। 'वह अपने लंबे समय से चले आ रहे संकल्पों के लिए सब कुछ कुर्बान कर देगा,' उसने कहा: 'स्वाभाविक स्नेह और भावनाएँ और भी प्रबल हो जाएँगी। सेंट जॉन शांत दिखता है, जेन; लेकिन वह अपने भीतर एक ज्वर छुपा रहा है। तुम उसे कोमल समझोगी, फिर भी कुछ मामलों में वह मृत्यु के समान कठोर है; और सबसे बुरी बात यह है कि मेरा विवेक मुझे उसके कठोर निर्णय से उसे रोकने की अनुमति नहीं देता: निश्चित रूप से, मैं इसके लिए उसे एक पल के लिए भी दोष नहीं दे सकती।' यह सही है, नेक है, ईसाई धर्म के अनुरूप है: फिर भी मेरा दिल टूट जाता है!' और उसकी कोमल आँखों से आँसू बहने लगे। मैरी ने अपना सिर झुकाकर काम किया। 'अब हम पिता विहीन हैं: जल्द ही हम घर और भाई के भी विहीन हो जाएँगे,' उसने बुदबुदाया। उसी क्षण एक छोटी सी दुर्घटना घटी, जो मानो भाग्य द्वारा जानबूझकर इस कहावत को सच साबित करने के लिए तय की गई थी कि 'दुर्भाग्य कभी अकेले नहीं आते,' और उनके दुखों में एक और मुसीबत जोड़ दी। सेंट जॉन खिड़की से एक पत्र पढ़ते हुए गुजरे। वे अंदर आए। 'हमारे चाचा जॉन का निधन हो गया है,' उन्होंने कहा। दोनों बहनें स्तब्ध रह गईं: सदमे या भय से नहीं; उनकी आँखों में यह खबर क्षणिक से कहीं अधिक महत्वपूर्ण प्रतीत हुई। 'मृत?' डायना ने दोहराया। उसने अपने भाई के चेहरे पर गहरी निगाहें गड़ा दीं। 'तो फिर क्या?' उसने धीमी आवाज में पूछा। 'तो फिर क्या, मर गए?' उसने चेहरे पर एक पत्थर जैसी भावहीनता बनाए रखते हुए उत्तर दिया। "तो फिर क्या? क्यों—कुछ नहीं। पढ़ो।" उसने पत्र उसकी गोद में फेंक दिया। उसने उस पर एक नज़र डाली और उसे मैरी को दे दिया। मैरी ने चुपचाप उसे पढ़ा और अपने भाई को लौटा दिया। तीनों ने

एक-दूसरे को देखा और तीनों मुस्कुराए—एक उदास, गंभीर मुस्कान। “आमीन! हम अभी भी जी सकते हैं,” डायना ने अंत में कहा। “खैर, इससे हमारी स्थिति पहले से बदतर नहीं हुई है,” मैरी ने टिप्पणी की। “बस इससे मन में एक तस्वीर बहुत मजबूती से बैठ जाती है।”

जेन आयर 339 देखें nl a SR श्री रिवर्स ने कहा, 'जो हो सकता था, उसका वर्णन उन्होंने वर्तमान स्थिति से कुछ ज़्यादा ही स्पष्ट रूप से किया है।' उन्होंने पत्र को मोड़कर अपनी मेज़ में बंद किया और फिर बाहर चले गए। कुछ मिनटों तक कोई नहीं बोला। फिर डायना मेरी ओर मुड़ी। 'जेन, तुम हम पर और हमारे रहस्यों पर आश्चर्य करोगी,' उसने कहा, 'और सोचोगी कि हम इतने करीबी रिश्तेदार, जैसे कि चाचा की मृत्यु पर इतना दुखी न होकर कठोर हृदय वाले हैं; लेकिन हमने उन्हें कभी देखा या जाना नहीं है। वे मेरी माँ के भाई थे। मेरे पिता और उनके बीच बहुत पहले झगड़ा हुआ था। उन्हीं की सलाह पर मेरे पिता ने अपनी अधिकांश संपत्ति उस सट्टेबाजी में लगा दी जिसने उन्हें बर्बाद कर दिया। उनके बीच आपसी आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला: वे गुस्से में अलग हो गए और फिर कभी सुलह नहीं हुई। मेरे चाचा ने बाद में अधिक सफल व्यवसाय किए: ऐसा लगता है कि उन्होंने बीस हज़ार पाउंड की संपत्ति अर्जित की। उन्होंने कभी शादी नहीं की और हमारे और एक अन्य व्यक्ति के अलावा उनका कोई करीबी रिश्तेदार नहीं था, जो हमसे ज़्यादा करीबी रिश्तेदार नहीं था।' मेरे पिता हमेशा यह सोचते थे कि अपनी संपत्ति हमें देकर वे अपनी गलती का प्रायश्चित कर लेंगे; उस पत्र से हमें पता चलता है कि उन्होंने तीस गिनी को छोड़कर, जो सेंट जॉन, डायना और मैरी रिवर्स के बीच तीन शोक की अंगूठियाँ खरीदने के लिए बाँटी जानी थीं, अपनी सारी संपत्ति दूसरे रिश्तेदार को दे दी है। बेशक, उन्हें अपनी इच्छा अनुसार करने का अधिकार था: फिर भी ऐसी खबर सुनकर मन थोड़ा उदास हो जाता है। मैरी और मैं एक-एक हजार पाउंड पाकर खुद को अमीर समझते; और सेंट जॉन के लिए भी इतनी रकम बहुत कीमती होती, क्योंकि इससे वे बहुत अच्छे काम कर पाते। यह स्पष्टीकरण देने के बाद, बात वहीं खत्म हो गई, और न तो मिस्टर रिवर्स और न ही उनकी बहनों ने इस बारे में आगे कोई ज़िक्र किया। अगले दिन मैं मार्श एंड से मॉर्टन के लिए निकल गया। उसके अगले दिन, डायना और मैरी दूर बी—— के लिए निकल गईं। एक हफ्ते में, मिस्टर रिवर्स और हन्ना पादरी के घर चले गए: और इस तरह पुराना फार्महाउस वीरान हो गया। मेरा घर, फिर—जब मुझे आखिरकार घर मिल

जाता है—एक झोपड़ी होती है; एक छोटा सा कमरा जिसकी दीवारें सफेदी से पुती हुई और फर्श चिकना किया हुआ होता है, जिसमें चार रंगी हुई कुर्सियाँ और एक मेज, एक घड़ी, एक अलमारी, जिसमें दो-तीन प्लेटें और थालियाँ और चाय के बर्तनों का एक सेट होता है। ऊपर, रसोई के समान आकार का एक कमरा, जिसमें लकड़ी का पलंग और दराजों वाली एक अलमारी होती है; छोटा, फिर भी बहुत बड़ा।

340 जेन आयर ———— मेरे सीमित कपड़ों से मेरा भंडार भरा हुआ है: हालाँकि मेरे सज्जन और उदार मित्रों की कृपा से आवश्यक वस्तुओं का एक मामूली भंडार जुड़ गया है। शाम हो चुकी है। मैंने अपनी दासी, उस छोटी अनाथ बच्ची को एक संतरा देकर विदा कर दिया है। मैं चूल्हे के पास अकेली बैठी हूँ। आज सुबह गाँव का स्कूल खुला। मेरे पास बीस विद्यार्थी थे। उनमें से केवल तीन ही पढ़ सकते हैं: कोई भी लिख या गणित नहीं कर सकता। कई बुनाई करते हैं, और कुछ सिलाई का काम थोड़ा-बहुत जानते हैं। वे इलाके के सबसे अलग लहजे में बोलते हैं। फिलहाल, मुझे और उन्हें एक-दूसरे की भाषा समझने में कठिनाई हो रही है। उनमें से कुछ असभ्य, अशिष्ट, जिद्दी और साथ ही अज्ञानी भी हैं; लेकिन अन्य विनम्र हैं, सीखने की इच्छा रखते हैं, और उनका स्वभाव मुझे प्रसन्न करता है। मुझे यह नहीं भूलना चाहिए कि ये साधारण कपड़े पहने हुए छोटे किसान भी उतने ही अच्छे हैं जितने कि कुलीन वंश के लोग; और यह कि जन्मजात श्रेष्ठता, परिष्कार, बुद्धिमत्ता और दयालुता के बीज उनके हृदयों में उतने ही विद्यमान हैं जितने कि श्रेष्ठ कुल के लोगों के हृदयों में। मेरा कर्तव्य इन बीजों को विकसित करना होगा: निश्चित रूप से मुझे इस कार्य को पूरा करने में कुछ सुख मिलेगा। मेरे सामने खुलने वाले जीवन में मुझे बहुत आनंद की उम्मीद नहीं है: फिर भी, यदि मैं अपने मन को नियंत्रित करूँ और अपनी क्षमताओं का उचित उपयोग करूँ, तो निस्संदेह यह मुझे प्रतिदिन जीवन यापन के लिए पर्याप्त प्रदान करेगा। क्या मैं आज सुबह और दोपहर उस खाली, साधारण स्कूल के कमरे में बिताए घंटों के दौरान बहुत प्रसन्न, शांत और संतुष्ट था? खुद को धोखा न देने के लिए, मुझे उत्तर देना होगा—नहीं: मैं कुछ हद तक उदास महसूस कर रहा था। मैं—हाँ, मैं मूर्ख हूँ —मैं अपमानित महसूस कर रहा था। मुझे संदेह था कि मैंने एक ऐसा कदम उठाया है जो मुझे सामाजिक जीवन में ऊपर उठाने के बजाय नीचे गिरा रहा है। मैं अपने चारों ओर जो कुछ भी सुन और देख रहा था, उसकी अज्ञानता, गरीबी और अशिष्टता से थोड़ा निराश था। लेकिन इन भावनाओं के लिए मुझे खुद से बहुत अधिक घृणा और

तिरस्कार नहीं करना चाहिए; मैं जानती हूँ कि वे गलत हैं—यह एक बड़ी उपलब्धि है; मैं उन्हें हराने का प्रयास करूँगी। मुझे विश्वास है कि कल मैं उन पर आंशिक रूप से विजय प्राप्त कर लूँगी; और शायद कुछ हफ्तों में वे पूरी तरह से वश में हो जाएँगे। कुछ महीनों में, संभव है, मेरे छात्रों में प्रगति और सकारात्मक बदलाव देखकर मिलने वाली खुशी, घृणा की जगह संतुष्टि का स्थान ले ले। इस बीच, मैं स्वयं से एक प्रश्न पूछती हूँ—कौन सा बेहतर है?—प्रलोभन के आगे आत्मसमर्पण करना; वासना की बात सुनना; कोई कष्टदायी प्रयास न करना—कोई संघर्ष न करना;—बल्कि रेशमी जाल में फँस जाना; उस पर लिपटे फूलों पर सो जाना; दक्षिणी जलवायु में, एक आलीशान विला के बीच जागना; और अब फ्रांस में मिस्टर रोचेस्टर की प्रेमिका बनकर रहना; अपना आधा समय उनके प्यार में मदहोश रहना—क्योंकि वह—

ओह, हाँ, वह कुछ समय के लिए मुझसे बहुत प्यार करता। उसने मुझसे प्यार किया—लेकिन अब कोई भी मुझसे इतना प्यार नहीं करेगा। मैं अब कभी भी सुंदरता, यौवन और आकर्षण को दी जाने वाली मधुर श्रद्धा को नहीं जान पाऊँगी —क्योंकि अब कोई और मुझे इन गुणों से युक्त नहीं देख पाएगा। वह मुझसे स्नेह करता था और मुझ पर गर्व करता था—ऐसा कोई और पुरुष कभी नहीं होगा।— लेकिन मैं कहाँ भटक रही हूँ, क्या कह रही हूँ, और सबसे बढ़कर, क्या महसूस कर रही हूँ? मैं पूछती हूँ, क्या यह बेहतर है कि मैं मार्सिले में मूर्खों के स्वर्ग में एक गुलाम की तरह रहूँ—एक पल भ्रमपूर्ण आनंद से मदहोश रहूँ—अगले ही पल पश्चाताप और शर्म के कड़वे आँसुओं से घुट जाऊँ—या इंग्लैंड के स्वस्थ हृदय में एक हवादार पहाड़ी कोने में एक स्वतंत्र और ईमानदार गाँव की शिक्षिका बनूँ? हाँ; अब मुझे लगता है कि जब मैंने सिद्धांत और कानून का पालन किया और एक उन्मादी क्षण की पागल इच्छाओं को ठुकराकर कुचल दिया, तो मैं सही थी। ईश्वर ने मुझे सही रास्ता दिखाया: मैं इस मार्गदर्शन के लिए उनकी कृपा का आभारी हूँ! शाम के समय अपने विचारों को इस बिंदु तक लाने के बाद, मैं उठा, अपने दरवाजे पर गया और फसल कटाई के दिन के सूर्यास्त को देखा, और अपनी कुटिया के सामने के शांत खेतों को देखा, जो स्कूल के साथ गाँव से आधा मील दूर थी। पक्षी अपने अंतिम गीत गा रहे थे— "हवा सुहावनी थी, ओस सुखदायक थी।" जब मैं देख रही थी, तो मैंने खुद को खुश समझा, और थोड़ी ही देर में खुद को रोते हुए देखकर हैरान रह गई—और क्यों? उस नियति के लिए जिसने मुझे मेरे स्वामी से अलग कर दिया था: अब मैं उन्हें कभी नहीं देख

पाऊंगी; उस घोर दुख और घातक क्रोध के लिए—मेरे जाने के परिणाम—जो शायद अब उन्हें सही रास्ते से इतना दूर खींच रहे थे कि वहां से उनके लौटने की कोई उम्मीद नहीं बची थी। इस विचार के साथ ही, मैंने अपना चेहरा शाम के सुंदर आकाश और मॉर्टन की सुनसान घाटी से फेर लिया—मैं सुनसान इसलिए कह रही हूं, क्योंकि उस मोड़ पर मुझे जो दिखाई दे रहा था, वहां चर्च और पादरी के घर के अलावा कोई इमारत नहीं थी, जो पेड़ों में आधे छिपे हुए थे, और बिल्कुल किनारे पर वेल हॉल की छत थी, जहां अमीर श्री ओलिवर और उनकी बेटी रहते थे। मैंने अपनी आंखें छुपा लीं और अपना सिर अपने दरवाजे के पत्थर के फ्रेम पर टिका दिया; लेकिन जल्द ही मेरे छोटे से बगीचे को घास के मैदान से अलग करने वाले छोटे से दरवाजे के पास एक हल्की सी आवाज ने मुझे ऊपर देखने पर मजबूर कर दिया। एक कुत्ता। —बूढ़ा कार्लो, जैसा कि मैंने अभी देखा, मिस्टर रिवर्स का खास कुत्ता—अपनी नाक से गेट को धक्का दे रहा था, और सेंट जॉन खुद बाँहें बाँधे उस पर झुके हुए थे; उनकी भौंहें तन गई थीं, उनकी निगाहें, लगभग नाराज़गी से भरी गंभीर, मुझ पर टिकी हुई थीं। मैंने उनसे अंदर आने को कहा। 'नहीं, मैं नहीं रुक सकता; मैं बस आपके लिए एक छोटा सा पार्सल लाया हूँ।'

342 जेन आयर _———————— मेरी बहनों ने तुम्हारे लिए ये तोहफे छोड़े हैं। मुझे लगता है इसमें एक रंग-पेटी, पेंसिलें और कागज़ हैं।' मैं इसे लेने के लिए आगे बढ़ी: ये एक सुखद उपहार था। जैसे ही मैं पास आई, मुझे लगा कि उन्होंने मेरे चेहरे को गंभीरता से देखा: आँसुओं के निशान निस्संदेह उस पर साफ़ दिखाई दे रहे थे। 'क्या तुम्हें अपने पहले दिन का काम उम्मीद से ज़्यादा कठिन लगा?' उन्होंने पूछा। 'अरे नहीं! इसके विपरीत, मुझे लगता है कि समय के साथ मैं अपने विद्यार्थियों के साथ बहुत अच्छे से तालमेल बिठा लूँगी।' 'लेकिन शायद तुम्हारे रहने की जगह—तुम्हारी कुटिया—तुम्हारा फर्नीचर—तुम्हारी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा? सच में, ये काफ़ी कम हैं; लेकिन——' मैंने बीच में ही टोक दिया— 'मेरी कुटिया साफ़ और मौसम से सुरक्षित है; मेरा फर्नीचर पर्याप्त और आरामदायक है। जो कुछ भी मैंने देखा है, उससे मैं आभारी हूँ, निराश नहीं। मैं इतनी मूर्ख और कामुक नहीं हूँ कि कालीन, सोफ़ा और चांदी के बर्तनों की कमी पर अफ़सोस करूँ; इसके अलावा, पाँच सप्ताह पहले मेरे पास कुछ नहीं था—मैं एक अछूत, एक भिखारी, एक आवारा था; अब मेरे परिचित हैं, एक घर है, एक व्यवसाय है। मैं ईश्वर की कृपा, अपने मित्रों की उदारता और अपने

भाग्य की प्रचुरता पर आश्चर्यचकित हूँ। मैं शिकायत नहीं करता।' 'लेकिन क्या आपको एकांत एक बोझ लगता है? आपके पीछे वह छोटा सा घर अँधेरा और खाली है।' 'मुझे अभी तक शांति का अनुभव करने का भी समय नहीं मिला है, अकेलेपन में बेचैन होने की तो बात ही दूर है।' 'बहुत खूब; मुझे आशा है कि आप जो संतोष व्यक्त कर रहे हैं, उसे आप महसूस करते हैं: वैसे भी, आपकी समझदारी आपको बताएगी कि लूत की पत्नी के डगमगाते डर के आगे झुकना अभी बहुत जल्दबाजी होगी। मेरे आपसे मिलने से पहले आपके पास क्या था, यह तो मैं नहीं जानता; लेकिन मैं आपको सलाह देता हूँ कि हर उस प्रलोभन का दृढ़ता से विरोध करें जो आपको पीछे मुड़कर देखने के लिए प्रेरित करे: कम से कम कुछ महीनों तक अपने वर्तमान जीवन को दृढ़ता से जारी रखें।' 'मैं यही करने का इरादा रखता हूँ,' मैंने उत्तर दिया। सेंट जॉन ने आगे कहा—'इच्छाओं के प्रवाह को नियंत्रित करना और प्रकृति के झुकाव को मोड़ना कठिन कार्य है; लेकिन यह संभव है, यह मैं अपने अनुभव से जानता हूँ। ईश्वर ने हमें कुछ हद तक अपना भाग्य स्वयं बनाने की शक्ति दी है; और जब हमारी ऊर्जा को ऐसे पोषण की आवश्यकता प्रतीत होती है जो उसे नहीं मिल सकता—जब हमारी इच्छा ऐसे मार्ग पर चलने के लिए विवश होती है जिस पर हम नहीं चल सकते—तो हमें न तो भूख से मरना चाहिए और न ही निराशा में स्थिर रहना चाहिए: हमें बस मन के लिए एक और पोषण खोजना है, जो उस वर्जित भोजन जितना ही शक्तिशाली हो जिसका स्वाद लेने के लिए वह तरस रहा था—और शायद उससे भी अधिक शुद्ध; और साहसी कदमों के लिए एक ऐसा मार्ग बनाना है जो उतना ही सीधा और चौड़ा हो जितना कि भाग्य ने हमारे सामने अवरुद्ध कर रखा है, भले ही वह उससे अधिक कठिन हो। 'एक वर्ष पहले मैं स्वयं अत्यंत दुखी था, क्योंकि मैं

 —=——=eEeeeeE_=_eee_ मुझे लगा कि मैंने पादरी बनने में गलती की है: इसके एक जैसे कर्तव्यों ने मुझे मौत के कगार पर पहुंचा दिया था। मैं दुनिया के अधिक सक्रिय जीवन के लिए तड़प रही थी—एक साहित्यिक करियर के अधिक रोमांचक परिश्रम के लिए—एक कलाकार, लेखक, वक्ता बनने के लिए; एक पादरी बनने के अलावा कुछ भी बनने के लिए: हाँ, एक राजनेता, एक सैनिक, यश के उपासक, प्रसिद्धि के प्रेमी, सत्ता के भूखे का दिल मेरे पादरी के चोगे के नीचे धड़क रहा था। मैंने सोचा; मेरा जीवन इतना दयनीय था, इसे बदलना ही होगा, नहीं तो मुझे मरना होगा। अंधकार और संघर्ष के एक दौर के बाद, प्रकाश आया और राहत मिली:

मेरा संकुचित अस्तित्व अचानक असीम मैदान में फैल गया—मेरी शक्तियों ने स्वर्ग से उठने, अपनी पूरी ताकत इकट्ठा करने, अपने पंख फैलाने और ज्ञान से परे उड़ने का आह्वान सुना। ईश्वर का मेरे लिए एक कार्य था; इसे दूर तक ले जाने और इसे अच्छी तरह से पहुंचाने के लिए कौशल और शक्ति, साहस और वाक्पटुता, एक सैनिक, राजनेता और वक्ता के सर्वोत्तम गुण आवश्यक थे: क्योंकि ये सभी गुण एक अच्छे मिशनरी में निहित होते हैं। 'मैंने मिशनरी बनने का संकल्प लिया। उस क्षण से मेरी मनस्थिति बदल गई; हर इंद्रिय से बंधन टूटकर गिर गए, केवल उसकी पीड़ादायक पीड़ा ही शेष रही—जिसे केवल समय ही ठीक कर सकता है। मेरे पिता ने वास्तव में इस संकल्प का विरोध किया, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद, मेरे सामने कोई वैध बाधा नहीं रही; कुछ मामले सुलझ गए, मॉर्टन के लिए एक उत्तराधिकारी मिल गया, भावनाओं की एक-दो उलझनें टूट गईं या अलग हो गईं—मानवीय कमजोरी के साथ अंतिम संघर्ष, जिसमें मुझे पता है कि मैं विजय प्राप्त करूंगा, क्योंकि मैंने प्रतिज्ञा की है कि मैं विजय प्राप्त करूंगा—और मैं यूरोप छोड़कर पूर्व की ओर चल पड़ा।' उन्होंने यह बात अपनी विशिष्ट, शांत, फिर भी दृढ़ आवाज में कही; बोलते-बोलते उन्होंने मेरी ओर नहीं, बल्कि डूबते सूरज की ओर देखा, जिसकी ओर मैंने भी देखा। हम दोनों की पीठ विकेट की ओर जाने वाले रास्ते की ओर थी। घास से ढके रास्ते पर हमें कोई आहट नहीं सुनाई दी; घाटी में बहते पानी की आवाज़ ही उस समय और दृश्य की एकमात्र सुकून देने वाली ध्वनि थी; ऐसे में हम चौंक ही गए जब एक मधुर, चांदी की घंटी जैसी मीठी आवाज़ सुनाई दी— 'शुभ संध्या, श्रीमान रिवर्स। और शुभ संध्या, बूढ़े कार्लो। आपका कुत्ता अपने दोस्तों को आपसे भी जल्दी पहचान लेता है, महोदय; जब मैं खेत के निचले हिस्से में था, तब उसने अपने कान खड़े किए और पूंछ हिलाई, और अब आपकी पीठ मेरी तरफ है।' यह सच था। हालाँकि श्रीमान रिवर्स उस मधुर आवाज़ की शुरुआत में ही चौंक गए थे, मानो उनके सिर पर बिजली गिर पड़ी हो, फिर भी वाक्य के अंत तक वे उसी मुद्रा में खड़े रहे जिसमें वक्ता ने उन्हें चौंकाया था —उनकी बांह गेट पर टिकी थी, उनका चेहरा पश्चिम की ओर था। अंत में, उन्होंने बड़े सधे हुए अंदाज़ में मुड़ा। मानो यह एक अद्भुत दृश्य था।

 मुझे ऐसा लगा जैसे वह उसके बगल में उठ खड़ी हुई हो। उससे तीन फीट की दूरी पर, शुद्ध सफेद वस्त्रों में लिपटी एक आकृति प्रकट हुई—एक युवा, आकर्षक

आकृति: भरी हुई, फिर भी सुंदर आकृति; और जब कार्लो को दुलारने के लिए झुकने के बाद, उसने अपना सिर उठाया और एक लंबा घूंघट पीछे हटाया, तो उसकी निगाहों के नीचे एक परिपूर्ण सौंदर्य का चेहरा खिल उठा। परिपूर्ण सौंदर्य एक सशक्त अभिव्यक्ति है; लेकिन मैं इसे कम करके नहीं आंकता या इसका वर्णन नहीं करता: एल्बियन की समशीतोष्ण जलवायु द्वारा गढ़े गए जितने मधुर चेहरे थे; गुलाब और लिली के उतने ही शुद्ध रंग थे जितने उसकी नम हवाओं और धुंध भरे आकाश ने उत्पन्न और संरक्षित किए थे, इस मामले में, इस शब्द को उचित ठहराते हैं। कोई आकर्षण कम नहीं था, कोई दोष दिखाई नहीं दे रहा था; युवती के चेहरे की बनावट नियमित और कोमल थी; आँखें वैसी ही आकार और रंग की थीं जैसी हम सुंदर चित्रों में देखते हैं, बड़ी, गहरी और भरी हुई; लंबी और घनी पलकें जो एक सुंदर आंख को कोमल आकर्षण से घेरे रहती हैं; पेंसिल से तराशा हुआ माथा जो स्पष्टता प्रदान करता है; सफेद चिकना माथा जो रंग और किरणों की जीवंत सुंदरता में शांति जोड़ता है; अंडाकार, ताजा और चिकना गाल; ताजे, लाल, स्वस्थ और सुंदर होंठ; बेदाग, एक समान और चमकते दांत; छोटी सी डिंपल वाली ठुड्डी; घने, भरपूर बालों का आभूषण —संक्षेप में, ये सभी गुण, जो मिलकर सुंदरता के आदर्श को साकार करते हैं, पूरी तरह से उसके पास थे। इस सुंदर स्त्री को देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गया: मैंने पूरे दिल से उसकी प्रशंसा की। प्रकृति ने निश्चित रूप से उसे एक विशेष भाव से बनाया था; और अपनी सौतेली माँ की सामान्य कंजूस भेंट को भूलकर, अपनी इस लाडली को एक दादी की उदारता से नवाजा था। सेंट जॉन रिवर्स इस धरती की परी के बारे में क्या सोचते होंगे? मैंने स्वाभाविक रूप से खुद से यह सवाल पूछा जब मैंने उन्हें उसकी ओर मुड़ते और उसे देखते हुए देखा; और, स्वाभाविक रूप से, मैंने अपने प्रश्न का उत्तर उनके चेहरे पर ढूँढा। उन्होंने अपनी नज़र पेरी से हटा ली थी और खिड़की के पास उगे हुए डेज़ी के एक छोटे से गुच्छे को देख रहे थे। 'सुंदर शाम है, लेकिन तुम्हारे अकेले बाहर रहने के लिए देर हो गई है,' उन्होंने अपने पैर से बंद फूलों के बर्फीले सिरों को कुचलते हुए कहा। 'ओह, मैं तो आज दोपहर ही एस—— से घर आई हूँ (उन्होंने लगभग बीस मील दूर एक बड़े शहर का नाम लिया)। 'पापा ने मुझे बताया था कि आपका स्कूल खुल गया है और नई शिक्षिका आ गई हैं; इसलिए मैंने चाय के बाद अपनी टोपी पहनी और उन्हें देखने के लिए घाटी की ओर दौड़ पड़ी: क्या ये वही हैं?' उन्होंने मेरी ओर इशारा करते हुए कहा। 'हाँ,' सेंट जॉन ने कहा। 'क्या तुम्हें लगता है

कि तुम्हें मॉर्टन पसंद आएगा?' उन्होंने मुझसे सीधे और भोलेपन से पूछा, उनकी आवाज़ और व्यवहार सरल था, जो भले ही बचकाना लगे, लेकिन मनमोहक था। 'मुझे उम्मीद है कि मुझे पसंद आएगा। मेरे पास ऐसा करने के कई कारण हैं।'
जेन आयर 345 'क्या आपके छात्र आपकी अपेक्षा के अनुरूप ध्यानपूर्वक पढ़ रहे थे?' 'बिल्कुल।' 'क्या आपको अपना घर पसंद है?' 'बहुत पसंद है।' 'क्या मैंने इसे अच्छे से सजाया है?' 'हाँ, बिल्कुल।' 'और एलिस वुड में आपके लिए एक अच्छी परिचारिका चुनी है?' 'हाँ, बिल्कुल। वह सीखने में रुचि रखती है और काम में माहिर है।' (तो, मैंने सोचा, यह मिस ओलिवर हैं, उत्तराधिकारी; ऐसा लगता है कि उन्हें भाग्य और प्रकृति दोनों का वरदान प्राप्त है! मुझे आश्चर्य है कि उनके जन्म के समय ग्रहों का कौन सा शुभ संयोग था?) 'मैं कभी-कभी आकर आपको पढ़ाने में मदद करूँगी,' उन्होंने आगे कहा। 'कभी-कभी आपसे मिलने आना मेरे लिए एक बदलाव होगा; और मुझे बदलाव पसंद है। श्री रिवर्स, मैं एस—— में अपने प्रवास के दौरान बहुत खुश थी। कल रात, या यूँ कहें कि आज सुबह, मैं दो बजे तक नाचती रही। दंगों के बाद से ——वीं रेजिमेंट वहाँ तैनात है; और अधिकारी दुनिया के सबसे मिलनसार आदमी हैं: वे हमारे सभी युवा चाकू-धारण करने वालों और कैंची-व्यापारियों को शर्मिंदा कर देते हैं।' मुझे लगा कि श्री सेंट जॉन का निचला होंठ बाहर निकला हुआ था, और उनका ऊपरी होंठ एक पल के लिए मुड़ा। उनका मुँह निश्चित रूप से काफी दबा हुआ लग रहा था, और उनके चेहरे का निचला हिस्सा असामान्य रूप से सख्त और चौकोर था, जब हँसती हुई लड़की ने उन्हें यह जानकारी दी। उन्होंने भी अपनी नज़र डेज़ी से उठाई और उस पर डाली। एक भावहीन, खोजपूर्ण, अर्थपूर्ण दृष्टि थी। उसने दूसरी बार हँसकर जवाब दिया, और हँसी उसकी जवानी, उसके गुलाबों, उसके डिम्पल, उसकी चमकदार आँखों को खूब शोभा दे रही थी। जब वह चुपचाप और गंभीर खड़ा था, तो वह फिर से कार्लो को सहलाने लगी। 'बेचारा कार्लो मुझसे प्यार करता है,' उसने कहा। 'वह अपने दोस्तों के प्रति सख्त और दूर नहीं है; और अगर वो बोल पाता, तो चुप नहीं रहता।' जब उसने कुत्ते के सिर पर थपथपाया और अपने युवा और गंभीर स्वामी के सामने सहजता से झुकी, तो मैंने स्वामी के चेहरे पर एक चमक देखी। मैंने उसकी गंभीर आँखों में अचानक आग सी दौड़ते और अनियंत्रित भावनाओं से जगमगाते देखा। इस तरह लाल और प्रज्वलित होकर, वो एक पुरुष के लिए लगभग उतना ही सुंदर लग रहा था जितना कि वो एक स्त्री के लिए। उसकी छाती एक बार ज़ोर से धड़की, मानो

उसका विशाल हृदय, निरंकुश बंधनों से थककर, इच्छा के विरुद्ध फैल गया हो और स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए एक ज़ोरदार छलांग लगाई हो। लेकिन उसने उसे वैसे ही नियंत्रित किया, जैसे एक दृढ़ निश्चयी सवार उछलते हुए घोड़े को नियंत्रित करता है। उसने न तो शब्दों से और न ही हरकत से मेरे कोमल स्पर्श का जवाब दिया। 'पापा कहते हैं कि अब आप हमसे मिलने कभी नहीं आते,' मिस ने आगे कहा।

346 जेन आयर ईईई ईईई ओलिवर, ऊपर देखते हुए। 'आप वेल हॉल में बिल्कुल अजनबी हैं। वह आज शाम अकेले हैं, और उनकी तबीयत कुछ ठीक नहीं है: क्या आप मेरे साथ वापस आकर उनसे मिलेंगे?' 'श्री ओलिवर के घर में दखल देने का यह उचित समय नहीं है,' सेंट जॉन ने उत्तर दिया। 'बिल्कुल भी उचित समय नहीं! लेकिन मैं कहता हूँ कि यह उचित समय है। यह वही समय है जब पापा को सबसे ज़्यादा साथ की ज़रूरत होती है: जब कारखाने बंद होते हैं और उनके पास करने के लिए कोई काम नहीं होता। अब, श्री रिवर्स, आइए। आप इतने शर्मीले और इतने उदास क्यों हैं?' उसने उनकी चुप्पी को अपने जवाब से भर दिया। 'मैं भूल गई!' उसने अपने सुंदर घुंघराले बालों को हिलाते हुए कहा, मानो खुद पर ही हैरान हो गई हो। 'मैं कितनी लापरवाह और बेपरवाह हूँ! मुझे माफ़ कर दीजिए। मैं भूल गई थी कि आपके मेरे साथ बातचीत में शामिल न होने के अच्छे कारण हैं। डायना और मैरी आपको छोड़कर चली गई हैं, और मूर हाउस बंद है, और आप बहुत अकेले हैं। मुझे यकीन है कि मुझे आप पर दया आती है।' "पापा से मिलने ज़रूर आना।" "आज रात नहीं, मिस रोज़ामंड, आज रात नहीं।" मिस्टर सेंट जॉन लगभग एक मशीन की तरह बोल रहे थे: उन्हें खुद ही पता था कि मना करने में उन्हें कितनी मुश्किल हो रही थी। "ठीक है, अगर आप इतनी ज़िद्दी हैं, तो मैं चलता हूँ; क्योंकि मैं और नहीं रुक सकता: ओस गिरने लगी है। शुभ संध्या!" उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। उन्होंने बस उसे छुआ। "शुभ संध्या!" उन्होंने गूंजती हुई धीमी और खोखली आवाज़ में दोहराया। वह मुड़ी, लेकिन पल भर में वापस लौट आई। "क्या आप ठीक हैं?" उसने पूछा। उसका यह सवाल जायज़ था: उसका चेहरा उसके गाउन की तरह पीला पड़ गया था। "बिल्कुल ठीक," उसने स्पष्ट कहा; और झुककर उसने द्वार छोड़ दिया। वह एक तरफ गई; वह दूसरी तरफ। खेत में परी की तरह चलते हुए उसने दो बार मुड़कर उसे देखा; वह दृढ़ता से आगे बढ़ता रहा, लेकिन उसने एक बार भी मुड़कर नहीं देखा। दूसरे के इस दुख और बलिदान के दृश्य ने मेरे विचारों को अपने ही चिंतन से हटाकर अपनी ओर खींच लिया। डायना रिवर्स ने

अपने भाई को 'मृत्यु के समान निर्दयी' कहा था। उन्होंने अतिशयोक्ति नहीं की थी।
~"अध्याय 32 मैं गाँव के विद्यालय के काम को यथासंभव सक्रियता और निष्ठा से जारी रखता हूँ। शुरू में यह वास्तव में कठिन काम था। कुछ समय बीतने के बाद, अपने सभी प्रयासों के बावजूद, मैं अपने विद्यार्थियों और उनके स्वभाव को समझ पाया। पूरी तरह से अशिक्षित, बिल्कुल सुस्त क्षमताओं वाले, वे मुझे निराशाजनक रूप से मंदबुद्धि लगते थे; और पहली नज़र में, सभी एक जैसे मंदबुद्धि लगते थे: लेकिन मुझे जल्द ही पता चला कि मैं गलत था।
जेन आयर 347 ई. उनमें और शिक्षितों में अंतर था; और जब मैं उन्हें जानने लगी, और वे मुझे, तो यह अंतर तेजी से विकसित हो गया। मेरे प्रति, मेरी भाषा, मेरे नियमों और तौर-तरीकों के प्रति उनका आश्चर्य शांत होने के बाद, मैंने पाया कि इनमें से कुछ भारी-भरकम दिखने वाली, मुंह खोले देहाती लड़कियाँ काफी बुद्धिमान बन गईं। कई ने स्वयं को मददगार और मिलनसार भी दिखाया; और मैंने उनमें स्वाभाविक शिष्टता, जन्मजात आत्मसम्मान और उत्कृष्ट क्षमता के कई उदाहरण पाए, जिन्होंने मेरा स्नेह और प्रशंसा दोनों जीत लिए। उन्होंने जल्द ही अपना काम अच्छे से करने, खुद को साफ-सुथरा रखने, अपने कार्यों को नियमित रूप से सीखने और शांत और व्यवस्थित व्यवहार अपनाने में आनंद लिया। कुछ मामलों में उनकी प्रगति की गति आश्चर्यजनक थी; और मुझे इस पर गर्व हुआ: इसके अलावा, मुझे व्यक्तिगत रूप से कुछ बेहतरीन लड़कियाँ पसंद आने लगीं; और वे भी मुझे पसंद करने लगीं। मेरी छात्राओं में कई किसानों की बेटियाँ थीं: लगभग बड़ी हो चुकी युवतियाँ। 'ये पहले से ही पढ़, लिख और सिलाई कर सकती थीं; मैंने उन्हें व्याकरण, भूगोल, इतिहास और कढ़ाई की बारीकियाँ सिखाईं। मुझे उनमें कुछ प्रशंसनीय व्यक्तित्व मिले—ज्ञान की प्यास रखने वाले और सुधार के लिए तत्पर रहने वाले—जिनके साथ मैंने उनके घरों में कई सुखद शामें बिताईं। उनके माता-पिता (किसान और उनकी पत्नी) ने मुझ पर बहुत स्नेह दिखाया। उनकी सरल दयालुता को स्वीकार करने और बदले में उनके प्रति सम्मान दिखाने में मुझे आनंद मिलता था—उनकी भावनाओं का पूरा ख्याल रखना—जिसकी शायद उन्हें हमेशा आदत नहीं थी, और जो उन्हें प्रसन्न और लाभान्वित दोनों करता था; क्योंकि इससे न केवल वे स्वयं को सम्मान की दृष्टि से देखते थे, बल्कि यह उन्हें प्राप्त होने वाले सम्मानजनक व्यवहार के योग्य बनने के लिए प्रेरित भी करता था। मुझे लगा कि मैं पड़ोस में सबकी चहेती बन गई हूँ। जब भी मैं बाहर जाती, मुझे चारों

ओर से हार्दिक अभिवादन सुनाई देते और दोस्ताना मुस्कान के साथ मेरा स्वागत किया जाता। आम लोगों के स्नेह के बीच रहना, भले ही वह केवल मेहनतकश लोगों का स्नेह हो, 'धूप में बैठने जैसा शांत और सुखद' होता है; शांत आंतरिक भावनाएँ उस किरण के नीचे पनपती और खिलती हैं। जीवन के इस दौर में, मेरा हृदय निराशा से डूबने की बजाय कृतज्ञता से अधिक बार भर जाता था: और फिर भी, पाठक, आप सभी को बताऊं, इस शांत, इस उपयोगी जीवन के बीच—अपने विद्यार्थियों के साथ सम्मानजनक परिश्रम में बिताए एक दिन के बाद, अकेले संतुष्टिपूर्वक चित्रकारी या पढ़ने में बिताई एक शाम के बाद—मैं रात में अजीबोगरीब सपने देखने लगता था: रंग-बिरंगे, हलचल भरे, आदर्शों से भरे, उत्साह से भरे, तूफानी—ऐसे सपने जिनमें, असामान्य दृश्यों के बीच, रोमांच से भरे, जोखिम भरे और रोमांटिक संयोग से भरे, मैं बार-बार श्री रोचेस्टर से मिलता था, हमेशा

 मैं किसी रोमांचक संकट से गुज़र रही थी; और फिर उसकी बाहों में होने का एहसास, उसकी आवाज़ सुनना, उसकी आँखों में देखना, उसके हाथ और गाल को छूना, उससे प्यार करना, उससे प्यार पाना—उसके साथ जीवन बिताने की आशा, अपनी पूरी शक्ति और जोश के साथ फिर से जागृत हो जाती। फिर मैं जाग उठी। फिर मुझे याद आया कि मैं कहाँ हूँ और किस स्थिति में हूँ। फिर मैं अपने बिना पर्दे वाले बिस्तर पर काँपती और थरथराती हुई उठी; और फिर उस शांत, अंधेरी रात ने निराशा की उथल-पुथल देखी और जुनून का विस्फोट सुना। अगली सुबह नौ बजे तक मैं समय पर स्कूल खोल रही थी; शांत, स्थिर, दिन के नियमित कर्तव्यों के लिए तैयार। रोज़ामंड ओलिवर मुझसे मिलने आने का अपना वादा निभाया। वह आम तौर पर अपनी सुबह की सवारी के दौरान स्कूल आती थी। वह अपने टट्टू पर सवार होकर दरवाजे तक आती थी, उसके पीछे एक घुड़सवार नौकर होता था। बैंगनी रंग की पोशाक में, काले मखमल की टोपी पहने, जो उनके गालों को छूते और कंधों तक लहराते लंबे बालों पर खूबसूरती से सजी थी, उनकी उपस्थिति से अधिक सुंदर किसी और चीज की कल्पना करना मुश्किल है। इसी तरह वह देहाती इमारत में प्रवेश करतीं और गांव के बच्चों की चकाचौंध भरी कतारों के बीच से होकर गुजरतीं। वह आम तौर पर उस समय आतीं जब श्री रिवर्स अपना दैनिक धार्मिक पाठ पढ़ा रहे होते थे। मुझे डर है कि उस महिला की निगाहें युवा पादरी के दिल को भेद देती थीं। एक तरह की सहज प्रवृत्ति उन्हें उनके आने की आगाह कर देती थी, भले ही वह उन्हें देख न पाते

हों; और जब वह दरवाजे से बिल्कुल दूर देख रहे होते, अगर वह दरवाजे पर दिखाई देतीं, तो उनके गाल चमक उठते, और उनके संगमरमर जैसे चेहरे के भाव, हालांकि वे शिथिल नहीं होते, अवर्णनीय रूप से बदल जाते, और उनकी शांति में ही एक दमित उत्साह झलकने लगता, जो मांसपेशियों की कसरत या तेज नजरों से कहीं अधिक प्रबल होता। बेशक, वह अपनी शक्ति जानती थीं: वास्तव में, वह इसे उनसे छिपा नहीं सकते थे, क्योंकि वह छिपा नहीं सकते थे। अपने ईसाई संयम के बावजूद, जब वह उसके पास जाकर उससे बात करती और उसके चेहरे पर प्रसन्नता, उत्साह और स्नेह से मुस्कुराती, तो उसका हाथ कांपने लगता और उसकी आँखों में जलन होने लगती। मानो वह अपने उदास और दृढ़ भाव से, होंठों से न कहते हुए भी, कह रहा हो, 'मैं तुमसे प्यार करता हूँ, और मैं जानता हूँ कि तुम मुझे पसंद करती हो। यह सफलता की निराशा नहीं है जो मुझे चुप रखती है। अगर मैं अपना दिल तुम्हें अर्पित करूँ, तो मुझे विश्वास है कि तुम उसे स्वीकार करोगी। लेकिन वह दिल पहले ही एक पवित्र वेदी पर रखा जा चुका है: उसके चारों ओर अग्नि सज चुकी है। वह जल्द ही एक भस्म हो जाने वाली बलि से अधिक कुछ नहीं होगा।' और फिर वह एक निराश बच्चे की तरह मुंह फुला लेती; उदासी का बादल उसकी चमकती जीवंतता को कम कर देता; वह जल्दी से अपना हाथ उससे छुड़ा लेती और क्षणिक चिड़चिड़ेपन से उसकी ओर मुँह फेर लेती, एक साथ इतनी वीर और इतनी शहीद जैसी।

 ——————_—_—_——_——_——— सेंट जॉन निःसंदेह, जब वह उसे छोड़कर चली गई, तो उसका अनुसरण करने, उसे याद करने और उसे अपने पास रखने के लिए पूरी दुनिया दे देते; लेकिन वह स्वर्ग का एक भी मौका नहीं छोड़ते, और उसके प्रेम के आनंद के लिए सच्चे, शाश्वत स्वर्ग की एक भी आशा नहीं त्यागते। इसके अलावा, वह अपने स्वभाव में निहित सभी गुणों—घुमक्कड़, आकांक्षी, कवि, पुजारी—को एक ही जुनून की सीमा में नहीं बांध सकते थे। वह वैले हॉल के बैठक कक्षों और शांति के लिए अपने मिशन युद्ध के जंगली मैदान को नहीं छोड़ सकते थे—और न ही छोड़ना चाहते थे। मैंने एक बार, उनकी संकोची प्रवृत्ति के बावजूद, उनके विश्वास को जीतने का साहस करके उनसे बहुत कुछ सीखा। मिस ओलिवर पहले से ही मेरी कुटिया में बार-बार आकर मुझे सम्मानित करती थीं। मैंने उनके पूरे चरित्र को जान लिया था, जो रहस्य या छलावे से रहित था: वह चंचल थीं, लेकिन निर्दयी नहीं; सख्त थीं, लेकिन व्यर्थ स्वार्थी नहीं। जन्म से ही उसे खूब लाड़-

प्यार मिला था, पर वह पूरी तरह बिगड़ी हुई नहीं थी। वह जल्दबाज़ थी, पर हंसमुख स्वभाव की; घमंडी (वह इसमें कुछ नहीं कर सकती थी, क्योंकि शीशे में हर झलक उसे इतनी सुंदर दिखाती थी), पर बनावटी नहीं; उदार; धन के अभिमान से रहित; भोली; पर्याप्त बुद्धिमान; हंसमुख, चंचल और बेपरवाह: संक्षेप में, वह मुझ जैसे अपनी ही जाति की महिलाओं के प्रति उदासीन नज़रिए से भी बेहद आकर्षक थी; पर वह बहुत दिलचस्प या बेहद प्रभावशाली नहीं थी। उसका दिमाग, उदाहरण के लिए, सेंट जॉन की बहनों से बिल्कुल अलग था। फिर भी, मैं उसे लगभग वैसे ही पसंद करता था जैसे अपनी शिष्या एडेल को; बस फर्क इतना था कि जिस बच्चे की हमने देखभाल की हो और जिसे पढ़ाया हो, उससे उतना गहरा लगाव पैदा होता है जितना हम किसी उतने ही आकर्षक वयस्क परिचित से नहीं कर पाते। उसे मुझसे एक प्यारा सा लगाव हो गया था। उन्होंने कहा कि मैं मिस्टर रिवर्स जैसी थी, बस, उन्होंने माना, 'उनकी सुंदरता का दसवां हिस्सा भी नहीं, हालांकि मैं एक अच्छी, सीधी-सादी और प्यारी बच्ची थी, लेकिन वे तो फरिश्ता थे।' हालांकि, मैं उन्हीं की तरह अच्छी, होशियार, शांत और दृढ़ थी। उन्होंने कहा कि मैं एक गांव की शिक्षिका की तरह स्वभाव से बहुत चंचल थी: उन्हें पूरा यकीन था कि अगर मेरे अतीत के बारे में पता चले तो वह एक मनमोहक प्रेम कहानी बन सकती है। एक शाम, अपनी हमेशा की बचकानी फुर्ती और बेपरवाह, फिर भी आपत्तिजनक न लगने वाली जिज्ञासा के साथ, जब वह मेरी छोटी रसोई की अलमारी और मेज की दराज में खोजबीन कर रही थीं, तो उन्हें सबसे पहले दो फ्रेंच किताबें, शिलर की एक किताब, एक जर्मन व्याकरण और शब्दकोश, और फिर मेरे चित्र बनाने का सामान और कुछ रेखाचित्र मिले, जिनमें मेरी एक छात्रा की एक प्यारी सी नन्ही परी जैसी आकृति का पेंसिल से बनाया गया चित्र और मॉर्टन घाटी और आसपास के दलदली इलाकों में ली गई प्रकृति की कई तस्वीरें शामिल थीं। पहले तो वह आश्चर्य से दंग रह गईं, और फिर खुशी से झूम उठीं।

350 जेन आयर: 'क्या मैंने ये चित्र बनाए थे? क्या मुझे फ्रेंच और जर्मन आती थी? मैं कितनी भाग्यशाली थी—क्या चमत्कार थी! मैंने एस—— के पहले स्कूल में उसके गुरु से भी बेहतर चित्र बनाए थे। क्या मैं उसका एक चित्र बनाऊं, ताकि पापा को दिखा सकूं?' 'खुशी से,' मैंने उत्तर दिया; और इतनी परिपूर्ण और तेजस्वी आदर्श की नकल करने के विचार से मुझे एक कलाकार के आनंद का रोमांच महसूस हुआ। उसने गहरे नीले रंग की रेशमी पोशाक पहनी हुई थी; उसकी बाहें और गर्दन नंगी थीं; उसका

एकमात्र आभूषण उसके भूरे बाल थे, जो प्राकृतिक घुंघराले बालों की तरह उसके कंधों पर लहरा रहे थे। मैंने एक बढ़िया कार्डबोर्ड लिया और सावधानीपूर्वक रूपरेखा बनाई। मैंने खुद से वादा किया कि मुझे इसे रंगने में आनंद आएगा; और, चूंकि तब देर हो रही थी, मैंने उससे कहा कि उसे किसी और दिन आकर बैठना होगा। उसने मेरे बारे में अपने पिता को इतनी अच्छी बातें बताईं कि अगली शाम खुद मिस्टर ओलिवर उसके साथ आए—एक लंबा, मजबूत कद-काठी वाला, अधेड़ उम्र का और सफ़ेद बालों वाला आदमी, जिसके साथ उसकी प्यारी बेटी किसी पुराने बुर्ज के पास खिले हुए फूल जैसी लग रही थी। वह कम बोलने वाला और शायद थोड़ा घमंडी व्यक्ति लग रहा था; लेकिन वह मेरे प्रति बहुत दयालु था। रोज़ामंड के चित्र का स्केच उसे बहुत पसंद आया: उसने कहा कि मुझे उसका पूरा चित्र बनाना चाहिए। उसने यह भी ज़ोर दिया कि मैं अगले दिन वेले हॉल में शाम बिताने आऊं। मैं गया। मैंने पाया कि वह एक बड़ा, सुंदर निवास था, जो मालिक की संपत्ति का भरपूर प्रमाण दे रहा था। जब तक मैं वहाँ रुका, रोज़ामंड बहुत खुश और प्रसन्न थी। उसके पिता मिलनसार थे; और जब चाय के बाद उन्होंने मुझसे बातचीत शुरू की, तो उन्होंने मॉर्टन स्कूल में मेरे काम की बहुत प्रशंसा की और कहा कि उन्हें बस इतना डर है कि जो उन्होंने देखा और सुना है, उससे मैं इस जगह के लिए बहुत अच्छा हूँ और जल्द ही इसे छोड़कर किसी और उपयुक्त जगह चला जाऊँगा। “सचमुच,” रोसामंड चिल्लाई, “वह इतनी होशियार है कि किसी ऊँचे खानदान में गवर्नेंस बन सकती है, पापा।” मैंने सोचा कि मैं इस देश के किसी भी ऊँचे खानदान में रहने की बजाय जहाँ हूँ वहीं रहना ज़्यादा पसंद करूँगी। श्री ओलिवर ने श्री रिवर्स—रिवर्स परिवार—के बारे में बड़े आदर से बात की। उन्होंने कहा कि उस इलाके में यह एक बहुत पुराना नाम है; कि उस घर के पूर्वज धनी थे; कि मॉर्टन की सारी ज़मीन कभी उन्हीं की थी; कि आज भी उन्हें लगता है कि उस घर का प्रतिनिधि चाहे तो सबसे अच्छे लोगों से संबंध बना सकता है। उन्होंने इस बात पर अफ़सोस जताया कि इतने अच्छे और प्रतिभाशाली युवक ने मिशनरी बनने का इरादा कर लिया; यह एक अनमोल जीवन को बर्बाद करने जैसा था। तब ऐसा प्रतीत हुआ कि उसके पिता उसके रास्ते में कोई बाधा नहीं डालेंगे।

 ईई रोज़ामंड का सेंट जॉन से विवाह। श्री ओलिवर ने स्पष्ट रूप से युवा पादरी के अच्छे जन्म, पुराने नाम और पवित्र पेशे को धन की कमी के लिए पर्याप्त प्रतिफल माना। यह 5 नवंबर का दिन था, और छुट्टी का दिन था। मेरी छोटी

नौकरानी, घर की सफाई में मेरी मदद करने के बाद, अपनी सहायता के लिए एक पैसे की फीस से संतुष्ट होकर चली गई थी। मेरे चारों ओर सब कुछ बेदाग और चमकदार था - साफ किया हुआ फर्श, पॉलिश की हुई अंगीठी और अच्छी तरह से पॉलिश की हुई कुर्सियाँ। मैंने भी खुद को साफ-सुथरा कर लिया था, और अब मेरे पास दोपहर का समय था जिसे मैं अपनी इच्छानुसार बिता सकती थी। जर्मन के कुछ पन्नों का अनुवाद करने में एक घंटा लगा; फिर मैंने अपना पैलेट और पेंसिलें लीं, और रोज़ामंड ओलिवर के लघुचित्र को पूरा करने के अधिक सुखदायक, क्योंकि आसान, काम में लग गई। सिर पहले ही पूरा हो चुका था: केवल पृष्ठभूमि को रंगना और वस्त्रों को छायांकित करना बाकी था; पके हुए होठों को और भी आकर्षक बनाने के लिए गहरे लाल रंग का हल्का सा स्पर्श—बालों में कहीं-कहीं हल्की सी लटें—नीली पलकों के नीचे पलकों की छाया में गहरा रंग। मैं इन बारीक विवरणों को पूरा करने में मग्न थी, तभी एक तेज़ दस्तक के बाद मेरा दरवाज़ा खुला और सेंट जॉन रिवर्स अंदर आए। उन्होंने कहा, 'मैं यह देखने आया हूँ कि आप अपनी छुट्टियाँ कैसे बिता रही हैं।' 'आशा है, सोच में डूबी नहीं होंगी? नहीं, यह अच्छी बात है: चित्रकारी करते समय आपको अकेलापन महसूस नहीं होगा। देखिए, मुझे अब भी आप पर भरोसा नहीं है, हालाँकि आपने अब तक अद्भुत धैर्य बनाए रखा है। मैं आपके लिए शाम के सुकून के लिए एक किताब लाया हूँ,' और उन्होंने मेज पर एक नई प्रकाशित पुस्तक—एक कविता—रखी: उन वास्तविक रचनाओं में से एक जो उन दिनों के भाग्यशाली पाठकों को अक्सर मिलती थीं—आधुनिक साहित्य का स्वर्ण युग। अफसोस! हमारे युग के पाठक इतने भाग्यशाली नहीं हैं। लेकिन हिम्मत रखिए! मैं न तो आरोप लगाने के लिए रुकूँगी और न ही शिकायत करने के लिए। मैं जानती हूँ कि कविता न तो मरी है और न ही प्रतिभा खोई है; न ही धन-दौलत ने उनमें से किसी पर भी बंधन या वध करने की शक्ति प्राप्त की है: वे दोनों एक दिन फिर से अपने अस्तित्व, अपनी उपस्थिति, अपनी स्वतंत्रता और अपनी शक्ति का दावा करेंगे। शक्तिशाली देवदूत, स्वर्ग में सुरक्षित! वे तब मुस्कुराते हैं जब नीच आत्माएँ विजय प्राप्त करती हैं, और कमजोर आत्माएँ उनके विनाश पर रोती हैं। कविता नष्ट हो गई? प्रतिभा निर्वासित हो गई? नहीं! साधारणता, नहीं: ईर्ष्या को अपने मन में यह विचार न लाने दें। नहीं; वे न केवल जीवित हैं, बल्कि शासन करते हैं और उद्धार करते हैं: और उनके दिव्य प्रभाव के बिना, जो हर जगह फैला हुआ है, आप नरक में होते—आपकी अपनी नीचता के नरक में। जब मैं

उत्सुकता से मार्मियन के चमकीले पन्नों को देख रहा था (क्योंकि यह मार्मियन ही था), सेंट जॉन मेरी ड्राइंग को देखने के लिए झुके। उनका लंबा कद अचानक से सीधा हो गया: उन्होंने कुछ नहीं कहा। मैंने उनकी ओर देखा: उन्होंने मेरी आँखों से नज़रें चुरा लीं। मैं जानता था कि उनका
352 जेन आयर: मैं उसके विचारों को अच्छी तरह समझ सकती थी और उसके हृदय को स्पष्ट रूप से पढ़ सकती थी; उस क्षण मैं उससे अधिक शांत और संयमित महसूस कर रही थी: मुझे अस्थायी रूप से उस पर बढ़त प्राप्त थी, और मेरे मन में उसकी कुछ भलाई करने की इच्छा उत्पन्न हुई, यदि मैं कर सकती। 'अपनी सारी दृढ़ता और आत्म-संयम के बावजूद,' मैंने सोचा, 'वह अपने आप को बहुत अधिक कार्य में लगा लेता है: हर भावना और पीड़ा को भीतर ही बंद कर लेता है—कुछ भी व्यक्त नहीं करता, स्वीकार नहीं करता, कुछ भी साझा नहीं करता।' मुझे यकीन है कि उन्हें इस प्यारी रोज़ामंड के बारे में थोड़ी बात करने से फायदा होगा, जिससे उन्हें लगता है कि उन्हें शादी नहीं करनी चाहिए: मैं उन्हें बुलवाकर रखूंगी।' मैंने पहले कहा, “श्रीमान रिवर्स, बैठिए।” लेकिन उन्होंने हमेशा की तरह जवाब दिया कि वे रुक नहीं सकते। ‘ठीक है,’ मैंने मन ही मन सोचा, ‘अगर आप चाहें तो खड़े रहिए; लेकिन आप अभी नहीं जाएंगे, मैंने ठान लिया है: अकेलापन आपके लिए उतना ही बुरा है जितना मेरे लिए। मैं कोशिश करूंगी कि क्या मैं आपके भरोसे के गुप्त स्रोत का पता लगा सकती हूं, और उस संगमरमरी सीने में कोई ऐसा छेद ढूंढ सकती हूं जिससे मैं सहानुभूति की एक बूंद बहा सकूं।’ ‘क्या यह चित्र ऐसा है?’ मैंने सीधे-सीधे पूछा। ‘ऐसा! किसके जैसा? मैंने इसे ध्यान से नहीं देखा।’ “आपने देखा है, श्रीमान रिवर्स।” मेरी अचानक और अजीब सी जल्दबाजी से वे लगभग चौंक गए: उन्होंने मुझे हैरानी से देखा। “अरे, अभी तो कुछ भी नहीं,” मैंने मन ही मन बुदबुदाया। “मैं आपकी थोड़ी सी अकड़ से निराश नहीं होना चाहती; मैं पूरी कोशिश करने को तैयार हूँ।” मैंने आगे कहा, “आपने इसे ध्यान से और स्पष्ट रूप से देखा; लेकिन मुझे कोई आपत्ति नहीं है अगर आप इसे फिर से देखें,” और मैं उठी और उसे उनके हाथ में रख दिया। “बहुत अच्छी तरह से बनाई गई तस्वीर,” उन्होंने कहा; “बहुत कोमल, स्पष्ट रंग; बहुत ही सुंदर और सटीक चित्रकारी।” “जी हाँ, जी हाँ; मुझे यह सब पता है। लेकिन समानता का क्या? यह किसके जैसी दिखती है?” कुछ झिझक को काबू करते हुए उन्होंने उत्तर दिया, “मुझे लगता है कि मिस ओलिवर जैसी।” “बिल्कुल। और अब, महोदय, आपके सटीक

अनुमान के लिए आपको इनाम के तौर पर, मैं वादा करती हूँ कि मैं आपको इस तस्वीर की एक सटीक और हूबहू प्रतिकृति बनाकर दूँगी, बशर्ते आप यह स्वीकार करें कि यह उपहार आपको स्वीकार्य होगा।" मैं अपना समय और मेहनत उस भेंट पर बर्बाद नहीं करना चाहता जिसे आप बेकार समझते हैं।' वह तस्वीर को निहारता रहा: जितना अधिक वह देखता, उतना ही दृढ़ता से उसे थामे रहता, उतना ही वह उसे पाने की लालसा रखता। 'ऐसा लगता है,' वह बुदबुदाया; 'आँख को अच्छी तरह से संभाला गया है: रंग, प्रकाश, भाव, सब कुछ एकदम सही है। यह मुस्कुरा रही है!' 'क्या ऐसी ही एक पेंटिंग आपको सुकून देगी या आपको पीड़ा पहुँचाएगी? मुझे बताइए। जब आप मेडागास्कर में हों, या केप द्वीप पर हों, या भारत में हों, तो क्या ऐसी पेंटिंग आपको सांत्वना देगी?

जेन आयर 353 क्या आपके पास कोई स्मृति चिन्ह है? या इसे देखने से ऐसी यादें ताजा हो जाएंगी जो आपको कमजोर और परेशान कर देंगी?' अब उसने चुपके से अपनी आँखें ऊपर उठाईं: उसने मेरी ओर देखा, अनिश्चित, परेशान: उसने फिर से तस्वीर का अवलोकन किया। "यह तो निश्चित है कि मैं इसे पाना चाहूँगी: लेकिन क्या यह उचित या बुद्धिमानी भरा होगा, यह एक अलग सवाल है।" चूंकि मुझे पता चल गया था कि रोसामंड वास्तव में उसे पसंद करती है, और उसके पिता के इस रिश्ते का विरोध करने की संभावना नहीं थी, इसलिए मैं—सेंट जॉन की तुलना में कम ऊँचे विचारों वाली—अपने मन में उनके मिलन का समर्थन करने के लिए दृढ़ थी। मुझे ऐसा लगा कि अगर वह मिस्टर ओलिवर की विशाल संपत्ति का मालिक बन जाता है, तो वह उससे उतना ही अच्छा कर सकता है जितना कि अगर वह जाकर अपनी प्रतिभा को उष्णकटिबंधीय धूप में बर्बाद कर दे और अपनी शक्ति को व्यर्थ कर दे। इसी विश्वास के साथ मैंने अब उत्तर दिया— 'जहाँ तक मैं देख सकती हूँ, यह अधिक बुद्धिमानी भरा और बुद्धिमानी भरा होगा कि आप मूल चित्र को तुरंत अपने पास ले लें।' तब तक वह बैठ चुका था: उसने चित्र को अपने सामने मेज पर रख दिया था, और दोनों हाथों से अपना माथा टिकाकर, उसे स्नेह से देख रहा था। मैंने देखा कि अब वह मेरी इस धृष्टता पर न तो क्रोधित था और न ही आहत। मैंने यह भी देखा कि जिस विषय को वह अब तक अछूत मानता था, उस पर इतनी स्पष्ट रूप से बात किए जाने पर भी— इस तरह खुलकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए सुनना—उसे एक नए सुख के रूप में महसूस होने लगा था—एक अनचाही राहत। आरक्षित स्वभाव के

लोगों को अक्सर अपनी भावनाओं और दुखों पर खुलकर चर्चा करने की ज़रूरत होती है, बजाय विस्तृत चर्चा के। सबसे कठोर दिखने वाला व्यक्ति भी आखिर इंसान ही होता है; और उनकी आत्मा के 'शांत सागर' में साहस और सद्भावना के साथ 'उछलना' अक्सर उन पर पहला दायित्व डालना होता है। 'मुझे यकीन है कि वह तुम्हें पसंद करती है,' मैंने उसकी कुर्सी के पीछे खड़े होकर कहा, 'और उसके पिता तुम्हारा सम्मान करते हैं। इसके अलावा, वह एक प्यारी लड़की है—थोड़ी नासमझ; लेकिन तुम अपने और उसके दोनों के बारे में पर्याप्त सोचते होगे। तुम्हें उससे शादी कर लेनी चाहिए।' 'क्या वह मुझे पसंद करती है?' उसने पूछा। 'ज़रूर; जितना वह किसी और को पसंद करती है, उससे कहीं ज़्यादा। वह लगातार तुम्हारे बारे में बात करती है: ऐसा कोई विषय नहीं है जिसका वह इतना आनंद लेती हो या जिस पर वह इतनी बार बात करती हो।' 'यह सुनकर बहुत अच्छा लगा,' उसने कहा—'बहुत: पंद्रह मिनट और बोलो।' और उसने सचमुच अपनी घड़ी निकाली और समय नापने के लिए मैंने उसे मेज पर रख दिया। मैंने पूछा, 'लेकिन आगे बढ़ने का क्या फायदा, जब आप शायद किसी तीखे विरोध की तैयारी कर रहे हैं, या अपने दिल को जकड़ने के लिए एक नई जंजीर बना रहे हैं?' 'ऐसी कठिन बातें मत सोचो। कल्पना करो कि मैं झुक रहा हूँ और पिघल रहा हूँ, जैसा कि मैं कर रहा हूँ: मानवीय प्रेम एक नए खुले फूल की तरह खिल रहा है।'

= = = मेरे मन में एक फव्वारा है और मीठी बाढ़ से लबालब भरा है वह सारा खेत जिसे मैंने इतनी सावधानी और मेहनत से तैयार किया है—इतनी लगन से अच्छे इरादों और आत्म-त्याग की योजनाओं के बीज बोए हैं। और अब यह एक अमृतमय बाढ़ से डूबा हुआ है—नए अंकुर डूब गए हैं—स्वादिष्ट जहर उन्हें नष्ट कर रहा है: अब मैं खुद को वेल हॉल के ड्राइंग रूम में अपनी दुल्हन रोज़ामंड ओलिवर के चरणों में एक ओटोमन पर लेटा हुआ देखता हूँ: वह अपनी मीठी आवाज में मुझसे बात कर रही है—उन आँखों से मुझे निहार रही है जिन्हें आपके कुशल हाथों ने इतनी खूबसूरती से चित्रित किया है—अपने मूंगे जैसे होठों से मुझ पर मुस्कुरा रही है। वह मेरी है—मैं उसकी हूँ—यह वर्तमान जीवन और क्षणभंगुर संसार मेरे लिए पर्याप्त है। चुप रहो! कुछ मत कहो—मेरा हृदय आनंद से भरा है—मेरी इंद्रियाँ सम्मोहित हैं—जो समय मैंने चुना है, उसे शांति से बीतने दो।' मैंने उसकी बात मान ली: घड़ी चलती रही: वह तेज़

और धीमी साँसें ले रहा था: मैं चुपचाप खड़ी रही। इस खामोशी के बीच सवा घंटा तेज़ी से बीत गया; उसने घड़ी वापस रखी, तस्वीर नीचे रखी, उठा और चूल्हे पर खड़ा हो गया। 'अब,' उसने कहा, 'वह थोड़ा सा समय उन्माद और भ्रम में बीता। मैंने अपने माथे प्रलोभन की छाती पर टिका दिए, और स्वेच्छा से अपना गला उसके फूलों के जुए के नीचे रख दिया; मैंने उसका प्याला चखा। तकिया जल रहा था: माला में एक साँप था: शराब का स्वाद कड़वा था: उसके वादे खोखले थे—उसके प्रस्ताव झूठे थे: मैं यह सब देख और जान चुकी थी।' मैंने आश्चर्य से उसकी ओर देखा। 'यह अजीब बात है,' उसने आगे कहा, 'कि मैं रोसामंड ओलिवर से इतनी शिद्दत से प्यार करता हूँ—सचमुच, पहले प्यार की पूरी तीव्रता से, जिसकी वह बेहद खूबसूरत, आकर्षक और मोहक है—लेकिन साथ ही साथ मुझे यह शांत, स्पष्ट एहसास भी होता है कि वह मेरे लिए अच्छी पत्नी नहीं बनेगी; कि वह मेरे लिए उपयुक्त साथी नहीं है; कि मुझे शादी के एक साल के भीतर ही यह पता चल जाएगा; और बारह महीने के आनंद के बाद जीवन भर का पछतावा होगा। यह मैं जानता हूँ।' 'सचमुच अजीब!' मैं खुद को रोक नहीं पाया और बोल पड़ा। 'जहाँ एक तरफ,' उसने आगे कहा, 'मेरे अंदर कुछ है जो उसके आकर्षण के प्रति बेहद संवेदनशील है, वहीं दूसरी तरफ कुछ और है जो उसकी कमियों से भी उतना ही प्रभावित है: वे ऐसी हैं कि वह मेरी किसी भी आकांक्षा में सहानुभूति नहीं दिखा सकती—मेरे किसी भी काम में सहयोग नहीं कर सकती। रोसामंड एक पीड़ित, एक मेहनती, एक धर्म प्रचारक? रोसामंड एक मिशनरी की पत्नी? नहीं!' 'लेकिन आपको मिशनरी बनने की ज़रूरत नहीं है। आप वह योजना छोड़ सकते हैं।' 'छोड़ना! क्या!' मेरा पेशा? मेरा महान कार्य? स्वर्ग में एक महल के लिए पृथ्वी पर रखी गई मेरी नींव? मेरी आशाएँ...

जेन आयर 355 eeeeEeEEEEeaaaeeee_—_—_—_—_——— क्या मैं उन लोगों में शामिल हूँ जिन्होंने अपनी सारी महत्वाकांक्षाओं को अपनी जाति के उत्थान की गौरवशाली महत्वाकांक्षा में विलीन कर दिया है—अज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करने की—युद्ध के स्थान पर शांति लाने की—बंधन के स्थान पर स्वतंत्रता लाने की—अंधविश्वास के स्थान पर धर्म लाने की—नरक के भय के स्थान पर स्वर्ग की आशा लाने की? क्या मुझे इसे त्यागना होगा? यह मेरी रगों में बहने वाले रक्त से भी अधिक प्रिय है। यही वह है जिसकी मुझे प्रतीक्षा करनी है, और जिसके लिए जीना है।' काफी देर रुकने के बाद मैंने कहा—'और मिस ओलिवर? क्या उनकी निराशा और दुःख में

आपकी कोई रुचि नहीं है?' 'मिस ओलिवर हमेशा चाहने वालों और चापलूसों से घिरी रहती हैं: एक महीने से भी कम समय में, मेरी छवि उनके हृदय से मिट जाएगी। वह मुझे भूल जाएंगी; और शायद किसी ऐसे व्यक्ति से शादी करेगी जो उसे मुझसे कहीं ज्यादा खुश रखेगा।' "तुम काफी शांत होकर बोलते हो; लेकिन तुम संघर्ष में परेशान हो। तुम कमजोर होते जा रहे हो।" 'नहीं। अगर मैं थोड़ा दुबला हो जाता हूँ, तो यह मेरे भविष्य की चिंताओं के कारण है, जो अभी तक तय नहीं है—मेरा प्रस्थान, जो लगातार टलता जा रहा है। आज सुबह ही मुझे खबर मिली है कि जिस उत्तराधिकारी के आने का मैं इतने लंबे समय से इंतजार कर रहा था, वह अगले तीन महीनों तक मेरी जगह लेने के लिए तैयार नहीं हो सकता; और शायद ये तीन महीने छह महीने तक बढ़ सकते हैं।" 'जब भी मिस ओलिवर स्कूल के कमरे में आती हैं, तुम कांपने लगते हो और तुम्हारा चेहरा लाल हो जाता है।' एक बार फिर उसके चेहरे पर हैरानी का भाव आ गया। उसने कल्पना भी नहीं की थी कि कोई महिला किसी पुरुष से इस तरह बात करने की हिम्मत करेगी। मुझे तो इस तरह की बातचीत में सहज महसूस होता था। मैं मजबूत, विवेकशील और परिष्कृत दिमाग वाले लोगों, चाहे वे पुरुष हों या महिला, के साथ तब तक सहज नहीं हो पाता था, जब तक मैं पारंपरिक संकोच की बाहरी दीवार को पार करके विश्वास की दहलीज को पार नहीं कर लेता और उनके दिल में अपनी जगह नहीं बना लेता। : 'तुम मौलिक हो,' उसने कहा, 'और डरपोक नहीं। आपके मन में कुछ साहस है, साथ ही आपकी आँखों में भेदक दृष्टि भी; लेकिन मुझे आपको आश्वस्त करने दीजिए कि आप मेरी भावनाओं को आंशिक रूप से गलत समझ रहे हैं। आप उन्हें उनकी वास्तविकता से कहीं अधिक गहरा और शक्तिशाली समझते हैं। आप मुझे मेरी अपेक्षा से अधिक सहानुभूति दे रहे हैं। जब मैं शर्म से लाल हो जाता हूँ, और जब मैं मिस ओलिवर के सामने काँपता हूँ, तो मुझे खुद पर दया नहीं आती। मैं अपनी कमजोरी को तुच्छ समझता हूँ। मैं जानता हूँ कि यह नीच है: केवल शरीर का बुखार है: मैं स्पष्ट करता हूँ, आत्मा की कंपकंपी नहीं। आत्मा तो चट्टान की तरह स्थिर है, अशांत समुद्र की गहराई में दृढ़ता से जमी हुई। मुझे वही समझिए जो मैं हूँ—एक ठंडा, कठोर व्यक्ति।' मैं अविश्वास से मुस्कुराया। 'आपने मेरा विश्वास जीत लिया है,' उसने आगे कहा, 'और अब यह आपके काम आ रहा है। मैं बस, अपने मूल रूप में...'

रक्तरंजित वस्त्र से मुक्त—मैं एक निर्मम, कठोर और महत्वाकांक्षी व्यक्ति हूँ। समस्त भावनाओं में से केवल स्वाभाविक स्नेह ही मुझ पर स्थायी प्रभाव रखता है। मेरा मार्गदर्शक भावना नहीं, बल्कि तर्क है; मेरी महत्वाकांक्षा असीमित है: दूसरों से ऊँचा उठने, उनसे अधिक करने की मेरी इच्छा अतृप्त है। मैं धीरज, दृढ़ता, परिश्रम और प्रतिभा का सम्मान करता हूँ; क्योंकि इन्हीं के द्वारा मनुष्य महान लक्ष्यों को प्राप्त करता है और उच्च पदस्थ होता है। मैं आपके करियर को रुचि से देखता हूँ, क्योंकि मैं आपको एक परिश्रमी, व्यवस्थित और ऊर्जावान महिला का आदर्श मानता हूँ: इसलिए नहीं कि मुझे आपके द्वारा झेली गई पीड़ाओं या अभी भी झेल रही पीड़ाओं के प्रति गहरी सहानुभूति है।' मैंने कहा, 'आप स्वयं को मात्र एक मूर्तिपूजक दार्शनिक कहना चाहेंगे।' 'नहीं। मुझमें और ईश्वरवादी दार्शनिकों में यह अंतर है: मैं विश्वास करता हूँ; और मैं सुसमाचार में विश्वास करता हूँ। आपने अपने विशेषण को गलत समझा। मैं मूर्तिपूजक नहीं, बल्कि एक ईसाई दार्शनिक हूँ—यीशु के संप्रदाय का अनुयायी।' उनके शिष्य के रूप में, मैं उनके पवित्र, दयालु और परोपकारी सिद्धांतों को अपनाता हूँ। मैं उनका समर्थन करता हूँ; मैंने उन्हें फैलाने की शपथ ली है। युवावस्था में धर्म की ओर आकर्षित होकर, उन्होंने मेरे मूल गुणों को इस प्रकार संवारा है:—स्मृति स्नेह के सूक्ष्म बीज से, उन्होंने परोपकार के विशाल वृक्ष को विकसित किया है। मानवीय सत्यनिष्ठा की जंगली, रेशेदार जड़ से, उन्होंने ईश्वरीय न्याय की उचित भावना को पोषित किया है। अपने नश्वर स्वरूप के लिए शक्ति और यश प्राप्त करने की महत्वाकांक्षा से, उन्होंने मेरे गुरु के राज्य को फैलाने की महत्वाकांक्षा को आकार दिया है; क्रूस के ध्वज के लिए विजय प्राप्त करने की महत्वाकांक्षा को। धर्म ने मेरे लिए इतना कुछ किया है; मूल तत्वों को सर्वोत्तम उपयोग में लाया है; प्रकृति को संवारा और प्रशिक्षित किया है। लेकिन वह प्रकृति को नष्ट नहीं कर सकीं: और न ही यह तब तक नष्ट होगी जब तक यह नश्वर अमरता प्राप्त नहीं कर लेता। यह कहकर, उन्होंने अपनी टोपी उठाई, जो मेरी पैलेट के बगल में मेज पर पड़ी थी। उन्होंने एक बार फिर चित्र को देखा। 'वह सुंदर है,' उन्होंने धीरे से कहा। 'उसे सचमुच दुनिया का गुलाब कहना उचित है!' 'और क्या मैं आपके लिए ऐसी ही एक तस्वीर नहीं बना सकता?' 'इससे क्या फायदा? नहीं?' उसने तस्वीर पर पतले कागज का वह पन्ना खींच दिया जिस पर मैं पेंटिंग करते समय अपना हाथ रखता था, ताकि कार्डबोर्ड गंदा न हो। उस खाली कागज पर उसने अचानक क्या देखा, यह मेरे लिए बताना असंभव था; लेकिन

किसी चीज ने उसकी नज़र खींच ली थी। उसने उसे झट से उठाया; उसने किनारे को देखा; फिर मेरी तरफ एक ऐसी नज़र डाली जो अवर्णनीय और बिल्कुल समझ से परे थी: एक ऐसी नज़र जो मानो मुझे देखती और
जेन आयर 357 =e eee मेरे आकार, चेहरे और पहनावे के हर बिंदु पर ध्यान दो; क्योंकि यह सब पर तेज़ी से, बिजली की तरह तीक्ष्णता से छा गया। उसके होंठ खुले, मानो बोलने ही वाले थे: लेकिन उसने आने वाले वाक्य को रोक दिया, चाहे वह कुछ भी हो। "क्या बात है?" मैंने पूछा। "कुछ नहीं," जवाब मिला; और कागज़ वापस रखते हुए मैंने देखा कि उसने बड़ी कुशलता से हाशिये से एक पतली पर्ची फाड़ी। वह उसके दस्ताने में गायब हो गई; और एक झटपट सिर हिलाकर और "शुभ दोपहर," कहकर वह चला गया। "वाह!" मैंने उस इलाके की एक कहावत का इस्तेमाल करते हुए कहा, "लेकिन यह तो दुनिया का सबसे बड़ा रहस्य है!" मैंने भी कागज़ को गौर से देखा; लेकिन उस पर कुछ धुंधले धब्बों के अलावा कुछ नहीं दिखा, जहाँ मैंने पेंसिल से रंग आज़माया था। मैंने एक-दो मिनट तक इस रहस्य पर विचार किया; लेकिन इसे अनसुलझा पाकर, और यह निश्चित होते हुए कि यह कोई खास बात नहीं हो सकती, मैंने इसे छोड़ दिया, और जल्द ही इसे भूल गया। अध्याय 331 जब श्री सेंट जॉन गए, तो बर्फ़बारी शुरू हो गई थी; तूफ़ान पूरी रात जारी रहा। अगले दिन तेज़ हवा के साथ ताज़ा और आँखों को चौंधिया देने वाली बर्फ़बारी हुई; गोधूलि बेला तक घाटी बर्फ़ से भर गई थी और लगभग अगम्य हो गई थी। मैंने अपना शटर बंद कर दिया था, एक मैंने दरवाजे पर चटाई बिछाई ताकि बर्फ अंदर न आ सके, अपनी आग को ठीक किया, और लगभग एक घंटे तक चूल्हे पर बैठकर तूफ़ान की धीमी गर्जना सुनने के बाद, मैंने एक मोमबत्ती जलाई, मार्मियन की किताब उठाई, और शुरू किया— 'नोरहम के किलेनुमा टीले पर दिन ढल रहा है, और ट्वीड की सुंदर नदी चौड़ी और गहरी है, और चेविओट के पहाड़ अकेले हैं; विशाल मीनारें, मुख्य बुर्ज, उनके चारों ओर फैली दीवारें, पीली चमक में जगमगा रही हैं'— मैं जल्द ही संगीत में तूफ़ान को भूल गया। मुझे एक आवाज़ सुनाई दी: मुझे लगा कि हवा ने दरवाजा हिला दिया है। नहीं; यह सेंट जॉन रिवर्स थे, जिन्होंने कुंडी उठाकर जमे हुए तूफ़ान—भयानक अंधेरे—से बाहर आकर मेरे सामने खड़े हो गए: उनके लंबे शरीर को ढकने वाला लबादा ग्लेशियर की तरह सफेद था। मैं लगभग स्तब्ध रह गया, क्योंकि उस रात मुझे उस बंद घाटी से किसी मेहमान की उम्मीद नहीं थी। 'कोई बुरी खबर?' मैंने पूछा। 'क्या कुछ हुआ है?'

‘नहीं।’ तुम कितनी आसानी से घबरा जाते हो!’ उसने जवाब दिया।
358 जेन आयर: उसने अपना लबादा समेटा और उसे दरवाजे के सहारे टांग दिया, और फिर उसी ओर उसने उस चटाई को ठंडेपन से धकेल दिया जिसे उसके प्रवेश से अस्त-व्यस्त हो गया था। उसने अपने बूटों से बर्फ झाड़ दी। ‘मैं आपके फर्श की पवित्रता को दूषित कर दूंगा,’ उसने कहा, ‘लेकिन एक बार मुझे माफ़ कर दीजिए।’ फिर वह आग के पास गया। ‘यहाँ तक पहुँचने में मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ी है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ,’ उसने आग पर अपने हाथ सेंकते हुए कहा। ‘एक बर्फ़बारी में मैं कमर तक डूब गया था; शुक्र है कि बर्फ़ अभी भी काफ़ी नरम है।’ ‘लेकिन आप क्यों आए हैं?’ मैं पूछे बिना नहीं रह सका। ‘एक आगंतुक से यह पूछना थोड़ा अनुचित प्रश्न है; लेकिन चूंकि आपने पूछा है, तो मैं बस इतना ही उत्तर देता हूँ कि आपसे थोड़ी बातचीत करनी है; मैं अपनी मूक किताबों और खाली कमरों से ऊब गया था। इसके अलावा, कल से मैंने एक ऐसे व्यक्ति की उत्तेजना का अनुभव किया है जिसे आधी कहानी सुनाई गई हो और जो आगे की कहानी सुनने के लिए बेचैन हो।’ वह बैठ गया। मुझे कल का उसका अजीब व्यवहार याद आया, और वास्तव में मुझे डर लगने लगा कि उसका दिमाग़ खराब हो गया है। हालाँकि, अगर वह पागल था, तो उसका पागलपन बहुत शांत और संयमित था: मैंने उसके उस सुंदर चेहरे को इतना तराशे हुए संगमरमर जैसा कभी नहीं देखा था। अभी-अभी, जब उन्होंने अपने बर्फ से भीगे बालों को माथे से हटाया और आग की रोशनी को अपने पीले माथे और गालों पर पड़ने दिया, तो मुझे यह देखकर बहुत दुख हुआ कि उन पर चिंता या उदासी का कोई निशान साफ दिखाई दे रहा था। मैं इंतज़ार कर रही थी, उम्मीद कर रही थी कि वह कुछ ऐसा कहेंगे जिसे मैं समझ सकूँ; लेकिन उनका हाथ ठुड्डी पर था, उंगली होंठ पर: वह सोच रहे थे। मुझे लगा कि उनका हाथ उनके चेहरे की तरह ही मुरझाया हुआ लग रहा था। मेरे दिल में शायद बेवजह ही दया उमड़ आई: मेरा मन हुआ कि मैं कहूँ— ‘काश डायना या मैरी आकर आपके साथ रहने लगें: यह बहुत बुरा है कि आप बिल्कुल अकेले हैं; और आप अपनी सेहत को लेकर बेपरवाह हैं।’ ‘बिल्कुल नहीं,’ उन्होंने कहा: ‘मैं ज़रूरत पड़ने पर अपना ख्याल रखता हूँ। मैं अब ठीक हूँ। तुम्हें मुझमें क्या कमी दिखती है?’ यह उन्होंने लापरवाही और उदासीनता से कहा, जिससे पता चलता था कि मेरी चिंता, कम से कम उनकी नज़र में, पूरी तरह से बेकार थी। मैं चुप हो गई। वह अब भी धीरे-धीरे अपनी उंगली अपने ऊपरी होंठ पर फेर रहे थे। अब भी उसकी नज़रें

जलती हुई अंगीठी पर टिकी हुई थीं; कुछ कहना ज़रूरी समझते हुए मैंने उससे पूछा कि क्या उसे पीछे वाले दरवाज़े से ठंडी हवा का झोंका महसूस हो रहा है। 'नहीं, नहीं!' उसने संक्षिप्त और कुछ चिड़चिड़ेपन से जवाब दिया। 'ठीक है,' मैंने सोचा, 'अगर तुम बात नहीं करोगे, तो चुप रहो; मैं तुम्हें अकेला छोड़ देता हूँ और अपनी किताब पढ़ने लगता हूँ।' तो मैंने मोमबत्ती बुझा दी और मार्मियन की किताब पढ़ने में लग गया।

जेन आयर 359 ईईईई वह जल्द ही हिलने-डुलने लगा; मेरी नज़र तुरंत उसकी हरकतों पर पड़ी; उसने बस एक मोरक्को का पर्स निकाला, उसमें से एक पत्र निकाला, जिसे उसने चुपचाप पढ़ा, मोड़ा, वापस रख दिया और फिर से ध्यान में लीन हो गया। मेरे सामने ऐसे रहस्यमय व्यक्ति के होते हुए पढ़ने की कोशिश करना व्यर्थ था; और मैं अपनी अधीरता में चुप भी नहीं रह सकती थी; वह चाहे तो मुझे डांट सकता था, लेकिन मैं बात करना चाहती थी। 'क्या आपने हाल ही में डायना और मैरी से कोई खबर सुनी है?' 'एक हफ्ते पहले जो पत्र मैंने आपको दिखाया था, उसके बाद से नहीं।' 'क्या आपकी अपनी व्यवस्थाओं में कोई बदलाव हुआ है? क्या आपको उम्मीद से पहले इंग्लैंड छोड़ने के लिए नहीं बुलाया जाएगा?' 'मुझे डर है कि ऐसा नहीं होगा: ऐसा मौका मेरे साथ होना बहुत मुश्किल है।' अब तक निराश होकर, मैंने बात का रुख बदल दिया। मैंने स्कूल और अपने विद्यार्थियों के बारे में बात करने का सोचा। 'मैरी गैरेट की माँ की तबीयत ठीक है, और मैरी आज सुबह स्कूल वापस आ गई है, और अगले हफ्ते फाउंड्री क्लोज़ से चार नई लड़कियाँ मेरे पास आ रही हैं—वे आज ही आ जातीं, लेकिन बर्फ़बारी के कारण नहीं आ पाईं।' 'बिल्कुल!' 'मिस्टर ओलिवर दो बच्चों का खर्च उठाएंगे।' 'क्या सच में?' 'उनका इरादा क्रिसमस पर पूरे स्कूल को दावत देने का है।' 'मुझे पता है।' 'क्या यह आपका सुझाव था?' 'नहीं।' 'तो किसका?' 'मुझे लगता है उनकी बेटी का।' 'यह उसकी तरह ही है: वह बहुत ही मिलनसार है।' है ना? फिर सन्नाटा छा गया: घड़ी में आठ बज चुके थे। इससे वह जाग उठा; उसने अपने पैर सीधे किए, सीधा बैठा और मेरी ओर मुड़ा। 'अपनी किताब थोड़ी देर के लिए छोड़ दो, और आग के पास थोड़ा और पास आ जाओ,' उसने कहा। मैं आश्चर्यचकित था, और मेरा आश्चर्य खत्म नहीं हो रहा था, इसलिए मैंने उसकी बात मान ली। 'आधे घंटे पहले,' उसने आगे कहा, 'मैंने एक कहानी का अगला भाग सुनने की अपनी बेचैनी के बारे में बताया था: अब सोच रहा हूँ, मुझे लगता है कि अगर मैं कहानी सुनाने वाले की भूमिका निभाऊँ और तुम्हें सुनने वाला बना दूँ, तो यह बात

बेहतर ढंग से सुलझ जाएगी। शुरू करने से पहले, यह कहना उचित होगा कि कहानी तुम्हें थोड़ी घिसी-पिटी लग सकती है; लेकिन बासी बातें अक्सर नए लोगों के मुंह से निकलने पर ताजगी पा लेती हैं। बाकी, चाहे वह घिसी-पिटी हो या नई, कहानी संक्षिप्त है।'

360 जेन आयर ——— 'बीस साल पहले, एक गरीब पादरी—इस समय उसका नाम मत लीजिए—एक अमीर आदमी की बेटी के प्यार में पड़ गया; वह भी उससे प्यार करने लगी और अपने सभी दोस्तों की सलाह के खिलाफ उससे शादी कर ली, जिसके परिणामस्वरूप शादी के तुरंत बाद सभी ने उसे त्याग दिया। दो साल बीतने से पहले ही, वह जल्दबाज़ जोड़ा दोनों मर गए और एक ही शिला के नीचे चुपचाप अगल-बगल दफना दिए गए। (मैंने उनकी कब्र देखी है; यह एक विशाल कब्रिस्तान के फर्श का हिस्सा थी जो एक उजाड़ औद्योगिक शहर के भयानक, कालिख से सने पुराने गिरजाघर को घेरे हुए था।) वे एक बेटी छोड़ गए, जिसे जन्म के तुरंत बाद चैरिटी ने अपनी गोद में लिया—वह गोद उतनी ही ठंडी थी जितनी बर्फ की वह ढेर जिसमें मैं आज रात लगभग फंस गया था। चैरिटी उस बेसहारा बच्ची को उसके अमीर मायके ले गई; उसका पालन-पोषण उसकी एक चाची ने किया, जिसका नाम (अब मैं नाम याद कर रहा हूँ) गेट्सहेड की श्रीमती रीड था। तुम चौंक गए—क्या तुमने कोई आवाज़ सुनी?' मुझे लगता है कि यह बगल वाले स्कूल के कमरे की छत पर रेंगता हुआ चूहा ही है: मेरे मरम्मत और बदलाव करवाने से पहले वह एक खलिहान था, और खलिहानों में आम तौर पर चूहे रहते हैं।—आगे बढ़ते हैं। श्रीमती रीड ने उस अनाथ बच्चे को दस साल तक अपने पास रखा: वह उनके साथ खुश था या नहीं, यह मैं नहीं कह सकता, क्योंकि मुझे कभी बताया नहीं गया; लेकिन उस समय के अंत में उन्होंने उसे एक ऐसी जगह भेज दिया जिसे आप जानते हैं—जो कि लोवुड स्कूल ही था, जहाँ आप स्वयं इतने लंबे समय तक रहे। ऐसा लगता है कि वहाँ उनका करियर बहुत सम्मानजनक रहा: एक छात्रा से, वह आपकी तरह एक शिक्षिका बन गईं—वास्तव में मुझे लगता है कि उनके और आपके इतिहास में कई समानताएँ हैं—उन्होंने एक गवर्नेंस बनने के लिए स्कूल छोड़ दिया: वहाँ भी, आप दोनों का भाग्य एक जैसा था; उन्होंने श्री रोचेस्टर के एक आश्रित बच्चे की शिक्षा का जिम्मा लिया।' 'श्री रिवर्स!' मैंने बीच में ही टोक दिया। 'मैं आपकी भावनाओं को समझ सकता हूँ,' उन्होंने कहा, 'लेकिन उन्हें थोड़ी देर के लिए रोकिए: मैं लगभग समाप्त कर चुका हूँ; मुझे अंत तक सुनिए।'

मिस्टर रोचेस्टर के चरित्र के बारे में मुझे कुछ भी नहीं पता, सिवाय इसके कि उन्होंने इस युवती को सम्मानजनक विवाह का प्रस्ताव दिया था, और विवाह के वेदी पर ही उसे पता चला कि उनकी एक पत्नी अभी भी जीवित है, हालांकि वह मानसिक रूप से बीमार है। उनके बाद के आचरण और प्रस्तावों के बारे में केवल अनुमान ही लगाया जा सकता है; लेकिन जब एक ऐसी घटना घटी जिसके कारण गवर्नेंस की तलाश करना आवश्यक हो गया, तो पता चला कि वह गायब हो गई है—कोई नहीं बता सकता कि कब, कहाँ और कैसे। वह रात में थॉर्नफील्ड हॉल से चली गई थी; उसकी तलाश में हर संभव प्रयास व्यर्थ रहा: पूरे देश में उसकी खोजबीन की गई; उसके बारे में कोई भी जानकारी नहीं मिल सकी। फिर भी, उसे ढूंढना एक अत्यंत आवश्यक मामला बन गया है: सभी समाचार पत्रों में विज्ञापन दिए गए हैं; मुझे स्वयं एक वकील, मिस्टर ब्रिग्स का पत्र मिला है।

जेन आयर 361 ईईई मैंने अभी जो विवरण दिए हैं, उन्हें देखते हुए क्या यह कोई अजीब कहानी नहीं है?' 'बस मुझे इतना बताइए,' मैंने कहा, 'और चूंकि आप इतना कुछ जानती हैं, तो आप मुझे यह जरूर बता सकती हैं—मिस्टर रोचेस्टर का क्या हुआ? वह कैसे और कहां हैं? वह क्या कर रहे हैं? क्या वह ठीक हैं?' 'मैं मिस्टर रोचेस्टर के बारे में कुछ नहीं जानती: पत्र में उनका ज़िक्र सिर्फ उस धोखाधड़ी और गैरकानूनी कोशिश के बारे में है जिसका मैंने जिक्र किया है। आपको गवर्नेंस का नाम पूछना चाहिए—उस घटना की प्रकृति जिसके लिए उनकी उपस्थिति आवश्यक है।' 'तो क्या कोई थॉर्नफील्ड हॉल नहीं गया? क्या किसी ने मिस्टर रोचेस्टर को नहीं देखा?' 'मुझे लगता है नहीं।' 'लेकिन उन्होंने उन्हें पत्र लिखा?' 'बेशक।' 'और उन्होंने क्या कहा? उनके पत्र किसके पास हैं?' 'मिस्टर ब्रिग्स का कहना है कि उनके आवेदन का जवाब मिस्टर रोचेस्टर से नहीं, बल्कि एक महिला से आया था: उस पर "एलिस फेयरफैक्स" के हस्ताक्षर हैं।' मैं ठंड और निराशा से भर उठी: मेरे सबसे बुरे डर शायद सच हो गए थे: वह संभवतः इंग्लैंड छोड़कर बेतहाशा हताशा में महाद्वीप पर अपने किसी पुराने ठिकाने पर भाग गया था। और वहाँ उसने अपने भीषण कष्टों के लिए कौन सा नशा—अपनी तीव्र भावनाओं के लिए कौन सा साधन—ढूंढा था? मैं इस प्रश्न का उत्तर देने की हिम्मत नहीं कर पाई। ओह, मेरे बेचारे स्वामी—जो कभी लगभग मेरे पति थे—जिन्हें मैं अक्सर 'मेरे प्यारे एडवर्ड!' कहकर पुकारती थी। 'वह ज़रूर एक बुरा आदमी रहा होगा,' श्री रिवर्स ने कहा। 'आप उसे नहीं जानते—उसके

बारे में कोई राय मत दीजिए,' मैंने गुस्से से कहा। 'ठीक है,' उन्होंने शांत भाव से उत्तर दिया: 'और वास्तव में मेरा दिमाग उससे ज़्यादा किसी और चीज़ में लगा हुआ है: मुझे अपनी कहानी पूरी करनी है। चूंकि आप गवर्नेस का नाम नहीं पूछेंगी, इसलिए मुझे खुद ही बताना होगा। रुकिए! मेरे पास यह है—महत्वपूर्ण बिंदुओं को लिखित रूप में देखना हमेशा अधिक संतोषजनक होता है।' और फिर जानबूझकर पॉकेटबुक निकाली गई, खोली गई, और उसमें से जानकारी निकाली गई; उसके एक खाने से कागज का एक फटा-पुराना टुकड़ा निकाला गया, जिसे जल्दबाजी में फाड़ा गया था: मैंने उसकी बनावट और उस पर लगे गहरे नीले, झील जैसे और सिंदूरी रंग के धब्बों से चित्र के कवर के उखड़े हुए किनारे को पहचान लिया। वह उठा, उसे मेरी आँखों के पास लाया: और मैंने अपनी लिखावट में, भारतीय स्याही से लिखे हुए शब्द पढ़े, 'जेन आयर'—निस्संदेह किसी क्षणिक कल्पना की रचना। 'ब्रिग्स ने मुझे जेन आयर के बारे में लिखा था:' उसने कहा, 'विज्ञापनों में जेन आयर की मांग थी: मैं जेन इलियट को जानता था।'—मैं स्वीकार करता हूँ

 —————————— मुझे शक था, लेकिन कल दोपहर ही वह एकदम से निश्चित हो गया। 'तुम नाम स्वीकार करती हो और उपनाम त्यागती हो?' 'हाँ—हाँ; लेकिन मिस्टर ब्रिग्स कहाँ हैं? शायद वह मिस्टर रोचेस्टर के बारे में तुमसे ज़्यादा जानते हों।' : 'ब्रिग्स लंदन में हैं। मुझे शक है कि उन्हें मिस्टर रोचेस्टर के बारे में कुछ भी पता होगा; उन्हें मिस्टर रोचेस्टर में कोई दिलचस्पी नहीं है। इस बीच, तुम छोटी-छोटी बातों में उलझकर ज़रूरी बातें भूल जाती हो: तुम यह नहीं पूछती कि मिस्टर ब्रिग्स तुम्हारे पीछे क्यों पड़े थे— तुम्हें क्या चाहते थे।' 'अच्छा, वह क्या चाहते थे?' 'बस तुम्हें यह बताना था कि तुम्हारे चाचा, मदीरा के मिस्टर आयर, मर चुके हैं; कि उन्होंने अपनी सारी संपत्ति तुम्हारे नाम कर दी है, और अब तुम अमीर हो—बस इतना ही—और कुछ नहीं।' 'मैं!—अमीर?' 'हाँ, तुम, अमीर—एकदम वारिस।' सन्नाटा छा गया। 'आपको अपनी पहचान साबित करनी होगी,' सेंट जॉन ने थोड़ी देर बाद कहा: 'यह एक आसान प्रक्रिया है; इसके बाद आप तुरंत संपत्ति पर अधिकार प्राप्त कर सकते हैं। आपकी संपत्ति अंग्रेजी कोष में है; ब्रिग्स के पास वसीयत और आवश्यक दस्तावेज हैं।' यहाँ एक नया रहस्य खुल गया! पाठक, पल भर में गरीबी से अमीरी तक पहुँच जाना एक अद्भुत अनुभव है—बेहद अद्भुत; लेकिन यह ऐसी बात नहीं है जिसे एक ही बार में समझा और भोगा जा सके। और फिर

जीवन में ऐसे और भी अवसर आते हैं जो कहीं अधिक रोमांचक और आनंददायी होते हैं: यह मामला ठोस है, वास्तविक दुनिया का है, इसमें कुछ भी आदर्शवादी नहीं है: इसके सभी पहलू ठोस और गंभीर हैं, और इसके परिणाम भी वैसे ही हैं। भाग्य मिलने की खबर सुनकर कोई उछल-कूद नहीं करता, खुशी से चिल्लाता नहीं है; बल्कि जिम्मेदारियों पर विचार करने लगता है, और काम-काज के बारे में सोचने लगता है; स्थिर संतोष की नींव पर कुछ गंभीर चिंताएँ जन्म लेती हैं, और हम खुद को संभालते हैं, और गंभीर भाव से अपने इस सुख पर चिंतन करते हैं। इसके अलावा, विरासत, वसीयत, और मृत्यु, अंतिम संस्कार जैसे शब्द साथ-साथ चलते हैं। मैंने सुना था कि मेरे चाचा की मृत्यु हो गई है— मेरे इकलौते रिश्तेदार; जब से मुझे उनके अस्तित्व का पता चला था, मैंने उनसे एक दिन मिलने की उम्मीद पाल रखी थी: अब, मैं उन्हें कभी नहीं देख पाऊँगी। और फिर यह पैसा केवल मुझे मिला: मुझे और मेरे खुशहाल परिवार को नहीं, बल्कि मुझे अकेलेपन में। यह निस्संदेह एक बड़ा वरदान था; और स्वतंत्रता गौरवशाली होगी—हाँ, मुझे ऐसा महसूस हुआ—यह सोचकर मेरा दिल भर आया। 'आखिरकार तुमने अपना माथा सीधा कर लिया,' मिस्टर रिवर्स ने कहा। 'मुझे लगा था कि मेडुसा ने तुम्हें देख लिया है, और तुम मुड़ गए हो।'

जेन आयर 363 पत्थर में बदल रही है। शायद अब तुम पूछोगे कि तुम्हारी कीमत कितनी है?' 'मेरी कीमत कितनी है?' 'अरे, बस मामूली सी!' कुछ खास नहीं—मुझे लगता है वे बीस हज़ार पाउंड कहते हैं—लेकिन यह क्या है?' "बीस हज़ार पाउंड?" यह सुनकर मुझे और भी झटका लगा—मैं तो चार-पाँच हज़ार का अनुमान लगा रहा था। इस खबर ने सचमुच मेरी साँस रोक दी: श्री सेंट जॉन, जिन्हें मैंने पहले कभी हँसते नहीं सुना था, अब हँस पड़े। 'अच्छा,' उन्होंने कहा, 'अगर तुमने कोई हत्या की होती, और मैंने तुम्हें बताया होता कि तुम्हारा अपराध उजागर हो गया है, तो तुम शायद ही इससे ज़्यादा हैरान दिखते।' 'यह बहुत बड़ी रकम है—क्या तुम्हें नहीं लगता कि कोई गलती हुई है?' 'बिल्कुल भी गलती नहीं है।' 'शायद तुमने आंकड़े गलत पढ़े हों —यह दो हज़ार भी हो सकता है!' 'यह अंकों में नहीं, अक्षरों में लिखा है—बीस हज़ार।' मुझे फिर से ऐसा लगा जैसे मैं एक औसत दर्जे का खाने का शौकीन व्यक्ति हूँ जो सौ लोगों के खाने से सजी मेज पर अकेला बैठकर दावत कर रहा हूँ। श्री रिवर्स उठे और अपना लबादा ओढ़ लिया। 'अगर यह इतनी तूफानी रात न होती,' उन्होंने कहा, 'तो मैं हन्ना को तुम्हारी देखभाल के लिए भेज देता। कंपनी: तुम इतनी बुरी तरह

दुखी लग रही हो कि तुम्हें अकेला नहीं छोड़ा जा सकता। लेकिन बेचारी हन्ना! वो मेरी तरह बर्फ पर इतनी आसानी से नहीं चल सकती: उसके पैर इतने लंबे नहीं हैं: इसलिए मुझे तुम्हें तुम्हारे दुखों में ही छोड़ना पड़ेगा। शुभ रात्रि।' वह कुंडी उठा रहा था: अचानक मेरे मन में एक विचार आया। 'एक मिनट रुको!' मैं चिल्लाई। "तो?" 'मुझे समझ नहीं आ रहा कि श्री ब्रिग्स ने मेरे बारे में आपको क्यों लिखा; या उन्हें कैसे पता चला कि आप उन्हें जानते हैं, या उन्हें ऐसा कैसे लगा कि आप, जो इतनी दूरदराज जगह पर रहते हैं, मेरी खोज में मदद कर सकते हैं।' 'ओह! मैं एक पादरी हूँ,' उन्होंने कहा; 'और पादरियों से अक्सर अजीबोगरीब मामलों में सलाह ली जाती है।' फिर से कुंडी खड़खड़ाई। 'नहीं; इससे मेरी जिज्ञासा शांत नहीं हुई!' मैंने कहा: और सचमुच उस जल्दबाजी भरे और अस्पष्ट जवाब में कुछ ऐसा था जिसने मेरी जिज्ञासा को शांत करने के बजाय और भी बढ़ा दिया। 'यह बहुत ही अजीब मामला है,' मैंने आगे कहा; 'मुझे इसके बारे में और जानना होगा।' 'फिर कभी।'

364 जेन आयर ईई 'नहीं; आज रात!—आज रात!' और जैसे ही वह दरवाजे से मुड़ा, मैं उसके और दरवाजे के बीच खड़ी हो गई। वह कुछ शर्मिंदा सा लग रहा था। 'जब तक तुम मुझे सब कुछ नहीं बता देते, तब तक तुम नहीं जाओगे,' मैंने कहा। 'मैं अभी नहीं जाना चाहती।' 'तुम्हें जाना ही होगा!—तुम्हें जाना ही होगा!' 'मैं चाहती हूं कि डायना या मैरी तुम्हें बता दें।' बेशक इन आपत्तियों ने मेरी उत्सुकता को चरम पर पहुंचा दिया: मुझे संतुष्ट होना ही था, और वह भी बिना देरी किए; और मैंने उसे यही कहा। 'लेकिन मैंने तुम्हें बताया था कि मैं एक कठोर पुरुष हूं,' उसने कहा, 'मुझे मनाना मुश्किल है।' 'और मैं एक कठोर स्त्री हूं,—जिसे टालना असंभव है।' 'और फिर,' उसने आगे कहा, 'मैं ठंडा हूं: मुझमें कोई जोश नहीं है।' 'जबकि मैं गर्म हूं, और आग बर्फ को पिघला देती है। वहां की ज्वाला ने तुम्हारे लबादे से सारी बर्फ पिघला दी है; इसी तरह, पानी मेरे फर्श पर बह गया है और उसे रौंदी हुई सड़क जैसा बना दिया है। श्री रिवर्स, जैसा कि आप आशा करते हैं कि आपको क्षमा कर दिया जाएगा, एक साफ की हुई रसोई को गंदा करने के इस गंभीर अपराध और दुराचार के लिए, मुझे वह बताएं जो मैं जानना चाहती हूँ।' 'ठीक है,' उन्होंने कहा, 'मैं मान लेता हूँ; यदि आपकी गंभीरता से नहीं, तो आपकी दृढ़ता से: जैसे पत्थर लगातार पानी गिरने से घिस जाता है। इसके अलावा, आपको किसी दिन तो पता चलेगा ही, अभी भी अच्छा है। आपका नाम जेन आयर है?' 'बेशक: यह तो पहले ही तय हो चुका था।' 'शायद आपको पता नहीं है कि

मेरा नाम आपके नाम पर ही रखा गया है?—कि मेरा नाम सेंट जॉन आयर रिवर्स रखा गया था?' 'जी नहीं! मुझे अब याद आ रहा है कि मैंने आपके नाम के शुरुआती अक्षरों में लिखा हुआ अक्षर E देखा था, जो आपने मुझे अलग-अलग समय पर उधार दी गई किताबों में लिखा था; लेकिन मैंने कभी नहीं पूछा कि यह किस नाम का प्रतीक है। लेकिन फिर क्या?' निश्चित रूप से—' मैं रुक गया: मैं अपने आप पर भरोसा नहीं कर पा रहा था कि मैं उस विचार को, और उससे भी कहीं अधिक उसे व्यक्त करूँ, जो मेरे मन में उमड़ आया था—जो एक पल में ही साकार हो गया था—जो एक मजबूत, ठोस संभावना के रूप में सामने आ गया था। परिस्थितियाँ अपने आप जुड़ गईं, अपने आप व्यवस्थित हो गईं, क्रम में आ गईं: जो कड़ी अब तक बेतरतीब ढंग से पड़ी थी, वह सीधी हो गई—हर कड़ी एकदम सही थी, जुड़ाव पूरा हो गया था। सेंट जॉन के एक और शब्द कहने से पहले ही, मुझे सहज ज्ञान से पता चल गया था कि मामला क्या है; लेकिन मैं पाठक से उसी सहज बोध की अपेक्षा नहीं कर सकता, इसलिए मुझे उनकी व्याख्या दोहराना होगा। 'मेरी माँ का नाम आयर था; उनके दो भाई थे; एक पादरी थे, जिन्होंने गेट्सहेड की मिस जेन रीड से शादी की थी; दूसरे, जॉन आयर, एस्क्वायर, व्यापारी, जो पहले फंचल, मदीरा में रहते थे। श्री ब्रिग्स, जो श्री आयर के वकील थे, ने पिछले अगस्त में हमें पत्र लिखा था।

जेन आयर 365, ईईई में उन्होंने हमें हमारे चाचा की मृत्यु की सूचना दी और बताया कि उन्होंने अपनी संपत्ति अपने भाई, पादरी की अनाथ बेटी को दे दी है, हमें अनदेखा करते हुए, क्योंकि उनके और मेरे पिता के बीच एक झगड़ा हुआ था, जो कभी खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कुछ हफ़्ते पहले फिर लिखा, यह बताने के लिए कि उत्तराधिकारी लापता है और पूछा कि क्या हम उसके बारे में कुछ जानते हैं। कागज की एक पर्ची पर लापरवाही से लिखे गए नाम से मुझे उसका पता लगाने में मदद मिली। बाकी तो आप जानते ही हैं।' वे फिर से जाने लगे, लेकिन मैंने दरवाजे से पीठ टिका ली। 'मुझे बोलने दीजिए,' मैंने कहा; 'मुझे एक पल सांस लेने और सोचने दीजिए।' मैं रुकी—वे मेरे सामने टोपी हाथ में लिए खड़े थे, काफी शांत दिख रहे थे। मैंने फिर से शुरू किया — "आपकी माँ मेरे पिता की बहन थीं?' कुल्हाड़ी? 'इसलिए मेरी चाची?' उन्होंने सिर झुकाया। 'मेरे चाचा जॉन आपके चाचा जॉन थे? आप, डायना और मैरी उनकी बहन की संतान हैं, जैसे मैं उनके भाई की संतान हूँ?' 'निस्संदेह।' 'तो तुम तीनों मेरे चचेरे भाई-बहन हो; हमारे खून का आधा हिस्सा दोनों तरफ से एक ही स्रोत से बहता है?'

“हम चचेरे भाई-बहन हैं; हाँ।” मैंने उसे गौर से देखा। ऐसा लगा जैसे मुझे एक भाई मिल गया हो: जिस पर मैं गर्व कर सकूँ, जिसे मैं प्यार कर सकूँ; और दो बहनें, जिनके गुण ऐसे थे कि जब मैं उन्हें केवल अजनबी के रूप में जानता था, तब भी उन्होंने मेरे मन में सच्चा स्नेह और प्रशंसा जगाई थी। वे दोनों लड़कियाँ, जिन्हें मैंने मूर हाउस की रसोई की नीची, जालीदार खिड़की से गीली ज़मीन पर घुटने टेककर, दिलचस्पी और निराशा के कड़वे मिश्रण से देखा था, मेरी करीबी रिश्तेदार थीं; और वह युवा और प्रतिष्ठित सज्जन, जिसने मुझे अपने घर की दहलीज पर लगभग मरणासन्न पाया था, मेरा खून का रिश्तेदार था। एक अकेले दुखी व्यक्ति के लिए यह एक शानदार खोज थी! यह सचमुच धन था! - दिल के लिए धन! - शुद्ध, सौम्य स्नेह का खजाना। यह एक आशीर्वाद था, उज्ज्वल, जीवंत और उत्साहवर्धक; सोने के भारी उपहार जैसा नहीं: अपने तरीके से समृद्ध और स्वागत योग्य, लेकिन अपने भार से गंभीर। मैं अचानक खुशी से ताली बजाने लगा—मेरी नाड़ी तेज़ हो गई, मेरी नसें फड़कने लगीं। 'ओह, मैं खुश हूँ!—मैं खुश हूँ!' मैंने कहा। सेंट जॉन मुस्कुराए। 'क्या मैंने नहीं कहा था कि तुमने तुच्छ बातों के पीछे भागने के लिए ज़रूरी बातों की उपेक्षा की?' उन्होंने पूछा। "जब मैंने तुम्हें बताया था कि तुम्हें दौलत मिली है, तब तुम गंभीर थे; और अब, एक मामूली बात पर, तुम उत्साहित हो रहे हो।" 'आपका क्या मतलब है? यह तुम्हारे लिए शायद मामूली बात हो; तुम्हारी बहनें हैं और तुम्हें चचेरे भाई-बहन की परवाह नहीं है; लेकिन मेरा कोई नहीं था;

366 जेन आयर: और अब तीन रिश्तेदार—या दो, अगर आप गिनती में शामिल नहीं होना चाहते—मेरे जीवन में पूरी तरह से परिपक्व होकर आए हैं। मैं फिर कहती हूँ, मैं खुश हूँ! मैं कमरे में तेज़ी से चली: मैं रुक गई, उन विचारों से लगभग घुट गई जो इतनी तेज़ी से उठ रहे थे कि मैं उन्हें ग्रहण, समझ या शांत नहीं कर पा रही थी:—उन विचारों के बारे में जो हो सकते हैं, हो सकते थे, होंगे और होने चाहिए, और वह भी जल्द ही। मैंने खाली दीवार को देखा: वह चढ़ते तारों से भरे आकाश की तरह लग रही थी—हर तारा मुझे किसी उद्देश्य या आनंद की ओर ले जा रहा था। जिन्होंने मेरी जान बचाई थी, जिन्हें मैंने इस क्षण तक निःसंतोषी रूप से प्यार किया था, अब मैं उन्हें लाभ पहुँचा सकती थी। वे बंधन में थे—मैं उन्हें मुक्त कर सकती थी: वे बिखरे हुए थे —मैं उन्हें फिर से एकजुट कर सकती थी: जो स्वतंत्रता, जो समृद्धि मेरी थी, वह उनकी भी हो सकती थी। क्या हम चार नहीं थे? बीस हज़ार पाउंड बराबर बाँटने पर,

प्रत्येक को पाँच हज़ार मिलेंगे—पर्याप्त और अतिरिक्त: न्याय होगा—आपसी सुख सुनिश्चित होगा। अब धन का बोझ मुझ पर नहीं था: अब यह महज़ पैसों की विरासत नहीं थी, बल्कि जीवन, आशा और आनंद की विरासत थी। जब ये विचार मेरे मन में उथल-पुथल मचा रहे थे, तब मैं कैसी दिख रही थी, यह मैं बता नहीं सकती; लेकिन जल्द ही मैंने देखा कि श्री रिवर्स ने मेरे पीछे एक कुर्सी रख दी थी और मुझे धीरे से उस पर बिठाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने मुझे शांत रहने की सलाह भी दी; मैंने उनकी बेबसी और घबराहट की बातों को नज़रअंदाज़ कर दिया, उनका हाथ झटक दिया और फिर से चलने लगी। मैंने कहा, 'कल डायना और मैरी को लिखना और उन्हें सीधे घर आने के लिए कहना।' डायना ने कहा कि वे दोनों एक हजार पाउंड से खुद को अमीर समझते हैं, इसलिए पांच हजार पाउंड से उनका गुजारा बहुत अच्छा होगा।' "मुझे बताइए कि मैं आपको एक गिलास पानी कहाँ से दिला सकता हूँ," सेंट जॉन ने कहा; "आपको वास्तव में अपनी भावनाओं को शांत करने का प्रयास करना चाहिए।" "बकवास! और वसीयत का आप पर क्या असर होगा? क्या यह आपको इंग्लैंड में रोके रखेगा, आपको मिस ओलिवर से शादी करने के लिए प्रेरित करेगा, और एक आम इंसान की तरह बसने के लिए प्रेरित करेगा?" "आप भटक रहे हैं: आपका दिमाग उलझन में है। मैंने खबर देने में जल्दबाजी की है; इसने आपको आपकी क्षमता से अधिक उत्तेजित कर दिया है।" "श्री रिवर्स! आपने मुझे बिल्कुल अधीर कर दिया है: मैं काफी समझदार हूँ; यह आप हैं जो गलत समझ रहे हैं, या बल्कि गलत समझने का नाटक कर रहे हैं।" "शायद, अगर आप अपनी बात को थोड़ा और विस्तार से समझाते, तो मैं बेहतर समझ पाता।" "समझाइए! समझाने के लिए क्या है? आप यह देखे बिना नहीं रह सकते कि बीस हजार पाउंड, यानी प्रश्नगत राशि, हमारे चाचा के भतीजे और तीन भतीजियों के बीच बराबर-बराबर बाँटी जाएगी,

 ——————-—-—एस————————___ प्रत्येक को पाँच हज़ार देगा? मैं बस इतना चाहती हूँ कि तुम अपनी बहनों को पत्र लिखकर उन्हें उस धन-संपत्ति के बारे में बताओ जो उन्हें प्राप्त हुई है।' "तुम्हारा मतलब है, तुम्हें?" 'मैंने इस मामले पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट कर दिया है: मैं कोई और राय रखने में असमर्थ हूँ। मैं न तो निर्दयी स्वार्थी हूँ, न अंधाधुंध अन्याय करने वाली, और न ही कृतघ्न। इसके अलावा, मैंने ठान लिया है कि मेरा एक घर और रिश्तेदारी होगी। मुझे मूर हाउस पसंद है, और मैं मूर हाउस में रहूँगी; मुझे डायना और मैरी पसंद हैं, और मैं जीवन भर

डायना और मैरी से जुड़ी रहूँगी। पाँच हज़ार पाउंड मिलना मुझे प्रसन्नता और लाभ देगा; बीस हज़ार पाउंड मिलना मुझे पीड़ा और उत्पीड़न देगा; जो कि न्याय के अनुसार कभी मेरा नहीं हो सकता, भले ही कानून के अनुसार हो। इसलिए, जो मेरे लिए बिल्कुल अनावश्यक है, मैं उसे तुम्हारे हवाले करती हूँ। कोई विरोध न हो, और इस पर कोई चर्चा न हो; हम आपस में सहमत हो जाएँ और इस मुद्दे पर तुरंत निर्णय लें।' "यह जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है; तुम्हें इस मामले पर विचार करने के लिए कई दिन लेने चाहिए, इससे पहले कि तुम्हारी बात को मान्य माना जाए।' 'ओह!' यदि आपको केवल मेरी ईमानदारी पर संदेह है, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है: क्या आपको इस मामले में न्यायसंगतता दिखाई देती है?' 'हाँ, मुझे न्यायसंगतता तो दिखाई देती है; लेकिन यह सभी रीति-रिवाजों के विपरीत है। इसके अलावा, पूरी संपत्ति आपकी है: मेरे चाचा ने इसे अपने परिश्रम से अर्जित किया था; उन्हें इसे जिसे चाहें उसे देने का अधिकार था: उन्होंने इसे आपको दिया। आखिरकार, न्याय आपको इसे रखने की अनुमति देता है: आप निःसंकोच इसे पूरी तरह से अपना मान सकते हैं।' 'मेरे लिए,' मैंने कहा, 'यह पूरी तरह से अंतरात्मा के साथ-साथ भावनाओं का भी मामला है: मुझे अपनी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए; मुझे ऐसा करने का अवसर बहुत कम मिला है।' अगर तुम एक साल तक मुझसे बहस करो, आपत्ति जताओ और मुझे परेशान करो, तो भी मैं उस सुखद आनंद को नहीं छोड़ सकता जिसकी एक झलक मुझे मिली है—एक बड़े एहसान को आंशिक रूप से चुकाने का और जीवन भर के लिए दोस्त बनाने का आनंद।' 'तुम्हें अभी ऐसा लगता है,' सेंट जॉन ने जवाब दिया, 'क्योंकि तुम नहीं जानते कि धन का क्या अर्थ होता है, और इसलिए धन का आनंद क्या होता है: तुम यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि बीस हजार पाउंड तुम्हें कितना महत्व देंगे; समाज में तुम्हें कितना स्थान मिलेगा; तुम्हारे लिए कितने अवसर खुलेंगे: तुम नहीं कर सकते—' 'और तुम,' मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, 'भाईचारे और बहनचारे के प्यार के लिए मेरी तड़प की कल्पना भी नहीं कर सकते। मेरा कभी कोई घर नहीं था, मेरे कभी भाई-बहन नहीं थे; अब मुझे ये सब चाहिए और मैं इन्हें पाकर रहूँगा: तुम मुझे स्वीकार करने और अपना मानने में हिचकिचाते नहीं हो, है ना?' 'जेन, मैं तुम्हारा भाई बनूँगा—मेरी बहनें तुम्हारी बहनें होंगी—तुम्हारे उचित अधिकारों के इस बलिदान की कोई शर्त रखे बिना।'

368 जेन आयर ओएस 'भाई? हाँ; हज़ार मील की दूरी पर! बहनें? हाँ; अजनबियों के

बीच गुलामी! मैं, धनी—सोने से लदी हुई, जिसे मैंने कभी कमाया नहीं और न ही मैं उसकी हकदार हूँ! तुम, निर्धन! प्रसिद्ध समानता और भाईचारा! घनिष्ठ संबंध! गहरा लगाव!' 'लेकिन, जेन, पारिवारिक संबंधों और घरेलू सुख की तुम्हारी आकांक्षाएँ उन तरीकों से पूरी नहीं हो सकतीं जिनके बारे में तुम सोच रही हो: तुम शादी कर सकती हो।' 'फिर से बकवास! शादी! मैं शादी नहीं करना चाहती, और कभी नहीं करूँगी।' 'यह बहुत ज़्यादा कहना है: ऐसे जोखिम भरे कथन उस उत्तेजना का प्रमाण हैं जिसके तहत तुम काम कर रही हो।' 'यह बहुत ज़्यादा कहना नहीं है: मैं जानती हूँ कि मैं क्या महसूस करती हूँ, और शादी के विचार मात्र से ही मेरी कितनी घृणा है। कोई भी मुझे प्यार के लिए नहीं अपनाएगा; और मैं केवल पैसे के सौदे के रूप में नहीं देखी जाऊँगी। और मैं किसी अजनबी को नहीं चाहती—जो सहानुभूतिहीन हो, पराया हो, मुझसे अलग हो;' मुझे अपने सगे-संबंधी चाहिए: वे लोग जिनके साथ मेरा पूरा आत्मीय संबंध है। फिर से कहो कि तुम मेरे भाई बनोगे: जब तुमने ये शब्द कहे थे, मैं संतुष्ट और प्रसन्न हुआ था; अगर हो सके तो इन्हें दोहराओ, ईमानदारी से दोहराओ।' 'मुझे लगता है मैं दोहरा सकता हूँ। मैं जानता हूँ कि मैंने हमेशा अपनी बहनों से प्रेम किया है; और मैं जानता हूँ कि उनके प्रति मेरा स्नेह किस पर आधारित है—उनके गुणों के प्रति सम्मान और उनकी प्रतिभाओं के प्रति प्रशंसा। तुममें भी सिद्धांत और बुद्धि है: तुम्हारी रुचियाँ और आदतें डायना और मैरी जैसी हैं; तुम्हारी उपस्थिति मुझे हमेशा सुखद लगती है; तुम्हारी बातों में मुझे कुछ समय से सुकून मिलता रहा है। मुझे लगता है कि मैं आसानी से और स्वाभाविक रूप से अपने दिल में तुम्हारे लिए जगह बना सकता हूँ, अपनी तीसरी और सबसे छोटी बहन के रूप में।' "धन्यवाद: इससे मुझे आज रात के लिए तसल्ली मिल गई। अब तुम्हें जाना चाहिए; क्योंकि अगर तुम ज़्यादा देर रुकोगे, तो शायद किसी संदेह भरी शंका से मुझे फिर से परेशान कर दोगे।' 'और स्कूल, मिस आयर? मुझे लगता है कि अब वह बंद हो गया होगा?' "नहीं। जब तक आपको कोई दूसरा नहीं मिल जाता, मैं मालकिन के पद पर बनी रहूंगी।" उन्होंने सहमति में मुस्कुराते हुए कहा: हमने हाथ मिलाया और वे चले गए। मुझे वसीयत से जुड़े मामलों को अपनी इच्छानुसार निपटाने के लिए किए गए आगे के संघर्षों और तर्कों का विस्तार से वर्णन करने की आवश्यकता नहीं है। मेरा काम बहुत कठिन था; लेकिन, चूंकि मैं पूरी तरह से दृढ़ थी—जैसा कि मेरे चचेरे भाइयों ने अंततः देखा कि संपत्ति का न्यायसंगत विभाजन करने के लिए मेरा मन वास्तव में और अटल रूप से

दृढ़ था—जैसा कि उन्होंने अपने दिलों में इस इरादे की निष्पक्षता को महसूस किया होगा; और इसके अलावा, वे सहज रूप से जानते होंगे कि मेरी जगह वे ठीक वही करते जो मैंने किया।

जेन आयर 369 ——— ईटी! मैं जो करना चाहती थी—अंततः वे इस मामले को मध्यस्थता के लिए सौंपने पर सहमत हो गए। चुने गए न्यायाधीश श्री ओलिवर और एक सक्षम वकील थे: दोनों मेरी राय से सहमत थे: मैं अपनी बात मनवाने में सफल रही। स्थानांतरण के दस्तावेज तैयार किए गए: सेंट जॉन, डायना, मैरी और मैं, प्रत्येक को एक निश्चित हिस्सा प्राप्त हुआ। अध्याय इरोस आरएक्सवी जब तक सब कुछ तय हुआ, तब तक क्रिसमस नजदीक आ चुका था: आम छुट्टियों का मौसम आ रहा था। मैंने अब मॉर्टन स्कूल बंद कर दिया, इस बात का ध्यान रखते हुए कि मेरी ओर से विदाई नीरस न हो। सौभाग्य हाथों के साथ-साथ दिलों को भी अद्भुत रूप से खोल देता है; और जब हमें बहुत कुछ प्राप्त होता है, तो कुछ देना केवल भावनाओं के असामान्य उफान को व्यक्त करने का एक जरिया होता है। मुझे लंबे समय से इस बात का सुख मिलता रहा था कि मेरे कई ग्रामीण छात्र मुझे पसंद करते थे, और जब हम बिछड़े, तो यह चेतना पुष्ट हो गई: उन्होंने अपना स्नेह स्पष्ट और दृढ़ता से प्रकट किया। मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि उनके सरल हृदयों में सचमुच मेरे लिए एक स्थान था: मैंने उनसे वादा किया कि भविष्य में एक भी सप्ताह ऐसा नहीं गुजरेगा जब मैं उनसे मिलने न जाऊं और उनके विद्यालय में उन्हें एक घंटे का शिक्षण न दूं। श्री रिवर्स तब आए जब उन्होंने देखा कि साठ छात्राओं से भरी कक्षाएं मेरे सामने से बाहर निकल रही हैं और दरवाजा बंद कर रही हैं। मैं हाथ में चाबी लिए खड़ी थी और अपनी सबसे उत्तम छात्राओं में से लगभग आधा दर्जन के साथ कुछ विशेष विदाई के शब्द कह रही थी: ब्रिटिश किसानों में पाई जाने वाली सबसे सभ्य, सम्मानित, विनम्र और सुशिक्षित युवतियां। और यह बहुत बड़ी बात है; क्योंकि अंततः, ब्रिटिश किसान यूरोप में सबसे अधिक शिक्षित, सबसे अच्छे शिष्टाचार वाले और सबसे आत्मसम्मानित हैं: उन दिनों के बाद से मैंने किसान और किसान महिलाओं को देखा है; और उनमें से सबसे अच्छी भी मुझे मेरी मॉर्टन छात्राओं की तुलना में अज्ञानी, असभ्य और अभिमानी प्रतीत होती हैं। जब वे चले गए, तो श्री रिवर्स ने पूछा, “क्या आपको लगता है कि आपने एक मौसम की मेहनत का फल पा लिया है? क्या अपने समय और पीढ़ी में कुछ वास्तविक भलाई करने का अहसास आपको खुशी नहीं देता?” “निःसंदेह।”

“और आपने तो बस कुछ ही महीने मेहनत की है! क्या अपनी पीढ़ी के पुनरुद्धार के कार्य में समर्पित जीवन सार्थक नहीं होगा?” मैंने कहा, “हाँ; लेकिन मैं हमेशा के लिए ऐसा नहीं कर सकता: मैं अपनी क्षमताओं का आनंद लेना चाहता हूँ और साथ ही दूसरों की क्षमताओं को भी विकसित करना चाहता हूँ। मुझे अभी इनका आनंद लेना चाहिए; मैं अपने मन को पीछे नहीं हटाना चाहता।”

3470 जेन आयर ईई या शरीर को स्कूल ले जाओ; मैं इससे बाहर हूँ और पूरी छुट्टी के लिए तैयार हूँ।’ वह गंभीर दिख रहा था। ‘अब क्या? यह अचानक इतनी उत्सुकता तुममें क्यों है? तुम क्या करने जा रहे हो?’ ‘सक्रिय रहना: जितना हो सके उतना सक्रिय। और सबसे पहले मुझे आपसे विनती करनी होगी कि हन्ना को छुट्टी दे दें, और किसी और को आपकी सेवा में लगा दें।’ ‘क्या आप उसे चाहते हैं?’ ‘हाँ, मेरे साथ मूर हाउस जाने के लिए। डायना और मैरी एक हफ्ते में घर आ जाएँगी, और मैं उनके आने से पहले सब कुछ व्यवस्थित रखना चाहता हूँ।’ ‘मैं समझ गया। मुझे लगा था कि आप किसी सैर पर जाने वाले हैं। ऐसा ही बेहतर है: हन्ना आपके साथ जाएगी।’ ‘उसे कह देना कि वह कल तक तैयार रहे; और यह रही स्कूल के कमरे की चाबी: मैं आपको सुबह अपनी कुटिया की चाबी दे दूँगा।’ उसने चाबी ले ली। ‘तुम इसे बड़ी खुशी से दे रहे हो,’ उसने कहा; ‘मुझे आपकी इस सहजता का कुछ समझ नहीं आ रहा, क्योंकि मैं यह नहीं बता सकता कि आप जिस नौकरी को छोड़ रहे हैं, उसके बदले में आप कौन सा काम करने का प्रस्ताव रख रहे हैं। अब आपके जीवन का क्या लक्ष्य, क्या उद्देश्य, क्या महत्वाकांक्षा है?’ ‘मेरा पहला लक्ष्य होगा (क्या आप इस अभिव्यक्ति का पूरा अर्थ समझ रहे हैं?) मूर हाउस को कमरे से तहखाने तक पूरी तरह साफ करना; मेरा दूसरा लक्ष्य होगा इसे मोम, तेल और अनगिनत कपड़ों से तब तक रगड़ना जब तक यह फिर से चमकने न लगे; मेरा तीसरा लक्ष्य होगा हर कुर्सी, मेज, बिस्तर, कालीन को गणितीय सटीकता से व्यवस्थित करना; उसके बाद मैं हर कमरे में अच्छी आग जलाने के लिए आपको कोयले और पीट से लगभग बर्बाद कर दूंगा; और अंत में, जिस दिन आपकी बहनों के आने की उम्मीद है, उससे पहले के दो दिन हन्ना और मैं अंडे फेंटने, किशमिश छांटने, मसाले पीसने, क्रिसमस केक बनाने, मिन्स-पाई के लिए सामग्री काटने और अन्य पाक संबंधी अनुष्ठानों में इस तरह से बिताएंगे कि शब्दों से आप जैसे अनभिज्ञ व्यक्ति को इसका अपर्याप्त वर्णन ही हो सकता है। संक्षेप में, मेरा उद्देश्य अगले गुरुवार से पहले डायना और मैरी के लिए सभी चीजों को पूरी तरह

से तैयार रखना है; और मेरी महत्वाकांक्षा है कि जब वे आएं तो उनका भव्य स्वागत किया जाए।' सेंट जॉन थोड़ा मुस्कुराए: फिर भी वे असंतुष्ट थे। 'फिलहाल तो सब ठीक है,' उन्होंने कहा; लेकिन सच कहूँ तो, मुझे उम्मीद है कि जब जीवन का शुरुआती जोश खत्म हो जाएगा, तो तुम घरेलू सुख-सुविधाओं और घरेलू आनंद से कहीं ऊपर की ओर देखोगी।' "दुनिया की सबसे अच्छी चीजें!" मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा। "नहीं, जेन, नहीं: यह दुनिया सुख-सुविधाओं का स्थान नहीं है; इसे ऐसा बनाने की कोशिश मत करो: न ही आराम का; आलसी मत बनो।"

जेन आयर 371 —— ——_——_ 'मेरा मतलब है, इसके विपरीत, व्यस्त रहना।' 'जेन, मैं तुम्हें अभी के लिए माफ़ करता हूँ: मैं तुम्हें तुम्हारी नई स्थिति का पूरा आनंद लेने और इस नए रिश्ते के आकर्षण से खुद को खुश करने के लिए दो महीने की मोहलत देता हूँ; लेकिन फिर, मुझे उम्मीद है कि तुम मूर हाउस और मॉर्टन, और बहन जैसी संगति, और सभ्य समृद्धि की स्वार्थी शांति और कामुक सुख से परे देखना शुरू करोगी। मुझे उम्मीद है कि तब तुम्हारी ऊर्जा एक बार फिर अपनी पूरी ताकत से तुम्हें चुनौती देगी।' मैंने आश्चर्य से उसकी ओर देखा। 'सेंट जॉन,' मैंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह बात करना लगभग दुष्टता है। मैं एक रानी की तरह संतुष्ट रहना चाहती हूँ, और तुम मुझे बेचैन करने की कोशिश कर रहे हो!' किसलिए?' "उन प्रतिभाओं का लाभ उठाने के लिए जो ईश्वर ने तुम्हें सौंपी हैं; और जिनका हिसाब वह एक दिन अवश्य ही लेगा। जेन, मैं तुम्हें ध्यान से और चिंता से देखूंगी—मैं तुम्हें पहले ही आगाह कर रही हूं। और घर के साधारण सुखों में जिस हद तक तुम डूबी रहती हो, उस पर थोड़ा संयम रखो। शारीरिक बंधनों से इतनी मजबूती से मत चिपको; अपनी निष्ठा और उत्साह को किसी उचित उद्देश्य के लिए बचाकर रखो; उन्हें तुच्छ क्षणभंगुर वस्तुओं पर व्यर्थ मत करो। क्या तुम सुन रही हो, जेन?' "हाँ; मानो तुम यूनानी भाषा बोल रही हो। मुझे लगता है कि मेरे पास खुश रहने का पर्याप्त कारण है, और मैं खुश रहूंगी। अलविदा!" मूर हाउस में मैं खुश थी, और खूब मेहनत करती थी; और हन्ना भी: वह यह देखकर मुग्ध थी कि अस्त-व्यस्त घर की भागदौड़ में भी मैं कितनी खुशमिजाज रह सकती थी—मैं कैसे झाड़ू लगा सकती थी, धूल झाड़ सकती थी, सफाई कर सकती थी और खाना बना सकती थी। और सच में, एक-दो दिन की उथल-पुथल के बाद, धीरे-धीरे उस अव्यवस्था को व्यवस्थित करना सुखद था जो हमने खुद पैदा की थी। मैं पहले कुछ नया फर्नीचर खरीदने के लिए S—— गया था: मेरे चचेरे भाइयों ने मुझे

मनचाहे बदलाव करने की पूरी छूट दे दी थी, और इसके लिए एक राशि अलग रखी गई थी। मैंने साधारण बैठक और शयनकक्षों को लगभग वैसे ही छोड़ दिया: क्योंकि मैं जानता था कि डायना और मैरी को सबसे आधुनिक चीजों के तमाशे से ज़्यादा पुराने सादे मेज, कुर्सियाँ और बिस्तर देखकर आनंद आएगा। फिर भी, कुछ नयापन ज़रूरी था, ताकि उनके लौटने पर वह ताजगी महसूस हो जो मैं चाहता था। गहरे रंग के सुंदर नए कालीन और पर्दे, चीनी मिट्टी और कांसे के कुछ सावधानीपूर्वक चुने गए प्राचीन सजावटी सामानों की व्यवस्था, नए कवर, दर्पण और ड्रेसिंग केस, और टॉयलेट टेबल के लिए नए ड्रेसिंग केस - ये सब मिलकर इस उद्देश्य को पूरा करते हैं: वे चकाचौंध भरे बिना ताज़ा दिखते हैं। मैंने एक अतिरिक्त बैठक और शयनकक्ष को पूरी तरह से नए सिरे से सजाया, जिसमें पुरानी महोगनी और गहरे लाल रंग की गद्दी लगाई: मैंने दरवाजे पर कैनवास बिछाया।

372 जेन आयर कोएनन सेज, और सीढ़ियों पर कालीन। जब सब काम पूरा हो गया, तो मुझे लगा कि मूर हाउस अंदर से उज्ज्वल, सादगीपूर्ण और आरामदायक माहौल का एक पूर्ण आदर्श है, जैसा कि इस मौसम में बाहर से सर्द वीरान और रेगिस्तानी उदासी का नमूना था। आखिरकार वह घटनापूर्ण गुरुवार आ गया। उनके अंधेरा होने तक आने की उम्मीद थी, और शाम होते-होते ऊपर और नीचे आग जला दी गई; रसोई पूरी तरह से सजी हुई थी; हन्ना और मैं तैयार थे, और सब कुछ तैयार था। सेंट जॉन सबसे पहले पहुंचे। मैंने उनसे अनुरोध किया था कि जब तक सब कुछ व्यवस्थित न हो जाए, वे घर से बिल्कुल दूर रहें: और वास्तव में, घर की दीवारों के भीतर चल रहे शोरगुल, जो एक साथ घिनौना और तुच्छ था, के मात्र विचार ने ही उन्हें इतना डरा दिया कि वे मुझसे दूर हो गए। उन्होंने मुझे रसोई में पाया, चाय के लिए बन रहे कुछ केक की प्रगति को देखते हुए, जो उस समय पक रहे थे। चूल्हे के पास आकर उन्होंने पूछा, 'क्या मैं अंत में नौकरानी के काम से संतुष्ट हूँ?' मैंने उन्हें अपने काम के परिणाम का एक सामान्य निरीक्षण करने के लिए मेरे साथ आने का निमंत्रण देकर उत्तर दिया। बड़ी मुश्किल से मैंने उन्हें घर का दौरा करवाया। मैंने जो दरवाजे खोले, उन्होंने बस अंदर झाँका; और जब वे ऊपर-नीचे घूम चुके, तो उन्होंने कहा कि इतने कम समय में इतने बड़े बदलाव करने के लिए मुझे बहुत थकान और मेहनत करनी पड़ी होगी: लेकिन उन्होंने अपने घर के बदले हुए रूप पर खुशी जताते हुए एक शब्द भी नहीं कहा। इस चुप्पी ने मुझे निराश कर दिया। मैंने सोचा कि शायद इन बदलावों ने उनकी

कुछ पुरानी यादों को ठेस पहुँचाई हो, जिन्हें वे बहुत महत्व देते थे। मैंने उनसे पूछा कि क्या ऐसा है: शायद कुछ उदास स्वर में। “बिल्कुल नहीं; इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि मैंने हर याद का पूरी तरह से सम्मान किया है: उन्हें डर है कि मैंने इस मामले पर जरूरत से ज्यादा सोचा होगा। उदाहरण के लिए, मैंने इस कमरे की व्यवस्था का अध्ययन करने में कितने मिनट लगाए होंगे?—वैसे, क्या मैं उन्हें बता सकता हूँ कि वह किताब कहाँ है?” मैंने उसे शेल्फ पर रखी किताब दिखाई: उसने उसे नीचे उतारा और अपनी जानी-पहचानी खिड़की के कोने में जाकर उसे पढ़ने लगा। अब, पाठक, मुझे यह बात पसंद नहीं आई। सेंट जॉन एक अच्छे इंसान थे; लेकिन मुझे लगने लगा कि जब उन्होंने खुद को कठोर और भावहीन कहा था, तो उन्होंने अपने बारे में सच ही कहा था। जीवन के मानवीय और सुख-सुविधाओं में उनकी कोई रुचि नहीं थी—इसके शांतिपूर्ण आनंदों में कोई आकर्षण नहीं था। सचमुच, वे केवल आकांक्षाओं के लिए जीते थे—निश्चित रूप से अच्छाई और महानता की आकांक्षाओं के लिए; लेकिन फिर भी वे कभी आराम नहीं करते थे, न ही अपने आसपास दूसरों को आराम करते देखना पसंद करते थे। जब मैंने उनके ऊंचे माथे को देखा, जो सफेद पत्थर की तरह स्थिर और पीला था—उनकी सुंदर आकृतियाँ स्थिर थीं

—मुझे एक पल में समझ आ गया कि वह शायद ही एक अच्छा पति बन पाएगा: उसकी पत्नी होना एक कठिन अनुभव होगा। मुझे मानो प्रेरणा से, मिस ओलिवर के प्रति उसके प्रेम का स्वरूप समझ आया; मैं उससे सहमत थी कि यह केवल इंद्रियों का प्रेम था। मैं समझ गई कि वह इस प्रेम के उस तीव्र प्रभाव के कारण स्वयं से कितना घृणा करता होगा; वह इसे कैसे दबाना और नष्ट करना चाहता होगा; वह इस बात पर कितना अविश्वास करता होगा कि यह कभी भी उसकी या उसकी खुशी में स्थायी रूप से योगदान देगा। मैंने देखा कि वह उस सामग्री से बना था जिससे प्रकृति अपने नायकों—ईसाई और गैर-ईसाई—अपने विधि निर्माताओं, अपने राजनेताओं, अपने विजेताओं को गढ़ती है: महान हितों के लिए एक दृढ़ आधार; लेकिन, घर में, अक्सर एक ठंडा, बोझिल स्तंभ, उदास और बेमेल। “यह बैठक कक्ष उसका क्षेत्र नहीं है,” मैंने मन ही मन सोचा: “हिमालय की पर्वत श्रृंखला या कैफ्रे की झाड़ियाँ, यहाँ तक कि महामारी से ग्रस्त गिनी तट का दलदल भी उसके लिए अधिक उपयुक्त होगा। भले ही वह घरेलू जीवन की शांति को त्याग दे, लेकिन यह उसके लिए उपयुक्त नहीं है: वहाँ

उसकी प्रतिभाएँ अवरुद्ध हो जाती हैं—वे विकसित नहीं हो पातीं या लाभप्रद रूप से प्रकट नहीं हो पातीं। संघर्ष और खतरे के दृश्यों में—जहाँ साहस सिद्ध होता है, ऊर्जा का प्रयोग होता है और धैर्य की परीक्षा होती है—वह एक नेता और श्रेष्ठ के रूप में बोलेगा और आगे बढ़ेगा। इस चूल्हे पर एक हंसमुख बच्चा उससे कहीं अधिक श्रेष्ठ होगा। उसने मिशनरी का करियर चुनकर सही किया है—अब मुझे यह समझ आ रहा है।" "वे आ रहे हैं! वे आ रहे हैं!" हन्ना ने बैठक कक्ष का दरवाजा खोलते हुए चिल्लाया। उसी क्षण बूढ़ा कार्लो खुशी से भौंका। मैं बाहर भागा। अब अंधेरा हो चुका था; लेकिन पहियों की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही थी। हन्ना ने जल्द ही एक लालटेन जला ली। वाहन विकेट पर रुक गया था; चालक ने दरवाजा खोला: पहले एक परिचित चेहरा, फिर दूसरा, बाहर निकला। एक मिनट में मेरा चेहरा उनकी टोपी के नीचे था, पहले मैरी के कोमल गाल से, फिर डायना के लहराते बालों से। वे हँसे—मुझे चूमा—फिर हन्ना ने: कार्लो को थपथपाया, जो खुशी से पागल हो रहा था; उत्सुकता से पूछा कि सब ठीक है या नहीं; और हाँ में जवाब मिलने पर, जल्दी से घर के अंदर चले गए। वे व्हिटक्रॉस से लंबी और झटकेदार यात्रा से थके हुए थे, और ठंडी रात की हवा से काँप रहे थे; लेकिन उनके चेहरे पर खुशी की चमक आ गई जब आग की रोशनी ने उन्हें और भी खुश कर दिया। जब ड्राइवर और हन्ना बक्से अंदर लाए, तो उन्होंने सेंट जॉन को बुलाया। उसी क्षण वह बैठक से आगे बढ़ा। दोनों ने एक साथ अपनी बाहें उसकी गर्दन में डाल दीं। उसने दोनों को धीरे से चूमा, धीमी आवाज़ में स्वागत के कुछ शब्द कहे, थोड़ी देर बात करने के लिए खड़ा रहा, और फिर, यह इशारा करते हुए कि उसे लगता है कि वे जल्द ही बैठक में उससे मिलेंगे, वहाँ शरण लेने के लिए चला गया। मैंने ऊपर जाने के लिए उनकी मोमबत्तियाँ जला दी थीं, लेकिन डायना को पहले जाना था।

374 जेन आयर ———————— मैंने ड्राइवर के लिए आतिथ्य सत्कार संबंधी आदेश दिए; ऐसा करने के बाद, दोनों मेरे पीछे-पीछे आईं। वे अपने कमरों के नवीनीकरण और सजावट से बहुत प्रसन्न थीं; नए पर्दों, ताज़े कालीनों और रंग-बिरंगे चीनी मिट्टी के फूलदानों से: उन्होंने अपनी संतुष्टि निःसंकोच व्यक्त की। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि मेरी व्यवस्थाएँ उनकी इच्छाओं के अनुरूप थीं, और मैंने जो किया था उससे उनकी आनंदमय घर वापसी में एक अलग ही आकर्षण जुड़ गया था। वह शाम बहुत मधुर थी। मेरी चचेरी बहनें, उत्साह से भरी हुई, अपनी बातों और

टिप्पणियों में इतनी वाक्पटु थीं कि उनकी धाराप्रवाहता ने सेंट जॉन की मौनता को ढक लिया: वह अपनी बहनों को देखकर वास्तव में खुश था; लेकिन उनके उत्साह और आनंद के प्रवाह में वह सहानुभूति नहीं दिखा सका। उस दिन की घटना—अर्थात डायना और मैरी की वापसी—ने उसे प्रसन्न किया; लेकिन उस आयोजन के साथ-साथ होने वाली खुशनुमा हलचल, स्वागत की बकबक और उल्लास भरी बातें उन्हें परेशान कर रही थीं: मैंने देखा कि वे शांत कल के आने की कामना कर रहे थे। रात के आनंद के चरम पर, चाय के लगभग एक घंटे बाद, दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी। हन्ना ने यह सूचना देते हुए प्रवेश किया कि 'एक बेचारा लड़का उस अजीब समय पर श्री रिवर्स को उनकी माँ से मिलने के लिए लेने आया है, जो मृत्यु के करीब हैं।' 'वह कहाँ रहती हैं, हन्ना?' 'व्हिटक्रॉस ब्रो में, लगभग चार मील दूर, और पूरा रास्ता दलदल और काई से भरा है।' 'उन्हें बता दो कि मैं जाऊँगी।' 'मुझे यकीन है, महोदय, बेहतर होगा कि आप न जाएँ। अंधेरा होने के बाद यात्रा करने के लिए यह सबसे खराब रास्ता है: दलदल पर कोई पगडंडी नहीं है। और फिर वह रात इतनी ठंडी होती है - इतनी तेज़ हवा आपने कभी महसूस नहीं की होगी। बेहतर होगा कि आप संदेश भेज दें, महोदय, कि आप सुबह वहाँ पहुँच जाएँगे।' लेकिन वह पहले ही गलियारे में अपना लबादा ओढ़ रहे थे; और बिना किसी आपत्ति या बड़बड़ाहट के, वह चले गए। तब नौ बज रहे थे: वह आधी रात तक नहीं लौटे। वह काफी भूखे और थके हुए थे: लेकिन वह निकलते समय की तुलना में अधिक खुश दिख रहे थे। उन्होंने कर्तव्य का पालन किया था; प्रयास किया था; अपनी क्षमता को महसूस किया था। इनकार करने के बाद, उसका अपने आप से बेहतर रिश्ता बन गया। मुझे डर है कि अगले पूरे सप्ताह ने उसके धैर्य की परीक्षा ली। यह क्रिसमस का सप्ताह था: हमने कोई निश्चित काम नहीं किया, बल्कि इसे एक तरह की आनंदमय घरेलू मौज-मस्ती में बिताया। दलदली भूमि की हवा, घर की आज़ादी, समृद्धि की सुबह, डायना और मैरी के मन पर किसी जीवनदायिनी अमृत की तरह असर कर रही थी: वे सुबह से दोपहर तक और दोपहर से रात तक खुश रहती थीं। वे हमेशा बातें कर सकती थीं; और उनकी हास्यपूर्ण, सारगर्भित और मौलिक बातें मुझे इतनी भाती थीं कि मैं उन्हें सुनना और उनमें हिस्सा लेना पसंद करता था।

शायद ही कभी घर में रहते थे; उनका पैरिश बड़ा था, आबादी बिखरी हुई थी, और वे इसके विभिन्न जिलों में बीमारों और गरीबों से मिलने में अपना दैनिक कार्य पूरा करते थे। एक सुबह नाश्ते के समय, डायना, कुछ मिनटों तक थोड़ी उदास दिखने के बाद, उनसे पूछा, 'क्या उनकी योजनाएँ अभी भी अपरिवर्तित हैं?' उत्तर था, 'अपरिवर्तित और अपरिवर्तनीय।' और उन्होंने हमें सूचित किया कि इंग्लैंड से उनका प्रस्थान अब अगले वर्ष के लिए निश्चित रूप से तय हो गया है। 'और रोज़ामंड ओलिवर?' मैरी ने सुझाव दिया, शब्द उसके होठों से अनजाने में निकले प्रतीत हुए: क्योंकि जैसे ही उसने उन्हें कहा, उसने एक इशारा किया जैसे उन्हें वापस लेना चाहती हो। सेंट जॉन के हाथ में एक किताब थी—भोजन के समय पढ़ना उनकी असामाजिक आदत थी—उन्होंने उसे बंद किया और ऊपर देखा। “रोसामंड ओलिवर,” उन्होंने कहा, “श्री ग्रैनबी से शादी करने वाली हैं, जो एस— के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित निवासियों में से एक हैं, सर फ्रेडरिक ग्रैनबी के पोते और उत्तराधिकारी हैं: मुझे यह खबर कल उनके पिता से मिली।” उनकी बहनों ने एक-दूसरे को और मुझे देखा; हम तीनों ने उन्हें देखा: वे एकदम शांत थे। “यह रिश्ता जल्दबाजी में तय हुआ होगा,” डायना ने कहा: “वे एक-दूसरे को लंबे समय से नहीं जानते होंगे।” “सिर्फ दो महीने: वे अक्टूबर में एस— में काउंटी बॉल में मिले थे। लेकिन जहां विवाह में कोई बाधा नहीं है, जैसा कि इस मामले में है, जहां रिश्ता हर तरह से वांछनीय है, वहां देरी होना स्वाभाविक है।” अनावश्यक: उनकी शादी तब होगी जब सर फ्रेडरिक द्वारा उन्हें दिए गए एस—— प्लेस को उनके स्वागत के लिए तैयार कर लिया जाएगा।’ इस संदेश के बाद जब मैंने पहली बार सेंट जॉन को अकेले पाया, तो मुझे उनसे यह पूछने का मन हुआ कि क्या इस घटना से उन्हें दुख हुआ है: लेकिन ऐसा लगा कि उन्हें सहानुभूति की इतनी कम आवश्यकता है कि उन्हें और अधिक सहानुभूति देने की हिम्मत करने के बजाय, मुझे अपने द्वारा किए गए प्रयास पर शर्मिंदगी महसूस हुई। इसके अलावा, मुझे उनसे बात करने का अभ्यास नहीं था: उनका संकोच फिर से जम गया था, और मेरी स्पष्टवादिता उसके नीचे दब गई थी। उन्होंने मुझे अपनी बहनों की तरह मानने का अपना वादा नहीं निभाया था; वह लगातार हमारे बीच छोटे-छोटे, ठंडे अंतर पैदा करते रहते थे, जिससे सौहार्द का विकास बिल्कुल नहीं होता था: संक्षेप में, अब जब मुझे उनकी रिश्तेदार मान लिया गया था, और मैं उनके साथ एक ही छत के नीचे रहती थी, तो मुझे हमारे बीच की दूरी उस समय की तुलना में कहीं अधिक महसूस हुई जब वह मुझे केवल

गाँव की शिक्षिका के रूप में जानते थे। जब मुझे याद आया कि एक समय मैं उनके कितने करीब थी

आत्मविश्वास के साथ, मैं उनकी वर्तमान उदासीनता को मुश्किल से समझ पा रही थी। ऐसे में, मुझे बहुत आश्चर्य हुआ जब उन्होंने अचानक उस मेज से अपना सिर उठाया जिस पर वे झुके हुए थे, और कहा— 'देखो, जेन, लड़ाई लड़ी जा चुकी है और जीत हासिल हो चुकी है।' इस तरह संबोधित किए जाने पर चौंककर, मैंने तुरंत जवाब नहीं दिया: एक पल की झिझक के बाद मैंने उत्तर दिया— 'लेकिन क्या आपको यकीन है कि आप उन विजेताओं की स्थिति में नहीं हैं जिनकी जीत की कीमत उन्हें बहुत भारी पड़ी है? क्या ऐसी दूसरी जीत आपको बर्बाद नहीं कर देगी?' 'मुझे नहीं लगता; और अगर मैं होती भी, तो इसका कोई खास महत्व नहीं है; मुझे कभी भी ऐसी दूसरी जीत के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं होगी। 'संघर्ष का परिणाम निर्णायक है: मेरा रास्ता अब साफ है; मैं इसके लिए ईश्वर का धन्यवाद करती हूँ!' इतना कहकर, वे अपने कागजों और अपनी चुप्पी में लौट गए। जैसे-जैसे हमारी आपसी खुशी (यानी डायना, मैरी और मेरी) शांत होती गई और हम अपनी रोज़मर्रा की आदतों और नियमित पढ़ाई में लौट आए, सेंट जॉन घर पर ही ज़्यादा रहने लगे: वे हमारे साथ एक ही कमरे में बैठते, कभी-कभी घंटों तक। मैरी चित्रकारी करती, डायना ज्ञानकोशीय अध्ययन में लगी रहती, जिसे उन्होंने (मेरे आश्चर्य और विस्मय के साथ) शुरू किया था, और मैं जर्मन भाषा का अध्ययन करता रहता, वे अपने ही किसी रहस्यमय ज्ञान में लीन रहते: किसी पूर्वी भाषा का ज्ञान, जिसे वे अपनी योजनाओं के लिए आवश्यक समझते थे। इस तरह मग्न होकर वे अपने एकांत में शांत और तल्लीन दिखाई देते; लेकिन उनकी नीली आँखें अक्सर उस विचित्र दिखने वाले व्याकरण से हटकर हम सहपाठियों पर टिक जातीं और कभी-कभी हमें बड़ी उत्सुकता से देखतीं: अगर कोई उन्हें देख लेता, तो वे तुरंत अपनी नज़रें हटा लेते; फिर भी बार-बार हमारी मेज़ पर लौट आतीं। मैं सोचती थी कि इसका क्या मतलब है: मैं इस बात पर भी हैरान होती थी कि वह हर उस मौके पर कितनी तत्परता और संतुष्टि दिखाते थे जो मुझे मामूली लगता था, यानी मॉर्टन स्कूल में मेरी साप्ताहिक यात्रा; और मैं तब और भी उलझन में पड़ जाती थी जब, अगर दिन प्रतिकूल होता, बर्फ़बारी होती, बारिश होती, या तेज़ हवा चलती, और उनकी बहनें मुझे न जाने के लिए कहतीं, तो वह हमेशा उनकी चिंता को

नज़रअंदाज़ कर देते और मुझे मौसम की परवाह किए बिना काम पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करते। 'जेन उतनी कमज़ोर नहीं है जितना तुम उसे समझते हो,' वह कहते: 'वह हममें से किसी की तरह ही पहाड़ी हवा, बारिश या बर्फ़ के कुछ टुकड़ों को सहन कर सकती है। उसका शरीर मज़बूत और लचीला है;—कई अधिक मज़बूत लोगों की तुलना में जलवायु परिवर्तन को बेहतर ढंग से सहन करने के लिए उपयुक्त है।' और जब मैं लौटती, कभी-कभी काफ़ी थकी हुई और मौसम की मार झेल चुकी होती, तो मैं कभी शिकायत करने की हिम्मत नहीं करती, क्योंकि मैंने देखा

जेन आयर 377: बड़बड़ाना भी उन्हें चिढ़ाने जैसा होता था: वे हर मौके पर धैर्य को पसंद करते थे; इसके विपरीत उन्हें विशेष रूप से गुस्सा आता था। लेकिन एक दोपहर, मुझे घर पर रहने की छुट्टी मिल गई, क्योंकि मुझे सचमुच सर्दी हो गई थी। उनकी बहनें मेरी जगह मॉर्टन गई थीं: मैं शिलर पढ़ रही थी; वे अपने जटिल प्राच्य ग्रंथों को समझने में लगे थे। जब मैंने एक अनुवाद के बदले एक अभ्यास लिया, तो संयोगवश मेरी नज़र उनकी ओर पड़ी: तभी मैंने खुद को उनकी हमेशा चौकस रहने वाली नीली आँखों के प्रभाव में पाया। वह आँख मुझे कितनी देर से बार-बार, लगातार घूर रही थी, यह मैं बता नहीं सकती: वह इतनी तीक्ष्ण और फिर भी इतनी ठंडी थी कि मुझे उस पल के लिए अंधविश्वास सा महसूस हुआ—जैसे मैं किसी अजीब चीज़ के साथ कमरे में बैठी हूँ। ‘जेन, तुम क्या कर रही हो?’ ‘जर्मन सीख रही हूँ।’ ‘मैं चाहता हूँ कि तुम जर्मन छोड़ दो और हिंदुस्तानी सीखो।’ “क्या तुम सच में ऐसा कह रहे हो?” ‘मैं इतना गंभीर हूँ कि मुझे ऐसा करवाना ही पड़ेगा: और मैं तुम्हें बताता हूँ क्यों।’ फिर उन्होंने आगे बताया कि हिंदुस्तानी वह भाषा है जिसे वे स्वयं इस समय सीख रहे हैं; कि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते हैं, वे शुरुआत को भूल जाते हैं; कि एक शिष्य का होना उनके लिए बहुत मददगार होगा जिसके साथ वे बार-बार मूल तत्वों को दोहरा सकें और उन्हें अपने मन में अच्छी तरह से बिठा सकें; कि उनका चुनाव कुछ समय से मेरे और अपनी बहनों के बीच दुविधा में था; लेकिन उन्होंने मुझे चुना क्योंकि उन्होंने देखा कि मैं तीनों में सबसे लंबे समय तक किसी काम पर बैठ सकती हूँ। क्या मैं उनकी यह मदद करूँगी? शायद मुझे यह त्याग ज्यादा लंबा नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि अब उनके जाने में केवल तीन महीने बचे थे। सेंट जॉन को आसानी से मना नहीं किया जा सकता था: ऐसा लगता था कि उन पर पड़ने वाला हर प्रभाव, चाहे वह सुख हो या दुख, गहरा और स्थायी होता था। मैंने सहमति दे दी। जब डायना और मैरी लौटीं, तो डायना ने

पाया उसका शिष्य उससे हटकर उसके भाई के पास चला गया: वह हँसी, और वह और मैरी दोनों इस बात पर सहमत थीं कि सेंट जॉन को उन्हें ऐसा कदम उठाने के लिए कभी राजी नहीं करना चाहिए था। उसने शांत भाव से उत्तर दिया— 'मुझे पता है।' मैंने उसे बहुत धैर्यवान, बहुत सहनशील, और फिर भी एक सख्त गुरु पाया: वह मुझसे बहुत कुछ करने की अपेक्षा करता था; और जब मैंने उसकी अपेक्षाओं को पूरा किया, तो उसने अपने तरीके से अपनी स्वीकृति पूरी तरह से व्यक्त की। धीरे-धीरे, उसने मुझ पर एक ऐसा प्रभाव डाल दिया जिसने मेरी मानसिक स्वतंत्रता छीन ली: उसकी प्रशंसा और ध्यान उसकी उदासीनता से कहीं अधिक प्रतिबंधात्मक थे। जब वह आस-पास होता था तो मैं अब खुलकर बात या हँस नहीं सकता था, क्योंकि एक थकाऊ और आग्रहपूर्ण प्रवृत्ति मुझे याद दिलाती रहती थी कि जीवंतता (
 (कम से कम मुझमें) उन्हें नापसंद थी। मैं पूरी तरह से जानती थी कि केवल गंभीर मनोदशा और कार्य ही स्वीकार्य थे, इसलिए उनकी उपस्थिति में किसी भी अन्य चीज़ को बनाए रखने या उसका अनुसरण करने का हर प्रयास व्यर्थ हो जाता था: मैं एकदम जम जाती थी। जब वह कहते 'जाओ', मैं जाती; 'आओ', मैं आती; 'यह करो', मैं करती। लेकिन मुझे अपनी गुलामी पसंद नहीं थी: कई बार मेरी इच्छा होती थी कि वह मुझे नज़रअंदाज़ करते रहें। एक शाम जब सोने के समय, उनकी बहनें और मैं उनके चारों ओर खड़ी होकर उन्हें शुभ रात्रि कह रही थीं, तो उन्होंने अपनी आदत के अनुसार उनमें से प्रत्येक को चूमा; और, अपनी आदत के अनुसार, उन्होंने मुझे अपना हाथ दिया। डायना, जो संयोग से चंचल मनोदशा में थी (वह उनकी इच्छा से बुरी तरह बंधी नहीं थी; क्योंकि उसकी इच्छा, दूसरे तरीके से, उतनी ही मजबूत थी), चिल्लाई - 'सेंट जॉन! आप जेन को अपनी तीसरी बहन कहते थे, लेकिन आप उसके साथ ऐसा व्यवहार नहीं करते: आपको उसे भी चूमना चाहिए।' उसने मुझे उनकी ओर धकेल दिया। मुझे डायना बेहद उत्तेजक लगी और मैं असहज रूप से उलझन में पड़ गई; और जब मैं इस तरह सोच-विचार कर रही थी, तभी सेंट जॉन ने अपना सिर झुकाया; उनका यूनानी चेहरा मेरे चेहरे के सामने आ गया, उनकी आँखें मेरी आँखों में तीक्ष्णता से प्रश्न कर रही थीं—उन्होंने मुझे चूमा। संगमरमर जैसे या बर्फीले चुंबन जैसी कोई चीज़ नहीं होती, वरना मैं कहूँगी कि मेरे पादरी चचेरे भाई का अभिवादन इन्हीं श्रेणियों में से एक था; लेकिन प्रयोग के तौर पर किए गए चुंबन ज़रूर होते हैं, और उनका चुंबन एक प्रयोग के तौर पर किया गया चुंबन था। चुंबन देने के बाद, उन्होंने परिणाम

जानने के लिए मेरी ओर देखा; यह कोई खास नहीं था: मुझे यकीन है कि मैं शरमाई नहीं; शायद मैं थोड़ी पीली पड़ गई थी, क्योंकि मुझे ऐसा लगा जैसे यह चुंबन मेरी बेड़ियों पर लगी मुहर हो। इसके बाद उन्होंने कभी भी यह रस्म नहीं छोड़ी, और जिस गंभीरता और शांति से मैंने इसे सहन किया, उससे उनके लिए इसमें एक विशेष आकर्षण आ गया। जहाँ तक मेरी बात है, मैं रोज़ाना उन्हें और अधिक प्रसन्न करने की इच्छा रखती थी; लेकिन ऐसा करने के लिए, मुझे प्रतिदिन यह महसूस होता जा रहा था कि मुझे अपने आधे स्वभाव को त्यागना होगा, अपनी आधी क्षमताओं को दबाना होगा, अपनी रुचियों को उनके मूल स्वरूप से अलग करना होगा, और खुद को उन कामों को अपनाने के लिए मजबूर करना होगा जिनके लिए मुझमें कोई स्वाभाविक रुचि नहीं थी। वह मुझे उस ऊँचाई तक पहुँचाना चाहते थे जहाँ मैं कभी नहीं पहुँच सकती थी; उनके द्वारा निर्धारित आदर्शों तक पहुँचने की आकांक्षा मुझे हर घंटे पीड़ा देती थी। यह उतना ही असंभव था जितना कि मेरे अनियमित चेहरे को उनके सटीक और आदर्श स्वरूप में ढालना, मेरी परिवर्तनशील हरी आँखों को उनकी आँखों की तरह समुद्र-नीला रंग और गंभीर चमक देना। हालाँकि, केवल उनका प्रभुत्व ही मुझे इस समय वश में नहीं रखे हुए था। हाल ही में मेरे लिए उदास दिखना आसान हो गया था: मेरे दिल में एक घातक बुराई घर कर गई थी और मेरी खुशी को जड़ से खत्म कर रही थी—असंतोष की बुराई। शायद आपको लगता है कि इन स्थान और भाग्य के परिवर्तनों के बीच मैं श्री रोचेस्टर को भूल गई थी, पाठक। बिलकुल नहीं।

जेन आयर 379 उनका विचार अब भी मेरे मन में बसा हुआ था, क्योंकि यह कोई धुंध नहीं थी जिसे धूप बिखेर दे, न ही रेत से बनी कोई आकृति जिसे तूफान मिटा दे; यह एक नाम था जो एक शिला पर खुदा हुआ था, जिसका अस्तित्व उस संगमरमर के साथ बना रहना तय था जिस पर वह खुदा था। उनके बारे में जानने की लालसा हर जगह मेरा पीछा करती थी; जब मैं मॉर्टन में थी, तो हर शाम अपनी कुटिया में लौटकर उसी के बारे में सोचती थी; और अब मूर हाउस में, मैं हर रात अपने शयनकक्ष में जाकर उसी के बारे में सोचती रहती थी। वसीयत के संबंध में श्री ब्रिग्स के साथ अपने आवश्यक पत्राचार के दौरान, मैंने उनसे पूछा था कि क्या उन्हें श्री रोचेस्टर के वर्तमान निवास और स्वास्थ्य के बारे में कुछ पता है; लेकिन, जैसा कि सेंट जॉन ने अनुमान लगाया था, उन्हें उनके बारे में कुछ भी पता नहीं था। तब मैंने श्रीमती फेयरफैक्स को पत्र लिखकर इस विषय पर जानकारी मांगी। मुझे पूरा विश्वास था कि यह कदम मेरी

इच्छा पूरी कर देगा: मुझे यकीन था कि इससे जल्द ही जवाब मिल जाएगा। मुझे आश्चर्य हुआ जब दो सप्ताह बीत गए और कोई जवाब नहीं आया; लेकिन जब दो महीने बीत गए, और दिन-ब-दिन डाक आती रही और मेरे लिए कुछ नहीं लाती रही, तो मैं घोर चिंता में डूब गया। मैंने फिर से लिखा: शायद मेरा पहला पत्र गुम हो गया था। नए प्रयास के बाद नई आशा जगी: कुछ हफ्तों तक वह पहले की तरह चमकी, फिर उसी तरह फीकी पड़ गई, टिमटिमा गई: एक भी पंक्ति, एक भी शब्द मुझ तक नहीं पहुँचा। जब आधा साल व्यर्थ की उम्मीद में बीत गया, तो मेरी आशा भी खत्म हो गई, और तब मैं सचमुच अंधकार में डूब गया। मेरे चारों ओर एक सुहाना वसंत ऋतु चमक रही थी, जिसका मैं आनंद नहीं ले सका। गर्मी का मौसम आ रहा था; डायना ने मुझे खुश करने की कोशिश की: उसने कहा कि मैं बीमार लग रहा हूँ, और वह मेरे साथ समुद्र तट पर जाना चाहती थी। सेंट जॉन ने इसका विरोध किया; उसने कहा कि मुझे फिजूलखर्ची नहीं चाहिए, मुझे काम चाहिए; मेरा वर्तमान जीवन बहुत उद्देश्यहीन है, मुझे एक लक्ष्य की आवश्यकता है; और, मुझे लगता है, कमियों को पूरा करने के लिए, उसने हिंदुस्तानी के मेरे पाठों को और भी लंबा खींच दिया, और उन्हें पूरा करने के लिए और अधिक ज़ोर देने लगा: और मैं, एक मूर्ख की तरह, उसका विरोध करने के बारे में कभी नहीं सोचा - मैं उसका विरोध नहीं कर सका। एक दिन मैं सामान्य से अधिक उदास मन से पढ़ाई करने आया था; यह उदासी एक गहरी निराशा के कारण थी। हन्ना ने मुझे सुबह बताया था कि मेरे लिए एक पत्र है, और जब मैं उसे लेने नीचे गया, लगभग इस बात से आश्वस्त था कि अंततः मुझे वह खुशखबरी मिल ही गई है जिसका मैं लंबे समय से इंतजार कर रहा था, तो मुझे श्री ब्रिग्स का व्यापारिक संदेश वाला एक मामूली सा नोट ही मिला। इस कड़वी निराशा ने मेरी आँखों से कुछ आँसू निकाल दिए थे; और अब, जब मैं एक भारतीय लेखक के टेढ़े-मेढ़े अक्षरों और अलंकृत वाक्यों को ध्यान से पढ़ रहा था, तो मेरी आँखें फिर से भर आईं। सेंट जॉन ने मुझे पढ़ने के लिए अपने पास बुलाया; पढ़ने का प्रयास करते हुए...

कुछ मिनट इंतज़ार करेंगे, जब तक तुम शांत नहीं हो जाती।' और जब मैं पूरी तेज़ी से अपने सिसकियों को दबा रही थी, वह शांत और धैर्य से अपनी मेज़ पर टिका बैठा रहा, और ऐसा लग रहा था जैसे कोई चिकित्सक वैज्ञानिक दृष्टि से किसी मरीज़ की बीमारी में अपेक्षित और पूरी तरह से समझी गई समस्या को देख रहा हो। अपनी सिसकियों को दबाकर, अपनी आँखें पोंछकर और सुबह तबीयत ठीक न होने के बारे में कुछ बुदबुदाकर, मैंने अपना काम फिर से शुरू किया और उसे पूरा करने में सफल रही। सेंट जॉन ने मेरी और अपनी किताबें समेट लीं, अपनी मेज़ बंद कर दी और कहा — 'अब, जेन, तुम टहलने जाओ; और मेरे साथ।' 'मैं डायना और मैरी को बुलाता हूँ।' 'नहीं; मुझे आज सुबह केवल एक साथी चाहिए, और वह तुम ही होगे। अपने कपड़े पहनो; रसोई के दरवाजे से बाहर जाओ: मार्श ग्लेन के शीर्ष की ओर जाने वाली सड़क पकड़ो: मैं एक पल में तुम्हारे पास आ जाऊँगा।' मैं कोई मध्य मार्ग नहीं जानता: मैंने अपने जीवन में कभी भी कठोर, अपने से विपरीत स्वभाव वाले लोगों के साथ व्यवहार करते समय पूर्ण समर्पण और दृढ़ विद्रोह के बीच कोई मध्य मार्ग नहीं जाना है। मैंने हमेशा एक का निष्ठापूर्वक पालन किया है, उस क्षण तक जब मैं कभी-कभी ज्वालामुखी की तरह उग्र होकर दूसरे में विलीन हो जाता था; और चूंकि न तो वर्तमान परिस्थितियाँ इसकी अनुमति देती थीं, और न ही मेरा वर्तमान मूड मुझे विद्रोह के लिए प्रेरित करता था, इसलिए मैंने सेंट जॉन के निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन किया; और दस मिनट में मैं उनके साथ-साथ घाटी के जंगली रास्ते पर चल रहा था। हवा पश्चिम से आ रही थी: यह पहाड़ियों से होकर आ रही थी, हीथ और सरकंडे की मीठी सुगंध से भरी हुई; आकाश निर्मल नीला था; घाटी से नीचे उतरती धारा, पिछली वसंत ऋतु की बारिश से उफान पर थी, भरपूर और साफ बह रही थी, सूरज की सुनहरी चमक और आकाश के नीलम रंग को पकड़ रही थी। जैसे-जैसे हम आगे बढ़े और पगडंडी से पीछे हटे, हम एक नरम घास पर चले, जो बारीक काई से ढकी और पन्ना हरे रंग की थी, जिस पर छोटे-छोटे सफेद फूल बारीकी से जड़े हुए थे और एक तारे जैसे पीले फूल से सजी हुई थी: इस बीच, पहाड़ियाँ हमें पूरी तरह से घेर लेती हैं; क्योंकि घाटी, अपने शीर्ष की ओर, उनके बिल्कुल केंद्र तक जाती है। 'चलो यहाँ आराम करते हैं,' सेंट जॉन ने कहा, जब हम चट्टानों की एक बटालियन के पहले बचे हुए हिस्सों तक पहुँचे, जो एक प्रकार के दर्रे की रक्षा कर रहे थे, जिसके आगे नाला एक झरने से नीचे गिर रहा था; और जहाँ, अभी भी एक

जेन आयर 381 ईईई —_—_—_—— थोड़ी दूर आगे, पहाड़ ने घास और फूल झाड़ दिए, उस पर केवल बंजर ज़मीन और चट्टानें ही थीं—जहाँ उसने जंगलीपन को बर्बरता में बदल दिया, और ताजगी को उदासी से बदल दिया—जहाँ उसने एकांत की अकेली आशा और मौन के लिए अंतिम शरणस्थल को सहेजा। मैं बैठ गई: सेंट जॉन मेरे पास खड़े थे। उन्होंने दर्रे की ओर और घाटी की ओर देखा; उनकी दृष्टि धारा के साथ बह गई, और फिर उस निर्मल आकाश में लौट आई जिसने उसे रंग दिया था: उन्होंने अपनी टोपी उतार दी, हवा को अपने बालों को सहलाने और माथे को चूमने दिया। ऐसा लग रहा था जैसे वे उस स्थान की आत्मा से जुड़ गए हों: अपनी आँखों से उन्होंने किसी चीज़ को विदाई दी। 'और मैं इसे फिर देखूँगा,' उन्होंने ज़ोर से कहा, 'सपनों में जब मैं गंगा के किनारे सोऊँगा: और फिर एक और दूर के समय में—जब एक और नींद मुझ पर छा जाएगी—एक गहरे झरने के किनारे!' एक अजीब प्रेम के अजीब शब्द! एक सच्चे देशभक्त का अपने वतन के प्रति प्रेम! वह बैठ गया; आधे घंटे तक हम चुप रहे; न उसने मुझसे और न मैंने उससे: वह अंतराल बीतने पर उसने फिर बोलना शुरू किया— 'जेन, मैं छह सप्ताह में जा रहा हूँ; मैंने ईस्ट इंडियामैन जहाज में अपनी सीट बुक कर ली है जो 10 जून को रवाना होगा।' 'ईश्वर आपकी रक्षा करेगा; क्योंकि आपने उसका काम अपने हाथ में लिया है,' मैंने उत्तर दिया। 'हाँ,' उसने कहा, 'यही मेरी महिमा और आनंद है। मैं एक अचूक स्वामी का सेवक हूँ। मैं मानवीय मार्गदर्शन में, अपने कमजोर साथी कीड़ों के दोषपूर्ण नियमों और गलत नियंत्रण के अधीन होकर नहीं जा रहा हूँ: मेरा राजा, मेरा विधि निर्माता, मेरा कप्तान, सर्व-परिपूर्ण है।' मुझे यह अजीब लगता है कि मेरे आस-पास के सभी लोग एक ही झंडे के नीचे एकजुट होने, एक ही कार्य में शामिल होने के लिए उत्सुक नहीं हैं। 'सभी के पास आपकी जैसी क्षमताएँ नहीं हैं, और कमजोरों का बलवानों के साथ चलने की इच्छा रखना मूर्खता होगी।' 'मैं कमजोरों से बात नहीं करता, न ही उनके बारे में सोचता हूँ: मैं केवल उन्हीं से बात करता हूँ जो इस कार्य के योग्य हैं और इसे पूरा करने में सक्षम हैं।' 'वे संख्या में कम हैं, और उन्हें ढूँढ़ना कठिन है।' 'आप सही कहते हैं; लेकिन जब वे मिल जाएँ, तो उन्हें प्रेरित करना, उन्हें प्रयास के लिए प्रोत्साहित करना, उन्हें उनकी प्रतिभाओं और उनके दिए जाने के कारणों को बताना, उनके कानों में स्वर्ग का संदेश देना, उन्हें सीधे ईश्वर की ओर से, उनके चुने हुए लोगों में स्थान देना उचित है।' 'यदि वे वास्तव में इस कार्य के लिए योग्य हैं, तो क्या उनका अपना हृदय ही उन्हें सबसे पहले

यह नहीं बताएगा?' मुझे ऐसा लगा जैसे कोई भयानक जादू मेरे चारों ओर घेरा बना रहा हो और मुझे घेर रहा हो।

मंडरा रहा था: मैं किसी घातक शब्द को सुनने के लिए कांप रही थी जो एक ही पल में जादू को प्रकट और स्थिर कर देगा। 'और तुम्हारा हृदय क्या कहता है?' सेंट जॉन ने पूछा। 'मेरा हृदय मौन है—मेरा हृदय मौन है,' मैंने स्तब्ध और सिहरते हुए उत्तर दिया। 'तो मुझे ही इसके लिए बोलना होगा,' गहरी, निर्दयी आवाज जारी रही। 'जेन, मेरे साथ भारत चलो: मेरी सहायक और सहकर्मी बनकर आओ।' घाटी और आकाश घूम उठे: पहाड़ हिल उठे! ऐसा लगा जैसे मैंने स्वर्ग से कोई बुलावा सुना हो—जैसे मैसेडोनिया के उस दूत की तरह किसी दिव्यदर्शी ने कहा हो, 'आओ और हमारी मदद करो!' लेकिन मैं कोई प्रेरित नहीं थी,—मैं उस दूत को देख नहीं सकती थी,—मैं उसकी पुकार को ग्रहण नहीं कर सकती थी। 'हे संत जॉन!' मैं रोते हुए बोली, 'थोड़ी दया करो!' मैंने उस व्यक्ति से विनती की, जो अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए न तो दया जानता था और न ही पश्चाताप। उसने आगे कहा— 'ईश्वर और प्रकृति ने तुम्हें एक मिशनरी की पत्नी बनने के लिए बनाया है। यह व्यक्तिगत नहीं, बल्कि मानसिक गुण हैं जो उन्होंने तुम्हें दिए हैं: तुम परिश्रम के लिए बनी हो, प्रेम के लिए नहीं। तुम्हें एक मिशनरी की पत्नी बनना ही होगा। तुम मेरी हो जाओगी: मैं तुम्हें अपना मानता हूँ—अपने सुख के लिए नहीं, बल्कि अपने प्रभु की सेवा के लिए।' 'मैं इसके योग्य नहीं हूँ: मुझमें कोई अभिलाषा नहीं है,' मैंने कहा। उसने इन शुरुआती आपत्तियों का पहले से ही अनुमान लगा लिया था: वह इनसे विचलित नहीं हुआ। वास्तव में, जब वह अपने पीछे की चट्टान से टेक लगाकर, अपनी बाहों को अपनी छाती पर मोड़कर और अपने चेहरे को स्थिर रखते हुए बैठा, तो मैंने देखा कि वह एक लंबे और कठिन विरोध के लिए तैयार था, और उसने अंत तक धैर्य बनाए रखने के लिए पर्याप्त धैर्य जमा कर लिया था—हालाँकि, उसने ठान लिया था कि अंत में उसे विजय प्राप्त करनी होगी। "जेन, विनम्रता,' उन्होंने कहा, 'ईसाई सद्गुणों की नींव है: तुम सही कहती हो कि तुम इस कार्य के योग्य नहीं हो। कौन इसके योग्य है? या जिसे सचमुच बुलाया गया है, उसने स्वयं को इस आह्वान के योग्य समझा है? उदाहरण के लिए, मैं तो बस धूल और राख हूँ। संत पॉल के साथ, मैं स्वयं को सबसे बड़ा पापी मानता हूँ; परन्तु मैं अपनी इस व्यक्तिगत नीचता की भावना को अपने ऊपर हावी नहीं होने देता। मैं अपने

मार्गदर्शक को जानता हूँ: कि वह सर्वशक्तिमान होने के साथ-साथ न्यायप्रिय भी है; और यद्यपि उसने एक महान कार्य को पूरा करने के लिए एक कमजोर साधन को चुना है, वह अपनी असीम कृपा से साधन की अपर्याप्तता को पूरा करेगा। मेरी तरह सोचो, जेन—मेरी तरह विश्वास करो। मैं तुमसे युगों के उस चट्टान पर सहारा लेने के लिए कह रहा हूँ: संदेह मत करो कि वह तुम्हारी मानवीय कमजोरी का भार वहन करेगा।' 'मैं मिशनरी जीवन को नहीं समझती: मैंने कभी मिशनरी कार्यों का अध्ययन नहीं किया है।'

ee "मैं, अपनी विनम्रता के साथ, आपकी ज़रूरत की सहायता कर सकती हूँ: मैं आपको पल-पल का काम बता सकती हूँ; हमेशा आपके साथ खड़ी रह सकती हूँ; पल-पल आपकी मदद कर सकती हूँ। शुरुआत में मैं ऐसा कर सकती थी: जल्द ही (क्योंकि मैं आपकी क्षमताओं को जानती हूँ) आप मेरी तरह कुशल और सक्षम हो जाएँगी, और आपको मेरी सहायता की आवश्यकता नहीं होगी। 'पर मेरी क्षमताएँ—इस कार्य के लिए कहाँ हैं? मुझे उनका एहसास नहीं हो रहा है। जब आप बात करती हैं तो मेरे भीतर कुछ भी नहीं बोलता या हलचल पैदा करता है। मुझे न तो कोई प्रकाश प्रज्वलित होता है—न ही जीवन का संचार होता है—न ही कोई आवाज़ सलाह देती है या हौसला बढ़ाती है। ओह, काश मैं आपको दिखा पाती कि इस समय मेरा मन एक किरणहीन कालकोठरी जैसा है, जिसकी गहराई में एक ही डर जकड़ा हुआ है—वह डर कि आप मुझे वह करने के लिए मना लेंगी जो मैं नहीं कर सकती!' 'मेरे पास आपके लिए एक उत्तर है—इसे सुनो। जब से हम पहली बार मिले हैं, तब से मैं आपको देख रही हूँ। मुलाकात: मैंने दस महीनों तक तुम्हें अपने अध्ययन का विषय बनाया है। इस दौरान मैंने अनेक परीक्षाओं द्वारा तुम्हारी परीक्षा ली है: और मैंने क्या देखा और क्या पाया? गाँव के विद्यालय में मैंने पाया कि तुम अपनी आदतों और झुकावों के विपरीत परिश्रम भी समय पर, ईमानदारी से और कुशलता से कर सकते थे; मैंने देखा कि तुम उसे क्षमता और चतुराई से कर सकते थे: तुम नियंत्रण रखते हुए जीत सकते थे। जिस शांति से तुमने जाना कि तुम अचानक अमीर हो गए हो, उसमें मैंने डेमास के अवगुण से मुक्त एक मन देखा: धन का तुम पर कोई अनुचित प्रभाव नहीं था। जिस दृढ़ तत्परता से तुमने अपनी संपत्ति को चार भागों में बाँटा, केवल एक भाग अपने पास रखा और बाकी तीन को अमूर्त न्याय के दावे पर छोड़ दिया, उसमें

मैंने एक ऐसी आत्मा को पहचाना जो त्याग की ज्वाला और उत्साह में डूबी हुई थी। जिस सहजता से तुमने मेरी इच्छा पर उस अध्ययन को छोड़ दिया जिसमें तुम्हारी रुचि थी, और दूसरा इसलिए अपनाया क्योंकि उसमें मेरी रुचि थी; जिस अथक परिश्रम से तुमने तब से उसमें दृढ़ता दिखाई है—जिस अटूट ऊर्जा और अडिग स्वभाव से तुमने मैंने इसकी कठिनाइयों का सामना किया है—मैं उन गुणों की पूर्ति को स्वीकार करता हूँ जिनकी मुझे तलाश है। जेन, तुम आज्ञाकारी, मेहनती, निस्वार्थ, वफादार, स्थिर और साहसी हो; बहुत कोमल और बहुत वीर: खुद पर अविश्वास करना छोड़ दो—मैं तुम पर पूरी तरह भरोसा कर सकता हूँ। भारतीय स्कूलों की संचालक और भारतीय महिलाओं की सहायक के रूप में, तुम्हारी सहायता मेरे लिए अमूल्य होगी।' मेरे चारों ओर लोहे का कफ़न कस गया; अनुनय धीरे-धीरे, दृढ़ कदमों से आगे बढ़ा। अपनी आँखें बंद करने की मेरी इच्छा के बावजूद, उनके इन अंतिम शब्दों ने उस रास्ते को, जो अवरुद्ध प्रतीत हो रहा था, अपेक्षाकृत स्पष्ट कर दिया। मेरा काम, जो इतना अस्पष्ट, इतना निराशाजनक रूप से फैला हुआ प्रतीत हो रहा था, उनके आगे बढ़ने के साथ ही संघनित हो गया और उनके उन्मुख हाथों के नीचे एक निश्चित रूप धारण कर लिया।

384 जेन आयर मैं उत्तर की प्रतीक्षा कर रही थी। मैंने सोचने के लिए पंद्रह मिनट का समय माँगा, फिर मैंने दोबारा उत्तर देने का साहस किया। 'बहुत खुशी से,' उसने उत्तर दिया; और उठकर, वह दर्रे पर थोड़ी दूर चला गया, एक ऊँची झाड़ी पर लेट गया और वहीं शांत हो गया। 'मैं वह कर सकती हूँ जो वह मुझसे करवाना चाहता है: मुझे यह देखना और स्वीकार करना ही होगा,' मैंने मन ही मन सोचा, - 'यदि मेरा जीवन बचा रहे। लेकिन मुझे लगता है कि मेरा जीवन भारतीय धूप में लंबे समय तक जीने लायक नहीं है। तो फिर क्या? उसे इसकी परवाह नहीं है: जब मेरा मरने का समय आएगा, तो वह मुझे पूरी शांति और पवित्रता के साथ उस ईश्वर को सौंप देगा जिसने मुझे जन्म दिया है। मामला मेरे सामने बिल्कुल स्पष्ट है। इंग्लैंड छोड़कर, मैं एक प्रिय लेकिन खाली भूमि को पीछे छोड़ जाऊँगी - श्री रोचेस्टर वहाँ नहीं हैं; और यदि वह होते भी, तो मेरे लिए उसका क्या महत्व है, वह मेरे लिए कभी क्या मायने रख सकता है?' अब मेरा काम उसके बिना जीना है: दिन-प्रतिदिन घिसटते रहना इतना बेतुका, इतना कमज़ोर नहीं कि मैं किसी असंभव परिस्थिति के परिवर्तन की प्रतीक्षा करूँ, जो मुझे उससे फिर से मिला दे। बेशक (जैसा कि सेंट जॉन ने एक बार कहा था) मुझे खोए

हुए जीवन की जगह कोई और रुचि तलाशनी होगी: क्या वह काम जो वह अब मुझे दे रहा है, वास्तव में सबसे गौरवशाली काम नहीं है जिसे कोई मनुष्य अपना सकता है या ईश्वर सौंप सकता है? क्या यह अपने महान कार्यों और उदात्त परिणामों से, टूटे हुए प्रेम और चकनाचूर आशाओं से उत्पन्न शून्य को भरने के लिए सबसे उपयुक्त नहीं है? मुझे लगता है कि मुझे हाँ कहना चाहिए—और फिर भी मैं कांप उठता हूँ। हाय! अगर मैं सेंट जॉन के साथ जाता हूँ, तो मैं अपने आप का आधा हिस्सा खो देता हूँ: अगर मैं भारत जाता हूँ, तो मैं असमय मृत्यु की ओर जाता हूँ। और इंग्लैंड से भारत जाने और भारत से कब्र तक का अंतराल कैसे भरा जाएगा? ओह, मैं अच्छी तरह जानता हूँ! यह भी मेरी दृष्टि में स्पष्ट है। सेंट जॉन को संतुष्ट करने के लिए अपनी नसों में दर्द होने तक प्रयास करके, मैं उसे संतुष्ट करूँगा—उसकी अपेक्षाओं के सबसे सूक्ष्म बिंदु और सबसे दूर के बाहरी दायरे तक। अगर मैं उसके साथ जाऊँ—अगर मैं वो बलिदान दूँ जो वो मुझसे चाहता है, तो मैं उसे पूरी तरह से दूँगी: मैं सब कुछ वेदी पर चढ़ा दूँगी—दिल, प्राण, संपूर्ण शरीर। वो मुझे कभी प्यार नहीं करेगा; लेकिन वो मुझे स्वीकार करेगा; मैं उसे वो शक्तियाँ दिखाऊँगी जो उसने अभी तक नहीं देखीं, वो संसाधन जिनके बारे में उसने कभी सोचा भी नहीं था। हाँ, मैं उसके जितनी ही मेहनत कर सकती हूँ, और बिना किसी हिचकिचाहट के। तो, उसकी माँग मानना संभव है: लेकिन एक बात—एक भयानक बात। वो ये है कि वो मुझसे अपनी पत्नी बनने के लिए कहता है, और मेरे लिए उसके दिल में पति का वो भाव नहीं है जितना उस विशाल चट्टान का, जिसके नीचे से नदी बह रही है। वो मुझे एक सैनिक की तरह महत्व देता है जैसे एक सैनिक अच्छे हथियार को, बस इतना ही। उससे अविवाहित रहते हुए, मुझे कभी दुख नहीं होता; लेकिन क्या मैं उसे अपनी गणनाएँ पूरी करने दूँगी—शांति से अपनी योजनाओं को अमल में लाने दूँगी—शादी की रस्मों को पूरा करने दूँगी? क्या मैं उससे विवाह की अंगूठी स्वीकार करूँगी, प्रेम के सभी रूपों को सहन करूँगी?

जेन आयर 385, (जिसका वह निश्चित रूप से पालन करेगा) और यह जानूँ कि आत्मा बिल्कुल अनुपस्थित थी? क्या मैं इस चेतना को सहन कर सकती हूँ कि उसका हर स्नेह सिद्धांत के नाम पर किया गया बलिदान है? नहीं: ऐसा बलिदान भयानक होगा। मैं इसे कभी नहीं सहूँगी। उसकी बहन के रूप में, मैं उसके साथ जा सकती हूँ—उसकी पत्नी के रूप में नहीं: मैं उसे यह बता दूँगी।' मैंने टीले की ओर देखा: वह वहाँ एक लेटे हुए स्तंभ की तरह स्थिर पड़ा था; उसका चेहरा मेरी ओर था: उसकी आँखें

चौकस और तीक्ष्ण चमक रही थीं। वह उठ खड़ा हुआ और मेरे पास आया। 'मैं भारत जाने के लिए तैयार हूँ, अगर मुझे आज़ादी मिल जाए।' "तुम्हारे उत्तर पर टिप्पणी की आवश्यकता है," उसने कहा; 'यह स्पष्ट नहीं है।' "तुम अब तक मेरे दत्तक भाई रहे हो —मैं तुम्हारी दत्तक बहन: चलो हम ऐसे ही रहें: हम दोनों का विवाह न करना ही बेहतर होगा।' उसने अपना सिर हिलाया। 'इस मामले में दत्तक भाईचारा काम नहीं आएगा।' अगर तुम मेरी सगी बहन होतीं तो बात अलग होती: मैं तुम्हें अपना लेता और किसी और पत्नी की तलाश नहीं करता। लेकिन अभी तो या तो हमारा रिश्ता शादी के बंधन में बंधना और पक्का होना ही चाहिए, वरना यह मुमकिन ही नहीं: व्यावहारिक बाधाएं किसी भी दूसरी योजना के खिलाफ हैं। क्या तुम्हें यह समझ नहीं आ रहा, जेन? एक पल सोचो—तुम्हारी अंतरात्मा तुम्हें रास्ता दिखाएगी।' मैंने सोचा; और फिर भी मेरी अंतरात्मा, जैसी भी थी, मुझे सिर्फ यही बता रही थी कि हम एक-दूसरे से पति-पत्नी की तरह प्यार नहीं करते: और इसलिए उसने यही निष्कर्ष निकाला कि हमें शादी नहीं करनी चाहिए। मैंने यही कहा। 'सेंट जॉन,' मैंने जवाब दिया, 'मैं तुम्हें भाई मानती हूँ—तुम मुझे बहन: तो चलो शादी जारी रखें।' 'हम नहीं कर सकते—हम नहीं कर सकते,' उसने संक्षिप्त, तीखे दृढ़ निश्चय के साथ उत्तर दिया: 'यह ठीक नहीं होगा। तुमने कहा है कि तुम मेरे साथ भारत जाओगी: याद रखो—तुमने यह कहा है।' 'शर्तों के साथ।' 'अच्छा—अच्छा। मुख्य बात पर आते हैं—मेरे साथ इंग्लैंड से प्रस्थान, मेरे भविष्य के कामों में मेरा सहयोग—तुम्हें कोई आपत्ति नहीं है।' आपने मानो हल पर हाथ रख ही दिया है: आप इतने दृढ़ हैं कि पीछे हटना असंभव है। आपका एकमात्र लक्ष्य है—आपने जो कार्य अपने हाथ में लिया है, उसे सर्वोत्तम तरीके से कैसे पूरा किया जाए। अपने जटिल हितों, भावनाओं, विचारों, इच्छाओं और उद्देश्यों को सरल कीजिए; सभी बातों को एक ही उद्देश्य में समाहित कीजिए: अपने महान गुरु के मिशन को प्रभावी ढंग से—शक्ति के साथ—पूरा करना। ऐसा करने के लिए, आपको एक सहयोगी की आवश्यकता है: भाई नहीं—वह तो एक कमजोर रिश्ता है—बल्कि पति। मुझे भी बहन नहीं चाहिए: बहन किसी भी दिन मुझसे छीनी जा सकती है। मुझे पत्नी चाहिए: एकमात्र साथी जिस पर मैं जीवन में प्रभावी ढंग से प्रभाव डाल सकूँ, और जिसे मृत्यु तक पूर्ण रूप से अपने पास रख सकूँ।' उनके बोलते ही मैं कांप उठा: मैंने उनके प्रभाव को अपनी रग-रग में महसूस किया—उन्होंने मेरे अंगों पर अपनी पकड़ बना रखी थी।

सकते हैं। मुझे विश्वास है, जेन, जब तुम कहती हो कि तुम अपना दिल ईश्वर को दोगी, तो तुम सच कह रही हो: बस यही मैं चाहता हूँ। एक बार अपना दिल मनुष्य से अलग करके अपने सृष्टिकर्ता पर लगा दो, तो पृथ्वी पर उस सृष्टिकर्ता के आध्यात्मिक राज्य की उन्नति ही तुम्हारा मुख्य आनंद और लक्ष्य होगा; तुम तुरंत वह सब करने के लिए तैयार हो जाओगी जो

जेन आयर 3877 es हमेशा उस लक्ष्य को आगे बढ़ाता है। आप देखेंगे कि विवाह में हमारे शारीरिक और मानसिक मिलन से आपके और मेरे प्रयासों को कितनी गति मिलेगी: एकमात्र मिलन जो मानव नियति और योजनाओं को स्थायी रूप से अनुरूपता प्रदान करता है; और सभी छोटी-मोटी सनक—सभी तुच्छ कठिनाइयों और भावनाओं की कोमलता—केवल व्यक्तिगत झुकाव की मात्रा, प्रकार, शक्ति या कोमलता के बारे में सभी संशय को दरकिनार करते हुए—आप तुरंत उस मिलन में प्रवेश करने के लिए उत्सुक होंगे।' 'क्या मैं?' मैंने संक्षेप में कहा; और मैंने उनके चेहरे को देखा, जो अपनी सामंजस्यता में सुंदर थे, लेकिन अपनी शांत गंभीरता में अजीब तरह से दुर्जेय थे; उनके माथे को, जो आदेशात्मक थे लेकिन खुले नहीं थे; उनकी आँखों को, जो उज्ज्वल, गहरी और खोजपूर्ण थीं, लेकिन कभी कोमल नहीं थीं; उनके लंबे, प्रभावशाली कद को; और मैंने कल्पना में खुद को उनकी पत्नी के रूप में देखा। ओह! यह बिल्कुल भी ठीक नहीं होगा! उनके सहायक, उनके साथी के रूप में, सब ठीक होगा: मैं उस हैसियत से उनके साथ समुद्र पार कर जाऊंगी; पूर्वी सूरज की धूप में, एशियाई रेगिस्तानों में उनके साथ उस पद पर परिश्रम करना; उनके साहस, समर्पण और जोश की प्रशंसा करना और उनका अनुकरण करना; उनकी प्रभुत्वता को चुपचाप स्वीकार करना; उनकी अटूट महत्वाकांक्षा पर निश्चिंत होकर मुस्कुराना; ईसाई और मनुष्य में अंतर करना: एक का गहरा सम्मान करना और दूसरे को निःस्वार्थ रूप से क्षमा करना। मुझे निस्संदेह अक्सर कष्ट सहना पड़ेगा, केवल इसी भूमिका में उनसे जुड़े रहने से: मेरा शरीर तो कठोर बंधन में होगा, लेकिन मेरा हृदय और मन स्वतंत्र होंगे। फिर भी मेरे पास मेरा निर्मल स्वरूप होगा, जिससे मैं अकेलेपन के क्षणों में संवाद कर सकूँगी: मेरी स्वाभाविक, स्वतंत्र भावनाएँ होंगी। मेरे मन में कुछ ऐसे कोने होंगे जो सिर्फ मेरे होंगे, जहाँ वह कभी नहीं आ सकेगा, और वहाँ ऐसी भावनाएँ पनपेंगी जो ताज़ा और सुरक्षित होंगी, जिन्हें उसकी कठोरता कभी नष्ट नहीं कर पाएगी, न ही उसका संयमित योद्धा-गति कुचल पाएगी: लेकिन उसकी पत्नी के रूप में

—हमेशा उसके साथ, हमेशा संयमित और नियंत्रित—अपनी प्रकृति की अग्नि को लगातार मंद रखने के लिए मजबूर, उसे भीतर ही अंदर जलने के लिए विवश, और कभी चीख न निकलने देने के लिए, भले ही कैद लौ एक-एक प्राण को भस्म कर दे —यह असहनीय होगा। 'संत जॉन!' मैंने विस्मय से कहा, जब मैं अपने ध्यान में इतना लीन हो गई थी। 'तो?' उसने ठंडे स्वर में उत्तर दिया। 'मैं दोहराता हूँ, मैं स्वेच्छा से आपके साथ सह-मिशनरी के रूप में जाने को तैयार हूँ, लेकिन आपकी पत्नी के रूप में नहीं; मैं आपसे विवाह नहीं कर सकता और आपका हिस्सा नहीं बन सकता।' 'तुम्हें मेरा हिस्सा बनना होगा,' उसने दृढ़ता से उत्तर दिया: 'अन्यथा सारा सौदा व्यर्थ हो जाएगा। मैं, जो अभी तीस वर्ष का भी नहीं हुआ हूँ, उन्नीस वर्ष की लड़की को अपने साथ भारत कैसे ले जा सकता हूँ, जब तक कि वह मुझसे विवाह न कर ले?' हम हमेशा के लिए एक साथ कैसे रह सकते हैं—कभी एकांत में, कभी जंगली कबीलों के बीच—और अविवाहित?'

 'बहुत अच्छा,' मैंने संक्षेप में कहा; 'इन परिस्थितियों में, उतना ही अच्छा जितना कि अगर मैं आपकी सगी बहन होती, या आपके जैसी कोई पुरुष और पादरी होती।' 'यह सर्वविदित है कि आप मेरी बहन नहीं हैं; मैं आपको इस रूप में पेश नहीं कर सकता: ऐसा करने का प्रयास हम दोनों पर हानिकारक संदेह पैदा करेगा। और बाकी के लिए, यद्यपि आपके पास एक पुरुष का सशक्त मस्तिष्क है, आपका हृदय एक स्त्री का है और—यह ठीक नहीं होगा।' 'यह ठीक होगा,' मैंने कुछ तिरस्कार के साथ कहा, 'बिल्कुल ठीक। मेरे पास एक स्त्री का हृदय है, लेकिन आपके मामले में नहीं; आपके लिए मेरे पास केवल एक साथी की निष्ठा है; एक साथी सैनिक की स्पष्टवादिता, वफादारी, भाईचारा, अगर आप चाहें तो; एक नौसिखिए का अपने गुरु के प्रति सम्मान और समर्पण: इससे अधिक कुछ नहीं—डरें नहीं।' 'यही तो मैं चाहता हूँ,' उसने स्वयं से कहा; 'यही तो मैं चाहता हूँ।' और रास्ते में बाधाएँ हैं: उन्हें हटाना होगा। जेन, मुझसे शादी करने पर तुम्हें पछतावा नहीं होगा—इस बात का यकीन रखो; हमारी शादी होनी ही चाहिए। मैं दोहराता हूँ: कोई दूसरा रास्ता नहीं है; और निःसंदेह शादी के बाद इतना प्यार होगा कि यह रिश्ता तुम्हारी नज़रों में भी सही साबित होगा।' 'मैं तुम्हारे प्यार के विचार को तुच्छ समझती हूँ,' मैं खुद को रोक नहीं पाई और उठकर उसके सामने खड़ी हो गई, अपनी पीठ चट्टान से टिकाते हुए। 'मैं तुम्हारे इस झूठे भाव को तुच्छ समझती हूँ: हाँ, संत जॉन,

और जब तुम इसे पेश करते हो, तब भी मैं तुम्हें तुच्छ समझती हूँ।' उसने मुझे घूरकर देखा, और ऐसा करते हुए अपने सजे-धजे होंठों को सिकोड़ लिया। वह क्रोधित था या आश्चर्यचकित, या कुछ और, यह बताना आसान नहीं था: वह अपने चेहरे पर पूरा नियंत्रण रख सकता था। 'मुझे तुमसे यह सुनने की उम्मीद नहीं थी,' उसने कहा: 'मुझे लगता है कि मैंने ऐसा कुछ नहीं किया और न ही कहा है जिसके लिए मुझे तिरस्कार करना पड़े।' मैं उसके कोमल स्वर से प्रभावित हुई, और उसके ऊँचे, शांत चेहरे से भयभीत हो गई। 'मुझे इन शब्दों के लिए क्षमा करें, संत जॉन; लेकिन ये तुम्हारी ही गलती है कि मैंने इतनी बेपरवाही से बोल दिया। तुमने एक ऐसा विषय उठा दिया है जिस पर हमारे स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं—एक ऐसा विषय जिस पर हमें कभी चर्चा नहीं करनी चाहिए: प्रेम का नाम ही हमारे बीच कलह का कारण है। अगर सच्चाई का सामना करना पड़े, तो हम क्या करेंगे? हमें कैसा महसूस होगा? मेरे प्यारे चचेरे भाई, शादी की अपनी योजना छोड़ दो—इसे भूल जाओ।' 'नहीं,' उसने कहा; 'ये एक लंबे समय से संजोई हुई योजना है, और एकमात्र ऐसी योजना है जो मेरे महान लक्ष्य को पूरा कर सकती है: लेकिन मैं अभी तुम्हें और कुछ नहीं कहूँगा। कल मैं कैम्ब्रिज के लिए घर से निकल रहा हूँ: वहाँ मेरे कई दोस्त हैं जिनसे मैं विदाई लेना चाहता हूँ।

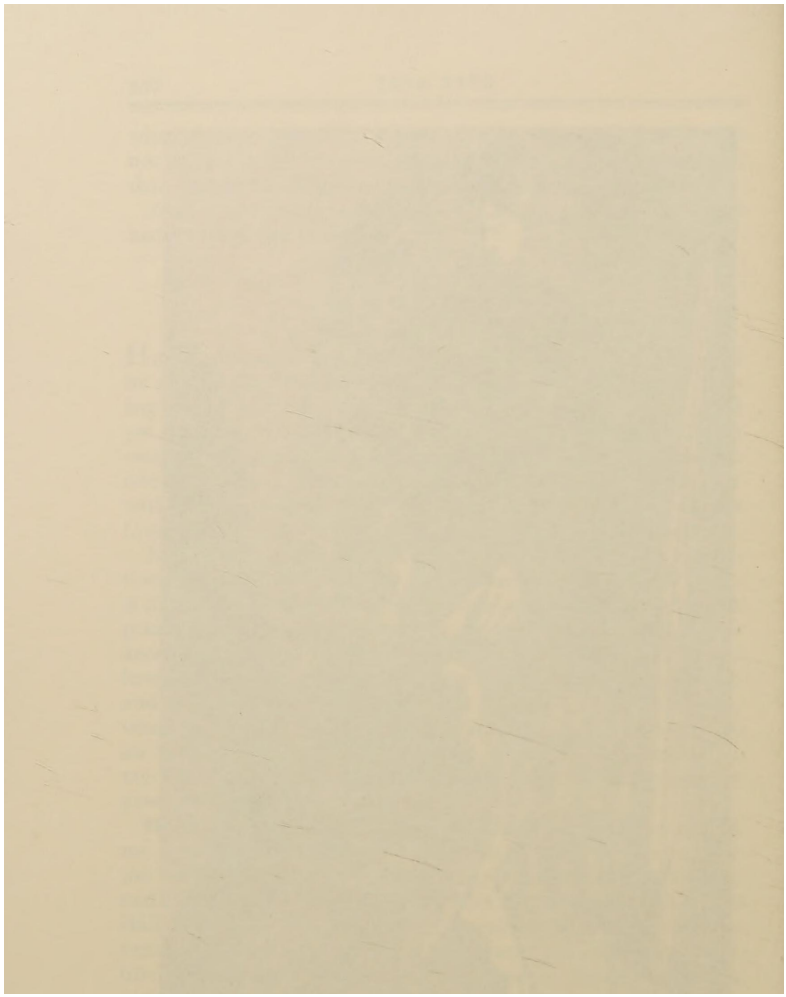
जेन आयर 389 eeeeEEOOoOoeee__—— ठीक है। मैं दो सप्ताह के लिए अनुपस्थित रहूँगा—इस समय का सदुपयोग मेरे प्रस्ताव पर विचार करने के लिए करें: और यह न भूलें कि यदि आप इसे अस्वीकार करती हैं, तो आप मुझे नहीं, बल्कि ईश्वर को अस्वीकार कर रही हैं। मेरे माध्यम से, वह आपके लिए एक महान जीवन का द्वार खोलते हैं; केवल मेरी पत्नी बनकर ही आप उस पर चल सकती हैं। मेरी पत्नी बनने से इनकार करने पर, आप अपने आप को हमेशा के लिए स्वार्थी सुख और बंजर गुमनामी के मार्ग तक सीमित कर लेंगी। कांपो कहीं ऐसा न हो कि तुम उन लोगों में गिनी जाओ जिन्होंने धर्म का त्याग किया है, और जो काफिरों से भी बदतर हैं!' ° वह कह चुका था। मुझसे मुँह मोड़कर, उसने एक बार फिर 'नदी की ओर देखा, पहाड़ी की ओर देखा।' लेकिन इस बार उसकी भावनाएँ उसके हृदय में ही समाई हुई थीं: मैं उन्हें सुनने के योग्य नहीं थी। जब मैं उसके साथ-साथ घर की ओर चल रही थी, तो उसकी कठोर चुप्पी में मैंने उसके मेरे प्रति सारे भावों को भलीभांति समझ लिया: एक कठोर और निरंकुश स्वभाव की निराशा, जिसे जहाँ समर्पण की अपेक्षा थी वहाँ प्रतिरोध का

सामना करना पड़ा—एक ठंडे, अटल निर्णय की अस्वीकृति, जिसने दूसरे में ऐसी भावनाएँ और विचार देखे जिनके प्रति उसमें सहानुभूति की कोई शक्ति नहीं थी: संक्षेप में, एक पुरुष के रूप में, वह मुझे आज्ञाकारी बनाना चाहता था: केवल एक सच्चे ईसाई के रूप में ही उसने मेरे दुराचार को इतने धैर्य से सहन किया, और मुझे चिंतन और पश्चाताप के लिए इतना लंबा समय दिया। उस रात, अपनी बहनों को चूमने के बाद, उसने मुझसे हाथ मिलाना भी उचित नहीं समझा, और चुपचाप कमरे से चला गया। मैं—जिसके मन में उससे प्रेम तो नहीं था, लेकिन उसके प्रति गहरी मित्रता थी—उसकी इस स्पष्ट उपेक्षा से आहत हुई: इतनी आहत कि मेरी आँखों में आँसू आ गए। 'जेन, मैंने देखा है कि तुम और सेंट जॉन दलदल में टहलते समय झगड़ रहे थे। लेकिन उसके पीछे जाओ;' डायना ने कहा। वह अब गलियारे में तुम्हारा इंतज़ार कर रहा है—वह इसकी भरपाई कर लेगा।' ऐसी परिस्थितियों में मुझे ज़्यादा गर्व नहीं दिखता: मैं हमेशा गरिमापूर्ण होने से ज़्यादा खुश रहना पसंद करती हूँ; और मैं उसके पीछे दौड़ी—वह सीढ़ियों के नीचे खड़ा था। 'शुभ रात्रि, सेंट जॉन,' मैंने कहा। 'शुभ रात्रि, जेन,' उसने शांत भाव से उत्तर दिया। 'तो हाथ मिलाओ,' मैंने आगे कहा। उसने मेरी उंगलियों पर कितना ठंडा, बेरुखा स्पर्श किया! वह उस दिन जो कुछ हुआ था उससे बहुत नाराज़ था; सौहार्द से न तो उसे गर्माहट मिली, न ही आँसुओं से। उससे कोई सुखद सुलह संभव नहीं थी—न कोई उत्साहवर्धक मुस्कान, न कोई उदार शब्द: लेकिन फिर भी वह ईसाई धैर्यवान और शांत था; और

390 जेन आयर जब मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने मुझे माफ कर दिया है, तो उन्होंने जवाब दिया कि उन्हें किसी बात को याद रखने की आदत नहीं है; कि उन्हें माफ करने की कोई ज़रूरत नहीं है, क्योंकि उन्हें ठेस नहीं पहुंची थी। और इस जवाब के साथ वे चले गए। काश उन्होंने मुझे पीट दिया होता। अध्याय 35 उन्होंने अगले दिन कैम्ब्रिज के लिए प्रस्थान नहीं किया, जैसा कि उन्होंने कहा था। उन्होंने अपना प्रस्थान पूरे एक सप्ताह के लिए टाल दिया, और उस दौरान उन्होंने मुझे यह एहसास दिलाया कि एक अच्छा लेकिन कठोर, एक कर्तव्यनिष्ठ लेकिन निर्दयी व्यक्ति अपने से नाराज व्यक्ति को कितनी कड़ी सजा दे सकता है। बिना किसी प्रत्यक्ष शत्रुतापूर्ण कार्य या निंदात्मक शब्द के, उन्होंने मुझे पल भर में यह विश्वास दिला दिया कि मैं उनकी कृपा से वंचित हो गई हूँ। ऐसा नहीं था कि सेंट जॉन के मन में अईसाई प्रतिशोध की भावना थी—ऐसा नहीं था कि अगर उनके बस में होता तो भी वे मेरे सिर के एक बाल को भी

नुकसान पहुंचाते। स्वभाव और सिद्धांत दोनों से, वह प्रतिशोध की नीच संतुष्टि से श्रेष्ठ थे: उन्होंने मुझे यह कहने के लिए क्षमा कर दिया था कि मैंने उनका और उनके प्रेम का अपमान किया था, लेकिन वे मेरे शब्दों को भूले नहीं थे; और जब तक हम दोनों जीवित रहेंगे, वे उन्हें कभी नहीं भूलेंगे। जब वे मेरी ओर मुड़े, तो मैंने उनकी नज़र से देखा कि वे शब्द हमेशा मेरे और उनके बीच हवा में अंकित रहते थे; जब भी मैं बोलती, वे शब्द मेरी आवाज़ में उनके कानों तक पहुँचते, और उनकी प्रतिध्वनि उनके हर उत्तर में गूंजती। वे मुझसे बातचीत करने से परहेज नहीं करते थे: वे हर सुबह हमेशा की तरह मुझे अपने डेस्क पर बुलाते थे; और मुझे डर है कि उनके भीतर के भ्रष्ट व्यक्ति को एक ऐसा आनंद मिलता था जो एक शुद्ध ईसाई को न तो प्राप्त होता था और न ही वह उसे कभी मिलता था, यह दिखाने में कि वे कितनी कुशलता से, हमेशा की तरह व्यवहार और बोलते हुए, हर कार्य और हर वाक्य से रुचि और स्वीकृति की भावना निकाल लेते थे, जिसने पहले उनकी भाषा और व्यवहार में एक निश्चित गंभीरता का आकर्षण भर दिया था। मेरे लिए, वे वास्तव में अब मांस नहीं, बल्कि संगमरमर बन गए थे; उनकी आँखें एक ठंडे, चमकीले, नीले रत्न की तरह थीं; उसकी ज़बान महज़ बोलने का एक साधन थी—बस इतना ही। यह सब मेरे लिए यातना थी—परिष्कृत, धीमी और कष्टदायी यातना। इसने मेरे भीतर आक्रोश की धीमी आग और दुःख की कांपती हुई बेचैनी को बनाए रखा, जिसने मुझे पूरी तरह से सताया और कुचल दिया। मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं उसकी पत्नी होती, तो यह नेक इंसान, जो गहरे निर्मल जलस्रोत की तरह पवित्र है, मुझे बिना मेरी नसों से एक बूंद भी खून निकाले, जल्दी ही मार सकता था।





——————— खून की एक बूँद भी नहीं, या अपने निर्मल विवेक पर अपराध का हल्का सा दाग भी नहीं लगने देना। खासकर मुझे यह तब महसूस होता था जब मैं उसे मनाने की कोई कोशिश करती थी। मेरी दया के सामने उसकी दया नहीं टिकती थी। उसे अलगाव का कोई कष्ट नहीं होता था—मेल-मिलाप की कोई लालसा नहीं होती थी; और यद्यपि, एक से अधिक बार, मेरे तेजी से गिरते आँसुओं से वह पृष्ठ छिल गया जिस पर हम दोनों झुके हुए थे, उनका उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा मानो उसका हृदय सचमुच पत्थर या धातु का बना हो। इस बीच, अपनी बहनों के प्रति वह सामान्य से कुछ अधिक दयालु था: मानो उसे डर हो कि केवल शीतलता से मुझे यह विश्वास नहीं होगा कि मुझे पूरी तरह से

निर्वासित और बहिष्कृत कर दिया गया है, इसलिए उसने विरोधाभास का बल जोड़ा; और मुझे यकीन है कि उसने ऐसा द्वेष से नहीं, बल्कि सिद्धांत के आधार पर किया। घर छोड़ने से एक रात पहले, सूर्यास्त के समय मैंने उसे बगीचे में टहलते हुए देखा, और उसे देखते हुए मुझे याद आया कि यह आदमी, भले ही अब अलग-थलग पड़ गया था, उसने कभी मेरी जान बचाई थी, और हम करीबी रिश्तेदार थे। इससे मुझे उसकी दोस्ती फिर से पाने का आखिरी प्रयास करने की प्रेरणा मिली। मैं बाहर गया और उसके पास पहुँचा, जब वह छोटे से फाटक पर झुका हुआ था; मैंने सीधे मुद्दे पर बात की। 'सेंट जॉन, मैं दुखी हूँ क्योंकि आप अब भी मुझसे नाराज़ हैं। आइए हम दोस्त बन जाएँ।' 'मुझे उम्मीद है कि हम दोस्त हैं,' उसने भावहीन जवाब दिया; जबकि वह अब भी चाँद को उगते हुए देख रहा था, जिसे वह मेरे पास आने पर निहार रहा था। 'नहीं, सेंट जॉन, हम पहले जैसे दोस्त नहीं हैं। आप यह जानते हैं।' 'क्या हम नहीं हैं? यह गलत है। जहाँ तक मेरा सवाल है, मैं आपका बुरा नहीं चाहता, बल्कि सब अच्छा चाहता हूँ।' 'मैं आप पर विश्वास करता हूँ, सेंट जॉन; क्योंकि मुझे यकीन है कि आप किसी का बुरा नहीं चाह सकते; लेकिन, चूंकि मैं आपकी रिश्तेदार हूं, इसलिए मैं आपसे उस तरह के सामान्य परोपकार से कहीं अधिक स्नेह की अपेक्षा रखती हूं जो आप अजनबियों के प्रति दिखाते हैं।' 'बेशक,' उन्होंने कहा। 'आपकी इच्छा उचित है, और मैं आपको बिल्कुल भी अजनबी नहीं मानता।' यह बात, शांत और सौम्य स्वर में कही गई, मेरे लिए बहुत ही अपमानजनक और उलझन भरी थी। अगर मैंने अहंकार और क्रोध के संकेतों पर ध्यान दिया होता, तो मैं तुरंत उन्हें छोड़कर चली जाती; लेकिन मेरे भीतर कुछ ऐसा था जो उन भावनाओं से कहीं अधिक प्रबल था। मैं अपने चचेरे भाई की प्रतिभा और सिद्धांतों का बहुत सम्मान करती थी। उनकी मित्रता मेरे लिए मूल्यवान थी: इसे खोना मेरे लिए बहुत कष्टदायी था। मैं इसे पुनः प्राप्त करने का प्रयास इतनी जल्दी नहीं छोड़ूंगी। 'क्या हमें इस तरह अलग होना पड़ेगा, सेंट जॉन? और जब आप भारत जाएंगे, तो क्या आप मुझे ऐसे ही छोड़ देंगे, बिना एक भी दयालु शब्द कहे?' अब वह चांद से पूरी तरह मुड़े और मेरी ओर देखने लगे।

 —— 'जब मैं भारत जाऊँगा, जेन, क्या मैं तुम्हें छोड़ दूँगा! क्या! तुम भारत नहीं जाओगी?' 'तुमने कहा था कि मैं तुमसे शादी किए बिना नहीं जा सकती।' 'और तुम मुझसे शादी नहीं करोगी! तुम अपने इस संकल्प पर अडिग हो?' पाठक, क्या आप जानते हैं, जैसा कि मैं जानता हूँ, कि वे ठंडे लोग अपने प्रश्नों की

बर्फ में कितना भय भर सकते हैं? हिमस्खलन के गिरने में कितना कुछ उनके क्रोध में निहित है? उनकी नाराज़गी में जमे हुए समुद्र के टूटने में कितना कुछ? 'नहीं, सेंट जॉन, मैं तुमसे शादी नहीं करूँगी। मैं अपने संकल्प पर अडिग हूँ।' हिमस्खलन थोड़ा हिलकर आगे बढ़ा, लेकिन अभी तक नीचे नहीं गिरा था। 'एक बार फिर, इस इनकार का कारण?' उसने पूछा। 'पहले,' मैंने उत्तर दिया, 'क्योंकि तुम मुझसे प्यार नहीं करते थे; अब, मैं जवाब देती हूँ, क्योंकि तुम मुझसे लगभग नफरत करते हो। अगर मैं तुमसे शादी करूँ, तो तुम मुझे मार डालोगे। तुम मुझे अभी मार रहे हो।' उसके होंठ और गाल सफेद पड़ गए—बिल्कुल सफेद। 'मैं तुम्हें मार डालूँगा—मैं तुम्हें मार रहा हूँ?' तुम्हारे शब्द ऐसे हैं जिनका प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए: हिंसक, स्त्री-विरोधी और असत्य। ये तुम्हारी दुर्भाग्यपूर्ण मानसिक स्थिति को दर्शाते हैं: ये कड़ी निंदा के पात्र हैं: ये अक्षम्य प्रतीत होते हैं, लेकिन मनुष्य का कर्तव्य है कि वह अपने साथी को सत्तर-सात बार भी क्षमा करे।' अब मेरा काम पूरा हो चुका था। अपने पिछले अपराध के निशान को उसके मन से मिटाने की पूरी कोशिश करते हुए, मैंने उस कठोर सतह पर एक और कहीं अधिक गहरी छाप छोड़ दी थी: मैंने उसे जला दिया था। 'अब तुम मुझसे सचमुच नफरत करोगे,' मैंने कहा। 'तुम्हें मनाने का प्रयास व्यर्थ है: मैं देख रही हूँ कि मैंने तुम्हें अपना चिरस्थायी शत्रु बना लिया है।' इन शब्दों ने एक नया घाव दिया: और भी बुरा, क्योंकि ये सत्य को छू रहे थे। वह निर्जीव होंठ क्षण भर के लिए कांप उठा। मैं जानती थी कि मैंने उसके भीतर कितना कठोर क्रोध भड़काया है। मेरा हृदय क्षत-विक्षत हो गया था। "तुम मेरे शब्दों का सरासर गलत अर्थ निकाल रहे हो," मैंने उसका हाथ पकड़ते हुए कहा: "मेरा तुम्हें दुखी या पीड़ा पहुँचाने का कोई इरादा नहीं है —वास्तव में, मैंने ऐसा नहीं किया है।" ~ वह बड़ी कड़वाहट से मुस्कुराया—और फिर उसने दृढ़ता से अपना हाथ मेरे हाथ से छुड़ा लिया। "तो अब तुम अपना वादा तोड़ रहे हो, और मेरा अनुमान है कि तुम भारत जाओगे ही नहीं?" उसने काफी देर रुकने के बाद कहा। "हाँ, मैं जाऊँगा, आपके सहायक के रूप में," मैंने उत्तर दिया। इसके बाद काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। इस दौरान उसके मन में स्वभाव और कृपा के बीच क्या संघर्ष चल रहा था, यह मैं नहीं बता सकता।

जेन आयर 393 esse ee उसकी आँखों में केवल एक विलक्षण चमक थी, और उसके चेहरे पर अजीब सी परछाइयाँ छा गईं। अंत में वह बोला, 'मैंने पहले ही तुम्हें यह साबित कर दिया है कि तुम्हारी उम्र की एक अविवाहित महिला का मेरे अविवाहित

पुरुष के साथ विदेश जाने का प्रस्ताव कितना बेतुका है। मैंने तुम्हें ऐसे शब्दों में साबित किया है, जिनसे मुझे लगा था कि तुम फिर कभी इस योजना का ज़िक्र नहीं करोगी। मुझे खेद है कि तुमने ऐसा किया—तुम्हारे लिए।' मैंने उसे बीच में ही रोक दिया। किसी भी तरह की प्रत्यक्ष फटकार ने मुझे तुरंत हिम्मत दी। 'समझदारी से काम लो, सेंट जॉन: तुम मूर्खता की हद पार कर रहे हो। तुम दिखावा कर रहे हो कि मैंने जो कहा उससे तुम्हें झटका लगा है। तुम्हें सच में झटका नहीं लगा है: क्योंकि, अपने श्रेष्ठ दिमाग के साथ, तुम इतने मंदबुद्धि या इतने अभिमानी नहीं हो सकते कि मेरे अर्थ को गलत समझ सको। मैं फिर से कहती हूँ, अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हारी सहायक बनूँगी, लेकिन कभी तुम्हारी पत्नी नहीं।' वह फिर से पीला पड़ गया; लेकिन, पहले की तरह, उसने अपने गुस्से पर पूरी तरह काबू रखा। उन्होंने दृढ़तापूर्वक लेकिन शांत भाव से उत्तर दिया— 'एक महिला पादरी, जो मेरी पत्नी नहीं है, मुझे कभी भी रास नहीं आएगी। तो लगता है, आप मेरे साथ नहीं जा सकतीं: लेकिन अगर आप अपने प्रस्ताव में गंभीर हैं, तो मैं शहर में रहते हुए एक विवाहित मिशनरी से बात करूँगा, जिसकी पत्नी को एक सहायक की आवश्यकता है। आपकी अपनी संपत्ति आपको सोसाइटी की सहायता से मुक्त कर देगी; और इस प्रकार आप अपने वादे को तोड़ने और उस समूह को छोड़ने के अपमान से बच सकती हैं जिसमें शामिल होने का आपने वादा किया था।' अब, जैसा कि पाठक जानते हैं, मैंने न तो कोई औपचारिक वादा किया था और न ही कोई समझौता किया था; और यह भाषा उस अवसर के लिए बहुत कठोर और निरंकुश थी। मैंने उत्तर दिया— 'इस मामले में कोई अपमान, कोई वादा तोड़ना, कोई त्याग नहीं है। मुझे भारत जाने की ज़रा भी बाध्यता नहीं है, खासकर अजनबियों के साथ। आपके साथ मैं बहुत जोखिम उठा सकती थी, क्योंकि मैं आपकी प्रशंसा करती हूँ, आप पर भरोसा करती हूँ और एक बहन की तरह आपसे प्यार करती हूँ; लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि मैं जब और जिसके साथ चाहूँ, उस जलवायु में ज़्यादा दिन नहीं जी पाऊँगा।' 'अरे! तुम खुद से डर रहे हो,' उसने होंठ सिकोड़ते हुए कहा। 'हाँ, डर रहा है। भगवान ने मुझे जीवन यूँ ही बर्बाद करने के लिए नहीं दिया; और जैसा तुम चाहते हो, वैसा करना, मुझे लगता है, आत्महत्या के बराबर होगा। इसके अलावा, इंग्लैंड छोड़ने का पक्का फैसला करने से पहले, मैं यह ज़रूर जान लूँगा कि क्या यहाँ रहकर मैं इसे छोड़ने से ज़्यादा उपयोगी साबित हो सकता हूँ।' 'तुम्हारा क्या मतलब है?' 'समझाने की कोशिश करना व्यर्थ होगा; लेकिन एक बात है जिस पर मुझे लंबे

समय से गहरा संदेह है, और जब तक किसी तरह वह संदेह दूर नहीं हो जाता, मैं कहीं नहीं जा सकता।' 'मैं जानता हूँ कि तुम्हारा दिल कहाँ है और किससे जुड़ा है।
394 जेन आयर: 'तुम्हारा यह स्वार्थ अधार्मिक और अपवित्र है। तुम्हें इसे बहुत पहले ही कुचल देना चाहिए था: अब तो इसका ज़िक्र करने में भी तुम्हें शर्म आनी चाहिए। क्या तुम मिस्टर रोचेस्टर के बारे में सोच रही हो?' यह सच था। मैंने मौन रहकर इसे स्वीकार किया। 'क्या तुम मिस्टर रोचेस्टर को ढूंढने जा रही हो?' 'मुझे पता लगाना होगा कि उनका क्या हुआ।' 'तो अब मेरा यही कर्तव्य है,' उन्होंने कहा, 'कि मैं तुम्हें अपनी प्रार्थनाओं में याद रखूँ और पूरी ईमानदारी से ईश्वर से तुम्हारे लिए विनती करूँ कि तुम सचमुच अनाथ न हो जाओ। मैंने सोचा था कि मैं तुम्हें चुने हुए लोगों में से एक मानता हूँ। लेकिन ईश्वर मनुष्य की तरह नहीं देखता: उसकी इच्छा पूरी हो।' उन्होंने द्वार खोला, उससे होकर घाटी में दूर चले गए। वह जल्द ही मेरी नज़रों से ओझल हो गए। बैठक में वापस आने पर मैंने डायना को खिड़की पर खड़ी पाया, वह बहुत सोच में डूबी हुई थी। डायना मुझसे काफी लंबी थी: उसने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा और झुककर मेरा चेहरा देखा। 'जेन,' उसने कहा, 'तुम आजकल हमेशा बेचैन और पीली-सी रहती हो। मुझे यकीन है कि कुछ गड़बड़ है। मुझे बताओ कि सेंट जॉन और तुम क्या काम कर रहे हो। मैंने तुम्हें पिछले आधे घंटे से खिड़की से देखा है; मुझे इस तरह जासूसी करने के लिए माफ करना, लेकिन काफी समय से मुझे लग रहा है कि मुझे ठीक से पता नहीं है कि क्या बात है। सेंट जॉन एक अजीब इंसान है—' वह रुक गई —मैंने कुछ नहीं कहा: जल्द ही उसने फिर बोलना शुरू किया— 'मुझे यकीन है कि मेरे उस भाई के मन में तुम्हारे बारे में कुछ अजीब विचार हैं: वह लंबे समय से तुम पर ऐसी नजर रखता है और दिलचस्पी दिखाता है जो उसने किसी और को कभी नहीं दिखाई—किसलिए? काश वह तुमसे प्यार करता—क्या वह करता है, जेन?' मैंने उसका ठंडा हाथ अपने गर्म माथे पर रखा; 'नहीं, डाई, बिल्कुल नहीं।' 'तो फिर वह तुम्हें इतनी निगाहों से क्यों देखता है, तुम्हें इतनी बार अकेले क्यों ले जाता है, और तुम्हें हर समय अपने पास क्यों रखता है?' मैरी और मैंने यही निष्कर्ष निकाला था कि वह तुमसे शादी करना चाहता है।' "हाँ, उसने मुझसे शादी का प्रस्ताव रखा है।" डायना ने ताली बजाई। "यही तो हम उम्मीद कर रहे थे और सोच रहे थे! और तुम उससे शादी करोगी, जेन, है ना? और फिर वह इंग्लैंड में ही रहेगा।" "बिल्कुल नहीं, डायना; मुझसे शादी का प्रस्ताव रखने का उसका एकमात्र उद्देश्य भारत में अपने काम

के लिए एक उपयुक्त साथी ढूंढना है।" "क्या! वह चाहता है कि तुम भारत जाओ?" टेस, "पागलपन!" वह चिल्लाई। "तुम तीन महीने भी नहीं जी पाओगी।"
जेन आयर 395 'मैं वहाँ ज़रूर जाऊँगी। तुम कभी नहीं जाओगी: तुमने सहमति नहीं दी है, है ना, जेन?' 'मैंने उससे शादी करने से इनकार कर दिया है—' 'और परिणामस्वरूप मैंने उसे नाराज़ कर दिया है?' उसने पूछा। 'बहुत ज़्यादा: मुझे डर है कि वह मुझे कभी माफ़ नहीं करेगा: फिर भी मैंने उसकी बहन बनकर उसके साथ जाने की पेशकश की।' 'ऐसा करना घोर मूर्खता थी, जेन। उस काम के बारे में सोचो जो तुमने अपने हाथ में लिया—लगातार थकान से भरा काम, जहाँ थकान ताकतवर को भी मार देती है, और तुम कमज़ोर हो। सेंट जॉन—तुम उसे जानती हो—तुम्हें असंभव काम करने के लिए उकसाएगा: उसके साथ गर्मी के घंटों में आराम करने की कोई अनुमति नहीं होगी; और दुर्भाग्य से, मैंने देखा है, वह जो भी माँगता है, तुम उसे पूरा करने के लिए खुद को मजबूर करती हो। मुझे आश्चर्य है कि तुमने उसका हाथ ठुकराने का साहस कैसे जुटाया।' तो तुम उससे प्यार नहीं करती, जेन?' 'पति के रूप में नहीं।' 'फिर भी वह सुंदर है।' 'और मैं तो बहुत सादी हूँ, डाई। हम कभी एक-दूसरे के अनुकूल नहीं हो सकते।' 'साधारण! तुम? बिलकुल नहीं। तुम कलकत्ता में जिंदा जलने के लिए बहुत सुंदर और बहुत अच्छी हो।' और फिर उसने मुझसे अपने भाई के साथ बाहर जाने के सारे विचार छोड़ने का आग्रह किया। 'मुझे सचमुच ऐसा करना होगा,' मैंने कहा; 'क्योंकि अभी जब मैंने उसे पादरी के रूप में सेवा करने का प्रस्ताव दिया, तो उसने मेरी अभद्रता पर हैरानी जताई। उसे लगा जैसे मैंने अविवाहित रहते हुए उसके साथ जाने का प्रस्ताव देकर कोई अनुचित काम किया है: मानो मैंने शुरू से ही उसमें एक भाई पाने की उम्मीद नहीं की थी, और हमेशा उसे ऐसा ही मानती थी।' 'तुम्हें ऐसा क्यों लगता है कि वह तुमसे प्यार नहीं करता, जेन?' 'तुम्हें इस विषय पर उसकी बात सुननी चाहिए। उसने बार-बार समझाया है कि वह खुद से नहीं, बल्कि अपने पद से जुड़ना चाहता है। उसने मुझसे कहा है कि मैं श्रम के लिए बनी हूँ—प्रेम के लिए नहीं: जो यह सच है, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन, मेरी राय में, अगर मैं प्रेम के लिए नहीं बनी हूँ, तो इसका मतलब है कि मैं विवाह के लिए भी नहीं बनी हूँ। क्या यह अजीब नहीं होगा, डाई, कि मैं जीवन भर एक ऐसे आदमी से बंधी रहूँ जो मुझे सिर्फ एक उपयोगी उपकरण समझता हो?' 'असहनीय—अस्वाभाविक—सवाल ही नहीं उठता!' 'और फिर,' मैंने आगे कहा, 'हालाँकि अभी मेरे मन में उसके लिए सिर्फ

बहन जैसा स्नेह है, फिर भी, अगर मुझे उसकी पत्नी बनने के लिए मजबूर किया गया, तो मैं कल्पना कर सकती हूँ कि मुझे उससे एक अपरिहार्य, अजीब, पीड़ादायक प्रकार का प्रेम हो जाएगा, क्योंकि वह बहुत प्रतिभाशाली है; और अक्सर उसकी नज़र, व्यवहार और बातचीत में एक खास तरह की वीर भव्यता होती है। उस स्थिति में, मेरा भाग्य बहुत दयनीय हो जाएगा। वह नहीं चाहेगा कि मैं उससे प्यार करूँ; और अगर मैंने दिखाया भी तो

 मुझे यह आभास हुआ कि वह मुझे यह एहसास दिला देगा कि यह एक फालतू चीज़ है, जिसकी उसे ज़रूरत नहीं है, जो मुझमें शोभा नहीं देती। मुझे पता है कि वह ऐसा ही करेगा।' 'फिर भी सेंट जॉन एक अच्छा आदमी है,' डायना ने कहा। 'वह एक अच्छा और महान व्यक्ति है; लेकिन वह अपने बड़े-बड़े सपनों को पूरा करने में छोटे लोगों की भावनाओं और अधिकारों को बेरहमी से भूल जाता है। इसलिए बेहतर है कि महत्वहीन लोग उसके रास्ते से हट जाएं, कहीं ऐसा न हो कि अपनी तरक्की में वह उन्हें कुचल दे। देखो, वह आ रहा है! मैं तुम्हें छोड़ रही हूँ, डायना।' और जैसे ही मैंने उसे बगीचे में प्रवेश करते देखा, मैं जल्दी से ऊपर चली गई। लेकिन मुझे रात के खाने पर उससे फिर मिलना पड़ा। उस भोजन के दौरान वह हमेशा की तरह शांत दिखाई दिया। मैंने सोचा था कि वह मुझसे शायद ही बात करेगा, और मुझे यकीन था कि उसने अपनी शादी की योजना छोड़ दी है: बाद में पता चला कि मैं दोनों बातों में गलत थी। उन्होंने मुझसे बिल्कुल अपने सामान्य अंदाज़ में बात की, या यूँ कहें कि हाल ही में उनका जो सामान्य अंदाज़ हो गया था—यानी अत्यंत विनम्रता से। निस्संदेह उन्होंने पवित्र आत्मा से प्रार्थना की होगी कि मेरे द्वारा उनके भीतर उत्पन्न क्रोध को शांत किया जा सके, और अब उन्हें विश्वास था कि उन्होंने मुझे एक बार फिर क्षमा कर दिया है। प्रार्थना से पहले शाम के पाठ के लिए उन्होंने प्रकाशितवाक्य का इक्कीसवाँ अध्याय चुना। जब उनके मुख से बाइबल के वचन निकलते थे, तो उन्हें सुनना हमेशा सुखद होता था: उनकी सुरीली आवाज़ कभी इतनी मधुर और परिपूर्ण नहीं लगती थी —उनका सरल और प्रभावशाली अंदाज़ कभी इतना प्रभावशाली नहीं होता था, जितना कि परमेश्वर के वचन सुनाते समय होता था: और आज रात उनकी आवाज़ में एक गंभीर स्वर था—उनका अंदाज़ एक अधिक रोमांचकारी अर्थ लिए हुए था—जब वे अपने परिवार के बीच बैठे थे (मई का चाँद बिना पर्दे वाली खिड़की से अंदर चमक

रहा था, जिससे मेज पर रखी मोमबत्ती की रोशनी लगभग अनावश्यक हो गई थी): जब वे वहाँ झुके हुए उस विशाल पुरानी बाइबल पर बैठे थे, और उसके पन्नों से नए स्वर्ग और नई पृथ्वी के दर्शन का वर्णन कर रहे थे—बता रहे थे कि कैसे परमेश्वर मनुष्यों के साथ निवास करने आएगा, कैसे वह उनकी आँखों से सारे आँसू पोंछ देगा, और वादा किया कि अब न तो मृत्यु होगी, न शोक, न रोना, न ही कोई पीड़ा, क्योंकि पिछली बातें बीत चुकी हैं। उनके द्वारा बोले गए अगले शब्दों ने मुझे अजीब तरह से रोमांचित कर दिया: विशेष रूप से जब मैंने आवाज़ में आए उस सूक्ष्म, अवर्णनीय परिवर्तन से महसूस किया कि उन्हें बोलते समय उनकी नज़र मुझ पर पड़ी थी। "जो विजय प्राप्त करेगा, वह सब कुछ पाएगा; और मैं उसका परमेश्वर रहूंगा, और वह मेरा पुत्र होगा। परन्तु," धीरे-धीरे, स्पष्ट रूप से पढ़ा गया, "डरपोक, अविश्वासी, इत्यादि, उस झील में अपना हिस्सा पाएंगे जो आग और गंधक से जलती है, जो दूसरी मृत्यु है।"

जेन आयर 397 ईई आगे से, मैं जान गई कि संत जॉन मेरे लिए किस भाग्य से भयभीत थे। एक शांत, संयमित विजय, एक तीव्र लालसा और लगन से भरी हुई, उस अध्याय के अंतिम गौरवशाली छंदों के उनके उच्चारण को चिह्नित करती थी। पाठक को विश्वास था कि उसका नाम पहले ही मेमने की जीवन पुस्तक में लिखा जा चुका है, और वह उस घड़ी के लिए तरस रहा था जो उसे उस नगर में प्रवेश दिलाएगी जहाँ पृथ्वी के राजा अपनी महिमा और सम्मान लाते हैं; जिसे चमकने के लिए सूर्य या चंद्रमा की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि परमेश्वर की महिमा उसे प्रकाशित करती है, और मेमना उसका प्रकाश है। अध्याय के बाद की प्रार्थना में, उनकी सारी ऊर्जा एकत्रित हुई—उनका सारा दृढ़ उत्साह जागृत हुआ: वे पूरी लगन से परमेश्वर से संघर्ष कर रहे थे, और विजय प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित थे। उन्होंने दुर्बल हृदय वालों के लिए शक्ति की प्रार्थना की; झुंड से भटकने वालों के लिए मार्गदर्शन की प्रार्थना की; ग्यारहवें घंटे में भी, उन लोगों के लिए वापसी की प्रार्थना की जिन्हें संसार और शरीर के प्रलोभन संकीर्ण मार्ग से भटका रहे थे। उन्होंने विनती की, आग्रह किया, जलती हुई आग से बचाई गई एक चिंगारी के वरदान का दावा किया। गंभीरता हमेशा गहरी और गंभीर होती है: पहले, जब मैंने उनकी प्रार्थना सुनी, तो मैं उनकी प्रार्थना पर आश्चर्यचकित हुई; फिर, जब वह जारी रही और बुलंद होती गई, तो मैं उससे प्रभावित हुई और अंत में विस्मयचकित हो गई। उन्होंने अपने उद्देश्य की महानता और अच्छाई

को इतनी ईमानदारी से महसूस किया: अन्य जिन्होंने उन्हें इसके लिए प्रार्थना करते सुना, वे भी इसे महसूस किए बिना नहीं रह सके। प्रार्थना समाप्त होने पर, हमने उनसे विदा ली: उन्हें सुबह बहुत जल्दी जाना था। डायना और मैरी ने उन्हें चूमकर कमरे से बाहर निकल गईं—मुझे लगता है, उनके फुसफुसाते इशारे का पालन करते हुए: मैंने अपना हाथ बढ़ाया और उन्हें सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। 'धन्यवाद, जेन। जैसा मैंने कहा, मैं दो सप्ताह में कैम्ब्रिज से लौट आऊंगा: तब तक आपके पास विचार करने के लिए समय है। यदि मैं मानवीय अहंकार की सुनता, तो मैं तुमसे विवाह के बारे में और कुछ नहीं कहता; लेकिन मैं अपने कर्तव्य का पालन करता हूं, और अपने पहले लक्ष्य को दृढ़ता से ध्यान में रखता हूं—सभी कार्य ईश्वर की महिमा के लिए करना।' मेरे स्वामी धैर्यवान थे: मैं भी वैसा ही रहूंगा। मैं तुम्हें क्रोध का पात्र बनाकर विनाश के हवाले नहीं कर सकता: पश्चाताप करो—संकल्प लो, जब तक समय है। याद रखो, हमें दिन रहते काम करने का आदेश दिया गया है—चेतावनी दी गई है कि "रात आती है जब कोई काम नहीं कर पाएगा।" दाइव्स के भाग्य को याद रखो, जिसके पास इस जीवन में सब कुछ अच्छा था। ईश्वर तुम्हें वह बेहतर हिस्सा चुनने की शक्ति दे जो तुमसे कभी नहीं छीना जाएगा! अंतिम शब्द कहते हुए उन्होंने अपना हाथ मेरे सिर पर रखा। उन्होंने गंभीरता से, कोमलता से बात की थी: उनकी नज़र किसी प्रेमी की अपनी प्रेमिका को देखने जैसी नहीं थी, बल्कि किसी चरवाहे की अपनी भटकती भेड़ों को याद करने जैसी थी—या बेहतर कहें तो, किसी संरक्षक देवदूत की, जो उस आत्मा की रक्षा कर रहा है जिसके लिए वह जिम्मेदार है। सभी प्रतिभाशाली पुरुष, चाहे वे भावुक हों या न हों; चाहे वे

लेना निर्णय की त्रुटि होती। इस समय, जब मैं समय के शांत माध्यम से उस संकट को याद करती हूँ, तो मुझे ऐसा लगता है: उस क्षण मैं अपनी मूर्खता से अनभिज्ञ थी। मैं अपने पुरोहित के स्पर्श के नीचे गतिहीन खड़ी थी। मेरे इनकार भुला दिए गए—मेरे भय दूर हो गए—मेरी सारी उलझनें थम गईं। असंभव—अर्थात संत जॉन से मेरा विवाह—तेजी से संभव होता जा रहा था। सब कुछ अचानक ही पूरी तरह बदल रहा था। धर्म ने पुकारा—देवदूतों ने इशारा किया—ईश्वर ने आज्ञा दी—जीवन एक ग्रंथ की तरह आगे बढ़ता गया—मृत्यु के द्वार खुलते ही अनंत काल दिखाई दिया: ऐसा लगा मानो वहाँ की सुरक्षा और आनंद के लिए, यहाँ सब कुछ एक पल में त्याग दिया जा सकता है। मंद रोशनी वाला कमरा दर्शनों से भर गया था। 'क्या तुम अब फैसला कर सकती हो?' मिशनरी ने पूछा। यह प्रश्न कोमल स्वर में पूछा गया था: उन्होंने मुझे उतनी ही कोमलता से अपनी ओर खींच लिया। ओह, वह कोमलता! वह बल से कहीं अधिक शक्तिशाली है! मैं संत जॉन के क्रोध का विरोध कर सकती थी: मैं उनकी दया के आगे सरकंडे की तरह लचीली हो गई। फिर भी मैं जानती थी कि अगर मैंने अभी हार मान ली, तो एक दिन मुझे अपने पूर्व विद्रोह के लिए पश्चाताप करना ही पड़ेगा। एक घंटे की गंभीर प्रार्थना से उनका स्वभाव नहीं बदला: बल्कि और भी उन्नत हो गया। मैंने उत्तर दिया, 'अगर मुझे पूरा यकीन होता, तो मैं फैसला कर सकती थी। अगर मुझे यकीन होता कि तुमसे शादी करना ईश्वर की इच्छा है, तो मैं अभी और यहीं तुमसे शादी करने की कसम खा सकती थी—बाद में जो भी हो!' संत जॉन ने कहा, 'मेरी प्रार्थनाएँ सुन ली गई हैं!' उन्होंने अपना हाथ मेरे सिर पर और कसकर दबाया, मानो मुझे अपना बनाना चाहते हों: उन्होंने मुझे अपनी बाहों में भर लिया, मानो मुझसे प्यार करते हों (मैं लगभग कह रही हूँ—क्योंकि मैं अंतर जानती थी—क्योंकि मैंने प्यार का अनुभव किया था; लेकिन, उनकी तरह, मैंने अब प्यार को किनारे रख दिया था, और केवल कर्तव्य के बारे में सोच रही थी)। मैं अपनी आंतरिक दृष्टि की धुंधलीपन से जूझ रही थी, जिसके सामने अभी भी बादल छाए हुए थे। मैं सच्चे दिल से, गहराई से, पूरी लगन से वही करना चाहती थी जो सही था; और केवल वही। 'मुझे रास्ता दिखाओ, मुझे रास्ता दिखाओ!' मैंने स्वर्ग से विनती की। मैं पहले से कहीं अधिक उत्साहित थी।

जेन आयर 399 ईईईई मैं अब तक की सबसे ज़्यादा उत्तेजित थी; और इसके बाद जो कुछ हुआ वह उत्तेजना का परिणाम था या नहीं, इसका निर्णय पाठक स्वयं करेंगे।

सारा घर शांत था; क्योंकि मेरा मानना है कि सेंट जॉन और मेरे अलावा सभी आराम करने के लिए चले गए थे। एक मोमबत्ती बुझ रही थी: कमरा चाँदनी से भरा हुआ था। मेरा दिल तेज़ी से धड़क रहा था: मैं उसकी धड़कन सुन सकती थी। अचानक एक अवर्णनीय अनुभूति ने उसे झकझोर कर रख दिया, जो तुरंत मेरे सिर और हाथ-पैरों तक पहुँच गई। यह अनुभूति बिजली के झटके जैसी नहीं थी, लेकिन उतनी ही तीव्र, उतनी ही अजीब, उतनी ही चौंकाने वाली थी: इसने मेरी इंद्रियों पर ऐसा प्रभाव डाला मानो अब तक उनकी पूर्ण सक्रियता केवल सुस्ती थी, जिससे उन्हें अब जगाया गया था। वे आशा से भर उठीं: आँख और कान प्रतीक्षा कर रहे थे जबकि मेरी हड्डियों पर मांस काँप रहा था। "तुमने क्या सुना? तुम्हें क्या दिखाई दिया?" सेंट जॉन ने पूछा। मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया, लेकिन कहीं से एक आवाज़ सुनाई दी जो पुकार रही थी — 'जेन! जेन! जेन!'—बस इतना ही। 'हे भगवान! यह क्या है?' मैं हांफते हुए बोली। मैं शायद यह भी कह सकती थी, "यह कहाँ है?" क्योंकि यह न तो कमरे में सुनाई दी — न घर में— न बगीचे में; न हवा से, न धरती के नीचे से, न ऊपर से। मैंने इसे सुना था—कहाँ से, या कहाँ से, यह जानना हमेशा के लिए असंभव है! और यह एक इंसान की आवाज़ थी—एक जानी-मानी, प्यारी, अच्छी तरह से याद की जाने वाली आवाज़ —एडवर्ड फेयरफैक्स रोचेस्टर की; और यह दर्द और दुख में, बेतहाशा, रहस्यमयी, बेचैनी से बोल रही थी। 'मैं आ रही हूँ!' मैं चिल्लाई। 'मेरा इंतज़ार करो! ओह, मैं आऊँगी!' मैं दरवाजे की ओर भागी और गलियारे में देखा: वहाँ अँधेरा था। मैं बगीचे में भागी: वहाँ सन्नाटा था। 'तुम कहाँ हो?' मैं चीखी। मार्श ग्लेन के पार की पहाड़ियों से हल्की सी आवाज़ आई— 'तुम्हारे कहाँ हैं?' मैंने सुना। देवदार के पेड़ों में हवा धीरे-धीरे सरसरा रही थी: चारों ओर सुनसान मैदान और आधी रात का सन्नाटा छाया हुआ था। 'अंधविश्वास का नाश हो!' मैंने कहा, जब द्वार पर काले यू पेड़ के पास वह काला सा साया उठा। "यह तुम्हारा छल या जादू-टोना नहीं है: यह प्रकृति का काम है। वह जागृत हुई, और उसने—कोई चमत्कार नहीं—बल्कि अपना सर्वश्रेष्ठ किया।" मैं सेंट जॉन से अलग हो गया, जो मेरा पीछा कर रहा था और मुझे रोकना चाहता था। अब मेरा समय आ गया था। मेरी शक्तियाँ पूरी तरह से सक्रिय थीं। मैंने उससे कहा कि वह कोई प्रश्न या टिप्पणी न करे; मैंने उससे मुझे अकेला छोड़ने का अनुरोध किया: मुझे अकेला रहना ही था और मैं अकेला ही रहना चाहता था। उसने तुरंत मेरी बात मान ली। जहाँ अच्छी तरह से आदेश देने की शक्ति होती है, वहाँ आज्ञापालन कभी विफल

नहीं होता। मैं अपने कमरे में गया; खुद को अंदर बंद कर लिया; घुटनों के बल गिर पड़ा; और अपने तरीके से प्रार्थना की— सेंट जॉन के तरीके से अलग, लेकिन अपने तरीके से प्रभावी।

400 जेन आयर: मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी सर्वशक्तिमान आत्मा के बहुत करीब पहुँच गई हूँ; और मेरी आत्मा कृतज्ञता से उनके चरणों में विलीन हो उठी। मैं कृतज्ञता से उठी—एक संकल्प लिया—और निडर, प्रबुद्ध होकर लेट गई—बस सुबह होने का इंतज़ार कर रही थी। अध्याय XAXV! सुबह हो गई। मैं भोर में उठी। मैंने एक-दो घंटे अपने कमरे, दराजों और अलमारी में अपनी चीज़ों को उस क्रम में व्यवस्थित करने में बिताए, जिस क्रम में मैं उन्हें थोड़े समय के लिए अनुपस्थित रहने पर रखना चाहूँगी। इसी बीच, मैंने सेंट जॉन को अपने कमरे से निकलते सुना। वह मेरे दरवाजे पर रुके: मुझे डर था कि वह दस्तक देंगे—नहीं, बल्कि दरवाजे के नीचे से एक पर्ची सरकाई गई। मैंने उसे उठाया। उस पर ये शब्द लिखे थे— 'तुम कल रात मुझे बहुत अचानक छोड़कर चले गए। अगर तुम थोड़ी देर और रुकते, तो तुम ईसाई के क्रूस और स्वर्गदूत के मुकुट पर अपना हाथ रख देते। मैं पखवाड़े भर बाद आज लौटने पर तुम्हारे स्पष्ट निर्णय की प्रतीक्षा करूँगी।' इस बीच, सावधान रहो और प्रार्थना करो कि तुम प्रलोभन में न पड़ो: मुझे विश्वास है कि आत्मा तो तैयार है, पर शरीर कमजोर है। मैं तुम्हारे लिए हर घंटे प्रार्थना करूँगा। —तुम्हारा, संत जॉन।' 'मेरी आत्मा,' मैंने मन ही मन उत्तर दिया, 'सही काम करने को तैयार है; और मुझे आशा है कि मेरा शरीर इतना मजबूत है कि स्वर्ग की इच्छा को पूरा कर सके, जब एक बार वह इच्छा मुझे स्पष्ट रूप से ज्ञात हो जाएगी। किसी भी हालत में, यह इतना मजबूत होगा कि खोजबीन कर सके—इस संदेह के बादल से बाहर निकलने का रास्ता ढूँढ सके, और निश्चितता का प्रकाश पा सके।' यह जून का पहला दिन था; फिर भी सुबह बादल छाए हुए थे और ठंड थी: बारिश मेरी खिड़की पर तेज़ी से बरस रही थी। मैंने सामने का दरवाजा खुलते सुना, और संत जॉन बाहर निकल गए। खिड़की से देखते हुए, मैंने उन्हें बगीचे से गुजरते देखा। उन्होंने व्हिटक्रॉस की दिशा में धुंध भरे मैदानों से होकर रास्ता लिया—वहाँ उन्हें कोच मिलना था। 'कुछ ही घंटों में मैं भी उसी रास्ते पर तुम्हारा पीछा करूँगा, चचेरे भाई,' मैंने सोचा: 'मुझे भी व्हिटक्रॉस पर एक कोच से मिलना है।' मुझे भी इंग्लैंड में कुछ देखना और पूछना है, इससे पहले कि मैं हमेशा के लिए विदा हो जाऊं। नाश्ते के समय में अभी दो घंटे बाकी थे। मैंने इस बीच अपने कमरे में धीरे-धीरे टहलते हुए और

उस घटना पर विचार करते हुए समय बिताया जिसने मेरी योजनाओं को वर्तमान दिशा दी थी। मुझे वह आंतरिक अनुभूति याद आई जिसका मैंने अनुभव किया था: क्योंकि मैं उसे उसकी सारी अकथनीय विचित्रता के साथ याद कर सकता था। मुझे वह आवाज़ याद आई जो मैंने सुनी थी; मैंने फिर से सवाल किया कि वह कहाँ से आई थी, क्योंकि

 ———_—_—_—_—_—_—_—— पहले की तरह व्यर्थ: ऐसा लगा जैसे यह मेरे भीतर हो—बाहरी दुनिया में नहीं। मैंने पूछा, क्या यह महज़ एक तंत्रिका संबंधी प्रभाव था—एक भ्रम? मैं समझ नहीं पा रही थी और न ही विश्वास कर पा रही थी: यह किसी प्रेरणा जैसा था। भावना का वह अद्भुत झटका उस भूकंप की तरह आया था जिसने पौलुस और सिलास की जेल की नींव हिला दी थी; इसने आत्मा की कोठरी के द्वार खोल दिए थे और उसके बंधन तोड़ दिए थे—इसने उसे उसकी नींद से जगा दिया था, जहाँ से वह कांपते हुए, सुनते हुए, भयभीत होकर उछल पड़ी; फिर मेरे चौंके हुए कान में, और मेरे कांपते हुए हृदय में और मेरी आत्मा में तीन बार एक चीख गूंजी, जो न तो डरी और न ही कांपी, बल्कि मानो उस एक प्रयास की सफलता पर आनंदित हुई जिसे उसे भारी शरीर से मुक्त होकर करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। 'कुछ ही दिनों में,' मैंने अपने चिंतन को समाप्त करते हुए कहा, 'मैं उसके बारे में कुछ जान जाऊंगी जिसकी आवाज़ कल रात मुझे बुलाती हुई प्रतीत हुई थी।' पत्रों से कोई लाभ नहीं हुआ—अब व्यक्तिगत पूछताछ ही एकमात्र उपाय है।’ नाश्ते के समय मैंने डायना और मैरी को बताया कि मैं यात्रा पर जा रही हूँ और कम से कम चार दिन अनुपस्थित रहूँगी। ‘अकेले, जेन?’ उन्होंने पूछा। “हाँ; मैं एक दोस्त से मिलने या उसकी खबर सुनने जा रहा था, जिसके बारे में मैं कुछ समय से चिंतित था।” वे शायद यही सोच रहे थे, जैसा कि मुझे पूरा यकीन है, कि उन्हें लगता था कि उनके सिवा मेरा कोई दोस्त नहीं है: क्योंकि, सच में, मैंने ऐसा कई बार कहा था; लेकिन, अपनी स्वाभाविक विनम्रता के कारण, उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की, सिवाय इसके कि डायना ने मुझसे पूछा कि क्या मैं यात्रा करने के लिए पूरी तरह स्वस्थ हूँ। उसने कहा कि मैं बहुत पीला दिख रहा था। मैंने जवाब दिया कि मुझे केवल मन की चिंता है, जो मुझे उम्मीद है कि जल्द ही दूर हो जाएगी। आगे की व्यवस्था करना आसान था; क्योंकि मुझे कोई पूछताछ या अनुमान नहीं था। एक बार जब मैंने उन्हें समझा दिया कि मैं अभी अपनी योजनाओं के बारे में खुलकर नहीं बता सकता, तो उन्होंने मेरी

चुप्पी को सहर्ष स्वीकार कर लिया, और मुझे वही स्वतंत्रता का अधिकार दिया जो मुझे ऐसी ही परिस्थितियों में उन्हें देना चाहिए था। मैं दोपहर तीन बजे मूर हाउस से निकला, और चार बजे के कुछ ही देर बाद मैं व्हिटक्रॉस के साइनपोस्ट के नीचे खड़ा होकर उस कोच के आने का इंतजार कर रहा था जो मुझे दूर स्थित 'थॉर्नफील्ड' जाना था। उन सुनसान सड़कों और रेगिस्तानी पहाड़ियों की खामोशी के बीच, मैंने दूर से उसकी आहट सुनी। यह वही वाहन था जिससे एक साल पहले, एक गर्मी की शाम को मैं ठीक इसी जगह पर उतरा था—कितना वीरान, निराशाजनक और उद्देश्यहीन! मेरे इशारे पर वह रुक गया। मैं उसमें बैठ गया—अब मुझे उसमें बैठने के लिए अपनी सारी दौलत कुर्बान करने की ज़रूरत नहीं थी।

 एक बार फिर थॉर्नफील्ड के रास्ते पर, मुझे ऐसा लगा जैसे मैं घर लौट रही कोई संदेशवाहक कबूतर हूँ। यह छत्तीस घंटे का सफर था। मैं मंगलवार की दोपहर को व्हिटक्रॉस से निकली थी, और अगले गुरुवार की सुबह कोच घोड़ों को पानी पिलाने के लिए रास्ते में एक सराय पर रुका, जो ऐसे नज़ारे के बीच स्थित थी जिसके हरे-भरे हेज, बड़े-बड़े खेत और नीची चरागाह वाली पहाड़ियाँ (मॉर्टन के कठोर नॉर्थ मिडलैंड मूर की तुलना में कितनी सौम्य और हरी-भरी!) मेरी आँखों के सामने किसी जाने-पहचाने चेहरे की तरह आ गईं। हाँ, मैं इस परिदृश्य को जानती थी: मुझे यकीन था कि हम अपनी मंज़िल के पास हैं। 'थॉर्नफील्ड हॉल यहाँ से कितनी दूर है?' मैंने अस्तबल के कर्मचारी से पूछा। 'बस दो मील, महोदया, खेतों के उस पार।' 'मेरा सफर यहीं खत्म होता है,' मैंने मन ही मन सोचा। मैं कोच से उतरी, अपना एक बक्सा अस्तबल के कर्मचारी को सौंप दिया, ताकि वह उसे मेरे बुलाने तक रखे; मैंने किराया चुका दिया; कोचवान संतुष्ट हो गया और मैं चलने लगा: चमकते सूरज की रोशनी सराय के बोर्ड पर पड़ रही थी और मैंने सुनहरे अक्षरों में पढ़ा, “द रोचेस्टर आर्म्स।” मेरा दिल उछल पड़ा: मैं अपने मालिक की ज़मीन पर पहुँच गया था। लेकिन फिर से बैठ गया: एक ख्याल आया:— ‘हो सकता है तुम्हारा मालिक खुद ब्रिटिश चैनल के उस पार हो: और अगर वह थॉर्नफील्ड हॉल में है, जहाँ तुम जल्दी से जा रहे हो, तो वहाँ उसके अलावा और कौन है? उसकी पागल पत्नी: और तुम्हारा उससे कोई लेना-देना नहीं है: तुम उससे बात करने या उससे मिलने की हिम्मत मत करो। तुम्हारी मेहनत बेकार गई— बेहतर होगा कि तुम आगे न जाओ,’ चौकीदार ने आग्रह किया। ‘सराय के लोगों से जानकारी लो; वे तुम्हें सब कुछ बता सकते हैं: वे

तुम्हारे सारे संदेह तुरंत दूर कर सकते हैं। उस आदमी के पास जाओ और पूछो कि क्या मिस्टर रोचेस्टर घर पर हैं।' सुझाव समझदारी भरा था, फिर भी मैं उस पर अमल नहीं कर सका। मुझे उस जवाब से इतना डर लग रहा था जो मुझे निराशा से चूर कर देगा। संदेह को लंबा खींचना उम्मीद को लंबा खींचना था। शायद एक बार फिर उसके तारे की रोशनी में हॉल को और भी चमकीला देखो। मेरे सामने सीढ़ी थी—वही खेत जिनसे होकर मैं थॉर्नफील्ड से भागने वाली सुबह अंधा, बहरा, प्रतिशोध की आग में जलता हुआ भागा था: इससे पहले कि मैं ठीक से समझ पाता कि मैंने क्या रास्ता चुना है, मैं उनके बीचोंबीच था। मैं कितनी तेज़ी से चला! कभी-कभी कैसे दौड़ा! जाने-पहचाने जंगलों की पहली झलक पाने के लिए मैं कितना उत्सुक था! मैं उन पेड़ों का कितनी शिद्दत से स्वागत कर रहा था जिन्हें मैं जानता था, और उनके बीच घास के मैदान और पहाड़ियों की जानी-पहचानी झलकियाँ! आखिरकार जंगल ऊपर उठा; कौवों का झुंड घना दिखाई दिया; एक तेज़ कांव-कांव ने सुबह की शांति भंग कर दी। एक अजीब सी खुशी ने मुझे प्रेरित किया।

जेन आयर 403 एट एट एल एल ए ईरे टिस मी: मैं जल्दी से आगे बढ़ी। एक और खेत पार किया—एक संकरी गली—और वहाँ आँगन की दीवारें थीं—पीछे के दफ्तर: घर खुद, कौवों का घोंसला अभी भी छिपा हुआ था। 'मैं इसे सबसे पहले सामने से देखूँगी,' मैंने निश्चय किया, 'जहाँ इसकी भव्य प्राचीरें पहली नज़र में ही आँखों को मोहित कर लेंगी, और जहाँ मैं अपने मालिक की खिड़की को पहचान सकूँगी: शायद वह वहाँ खड़े हों—वह जल्दी उठते हैं: शायद वह अभी बगीचे में टहल रहे हों, या सामने फुटपाथ पर। काश मैं उन्हें देख पाती!—बस एक पल! यकीनन, अगर ऐसा हुआ तो मैं इतनी पागल तो नहीं हो जाऊँगी कि उनके पास दौड़ पड़ूँ? मैं कह नहीं सकती—मुझे यकीन नहीं है। और अगर मैंने ऐसा किया—तो फिर क्या? भगवान उन्हें आशीर्वाद दें! फिर क्या? उनके एक नज़र से मिलने वाले जीवन का स्वाद चखने से किसे दुख होगा?' मैं बड़बड़ाया: शायद इस समय वह पाइरेनीज़ पर्वतमाला पर सूर्योदय देख रहा होगा, या दक्षिण के शांत समुद्र पर। मैं बाग की निचली दीवार के किनारे-किनारे चला—उसका कोना मोड़ा: वहाँ एक द्वार था, जो घास के मैदान में खुलता था, दो पत्थर के खंभों के बीच, जिनके ऊपर पत्थर के गोले लगे थे। एक खंभे के पीछे से मैं चुपचाप हवेली के पूरे सामने के हिस्से को देख सकता था। मैंने सावधानी से अपना सिर आगे बढ़ाया, यह जानने के लिए कि क्या किसी शयनकक्ष की खिड़की के पर्दे

अभी भी ऊपर खींचे हुए हैं: प्राचीर, खिड़कियाँ, लंबा सामने का हिस्सा—इस सुरक्षित स्थान से सब कुछ मेरे नियंत्रण में था। ऊपर उड़ते कौवे शायद मुझे देख रहे थे जब मैं यह सब देख रहा था। मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने क्या सोचा होगा। उन्होंने सोचा होगा कि मैं पहले बहुत सावधान और डरपोक था, और धीरे-धीरे बहुत साहसी और बेपरवाह हो गया। एक झलक, फिर एक लंबी निगाह; और फिर अपने कोने से निकलकर घास के मैदान में भटकना; और अचानक विशाल हवेली के ठीक सामने रुक जाना, और उस पर एक लंबी, दृढ़ निगाह। 'शुरू में ये संकोच का कैसा दिखावा था?' वे शायद पूछते; 'अब ये कैसी मूर्खतापूर्ण बेपरवाही है?' पाठक, एक उदाहरण सुनिए। एक प्रेमी अपनी प्रेमिका को काईदार किनारे पर सोता हुआ पाता है; वह उसे जगाए बिना उसके सुंदर चेहरे की एक झलक पाना चाहता है। वह धीरे से घास पर सरकता है, बिना कोई आवाज़ किए; वह रुकता है—यह सोचकर कि वह हिल गई है: वह पीछे हट जाता है; किसी भी कीमत पर वह दिखना नहीं चाहता। सब कुछ शांत है: वह फिर आगे बढ़ता है: वह उसके ऊपर झुकता है; उसके चेहरे पर एक हल्का सा पर्दा है: वह उसे उठाता है, और नीचे झुकता है; अब उसकी आँखें सुंदरता के दर्शन की प्रतीक्षा कर रही हैं—गर्मजोशी से खिली हुई, और शांत अवस्था में मनमोहक। उनकी पहली नज़र कितनी जल्दी में पड़ी थी! लेकिन कैसे वे एक-दूसरे पर टिक गईं! वह कैसे चौंक गया! कैसे उसने अचानक और ज़ोर से दोनों बाहों में उस आकृति को थाम लिया जिसे वह एक क्षण पहले अपनी उंगली से छूने की हिम्मत भी नहीं कर रहा था! कैसे वह ज़ोर से एक नाम पुकारता है, अपना बोझ गिरा देता है, और उसे बेतहाशा देखता है! इस प्रकार
 रोता है, देखता है, क्योंकि अब उसे अपने किसी भी उच्चारण या हरकत से जागने का डर नहीं रहा। उसने सोचा था कि उसकी प्रेमिका मीठी नींद सो रही है: उसे पता चला कि वह मर चुकी है। मैंने भयभीत होकर एक आलीशान घर की ओर देखा: मुझे एक काला खंडहर दिखाई दिया। अब किसी द्वार के पीछे छिपने की ज़रूरत नहीं थी!—कमरों की जाली में झाँकने की ज़रूरत नहीं थी, इस डर से कि कहीं उनके पीछे जीवन की हलचल न हो! दरवाज़े खुलने की आवाज़ सुनने की ज़रूरत नहीं थी—फुटपाथ या बजरी पर कदमों की आहट की कल्पना करने की ज़रूरत नहीं थी! लॉन, मैदान रौंदे हुए और बंजर थे: द्वार खाली था। सामने का हिस्सा, जैसा मैंने एक बार सपने में देखा था, बस एक खोल जैसी दीवार थी, बहुत ऊँची और बहुत नाज़ुक दिखने वाली, बिना पैनल वाली खिड़कियों से छिद्रित: न छत, न बुर्ज, न

चिमनी—सब कुछ ढह गया था। और वहाँ मृत्यु का सन्नाटा था: एक सुनसान जंगल का सन्नाटा। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि यहाँ के लोगों को संबोधित पत्रों का कभी कोई उत्तर नहीं मिला: मानो किसी गिरजाघर के गलियारे में बने तहखाने में पत्र भेजना ही व्यर्थ था। पत्थरों का भयानक कालापन इस बात का गवाह था कि हॉल किस भाग्य से नष्ट हुआ था—आग लगने से: लेकिन आग कैसे लगी? इस आपदा की कहानी क्या थी? गारे, संगमरमर और लकड़ी के काम के अलावा और क्या नुकसान हुआ था? क्या संपत्ति के साथ-साथ जीवन भी नष्ट हुआ था? यदि हाँ, तो किसका? भयानक प्रश्न: इसका उत्तर देने वाला यहाँ कोई नहीं था—यहाँ तक कि कोई मूक संकेत या मौन संकेत भी नहीं। टूटी हुई दीवारों और तबाह हुए अंदरूनी हिस्से में घूमते हुए, मुझे इस बात के प्रमाण मिले कि यह विपत्ति हाल ही में नहीं हुई थी। मुझे लगा कि सर्दियों की बर्फ उस खाली मेहराब से बहकर आई थी, सर्दियों की बारिश उन खोखले खिड़कियों से अंदर आई थी; क्योंकि भीगे हुए मलबे के ढेरों के बीच, वसंत ने वनस्पति को पोषित किया था: पत्थरों और गिरे हुए शहतीरों के बीच जगह-जगह घास और खरपतवार उग आए थे। और हे भगवान! इस बीच इस खंडहर का अभागा मालिक कहाँ था? किस देश में? किस संरक्षण में? मेरी नज़र अनायास ही द्वार के पास स्थित धूसर रंग के गिरजाघर के बुर्ज पर पड़ी और मैंने पूछा, 'क्या वह डैमर डी रोचेस्टर के साथ उसके संकरे संगमरमर के घर में शरण लिए हुए है?' इन सवालों का कोई न कोई जवाब तो मिलना ही था। मुझे वह जवाब सराय के सिवा कहीं नहीं मिला, और जल्द ही मैं वहीं लौट आया। सराय के मालिक ने खुद मेरा नाश्ता बैठक में लाकर दिया। मैंने उनसे दरवाज़ा बंद करके बैठने का अनुरोध किया: मुझे उनसे कुछ सवाल पूछने थे। लेकिन जब उन्होंने मेरी बात मान ली, तो मुझे समझ ही नहीं आया कि मैं कैसे शुरू करूँ; संभावित जवाबों से मैं इतना भयभीत था। फिर भी, जिस उजाड़ दृश्य को मैं अभी-अभी छोड़कर आया था, उसने मुझे कुछ हद तक दुख भरी कहानी सुनने के लिए तैयार कर दिया था। सराय का मालिक एक सभ्य दिखने वाला, अधेड़ उम्र का आदमी था।

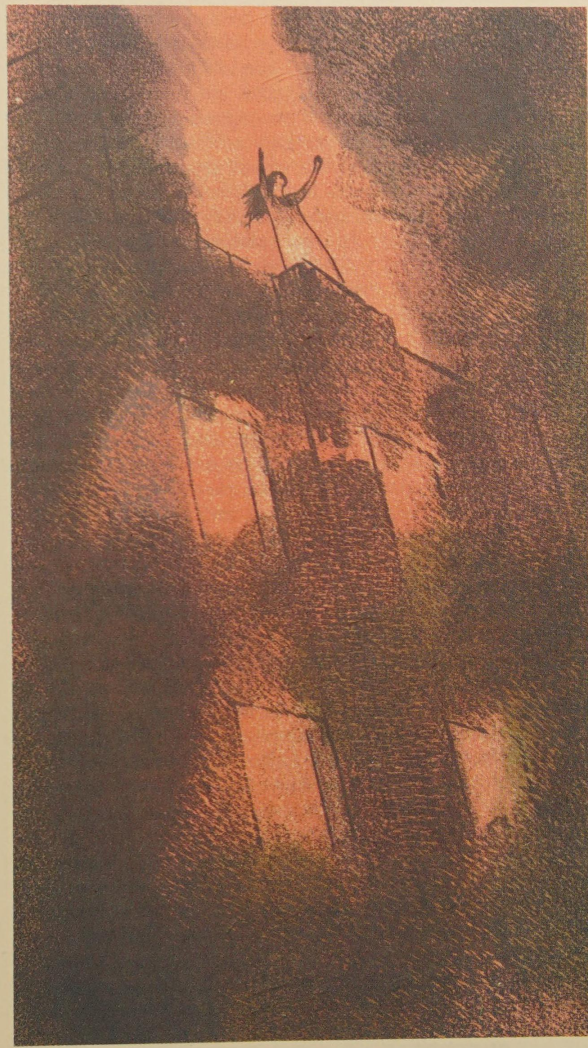
जेन आयर 405 ———————————— : “आप थॉर्नफील्ड हॉल को तो जानते ही होंगे, है ना?” मैंने जैसे-तैसे कहा। “जी महोदया; मैं वहाँ एक समय रहता था।” “क्या आप रहते थे?” मैंने सोचा, “मेरे समय में तो नहीं: आप तो मेरे लिए अजनबी हैं।” उन्होंने आगे कहा, “मैं स्वर्गीय श्री रोचेस्टर का बटलर था।” स्वर्गीय!

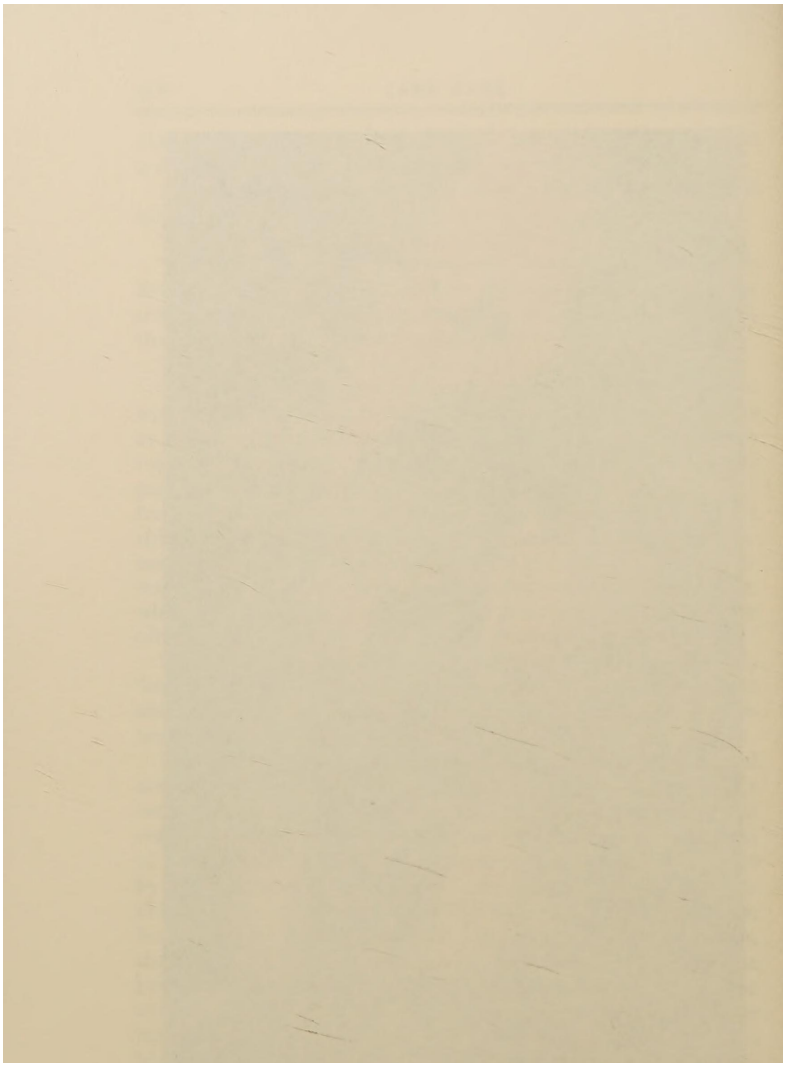
ऐसा लगता है कि जिस आघात से मैं बचने की कोशिश कर रही थी, वह मुझे पूरी ताकत से लग गया। “दिवंगत!” मैं हांफते हुए बोली। “क्या उनकी मृत्यु हो गई?” “मेरा मतलब है, यहाँ मौजूद सज्जन, श्री एडवर्ड के पिता,” उन्होंने समझाया। मैंने राहत की सांस ली: मेरे रक्त का प्रवाह फिर से सामान्य हो गया। इन शब्दों से मुझे पूरा यकीन हो गया कि श्री एडवर्ड—मेरे श्री रोचेस्टर (ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे, वे जहाँ भी हों!)—कम से कम जीवित हैं: संक्षेप में, वे ही ‘यहाँ मौजूद सज्जन’ हैं। कितने सुखद शब्द! ऐसा लगा कि मैं आगे आने वाली हर बात—चाहे जो भी खुलासे हों—को अपेक्षाकृत शांति से सुन सकती हूँ। चूंकि वे कब्र में नहीं थे, इसलिए मैंने सोचा कि मैं यह जानकर भी सहन कर सकती हूँ कि वे ऑस्ट्रेलिया में हैं। “क्या श्री रोचेस्टर अब थॉर्नफील्ड हॉल में रह रहे हैं?” मैंने पूछा, बेशक मुझे पता था कि उत्तर क्या होगा, फिर भी मैं यह सीधा प्रश्न टालना चाहती थी कि वे वास्तव में कहाँ हैं। “नहीं, महोदया—अरे नहीं! वहाँ कोई नहीं रहता। मुझे लगता है कि आप इस क्षेत्र में अजनबी हैं, वरना आपने सुना होता कि पिछली शरद ऋतु में क्या हुआ था—थॉर्नफील्ड हॉल पूरी तरह से खंडहर है।” फसल कटाई के ठीक समय पर वह जलकर राख हो गया। एक भयानक आपदा! इतनी बड़ी मात्रा में बहुमूल्य संपत्ति नष्ट हो गई: फर्नीचर का लगभग कुछ भी नहीं बचाया जा सका। आग आधी रात को लगी, और मिलकोट से दमकल गाड़ियाँ पहुँचने से पहले ही इमारत आग की लपटों में घिर गई थी। यह एक भयावह दृश्य था: मैंने इसे स्वयं देखा था।’ ‘आधी रात को!’ मैंने बुदबुदाया। हाँ, थॉर्नफील्ड में हमेशा यही दुर्भाग्यपूर्ण घटना होती थी। ‘क्या यह पता चला कि आग कैसे लगी?’ मैंने पूछा। ‘उन्होंने अनुमान लगाया, महोदया: उन्होंने अनुमान लगाया। वास्तव में, मैं कहूँगा कि यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो गया था। शायद आपको पता नहीं है,’ उन्होंने अपनी कुर्सी को मेज के थोड़ा और पास खींचते हुए और धीमी आवाज़ में कहा, ‘कि उस घर में एक महिला—एक—एक पागल महिला को रखा गया था?’ ‘मैंने इसके बारे में कुछ सुना है।’ ‘उसे बहुत ही कड़ी निगरानी में रखा गया था, महोदया; लोगों को कई वर्षों तक उसके अस्तित्व के बारे में पूरी तरह से यकीन नहीं था। किसी ने उसे नहीं देखा: उन्हें केवल अफवाहों से पता चला था कि ऐसी कोई व्यक्ति हॉल में थी; और कौन वह क्या थी, इसका अनुमान लगाना मुश्किल था। उन्होंने कहा कि श्री एडवर्ड उसे यहाँ से लाए थे।

406 जेन आयर विदेश में थीं, और कुछ लोगों का मानना था कि वह उनकी प्रेमिका

थीं। लेकिन एक साल पहले एक अजीब घटना घटी—बहुत ही अजीब घटना।' अब मुझे अपनी कहानी सुनने में डर लग रहा था। मैंने उन्हें मुख्य तथ्य पर वापस लाने का प्रयास किया। 'और यह महिला...' 'यह महिला, महोदया,' उन्होंने उत्तर दिया, 'श्री रोचेस्टर की पत्नी निकलीं! इसका पता बड़े ही अजीब तरीके से चला। हॉल में एक युवती, एक गवर्नेंस, थी, जिससे श्री रोचेस्टर को प्यार हो गया—' 'लेकिन आग,' मैंने कहा। 'मैं उसी पर आ रहा हूँ, महोदया—श्री एडवर्ड को उससे प्यार हो गया। नौकर कहते हैं कि उन्होंने किसी को इतना प्यार में डूबा हुआ कभी नहीं देखा जितना वह था: वह लगातार उसके पीछे पड़ा रहता था। वे उसे देखते रहते थे—नौकर तो देखते ही हैं, आप जानती हैं, महोदया—और वह उसे हर चीज से बढ़कर महत्व देता था: वैसे, उसके अलावा किसी को भी वह इतनी सुंदर नहीं लगती थी। वे कहते हैं कि वह छोटी सी, लगभग एक बच्ची जैसी थी। मैंने उसे खुद कभी नहीं देखा; लेकिन मैंने नौकरानी लीह से उसके बारे में सुना है। लीह उसे काफी पसंद करती थी। मिस्टर रोचेस्टर लगभग चालीस साल के थे, और यह गवर्नेंस बीस साल की भी नहीं थी; और आप जानते हैं, जब उनकी उम्र के सज्जन किसी लड़की से प्यार करते हैं, तो वे अक्सर ऐसे लगते हैं जैसे उन पर जादू हो गया हो। खैर, वह उससे शादी कर लेते।' 'कहानी का यह हिस्सा आप मुझे किसी और समय बताएँगी,' मैंने कहा; 'लेकिन अब मेरे पास आग के बारे में सब कुछ सुनने का एक खास कारण है। क्या यह संदेह था कि इस पागल, श्रीमती रोचेस्टर का इसमें कोई हाथ था?' 'आपने बिल्कुल सही कहा, महोदया: यह बिल्कुल निश्चित है कि यह वही थी, और कोई नहीं, जिसने आग लगाई थी। उसकी देखभाल के लिए श्रीमती पूल नाम की एक महिला थी—अपने पेशे में एक सक्षम महिला, और बहुत भरोसेमंद, लेकिन एक गलती के लिए—जो कई नर्सों और मैट्रन में आम होती है—वह अपने पास जिन की एक निजी बोतल रखती थी, और कभी-कभी जरूरत से ज्यादा पी लेती थी। यह बात माफ करने लायक है, क्योंकि उसने कठिन जीवन जिया था: लेकिन फिर भी यह खतरनाक था; क्योंकि जब श्रीमती पूल जिन और पानी पीने के बाद गहरी नींद में सो जाती थीं, तो वह पागल औरत, जो किसी चुड़ैल की तरह चालाक थी, अपनी जेब से चाबियां निकालती, अपने कमरे से बाहर निकल जाती और घर में इधर-उधर घूमती, और जो भी शरारत उसके दिमाग में आती, वह करती। कहते हैं कि उसने एक बार अपने पति को बिस्तर पर ही लगभग जला दिया था: लेकिन मुझे इस बारे में पक्का पता नहीं है। हालांकि, उस रात उसने

पहले अपने कमरे के बगल वाले कमरे के पर्दों में आग लगाई, फिर वह नीचे की मंजिल पर गई और उस कमरे में गई जो गवर्नेस का था—(ऐसा लग रहा था जैसे उसे पता हो कि क्या हुआ था और वह उससे ताना मार रही थी)—और उसने वहां बिस्तर में आग लगा दी; लेकिन सौभाग्य से उस पर कोई सो नहीं रहा था। गवर्नेस भाग गई थी।





जेन आयर 407 ओए दो महीने पहले चली गई थी; और मिस्टर रोचेस्टर ने उसे इस तरह चाहा मानो वह दुनिया में उनकी सबसे कीमती चीज हो, लेकिन उन्हें उससे एक शब्द भी सुनने को नहीं मिला; और वह अपनी निराशा पर क्रूर हो गए—बिल्कुल क्रूर: वह वैसे तो उग्र स्वभाव के नहीं थे, लेकिन उसे खोने के बाद खतरनाक हो गए। वह अकेले भी रहना चाहते थे। उन्होंने हाउसकीपर मिसेज फेयरफैक्स को दूर रहने वाले उनके दोस्तों के पास भेज दिया; लेकिन उन्होंने यह बड़े ही अच्छे तरीके से किया, क्योंकि उन्होंने उसके लिए जीवन भर के लिए पेंशन की व्यवस्था कर दी थी: और वह

इसकी हकदार भी थी—वह बहुत अच्छी महिला थी। मिस एडेल, जो उनकी देखरेख में थी, को स्कूल भेज दिया गया। उन्होंने सभी संभ्रांत लोगों से जान-पहचान तोड़ ली और हॉल में एक साधु की तरह खुद को बंद कर लिया। "क्या! क्या उन्होंने इंग्लैंड नहीं छोड़ा?" "इंग्लैंड छोड़ना? बिलकुल नहीं!" वह घर के दरवाज़े से बाहर नहीं निकलता था, सिवाय रात के, जब वह किसी भूत की तरह मैदानों और बगीचे में घूमता था, मानो उसने अपना होश खो दिया हो—और मेरा मानना है कि उसने सच में अपना होश खो दिया था; क्योंकि उस छोटी सी नौकरानी के आने से पहले आपने उससे ज़्यादा जोशीला, साहसी और तेज़-तर्रार सज्जन कभी नहीं देखा होगा, महोदया। वह कुछ लोगों की तरह शराब, ताश या घुड़दौड़ का शौकीन नहीं था, और वह बहुत सुंदर भी नहीं था; लेकिन अगर किसी इंसान में साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति होती है, तो वह उसी में थी। आप देखिए, मैं उसे बचपन से जानता हूँ: और जहाँ तक मेरी बात है, मैंने अक्सर चाहा है कि मिस आयर थॉर्नफील्ड हॉल आने से पहले ही समुद्र में डूब गई होती।' "तो क्या मिस्टर रोचेस्टर आग लगने के समय घर पर थे?" "हाँ, बिल्कुल थे; और जब ऊपर-नीचे सब कुछ जल रहा था, तो वह अटारी में गए और नौकरों को उनके बिस्तरों से उठाया और खुद भी नीचे लाए, और अपनी पागल पत्नी को उसकी कोठरी से बाहर निकालने के लिए वापस गए। फिर उन्होंने उसे पुकार कर बताया कि वह छत पर है, जहाँ वह खड़ी होकर, दीवारों के ऊपर, अपने हाथ हिला रही थी और इतनी ज़ोर से चिल्ला रही थी कि उसकी आवाज़ एक मील दूर तक सुनाई दे रही थी: मैंने उसे अपनी आँखों से देखा और सुना। वह एक बड़ी महिला थी, और उसके लंबे काले बाल थे: जब वह खड़ी थी तो हम देख सकते थे कि उसके बाल आग की लपटों में लहरा रहे थे। मैंने और कई अन्य लोगों ने देखा कि श्री रोचेस्टर रोशनदान से छत पर चढ़े; हमने उन्हें "बर्था!" कहते सुना। हमने उन्हें उसके पास जाते देखा; और फिर, महोदया, वह चीखी और उछली, और अगले ही पल वह ज़मीन पर चूर-चूर होकर गिर पड़ी। 'मर गई?' 'मर गई! हाँ, बिल्कुल मर गई जैसे पत्थर जिन पर उसका दिमाग और खून बिखरा हुआ था।' 'हे भगवान!' 'आप ऐसा कह सकती हैं, महोदया: यह बहुत भयानक था!' वह काँप उठा।

408 जेन आयर 'और उसके बाद?' मैंने पूछा। 'जी महोदया, उसके बाद तो घर जलकर राख हो गया: अब तो बस दीवारों के कुछ टुकड़े ही बचे हैं।' 'क्या और भी जानें गईं?' 'नहीं—शायद अगर जातीं तो बेहतर होता।' 'आपका क्या मतलब है?'

‘बेचारे श्री एडवर्ड!’ वह चौंककर बोले, ‘मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं यह देख पाऊँगा! कुछ लोग कहते हैं कि यह उनके साथ उचित ही हुआ क्योंकि उन्होंने अपनी पहली शादी को गुप्त रखा और एक पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करना चाहा: लेकिन मुझे उन पर तरस आता है।’ ‘आपने कहा कि वह जीवित हैं?’ मैं चौंक गई। ‘हाँ, हाँ: वह जीवित हैं; लेकिन कई लोग सोचते हैं कि उनका मर जाना ही बेहतर होता।’ ‘क्यों? कैसे?’ मेरा खून फिर से जम गया। “वह कहाँ है?” मैंने पूछा। “क्या वह इंग्लैंड में है?” “अरे—अरे—वह इंग्लैंड में है; मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड से बाहर नहीं निकल सकता—वह अब यहीं बंध गया है।” यह कितनी पीड़ादायक स्थिति थी! और वह आदमी इसे और लंबा खींचने पर तुला हुआ था। “वह पूरी तरह अंधा हो गया है,” उसने अंत में कहा। “हाँ, वह पूरी तरह अंधा हो गया है, श्री एडवर्ड।” मुझे इससे भी बुरी आशंका थी। मुझे लगा था कि वह पागल हो गया है। मैंने हिम्मत जुटाकर पूछा कि इस विपत्ति का कारण क्या था। “यह सब उसकी अपनी हिम्मत थी, और कुछ लोग कह सकते हैं, एक तरह से उसकी दयालुता भी, महोदया: वह तब तक घर से नहीं निकला जब तक कि बाकी सब उससे पहले बाहर नहीं निकल गए। जब वह अंत में बड़ी सीढ़ियों से नीचे आया, श्रीमती रोचेस्टर के किले की दीवारों से कूदने के बाद, एक ज़ोरदार धमाका हुआ—सब कुछ गिर गया। उसे मलबे के नीचे से ज़िंदा निकाला गया, लेकिन बुरी तरह घायल: एक बीम इस तरह गिरी थी कि उसने उसे आंशिक रूप से बचा लिया; लेकिन उसकी एक आँख निकल गई थी, और एक हाथ इतना कुचल गया था कि सर्जन श्री कार्टर को उसकी आँख सीधे काटनी पड़ी। दूसरी आँख में सूजन आ गई: उन्होंने उसकी रोशनी भी खो दी। अब वे सचमुच असहाय हैं— अंधे और अपाहिज।’ “वे कहाँ हैं? अब वे कहाँ रहते हैं?” “फर्नडियन में, एक फार्म पर बने एक हवेलीनुमा घर में, जो लगभग तीस मील दूर है: एकदम सुनसान जगह।” “उनके साथ कौन है?” “बूढ़े जॉन और उनकी पत्नी: वे किसी और को अपने साथ नहीं रखना चाहते। लोग कहते हैं कि वे पूरी तरह से टूट चुके हैं।” “क्या आपके पास कोई वाहन है?” “हमारे पास एक गाड़ी है, महोदया, एक बहुत ही सुंदर गाड़ी।” “इसे तुरंत तैयार करवाइए; और अगर आपका डाकिया मुझे आज अंधेरा होने से पहले फर्नडियन पहुँचा दे, तो मैं आप दोनों को आपके द्वारा माँगे जाने वाले किराए का दुगुना भुगतान करूँगी।”

आकार का और वास्तुकला की दृष्टि से साधारण था, जो घने जंगल में गहराई में स्थित था। मैंने इसके बारे में पहले भी सुना था। श्री रोचेस्टर अक्सर इसके बारे में बात करते थे और कभी-कभी वहां जाते भी थे। उनके पिता ने शिकारगाहों के लिए यह संपत्ति खरीदी थी। वे घर किराए पर देना चाहते थे, लेकिन इसकी अनुपयुक्त और अस्वस्थ जगह के कारण उन्हें कोई किराएदार नहीं मिला। फर्नेंडियन तब तक निर्जन और बिना साज-सज्जा के ही रहा, सिवाय दो-तीन कमरों के जो जमींदार के रहने के लिए बनाए गए थे जब वह शिकार के मौसम में वहां जाता था। मैं इस घर पर अंधेरा होने से ठीक पहले एक ऐसी शाम को पहुंचा, जिसमें उदास आसमान, ठंडी हवा और हल्की-हल्की बारिश हो रही थी। आखिरी मील मैंने पैदल तय किया, क्योंकि मैंने गाड़ी और चालक को वादा किया हुआ दुगुना पारिश्रमिक देकर विदा कर दिया था। हवेली से बहुत कम दूरी पर होने पर भी, उसका कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, क्योंकि उसके चारों ओर घने और अंधेरे जंगल में पेड़ इतने ज़्यादा थे। ग्रेनाइट के खंभों के बीच लोहे के फाटकों ने मुझे प्रवेश का रास्ता दिखाया, और उनसे गुज़रते ही मैं घने पेड़ों की धुंधली रोशनी में पहुँच गया। घास से ढका एक रास्ता जंगल के गलियारे से नीचे उतर रहा था, जहाँ बर्फीले और गांठदार पेड़ थे और शाखाओं वाले मेहराब थे। मैं उस रास्ते पर चलता रहा, उम्मीद कर रहा था कि जल्द ही हवेली पहुँच जाऊँगा; लेकिन वह रास्ता दूर तक फैला हुआ था, टेढ़ा-मेढ़ा होता जा रहा था: न तो किसी के रहने का कोई निशान था और न ही ज़मीन का। मुझे लगा कि मैंने गलत रास्ता ले लिया है और रास्ता भटक गया हूँ। प्राकृतिक और साथ ही जंगल की धुंधली शाम मुझ पर छा गई। मैंने दूसरी सड़क की तलाश में चारों ओर देखा। कोई रास्ता नहीं था: चारों ओर घने तने, स्तंभनुमा तने, घनी गर्मियों की पत्तियाँ थीं—कहीं कोई रास्ता नहीं था। मैं आगे बढ़ा: आखिरकार मेरा रास्ता खुला, पेड़ थोड़े कम हुए; तभी मुझे एक रेलिंग दिखाई दी, फिर घर—इस धुंधली रोशनी में, पेड़ों से मुश्किल से अलग पहचाना जा सकता था, क्योंकि उसकी जर्जर दीवारें इतनी नम और हरी थीं। केवल एक कुंडी से बंद एक द्वार से अंदर जाकर, मैं एक बंद मैदान के बीच में खड़ा था, जहाँ से जंगल अर्धवृत्ताकार रूप में फैला हुआ था। वहाँ न फूल थे, न क्यारियाँ; केवल एक चौड़ा बजरी का रास्ता था जो घास के मैदान को घेरे हुए था, और यह घने जंगल के बीच स्थित था। घर के सामने दो नुकीले छज्जे थे; खिड़कियाँ जालीदार और संकरी थीं: सामने का दरवाजा भी संकरा था, उस तक जाने के लिए एक सीढ़ी थी। पूरा दृश्य, जैसा कि रोचेस्टर आर्म्स के

मालिक ने कहा था, 'बिल्कुल सुनसान जगह' जैसा लग रहा था। यह एकदम शांत था। 410 जेन आयर, सप्ताह के किसी आम दिन चर्च: आसपास के इलाके में जंगल के पत्तों पर बारिश की बूँदों की हल्की आवाज़ ही सुनाई दे रही थी। 'क्या यहाँ जीवन है?' मैंने पूछा। हाँ, किसी न किसी तरह का जीवन तो था ही; क्योंकि मुझे एक हलचल सुनाई दी— वह संकरा सामने का दरवाज़ा खुल रहा था, और कोई आकृति खलिहान से बाहर आने वाली थी। दरवाज़ा धीरे-धीरे खुला: एक आकृति धुंधलके में बाहर आई और सीढ़ी पर खड़ी हो गई; एक आदमी बिना टोपी के: उसने अपना हाथ ऐसे बढ़ाया मानो यह महसूस करना चाहता हो कि बारिश हो रही है या नहीं। शाम ढल रही थी, फिर भी मैंने उसे पहचान लिया— वह मेरे मालिक, एडवर्ड फेयरफैक्स रोचेस्टर थे, और कोई नहीं। मैंने अपने कदम रोक लिए, लगभग अपनी साँसें भी, और उन्हें देखने के लिए खड़ी हो गई— उन्हें परखने के लिए, मैं खुद अदृश्य थी, और अफसोस! वह भी अदृश्य थे। यह एक अचानक मुलाकात थी, और ऐसी मुलाकात जिसमें खुशी को दर्द ने बड़ी मुश्किल से काबू में रखा था। मुझे अपनी आवाज़ को विस्मयबोधक होने से रोकने में और अपने कदमों को जल्दबाजी में आगे बढ़ने से रोकने में कोई कठिनाई नहीं हुई। उसका शरीर पहले की तरह ही मजबूत और दृढ़ था: उसका शरीर अभी भी सीधा था, उसके बाल अभी भी काले थे; उसके चेहरे पर कोई बदलाव या उदासी नहीं आई थी: एक साल के भीतर, किसी भी दुख ने उसकी फुर्ती को कम नहीं किया था और न ही उसकी जवानी को बर्बाद किया था। लेकिन उसके चेहरे पर मैंने एक बदलाव देखा: वह हताश और उदास लग रहा था—जो मुझे किसी सताए हुए और जंजीरों में जकड़े जंगली जानवर या पक्षी की याद दिलाता था, जो अपने गहरे दुख में पास जाने से डरता हो। पिंजरे में बंद चील, जिसकी सोने की अंगूठियों वाली आंखें क्रूरता से धुंसी हो गई हों, शायद उस अंधे सैमसन जैसी दिखती हो। और, पाठक, क्या आपको लगता है कि मैं उसकी अंधाधुंध क्रूरता से डर गया था?—अगर आप ऐसा सोचते हैं, तो आप मुझे बहुत कम जानते हैं। मेरे दुख के साथ एक कोमल आशा भी घुल गई थी कि जल्द ही मैं उस चट्टान जैसे माथे पर और उसके नीचे सख्ती से बंद उन होंठों पर एक चुंबन देने की हिम्मत कर पाऊंगा: लेकिन अभी नहीं। मैं अभी उससे बात नहीं करूंगा। वह एक सीढ़ी नीचे उतरा और धीरे-धीरे, टटोलते हुए घास के मैदान की ओर बढ़ा। अब उसका साहसी कदम कहाँ गया? फिर वह रुक गया, मानो उसे पता ही न हो कि किस ओर मुड़े। उसने अपना हाथ उठाया और पलकें खोलीं; खाली निगाहों से,

और बड़ी मुश्किल से, आकाश और पेड़ों के समूह की ओर देखा: ऐसा लग रहा था मानो उसके लिए सब कुछ अंधकारमय था। उसने अपना दाहिना हाथ बढ़ाया (बायाँ हाथ, जो कटा हुआ था, उसने अपनी छाती में छिपा रखा था); ऐसा लग रहा था मानो वह स्पर्श से अपने आस-पास की चीजों का अंदाजा लगाना चाहता हो: लेकिन उसे फिर भी खालीपन ही मिला; क्योंकि पेड़ उससे कुछ गज दूर थे। उसने कोशिश छोड़ दी, बाहें मोड़ लीं और बारिश में चुपचाप खड़ा रहा, जो अब उसके खुले सिर पर तेज़ी से गिर रही थी। इसी क्षण जॉन किसी दिशा से उसके पास आया।

 ओई "क्या आप मेरा हाथ थामेंगे, महोदय?' उसने कहा; 'तेज बारिश आने वाली है: क्या आपके लिए अंदर जाना बेहतर नहीं होगा?'" "मुझे अकेला छोड़ दो," जवाब मिला। जॉन ने मुझे देखे बिना ही वहाँ से चला गया। मिस्टर रोचेस्टर अब इधर-उधर घूमने की कोशिश करने लगे: व्यर्थ ही, सब कुछ अनिश्चित था। वे टटोलते हुए घर वापस गए और अंदर जाकर दरवाज़ा बंद कर लिया। मैं पास जाकर खटखटाया: जॉन की पत्नी ने मेरे लिए दरवाज़ा खोला। 'मैरी,' मैंने कहा, 'कैसी हो?' वह ऐसे चौंक गई जैसे उसने कोई भूत देख लिया हो: मैंने उसे शांत किया। फिर जल्दी से उससे पूछा, 'क्या सच में आप हैं, मिस, इतनी रात को इस सुनसान जगह पर आई हैं?' मैंने उसका हाथ पकड़कर जवाब दिया; और फिर मैं उसके पीछे रसोई में गई, जहाँ जॉन अब एक अच्छी आग के पास बैठा था। मैंने उन्हें संक्षेप में बताया कि थॉर्नफील्ड छोड़ने के बाद से जो कुछ भी हुआ है, वह सब मैंने सुन लिया है और मैं मिस्टर रोचेस्टर से मिलने आई हूँ। मैंने जॉन से कहा कि वह नीचे टोल-हाउस जाए, जहाँ मैंने गाड़ी उतारी थी, और मेरा ट्रंक ले आए, जो मैंने वहाँ छोड़ दिया था: और फिर, जब मैं अपनी टोपी और शॉल उतार रही थी, मैंने मैरी से पूछा कि क्या मैं मुझे मनोर हाउस में रात बिताने की व्यवस्था मिल गई थी; और यह जानकर कि इस संबंध में व्यवस्था करना, हालांकि मुश्किल था, असंभव नहीं था, मैंने उसे बताया कि मैं यहीं रुकूँगी। ठीक उसी समय बैठक की घंटी बजी। मैंने कहा, 'जब आप अंदर जाएँ, तो अपने मालिक से कहें कि कोई उनसे बात करना चाहता है, लेकिन मेरा नाम मत बताना।' उसने उत्तर दिया, 'मुझे नहीं लगता कि वह आपसे मिलेंगे; वह हर किसी को मना कर देते हैं।' जब वह लौटी, तो मैंने पूछा कि उन्होंने क्या कहा था। उसने जवाब दिया, 'आपको अपना नाम और अपना काम भेजना है।' फिर उसने एक गिलास में पानी भरा और उसे मोमबत्तियों के साथ एक ट्रे पर रख दिया। मैंने पूछा, 'क्या उन्होंने

इसी के लिए घंटी बजाई थी?' उसने कहा, 'हाँ: वह हमेशा अंधेरा होने पर मोमबत्तियाँ मंगवाते हैं, हालांकि वह अंधे हैं।' 'मुझे ट्रे दो; मैं इसे अंदर ले जाऊँगी।' मैंने उसके हाथ से ट्रे ले ली: उसने मुझे बैठक के दरवाजे की ओर इशारा किया। ट्रे मेरे हाथ में आते ही काँप उठी; गिलास से पानी छलक गया; मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। मैरी उसने मेरे लिए दरवाजा खोला और मेरे पीछे बंद कर दिया। यह बैठक कक्ष उदास लग रहा था: अंगीठी में धीमी आंच पर आग जल रही थी, जिसे नज़रअंदाज़ कर दिया गया था; और कमरे का अंधा किरायेदार ऊँची, पुराने ज़माने की शेल्फ पर सिर टिकाए, उस पर झुका हुआ दिखाई दिया। उसका बूढ़ा कुत्ता, पायलट, एक तरफ हटकर लेटा हुआ था और डरा हुआ प्रतीत हो रहा था।

 अनजाने में कुचले जाने का डर। जब मैं अंदर आई तो पायलट ने अपने कान खड़े कर लिए: फिर वह चीख और कराह के साथ उछल पड़ा और मेरी ओर दौड़ा: उसने लगभग मेरे हाथों से ट्रे गिरा ही दी थी। मैंने उसे मेज पर रख दिया; फिर उसे थपथपाया और धीरे से कहा, 'लेट जाओ!' श्री रोचेस्टर ने अनायास ही मुड़कर देखा कि क्या शोर हो रहा है: लेकिन जब उन्हें कुछ नहीं दिखा, तो वे वापस लौट आए और आह भरी। 'मुझे पानी दो, मैरी,' उन्होंने कहा। मैं अब आधे भरे गिलास के साथ उनके पास गई; पायलट अभी भी उत्तेजित होकर मेरे पीछे आया। 'क्या बात है?' उसने पूछा। 'लेट जाओ, पायलट!' मैंने फिर कहा। उसने पानी को होठों तक पहुँचने से पहले ही रोक लिया और मानो सुन रहा हो: उसने पानी पिया और गिलास नीचे रख दिया। “ये तुम ही हो, मैरी, है ना?” मैंने जवाब दिया, “मैरी रसोई में है।” उसने झटपट हाथ बढ़ाया, लेकिन मुझे न देख पाने के कारण उसने मुझे छुआ नहीं। “ये कौन है? ये कौन है?” उसने पूछा, मानो उन अंधी आँखों से देखने की कोशिश कर रहा हो—बेकार और कष्टदायक प्रयास! “मुझे जवाब दो—फिर से बोलो!” उसने ज़ुबान से और ज़ोर से आदेश दिया। मैंने कहा, “क्या आपको थोड़ा और पानी चाहिए, महोदय? गिलास में आधा पानी गिर गया।” “ये कौन है? ये क्या है? कौन बोल रहा है?” मैंने जवाब दिया, “पायलट मुझे जानता है, और जॉन और मैरी जानते हैं कि मैं यहाँ हूँ। मैं आज शाम ही आई हूँ।” “हे भगवान!—मुझे क्या भ्रम हो गया है? मुझे किस मीठे पागलपन ने जकड़ लिया है?” ‘कोई भ्रम नहीं—कोई पागलपन नहीं: महोदय, आपका दिमाग भ्रम के लिए बहुत मजबूत है, आपका स्वास्थ्य उन्माद के लिए बहुत अच्छा है।’ ‘और बोलने वाला कहाँ है? क्या यह सिर्फ एक

आवाज़ है? ओह! मैं देख नहीं सकता, लेकिन मुझे महसूस करना होगा, वरना मेरा दिल रुक जाएगा और मेरा दिमाग फट जाएगा। आप जो भी हों—स्पष्ट रूप से स्पर्श करने योग्य हों, वरना मैं जीवित नहीं रह सकता!' वह टटोलने लगा; मैंने उसके भटकते हाथ को रोक लिया और उसे अपने दोनों हाथों में जकड़ लिया। 'उसकी उंगलियाँ!' वह चिल्लाया; 'उसकी छोटी, कोमल उंगलियाँ! अगर ऐसा है तो उसका और भी कुछ होना चाहिए।' उसका मजबूत हाथ मेरी पकड़ से छूट गया; मेरी बांह, मेरा कंधा—गर्दन—कमर—मुझे जकड़ लिया गया और उससे सटा दिया गया। 'क्या यह जेन है? यह क्या है? यह उसका आकार है—यह उसका कद है—' 'और यह उसकी आवाज़ है,' मैंने कहा। 'वह पूरी तरह से यहाँ है: उसका दिल भी। भगवान आपका भला करे, महोदय! मुझे फिर से आपके इतने करीब आकर खुशी हो रही है।' 'जेन आयर!—जेन आयर,' बस इतना ही उसने कहा। कहा।

जेन आयर 413 'मेरे प्रिय स्वामी,' मैंने उत्तर दिया, 'मैं जेन आयर हूँ: मैंने आपको ढूँढ़ लिया है—मैं आपके पास वापस आ गई हूँ।' 'सच में?—वास्तव में? मेरी जीवित जेन?' 'आप मुझे छू रहे हैं, महोदय, आप मुझे थाम रहे हैं, और काफी मजबूती से: मैं न तो लाश की तरह ठंडी हूँ, न ही हवा की तरह खाली, है ना?' 'मेरी प्यारी, जीवित! ये निश्चित रूप से उसके अंग हैं, और ये उसके चेहरे के भाव हैं; लेकिन मैं अपने सारे दुख के बाद इतना भाग्यशाली नहीं हो सकता। यह एक सपना है; ऐसे सपने जो मैंने रात में देखे हैं जब मैंने उसे एक बार फिर अपने दिल से लगाया है, जैसे मैं अभी कर रहा हूँ; और उसे चूमा है, जैसे इस तरह—और महसूस किया है कि वह मुझसे प्यार करती है, और भरोसा किया है कि वह मुझे नहीं छोड़ेगी।' 'जो मैं कभी नहीं छोड़ूँगी, महोदय, आज से।' 'कभी नहीं छोड़ूँगी, सपने में कहा गया है? लेकिन मैं हमेशा जागता और पाता कि यह एक खोखला मज़ाक है; और मैं उजाड़ और परित्यक्त था—मेरा जीवन अंधकारमय, अकेला, निराशाजनक—मेरी आत्मा प्यासी और पीने से वंचित—मेरा दिल भूखा और कभी तृप्त न होने वाला। कोमल, प्यारा सपना, अब मेरी बाहों में सिमटा हुआ, तुम भी उड़ जाओगी, जैसे तुम्हारी सभी बहनें तुमसे पहले उड़ चुकी हैं: लेकिन जाने से पहले मुझे चूम लो—मुझे गले लगा लो, जेन।' "यहाँ, महोदय—और वहाँ!' मैंने अपने होंठ उसकी कभी चमकती और अब बेजान आँखों से सटा दिए—मैंने उसके माथे से बाल हटाए और उन्हें भी चूमा। वह अचानक जैसे जाग उठा: उसे इस सब की वास्तविकता का एहसास हुआ। 'यह तुम हो—क्या यह जेन है? तुम मेरे

पास वापस आ गई हो?' "अगर मैं हूँ तो।" 'और तुम किसी नदी के किनारे किसी खाई में मृत तो नहीं पड़ी हो? और तुम अजनबियों के बीच एक अकेली और दुखी तो नहीं हो?' 'नहीं, श्रीमान! मैं अब एक स्वतंत्र महिला हूँ।' 'स्वतंत्र! तुम्हारा क्या मतलब है, जेन?' 'मदीरा में मेरे चाचा की मृत्यु हो गई है, और वह मेरे लिए पाँच हज़ार पाउंड छोड़ गए हैं।' 'आह! यह व्यावहारिक है—यह सच है!' वह चिल्लाया: 'मैंने कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचा था। इसके अलावा, उसकी वह अनोखी आवाज़, इतनी जीवंत और तीखी, साथ ही कोमल: यह मेरे मुरझाए हुए दिल को खुश कर देती है; यह उसमें जान डाल देती है।—क्या, जेनेट! क्या तुम एक स्वतंत्र महिला हो? एक अमीर महिला?' 'बिल्कुल अमीर, श्रीमान।' अगर तुम मुझे अपने साथ नहीं रहने दोगी, तो मैं तुम्हारे दरवाजे के पास ही अपना घर बना लूँगा, और जब भी तुम्हें किसी की संगति चाहिए होगी, तुम आकर मेरे बैठक कक्ष में बैठ सकती हो।' 'लेकिन जेन, क्योंकि तुम अमीर हो, तो तुम्हारे पास अब निस्संदेह ऐसे दोस्त होंगे जो तुम्हारा ख्याल रखेंगे, और तुम्हें मुझ जैसे अंधे लंगड़े के पीछे भागने नहीं देंगे?'

जेन आयर से उद्धरण: 'मैंने आपसे कहा था कि मैं स्वतंत्र हूँ, महोदय, और धनी भी: मैं अपनी स्वामिनी हूँ।' 'और आप मेरे साथ रहेंगी?' 'ज़रूर—जब तक आपको कोई आपत्ति न हो। मैं आपकी पड़ोसी, आपकी नर्स, आपकी गृहणी बनूँगी। मुझे आप अकेले लगते हैं: मैं आपकी साथी बनूँगी—आपको पढ़कर सुनाऊँगी, आपके साथ चलूँगी, आपके साथ बैठूँगी, आपकी सेवा करूँगी, आपकी आँखें और हाथ बनूँगी। मेरे प्रिय स्वामी, इतना उदास मत दिखिए; जब तक मैं जीवित हूँ, आप अकेले नहीं रह जाएँगे।' उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया: वे गंभीर—विचारहीन लग रहे थे; उन्होंने आह भरी; उन्होंने बोलने के लिए अपने होंठ आधे खोले: फिर उन्हें बंद कर लिया। मुझे थोड़ी शर्मिंदगी महसूस हुई। शायद मैंने रूढ़ियों को जल्दबाजी में पार कर दिया था; और उन्होंने, सेंट जॉन की तरह, मेरी इस बेपरवाही में अनुचितता देखी। मैंने तो यही सोचकर प्रस्ताव रखा था कि वह मुझसे शादी करना चाहेंगे और मुझसे शादी के लिए कहेंगे: यह उम्मीद, भले ही ज़ाहिर न की गई हो, फिर भी पक्की थी, और इसने मुझे हिम्मत दी थी कि वह मुझे तुरंत अपना बना लेंगे। लेकिन उन्होंने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया और उनका चेहरा और भी उदास हो गया। मुझे अचानक याद आया कि शायद मैं पूरी तरह गलत थी, और शायद अनजाने में ही मूर्खता कर रही थी; और मैंने धीरे से खुद को उनकी बाहों से दूर करना शुरू किया— लेकिन उन्होंने मुझे तुरंत और कसकर

गले लगा लिया। 'नहीं—नहीं—जेन; तुम्हें नहीं जाना चाहिए। नहीं—मैंने तुम्हें छुआ है, तुम्हारी आवाज़ सुनी है, तुम्हारी मौजूदगी का सुकून महसूस किया है—तुम्हारे दिलासे की मिठास: मैं इन खुशियों को नहीं छोड़ सकता। मुझमें अब कुछ बचा नहीं है—मुझे तुम्हें पाना ही है। दुनिया चाहे हँसे—मुझे बेवकूफ, स्वार्थी कहे—लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' मेरी आत्मा तुम्हें चाहती है: या तो वह संतुष्ट होगी, या अपने शरीर से घातक बदला लेगी।' "ठीक है, महोदय, मैं आपके साथ रहूँगी: मैंने ऐसा कहा है।" "हाँ—लेकिन मेरे साथ रहकर तुम एक बात समझती हो; और मैं दूसरी। शायद तुम मेरी सेवा में तत्पर हो जाओ—एक दयालु नर्स की तरह मेरी सेवा करो (क्योंकि तुम्हारा हृदय स्नेही और आत्मा उदार है, जो तुम्हें उन लोगों के लिए त्याग करने के लिए प्रेरित करती है जिन पर तुम्हें दया आती है), और यह मेरे लिए निस्संदेह पर्याप्त होगा। मुझे लगता है कि अब मेरे मन में तुम्हारे लिए केवल पिता तुल्य भावनाएँ ही होनी चाहिए: क्या तुम भी ऐसा सोचती हो? बताओ।" "मैं वही सोचूँगी जो आप चाहें, महोदय: अगर आपको बेहतर लगता है तो मैं केवल आपकी नर्स बनकर ही संतुष्ट हूँ।" "लेकिन तुम हमेशा मेरी नर्स नहीं रह सकती, जेनेट: तुम अभी जवान हो—तुम्हें एक दिन शादी करनी होगी।" "मुझे शादी की परवाह नहीं है।"

जेन आयर rst ——EEEE—eEeEeE = EeEeEeEeEeEeEeEeEeEeEeEeEeEEee———— 'तुम्हें परवाह करनी चाहिए, जेनेट: अगर मैं पहले जैसा होता, तो मैं तुम्हें परवाह करवाने की कोशिश करता—लेकिन—एक अंधी कुतिया!' वह फिर से उदासी में डूब गया। इसके विपरीत, मैं अधिक प्रसन्न हुई और मुझे नई हिम्मत मिली: इन आखिरी शब्दों ने मुझे यह समझने में मदद की कि समस्या कहाँ थी; और चूंकि यह समस्या मेरे साथ नहीं थी, इसलिए मुझे अपनी पिछली शर्मिंदगी से काफी राहत मिली। मैंने बातचीत का एक जीवंत दौर फिर से शुरू किया। 'अब समय आ गया है कि कोई तुम्हें फिर से इंसान बनाए,' मैंने उसके घने और लंबे, बिना कटे बालों को हटाते हुए कहा; 'क्योंकि मुझे लगता है कि तुम शेर या कुछ इसी तरह के प्राणी में बदल रहे हो।' तुम्हारे पहनावे में नबूकदनेज़र की झलक साफ दिखती है, यह तो निश्चित है: तुम्हारे बाल चील के पंखों जैसे लगते हैं; तुम्हारे नाखून पक्षियों के पंजों जैसे बढ़े हैं या नहीं, यह मैंने अभी तक नहीं देखा है।' 'इस बांह पर न तो हाथ है और न ही नाखून,' उसने अपनी छाती से कटा हुआ अंग निकालकर मुझे दिखाते हुए कहा। 'यह तो बस एक ठूंठ है—भयानक

दृश्य! क्या तुम्हें ऐसा नहीं लगता, जेन?' 'इसे देखकर दुख होता है; और तुम्हारी आंखें देखकर भी दुख होता है—और तुम्हारे माथे पर आग का निशान भी: और सबसे बुरी बात यह है कि इन सब के बावजूद तुमसे ज़रूरत से ज़्यादा प्यार करने का खतरा है; और तुम्हें ज़रूरत से ज़्यादा अहमियत देने का।' 'मुझे लगा था कि मेरी बांह और मेरे दागदार चेहरे को देखकर तुम्हें घिन आएगी, जेन।' 'क्या तुम्हें ऐसा लगा? ऐसा मत कहो—कहीं मैं तुम्हारे फैसले पर कुछ बुरा न कह दूं।' अब, मुझे एक पल के लिए जाने दीजिए, मैं अच्छी आग जला लूँ और चूल्हा साफ कर दूँ। क्या आप बता सकती हैं कि अच्छी आग कैसी होती है?' 'हाँ; अपनी दाहिनी आँख से मुझे एक चमक दिखाई देती है—एक लालिमा लिए धुंध।' 'और क्या आपको मोमबत्तियाँ दिखाई देती हैं?' 'बहुत धुंधली—हर एक एक चमकदार बादल की तरह।' 'क्या आप मुझे देख सकती हैं?' 'नहीं, मेरी परी: लेकिन मैं आपको सुनकर और महसूस करके बहुत आभारी हूँ।' 'आप रात का खाना कब खाती हैं?' 'मैं कभी रात का खाना नहीं खाती।' 'लेकिन आज रात आपको खाना होगा। मुझे भूख लगी है: मुझे लगता है कि आपको भी भूख लगी होगी, बस आप भूल जाती हैं।' मैरी को बुलाकर, मैंने जल्द ही कमरे को अधिक खुशनुमा बना दिया: मैंने उनके लिए भी एक आरामदायक भोजन तैयार किया। मेरा मन उत्साहित था, और मैंने रात के खाने के दौरान और उसके बाद काफी देर तक उनसे खुशी और सहजता से बातें कीं। उनके साथ कोई जबरदस्ती की रोक-टोक नहीं थी, न ही खुशी और जीवंतता को दबाने की; क्योंकि उनके साथ मैं पूरी तरह से सहज थी, क्योंकि मैं जानती थी कि

416 जेन आयर से ——ईई——ईऑन उसे रास आया; मैंने जो कुछ भी कहा या किया, उससे उसे या तो सांत्वना मिली या फिर नई ऊर्जा मिली। कितना सुखद एहसास! इसने मेरे पूरे स्वभाव को जीवंत कर दिया: उसकी उपस्थिति में मैं पूरी तरह से जीती थी; और वह मेरी उपस्थिति में। अंधा होते हुए भी, उसके चेहरे पर मुस्कान खिल उठी, उसके माथे पर खुशी की चमक आ गई: उसके चेहरे के भाव कोमल और गर्म हो गए। रात के खाने के बाद, उसने मुझसे कई सवाल पूछने शुरू किए, कि मैं कहाँ थी, क्या कर रही थी, मैंने उसे कैसे ढूँढा; लेकिन मैंने उसे बहुत ही संक्षिप्त उत्तर दिए: उस रात विस्तार से बताने में बहुत देर हो चुकी थी। इसके अलावा, मैं उसके दिल में कोई गहरी भावनाएँ नहीं जगाना चाहती थी—उसके दिल में भावनाओं का कोई नया कुआँ नहीं खोलना चाहती थी: मेरा एकमात्र वर्तमान उद्देश्य उसे खुश करना

था। जैसा कि मैंने कहा, वह खुश हुआ: लेकिन फिर भी रुक-रुक कर। अगर बातचीत में एक पल की चुप्पी छा जाती, तो वह बेचैन हो जाता, मुझे छूता, फिर कहता, 'जेन।' 'क्या तुम पूरी तरह से एक इंसान हो, जेनेट?' आपको इस बात का पूरा यकीन है?' 'मुझे पूरी ईमानदारी से ऐसा ही विश्वास है, श्री रोचेस्टर।' 'फिर भी, इस अंधेरी और उदास शाम में, आप अचानक मेरे अकेले चूल्हे पर कैसे आ गईं? मैंने एक नौकर से पानी का गिलास लेने के लिए हाथ बढ़ाया, और आपने मुझे वह गिलास दे दिया: मैंने एक सवाल पूछा, जॉन की पत्नी से जवाब की उम्मीद करते हुए, और आपकी आवाज़ मेरे कानों में गूंजी।' 'क्योंकि मैं मैरी की जगह ट्रे लेकर अंदर आई थी।' 'और जो एक घंटा मैं अभी आपके साथ बिता रही हूँ, उसमें भी एक जादू है। कौन बता सकता है कि पिछले कई महीनों से मैंने कितना अंधकारमय, नीरस और निराशा भरा जीवन घसीटा है? कुछ नहीं किया, कुछ उम्मीद नहीं की; रात दिन में मिल गई; बस ठंड का एहसास होता था जब आग बुझ जाती थी, भूख लगती थी जब खाना भूल जाती थी: और फिर एक निरंतर दुख, और कभी-कभी, अपनी जेन को फिर से देखने की तीव्र इच्छा। हाँ: मैं उसके वापस आने के लिए तरस रही थी, अपनी खोई हुई दृष्टि के वापस आने से कहीं ज़्यादा।' जेन मेरे साथ कैसे हो सकती है, और कहती है कि वह मुझसे प्यार करती है? क्या वह उतनी ही अचानक नहीं चली जाएगी जितनी अचानक आई थी? मुझे डर है कि कल मैं उसे फिर कभी नहीं पाऊँगा।' उसके अपने परेशान विचारों के बीच से निकला एक सामान्य, व्यावहारिक जवाब, मुझे यकीन था, इस मानसिक स्थिति में उसके लिए सबसे अच्छा और सबसे आश्वस्त करने वाला था। मैंने उसकी भौहों पर उंगली फेरते हुए कहा कि वे झुलसी हुई हैं, और मैं कुछ ऐसा लगाऊँगा जिससे वे पहले की तरह चौड़ी और काली हो जाएँगी। "हे दयालु आत्मा, मेरा भला करने का क्या फायदा, जब किसी दुर्भाग्यपूर्ण क्षण में तुम मुझे फिर से छोड़ दोगे—एक परछाई की तरह गुजर जाओगे, कहाँ और कैसे, मुझे पता नहीं चलेगा, और बाद में मुझे कभी नहीं मिल पाओगे?"

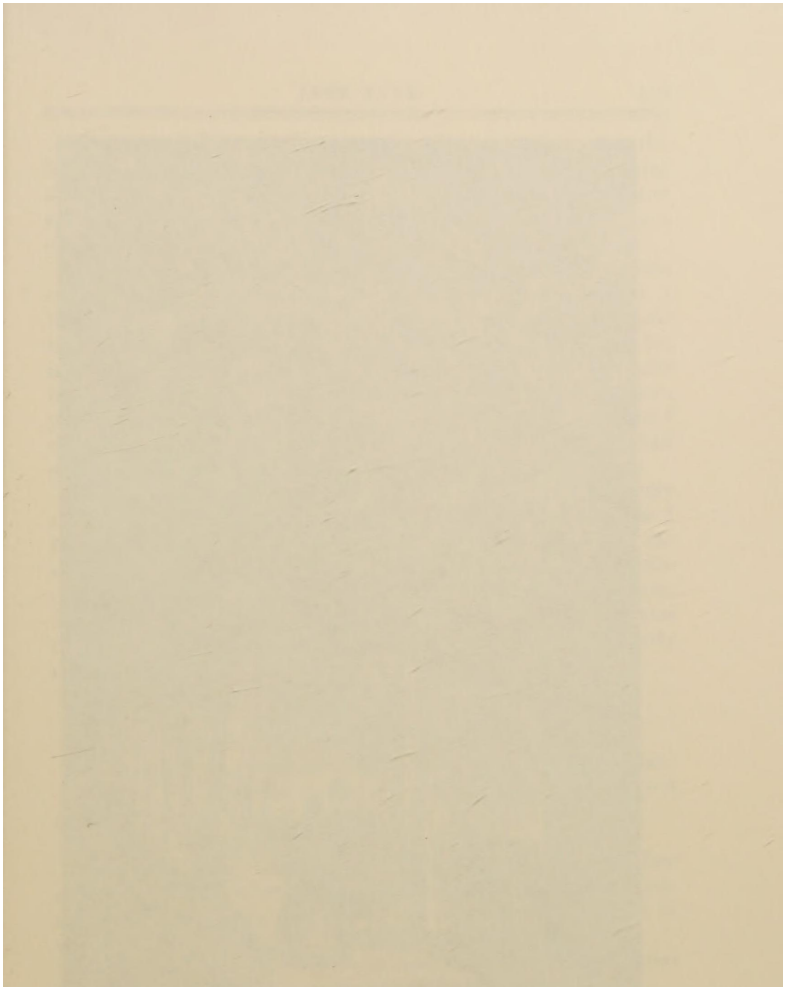
जेन आयर 417 देखें ee cet a a rr oe 'क्या आपके पास जेब में कंघी है, श्रीमान?' 'किसलिए, जेन?' 'बस इस उलझे हुए काले बालों को संवारने के लिए। जब मैं आपको करीब से देखती हूँ, तो आप मुझे काफी डरावनी लगती हैं: आप मुझे परी कहती हैं, लेकिन मुझे यकीन है, आप तो किसी बौने जैसी हैं।' 'क्या मैं बदसूरत हूँ, जेन?' 'बिल्कुल, श्रीमान: आप हमेशा से ही बदसूरत रही हैं, आप जानती हैं।' 'हम्फ!

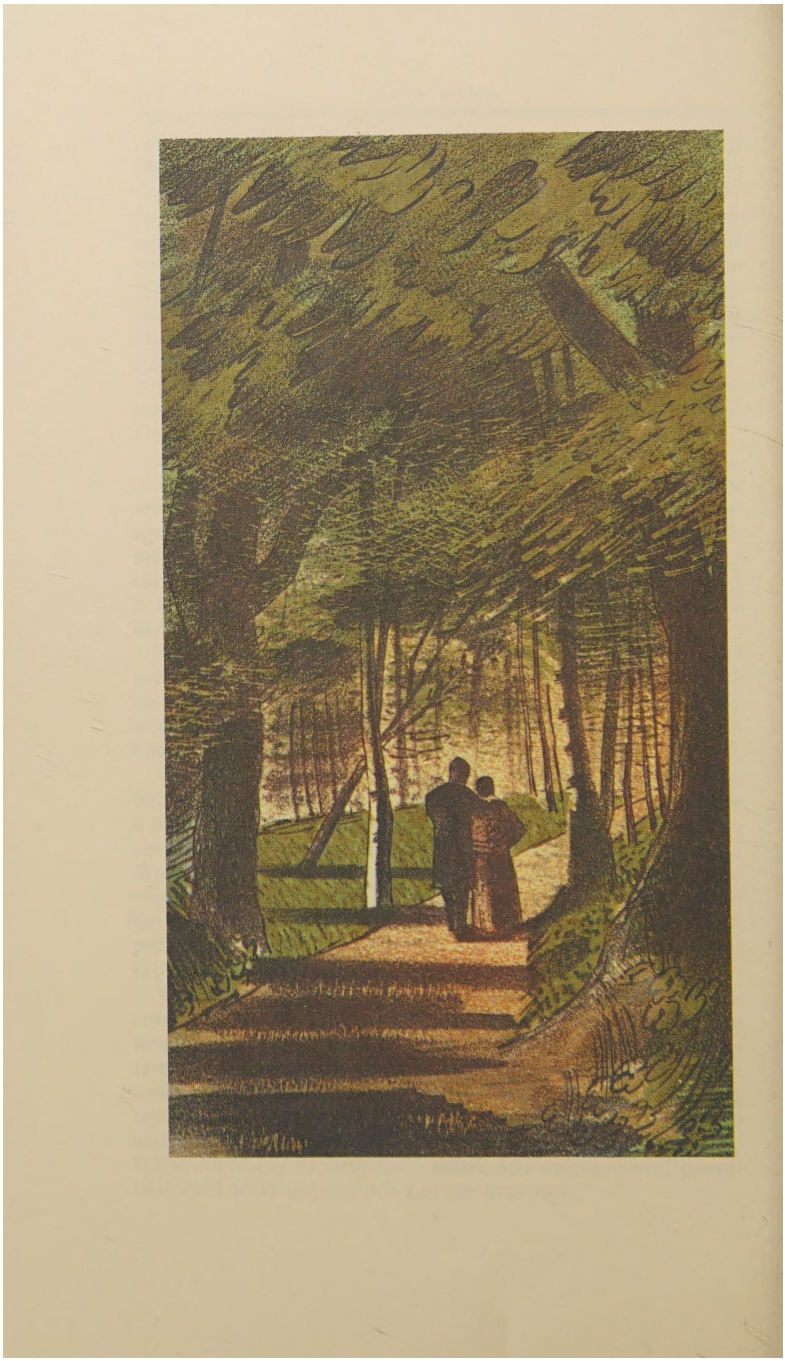
जहाँ भी आप रही हैं, आपके अंदर से बुराई नहीं निकली है।' 'फिर भी मैं अच्छे लोगों के साथ रही हूँ; आपसे कहीं बेहतर: सौ गुना बेहतर लोग; ऐसे विचार और दृष्टिकोण रखने वाले जो आपने अपने जीवन में कभी नहीं अपनाए: कहीं अधिक परिष्कृत और उच्च कोटि के।' 'आप किसके साथ रही हैं?' 'अगर आप इस तरह मुड़ती रहीं तो मुझे आपके सिर के बाल नोचने पड़ेंगे; और फिर मुझे लगता है कि आप मेरी वास्तविकता पर संदेह करना बंद कर देंगे।' "तुम किसके साथ थीं, जेन?" 'आज रात आप मुझसे यह नहीं जान पाएँगे, महोदय; आपको कल तक प्रतीक्षा करनी होगी; अपनी कहानी अधूरी छोड़ना, आप जानते हैं, एक तरह की गारंटी होगी कि मैं इसे पूरा करने के लिए आपके नाश्ते की मेज पर आऊँगी। वैसे, मुझे आपके चूल्हे पर केवल एक गिलास पानी लेकर नहीं उठना है: मुझे कम से कम एक अंडा लाना होगा, तले हुए हैम की तो बात ही छोड़िए।' 'तुम मज़ाक उड़ाने वाली परी-जन्मी और मनुष्य-पालित! तुम मुझे ऐसा महसूस करा रही हो जैसा मैंने पिछले बारह महीनों में महसूस नहीं किया। अगर शाऊल तुम्हें अपना डेविड बना सकता, तो दुष्ट आत्मा वीणा की सहायता के बिना ही निकल जाती।' 'लो, महोदय, आप लाल हो गए और सभ्य बन गए। अब मैं आपको छोड़ती हूँ: मैं पिछले तीन दिनों से यात्रा कर रही हूँ, और मुझे लगता है कि मैं थक गई हूँ। शुभ रात्रि।' 'बस एक बात, जेन: क्या उस घर में केवल महिलाएँ ही थीं जहाँ तुम थीं?' मैं हँसी और भाग निकली, ऊपर दौड़ते हुए भी हँसती रही। 'अच्छा विचार है,' मैंने मन ही मन खुशी से सोचा। 'लगता है मेरे पास उसे कुछ समय के लिए उसकी उदासी से बाहर निकालने का उपाय है।' अगली सुबह बहुत जल्दी मैंने उसे उठते और करवटें बदलते हुए सुना, वह एक कमरे से दूसरे कमरे में घूम रहा था। जैसे ही मैरी नीचे आई, मैंने यह सवाल सुना: 'क्या मिस आयर यहाँ हैं?' फिर: 'आपने उन्हें किस कमरे में रखा है? क्या वह सूखा था? क्या वह जाग गई हैं? जाकर पूछिए कि क्या उन्हें कुछ चाहिए; और वह कब नीचे आएंगी।' जैसे ही मुझे लगा कि नाश्ते का समय हो गया है, मैं नीचे आ गई। कमरे में बहुत धीरे से प्रवेश करते हुए, मैंने उसे अपनी उपस्थिति का पता चलने से पहले ही देख लिया। यह वास्तव में दुखद था।

418 जेन आयर: मैं उस जोशीले व्यक्तित्व को शारीरिक दुर्बलता के अधीन होते हुए देख रही थी। वह अपनी कुर्सी पर स्थिर बैठे थे, लेकिन आराम नहीं कर रहे थे: स्पष्ट रूप से आशा से भरे हुए; उनके मजबूत चेहरे पर अब आदत बन चुकी उदासी की लकीरें उभर रही थीं। उनका चेहरा बुझे हुए दीपक की याद दिलाता था, जो फिर से

जलने की प्रतीक्षा कर रहा हो—और अफसोस! अब वह स्वयं अपने चेहरे पर जीवंतता की चमक नहीं ला सकते थे: वह इस कार्य के लिए किसी और पर निर्भर थे! मैं हंसमुख और बेफिक्र रहना चाहती थी, लेकिन उस बलवान व्यक्ति की लाचारी ने मेरे दिल को झकझोर दिया: फिर भी मैंने उनसे यथासंभव उत्साह से बात की। 'आज सुबह बहुत सुहाना और धूप वाला दिन है, महोदय,' मैंने कहा। “बारिश रुक गई है और उसके बाद हल्की धूप खिली है: तुम जल्द ही सैर पर जाओगे।” मैंने उसकी चमक जगा दी थी: उसके चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। “ओह, तुम सचमुच यहीं हो, मेरी चिड़िया! मेरे पास आओ। तुम गई नहीं हो: गायब तो नहीं हुई? मैंने तुम्हारे जैसी एक चिड़िया को एक घंटे पहले जंगल के ऊपर ऊँची आवाज़ में गाते हुए सुना था: लेकिन उसका गाना मेरे लिए उतना मधुर नहीं था, जितना उगते सूरज की किरणें। धरती का सारा मधुर संगीत मेरी जेन की ज़बान में समाया है (मुझे खुशी है कि वह स्वभाव से खामोश नहीं है): मैं जितनी भी धूप महसूस कर सकता हूँ, वह उसकी मौजूदगी में है।” उसकी इस निर्भरता को सुनकर मेरी आँखों में पानी आ गया; मानो किसी शाही चील को, जो एक टहनी से बंधी हो, किसी चिड़िया से अपना भोजन लाने की भीख माँगनी पड़े। लेकिन मैं आँसू नहीं बहाना चाहती थी: मैंने आँसू पोंछे और नाश्ता बनाने में जुट गई। सुबह का ज़्यादातर समय खुली हवा में बीता। मैं उसे गीले और जंगली जंगल से निकालकर कुछ खुशनुमा खेतों में ले गई: मैंने उसे वर्णन किया। वे कितने हरे-भरे थे; फूल और झाड़ियाँ कितनी ताज़गी से भरी लग रही थीं; आकाश कितना चमकीला नीला था। मैंने उसके लिए एक छिपी हुई और सुंदर जगह पर बैठने की जगह ढूँढी, एक सूखे पेड़ के ठूंठ पर; और जब वह बैठ गया, तो मैंने उसे मुझे अपनी गोद में बिठाने से मना नहीं किया। मैं मना क्यों करती, जब हम दोनों ही अलग रहने से ज़्यादा पास रहकर खुश थे? पायलट हमारे बगल में लेटा था: सब शांत था। अचानक उसने मुझे बाहों में भरते हुए कहा— ‘क्रूर, क्रूर भगोड़ी! ओह, जेन, मुझे कैसा लगा जब मुझे पता चला कि तुम थॉर्नफील्ड से भाग गई हो, और जब मैं तुम्हें कहीं नहीं ढूँढ पाया; और, तुम्हारे कमरे की जाँच करने के बाद, मुझे पता चला कि तुमने न तो पैसे लिए हैं, न ही कोई ऐसी चीज़ जो उसके बदले में काम आ सके! मोतियों का हार जो मैंने तुम्हें दिया था, अपनी छोटी सी पेटी में वैसे ही पड़ा था; तुम्हारे बक्से वैसे ही बंधे और बंद थे जैसे दुल्हन के जुलूस के लिए तैयार किए गए थे। मेरी प्यारी क्या कर सकती थी, मैंने पूछा, बेसहारा और कंगाल रह गई? और उसने क्या किया? मुझे अभी

बताओ।’





जेन आयर 419 इस प्रकार प्रेरित होकर, मैंने पिछले एक वर्ष के अपने अनुभव का

वर्णन शुरू किया। मैंने तीन दिनों के भटकने और भुखमरी से संबंधित बातों को काफी हद तक नरम कर दिया, क्योंकि उसे सब कुछ बता देना अनावश्यक पीड़ा पहुँचाना होता: मैंने जो थोड़ा-बहुत कहा, उसने उसके विश्वासयोग्य हृदय को मेरी इच्छा से कहीं अधिक गहरा घाव दिया। उसने कहा, मुझे उसे इस प्रकार नहीं छोड़ना चाहिए था, बिना किसी साधन के: मुझे उसे अपना इरादा बता देना चाहिए था। मुझे उस पर भरोसा करना चाहिए था: वह मुझे कभी भी अपनी रखैल बनने के लिए मजबूर नहीं करता। हालाँकि वह अपनी निराशा में हिंसक प्रतीत हुआ था, वास्तव में वह मुझसे इतना अधिक और इतने कोमल भाव से प्रेम करता था कि वह मेरा अत्याचारी नहीं बन सकता था: वह मुझे अपनी आधी संपत्ति बिना एक चुंबन की माँग किए दे देता, बजाय इसके कि मैं खुद को बेसहारा इस विशाल संसार में भटकने दूँ। उसे यकीन था कि मैंने उससे कहीं अधिक सहा था जितना मैंने उससे स्वीकार किया था। 'खैर, मेरी जो भी परेशानियाँ थीं, वे बहुत कम समय की थीं,' मैंने उत्तर दिया: और फिर मैंने उन्हें बताया कि मूर हाउस में मेरा स्वागत कैसे हुआ; मुझे स्कूल टीचर का पद कैसे मिला, इत्यादि। भाग्य का उदय, मेरे रिश्तेदारों का पता चलना, सब क्रम से आगे बढ़ा। बेशक, मेरी कहानी के दौरान सेंट जॉन रिवर्स का नाम बार-बार आया। जब मैंने कहानी समाप्त की, तो तुरंत उस नाम पर चर्चा शुरू हुई। 'तो, यह सेंट जॉन आपका चचेरा भाई है?' उसने कहा। 'आपने उसके बारे में अक्सर बात की है: क्या आप उसे पसंद करती हैं?' 'वह बहुत अच्छा आदमी था, महोदय; मैं उसे पसंद किए बिना नहीं रह सकी।' 'अच्छा आदमी। क्या इसका मतलब पचास साल का एक सम्मानित, अच्छे आचरण वाला आदमी है? या इसका क्या मतलब है?' 'सेंट जॉन केवल उनतीस साल का था, महोदय।' '"ज्यून एनकोर," जैसा कि फ्रांसीसी कहते हैं। क्या वह छोटे कद का, शांत और साधारण व्यक्ति है?' एक ऐसा व्यक्ति जिसकी अच्छाई उसके सद्गुणों में निपुण होने से अधिक उसके दोषमुक्त होने में निहित है?' 'वह अथक रूप से सक्रिय है। महान और उदात्त कर्म करना ही उसका जीवन का उद्देश्य है।' 'लेकिन उसका दिमाग? वह शायद थोड़ा कमज़ोर है? उसकी मंशा अच्छी है: लेकिन आप उसकी बातें सुनकर कंधे उचका देते हैं?' 'वह कम बोलता है, महोदय: वह जो कुछ भी कहता है, वह हमेशा सटीक होता है। उसका दिमाग उत्कृष्ट है, मुझे लगता है कि वह आसानी से प्रभावित होने वाला नहीं, बल्कि सशक्त है।' 'तो क्या वह एक सक्षम व्यक्ति है?' 'वास्तव में सक्षम।' 'एक पूर्ण शिक्षित व्यक्ति?' 'सेंट जॉन एक निपुण

और गहन विद्वान हैं।'

 ——————————————————— 'मुझे लगता है आपने कहा था कि उनके तौर-तरीके आपको पसंद नहीं आए?—घमंडी और रूढ़िवादी?' 'मैंने उनके तौर-तरीकों का ज़िक्र नहीं किया; लेकिन अगर मेरी पसंद बहुत खराब न हो, तो वे मुझे पसंद ही आएंगे; वे सलीकेदार, शांत और सज्जन हैं।' 'उनका रूप-रंग—मुझे याद नहीं आपने उनके रूप-रंग का क्या वर्णन किया था;—एक तरह का असभ्य पादरी, अपने सफेद गले के कपड़े से आधा गला घोंटा हुआ, और मोटे तले वाले ऊँची एड़ी के जूतों में अकड़ा हुआ, है ना?' 'सेंट जॉन अच्छे कपड़े पहनते हैं। वह एक सुंदर आदमी हैं: लंबे, गोरे, नीली आँखों वाले, और यूनानी चेहरे वाले।' (मन ही मन) 'धिक्कार है उन पर!'— (मुझसे) 'क्या तुम्हें वह पसंद आया, जेन?' 'हाँ, मिस्टर रोचेस्टर, मुझे वह पसंद आया: लेकिन आपने मुझसे यह पहले पूछा था।' मैं, बेशक, अपने वार्ताकार के इशारे को समझ गई थी। ईर्ष्या ने उसे जकड़ लिया था: उसने उसे डंक मारा; लेकिन वह डंक फायदेमंद साबित हुआ: इसने उसे उदासी के तीखे डंक से राहत दी। इसलिए मैं तुरंत साँप को वश में नहीं करना चाहता था। 'शायद आप अब और मेरी गोद में नहीं बैठना चाहेंगी, मिस आयर?' यह अगली कुछ अप्रत्याशित टिप्पणी थी। 'क्यों नहीं, श्रीमान रोचेस्टर?' "आपने अभी जो चित्र बनाया है, वह कुछ ज़्यादा ही विरोधाभासी लगता है। आपके शब्दों ने अपोलो का बहुत सुंदर चित्रण किया है: वह आपकी कल्पना में मौजूद है— लंबा, गोरा, नीली आँखों वाला और यूनानी चेहरे वाला। आपकी नज़र वल्कन पर टिकी है— एक असली लोहार, भूरा, चौड़े कंधों वाला: और साथ ही अंधा और लंगड़ा भी।' 'मैंने पहले कभी इस बारे में नहीं सोचा था; लेकिन आप वाकई वल्कन जैसे लगते हैं, महोदय।' 'ठीक है, आप जा सकती हैं, महोदया: लेकिन जाने से पहले' (और उन्होंने मुझे पहले से भी ज़्यादा मज़बूती से पकड़ लिया), 'क्या आप कृपया मेरे एक-दो सवालों के जवाब देंगी?' वह रुके। 'क्या सवाल, श्रीमान रोचेस्टर?' फिर यह पूछताछ शुरू हुई। 'सेंट जॉन ने आपको मॉर्टन की स्कूल टीचर तब बनाया था जब उन्हें पता भी नहीं था कि आप उनकी चचेरी बहन हैं?' हाँ। 'आप उनसे अक्सर मिलती थीं? क्या वह कभी-कभी स्कूल आते थे?' 'रोज़।' 'क्या वह आपकी योजनाओं को मंज़ूरी देते थे, जेन?' मुझे पता है वे चतुर होंगे, क्योंकि तुम एक प्रतिभाशाली प्राणी हो!' 'उन्होंने उन्हें पसंद किया—हाँ।' 'वह तुममें कई ऐसी चीजें खोजेंगे जो उन्हें पहले नहीं पता थीं।'

जेन आयर 421 —~ ईईई ईई आपको क्या मिलने की उम्मीद थी? आपकी कुछ उपलब्धियाँ साधारण नहीं हैं।' 'मुझे इसके बारे में नहीं पता।' 'आपने कहा था कि स्कूल के पास आपकी एक छोटी सी कुटिया थी: क्या वह कभी आपसे मिलने वहाँ आता था?' "कभी-कभार।" 'शाम को?' "एक या दो बार।" एक विराम। 'चचेरे भाई-बहन का रिश्ता उजागर होने के बाद आप उसके और उसकी बहनों के साथ कितने समय तक रहीं?' 'पाँच महीने।' 'क्या रिवर्स अपने परिवार की महिलाओं के साथ ज़्यादा समय बिताते थे?' "हाँ; पिछला कमरा उनका और हमारा दोनों का अध्ययन कक्ष था: वह खिड़की के पास बैठते थे और हम मेज़ के पास।' 'क्या वह बहुत पढ़ाई करते थे?' "काफ़ी।' 'क्या?' 'हिंदुस्तानी।' 'और इस बीच आपने क्या किया?' 'मैंने पहले जर्मन सीखी।' 'क्या उन्होंने आपको पढ़ाया?' 'उन्हें जर्मन समझ नहीं आती थी।' 'क्या उन्होंने आपको कुछ नहीं पढ़ाया?' 'थोड़ी-बहुत हिंदुस्तानी।' 'रिवर्स ने आपको हिंदुस्तानी सिखाई?' "जी हाँ।' 'और उनकी बहनों ने भी?' 'नहीं।' 'सिर्फ़ आपको?' 'सिर्फ़ मुझे।' 'क्या आपने सीखने के लिए कहा था?' 'नहीं।' 'वह आपको पढ़ाना चाहते थे?' "हाँ। एक पल का विराम।' 'वह ऐसा क्यों चाहते थे? हिंदुस्तानी आपके किस काम आ सकती थी?' 'वह चाहते थे कि मैं उनके साथ जाऊँ।' भारत।' 'आह! अब मुझे असली बात समझ में आ गई। क्या वो तुमसे शादी करना चाहता था?' 'उसने मुझसे शादी करने के लिए कहा था।' 'यह एक मनगढ़ंत कहानी है—मुझे परेशान करने के लिए गढ़ी गई एक बेशर्मी भरी बात।'

422 जेन आयर — 'माफ़ कीजिएगा, यह अक्षरशः सच है: उसने मुझसे एक से ज़्यादा बार पूछा, और अपनी बात मनवाने में वह उतना ही अड़ियल था जितना कोई हो सकता है।' 'मिस आयर, मैं फिर से दोहराती हूँ, आप मुझे छोड़कर जा सकती हैं। मुझे कितनी बार एक ही बात कहनी पड़ेगी? जब मैंने आपको जाने के लिए कहा है, तब भी आप हठपूर्वक मेरी गोद में क्यों बैठी हैं?' 'क्योंकि मुझे वहाँ आराम मिलता है।' 'नहीं, जेन, आपको वहाँ आराम नहीं मिलता, क्योंकि आपका दिल मेरे साथ नहीं है: यह इस चचेरे भाई—इस सेंट जॉन के साथ है। ओह, इस पल तक, मैं सोचती थी कि मेरी प्यारी जेन पूरी तरह से मेरी है! मुझे विश्वास था कि जब वह मुझे छोड़कर गई तब भी वह मुझसे प्यार करती थी: यह बहुत कड़वाहट में मिठास का एक अंश था। हम कितने ही समय से अलग हैं, हमारे बिछड़ने पर मैंने कितने ही गर्म आँसू बहाए हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि जब मैं उसके लिए शोक मना रही थी, तब वह किसी और से

प्यार कर रही थी! लेकिन शोक करना व्यर्थ है।' जेन, मुझे छोड़ दो: जाओ और रिवर्स से शादी कर लो।' 'तो मुझे झटक दो, श्रीमान, मुझे दूर धकेल दो, क्योंकि मैं अपनी मर्जी से तुम्हें नहीं छोड़ूंगी।' 'जेन, मुझे तुम्हारी आवाज़ का लहजा हमेशा अच्छा लगता है: यह अब भी उम्मीद जगाता है, यह बहुत सच्चा लगता है। जब मैं इसे सुनता हूँ, तो यह मुझे एक साल पीछे ले जाता है। मैं भूल जाता हूँ कि तुमने एक नया रिश्ता बना लिया है।' लेकिन मैं मूर्ख नहीं हूँ— 'मुझे कहाँ जाना चाहिए, श्रीमान?' 'अपने रास्ते— अपने चुने हुए पति के साथ।' 'वह कौन है?' "आप जानते हैं—यह सेंट जॉन रिवर्स।' 'वह मेरा पति नहीं है, और न कभी होगा। वह मुझसे प्यार नहीं करता: मैं उससे प्यार नहीं करती। वह (जितना वह प्यार कर सकता है, और वह वैसा प्यार नहीं है जैसा आप करते हैं) रोज़ामंड नाम की एक सुंदर युवती से प्यार करता है। वह मुझसे केवल इसलिए शादी करना चाहता था क्योंकि उसे लगा कि मैं एक मिशनरी की उपयुक्त पत्नी बनूँगी, जो वह नहीं बन सकती थी। वह अच्छा और महान है, लेकिन कठोर है; और मेरे लिए, वह हिमखंड की तरह ठंडा है। वह आपके जैसा नहीं है, श्रीमान: मैं उसके साथ, उसके पास, या उसके साथ खुश नहीं हूँ। उसके मन में मेरे लिए कोई स्नेह नहीं है—कोई लगाव नहीं है। उसे मुझमें कुछ भी आकर्षक नहीं दिखता; यहाँ तक कि जवानी भी नहीं— केवल कुछ उपयोगी मानसिक गुण—तो मुझे आपको छोड़कर उसके पास जाना होगा, श्रीमान?' मैं अनजाने में काँप उठी, और सहज रूप से अपने अंधे लेकिन प्यारे गुरु से और अधिक लिपट गई। वह मुस्कुराए। 'क्या, जेन!' क्या यह सच है? क्या वाकई आपके और रिवर्स के बीच यही स्थिति है?" "बिल्कुल, महोदय! अरे, आपको ईर्ष्या करने की ज़रूरत नहीं है! मैं आपको थोड़ा चिढ़ाना चाहती थी ताकि आप कम दुखी हों: मुझे लगा कि क्रोध शोक से बेहतर होगा। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि मैं आपसे प्यार करूं, तो क्या आप देख सकते हैं कि मैं आपसे कितना प्यार करती हूं, आपको गर्व होगा और

 मेरा सारा दिल आपका है, श्रीमान: यह आपका है; और यह आपके साथ ही रहेगा, चाहे भाग्य मुझे हमेशा के लिए आपसे दूर कर दे।' एक बार फिर, जब उन्होंने मुझे चूमा, तो दर्द भरे विचारों ने उनके चेहरे को उदास कर दिया। 'मेरी झुलसी हुई दृष्टि! मेरी अपंग शक्ति!' उन्होंने खेद से बुदबुदाया। मैंने उन्हें शांत करने के लिए सहलाया। मैं जानती थी कि वह क्या सोच रहे हैं, और मैं उनके लिए बोलना चाहती थी, लेकिन हिम्मत नहीं कर पाई। जब उन्होंने एक मिनट के लिए

अपना चेहरा दूसरी तरफ मोड़ा, तो मैंने देखा कि बंद पलक के नीचे से एक आंसू फिसलकर उनके मर्दाना गाल पर बह गया। मेरा दिल भर आया। 'मैं थॉर्नफील्ड बाग में बिजली से झुलसे पुराने शाहबलूत के पेड़ से बेहतर नहीं हूँ,' उन्होंने कुछ देर बाद कहा। 'और उस खंडहर को क्या अधिकार होगा कि वह एक नवोदित बेल को अपनी सड़न को ताजगी से ढकने के लिए कहे?' "आप खंडहर नहीं हैं, महोदय—कोई बिजली से गिरा हुआ पेड़ नहीं: आप हरे-भरे और जीवंत हैं। पौधे आपकी जड़ों के चारों ओर उगेंगे, चाहे आप उनसे कहें या न कहें, क्योंकि वे आपकी भरपूर छाया में आनंदित होते हैं; और जैसे-जैसे वे बढ़ते हैं, वे आपकी ओर झुकेंगे और आपके चारों ओर लिपटेंगे, क्योंकि आपकी मजबूती उन्हें इतना सुरक्षित सहारा देती है।" वह फिर मुस्कुराए: मैंने उन्हें सांत्वना दी। "तुम दोस्तों की बात कर रही हो, जेन?" उन्होंने पूछा। "हाँ, दोस्तों की," मैंने कुछ हिचकिचाहट के साथ उत्तर दिया: क्योंकि मैं जानती थी कि मेरा मतलब दोस्तों से कहीं अधिक था, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इसके लिए कौन सा दूसरा शब्द इस्तेमाल करूं। उन्होंने मेरी मदद की। "आह! जेन। लेकिन मुझे एक पत्नी चाहिए।" "क्या आपको चाहिए, महोदय?" "हाँ: क्या यह आपके लिए नई बात है?" "बेशक: आपने इसके बारे में पहले कुछ नहीं कहा।" "क्या यह अप्रिय खबर है?" "यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है, महोदय—आपके चुनाव पर।" "जो आप मेरे लिए करेंगी, जेन।" मैं आपके फैसले का पालन करूंगा।' 'तो फिर चुनिए, महोदय—वह जो आपसे सबसे अधिक प्रेम करती है।' 'मैं कम से कम उसे तो चुनूंगा जिससे मैं सबसे अधिक प्रेम करता हूं। जेन, क्या तुम मुझसे शादी करोगी?' 'हाँ।' 'एक गरीब अंधे आदमी को, जिसे आपको हाथ पकड़कर घुमाना पड़ेगा?' 'जी हाँ।' 'एक अपाहिज आदमी, जो आपसे बीस साल बड़ा है, जिसकी आपको सेवा करनी पड़ेगी?' 'जी हाँ।'

424 जेन आयर 'सचमुच, जेन?' 'जी सर।' 'ओह! मेरी प्यारी! ईश्वर आपको आशीर्वाद दें और आपको इसका फल दें!' 'श्रीमान रोचेस्टर, अगर मैंने अपने जीवन में कभी कोई अच्छा काम किया है—अगर मैंने कभी कोई अच्छा विचार सोचा है—अगर मैंने कभी कोई सच्ची और निर्दोष प्रार्थना की है—अगर मैंने कभी कोई नेक इच्छा की है,—तो मुझे उसका फल अब मिल रहा है। आपकी पत्नी होना मेरे लिए धरती पर सबसे बड़ी खुशी है।' 'क्योंकि आपको त्याग में आनंद आता है।' 'त्याग! मैं क्या त्याग करती हूँ? भोजन के लिए अकाल, संतोष के लिए अपेक्षा। जिसे मैं महत्व देती हूँ उसे

गले लगाने का सौभाग्य—जिसे मैं प्यार करती हूँ उसे अपने होंठ लगाने का सौभाग्य —जिस पर मैं भरोसा करती हूँ उस पर विश्राम करने का सौभाग्य: क्या यह त्याग है? अगर ऐसा है, तो निश्चित रूप से मुझे त्याग में आनंद आता है।' 'और मेरी दुर्बलताओं को सहन करना, जेन: मेरी कमियों को अनदेखा करना।' 'जो मेरे लिए कोई नहीं हैं, श्रीमान।' अब जब मैं सचमुच आपके काम आ सकता हूँ, तो मैं आपसे पहले से कहीं ज़्यादा प्यार करता हूँ, बजाय उस समय के जब आप घमंडी आज़ादी में थे और दाता और रक्षक के अलावा हर भूमिका को तुच्छ समझते थे। अब तक मुझे मदद लेना—मार्गदर्शन पाना—नापसंद था: अब से मुझे लगता है कि मुझे इससे नफ़रत नहीं होगी। मुझे किसी मज़दूर के हाथ में हाथ डालना अच्छा नहीं लगता था, लेकिन जेन की नन्ही उंगलियों से उसे घेरे रहना सुखद है। मुझे नौकरों की निरंतर सेवा से कहीं ज़्यादा अकेलापन पसंद था; लेकिन जेन की कोमल सेवा हमेशा आनंददायक रहेगी। जेन मुझे भाती है: क्या मैं उसे भाता हूँ?' "मेरे स्वभाव के हर अंश तक, महोदय।' "अगर ऐसा है, तो हमें दुनिया में किसी चीज़ का इंतज़ार नहीं करना है: हमें तुरंत शादी कर लेनी चाहिए।' वह उत्सुकता से देखने और बोलने लगा: उसका पुराना जोश फिर से जाग उठा था। 'हमें बिना किसी देरी के एक शरीर बनना होगा, जेन: बस शादी की अनुमति चाहिए—फिर हम शादी कर लेंगे।' 'श्रीमान...' रोचेस्टर, मुझे अभी पता चला है कि सूरज अपने मध्याह्न से काफी नीचे चला गया है, और पायलट वास्तव में अपने भोजन के लिए घर चला गया है। मुझे तुम्हारी घड़ी देखने दो।' 'इसे अपनी कमरबंद में बांध लो, जेनेट, और इसे अब से अपने पास रखो: मुझे इसकी कोई ज़रूरत नहीं है।' 'लगभग चार बज रहे हैं, महोदय। क्या आपको भूख नहीं लग रही?' 'आज से तीन दिन बाद हमारी शादी होगी, जेन। अब अच्छे कपड़े और गहनों की चिंता मत करो: ये सब कोई मायने नहीं रखते।'

"सूरज ने बारिश की सारी बूँदें सुखा दी हैं, श्रीमान। हवा थम गई है: बहुत गर्मी है।" "क्या तुम्हें पता है, जेन, इस समय तुम्हारा छोटा सा मोतियों का हार मेरी टाई के नीचे मेरे कांसे के हार में बंधा हुआ है? मैंने इसे उस दिन से पहना है जब मैंने अपना इकलौता खजाना खो दिया था, उसकी याद में।" "हम जंगल से होकर घर जाएँगे: वह सबसे छायादार रास्ता होगा।" वह मेरी बात अनसुनी करते हुए अपने विचारों में खो गया। "जेन! मुझे लगता है तुम मुझे नास्तिक समझती हो: लेकिन

इस समय मेरा हृदय इस धरती के दयालु ईश्वर के प्रति कृतज्ञता से भरा हुआ है। वह मनुष्य की तरह नहीं देखता, बल्कि कहीं अधिक स्पष्ट रूप से देखता है: मनुष्य की तरह न्याय नहीं करता, बल्कि कहीं अधिक बुद्धिमानी से न्याय करता है।" मैंने गलती की: मैंने अपने निर्दोष फूल को कलंकित कर दिया—उसकी पवित्रता पर कलंक लगा दिया: सर्वशक्तिमान ने उसे मुझसे छीन लिया। मैंने अपने हठधर्मी विद्रोह में लगभग व्यवस्था को ही शाप दे दिया: आदेश के आगे झुकने के बजाय, मैंने उसका विरोध किया। ईश्वरीय न्याय ने अपना मार्ग अपनाया; मुझ पर विपत्तियाँ आ पड़ीं: मुझे मृत्यु की छाया की घाटी से गुजरना पड़ा। उसके दंड बहुत कठोर हैं; और एक दंड ने मुझे ऐसा आघात पहुँचाया जिसने मुझे हमेशा के लिए विनम्र बना दिया। तुम जानती हो कि मुझे अपनी शक्ति पर गर्व था: लेकिन अब वह क्या है, जब मुझे उसे किसी बाहरी मार्गदर्शन के हवाले करना होगा, जैसे कोई बच्चा अपनी कमजोरी को करता है? हाल ही में, जेन—केवल—केवल हाल ही में—मैंने अपने भाग्य में ईश्वर का हाथ देखना और स्वीकार करना शुरू किया। मुझे पश्चाताप, प्रायश्चित का अनुभव होने लगा; अपने सृष्टिकर्ता से मेल-मिलाप की इच्छा हुई। मैंने कभी-कभी प्रार्थना करना शुरू किया: वे बहुत संक्षिप्त प्रार्थनाएँ थीं, लेकिन बहुत सच्ची थीं। 'कुछ दिन पहले: नहीं, मैं उन्हें गिन सकती हूँ—चार; यह पिछले सोमवार की रात थी, मुझ पर एक विचित्र मनोदशा छा गई: एक ऐसी मनोदशा जिसमें उन्माद की जगह शोक ने ले ली—दुःख, उदासी। मुझे लंबे समय से यह आभास था कि चूंकि मैं तुम्हें कहीं नहीं ढूंढ पा रहा था, इसलिए तुम मर चुकी होगी। उस रात देर से—शायद ग्यारह और बारह बजे के बीच—अपने नीरस आराम के लिए सोने से पहले, मैंने ईश्वर से प्रार्थना की कि यदि उन्हें यह उचित लगे, तो मुझे जल्द ही इस जीवन से ले लिया जाए और उस परलोक में प्रवेश दिया जाए, जहां जेन से फिर से मिलने की आशा अभी भी बाकी है। मैं अपने कमरे में था, और खुली खिड़की के पास बैठा था: रात की सुहावनी हवा का एहसास मुझे सुकून दे रहा था; हालांकि मुझे तारे दिखाई नहीं दे रहे थे, और केवल एक धुंधली, चमकदार धुंध से ही मुझे चंद्रमा की उपस्थिति का पता चल रहा था। मैं तुम्हें तरस रहा था, जेनेट! ओह, मैं तुम्हें आत्मा और शरीर दोनों से तरस रहा था! मैंने ईश्वर से, पीड़ा और विनम्रता के साथ, पूछा कि क्या मैं बहुत लंबे समय से अकेला, पीड़ित और प्रताड़ित नहीं रहा हूँ; और शायद जल्द ही उन्हें सुख और शांति का अनुभव न हो।

426 जेन आयर एसएन एक बार फिर। मैंने स्वीकार किया कि मैंने जो कुछ भी सहा,

वह सब मेरी ही गलती थी— मैंने विनती की कि मैं अब और सह नहीं सकती; और मेरे दिल की सारी इच्छाएं अनायास ही मेरे होठों से इन शब्दों में फूट पड़ीं—"जेन! जेन! जेन!" ' 'क्या तुमने ये शब्द ज़ोर से बोले?' 'हाँ, जेन। अगर किसी ने मुझे सुना होता, तो वह मुझे पागल समझता: मैंने उन्हें इतनी उन्मादी ऊर्जा से बोला था।' 'और यह पिछले सोमवार की रात, लगभग आधी रात के आसपास की बात है?' 'हाँ; लेकिन समय का कोई महत्व नहीं है: इसके बाद जो हुआ वह अजीब बात है। तुम मुझे अंधविश्वासी समझोगी—कुछ अंधविश्वास मेरे खून में है, और हमेशा से रहा है: फिर भी, यह सच है—कम से कम यह सच है कि मैंने वह सुना जो मैं अब बता रही हूँ। 'जैसे ही मैंने "जेन! जेन! जेन!" कहा, एक आवाज़—मैं नहीं बता सकती कि आवाज़ कहाँ से आई, लेकिन मैं जानती हूँ कि वह किसकी आवाज़ थी—ने जवाब दिया, "मैं आ रही हूँ: मेरा इंतज़ार करो;" और एक पल बाद, हवा में फुसफुसाते हुए शब्द गूंजे —"तुम कहाँ हो?" मैं तुम्हें बताऊँगी, अगर बता सकूँ, तो वो विचार, वो तस्वीर जो इन शब्दों ने मेरे मन में खोली: फिर भी जो मैं व्यक्त करना चाहती हूँ, उसे व्यक्त करना कठिन है। जैसा कि तुम देख रहे हो, फर्नेंडियन एक घने जंगल में दफन है, जहाँ आवाज़ धीमी पड़ जाती है और बिना गूंजे ही मर जाती है। ""तुम कहाँ हो" ऐसा लगा जैसे पहाड़ों के बीच से ये शब्द कहे गए हों; क्योंकि मैंने पहाड़ी से आती हुई गूंज को इन शब्दों को दोहराते हुए सुना। उस क्षण ठंडी और ताज़ी हवा मेरे माथे को छू रही थी: मुझे लगा जैसे किसी सुनसान, वीरान जगह पर मैं और जेन मिल रहे हों। आत्मा से, मुझे विश्वास है कि हम अवश्य मिले होंगे। जेन, तुम निस्संदेह उस समय गहरी नींद में सो रही थी: शायद तुम्हारी आत्मा अपनी कोठरी से निकलकर मेरी आत्मा को सांत्वना देने आई हो; क्योंकि ये तुम्हारे ही लहजे थे—जितना यकीन है, उतना यकीन है—ये तुम्हारे ही थे! पाठक, सोमवार की रात—लगभग आधी रात को—मुझे भी वो रहस्यमयी बुलावा आया था: और मैंने भी उन्हीं शब्दों से उसका जवाब दिया था। मैंने श्री रोचेस्टर की कहानी सुनी, लेकिन बदले में कुछ नहीं बताया। यह संयोग मुझे इतना भयानक और अकथनीय लगा कि इसे बताना या इस पर चर्चा करना असंभव था। अगर मैं कुछ कहता, तो मेरी कहानी ऐसी होती जो सुनने वाले के मन पर गहरा प्रभाव डालती: और वह मन, जो अपने कष्टों के कारण उदासी से ग्रस्त था, उसे अलौकिक बातों की अधिक गहराई की आवश्यकता नहीं थी। मैंने इन बातों को अपने मन में रखा और उन पर विचार किया। "अब आपको आश्चर्य नहीं होगा," मेरे गुरु ने आगे कहा,

“कि जब आप कल रात अचानक मेरे सामने प्रकट हुए, तो मुझे आपको केवल एक आवाज और एक दृश्य के अलावा कुछ और मानना मुश्किल हो रहा था, कुछ ऐसा जो आधी रात की फुसफुसाहट और पहाड़ों की गूंज की तरह खामोशी और विनाश में विलीन हो जाएगा। अब, मैं ईश्वर का धन्यवाद करता हूँ! मैं जानता हूँ कि ऐसा नहीं है। हाँ, मैं ईश्वर का धन्यवाद करता हूँ!”

जेन आयर 427 —EEEEy_— — OO उन्होंने मुझे अपनी गोद से उतारा, उठे और आदरपूर्वक अपने माथे से टोपी उतारकर, अपनी दृष्टिहीन आँखों को धरती पर झुकाकर, मौन भक्ति में खड़े रहे। केवल प्रार्थना के अंतिम शब्द ही सुनाई दिए। ‘मैं अपने सृष्टिकर्ता का धन्यवाद करता हूँ कि न्याय के बीच भी उन्होंने दया को याद रखा है। मैं अपने मुक्तिदाता से विनम्रतापूर्वक विनती करता हूँ कि मुझे आगे से अब तक के जीवन से भी अधिक पवित्र जीवन जीने की शक्ति दें!’ फिर उन्होंने अपना हाथ आगे बढ़ाया। मैंने उनका वह प्यारा हाथ थामा, एक क्षण के लिए उसे अपने होठों से लगाया, फिर उसे अपने कंधे पर डाल दिया: उनसे कद में छोटा होने के कारण, मैं उनके सहारे और मार्गदर्शक दोनों का काम किया। हम जंगल में प्रवेश कर गए और घर की ओर चल पड़े। अध्याय 38 निष्कर्ष रीपर, मैंने उनसे विवाह किया। हमारा विवाह शांत था: केवल वह और मैं, पादरी और क्लर्क ही उपस्थित थे। जब हम चर्च से लौटे, तो मैं हवेली के रसोईघर में गई, जहाँ मैरी खाना बना रही थी और जॉन चाकू साफ़ कर रहा था, और मैंने कहा— ‘मैरी, आज सुबह मेरी शादी मिस्टर रोचेस्टर से हो गई है।’ गृहणी और उसके पति दोनों ही उस शालीन और शांत स्वभाव के लोग थे, जिनसे कोई भी कभी भी बिना किसी तीखे उद्गार से कान फाड़े और बाद में शब्दों के विस्मय से स्तब्ध हुए, सुरक्षित रूप से कोई उल्लेखनीय समाचार साझा कर सकता है। मैरी ने ऊपर देखा और मुझे घूरने लगी: जिस करछुल से वह आग पर भुने जा रहे दो मुर्गों पर तेल लगा रही थी, वह लगभग तीन मिनट तक हवा में लटकी रही; और उतने ही समय तक जॉन के चाकू भी पॉलिश करने से आराम कर रहे थे: लेकिन मैरी, भुने हुए मुर्गों पर फिर से झुकते हुए, केवल इतना ही बोली— ‘क्या आपकी शादी हो गई है, मिस?’ “हाँ, बिल्कुल!” थोड़ी देर बाद उसने आगे कहा, “मैंने तुम्हें मालिक के साथ बाहर जाते देखा था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि तुम शादी के लिए चर्च गए हो;” और वह बोलती रही। जब मैंने जॉन की ओर देखा, तो वह खूब मुस्कुरा रहा था। उसने कहा, “मैंने मैरी को बता दिया था कि क्या होगा: मुझे पता था कि मिस्टर एडवर्ड क्या चाहते

हैं।" (जॉन एक पुराना नौकर था, और वह अपने मालिक को तब से जानता था जब वह घर का नया नौकर था, इसलिए वह अक्सर उसे कुछ न कुछ बताता रहता था)
428 जेन आयर (उसे उसका ईसाई नाम)—'मुझे पता था कि मिस्टर एडवर्ड क्या करेंगे; और मुझे यकीन था कि वे ज़्यादा देर तक इंतज़ार भी नहीं करेंगे: और जहाँ तक मुझे पता है, उन्होंने सही किया है। आपको खुशी की शुभकामनाएँ, मिस!' और उन्होंने विनम्रता से अपनी लट खींची। 'धन्यवाद, जॉन। मिस्टर रोचेस्टर ने मुझे आपको और मैरी को यह देने के लिए कहा था।' मैंने उनके हाथ में पाँच पाउंड का नोट थमा दिया। और कुछ सुने बिना, मैं रसोई से निकल गई। कुछ समय बाद उस पवित्र स्थान के दरवाजे से गुजरते हुए, मैंने ये शब्द सुने— 'वह उसके लिए किसी भी बड़ी महिला से बेहतर साबित होगी।' और फिर, 'अगर वह सबसे खूबसूरत नहीं है, तो वह बहुत अच्छी और मिलनसार है; और उसकी नज़र में वह बेहद खूबसूरत है, यह तो हर कोई देख सकता है।' मैंने तुरंत मूर हाउस और कैम्ब्रिज को पत्र लिखकर बताया कि मैंने क्या किया था: और यह भी समझाया कि मैंने ऐसा क्यों किया। डायना और मैरी ने इस कदम को बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार कर लिया। डायना ने घोषणा की कि वह मुझे हनीमून से उबरने के लिए थोड़ा समय देंगी, और फिर मुझसे मिलने आएंगी। जब मैंने डायना का पत्र श्री रोचेस्टर को पढ़कर सुनाया, तो उन्होंने कहा, 'उसे तब तक इंतज़ार नहीं करना चाहिए, जेन; अगर वह ऐसा करती है, तो बहुत देर हो जाएगी, क्योंकि हमारा हनीमून हमारे जीवन भर चमकता रहेगा: इसकी किरणें केवल तुम्हारी या मेरी कब्र पर ही फीकी पड़ेंगी।' सेंट जॉन को यह खबर कैसे मिली, मुझे नहीं पता: उन्होंने उस पत्र का कभी जवाब नहीं दिया जिसमें मैंने उन्हें यह बताया था: फिर भी छह महीने बाद उन्होंने मुझे पत्र लिखा, हालांकि उन्होंने श्री रोचेस्टर का नाम नहीं लिया और न ही मेरी शादी का कोई जिक्र किया। उनका पत्र तब शांत था, और हालांकि बहुत गंभीर था, दयालु था। तब से उनका मेरे साथ नियमित, हालांकि बहुत बार नहीं, पत्राचार चलता रहा है: उन्हें आशा है कि मैं खुश हूँ, और उन्हें विश्वास है कि मैं उन लोगों में से नहीं हूँ जो दुनिया में ईश्वर के बिना जीते हैं, और केवल सांसारिक चीजों की परवाह करते हैं। पाठक, आप छोटी एडेल को पूरी तरह से भूल तो नहीं गए हैं, है ना? मैं नहीं भूली थी; मैंने जल्द ही श्री रोचेस्टर से अनुमति मांगी और मुझे उस स्कूल में उससे मिलने जाने की अनुमति मिल गई जहाँ उन्होंने उसे दाखिला दिलाया था। मुझे दोबारा देखकर उसकी बेतहाशा खुशी ने मुझे बहुत प्रभावित किया। वह पीली और

दुबली-पतली लग रही थी: उसने कहा कि वह खुश नहीं है। मैंने पाया कि उस स्कूल के नियम बहुत सख्त थे, और उसकी उम्र की बच्ची के लिए पाठ्यक्रम बहुत कठिन था: मैं उसे अपने साथ घर ले आई। मेरा इरादा एक बार फिर उसकी गवर्नेंस बनने का था, लेकिन मुझे जल्द ही यह अव्यावहारिक लगा; मेरा समय और देखभाल अब किसी और को चाहिए थी—मेरे पति को उन सबकी जरूरत थी। इसलिए मैंने एक ऐसे स्कूल की तलाश की जहाँ अधिक उदार प्रणाली हो, और जो इतना पास हो कि मैं उससे अक्सर मिलने जा सकूँ और कभी-कभी उसे घर ला सकूँ। मैंने इस बात का ध्यान रखा कि उसे कभी किसी चीज की कमी न हो जिससे उसे आराम मिल सके: वह जल्द ही अपने नए घर में घुलमिल गई, वहाँ बहुत खुश रही और अपनी पढ़ाई में अच्छी प्रगति की।

जेन आयर 429 ईयू ई अध्ययन। जैसे-जैसे वह बड़ी हुई, उसकी अच्छी अंग्रेज़ी शिक्षा ने उसकी फ्रांसीसी भाषा की कमियों को काफी हद तक दूर कर दिया; और जब उसने स्कूल छोड़ा, तो मुझे उसमें एक सुखद और मददगार साथी मिली: आज्ञाकारी, अच्छे स्वभाव वाली और सुसिद्धि वाली। मेरे और मेरे परिवार के प्रति उसकी कृतज्ञतापूर्ण देखभाल से, उसने मेरे द्वारा उसे दी गई हर छोटी-सी दया का भरपूर प्रतिफल दिया है। मेरी कहानी यहीं समाप्त होती है: वैवाहिक जीवन के अपने अनुभव के बारे में एक शब्द, और उन लोगों के भाग्य पर एक संक्षिप्त नज़र जिनके नाम इस वृत्तांत में बार-बार आए हैं, और बस। अब मेरी शादी को दस साल हो गए हैं। मैं जानती हूँ कि धरती पर जिसे मैं सबसे ज़्यादा प्यार करती हूँ, उसके लिए और उसके साथ पूरी तरह से जीना क्या होता है। मैं खुद को अत्यंत भाग्यशाली मानती हूँ—इतना भाग्यशाली जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता; क्योंकि मैं अपने पति का जीवन हूँ, ठीक वैसे ही जैसे वह मेरा है। कोई भी स्त्री अपने जीवनसाथी के इतनी करीब नहीं रही जितनी मैं हूँ: कोई भी स्त्री उसकी अस्थियों और मांस में इतनी पूर्ण रूप से समाई हुई नहीं है। मुझे अपने एडवर्ड की संगति से कभी ऊब नहीं होती: उसे भी मेरी संगति से कभी ऊब नहीं होती, ठीक वैसे ही जैसे हम दोनों अपने-अपने सीने में धड़कते दिल की धड़कन से नहीं ऊबते; इसलिए हम हमेशा साथ रहते हैं। साथ रहना हमारे लिए एकांत में जितनी आज़ादी देता है, उतनी ही खुशी देता है जितनी संगति में। मुझे लगता है, हम सारा दिन बातें करते हैं: एक-दूसरे से बात करना एक अधिक जीवंत और सुनाई देने वाला विचार मात्र है। मेरा सारा भरोसा उस पर है, उसका सारा भरोसा मुझ पर; हम

स्वभाव से बिल्कुल मेल खाते हैं—इसका परिणाम पूर्ण सामंजस्य है। श्री रोचेस्टर हमारे मिलन के पहले दो वर्षों तक अंधे रहे: शायद यही वह परिस्थिति थी जिसने हमें इतना करीब ला दिया—जिसने हमें इतना करीब बांध दिया: क्योंकि मैं तब उनकी दृष्टि थी, जैसे मैं आज भी उनका दाहिना हाथ हूँ। सचमुच, मैं (जैसा कि वह अक्सर मुझे कहते थे) उनकी आँखों का तारा थी। उन्होंने प्रकृति को देखा—उन्होंने मेरे माध्यम से किताबों को देखा; और मैं कभी भी उसकी ओर से निहारने से नहीं थकी, और खेत, पेड़, शहर, नदी, बादल, सूर्य की किरण—हमारे सामने के परिदृश्य का, हमारे चारों ओर के मौसम का—शब्दों में वर्णन करने से नहीं थकी, और ध्वनि द्वारा उसके कानों तक वह छाप छोड़ने से नहीं थकी जो प्रकाश अब उसकी आँखों पर नहीं अंकित कर सकता था। मैं कभी भी उसे पढ़कर सुनाने से नहीं थकी; मैं कभी भी उसे वहाँ ले जाने से नहीं थकी जहाँ वह जाना चाहता था; उसके लिए वह सब करने से नहीं थकी जो वह चाहता था। और मेरी सेवाओं में एक आनंद था, अत्यंत पूर्ण, अत्यंत उत्कृष्ट, भले ही दुखद हो—क्योंकि उसने बिना किसी पीड़ादायक शर्म या अपमान के इन सेवाओं का दावा किया। वह मुझसे इतना सच्चा प्रेम करता था कि मेरी सेवा से लाभ उठाने में उसे कोई संकोच नहीं था: वह महसूस करता था कि मैं उससे इतना स्नेह से प्रेम करती हूँ कि मेरी सेवा करना मेरी सबसे प्यारी इच्छाओं को पूरा करने के समान था। दो साल के अंत में एक सुबह, जब मैं लिख रही थी...

430 जेन आयर एसएस ईई ईई ——— उनके निर्देशानुसार पत्र लिखने के बाद, वह मेरे पास आए और झुककर बोले— 'जेन, क्या तुम्हारे गले में कोई चमकीला आभूषण है?' मेरे पास सोने की घड़ी की चेन थी: मैंने उत्तर दिया 'हाँ।' 'और क्या तुमने हल्के नीले रंग की पोशाक पहनी है?' हाँ। उन्होंने मुझे बताया कि कुछ समय से उन्हें लग रहा था कि उनकी एक आँख पर छाया धुंधलापन कम हो रहा है; और अब उन्हें इसका पूरा यकीन हो गया है। वह और मैं लंदन गए। उन्होंने एक प्रख्यात नेत्र विशेषज्ञ से सलाह ली; और अंततः उनकी उस एक आँख की रोशनी वापस आ गई। अब उन्हें बहुत स्पष्ट दिखाई नहीं देता: वह ज्यादा पढ़-लिख नहीं सकते; लेकिन वह बिना किसी की मदद के अपना रास्ता खोज सकते हैं: आकाश अब उनके लिए खाली नहीं है—धरती अब उनके लिए शून्य नहीं है। जब उनके पहले बच्चे को उनकी गोद में रखा गया, तो उन्होंने देखा कि लड़के को उनकी अपनी आँखें विरासत में मिली हैं, जैसी वे कभी थीं—बड़ी, चमकदार और काली। उस अवसर पर, उन्होंने एक बार फिर पूरे मन

से स्वीकार किया कि ईश्वर ने न्याय में दया का भाव भी मिलाया है। इसलिए, मेरे एडवर्ड और मैं खुश हैं: और इसलिए भी अधिक खुश हैं क्योंकि जिन्हें हम सबसे अधिक प्यार करते हैं वे भी खुश हैं। डायना और मैरी रिवर्स दोनों विवाहित हैं: बारी-बारी से, हर साल एक बार, वे हमसे मिलने आती हैं और हम उनसे मिलने जाते हैं। डायना के पति नौसेना में कप्तान हैं, एक वीर अधिकारी और एक अच्छे इंसान हैं। मैरी के पति एक पादरी हैं, उनके भाई के कॉलेज के मित्र हैं, और अपनी उपलब्धियों और सिद्धांतों के कारण इस रिश्ते के योग्य हैं। कैप्टन फिट्ज़जेम्स और श्री व्हार्टन दोनों अपनी पत्नियों से प्यार करते हैं, और उनकी पत्नियाँ भी उनसे प्यार करती हैं। जहाँ तक सेंट जॉन रिवर्स की बात है, उन्होंने इंग्लैंड छोड़ दिया: वे भारत चले गए। उन्होंने अपने लिए निर्धारित मार्ग पर चलना शुरू किया; वे आज भी उस पर चल रहे हैं। चट्टानों और खतरों के बीच उनसे अधिक दृढ़, अथक अग्रणी कभी नहीं रहा। दृढ़, वफादार और समर्पित, ऊर्जा, उत्साह और सत्य से परिपूर्ण, वे अपनी जाति के लिए परिश्रम करते हैं; वे उनके उत्थान के कठिन मार्ग को सुगम बनाते हैं; वह धर्म और जाति के पूर्वाग्रहों को, जो इसे बोझिल बनाते हैं, एक विशालकाय की तरह काट डालता है। वह कठोर, सख्त और महत्वाकांक्षी हो सकता है; लेकिन उसकी कठोरता उस योद्धा ग्रेटहार्ट जैसी है, जो अपोलियन के आक्रमण से अपने तीर्थयात्री काफिले की रक्षा करता है। उसकी सख्ती उस प्रेरित जैसी है, जो केवल मसीह के लिए बोलता है, जब वह कहता है—'जो कोई मेरे पीछे आना चाहता है, वह अपने आप को त्याग दे, अपना क्रूस उठाए और मेरा अनुसरण करे।' उसकी महत्वाकांक्षा उस महान आत्मा जैसी है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी से उद्धार पाए हुए लोगों में प्रथम स्थान प्राप्त करना है —जो परमेश्वर के सिंहासन के सामने निर्दोष खड़े हैं, जो मेमने की अंतिम महान विजयों में भागीदार हैं, जो बुलाए गए हैं, चुने गए हैं और वफादार हैं।

जेन आयर 431 संत जॉन अविवाहित हैं: वे अब कभी विवाह नहीं करेंगे। अब तक उन्होंने स्वयं ही परिश्रम किया है, और परिश्रम का अंत निकट है: उनका गौरवशाली सूर्य अस्त होने की ओर अग्रसर है। उनसे प्राप्त अंतिम पत्र ने मेरी आँखों से मानवीय आँसू बहाए, फिर भी मेरे हृदय को दिव्य आनंद से भर दिया: उन्होंने अपने निश्चित पुरस्कार, अपने अविनाशी मुकुट की पूर्वसूचना दी। मैं जानती हूँ कि अगला पत्र किसी अजनबी के हाथ से आएगा, जिसमें लिखा होगा कि उस भले और वफादार सेवक को अंततः उसके प्रभु के आनंद में बुला लिया गया है। और इसके लिए क्यों रोना? मृत्यु

का भय संत जॉन के अंतिम क्षणों को अंधकारमय नहीं करेगा: उनका मन निर्मल होगा, उनका हृदय निडर होगा, उनकी आशा दृढ़ होगी, उनका विश्वास अटल होगा। उनके अपने शब्द इसकी गवाही देते हैं— 'मेरे स्वामी ने मुझे पूर्वसूचना दी है,' वे कहते हैं। प्रतिदिन वे और अधिक स्पष्ट रूप से घोषणा करते हैं,—'निश्चित रूप से मैं शीघ्र आ रहा हूँ!' और हर घंटे मैं और भी उत्सुकता से उत्तर देता हूँ, "आमीन; प्रभु यीशु, ऐसा ही हो!"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल **30.79%** है।

~ = - ए ए और हा - % पिम ए ई। wt. . f oad ~ यानी q i 5 — हम : — ede 4 f., eae = 4 7 — ~~ ae = hy crgra ~~ लिम। ईई बी एग पेग, हाय कॉस ओई पे बी "एसजी सेटी आआले आई एनएल आई> —— पीएन ईई टाई : अर या ना ओटा ए) आई ओएल = = ~ एज़ *।

